शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्

64वीं
एम्स वार्षिक रिपोर्ट
2019—2020

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली 110029

64वीं एम्स वार्षिक रिपोर्ट
2019–2020

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली–110029

64वीं एम्स वार्षिक रिपोर्ट
2019–2020

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली–110029

संयुक्त रूप से संपादितः

डॉ. संदीप अग्रवाला, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. नसरीन अख्तर, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग

डॉ. दालिम बैद्य, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग

डॉ. नीतू भारी, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

डॉ. अंजन दुहा, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. राकेश गर्ग, अर्बुद संवेदनाहरण विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर सं.रो.कैं.अ.

डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, शरीररचना विज्ञान विभाग

डॉ. सिद्धार्थ जैन, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र

डॉ. राजीव कुमार, सह–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) एवं मूत्ररोग विज्ञान विभाग

डॉ. राकेश लोढ़ा, बाल चिकित्सा विभाग

डॉ. आर. लक्ष्मी, हृद जैवरसायन विभाग

डॉ. संजीव लालवानी, कुल सचिव एवं न्याय चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र

डॉ. कल्पना लूथरा, जैवरसायन विभाग

डॉ. पूर्वा माथुर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र

डॉ. रश्मि रामाचन्द्रन संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग

डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण विभाग

डॉ. सिद्धार्थ सरकार, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग

डॉ. अल्पना शर्मा, जैवरसायन विभाग

डॉ. दीप्ति विभा, तंत्रिका विज्ञान विभाग, तंत्रिका विज्ञान केंद्र

सुश्री नीतू प्रिया, पुस्तकालयाध्यक्ष

हिंदी अनुवाद संस्थान के हिंदी अनुभाग द्वारा श्री पी.एस. तोमर, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी के पर्यवेक्षण में किया गया।

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थाओं के लिए एक उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा के प्रदर्शन हेतु स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएँ हैं। संस्थान द्वारा स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा एवं परा चिकित्सा पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रियाँ प्रदान की जाती हैं। लगभग 100 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किए जाते हैं। एक वर्ष में अपने अनुसंधानकर्ताओं द्वारा रुपए सौ करोड़ से अधिक का बाहरी अनुदान प्राप्त करने के साथ–साथ एम्स चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है।

विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों द्वारा परा–नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार के रोगों का व्यावहारिक उपचार किया जाता है। एम्स द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में एक 50–बिस्तरों वाला अस्पताल एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र भी चलाया जाता है तथा सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र के माध्यम से लगभग 8 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

एम्स–एक नज़र में
2019–2020

स्थापना वर्ष 1956

शिक्षण विभाग एवं केन्द्र	42+7	चिकित्सा स्नातक	3275
संकाय सदस्य (स्वीकृत 1095)	759	स्नातकोत्तर	10915
गैर–संकाय स्टाफ (स्वीकृत 12,318)	10189	नर्सिंग/परा–चिकित्सा स्नातक	3454
स्नातक–पूर्व विद्यार्थी	940	पत्रिका/सार में प्रकाशन	2764
स्नातकोत्तर विद्यार्थी	1966	पुस्तकों में अध्याय/पुस्तक	340

अस्पताल सेवाएं

अस्पताल/केन्द्र	बाह्य रोगी (आपातकालीन सहित)	दाखिले	शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन/प्रक्रियाएँ)	बिस्तर		
				सामान्य	प्राइवेट	कुल
मुख्य अस्पताल	20,43,602	1,20,110	93,661	997	165	1,162
डॉ. रा.प्र. केन्द्र	5,71,170	48,283	50,510	288	22	310
डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.	1,78,700	45,725	11,660	167	15	182
हृद वक्ष केन्द्र	2,08,183	10,939	3,625	226	33	464
तंत्रिका विज्ञान केन्द्र	1,48,566	9,188	3,137	174	31	
एन.डी.डी.टी.सी.*	3,02,416	3,356	–	50	–	50
सी.सी.एम. †	4,36,383	12,115	2,394	50	–	50
जे.पी.एन.ए.टी.सी.	1,18,786	7,532	7,458	256	22	248
सी.डी.ई.आर.**	2,36,873	1,948	22,835	17	–	17
एन.सी.आई., झज्जर	35,556	8,948	4,907	279	–	–
आऊटरीच बाह्यरोगी, बाढ़सा, झज्जर	1,35,255	–	1,520	–	–	–
कुल	**44,14,490**	**2,68,144**	**2,01,707**	**2,487**	**288**	**2,483**

* त्रिलोकपुरी, सुन्दर नगरी तथा कोटला मुबारकपुर सहित † पी.एच.सी. दयालपुर सहित

** 30 ट्राइएज बिस्तर सहित

अस्पताल कार्य–निष्पादन सूचकांक

मानक	मुख्य अस्पताल		हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र		जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	
	2019–20	**2018–19**	**2019–20**	**2018–19**	**2019-20**	**2018-19**
ठहरने की औसतन अवधि (दिन)	9.9	9.5	10.5	10.2	10	10
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	85.9	86.8	83.8	84.9	84	80
शुद्ध मृत्यु दर (%)	1.7	1.7	2.6	2.9	5	6
संयुक्त अपरिष्कृत संक्रमण दर (%)	5.6%	5.8%	–	–	–	–

सी.सी.एम.: सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र

सी.डी.ई.आर.: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.: डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

डॉ. रा.प्र. केन्द्रः डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
जे.पी.एन.ए.टी.सी.: जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
एन.सी.आई.: राष्ट्रीय कैंसर संस्थान
एन.डी.डी.टी.सी.: राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

विषय सूची

1. निदेशक की समीक्षा 1
2. संस्थान और इसकी समितियां 9
3. शैक्षिक अनुभाग 15
4. परीक्षा अनुभाग 34
5. सामान्य प्रशासन 40
6. अस्पताल 43
6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग
6.2 आहारविज्ञान
6.3 अस्पताल बिलिंग अनुभाग
6.4 नर्सिंग सेवाएं
6.5 कल्याण एकक
6.6 चिकित्सा समाज कल्याण एकक
7. नर्सिंग महाविद्यालय 87
8. अनुसंधान अनुभाग 109

विभाग

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार 131
9.2 शरीररचना विज्ञान 158
9.3 जैव रसायन विज्ञान 176
9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 194
9.5 जैव भौतिकी 198
9.6 जैव सांख्यिकी 207
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 220
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 228
9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान 256
9.10 आपात चिकित्सा 263
9.11 अंतः स्राविकी एवं चयापचय 277
9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान 289
9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक (एच.एन.यू.) 295
9.14 जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण 307
9.15 जराचिकित्सा विभाग 313
9.16 रुधिर विज्ञान 318
9.17 अस्पताल प्रशासन 327
9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा 335
9.19 काय चिकित्सा 347
9.20 सूक्ष्म जैव विज्ञान 357
9.21 वृक्क विज्ञान 383
9.22 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद 393
9.23 नाभिकीय चिकित्सा 400
9.24 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 409
9.25 अस्थिरोग 437

9.26 नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान 446
9.27 बाल चिकित्सा विज्ञान 489
9.28 बाल शल्य चिकित्सा 501
9.29 विकृति विज्ञान 512
9.30 भेषजगुण विज्ञान 534
9.31 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास 542
9.32 शरीर क्रिया विज्ञान 551
9.33 प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा 575
9.34 मनोचिकित्सा विज्ञान 580
9.35 पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार 602
9.36 विकिरणनिदान 609
9.37 प्रजनन जैवविज्ञान 622
9.38 रूमेटोलॉजी 634
9.39 शल्य चिकित्सा विभाग 640
9.40 आधान चिकित्सा एवं रक्त कोष 654
9.41 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 659
9.42 मूत्ररोग विज्ञान 667

केंद्र

10.1 हृद्–वक्ष विज्ञान केंद्र 677
10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 722
10.3 डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल 741
10.4 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र 802
10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र 844
10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र 880
10.7 तंत्रिका विज्ञान केन्द्र 898

केंद्रीय सुविधाएं

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय 951
11.2 कैफेटेरिया 956
11.3 केंद्रीय पशु सुविधा 957
11.4 केंद्रीय कार्यशाला 959
11.5 कम्प्यूटर सुविधा 963
11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा 979
11.7 छात्रावास अनुभाग 983
11.8 नीति विषयक समिति 990
11.9 चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार के.एल. विग सेंटर (सीएमईटी–आई) 991
11.10 मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग 998

12. प्रकाशन 1036
13. वित्त प्रभाग 1037

1. निदेशक की समीक्षा

मुझे संस्थान की चौंसठवीं वार्षिक रिपोर्ट तथा वर्ष 2019-2020 के लेखों का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की स्थापना सन् 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा स्वास्थ्य उपचार के सभी क्षेत्रों तथा आयुर्विज्ञान शिक्षा में उत्कृष्टता के पोषण हेतु एक केन्द्र के रूप में कार्य करने के लिए की गई थी। एम्स, नई दिल्ली विश्व स्तर पर भारत के सर्वश्रेष्ठ आयुर्विज्ञान संस्थान के रूप में ख्याति प्राप्त है जो उद्देश्यपूर्ण आयुर्विज्ञान शिक्षा, नवाचारी जैवचिकित्सीय अनुसंधान और संवेदनापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का संगम है। संस्थान की यह उत्कृष्टता यहां कार्यरत हजारों संकाय-सदस्यों, नर्सिंग कार्मिकों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरी कार्मिकों, तकनीशियनों, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य परिचरों और सबसे ऊपर छात्रों के रूप में युवा प्रतिभाओं का परिणाम है। मुझे इस अद्वितीय संस्थान का नेतृत्व करने, सेवा करने और इस रिपोर्ट में कुछ असाधारण कार्यों पर प्रकाश डालते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है।

एकीकृत आधारभूत संरचना : एक एम्स

बदलती दुनिया में योग्य बने रहने के लिए, संस्थानों को हमेशा अद्यतन रहना आवश्यक होता है। एम्स, नई दिल्ली ने एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय और अत्याधुनिक स्वास्थ्य उपचार सुविधा के रूप में उभरने के लिए अपनी पुनर्विकास योजना पर काम शुरू किया है। 10,345 करोड़ रुपये की योजना के द्वारा अस्पताल की वर्तमान क्षमता जो 2,084 बेड की है, दोगुनी होकर लगभग 5,000 बेड की हो जाएगी। एकीकृत 'एक परिसर' छात्रों और शोधार्थियों की शैक्षिक और अनुसंधान संबंधी आवश्यकताओं तथा रोगियों की सभी जांच, चिकित्सा, ऑपरेशन, पुनर्वास और व्यावसायिक संबंधी जरूरतों की पूर्ति करेगा।

एम्स, नई दिल्ली के बाह्य रोगी विभाग (ओ.पी.डी.) को वर्तमान बाह्य रोगी सेवाओं में होने वाली भीड़भाड़ को कम करने के लिए मस्जिद मोठ में नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है। नया (93,000 वर्ग मीटर का) विशाल आठ मंजिला ओपीडी भवन प्रतिदिन 10,000 से अधिक रोगियों की क्षमता वाला है। यह ओपीडी इमारत लिफ्टें, रैंप, समर्पित पंजीकरण काउंटर, क्यूबिकल और शौचालय सुविधाओं के साथ दिव्यांगों के अनुकूल है। प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग ने नए ओपीडी ब्लॉक में एक एकीकृत स्वचालित रोबोटिक प्रयोगशाला - 'स्मार्ट लैब' विकसित की है। यह प्रयोगशाला अत्याधुनिक स्वचालित विश्लेषकों से सुसज्जित है, जो पूर्व-विश्लेषणात्मक प्रणाली के साथ एकीकृत है, ताकि मानव हस्तक्षेप न्यूनतम हो, तथा जांच के बाद नमूनों के व्यवस्थित भंडारण और पुनर्प्राप्ति की भी सुविधा है। कोर प्रयोगशाला की सुविधा स्वचालित है और इसमें हर दिन 2 लाख से भी अधिक जांच की जा सकती है।

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी) में अधिक रोगियों के उपचार के लिए एक नया आपातकालीन खंड बनाया गया है। इस नए खंड में एक ऑपरेशन थियेटर और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक सेमिनार हॉल है।

पुल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार विभाग में एक इंटरवेंशनल ब्रोंकोस्कोपी और पुल्मोनोलॉजी प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यह उन्नत ब्रोंकोस्कोपिक सैंपलिंग तकनीक, पुल्मोनोलॉजी में थेराप्यूटिक और चिकित्सीय थोरेस्कोस्कॉपी से सुसज्जित है।

सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से आधिकारिक मान्यता प्राप्त की।

शिक्षा

अद्वितीय संगठनात्मक संस्कृति, गहन शैक्षिक प्रशिक्षण और विश्वस्तरीय अनुसंधान की दिशा में कार्य करने पर हमेशा जोर देने के कारण एम्स, नई दिल्ली एक प्रमुख शिक्षण संस्थान बना है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ 2019) में आयुर्विज्ञान की श्रेणी में लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

भविष्य में आने वाली चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार रहने के लिए, हम मानव पीड़ा के निवारण और स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध नेतृत्वकर्ताओं के एक विविधतापूर्ण समूह का निर्माण करके भविष्य के लिए रचनात्मक रूप से नींव डाल रहे हैं। एम्स के 7 केंद्रों में विभिन्न शिक्षण विभागों, सुविधाओं, 42 अलग-अलग विभागों और 700 से अधिक संकाय सदस्यों सहित 10,000 से अधिक स्टाफ सदस्यों के साथ एम्स, नई दिल्ली में बड़ी संख्या में नर्सों और पैरामेडिकल पेशेवरों सहित आयुर्विज्ञान स्नातक, विशेषज्ञ (एमडी / एमएस), अति विशिष्टता विशेषज्ञ (डीएम/एमसीएच), पीएचडी शोधार्थी, संबद्ध विज्ञान और आधारभूत विज्ञान के विशेषज्ञ तथा नर्से एवं पराचिकित्सा पेशेवर तैयार किए जाते हैं। विगत वर्ष के दौरान, हमने विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 748 शोधार्थियों को पंजीकृत किया। संस्थान ने 467 अल्पकालिक प्रशिक्षुओं को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण भी प्रदान किया। एम्स, नई दिल्ली ने अन्य एम्स के लिए एक परामर्शदाता की भूमिका निभानी जारी रखी।

एम्स, नई दिल्ली स्वास्थ्य उपचार के क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सकों और आयुर्विज्ञान के अग्रणी लोगों को चिकित्सा की वास्तविक दुनिया की व्यवस्था, आयुर्विज्ञान और स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने में नई पद्धतियों से परिचय कराता है। संस्थान ने हजारों चिकित्सकों और स्वास्थ्य प्रदाताओं को क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा प्रदान की, ताकि कौशल, ज्ञान और प्रदर्शन में सुधार में सहायता मिल सके। हमने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से 180 से अधिक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन/मेजबानी की। एम्स, नई दिल्ली में आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी (सीएमईटी) केंद्र द्वारा विभिन्न स्टाफ सदस्यों के लिए 53 इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

उत्कृष्टता के लिए सहयोगी संस्कृतियों से समन्वय की आवश्यकता होती है। एम्स, नई दिल्ली के अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और मिशिगन विश्वविद्यालय; यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन; ऑस्ट्रेलिया के डीकिन विश्वविद्यालय, मोनाश विश्वविद्यालय और जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ; कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी; इरास्मस विश्वविद्यालय, नीदरलैंड; आईआईटी-खड़गपुर और आईआईटी-दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन हैं।

एम्स, नई दिल्ली भविष्य की तैयारी के लिए शैक्षिक बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश कर रहा है। बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय धीरे-धीरे मुख्य ई-संसाधनों (80%) वाली सुविधा के रूप में विकसित हुआ है, जो परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगहों पर स्कॉलर साहित्यों तक 24x7 पहुंच प्रदान करता है। इस साल, लाइब्रेरी ने एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध की सुविधा शुरू की है। कैडवेरिक सर्जिकल स्किल सेंटर हर साल 500 से अधिक डॉक्टरों को प्रशिक्षित कर रहा है। सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग में एक पूर्ण सुसज्जित अत्याधुनिक स्नातक-पूर्व प्रायोगिक हॉल आरंभ हो गया है। शरीररचना विभाग ने सहयोगी विकी प्रारूप में स्नातकोत्तर सेमिनार आयोजित करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, यहां एक डिजिटल हिस्टोलॉजी प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है।

पाठ्यक्रमों के बहुमूल्य कोष में नए पाठ्यक्रमों को भी जोड़ा गया। जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण विभाग द्वारा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंडोस्कोपी, अग्नाशय के रोग, यकृत के रोग और जलन वाले आंत्र रोगों के क्षेत्र में एक उन्नत फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किया गया है।

अनुसंधान एवं नवाचार

अनुसंधान एम्स, नई दिल्ली के तीन मिशनों का एक अभिन्न अंग है। संस्थान के प्राथमिक शासनादेशों में से एक शासनादेश उच्च गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और विज्ञान के बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। एम्स, नई दिल्ली हमेशा आधारभूत, नैदानिक और ट्रांसलेशनल चिकित्सा अनुसंधान का अग्रणी रहा है और वर्ष 2019 के लिए वेब ऑफ साइंस ग्रुप (क्लेरिवेट एनालिटिक्स) के तहत चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान के लिए इंडिया रिसर्च एक्सीलेंस-साइटेशन पत्र पुरस्कार का विजेता भी रहा।

एम्स, नई दिल्ली में अनुसंधान अनुभाग अनुसंधान के लिए मुख्य स्रोत के रूप में कार्य करता है। वर्ष 2019-20 में इस अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों से बाह्य-वित्त पोषित 885 अनुसंधान और आंतरिक अनुदानों पर 160 अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गईं, जो 1600 करोड़ रुपये की है तथा विभिन्न अनुसंधान पदों पर लगभग 1700 परियोजना कर्मचारी कार्यरत हैं। फंडिंग एजेंसियों में आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, आईएनएसए, सीएसआईआर, डीआरडीओ, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, वेलकम ट्रस्ट, आदि शामिल हैं। सहयोगी अनुसंधान के लिए एम्स, नई दिल्ली ने अनुसंधान निधि भी प्राप्त की है तथा प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान और अबुर्दविज्ञान विभागों में दो इन्फोसिस चेयर के साथ एम्स एंडोमेंट फंड भी बनाया है।

भारत और स्वीडन ने एम्स, नई दिल्ली में एक हेल्थकेयर इनोवेशन सेंटर शुरू करने के लिए एक उद्देश्य ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह घोषणा स्वीडन के राजा कार्ल सोलहवें गुस्ताफ, केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, और उनके स्वीडिश समकक्ष श्री इब्राहिम बेलान, और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री हर्ष वर्धन और उनके स्वीडिश समकक्ष श्री माजा फेज़ैस्ताद की उपस्थिति में भारत-स्वीडन व्यापार शिखर सम्मेलन में की गई थी। केंद्र मधुमेह और कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के उपचार में प्रारंभिक निदान और डिजिटल इंटरवेंशन के लिए डिजिटल, स्केलेबल, और सस्ती स्वास्थ्य उपचार सेवाओं को मुख्यधारा में लाएगा।

एम्स, नई दिल्ली में ट्विन अनुसंधान सुविधाओं के संचालन के माध्यम से बुनियादी ढाँचा और क्षमता निर्माण के कार्यों को प्रोत्साहित किया गया जैसे केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) और नैदानिक अनुसंधान इकाई (सीआरयू)। सीसीआरएफ को एम्स, नई दिल्ली में उच्च-स्तरीय अनुसंधान सुविधाओं तक पहुंच को सक्षम बनाने और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। यह सुविधा बीएसएल-2/3, जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स, बायोएनालिटिक्स, बायोइंफोर्मेटिक्स, माइक्रोस्कोपिक इमेजिंग, फ्लो साइटोमेट्री और सामान्य सुविधा के उन्नत क्षेत्रों में समकालीन प्रौद्योगिकियों और प्रयोगशालाओं का एक एकीकृत केंद्र है। नैदानिक अनुसंधान इकाई (सीआरयू) की स्थापना वैश्विक सर्वोत्तम पद्धतियों के अनुपालन में अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए अनुसंधान के विकास, अनुप्रयोग और कार्यान्वयन में सहायता करने के लिए की गई है। संस्थान ने एक नवाचार सुविधा प्रभाग और एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर) भी शुरू किया है।

रोग को बेहतर ढंग से समझने, इसके उपचार और रोकथाम के प्रयासों को हमारे असाधारण बायोमेडिकल अनुसंधान कार्य द्वारा सहयोग एवं बढ़ावा दिया जाता है। वर्ष 2019-2020 में, एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान समुदाय ने नवाचारों तथा प्रकाशनों में अपने नेतृत्व के माध्यम से स्कॉलरशिप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय-सदस्य एवं वैज्ञानिक 800 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हुए और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 2200 से अधिक शोध पत्र और 300 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकें तथा पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए।

कुछ अनुसंधानों के उदाहरण जो राष्ट्र के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं, उनमें अन्य अनुसंधानों के अतिरिक्त औषध प्रतिरोधी मिरगी से पीड़ित बच्चों हेतु आहार चिकित्सा पर कार्य, तपेदिक के उपचार में नैदानिक चुनौतियों का समाधान करने

के प्रयास, न्यूरोसाइकैट्रिक विकारों के बोझ का अनुमान तथा नवीन शल्यक तकनीक सम्मिलित हैं। औषध प्रतिरोधी मिरगी (जर्नल ऑफ दी अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित) से पीड़ित बच्चों के आहार परीक्षण में पाया गया कि किटोजेनिक आहार, संशोधित एटकिन्स आहार के साथ-साथ अल्प शर्करा-रक्तता इंडेक्स थेरेपी आहार ले रहे बच्चों में दौरे काफी कम हो गए; हालांकि, शर्करा-रक्तता आहार के कुछ दुष्प्रभाव थे; उस अवधि में परिवारों को केटोजेनिक आहार का पालन करने में कठिनाई महसूस हुई। एम्स, नई दिल्ली और ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) वाली एक बहु-संस्थागत टीम ने तीन सस्ती किट विकसित की हैं जो स्मीयर माइक्रोस्कोपी की सुग्राहिता में सुधार करती है, जैव-सुरक्षित कंटेनरों का उपयोग किए बिना परिवेश के तापमान पर लार के नमूनों के परिवहन करने को आसान करती हैं और दवा प्रतिरोधी टीबी के निदान हेतु डीएनए निकालती हैं। आघात, मनोभ्रंश एवं संज्ञानात्मक दुष्क्रिया रोग के लिए जिम्मेदार कारकों की जांच करने के लिए एम्स, नई दिल्ली और इरास्मस विश्वविद्यालय, रॉटरडैम के नेतृत्व में स्थापित 'इंडो-डच कोहोर्ट स्टडी' से पता चला है कि 70% बुजुर्ग उच्च रक्तचाप से, 40% मधुमेह से, 30% उच्च कोलेस्ट्रॉल से तथा 22% चिंता एवं तनाव विकार से पीड़ित होते हैं। एम्स, नई दिल्ली और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा भारत के राज्य-स्तरीय रोग बोझ अनुमानों के विश्लेषण दर्शाते हैं कि सात भारतीयों में से एक भारतीय अवसाद, चिंता विकार, सिज़ोफ्रेनिया तथा बाईपोलर विकारों सहित भिन्न-भिन्न गंभीरता वाले मानसिक विकारों से पीड़ित होता है। शल्यक अर्बुद विज्ञान विभाग ने हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय को हटाने की एक प्रक्रिया) करने के लिए एक नई तकनीक विकसित की है जो जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के अतिरिक्त पेल्विस तंत्रिकाओं को नुकसान से तथा मूत्रवाहिका व मूत्राशय को क्षति से बचाती है एवं रक्त की हानि को कम करती है।

सेवा

एम्स, नई दिल्ली अस्पताल, बड़ी संख्या में रोगियों को सस्ती उपचार सेवाएं प्रदान करते हुए उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में सक्षम रहा है। एम्स, नई दिल्ली मुख्य अस्पताल और इसके केन्द्रों - हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (सीएन सेंटर), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी), डॉ. बी आर अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (बीआरएआईआरसीएच), डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (आरपीसीओएस), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर), राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) – की कुल बेड संख्या 2792 है। वर्ष 2019-2020 के दौरान, एम्स, नई दिल्ली ने लगभग 44.14 लाख बाह्य रोगी एवं 2.68 लाख भर्ती रोगियों का उपचार किया तथा इष्टतम रोगी उपचार सेवा मापदंडों के अनुसार 2.01 लाख से अधिक ऑपरेशन किए जिसमें बिस्तर अधिभोग दर लगभग 85% रही, अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि औसतन 9.5 दिन रही; और लगभग 2% निम्न सकल मृत्यु दर रही। एम्स, नई दिल्ली भारत के भीतर और बाहर, विशेष रूप से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में निरंतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में अग्रसर रहा है।

प्रयोगशाला चिकित्सा की केंद्रीय संग्रह सुविधा ने अधिक कुशल स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने एवं रोगियों की सुविधा हेतु अपने रक्त संग्रह करने की समय सीमा को बढ़ा दिया है। आयुष्मान भारत बीमा योजना के अंतर्गत पैकेज द्वारा कवर नहीं होने वाले महंगे उपचार की आवश्यकता वाले निर्धन रोगी (गरीबी रेखा से नीचे) अब राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) योजना और स्वास्थ्य मंत्री की कैंसर रोगी निधि के अंतर्गत एम्स, नई दिल्ली एवं केंद्र सरकार के विभिन्न अस्पतालों में 15 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

एम्स, नई दिल्ली ने एम्स, नई दिल्ली के आसपास 5 किमी की परिधि में एक पायलट परियोजना - मिशन दिल्ली (दिल्ली इमरजेंसी लाइफ हार्ट-अटैक इनिशिएटिव) आरंभ की है जिसमें लोग दिल के दौरे या सीने में दर्द होने पर मोटरसाइकिल वाली आपात चिकित्सा सहायता इकाई को टोल फ्री नंबर पर कॉल कर सकते हैं। परियोजना को एम्स, नई दिल्ली के हृद् विज्ञान विभाग एवं आपात चिकित्सा विभाग से संस्थागत सहायता तथा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से निधि प्राप्त है। परियोजना के अंतर्गत, मोटरसाइकिल-सवार प्रशिक्षित पराचिकित्सक एवं नर्सिंग अधिकारी की एक जोड़ी हृदयाघात के रोगियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करेंगे। वे एम्स, नई दिल्ली के हृदय रोग विशेषज्ञों के साथ डिजिटल रूप से

संपर्क स्थापित करेंगे और चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार प्रदान करेंगे। जिस समय आपातकालीन उपचार प्रदान किया जा रहा होता है तो एक सीएटीएस एम्बुलेंस आएगी और आवश्यकतानुसार आगे के उपचार के लिए रोगी को ले जाएगी। जब रोगी को अस्पताल ले जाया जा रहा होता है तो एम्स, नई दिल्ली के नियंत्रण केंद्र में चौबीसों घंटे तैनात योग्य चिकित्सक, प्रथम उपचार टीम से प्राप्त आंकड़ों का मूल्यांकन करेंगे और रोगी के अस्पताल पहुंचते ही उपचार की अगली प्रक्रिया को तय कर लिया जाएगा।

एम्स, नई दिल्ली और आईसीएमआर वर्चुअल (शरीर में चीरा लगाए/विच्छेदित किए बिना) पोस्टमॉर्टम पर कार्य कर रहे हैं। इस परियोजना से मृत शरीर के गरिमापूर्ण प्रबंधन में मदद मिलेगी। एम्स, नई दिल्ली अन्य केंद्रों को इस तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

मनोचिकित्सा विभाग एवं राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) ने चिकित्सीय रूप से बीमार रोगियों में व्यसन के विकारों के लिए सेवाओं में सुधार हेतु 'कंसलटेशन लाइजन एडिक्शन साइकैट्री' सेवाएँ आरंभ की हैं। इसके अतिरिक्त, एनडीडीटीसी ने अपनी तरह की एक अनोखी पहल करते हुए पूर्वी दिल्ली के अंतःशहरी इलाकों में ओपियोइड की लत वाले व्यक्तियों को उपचार प्रदान करने के लिए मोबाइल मेथाडोन वैन शुरू की है।

एम्स, नई दिल्ली ने गिरने के जोखिम का आकलन करने और अधिक जोखिम वाले बुजुर्ग व्यक्तियों को निवारक इंटरवेन्शन प्रदान करने के लिए एक समर्पित सुविधा आरंभ की है। एसएटीएचआई (साथी) नाम की सुविधा (सेव दी हिप इनिशिएटिव) 65 वर्ष से अधिक आयु के उन लोगों की जांच करेगी जो अस्थिरोग और जराचिकित्सा बाह्य रोगी विभागों में आते हैं। अस्थिरोग विभाग ने एक उन्नत गैट प्रयोगशाला और 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला भी स्थापित की है।

भारी धातु/अन्य तत्व विषाक्तता का पता लगाने और रक्त में माइक्रोन्यूट्रिएंट खनिजों के आकलन हेतु शरीर रचना विभाग में एक नैदानिक इकोटॉक्सीकोलॉजी (नैदानिक एवं अनुसंधान) सुविधा स्थापित की गई है।

एम्स, नई दिल्ली ने पिछले वर्ष 2,234 कॉर्निया को पुनः प्राप्त किया जो पिछले 50 वर्षों में सबसे अधिक था। संस्थान ने 65% उपयोग दर के साथ कम से कम 1,426 कॉर्निया ऊतकों का प्रत्यारोपण भी किया जो राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है।

जन-स्वास्थ्य

स्वास्थ्य उपचार सेवाओं में सुधार हेतु बनाई गई जन-नीतियों के विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा प्रायः एम्स, नई दिल्ली के संकाय-सदस्यों से परामर्श लिया जाता है। एनडीडीटीसी द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट 'मैग्नीट्यूड ऑफ सब्सटेंस यूज़ इन इंडिया' के आधार पर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2018-2023 के लिए औषध मांग में कमी हेतु एक राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की है। इस योजना के अंतर्गत 127 अतिसंवेदनशील जिलों में आउटरीच और ड्रॉप-इन सेंटर (ओडीआईसी) स्थापित किए जाएंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और एम्स, नई दिल्ली ने मानसिक स्वास्थ्य पर एक विद्यालय कल्याण कार्यक्रम, एमएटीई (माइंड एक्टिवेशन थ्रू एजुकेशन) परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। परियोजना का उद्देश्य निजी एवं सरकारी दोनों विद्यालयों के 2,000 छात्रों तक पहुँचना है। यह उन्हें स्वयं के साथ संबंध, यौन शिक्षा, तनाव का सामना करने, स्वयं एवं अन्य के लिए सम्मान, संदिग्ध पदार्थ एवं इंटरनेट का इस्तेमाल, तथा मन एवं शरीर के बीच संतुलन जैसे मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाएगा।

तिहाड़ जेल परिसर की 16 जेलों में कैद 16,000 से अधिक कैदियों में मानसिक और व्यवहार संबंधी विकारों पर नजर रखने के लिए, दिल्ली जेल प्रशासन ने मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से कैदियों को परामर्श प्रदान करने के लिए एक परियोजना आरंभ की है। 'समर्थन परियोजना' के अंतर्गत लगभग 7000 कैदियों का मूल्यांकन किया गया और उन्हें परामर्श प्रदान किया गया और इसके कारण दिल्ली की जेलों में आत्महत्या की और हिंसा के विभिन्न प्रकारों की दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं मंद दृष्टि सर्वेक्षण (2019) को 24 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र के सामुदायिक नेत्रविज्ञान प्रभाग द्वारा संचालित किया गया। इस सर्वेक्षण में लगभग 1.11 लाख लोगों का सर्वेक्षण करते हुए यह ज्ञात हुआ कि देश में दृष्टिहीनता के प्रसार में कम से कम 30% तक की कमी आई है। सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ कि भारत में मोतियाबिंद दृष्टिहीनता का प्रमुख कारण है।

एम्स, नई दिल्ली ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से मुख स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता हेतु 'ई-दंत सेवा' नामक एक वेबसाइट एवं मोबाइल एप्लिकेशन को प्रारंभ किया है। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म द्वारा दंत आपात एवं मुख संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में समय पर सलाह हेतु सूचना, शिक्षा एवं सम्प्रेषण (आई.ई.सी.) सामग्री प्रदान की जाती है। साथ ही इसमें राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा दंत सुविधाओं एवं महाविद्यालयों (जी.पी.आर.एस. रूट तथा सुगम पहुँच के लिए सुविधा की सेटेलाइट इमेज के साथ) की सूची के विषय में जानकारी शामिल है। इसके अतिरिक्त, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र ने देशभर के केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षकों को मुख संबंधी स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण देना प्रारंभ कर दिया है, ताकि वे विद्यार्थियों को दंत संबंधी स्वच्छता एवं स्वास्थ्यकर भोजन के महत्त्व के विषय में संवेदनशील बना सकें।

स्वच्छ एम्स

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और श्री जे.पी. नड्डा, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री द्वारा एम्स, नई दिल्ली में फर्श पर पोंछा लगाया गया एवं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को मनाने के लिए "सेवा सप्ताह" प्रारंभ करने हेतु सफाई कर्मचारियों से मुलाक़ात की। इस संदर्भ में, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर, एम्स, नई दिल्ली ने प्लास्टिक के एकल-उपयोग के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता अभियान का संचालन किया। इसके अतिरिक्त, अस्पताल द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट को विसंक्रमित करने एवं रिसाइक्लिंग को सक्षम बनाने हेतु जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट में से प्लास्टिक को पृथक करना प्रारंभ किया गया।

एम्स, नई दिल्ली ने लगातार तीसरे वर्ष केंद्र सरकार की सभी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस पुरस्कार के अंतर्गत स्वच्छता के उच्चतम मानक बनाए रखने वाले अस्पतालों को सम्मानित किया जाता है तथा यह पुरस्कार भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।

कोविड प्रतिक्रिया

भयावह स्वास्थ्य संकट के समय में, एम्स, नई दिल्ली ने लोगों की पीड़ा को कम करने के और स्वास्थ्य में सुधार हेतु कार्य एवं सेवा, खोज, स्कॉलरशिप तथा नेतृत्व द्वारा सभी का हित साधने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। एम्स, नई दिल्ली ने एस.ए.आर.एस- सी.ओ.वी.-2 की प्रकृति को समझने एवं नियंत्रण व उपचार रणनीतियों के विकास संबंधी प्रयासों को शुरू करते हुए कोविड-19 से संक्रमित लोगों को गुणात्मक उपचार प्रदान करने के लिए कार्य आरंभ किया।

संक्रामक रोग के प्रकोप से निपटने में व्यापक अनुभव रखने वाले एम्स, नई दिल्ली के संकाय-सदस्यों ने व्यापक जांच क्षमताओं, स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं के लिए अधिक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण एवं अस्पताल की वृहद् क्षमता हेतु

आवश्यकताओं की पहचान की। एम्स, नई दिल्ली ने कोविड-19 के लिए उपचार संबंधी प्रोटोकॉल के विकास हेतु टास्क फोर्स का भी गठन किया तथा महामारी के कारण उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए कई समितियों का गठन किया। संस्थान ने स्क्रीनिंग, रेपिड जांच एवं रोकथाम द्वारा नियंत्रण संबंधी प्रयासों के मार्गदर्शन में सहायता करने के लिए अन्य संस्थानों के साथ भी भागीदार की। एम्स, नई दिल्ली ने जनता के लिए कई भाषाओं में कोविड-19 सूचनात्मक संसाधनों का विकास किया।

बहुत कम समयावधि में, एम्स, नई दिल्ली के संकाय-सदस्यों ने जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा केंद्र एवं राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एन.सी.आई.), झज्जर, जिनमें 1000 से अधिक बिस्तर (100 से अधिक गहन देखभाल/उच्च निर्भरता इकाई बिस्तर) हैं, को कोविड-19 अस्पतालों में बदलते हुए भारत में कोविड नैदानिक प्रतिक्रिया का नेतृत्व करने, स्टाफ-सदस्य तथा डिज़ाइनिंग में सहायता प्रदान की। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने पूरे भारत में उपचार में एकरूपता एवं गुणवत्ता नियंत्रण को सुनिश्चित करने के लिए देशभर के स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्त्ताओं एवं संस्थानों द्वारा अनुसरण किए जाने वाले उपचार प्रोटोकॉल पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एम्स, नई दिल्ली में 24X7 कार्य करने वाले कॉल सेंटर की स्थापना भी की।

एम्स, नई दिल्ली के शैक्षिक कार्यक्रमों को तेजी से तैयार किया गया ताकि पूरे समाज के स्वास्थ्य की रक्षा करते समय संभव परिस्थितियों के तहत सर्वोत्तम अधिगम अनुभवों को प्रदान किया जा सके। संकाय-सदस्य, विद्यार्थी एवं स्टाफ-सदस्यगण नए शिक्षा-विज्ञान संबंधी उपागमों का प्रयोग करते हुए दूरस्थ अधिगम एवं ऑफ-साइट काम करने के लिए तत्काल क्रियाशील हो गए।

एम्स, नई दिल्ली के चिकित्सकों के कोरोना वायरस के खिलाफ जंग के मार्मिक संदेश वाले एक पोस्टर "मैं तुम्हारे लिए काम पर बाहर हूँ ... तुम हमारे लिए घर पर रहो" को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से न केवल प्रशंसा मिली बल्कि एक ट्वीट में, श्री मोदी जी ने इस संदेश ("बखूबी कहा, डॉक्टर!") के लिए डॉक्टर की सराहना भी की और साथ ही कोरोना वायरस के खिलाफ जंग के दौरान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कई चिकित्सकों की सराहना की।

अतीत की झलक और नई पहचान

राजकुमारी अमृत कौर, एक स्वतंत्रता-सेनानी, महात्मा गांधी की सचिव एवं भारत की प्रथम महिला कैबिनेट मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री थीं जिनके कुशल प्रबंधन ने एम्स, नई दिल्ली के निर्माण में अहम भूमिका निभाई और उनका नाम टाइम पत्रिका की उन 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में था जिन्होने बीती शताब्दी को नई परिभाषा दी। राजकुमारी अमृत कौर ने बहुत से महिला-केंद्रित सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर कार्य किया था जैसे कि पर्दा-प्रथा, बाल विवाह तथा देवदासी प्रथा। वे भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में भी रही थीं।

स्वीडन की महामहिम, रानी सिल्विया ने दिनांक 03 दिसम्बर 2019 को जराचिकित्सा विभाग की स्मृति एवं मनोभ्रंश सेवा का दौरा किया ताकि वे मनोभ्रंश उपचार में अपनी रूचि होने के कारण भारत में प्रदान किए जाने वाले उपचार से अपने-आप को परिचित करा सकें।

संस्थान में विश्व स्वास्थ्य संगठन कई सहयोगी केंद्र (डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी.) अर्थात् सामुदायिक-आधारित गैर-संचारी रोग (एन.सी.डी) रोकथाम एवं नियंत्रण (सामुदायिक चिकित्सा केंद्र) में अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी., सब्सटेन्स एब्यूज (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र) पर डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी., दृष्टिहीनता की रोकथाम (डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र) हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी., मुख संबंधी स्वास्थ्य प्रोत्साहन (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र) के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी., नवजात उपचार में नवजात प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी., नैदानिक एवं प्रयोगशाला अनुवांशिकी (बाल चिकित्सा विभाग) में प्रशिक्षण पर डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी. तथा क्षयरोग (काय- चिकित्सा विभाग) में प्रशिक्षण

तथा अनुसंधान हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. सी.सी. स्थापित हैं। संस्थान द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के कई 'उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र' (केयर) अर्थात वर्चुअल ऑटोप्सी (न्याय चिकित्सा विभाग) में केयर, अग्नाशय संबंधी रोग में केयर तथा आंत संबंधी रोग (जठरान्त्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग) में केयर, न्यूरोमोड्यूलेशन (मनोविकार चिकित्सा विभाग) में केयर, वृक्क विज्ञान में केयर, पुल्मोनोलॉजी में केयर तथा चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑडर में केयर (बाल चिकित्सा विभाग) में सहायता भी प्रदान की जाती है।

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र को एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र (एन.सी.ई.ए.आर.ए) तथा एच.आई.वी. सर्विलेंस हेतु राष्ट्रीय संस्थान के लिए नामित किया गया था। दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय मुख संबंधी स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया।

एम्स, नई दिल्ली ने गुणवत्तापूर्ण लागत प्रभावी सस्ती सेवा प्रदान करने तथा नवाचार जैवचिकित्सीय अनुसंधान के माध्यम से भारतीय जनता को बेहतर स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने के सरकार के प्रयास में सहायता प्रदान करने हेतु मिले अपने शासनादेश को पूरा करने का विशुद्ध प्रयास किया है। जैसे ही हम प्रत्येक उस वर्ष में प्रवेश करते हैं जो हमारे संकल्प को परखेगा, मैं शांत आश्वासन के साथ ऐसा कहता हूँ कि एम्स, नई दिल्ली समुदाय भारत के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहेगा। इस महान संस्थान की सेवा करना और कार्यशील लोगों के साथ काम करना एक दुर्लभ सौभाग्य रहा है। मैं एम्स, नई दिल्ली के उस प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपना विनम्र आभार व्यक्त करता हूँ जिसकी वचनबद्धता ने इस संस्थान को एक अद्वितीय संस्थान बना दिया है।

रणदीप गुलेरिया
निदेशक

2. संस्थान और इसकी समितियां

संस्थान निकाय

1.	*डॉ. हर्ष वर्धन* स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	अध्यक्ष (3 जुलाई, 2019 से)
	श्री जगत प्रकाश नड्डा	अध्यक्ष (2 जुलाई, 2019 तक)
2.	*श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)* म. नं. 179, सनपत हाउस, तुगलकाबाद गांव, नई दिल्ली 110044	सदस्य
3.	*श्री मनोज कुमार तिवारी, सांसद (लोकसभा)* 24 मदर टेरसा क्रिसेंट मार्ग, नई दिल्ली 110001	सदस्य (23 अगस्त, 2019 से)
	श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)	सदस्य (22 अगस्त, 2019 तक)
4.	*प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)* 8–ए, लोधी स्टेट, नई दिल्ली 110003	सदस्य
5.	*श्री अमित खरे* सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (16 दिसम्बर, 2019 से)
	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (15 दिसम्बर, 2019 तक)
6.	*डॉ. एम. के. भान* पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य (26 जनवरी, 2020 तक)
7.	*श्रीमती प्रीति सूदन* सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य
8.	*प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी* कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन)

2_______.indd 9 22-Jan-21 9:07:54 PM

9.	*डॉ. राजीव गर्ग* महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (पदेन) (दिनांक 1 जनवरी, 2020 से)
	डॉ. एस. वेंकटेश महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (पदेन) (दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक)
10.	*डॉ. डी. एस. राणा* अध्यक्ष, प्रबंधन बोर्ड, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली	सदस्य
11.	*डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना* पूर्व महासचिव, भारतीय विज्ञान कॉग्रेस एसोसिएशन, (आई.एस.सी.ए.), कोलकाता, पश्चिम बंगाल, समन्वयक, जैव सूचना विज्ञान डीबीटी (भारत सरकार) का मूलसंरचना सुविधा केंद्र, अध्यक्ष, प्राणिविज्ञान विभाग, दयानंद कन्या पी.जी कॉलेज, कानपुर, उत्तर प्रदेश 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उत्तर प्रदेश	सदस्य
12.	*डॉ. महेश बी. पटेल* एफ–001, शिलालेख टॉवर, पुलिस स्टेडियम के सामने, शाही बाग, अहमदाबाद 380004, गुजरात	सदस्य
13.	*डॉ. डी. जी. म्हैसकर* कुलपति, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय डिंडोरी रोड, महासरूल, नासिक 422004, महाराष्ट्र	सदस्य
14.	*डॉ. एन. गोपालकृष्णन* आचार्य (वृक्क विज्ञान), मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई 600003, तमिलनाडु	सदस्य
15.	*डॉ. डी. एस. गंगवार* अपर सचिव और वित्त सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य
16.	*प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया* निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य–सचिव

17.	*श्री सुभाष पंत* संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110001	विशेष आमंत्रित
18.	*प्रोफेसर वी.के. बहल* संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित
19.	*डॉ. डी. के. शर्मा,* चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित

शासी निकाय

1.	*डॉ. हर्ष वर्धन*	अध्यक्ष (3 जुलाई, 2019 से)
	श्री जगत प्रकाश नड्डा	अध्यक्ष (2 जुलाई, 2019 तक)
2.	*प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)* सदस्य	
3.	*श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)* सदस्य	
4.	*श्रीमती प्रीति सूदन*	सदस्य
5.	*श्री अमित खरे*	सदस्य (16 दिसम्बर, 2019 से)
	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (15 दिसम्बर, 2019 तक)
6.	*डॉ. डी. एस. राणा*	सदस्य
7.	*डॉ. राजीव गर्ग*	सदस्य (पदेन) (दिनांक 1 जनवरी, 2020 से)
	डॉ. एस. वेंकटेश	सदस्य (पदेन) (दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक)
8.	*डॉ. महेश बी. पटेल*	सदस्य
9.	*डॉ. डी. जी. म्हैसकर*	सदस्य
10.	*डॉ. डी.एस. गंगवार*	सदस्य
11.	*प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया* निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य–सचिव
12.	*प्रोफेसर वी.के. बहल* संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित

13. *डॉ. डी. के. शर्मा,* विशेष आमंत्रित
चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वित्त समिति

1.	*श्रीमती प्रीति सूदन*	अध्यक्ष
2.	*श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोक सभा)*	सदस्य (22 अगस्त, 2019 तक)
3.	*डॉ. राजीव गर्ग*	सदस्य (पदेन) (दिनांक 1 जनवरी, 2020 से)
	डॉ. एस. वेंकटेश	सदस्य (पदेन) (दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक)
4.	*श्री अमित खरे*	सदस्य (16 दिसम्बर, 2019 से)
	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (15 दिसम्बर, 2019 तक)
5.	*डॉ. एम. के. भान*	सदस्य (26 जनवरी, 2020 तक)
6.	*डॉ. डी. जी. म्हैसकर*	सदस्य
7.	*डॉ. डी. एस. गंगवार*	सदस्य
8.	*प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया* निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य–सचिव

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	*डॉ. महेश बी. पटेल*	अध्यक्ष
2.	*डॉ. राजीव गर्ग*	सदस्य (पदेन) (दिनांक 1 जनवरी, 2020 से)
	डॉ. एस. वेंकटेश	सदस्य (पदेन) (दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक)
3.	*डॉ. एम. के. भान*	सदस्य (26 जनवरी, 2020 तक)
4.	*श्री अमित खरे* *श्री आर. सुब्रह्मण्यम*	सदस्य (16 दिसम्बर, 2019 से) सदस्य (15 दिसम्बर, 2019 तक)

5.	*डॉ. डी. जी. म्हैसकर*	सदस्य
6.	*डॉ. डी. एस. राणा*	सदस्य
7.	*डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना*	सदस्य
8.	*प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया* निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य–सचिव

स्थायी संपदा समिति

1.	*प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)*	अध्यक्ष
2.	*श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)*	सदस्य (22 अगस्त, 2019 तक)
3.	*डॉ. डी. एस. राणा*	सदस्य
4.	*डॉ. राजीव गर्ग*	सदस्य (पदेन) (दिनांक 1 जनवरी, 2020 से)
	डॉ. एस. वेंकटेश	सदस्य (पदेन) (दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक)
5.	*प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी*	सदस्य (पदेन)
6.	*डॉ. डी. एस. गंगवार*	सदस्य
7.	*डॉ. एन. गोपालकृष्णन*	सदस्य
8.	*प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया* निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य–सचिव

स्थायी अस्पताल कार्य समिति

1.	*श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)*	अध्यक्ष (22 अगस्त, 2019 तक)
2.	*श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)*	सदस्य
3.	*डॉ. डी. एस. राणा*	सदस्य
4.	*डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना*	सदस्य

5.	*डॉ. एम. के. भान*	सदस्य (26 जनवरी, 2020 तक)
6.	*डॉ. डी. जी. म्हैसकर*	सदस्य
7.	*डॉ. एन. गोपालकृष्णन*	सदस्य
8.	*प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया* निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य–सचिव

स्थायी चयन समिति

1.	*डॉ. डी. एस. राणा*	अध्यक्ष
2.	*डॉ. राजीव गर्ग*	सदस्य (पदेन) (दिनांक 1 जनवरी, 2020 से)
	डॉ. एस. वेंकटेश	सदस्य (पदेन) (दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक)
3.	*डॉ. डी. जी. म्हैसकर*	सदस्य
4.	*डॉ. एम. के. भान*	सदस्य (26 जनवरी, 2020 तक)
5.	*डॉ. महेश बी. पटेल*	सदस्य
6.	*श्री अमित खरे*	सदस्य (16 दिसम्बर, 2019 से)
	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (15 दिसम्बर, 2019 तक)
7.	*डॉ. एन. गोपालकृष्णन*	सदस्य
8.	*प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया* निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य–सचिव

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष
वी.के. बहल

सह–संकायाध्यक्ष
राजीव कुमार

कुल–सचिव
संजीव लालवानी

शैक्षिक अनुभाग द्वारा नीतियां एवं योजनाएं बनाई जाती हैं तथा शैक्षिक गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इन गतिविधियों के अंतर्गत चिकित्सा, नर्सिंग तथा पराचिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रम आते हैं। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा परा–चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता हैं।

स्नातक-पूर्व शिक्षा

अनुभाग द्वारा नए छात्रों के प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताएं पूरी की जाती हैं, पाठ्यक्रमों का विकास एवं संशोधन किया जाता है तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले स्नातक–पूर्व छात्रों का आंतरिक मूल्यांकन करने के साथ ही शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एम.बी.बी.एस., बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी, नेत्रविज्ञान तकनीक, ऑपरेशन थिएटर प्रौद्योगिकी, बी.एससी. दंत स्वच्छता, बी.एससी. दंत ऑपरेटिंग कक्ष सहायक (डीओआरए), बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) एवं बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं।

चिकित्सा स्नातक एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

जुलाई 2004 में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा तथा पुनर्रचना की गई। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम साढ़े पांच वर्ष का है तथा इस अवधि में 3 चरण और इंटर्नशिप होती है। विवरण निम्नानुसार हैं:

चरण	*अवधि (वर्षों में)*	*प्रशिक्षण*
प्रथम	एक वर्ष	पूर्व–नैदानिक
द्वितीय	डेढ़ वर्ष	परा–नैदानिक
तृतीय	दो वर्ष	नैदानिक
इंटर्नशिप	एक वर्ष	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रूप से रोटेशन

वर्तमान में प्रतिवर्ष 100 (50 सामान्य श्रेणी, 15 अनुसूचित जाति, 8 अनुसूचित जनजाति एवं 27 अन्य पिछड़े वर्ग) भारतीय छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। इस प्रवेश का आधार अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अर्हता है। दिव्यांग (पी डब्ल्यू डी) व्यक्तियों को 5% क्षैतिज आधार पर आरक्षण दिया जाता है। इन 100 सीटों के लिए, 3,89,923 आवेदन प्राप्त हुए एवं दिनांक 25 एवं 26 मई, 2019 को आयोजित प्रवेश परीक्षा में 3,38,457 अभ्यर्थी शामिल हुए। 31 मार्च 2020 को एमबीबीएस के 73 इंटर्न सहित 467 विद्यार्थी पंजीकृत थे। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की अनुशंसा पर 7 विदेशी नागरिकों को प्रवेश देने का प्रावधान है जिसके तहत 7 विदेशी नागरिक प्रवेश हेतु अनुशंसित किए गए।

व्यावसायिक परीक्षाओं के प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम चरण में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले नौ योग्य एम.बी.बी.एस. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

वर्ष 2019 में, शैक्षिक अनुभाग द्वारा इस शैक्षिक समिति के अनुमोदन से स्नातक पूर्व पाठ्यक्रम के भाग के रुप में दक्षता प्रशिक्षण आरंभ किया गया। संकाय ने स्नातकपूर्व एमबीबीएस छात्रों के लिए अनिवार्य समझे जाने वाली दक्षताओं हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल्स की पहचान की

3_ssss.indd 15 22-Jan-21 9:12:35 PM

एवं उन्हें विकसित किया। इन मॉड्यूल्स का विकास एसईटी सुविधा (विवरण निम्नलिखित है) के साथ किया गया एवं स्नातक–पूर्व शिक्षण में संबंधित विभिन्न विभागों द्वारा इन्हें प्रदान किया गया है।

दक्षता प्रशिक्षण हेतु दबाव के अनुक्रम में शैक्षिक अनुभाग ने दक्षता में प्रशिक्षण एवं दक्षता संरक्षता कार्यक्रम को विकसित करने को सीखने के लिए प्रायोजकता जर्मनी एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) के तहत कोलोजन विश्वविद्यालय, जर्मनी की कोलोजन इंटर–प्रोफेशनल स्किल्स लैब में जाने के लिए 3 संकाय–सदस्यों सहित 15 एमबीबीएस स्नातक पूर्व छात्रों को भेजने का प्रबंध किया।

पांच एमबीबीएस छात्रों को यूसीएल ग्लोबल हेल्थकेयर इंजीनियरिंग सिंपोजिएम जुलाई 2019 में भाग लेने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ इंजीनियरिंग में विश्वविद्यालय कॉलेज, लंदन जाने के लिए प्रायोजित किया गया। तीन संकाय –सदस्य भी इनके साथ थे।

इसके अतिरिक्त आईआईटी–दिल्ली, आईजीआईबी–दिल्ली एवं टीएचएसटीआई–फरीदाबाद में ग्रीष्मकालीन कार्यशालाएं आयोजित की गई जिसमें स्नातकपूर्व छात्रों ने अनुसंधान हितों को विकसित करने एवं आगामी विकास के लिए प्रोटोटाइप यंत्रों को बनाने में समय लगाया।

परा-चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2019–20 में, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 77 छात्रों (39 सामान्य श्रेणी, 11 अनुसूचित जाति, 6 अनुसूचित जनजाति एवं 21 अन्य पिछड़े वर्ग, 2 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम में 34 छात्रों (20 सामान्य श्रेणी, 6 अनुसूचित जाति, 2 अनुसूचित जनजाति, 6 अन्य पिछड़े वर्ग तथा 1 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। विभिन्न बी. एससी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र निम्नानुसार थे :

पाठ्यक्रम	*कुल*	*सामान्य*	*अनुसूचित जाति*	*अनुसूचित जनजाति*	*अन्य पिछड़े वर्ग*	*विदेशी*
नेत्र विज्ञान तकनीक	19	10	3	1	5	1
रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	10	5	2	0	2	1
ऑपरेशन थिएटर प्रौद्योगिकी	5	3	1	0	1	0
दंत स्वच्छता	3	1	0	1	1	0
दंत ऑपरेटिंग कक्ष सहायक	8	5	1	0	2	0

दिनांक 31 मार्च 2020 के अनुसार इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की संख्या निम्नलिखित है:

पाठ्यक्रम	*छात्रों की संख्या*
नर्सिंग	
बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक)	51
बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग	284
परा – चिकित्सा	
बी.एससी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	65
बी.एससी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	29
बी.एससी. शल्यक्रिया कक्ष प्रौद्योगिकी	25
बी.एससी. दंत स्वच्छता	5
बी.एससी. दंत शल्यक्रिया कक्ष सहायक(डीओआरए)	14

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में फेलोशिप, पीएच.डी., डी.एम., एम.सीएच, एम.डी., एम.एस., एम.डी.एस., एम.सीएच./ डी.एम.(सीधा 6 वर्षीय पाठ्यक्रम) एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) तथा एम.एस.सी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन भी किया जाता है।

भारतीय नागरिकों तथा प्रायोजित उम्मीदवारों को सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा दिया जाता है। सभी एम.एससी, एम.एससी नर्सिंग तथा एम. बायोटेकनोलॉजी पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में एक बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है तथा अन्य सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में दो बार परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रायोजित श्रेणी के अंतर्गत, विदेशी नागरिकों को भी उसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2019–20 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में 748 छात्रों को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च 2020 तक पंजीकृत स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1966 थी।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश-

पाठ्यक्रम का नाम	*जुलाई २०१९*	*जनवरी २०२०*	*कुल*
एम.एससी./एम. बायोटेक/एम.एससी. नर्सिंग (अगस्त)*	94	–	94
एमडी/एमएस/एमडीएस/एमसीएच./डी.एम. (सीधे 6 वर्ष)	173	188	361
डीएम/एमसीएच	74	102	176
पी–एच.डी	45	45	90

पाठ्यक्रम का नाम	जुलाई २०१९	जनवरी २०२०	कुल
फेलोशिप	12	15	27
कुल	398	350	748

*दाखिले वर्ष में एक बार किए जाते हैं।

पंजीकृत स्नातकोत्तर छात्र

पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत छात्रों की संख्या
पी–एच.डी.	268
डीएम	379
एम.सीएच	183
फेलोशिप कार्यक्रम	45
एमडी	739
एमएस	105
एमडीएस	65
एम.एससी / एम. बायोटेक / एम.एससी. नर्सिंग	182
कुल	१९६६

पंजीकृत पी-एच.डी. छात्रों का विषय-वार वितरण :-

विषय	ओपन	प्रायोजित
अर्बुद–संवेदनाहरण विज्ञान प्रशामक चिकित्सा (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	0	1
संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार	0	1
स्वेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार (जेपीएनएटीसी)	1	0
शरीर रचना विज्ञान	23	0
जैव रसायन	42	0
जैव भौतिकी	22	0
जैव प्रौद्योगिकी	5	0
हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	0	1
त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	3	0
हृद् जैव रसायन	1	0
हृद् वक्ष केंद्र (मूल कोशिका)	2	0
सामुदायिक चिकित्सा	3	0
नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान	1	0
सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	2	0
न्यायचिकित्सा विकृतिविज्ञान एवं आण्विक डीएनए (जेपीएनएटीसी)	1	0
हृद् विज्ञान	1	0
अंतःस्राविकी एवं चयापचय	4	0
न्याय चिकित्सा	1	0
जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	5	0
प्रयोगशाला चिकित्सा	3	0
प्रयोगशाला चिकित्सा (जेपीएनएटीसी)	1	0
प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान	10	0
चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	7	0

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
चिकित्सा भौतिकी (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	1	1
सूक्ष्मजीव विज्ञान	5	1
तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान	0	1
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	1	0
तंत्रिका विज्ञान	17	0
तंत्रिका शल्य चिकित्सा	2	0
नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद	5	1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	1	0
नेत्र जैव रसायन (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	1	0
नेत्र विकृति विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	2	0
नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	1	0
बाल चिकित्सा (आनुवंशिक)	1	0
बाल चिकित्सा	2	0
विकृति विज्ञान	10	0
भेषजगुण विज्ञान	14	0
शरीर क्रिया विज्ञान	22	0
मनोचिकित्सा (व्यसन मनोचिकित्सा)	1	0
मनोचिकित्सा (नैदानिक मनोविज्ञान)	4	0
मनोचिकित्सा	2	0
पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार	4	0
विकिरणनिदान	0	1
विकिरण चिकित्सा	0	1
प्रजनन जीवविज्ञान	11	0
मूल कोशिका	1	0
शल्य चिकित्सा	2	0
शल्य चिकित्सा (जेपीएनएटीसी)	1	1
प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी	5	2
कुल	**254**	**14**

पंजीकृत डी.एम. छात्रों का विषय-वार वितरण :-

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
व्यसन मनोचिकित्सा (एनडीडीटीसी)	12	2
हृद् शल्य चिकित्सा गहन उपचार	4	0
हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	14	1
हृद्रोग विज्ञान	22	4
नैदानिक रुधिररोग विज्ञान	8	3
नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	2
संवेदनाहरण विज्ञान एवं गंभीर उपचार	18	1
अंतःस्राविकी	8	3

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
जठरांत्र रोग विज्ञान	21	4
रुधिर विकृति विज्ञान	8	3
संक्रामक रोग	12	1
चिकित्सा आनुवंशिकी	7	0
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	25	3
नवजात विज्ञान	9	3
वृक्क विज्ञान	8	5
तंत्रिका–संवेदनाहरण विज्ञान और गहन उपचार	18	3
तंत्रिका विज्ञान	35	2
न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान	6	2
अर्बुद संवेदनाहरण, डॉ. बीआरए आईआरसीएच	16	0
बाल हृद्विज्ञान	6	2
बाल वृक्क विज्ञान	3	3
बाल तंत्रिका विज्ञान	9	1
बाल पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार	3	2
बाल अर्बुद विज्ञान	5	2
पल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा विकार	12	3
प्रजनन चिकित्सा	4	3
चिकित्सीय काय–चिकित्सा	4	0
हृद्वाहिका विकिरणविज्ञान एवं इंडोवास्कुलर इंटरवेंशन्स	12	0
कुल	**312**	**58**

पंजीकृत डी.एम. (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) *का विषय-वार वितरण :-*

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
संक्रामक रोग	9	0
कुल	9	0

पंजीकृत एम.सीएच छात्रों का विषय-वार वितरण :-

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
स्तन, अंतःस्रावी और सामान्य शल्य चिकित्सा	8	2
हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	25	2
जठरांत्र शल्यचिकित्सा	12	2
स्त्रीरोग विज्ञानी अर्बुदविज्ञान	5	3
सिर–गला शल्य चिकित्सा और अर्बुदविज्ञान	4	2
न्यूनतम एक्सेस शल्य चिकित्सा और सामान्य शल्य चिकित्सा	10	2
तंत्रिका शल्य चिकित्सा	17	2
बाल शल्य चिकित्सा	5	2
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक शल्य चिकित्सा	15	0
शल्यक अर्बुदविज्ञान	14	2

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
आघात शल्य चिकित्सा और गहन उपचार	15	6
मूत्ररोग विज्ञान	8	2
कुल	**138**	**27**

पंजीकृत एम.सीएच (छः वर्षीय पाठ्यक्रम) का विषय-वार वितरण :-

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
तंत्रिका शल्य चिकित्सा	12	0
बाल शल्य चिकित्सा	6	0
कुल	**18**	**0**

पंजीकृत फेलोशिप छात्रों का विषय-वार वितरण :-

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
बेरिएट्रिक एवं चयापचय शल्य चिकित्सा	2	0
गुर्दा प्रतिरोपण शल्य चिकित्सा	1	0
संवेदनाहरण विज्ञान–पीड़ा चिकित्सा	4	0
मिर्गी शल्यचिकित्सा एवं कार्यात्मक तंत्रिका शल्यचिकित्सा	2	0
मेरूदंड शल्य चिकित्सा	4	0
स्कल बेस एवं सेरेब्रोवस्कुलर सर्जरी (एनएस)	1	0
उन्नत जठरांत्र इंडोस्कॉपी	1	0
मूत्र रोग–अर्बुद विज्ञान	1	0
न्यूनतम इनवेसिव मूत्र रोग विज्ञान (लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक्स)	1	0
जेनिटोयूरिनरी रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (वयस्क)	1	0
जीआई विकिरण विज्ञान	2	0
वक्ष विकिरण विज्ञान	1	0
बाल विकिरण विज्ञान	2	0
न्यूनतम इनवेसिव स्त्रीरोग विज्ञान संबंधी सर्जरी	1	1
मूत्र–स्त्रीरोग विज्ञान	2	1
जठरांत्रविज्ञान–पेंक्रिएटोलॉजी	1	0
जठरांत्रविज्ञान–प्रदाहक आंत्र रोग	1	0
क्लेफ्ट एवं क्रैनियोफेशियल ऑर्थोडोंटिक्स	1	0
तंत्रिका गहन उपचार	1	0
महाधमनी शल्य चिकित्सा	2	0
प्रसूति स्त्रीरोग विज्ञान विभाग में मातृ भ्रूण चिकित्सा (एमएफएम)	1	0
नैदानिक अनुसंधान विधि एवं साक्ष्य आधारित चिकित्सा	3	0
संधि दर्शन	2	0
संधि प्रतिरोपण	2	0
मांसपेशी–अस्थि अर्बुदविज्ञान	2	0
श्रोणि–एसिटेबुलर आधार	1	0
कुल	**43**	**2**

पंजीकृत एम. डी./एम. एस./एम. डी. एस. छात्रों का विषय-वार वितरण :-

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
संवेदनाहरण विज्ञान	57	3
शरीर रचना विज्ञान	15	0
जैव रसायन	15	0
जैव भौतिकी	14	0
सामुदायिक चिकित्सा	22	2
रक्षात्मक दंत चिकित्सा विज्ञान एवं एंडोडोटिक्स	10	1
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	19	3
आपात चिकित्सा	37	3
न्याय चिकित्सा	9	1
जरा चिकित्सा	18	3
अस्पताल प्रशासन	7	3
संक्रामक रोग डीएम (सीधे 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	17	0
प्रयोगशाला चिकित्सा	8	1
काय चिकित्सा	57	3
सूक्ष्म जैव विज्ञान	15	0
तंत्रिका शल्य चिकित्सा–एम.सी.एच. (सीधे 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	11	0
नाभिकीय चिकित्सा	18	3
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	43	3
नेत्र विज्ञान	115	3
ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	12	3
ऑर्थोडोंटिक्स	13	3
अस्थिरोग	19	3
कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी)	18	3
बाल शल्य चिकित्सा–एम.सी.एच. (सीधे 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	5	0
बाल चिकित्सा	34	3
प्रशामक चिकित्सा	12	1
विकृति विज्ञान	28	3
पेडोडोंटिक्स और प्रीवेंटिव डेंटिस्ट्री	13	1
भेषजगुण विज्ञान	13	0
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	9	2
शरीरक्रिया विज्ञान	18	0
प्रोस्थोडोंटिक्स	8	1
मनोचिकित्सा विज्ञान	30	3
विकिरण निदान	26	0
विकिरण चिकित्सा	10	3
शल्य चिकित्सा	59	3
आधान (ट्रांसफ्यूजन) चिकित्सा	9	0
कुल	**843**	**66**

पंजीकृत एम.एससी. छात्रों का विषय-वार वितरण :-

विषय	*ओपन*	*प्रायोजित*
शरीर रचना	10	
जैव रसायन	10	2 (विदेशी नागरिक)
जैव भौतिकी	9	0
भेषजगुण विज्ञान	10	0
शरीर क्रिया विज्ञान	10	0
परफ्यूजन प्रौद्योगिकी	6	0
जैवप्रौद्योगिकी	28	0
नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	20	0
प्रजनन जैवविज्ञान	10	1 (विदेशी नागरिक)
हृद्वाहिका इमेजिंग एवं अंतःवाहिका प्रौद्योगिकी	6	0
कुल	**119**	**3**

पंजीकृत एम.एससी. (नर्सिंग) छात्रों का विषय-वार वितरण :-

विषय	*ओपन*	*सेवाकालीन अभ्यर्थी/ विदेशी नागरिक*
हृद् विज्ञान/सी. टी. वी. एस. नर्सिंग	8	1
तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	8	0
बाल नर्सिंग	9	0
मनोचिकित्सा नर्सिंग	9	0
अर्बुद विज्ञान नर्सिंग	8	0
वृक्क विज्ञान नर्सिंग	8	0
गंभीर उपचार नर्सिंग	8	1
कुल	**58**	**2**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत एवं विदेश के विभिन्न संगठनों के छात्रों और कर्मचारियों को अल्पावधि, दीर्घावधि एवं ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2019–20 के दौरान 518 व्यक्तियों को निम्नानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया :–

क्र.सं.	*प्रशिक्षण*	*प्रशिक्षुओं की संख्या*
1	अल्पावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	426
2	अल्पावधिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक	41
3	दीर्घावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	9
4	ऐच्छिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक (स्नातक पूर्व छात्र)	40
5	वि. स्वा. सं. फेलो : भारतीय नागरिक	2
6	वि. स्वा. सं. फेलो : विदेशी नागरिक	-
7	सम्मेलनों/कार्यशालाओं के आयोजन की अनुमति दी गई	188

समिति की बैठकें

शैक्षिक अनुभाग द्वारा शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय तथा अनुसंधान प्रस्तुतीकरण की बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गई :–

क्र.सं.	*समिति*	*बैठकों की संख्या*
1	शैक्षिक समिति	2
2	स्टाफ काउंसिल	1
3	संकायाध्यक्ष समिति	2
4	संकाय (सामान्य चर्चा)	6
5	व्याख्यान	7
6	अनुसंधान प्रस्तुतीकरण	9

ऑनलाइन शिक्षण एवं छात्र प्रबंधन हेतु सरल पद्धति

शैक्षिक अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मैसर्स बेल्लीस्टिक लर्निंग लिमिटिड के साथ ऑनलाइन शिक्षण एवं छात्र प्रबंधन के लिए एक पद्धति सरल विकसित की गई है। सरल पद्धति के दो घटक हैः लर्निंग प्लेटफार्म–जिसमें संकाय द्वारा शैक्षिक सामग्री को अपलोड किया जाता है एवं इसे छात्रों द्वारा अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम के आधार पर देखा जाता है तथा छात्र जीवन–चक्र प्रबंधन भाग जिसमें छात्रों के सभी पक्षों का शैक्षिक अनुभाग के साथ संपर्क करना संभव बनाया गया है। सरल प्लेटफार्म के निर्माण का उद्देश्य सम्मिलित शिक्षा, शैक्षिक अंतर्वस्तु की ऑनलाइन आपूर्ति की अनुमति देना तथा प्रशासनिक व्यवस्था को सरल एवं कारगर बनाना था।

इस पद्धति को दिनांक 24 अक्टूबर 2019 को प्रो. रणदीप गुलेरिया, निदेशक अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली द्वारा औपचारिक रुप से आरंभ किया गया था।

विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रम के प्रयोक्ता जनवरी 2020 बैच से इस पद्धति में प्रविष्ट हुए थे। मार्च 2020 में आरंभ हुई कोविड–19, महामारी से स्नातक पूर्व छात्रों की शारीरिक रुप से उपस्थित कक्षाएं स्थगित हो गई एवं सरल प्लेटफार्म तथा वेब स्ट्रिमिंग का ऑनलाइन शिक्षा में बृहत रुप से प्रयोग होने लगा।

इस प्लेटफॉर्म का प्रयोग करके संकाय सदस्यगण अपनी नियत शैक्षिक गतिविधि के दौरान अपने व्याख्यान/ विडियों/नोट्स/अंतर्वस्तु को अपलोड कर सकते हैं एवं छात्रों को परिचर्चाओं एवं मूल्यांकन में संबंद्ध रख सकते हैं। दिनांक 31 मार्च 2020 तक कुल 2189 प्रयोक्ता इसमें पंजीकृत हुए थे तथा इस प्लेटफार्म पर 198 पाठ्यक्रमों का निर्माण हुआ।

एसईटी (स्किल्स, ई-लर्निंग एवं टेलीमेडिसिन) सुविधा

आचार्य ए.के. देवरारी, अध्यक्ष, स्किल्स (ड्राई एंड वेट लैब) सुविधा,
आचार्य एम.के. सिंह, अध्यक्ष ई–लर्निंग सुविधा
आचार्य ए. शरीफ, अध्यक्ष, टेलिमेडिसिन सुविधा
आचार्य अम्बुज रॉय, प्रभारी सुविधा समन्वयकर्ता

एसईटी गतिविधियों में संकाय एवं स्टाफ

उद्देश्य:

- स्किल्स सुविधा स्थापित करनाः ड्राई लैब, वेट लैब, प्रेरणा आधारित लर्निंग।
- ऑनलाइन लर्निंग के लिए ई–प्लेटफार्म को स्थापित करना।
- संपूर्ण भारतवर्ष के संस्थानों के मध्य सहयोग करने के लिए टेलीमेडिसिन सुविधा।

स्किल लैब

स्नातकपूर्व छात्र

- स्नातकपूर्व छात्रों के लिए स्किल आधारित लर्निंग जोकि पाठ्यक्रम में संकलित है तथा सभी नौ सेमेस्टर में व्यापक है।
- यह प्रोग्राम सम्मिलित ऑनलाइन एवं प्रायोगिक शिक्षा पद्धति का प्रयोग करके चौथे समेस्टर में आरंभ होता है।
  – स्किल प्रशिक्षण सत्रों की संख्याः 47
  – विभिन्न सत्रों में भाग लेने वलो छात्रों की संख्याः 550
- डिजाइनिंग कल्पनाओं के लिए एम.बी.बी.एस. छात्रों द्वारा विजिट करना
  – संचालित कुल संख्याः 1 – उपस्थित कुल रेजीडेंटः 4

नर्सिंग छात्र

- नर्सिंग महाविद्यालय के छात्रों के लिए स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रमः 7
- भाग लेने वाले छात्रों की संख्याः 320

स्नातकोत्तर छात्र

- *रेजीडेंटों के लिए स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम*
  –संचालित कुल संख्याः 7 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 145
- *उच्च फिडेलिटी मैनकिन हेतु ओरिएंटेशन*
  –कुल संचालित संख्याः 1 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 20
- *अल्ट्रासाउंड पाठ्यक्रम*
  –कुल संचालित संख्याः 3 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 117
- *तीव्र गंभीर उपचार पाठ्यक्रम*
  –कुल संचालित संख्याः 1 –कुल पंजीकृत रजीडेंटः 23
- *स्यूचरिंग कार्यशाला*
  –कुल संचालित संख्याः 1 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 50

तीव्र गंभीर उपचार पाठ्यक्रम

स्यूचरिंग कार्यशाला

एमसीएच/डीएम/अतिविशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

१. *आई ए पी उच्च जीवन सपोर्ट पाठ्यक्रम*
   –कुल संचालित संख्याः 2 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 83

२. *कठिन एयरवे कार्यशाला*
   –कुल संचालित संख्याः 2 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 58

आईएपी उच्च जीवन सपोर्ट पाठ्यक्रम

कठिन एयरवे कार्यशाला

संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण)

- *पूर्व-अवधि शिशु उपचार में सुधार करने हेतु अनुकरण आधारित लर्निंग*
  – कुल संचालित संख्याः 8 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 290
- यूनीकंपार्टमेंटल घुटना प्रतिस्थापन पर कार्यशाला
  –कुल संचालित संख्याः 1 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 27
- *आईसीओपी प्रदर्शन का डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ परामर्श*
  –कुल संचालित संख्याः 1 –कुल पंजीकृत रेजीडेंटः 30
- *अंतरंग संकाय प्रशिक्षण हेतु एसईटी कार्यशाला*
  –कुल संचालित संख्याः 2 –कुल पंजीकृत रजीडेंटः 60

संकाय हेतु अंतर्वस्तु विकास कार्यशाला पूर्व-अवधि शिशु उपचार में सुधार हेतु अनुकरण आधारित प्रशिक्षण

वेट लैब

शव संबंधी प्रशिक्षण कार्यशालाएं (एमसीएच छात्रों/फेलोशिप छात्रों/संकाय के लिए)

कार्यशाला	*कुल संचालित*	*कुल पंजीकृत प्रतिनिधि*
वक्ष–शल्य चिकित्सा	2	73
सिर एवं गला शल्य चिकित्सा	1	23
बहु–अंग पुनःप्राप्ति	2	56
बेरियाट्रिक एवं कोलोरेक्टल शल्यचिकित्सा	3	46
लैप्रोस्कॉपिक प्रशिक्षण	2	36
फेफड़ा प्रतिरोपण	2	40
कोलोरेक्टल कैंसर–न्यूतम इंवेसिव प्रक्रिया	1	70

अन्य प्रशिक्षण सत्र एवं कार्यशाला (गैर–शव संबंधी)

सत्र/कार्यशाला	*कुल संचालित*	*कुल पंजीकृत प्रतिनिधि*
स्यूचरिंग/इंट्रावस्कुलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला	6	216
कठिन एयरवे कार्यशाला, अत्वचीय ट्रैकियोस्टॉमी प्रशिक्षण	1	28
नर्व एवं टेंडन मरम्मत कार्यशाला	2	40
एलर्जी एवं अस्थमा पर इंडो–यू एस संगोष्ठी	1	50
एम डी रेजीडेंट स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम	1	18
एम्स ब्रेस्ट पाठ्यक्रम	1	45
पूर्व अवधि उपचार एवं गुणवत्ता सुधार एप्रोच को सुधारने के लिए प्रेरणा आधारित कार्यक्रम	6	223

सत्र/कार्यशाला	कुल संचालित	कुल पंजीकृत प्रतिनिधि
आईएपी उच्च जीवन सपोर्ट पाठ्यक्रम	1	43
महाधमनी वाल्व की पुनर्रचना पर कार्यशाला	1	26
प्रत्येक मुख इंडोस्कॉपिक मायोटॉमी (पीओईएम पर विद्यामूलक शिक्षा) हेतु पशु मॉडल	1	8
बेरियाट्रिक शल्यचिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	1	15
डीएसडी पर विचार–विमर्श बैठक	1	35

पुनर्जीवन प्रशिक्षण पाण्यक्रम

कार्यशाला	कुल संचालित	कुल पंजीकृत प्रतिभागी
एएचए मान्यता–प्राप्त बीएलएस एवं एसीएलएस प्रदानकर्ता	5	120
एएचए मान्यता बीएलएस एवं एसीएलएस अनुदेशक	1	10
एम्स सीआरटीपी–बीएलएस प्रशिक्षण कायक्रम	43	938
कोड ब्लू प्रशिक्षण	1	21
रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए बीएलएस एवं एसीएलएस	2	16
भौतिक चिकित्सों के लिए आईएनसीपीटीबीसीएलएस कार्यशाला	1	40
ओप्टोमिट्रिस्ट हेतु सीपीआर हेतु कार्यशाला	1	36
आयुष डॉक्टरों के लिए बीएलएस पाठ्यक्रम	1	24

सीआरटीपी कार्यक्रम

संस्थान के बाहर पुनर्जीवन एवं प्रेरण पाठ्यक्रमों में सम्मिलित एसईटी सुविधा संकाय

1. दिनांक 28.09.2019 को दिल्ली के 100 से भी अधिक स्त्रीरोगविज्ञानियों के लिए दिल्ली के एसोसिएशन ऑफ आब्सट्रेट्रिशियन्स एंड ग्यानीकालोजिस्ट के 41वें वार्षिक सम्मेलन के भाग के रूप में एससीटी सुविधा के संकाय द्वारा ड्रिल्स का संचालन किया गया।

–शोल्डर डिस्टोसिया

–बेसिक जीवन सपोर्ट

2. एसईटी सुविधा के संकाय द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों हेतु एमएएमसी में शैक्षिक कार्यक्रम का संचालन किया जिसमें निम्नलिखित ड्रिल्स का संचालन किया गयाः
   - पीपीएच ड्रिल्सः अच्च फिडीलिटी दृश्य–योजना का उपयोग करके, अल्प फिडीलिटी मैनकिन का प्रयोग करना।
   - शोल्डर डिस्टोसिया ड्रिल्स

ई-लर्निंग मॉड्यूल्स

एसईटी सुविधा में सम्मिलित संकाय द्वारा स्किल लर्निंग के लिए लर्निंग मॉड्यूल्स का निर्माण किया गया। ऑनलाइन प्रदर्शित प्रत्येक मॉड्यूल स्किल के संबंध में सीखने के लिए स्किल, ऑडियों–विडियों फाइल एवं बहु–चयन प्रश्नों हेतु मानक ऑपरेटिंग प्रक्रियाओं का सम्मिलिन है।

निर्मित मॉड्यूल्स की संख्याः ३४

स्नातक पूर्व स्किल लर्निंग हेतु स्किल मॉड्यूल्स का वितरणः

चौथा एवं पांचवा सेमेस्टर
हाथ धोना
आईएम इंजेक्शन
पीवी परीक्षण
पेप स्मीयर
आई वी कैनुलेशन
पल्स ऑक्सीमीटर प्रयोग

छठा सेमेस्टर
बैग एवं मास्क
छाती दबाव
–वयस्क
–बाल चिकित्सा
नवजात इंटूबेशन
बेसिक सूटूरिंग
सीयू–टी प्रवेशन
इंडोमेट्रियल चूषण

सातवां सेमेस्टर
एलएमए प्रवेशन
धमनी रक्त नमूनाकरण
इंडोट्रेकियल इंटूबेशन
ग्लूकोमीटर प्रयोग
ग्लूविंग एवं गावनिंग
फ्रैक्चर स्टेबिलाइजेशन

आठवां सेमेस्टर
वयस्क एनजी ट्यूब प्रवेशन
डायग्नोस्टिक एलपी
ऐस्सिटिक टेप
ग्रीवा कालर एप्प्लिकेशन
ट्रू–कट बायोप्सी
सामान्य योनि प्रसूति
एपीसियोटॉमी मरम्मत
नवजात ओजी फीडिंग
नवजात एलपी

इंटर्नशिप
आईसीडी प्रवेशन
मूत्र कैथेटराइजेशन
नीडल थोराकोसेंटिसिस
सीवीसी प्रवेशन
पीआईसीसी प्रवेशन
बीएलएस एवं एसीएलएस

टेलिमेडिसिन सेवाएं

- टेली–साक्ष्यः 21
- टेली–सीएमईः 199
- टेली–क्रॉफ्रेंसः 13
- टेली परामर्शः 64
- सेमिनारः 22
- लाइव प्रसारणः 3

कोविड-१६ महामारी के कारण मार्च २०२० में अतिरिक्त गतिविधियां

- लाइव यूजी एवं पीजी कक्षाएं
- नियमित ऑनलाइन कक्षाएंः 94
- डब्ल्यूईबी आईएनएआर रिकार्डिंगः 12
- अतिथि व्याख्यानः 14
- योगा एवं योगा थेरेपी पर व्याख्यानः दि बायोमेडिकल साइंस एवं रिसर्च एविडेंस
- शल्यचिकित्सा द्वारा एमआईएलएपी कंजरवेशन (मल्टी इंस्टीट्यूशनल लर्निंग एंड प्रैक्टिस प्लेटफार्म) (ट्रॉमा)।

अनुसंधान

जारी परियोजनाएं

1. चिकित्सा प्रशिक्षुओं के मध्य समेकित दक्षता–आधारित लर्निंग कार्यक्रम की प्रभावकता एवं कथित उपयोगिताः एक मिश्रित पद्धति अध्ययन।

2. चिकित्सा छात्रों द्वारा मैनिक्यून में इंटूबेशन हेतु सीधे लैरिंगोस्कॉप के साथ किंग विजन विडियोलैरिंगोस्कॉपी चैनल्ड एवं गैर–चैनल्ड ब्लैड्स की तुलनाः एक यादृच्छिक मैनिक्यून अध्ययन।
3. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतरंग क्षेत्रों में पुनर्जीवन प्रयोगः एक जांच बिंदू आधारित अग्रदर्शी, अवलोकनात्मक आंकड़ा संग्रहण अध्ययन।

पूर्व परियोजनाएं

1. बाल चिकित्सा एवं सर्जरी वार्डों में नर्सिंग छात्रों के ज्ञान तथा स्व–प्रभावकता पर रूढ़ प्रशिक्षण से परे उत्प्रेरण आधारित लर्निंग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण।
2. नर्सों के ज्ञान, दक्षता एवं आत्म–विश्वास के संदर्भ में नवजात पुनर्जीवन पर परम्परागत बनाम उत्प्रेरण शिक्षा पद्धतियों के प्रभाव की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. नर्सिंग छात्रों में मिडवाइफरी दक्षाताओं को प्रापत करने में अल्प फिडिलिटी उत्प्रेरण की भूमिकाः एक मिश्रित पद्धति एप्रोच।

निदेशक, अ.भा.आ.सं. द्वारा एसईटी सुविधा में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में योगदान देने के लिए प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान करना।

क्र.सं.	*संकाय का नाम*	*विभाग*
01	डॉ. रश्मि राम चंद्रन	संवेदनाहरण पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
02	डॉ. थिलका मुथिया	संवेदनाहरण पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
03	डॉ. मनप्रीत कौर	संवेदनाहरण पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
04	डॉ. देवलिना गोस्वामी	संवेदनाहरण पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
05	डॉ. निष्कर्ष गुप्ता	अर्बुद–संवेदनाहरण विज्ञान
06	डॉ. राकेश गर्ग	अर्बुद–संवेदनाहरण विज्ञान
07	डॉ. ज्ञानेंद्र पाल सिंह	तंत्रिका–संवेदनाहरण विज्ञान
08	डॉ. प्रभाजोत सिंह	मूत्ररोग विज्ञान
09	डॉ. प्रबुद्ध गोयल	बाल शल्यचिकित्सा
10	डॉ. अनु सचदेवा	बालचिकित्सा
11	डॉ. के. अपर्णा शर्मा	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
12	डॉ. झूमा शंकर	बालचिकित्सा
13	डॉ. जूही भारती	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
14	डॉ. ज्योति मीणा	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
15	डॉ. विदुषी सिन्हा	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
16	डॉ. रवनीत कौर	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
17	डॉ. हर्षल साल्वे	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
18	डॉ. सुहानी	शल्यचिकित्सा
19	डॉ. मोहित जोशी	शल्यचिकित्सा
20	डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा	नर्सिंग महाविद्यालय
21	डॉ. स्मिता दास	नर्सिंग महाविद्यालय
22	डॉ. अरविंद कुमार	कायचिकित्सा
23	डॉ. रणवीर सिंह जादोन	कायचिकित्सा
24	डॉ. उपेन्द्र राज	कायचिकित्सा
25	डॉ. अक्षय कुमार	आपात चिकित्सा
26	डॉ. ऋषि नैय्यर	मूत्ररोग विज्ञान
27	डॉ. बृषभानु नायक	मूत्ररोग विज्ञान

क्र.सं.	संकाय का नाम	विभाग
28	डॉ. हेमांग के. भट्टाचार्जी	शल्यचिकित्सा
29	डॉ. रजनी शर्मा	बालचिकित्सा
30	डॉ. नरेन्द्र बागडी	बालचिकित्सा

छात्र स्वास्थ्य केंद्र

प्रभारी-आचार्य
प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग

नैदानिक मनोचिकित्सक

डॉ. अनामिका साहू सुश्री कल्पना
सुश्री ऐश्वर्या राज (संविदागत) सुश्री दिव्यानी खुराना (संविदागत)
सुश्री अकांक्षा गुप्ता (संविदागत)

विशिष्टताएं

छात्र स्वास्थ्य केंद्र (एसडब्ल्यूसी) अ.भा.आ.सं., दिल्ली सभी स्नातकपूर्व छात्रों, स्नातकोत्तर छात्रों, अनुसंधान छात्रों एवं पदावधि अनुसंधानकर्ताओं तथा रेजीडेंटों के स्वास्थ्य के प्रति समर्पित है। इस वर्ष इस सेवा को महिला छात्रावास (छात्रावास 19) एवं आघात केंद्र तक विस्तारित कर दिया गया। एसडब्ल्यूसी ने सहभागियों को बेहतर कार्य करने एवं परिस्थिति अनुकूलन बनाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर विभिन्न कार्यशालाओं का संचालन किया। एसडब्ल्यूसी ने छात्रों एवं रेजीडेंटों द्वारा झेली जा रही समस्याओ को समझने एवं उनके समाधान में मदद करने के लिए अ.भा.आ.सं. के विभिन्न विभागों में रेजीडेंटों के साथ फोकस समूह परिचर्चाओं का भी संचालन किया। एसडब्ल्यूसी ने अधिक सुगम्य समकक्ष–संवर्ग विकसित करने के लिए एक वेलनेस वोलंटियर प्रोग्राम भी आरंभ किया।

शिक्षा

- वर्ष के दौरान एसडब्ल्यूसी दल द्वारा नर्सिंग छात्रों (प्रथम वर्ष) के लिए विभिन्न व्याख्यान प्रदान किए।
- स्वास्थ्य कार्यशालाओं के दौरान एसडब्ल्यूसी दल द्वारा पीजी प्रशिक्षुओं के लिए स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न व्याख्यान दिए।
- नर्सिंग स्टाफ के लिए 'चिरकारी एवं सीमान्त रोग वाले रोगियों के साथ संवाद' पर विभिन्न व्याख्यान दिए।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के लिए सीआरईएसटी कार्यशाला, 'अ.भा.आ.सं. के स्नातकपूर्व समुदाय हेतु स्वास्थ्य प्रदान करना', 15 जुलाई 2019, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
- रेजीडेंट स्वास्थ्य कार्यशालाएं, 'मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे एवं परामर्श' (8 अगस्त, 2019; 5 सितम्बर; 24 अक्टूबर 2019; 7 मार्च 2020), अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
- शरीररचना विज्ञान विभाग, फोकस समूह (15 अक्टूबर 2019) जैव रसायन (7 मई 2019; 30 जुलाई 2019, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान (29 अक्टूबर 2019; 19 दिसम्बर 2019) एवं नाक, कान, गला, रोग विज्ञान (19 नवम्बर 2019; 13 दिसम्बर 2019), में मानसिक तनाव पर फोकस समूह, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।

व्याख्यान प्रदत्त

डॉ. अनामिका साहूः ६ सुश्री कल्पना सिंहः ३ सुश्री ऐश्वर्या राजः ७
सुश्री दिव्यानी खुरानाः ६ सुश्री अकांक्षा गुप्ताः ५

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुत किएः १

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 1　　　　*सार: 1*

छात्रों हेतु देखभाल

सेवाएं

प्रत्यक्ष परामर्श

विद्यमान छात्र स्वास्थ्य केंद्रः पुरूष छात्रावास (छात्रावास 7 के पीछे) एवं महिला छात्रावास (छात्रावास 10)।

नया छात्र स्वास्थ्य केंद्रः छात्रावास संख्या 19, मस्जिद मोठ; जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी)।

ई-हेल्पलाइन: **wellness@aiims.edu;wellness@aiims.ac.in**

मो. हेल्पलाइन (24*7): 9999865729, 999965730

केस भारः

- वर्ष के दौरान छात्र स्वास्थ्य केन्द्र में 120 केस पंजीकृत हुए है।
- छात्र स्वास्थ्य केंद्र द्वारा परामर्श एवं फील्ड सपोर्ट प्रदान किया गया (अर्थात् छात्रों को अपने गाइड तक पहुंचने में मदद करना, अनुसंधान बैठकों को समन्वित करना)।

बुकलेट/पोस्टर

- हैलो एम्स (दिव्यानी खुराना, प्रताप शरण)।
- द्रव्य व्यसन एवं व्यवहारात्मक व्यसन का निवारण (ऐश्वर्या राज, सिद्धार्थ सरकार)।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. अनामिका साहू दिनांक 21–23 फरवरी 2020 को चंडीगढ़ में इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के 46वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में बच्चों एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य में कार्य करने के लिए चाइल्ड एंड एडोलसेंट अवार्ड (पूर्व में आशा निगम अवार्ड) हेतु नामित हुई।

4. परीक्षा अनुभाग

संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

सिद्धार्थ दत्ता गुप्ता (29 फरवरी 2020 तक) सुब्रता सिन्हा (1 मार्च 2020 से)

सह-संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

अशोक कुमार जरयाल

सहायक परीक्षा नियंत्रक

एम.के. सिंह

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी (एफ एण्ड सी.ए.ओ.)

पदम सिंह (2 जुलाई 2019 से)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान (2019-2020), परीक्षा अनुभाग द्वारा नीचे दी गई व्यावसायिक एवं प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई।

स्नातकोत्तर एवं स्नातक पूर्व व्यावसायिक परीक्षाएं

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			उपस्थित होने वाले	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1	मई 2019	डी.एम.	55	-	51	4
2	- तदैव -	एम.सी.एच.	22	-	22	-
3	- तदैव -	एम.डी.	94	01	86	7
4	- तदैव -	एम.एस.	20	-	18	2
5	- तदैव -	एम.डी.एस.	06	-	06	-
6	- तदैव -	फेलोशिप कार्यक्रम	13	-	13	-
7	- तदैव -	एम.एस सी. पाठ्यक्रम	45	-	45	-
8	- तदैव -	एम. जैव प्रौद्योगिकी	14	-	14	-
9	- तदैव -	एम.एस सी. (नर्सिंग) चरण-I	27	-	26	1
10	- तदैव -	एम.एस सी. (नर्सिंग) चरण-II	21	-	20	1
11	- तदैव -	द्वितीय एम.बी.बी.एस. (पूरक)	10	03	05	2
12	- तदैव -	अंतिम एम.बी.बी.एस. (पूरक)	07	01	04	2
13	- तदैव -	बी.एस सी. नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) चरण-I	26	01 एन.ई.	22	3
14	- तदैव -	बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) चरण-II	24	-	21	3
15	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण-I	76	-	67	8 1 एन.ई.

16	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण-II	74	-	73	1
17	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) चरण-III	60	-	60	-
18	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) चरण-IV	77	-	76	1 एन.ई.
19	जुलाई 2019	प्रथम व्यावसायिक एम.बी.बी.एस.	113	-	88	10 15एन.ई.
20	- तदैव -	बी.एस सी. ओ.टी. तकनीकी चरण-I	17	-	11	6
21	- तदैव -	दंत स्वास्थ्यविज्ञान में बी.एस सी. चरण-I	02	-	02	6
22	- तदैव -	दंत ऑपरेटिंग कक्ष सहायक में बी.एस सी.	04	-	04	-
23	- तदैव -	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण-I	16	-	11	5
24	- तदैव -	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण-II	15	-	08	7
25	- तदैव -	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण-III	13	-	11	2
26	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीकी चरण-I	12	-	09	03
27	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीकी चरण-II	10	-	08	02
28	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीकी चरण-III	08	-	08	-
29	अगस्त 2019	प्रथम व्यावसायिक एम.बी.बी.एस. (पूरक)	22	08	08	06
30	नवंबर 2019	बी.एस.सी. (आनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीकी चरण-I (पूरक)	08	-	05	03
31	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीकी चरण-II (पूरक)	09	-	08	01
32	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीकी चरण-III (पूरक)	04	-	03	01
33	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीकी चरण-I (पूरक)	03	-	01	02
34	- तदैव -	बी.एस सी. ओ.टी. प्रौद्योगिकी चरण-I (पूरक)	09	-	06	03
35	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीकी चरण-II (पूरक)	03	-	02	01
36	दिसंबर 2019	द्वितीय एम.बी.बी.एस.	110	03 13 एन.ई.	83	11
37	- तदैव -	फाइनल एम.बी.बी.एस.	76	01	70	05
38	- तदैव -	बी.एस सी. (पोस्ट-बेसिक) नर्सिंग चरण-I (पूरक)	03	-	03	-

39	- तदैव -	बी.एस सी. (पोस्ट-बेसिक) नर्सिंग चरण-II (पूरक)	03	-	-	03
40	- तदैव -	बी.एस सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण-I (पूरक)	06	-	01	05
41	- तदैव -	बी.एस सी (आनर्स) नर्सिंग चरण-II (पूरक)	07	-	05	02
42	- तदैव -	बी.एस सी (आनर्स) नर्सिंग चरण-III (पूरक)	03	01 एन.ई.	01	01
43	- तदैव -	बी.एस सी (आनर्स) नर्सिंग चरण-IV (पूरक)	02	-	02	-
44	- तदैव -	डी.एम.	75	-	75	-
45	- तदैव -	एम.सी एच.	34	-	34	-
46	- तदैव -	एम.डी.	99	01	95	03
47	- तदैव -	एम.एस.	19	-	18	01
48	- तदैव -	एम.डी.एस.	08	-	08	-
49	- तदैव -	फेलोशिप कार्यक्रम	19	-	19	-
50	- तदैव -	एम.एस सी. पाठ्यक्रम	02	-	02	-
51	- तदैव -	एम.एस सी. नर्सिंग चरण-I	02	-	02	-
52	- तदैव -	एम.एस सी. नर्सिंग चरण-II	01	-	01	-
53	जनवरी 2020	फाइनल एम.बी.बी.एस. (कम्पार्टमेंटल परीक्षा)	01	-	01	-
54		**कुल योग**	**1409**	**18+15**	**1242**	**99+17**

स्नातक पूर्व एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश परीक्षाएं:

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम**	**परीक्षा की तिथि**	**अभ्यर्थी**	
			आवेदन की संख्या	**उपस्थित**
1.	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. (एम्स) जुलाई 2019	5 मई एवं 14 जून 2019	31340	26428
2.	डी.एम./एम.सी एच. / फेलोशिप कार्यक्रम /एम.डी. (अस्पताल प्रशासन); जुलाई 2019	6 अप्रैल 2019	3739	3244
3.	फेलोशिप कार्यक्रम जुलाई 2019	13 अप्रैल 2019	91	64
4.	एम.बी.बी.एस. (एम्स) अगस्त 2019	25 एवं 26 मई 2019	389923	338457
5.	ऑनलाइन बी.एस सी. (आनर्स) नर्सिंग 2019	23 जून 2019	8061	5178

6.	ऑनलाइन बी.एस सी. नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) 2019	1 जून 2019	243	183
7.	ऑनलाइन बी.एस सी. (आनर्स) पैरामेडिकल पाठ्यक्रम 2019	15 जून 2019	4357	2220
8.	ऑनलाइन एम.एस सी. पाठ्यक्रम 2019	29 जून 2019	608	432
9.	ऑनलाइन एम.एस सी. नर्सिंग 2019	1 जून 2019	1650	1319
10.	ऑनलाइन एम. जैव प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2019	29 जून 2019	394	274
11.	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा जनवरी, जुलाई 2019	9 जून 2019	1922	1474
12.	पी.एच.डी. जुलाई 2019	21 मई 2019	508	418
13.	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा जनवरी 2020	24 नवम्बर 2019	1081	732
14.	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. (एम्स) जनवरी 2020	17 नवम्बर 2019	58692	54238
15	डी.एम./एम.सी.एच./एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) जनवरी 2020	3 नवम्बर 2019	3352	2636
16	पी.एच.डी. जनवरी 2020	4 जनवरी 2020	525	390
17	फेलोशिप कार्यक्रम जनवरी 2020	9 नवम्बर 2019	160	99
		कुल योग	**506646**	**437786**

पी.एच.-डी की मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी : 93

भर्ती हेतु परीक्षाएं

क्र.सं.	**परीक्षा का नाम**	**ऑनलाइन सी.बी.टी.* परीक्षा**	**अभ्यर्थी**	
			आवेदन	**उपस्थित**
1	नर्सिंग अधिकारी 2019 एम्स, नई दिल्ली एवं 4 केन्द्रीय सरकारी अस्पताल (आर.एम.एल., सफदरजंग, एल.एच.एम.सी., के.एस.सी.एच.)	15 सितम्बर 2019	57099	45946
2	नर्सिंग अधिकारी 2018, 4 एम्स (भोपाल, जोधपुर, पटना, रायपुर)	7 फरवरी 2020	62137	33664

3	एम.आर.टी. की स्क्रीनिंग/अर्हक परीक्षा	31 अगस्त 2019	354	228
4	पी.ए. की स्क्रीनिंग/अर्हक परीक्षा	9 अगस्त 2019	44	28
5	पी.एस. की स्क्रीनिंग/अर्हक परीक्षा	9 अगस्त 2019	07	07
6	स्टेनो की स्क्रीनिंग/अर्हक परीक्षा	9 अगस्त 2019	15	04
7	कनिष्ठ ए.ओ. की स्क्रीनिंग/अर्हक परीक्षा	18 अगस्त 2020	30	07
		कुल	**119686**	**79884**

*कम्प्यूटर आधारित परीक्षा

आयोजित साक्षात्कार का विवरण

क्र.सं.	**पद का नाम (साक्षात्कार)**	**तिथि**	**साक्षात्कार हेतु बुलाए गए**
1	नर्सिंग में व्याख्याता	4 अप्रैल 2019	43
2	वैज्ञानिक-I (जैवसांख्यिकी)	16 अप्रैल 2019	06
3	नैदानिक मनोविज्ञानी	16 अप्रैल 2019	15
		कुल	**64**

आयोजित प्रवेश परीक्षाएं:

1 जुलाई 2019 के सत्र हेतु 5 मई 2019 तथा 14 जून 2019 को 76 केन्द्रों (दिल्ली 6, बाहरी 70) एवं जनवरी 2020 सत्र के लिए 17 नवम्बर 2019 को 138 केन्द्रों (दिल्ली 4, बाहरी 134) में क्रमश:एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा का संचालन किया गया। इसके परिणाम क्रमश: 19 जून 2019 और 22 नवम्बर 2019 को घोषित किए गए।

2 जुलाई 2019 एवं जनवरी 2020 सत्रों के लिए विभिन्न पोस्ट-डॉक्टरल (अति-विशिष्टता) पाठ्यक्रम अर्थात डी.एम./एम.सी.एच./एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) के चयन के लिए एवं जुलाई 2019 के सत्र के लिए 24 से 26 अप्रैल 2019 और जनवरी 2020 सत्र के लिए 18 से 20 नवम्बर 2019 तक विभागीय मूल्यांकन हेतु किया गया।

3 परीक्षा अनुभाग ने वरिष्ठ रेजीडेंट/वरिष्ठ डिमॉन्स्ट्रेटर के लिए जुलाई 2019 सत्र हेतु 9 जून 2019 और जनवरी 2020 सत्र हेतु 24 नवम्बर 2019 को ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की।

4 जनवरी 2019 तथा जुलाई 2019 हेतु पी.एच.डी. पाठ्यक्रम के पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों का चयन एवं विभागीय मूल्यांकन 14 और 15 जून, 2019 को निष्पादित किया गया।

5 अगस्त 2019 सत्र हेतु एम्स सहित 14 नए एम्स जैसे संस्थानों के एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु भारत के 151 (एक सौ इक्यावन) शहरों में 239 (14 स्थानीय एवं बाहरी 225) केन्द्रों में 25 और 26 मई, 2019 (प्रत्येक दिन दो पालियों) में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।

6 बी.एस सी. (आनर्स) नर्सिंग हेतु प्रवेश परीक्षा 23 जून, 2019 को दिल्ली तथा 6 एम्स (भोपाल,

भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश) में सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा आयोजित की गई।

7 एम.एस सी. एवं एम जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों, अगस्त 2019 सत्र हेतु प्रवेश परीक्षा 29 जून 2019 को दिल्ली में ऑनलाइन पद्धति द्वारा आयोजित की गई।

8 एम.एस सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 1 जून 2019 को दिल्ली में केवल सी बी.टी. आनलाइन पद्धति से आयोजित की गई। प्रवेश मेरिट के आधार पर से काउंसलिंग के द्वारा किया गया।

9 बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) प्रवेश परीक्षा का आयोजन सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 1 जून 2019 को दिल्ली में किया गया तत्पश्चात् उम्मीदवारों का वैयक्तिक आकलन 26 जून 2019 को किया गया।

10 अगस्त 2019 सत्र हेतु पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों जैसे बैचलर ऑफ ऑप्टोमीट्री में बी.एस.सी. (आनर्स) तथा रेडियोग्राफी में बी.एस.सी. (आनर्स) चिकित्सा प्रौद्योगिकी, डेन्टल आपरेटिंग रूम असिस्टेन्ट (डी.ओ.आर.ए.) में बी.एस.सी. पाठ्यक्रम, डेन्टल हाइजिन में बी.एस.सी. पाठ्यक्रम, आपरेटिंग थियेटर प्रौद्योगिकी (ओ.टी.टी.) में बी.एस सी, चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी (एम.एल.टी.), आपरेटिंग थियेटर और एनिस्थीसियोलॉजी प्रौद्योगिकी (ओ.टी.ए.टी.) में बी.एस.सी., मेडिकल प्रौद्योगिकी एवं इमेजिंग थेरेपी हेतु प्रवेश परीक्षा सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 15 जून 2019 को दिल्ली में आयोजित की गई।

11 जुलाई 2019 सत्र एवं जनवरी 2020 सत्र फेलोशिप कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा क्रमश: 13 अप्रैल 2019 और 9 नवम्बर 2019 को दिल्ली में आयोजित की गई।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता

1. परीक्षा अनुभाग के साथ शैक्षिक अनुभाग के संकाय एवं स्टॉफ की सहभागिता से एम्स-स्नातकोत्तर, एम.बी.बी.एस., बी.एस.सी. (आनर्स) पैरा-मेडिकल, एम.एस.सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों हेतु ऑनलाइन काउंसलिंग का आयोजन किया गया। बी.एस सी. (नर्सिंग) पोस्ट-प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों हेतु वैयक्तिक मूल्यांकन में परीक्षा अनुभाग ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
2. परीक्षा अनुभाग भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों को उनकी प्रवेश परीक्षाओं के संचालन में तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान कर रहा है।

5. सामान्य प्रशासन

उप-निदेशक (प्रशासन)

शुभासीश पांडा

उप-सचिव

धीरेंद्र वर्मा

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरिंग सेवा विभाग, भंडार, समन्वय, संसदीय मामले, शिकायत आदि सहित सामान्य प्रशासन को उप-निदेशक (प्रशासन) द्वारा नियंत्रित और पर्यवेक्षित किया जाता है। उपर्युक्त क्षेत्रों की देखभाल करने वाली विभिन्न शाखाएँ हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यगण की सहायता से किया जाता है। विभिन्न शाखाओं की देखरेख करने वाले अधिकारियों/स्टाफ का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

डॉ. संजय कुमार आर्य (31 दिसंबर 2019 तक) देव नाथ साह (31 दिसंबर 2019 से)

अधीक्षण अभियंता

एम्स मुख्य परिसर
मंजुल रस्तोगी

एम्स झज्जर परिसर
हृदेश कुमार

मुख्य सुरक्षा अधिकारी

सत्येंद्र कुमार

उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी

आर.एस. रावत दीपक कुमार

कार्यकारी अभियंता

विद्या भूषण जोगिंदर मल्होत्रा

हरपाल सिंह अशोक कुमार (10 फरवरी 2020 से)

विनोद कुमार शर्मा डी. विजय राघवन (1 फरवरी 2020 से)

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

नरेंद्र कुमार (31 दिसंबर 2019 तक) देव नाथ साह (31 दिसंबर 2019 तक)

ललित उरांव (1 जनवरी 2020 से) बी.एस. गिल (1 जनवरी 2020 से)

रेणु भारद्वाज

प्रशासनिक अधिकारी

एसएल चमोली
पल्लव कुमार चित्तेज (25 नवंबर 2019 तक)
ललित उरांव (31 दिसंबर 2019 तक)
चक्रवर्ती ईवीएस (30 दिसंबर 2019 तक)
सतीश कुमार सिंह (1 जुलाई 2019 तक)
बी.एस. गिल (30 दिसंबर 2019 तक)
राज कुमार
राजेंद्रन पिल्लई जी
अनीता टेटे
निखिल भटनागर
बी.के. सिंह
कुशाल कुमार
इलियास पीआई (31 मई 2019 तक)
विपिन कुमार (30 जुलाई 2019 से)
सरोज पंत (10 दिसंबर 2019 से)
शशिधरन नायर केजी (10 दिसंबर 2019 से 31 जनवरी 2020)
नरेंद्र कुमार गुप्ता (10 दिसंबर 2019 से)
विपिन कुमार (30 जुलाई 2019 से)

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

भूप सिंह
नरेंद्र कुमार गुप्ता (9 दिसंबर 2019 तक)
शशिधरन नायर केजी (10 दिसंबर 2019 तक)
मोहनन पीएस (31 जुलाई 2019 तक)
सरोज पंत (19 सितंबर 2019 तक)
आरके शर्मा
संतोष कुमार (1 जुलाई 2019 से)
निर्मला जैसिंटा कुजूर (1 जुलाई 2019 से)
उत्तम चंद (27 जुलाई 2019 से)
सी.पी. सदाना (27 जुलाई 2019 से)
विमल ठकराल (27 जुलाई 2019 से)
लता पाउलोस (27 जुलाई 2019 से)
जोगिंदर कुमार (27 जुलाई 2019 से)
आशा डोगरा (27 जुलाई 2019 से)
किशन लाल (27 जुलाई 2019 से)
विद्या सागर (27 जुलाई 2019 से)
कमल चंद्र भट्ट (27 जुलाई 2019 से)
सरोज कुमार लाल (27 जुलाई 2019 से)
राजेश कुमार (27 जुलाई 2019 से)
सुरजीत सिंह (27 जुलाई 2019 से)
संजय नंदी (27 जुलाई 2019 से)
सुरेश कुमार (27 जुलाई 2019 से)
रेणु भसीन (27 जुलाई 2019 से)
ईश्वर दत्त शर्मा (27 जुलाई 2019 से)
नरेश नांगिया (8 नवंबर 2019 से)
शकुंतला रावत (8 नवंबर 2019 से)
संतोष मनोचा (खोसला) (8 नवंबर 2019 से)
सुदेश सोनी (8 नवंबर 2019 से)
सोहनबीर (13 दिसंबर 2019 से)

वरिष्ठ भंडार अधिकारी

राकेश कुमार (1 अगस्त 2018 से)

भंडार अधिकारी

नरेंद्र कुमार
भवानी राम
अरविंद कुमार शर्मा (31 दिसंबर 2019 तक)
मनोहर आर्य
कमल सिंह
अर्चना शर्मा

स्थापना अनुभाग तथा सामान्य प्रशासन के उत्तरदायित्व में भर्ती, सेवा मामले, वैधानिक समितियों की बैठकें करना, संपदा एवं संपत्ति का प्रबंधन, उपकरण, सामग्री एवं उपभोग्य सामग्रियों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों का कल्याण आदि शामिल हैं।

संस्थान के कुल स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या **13413** है। दिनांक 31 मार्च 2020 तक भरे गए पदों की संख्या **10948** थी और इसमें सभी केंद्रों/मुख्य अस्पताल/नि.का. के स्टाफ कर्मचारीगण शामिल थे।

समूह-वार स्वीकृत कार्यबल और कर्मचारियों की स्थिति की संख्या नीचे उल्लिखित है।

क्र.सं.	**श्रेणी / समूह**	**स्वीकृत संख्या**	**ग्रहित पद**
1.	संकाय	1095	759
2.	'क' (गैर-संकाय)	650	489
3.	'ख'	7359	6215
4.	'ग' एवं तत्कालीन 'घ'	4309	3485
		13413	**10948**

एम्स, नई दिल्ली में अ.जा./अ.ज.जा.प्रकोष्ठ की संरचना

संपर्क अधिकारी

अ.जा./अ.ज.जा./पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों हेतु
डॉ. राजपाल, आचार्य, नेत्र विज्ञान
डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

अ.पि.व. कर्मचारियों हेतु
डॉ. राकेश यादव, आचार्य, हृद् रोग विज्ञान
हृद् तंत्रिका केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

प्रशासनिक अधिकारी

अनीता टेटे

वर्ष 2019-2020 के दौरान अनुभाग में प्राप्त अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. कर्मचारियों की शिकायतें/ अभ्यावेदन निम्नानुसार थे:

कुल प्राप्त अभ्यावेदन: 10
कुल मामलों को सुलझाया/निपटाया गया: 7
कुल विचाराधीन मामले: 3

6. अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक

डी.के. शर्मा

अस्पताल प्रशासन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपति

आचार्य

आई.बी. सिंह
संजय कुमार आर्य

अपर आचार्य

निरूपम मदान
अनूप डागा
अमित लठवाल
महेश आर.

सह-आचार्य

एंजेल राजन सिंह
परमेश्वर कुमार
विजयदीप सिद्धार्थ

सहायक आचार्य

जितेंदर सोढ़ी
अब्दुल हाकिम
विकास एच. लक्ष्मी
तेज वृंदावल्ली
शीतल सिंह

बिस्तर संख्या

बिस्तर श्रेणी	मुख्य अस्पताल	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	हृद्वक्ष एवं तंत्रिकविज्ञान केंद्र
सामान्य	836	17	317
आई.सी.यू.	92	-	74
ओब्जरवेशन	69	-	09
प्राइवेट वार्ड	165	-	64
कुल	**1162**	**17**	**464**

अस्पताल कार्य निष्पादन सूची

पैरामीटर्स	मुख्य अस्पताल		सी.एन.सी.		सी.डी.ई.आर.		निष्कर्ष
	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19	
ठहरने की औसत अवधि (दिनों में)	9.9	9.5	10.5	10.2	5.0	5.6	नियमित भर्ती हेतु बिस्तरों का प्रभावी उपयोग
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	85.9	86.8	83.8	84.9	69.6	73.6	उचित अधिभोग
सकल मृत्यु दर (%)	1.7	1.7	2.6	2.9	0.05	-	बहुत बड़ी संख्या में गंभीर रूप से बीमार भर्ती हुए रोगियों के बावजूद भी कम मृत्यु दर
संयुक्त क्रूड संक्रमण दर (%)	5.6	5.8	-	-	-	-	

6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग

प्रभारी अधिकारी

महेश आर.

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (कार्यकारी)

अशोक कुमार	**संदीप एम. सिंह**
(24 जून 2019 तक)	(25 जून 2019 से)

कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी

रोशन लाल-II

शिक्षा

1. चिकित्सा अभिलेख तकनीक (द्वितीय वर्ष) के नौ छात्रों के एक समूह ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल का दौरा किया और दिनांक 4 अप्रैल 2019 को चिकित्सा अभिलेख अधिकारी/कनिष्ठ अभिलेख अधिकारी द्वारा एम्स में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

प्रशिक्षण

1. श्रीमती नीलम बारिया और श्री विजय कुमार, चिकित्सा अभिलेख तकनीकविद् को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में सीबीएचआई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित छह माह के लिए 01 जुलाई 2019 से 31 दिसंबर 2019 तक प्रभावी चिकित्सा अभिलेख तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु नामित किया गया है।
2. श्री संदीप एम. सिंह, चिकित्सा अभिलेख अधिकारी, और श्री रोशन लाल, चिकित्सा अभिलेख अधिकारी ने दिनांक 4 दिसंबर 2019 को प्रातः10.00 बजे से सायं 5.00 बजे के बीच मुख्य सभागार कार्यालय, दिल्ली सचिवालय में मुख्य रजिस्ट्रार कार्यालय (जन्म एवं मृत्यु) द्वारा आयोजित डेथ सर्टिफिकेट ऑफ़ कॉज ऑफ़ डेथ तथा आईसीडी -10 निर्धारण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

न्यायालय में उपस्थिति

1. चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) में दिल्ली एवं दिल्ली से बाहर के विभिन्न न्यायालयों से कुल 338 सम्मन/नोटिस प्राप्त किए गए। चिकित्सा अभिलेख विभाग के संबंधित चिकित्सकों/परामर्शदाताओं (केस के अनुसार) एवं स्टाफ को केस को निपटाने/समाधान करने के लिए अ.भा.आ.सं. अस्पताल की ओर से न्यायालय में उपस्थित होने के लिए नियुक्त किया गया है।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संबंधी सहायता

1. अनुसंधान, शिक्षा एवं अन्य सरकारी प्रयोजनों के लिए संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा प्राधिकृत रेजीडेंटों के लिए लगभग 6255 चिकित्सा केस अभिलेखों (केस शीट) को पुनः प्राप्त एवं जारी किया गया है।

चिकित्सा अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण एवं डिजिटाइजेशन

1. रिकार्डों को आसानी से पुनः प्राप्त करने के लिए वर्ष 2014 से मुख्य अस्पताल के अंतरंग चिकित्सा अभिलेखों का डिजिटाइजेशन आरंभ हुआ। रोगियों के केस रिकार्डों की लगभग 1.25 करोड़ से अधिक प्रतियों को भविष्य के संदर्भ के लिए स्कैन किया गया है।

अंतरंग रोगी सेवाएँ

1. मुख्य अस्पताल, सी.डी.ई.आर. एवं सी.एन. सेंटर, अ.भा.आ.सं. का वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन का सार परिशिष्ट-I में दिया गया है।
2. अ.भा.आ.सं. अस्पताल ने दिल्ली एवं विदेश से अस्पताल आने वाले रोगियों की बढ़ती हुई संख्या के बावजूद रोगी उपचार की सेवाओं एवं गुणवत्ता की अपनी परंपरा को बनाए रखा है। वित्तीय वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के विभिन्न क्लिनिकल एककों में कुल 1,42,185 रोगियों को भर्ती किया गया। विभागवार, राज्यवार एवं लिंगवार रोगियों का भार, भर्ती, अस्पताल से छुट्टी एवं अस्पताल में ठहरने की औसत अवधि का विवरण क्रमशः परिशिष्ट-II, III एवं V में दिया गया है। विभागवार मृत्यु का विवरण एवं इसकी सूची परिशिष्ट-IV में दिया गया है।
3. वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.) के विभिन्न शल्यक विभागों में कुल 1,23,258 शल्यक प्रक्रियाएँ (बड़ी एवं छोटी) निष्पादित की गईं जिसकी सूची परिशिष्ट-VI में दी गई है।
4. अंतरंग रोगियों के चिकित्सा रिकॉर्ड को शिक्षा, अनुसंधान/शोधपत्र, प्रस्तुतिकरण, बीमा, कोर्ट केसों आदि के प्रयोजन हेतु सहजता से पुनः प्राप्त करने के लिए क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन रिकॉर्डों को सी.आर. नंबरों के अनुसार कॉम्पैक्टर में रखा जाता है। मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.) के सभी अंतरंग रिकॉर्डों का मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा अलग से अनुरक्षण किया जाता है।
5. उपर्युक्त गतिविधियों के अतिरिक्त, तंत्रिका विज्ञान विभाग ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इस वर्ष के दौरान ओपीडी और अंतरंग रोगी दाखिलों हेतु एक विशेष क्लिनिक आरंभ किया है:

क्र.सं.	**विभाग/विशेष क्लिनिक का नाम**	**स्थान**
1.	तंत्रिका विज्ञान के अंतर्गत व्यापक स्ट्रोक क्लिनिक	कार्यशील शनिवार, सी.एन.सी. ओपीडी, कक्ष सं. 19, 20 & 21.

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ

1. अ.भा.आ.सं. का केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं पूछताछ (सी.ए.ओ. एंड ई.) बिना विराम 365 दिन कार्य करता है।
2. मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के अंतरंग क्षेत्र हेतु सभी भर्ती इस कार्यालय के द्वारा होती हैं। यह संस्थान के हृदय की भांति कार्य करता है एवं भर्ती पर्ची (फ़ेस-शीट) बनाने के लिए रोगी पंजीकरण एवं परिचर पास आदि जारी करना जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यों को निष्पादित करता है।
3. भर्ती कार्यालय, वी.आई.पी/वी.वी.आई.पी के अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में अ.भा.आ.सं. के उच्च प्राधिकारियों के साथ-साथ अनेक मंत्रालयों को भी जानकारी देता है।
4. इसके अतिरिक्त, यह कार्यालय रोगी एवं संस्थान के बारे में शीघ्र एवं सही जानकारी प्रदान करते हुए एक सामान्य पूछताछ के रूप में भी कार्य करता है। यहाँ का स्टाफ शिफ्ट में कार्य करता है तथा इसमें स्वागतकर्ता, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी एवं चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन आदि शामिल हैं।

बाह्य रोगी विभाग एवं विशिष्टता क्लिनिक

1. मुख्य अस्पताल, अ.भा.आ.सं. के विभिन्न सामान्य बाह्य रोगी विभाग (ओ.पी.डी.), विशिष्टता क्लिनिक एवं आपात विभाग में कुल 20,43,602 रोगी आए। बाह्य रोगी संख्या प्रोफ़ाइल का विवरण परिशिष्ट-VII में दिया गया है।

अन्य गतिविधियां

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कुल संख्या
1.	वर्ष के दौरान अंतरंग रोगियों के रिकॉर्डों में किए गए संशोधन	977
2.	वर्ष के दौरान जन्म रिकॉर्डों में किए गए संशोधन	365
3.	वर्ष के दौरान मृत्यु रिकॉर्डों में किए गए संशोधन	491
4.	मुख्य अस्पताल एवं सी.डी.ई.आर. में जे.एस.एस.के. योजना के अंतर्गत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती एवं अन्य शुल्क में छूट	21115
5.	हृद् तंत्रिका केंद्र में जे.एस.एस.के. योजना के अंतर्गत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती एवं अन्य शुल्क में छूट	1111

वर्ष 2018-2019 (वार्षिक रिपोर्ट) के लिए सांख्यिकीय आंकड़े, चिकित्सा अभिलेख अधिकारी के पर्यवेक्षण में श्री राजबीर सिंह, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन द्वारा तैयार/संकलित किए गए हैं।

तालिका-I वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन

क्र.सं.	मद	मुख्य अस्पताल		सी.टी. एवं एन.एस. केंद्र		सी.डी.ई.आर.	
		2019-20	2018-19	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19
1.	भर्ती किए गए कुल रोगी	120110	117169	20127	21278	1948	1189
	क. वयस्क एवं बच्चे	117621	114721	-	-	-	-
	–नियमित	33555	34116	12489	13290	864	840
	–लघु अवधि	84066	80605	7638	7988	1084	349
	ख. नवजात शिशु	2489	2448	-	-	-	-
	नियमित	2489	2448	-	-	-	-
	लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
2.	डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल संख्या (एलएएमए, अस्पताल से भाग गए, अनुरोध पर छुट्टी एवं मृत्यु सहित)	116565	113630	19662	20704	1933	1163
	क. वयस्क एवं बच्चे	114023	111236	-	-	-	-
	–नियमित	32894	33027	12247	12972	868	818
	–लघु अवधि	81129	78209	7415	7732	1065	345
	ख. नवजात शिशु	2542	2394	-	-	-	-
	–नियमित	2542	2394	-	-	-	-
	–लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
3.	उपचार के कुल दिन	431711	413040	136559	139560	5405	4918
	क. वयस्क एवं बच्चे	410275	396071	-	-	-	-
	–नियमित	329146	317862	129144	131828	4340	1573
	–लघु अवधि	81129	78209	7415	7732	1065	345
	ख. नवजात शिशु	21436	16969	-	-	-	-
	–नियमित	21436	16969	-	-	-	-
	–लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
4.	नियमित रोगियों के ठहरने की औसत अवधि	9.9	9.5	10.5	10.2	5.0	5.6
	क. वयस्क एवं बच्चे	10.0	9.6	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	8.4	7.1	-	-	-	-
5.	कुल रोगी देखभाल दिन	342644	346150	139190	140986	4318	4564

	(प्रतिदिन की गणना के अनुसार)						
	क. वयस्क एवं बच्चे	339382	343418	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	3262	2732	-	-	-	-
6.	रोगियों की प्रतिदिन औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	939	948	381	386	12	13
	क. वयस्क एवं बच्चे	930	941	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	09	07	-	-	-	-
7.	औसत बिस्तर अधिभोग	85.9	86.8	83.8	84.9	69.6	73.6
	क. वयस्क एवं बच्चे	85.1	86.7	-	-	-	-
	ख. नवजात शिशु	0.8	0.1	-	-	-	-
8.	अस्पताल में जन्म	2489	2448	-	-	-	-
	क. लड़का	1296	1286	-	-	-	-
	ख. लड़की	1189	1159	-	-	-	-
	ग. इंटर सेक्स	04	03	-	-	-	-
9.	कुल अंतरंग रोगी मृत्यु (नवजात शिशुओं सहित)	3073	3179	697	858	01	00
	क. 48 घंटे के भीतर मृत्यु	1148	1300	191	255	00	00
	ख. 48 घंटे के बाद मृत्यु	1929	1879	506	603	01	00
	ग. सकल मृत्यु दर **(%)**	2.6	2.8	3.5	4.1	0.05	0.0
	घ. कुल मृत्यु दर **(%)**	1.7	1.7	2.6	2.9	0.05	0.0
10.	आपातकाल में कुल उपस्थिति	149550	149538	-	-	-	-
	मृत्यु	1835	1586	-	-	-	-
	मृत लाए गए रोगी	1271	1238	-	-	-	-
11.	विशिष्टता क्लिनिक सहित ओपीडी में उपस्थिति (मुख्य अस्पताल)	1894052	1506791	-	-	-	-
	नए मामले	687314	771491	-	-	-	-
	पुराने मामले	1206738	735300	-	-	-	-

तालिका II. विभागवार भर्ती (मुख्य अस्पताल, सी.एन. केंद्र और सी.डी.ई.आर.)

विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (एल.ए.एम.ए., भागे हुए रोगी, ओआर, मृत्यु)		उपचार के कुल दिन		नियमित भर्ती होने पर ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	अल्प कालीन	नियमित	अल्पकालीन	नियमित	अल्प कालीन	
संवेदनाहरण (पीड़ा क्लिनिक)	00	647	00	625	00	625	0.0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	777	2132	777	2089	9443	2089	12.2
अंतःस्त्रावी एवं चयापचय	430	184	458	185	8032	185	17.5
जठरान्त्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	1983	4429	1993	4350	25623	4350	12.9
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	792	356	828	337	13818	337	16.7
जरा चिकित्सा	888	782	924	758	9480	758	10.3
रुधिरविज्ञान	1002	14328	993	14113	17501	14113	17.6
कायचिकित्सा I	929	460	922	414	10012	414	10.9
कायचिकित्सा II	1135	710	1024	723	11859	723	11.6
कायचिकित्सा III	827	526	917	444	10567	444	11.5
वृक्कविज्ञान	944	11172	924	10856	15474	10856	16.7
नवजात	2489	00	2542	00	21436	00	8.4
नवजात आईसीयू (एनआईसीयू)	165	09	114	05	863	05	7.6
नाभिकीय चिकित्सा	438	237	411	223	802	223	2.0
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान I	2139	1779	2114	1681	15704	1681	7.4
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान II	2198	2093	2120	2016	16485	2016	7.8
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान III	2150	2043	1940	1936	14224	1936	7.3
अर्बुद विज्ञान (मुख्य)	318	00	325	00	1857	00	5.7

अस्थिरोग I	1467	2083	1588	1855	11762	1855	7.4
अस्थिरोग II	1461	2958	1326	2712	11103	2712	8.4
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग I	497	1342	528	1246	4135	1246	7.8
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग II	512	1239	496	1170	4809	1170	9.7
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग III	460	1248	495	1189	4009	1189	8.1
बाल चिकित्सा I	1056	4423	1027	4310	7494	4310	7.3
बाल चिकित्सा II	598	1344	576	1292	6899	1292	12.0
बाल चिकित्सा III	1207	10833	1056	10675	10159	10675	9.6
बालशल्य चिकित्सा	1390	1770	1308	1667	16206	1667	12.4
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	33	00	38	00	1535	00	40.4
मनोचिकित्सा	306	00	295	00	10032	00	34.0
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	767	5074	791	4972	8119	4972	10.3
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	336	203	307	184	2411	184	4.9
विकिरण चिकित्सा	07	00	07	00	23	00	3.3
रूमेटोलॉजी	14	1667	08	1645	55	1645	6.9
शल्य चिकित्सा I	837	671	880	589	9703	589	11.0
शल्य चिकित्सा II	1267	714	1269	613	8618	613	6.8
शल्य चिकित्सा III	845	460	923	392	8554	392	9.3
शल्य चिकित्सा IV	1613	873	1472	788	8733	788	5.9
मूत्ररोग विज्ञान	1767	5277	1720	5075	13043	5075	7.6
कुल (मुख्य)	**36044**	**84066**	**35436**	**81129**	**350582**	**81129**	**9.9**
हृदविज्ञान	4112	3763	4034	3733	29229	3733	7.2
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3041	23	3029	20	34637	20	11.4
तंत्रिकाविज्ञान I	928	997	916	975	9445	975	10.3

तंत्रिकाविज्ञान II	829	497	821	464	9534	464	11.6
तंत्रिकाविज्ञान III	775	858	745	842	8255	842	11.1
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	1239	771	1162	731	19647	731	16.9
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	1387	487	1362	430	17291	430	12.7
तंत्रिका विकिरण चिकित्सा	178	242	178	220	1106	220	6.2
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	**12489**	**7638**	**12247**	**7415**	**129144**	**7415**	**10.5**
सी.डी.ई.आर.	864	1084	868	1065	4540	1065	5.0

रेखा चित्र 1. विभागवार ठहरने की औसत अवधि

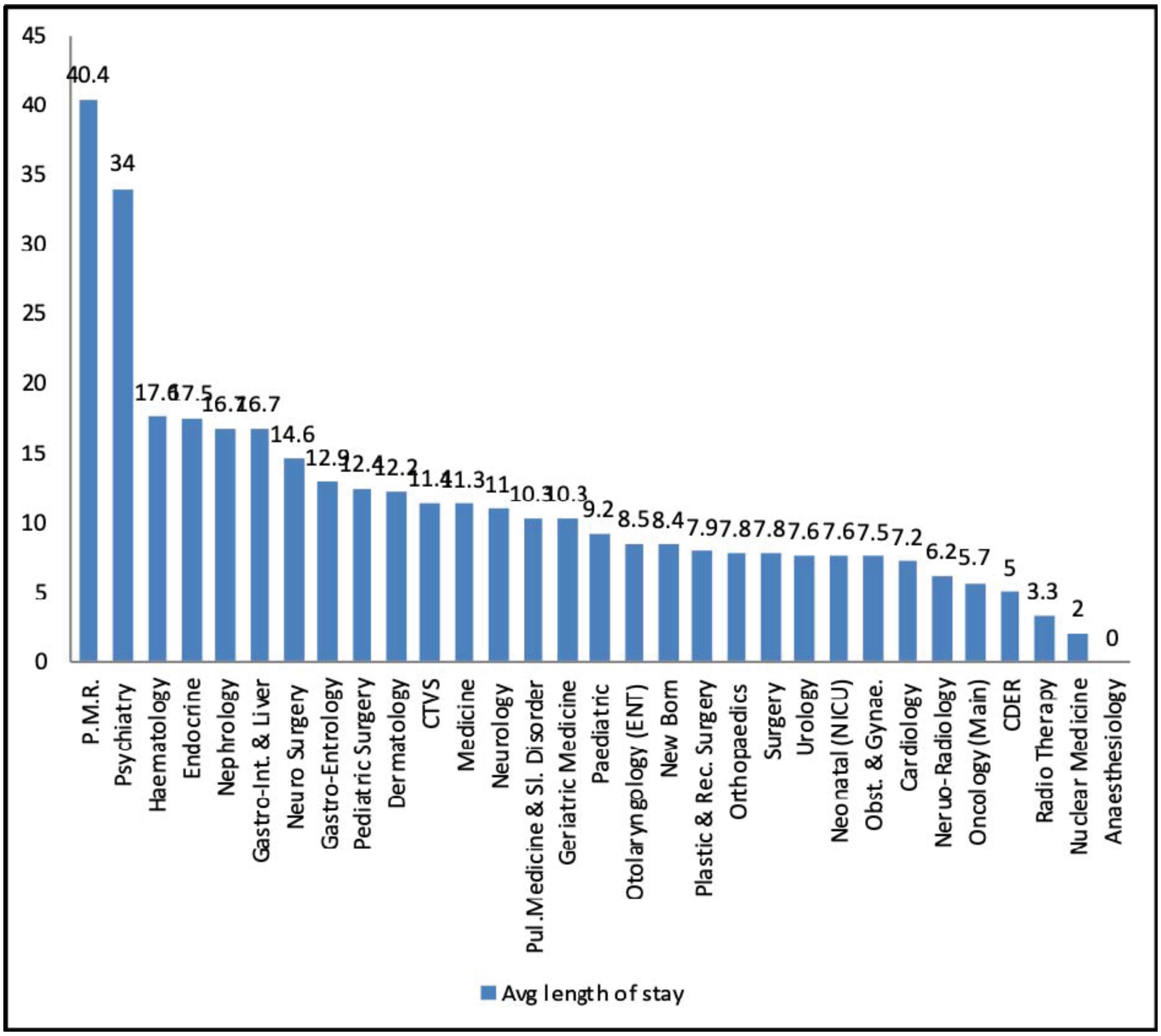

रेखा चित्र 2. मुख्य अस्पताल, हृ.तं. केंद्र और सी.डी.ई.आर. में लिंगवार अंतरंग रोगी

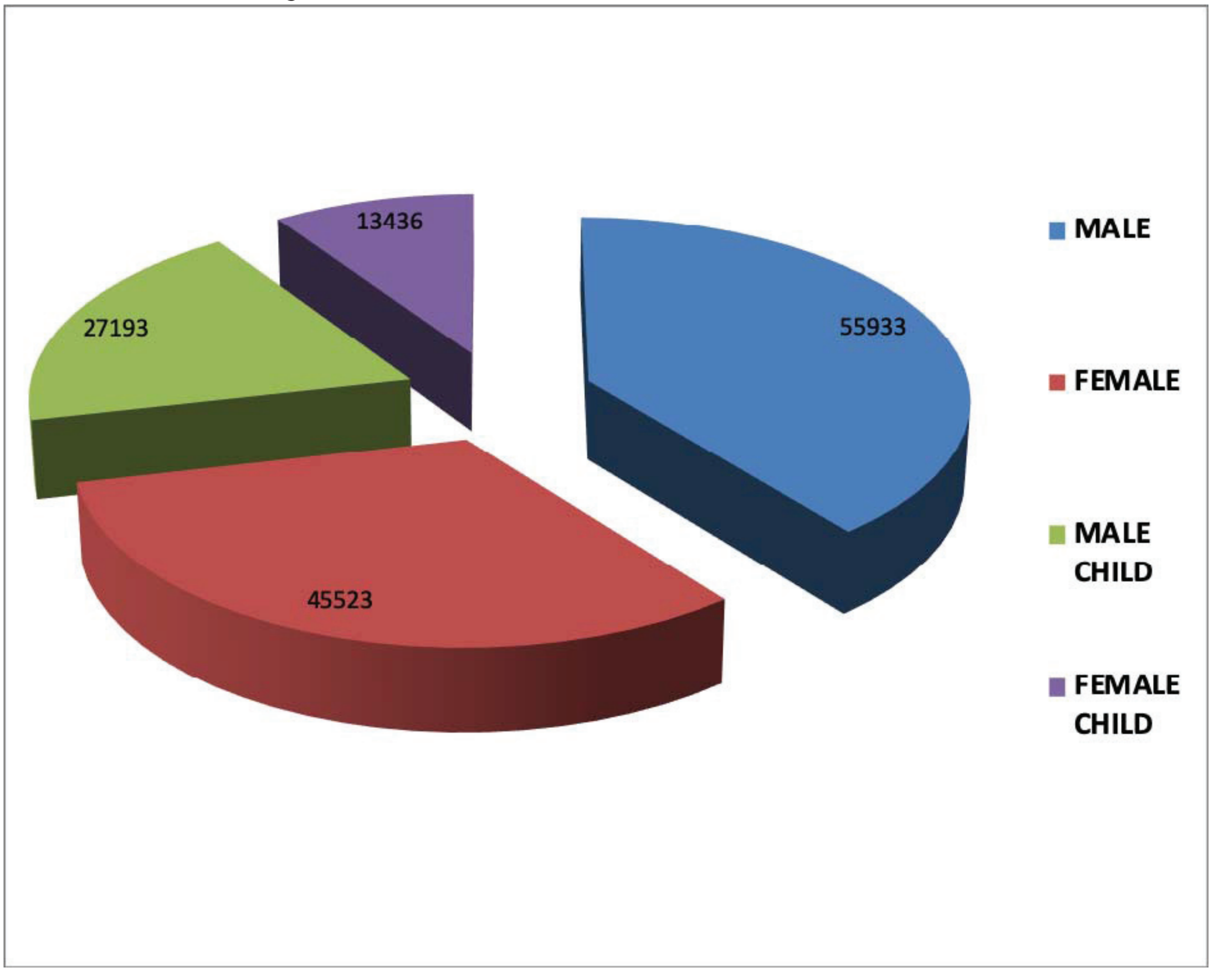

तालिका III. मुख्य अस्पताल और हृद तंत्रिका केंद्र में विभागवार मृत्यु

विभाग	अस्पताल से छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे के अंदर मृत्यु	48 घंटे से अधिक समय में मृत्यु	सकल मृत्यु (%)	शुद्ध मृत्यु दर (%)
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लीनिक)	625	00	00	00	0.0	0.0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	2866	00	00	00	0.0	0.0
अंतःस्त्रावी और चयापचय	643	02	01	01	0.3	0.2
जठरान्त्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	6343	585	244	341	9.2	5.6
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रतिरोपण	1165	82	15	67	7.0	5.8
जरा चिकित्सा	1682	173	53	120	10.3	7.4

रुधिरविज्ञान	15106	324	118	206	2.1	1.4
कायचिकित्सा I	1336	310	137	173	23.2	14.4
कायचिकित्सा II	1747	334	116	218	19.1	13.4
कायचिकित्सा III	1361	301	129	172	22.1	14.0
वृक्कविज्ञान	11780	117	28	89	1.0	0.8
नवजात	2542	39	14	25	1.5	1.0
नवजात आईसीयू(एनआईसीयू)	119	25	05	20	21.0	17.5
नाभिकीय चिकित्सा	634	00	00	00	0.0	0.0
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान I	3795	04	00	04	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान II	4136	08	00	08	0.2	0.2
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान III	3876	06	00	06	0.2	0.2
अर्बुदविज्ञान (मुख्य)	325	158	91	67	48.6	28.6
अस्थिरोग I	3443	04	00	04	0.1	0.1
अस्थिरोग II	4038	09	01	08	0.2	0.2
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग I	1774	02	02	00	0.1	0.0
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग II	1666	06	02	04	0.4	0.2
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग III	1684	01	01	00	0.05	0.0
बाल चिकित्सा I	5337	76	20	56	1.4	1.1
बाल चिकित्सा II	1868	67	22	45	3.6	2.4
बाल चिकित्सा III	11731	93	31	62	0.8	0.5
बाल शल्य चिकित्सा	2975	62	21	41	2.1	1.4
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	38	00	00	00	0.0	0.0
मनोचिकित्सा	295	00	00	00	0.0	0.0
पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	5763	164	52	112	2.8	2.0
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	491	01	00	01	0.2	0.2
विकिरण चिकित्सा	07	03	03	00	30.0	0.0
रूमेटोलोजी	1653	00	00	00	0.0	0.0
शल्य चिकित्सा I	1469	30	09	21	2.0	1.4
शल्य चिकित्सा II	1882	30	09	21	1.6	1.1
शल्य चिकित्सा III	1315	20	09	11	1.5	0.8
शल्य चिकित्सा IV	2260	29	10	19	1.3	0.8
मूत्ररोग विज्ञान	6795	12	05	07	0.2	0.1

कुल *(मुख्य अस्पताल)*	116565	3077	1148	1929	*2.6*	*1.7*
हृदविज्ञान	7767	207	92	115	2.7	1.5
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3049	205	38	167	6.7	5.5
तंत्रिकाविज्ञान I	1891	40	04	36	2.1	1.9
तंत्रिकाविज्ञान II	1285	52	10	42	4.0	3.3
तंत्रिकाविज्ञान III	1587	41	09	32	2.6	2.0
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	1893	85	17	68	4.5	3.6
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	1792	64	20	44	3.6	2.5
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	398	03	01	02	0.8	0.5
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	**19662**	**697**	**191**	**506**	**3.5**	**2.6**
सी.डी.ई.आर.	**1933**	**01**	**00**	**01**	**0.05**	**0.05**

रेखा चित्र 3. अंतरंग रोगियों (मुख्य अस्पताल, हृ.तं. केंद्र और सी.डी.ई.आर.) का भौगोलिक वितरण।

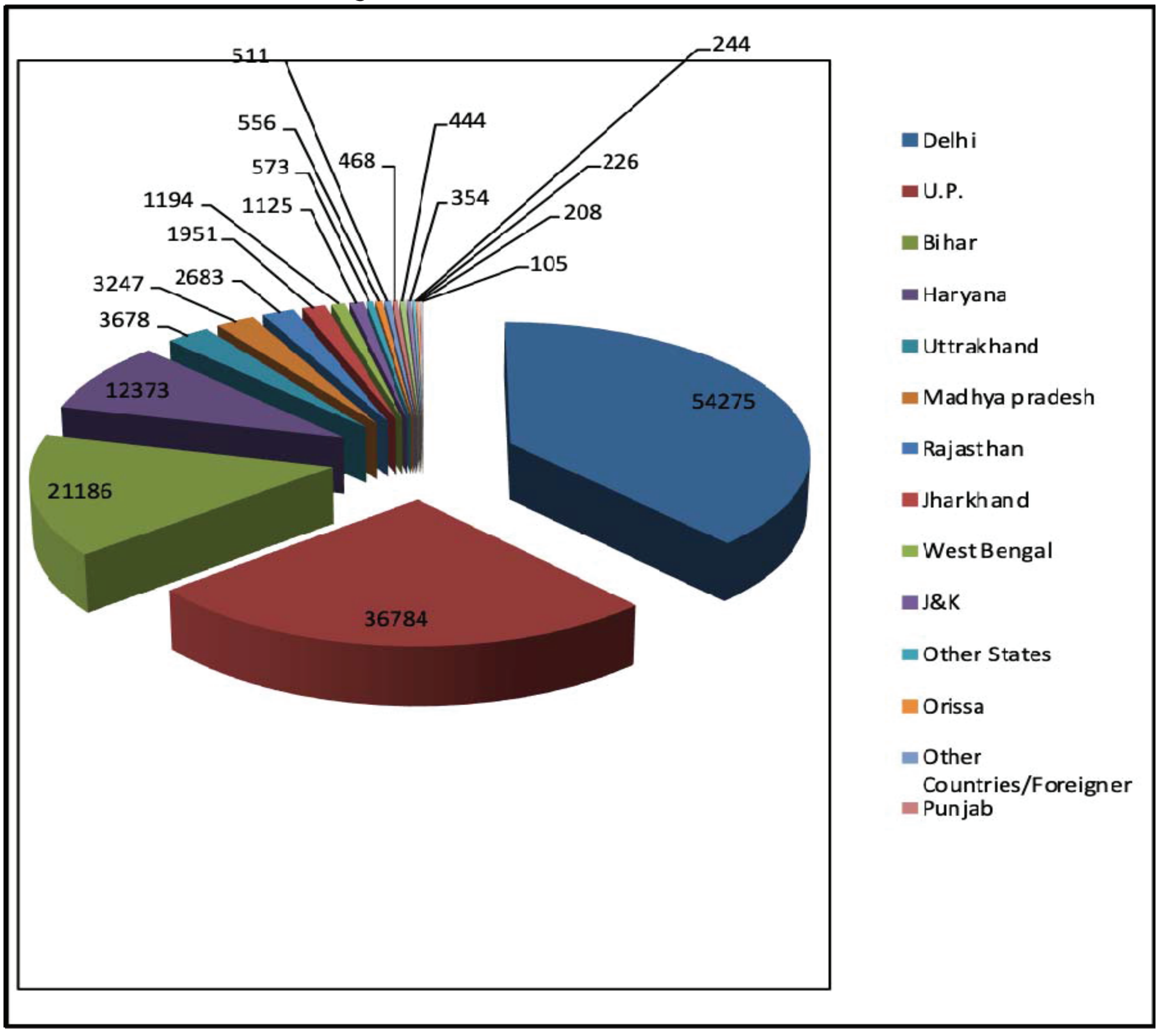

तालिका IV. मुख्य अस्पताल, सीडीईआर एवं हृ.तं केंद्र में की गई शल्य प्रक्रियाएँ।

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		अंतरंग रोगी	बाह्य रोगी	
शल्य चिकित्सा I	797	271	3732	4800
शल्य चिकित्सा II	1134	381	3087	4602
शल्य चिकित्सा III	812	198	2626	3636
शल्य चिकित्सा IV	1277	617	3832	5726
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	612	0	0	612
मूत्ररोग विज्ञान	1586	635	14424	16645
प्रसूति विज्ञान	1339	1099	00	2438
इन-विट्रो फर्टिलाईजेशन	00	1641	00	1641
स्त्रीरोग विज्ञान I	644	656	00	1300
स्त्रीरोग विज्ञान II	690	916	00	1606
स्त्रीरोग विज्ञान III	733	872	00	1605
भ्रूण चिकित्सा	00	850	00	850
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग I	944	697	5696	7337
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग II	895	627	5374	6896
कान,नाक,गला विज्ञान विभाग III	851	614	5826	7291
अस्थिरोग I	1871	805	00	2676
अस्थिरोग II	1969	1938	00	3907
बालशल्य चिकित्सा	1545	253	00	1798
आपात विभाग	00	192	00	192
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	298	147	2393	2838
पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	13	671	00	684
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	04	00	00	04
रुधिरविज्ञान	00	00	5010	5010
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	00	00	9567	9567
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	18014	14080	61567	93661
कुल (मुख्य अस्पताल)	**18014**	**14080**	**61567**	**93661**

हृद वक्ष एवं वाहिकीय शल्य चिकित्सा	3625	00	00	3625
तंत्रिका शल्य I	1456	89	00	1545
तंत्रिका शल्य II	1530	62	00	1592
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	***6611***	***151***	***00***	***6762***
दंत शल्य चिकित्सा/सी.डी.ई.आर.	**697**	**852**	**21286**	**22835**

तालिका V. बाह्य रोगी एवं विशिष्टता क्लिनिकों में उपस्थिति

चिकित्सा विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
काय चिकित्सा	**सामान्य ओपीडी**	57200	100467	157667
	क) मोटापा और चयापचय विकार	431	971	1402
	ख) संक्रामक रोग क्लिनिक	1096	2718	3814
रुमेटोलोजी	सामान्य ओपीडी	6124	20894	27018
	क) रुमेटोलोजी क्लिनिक	39	4639	4678
जरा चिकित्सा		16891	13833	37373
पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	सामान्य ओपीडी	10213	24411	34624
	क) निद्रा विकार	177	248	425
	ख) फेफडे का कैंसर	410	1859	2269
	ग) आईएलडी-पीएएच	278	1650	1928
	घ) संयुक्त पुल्मोनरी शल्य चिकित्सा	230	515	745
नाभिकीय चिकित्सा		2769	2828	10478
अन्तःस्त्राविकी एवं चयापचय		16417	13104	36796
वृक्कविज्ञान	सामान्य ओपीडी	11903	44912	56815
	क) प्रतिरोपण क्लिनिक	176	10969	11145
	ख) आरटीसीसी	407	1400	1807
रुधिरविज्ञान		3415	7009	14786
जठरान्त्र रोग विज्ञान		29975	28460	51901
बाल चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	32994	81124	114118
	क) स्वस्थ शिशु	512	08	520
	ख) फॉलोअप ट्यूबरकुलोसिस	186	1174	1360
	ग) गुर्दा क्लिनिक	264	1617	1881
	घ) बाल तंत्रिकाविज्ञान	888	4829	5717
	ड़) बाल वक्ष क्लिनिक	400	3422	3822
	च) उच्च जोखिम नवजात	315	1723	2038

	छ) आनुवांशिक एवं जन्मदोष क्लिनिक	3317	1214	4531
	ज) अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	317	2341	2658
	झ) बाल विकास क्लिनिक	1107	2480	3587
	ञ) अन्तःस्त्राविकी क्लिनिक	141	1053	1194
	ट) न्यूरो सिस्टीसिरकोसिस क्लिनिक	194	1067	1261
	ठ) पी.सी.एस.सी.	177	1318	1495
	ड) रूमेटोलोजी क्लिनिक	452	2981	3433
	ढ) मायोपैथी क्लिनिक	461	1871	2332
	ण) बाल जठरान्त्र रोग विज्ञान क्लिनिक	244	1862	2106
	त) ऑटिज्म	392	995	1387
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	सामान्य ओपीडी	30263	55857	86120
	क) यौन संचरित रोग (त्वचा रोग विज्ञान सर्जरी)	1377	2727	4104
	ख) एलर्जी क्लिनिक	454	1762	2216
	ग) कुष्ठ रोग	283	2743	3026
	घ) सोरियासिस	275	2091	2366
	ड़) त्वचा शल्य चिकित्सा	1003	1411	2414
	च) वीटिलिगो	226	1543	1769
	छ) फोटोथैरेपी	103	416	519
	ज) फोटो डर्मेटोलॉजी	33	207	240
	झ) पेडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी	130	297	427
मनोचिकित्सा	सामान्य ओपीडी	15615	63829	79444
	क) बाल निरीक्षण	781	688	1469

शल्यचिकित्सा विभाग		**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
शल्यचिकित्सा		55067	48826	103893
प्लास्टिक सर्जरी		2770	4454	7224
मूत्ररोग विज्ञान		15293	40293	55586
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण		3489	7319	10808
बाल शल्य चिकित्सा	**सामान्य ओपीडी**	8143	17858	26001
	क) हाइड्रोफेलस	03	34	37
	ख) बाल चिकित्सा मूत्ररोग विज्ञान	444	2192	2636

	ग) पी.एस.टी.सी.	24	498	522
संवेदनाहरण विज्ञान	क) पीड़ा क्लिनिक	802	2758	3560
	ख) पूर्व संवेदनाहरण क्लिनिक	12230	2471	14701
अस्थि रोग	**सामान्य ओपीडी**	60382	111982	172364
	क) फिजियोथेरेपी	25379	21962	47341
	ख) आक्यूपेशनल थेरेपी	859	3382	4241
	ग) हाइड्रोथेरेपी	962	5522	6484
	घ) ट्यूबरकुलोसिस	40	176	216
	ड़) स्कोलियोसीस	642	1435	2077
	च) हैंड क्लिनिक	480	747	1227
	च) सीटीईवी	216	2968	3184
	ज) खेल क्लिनिक	01	03	04
	झ) फ्रेजिलिटी फ्रैक्चर क्लिनिक और संपर्क सेवा	76	227	303
	ञ) हड्डी और नरम ऊत्तक सार्कोमा क्लिनिक	26	13	39
कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान	**सामान्य ओपीडी**	45337	64403	109740
	क) श्रवणविज्ञान	122	35	157
	ब) वाक	2758	2279	5037
	ग) श्रवण	238	557	795
	घ) वाणी	292	246	538
	ड़) वर्टिगो	131	266	397
	च) नासाविज्ञान	206	87	293
	छ) एच.एन. एवं आर.	76	87	163
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	**सामान्य ओपीडी**	36035	80683	116718
	क) आईवीएफ	702	4221	4923
	ख) परिवार कल्याण	4267	4053	8320
	ग) प्रसव पूर्व	749	3859	4608
	घ) अंतः स्राविकी स्त्रीरोग	73	145	218
	ड़) उच्च जोखिम सगर्भता	146	10280	10426
विकिरण चिकित्सा		277	816	1093
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	**सामान्य ओपीडी**	10990	25249	36239
	क) प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स	2805	5513	8318

	ख) अक्षमता मूल्यांकन क्लिनिक	00	92	92
	ग) ओपीडी (पीटी अनुभाग)	00	15924	15924
	घ) ओपीडी(ओटी अनुभाग)	00	9318	9318
	ड़) ओपीडी(एमएसएसओ)	1559	1671	3230
अन्य	1. आपातकालीन/आपात	101861	47689	149550
	2. कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	135296	90197	225493
	3. पोषण	11105	00	11105
महायोग		***789175***	***1254427***	***2043602***

6.2 आहारविज्ञान

प्रभारी अधिकारी

डॉ. महेश आर.

अपर आचार्य, अस्पताल प्रशासन विभाग

मुख्य आहारविद्

डॉ. (श्रीमती) परमीत कौर

आहारविद्

सुश्री स्वप्ना चतुर्वेदी — सुश्री गुरदीप कौर

सहायक आहारविद्

सुश्री वसुंधरा सिंह — सुश्री अंजली भोला

सुश्री मोनिता गहलोत — सुश्री रेखा पाल

<u>ज्वलन एवं प्लास्टिक सर्जरी खंड में नियुक्त</u>

सुश्री अपर्णा पारीक — सुश्री ग़ज़ाला रहमान

आहारविद् विभाग प्रतिदिन लगभग 2,300 अंतरंग रोगियों की चिकित्सीय आहार की जरूरतों का ध्यान रखता है। उनके संबंधित वार्डों में आहार विशेषज्ञों द्वारा पोषण संबंधी जांच और मूल्यांकन के आधार पर रोग एवं आहार संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार रोगियों को विभिन्न प्रकार का आहार दिया जाता है।

मुख्य अस्पताल और केंद्रों के भर्ती रोगियों को 3 प्रमुख एवं 2 गौण भोजन सहित भेजे गए विभिन्न प्रकार के आहार का वर्ष भर का अनुमानित डेटा निम्नानुसार है:

अंतरंग रोगियों की संख्या, जिन्हें प्रति वर्ष आहार प्रदान किए गए (मुख्य अस्पताल एवं केन्द्र)

क्र.सं.	**आहार का प्रकार**	**रोगियों की संख्या**
1.	सामान्य	4,18,418
2.	प्राइवेट वार्ड	88,065
3.	अर्धठोस	70,722
4.	चिकित्सीय	1,51,991
5.	एन्टरल (आंत्र) भोजन	59,965
	कुल	**7,89,161**

पोषण संबंधी परामर्श के अतिरिक्त मुख्य अस्पताल में ओ.पी.डी. और क्लिनिक भी चलाए जाते हैं। विभाग द्वारा परामर्श प्राप्त करने वाले अंतरंग और बाह्य रोगियों की अनुमानित संख्या निम्नानुसार है:

बाह्य और अंतरंग पोषण परामर्श पाने वाले रोगियों की कुल संख्या (मुख्य अस्पताल)

लिंग	**बाह्य**	**अंतरंग**	**कुल**
पुरुष	5,206	4,000	9,206
महिला	4,561	3,524	8,085
कुल	9,767	7,524	17,291

शिक्षा

- एम. एससी. खाद्य एवं पोषण के छात्रों हेतु लघु अवधि प्रेक्षकता
- एम्स नर्सिंग महाविद्यालय के बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग तथा पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग छात्रों हेतु पोषण कक्षाएँ

विभागीय क्रमिक चिकित्सा शिक्षा/कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/सम्मेलन

- 6 अप्रैल 2019: शिशु मंदिर, एम्स परिसर में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दिए गए विषय (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज: एवरीवन, एवरीवेयर) के अनुसार विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। बच्चों को स्वस्थ खाने की आदतों के बारे में शिक्षित किया गया और बच्चों के लिए "स्वस्थ भोजन" शीर्षक वाला एक पोस्टर भी प्रदर्शित किया गया।
- 9 अप्रैल 2019: रसोई कर्मचारियों के लिए पानी, सफाई और स्वच्छता (डब्ल्यू.ए.एस.एच.) पर केंद्रित पोस्टर प्रदर्शन किया गया।
- 22 मई 2019: एम्स, नई दिल्ली में आई.ए.पी.ई.एन. के सहयोग से सर्जिकल पोषण अपडेट।

- 15 अक्टूबर 2019: सभी के लिए स्वच्छ हाथ- विषय के साथ विश्व हाथ स्वच्छता दिवस
- 16 अक्टूबर 2019: हेल्दी डाइट फॉर ए ज़ीरो हंगर वर्ल्ड-शीर्षक के साथ विश्व खाद्य दिवस

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. परमीत कौर

1. एमटीटी इन जेस्टेशनल डायबिटीज-टाइम फॉर मूव फॉरवर्ड, इंडियन डायटेटिक एसोसिएशन, दिल्ली चैप्टर, 6 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
2. वयस्क ठोस अंग प्रत्यारोपण के लिए पोषण के बुनियादी ढांचे, सर्जिकल पोषण पर आईएपीईएन संगोष्ठी श्रृंखला, 22 मई 2019, नई दिल्ली
3. स्कूलों में भोजन, पोषण और आहार शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, सीबीएसई, 19-20 अगस्त 2019, नई दिल्ली
4. प्रसवपूर्व देखभाल, प्रसवोत्तर देखभाल के दौरान एवं बच्चों के इष्टतम विकास में पोषण का महत्व (विशेष आमंत्रित अतिथि व्याख्यान), आयुषपोषणमाह समारोह, यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 27 सितंबर 2019, नई दिल्ली
5. स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, बोर्ड ऑफ स्टडीज एमवाईएएस-जीएनडीयू स्पोर्ट्स साइंसेज एंड मेडिसिन, 30 सितंबर 2019, अमृतसर
6. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में पोषण, सर्जिकल पोषण पर आईएपीईएन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 22 और 23 नवंबर 2019, बैंगलोर
7. स्वस्थ जीवन हेतु पोषण, 16 नवंबर 2019, निर्माण भवन नई दिल्ली में भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत पहल
8. मोटापे का वैश्विक भार, आईएपीईएन नैदानिक पोषण कांग्रेस, 8 फरवरी 2020, पुदुचेरी
9. माँ और बच्चे हेतु अनुशंसित आहार, यूनानी चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12 फरवरी 2020, नई दिल्ली
10. काइल लीक में पोषण, एम्स पुल्मोक्रिट 2020, 8 मार्च 2020, नई दिल्ली

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत के प्रायोगिक वार्डों में पेशेवर आहार संबंधी पद्धति में सुधार हेतु एक नैदानिक पोषण दृष्टिकोण। एक मार्गदर्शी अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 5

पुरस्कार, सम्मान एवं अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ. परमीत कौर ने जनवरी 2020 को राष्ट्रीय आयुष सम्मेलन में समग्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय; स्वस्थ जीवन शैली पर भारत सरकार द्वारा अतिथि व्याख्यान के लिए सर्टिफिकेट; 22 मई 2017 को पोषण स्क्रीनिंग और मूल्यांकन उपकरण से युक्त आईएपीईएन कुपोषण सप्ताह ऐप (मोबाइल फोन आधारित) का शुभारंभ; 7 सितंबर 2019 से भारत के माननीय उपराष्ट्रपति की विशेषज्ञ पैनल/सलाहकार; सलाहकार, बैचलर ऑफ वोकेशन (बी.वोके.), हेल्थ केयर मैनेजमेंट, एमवाईएएस-जीएनडीयू स्पोर्ट्स साइंस एंड मेडिसिन, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी कैंपस, अमृतसर, सत्र: 2019-20; रीसोर्स पर्सन, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), कक्षा XI और कक्षा XII के लिए भोजन, पोषण और आहार विज्ञान पाठ्यक्रम हेतु सामग्री लेखन; फरवरी 2020 को यूनानी चिकित्सा – अच्छा स्वास्थ्य एवं सेहत के सतत विकास लक्ष्य प्राप्ति (एसडीजी-3) शीर्षक पर वैज्ञानिक सत्र की रीसोर्स पर्सन; सदस्य, ईएलएसआई, भारत और दक्षिण एशिया क्षेत्र द्वारा प्रकाशित आपको स्वस्थ बनाने हेतु भोजन का अधिकार शीर्षक पर मोनोग्राफ के लिए स्वस्थ भोजन टास्क फोर्स की सदस्य।

अस्पताल बिलिंग अनुभाग

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के दौरान रोगियों के लिए अनुदानों की प्राप्ति और किए गए भुगतान निम्न प्रकार से हैं:

दाताओं (बैंक ब्याज +दान+निर्धन निधि बॉक्स) से प्राप्त दान	रु. 46,57,325
452 रोगियों को किए गए भुगतान	रु. 13,54,550

(वर्ष के दौरान दाताओं से प्राप्त अनुदानों के साथ-साथ 'एम्स निर्धन निधि खाते' में पिछले बकाया शेष से रोगियों को राशि वितरित की जाती है।)

6.4 नर्सिंग सेवाएं

मुख्य नर्सिंग अधिकारी (कार्यकारी)

सुश्री कमलेश चंदेलिया

नर्सिंग सेवा, एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगी और समुदाय को उच्च गुणवत्ता नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। पेशेवर नर्सें एक ऐसे परिवेश में कार्य करती हैं जो कि अस्पताल में संबद्ध विभागों के सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएं प्रदान करने में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करती हैं।

स्टाफ संख्या

अ.भा.आ.सं. में मुख्य स्तर कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित व्यावसायिक नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता है। अ.भा.आ.सं. में नर्सिंग सेवा में स्टाफ सदस्य एस.आई.यू. (स्टाफ निरीक्षण एकक) मानकों पर आधारित होते हैं।

अस्पताल/केंद्रों में कर्मचारी की संख्या

मुख्य परिचर्या अधिकारी	1 (कार्यकारी)
नर्सिंग अधीक्षक	5
उप परिचर्या अधीक्षक	39
सहायक परिचर्या अधीक्षक	200
वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी	1019
नर्सिंग अधिकारी	3365
कुल	**4629**

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा

अ.भा.आ.सं. में नर्सिंग उपचार के स्तर में सुधार करने के लक्ष्य के साथ प्रैक्टिस करने वाली नर्सों के क्लिनिकल ज्ञान को अद्यतन करने के लिए सेवाकालीन और सतत शिक्षा कार्यक्रम द्वारा वर्ष भर नर्सिंग स्टाफ शिक्षा को निष्पादित किया जाता है।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

एक सुसंरचित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम जनवरी 2011 से आरंभ किया गया है। प्रारंभ में, यह प्रत्येक एक घंटे की सप्ताह में दो बार की कक्षाओं के साथ शुरू किया गया था, बाद में इसे सप्ताह में तीन बार के लिए बढ़ा दिया गया। प्रति सप्ताह रोगी के बिस्तर के पास कार्य करने वाली नर्सों (नर्सिंग अधिकारी और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी) के लिए दो कक्षाओं का आयोजन किया गया, जबकि एक सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (प्रभारी सिस्टर और उपरोक्त) के लिए है।

प्रबन्धकर्त्ता : सुश्री कमलेश चंदेलिया
संरक्षक : सुश्री हनुमती देवी
शिक्षक : सुश्री रिबेका जे. हेराल्ड
सुश्री श्रीनित्या राघवन
सुश्री जे. सुब्बुलक्ष्मी

नैदानिक शिक्षण

नर्सिंग के कार्य क्षेत्र में नर्सिंग देखभाल के मानकों का उन्नयन करने के लिए और व्यावहारिक मुद्दों को हल करने के लक्ष्य के साथ मुख्य अस्पताल के ए, बी, सी और डी विंग्स में नैदानिक शिक्षण शुरू किया गया। यह प्रयास नैदानिक क्षेत्रों के बेडसाइड नर्सों और पर्यवेक्षी नर्सिंग कर्मियों की सक्रिय भागीदारी के

साथ 1 जनवरी 2015 को शुरू किया गया। अगस्त 2018 के आरंभ से नैदानिक शिक्षण का कार्य संबन्धित वार्डों की प्रभारी सहायक परिचर्या को सौंप दिया गया था।

सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाएं

विभिन्न समूहों में सूचीबद्ध विषयों पर कुल 106 व्याख्यान दिए गए। कुल 2758 नर्सों ने सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाओं में भाग लिया।

वरिष्ठ नर्सिंग कार्मिक/सीएनओ/एनएस/डीएनएस/एएनएस/एसएनओ एचआर के लिए कक्षाएं

1. सुरक्षित कर्मचारी
2. हेपेटिक विकार
3. स्ट्रोक
4. कार्डिएक इमर्जेंसी I
5. कार्डिएक इमर्जेंसी II
6. गुर्दे की गंभीर चोट
7. श्वसन संबंधी आपात स्थिति
8. एसआईयू एवं स्टाफिंग
9. कोरोना वायरस
10. दुर्दमताओं का अवलोकन
11. वेंटिलेटर वाले मरीजों का उपचार
12. हेपेटिक विकार
13. स्ट्रोक
14. कार्डिएक इमर्जेंसी I
15. कार्डिएक इमर्जेंसी II
16. दीर्घावधि गुर्दे की चोट
17. श्वसन संबंधी आपात स्थिति
18. एसआईयू एवं स्टाफिंग
19. कोरोना वायरस
20. दुर्दमताओं का अवलोकन
21. रोगी सुरक्षा

मॉड्यूल

भर्ती/अस्पताल से छुट्टी/हस्तांतरण/लामा/मृत्यु के लिए एक प्रोटोकॉल बनाया गया, क्योंकि अ.भा.आ.सं. में इस प्रकार का कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं था एवं यह प्रयत्न चुनौतीपूर्ण एवं पुरस्कार योग्य रहा है। अ.भा.आ.सं. प्रोटोकॉलस का गंभीर अध्ययन एवं समय-समय पर जारी हुए भर्ती/अस्पताल से छुट्टी की नीति संबंधी परिपत्रों ने इस दस्तावेज को अंतिम रूप दिया है।

एनआईए द्वारा आयोजित की गई सम्मेलन एवं कार्यशालाएं

अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में बेडसाइड नर्सिंग कार्मिक के लिए एक दिवसीय क्रिटीकल केयर नर्सिंग अपडेट।

दिवस/माह/वर्ष	कुल सहभागी
25 जुलाई 2019	37
1 अगस्त 2019	37
3 अक्तूबर 2019	37

वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों हेतु कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य

कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स के सहयोग से मुख्य अस्पताल के वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों के लिए आठ दिनों की कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

सॉफ्ट स्किल्स

मनोचिकित्सा विभाग के साथ नर्सों में सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाने के लिए एक कार्यशाला की योजना बनाई गई थी और इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन 21 फरवरी को किया गया जिसमें 40 नर्सिंग अधिकारियों ने भाग लिया था। वर्ष 2020 दौरान प्रतिमाह आधार पर ऐसी कार्यशालाओं की योजना बनाई गई है।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों में भाग लिया

1. हेपेटोलॉजी नर्सिंग में वर्तमान प्रगति पर कार्यशाला, 10 अप्रैल 2019, आईएलबीएस, वसंत कुंज, प्रतिभागी: 2
2. गुणवत्ता सुधार: नर्सिंग उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास, 15 अप्रैल 2019, प्रतिभागी: 2
3. एक नर्स "वॉयस टू लीड: हेल्थ फॉर ऑल", 6 मई 2019, प्रतिभागी: 126
4. आरटीआई पर कार्यशाला, 6 मई 2019, सीएमईटी, प्रतिभागी: 6
5. पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10-14 जून 2019, सीएफएनईयू, डी2/ 183, किदवई नगर पश्चिम, प्रतिभागी: 4
6. एलईएनईसी- ट्रेन द ट्रेनर्स प्रोग्राम-, 5-7 जून 2019, प्रतिभागी: 9
7. योग कार्यशाला, 17 जून 2019, सीआईएमईआर, प्रतिभागी: 11
8. उन्नत नर्सिंग चिकित्सा प्रशासन एवं गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम, 15-22 जुलाई 2019, एएचए हाउस, नोएडा, प्रतिभागी: 1
9. एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम, 5-7 अगस्त 2019, प्रतिभागी: 1
10. ईएमआईएनडीआईए 2019 प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप, 2 अगस्त 2019, प्रतिभागी: 10
11. रिटायरिंग स्टाफ हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 19-20 अगस्त 2019, प्रतिभागी: 4
12. बालचिकित्सा सघन चिकित्सा, 17 अक्टूबर 2019, प्रतिभागी: 20
13. वर्कशॉप में स्टोमा केयर हैंड्स, 12 अक्टूबर 2019, प्रतिभागी: 5
14. मिडवाइफरी कार्यप्रणाली को मजबूत करना, 14-22 अक्टूबर 2019, प्रतिभागी: 4
15. उन्नत नर्सिंग चिकित्सा प्रशासन एवं गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम, 16-20 सितंबर 2019, प्रतिभागी: 2
16. उन्नत नर्सिंग चिकित्सा प्रशासन एवं गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम, 21-26 अक्टूबर 2019, प्रतिभागी: 2
17. हेमेटोकोन, प्री कॉन्फ्रेंस 2019, 7 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 55
18. हेमेटोकोन, मुख्य सम्मेलन 2019, 8 और 9 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 10
19. मेरुदंड विकार के रोगियों की चिकित्सा, 21 अक्टूबर 2019, प्रतिभागी: 10

20. कांग्रेस ऑफ़ एशियन सोसाइटी ऑफ़ ट्रांसप्लांट, 29 अक्टूबर 2019 से 2 नवंबर 2019 तक, नई दिल्ली, प्रतिभागी: 1
21. एनयूआरएसआईसीओएन 2019, 1 और 2 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 1
22. एचआईएसआईसीओएन 2019, 12-15 सितंबर 2019, प्रतिभागी: 8
23. चाइल्ड केयर में पहली अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग क्रमिक चिकित्सा शिक्षा एवं मॉड्यूल विकास, 1 और 2 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 10
24. नए आयामों की खोज: नर्सिंग में अद्यतन चिकित्सा और कार्यप्रणाली, 14 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 20
25. नए आयामों की खोज: नर्सिंग में अद्यतन चिकित्सा और कार्यप्रणाली, 16 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 20
26. चेंजिंग टाएड्स इन क्वॉलिटी केयर-राइडिंग द वेव्स, 28-30 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 2
27. बाल दुर्व्यवहार पर सार्वजनिक व्याख्यान/सीएनई/सीएमई, 12 नवंबर 2019, प्रतिभागी: 18
28. नर्सिंग पेशेवरों के लिए अनुसंधान पद्धति, 2-10 दिसंबर 2019, प्रतिभागी: 2
29. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में क्यूआई कार्यशाला, 14 दिसंबर 2019, प्रतिभागी: 17
30. नर्सिंग में मुखरता; समय की आवश्यकता, 17 जनवरी 2020, प्रतिभागी: 25
31. नर्सिंग में सिमुलेशन, 4 फरवरी 2020, प्रतिभागी: 15
32. नर्सिंग कर्मियों के बीच सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाना, 10 फरवरी 2020, प्रतिभागी: 10
33. पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम, 27-31 जनवरी 2020, सीएफएनईयू, डी 2/ 183, किदवई नगर वेस्ट, प्रतिभागी: 5
34. आपातकालीन नर्सिंग-एक आगामी परिवर्तन, 3-7 फरवरी 2020, प्रतिभागी: 2
35. नर्सिंग संगोष्ठी-आईएसबीएमटी मीट 2020, 13 मार्च 2020, प्रतिभागी: 2
36. 8 वां आईएएनएन सम्मेलन, 9-11 फरवरी 2020, प्रतिभागी: 4
37. नर्स लेड हार्ट फेल्योर मैनेजमेंट प्रोग्राम, 11 फरवरी 2020, प्रतिभागी: 10
38. एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम, 10-12 फरवरी 2020, प्रतिभागी: 1
39. व्यसनी व्यवहार विकार के उपचार में नर्स की भूमिका, 9 मार्च 2020, प्रतिभागी: 12
40. 'गुड बेडसाइड ट्रांसफ्यूजन पद्धति' पर कार्यशालाएं, 16 अक्टूबर 2019, प्रतिभागी: 15

- मृत अंग एवं ऊतक दान पर नर्सों हेतु तीन प्रशिक्षण सत्र, सीएमईटी, एम्स।
- 99 नर्सों के प्रशिक्षण हेतु मृत अंग एवं ऊतक दान पर पाँच सत्र, ओर्बो, एम्स।
- सीएमईटी, एम्स में घाव देखभाल एवं पीड़ा दबाव की रोकथाम कार्यशाला: प्रतिभागी: 30
- सीआरटीपी एवं ईसीजी पाठ्यक्रम पर कार्यशाला, एम्स, प्रतिभागी: 206

परामर्शदाता एवं विशेषज्ञों के रूप में भागीदारी के अतिरिक्त वर्ष के दौरान कुल 1479 नर्सिंग कर्मियों ने 80 कार्यशालाओं/सम्मेलनों में भाग लिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

एनआईई टीम ने मुख्य नर्सिंग अधिकारी और डीएनएस प्रभारी के साथ एनपी को-एड मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अंसारी नगर पश्चिम में स्वास्थ्य वार्ता की एवं दौरा किया।

1. अच्छा स्पर्श; बुरा स्पर्श, प्रातः 10-10.30 बजे केजी से पहली कक्षा, 49 छात्र
2. अच्छा स्पर्श; बुरा स्पर्श, प्रातः 10.30-11 बजे, II से V कक्षा, 100 छात्र
3. स्तन स्व-परीक्षण एवं मासिक धर्म स्वच्छता, दोपहर 12 से 1 बजे, IX से XII, 47 छात्र

उच्च अध्ययन हेतु नर्सिंग कार्मिकों की प्रतिनियुक्ति

एम्स में नर्सिंग सेवाएं उच्च अध्ययन के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करके नर्सिंग चिकित्सा में सुधार पर ध्यान केंद्रित करती हैं। 5 साल की नियमित सेवाओं के बाद, नर्स पूर्ण वेतन सहित उच्च अध्ययन करने के लिए पात्र हैं। मुख्य अस्पताल से वर्ष के दौरान नौ नर्स पोस्ट-बेसिक बीएससी नर्सिंग कार्यक्रम और दस एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम कर रही थीं।

विभिन्न नर्सिंग शैक्षिक संस्थानों के लिए शिक्षात्मक दौरों का समन्वय एवं आयोजन

संपूर्ण भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के समूहों के लिए अ.भा.आ.सं. में नर्सिंग शिक्षकों द्वारा संचालित ओरियंटेशन की सूची निम्नानुसार है:

कॉलेज का नाम	**तिथि**	**छात्रों की संख्या**	**संकाय संख्या**
गवर्नमेंट स्कूल ऑफ नर्सिंग, तुमाकुरु, कर्नाटक	18 अप्रैल 2019	जीएनएम: 33	3
इग्नू/आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग	18 जुलाई 2019	पीसी बीएससी III वर्ष: 11	-
गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मैसूर, कर्नाटक	31 अक्तूबर 2019	IV वर्ष बीएससी: 35	2
पीआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, पांडेचरी	7 नवम्बर 2019	IV वर्ष बीएससी एवं एमएससी: 35	2
डीवाई पटेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुंबई	21 नवम्बर 2019	बीएससी एवं एमएससी: 35	2
रमैय्या कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर, कर्नाटक	6 फरवरी 2020	बीएससी: 35	2
सीएमसी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, इम्फ़ाल	5 मार्च 2020	बीएससी: 35	2

क्रेडिट घंटे संबंधी प्रमाणपत्र जारी करना

कुल आठ नर्सों को नर्सिंग परिषद में पंजीकरण हेतु क्रेडिट घंटों का प्रमाणपत्र जारी किया गया।

अन्य विभागों के सहयोग से आयोजकों के रूप में योगदान

एनआईईई टीम ने एम्स के भीतर और बाहर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जैसे:

सम्मेलन	**सहयोगी**	**तिथि**	**उपस्थिति**
एचईएमएटीओसीओएन 2019	रुधिरविज्ञान विभाग	7 नवम्बर 2019	55
एनयूआरएसआईसीओएन 2019	अस्पताल प्रशासन विभाग	10-11 दिसम्बर 2019	100 प्रतिदिन

केएल विग सीएमईटीआई के साथ समन्वय

सीएमईटी द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों के चयन और नामित करने में केएल विग सीएमईटी के साथ समन्वयन।

संक्रमण नियंत्रण संबंधी नर्सों की गतिविधियां

मुख्य अस्पताल 2019-20

संक्रमण नियंत्रण कोर समिति

डॉ. डीके शर्मा	चिकित्सा अधीक्षक, एम्स, अध्यक्ष
डॉ. आरती कपिल	आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
डॉ. राकेश लोढ़ा	आचार्य, बालचिकित्सा विभाग
डॉ. रश्मि रामचंद्रन	आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
डॉ. अनूप डागा	सह आचार्य, अस्पताल प्रशासन
डॉ. करण मदन	सहायक चिकित्सक, पल्मोनरी मेडिसिन विभाग
डॉ. गगनदीप सिंह	सहायक आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
डॉ. झुमा शंकर	सहायक आचार्य, बालचिकित्सा विभाग
सुश्री नंदश्री जॉर्ज	नर्सिंग अधीक्षक, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री एल्प्रेडा एम विक्टर	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, प्रभारी संक्रमण नियंत्रण नर्स
सुश्री एमआरई वसंथ	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स
सुश्री बैटी मारिया बीनू	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स
श्रीधवल द्विवेदी	नर्सिंग नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स
श्री कुंज बिहारी गौतम	नर्सिंग नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण नर्स

एच.आई.सी.सी.ओ.एम. कोर समिति दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों एवं इंटरवेंशन्स पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर बैठक करती है। एच.आई.सी.सी.ओ.एम. संक्रमण नियंत्रण कोर समिति के साथ समय-समय पर प्रशासनिक दौरे संचालित करती है, समस्याओं को पहचान कर उन पर चर्चा करती है तथा उनमें सुधार करती है।

एच.आई.सी.सी.ओ.एम. की गतिविधियां

1. एच.आई.सी.सी.ओ.एम. (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) ने नर्सों के लिए माह में अर्धदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया, कुल **307** नर्सिंग अधिकारियों ने इसमें भाग लिया। पूर्व एवं पश्चात जांच संचालित की एवं उसका विश्लेषण किया गया।
2. विभिन्न स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों को हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई. एवं बी.एम.डब्ल्यू. उपचार पर जागरूक करना, कुल **98** अस्पताल परिचरों एवं **76** सफाई परिचरों ने सत्र में भाग लिया।
3. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अ.भा.आ.सं. द्वारा **30** सेवारत नर्सिंग कार्मिक के समूह के लिए "क्लिनिकल नर्सिंग अपडेट" में संक्रमण नियंत्रण नर्स की भूमिका पर आई.सी.एन. ने सत्र का आयोजन किया।
4. कॉलेज ऑफ नर्सिंग अ.भा.आ.सं. के नर्सिंग कॉलेज के नर्सिंग छात्रों के लिए संक्रमण नियंत्रण रोकथाम एवं प्रैक्टिस से संबंधित शिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित रहे।
5. आई.सी.एन. ने मुख्य किचन स्टाफ के **83** कर्मचारियों के समूह के लिए हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई. का प्रयोग एवं प्रतिरक्षाकरण की महत्ता पर कक्षाओं का आयोजन किया। काया-कल्प दौरों के दौरान संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा उपर्युक्त विषयों पर बल दिया गया।
6. एसएएसएच 2020 हेतु अस्पताल प्रशासन द्वारा आयोजित हाथ स्वच्छता स्टेशन में आई.सी.एन. ने संसाधन व्यक्ति के रूप भागीदारी की।
7. सभी आई.सी.एन. ने "काया-कल्प" 2019-2020 दौरों का आयोजन एवं संचालन में सक्रिय रूप से भाग लिया।
8. सफाई परिचरों एवं अस्पताल परिचरों के लिए हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई., स्पिल मैनेजमेंट एवं नीडल स्टिक क्षति प्रोटोकॉल जागरूकता पर बल दिया गया।
9. बायोटिक कर्मचारियों के लिए हाथ की स्वच्छता, पी.पी.ई., प्रतिरक्षाकरण, स्पिल मैनेजमेंट तथा नीडल स्टिक क्षति प्रोटोकाल्स, निजी स्वच्छता, बी.एम.डब्ल्यू. नियमों के अनुसार बी.एम.डब्ल्यू. ट्रॉली को भरने के लिए सत्र का संचालन किया।
10. आई.सी.एन. ने संक्रमण नियंत्रण पुस्तिका के संशोधित संस्करण की अंतर्वस्तु एवं उसे अंतिम रूप देने में योगदान दिया।
11. चार्ट के रूप में नीडल स्टिक क्षति एवं स्पिल प्रबंधन प्रोटोकाल पर एस.ओ.पी. को अ.भा.आ.सं. के सभी क्लिनिकल क्षेत्रों में बनाया गया, बांटा गया तथा प्रदर्शित किया गया।

12. विभागाध्यक्ष के अनुरोध पर कायचिकित्सा विभाग के रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिस एवं बी.एम.डब्ल्यू. प्रबंधन पर जागरूकता।
13. आई.सी.एन. ने लॉड्री सुविधा स्टाफ एवं शवगृह स्टाफ में हाथ की स्वच्छता, निजी स्वच्छता, पी.पी.ई. एवं बी.एम.डब्ल्यू. प्रबंधन पर सत्र संचालित किए।

कोविड-19 शिक्षण एवं प्रदर्शन गतिविधियाँ

1. कोविड महामारी के दौरान कोविड-19 मामलों को रोकने के लिए आई.सी.एन. सक्रिय रूप से शामिल किए गए।
2. एचआईसीसीओएम एम्स के मार्गदर्शन में आई.सी.एन., फरवरी 2020 के प्रथम सप्ताह से सभी स्वास्थ्य कर्मिकों के लिए संक्रमण नियंत्रण एवं मानक सावधानियों पर रोकथाम के लिए प्रशिक्षण का आयोजन और संचालन कर रहा है।
3. एचआईसीसी एम्स समय-समय पर गतिशील दिशानिर्देश विकसित कर रहा है और आई.सी.एन. सभी नैदानिक क्षेत्रों में उन पर जोर दे रहा है।
4. आई.सी.एन. ने 8 वीं मंजिल से लेकर मुख्य अस्पताल के भूतल तक सभी स्वास्थ्यकर्मियों के लिए मानक सावधानियों, श्वसन शिष्टाचार और पीपीई पहनने और उतारने संबंधी प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित कीं। आईसीयू, एचडीयू, डे केयर यूनिट, प्राइवेट वार्ड, न्यू प्राइवेट वार्ड तीनों फ्लोर, इमरजेंसी सर्विस, ओपीडी ब्लॉक और न्यू आरएके ओपीडी क्षेत्र सहित ए, बी, सी और डी विंग के सभी वार्ड सुरक्षित किए गए हैं।
5. आईआरसीएच संकाय के अनुरोध पर-मुख्य अस्पताल के आई.सी.एन. ने आईआरई सेमिनार कक्ष में चेक सूची के साथ पीपीई पहनने और उतारने के तरीकों का प्रदर्शन किया, लगभग 60 चिकित्सकों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने सत्र में भाग लिया।
6. मुख्य अस्पताल के आई.सी.एन. ने एनसीआई झज्जर में स्वास्थ्यकर्मियों को पीपीई पहनने और उतारने संबंधी प्रशिक्षण दिया। आईसीएन ने 50 स्वास्थ्यकर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
7. आई.सी.एन. ओटी तकनीशियनों, सुरक्षा गार्डों, एम्बुलेंस चालकों के प्रशिक्षण में शामिल रहे और अब तक के सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थिति बनाए रखी।
8. सी6 वार्ड, डी6 वार्ड और न्यू प्राइवेट वार्ड भूतल में कोविड-19 संबंधी सुविधाओं की स्थापना करते समय इनपुट देने के लिए आईसीएन एचआईसीसोओएम टीम के साथ शामिल रही। आईसीएन ने पीपीई पहनने और उतारने पर फिर से जोर दिया और 20 मिनट की अवधि के लिए 0.5% सोडियम हाइपोक्लोराइट सॉल्यूशन में चश्में और फेस शील्ड का कीटाणुशोधन किया और उन्हें पुनः उपयोग के लिए तैयार किया।
9. आईसीएन आईडी रेजीडेंट्स के साथ प्रशिक्षण प्रयोजन के लिए पीपीई पहनने और उतारने पर बनी वीडियो की शूटिंग का हिस्सा थे। यह वीडियो अब अंग्रेजी और हिंदी दोनों में एम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

10. आईसीएन आवश्यकता पड़ने पर एचआईसीसीओएम कोर समूह के सदस्यों द्वारा आयोजित एचआईसीसीओएम बैठक में भाग ले रहे हैं और पर्यावरणीय स्वच्छता पर गतिशील दिशा-निर्देशों को संवेदनशील बनाने में शामिल हैं, सभी सतहों, बेड रेल, डोर नॉब, लॉकर्स और उच्च स्पर्श क्षेत्रों, वस्तुओं के कीटाणुशोधन सहित आवृत्ति में वृद्धि करना, निस्संक्रामक समाधान, कोविड सुविधा के टर्मिनल कीटाणुशोधन, उचित फ़ॉगिंग दिशानिर्देश, कोविड सुविधा से नमूनों का परिवहन, कोविड सुविधा में रोगियों के लिए उपयोग किए जाने वाले लिनन का संचालन, लिफ्ट ले जाए गए रोगी की हर बार सफाई और कोविड सुविधा में बायो मेडिकल कास्ट का प्रबंधन और रिकॉर्ड बनाए रखना तथा बैग की संख्या को बायोटिक टीम और उसके उचित परिवहन को सौंप देना इत्यादि कार्य शामिल हैं।
11. एचआईसीसीओएम टीम के अनुरोध पर आईसीएन सभी गैर कोविड वार्डों में सभी सतहों पर पोंछा लगाने, अतिरिक्त 10 फेस शील्ड, 10 चश्मे और अतिरिक्त पीपीई रखने के लिए 1% सोडियम हाइपोक्लोराइट सॉल्यूशन के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है।
12. कोविड सुविधाओं में नर्सों, एचए और एसए के लिए पीपीई पहनने और उतारने पर पुनः ज़ोर देने और उन्हें शिक्षित करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया क्योंकि उन्हें बार-बार इन्हें बदलना पड़ता है तथा पीपीई की आवश्यकता पड़ने पर इसका उचित उपयोग किया जा सके।

स्वास्थ्यकर्मियों के लिए कोविड प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक झलक:

कोविड 19 पर मानक सावधानियों एवं श्वसन शिष्टाचार पर एचआईसीसी वर्ग में कुल 438 डॉक्टर, 1205 नर्सिंग अधिकारी, 44 सफाई पर्यवेक्षक, 684 अस्पताल/सफाई परिचर, 95 तकनीशियन, 25 एम्बुलेंस ड्राइवर, 22 पीसीसी/पीसीएम और 72 गार्ड शामिल हुए।

संक्रमण नियंत्रण देखरेख संबंधी गतिविधियाँ

आईसीयू/एचडीयू, सर्जिकल क्षेत्रों पर बीएसआई, आरटीआई (वीएपी), एसएसआई, यूटीआई, सीएसएफ/अन्य संक्रमणों आदि में कुल एचसीआई पर आंकड़ों का संग्रह। सभी सर्जिकल एककों और सभी आईसीयू के लिए महीने-वार किए गए डेटा का विश्लेषण किया गया तथा सर्जिकल एकक और आईसीयू के सभी संबंधित आचार्य-प्रभारियों के साथ यह विश्लेषण साझा किया गया।

वार्षिक स्वास्थ्य उपचार संबंधित संक्रमण (एच.सी.ए.आई.) दर

क्षेत्र	**कुल बड़ी सर्जरी/भर्ती**	**एच.सी.ए.आई.**	**%**
शल्यक एकक	15081	553	3.6
आई.सी.यू.	4869	570	11.7

संयुक्त एच.सी.ए.आई. दर: $\frac{(553+570)\times 100}{19950}=5.6\%$

शल्यक एककों एवं आई.सी.यू. के लिए मासिक अवेक्षण एवं आंकड़ो की गणना की गई तथा मासिक सूचना पत्र हेतु एम.आर.डी. अनुभाग में जमा किया गया।

1. शल्यक एकक एवं आई.सी.यू. के वार्षिक संयुक्त आंकड़े विश्लेषण की गणना की गई तथा उक्त को डॉ. आरती कपिल, प्रभारी आचार्य, सूक्ष्मजैव विज्ञान, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण, आचार्य डी.के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, सुश्री कमलेश चंदेलिया, मुख्य नर्सिंग अधिकारी, डॉ. अनूप डागा, प्रभारी अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण, अस्पताल प्रशासन एवं चिकित्सा अभिलेख अनुभाग को वितरित किया गया।
2. संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा जांच सूची का प्रयोग करके दैनिक आधार पर वैयक्तिक क्षेत्र के दौरों का संचालन किया गया है एवं आवश्यकता पड़ने पर क्लिनिकल क्षेत्र में स्थल प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा संक्रमण नियंत्रण कोर कमेटी (एच.आई.सी.सी.ओ.एम.) के साथ चर्चा के पश्चात समस्याओं का निपटान किया जाता है।
3. निरीक्षण गतिविधियां: पर्यावरण संबंधी संवर्धन एवं जीवाणुरहित नमूनों के अवेक्षण को मासिक आधार पर किया जाता है तथा रिपोर्ट रिकार्ड की जाती है एवं इसे सभी संबंधित क्षेत्रों को वितरित किया जाता है तथा अस्पताल नीति के अनुसार उचित प्रोटोकॉल को सुदृढ़ बनाने के लिए चर्चा की जाती है।

वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल से एकत्रित अवेक्षण नमूने

कुल अवेक्षण नमूने	कुल पर्यावरण एवं विसंक्रमित नमूने	कुल उपयोग में घोल के नमूने	कुल विसंक्रमित नमूने		कुल संक्रमित नमूने	
			पर्यावरण एवं विसंक्रमित नमूने	उपयोग में घोल के नमूने	पर्यावरण एवं विसंक्रमित नमूने	उपयोग में घोल के नमूने
3003	2174	825	1822	724	352	101

महामारी के उपचार को मॉनीटर करना एवं एच.सी.डब्ल्यू. को सावधानियों के संबंध में शिक्षित करना। रिपोर्ट बुक को दैनिक आधार पर रिपोर्टिंग हेतु तथा घटना एवं इंटरवेंशन की रिपोर्टिंग हेतु एक समर्पित रजिस्टर का भी अनुरक्षण करना।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत "**काया-कल्प**"-स्वच्छ अस्पताल अभियान का शुभारंभ किया है। स्वच्छ एवं हरित अ.भा.आ.सं. अभियान के दिशा-निर्देशों को तैयार किया गया। अ.भा.आ.सं. इन दिशा-निर्देशों को अंगीकार करके एवं परिवर्तन का प्रतिनिधि बनकर काया-कल्प रूपांतरण के इस आंदोलन के नेतृत्व हेतु विशेष रूप से तैयार है।

डब्ल्यू.एच.ओ. हस्त स्वच्छता दिवस मनाया गया एवं आई.सी.एन. ने हस्त स्वच्छता पर जन जागरूकता का संचालन किया जिसे आर.ए.के.ओ.पी.डी. एवं पी.आर.सी. में **3 बार** प्रदर्शित किया गया तथा इसमें लोगों की सक्रिय जन सहभागिता देखी गई।

6.5 चिकित्सा समाज कल्याण एकक

प्रभारी अधिकारी
डॉ. जितेंदर सोढ़ी
सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन विभाग

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
बी.आर. शेखर

पर्यवेक्षण चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
पंकज कुमार

परिचय

एम्स में चिकित्सा समाज कल्याण एकक की नींव 1960 में उस समय रखी गई थी जब मुख्य अस्पताल में प्रथम चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता को नियुक्त किया गया था। चिकित्सा समाज कल्याण इकाई बहुत ही शुरुआत से चिकित्सा अधीक्षक की देखरेख में काम कर रही है। चिकित्सा सामाजिक सेवाओं के एकीकरण से सकारात्मक परिणाम मिले हैं क्योंकि यह रोगियों के लिए सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और वित्तीय सहायता प्रदान करता है और उपचार प्राप्त करते समय कष्ट को कम करता है। चिकित्सा समाज कल्याण एकक के अंतर्गत 12 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) मुख्य अस्पताल में ओपीडी और 20 महत्वपूर्ण विभागों के वार्डों की देखभाल कर रहे हैं। इसके अलावा, यहां रोगी देखभाल और मार्गदर्शन के लिए एकक के तहत 20 अंशकालिक सामाजिक गाइड (पीटीएसजी) और एक अस्पताल परिचर कार्य कर रहे हैं।

हमारा सिद्धांत : "रोगियों के लिए प्रतिबद्ध, एम्स के लिए प्रतिबद्ध"

हमारा उद्देश्य

1. डॉक्टर, पैरामेडिकल कर्मचारी, रोगी, परिवार और समुदाय के बीच एक चिकित्सीय-नेटवर्क बनाना।
2. संपूर्ण शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और व्यावसायिक पुनर्वास के लिए एक समग्र-हीलिंग की ओर अग्रसर करना।
3. रोगियों के बुनियादी मानव अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
4. निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए विभिन्न सेवाओं को सुविधाजनक बनाना।

5. आधारभूत रोगी कल्याण सेवाओं को सरल बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन और उपचार कर रहे संकायों के साथ समन्वय करना।

6. समाज कार्य के छात्रों को चिकित्सा समाज कार्य का प्रशिक्षण और अभिविन्यास प्रदान करना।

7. हमारे एकक और एम्स के अन्य विभागों द्वारा शुरू की गई अनुसंधान अध्ययनों का संचालन और समन्वय करना।

पदनाम	स्टाफ-सदस्यों की संख्या
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड I	1
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड II	9

विशिष्टताएं

अ.भा.आ.सं. में ए. बी.-पीएमजेएवाई योजना का समन्वय एवं कार्यान्वयन

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ए बी-पीएमजेएवाई), भारत सरकार के कार्यक्रम का दिनांक 23 सितंबर 2018 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किया गया। अ.भा.आ.सं. इस कार्यक्रम को लागू करने में हस्ताक्षरकर्ता एवं सहभागी है तथा उक्त के लिए अ.भा.आ.सं. गेट नं.1 (ओपीडी के सामने) के पास एक समर्पित कार्यालय का निर्माण किया गया।

आरोग्य मंथन में एम्स निदेशक के साथ ए.बी.- पीएमजेएवाई की एक टीम

चिकित्सा समाज कल्याण एकक चिकित्सा अधीक्षक के नेतृत्व के तहत प्रधानमंत्री आरोग्य मित्र (पीएमएएम) एवं रोगी उपचार प्रबंधक (पीसीएम) की टीम के साथ इस योजना को अ.भा.आ.सं. में लागू करने हेतु समन्वय कर रहा है। इस योजना को लागू करने के लिए एम.एस.एस.ओ. एक मुख्य अधिकारी हैं तथा मुख्य एम.एस.एस.ओ. के पर्यवेक्षण के तहत चिकित्सा समाज कल्याण एकक ने यह सुनिश्चित किया कि यह कार्यक्रम अधिकांश लाभार्थियों तक पहुँचे।

यह सक्रिय केंद्र लाभार्थी पहचान, गोल्डन कार्ड जेनरेशन, उपचार पैकेज चयन, पैकेज का पूर्व-प्राधिकार, शल्यक एवं चिकित्सा उपचार, दावा आरंभ, रिपोर्टिंग एवं नेटवर्किंग को सरल बनाता है। ए. बी-पीएमजेएवाई के अंतर्गत लाभान्वित रोगियों के समेकित आंकड़े नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

कुल वॉक-इन	10,133
बीआइएस अनुरोध	4,052
कुल सर्जिकल केस	2,728
कुल मेडिकल केस	950
कुल केस	3,678

आयुष्मान भारत की टीम- एम्स नई दिल्ली

गरीब एवं निर्धन रोगियों के लिए उपचार हेतु वित्तीय सहायता

1. एम्स निर्धन निधि में रु. 46,57,325 प्राप्त हुए।
2. एम्स एमएस निर्धन निधि के माध्यम से 452 निर्धन रोगियों को रु.13,54,550 की सहायता दी गई।
3. एमएसएसओ निर्धन निधि के माध्यम से गरीब और निर्धन रोगियों को रु. 1,00,000 की सहायता की सुविधा दी गई।
4. बीपीएल रोगियों को जानलेवा बीमारियों के इलाज कराने के लिए राष्ट्रीय रोग सहायता कोष (एनआईएएफ) से रु.19,23,14,906 प्राप्त किए।
5. 660 बीपीएल रोगियों (केंद्रीय समिति के 340 रोगियों को अनुदान के लिए 5 लाख रुपये से ऊपर और 320 उप-समिति के लिए 5 लाख रुपये से कम अनुदान के लिए) ने जानलेवा रोगों के उपचार हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) अम्ब्रेला योजना से रु. 4,94,50,000 का अनुदान प्राप्त किया।

6. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)/ट्रस्ट/गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से वित्तीय सहायता की व्यवस्था की गई:

फ़िएम फ़ाउंडेशन	32 रोगियों हेतु रु 62,79,391
रिलैक्सो फुटवेयर्स	14 रोगियों हेतु रु 9,56,681
रोशनी फ़ाउंडेशन	20 रोगियों हेतु रु 9,38,462
बैज नाथ भण्डारी ट्रस्ट	7 रोगियों हेतु रु 1,48,300
जवाहर भवन ट्रस्ट	9 रोगियों हेतु रु 1,78,100
साहू जैन ट्रस्ट	5 रोगियों हेतु रु 67,000
सेवाप्रकल्पमहिला मण्डल ट्रस्ट	6 रोगियों हेतु रु 1,59,000
युवराज सिंह फ़ाउंडेशन	1 रोगी हेतु रु 5,00,000
द्वारका प्रसाद ट्रस्ट	रु 3,00,000
गोपाल फ़ाउंडेशन	कैंसर रोगी हेतु दवाईयाँ

चिकित्सा समाज कल्याण एकक, कक्ष सं. 9, आरएके ओपीडी

गरीब एवं निर्धन रोगियों के लिए नि:शुल्क दवाइयां एवं अन्य दान

1. एम.एस.डब्ल्यू.यू. में स्वैच्छिक दान के द्वारा 12,000 ओपीडी रोगियों को रु.13,00,000/- मूल्य की निशुल्क दवाइयां।
2. एम्स में लगभग 1000 भर्ती रोगियों को निर्धन रोगी प्रोफॉर्मा के अंतर्गत निशुल्क दवाइयाँ/सर्जिकल उपकरण

अस्पताल शुल्क और रेलवे रियायत की छूट

1. लगभग 15,000 बीपीएल/गरीब रोगियों को सीटी, एमआरआई, पीईटी, एचएलए आदि सहित विभिन्न अस्पताल प्रभारों की छूट।
2. लगभग 5000 रोगियों को उपचार/संबंधित संकाय की सिफारिश पर छूट।
3. लगभग 10,050 मरीजों को रेलवे रियायत सुविधा प्रदान की गई।

परामर्श एवं मार्गदर्शन:

1. रेफरल सेवाओं, स्वास्थ्य योजना जैसे एबी पीएमजेएवाई, आरएएन, वित्तीय सहायता, डायलिसिस केंद्र, आदि के लिए लगभग 42,000 रोगियों को परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया।
2. निदान संबंधी समायोजन, आघात, संभावित भूमिका परिवर्तन, बीमारी के भावनात्मक या सामाजिक प्रतिक्रियाओं और अस्पताल में उपचार की मांग कर रहे रोगियों/ परिवारों / देखभाल प्रदाताओं की मदद करने के उद्देश्य से संबंधित 60,000 रोगियों के परामर्श और लक्षित चिकित्सीय हस्तक्षेप को संबोधित किया गया था।

आपात चिकित्सा के माध्यम से पुनर्वास और रेफरल

1. लगभग 102 रोगियों का पुनर्वास किया गया: मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) और नॉन- एमएलसी अज्ञात/उपेक्षित/निराश्रित/ अनाथ।
2. बिस्तर की अनुपलब्धता के कारण आपात एमएसएसओ के माध्यम से प्रवेश के लिए सफदरजंग और अन्य सरकारी अस्पतालों में लगभग 10,220 रोगियों को स्थानांतरित किया गया।
3. माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अंतर्गत निशुल्क इलाज के लिए रोगियों को निजी अस्पतालों में भेजा गया।

मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम के अंतर्गत अंग प्रत्यारोपण का प्राधिकरण:

मानव अंग प्रत्यारोपन अधिनियम (टीएचओए), 1994 के अनुसार असंबंधित गुर्दा दानकर्ता के तेईस मामलों की जांच, मूल्यांकन, प्रलेखन के बाद उन्हें रीनल ट्रांसप्लांट ऑथराइजेशन कमेटी के सामने प्रस्तुत किया गया।

प्रशिक्षण और अभिविन्यास:

विभिन्न कॉलेजों के सामाजिक कार्य छात्रों को अकादमिक अनुभाग के अंतर्गत सामाजिक कार्य प्रशिक्षण (लघुकालिक अवलोकनात्मक प्रशिक्षण) दिया, वर्ष भर में फील्ड कार्य तथा 'अस्पताल में चिकित्सीय सामाजिक सेवाओं" पर ओरिएंटेशन सत्रों का आयोजन किया।

विशेष समारोह:

26 अक्टूबर 2019 को एबी -5 वार्ड में दिवाली समारोह एवं मैजिक शो: चिकित्सा सामाजिक कल्याण एकक ने निदेशक, डीडीए, चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार तथा बाल शल्य चिकित्सा विभाग के प्रमुख की उपस्थिति में एक मैजिक शो एवं दीवाली समारोह का आयोजन किया।

एबी -5 वार्ड में दिवाली उत्सव समारोह

अन्य गतिविधियां

1. 25 सितंबर 2020 को 64 वें संस्थान दिवस समारोह और प्रदर्शनी में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर मेडिकल सोशल वेलफेयर यूनिट शीर्षक का एक व्यापक पोस्टर प्रदर्शित किया।
2. निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, उप निदेशक (प्रशासन), संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ 17 मार्च 2020 को विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। निदेशक, एम्स द्वारा चिकित्सा सामाजिक सेवाओं के विषय में एक विवरण पुस्तिका भी जारी की गई थी।

विश्व सामाजिक कार्य दिवस पर निदेशक, एम्स द्वारा विवरण पुस्तिका का विमोचन

वृहत्त रक्तदान शिविर

वृहत्त रक्तदान शिविर के दौरान मीडिया से बातचीत करते एमएसएसओ प्रमुख

27 फरवरी 2020 को लगभग 3000 यूनिट रक्तदान के साथ यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी। मेडिकल सोशल वेलफेयर यूनिट ने लोगों को जागरूक किया और लोगों को बड़े पैमाने पर इस कार्यक्रम में आगे आने और भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

अन्य योगदान:

1. आपात चिकित्सा में 179 गैर-एमएलसी से एमएलसी रूपांतरण।
2. ई-अस्पताल के माध्यम से सामाजिक सेवाओं और ऑनलाइन-छूट के लिए निरंतर डिजिटलीकरण।
3. एमएसएसओ प्रमुख ने अस्पताल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संवर्धन उप-समिति (कायाकल्प) में अपना योगदान दिया।

शिक्षा

शिक्षण गतिविधियां

1. श्री बीआर शेखर, एमएसएसओ प्रमुख ने पत्र प्रस्तुतिकरण सत्र की अध्यक्षता की तथा आल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रॉफ़ेशनल्स (एआईएएमएसडब्ल्यूपी) नॉर्थ-ईस्ट ज़ोन द्वारा आयोजित "सोशल रिसर्च इन हेल्थ केयर" पर एआईएएमएसडब्ल्यूपी के 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया।

एआईएएमएसडब्ल्यूपी सम्मेलन में श्री बी.आर. शेखर द्वारा अध्यक्षीय भाषण

2. श्री बी.आर. शेखर और श्री विवेक कुमार सिंह ने 5 अगस्त 2019 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में सामाजिक कार्य विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों के साथ "सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में एमएसएसओ की भूमिका" पर एक दिन का सत्र आयोजित किया।

श्री बी.आर शेखर, एमएसएसओ प्रमुख एवं विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के संकाय एवं छात्रों के साथ

3. श्री बी.आर शेखर, एमएसएसओ प्रमुख और श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ द्वारा सीएमईटी एम्स में प्रेरण कार्यक्रम के दौरान "एम्स में रोगियों के लिए समाज कल्याण योजनाएं" विषय पर नर्सिंग अधिकारियों के लिए सत्र आयोजित किए गए।

4. दिनांक 29 अक्टूबर 2019 को डॉ. कीर्ति आर्य को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "ड्रग उपयोगकर्ताओं का पुनर्वास: पंजाब राज्य में जिला पुनर्वास केंद्रों का एक अध्ययन" विषय पर पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा प्रशिक्षण गतिविधियाँ:

1. **सामाजिक कार्य प्रशिक्षण** - ब्लॉक प्लेसमेंट: देश भर के निम्नलिखित कॉलेजों से आए सामाजिक कार्य के 46 छात्रों को शैक्षणिक खंड के माध्यम से सामाजिक कार्य प्रशिक्षण (लघुकालिक अवलोकनात्मक प्रशिक्षण) दिया गया:

क. एमजेपीआरयू, बरेली, उ.प्र. (12 छात्र)

ख. इग्नू, नई दिल्ली (14 छात्र)

ग. आईआईटी, दिल्ली (1 छात्र)

घ. श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय, केरल (2 छात्र)

ङ. राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश (6 छात्र)

च. पुडुचेरी विश्वविद्यालय (1 छात्र)

छ. एमजीकेवीपी, वाराणसी (6 छात्र)

ज. बीएचयू, वाराणसी (1 छात्र)

झ. आईएसएस, बी.आर अम्बेडकर कॉलेज, आगरा (2 छात्र)

ञ. सीयूएचपी, हिमाचल प्रदेश (1 छात्र)

एमएसडब्ल्यू एकक में सामाजिक कार्य प्रशिक्षु

2. **सामाजिक कार्य प्रशिक्षण-समवर्ती क्षेत्र कार्य:** दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क (डीएसएसडब्ल्यू) और जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के 4 छात्रों को पूरे वर्ष भर में समवर्ती क्षेत्र कार्य दिया गया।

एम्स में एक ओरिएंटेशन के दौरान केरल से आए सामाजिक कार्य छात्र

3. **सामाजिक कार्य उन्मुखीकरण सत्र**: श्री बी.आर शेखर (एमएसएसओ प्रमुख), श्री पंकज कुमार (एमएसएसओ पर्यवेक्षक), सुश्री लीमा मैती (एमएसएसओ), श्री विवेक कुमार सिंह (एमएसएसओ) और डॉ. कीर्ति आर्य (एमएसएसओ) द्वारा निम्नलिखित कॉलेजों से आए निम्नलिखित सामाजिक कार्य छात्र समूहों से सामाजिक कार्य छात्रों को 'अस्पताल परिसर में चिकित्सा समाजिक सेवाओं' पर पाँच ओरिएंटेशन सत्र चलाए गए।

- वोर्हीस कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु

- लोयोला कॉलेज, चेन्नई
- जीईएमएस कॉलेज, मल्लापुरम
- शांतिगिरी कॉलेज, केरल
- बॉस्को कॉलेज, असम

4. एम्स में एमएसएसओ की भूमिका के बारे में श्री सौरभ कुमार, एमएसएसओ ग्रेड-I, एम्स-रायपुर को प्रशिक्षण एवं ओरिएंटेशन प्रदान किया गया, जो आधिकारिक रूप से चिकित्सा अधीक्षक के माध्यम से आयोजित किया गया था।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. **कार्यशाला**: आयुष्मान भारत: आरोग्य मंथन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, 30 सितंबर -1 अक्टूबर 2019, विज्ञान भवन, नई दिल्ली
2. **सम्मेलन**: मेडिकल कॉलेज में एबी-पीएमजेवाई सेवाओं को मजबूत करना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, 4 मार्च 2020, होटल शांगरी-ला, नई दिल्ली
3. **सम्मेलन**: ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स (एआईएएमएसडब्ल्यूपी) - 2020 का 7वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स (एआईएएमएसडब्ल्यूपी), नॉर्थ-ईस्ट ज़ोन, 6 और 7 फरवरी 2020, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, आरआईएमएस एवं जेएनआईएमएस, इंफाल, मणिपुर।

श्री बीआर शेखर, सुश्री नीरजा सपरा, श्री आफताब आलम शाह द्वारा सत्र की अध्यक्षता की गई

प्रस्तुत पोस्टर: एबी-पीएमजेवाई: मो. शाहिद, विवेक कुमार सिंह और श्री बी.आर शेखर द्वारा 'एक्सिलिरेटिंग इंडियाज़ प्रोग्रैस टूवर्ड्स अचीवमेंट ऑफ यूनिवरसल हैल्थ कवरेज'।

प्रस्तुत शोध पत्र:

1. मैती एल, शेखर बीआर. एक मूक पारिवारिक षड्यंत्र के रूप में अनाचार की अधिकता और तीव्रता: प्रगति की ओर
2. आर्य के. भारत में चिकित्सा सामाजिक कार्य की पुनःकल्पना: रोगी केन्द्रित स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए स्थापित वैश्विक प्रथा संबंधी साक्ष्य।

   1. **संगोष्ठी**: भारत में उच्च शिक्षा में महिला और लैंगिक समानता: मुद्दे और चुनौतियां, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, 11 जनवरी 2020, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

      शीर्षक: गैर सरकारी संगठन के समर्थन से प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में बालिका नामांकन दर में वृद्धि करना
   2. **क्रमिक शिक्षा चिकित्सा**: ब्रेन डेथ एंड ऑर्गन डोनेशन, ऑर्गन रिट्रीवल बैंकिंग ऑर्गनाइजेशन, एम्स, 5 जुलाई 2019, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली
   3. **कार्यशाला**: सूचना का अधिकार, 16 मई 2019, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली
   4. **कार्यशाला**: एफएसीई (फर्स्ट एड इन कॉमन इमरजेंसी), सर्जरी विभाग, 20 मई 2020, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली

5. कार्यशाला: एसएकेएसएचएएम (संगठनों का सशक्तीकरण), 21-23 सितंबर 2019 और 17-19 जनवरी 2020, एसपीजेआईएमआर, मुंबई

महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

1. श्री बीआर शेखर, डीडी किसान द्वारा 13 दिसंबर 2019 को एबी पीएमजेएवाई से संबंधित ***"वाद-संवाद"*** टॉक शो में सह-पैनलिस्ट डिप्टी सीईओ, एबी-पीएमजेएवाई, किसान नेता और एक अन्य वरिष्ठ

डीडी किसान पर "वाद-संवाद" कार्यक्रम के दौरान श्री बी.आर शेखर, एमएसएसओ प्रमुख

चिकित्सक के साथ एक पैनलिस्ट थे। शो का उद्देश्य इस मंच के माध्यम से अधिकतम लाभार्थियों को सेवा प्रदान करना था।

2. 6 अप्रैल 2019 को चिकित्सक छात्रावास एम्स में एमएसएसओ और रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन (आरडीए) के बीच एक दोस्ताना क्रिकेट मैच आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य अधिक सौहार्दपूर्ण संबंध और नेटवर्क विकसित करना था।

श्री राम गोपाल यादव, अध्यक्ष, संसदीय स्थायी समिति के साथ श्री बी.आर. शेखर, एमएसएसओ प्रमुख

3. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने "**संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा विधेयक, 2018**" की जांच की। समिति ने विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत की। समिति ने श्री बीआर शेखर, एमएसएसओ प्रमुख को 11 अक्टूबर 2019 को राज्यसभा में समिति के समक्ष पेश होने के लिए आमंत्रण भेजा। उन्होंने विधेयक में चिकित्सा सामाजिक कार्य पेशे को शामिल करने के लिए प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया और समिति के समक्ष बहुमूल्य सुझाव/इनपुट प्रदान किए। बाद में, समिति ने सभी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया।
4. एमएसडब्ल्यू एकक ने एमएसएसओ प्रमुख के नेतृत्व में कोविड-19 महामारी की चुनौतीपूर्ण स्थिति में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा कोविड-19 और इसकी रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा की। एकक ने विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से सर्जिकल मास्क, साबुन, सैनिटाइज़र इत्यादि की व्यवस्था करने हेतु समर्थन जुटाया।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 1 पुस्तकों में अध्याय: 2

7. नर्सिंग महाविद्यालय

आचार्य-सह प्राचार्य

डॉ. मंजू वत्स (30 जून 2019 तक)

डॉ. संध्या गुप्ता (कार्यकारी) (1 जुलाई 2019 से)

सह-आचार्य

डॉ. दीपिका सी खाखा	डॉ. कमलेश के. शर्मा	डॉ. शशि मवार
डॉ. पूनम जोशी	डॉ. एल. गोपीचन्द्रन	सुश्री सिबि ऋजु
सुश्री अदिति पी सिन्हा	डॉ. प्रज्ञा पाठक	सुश्री उज्जवल दहिया
सुश्री रिम्पल शर्मा	सुश्री सिसिलिया एम.एस.	सुश्री मंजू ए.के. राजोरा
सुश्री लेविस मुरी	सुश्री वाई सुरबाला देवी	सुश्री स्मिता दास
श्री अजेश कुमार टी.के.	सुश्री मिलन तिरवा	डॉ. एम. श्रीनिवासन (अक्टूबर 2019 से)

सहायक आचार्य

सुश्री गीता राज़दान

नर्सिंग ट्यूटर

सुश्री किरण सिंह सिमक	सुश्री गायत्री बत्रा	सुश्री सुचेता
सुश्री बबीता साहू	डॉ. फिलॉमिना थॉमस	सुश्री मीना आरा
डॉ. सीमा सचदेव	सुश्री अनुभा देवागौड़ा	सुश्री नीलिमा राज
सुश्री नेमखोलाम	श्री हंसराम	सुश्री मोनिका सभरवाल

सुश्री ममता चौधरी (अक्टूबर 2019 से)	सुश्री मनीता दलाल (सितम्बर 2019 से)
सुश्री सुमन डबास (अक्टूबर 2019 से)	सुश्री सविता (सितम्बर 2019 से)

शिक्षा

स्नातक

- बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग: 76 विद्यार्थी 4 वर्षीय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए।
- बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक): 21 विद्यार्थी 2 वर्षीय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए।

स्नातकोत्तर

- एम.एस.सी. नर्सिंग: 21 विद्यार्थी 2 वर्षीय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हुए।

नए विद्यार्थीगण

- 77 विद्यार्थियों ने बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग प्रथम वर्ष एवं 34 विद्यार्थियों ने बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया।

- 25 विद्यार्थियों ने इस वर्ष एम.एस.सी. नर्सिंग प्रोग्राम में निम्नलिखित विशेषज्ञताओं में प्रवेश लिया है:

  क.

  ख. अर्बुदविज्ञानी नर्सिंग (3)

  ग. गहन उपचार नर्सिंग (4)

  घ. बालचिकित्सा नर्सिंग (3)

  ड. तंत्रिकाविज्ञान नर्सिंग (4)

  च. वृक्कविज्ञानी नर्सिंग (3)

  छ. हृदविज्ञानी नर्सिंग/सी.टी.वी.एस. नर्सिंग (4)

  ज. मनोचिकित्सीय नर्सिंग (4)

नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा अभिविन्यास सत्रों का आयोजन किया गया:

- जापान एवं कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय से दो प्रतिनिधि समूह।
- नर्सिंग महाविद्यालय, डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे, भारत से दर्शकों का एक समूह
- भारतीय नर्सिंग परिषद की आवश्यकताओं के अनुसार स्नातक नर्सिंग कार्यक्रम में मिड-लेवल हेल्थ प्रोवाइडर (एम.एल.एच.पी.) पाठ्यक्रम की शुरूआत की।

सी.एम.ई./कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स के नर्सिंग अधिकारियों हेतु आठ नैदानिक सूचनाओं का समन्वयन किया गया।

   क. महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में एम.एस.सी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया गया।

      क. बच्चों के सुरक्षित एवं सतत गंभीर उपचार की दिशा में एक कदम (अक्टूबर 2019)

      ख. नए आयामों की खोज: नर्सिंग में नवीनतम उपचार एवं कार्य (नवम्बर 2019)

      ग. व्यसनी व्यवहार विकार का प्रबंधन (मार्च 2020)

      घ. नए आयामों की खोज: नर्सिंग में अद्यतन देखभाल और अभ्यास (नवम्बर 2019)

      ङ. नर्सिंग में मुखरता (जनवरी 2020)

   ख. कॉलेज के संकाय के निरीक्षण में बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) द्यितीय वर्ष के छात्रों द्वारा आयोजित-

      च. अनुकरण के माध्यम से कार्यस्थल परिवर्तन (फरवरी 2020)

      छ. सॉफ्ट स्किल्स को बढ़ाना: गुणवत्तापूर्ण उपचार की दिशा में आगे बढ़ना (फरवरी 2020) और

      ज. दिनांक 9 मार्च 2020 को "व्यसनी व्यवहार विकार का प्रबंधन" विषय पर मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग जानकारी

2. ऑर्बो, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से मृतक अंग और ऊतक दान पर एम.एस.सी. नर्सिंग छात्रों और बी.एस.सी. नर्सिंग छात्रों के लिए समन्वित शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम।
3. मार्च 2020 में, यूट्यूब पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार देश के नर्सिंग अधिकारियों और नर्सिंग छात्रों के लिए कोविड-19 रोगियों की देखभाल में प्रशिक्षण हेतु वेबिनार के लिए नौ व्याख्यान आयोजित किए गए।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. दीपिका सी खाखा: 24
डॉ. कमलेश शर्मा: 15
डॉ. पूनम जोशी:28
डॉ. एल. गोपीचंद्रन: 10
डॉ. प्रज्ञा पाठक: 2
सुश्री उज्ज्वल दहिया: 1
सुश्री सिसिलिया एम.एस.: 5
सुश्री लेविस मरी: 14
सुश्री वाई. सुरबाला देवी: 7
श्री अजेश कुमार टी.के.: 1
सुश्री मिलन टिरवा: 3

डॉ. दीपिका सी. खाखा

1. गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान का अवलोकन, अनुसंधान कार्यप्रणाली पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 1 अप्रैल, 2019, गुरूग्राम, हरियाणा
2. बर्नआउट और उसका उपचार, सी.एन.ई., 10 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
3. नैदानिक केन्द्रों में नैतिक अभ्यास, "बिल्डिंग इनोवेशन थ्रू क्लिनिकल प्रैक्टिस" विषय पर कार्यशाला, 5 जून 2019, नई दिल्ली
4. नैदानिक केन्द्रों में साक्ष्य आधारित अभ्यास, "बिल्डिंग इनोवेशन थ्रू क्लिनिकल प्रैक्टिस" विषय पर कार्यशाला, 5 जून 2019, नई दिल्ली
5. संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम पद्धति पर आधारित तनाव उपचार, प्रि-ऑपरेटिव न्यूरो-नर्सिंग सम्मेलन, 25 जून 2019, हृद-तंत्रिका केंद्र, एम्स, नई दिल्ली
6. नैदानिक केन्द्रों में साक्ष्य आधारित अभ्यास, "बिल्डिंग इनोवेशन थ्रू क्लिनिकल प्रैक्टिस" विषय पर कार्यशाला, 3 जुलाई, 2019, नई दिल्ली
7. नैदानिक केन्द्रों में नैतिक अभ्यास, "बिल्डिंग इनोवेशन थ्रू क्लिनिकल प्रैक्टिस" विषय पर कार्यशाला, 3 जुलाई 2019, नई दिल्ली
8. बर्नआउट की रोकथाम और उपचार "कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर कार्यशाला, 7 अगस्त 2019, नई दिल्ली
9. स्व-अन्वेषण, प्रेरण, 29 अगस्त 2019, नई दिल्ली
10. अतिथि व्याख्यान श्रृंखला, मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग, 2-6 सितम्बर 2019, रांची, झारखंड
11. नर्सिंग में गुणवत्ता का आश्वासन, वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासकों हेतु उपचार में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 18 सितम्बर 2019, मुनिरका, नई दिल्ली
12. बर्नआउट की रोकथाम और उपचार, "कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर कार्यशाला, 18 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
13. कार्यबल और रोगी सुरक्षा, "संक्रमण रोकथाम एवं गुणवत्ता पूर्ण उपचार और रोगी सुरक्षा पर नियंत्रण संबंधी नीतियां विषय" पर कार्यशाला, 24 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
14. बर्नआउट की रोकथाम और उपचार, "कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर कार्यशाला, 9 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
15. नर्स और रोगी के बीच अंत: व्यक्तिगत संप्रेषण, तंत्रिका संवेदनाहरण संबंधी अद्यतन 2019 कार्यशाला, 18 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली

16. न्यूरो नर्सिंग, इंटरनेशनल स्पाइन सम्मेलन में संचार एवं लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप 'एम्स स्पाइनकॉन', 21 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
17. बर्नआउट की रोकथाम और उपचार, "कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर कार्यशाला, 13 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
18. 'नैदानिक-नर्सों हेतु अनुसंधान की भूमिका' विषय पर लेख प्रकाशन, कार्यशाला, 14 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
19. बर्नआउट की रोकथाम और उपचार, "कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर कार्यशाला, 27 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
20. अनुसंधान की प्रकृति एवं क्षेत्र, अनुसंधान कार्यप्रणाली पर कार्यशाला, 2 दिसम्बर 2019, नई दिल्ली
21. साक्ष्य आधारित अभ्यास, नर्स अनुसंधानकर्त्ताओं में प्रयोगात्मक डिजाइन एवं विश्लेषण योग्यता विकसित करना, 18 दिसम्बर 2019, नई दिल्ली
22. नर्सिंग में मुखरता का महत्व, 'नर्सिंग में मुखरता: वर्तमान आवश्यकता' विषय पर कार्यशाला, 17 जनवरी 2020, नई दिल्ली
23. बर्नआउट की रोकथाम और उपचार, "कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर कार्यशाला, 28 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
24. बर्नआउट की रोकथाम और उपचार, सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला, 10 फरवरी 2020, नई दिल्ली

डॉ. कमलेश के. शर्मा

1. एन.आर.पी. सिमुलेशन बनाम पारंपरिक विधि, "एन.आर.पी." पर नर्सिंग अपडेट, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, 12 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
2. नर्सिंग की प्रवृतियां और क्षेत्र, जी.एन.एम. और बी.एस.सी. नर्सिंग नए बैच 2019-20 हेतु ओरिएंटेशन प्रोग्राम, नारायण नर्सिंग कॉलेज, गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, 23 सितम्बर 2019, रोहतास, बिहार
3. समुदाय में जटिलता-पहचान और उपचार, "समग्र स्वास्थ्य देखभाल के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण" पर 9 वां अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सम्मेलन, अकाल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एटर्निटी विश्वविद्यालय, 11 अक्टूबर 2019, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।
4. शोध रिपोर्ट कैसे लिखें, "नैदानिक नर्सों के लिए शोध का परिचय" विषय पर कार्यशाला, सी.एन.सी., एम्स, नई दिल्ली के सेवा शिक्षा विभाग में, 14 नवम्बर 2019, एम्स, नई दिल्ली
5. प्रशिक्षण (सत्रों की श्रृंखला) में संसाधन व्यक्ति/प्रशिक्षण, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए प्रेरण मॉड्यूल में राज्य प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, एन.एच.एस.आर.सी., 20-22 नवम्बर 2019, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू, दिल्ली
6. संसाधन व्यक्ति, संकाय के लिए सामग्री विकास कार्यशाला, 5 दिसम्बर 2019, एम्स, नई दिल्ली

7. सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यों में प्रगति, 'सामुदायिक और मानसिक स्वास्थ्य कार्यों में नए क्षेत्र' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कलिंगा राष्ट्रीय नर्सिंग संस्थान, के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, 6 दिसम्बर 2019, भुवनेश्वर
8. प्रशिक्षण (सत्रों की श्रृंखला) में संसाधन व्यक्ति/प्रशिक्षण, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए प्रेरण मॉड्यूल में राज्य प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, एन.एच.एस.आर.सी., 17-19 दिसम्बर 2019, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू, दिल्ली
9. विवादित प्रबंधन, नर्सिंग में मुखरता, 17 जनवरी 2020, नई दिल्ली
10. अनुकरण का अवलोकन, "अनुकरण के माध्यम से कार्यस्थल परिवर्तन" विषय पर कार्यशाला, 4 फरवरी 2020, नई दिल्ली
11. व्यावहारिक सत्र: सिमुलेशन के परिदृश्य, "अनुकरण के माध्यम से कार्यस्थल परिवर्तन" विषय पर कार्यशाला, 4 फरवरी 2020, नई दिल्ली
12. 'संकाय विकास कार्यशाला', "मेडिकल सिमुलेशन पर पेडिस्टार्स का 5 वां वार्षिक सम्मेलन: सिमुलस", 5,10 एवं 11 फरवरी 2020, चेन्नई, तमिलनाडू
13. प्रशिक्षण (सत्रों की श्रृंखला) में संसाधन व्यक्ति/प्रशिक्षण, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए प्रेरण मॉड्यूल में राज्य प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, एन.एच.एस.आर.सी., 24-26 फरवरी 2020, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू, दिल्ली
14. नर्सिंग प्रक्रिया में नाइटिंगेल सिद्धांत को एकीकृत करना, नैदानिक अभ्यास एवं अनुसंधान में सिद्धांतों के एकीकरण पर 6वां राष्ट्रीय सम्मेलन, नर्सिंग कॉलेज, के.जी.एम.यू., 28 फरवरी 2020, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
15. महामारी विज्ञान, नैदानिक सुविधाएं और कोविड-19 का निदान, कोविड-19 संक्रमित/संदिग्ध रोगियों की देखभाल में नर्सिंग अधिकारियों के प्रशिक्षण पर वेबिनार, 30 मार्च 2020, नई दिल्ली

डॉ. पूनम जोशी

1. बालचिकित्सा खुराक गणना, नर्सिंग सी.एन.ई., 2 मई 2019, नई दिल्ली
2. क्यू.आई. कार्यप्रणाली, एम्स में नर्सिंग उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास, 15 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
3. बी.एल.एस. और सी.सी.एल.एस., बी.एल.एस. और सी.सी.एल.एस. प्रशिक्षण कार्यक्रम, 29-30 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
4. स्किल लर्निंग, नर्सिंग में शैक्षिक प्रौद्योगिकी, 26 मई 2019, नई दिल्ली
5. सिमुलेशन (व्यावहारिक सत्र), एम्स में अपरिपक्व शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हेतु गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण, 13 जुलाई 2019, नई दिल्ली
6. स्तनपान की व्यापकता और माताओं को स्तनपान संबंधी जानकारी, अभिभावक सशक्तिकरण एवं स्तनपान को प्रोत्साहन, 2 अगस्त, 2019, नई दिल्ली

7. आपातकाल में फास्ट ट्रैक (शीघ्रता), ई.एम. इंडिया 2019, 3 अगस्त 2019, नई दिल्ली
8. भारत में आपातकालीन नर्सिंग के प्रोत्साहन संबंधी गोलमेज बैठक हेतु विशेषज्ञ, ई.एम. इंडिया 2019, 2 अगस्त, 2019, नई दिल्ली
9. बालचिकित्सा बी.एल.एस., बालचिकित्सा बी.एल.एस-आई.ए.पी., 18 अगस्त 2019, नई दिल्ली
10. बाल चिकित्सा सी.पी.आर., आई.जी.एन.ओ.यू., (टेली-कनफ्रेंसिंग), 30 अगस्त 2019, नई दिल्ली
11. प्रतिरक्षा, आई.जी.एन.ओ.यू. (टेली-कनफ्रेंसिंग) 25 जुलाई 2020, नई दिल्ली
12. नर्सिंग अनुसंधान प्रक्रिया, आई.जी.एन.ओ.यू. (टेली-कनफ्रेंसिंग), 14 सितम्बर 2020, नई दिल्ली
13. क्यू.आई. कार्यशाला, सी.एन.ई. 9 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
14. साहित्य की समीक्षा, अनुसंधान कार्यप्रणाली, 18 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
15. सिमुलेशन (व्यावहारिक सत्र), एम्स में अपरिपक्व नवजातों के स्वास्थ्य में सुधार करने हेतु गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण, 11-13 जुलाई 2019, नई दिल्ली
16. नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम, नवजात पुनर्जीवन कौशल और अनुकरण, 11 अक्टूबर 2019, लुधियाना
17. नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम, नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम, सी.एन.ई. 12 अक्टूबर 2019 नई दिल्ली
18. नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम, सम्मेलन पूर्व कार्यशाला, पी.एन.एन.एफ.आई.सी.ओ.एन. 2019 का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-22 नवम्बर 2019, लुधियाना
19. बाल चिकित्सा आपातकालीन, नवजात एवं बाल चिकित्सा उपचार में उन्नति एवं नवोन्मेष की खोज, पी.एन.एन.एफ.आई.सी.ओ.एन. 2019 का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-22 नवम्बर 2019, लुधियाना
20. सिमुलेशन (व्यावहारिक सत्र), एम्स में अपरिपक्व नवजातों के स्वास्थ्य में सुधार करने हेतु गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण, 11-13 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
21. सार्वजनिक व्याख्यान, बाल शोषण की रोकथाम, 12 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
22. मात्रात्मक अनुसंधान, अनुसंधान कार्यप्रणाली, सी.एन.ई., हृदयरोग विज्ञान, 14 नवम्बर 2019, एम्स
23. बेसिक लाइफ सपोर्ट, इमरजेंसी और ट्रॉमा नर्सिंग, 21 जनवरी 2020, गुरूग्राम
24. नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम, नर्सों के लिए सेवा शिक्षा कार्यक्रम, 18 फरवरी 2020, बल्लभगढ़, सी.आर.एच.एस.पी.
25. नर्स प्रशासकों हेतु रोगी सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, वार्ड प्रबंधन एवं प्रशासन पाठ्यक्रम, 10 फरवरी 2020, नोएडा, यू.पी.
26. ए.सी.एल.एस ए.एच.ए. कार्यक्रम, 11 अप्रैल 2020, नई दिल्ली
27. अनुसंधान कार्यप्रणाली, नर्सिंग कर्मचारियों हेतु अनुसंधान कार्यप्रणाली एवं जैवसांख्यिकीय पर प्रारम्भिक पाठ्यक्रम, 7-8 फरवरी 2020, लुधियाना

28. जन्म के समय देखभाल, शीर्ष ई-लर्निंग, 8 दिसम्बर 2019, नई दिल्ली
29. ट्राएजिंग, ट्रांसपोर्ट एवं आई.वी. फ्लूड थेरेपी, शीर्ष ई-लर्निंग, 27 फरवरी 2020, नई दिल्ली

डॉ. एल. गोपीचंद्रन

1. नर्सों हेतु ई.सी.जी. बेसिक्स, टी.एन.ए.आई. कार्यशाला, 12 जून 2019 एवं 10 जुलाई 2019, नई दिल्ली
2. नर्स के नेतृत्व में हृदपात प्रबंधन कार्यशाला, 14 अगस्त 2019, भुवनेश्वर
3. योजना एवं नीति निर्माण में नर्स प्रशासकों की भूमिका, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. कार्यशाला, 19 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
4. साक्ष्य आधारित नर्सिंग, टी.एन.ए.आई. ई.बी.एन. कार्यशाला, 11 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
5. मूल हृदयाघात, अखिल भारतीय नर्स नेतृत्व में हृदयाघात उपचार कार्यक्रम, 1 अक्टूबर 2019, बैंगलोर
6. स्पाइनल कॉर्ड आघात उपचार, एस.पी.आई.एन.ई.सी.ओ.एन., 21 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
7. नर्सिंग सेवा प्रशासन एवं गुणवत्ता प्रबंधन, ए.एच.ए.आई.एन.डी.आई.ए. कार्यशाला, 26 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
8. नर्स नेतृत्व में हृदयाघात उपचार, अखिल भारतीय नर्स नेतृत्व में हृदयाघात कार्यक्रम, 5 नवम्बर 2019, चेन्नई
9. हृद संबंधी आपातकाल में गहन विचार, कार्डियाक आपातकाल पर कार्यशाला, 14 दिसम्बर 2019, नई दिल्ली
10. नर्स नेतृत्व में हृदयाघात उपचार, अखिल भारतीय नर्स नेतृत्व में हृदयाघात कार्यक्रम, 18 दिसम्बर 2019, रायपुर

डॉ. प्रज्ञा पाठक

1. डायलिसिस के रोगियों की देखभाल, नए आयामों की खोज: नर्सिंग में नवीनतम उपचार एवं कार्य, 16 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
2. बी.एल.एस. पर सिमुलेशन सत्र, अनुकरण के माध्यम से कार्यस्थल परिवर्तन, 4 फरवरी 2020, नई दिल्ली

सुश्री उज्ज्वल दहिया

1. स्वास्थ्य सुविधा में मानव कल्याण, नर्सिंग में नवीनतम उपचार एवं सुविधाओं पर नर्सिंग की जानकारी, 16 नवम्बर 2019, दिल्ली

सुश्री सिसिलिया एम.एस.

1. प्रगति की खोज एवं प्रदर्शन-बाल चिकित्सा नर्सिंग में विजन, राष्ट्रीय सम्मेलन, सविता विश्वविद्यालय, 28 जून 2019, चेन्नई

2. एडल्ट लर्निंग के सिद्धांत, अनुकरण के माध्यम से कार्यस्थल परिवर्तन, 4 फरवरी 2020, दिल्ली
3. ए.ई.डी. के साथ बेसिक लाइफ सपोर्ट पर सिमुलेशन, अनुकरण के माध्यम से कार्यस्थल परिवर्तन, 4 फरवरी 2020, नई दिल्ली
4. संसाधन संकाय, सिमुलेशन में संकाय विकास, 10 एवं 11 फरवरी 2020, चेन्नई
5. बैग एवं मास्क वेंटिलेशन, नवजात पुनर्जीवन, 18 फरवरी 2020, बल्लभगढ़

सुश्री लेविस मुरी

1. क्यू.आई. की समस्या विश्लेषण एवं टूल्स, नर्सों हेतु गुणवत्ता सुधार कार्यशाला, 30 अगस्त 2019, नई दिल्ली
2. समस्या की पहचान करना एवं लक्ष्य विवरण तैयार करना, प्रशिक्षक-गुणवत्ता सुधार समूह कार्य प्रशिक्षक-जन्म के समय पी.पी.वी. पर सिमुलेशन, 'समयपूर्व नवजातों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण', 11-13 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
3. नर्सों हेतु गुणवत्ता सुधार, संक्रमण रोकथाम तथा क्यू.ओ.सी. एवं रोगी सुरक्षा पर नियंत्रण रणनीति, 24 सितम्बर 2019, नई दिल्ली
4. नवजात पुनर्जीवन, सिमुलेशन कार्यशाला, 11 अक्टूबर 2019, पंजाब
5. नवजातों में ऑक्सीजेनेशन, बाल चिकित्सा गहन उपचार, 17 अक्टूबर 2019, दिल्ली
6. क्यूआई पहल एवं सक्षम डिस्चार्ज काउंसेलिंग, प्रथम अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सी.एम.ई., 1 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
7. अनुसंधान लेखन प्रोटोकॉल, नर्सों हेतु सेवा कार्यशाला, 14 नवम्बर 2019, दिल्ली
8. जांच परिवर्तन विचार-ऑनसाइट मेंटरिंग, लक्ष्य क्यू.आई. मेंटरिंग फॉर मेडिकल कॉलेज, 15-16 नवम्बर 2019, कटक, ओड़िशा
9. क्यू.आई. समूह कार्य, "क्यू.आई. समस्या का समाधान कैसे करें?" पर कार्यशाला: 14 दिसम्बर 2019, दिल्ली
10. मुखरता से संबंधित संचार कौशल, "नर्सिंग में मुखरता: नर्स प्रबंधकों हेतु वर्तमान आवश्यकता", पर कार्यशाला 17 जनवरी 2020, दिल्ली
11. सामान्य एवं नवजात शिशुओं का भोजन, ओ.एन.टी.ओ.पी. आवश्यक नवजात देखभाल पाठ्यक्रम, 24 जनवरी 2020, दिल्ली
12. बेसिक लाइफ सपोर्ट हैंड्स ऑन सेशन, अनुकरण के द्वारा कार्यस्थल परिवर्तन पर कार्यशाला, 4 फरवरी 2020, दिल्ली
13. सेप्टिक शॉक सिनेरियो प्रशिक्षक, भूमिका निर्वहन एवं बीमार नवजात को ले जाना, गंभीर रूप से पीड़ित बाल चिकित्सा में नर्सों हेतु सिमुलेशन (एस.एन.ए.पी.), 7 फरवरी 2020, चेन्नई
14. सिम रोल्स-पूर्वसंक्षेपण, कनफेडरेट्स एवं तकनीशियन की भूमिका, सिमुलस 5: संकाय विकास कार्यक्रम, 11 फरवरी 2020, चेन्नई

सुश्री वाई. सुरबाला देवी

1. असहमति कौशल/ना कैसे कहें/ए.डी.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय नर्सिंग छात्रों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16 अक्टूबर 2019, गाजियाबाद
2. एस.यू.डी. के उपचार में नर्स कर्मियों की भूमिका, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मैडिसिन का 21वाँ वार्षिक सम्मेलन। विषय-तेज़ी से बदलते विश्व में व्यसन की लत, 15 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
3. मौखिक पत्र प्रस्तुति सत्र में मॉडरेटर, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मैडिसिन का 21वाँ वार्षिक सम्मेलन। विषय-तेज़ी से बदलते विश्व में व्यसन की लत, 15 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
4. निकोटिन डिपेंडेंस सिंड्रोम का मूल्यांकन, तम्बाकू सेवन से संबंधित विकार के प्रबंधन में नर्स की भूमिका पर टी.ओ.टी. कार्यशाला, एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू., भारत सरकार, 30 नवम्बर 2019 नई दिल्ली
5. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग अधिकारियों हेतु तम्बाकू निवारण कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षक, भूमिका निर्वहन के साथ तम्बाकू छोड़ने के 5 'ए' एवं 5 'आर' मॉडल, 16 दिसम्बर 2019, नई दिल्ली
6. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग अधिकारियों हेतु तम्बाकू निवारण कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षक, भूमिका निर्वहन के साथ तम्बाकू छोड़ने के 5 'ए' एवं 5 'आर' मॉडल, 21 जनवरी 2020, नई दिल्ली
7. तम्बाकू सेवन संबंधी विकार-मिथ बनाम तथ्य, एन.डी.एस.-5 "ए" मॉडल का आकलन, "तम्बाकू सेवन संबंधी विकार का प्रबंधन" पर नर्सिंग अधिकारियों हेतु 13वीं सी.एन.ई. प्रशिक्षण कार्यशाला, सी.एन.ई. प्रकोष्ठ, के.एस.सी.एच.,एल.एच.एम.सी., 20-27 जनवरी 2020, नई दिल्ली

श्री अजेश कुमार टी.के.

1. नर्सिंग प्रक्रिया में रोजर्स सिद्धांत का एकीकरण, विषय: 'नैदानिक अभ्यास एवं अनुसंधान में सिद्धांतों का एकीकरण' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 28 फरवरी 2020, लखनऊ, यूपी

सुश्री मिलन तिरवा

1. वृद्धों हेतु पौष्टिक पहलू, योजनाएं एवं सुविधाएं, वृद्धों का स्वास्थ्य वर्द्धन, 6 एवं 7 फरवरी 2020, मणिपुर
2. ट्रॉमा इमरजेंसी में ट्राइएज, नए आयामों की खोज, नर्सिंग में नवीनतम उपचार एवं अभ्यास, 14 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
3. आपातकालीन विभाग का संगठन, राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन, 3 एवं 4 अगस्त 2019, नई दिल्ली

प्रस्तुत किए गए मौखिक लेख/विज्ञापन

1. सुधा लामा, संध्या गुप्ता, सुजाता सत्पती। दिल्ली-एन.सी.आर. में अकेले बच्चे को पालने का अनुभव रखने वाली महिला को होने वाले पालन-पोषण संबंधी तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य का

आकलन करने हेतु अध्ययन। मनोरोग चिकित्सा पर वैश्विक सम्मेलन, मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग एवं स्वास्थ्य सुविधा, 24 एवं 25 जुलाई 2019, रिचमण्ड, वैनकुवर, कनाडा।

2. संध्या गुप्ता, नर्स नेतृत्व में निदानशाला: तम्बाकू सेवन उपचार सेवा के प्रति एक नया दृष्टिकोण, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन का 21वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन, 15 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
3. संध्या गुप्ता, तम्बाकू सेवन करने वालों पर तम्बाकू सेवन का संबंधी शैक्षिक वीडियो का प्रभाव इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन का 21वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन, 16 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
4. संध्या गुप्ता, आत्महत्या-जोखिम आकलन एवं मनोविकृति विज्ञान, इंडियन सोसायटी ऑफ साइकियट्रिक नर्सेस का 19वां राष्ट्रीय सम्मेलन आई.एस.पी.एन.सी.-2020, विषय-आत्महत्या रोकने में नर्स की भूमिका, 7 फरवरी 2020, मुरादाबाद, यूपी
5. लक्ष्मी कुमारी, संध्या गुप्ता, तम्बाकू सेवन करने वालों और नहीं करने वालों में तम्बाकू रोधी स्वास्थ्य संदेशों का लाभदायक बनाम गैर लाभदायक प्रतिक्रिया का असर, भारतीय अध्ययन की समीक्षा: एक कालेडेस्कोप, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन का 21वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन
6. खाखा डी.सी., मरीन थॉमस, अनीता, बॉबी सिमेलिया, वर्तमान आवश्यकता: भारत की राजधानी दिल्ली में नर्सिंग कर्मियों में कार्यस्थल पर तनाव कम करने एवं स्वास्थ्य में सुधार करने संबंधी, 19 वां विश्व मनोचिकित्सा सम्मेलन, 21 अगस्त 2019, लिस्बन, पुर्तगाल
7. खाखा डी.सी., अनीता, थॉमस एम., पालन-पोषण संबंधी वास्तविकता: विद्यालय जाने वाले बच्चों के माता-पिता द्वारा अपनाई गई विधियां एवं शैलियां, 19वां विश्व मनोचिकित्सा सम्मेलन, 21 अगस्त 2019, लिस्बन, पूर्तगाल
8. शर्मा के.के., वत्स एम., गर्भावस्था के दौरान घरेलू अत्याचार एवं स्त्री का स्वास्थ्य स्तर: भारत में समुदाय आधारित एक अध्ययन, विश्व जन स्वास्थ्य 2019 पर 5 वां अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 17 एवं 18 अक्टूबर 2019, काठमांडू, नेपाल
9. शर्मा के.के., हंसराम, जौसेफ जे, लक्ष्मी, ढींडसा एच, वत्स एम, पोस्टर: एक तृतीयक उपचार चिकित्सा संस्थान में हृदय रोग संबंधी जोखिम कारकों हेतु समय-समय पर स्क्रीनिंग, भारत। इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (आई.पी.एच.ए.सी.ओ.एन. 2020) का 64 वां राष्ट्रीय सम्मेलन 29 फरवरी 2020, नई दिल्ली
10. गोपीचंद्रन एल, अचल श्रीवास्तव। चिरकारी गहन सिरदर्द के रोगियों में दर्द, विकलागंता एवं नींद पर पी.एम.आर. एवं गहरी सांस के अभ्यास का प्रभाव, इंटरनेशनल काउंसिल फॉर नर्सेस (आई.सी.एन.) कांग्रेस-2019, 27 जून-1 जुलाई 2019, सिंगापुर
11. अनु वर्गीस, सिसिलिया, लेविस, रमेश मेनन, बाल चिकित्सा ओपीडी में आने वाले अस्थमा से पीड़ित बच्चों के माता-पिता में अस्थमा अटैक का कारण बनने वाले खान-पान संबंधी जानकारी एवं व्यवहार, बालचिकित्सा सर्जरी पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सी.एन.ई., दिल्ली

12. सिसिलिया मैरी सुसाईमुथु, हेलेने एम परेडिटा, नवजात पुनर्जीवन के संबंध में जानकारी एवं व्यवहार पर कौशल प्रशिक्षण की प्रभाविकता, नियोकोर 2019, 31 मार्च 2019, पुडुचेरी
13. देवी सुरबाला युमनम, सिंह जितेन कुमार, उत्तर-पूर्वी राज्यों में महिलाओं में धुंआहीन तम्बाकू का इस्तेमाल, इंडिया: ए जियो-स्पैशियल एनालिसिस, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मैडिसिन का 21वाँ वार्षिक सम्मेलन। विषय: तेजी से बदलते विश्व में व्यसन की लत, 15 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
14. गुड़िया, सिसिलिया, सुजाता सत्पती, रमम। मुँहासों से पीड़ित युवा वयस्कों में जीवन की गुणवत्ता, बालचिकित्सा सर्जरी पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सी.एन.ई., दिल्ली।
15. लेविस एम, सुरबाला वाई, जोशी पी। भारतीय महिलाओं में प्रसवोत्तर तनाव एवं जोखिम के कारक, 39वां वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग एवं मिडवाइफरी अनुसंधान एवं शिक्षा, 26 एवं 27 फरवरी 2020, डबलिन, आयरलैंड
16. लेविस एम, जोशी पी; नर्सिंग शिक्षा में शिक्षण संबंधी नीति के अनुकरण का प्रयोग, सिमुलस 5, 5वां पेडिस्टार्स वार्षिक सम्मेलन, 6-11 फरवरी 2020, चेन्नई, तमिलनाडु
17. प्रियंका भट्टी, एम्स, नई दिल्ली में हृदय की सर्जरी करा रहे बच्चों का टीकाकरण और टीकाकरण की स्थिति के बारे में प्राथमिक देखभाल करने वालों के लिए एक शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए अध्ययन। 1 एवं 2 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
18. तिवारी एस, जोशी पी, काबरा एस, शर्मा आर। सिस्टिक फाइब्रोसिस के रोगियों में तनाव, इसका सामना करने की नीति और इलाज के आकलन हेतु एक अध्ययन, आई.ए.पी. का 31वां राष्ट्रीय सम्मेलन, श्वसन अध्याय, रेस्पिकॉन, 2019, 12 एवं 13 अक्टूबर 2019, पुणे
19. शीला ए, शर्मा आर, सिन्हा ए, जोशी पी, एकल गुर्दा वाले बच्चों में गुर्दे की शिथिलता के प्रसार का आकलन करने के लिए अनुप्रस्थ-काट अध्ययन प्रथम अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सी.एम.ई., 1 एवं 2 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
20. तिवारी एस, जोशी पी, काबरा एस, शर्मा आर, सिस्टिक फाइब्रोसिस के रोगियों में तनाव, इसका सामना करने की रणनीति और इलाज के आकलन हेतु एक अध्ययन, प्रथम अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सी.एम.ई., 1 एवं 2 नवम्बर 2019, नई दिल्ली
21. थुलेफी, सेसिलिया, रमनजीत सिहोता, देवांग अंगमो, ग्लूकोमा पीड़ित बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच ग्लूकोमा दवा के अनुपालन पर आई.ई.सी. पैकेज की प्रभावशीलता, बालचिकित्सा सर्जरी पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सी.एन.ई., 1 एवं 2 नवम्बर 2019, दिल्ली
22. उज्ज्वल दहिया, अनुराग श्रीवास्तव, महिलाओं में स्तन और गर्भाशय कैंसर की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान, साइंस एंड आर्ट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ 2019 विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 28 सितम्बर 2019, दिल्ली

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक तृतीयक देखभाल केंद्र पर उपशामक देखभाल प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों के बीच मोबाइल ऐप की प्रभावकारिता बनाम एनाल्जेसिक और सहायक चिकित्सकों के पारंपरिक नुस्खे की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। गोपीचंद्रन एल, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-21, रु 7.78 लाख।

पूर्ण

1. बीसीएलएस और सीसीएलएस से संबंधित नर्सों के ज्ञान और कौशल का आकलन करने के लिए और पुनर्जीवन के वास्तविक समय के मूल्यांकन पर प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन तथा एक तृतीयक देखभाल सुविधा, में इसके परिणाम। स्मिता दास, एम्स, 2 वर्ष, 2017-19, रु 3.7 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

2. दिल्ली एनसीआर में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के एथलीटों और गैर-एथलीटों छात्रों (14-18 वर्ष के बीच) की मनोदशा, लचीलापन और आत्मविश्वास की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन।
3. आंशिक रूप से स्तनपान कराने वाले व्यवहार सहित समय पूर्व जन्मे एवं नवजात शिशुओं में स्तनपान कराने के व्यवहार का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
4. कोविड19 महामारी से संबंधित हृदय विकारों के रोगियों की चिंता का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
5. डॉ. भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली में कीमोथेरेपी से गुजर रहे कैंसर रोगियों के चिकित्सीय अनुपालन पर वित्तीय प्रभाव और इस प्रभाव का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
6. मधुमेह मेलेटस टाइप I वाले बच्चों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर शारीरिक गतिविधि के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन
7. अपने परिवार के साथ शराब निर्भरता सिंड्रोम से उबरने वाले रोगियों के एकीकरण से जुड़े कारकों का एक खोजपूर्ण अध्ययन।
8. नियोजित कीमोथेरेपी सहित बच्चों में दर्द धारणा, थकान और जीवन की गुणवत्ता पर योग आधारित हस्तक्षेप के प्रभाव की जांच करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन।
9. एम्स, दिल्ली में कोविड पॉजिटिव रोगियों के रहन-सहन के अनुभवों और इससे मुकाबला करने की नीतियों का आकलन करने के लिए एक आनुवांशिक घटना संबंधी अध्ययन।
10. प्रत्यारोपण हेतु मूल्यांकन के दौरान जीवित गुर्दा दाताओं के अनुभव का आकलन करने के लिए एक गुणात्मक अध्ययन।

11. हृदय आघात से पीड़ित रोगी की देखभाल करने वाले के बीच चयनित परिणाम पर संरचित निर्वहन परामर्श की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अर्ध प्रायोगिक अध्ययन।
12. न्यूरोसर्जरी आईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में काम करने वाली नर्सों के बीच जानकारी, रवैया एवं अभ्यास पर एसबीएआर दृष्टिकोण संबंधी शैक्षिक पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन।
13. पी.आई.सी.यू. में बेहोश बच्चों के चयनित नैदानिक मापदंडों पर मातृ ऑडियो टैप की गई आवाज़ के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एम्स, नई दिल्ली।
14. कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच कोविड 19 महामारी के दौरान तनाव, चिंता, अवसाद और मनोवैज्ञानिक संकट का आकलन करने के लिए एक अध्ययन- एक वेब आधारित क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण।
15. नई दिल्ली के एक चयनित तृतीयक देखभाल अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं के बीच स्व-देखभाल व्यवहार, मनोवैज्ञानिक लक्षण और जीवन की गुणवत्ता पर नर्स की हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का अध्ययन।
16. एम्स, नई दिल्ली में आने वाले ल्यूपस नेफ्रैटिस के रोगियों में चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
17. हृदयाघात के रोगियों की देखभाल पर कोविड 19 के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
18. आईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में वेंटीलेटर से संबंधित निमोनिया (वी.ए.पी.) की रोकथाम के लिए बंडल के पालन पर नर्सों के लिए एक शैक्षिक हस्तक्षेप के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
19. तंत्रिका विज्ञान आई.सी.यू. इकाइयों, एम्स में काम करने वाली नर्सों के बीच ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास पर स्थिति-पृष्ठभूमि-आकलन-अनुशंसा दृष्टिकोण पर शैक्षिक पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
20. एम्स, नई दिल्ली में न्यूरोलॉजी ओपीडी में पार्किंसंस रोग के साथ घर पर देखभाल प्रबंधन पर वीडियो असिस्टेड टीचिंग की वीडियो की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
21. कोविड 19, के दौरान सुरक्षा गार्डों के बीच मनोवैज्ञानिक संकट का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, एम्स, दिल्ली।
22. सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों की देखभाल करने वालों में, जो आमतौर पर विकासित हो रहे बच्चों के साथ एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा तंत्रिका ओ.पी.डी. में आते हैं, चिंता अवसाद और जीवन की गुणवत्ता की तुलना हेतु एक अध्ययन।
23. एम्स, नई दिल्ली में हेमोडायलिसिस से गुजरने वाले रोगियों के लिए हेमोडायलिसिस रोगी की सुरक्षा देखभाल प्रोटोकॉल (एसओपी) विकसित करने के लिए और इसकी व्यवहार्यता, स्वीकार्यता और रोगी की संतुष्टि का आकलन हेतु अध्ययन।

24. एम्स, नई दिल्ली में रिश्तेदारों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए आईसीयू अभ्यास प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण देखभाल क्षेत्रों में भर्ती रोगी के रिश्तेदारों द्वारा अनुभव की गई समस्याओं का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन।
25. गहन स्वास्थ्य इकाई, एम्स, नई दिल्ली में भर्ती मरीजों के बीच मुंह संबंधी स्वास्थ्य और वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया के लक्षण।
26. दिल्ली में दोपहिया वाहन सवारों के बीच जागरूकता और अभ्यास।
27. नर्सिंग छात्रों के बीच खुशी और इसके निर्धारक।
28. एम्स, नई दिल्ली में पोस्ट-हार्ट ट्रांसप्लांटेशन के रोगियों के अनुभव पर हर्मेनिकल घटना संबंधी अध्ययन।
29. नर्सिंग शिक्षा पर कोविड 19 महामारी का प्रभाव: एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण।
30. मिर्गी और उनकी देखभाल करने वाले लोगों में आभासी शैक्षिक मिर्गी शिक्षा बनाम डिजिटल शैक्षिक सामग्री का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
31. सिर और गर्दन के कैंसर रोगियों में सामाजिक समर्थन और अवसाद की व्यापकता की धारणा।
32. बाल चिकित्सा और बाल चिकित्सा वार्डों में नर्सिंग छात्रों के ज्ञान और आत्म-प्रभावकारिता पर पारंपरिक प्रशिक्षण पर सिमुलेशन-आधारित-अध्ययन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण।

पूर्ण

1. पार्किंसंस रोग के रोगियों में मस्कुलोस्केलेटल दर्द, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक केस नियंत्रित अध्ययन।
2. एनडीडीटीसी, गाजियाबाद में ओपिओइड निर्भरता सिंड्रोम और उनकी देखभाल करने वाले रोगियों द्वारा कथित जरूरतों पर सामाजिक समर्थन का एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. एक गुर्दे वाले बच्चों में गुर्दे की शिथिलता के प्रसार का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
4. सूचनात्मक पुस्तिका विकसित करने के उद्देश्य से एम्स अस्पताल, नई दिल्ली में क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों के बीच उपचार के लिए ज्ञान और व्यवहार का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
5. ज्ञान, कौशल और नर्सों के आत्मविश्वास के मामले में नवजात पुनर्जीवन पर पारंपरिक बनाम सिमुलेशन शिक्षण विधियों के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. प्रत्यारोपण समन्वयकों के रूप में नर्सों के अंग दान और अभ्यास के दायरे के बारे में धारणा का अध्ययन और प्रत्यारोपण समन्वयक के रूप में नर्स की नियुक्ति से पहले और बाद में अस्पताल, एम्स से संभावित दाता रेफरल की स्थिति और स्थिति का पता लगाने के लिए अध्ययन।
7. सिस्टिक के रोगियों में अवसाद का आकलन करने की नीति और उपचार का पालन करने के लिए एक अध्ययन।

8. एम्स, नई दिल्ली में कार्डियक सर्जरी कराने वाले बच्चों के टीकाकरण और टीकाकरण की स्थिति के बारे में ज्ञान पर प्राथमिक देखभाल करने वालों के लिए एक शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
9. एक सूचना पुस्तिका विकसित करने के लिए दीर्घकालिक / स्थायी ट्रेकियोस्टोमी से पीड़ित रोगियों के मनोसामाजिक, शारीरिक समस्याओं और मुकाबला करने की नीतियों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
10. घर पर आक्रामक रोगियों के उपचार में जानकारी संबंधी देखभाल करने वाले व्यक्तियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
11. भारत में नई दिल्ली में तृतीयक देखभाल अस्पताल में पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल रोगियों या देखभाल करने वालों के बीच होम हेल्थकेयर कार्यों के लिए नर्स संचालित मोबाइल एप्लिकेशन (ऐप) आधारित निर्वहन शिक्षण की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए एक अध्ययन।
12. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में रीढ़ की हड्डी की चोट के रोगियों की देखभाल की जानकारी और कार्य पर संरचित शैक्षिक पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
13. बाल रोग ओपीडी एम्स, नई दिल्ली में अस्थमा के शिकार बच्चों के माता-पिता के बीच अस्थमा दौरे का कारण बनने वाले भोजन से संबंधित ज्ञान और अभ्यास का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
14. सूचना पुस्तिका विकसित करने के उद्देश्य से एम्स, नई दिल्ली में पेरिटोनियल डायलिसिस वाले मरीजों की घर पर देखभाल और जीवन की गुणवत्ता के बारे में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
15. स्व-प्रबंधन के लिए सूचना पुस्तिका तैयार करने की दृष्टि से कीमोथेरेपी प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी से जुड़े रोगियों की गंभीरता, जोखिम कारकों और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
16. सीएन सेंटर, एम्स में भर्ती हृदयाघात रोगियों में प्यास की तीव्रता और प्यास संबंधी असुविधा का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
17. एनडीडीटीसी, गाजियाबाद में एसयूडी-दोहरी निदान के रोगियों और उनके परिवार की देखभाल करने वालों में निदान और उपचार के संबंध में धारणा तथा चिकित्सीय पालन के साथ इसके संबंध की तुलना करने के लिए एक अध्ययन।
18. तृतीयक अस्पताल में कैंसर रोगियों द्वारा वित्तीय सहायता और संसाधनों का उपयोग करने के लिए जागरूकता, उपयोग और निर्धारक।
19. ज्ञान, कौशल और नर्सों के आत्मविश्वास के मामले में नवजात पुनर्जीवन पर पारंपरिक बनाम सिमुलेशन शिक्षण विधियों के प्रभाव की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
20. बुनियादी जीवन समर्थन के बारे में एम्स में काम करने वाली नर्सों का ज्ञान और दृष्टिकोण।

21. भारत में चयनित तृतीयक देखभाल सुविधा में प्रसवोत्तर महिलाओं के बीच परिवार नियोजन के तरीकों का ज्ञान, दृष्टिकोण और उपयोग दर।
22. कोविड 19 के बारे में मिथक और तथ्य: सामान्य जनता के बीच ज्ञान का आकलन।
23. गंभीर मानसिक बीमारी की देखभाल के लिए मार्ग: मनोचिकित्सा विभाग, दिल्ली में मनोचिकित्सा उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों का पूर्वव्यापी अध्ययन।
24. आपातकालीन विभाग में कार्यस्थल हिंसा की धारणा।
25. तृतीयक देखभाल अस्पताल में भारतीय महिलाओं के बीच प्रसवोत्तर अवसाद और इसके जोखिम कारक।
26. बाल चिकित्सा और बाल चिकित्सा सर्जरी वार्ड में नर्सिंग छात्रों के ज्ञान और आत्म-दक्षता पर पारंपरिक प्रशिक्षण पर सिमुलेशन-आधारित-अध्ययन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण।
27. नर्सिंग छात्रों के बीच मिडवाइफरी के कौशल ग्रहण में कम निष्ठा अनुकरण की भूमिका: एक मिश्रित पद्धति दृष्टिकोण।
28. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में ट्रासफिमोरल कोरोनरी इंटरवेशन के रोगियों में फिमोरल शीथ रिमूवल साइट पर यांत्रिक संपीड़न उपकरण द्वारा लगाए गए दबाव को मापने में फोर्स सेंसिटिव रेसिस्टर का प्रयोग तथा रोगी के असुविधा के साथ संबंध एवं प्रक्रिया पश्चात् जटिलताएं।
29. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में ट्रासफिमोरल कोरोनरी इंटरवेशन के रोगियों में फिमोरल शीथ रिमूवल साइट पर यांत्रिक संपीड़न उपकरण द्वारा लगाए गए दबाव को मापने में पाइजोइलेक्ट्रिक दबाव सेंसर का प्रयोग तथा रोगी की असुविधा के साथ इसका प्रयोग एवं प्रक्रिया पश्चात् जटिलताएं।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: xx **पुस्तकों में अध्याय: xx** **पुस्तकें: 2**

रोगी उपचार

1. मानसिक स्वास्थ्य, वायु प्रदूषण की रोकथाम, स्तनपान कराना, स्तन कैंसर, क्षय रोग, मिर्गी, रक्त दान, खाद्य सुरक्षा, मुँह के कैंसर और विश्व एड्स दिवस आदि जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस / स्वास्थ्य मुद्दों, विषयों पर 27 प्रदर्शनियों / भूमिका नाटकों के माध्यम से जन स्वास्थ्य जागरूकता अभियान 2019-20 में आयोजित किया गया।
2. दिल्ली में पुनर्निर्मित कॉलोनी में आम जनता के बीच एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता, ज्ञान, स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच स्तनपान संबंधी, ज्ञान का आकलन जैसे विषयों पर शहरी समुदाय (अम्बेडकर नगर) में 2019-20 में 14 स्वास्थ्य सर्वेक्षणों का समन्वय और पर्यवेक्षण किया गया। मधुमेह मेलिटस रोग के संबंध में मधुमेह के रोगियों के दृष्टिकोण और अभ्यास आदि।
3. "स्वास्थ्य चेतना और जन संपर्क अभियान" में भाग लिया और छात्र भागीदारी का समन्वयन किया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित 39 वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

मेले में 14 से 27 नवंबर, 2019 तक प्रगति मैदान, दिल्ली में एनसीडी, स्क्रीनिंग और जागरूकता शिविर।

4. 64 वें स्थापना दिवस, 2019 के अवसर पर, सह-संगठित विभागीय गतिविधियाँ जैसे
   क) पोस्टर प्रदर्शनी
   ख) हेल्थ स्क्रीनिंग ब्लड प्रेशर, एच.टी. / डब्ल्यू.टी./ बी.एम.आई., ब्लड शुगर और हीमोग्लोबिन मापना आदि, आम जनता और एम्स कर्मचारियों के लिए किया गया।
5. बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग, बीएससी (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग छात्रों के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा सहित प्रत्यक्ष रोगी देखभाल प्रदान की जाती है, जो पूरे वर्ष भर विभिन्न नैदानिक क्षेत्रों में तैनात कॉलेज संकाय वर्ग द्वारा की जाती है।
6. क. संकाय और छात्रों ने 27 फरवरी 2020 को रक्तकोष-एम्स द्वारा रक्तदान शिविर में भाग लिया।
   क) विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर त्रिलोक पुरी केंद्र में व्याख्यान, रोल प्ले, फिल्म शो और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, घरेलू हिंसा की रोकथाम के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन पर रोकथाम के लिए संगठित समुदाय जागरूकता अभियान का आयोजन।
   ख) एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता जैसे विषयों पर शहरी समुदाय (अंबेडकर नगर) में 2019-20 में 14 स्वास्थ्य सर्वेक्षणों का समन्वय और पर्यवेक्षण दिल्ली में पुनर्वासित कॉलोनी में आम जनता के बीच किया गया। ज्ञान, स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच स्तनपान संबंधी ज्ञान जानकारी एवं व्यवहार, मधुमेह शर्करा के बारे में मधुमेह के रोगियों का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास आदि।
   ग) त्रिलोकपुरी में मानसिक विकारों, तम्बाकू सेवन से विकार, तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और बुजुर्गों की देखभाल के क्षेत्र में संगठित समुदाय सर्वेक्षण।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

सहभागिता और पुरस्कार / पुरस्कार जीते:

क) निदेशक एम्स, नई दिल्ली द्वारा वार्षिक दिवस पर नर्सिंग कॉलेज को पोस्टर प्रदर्शनी में "यूनिवर्सल हेल्थकेयर" द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
   - छात्र नर्स एसोसिएशन (एसएनए ईवेंट्स) को राज्य प्रतियोगिता में बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों को एक्सटंपोर में दूसरा पुरस्कार और हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार मिला।
   - निदेशक एम्स, नई दिल्ली द्वारा वार्षिक दिवस पर "यूनिवर्सल हेल्थकेयर" कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सात छात्रों को पोस्टर प्रदर्शनी के लिए सम्मानित किया गया।
   - छात्र नर्स एसोसिएशन (एसएनए ईवेंट्स) को राज्य प्रतियोगिता में बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों को एक्सटंपोर में दूसरा पुरस्कार और हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार मिला।

डॉ संध्या गुप्ता, आचार्य-सह-प्राचार्य (कार्यकारी) को एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग विज्ञान में उत्कृष्टता के क्षेत्र में सभी सात एम्स के मौजूदा नर्सिंग कॉलेज को अपग्रेड करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। यह प्रस्ताव छह नए एम्स, सी.एम.सी. वेल्लोर और सेंट जॉन्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बेंगलुरु के नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्यों के साथ मिलकर तैयार किया गया था और मार्च 2019 में सदस्य सचिव, केंद्रीय संस्थान निकाय को प्रस्तुत किया गया था। भारत में 'पदार्थ उपयोग विकार के उपचार में नर्स पेशेवरों की भूमिका' विषय पर उन्होंने इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन की XXI वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया। "एडिक्शन इन रैपिडली चेंजिंग वर्ल्ड" 13-16 नवंबर 2019, नई दिल्ली, भारत में 'पदार्थ उपयोग विकार के उपचार में नर्स पेशेवरों की भूमिका' विषय पर; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए आई.एस.सी.ओ. वर्गीकरण के अनुसार भारत में नर्सिंग पेशेवरों के लिए समता तैयार की; भारत में जेरोन्टोलॉजिकल नर्सिंग पर प्रस्तुति, डब्ल्यू.एच.ओ., सियरो, विशेषज्ञ समूह परामर्श 12 दिसंबर 2019; इग्नू के लिए जराचिकित्सा देखभाल सहायता (जीसीए) में सर्टिफिकेट कोर्स के लिए कार्यक्रम और पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया; कोविड-19 के प्रबंधन संबंधी नर्सों के लिए नौ वेबिनार की पहली श्रृंखला का आयोजन और संचालन किया गया जो यूट्यूब पर उपलब्ध है; डब्ल्यू.एच.ओ., सियरो कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कोविड-19 के प्रबंधन हेतु नर्सों के लिए वेबिनार में एक व्याख्यान दिया; पंजाब राज्य के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान संक्रमण नियंत्रण के प्रबंधन हेतु पंजाब राज्य की नर्सों के लिए वेबिनार की पहली श्रृंखला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; नेशनल कंसोर्टियम-इंडियन नर्सिंग काउंसिल के दो पीएचडी विद्वानों और एम्स, नई दिल्ली के एक विद्वान के गाइड; सदस्य, डॉक्टोरल समिति, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, दिल्ली; मनोचिकित्सा समिति के सदस्य, डॉक्टरेट समिति, एम्स, दिल्ली; एम.ओ.एच. एफ.डब्ल्यू. और आई.एन.सी. की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों और समितियों के विशेषज्ञ; अक्टूबर और दिसंबर 2019 में मनोचिकित्सा विभाग और एन.डी.डी.टी.सी., एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित तम्बाकू सेवन संबंधी विकारों के उपचार पर दिल्ली और एन.सी.आर. के नर्स-शिक्षकों और वरिष्ठ नर्सों के लिए सात दिनों की दो टीओटी कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ ट्रेनर के रूप में भाग लिया; 7 जनवरी 2020 को जिपमेर पॉन्डिचेरी के शपथ ग्रहण और दीप प्रज्ज्वलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित; कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, दिल्ली के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं के अध्यक्ष; एमओएचएफडब्ल्यू के लिए राष्ट्रीय नर्स और मिडवाइफरी आयोग का मसौदा तैयार करने के लिए, भारतीय नर्सिंग परिषद के लिए नर्सिंग प्रैक्टिस अधिनियम के लिए मसौदा तैयार करने के लिए; नाको के लिए एचआईवी / एआईडी के लिए पाठ्यक्रम योजना और पाठ्यक्रम सामग्री के लिए - मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रम; भारतीय नर्सिंग परिषद के लिए बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए; भारतीय नर्सिंग परिषद के लिए चार पाठ्यक्रमों या नई बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए सामग्री विकसित करने के लिए; बीआईएस, भारत सरकार के लिए भारत में नर्सों के लिए ईएचआर विकसित करने के लिए; भारत के विभिन्न राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के यूजीसी निरीक्षण के लिए; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए आई.एस.सी.ओ. वर्गीकरण के अनुसार भारत में नर्सिंग पेशेवरों में समता हेतु प्रारूप तैयार करने के लिए; बूढ़े लोगों के लिए एकीकृत देखभाल

में डब्ल्यू.एच.ओ.-सियरो परामर्श बैठक के लिए - 12 और 13 दिसंबर 2019 को निर्धारित वृद्धावस्था देखभाल में नर्सों के लिए एक मैनुअल को अंतिम रूप देने के लिए; दो संस्थानों के लिए चयन समिति के लिए विशेषज्ञ समूह में भाग लिया; दिल्ली के तीन अस्पतालों में 30 जुलाई, 2019 को एल.एच.एम.सी., नई दिल्ली, 14 दिसंबर 2020 को वी.एम.एम.सी., सफदरजंग अस्पताल और 30 जनवरी 2020 को आर.एम.एल. अस्पताल, नई दिल्ली में से प्रत्येक के 200 नर्सिंग कर्मियों के बैचों के लिए तंबाकू डिवीजन एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. के लिए दवा निर्भरता के क्षेत्र में तीन संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. गुप्ता इंडियन जर्नल ऑफ़ साइकियाट्रिक नर्सिंग की मुख्य संपादक रही हैं; चार अनुक्रमित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: जे मेंटल हेल्थ ह्यूमन बिहेवियर, करंट मेडिसिन रिसर्च एंड प्रैक्टिस, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री, आर्काइव्स ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग। वह निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में शामिल रही हैं: जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन एंड प्रैक्टिस (जे.एन.ई.पी.), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन (आई.जे.ओ.एन.ई.)।

डॉ. दीपिका सी खाखा निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में शामिल हैं: जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड प्रैक्टिस, स्कॉलर रिपोर्ट, इंडियन जर्नल ऑफ एडवांस्ड नर्सिंग, जर्नल ऑफ कॉम्प्रिहेंसिव नर्सिंग रिसर्च एंड केयर, जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ मैनेजमेंट। वह निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रही हैं: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइंसेज, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी नर्सिंग जर्नल, एडवांस्ड रिसर्च इन नर्सिंग साइंस, एनल्स ऑफ नर्सिंग एंड प्रैक्टिस, जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ केयर, करंट साइकियाट्री रिव्यूज़, जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसऑर्डर, जर्नल ऑफ एजुकेशन टेक्नोलॉजी इन हेल्थ साइंसेज, एशियन जर्नल ऑफ साइकेट्री। कुल उद्धरणों की सं. - 17 (प्रकाशित कार्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में); चार छात्रों की पीएचडी गाइड; विश्व स्वास्थ्य संगठन के ग्लोबल क्लीनिकल प्रैक्टिस नेटवर्क के सदस्य। यह मानसिक स्वास्थ्य और प्राथमिक देखभाल पेशेवरों का एक अंतरराष्ट्रीय समुदाय है जो वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य में अनुसंधान और अभ्यास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, वसंत कुंज, नई दिल्ली की नीति-विषयक समिति की सह-अध्यक्ष; मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के दो पीएचडी विद्वानों के डॉक्टरल अनुसंधान समिति के सदस्य; बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के डॉक्टरल अनुसंधान समिति के सदस्य; कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली में पीएचडी विद्वान के डॉक्टरल अनुसंधान समिति के सदस्य; 4 अक्टूबर 2019 को इग्नू प्रवेश परीक्षा के लिए मॉडरेशन समिति के लिए विशेषज्ञ; इंडियन नर्सिंग काउंसिल में पीएचडी छात्रों के लिए 20 दिसंबर 2019 को आयोजित सेमिनार हेतु मॉडरेटर; पीएचडी के शिव शंकरी की सार्वजनिक रक्षा में भाग लिया - नर्सिंग में व्यावसायिकता की अवधारणा, का अध्ययन करने इसके सहसंबंध और नर्सिंग शिक्षा के लिए व्यावसायिकता में पाठ्यक्रम का एक मॉडल ढांचा तैयार करने हेतु एक अध्ययन; 23 अक्टूबर 2019 को बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम पर अनुसंधान परियोजना में चयन समिति में; 23 अक्टूबर 2019 को सार्कोपेनिया का अध्ययन: वृद्ध आबादी में निदान सुलभता और जोखिम कारकों के निदान के लिए भारतीय मानदंडों की स्थापना और निवारक नीतियों का विकास। 18 दिसंबर 2019 को इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, वसंत कुंज, दिल्ली में नर्स

शोधकर्ता में प्रयोगात्मक डिजाइन और विश्लेषण कौशल विकसित करने पर एक सम्मेलन के लिए साक्ष्य आधारित अभ्यास के लिए पुरस्कार पेपर प्रस्तुति के लिए निर्णायक अध्यक्ष; 18 दिसंबर 2019 को इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, वसंत कुंज, नई दिल्ली में नर्स शोधकर्ता में प्रयोगात्मक डिजाइन और विश्लेषण कौशल विकसित करने के लिए एक सम्मेलन के लिए साक्ष्य आधारित अभ्यास हेतु विदाई समारोह में मुख्य अतिथि; इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, वसंत कुंज, नई दिल्ली; में 18.12.19 को अनुसंधान कार्यप्रणाली सम्मेलन में पुरस्कार पेपर प्रस्तुति के लिए निर्णायक अध्यक्ष। आठ विश्वविद्यालयों के लिए परीक्षक / पेपर सेटर; एम्स, दिल्ली में प्रवेश हेतु मॉडरेशन समिति के अध्यक्ष; पोस्ट बेसिक नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक एमएससी थीसिस -7 के लिए थीसिस सहायक पीएचडी सहायक-2; सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भाग लिया: 02

डॉ. कमलेश के. शर्मा को 25 सितंबर 2019 को एम्स, नई दिल्ली में 'अनुसंधान कार्य में सर्वश्रेष्ठ नर्स' हेतु 'एम्सोनियन ऑफ अमेरिका बुक प्राइज अवार्ड -2018' प्राप्त हुआ; बाहरी सलाहकार प्रशिक्षक सामुदायिक प्रक्रियाएँ- एन.एच.एस.आर.सी., एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू., दिल्ली के साथ व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल; एम्स, दिल्ली में "नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा" में फैलोशिप कार्यक्रम (मई 2019); 23 सितंबर 2019 को नारायण नर्सिंग कॉलेज, गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार, जिला रोहतास, बिहार में नर्सिंग फ्रेशर्स बैच 2019-20 के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि; 'स्पाइनकॉन में स्पाइन डिसऑर्डर के मरीजों की देखभाल, तृतीय इंटरनेशनल स्पाइन कांग्रेस विथ लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप' विषय पर 21 अक्टूबर और 22 अक्टूबर 2019 को न्यूरोसर्जरी विभाग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नर्सिंग कार्यशाला में अध्यक्ष; 21 अक्टूबर 2019 को 5 अगस्त से 7 अगस्त 2019 तक एम्स, नई दिल्ली में पाठ्यक्रम में भाग लेने पर प्रमाणित एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता; एनआईएचएफडब्ल्यू दिल्ली में नवंबर और दिसंबर 2019 और फरवरी 2020 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, एनएचएसआरसी द्वारा "सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए प्रेरण मॉड्यूल में राज्य प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" के 3 बैचों में (90 से अधिक डॉक्टरों और नर्सों) संसाधन व्यक्ति / प्रशिक्षक दिल्ली; कनवर्जेंस ब्लॉक, एस.ई.टी. सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में संकाय हेतु 'सामग्री विकास कार्यशाला' में संसाधन व्यक्ति (5 दिसंबर 2019) 10 और 11 फरवरी 2020 को चेन्नई, तमिलनाडु में मेडिकल सिमुलेशन: सिमुलेशन 5 पर पेडिस्टार्स के 5वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'संकाय विकास कार्यशाला' के लिए संकाय के रूप में: फैब लिंक्स जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य; 'वुमन स्टडीज इंटरनेशनल फोरम' और 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड मिडवाइफरी रिसर्च', आई.जे.ओ.एन.एम.आर.', हिंसा और लिंग के लिए समीक्षक; आरजीयूएचएस के सहयोग से भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा पीएचडी नर्सिंग के लिए राष्ट्रीय कंसोर्टियम के तीन उम्मीदवारों के लिए पीएचडी गाइड; आरजीयूएचएस, बैंगलोर और डॉ. एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई के तहत नर्सिंग में पीएचडी के लिए राष्ट्रीय कंसोर्टियम के लिए पीएचडी परीक्षक; भारतीय नर्सिंग परिषद के तदर्थ निरीक्षक; 8 दिसंबर 2014 से उप छात्रावास अधीक्षक; जुलाई 2010 से नर्सिंग कॉलेज के लिए केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी, एम्स की विभिन्न समितियों में भाग लिया: नर्सिंग कॉलेज के स्टॉक से

पुस्तकों की वापसी के लिए दिनांक 15 अक्टूबर 2019 को जारी पत्र। प्राचार्य को रिपोर्ट प्रस्तुत दिनांक 25 अक्टूबर 2019; नर्सिंग कॉलेज की निराकरण समिति और एम्स छात्रावासों की; डॉक्टरल समिति (26 नवंबर 2016 के बाद से), नर्सिंग कॉलेज विभाग, एम्स, नई दिल्ली; नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली में अग्नि सुरक्षा के लिए नोडल अधिकारी। (पत्र दिनांक 6 सितंबर 2019)। डॉ. शर्मा, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवसों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान (10) आयोजित की और शहरी समुदाय में छह स्वास्थ्य सर्वेक्षण; "स्वास्थ्य चेतना और जन संपर्क अभियान" में छात्र भागीदारी का समन्वयन; एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. द्वारा प्रगति मैदान, दिल्ली में आयोजित एन.सी.डी., स्क्रीनिंग और जागरूकता शिविर; 64वें स्थापना दिवस' 2019 के अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी जैसी सह-संगठित विभागीय गतिविधियाँ; और आम जनता तथा एम्स के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच; एम.एस.सी. नर्सिंग (द्वितीय वर्ष) के पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक।

डॉ. शशि मवार ने निदेशक एम्स द्वारा वित्तपोषित विश्व हृदय दिवस पर शहरी समुदाय में सी.ओ.एल.एस. प्रशिक्षण का आयोजन किया; 17 जनवरी 2020 को नर्सिंग में मुखरता पर कार्यशाला का समन्वयन; शहरी समुदाय में आठ सर्वेक्षणों और स्वास्थ्य के निवारक और प्रचारक पहलुओं पर 17 प्रदर्शनियों और रोल प्ले का आयोजन किया; जेएलएन सभागार के सामने रक्तदान दिवस पर रक्तदान पर सीसीएम विभाग के सहयोग से एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

डॉ. पूनम जोशी ने ऑनर्स पेडिस्टार्स के साथ एक गहन सिमुलेशन संकाय विकास कार्यक्रम में लेवल तीन का सर्टिफिकेट पूरा किया; क्लिनिकल इमरजेंसी नर्सिंग, भारत में फैलोशिप; एम्स, नई दिल्ली से अनुसंधान कार्यप्रणाली और साक्ष्य आधारित चिकित्सा में एक वर्ष की फेलोशिप; अतिथि संकाय, इग्नू, नई दिल्ली।

डॉ. एल गोपीचंद्रन, वृद्ध लोगों के लिए एकीकृत चिकित्सा में डब्ल्यू.एच.ओ.-सियरो की परामर्श बैठक विशेषज्ञ समूह रहे हैं - 12 और 13 दिसंबर 2019 को निर्धारित वृद्धावस्था देखभाल में नर्सों के लिए एक नियमावली को अंतिम रूप देना; एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू-भारत सरकार परियोजना-नर्सों के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थन के लिए नियमावली तैयार करना (16 से 18 मार्च 2020)- में विशेषज्ञ समिति के सदस्य; डॉ. एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई के पीएचडी थीसिस में सहायता के लिए सदस्य; एम्स (2019) में संकाय भर्ती में स्क्रीनिंग समिति में सदस्य; मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग अपडेट 2019-2020 के आयोजन में समन्वयक, एम्स; 13 जनवरी 2020 को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध बी.एस.सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए एक विश्वविद्यालय निरीक्षक के रूप में नियुक्त; कुलसचिव, एम्स, नई दिल्ली द्वारा एम्स आई.टी.सी., एम्स, नई दिल्ली में ए.सी.एल.एस. एवं बी.बी.सी.एल.एस. के संकाय के रूप में नियुक्त (10 से 12 फरवरी 2020); 22-26 जुलाई 2019 से एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू., एम.ओ.एच., जी.ओ.आई. में स्वास्थ्य पेशेवर के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन और मूल्यांकन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। एम्स नई दिल्ली, ऋषिकेश, एम्स जोधपुर, एम्स भोपाल, आईएलबीएस सी.ओ.एन. दिल्ली, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी, टाटा मेमोरियल इंस्टीट्यूट, मुंबई, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आंतरिक और प्रश्नपत्र सेटर में बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त; 2019-2020 में उन्हें भारत के कई

शहरों में विभिन्न एम्स पीजी, यूजी और नर्स भर्ती परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रभारी-संकाय के रूप में नियुक्त किया गया।

सुश्री उज्ज्वल दहिया ऑर्बो, एम्स नई दिल्ली के सहयोग से मृतक अंग और ऊतक दान पर एम.एस.सी. नर्सिंग छात्र और बी.एस.सी. नर्सिंग छात्रों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक और संसाधन व्यक्ति हैं।

सुश्री सेसिलिया मैरी एस को पेडिस्टार्स, भारत से सिमुलेशन में सम्मान (ऑनर्स) के साथ स्तर 3 का प्रमाणन मिला; उन्होंने बाल चिकित्सा मानवविज्ञान माप पर वीडियो रूप में ऑनलाइन शिक्षण सामग्री विकसित की है; छात्रों के लिए विभिन्न सिमुलेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है; 'वह सिमुलेशन के माध्यम से कार्यस्थल में बदलाव' पर सी.एन.ई. के लिए समन्वयकों में से एक थी।

सुश्री एल. लेविस मुरी अनिवार्य नवजात शिशु देखभाल पाठ्यक्रम के लिए ओ.एन.टी.ओ.पी. ऑनलाइन शिक्षण मंच की संकाय थी; भारत में प्रसूति कक्ष और प्रसव संबंधी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए लक्ष्य कार्यक्रम हेतु गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम में संकाय; भारतीय नर्सिंग परिषद कंसोर्टियम के अंतर्गत नर्सिंग कार्यक्रम में पीएचडी में नामित थी।

डॉ. सीमा सचदेवा एम्स, नई दिल्ली से नैदानिक अनुसंधान कार्यप्रणाली और साक्ष्य आधारित चिकित्सा फेलोशिप पाठ्यक्रम में अध्ययन कर रही थीं।

सुश्री ममता चौधरी 26/3/2020 को सोसायटी ऑफ कार्डियक नर्सेस (भारत) की सदस्य थीं।

सुश्री सविता ने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवसों पर 4 प्रदर्शनियों / भूमिका नाटकों के माध्यम से जन स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आयोजित किए।

8. अनुसंधान अनुभाग

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)
चित्रा सरकार

सह-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)
विनीत आहूजा

उपलब्धियां

अनुसंधान अनुभाग ने संस्थान में संकायगण, वैज्ञानिकों और छात्रों के बीच अनुसंधान की परिस्थितियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई शोध निधियों के प्रस्तावों, कार्यशालाओं का आयोजन किया और बुनियादी ढाँचा तैयार किया। इससे पहले इंट्रामुरल फंडिंग सपोर्ट का फोकस एम्स के एकल अन्वेषकों पर था। अनुसंधान संबंधी वातावरण को अधिक जीवंत बनाने और भविष्य में दीर्घकालिक सहयोग के लिए मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से विभाग ने फंडिंग कॉल प्रस्तावों द्वारा अब अन्य संस्थानों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएं करके सहक्रियात्मक 'क्रॉस-रिसर्च गतिविधि' को उत्प्रेरित करने के लिए अपनी विचारधारा को आई आई टी और टी एच एस टी आई जैसे संस्थानों की ओर परिवर्तित कर दिया है। एम्स पहली बार, एक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ संकाय सहयोगात्मक वित्त पोषण के अवसर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सका। यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन (यूसीएल) और एम्स, नई दिल्ली के बीच अंतःविषय और सहयोगी अनुसंधान हित को बढ़ाने के उद्देश्य से, एक संयुक्त अनुसंधान बीज कोष स्थापित किया गया है और इसके द्वारा दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों से संयुक्त परियोजना प्रस्तावों को वित्त पोषित किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर और क्षमता निर्माण अभ्यास का संचालन, इम्पीटस केंद्रीकृत कोर रिसर्च फैसिलिटीज (सीसीआरएफ) और क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) की संयुक्त सुविधाओं के संचालन के माध्यम से किया गया था। एम्स ने वेब ऑफ साइंस ग्रुप (स्पष्ट विश्लेषण) के तहत चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान के लिए भारत अनुसंधान उत्कृष्टता-साइटेशन पुरस्कार 2019 प्राप्त किया।

बाहय परियोजनाएं

वित्तपोषित एजेंसी	परियोजनाओं की संख्या	प्राप्त अनुदान (रु.)
डी एस टी	151	15,30,80,253
डी बी टी	111	18,36,54,558
आई सी एम आर	317	61,29,30,048
अन्य	306	58,89,82,408
कुल	**885**	**1,53,86,47,267**

आंतरिक परियोजनाएं

आंतरिक अनुदान के लिए एक ऑनलाइन सबमिशन सिस्टम बनाया गया है।

एम्स में सहायक आचार्यगण और सह आचार्यों के लिए प्रारंभिक कैरियर इंट्रामुरल अनुसंधान अनुदान

1. सह-अन्वेषकों सहित एकल प्रधान अन्वेषक (पीआई)
2. वित्तपोषित: रु. 5 लाख / वर्ष, दो वर्षों के लिए विस्तार योग्य
3. आंतरिक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा संचालित

एम्स में सभी स्तर के संकाय सदस्यों के लिए अंतर-विषयक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएं

1. पूरक विशेषज्ञता के साथ दो अलग-अलग विभागों / विषयों से दो प्रधान अन्वेषक
2. वित्तपोषित: दो वर्ष के लिए प्रति पीआई 5 लाख रु. / वर्ष (कुल रु. 20 लाख)
3. बाह्य परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी

एम्स के छात्रों के लिए अंडरग्रेजुएट रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, तीसरा सत्र

1. संकाय सदस्य (मेंटर के रूप में नामित) के मार्गदर्शन में दो या तीन एमबीबीएस छात्रों का समूह
2. फंडिंग: एक वर्ष के लिए प्रति परियोजना 2 लाख रु.
3. आंतरिक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी

अंतर-संस्थागत सहयोगी अनुसंधान परियोजनायें:

- आईआईटी-दिल्ली
- आईआईटी-खड़गपुर
- टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
- यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन

1. पूरक विशेषज्ञता के साथ दो अलग-अलग संस्थानों से दो पीआई
2. वित्तपोषित (दोनों संस्थानों से अंतरंग): दो वर्ष के लिए प्रति पीआई 5 लाख रुपये / वर्ष (कुल 20 लाख रुपये)
3. बाह्य परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी

वर्ष के दौरान आंतरिक वित्तपोषित निधिकरण

क्र.सं.	योजना	पुरस्कृत परियोजनाएं	प्रदत्त राशि (रु.)
1.	प्रारंभिक कैरियर इंट्रामुरल रिसर्च प्रोजेक्ट	89	4,07,31,700
2.	एम्स-सहयोगी	04	40,00,000
3.	एम्स-आईआईटीडी सहयोगी परियोजनाएं	38	3,13,70,568
4	एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी परियोजनाएं	07	34,69,000
5.	एम्स-यूसीएल, लंदन	04	20,00,000
6.	स्नातकपूर्व मेंटरशिप योजना	22	41,72,800
	कुल	**160**	**8,57,44,068**

आयोजित व्याख्यान / कार्यक्रम

1. **डीबीटी-बीआईआरएसी नेतृत्व संवाद श्रृंखला व्याख्यान**: डीबीटी-बीआईआरएसी नेतृत्व संवाद श्रृंखला व्याख्यान आचार्य ट्रेवर मुंडेल, ग्लोबल हेल्थ के अध्यक्ष, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली, 29 जुलाई 2019.
2. लंदन स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन में "स्वास्थ्य पर प्रदूषण का प्रभाव", 12 मार्च 2019 को पूर्व निदेशक और वर्तमान संकाय सर एंडी हैन्स द्वारा व्याख्यान।
3. अमेरिका में अध्ययन, अनुसंधान, शिक्षण और पेशेवरों के लिए फुलब्राइट-नेहरू, अन्य फुलब्राइट और फुलब्राइट-कलाम फेलोशिप के अवसरों की जानकारी देने के लिए 15 अप्रैल 2019 को फुलब्राइट आउटरीच कार्यक्रम।
4. फैकल्टी, वैज्ञानिकों और पीएचडी छात्रों के लिए 24 जुलाई 2019 को भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर में आचार्य एके सूद, आईएनएसए एवं अवैतनिक आचार्य, भौतिकी विभाग, द्वारा व्याख्यान। व्याख्यान का शीर्षक "जीवन पर एक भौतिक विज्ञानी की वार्ता" था।
5. यूजी छात्रों के लिए आई आई टी /टी एच एस टी आई / आई जी आई बी के साथ ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया जहां सभी छात्रों और मेंटोर्स ने कार्यशाला के परिणामों को प्रस्तुत करने के लिए भाग लिया।
6. आईआईटी-दिल्ली में 20 फरवरी 2020 को एम्स-आई आई टी डी सहयोगी परियोजना के लिए समीक्षा बैठक के दौरान 25 परियोजनाओं की समीक्षा की गई और प्रगति संतोषजनक पाई गई।

पुरस्कार और सम्मान

एम्स ने वेब ऑफ साइंस ग्रुप (क्लेरिवेट एनालिटिक्स) के तहत चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान के लिए भारत अनुसंधान उत्कृष्टता-साइटेशन पुरस्कार 2019 प्राप्त किया।

नैदानिक अनुसंधान यूनिट की स्थापना

एम्स ने एक नई शोध सुविधा क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू)आरम्भ की है। यह सुविधा वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुपालन में अन्वेषक-आरंभ किए गए नैदानिक अनुसंधान की योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और विश्लेषण में उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी विशेषज्ञता और सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष जैव चिकित्सा अनुसंधान इकाई के रूप में काम करेगी। एम्स में क्लिनिकल रिसर्च यूनिट की स्थापना के प्रस्ताव को अकादमिक समिति (20 नवंबर 2018 को आयोजित 117वीं बैठक) और साथ ही शासी निकाय (24 जनवरी 2019 को आयोजित 157वीं बैठक) द्वारा अनुमोदित किया गया था। सीआरयू, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) और सह संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) के पर्यवेक्षण में कार्य करता है।

संकाय (कार्य समिति):

1. डॉ. राकेश लोढ़ा
2. डॉ. समीर बख्शी
3. डॉ. विजय प्रकाश माथुर
4. डॉ. सौरभ केडिया
5. डॉ. समित मल्होत्रा
6. डॉ. जीवा शंकर
7. डॉ. एम. कलिवानी
8. डॉ. पूजा गुप्ता

वेलकम ट्रस्ट / डीबीटी इंडिया एलायंस क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ फैलोशिप के लिए ग्रांटमैनशिप वर्कशॉप श्रृंखला

एम्स, नई दिल्ली के संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों के लिए मेंटरिंग कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जो वेलकम ट्रस्ट / डीबीटी इंडिया एलायंस क्लीनिकल और पब्लिक हेल्थ फैलोशिप के लिए आवेदन करना चाहते थे।

डॉ. रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम में 6 नवंबर 2019 को दोपहर 2 से 4 बजे तक पहली संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता एम्स दिल्ली के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया और वेलकम ट्रस्ट / डीबीटी इंडिया गठबंधन के सीईओ डॉ. शाहिद जमील और क्लीनिकल ट्रायल यूनिट, यूसीएल लंदन से प्रोफेसर उषा मेनन ने की। इसमें लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें विभिन्न विषयों के संकाय, वैज्ञानिक, शोध कर्मचारी और पीएचडी और स्नातकोत्तर छात्र शामिल थे।

वेलकम ट्रस्ट / डीबीटी इंडिया एलायंस क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ फेलोशिप हेतु अवधारणा प्रस्ताव के लिए उम्मीदवारों के लिए द्वितीय अनुदान कौशल कार्यशाला की योजना बनाई गई थी। कुल 38 संकाय सदस्यों और दो वरिष्ठ रेजिडेंट्स ने अनुसंधान अनुभाग को अवधारणा संबंधी नोट प्रस्तुत किए और इन सभी अवधारणा नोटों की समीक्षा तीन मुख्य विशेषज्ञों द्वारा की गई। इनमें से 23 को एक मेंटरिंग वर्कशॉप के लिए चुना गया, जो 15 और 16 जनवरी 2020 को आयोजित की गई। चार लीड मेंटर्स थे (डॉ. उषा मेनन, यूसीएल, लंदन; डॉ. शिंजिनी भटनागर, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद; डॉ. मधुलिका काबरा, एम्स और डॉ. वी.श्रीनिवास, एम्स) और प्रत्येक प्रस्ताव के लिए 2-3 आंतरिक विषय विशेषज्ञ मौजूद थे।

ग्रांटसमेनशिप वर्कशॉप श्रृंखला की तीसरी कार्यशाला 27 अप्रैल तथा 28 अप्रैल को ऑनलाइन (जूम) आयोजित की गई थी, जिसमें 17 प्रस्ताव थे, जिन्होंने स्टेज-1 को मंजूरी दे दी और भारत एलायंस द्वारा पूर्ण / विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रस्तुत किए गए 17 अंतिम प्रस्तावों में

से 11 का उल्लेख मुख्य विशेषज्ञों और विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया, इसके अलावा शेष के लिए ऑनलाइन मेंटरिंग तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से विशेषज्ञों की मदद ली गई।

प्रस्तुत किए गए 18 अवधारणा नोटों में से 17 को स्टेज-क्लीयर किया गया और सभी 17 उम्मीदवारों ने अप्रैल 2020 में इंडिया एलायंस फॉर क्लीनिकल एंड पब्लिक हेल्थ फेलोशिप के चरण-II मूल्यांकन के लिए पूर्ण / विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

6 नवंबर 2019 को आयोजित पहली ग्रांटस्मैनशिप कार्यशाला में, संकाय द्वारा निम्नलिखित व्याख्यान दिए गए थे:

समय	**विषय**	**वक्ता**
2.00-2.15 बजे दोपहर	स्वागत सी आर यू परिचय	डॉ. चित्रा सरकार, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक
2.15-2.30 बजे दोपहर	योजना पृष्ठभूमि (पात्रता, समयसीमा, लाभ)	डॉ. पूजा गुप्ता डॉ मणि कलावाणी
2.30-2.45 बजे दोपहर	प्रस्ताव में मुझे क्या दिखाई देगा?	डॉ. शाहिद जमील, सीईओ, इंडियन एलाइन्स
2.45-3.00 बजे दोपहर	एम्स में मेंटरिंग कार्यशाला श्रृंखला का अवलोकन	डॉ. उषा मेनन, एमआरसी-सीटीयू, यूसीएल, यूके
3.00-3.20 बजे दोपहर	हम कैसे तैयार रहे-चुनौतियाँ एवं अनुभव?	एम्स वेलकम फैलो डॉ. दीपक गौतम डॉ. अपर्णा मुखर्जी
3.20-3.45 बजे दोपहर	ओपन हाउस (मॉडरेटर: डॉ. उषा मेनन, डॉ. विनीत आहूजा)	

अन्य गतिविधियां

1. कोविड-19 महामारी के मद्देनजर, फास्ट ट्रैक इंट्रामुरल ग्रांट की घोषणा की गई और 80 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्रस्तावों की समीक्षा की गई और शॉर्टलिस्ट किए गए प्रस्तावों को फंडिंग के लिए मंजूरी दी गई। इनमें से 9 नैदानिक अवलोकन अध्ययन समान थे, इसलिए कई साइटों के लिए जांचकर्ताओं के लिए एक सामान्य केस रिकॉर्ड फॉर्म (सीआरएफ) विकसित करने का निर्णय लिया गया था जहां कोविड-19 रोगियों को भर्ती किया जा रहा था। आम सीआरएफ के डेटा को एम्स सर्वर पर संग्रहीत किया जा सकता है और प्रत्येक मरीज के लिए अलग-अलग घटकों को अलग-अलग समय बिंदुओं पर और आवश्यक कई स्थानों से भरा जा सकता है।

   सीआरयू ने आम सूचित सहमति दस्तावेज तैयार किए और 9 अवलोकन अध्ययनों के प्रमुख अनुसंधानकर्ताओं के सहयोग से ऑनलाइन केस रिकॉर्ड फॉर्म विकसित किया। इन अध्ययनों के

लिए भी एक आम सहमति फॉर्म की आवश्यकता थी, ताकि प्रत्येक क्षेत्र में रोगी देखभाल में पहली टीम रोगियों से संबंधित डेटा के सभी घटकों के लिए सहमति ले सके।

कॉमन सीआरएफ और एक आम सहमति फॉर्म को डिजाइन किया गया था जो नौ प्रधान अनुसंधानकर्ताओं द्वारा नीति-विषयक अनुमोदन सहित प्राप्त किए गए थे।

सामान्य सीआरएफ के लिए सॉफ्टवेयर को विकसित किया गया है, कोविड-19 संबंधित अनुसंधान के लिए काम करने वाली सभी टीमों के लिए पूर्व-परीक्षण किया गया है और इसे कार्यात्मक बनाया गया है।

2. सी आर यू का वेबपेज तैयार किया जा रहा है और इसे रिसर्च सेक्शन वेबसाइट के तहत होस्ट किया जाएगा।
3. आवश्यक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) सूचीबद्ध किए गए थे और विस्तृत एसओपी तैयार किए जा रहे हैं।

वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायन्स कार्यशाला का उद्घाटन सत्र, 6 नवम्बर, 2019

उद्घाटन के दौरान विशिष्ट अतिथियों का सीसीआरएफ की बीएसएल 3 प्रयोगशाला में आगमन। डॉ. विक्रम सैनी ने सुविधा के डिजाइन, विशेषताओं तथा प्रस्तावित गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

सीसीआरएफ की स्थापना

परिचय

एम्स, नई दिल्ली में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के प्रयास में, 7 अगस्त 2014 को आयोजित संस्थान के अनुसंधान सलाहकार परिषद द्वारा एक केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा (CCRF) की स्थापना की परिकल्पना की गई थी। 15 अप्रैल 2015 को आयोजित शासी निकाय की 152वीं बैठक तथा 7 और 19 अप्रैल 2016 को आयोजित स्थायी वित्त समिति की 211वीं बैठक में इसे मंजूरी दी गई थी।

इस सुविधा के लिए कन्वर्जेंस ब्लॉक की 9वीं मंजिल आवंटित की गई थी। 2018-20 के दौरान, सुविधा को डिजाइन किया गया, निर्माण किया गया, उपकरण खरीदे गए और मैनपावर को काम पर रखा गया। सेंट्रल कोर कमेटी ने विभिन्न उप-समितियों के साथ इस पूरी सुविधा की योजना के लिए डीन और एसोसिएट डीन, अनुसंधान के तहत काम किया। 24 जनवरी 2020 को इसका उद्घाटन किया गया था।

प्रोफेसर वेंकी रामाकृष्णन, रसायन विज्ञान में 2009 के नोबेल पुरस्कार विजेता और रॉयल सोसाइटी के 62वें अध्यक्ष इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे और प्रो. कृष्णस्वामी विजय राघवन, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, सम्मानित अतिथि थे।

अवयव

सीसीआरएफ,एम्स में कन्वर्जेंस ब्लॉक की 9वीं मंजिल पर स्थित है, और अनुसंधान अनुभाग (संकायाध्यक्ष, अनुसंधान) के तहत कार्य करता है। इसमें निम्नलिखित आठ उप-सुविधाएं शामिल हैं:

1. जैव सुरक्षा प्रयोगशाला 2/3 (बीएसएल 2/3)
2. जीनोमिक्स
3. प्रोटिओमिक्स
4. बायोऐनालाएटिक
5. जैव सूचना विज्ञान
6. फ्लो साइटोमिट्री
7. माइक्रोस्कोपी
8. सामान्य सुविधा

उद्देश्य

1. अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, बायोएनालिटिक्स, जैव सूचना विज्ञान, इम्यूनोलॉजी, सेल और संक्रमण जीव विज्ञान के उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में बुनियादी, नैदानिक और ट्रांसलेशनल अनुसंधान के लिए एक क्वांटम थ्रस्ट प्रदान करना।
2. हाई-एंड जैव चिकित्सा अनुसंधान करने की क्षमता के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन (संकाय, वैज्ञानिकों, तकनीशियनों) का एक पूल विकसित करने के लिए।
3. ऐसे अनुसंधान क्षेत्रों में उत्कृष्टता के अन्य संस्थानों के लिए तकनीकी विशेषज्ञता का विस्तार करना और उनके लिए क्षमता का निर्माण करना।

इस विशेष सुविधा के निर्माण से एम्स को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों के साथ निकट भविष्य में इन प्रतिस्पर्धी और आशाजनक क्षेत्रों में जगह देने में मदद मिलेगी।

कोर कमेटी

डॉ. चित्रा सरकार	डॉ. ललित डार	डॉ. गुरविंदर कौर
डॉ. विनीत आहूजा	डॉ. प्रमोद गर्ग	डॉ. रितु गुप्ता
डॉ. सुब्रत सिन्हा	डॉ. आर गोस्वामी	डॉ. टी वेलपांडियन
डॉ. टीएस रॉय	डॉ. डी.के. मित्रा	डॉ. संजीव सिन्हा
डॉ. जया त्यागी	डॉ. पुनीत कौर	
डॉ. मधुलिका काबरा	डॉ. कल्पना लूथरा	

विभाग का लोगो

सीसीआरएफ सुविधा के लिए लोगो का चयन एक प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया था। अंतिम लोगो शीर्ष दो चयनित लोगो से ली गई एक संयुक्त छवि थी। लोगो के लिए पहला पुरस्कार सुश्री किरण कुमारी (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) और दूसरा पुरस्कार डॉ. हरि प्रसाद (बायोफिज़िक्स विभाग) और डॉ. मधुमिता (बाल रोग विभाग) द्वारा जीता गया था।

वेबसाइट

वेबसाइट को कंप्यूटर सुविधा, एम्स और एम्स-आईसीएमआर कम्प्यूटेशनल जीनोमिक्स सेंटर के आचार्य और अध्यक्ष, डॉ. पुनीत कौर, बायोफिज़िक्स विभाग द्वारा संयुक्त तौर पर डिज़ाइन किया गया था। सुविधाओं से संबंधित सभी जानकारी, प्रत्येक उप-सुविधा के एसओपी और ऑनलाइन बुकिंग विवरण सीसीआरएफ वेबसाइट: ccrf.aiims.edu पर उपलब्ध है।

कार्यप्रणाली

1. यह सुविधा सभी विभागों के सभी संकायों, वैज्ञानिकों, छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए सुलभ होगी
2. मुख्य रूप से एक केंद्रीय हाई-एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इकाई होगी (नमूना भंडारण, नमूना तैयार करने आदि के लिए सुविधा प्रदान नहीं करेगा)
3. केवल अनुसंधान कार्य संभाला जाएगा, कोई नियमित नैदानिक कार्य नहीं होगा।
4. क्षमता निर्माण और ज्ञान साझाकरण को बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं, एसओपी और संसाधन सीखने की सामग्री प्रदान करेगा
5. प्रत्येक सुविधा का संचालन संकाय समूहों, वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा
6. सभी परीक्षण / प्रक्रियाओं का प्रभार रियायती दरों पर लिया जाएगा।

7. संबंधित सुविधा टीम के परामर्श से वेबसाइट के माध्यम से अग्रिम बुकिंग द्वारा हर सुविधा तक पहुँचा जा सकता है

   i) प्रत्येक उपयोगकर्ता जो इस सुविधा का उपयोग करना चाहता है उसे पंजीकृत होना होगा। उपयोगकर्ताओं को वेबसाइट पर उपलब्ध बुकिंग फॉर्म को भरना और जमा करना आवश्यक होगा।

   ii) पंजीकरण और भुगतान की पुष्टि के बाद, उपयोगकर्ता तकनीकी सहायता के लिए सुविधा से परामर्श कर सकते हैं और अपने नमूने इंस्ट्रूमेंट (एस) में संसाधित कर सकते हैं, इसके बाद कोर वर्कस्टेशन पर विश्लेषण किया जाएगा।

2019-2020 में की गई गतिविधियाँ

दिनांक	**विषय**	**सम्मिलित संकाय**
संकाय अनुसंधान प्रस्तुतियाँ		
18 फरवरी 2020	जीनोमिक्स सुविधा का परिचय	डॉ. रितु गुप्ता
	प्रोटिओमिक्स सुविधा का परिचय	डॉ. हरिप्रसाद जी
संकाय इंटरैक्टिव सत्र		
21 फरवरी 2020	उपयोगकर्ताओं, गुणात्मक और मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स, 2डी-जेल, डीजीई बनाम एमएस आधारित प्रोटिओमिक्स और डिफरेंशियल प्रोटीन अभिव्यक्ति के बाद संभावित वर्कफ़्लोज़।	डॉ. हरिप्रसाद जी डॉ. पुनीत कौर
6 मार्च 2020	जीनोमिक्स: अगली पीढ़ी	डॉ. एम. काबरा डॉ. आर. गुप्ता डॉ. एम. चौधरी
28 फरवरी 2020	लक्षित और मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स, पर्यावरण प्रदूषक, औषधीय महत्व के औषधियां, लक्षित मेटाबोलॉमिक्स और लिपिडोमिक्स, उच्च थ्रूपुट बायोएनालिसिस, ड्रग फार्माकोकाइनेटिक्स, बड़ी मात्रा में नमूनों में बायोमार्कर का मात्रात्मक विश्लेषण।	डॉ. टी. वेलपांडियन डॉ. एन. हल्दर
13 मार्च 2020	बीएसएल 2/3: जैव सुरक्षा की अनिवार्यता	डॉ. विक्रम सैनी
व्यावहारिक कार्यशाला		
29 फरवरी 2020	पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर), आरटी-पीसीआर और रियल-टाइम पीसीआर तकनीक में व्यावहारिक ट्रेनिंग: एप्लीकेशन इन डायग्नोस्टिक्स एंड रिसर्च	संकाय और सामान्य सुविधा विभाग के वैज्ञानिकों की टीम

- एम्स में छात्रों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी हेतु एवं साथ ही डीएनए, विभिन्न जैविक नमूनों से आरएनए अलगाव, जैल रन, के लिए तथा प्राइमर मेकिंग, पीसीआर, सीडीएनए संश्लेषण और रियल-टाइम पीसीआर हेतु व्यावहारिक) हैंड्स-ऑन (प्रशिक्षण शुरू करने के उद्देश्य से व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- पहली कार्यशाला में भाग लेने के लिए 145 आवेदकों द्वारा जबरदस्त प्रतिक्रिया के रूप में आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से केवल व्यावहारिक 21 प्रशिक्षण के लिए सूचीबद्ध थे, जिसमें बुनियादी और नैदानिक दोनों विभागों के संकाय, शोध छात्र, वैज्ञानिक और रेजीडेंट्स शामिल थे।शेष आवेदकों को इस कार्यशाला के दोनों दिन सूचनात्मक और इंटरैक्टिव व्याख्यान श्रृंखला में भाग लेने की अनुमति दी गई,
- दो दिवसीय कार्यशाला में चार सत्र) प्रति दिन दो सत्र (शामिल थे। दोपहरकालीन सत्र के दौरान संबन्धित क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त संकाय द्वारा एक व्याख्यान श्रृंखला शामिल थी, जो सभी प्रतिभागियों को प्रत्येक दिन के दोपहर के सत्र में किए जाने वाले प्रत्येक तकनीक के मूल ज्ञान के बारे में प्रदान करती थी जिसमें सिद्धांत, प्रक्रिया, अनुसंधान और नैदानिक अनुप्रयोग और समस्या निवारण शामिल थे।
- दोपहरकालीन सत्र व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए समर्पित था जहां प्रतिभागियों को स्वयं द्वारा प्रयोग के सभी चरणों को सीखने की अनुमति थी। वेट लैब कार्य को जीनोमिक्स सुविधा के वैज्ञानिकों और संकाय द्वारा समन्वित किया गया था।
- समग्र कार्यशाला प्रतिभागियों द्वारा प्रदान की गई प्रतिक्रिया के अनुसार बहुत सफल रही। भविष्य में कार्यशालाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझावों पर ध्यान दिया गया।

1. जैवसुरक्षा स्तर(बीएसएल)-3 प्रयोगशाला

अवलोकन और उद्देश्य:

बीएसएल सुविधा लगभग 3500 वर्ग फीट में फैली है। इस सुविधा में रोगजनक जीवों की सुरक्षित हैंडलिंग के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नियामक दिशानिर्देशों के अनुपालन में डिजाइन और परिचालन विशेषताएं सम्मिलित हैं। इसमें निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

टीबी प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

तीन स्वतंत्र बीएससी इकाइयों के लिए समर्पित:

क. क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स टीबी

ख. बुनियादी माइकोबैक्टीरियोलॉजी और संक्रमण जीव विज्ञान

ग. एम. तपेदिक के अलावा अन्य एरोबिक क्लास ।।। माइक्रोब।

एनारोबिक दस्ताने बॉक्स सहित ऐरोबिक कक्षा ।।। बैक्टीरिया के लिए एक समर्पित बीएससी इकाई

वायरोलॉजी प्रयोगशाला

आवश्यक उपकरण के साथ चार स्वतंत्र बीएससी:

क. क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स वायरोलॉजी

ख. बुनियादी विषाणु विज्ञान संवर्धन और संक्रमण जीव विज्ञान

नेगेटिव प्रैशर बीएसएल-2 लैब

क. प्रशिक्षण शोधकर्ताओं के लिए बीएसएल-3 नेगेटिव प्रैशर वातावरण के लिए सिम्युलेटर।

ख. मुख्य बीएसएल-3 क्षेत्रों में अतिरिक्त सहायता के रूप में कार्य करेगा

ग. आवश्यक उपकरण के साथ 2 स्वतंत्र समर्पित बीएससी

प्रमुख उपकरण संस्थापन

न्यूएयरी बी2 टाइप क्लास 2 बायोसैफिली कैबिनेट्स	बैक्टीरियल लूप इन्कनेटर
कोल्ड कैबिनेट (4° C से 8° C)	हीटिंग विकल्पों के साथ चुंबकीय शीर्ष
अपराइट फ्रीजर (-20° डिग्री सेल्सियस)	आटोक्लेव वर्टिकल डबल जैकेटेड
डिजिटल कॉलोनी काउंटर	पीएच मीटर
हीट ब्लॉक	प्रशीतित बेंच शीर्ष माइक्रोफ्यूज
वोरटेक्स	CO2 इन्क्यूबेटर
रियल टाइम पीसीआर मशीन	वर्टिकल डबल जैकेटेड आटोक्लेव
इन्क्यूबेटर्स (बीओडी)	मल्टीमोड रीडर
मिनी सेंट्रीफ्यूज (पिकोफ्यूज)	हाइड्रोजन पेरोक्साइड वेपराइजर मशीन

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

बीएसएल-3 के उपयोगकर्ता

एम्स में बीएसएल-3 सुविधा, संकाय, वैज्ञानिकों, रेजीडेंट्स, कर्मचारियों और छात्रों के लिए खुली है जो काम कर रहे हैं या जोखिम समूह-3 संक्रामक एजेंटों पर काम करने की योजना बना रहे हैं। सभी उपयोगकर्ताओं को सेवा प्राप्त करने के लिए बीएसएल-3 प्रशिक्षण, प्रमाणन और एक चिकित्सा स्वास्थ्य परीक्षा से सफलतापूर्वक गुजरना अपेक्षित है।

बीएसएल-3 में संरक्षित जीवाणु

इस सुविधा को नैदानिक समूह सहित जोखिम समूह-3 वायरस और बैक्टीरियल उपभेदों के साथ काम करने के लिए अनुकूलता सहित डिज़ाइन किया गया है। निदान और कल्चर कार्य के लिए मौजूदा विशेषज्ञता और आवश्यकता के आधार पर, इस सुविधा में हेरफेर करने वाले प्रमुख सूक्ष्मजीव उपभेद इस प्रकार हैं:

बैक्टीरिया: एमडीआर और एक्सडीआर तपेदिक, रिकेट्सिया प्रोवाज़ेकी, रिकेट्सिया रिकेट्सिया, लेगिएनेला न्यूमोफिला, बैकुस एन्थ्रेसिस सहित माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस लैब और नैदानिक उपभेद

वायरस: एचआईवी वायरस, एचआईवी, इन्फ्लुएंजा ए / एच 5 एन 1 (एचपीएआई) / अनुपयोगी इन्फ्लूएंजा वायरस, वेस्ट नाइल, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, सार्स-कोव, मर्स-कोव

विभाग की गतिविधियाँ

बीएसएल-3 में कोविड -19 निदान

यह सुविधा वास्तव में एम्स में नैदानिक क्षमता में वृद्धि के लिए केंद्रीय सुविधा है। बीएसएल-3 सिम्युलेटर प्रयोगशाला का उपयोग कोविड-19 संदिग्धों / मामलों के नमूनों की प्रोसेसिंग के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, जैसा कि महामारी बढ़ी है, बीएसएल-3 वायरोलॉजी प्रयोगशाला को आरटी पीसीआर और सीबीएनएएटी आधारित निदान दोनों के लिए नैदानिक क्षेत्र के रूप में उपयोग हेतु सक्रिय किया गया है।

बीएसएल-3 की कोविड-19 संबंधित प्रशिक्षण गतिविधियाँ

बीएसएल-3 टीम ने एम्स के पीपीई कीटाणुशोधन सुविधा में तैनात अस्पताल कर्मियों और सफाई परिचरों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए पहल की है। डॉ. विक्रम सैनी ने कोविड-19 के साथ काम करने के जैव सुरक्षा पहलुओं पर कई सत्र आयोजित किए हैं। डॉ. अतुल वशिष्ठ के (वैज्ञानिक II, बीएसएल-3) को स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के प्रशिक्षण प्रयासों को प्रदान करने और उनकी देखरेख के लिए पीपीई कीटाणुशोधन स्थल एम्स में तैनात किया गया है।

बीएसएल-3 सुविधा के सदस्य

1. डॉ. सुब्रत सिन्हा, आचार्य और अध्यक्ष, जैव रसायन विभाग (समन्वयक)
2. डॉ. रमा चौधरी, आचार्य सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
3. डॉ. एस.एस. चौहान, आचार्य, जैव रसायन विभाग
4. डॉ. ललित डार, आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
5. डॉ. कल्पना लूथरा, आचार्य, जैव रसायन विभाग
6. डॉ. संजीव सिन्हा, आचार्य, काय चिकित्सा विभाग
7. डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
8. डॉ. आशीष चौधरी, सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
9. डॉ. विक्रम सैनी, सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
10. डॉ. किरण बाला, सहायक आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
11. डॉ. जया त्यागी, एनएएसआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली फेलो (विशेष आमंत्रित)
12. डॉ. सुनीता कंसवाल, वैज्ञानिक II (संविदा)
13. डॉ. अतुल वशिष्ठ, वैज्ञानिक II (संविदा)

2. जीनोमिक्स सुविधा

अवलोकन और उद्देश्य

हाल के तकनीकी विकास जैसे कि अगली पीढ़ी की अनुक्रमण विधियों की कार्यक्षमता और मजबूत जैव सूचना विज्ञान के दृष्टिकोणों ने क्लीनिकों में नैदानिक, रोगनिरोधी और चिकित्सीय मूल्य के साथ संभावित जीनोमिक बायोमार्कर को दूर करने और अनुसंधान में शीघ्र प्रगति के लिए प्रेरित किया है। समय-समय पर लागत और सुविधा में उपलब्ध उन्नत इंस्ट्रूमेंटेशन प्लेटफ़ॉर्म पर संसाधन-कुशल तरीके से नैदानिक रूप

से प्रासंगिक कार्यक्षमता डेटा की उत्पत्ति से जीनोमिक्स के क्षेत्र में एम्स के शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर खुलेंगे और अंततः वैयक्तिक चिकित्सा संबंधी अनुसंधान के नए युग का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं:

1. उच्च प्रौद्योगिकी वाले अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों तक पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं के लिए अकादमिक संबंधी प्रेरक और सहयोगी वातावरण बनाना और प्रदान करना जो कुशल कामकाज के लिए उच्चतम गुणवत्ता नियंत्रण और अंशांकन के साथ केंद्रीयकृत रूप से बनाए रखा जाएगा।
2. नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से क्षमता निर्माण और ज्ञान साझाकरण को बढ़ाना। इस तरह की गतिविधियों में प्रयोग डिजाइन और परख हेतु जांचकर्ताओं के लिए व्याख्यान श्रृंखला और कार्यशालाएं शामिल होंगी। इन गतिविधियों में दिशानिर्देशों का निर्माण और मानक संचालन प्रक्रियाओं और उपयोगकर्ताओं के लिए संसाधन सीखने की सामग्री का विकास भी शामिल होगा।
3. अत्याधुनिक जीनोमिक प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन और कार्यान्वयन करना
4. जांचकर्ताओं की विशिष्ट आवश्यकताओं के जवाब में शोधकर्ताओं के लिए नॉवल प्रयोगात्मक विधियों के विकास को आगे बढ़ाना।

प्रमुख उपकरण संस्थापन

1. नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसर
   –नोवासेक 6000 (इल्यूमिना) –मिसेक (इल्यूमिना)
2. 48 कोशिका आनुवंशिक विश्लेषक 3730 (एप्लाइड बायोसिस्टम्स)
3. एन काउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर (नैनोस्ट्रिंग टेक्नोलॉजीज)
4. फोकस्ड अल्ट्रासोनिक एमई220 (कोवारिस)
5. सुगंध विश्लेषक (एगिलेंट टेक्नोलॉजीज)

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

नेक्सट जनरेशन सिक्वेंसिंग

क) प्रयोग डिजाइन: प्रयोगों के डिजाइन के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा जिसमें शामिल होंगे
- उपयोगकर्ता की आवश्यकता के अनुसार किट की उपलब्धता और उपयुक्तता के बारे में मार्गदर्शन
- निधियों की आवश्यकता
- पुस्तकालय की तैयारी के लिए एसओपी
- प्रयोग के लिए आवश्यक देखभाल और कवरेज का अनुक्रमण
- आवश्यक कवरेज के लिए मल्टीप्लेक्सिंग

ख) *न्यूक्लिक एसिड / एनजीएस पुस्तकालयों की गुणवत्ता और मात्रा में वृद्धि:* सुविधा में उपलब्ध फ्रैग्मेंट एनालाइज़र और / या क्यूबिट का उपयोग करना

ग) *डीएनए / आरएनए शियरिंग:* कोवरिस-एमई 52 का उपयोग केंद्रित-अल्ट्रासोनिक

घ) *नमूना तैयार करना:* विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए नमूना तैयार करने के लिए उपयोगकर्ता को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान की जाएगी जो कि नियमित रूप से व्यावहारिक कार्यशालाओं के माध्यम से सुविधा में उपलब्ध उपकरणों द्वारा किया जा सकता है।

ङ.) *पुस्तकालय की व्यवस्था:* विभिन्न प्रोटोकॉलों का उपयोग करते हुए पुस्तकालय की तैयारी में उपयोगकर्ता प्रशिक्षण और समर्थन: डब्ल्यूईएस, डब्ल्यूजीएस, ट्रांसक्रिपटोम, लघु आरएनए अनुक्रमण, चीपसैक, मेटाजिनोमिक्स, पीजीएस, आदि।

च) *अनुक्रमण:* प्रयोग की आवश्यकता के आधार पर, अनुक्रमण निम्न में से किसी भी उपकरण (i) नोवासेक 6000 (इल्लुमिना) या (ii) मिसेक (इलुमिना) पर किया जाएगा।

छ) *गोपनीयता के रखरखाव के साथ जैव सूचनात्मक विश्लेषण के लिए रॉ डेटा का प्रावधान:* इन अनुक्रमण सेवाओं का प्रावधान लक्षित विश्लेषण के लिए या एनजीएस पर पाए गए वेरिएंट की पुष्टि के लिए होगा।

48 कोशिका आनुवंशिक विश्लेषक 3730 (एप्लाइड बायोसिस्टम्स) पर सेंगर अनुक्रमण

क. विभिन्न अनुप्रयोगों जैसे कि फ्रैग्मेंट विश्लेषण, एमएलपीए, एसएनपी जीनोटाइपिंग आदि के लिए प्रयोग डिजाइन।

ख. जेनेटिक एनालाइजर पर अनुसंधान जारी है

ग. डेटा विश्लेषण

एन काउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर संबंधी नैनोस्ट्रिंग विश्लेषण

- उपयोगकर्ता की आवश्यकता के अनुसार मल्टी जीन पैनल / किट की उपलब्धता और उपयुक्तता के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा
- नियमित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से एन काउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर पर आरएनए, डीएनए, प्रोटीन प्रोफाइलिंग और अन्य अनुप्रयोगों के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

जीनोमिक्स सुविधा के सदस्य

1. डॉ. मधुलिका काबरा, आचार्य, बाल रोग विभाग (समन्वयक)
2. डॉ. कुंजंग चोसडोल, आचार्य, जैव रसायन विभाग
3. डॉ. वैशाली सूरी, आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग
4. डॉ. रितु गुप्ता, आचार्य, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान यूनिट, डॉ. बीआरए आईआरसीए
5. डॉ. सुदीप कुमार दत्ता, सहायक आचार्य, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
6. डॉ. गुरविंदर कौर, सीनियर साइंटिस्ट, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान यूनिट, डॉ. बीआरए आईआरसीएच
7. डॉ. मधुमिता रॉय चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जेनेटिक यूनिट
8. डॉ. लता रानी, वैज्ञानिक II (संविदा)

3. प्रोटियोमिक्स सुविधा

अवलोकन और उद्देश्य

प्रोटियोमिक्स सुविधा शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को प्रोटीन की पहचान, प्रोटीन प्रोफाइलिंग और प्रोटीन परिमाण के लिए प्रोटियोमिक प्रयोगों को सीखने और संचालित करने में सक्षम होगी।

प्रमुख उपकरण संस्थापन

- इटान फोर आईपीजी (जीई)
- अमर्शम टाइफून स्कैनर (जीई)
- आमेरशाम इमेजर 680 (जीई)
- डायनेक्स अल्टीमेट 3000 यूएचपीएलसी (थर्मो साइंटिफिक)
- ईजी-एनएलसी टीएम 1200 सिस्टम (थर्मो वैज्ञानिक)
- ऑर्बिट्रेप फ्यूजन ट्राइब्रिड मास स्पेक्ट्रोमीटर (थर्मो वैज्ञानिक)

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

1. आईएसओ-इलेक्ट्रिक फोकसिंग (आईईएफ)
2. 2डी जैल वैद्युतकणसंचलन
3. जैल स्टेनिंग
4. अंतर जैल वैद्युतकणसंचलन (डीआईजीई)
5. जैल स्पॉट मात्रा
6. ट्रिप्सिन पाचन
7. प्रोटीन की पहचान
8. गुणात्मक प्रोटिओमिक्स: आइसोबैरिक टैग आधारित और लेबल मुक्त प्रोटीन मात्रा

प्रोटियोमिक्स सुविधा के सदस्य

1. डॉ. पुनीत कौर,आचार्य एवं अध्यक्ष, बायोफिज़िक्स विभाग (समन्वयक)
2. डॉ. टी वेलपांडियन, आचार्य, नेत्रविज्ञान फार्माकोलॉजी विभाग
3. डॉ. सविता यादव, आचार्य, बायोफिज़िक्स विभाग
4. डॉ. प्रज्ञान आचार्य, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग
5. डॉ. हरिप्रसाद जी, सहायक आचार्य, जैव भौतिकी विभाग
6. डॉ. सव्यसाची बंद्योपाध्याय, वैज्ञानिक II (संविदा)

4. जैव विश्लेषण सुविधा

अवलोकन और उद्देश्य

बायोएनालिटिक्स सुविधा जैव विज्ञानी स्रोतों (पौधों, जानवरों, सूक्ष्म जीवों और मानव) से यौगिकों के अलगाव के लिए आवश्यक अत्याधुनिक तकनीक तक पहुंच को सक्षम बनाने में सहायता करेगी। यह सुविधा पृथक यौगिकों की शुद्धि, पहचान और मात्रा निर्धारण करने का अवसर प्रदान करेगी। इस सुविधा से लक्षित प्रोटियोमिक्स, लिपिडोमिक्स और मेटाबॉलिज़्म के लिए परिमाणीकरण के नए तरीकों के विकास का समर्थन

करने की उम्मीद है। अनुसंधान सुविधा भविष्य में दवा चयापचय, औषधि में गिरावट और अशुद्धता विश्लेषण अध्ययन करने में सक्षम होगी। उपरोक्त के अलावा, सुविधा द्वारा औधषि और जैविक विश्लेषण, सूचना पर निर्भर अज्ञात यौगिक पहचान के फार्माकोकाइनेटिक्स का समर्थन करने की उम्मीद है।

प्रमुख उपकरण संस्थापन

1. उच्च परिशुद्धता मास स्पेक्ट्रोमीटर
2. विश्लेषणात्मक एचपीएलसी
3. प्रारंभिक एचपीएलसी

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

- जैविक तरल पदार्थों से कार्बनिक यौगिकों की मात्रा
- जैविक मेट्रिक्स से जैव सक्रिय यौगिक का अलगाव
- यौगिक विश्लेषण के लिए नए तरीकों का विकास करना
- औषधि चयापचय, फार्माकोकाइनेटिक्स और औषधि स्तर में गिरावट का अध्ययन
- जैविक ऊतकों में फोरेंसिक महत्व की दवाओं की पहचान
- बड़ी संख्या में जैव नमूनों में लक्षित प्रोटीन, लिपिडोमिक्स और मेटाबोलॉमिक्स में मात्रा की आवश्यकता होती है

बायोएनालिटिक्स समिति के सदस्य

1. डॉ. टी.वेलपांडियन, आचार्य, नेत्र भेषजगुण विज्ञान विभाग, डॉ.रा.प्र. केंद्र (समन्वयक)
2. डॉ. कुंजंग चोसडोल, आचार्य, जैव रसायन विभाग
3. डॉ. शर्मिष्ठा डे, अपरआचार्य, बायोफिज़िक्स विभाग
4. डॉ. नबनीता हलदर, सह-आचार्य, ओक्यूलर फार्माकोलॉजी विभाग
5. डॉ. हनुमान प्रसाद शर्मा, वैज्ञानिक-II (संविदा)

5. जैव सूचना सुविधा

अवलोकन और उद्देश्य

जैव सूचना सुविधा में जीपीयू कार्ड के साथ हाई-एंड कंप्यूटर सर्वर शामिल हैं। यह उपयोगकर्ताओं के लिए एक टर्मिनल है जो जैव सूचना विज्ञान परामर्श और डेटा विश्लेषण के साथ मिलकर शोधकर्ताओं के लिए अंतःविषयक और सहयोगी वातावरण को बढ़ाने के लिए एक निरंतर बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। यह अन्य मुख्य सुविधाओं जैसे प्रोटियोमिक्स, बायोएनालिटिक्स, जीनोमिक्स, फ्लो साइटोमेट्री और एम्स-आईसीएमआर कम्प्यूटेशनल जीनोमिक्स सेंटर के साथ मिलकर काम करेगा। कुल मिलाकर, सुविधा का उद्देश्य डेटा विश्लेषण और एकीकरण के लिए एक एकीकृत जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोण की सुविधा प्रदान करना है।

1. जैव सूचना विज्ञान उपकरण और तकनीकों का उपयोग करने और विकसित करने के लिए संकाय अनुसंधान प्रयासों का समर्थन करने के लिए एक उपयोगकर्ता-केंद्रित प्रणाली विकसित करना।

2. जैव सूचना विज्ञान उपकरण में प्रशिक्षण के माध्यम से बहु-विषयक अनुसंधान को मजबूत करना
3. तीव्र और योग्य कम्प्यूटेशनल विश्लेषण, मॉडलिंग, विज्युलाइजेशन और डेटा की पुनर्प्राप्ति का समर्थन करने वाली तकनीकी संरचना को बनाए रखना।

प्रमुख उपकरण (इस वर्ष के अंत में स्थापित किए जाने के लिए)

i. एचपीसी क्लस्टर आधारित जीपीयू

1. मास्टर नोड
2. गणना नोड

ii. एनालिटिक्स क्लस्टर सीपीयू-आधारित

एनालिटिक्स डेटा के लिए अतिरेक में 100 टीबी प्रयोग करने योग्य भंडारण सहित एचडीएफएस या इसी तरह की फाइल सिस्टम के साथ एनालिटिक्स कंप्यूट क्लस्टर

1. नाम / एज / मास्टर नोड
2. एनालिटिक्स नोड
3. 10 जी से अधिक नेटवर्क कनेक्टिविटी

iii. केंद्रीकृत भौतिक भंडारण

1. पीबी (पेटाइट) केंद्रीकृत भंडारण

iv. पेरिफेरल्स

1. ऑल-इन-वन पीसी
2. कार्य केंद्र
3. नेटवर्क लेजर प्रिंटर

सेवाएं

1. एनजीएस / जीनोमिक्स डेटा विश्लेषण आईसीएमआर-एम्स कम्प्यूटेशनल जीनोमिक्स सेंटर के साथ संयोजन के रूप में
2. प्रोटिओमिक्स डेटा विश्लेषण
3. प्रोटीन संरचना विश्लेषण
4. तर्कसंगत औषधि डिजाइन
5. जीन और प्रोटीन का मार्ग और नेटवर्क विश्लेषण।

जैव सूचना विज्ञान समिति के सदस्य

1. डॉ पुनीत कौर, आचार्य एवं अध्यक्ष, जैव भौतिकी विभाग (समन्वयक)
2. डॉ. सुदीप सेन, अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग
3. डॉ. ए.एस. इतायातुल्ला, सह-आचार्य, जैव भौतिकी विभाग
4. डॉ. सिद्धार्थ कुंडू, सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग

5. डॉ. मनोज कुमार, वैज्ञानिक- II, जैव भौतिकी विभाग
6. डॉ. हरि शंकर, वरिष्ठ प्रोग्रामर, कंप्यूटर सुविधा

6. फ्लो साइटोमिट्री सुविधा

अवलोकन और उद्देश्य

एफएसीएस कोर सुविधा का मिशन उच्च गति प्रतिदीप्ति-सक्रिय कोशिका की छँटाई सहित एकल कोशिका स्तर पर कोशिकाओं के फ्लोरोसेंट विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक इंस्ट्रूमेंटेशन और संसाधन प्रदान करके अत्याधुनिक अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना है।

इस सुविधा का उद्देश्य प्रयोगात्मक डिजाइन, उपकरण ज्ञान और प्रशिक्षण, डेटा विश्लेषण और कोशिका छँटाई के क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति सहित फ्लो साइटोमिट्री में विशेषज्ञता प्रदान करना है।

प्रमुख उपकरण स्थापित

1. प्रतिदीप्ति सेल सॉर्टर (बीडीएफएसीएस एरिया फ्यूजन) को सक्रिय करता है।
2. फ्लो साइटोमीटर (बाद में वर्ष में स्थापित किया जाएगा)

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

1. सेल प्रसार
2. इंट्रासेल्युलर और स्रावित साइटोकिन
3. सेल फेनोटाइपिंग
4. एपोप्टोसिस और कोशिका चक्र अध्ययन
5. सिग्नल ट्रांसडक्शन
6. बायोमार्कर का पता लगाना
7. डीएनए विश्लेषण

फ्लो साइटोमेट्री सुविधा के सदस्य

1. डॉ. डी.के. मित्रा, आचार्य एवं अध्यक्ष, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान और इम्यूनोजेनेटिक्स विभाग (समन्वयक)
2. डॉ. कल्पना लूथरा, आचार्य, जैव रसायन विभाग
3. डॉ. विनीत आहूजा, आचार्य, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग
4. डॉ. रितु गुप्ता, आचार्य, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान यूनिट, डॉ. बीआरए आईआरसीएच
5. डॉ. जयंत, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग
6. डॉ. रूपेश श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
7. डॉ. संजीव गोस्वामी, वैज्ञानिक, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं इम्यूनोजेनेटिक्स विभाग
8. डॉ. नसीम अख्तर अंसारी, वैज्ञानिक-II (संविदा)

7. सूक्ष्मदर्शी सुविधा

अवलोकन और उद्देश्य

सूक्ष्मदर्शी सुविधा का उद्देश्य लाइव सेल इमेजिंग के साथ हाई-एंड लेजर सहित कोंफोकल माइक्रोस्कोपी का उपयोग प्रदान करना है। यह सुविधा छवि विश्लेषण और मार्करों की मात्रा तय करने में भी मदद करेगी।

यह बायोमार्कर खोज, क्लिनिकोपथोलॉजी, औषध विश्लेषण, आणविक निदान आदि से संबंधित अपने शोध संबंधी प्रश्नों को संबोधित करने की दिशा में शोधकर्ताओं की सुविधा के लिए एक उच्च परिष्कृत माइक्रोस्कोप है।

प्रमुख उपकरण (जल्द ही स्थापित किया जाएगा)

लाइव-सेल इमेजिंग (एलएसएम 980, जेयसिस) के साथ लेजर कन्फोकल माइक्रोस्कोपी

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

- कन्फोकल इमेजिंग
- लाइव-सेल इमेजिंग

कन्फोकल इमेजिंग सुविधा के सदस्य

1. डॉ. टी.एस. रॉय, आचार्य एवं अध्यक्ष, शरीर रचना विभाग (समन्वयक)
2. डॉ. पार्थो प्रसाद चट्टोपाध्याय, आचार्य, जैव रसायन विभाग
3. डॉ. वैशाली सूरी, आचार्य, पैथोलॉजी विभाग
4. डॉ. संदीप माथुर, आचार्य, पैथोलॉजी विभाग
5. डॉ. सरिता महापात्रा, सह-आचार्य, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग
6. डॉ. टोनी जैकब जॉर्ज, सह-आचार्य, शरीर रचना विभाग
7. डॉ. स्वर्णेदु बैग, वैज्ञानिक- II (संविदा)

8. सामान्य सुविधा

अवलोकन और उद्देश्य

सामान्य सुविधा (GF) की स्थापना अनुसंधान कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए बुनियादी और उन्नत आणविक इंस्ट्रूमेंटेशन सेवाएं प्रदान करने के प्रमुख उद्देश्य के साथ की गई है। इसके अलावा, सीसीआरएफ की अन्य उप-सुविधाओं (प्रोटिओमिक्स / जीनोमिक्स / बायो-एनालिटिक्स और कन्फोकल माइक्रोस्कोपी सुविधा सहित) के कामकाज का समर्थन करेगी।

जीएफ, दो लैब (जीएफ1 और जीएफ2) में स्थापित है। जीएफ 1 लैब, आणविक तकनीकों में अलगाव, शुद्धि, परिमाण और जैविक पदार्थों से जीनोमिक सामग्री के प्रवर्धन के लिए प्रशिक्षण और सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। जीएफ 2, प्रोटीन से संबंधित कार्य (वेस्टर्न ब्लॉटिंग), इलेक्ट्रोपोरेटर और माइक्रोस्कोपी के लिए एक उपकरण हैं।

प्रमुख उपकरण संस्थापन

1. रियलटा-इम पीसीआर मशीन
2. पीसीआर मशीन
3. मल्टीमोडरीडर माइक्रोप्लेट-
   (जीएफ1 में 1 से 3)
4. विद्युतीकरण
5. प्रणाली अल्ट्रासेंट्रीफ्यूजस
6. प्रशीतितसेंट्रीफ़्यूजेस-
7. होमोजिनैजर्स
8. पश्चिमी ब्लोट एपार्ट्स
9. रैपिड सेमी ड्राई सिस्टम
10. पावर पैक सहित एग्रोसजेल प्रणाली
    (जी एफ 2 में 4 से 10)

प्रदत्त सेवाएं

सीसीआरएफ में स्थापित सामान्य सुविधा ने फरवरी 2020 से एम्स संकायगण / वैज्ञानिकों / शोध छात्रों को अपनी सेवाएँ प्रदान करना शुरू कर दिया है। लगभग सभी स्थापित मशीनें उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध करा दी गई हैं। रियल-टाइम पीसीआर, होमोजेनज़र, पीसीआर, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर जैसे कुछ उपकरण पहले ही कई उपयोगकर्ताओं द्वारा एक्सेस किए जा चुके हैं। संस्थान के विभिन्न शोध समूहों ने जीएफ के वैज्ञानिकों के साथ चल रही परियोजनाओं और / या आगामी परियोजनाओं में उनके विशिष्ट अनुसंधान उद्देश्यों के लिए इन उपकरणों के उपयोग की आवश्यकता के बारे में चर्चा की है। इस सुविधा में इंस्ट्रूमेंटेशन का उपयोग निःशुल्क है और उपयोगकर्ता को केवल संसाधित नमूने और / या आवश्यक उपभोग्य वस्तुएं लाना है।

सामान्य सुविधा के सदस्य

1. डॉ. कल्पना लूथरा, आचार्य, जैव रसायन विभाग (समन्वयक)
2. डॉ. रविंदर गोस्वामी, आचार्य, अंत:स्त्राविकी विभाग
3. डॉ. पार्थोप्रसाद चट्टोपाध्याय, आचार्य, जैव रसायन विभाग
4. डॉ. लक्ष्मी आर, आचार्य, हृद-जैवरसायन विभाग
5. डॉ. दीपाली जैन, आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग
6. डॉ. अर्चना सिंह-1, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग
7. डॉ. जयंत कुमार, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग
8. डॉ. विकास शर्मा, वैज्ञानिक-II (संविदा)
9. डॉ. अमित सिंह, वैज्ञानिक-II, (संविदा)

सीसीआरएफ कार्यशाला - श्रृंखला I का स्नैपशॉट

<u>अक्षय निधि</u>

1. अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए छात्रों, रेजिडेंट्, पीएचडी विद्वानों और अनुसंधान कर्मचारियों के लिए यात्रा फैलोशिप प्रदान करता है।
2. यात्रा अनुदान के पुरस्कार के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए हर दो महीने में बैठक आयोजित की जाती है।
3. संकाय के लिए अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप के लिए निधिकरण का आरंभ (प्रति वर्ष 4)

महीना	स्वीकृत आवेदन	स्वीकृत राशि (रु.)
अप्रैल 2019	5	360000
मई-जून 2019	13	920000
जुलाई-अगस्त 2019	10	620000
सितम्बर-अक्टूबर 2019	10	580000
नवम्बर-दिसम्बर 2019	10	700000
जनवरी-फरवरी	7	440000
कुल	**55**	**3620000**

विविध/अन्य गतिविधियाँ

1. **ई-शोध समाचार पत्र** त्रैमासिक प्रकाशित किया जा रहा है।
2. नियमित आधार पर संकाय को अनुदान संबंधी अपडेट प्रदान किया जा रहा है।
3. 4 नवंबर 2019 को सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने के लिए यूसीएल पीआई को 20,000 पाउंड का वित्तपोषण प्रदान किया गया और समतुल्य सहायता फंडिंग के लिए एम्स के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें चार परियोजना अनुदान होंगे, प्रत्येक में संस्थान को 5000 पाउंड का अनुदान प्राप्त होगा।
4. भर्ती नियमों का संशोधन, ओवरहेड शुल्कों का संशोधन और जीईएम के माध्यम से अनुसंधान स्टोर वस्तुओं की खरीद के नियमों को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। अनुसंधान मैनुअल को तैयार किया जा रहा है।
5. अनुसंधान अनुभाग का कम्प्यूटरीकरण जारी है।
6. एम्स की पेटेंट नीति का मसौदा तैयार करना।
7. अनुसंधान अखंडता / कदाचार समिति: जारी दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करना।
8. आईआरएमआई (रिसर्च मैनेजमेंट इनिशिएटिव) डीबीटी / इंडिया अलाइंस के साथ शुरू किया जा रहा है।
9. दैनिक खर्च पर नकद अग्रिम लेनदेन से बचने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रधान अनुसंधानकर्त्ता को प्री-पेड कार्ड (ईज़ी-पे कार्ड) जारी करना।
10. इंट्राम्यूरल ग्रांट के लिए ऑनलाइन सबमिशन सिस्टम बनाया गया है।

9.1. संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार

आचार्य और अध्यक्ष

राजेश्वरी सुब्रमणियम

आचार्य

अंजन त्रिखा	माया देहरान	दिलीप आर शिंदे
लोकेश कश्यप	गंगा प्रसाद	वीरेन्द्र कुमार मोहन
विम्मी रेवाड़ी	वनलाल दारलोंग	रेणु सिन्हा (डॉ. रा.प्र.केन्द्र)
ज्योत्सना पुंज	बबीता गुप्ता (जेपीएनए टीसी)	रविन्द्र कुमार पाण्डे
अंजोली छाबड़ा	छवि साहनी (जेपीएनए टीसी)	रश्मि रामचंद्रन

अपर आचार्य

दालिम कुमार बैद्य (सीडीईआर) देवलिना गोस्वामी (सीडीईआर)

सह-आचार्य

पुनीत खन्ना बिकास रंजन रे राहुल कुमार आनंद

देबेश भोई शैलेंद्र कुमार (आईवीएफ)

सहायक आचार्य

मनप्रीत कौर	सौविक मैत्रा	तिलक मुथैय्या
अखिल कांत सिंह	कानिल रंजीत कुमार (डॉ. रा.प्र. केन्द्र)	राकेश कुमार
निशांत पटेल	अरशद अयूब (डॉ. रा.प्र.केन्द्र)	युद्धवीर सिंह (जीपीएनए टीसी)
अभिषेक कुमार	क्रिस्टोफर दास	अजिशा अरविंदन
विनीता वेंकटेश्वरन	वेंकट गणेश	अंजू गुप्ता
केलिका प्रकाश	मृत्युंजय कुमार	परिन चेलानी
सुलगना भट्टाचार्जी	श्रेया भरत शाह	

विशिष्टताएं

संकाय सदस्य उत्साह, रुचि और उत्साह के साथ नैदानिक कार्य, शिक्षण और अनुसंधान कर रहे हैं। विभाग 80 अनुसंधान परियोजनाओं (गैर-वित्त पोषित) को पूरा करने में सक्षम रहा, और 133 गैर-वित्त पोषित परियोजनाएं जारी हैं। इनमें से, विभाग ने 17 अंतरविभागीय अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करना जारी रखा और सात ऐसी परियोजनाओं को पूरा किया। एम्स के साथ-साथ आईसीएमआर की वित्तीय सहायता से विभाग ने एक वित्त पोषित परियोजना पूरी कर ली है और विभाग में आठ (वित्त पोषित) परियोजनाएं जारी हैं। विभाग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वक्ताओं / शिक्षाविदों की भागीदारी

में चार सम्मेलन/कार्यशालाएं/सीएमई आयोजित किए। संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार के प्रति योगदान के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों से कई विभागीय संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता/ पुरस्कार मिले। संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर चुनौतीपूर्ण विषयों पर 200 से अधिक (226) वार्ताएं प्रस्तुत कीं। विभाग ने सुप्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 69 शोधपत्र प्रकाशित किए और साथ ही विभिन्न पुस्तकों में सात अध्याय भी प्रकाशित किए। इसके अलावा, कई संकाय सदस्यों को विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में चुना/ पुन: नियुक्त किया गया। शैक्षणिक क्षेत्र के अलावा, रेजीडेंट और संकाय सदस्यों ने कई सांस्कृतिक और खेल आयोजनों में भाग लिया और कुछ ऐसे आयोजनों में स्थान भी हासिल किए। वर्तमान वर्ष के दौरान, हमारा संस्थान, अपने लक्षित उच्च मानकों को ध्यान में रखते हुए संवेदनाहरण के सभी क्षेत्रों में प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहा।

माननीय निदेशक, प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया **6** दिसम्बर, **2019** को सीयूएसए का उद्घाटन करते हुए

केडेवरिक स्किल्स वर्कशॉप, आईएसपीसी सम्मेलन 2019

एक सत्र - एएपीजीए 2019 में

टीम "केटामाइन" ने रेजीडेंट्स क्रिकेट लीग, जून **2019** में विजय हासिल की

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स एनेस्थीसिया पीजी असेंबली (एएपीजीए 2019), 29 सितंबर से 3 अक्टूबर 2019
2. इंडियन सोसाइटी ऑफ पेन क्लिनिशियंस कॉन्फ्रेंस (आईएसपीसी सम्मेलन 2019), 8 से 10 नवंबर 2019
3. एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (सीयूएसए) के लिए अल्ट्रासाउंड पर व्यापक संगोष्ठी, 6 से 8 दिसंबर 2019
4. ओटी टेक्नोलॉजिस्ट (एनसीओटीटी) के लिए नौवां राष्ट्रीय सम्मेलन, 6 अप्रैल 2019

दिए गए व्याख्यान

एस राजेश्वरी: 5
डी शिंदे: 6
विमी रेवाड़ी: 6
रेणु सिन्हा: 3
बबीता गुप्ता: 2
दालिम कुमार बैद्य: 24
बिकास रंजन रे: 8
मनप्रीत कौर: 10
कानिल रंजीत कुमार: 3
अरशद अयूब: 5
अंजू गुप्ता: 3
अंजन त्रिखा: 14
लोकेश कश्यप: 2
वी दारलोंग: 9
रविन्द्र के पांडे: 15
छवि साहनी: 5
देवलीना गोस्वामी: 2
राहुल कुमार आनंद: 8
सौविक मैत्रा: 4
निशांत पटेल: 5
युद्धवीर सिंह: 2
सुलग्ना भट्टाचर्जी: 1
माया देहरान: 1
वी के मोहन: 5
ज्योत्सना पुंज: 11
अंजोली छाबड़ा: 11
रश्मि रामचंद्रन: 6
पुनीत खन्ना: 8
देवेश भोई: 9
तिलक मुथैय्या: 10
राकेश कुमार: 4
अभिषेक एन: 1
वेंकट गणेश: 3

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र / पोस्टर: 36

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अभिनव इनट्यूबेशन प्रणाली के विकास द्वारा एंडोट्रैकियल इनट्यूबेशन की सफलता और सुरक्षा को बढ़ाना: एक अग्रदर्शी परियोजना बबीता गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, 55 लाख रुपये
2. ट्रेंडेलबर्ग पोजीशन में, लेप्रोस्कोपिक पैल्विक सर्जरी कराने वाले रोगियों में आईजेवी वाल्व की अक्षमता और पीओसीडी के साथ इसके जुड़ाव का आकलन, अखिल, एम्स, 1 वर्ष, 2019, 4 लाख रुपये
3. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए कॉस्टोक्लेविक्युलर बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित सतत इन्फ्राक्लेविक्युलर ब्लॉक पार्श्व सैगिटल अप्रोच की यादृच्छिक तुलना - तिलाका, एम्स, 1 वर्ष, 2019, 4 लाख रुपये के लिए
4. कोविड-19 से पीड़ित रोगियों को संभालने के दौरान निष्पादक के ज्ञान, एरोसोल उत्पन्न करने की वास्तविक प्रक्रियाओं का संचालन और आत्मविश्वास पर सिम्युलेशन आधारित शिक्षण का प्रभाव। तिलाका, एम्स, 1 वर्ष, 2019, 4 लाख रुपये
5. कलाई के वॉलर भाग में अल्ट्रासाउंड निर्देशित पृष्ठीय रेडियल धमनी कैनुलेशन और पारंपरिक रेडियल धमनी केनुलेशन की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सौविक, एम्स, 1 वर्ष, 2019, 4 लाख रुपये
6. सरवाइकल कॉलर का उपयोग करते हुए सिम्युलेटेड सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन में एंडोट्रैकियल इनट्यूबेशन के लिए सी-मैक डी-ब्लेड और एयरट्रैक वीडियो लैरिंजोस्कोप का तुलनात्मक मूल्यांकन, मनप्रीत, एम्स, 1 वर्ष
7. प्रॉक्सिमल स्प्लेनोरीनल शंट (पीएसआरएस) सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में निरंतर घाव में पैठ के लिए अकेले रोपीवैकाइन के साथ सहायक के रूप में डैक्समेडिटोमीडाइन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राकेश, एम्स, 1 वर्ष, 2019, 4 लाख रुपए
8. नेत्ररोग संबंधी प्रक्रियाओं से गुजर रहे बच्चों में संवेदनाहरण शुरू करने के दौरान माता-पिता की उपस्थिति में या उसके बिना तनाव की मात्रा की तुलना और तनाव बायोमार्कर के साथ इसका सहसंबंध - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, निशांत, एम्स, 1 वर्ष, 2019, 4.9 लाख रुपये

पूर्ण

1. आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले पेरिटोनिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव लंग प्रोटेक्टिव वेंटिलेशन: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दालिम के. बैद्य, एम्स, 3 साल, 2015-2018, 1.8 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. नाइट्रस ऑक्साइड के साथ या बिना न्यूनतम प्रवाह एनेस्थेसिया (0.5 लीटर/ मिनट) में डेस्फ़्लुरेन का सुरक्षात्मक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव - कम प्रवाह (1 लीटर/ मिनट), के साथ प्रयुक्त आइसोफ्लुरेन-एयर-ऑक्सीजन की तुलना में : यादृच्छिक, ओपन लेबिल्ड, सिंगल ब्लाइंडिड अध्ययन।
2. आउट पेशेंट ट्यूबल बंधाव में कम खुराक इंट्रैथेकल एनेस्थेसिया की सुरक्षा और प्रभावकारिता
3. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्ट-ऑपरेटिव वमन पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभावों का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक, नियंत्रित, पर्यवेक्षक-ब्लाइंडिड परीक्षण
4. लेबर एनाल्जेसिया के लिए सहायक के रूप में इंट्रैथेलिक मॉर्फिन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और एलए स्पारिंग प्रभाव - एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. परफोरेशन पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव रक्त लैक्टेट और लैक्टेट क्लीयरेंस का गुणात्मक महत्व : एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
6. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के गंभीर रूप से बीमार रोगियों में रेड ब्लड सेल ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर का गुणात्मक महत्व : अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
7. छिद्रित पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणाम के पूर्वसूचक के रूप में ब्रैकियल धमनी पुन:क्रिया का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन: अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
8. गंभीर रूप से बीमार सेप्सिस रोगियों में आईसीयू ठहराव को घटाने के लिए विटामिन डी का शीघ्र अवचारण: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. अल्ट्रासाउंड छवियों में ब्रैकियल प्लेक्सस की पहचान के लिए गहन शिक्षण एल्गोरिदम का मूल्यांकन - एक खोजपूर्ण अध्ययन
10. पोस्टट्रॉमैटिक सेप्सिस में प्रो-इंफ्लेमेटरी और एंटी-इंफ्लेमेटरी साइटोकिन जीन के एपिजेनेटिक विनियमन और सेप्सिस-3 वर्गीकरण द्वारा वर्णित सेप्टिक शॉक। गंभीर रूप से आघात रोगियों में एक खोजपूर्ण अध्ययन।
11. अल्ट्रासाउंड द्वारा मापी गई गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा - आईसीयू रोगियों में फ़ीड असहिष्णुता से सह-संबंध स्थापित करने के लिए - एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन
12. छह महीने से कम उम्र के बच्चों में ब्रेस्ट फीड और फार्मूला मिल्क फीड के बीच अल्ट्रासाउंड निर्देशित गैस्ट्रिक एंप्टीइंग की तुलना-एक अवलोकनात्मक अध्ययन
13. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडीबुलर शल्य चिकित्सा से गुजर रहे रोगियों में अतिरिक्त मौखिक मेंडिबुलर ब्लॉक के लिए रोपीवेकाइन में डेक्सामेथासोन के मिश्रण का प्रभाव।
14. मैनीकिन कौशल आधारित लर्निंग के बाद सी-मैक वीडियो लैरिंजोस्कोप या मैकिन्टोश लैरिंजोस्कोप का उपयोग करके एंडोट्रैकियल इंट्यूबेशन करने में नौसिखिए उपयोगकर्ताओं द्वारा इनमें से किसी

एक उपकरण का उपयोग करके इसका अनुपालन करना : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक उच्च फिडलिटी सिम्युलेटर आधारित अध्ययन

15. सेप्टिक शॉक में दिल की धड़कन दर पर नियंत्रण के लिए एंटरल आइवाब्रैडिन की प्रभावशीलता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
16. अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा मूल्यांकित डायाफ्राम सिकुड़न पर लेवोसिमेंडन इनफ्यूजन का प्रभाव: एकल केंद्र यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण
17. जटिल स्थानीय दर्द सिंड्रोम के इलाज के लिए स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक में 0.25% रोपीविकाइन के लिए एक सहयोज्य के रूप में क्लोनिडिन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा। एक अग्रदर्शी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन
18. पार्श्व गर्दन एक्स-रे का उपयोग करते हुए कठिन लेरिंजोस्कोपी और ओरोक्टेक्ल इनट्यूबेशन का अनुमान: अग्रदर्शी अवलोकन डबल ब्लाइंड अध्ययन
19. गंभीर रूप से बीमार सेप्सिस रोगियों में गुर्दे की गंभीर चोट और रोगी परिणाम के पूर्वानुमान के लिए एक मार्कर के रूप में मूत्र एल्ब्यूमिन क्रिएटिनिन अनुपात - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
20. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में इरेक्टर स्पिनेई ब्लॉक बनाम इंट्राथीकल मॉर्फिन: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अग्रदर्शी अध्ययन
21. आईसीयू में तीव्र संचार विफलता वाले रोगियों में गुर्दे की गंभीर चोट का पूर्वानुमान करने के लिए रीनल डॉपलर अल्ट्रासाउंड: एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणीय अध्ययन
22. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में पारंपरिक एक्सट्यूबेशन के साथ सकारात्मक दबाव एक्सट्यूबेशन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
23. ओपिओइड के उपयोग के बिना बेरियाट्रिक सर्जरी में केटामाइन और डेक्समेडिटोमिडाइन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना; एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
24. समयपूर्व और समय से अति-पूर्व जन्मे रेटिनोपैथी पीड़ित शिशुओं की विटेरियो रेटिनल सर्जरी के दौरान नियर इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) का उपयोग करते हुए सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति की इंट्रा-ऑपरेटिव मॉनिटरिंग और अल्प सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति के लिए जोखिम कारकों का आकलन : एक अवलोकनात्मक अग्रदर्शी अध्ययन।
25. फुफ्फुसीय धमनी वेग समय इंटेग्रल और तीव्र श्वसन तंत्र विफलता में द्रव की प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान करने में लंबी सांसों का प्रभाव
26. बच्चों में सेवोफ्लुरेन संज्ञाहरण के दौरान ललाट कॉर्टेक्स में प्रतिवर्तित मस्तिष्क रक्त प्रवाह और पोस्ट-ऑपरेटिव उद्भव प्रलाप की घटना के बीच संबंध का निर्धारण करना: एक एफएनआईआरएस आधारित अवलोकनात्मक अध्ययन।
27. वयस्क रोगियों में इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम वीडियो-असिस्टेड थोरैकोस्कोपिक सर्जरी में स्थानीय पैठ की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करना

28. सेप्सिस के रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वानुमान के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट गिनती अनुपात के बीच तुलना
29. इंसोफ्लूरेन या डेसफ्लूरेन का उपयोग कर सामान्य संज्ञाहरण के तहत ओपन सर्जरी से गुजरने वाले बुजुर्ग रोगियों में पोस्टऑपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की घटना: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
30. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया की मरम्मत में ईलियोइंजिनल और ईलियोहाइपोगेस्ट्रिक तंत्रिका ब्लॉक की अवधि के दीर्घीकरण में रोपाइवाकेन के साथ हेटास्टार्क की प्रभावकारिता - एक प्रारंभिक अध्ययन
31. रीनल ट्रांसप्लांटेशन के लिए जाने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए इरेक्टर स्पिना प्लेन ब्लॉक और क्वाड्रेट्स लुम्बोरम ब्लॉक की प्रभावकारिता - एक एकल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
32. लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में सूजन मार्करों पर और पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव - एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन
33. उन्नत आरओपी में तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय विट्रियो रेटिनल सर्जरी (आईएसबीवीएस) के परिणामों का अध्ययन करना
34. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी से गुजरने वाले मरीजों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड इरेक्टर स्पाइने प्लेन ब्लॉक - एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
35. सेप्टिक शॉक में मायोकार्डिअल डिसफंक्शन का परिघटन और भावी प्रभाव - एक अवलोकनात्मक समूह अध्ययन
36. ड्यूरल पंचर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा लेबर एनाल्जेसिया में रोपाइवाकेन और लेवोबुपीवाकेन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक अग्रदर्शी डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक प्रयोगात्मक जांच
37. फीयोक्रोमोसाइटोमा / पैरागैन्गिलिओमा से पीड़ित सर्जिकल ट्यूमर रिमूवल से गुजर रहे रोगियों में अवर वेना कावा कोलेप्सबिलिटी इंडेक्स द्वारा मापा गया प्रीऑपरेटिव इंट्रावैस्कुलर वॉल्यूम स्टेटस-एक अग्रदर्शी समूह अध्ययन
38. परम्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी (पीसीएनएल) सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड एरेक्टर स्पिनाई ब्लॉक बनाम इंट्राथिल मॉर्फिन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक पायलट अध्ययन
39. बच्चों में एयर एसपी बनाम पारंपरिक एयर-क्यू इनट्यूबेटिंग लेरिंजल एयरवे की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना: एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
40. बाल रोगियों में इनट्यूबेशन के लिए ग्लाइड स्कोप और सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक अग्रदर्शी, तुलनात्मक और यादृच्छिक अध्ययन
41. भिन्न-भिन्न ऑन्कोलॉजिकल ब्रेस्ट सर्जरी में दर्द से राहत के लिए पेक्टोरल नर्व ब्लॉक्स (पीईसीएस I, II) में क्लोनिडीन की भिन्न-भिन्न खुराकों की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक अग्रदर्शी, तुलनात्मक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

42. शिशुओं में सामान्य एनेस्थेसिया के दौरान आई-जेल सुप्राग्लॉटिक एअर-वे और स्वदाबी एअर-क्यू इनट्यूबेटिंग लेरिंजियल एअर-वे की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक अध्ययन
43. पेरिऑपरेटिव इनफ्लेमेटरी साइटोकिन्स परिवर्तन और नैदानिक जटिलताओं पर स्थानिक संवेदनाहरण के प्रभाव
44. दर्दनाक रीढ़ की सर्जरी में पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द से राहत के लिए द्विपक्षीय अल्ट्रासाउंड निर्देशित एरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
45. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत थायरॉयड सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में द्विपक्षीय सतही ग्रीवा प्लेक्सस ब्लॉक के साथ अल्ट्रासाउंड निर्देशित द्विपक्षीय मध्यवर्ती ग्रीवा प्लेक्सस ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करना
46. अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लेविक्युलर ब्लॉक के लिए 0.5% रोपाइवाकेन की न्यूनतम प्रभावी मात्रा खोजने के लिए एक अध्ययन
47. पैल्वियाकैटेबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में ट्रानैक्सैमिक एसिड की भिन्न-भिन्न खुराक के प्रभाव: याद्दच्छिक नैदानिक परीक्षण
48. ऐच्छिक-नेत्रचिकित्सा संबंधी प्रक्रियाओं से गुजरने वाले बच्चों (1-18 वर्ष) में एयर-क्यू बनाम प्रोसील की प्रभावकारिता की तुलना करना - एक याद्दच्छिक नैदानिक परीक्षण
49. कंप्रोमाइज्ड फ्री फ्लैप की सटीक और प्रारंभिक पहचान में माइक्रोडायलिसिस की भूमिका
50. सामान्य और क्षेत्रीय संज्ञाहरण के तहत शल्यचिकित्सा कराने वाले रोगियों में 30 दिन बाद के परिणाम का पूर्वानुमान करने में आयु-समायोजित चार्लसन कोमर्बिडिटी इंडेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना
51. एसिटाबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में अल्ट्रासाउंड गाइडेड सुप्राइंजिनल फ़ेशिया इलियाका ब्लॉक - याद्दच्छिक नियंत्रित अग्रगामी अध्ययन
52. लुम्बोसैक्रल रीढ़ सर्जरी में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया के रूप में रेट्रोलेमिनार ब्लॉक की प्रभावशीलता: याद्दच्छिक नियंत्रित अग्रगामी अध्ययन
53. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के उपचार में गेशेरियन गैंग्लियन के पर्क्यूटेनियस रेडियोफ्रीक्वेंसी थर्मोकोएगुलेशन और पर्क्यूटेनियस माइक्रोबलून संपीड़न की तुलना - एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
54. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी के समय अल्ट्रासाउंड गाइडेड इरेक्टर स्पाइनए ब्लॉक में अनवरत बनाम इंटरमिटेंट बोलस तकनीक का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
55. कार्डियक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द प्रबंधन के लिए एक नवीन तकनीक के रूप में पेक्टोइंटरकोस्टल फेसिअल ब्लॉक

56. सामान्य संवेदनाहरण के तहत थायरॉयड सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में द्विपक्षीय सतही ग्रीवा प्लेक्सस ब्लॉक के साथ अल्ट्रासाउंड निर्देशित द्विपक्षीय मध्यवर्ती ग्रीवा प्लेक्सस ब्लॉक की तुलना करना
57. कैरोटिड धमनी शोधित प्रवाह समय कैरोटिड धमनी शिखर वेग भिन्नता (सीएपीवीवी) और कैरोटिड धमनी वेग समय अभिन्न (सीएवीटीआई) की भूमिका का आकलन करना - सहज रूप से श्वास ले रहे रोगियों में पोस्ट स्पाइनल एनेस्थीसिया हाइपोटेंशन के पूर्वानुमान में।
58. सिजेरियन सेक्शन में सहयोज्य के रूप में फेंटानिल बनाम क्लोनिडिन के साथ इंट्राथीकल 0.75% आइसोबेरिक रोपाइवाकेन की नैदानिक प्रभावकारिता की तुलना: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
59. ग्रसनी वायुमार्ग की मात्रा में सुधार का मूल्यांकन करने और एंकिलोसिस एवं मेंडिबुलर डिस्ट्रेक्शन के एक साथ मोचन में मेंडिबल के दीर्घीकरण का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन
60. एलोप्लास्टिक सकल जोड़ प्रतिस्थापन, गैप आर्थ्रोप्लास्टी द्वारा उपचारित टीएमजे एंकिलोसिस के रोगियों में बाइट फोर्स और चबाने की दक्षता का मूल्यांकन करना और सामान्य व्यक्तियों के साथ तुलना करना।
61. डॉपलर व्युत्पन्न कैरोटीड धमनी शोधित प्रवाह समय, दाब ट्रांसड्यूसर व्युत्पन्न रेडियल धमनी प्रवाह समय और नाड़ी दाब भिन्नता के बीच सहसंबंध: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
62. आर्थ्रोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों में रुग्णता और मृत्यु दर का अनुमान लगाने के लिए 5 फैक्टर संशोधित फ्रेलिटी इंडेक्स और एएसए वर्गीकरण की तुलना - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
63. आपातकालीन लैपरोटॉमी में पोस्ट-ऑपरेटिव परिणामों के साथ इंट्राऑपरेटिव रक्त शर्करा की परिवर्तनशीलता का संबंध
64. गुर्दे की गहरी चोट के साथ मूत्र की अत्यधिक मात्रा से ग्रस्त गंभीर रूप से बीमार रोगियों में फ्यूरोसेमाइड तनाव परीक्षण में स्पॉट मूत्र सोडियम की भूमिका - एक अग्रदर्शी अध्ययन
65. स्त्रीरोग संबंधी विकृति के लिए लैपरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में ओपिओइड आधारित संवेदनाहरण तकनीक और ओपिओइड मुक्त संवेदनाहरण तकनीक की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
66. अवर वेना कावा के पतनशीलता सूचकांक (आईवीसीसीआई) का आकलन और रीढ़ की हड्डी के हाइपोटेंशन के पूर्वसूचक के रूप में कैरोटिड धमनी शिखर वेग (सीएपीवी) की भिन्नता।
67. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडिबुलर शल्य चिकित्सा से गुजर रहे रोगियों में एक्स्ट्रा-ओरल मेंडिबुलर तंत्रिका ब्लॉक के लिए रोपाइवाकेन में डेक्सामेथासोन जोड़ने का प्रभाव
68. छिद्रित पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणाम के पूर्वसूचक के रूप में ब्रैकियल धमनी प्रतिक्रिया का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन: अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
69. विकट फेब्राइल रुग्णता में गहन चिकित्सा इकाई भर्ती और मृत्यु दर के पूर्वसूचक: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन

70. पेट की वैकल्पिक बड़ी सर्जरी से गुजरने वाले वयस्क रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव फेफड़ा एटलेक्टेसिस पर क्रमिक पीईईपी अनुमापन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
71. आईसीयू में मांसपेशी क्षय का आकलन करने की एक विधि के रूप में पूर्वकाल टेम्पोरलिस मांसपेशी अल्ट्रासाउंड की व्यवहार्यता
72. अपरिपक्व सर्जरी की रेटिनोपैथी से गुजर रहे प्रीटर्म और एक्स-प्रीटर्म शिशुओं में डेसफ्लुरेन और सेवोफ्लुरेन के साथ रिकवरी के अभिलक्षणों की तुलना: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
73. बालरोगी पॉपुलेशन में अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लेविक्युलर ब्लॉक: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
74. नेत्ररोग दिवस उपचार प्रक्रियाओं में सामान्य संज्ञाहरण से गुजरने वाले बाल रोगियों में प्रीऑपरेटिव तनाव पर वीडियो विकर्षण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
75. विभिन्न कशेरुक स्तरों पर बाल चिकित्सा रोगियों में एपिड्यूरल स्पेस डेप्थ और ओरिएंटेशन का सोनोग्राफिक मूल्यांकन: एक अवलोकनात्मक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
76. लैप्रोस्कोपिक गायनोकोलॉजिकल सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव फेफड़ा एटिलेक्टेसिस की घटनाओं पर इष्टतम बनाम निश्चित सकारात्मक अंत श्वसन दाब का एक तुलनात्मक अध्ययन: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
77. पेरिटोनिटिस ग्रस्त रोगियों में पेरिऑपरेटिव एसिड-बेस असामान्यताएं और गुर्दे की शिथिलता के बीच संबंध: एक अग्रदर्शी समूह अध्ययन
78. सामान्य रूप से सांस ले रहे रोगियों में मात्रा प्रतिक्रियाशीलता के पूर्वानुमान के लिए आरोही महाधमनी में मापा गया अभिन्न वेग - समय और स्ट्रोक मात्रा
79. बड़ी जठर-आंत्र शल्य चिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों में इंट्रा-ऑपरेटिव कोलोइड अवचारण और पोस्ट-ऑपरेटव गुर्दा शिथिलता के बीच संबंध : एक पूर्वव्यापी अध्ययन
80. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत वयस्क रोगियों में मस्तिष्क रक्त प्रवाह पर इंट्राऑपरेटिव ऑक्सीजन के उपयोग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
81. इन विट्रो-रेटिनल सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में दो संवेदनाहारी तकनीकों की तुलना: साँस के साथ संज्ञाहारक देना बनाम टीसीआई (लक्ष्य नियंत्रित आधान) - एक यादृच्छिक अग्रगामी नैदानिक परीक्षण
82. ऊपरी अंग की सर्जरी के लिए कॉस्टोक्लेविकुलर ब्रैकियल प्लेक्सस ब्लॉक के मीडियल और पार्श्व पहुंच के बीच तुलना- एक अग्रगामी इंटरवेंशनल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
83. गंभीर रूप से बीमार मैकेनिकल वेंटिलेटेड मरीजों में कंकाल की मांसपेशियों के क्षय पर उच्च प्रोटीन नॉर्मोकैलोरिक पोषण का प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन
84. दिवस उपचार प्रक्रियाओं के दौरान सेवोफ़्लुरेन की आवश्यकता और होश में आने के साथ कुपोषण का संबंध
85. रुग्ण मोटे रोगियों में फुफ्फुसी कार्य परीक्षणों और अवरुद्ध वायुमार्ग के बीच संबंध।

86. बच्चों में विभिन्न ऊर्जा सामग्री के साथ साफ तरल पदार्थ के गैस्ट्रिक वमन का अल्ट्रासाउंड आकलन: एक क्रॉसओवर अग्रगामी अध्ययन
87. बाल रोगियों में रेडियल धमनी के कैनुलेशन की सुगमता पर कलाई के कोणों का प्रभाव: अल्ट्रासाउंड-निर्देशित शरीर रचना मूल्यांकन
88. बुजुर्ग रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट पर डेक्सामेथासोन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित ट्रिपल ब्लाइंड परीक्षण
89. टॉन्सिल्लेक्टोमी से गुजर रहे बच्चों में टॉन्सिलर वॉल्यूम का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन; पोस्ट-ऑपरेटिव रुग्णता का पूर्वसूचक
90. बच्चों में भिन्न-भिन्न वर्टीब्रल स्तरों पर ड्यूरा तथा रीढ़ की हड्डी के बीच दूरी और भारतीय जनसंख्या में एपिड्यूरल एवं स्पाइनल एनेस्थेसिया और एनाल्जेसिया पर इसके प्रभाव: एक पूर्वव्यापी सीटी स्कैन - आधारित अध्ययन
91. बुजुर्गों में पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की परिघटना पर लिग्नोकेन और डेक्समेडिटोमिडाइन के प्रभावों की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: एक अग्रगामी अध्ययन
92. सामान्य संवेदनाहरण के तहत आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में ऑक्सीजनकरण सूचकांक और ऑक्सीजन संतृप्ति सूचकांक का सहसंबंध: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
93. एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण - संज्ञाशून्यता शुरू होने के समय पर इंट्रावेनस डेक्सामेथासोन का प्रभाव और बच्चों में एट्राक्यूरियम का रिकवरी प्रोफाइल।
94. रीढ़ की हड्डी के संलयन से गुजरने वाले धूम्रपान करने वाले रोगियों में पेरी-ऑपरेटिव ओपिओइड आवश्यकता पर निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
95. तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में गहन देखभाल की आवश्यकता वाले कोविड-19 रोगियों की महामारी विज्ञान संबंधी और नैदानिक विशेषताएं
96. यूएसजी मार्गदर्शन बनाम पैल्पेशन तकनीक के तहत पोस्टीरियर टिबियल आर्टरी कैनुलेशन की तुलना।
97. पेरिऑपरेटिव हाइपरटेंशन, अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि और पेरिऑपरेटिव कार्डियोवस्कुलर जटिलताओं के बीच संबंध: तृतीयक देखभाल केंद्र से एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
98. वयस्क रोगियों में दाहिनी ब्रैकियोसेफिलिक नस के अल्ट्रासाउंड निर्देशित कैथीटेराइजेशन की व्यवहार्यता का अध्ययन
99. शल्यचिकित्सा के लिए आने वाले भारतीय जराचिकित्सा रोगियों के अस्पताल में ठहरने के समय में बढोत्तरी और प्रतिकूल परिणाम का पूर्वानुमान करना: एक अग्रदर्शी केस नियंत्रण अध्ययन।
100. शल्यचिकित्सा से गुजरने वाले जराचिकित्सा आघात के रोगियों के प्रतिकूल डिस्चार्ज परिणाम के पूर्वसूचक के रूप में कमजोरी का अध्ययन: एक अग्रदर्शी केस नियंत्रित अध्ययन
101. गर्भावस्था में गैस्ट्रिक अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन पर पोस्टुरल प्रभाव: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

102. पेल्वियाकैटेबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में रक्तस्राव पर ट्रानेक्सैमिक एसिड की भिन्न-भिन्न खुराक के प्रभाव: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
103. रक्तस्रावी आघात के रोगियों में रक्त अवयवों पर क्रायोप्रेसीपिटेट के शीघ्र उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
104. वैकल्पिक लेप्रोस्कोपिक गायनोकोलॉजिकल सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में प्रोसील लेरिंजल मास्क एयरवे (पीएलएमए) सम्मिलन की मानक इंट्रोड्यूसर टूल निर्देशित बनाम सक्शन कैथेटर गाइडेड तकनीकों की तुलना।
105. एंबुलेटरी लेप्रोस्कोपिक गायनोकोलॉजिकल सर्जरी में लिबरल बनाम प्रतिबंधित द्रव प्रबंधन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
106. समग्र शिक्षार्थी परिणामों पर मेडिकल विद्यार्थियों के लिए इंट्रावस्कुलर एक्सेस (एसटीआईवीए) में सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
107. एयर-क्यू और एलएमए ब्लॉकबस्टर के माध्यम से ब्लाइंड ट्रेकिअल इनट्यूबेशन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
108. ड्यूरल पंचर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा लेबर एनाल्जेसिया में लेवोबुपाइवाकेन और रोपाइवाकेन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना करना
109. गर्भाशय ग्रीवा कॉलर का उपयोग करके सर्वाइकल स्पाइन स्थिरीकरण के लिए सी-मैक डी-ब्लेड और एयरट्रैक वीडियो लैरिंजोस्कोप का तुलनात्मक मूल्यांकन।
110. प्रसवपूर्व इनवेसिव परीक्षण करा रहे रोगियों में लिडोकेन इंजेक्शन अवचारण बनाम लिडोकेन प्रिलोकाइन क्रीम लेपन के बाद दर्द की गंभीरता का आकलन
111. वैकल्पिक ऐच्छिक बड़ी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में इंट्रा-ऑपरेटिव स्टार्च उपयोग और पोस्ट-ऑपरेटिव सीरम क्रिएटिनिन स्तर के बीच संबंध: एक पूर्वव्यापी अध्ययन का अंतरिम विश्लेषण।
112. कोविड-19 से पीड़ित रोगियों को संभालने के दौरान परफॉरमर के ज्ञान, एरोसोल उत्पादन प्रक्रियाओं के वास्तविक परिघटन और आत्मविश्वास पर सिम्युलेशन आधारित शिक्षण का प्रभाव
113. इंजिनल लिगामेंट के ऊपर या नीचे फासिया इलियाका ब्लॉक? संपूर्ण हिप ऑर्थ्रोप्लास्टी में प्रभावकारिता का मूल्यांकन। एक यादृच्छिक अग्रदर्शी अध्ययन
114. स्त्री रोग संबंधी लेप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं से गुजरने वाले मरीजों में प्रोसील लेरिंजल मास्क वायुमार्ग के कफ दाब पर वायुमार्ग के दाब का प्रभाव।
115. अल्पकालिक स्त्रीरोग संबंधी लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से गुजरने वाले मरीजों में सीस-एट्राकुरियम की प्रभावी खुराक - एक अग्रदर्शी डबल ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण
116. एसिटाबुलर फ्रैक्चर मरम्मत में एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुप्राइंजिनल फ़ासिया इलियाका ब्लॉक।

पूर्ण

1. सफलता विलोपन और एक्सट्यूबेशन विफलता के पूर्वानुमान में एकीकृत अल्ट्रासाउंड प्रोटोकॉल
2. यह निर्धारित करना कि क्या नए आईसीयू डेलीरियम रोकथाम बंडल के कार्यान्वयन से यांत्रिक रूप से वेंटिलेट किए गए रोगियों में, उपचार प्रोटोकॉल के मानक की तुलना में डेलीरियम की घटना कम हो जाएगी
3. महामारी विज्ञान और सेप्सिस में हेमेटोलॉजिकल सिस्टम के सेलुलर घटकों की रोगनिरोधी उपयोगिता
4. ऐच्छिक सीजेरियन सेक्शन के दौर से गुजरने वाले रोगियों में पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन की रोकथाम के लिए फेनिलेफ्रिन बनाम नोरेपिनेफ्रिन के रोगनिरोधी आधान की प्रभावकारिता की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. सामान्य संवेदनाहरण के तहत संपूर्ण हिप आर्थ्रोप्लास्टी करा रहे मरीजों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित निरंतर क्वाड्रैटस लम्बरम ब्लॉक और अल्ट्रासाउंड निर्देशित निरंतर पेसो कम्पार्टमेंट ब्लॉक के बीच पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया की तुलना
6. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक रोगियों में निष्क्रिय पैर उठाने (पीएलआर) के लिए मात्रा जवाबदेही के पूर्वसूचक के रूप में बाएं वेंट्रिकुलर बहिर्वाह पथ वेग समय अभिन्न (एवीओटी वीटीआई) और कैरोटिड धमनी वीटीआई की प्रभावकारिता - इकोकार्डियोग्राफी निर्देशित स्ट्रोक मात्रा परिवर्तन (डेल्टा एसवी%) के पी.एल.आर. से सहसंबंध के द्वारा।
7. कैरोटिड धमनी प्रवाह समय; पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजर रहे वयस्क रोगियों में सामान्य संवेदनाहरण के कार्यान्वयन के बाद हाइपोटेंशन के पूर्वानुमान हेतु शीर्ष रक्त संचार गति में श्वसन संबंधी बदलाव: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
8. डॉपलर व्युत्पन्न कैरोटिड धमनी संशोधित सही प्रवाह समय और दाब ट्रांसड्यूसर व्युत्पन्न रेडियल धमनी संशोधित प्रवाह समय के बीच सह-संबंध: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
9. कैरोटिड धमनी संशोधित प्रवाह समय और वैकल्पिक सर्जरी कराने वाले वयस्क रोगियों मे सामान्य संवेदनाहरण के प्रवर्तन के बाद हाइपोटेंशन के पूर्वानुमान के लिए चरम रक्त प्रवाह वेग की श्वसन विविधताएं: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
10. जाग्रत फाइबरऑप्टिक नासिका इनट्यूबेशन के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए केटामाइन और मिडाज़ोलम के संयोजन के साथ डेक्समेडेटोमिडाइन की तुलना, एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड तुलनात्मक परीक्षण
11. कम खुराक डैल्टियाजेम आधान के साथ और उसके बिना फीयोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लिओनोमा सर्जरी करवा रहे मरीजों में पेरिऑपरेटिव पीरियड में हेमोडायनामिक प्रोफाइल,
12. जन्मजात रुबेला सिंड्रोम वाले बच्चों में नेत्र शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए सौंदर्य संबंधी प्रबंधन: पूर्वव्यापी विश्लेषण

13. दिवस उपचार प्रक्रिया के रूप में संवेदनाहरण के तहत नेत्र परीक्षा से गुजरने वाले बाल रोगी में प्रीऑपरेटिव उपवास की अवधि और उद्भव डिलिरियम की अवधि के बीच सहसंबंध - अवलोकन अध्ययन
14. ऑब्स्टेट्रिक पार्टुरिएंट में घुटना-छाती पोजीशन और सबराचेनॉइड ब्लॉक ऑनसेट समय: एक आरसीटी
15. सामान्य संवेदनाहरण के तहत ऐच्छिक सर्जरी कराने वाली महिला रोगियों में प्रोपोफोल प्रेरित हाइपोटेंशन पर प्रीऑपरेटिव चिंता का प्रभाव
16. सामान्य संवेदनाहरण के तहत ऐच्छिक सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में प्रोपोफोल प्रेरित हाइपोटेंशन पर प्रीऑपरेटिव चिंता का प्रभाव: एक अग्रदर्शी अवलोकन
17. भारत में तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी पैल्विक सर्जरी करवा रहे रोगियों के पेरिऑपरेटिव परिणाम - एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
18. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में वयस्क गहन देखभाल इकाई से नैदानिक आइसोलेट्स के नैदानिक परिणाम, सूक्ष्मजीवविज्ञानी स्पेक्ट्रम और एंटीबायोटिक संवेदनशीलता
19. नेत्ररोग शल्य चिकित्सा करवा रहे बच्चों में सीरम कोर्टिसोल स्तर और पेरिऑपरेटिव हैमोडायनामिक्स पर डेक्समेडिटोमिडिन का प्रभाव - एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन
20. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में वेंटीलेटर से संबंधित निमोनिया के निदान के लिए फेफड़े का अल्ट्रासाउंड
21. मोटे मरीज में कठिन लैरिंजोस्कोपी के पूर्वानुमान के लिए वायुमार्ग का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन। अवलोकनात्मक अग्रगामी अध्ययन
22. सेप्सिस से ग्रस्त रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वसूचक के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट गिनती अनुपात के बीच तुलना
23. सेप्सिस से ग्रस्त गंभीर रूप से बीमार वयस्क रोगियों में मृत्यु दर का पूर्वानुमान करने में सीरम न्यूक्लियोसोम और मेटालोप्रोटीनेज 1 (टीआईएमपी 1) के ऊतक अवरोधक की तुलना
24. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में मैन्युअल वीनिंग बनाम स्वचालित वीनिंग का तुलनात्मक अग्रगामी अध्ययन
25. बच्चों में ट्रेकियल इनट्यूबेशन गहराई का मार्गदर्शन करने में पूर्वसूचक समीकरणों की सटीकता: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
26. घुटने के ट्यूमर को छांटने के बाद पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड फीमरो-कटिस्नायु शूल तंत्रिका ब्लॉक बनाम एपिड्यूरल एनाल्जेसिया की तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
27. गहन देखभाल इकाई में सेप्सिस में डायग्नोस्टिक और रोगनिरोधी मार्कर के रूप में सीरम प्रोकैलिसिटोनिन, इंटरल्यूकिन-6 और एसटीआरईएम-1
28. बच्चों में ओरोट्रेकियल इनट्यूबेशन के लिए एक निकास के रूप में एयर क्यू आईएलए: सुपाइन और पार्श्व स्थिति के बीच तुलना

29. प्रोपोफ़ोल के कारण पोस्ट इंडक्शन हाइपोटेंशन पर रोगी की भिन्न-भिन्न स्थितियों का प्रभाव- एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण
30. बच्चों में डेसफ्लूरेन या सेवोफ्लुरेन संवेदनाहरण के बाद उभरने वाले डेलीरियम और रिकवरी मापदंडों पर डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक यादृच्छिक अध्ययन
31. सामान्य एनेस्थेसिया के तहत ऊपरी पेट की बड़ी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में एटेलेक्टेसिस पर अनुकूल सिरे से श्वसन दाब का प्रभाव - फेफड़े का अल्ट्रासोनोग्राफी संबंधी अध्ययन
32. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में नैदानिक परिणामों पर शरीर के वजन में परिवर्तन का प्रभाव
33. बाल चिकित्सा रोगियों में सीएमएसी मिलर ब्लेड साइज 1 और सीमैक मैकिंटोश ब्लेड साइज 2 के साथ इंटुबैट में लगने वाले समय और इनट्यूबेशन स्थितियों की तुलना- एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
34. किडनी की गहरी चोट वाले गंभीर रूप से बीमार वॉल्यूम ओवरलोड वाले रोगियों के फुरोसिमाइड स्ट्रेस टेस्ट में स्पॉट यूरिन सोडियम की भूमिका
35. परिधीय धमनी रोग के रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित आउट ऑफ प्लेन लंबर सिंपेथेटिक ब्लॉक की तकनीकी व्यवहार्यता और फ्लोरोस्कोपी द्वारा इसकी पुष्टि का आकलन करना: एक अग्रदर्शी पारंपरिक अध्ययन
36. परिधीय धमनी रोग के रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित आउट ऑफ प्लेन लंबर सिंपेथेक्टॉमी ब्लॉक की तकनीकी व्यवहार्यता और फ्लोरोस्कोपी द्वारा इसकी पुष्टि का आकलन करना: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
37. ईगल्स सिंड्रोम से ग्रसित रोगियों में एक्स्ट्राओरल एनाटोमिकल लैंडमार्क तकनीक बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक का उपयोग करके ग्लोसोफैरिंगल नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल
38. नौसिखिया संवेदनाहरण रेजिडेंटों द्वारा संपादित किए जाने पर एंडोट्रेकियल इनट्यूबेशन के लिए एक विश्वसनीय उपकरण के रूप में अल्ट्रासाउंड का उपयोग-एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
39. रीयल टाइम पीसीआर द्वारा लेगियोनेला न्यूमोफिला की आणविक पहचान और अनुक्रम-आधारित टाइपिंग द्वारा आइसोलेट्स का लक्षण वर्णन
40. बाल स्ट्राबिस्मस सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव वमन पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित, पर्यवेक्षक ब्लाइंड परीक्षण
41. लुम्बोसैक्रल रेडिकुलर दर्द में स्थानीय संवेदनाहारी का ट्रांसफ़ोरामिनल एपिड्यूरल इंजेक्शन और डोरसल रूट गैंग्लियन स्पंदित रेडियोफ्रीक्वेंसी उपचार- एक यादृच्छिक, ट्रिपल-ब्लाइंड, सक्रिय-नियंत्रण परीक्षण
42. रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में निरंतर क्वाड्रेटस लुम्बोरम ब्लॉक की पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिक प्रभावकारिता या निरंतर ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड नियंत्रित अध्ययन

43. ट्रंक-आधारित फ्लैप सर्जरी कराने वाले रोगियों में सेराटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता का अध्ययन -एक अग्रगामी अध्ययन
44. स्त्रीरोग संबंधी विकृति के लिए लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में ओपिओइड आधारित संवेदनाहरण तकनीक और ओपिओइड मुक्त संवेदनाहरण तकनीक के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
45. टीएपीपी लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव दर्द से राहत के लिए द्विपक्षीय क्वाडर्टस लुम्बोरम ब्लॉक बनाम द्विपक्षीय ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
46. फलक जोड़ संधिशोथ में पृष्ठीय रैमस का नैदानिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित लंबर मीडियल ब्रांच ब्लॉक: फ्लोरोस्कोपी द्वारा तकनीकी व्यवहार्यता और वैधता
47. न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रियाओं में त्रि-आयामी (3 डी) एंडोविजन सिस्टम बनाम अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के) एंडोविज़न सिस्टम की तुलना। एक ओपन लेबल्ड यादृच्छिक अध्ययन
48. ऐच्छिक अल्ट्रासाउंड पाइलोप्लास्टी से गुजरने वाले बाल रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया और न्यूरोएंडोक्राइन स्ट्रेस प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड गाइडेड क्वाड्रेटस लुम्बोरम ब्लॉक का प्रभाव – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
49. परिधीय धमनी रोग के रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित आउट ऑफ प्लेन लंबर सिंपेथेक्टोमी की तकनीकी व्यवहार्यता का आकलन करना और फ्लोरोस्कोपी द्वारा इसकी पुष्टि: एक अग्रदर्शी इंटरवेंशनल अध्ययन
50. हेमोडायनामिक्स और संवेदनाहारी आवश्यकताओं की तुलना के लिए सिर और गर्दन की फ्री फ्लैप सर्जरी में फैंटेनाइल बनाम डेक्समेडिटोमिडीन आधान।
51. ऑर्थोगाथिक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में हाइपोटेंशन संवेदनाहरण उत्पन्न करने के लिए डेक्समेडेटोमिडीन और क्लोनिडीन इन्फ्यूजन की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
52. आइसोफ्लुरेन या डेसफ्लुरेन का उपयोग करके सामान्य संवेदनाहरण के तहत ओपन सर्जरी के बाद बुजुर्गों में पोस्टऑपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की घटना: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अग्रगामी अध्ययन
53. ईआरसीपी के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए केटामाइन- डेक्समेडेटोमिडीन संयोजन बनाम केटामाइन-प्रोपोफोल संयोजन की सुरक्षा और प्रभावकारिता: एक मुक्त-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
54. स्तन सर्जरी के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय ब्लॉक; इरेक्टर स्पाइने प्लेन (ईएसपी), थोरैसिक पैरावर्टेब्रल (टीपीवीबी) और सेराटस एंटीरियर प्लेन (एसएपी) ब्लॉक की तुलना - यादृच्छिक रूप से नियंत्रित अग्रगामी अध्ययन
55. बड़ी हेपेटोबिलरी और लियोनेरीनल शंट सर्जरी में अल्ट्रासाउंड निर्देशित निरंतर इरेक्टर स्पिना प्लेन ब्लॉक: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

56. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक रोगियों में निष्क्रिय पैर उठाने (पीएलआर) के लिए मात्रा प्रतिक्रियाशीलता के पूर्वसूचक के रूप में बाएं वेंट्रिकुलर बहिर्वाह पथ वेग समय अभिन्न (एलवीओटी वीटीआई) और कैरोटिड धमनी वीटीआई की प्रभावकारिता - पीएलआर में इकोकार्डियोग्राफी निर्देशित स्ट्रोक वॉल्यूम परिवर्तन (डेल्टा एसवी%) के साथ सह-संबंध के द्वारा।
57. वयस्क वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक में रोपाइवाकेन के सहायक के रूप में क्लोनिडीन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
58. पोस्टऑपरेटिव दर्द के नियंत्रण के लिए टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ एंकिलोसिस सर्जरी में स्थानीय संवेदनाहारी घाव के पैठ की प्रभावकारिता का आकलन करना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
59. यह निर्धारित करना कि क्या एक नए आईसीयू प्रलाप रोकथाम बंडल के कार्यान्वयन से यांत्रिक रूप से वेंटिलेटिड रोगियों में देखभाल प्रोटोकॉल के मानक की तुलना में प्रलाप की घटना कम हो जाएगी
60. दाब विनियमित मात्रा नियंत्रित वेंटिलेशन प्राप्त करने वाले रोगियों में डायाफ्रामिक मांसपेशी द्रव्यमान का मूल्यांकन और तीव्र श्वसन विफलता के लिए समन्वित आंतरायिक अनिवार्य वेंटिलेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
61. वीनिंग सफलता और एक्सट्यूबेशन विफलता का पूर्वानुमान करने में इंटीग्रेटेड अल्ट्रासाउंड प्रोटोकॉल: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
62. सेप्सिस में हेमेटोलॉजिकल सिस्टम के सेलुलर घटकों की महामारी विज्ञान संबंधी और रोगनिरोधी उपयोगिता
63. संवेदना शून्य किए गए बच्चों में फेसमास्क बनाम लेरिंजल मास्क के प्रयोग से वायुमार्ग में इंट्राओकुलर दाब परिवर्तन की तुलना
64. आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजर रहे वयस्क रोगियों में पोस्टऑपरेटिव ऑक्सीकरण स्थिति पर क्रमिक पीईईपी परीक्षण की प्रभावकारिता: एक अग्रगामी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
65. कैरोटिड धमनी संशोधित प्रवाह समय; वैकल्पिक सर्जरी से गुजर रहे वयस्क रोगियों में सामान्य संवेदनाहरण के प्रवर्तन के बाद हाइपोटेंशन के पूर्वानुमान के लिए उच्चतम रक्त प्रवाह वेग की श्वसन विविधताएं: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
66. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडिबुलर शल्य चिकित्सा से गुजर रहे रोगियों में एक्स्ट्राओरल मेंडिबुलर तंत्रिका ब्लॉक के लिए रोपाइवाकेन में डेक्सामेथासोन के मिश्रण का प्रभाव
67. बच्चों में डेफ्ल्यूरेन या सेवोफ्लुरेन संवेदनाहरण के बाद होश में आने पर प्रलाप और रिकवरी मापदंडों पर डैक्समेडिटोमिडाइन का प्रभाव: एक अग्रदर्शी दोहरा यादृच्छिक अध्ययन
68. ओपन पाइलोप्लास्टी से गुजर रहे बच्चों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड क्वाड्रेटस लुम्बोरम ब्लॉक (क्यूएल) बनाम एरेक्टर स्पाइना प्लेन (ईएसपी) ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण
69. फलक आर्थ्रोपैथी में पृष्ठीय रामस का नैदानिक अल्ट्रासाउंड गाइडेड मेडियल ब्रांच ब्लॉक: फ्लोरोस्कोपी द्वारा तकनीकी मूल्यांकन और सत्यापन

70. पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट और रुग्ण मोटे रोगियों में कठिन वायुमार्ग के बीच संबंध
71. अग्रगामी अध्ययन : बालरोग मरीजों में केवल नियोस्टिग्माइन और नियोस्टिग्माइन के साथ कैल्शियम ग्लूकोनेट सह अवसंचारण के बीच न्यूरोमस्क्युलर ब्लॉकेड रिकवरी पर प्रभाव की तुलना के लिए डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
72. वैकल्पिक ओपन पाइलोप्लास्टी से गुजरने वाले बाल रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया और न्यूरोएंडोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेट्स लम्बरोरम ब्लॉक का प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
73. लेरिंजल मास्क एयरवे प्लेसमेंट के मूल्यांकन के लिए केंद्रित वायुमार्ग सोनोग्राफी (एफएएस): एक अवलोकनात्मक अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में अलोगेनिक और ऑटोलॉगस रक्त आधान के साथ कार्डियक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में इनफ्लमेटरी साइटोकिन्स में परिवर्तन का एक मात्रात्मक मूल्यांकन
2. बाल रोगियों में रियल टाइम, इन-प्लेन अल्ट्रासाउंड असिस्टेड थोरैसिक एपिड्यूरल प्लेसमेंट, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
3. सोनोग्राफिक वायुमार्ग मूल्यांकन मापदंडों के पूर्वसूचक प्रदर्शन का मूल्यांकन और नैदानिक वायुमार्ग के पूर्वसूचकों के साथ कठिन वायुमार्ग का पूर्वानुमान करने के लिए उनकी प्रभावकारिता की तुलना करना: एक क्रॉस-सेक्शनल, भावी, अवलोकनात्मक अध्ययन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
4. सीजेरियन सेक्शन से गुजरने वाले मरीजों में सोनोग्राफिक कठिन वायुमार्ग के पूर्वसूचकों का मूल्यांकन और गैर-गर्भवती महिलाओं के साथ उनकी तुलना: एक अवलोकनात्मक समूह अध्ययन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
5. पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक की दो अलग-अलग तकनीकों द्वारा पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया की तुलना: वीडियो समर्थित थोरेसिक सर्जरी में परम्परागत बनाम मध्य अनुप्रस्थ प्रक्रिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर।
6. आइसाफ्लूरेन संवेदनाहरण के तहत वयस्कों में लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया पर इंट्राऑपरेटिव कम खुराक केटामाइन आधान का प्रभाव, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
7. बाल रोगियों में लैंडमार्क निर्देशित तकनीक बनाम रियल-टाइम अल्ट्रासाउंड-असिस्टेड थोरैसिक और लंबर एपिड्यूरल प्लेसमेंट की तुलना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर

8. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में प्रोसील एलएमए के ऑरोफरीन्जियल सील दबाव पर न्यूमोपेरिटोनियम का प्रभाव, और बस्का मास्क: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
9. अल्ट्रासाउंड निर्देशित स्थानीय संवेदनाहरण के शिक्षण के लिए फैंटम मॉडल के साथ कैडेवर-आधारित सिमुलेशन की तुलना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
10. मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के बाद रिकवरी की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानक उपचार के अतिरिक्त पेरीऑपरेटिव म्यूजिक थेरेपी: एक याद्दच्छिक नियंत्रित अध्ययन, मैक्सिलो-फेशियल सर्जरी
11. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिम कारक: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग
12. सामान्य संवेदनाहरण के तहत दंत शल्यचिकित्सा में पोस्टऑपरेटिव दर्द से राहत के लिए एटोरिकोसिब की एक प्रि-ऑपरेटिव निवारक खुराक का मूल्यांकन: एक याद्दच्छिक अग्रदर्शी डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, मैक्सिलो-फेशियल सर्जरी
13. पुरानी पीठ दर्द के उपचार के लिए स्पंदित इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक फील्ड (पीईएमएफ) का उपयोग एक सहायक के रूप में: एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक अध्ययन, अस्थिरोग
14. पूर्ण लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी के बाद पोस्टऑपरेटिव दर्द निवारण के लिए बुपीवाकेन द्वारा योनि वॉल्ट पैठ का आकलन: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग
15. अल्सरेटिव कोलाइटिस, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी के मरीजों में पेरी-ऑपरेटिव कम खुराक बनाम मानक खुराक स्टेरॉयड आहार का एक याद्दच्छिक परीक्षण
16. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्रों से गुजरने वाले रोगियों में एआरटी के परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभाव: एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग, मनोचिकित्सा और सीआईएमआर
17. वैकल्पिक शल्य चिकित्सा के लिए सूचीबद्ध रोगियों की सर्जरी रद्द करने के कारणों का अध्ययन करना, शल्य चिकित्सा

पूर्ण

1. ट्रेंडेलनबर्ग स्थिति में लेप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा के दौरान इंट्राक्रैनियल दबाव पर सेवोफ्लुरेन, प्रोपोफोल और प्रोपोफोल के साथ डेक्समेडेटोमिडाइन की तुलना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
2. एम्स की गहन देखभाल इकाई में काम करने वाली नर्सों के ज्ञान और कौशल पर नियोजित सिमुलेशन शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज
3. तृतीयक देखभाल अस्पताल में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के मोबाइल फोन के परिशोधन के लिए यूवी विकिरण, सूक्ष्म जैवविज्ञान

4. हृदय स्वायत्त न्यूरोपैथी सहित तथा रहित मधुमेह से ग्रसित टाइप 2 मधुमेह रोगियों में, वैस्क्यूरोनियम और आइसोफ्लुरेन की अवधि का निर्धारण, शरीर-क्रिया-विज्ञान
5. ड्यूरल पंचर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा लेबर एनाल्जेसिया में रोपाइवाकेन और लेवोबुपाइवाकेन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक अग्रदर्शी डबल ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग
6. रीयल टाइम पीसीआर द्वारा लेगियोनेला न्यूमोफिला की आणविक पहचान और अनुक्रम आधारित टाइपिंग द्वारा आइसोलेट्स का लक्षण वर्णन, सूक्ष्म जैवविज्ञान
7. ईगल्स सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में एक्स्ट्राओरल एनाटोमिकल लैंडमार्क तकनीक बनाम अल्ट्रासाउंड गाइडेड तकनीक का उपयोग करके ग्लोसोफैरिंजल नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल, विकिरण विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 54 सार: 4 पुस्तकों में अध्याय: 1 पुस्तकें: 1

रोगी उपचार

एनेस्थीसिया सेवाएं ऐच्छिक और आपातकालीन सर्जरी के लिए प्रदान की गईं। इसके अलावा, एंडोस्कोपी, रेडियोलॉजी, एमईसीटी, आदि सहित कई संबंधित क्षेत्रों में भी सेवाएं प्रदान की गईं। जिन रोगियों की देखभाल की गई, उनकी संख्या का विवरण नीचे दिया गया है-

जीआई सर्जरी:	419
सर्जरी:	3,027
दंत सर्जरी (सीडीईआर):	681
प्लास्टिक सर्जरी:	298
यूरोलॉजी:	1416
ईएनटी:	1154
स्त्रीरोग विज्ञान:	1254
बालरोग सर्जरी:	1568
अस्थिरोग:	3835
मातृत्व:	2849
आईवीएफ:	663

नेत्र विज्ञान

क)	रूटीन+ ईयूए	6144
ख)	आपातकालीन	1459
ग)	आरपीसी यूएसजी	2567
घ)	एमएसी	536
	कुल योग	10,706

आपातकालीन

क)	मामले	4,369
ख)	कॉल्स	1,924

आईसीयू

क)	कुल	733
ख)	पिछले महीने से अग्रेनीत	95
ग)	नए दाखिले	638
घ)	डिस्चार्ज किए गए	520
ङ)	मृत	118

परिधीय सेवाएं

1.	एमआरआई	316
2.	एमईसीटी	642
3.	सीटी स्कैन	623
4.	अन्य रेडियोलॉजिकल सेवाएं (डीएसए, आरएफए, लिथोट्रिप्सी)	232
5.	जीआई एंडोस्कोपी	1,360

पीड़ा निवारण ओटी 552

पीड़ा निवारण क्लीनिक (नए रोगी)

क)	पुरुष	418
ख)	महिला	366
ग)	बालरोगी (बालक)	2
घ)	बालरोगी (बालिका)	1
ङ)	वार्ड	12
	कुल	799

पीड़ा निवारण क्लीनिक (पुराने रोगी)

क)	पुरुष	335
ख)	महिला	1400
ग)	बालरोगी (बालक)	11
घ)	बालरोगी (बालिका)	9
ङ)	वार्ड (पुरुष)	60
च)	वार्ड (महिला)	30
छ)	वार्ड	23
	कुल	2862

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण आयोजन

जूनियर रेजिडेंट **डॉ. विष्णु** ने एओआरए **2019** में ई-पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जूनियर रेजिडेंट **डॉ. रेशमा** ने एओआरए **2019** में ई-पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

वरिष्ठ रेजिडेंट **डॉ. रिद्धिमा भाटिया** को वार्षिक कांग्रेस, ग्लासगो **2019** में पोस्टर प्रस्तुति के लिए आईसीएमआर अनुदान प्राप्त हुआ।

सीनियर रेजिडेंट **डॉ. अलका** को अप्रैल **2019** में लास वेगास नेवादा में 44वीं वार्षिक स्थानीय संवेदनाहरण विज्ञान और तीव्र पीड़ाहरण चिकित्सा की बैठक में बेस्ट ऑफ मीटिंग एब्सट्रेक्ट से सम्मानित किया गया। संवेदनाहरण टीम ने जून **2019** में आयोजित रेजिडेंट क्रिकेट लीग टूर्नामेंट जीता।

प्रो. राजेश्वरी सुब्रमणियम ने बाल रोग संवेदनाहरण सत्र, आईएसएनएसीसी **2019** की अध्यक्षता की, **16** फरवरी **2019**, गुड़गांव

प्रो. अंजन त्रिखा को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अमृतसर, पंजाब में आयोजित **18**वें इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (नॉर्थ ज़ोन) सम्मेलन के दौरान **15** फरवरी **2020** को प्रतिष्ठित डॉ. प्रीतम सिंह ओरेशन देने के लिए आमंत्रित किया गया। वे, इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की अकादमिक समिति के मनोनीत सदस्य हैं और ऑब्सटेट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट एंड क्रिटिकल केयर जर्नल के नामित मुख्य संपादक हैं।

प्रो. माया देहरान ने जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के अंतिम सप्ताह तक 10 दिनों के लिए समर वेकेशन, **2019** के दौरान एमएसएससीएच (महाराज सावन सिंह चैरिटेबल अस्पताल), ब्यास (पंजाब) के एनेस्थीसिया विभाग में एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान कीं। सिकंदरपुर अस्पताल (हरियाणा), राधा स्वामी सत्संग, ब्यास में **7** से 14 जुलाई तक **7** दिनों के लिए वयस्क और बाल रोगी सर्जरी के लिए एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान कीं। जयपुर में राधा स्वामी सत्संग की एक विशाल सभा के दौरान **30** दिसंबर **2019** से **1** जनवरी **2020** तक **3** दिनों के लिए स्वैच्छिक जनरल ओपीडी सेवाएं प्रदान कीं। राधा स्वामी सत्संग की एक विशाल सभा के लिए अजमेर में गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए **9** से **12** फरवरी **2020** तक **4** दिनों के लिए सामान्य ओपीडी सेवाएं और प्राथमिक उपचार प्रदान किया। अस्पताल में

सप्ताहांत ड्यूटी के दिन को छोड़कर वर्ष के दौरान प्रत्येक रविवार को राधा स्वामी सत्संग, दिल्ली, भाटी केंद्र, भाटी डिस्पेंसरी में सामान्य ओपीडी सेवाएं प्रदान कीं। 2019 में 12 दिनों के लिए भाटी केंद्र, दिल्ली में विशाल राधा स्वामी सत्संग सभा के दौरान गंभीर रूप से बीमार रोगियों को सामान्य ओपीडी सेवाएं और प्राथमिक चिकित्सा देखभाल प्रदान की।

प्रो. दिलीप आर शिंदे, प्री-मच्यूरिटी की रेटिनोपैथी के लिए आने वाले समय-पूर्व जन्मे शिशुओं के लिए आरओपी देखभाल कार्यक्रम का हिस्सा हैं। उन्होंने, आरपीसी में समय से पहले जन्मे बच्चों की देखभाल के लिए बाल रोग संकाय और रेजिडेंट्स की मदद से एचडीयू सुविधा विकसित की। "गहन देखभाल और आपातकालीन चिकित्सा" संगोष्ठी / कार्यशालाओं की अध्यक्षता की; 7वीं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय "बैस्ट ऑफ ब्रूसेल्स" सिंपोजियम ऑन इंटेंसिव केयर; आपातकालीन चिकित्सा (आईएससीसीईएम) 3-7 जुलाई 2019 (ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान) हयात रीजेंसी होटल, पुणे, महाराष्ट्र। सत्र की अध्यक्षता, आईसीआरए-पीएएन 2019 (दर्दनिवारण में हालिया उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) 14 सितंबर 2019, नागपुर, महाराष्ट्र। उन्होंने सत्रों की अध्यक्षता की - (i) "पेन एजुकेशन - द फैल्ट बट अनमैट नीड!" (ii) "दर्द उपचार में वर्तमान विवाद", दर्द उपचार पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीएम 2019), 14-15 अक्टूबर 2019, चंडीगढ़, भारत। 8 नवंबर 2019 को सत्र की अध्यक्षता की, इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएसएसपी सम्मेलन 2019) के 34वां वार्षिक सम्मेलन में। बैरियाट्रिक और मेटाबोलिक सर्जरी पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय बैठक (एम्स बीएआरआई सम्मेलन 2019 13-16 नवंबर 2019) एयरोसिटी, नई दिल्ली में "बैरियाट्रिक मरीज़ों में चिकित्सा के मुद्दे" विषय पर सत्र की अध्यक्षता। ऑप्थैल्मिक एनेस्थीसिया के सत्र में अध्यक्षता की, पोस्टर सत्र के लिए निर्णायक बनाए गए, वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ ऑप्थेलमिक एनेस्थेसिया (5वां डब्ल्यूसीओए 20206-8 फरवरी 2020), 7 फरवरी 2020 से 8 फरवरी 2020, पुलमैन जकार्ता, जकार्ता (इंडोनेशिया)।

प्रो. गंगा प्रसाद नई दिल्ली में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च और नई दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के लिए संवेदनाहरण उपकरणों की विनिर्देश समिति के सदस्य रहे। संवेदनाहरण उपकरणों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली के सदस्य। सरकारी ई-मार्केटिंग (GeM) में एनेस्थीसिया उपकरणों के विनिर्देश संबंधी समिति के सदस्य। एम्स में बीएससी (ओटी प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च के समीक्षक रहे। उत्तरी एमसीडी मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सहायक आचार्य चयन के लिए साक्षात्कार में शिक्षण विषय विशेषज्ञ रहे। एम्स, रायबरेली (यूपी) के लिए संवेदनाहरण और आईसीयू उपकरणों के लिए तकनीकी विशेषज्ञ। वाराणसी में 7 से 9 फरवरी 2020 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के 12वें वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति के लिए सत्र अध्यक्ष और निर्णायक रहे।

प्रोफ़ेसर विमी रेवाड़ी ने 7 दिसंबर 2019 को आयोजित कॉम्प्रिहेंसिव सिंपोजियम ऑन अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (सीयूएसए) स्थानीय एनेस्थीसिया वर्कशॉप में "अल्ट्रासाउंड गाइडेड चेस्ट वॉल ब्लॉक्स" पर व्याख्यान दिया। 10 अगस्त 2019 को गुड़गांव के होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित प्रथम एलटीएसआई मिड-टर्म मीटिंग में 'सीएलडी विद कोरोलरी आर्टरी डिज़ीज' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता

की। **11** अगस्त **2019** को गुड़गांव में आयोजित 'प्रथम एलटीएसआई मध्यावधि बैठक में 'कोएगुलेशन-बेलेंसिंग दि इमबेलेंस' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की। **31** अगस्त **2019** को एम्स, जोधपुर में आयोजित प्रथम राजस्थान क्रिटिकल केयर कॉन्फ्रेंस में "एंड ऑफ लाइफ केयर: इश्यूज़" शीर्षक से आयोजित पैनल चर्चा में पैनलिस्ट रहे। इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, नई दिल्ली के **11**वें राष्ट्रीय और प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएकॉन 2019 में **7** सितंबर **2019** को "प्रैक्टिकल एंडोक्राइन प्रॉब्लम्स" शीर्षक पैनल डिस्कशन में पैनलिस्ट रहे। **15** सितंबर **2019** को नई दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज में ट्रांसक्रिट **-2019** में 'एएलएफ में प्रत्यारोपण' पर एक सत्र की अध्यक्षता की। **28** सितंबर **2019** को श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, चेन्नई में **12**वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (एओए **2019)** में पांच व्याख्यान भी दिए। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में **8** से **10** नवंबर, **2019** तक इंडियन सोसाइटी ऑफ पेन क्लीनिशियंस (आईएसपीसी सम्मेलन **2019)** के **5**वें वार्षिक सम्मेलन में "जॉइंट पेन/बैक पेन" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. ज्योत्सना पुंज निम्नलिखित कार्यशालाओं में संकाय के रूप में शामिल हुईं/कार्यशालाओं का संचालन किया - वायुमार्ग प्रबंधन और एसीएलएस पर सीएमई सह कार्यशाला' **25-27** अप्रैल **2019**, जोवाई, मेघालय; श्रीलंका का वार्षिक पेन सेशन, अक्टूबर **2019;** सीएमई सह कार्यशाला वायुमार्ग प्रबंधन और बीएलएस, अक्टूबर **2019**, तवांग, अरुणाचल प्रदेश; आपातकालीन कार्यशाला, जनवरी **2020**, आइज़ॉल, मिज़ोरम; यूएसआरएडब्ल्यू सम्मेलन, मार्च **2020**, नई दिल्ली; यूके के वार्षिक प्रसूति सम्मेलन में पोस्टर सत्र के लिए निर्णायक, मई **2020**, न्यू कैसल, इंग्लैंड; ऑब्स्टेट्रिक एनाल्जेसिया और एनेस्थीसिया में ऑब्जर्वरशिप, **25-31** मई **2020**, चार्लोट्स हॉस्पिटल, लंदन, इंग्लैंड।

प्रो. रविन्द्र कुमार पाण्डेय 2014 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पेरीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेकनीक (आईजेपीयूटी) के प्रधान संपादक रहे हैं। निम्नलिखित सूचीबद्ध जर्नलों में समीक्षक रहे - इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थिसिया (आईजेए), जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लीनिकल फार्मेकोलॉजी (जेओएएसीपी), जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया (जेसीए), जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट। एमडी थीसिस (संज्ञाहरण विज्ञान) और एमडी संज्ञाहरण विज्ञान परीक्षा के मूल्यांकन के लिए साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक के रूप में नामित किए गए। दर्द उपचार के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यशाला में अल्ट्रासाउंड गाइडेड हैंड्स के मुख्य सह-समन्वयक: "एनुअल अकेडिमिक सेशंस ऑफ कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट एंड इंटेंसिविस्ट्स ऑफ श्रीलंका एंड फैकल्टी ऑफ पेन मेडिसिन"**-2019**। स्थानीय संवेदनाहरण कार्यशाला, **"**यूआरएडब्ल्यू**"-2019** और **2020**, नई दिल्ली में अल्ट्रासाउंड गाइडेड हैंड्स के मुख्य सह-समन्वयक रहे। निम्नलिखित कार्यशालाओं के लिए संकाय सदस्य रहे/आयोजक रहे: यूआरएडब्ल्यू (अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला), **23** मार्च **2019**, नई दिल्ली; वायुमार्ग प्रबंधन और एसीएलएस पर सीएमई सह कार्यशाला, **25-27** अप्रैल **2019**, जोवाई, मेघालय; यूआरएडब्ल्यू (अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला), **18** मई **2019**, नई दिल्ली; कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और श्रीलंका के इंटेंसिविस्ट्स के वार्षिक शैक्षणिक सत्र और दर्द चिकित्सा के संकाय

सदस्य-2019, अक्टूबर 2019, कोलंबो, श्रीलंका; वायुमार्ग प्रबंधन, बीएलएस और अन्य आपातकालीन स्थितियों पर सीएमई सह कार्यशाला, अक्टूबर-नवंबर 2019, तवांग अरुणाचल प्रदेश; कंपेयरेटिव सिंपोजियम ऑन अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (सीयूएसए), 6 दिसंबर 2019, नई दिल्ली; आपातकालीन कार्यशाला, जनवरी 2020, आइज़ॉल, मिज़ोरम; एअरवे 2020: सीड टू फ्रूट, फरवरी 2020, नई दिल्ली।

प्रो. अंजोलि छाबड़ा ने निम्नलिखित सीएमई आयोजित किए: 12 अप्रैल 2019 को आईएसए दिल्ली राज्य अध्याय के 58वें वार्षिक सम्मेलन में यूएसजी क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला, महाराजा अग्रसेन अस्पताल, पंजाबी बाग, नई दिल्ली; 28 जुलाई 2019 को रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, बरेली में एनेस्थीसिया सीएमई सह कार्यशाला यूएसजीआरएकॉन।

प्रो. रश्मि रामचंद्रन, 'सिमुलेशन पर पेडिस्टर्स का 5वां राष्ट्रीय सम्मेलन' में मौखिक लेख प्रस्तुति के लिए निर्णायक बनीं। 'सिमुलेशन पर पेडिस्टर्स का 5वां राष्ट्रीय सम्मेलन' में पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम के लिए संकाय सदस्य रहीं। 12-16, अगस्त 2019-विजिटिंग फैकल्टी-कोलोन यूनिवर्सिटी स्किल लैब प्रोग्राम- "लर्निंग स्किल्स एंड पीयर टीचिंग"। एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस पुनर्जीवन पाठ्यक्रम के प्रशिक्षक के रूप में प्रमाणीकरण प्राप्त किया।

डॉ. दालिम कुमार बैद्य, पीडीसीसी क्रिटिकल केयर परीक्षा जून 2019 के परीक्षक रहे - इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, नई दिल्ली में। पीडीएफ क्रिटिकल केयर परीक्षा के परीक्षक रहे - एम्स भुवनेश्वर, अगस्त 2019 में। 31 अगस्त 2019 को जोधपुर के एम्स में आयोजित प्रथम राजस्थान क्रिटिकल केयर सम्मेलन में "एंड ऑफ लाइफ केयर: इश्यूज़" शीर्षक से पैनल चर्चा में पैनलिस्ट रहे।

डॉ. पुनीत खन्ना, को कोरियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसिया द्वारा सियोल, कोरिया में 'कोरियाएनेस्थिसिया' में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 2019 तक आयोजित सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए अनुदान प्राप्त हुआ; 8 से 10 जनवरी 2020 तक लंदन, यूके में पेपर प्रस्तुत करने के लिए सीएसआईआर द्वारा अनुदान दिया गया।

डॉ. बिकाश रंजन रे, को कोरियाई सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसिया द्वारा सियोल, कोरिया में 'कोरियाएनेस्थिसिया' में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 2019 तक आयोजित सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए 1000 यूएसडी का अनुदान प्राप्त हुआ। एमएएमएस से अनुदान, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज से अनुदान।

डॉ. देबेश भोई, एओआरए 2019, 7 जुलाई 2019, जीईएम अस्पताल, कोयंबटूर के लिए संकाय सदस्य रहे। 28 जुलाई 2019, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरेली, यूपी में आयोजित यूएसजीआरए कॉन के लिए संकाय सदस्य रहे। एएजीपीए 2019 के लिए संकाय सदस्य, 29 सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली। सीयूएसए 2019, दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली के लिए संकाय सदस्य।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार, पीजी असेंबली, एम्स, 30 सितंबर 2019, नई दिल्ली के पोस्टर सत्र के लिए निर्णायक नियुक्त किए गए। वे निम्नलिखित कार्यशालाओं के लिए संकाय सदस्य रहे: कैडेवरिक एयरवे वर्कशॉप,

एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2019, 18 अक्टूबर 2019, एम्स, नई दिल्ली; आईएसपीसी सम्मेलन 2019, 8 नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली। सीयूएसए 2019, 6 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली; आघात देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, 28 जनवरी, सरदार पटेल स्कूल, नई दिल्ली।

डॉ. मनप्रीत कौर, गुणवत्ता सुधार अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए संकाय सदस्य रहीं, जिसका शीर्षक था - "वेक अप सेफ", 14 सितंबर 2019, हैदराबाद। एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का 12वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 27 सितंबर 2019, चेन्नई। सीयूएसए 2019, 6 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली; सिमुलस 5, 9 फरवरी 2020, चेन्नई।

डॉ. तिलक मुथैय्या पेरीऑपरेटिव सिमुलेशन पर कार्यशाला, 2 जून 2019, एम्स, नई दिल्ली में संकाय सदस्य के रूप में शामिल हुए। एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (सीयूएसए) के लिए अल्ट्रासाउंड पर समग्र संगोष्ठी में संकाय सदस्य, 6 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली। संकाय सदस्य रहे-प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, सिमुलस 5, 9 फरवरी 2019, एसआरएमसी, चेन्नई।

डॉ. निशांत पटेल एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के लिए अल्ट्रासाउंड पर समग्र संगोष्ठी (सीयूएसए), 6 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली में संकाय सदस्य रहे।

डॉ. अरशद अयूब ने रीजनल एनेस्थेसिया पार्ट I में यूरोपीय डिप्लोमा उत्तीर्ण किया।

डॉ. मृत्युंजय कुमार को नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा जीवनरक्षक एनेस्थीसिया कौशल (एलएसएएस) और आपातकालीन प्रसूति देखभाल (ईएमओसी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।

डॉ. युद्धवीर सिंह, सीयूएसए 2019, 6 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली के लिए संकाय सदस्य रहे।

डॉ. अंजू गुप्ता, एमएएमसी एनेस्थेसिया अपडेट (दिसंबर 2019) में "एनेस्थेसियोलॉजी में तथ्य और मिथक" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित की गईं। वाराणसी में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थेसिया वार्षिक सम्मेलन (7-9 फरवरी 2020) में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. वेंकट गणेश, कॉम्प्रिहेंसिव सिंपोजियम ऑन अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (सीयूएसए), 6 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली के लिए संकाय सदस्य रहे।

डॉ. परिन चेलानी, निम्नलिखित में संकाय सदस्य के रूप में शामिल हुए (1) एम्स कैडवेरिक सर्जिकल स्किल्स ट्रेनिंग एयरवे मैनेजमेंट 18 अक्टूबर 2019 (2) कॉम्प्रिहेंसिव सिंपोजियम ऑन अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (सीयूएसए 2019), 6-8 दिसंबर 2019 (3) सीड टू फ्रूट, एयरवे 2020, 22 और 23 फरवरी 2020।

9.2. शरीर-रचना विज्ञान

आचार्य और अध्यक्ष

टी एस रॉय

आचार्य

ए शरीफ | पुष्पा धर | एस बी रे
रीमा दादा | अरुंधति शर्मा (जेनेटिक्स) | रेणु ढींगरा
टी सी नाग (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी) | रितु सहगल

अपर आचार्य

सरोज कलेर झाझरिया

सह-आचार्य

टोनी जॉर्ज जैकब | नीरजा रानी
सीमा सिंह | एस सी यादव (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)

सहायक आचार्य

प्रभाकर सिंह (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी) 17 मार्च 2020 से

विशिष्टताएं

कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अनुकूलन में विभाग आगे रहा है: सैद्धांतिक व्याख्यान, एमसीक्यू क्विज़ अभ्यास, व्यावहारिक प्रदर्शन और यहां तक कि संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स द्वारा विच्छेदन भी किए गए। स्वदेशी रूप से विकसित यह फोटोग्राफिक/ रिकॉर्ड की गई सामग्री सजीव, इंटरेक्टिव सोशल मीटिंग प्लेटफार्मों के माध्यम से सफलतापूर्वक ऑनलाइन सीधा प्रसारण किया गया।

देश में अपनी तरह की पहली सुविधा, क्लिनिकल इकोटॉक्सीकोलॉजी (निदान एंड अनुसंधान) सुविधा, डॉ. ए शरीफ द्वारा स्थापित की गई और 5 अगस्त 2019 को निदेशक, आचार्य रणदीप गुलेरिया द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। भारी धातु / अन्य तत्व विषाक्तता का पता लगाने के लिए और रक्त में सूक्ष्म पोषक तत्वों के आकलन के लिए विभिन्न नैदानिक विभागों से मरीजों को इस सुविधा में भेजा गया। लगभग 2000 परीक्षण किए गए हैं, नए परीक्षण प्रभावित रोगियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण अंतर लाने में कारगर साबित हुए हैं।

विभिन्न अन्य विभागों द्वारा आयोजित कैडेवरिक कार्यशालाओं में संकाय द्वारा सहायता प्रदान की गई। अगस्त 2019 में विनाशकारी आग से प्रभावित कई विभागों को लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की गई। शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए अत्याधुनिक डिजिटल हिस्टोलॉजी प्रयोगशाला तक पहुंच प्रदान करना भी इसमें शामिल है।

संकाय सदस्यों ने भारत और विदेश में आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं, सफल एक्सट्राम्यूरल अनुदान अनुप्रयोगों के माध्यम से अपने शोध लक्ष्यों को उन्होंने सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया है, राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने कार्य के संबंध में प्रस्तुतियां दी हैं, उनके परिणामों को सहकर्मी-समीक्षित सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है, राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों के सदस्य के रूप में और समीक्षकों के रूप में सेवाएं दी हैं और कई सरकारी वित्तपोषित एजेंसियों के लिए परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा भी की है।

विभाग ने रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान कीं, जिसमें चयापचय एवं आनुवांशिक विकारों के लिए नैदानिक परीक्षण, संलेपन के साथ-साथ आनुवंशिक परामर्श सेवाएँ भी शामिल हैं।

शिक्षा

आठ पीएचडी छात्रों को सफल घोषित किया गया जबकि छह एमएससी छात्रों और एक एमडी छात्र ने **2019-20** में अपनी पढ़ाई को पूरा किया। दिल्ली के बाहर के छात्रों ने आनुवंशिकी और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विभाग में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण लिया। कई संकाय सदस्यों ने एमएससी न्यूरोसाइंस पाठ्यक्रम के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में सहायक संकाय के रूप में कार्य किया।

आयोजित सम्मेलन / कार्यशालाएं

1. एसोसिएशन ऑफ जेरोन्टोलॉजी (इंडिया) एजीआई का उन्नीसवां द्विवार्षिक सम्मेलन और वृद्ध होती जनसंख्या के उभरते परिदृश्य पर बहु-विषयक कार्यशालाएं (जैव भौतिकी विभाग के साथ), 17 और 18 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली।
2. इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस (आईएएन 2019) की सैंतीसवीं वार्षिक बैठक "न्यूरॉन टू बिहेवियर" (शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के साथ), 18-21 नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली।

विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित सम्मेलनों/ कार्यशालाओं के संचालन में प्रदत्त सहायता

1. सर्जिकल डिसिप्लिन्स, हैंड्स-ऑन कैडेवरिक वर्कशॉप, 5 अप्रैल 2019, नई दिल्ली।
2. प्लास्टिक एवं दग्ध शल्य चिकित्सा, हैंड्स-ऑन कैडेवर डिसेक्शन कोर्स, एसीएसआईसीओएन-2019 की सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला, 18 अप्रैल 2019, नई दिल्ली।
3. जेपीएनटीसी, हैंड्स-ऑन कैडवेरिक वर्कशॉप, चौथा एम्स-एसीएसएसटी पेल्विक एसिटाबुलम कोर्स, 28 अप्रैल 2019, नई दिल्ली।
4. इमरजेंसी मेडिसिन जेपीएनटीसी, सम्मेलन पूर्व कार्यशाला 'ईएम इंडिया-2019' के रूप में नेशनल क्विज़ और "इमरजेंसी मेडिसिन एसोसिएशन और भारत में आपातकालीन विशेषज्ञों के अकादमिक कॉलेज का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन", 31 जुलाई-2 अगस्त 2019, नई दिल्ली।
5. प्लास्टिक, पुनर्रचना एवं दग्ध शल्य चिकित्सा, हैंड्स-ऑन कैडेवर डिसेक्शन कोर्स, 28 और 29 सितंबर 2019, नई दिल्ली।

6. बाल शल्य चिकित्सा, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन का 45वां वार्षिक सम्मेलन, 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2019, नई दिल्ली।
7. संवेदनाहरण विज्ञान, पेन मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर, कैडेवरिक कार्यशाला, इंडियन सोसाइटी ऑफ पेन क्लीनिशियंस का **5**वाँ वार्षिक सम्मेलन, 10 नवंबर 2019, नई दिल्ली।
8. तंत्रिका विकिरण विज्ञान, स्पाइनल इंटरवेंशन पर हैंड्स-ऑन कैडेवेरिक कार्यशाला, **28** और **29** नवंबर **2019,** नई दिल्ली।
9. संवेदनाहरण, अल्ट्रासाउंड-निर्धारित स्थानीय संवेदनाहरण पर कार्यशाला, **6-8** दिसंबर **2019,** नई दिल्ली।
10. अस्थिरोग जेपीएनटीसी, पोस्ट-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ फिजिकल थेरेपी, एम्स **2019, 23** दिसंबर **2019,** नई दिल्ली।

आयोजित अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

1. एम्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन, स्कूल जाने वाले छात्रों के लिए चिकित्सीय प्रदर्शनी **'कैटेलिस्ट'** का आयोजन, 11 और 12 अप्रैल 2019, नई दिल्ली।
2. एम्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन, दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम के **130** छात्रों की विभागीय प्रयोगशालाओं में चिकित्सीय जानकारी हेतु भ्रमण, **18** अक्टूबर **2019,** नई दिल्ली।

दिए गए व्याख्यान

टी एस रॉय: 5	**ए शरीफ: 7**	**एस बी रे:** 5
रीमा दादा: 20	**अरुंधति शर्मा: 1**	**रेणु ढींगरा: 1**
टी सी नाग: 3	**टोनी जॉर्ज जैकब: 22**	**नीरजा रानी: 4**
सीमा सिंह: 1	**सुभाष यादव: 1**	

प्रस्तुत मौखिक पत्र/ पोस्टर: 72

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. मानव अवर कोलेकुलस में आयु संबंधी परिवर्तन: एक रूपात्मक और तंत्रिका रासायनिक अध्ययन, टी एस रॉय, डीएसटी, **3** वर्ष, **2018-2021,** रुपए **43.86** लाख
2. रेटिनोब्लास्टोमा रोगियों के जलीय हास्य (एएच) में बायोमार्कर का आकलन, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, **3** वर्ष, **2019-2022,** फैलोशिप
3. चूहों में न्यूरोपैप्टाइड वाई या सोमाटोस्टैटिन के सह-अवचारण के बाद मोर्फिन के प्रति सहिष्णुता के विकास पर एक अध्ययन, एस बी रे, एम्स, **1** वर्ष, **2019-2020,** रुपए **2** लाख

4. वृक्क प्रत्यारोपण करा चुके रोगियों के सीरम से बीके वायरस के त्वरित और लागत प्रभावी नैनो-एलएएमपी आधारित डिटेक्शन, सुभाष चंद्र यादव, आईसीएमआर, **3** वर्ष, **2019-2022**, रुपए **35.83** लाख
5. ईडब्ल्यूएस-एफएलआई-1 फ्यूजन प्रोटीन की त्वरित और विशिष्ट जांच प्रणाली का विकास, सुभाष चंद्र यादव, डीबीटी, **3** वर्ष, **2019-2022**, **79.86** लाख रुपए
6. डीएसटी एफआईएसटी, टीएस रॉय, डीएसटी, **5** साल, **2018-23**, **150** लाख रुपए
7. चूहे की मध्य मस्तिष्क धमनी ऑक्लूजन में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव: एक रूपात्मक और जैव रासायनिक अध्ययन, टीएस रॉय, डीबीटी-जेआरएफ प्रोजेक्ट (श्री रितेश कुमार), **3** वर्ष, **2017-20**, **3.3** लाख/ वर्ष
8. लाइफस्टाइल इंटरवेंशन और साइकोलॉजिकल स्ट्रेस का उम्र वृद्धि के सूचकों पर प्रभाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, **3** साल, **2017-2020**, रुपए **40** लाख
9. आरए में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, **3** साल, **2019-2022**, एसआरएफ
10. रूमेटॉइड संधिशोथ आर्थराइटिस पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, डीएसटी, **3** वर्ष, **2017-2020**, **54** लाख रुपये
11. सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए मानव पैपिलोमा वायरस (एचपीवी 16) आधारित नैनो-वाहक का उपयोग कर सिस्प्लैटिन की बाहरी डिलीवरी, सुभाष चंद्र यादव, एम्स-आईआईटी दिल्ली, **2** वर्ष, **2019-2021**, **10** लाख रुपए
12. सर्वाइकल ऑसीफाइड पश्चवर्ती लॉंगिट्यूडिनल स्नायुबंधन के रोगियों में शरीर के तरल पदार्थ और ऊतकों में फ्लोराइड का स्तर, सीमा सिंह, एम्स, **1** वर्ष, **2019-2020**, रुपए **5** लाख
13. बिहार के समुदाय में हस्तक्षेप और परामर्श के माध्यम से फ्लोरोसिस शमन, ए. शरीफ, डीएसटी, **3** वर्ष, **2020-2023**, **152.76** लाख रुपए
14. भारतीय जनसंख्या में से हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी मरीजों में सर्कोमेरिक जीन म्यूटेशन की पहचान, कार्यात्मक लक्षण वर्णन और इन-सिलिको विश्लेषण, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, **3** वर्ष, **2018-2021**, फेलोशिप-रिसर्च एसोसिएट
15. विरासत में मिली कार्डियोमायोपैथी के रोगजनन में आनुवंशिक वेरिएंट की पहचान और उनका कार्यात्मक मूल्यांकन, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, **3** साल, **2019-2022**, रुपए **72.28** लाख
16. एपिडर्मल नेक्रोलिसिस के रोगियों में अंतर्निहित डिफरेंशियल प्रकटीकरण और रोग-विशिष्ट सिग्नेचर प्रोफ़ाइल की पहचान, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, **3** वर्ष **2019-2022** रुपए **40.05** लाख
17. शुक्राणु एपिजीनोम पर अधिक पितृ आयु का प्रभाव: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में संभावित एटियलॉजी, रीमा डाडा, डीबीटी, **3** साल, **2016-2020**, फैलोशिप- वैज्ञानिक
18. चूहों में क्रोनिक अग्नाशयशोथ के प्रायोगिक मॉडल में पेरिफेरल और सेंट्रल नर्वस सिस्टम में परिवर्तन की जांच, टोनी जॉर्ज जैकब, आईसीएमआर, **3** वर्ष, **2019-2022**, रुपए **32.23** लाख

19. चुंबकीय नैनोकणों और क्वांटम डॉट्स के साथ-साथ साइटोलॉजी नमूने से गर्भाशय ग्रीवा की कैंसर कोशिकाओं के देखकर पुष्टि करना: ग्रामीण भारतीय परिस्थितियों के लिए एक किफायती, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण, सुभाष चंद्र यादव, एसईआरबी, **3** साल, **2018-2021**, **38.68** लाख रुपए
20. चूहों में प्रयोगात्मक तौर पर लौहतत्व के अधिभार के बाद रेटिना फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता और ऑटोफेगी की स्थिति, टीसी नाग, आईसीएमआर, **3** साल, **2019-2022**, **30** लाख रुपए
21. विकासशील मानव कॉक्लियर नाभिक और सर्पिल नाड़ीग्रन्थि का मॉर्फोलॉजिकल अध्ययन, टीएस रॉय, आईसीएमआर, **3** साल, 2019-22, 43 लाख रुपए
22. प्री-एक्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में फार्माकोलॉजिकल मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, रेणु ढींगरा, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 45 लाख रुपए
23. चूहों में लगातार पीड़ा की स्थिति में रीढ़ की हड्डी में सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी की भूमिका, सरोज कलेर, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रुपए 5 लाख
24. प्री-एक्लेम्पसिया में हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादक एंजाइम, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसिस और एमआईआर-**22** की स्थिति और ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण को मॉड्यूलेट करने में उनकी भूमिका, रेणु ढींगरा, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 15 लाख रुपए
25. रेटिनोब्लास्टोमा के रोगजनन में आरबीआई और एमवाईसीएन की भूमिका का अध्ययन, रीमा दादा, सीएसआईआर, 3 साल, 2018-2021, एसआरएफ
26. पुरूष बांझपन और कैंसर के बीच आनुवंशिक अंतर को उजागर करना: योग हस्तक्षेप की भूमिका, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, रुपए 35 लाख
27. गैस्ट्रो-एन्ट्रोपेनक्रिएटिक और श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमरों में नवीन प्रोटीनों की भूमिका को उजागर करना, नीरजा रानी, डीएसटी, 3 साल, 2019-22, रुपए 50 लाख
28. थायरॉयड घातक घावों को अलग करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता, अरुंधति शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 74.16 लाख रुपए

पूर्ण

1. मानव कोक्लेयर नाभिक विकसित करने में एपोप्टोसिस और माइटोसिस की भूमिका, टीएस रॉय, आईसीएमआर-एसआरएफ, परियोजना 1, 2017-2019, रुपए 4.56 लाख/ वर्ष
2. बिहार में गर्भावस्था के दौरान एनीमिया से प्रेरित एंडीमिक फ्लोराइड, एक अग्रदर्शी अध्ययन, ए. शरीफ, डीएसटी, 4 साल, 2016-2019, 39 लाख रुपए
3. जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रोफी के आनुवंशिक आधार का मूल्यांकन और उत्परिवर्तन सकारात्मक और नकारात्मक मामलों की नैदानिक फेनोटाइपिंग, अरुंधति शर्मा, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 10 लाख रुपए
4. दुर्दम्य रिकेट्स और हाइपोफॉस्फेटीमा से ग्रसित रोगियों का आनुवंशिक अध्ययन, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2015-2019, 30 लाख रुपए

5. प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में फेनोटाइपिक एक्सट्रीम्स का जीनोम-वाइड संबंध अध्ययन, अरुंधति शर्मा, डीबीटी, 3 साल, 2016-2019, 54 लाख रुपए
6. लक्षणहीन चरण के दौरान रोगकारक का पता लगाने के लिए सरल, त्वरित और ऑनसाइट प्रारंभिक नैदानिक सामग्री किट, सुभाष चंद्र यादव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 103 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मानव अवर कोलिकुलस में आयु परिवर्तन
2. मानव सर्पिल नाड़ीग्रन्थि में आयु परिवर्तन
3. मानव कर्णावत तंत्रिका में आयु परिवर्तन
4. मानव टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ का एक रूपात्मक अध्ययन
5. प्री-एक्लेम्पसिया अध्ययन में सिस्टेथिओनिन बीटा सिंथेटेज जीन पॉलीमोर्फिज़्म का एक संबंध अध्ययन
6. पशु मॉडल में ओपन एंगल मोतियाबिंद के उपचार के लिए नैनोड्रग डिलीवरी प्रणाली की प्रभावकारिता का आकलन
7. अल्सरेटिव कोलाइटिस के मरीज़ों के मायेन्टेरिक प्लेक्सस में डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स का अध्ययन
8. प्री-एक्लेम्पसिया में सिस्टेथिओन बीटा सिंथेटेज़ और इसके जीन पॉलीमॉर्फिज्म्स के सीरम स्तर का अध्ययन
9. अल्कोहल और ओपियोड निर्भरता में मस्तिष्क इमेजिंग (पीईटी / स्पेक्ट) के साथ मोनोएमिनर्जिक और गाबार्जिक पाथवे जीन पॉलीमॉर्फिज्म्स के आनुवंशिक संबंध और सहसंबंध पर एक अध्ययन
10. अल्कोहल डिपेंडेंस में एडीएच और एएलडीएच जीन वेरिएंट की भूमिका का अध्ययन
11. ओपियोड डिपेंडेंस में न्यूरोट्रांसमीटर जीन में एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म्स और एपिजेनेटिक परिवर्तनों के संबंध का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन
12. विस्टार चूहों के स्ट्रोक मॉडल के मध्य सेरेब्रल धमनी ऑक्लूजन में ऑटोफैगी और न्यूरोजेनेसिस
13. ऑसीफाइड पोस्टीरियर लॉगिट्यूडिनल स्नायुबंधन के रोगियों में शरीर के तरल पदार्थ और अस्थि हिस्टोलॉजी में फ्लोराइड स्तर का सहसंबंध
14. कोशिका विज्ञान नमूनों से गर्भाशय ग्रीवा की कैंसर कोशिकाओं के लिए नैनोकण-आधारित पहचान प्रणाली का विकास
15. मानव कर्ण नाभिक का विकास
16. चूहे के मध्य सेरेब्रल धमनी में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव: आकृति विज्ञान और जैव रासायनिक अध्ययन
17. आर्सेनिक ट्राईऑक्साइड प्रभाव के बाद चूहों की बेसल अग्रबाहु संरचनाओं पर करक्यूमिन का प्रभाव
18. हल्के तीव्र अग्नाशयशोथ के म्यूरिन मॉडल पर करक्यूमिन का प्रभाव
19. जीर्ण अग्नाशयशोथ से ग्रसित चूहों के मॉडल पर लहसुन (एलियम सैटिवम एल) का प्रभाव

20. मानव ट्राफोब्लास्ट कोशिकाओं के स्थानांतरण पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रीएक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति
21. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड के संपर्क में आए वयस्क महिला चूहों के हाइपोथेलेमस तथा हिप्पोकैम्पस में संज्ञानात्मक कार्य और एस्ट्रोजेन रिसेप्टर प्रोफ़ाइल पर रेस्वेराट्रोल पूरकता का प्रभाव
22. एंटरिक नर्वस सिस्टम के विकास पर फ्लोराइड जोखिम का प्रभाव: एक प्रयोगात्मक अध्ययन
23. पुरूष बांझपन में महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन
24. शारीरिक और विकृतिजन्य स्थितियों के तहत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में मेसेंकाईमल संक्रमण के लिए उपकला के दौरान एपिजेनेटिक परिवर्तन
25. शराब निर्भरता और ओपीऑइड निर्भरता में डोपामिनर्जिक मार्ग जीन के जीनोमिक परिवर्तन और जीआरआईएन2ए जीन बहुरूपता का संबंध
26. मानव तंत्रिका ऊतक में ऑटोफ्लोरेसेंस का मूल्यांकन
27. चूहे में एल-आर्जिनाइन प्रेरित क्रोनिक अग्नाशयशोथ का मूल्यांकन
28. एसएलसी6ए4 और टीपीएच*2* बहुरूपता के साथ ओपिओइड निर्भरता के संभावित संबंध का मूल्यांकन
29. चूहों के बेसल गैंग्लिया में आर्सेनिक ट्राईऑक्साइड प्रेरित न्यूरोटॉक्सिसिटी पर करक्यूमिन सप्लीमेंट की भूमिका का मूल्यांकन
30. प्रीएक्लेम्पसिया में एमआईआर-**22**, विशिष्टता प्रोटीन-**1** और सिस्टेथिओनिन बीटा सिंथेज़ की व्यंजना और ट्रोफोब्लास्ट प्रसार में उनकी भूमिका
31. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा रोगियों में तंत्रिका वृद्धि कारक को दर्शाना
32. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा रोगियों के कोलोनिक ऊतक के एंटरोनिक न्यूरॉन्स में एन-एमवाईसी डाउनस्ट्रीम रेगुलेटेड जीन *4 (*एनडीआरजी*4)* को दर्शाना
33. पूर्वकाल पिट्यूटरी एडेनोमा के रोगियों में आनुवंशिक और एपिजेनेटिक प्रोफाइलिंग
34. रेटिनोब्लास्टोमा का आनुवंशिक और आणविक आधार
35. मेन 2 सिंड्रोम वाले रोगियों की आनुवंशिक जांच
36. पोस्टीरियर पोलर मोतियाबिंद का आनुवंशिक अध्ययन
37. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में साइटोकैटिनिन 19 और सीकेआईटी का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और मात्रात्मक विश्लेषण
38. प्रयोगात्मक न्यूरोपैथिक पीड़ा के चूहे मॉडल के माइक्रोग्लियल सक्रियण और एएमपीए रिसेप्टर्सिन हिप्पोकैम्पस का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन
39. मोटापे पर अल्पकालिक योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव
40. रूमेटाइड आर्थराइटिस में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव
41. ग्लूकोमा रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव
42. पोस्ट-हैच चिक रेटिना में प्रकाश-प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव और अंतर्जात न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र
43. मेंटा रे अध्ययन

44. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा (पीओएजी) पर ध्यान और उसका प्रभाव
45. ध्यान आधारित तनाव न्यूनीकरण: क्या यह प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा (पीओएजी) के उपचार में सक्षम है
46. अवसाद की स्थिति में आणविक विश्लेषण और योग का प्रभाव - एकल ब्लाइंड आरसीटी
47. अज्ञातहेतुक पुरूष बांझपन का आणविक आधार
48. फाइब्रोमाइल्गिया में आणविक अध्ययन
49. अल्प प्रतिक्रियाकर्ताओं में एंटी मुलेरियन हार्मोन जीन में उत्परिवर्तन विश्लेषण
50. गोनैडल डिसिजनेसिस और 46, एक्सवाई कर्योटाइप से ग्रसित रोगियों में कैंडीडेट जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण
51. रिफ्रेक्टरी रिकेट्स और हाइपोफॉस्फेटिमिया से ग्रसित रोगियों में उत्परिवर्तक अध्ययन
52. भ्रूण के विकास में पैतृक कारक
53. चूहे में प्रकाश-प्रेरित रेटिना क्षति के बाद क्षैतिज कोशिकाओं की रीमॉडलिंग
54. सूजन और कोशिका मृत्यु के विशेष संदर्भ में प्रायोगिक तीव्र अग्नाशयशोथ में स्वरभंग की भूमिका
55. प्रीएक्लेम्पसिया की तरह प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में एक औषधीय मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका
56. प्रीएक्लेम्पसिया में सिस्टेथिओनिन गामा लाइसेज़ के माध्यम से होने वाले ट्रोफोब्लास्ट सेल आक्रमण में सूक्ष्म आरएनए-30 की भूमिका और स्थिति
57. ट्रोफोब्लास्ट सेल प्रसार को नियमित करने में एमआईआरएनए की भूमिका
58. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एंजियोजेनिक कारकों के विनियमन में एमआईआरएनए की भूमिका
59. चुनिंदा मूलर कोशिका क्षति के बाद उज्ज्वल प्रकाश के संपर्क में आने वाले चूहों के रेटिना में माइक्रोग्लिया का अध्ययन
60. प्रीएक्लेम्पसिया में मैट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेस-9 जीन बहुरूपता के संबंध का अध्ययन
61. अल्कोहल निर्भरता में मोनोअमाइन पाथवे जीन की बहुरूपता, मिथाइलेशन और भावाकृति स्थिति के संबंध का अध्ययन
62. स्टिवेंस-जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) के अंतर्निहित आनुवंशिक आधार की पहचान करने के लिए अध्ययन
63. पुरूष बांझपन में टेलोमेर डायनेमिक्स
64. 5अल्फा रिडक्टेज 2 की कमी और एण्ड्रोजन असंवेदनशीलता से ग्रसित रोगियों में फेनोटाइप जीनोटाइप सहसंबंध का अध्ययन करना
65. विज़ुअल, रैपिड, गैर-इनवेसिव और किफायती बीके वायरस पहचान प्रणाली

पूर्ण

1. मानव इनफीरियर कोलिकुलस में आयु से संबंधित परिवर्तन: आकृति विज्ञान और तंत्रिका रासायनिक अध्ययन

2. मानव सर्पिल गैंग्लियन में आयु संबंधित रूपात्मक और तंत्रिका रासायनिक परिवर्तन
3. प्री-एक्लेम्पसिया में सिस्टेथिओन बीटा सिंथेज़ जीन पॉलीमॉर्फिज्म्स के संबंध का अध्ययन
4. मानव मध्य मस्तिष्क धमनी की संरचनात्मक भिन्नताएं
5. भारत में प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (एमडीडी) प्रबंधन के लिए वाईबीएलआई का एक ट्रांसलेशनल यादृच्छिक परीक्षण और इसके साथ जुड़े सेलुलर एजिंग बायोमार्कर का विश्लेषण
6. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रसार और प्री-एक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव
7. चूहों में आर्सेनिक ट्राईऑक्साइड प्रेरित हृदय विषाक्तता पर रेस्वेराट्रॉल का प्रभाव
8. प्रमुख श्रवण मार्ग में मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक के एपिजेनेटिक नियमन और जन्मपूर्व ध्वनि उत्तेजना के संपर्क में आने वाले नवजात शिशुओं की हिप्पोकैम्पस
9. प्रीएक्लेम्प्टिक प्लेसेंटा के शीघ्र और विलंबित ऑनसेट के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उच्च गतिशीलता समूह बॉक्स 1 (एचएमजीबी1) और उन्नत ग्लाइकेशन अंत उत्पादों (रेज) रिसेप्टर का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण
10. विकासशील कोक्लियर नाभिक का आकृति विज्ञानी अध्ययन
11. एजिंग ह्यूमन इनफीरियर कोलिकुलस में परवलबुमिन और कैलबिंडिन की भावाकृति का अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. महाधमनी के एंडोवस्कुलर ऑक्लूजन के लिए आयोर्टोप्लास्टी बलून कैथेटर की व्यवहार्यता की जाँच, शल्य चिकित्सा
2. नवाचार और ट्रांसलेशनल अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए सहयोगात्मक न्यूरोइन्जिनियरिंग मंच; तंत्रिका शल्य चिकित्सा; सीएसई-आईआईटी-डी
3. बांझपन, एनाटॉमी में साइटोजेनेटिक और आणविक विश्लेषण; शरीर-रचना-विज्ञान, एम्स, रायपुर
4. सुपर रिज़ॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए प्रकाशिक रूप से सक्रिय नैनोकणों के इंट्रासेल्युलर आवागमन के यांत्रिकीय आधार का रहस्य खोलना, जैव प्रौद्योगिकी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
5. प्रक्रिया-आधारित न्यूरोएंडोस्कोपिक सिमुलेशन मॉड्यूल का विकास और उन्नत न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए इंटरैक्टिव ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के साथ उनका एकीकरण; न्यूरोसर्जरी सीएसई-आईआईटी-डी
6. न्यूनतम इनवेसिव वेंट्रिकुलर, स्कल बेस और स्पाइन न्यूरोसर्जरी के लिए इलेक्ट्रो-मैकेनिकल आंशिक टास्क ट्रेनर्स का विकास और सत्यापन तथा न्यूरोएंडोस्कोपिक कौशलों का जड़त्वीय/ हैप्टिक सेंसर-आधारित उद्देश्यपरक मूल्यांकन; तंत्रिका शल्य चिकित्सा; सीएसई-आईआईटी-डी
7. फाइब्रोमाएल्जिया के रोगियों में दर्द नियमन स्थिति पर ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव; शरीर-क्रिया-विज्ञान

8. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा रोगियों के रक्त, जलीय और त्रिकुटी जालिका में इनफ्लेमेटरी मार्करों पर योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव और जीन भावाकृति प्रोफाइल: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
9. ग्लूकोमा के रोगियों में इंट्रा ओकुलर प्रेशर, जीवन की गुणवत्ता, शोथ-मार्करों और जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल पर योग-आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
10. प्रारंभिक और उन्नत ग्लूकोमा में इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक परिवर्तन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
11. उन्नत प्राथमिक ओपन एंगल मोतियाबिंद से ग्रसित रोगियों में माइंडफुलनेस आधारित तनाव न्यूनीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
12. अल्कोहल और नशीली दवाओं पर निर्भरता की आनुवंशिकी, मनोरोग विभाग
13. एंगल क्लोज़र मोतियाबिंद की आनुवंशिकी, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
14. मेन2 सिंड्रोम की आनुवंशिकी, अंत:स्राविकी
15. फाइब्रोमाइल्जिया का जेनेटिक अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
16. हाइपोफॉस्फेटमिक रिकेट्स का आनुवंशिक अध्ययन, बाल चिकित्सा
17. कार्डियोमायोपैथी का आनुवंशिक अध्ययन, हृदय विज्ञान
18. मोटापा और डीएम में लघु और दीर्घकालिक योग आधारित हस्तक्षेप के बाद तनाव, सूजन और सेलुलर एजिंग का पता लगाने के लिए जीनोम वाइड विश्लेषण, शरीर क्रिया विज्ञान
19. भारत की विविध जातीय जनसमूहों में हृदय रोगों से जुड़े नवीन आनुवंशिक रूपों की पहचान और लक्षण वर्णन, हृदय विज्ञान
20. शुक्राणु एपिजीनोम पर उच्च पैतृक आयु और प्रतिकूल जीवनशैली का प्रभाव: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार की संभावित एटियोलॉजी, बाल रोग विभाग
21. ट्रेबेकुलेक्टोमी परिणामों पर प्रीऑपरेटिव स्टेरॉयड का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
22. मोटापे में अल्पकालिक योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीर-क्रिया-विज्ञान
23. रुमेटाइड गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव, काय चिकित्सा
24. एमडीडी-आरसीटी पर वाईबीएलआई का प्रभाव, मनोचिकित्सा
25. आईवीएफ कराने वाली पीसीओ पीड़ित महिलाओं के कूपिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्करों का स्तर और परिणाम के साथ इसका संबंध, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
26. बचपन के कैंसर में शुक्राणु डीएनए अखंडता की हानि, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
27. प्राथमिक हाइपर-पेराथायरायडिज्म, अग्नाशय के ट्यूमर और पिट्यूटरी ट्यूमर के रोगियों में मेन1 जीन उत्परिवर्तन और इसके नैदानिक प्रभाव, अंत:स्राविकी
28. मध्य फोसा और रेट्रोसिग्मॉइड हियरिंग प्रिजर्वेशन स्कल बेस एप्रोच के माध्यम से आंतरिक ध्वनिक कैनल के ऑपरेटिव एक्सपोज़र की माइक्रोसर्जिकल तुलना - प्रयोगशाला अन्वेषण, तंत्रिका शल्य चिकित्सा

29. गोनाडल डिसजनेसिस और 46, एक्सवाई कर्योटाइप से ग्रसित रोगियों में सात जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स**9**, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का म्यूटेशन विश्लेषण, अंत:स्राविकी
30. जन्मजात विकृति वाले भ्रूण को धारण करने वाले जोड़ों और सामान्य गर्भ धारण करने वाले जोड़ों के एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव मूल्यांकन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
31. पीसीजी के रोगजनन में ऑक्सीडेटिव तनाव, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
32. इंट्रावैसल इंजेक्शन पुरूष गर्भनिरोधक के साथ चरण-**III** नैदानिक परीक्षण-आरआईएसयूजी, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग
33. दूर पार्श्व पहुंच का मात्रात्मक विश्लेषण, तंत्रिका शल्य चिकित्सा
34. रेटिनोब्लास्टोमा: जेनेटिक और आणविक अध्ययन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
35. बांझपन के प्रबंधन में अश्वगंधा की भूमिका- आयुर्वेद केन्द्र, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय
36. ऑपरेशनल रिसर्च न्यूरोसर्जरी स्किल ट्रेनिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय संस्थानों को सहायता; तंत्रिका शल्य चिकित्सा, डीएचआर, आईसीएमआर; सीएसई-आईआईटी-डी; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
37. अस्थमा में वाईकेएल40 का स्तर, जैव भौतिकी
38. योग और ग्लूकोमा में क्यूओएल पर इसका प्रभाव, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र

पूर्ण

1. इंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण के लिए 3डी/ स्टीरियोस्कोपी आधारित वर्चुअल रियलिटी सिमुलेशन प्लेटफॉर्म का विकास और प्री-ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल प्लानिंग, न्यूरोसर्जरी; सीएसई-आईआईटी-डी
2. जन्मजात मोतियाबिंद का आनुवंशिक अध्ययन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
3. एलएचओएन का आनुवंशिक अध्ययन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
4. 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा के साथ न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा और आर्काइवल, स्ट्रीमिंग एवं टेलीकांफ्रेंसिंग के लिए सेंट्रल रिपोजिटरी सर्वर; तंत्रिका शल्य चिकित्सा; सीएसई-आईआईटी-डी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: **33** सार: **17** पुस्तकों में अध्याय: **7**

रोगी उपचार

शव संलेपन

परिवहन के लिए: **605** शिक्षण/ अनुसंधान के लिए: **29**

जेनेटिक डायग्नोस्टिक एंड काउंसलिंग सर्विसेज

कैरियोटाइपिंग/ साइटोजेनेटिक विश्लेषण: **439 + 720 = 1159** रोगी

आणविक जांच

वाईक्यू माइक्रोस्केलिटन विश्लेषण: **102** मामले   आरओएस आकलन: **680** मामले

डीएफआई: **73** मामले   कोरोइडल मेलानोमा: **17** मामले

विविध उत्परिवर्तनों का पता लगाना: **36** मामले

क्लिनिकल इकोटॉक्सीकोलॉजी (नैदानिक और अनुसंधान) सुविधा

रक्त/ मूत्र में भारी धातुओं/ विषाक्त तत्वों/ सूक्ष्म पोषक तत्वों के लिए नैदानिक सेवाएं: **2000** परीक्षण

फ्लोरोसिस डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला: फ्लोराइड अनुमान

रोगियों की कुल संख्या: **30**   नमूनों की कुल संख्या: **99**

मूत्र: **32**   रक्त/ सीरम: **28**   पीने का पानी: **39**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और विभिन्न मंचों पर अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। कई छात्रों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते। इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसिज से "आचार्य एसएस परमार रिसर्च फाउंडेशन" पुरस्कार सुश्री शुभी सैनी को प्रदान किया गया, साईजीनोम रिसर्च फाउंडेशन से 'ज्ञान छात्रवृत्ति' श्रीमती बिनता मारिक को प्राप्त हुई, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन द्वारा 'कॉर्पोरेट मेंबर काउंसिल इन-ट्रेनिंग' पुरस्कार से डॉ. विधु धवन को सम्मानित किया गया और सुश्री सुरभि गौतम को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिरक्षा सोसायटी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ़ एनाटोमिस्ट अवार्ड्स से डॉ. संकट मोचन, श्री सुनील कुमार गुप्ता और डॉ. पल्लवी अरोड़ा को सम्मानित किया गया। सुश्री सुरभि गौतम ने द्वितीय राष्ट्रीय बायोमेडिकल रिसर्च प्रतियोगिता (एनबीआरकॉम 2019), योग अनुसंधान पर आईएवाईटी संगोष्ठी 2019, दि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ योग थेरेपिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन और आईसीएनपीएचएच-2020 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किए। सुश्री प्रियम कुमारी को अमेरिकन पैनक्रियाटिक एसोसिएशन (एपीए) से युवा अन्वेषक का पुरस्कार मिला और डॉ. सौम्या अग्रवाल को एपीडीडब्ल्यू का छात्र अनुदान मिला। लालोर फाउंडेशन और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एंड्रोलॉजी (एएसए), आईसीएमआर, डीएसटी, इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन (आईपीएनए), अमेरिकन पैन्क्रियाटिक एसोसिएशन (एपीए), एशिया पैसिफिक डाइजेस्टिव वीक (एपीडीडब्ल्यू-2019) और जापान डाइजेस्टिव डिजीज वीक (जेडीडीडब्ल्यू 2019) जैसी बाहरी वित्तपोषण एजेंसियों से यात्रा अनुदान डॉ. विधु धवन, सुश्री सुरभि गौतम, सुश्री बिनता मारिक, कुमारी प्रियम और श्री मनीष कुमार शर्मा द्वारा प्राप्त किया गया। एम्स, नई दिल्ली एंडोमेंट फंड ट्रैवल ग्रांट, डॉ. पल्लवी अरोड़ा को, ऑरलैंडो, अमेरिका में प्रायोगिक जीवविज्ञान सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रदान किया गया और वेनिस, इटली में **18**वीं आईपीएनए कांग्रेस के लिए सुश्री बिनता मारिक को एम्स आंशिक यात्रा एंडॉउमेंट प्रदान किया गया। सुश्री सुरभि गौतम ने संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टॉकब्रिज में आयोजित 2019 आईएवाईटी संगोष्ठी में 'एक्सिलेंस एंड इनोवेशन इन योगा रिसर्च' पुरस्कार

भी प्राप्त किया, इसके अलावा अल्बानी, यूएसए में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ योग थैरेपिस्ट के वार्षिक सम्मेलन और नई दिल्ली में आईसीएनपीएचएच-2020 में भी उन्होंने हिस्सा लिया।

प्रो. टी एस रॉय वर्तमान में 'मेडिसिन' पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं और 'पेनक्रियास' पत्रिका के सह संपादक के साथ-साथ 'जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एंड क्लिनिकल मेडिसिन' के भी सह संपादक हैं। उन्होंने जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में एमएससी न्यूरोसाइंस प्रोग्राम के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। उन्होंने पीएचडी सुधार समिति, स्टाफ काउंसिल, डीन कमेटी, सेंट्रलाइज्ड कोर रिसर्च फैसिलिटी (सीसीआरएफ) और एम्स की एंटी-रैगिंग कमेटी के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर (एनबीआरसी), मानेसर में पीएचडी कोर्स के लिए विस्तृत मौखिक परीक्षा संचालित की और वे इसमें पेपर सेटर भी थे। डॉ. रॉय ने एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर न्यूरोसाइकोलॉजी एंड न्यूरोसाइंसेस, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा के बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में भाग लिया और गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, ग्रेटर नोएडा में "सीएमई कम अवेयरनेस प्रोग्राम ऑन बॉडी एंड ऑर्गन डोनेशन-लिव बियॉन्ड लाइफ" पर संगोष्ठी में भी भाग लिया। डॉ. रॉय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार और ज़ूलॉजीकल सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पेंगुइन के विशेष संदर्भ में आयोजित 'वर्कशॉप इन सोशल नेटवर्क ऑफ़ एनिमल्स इन एक्स्ट्रीम एन्वायरमेंट्स' के लिए रिसोर्स पर्सन भी रहे। वह दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एमडी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थे। वह निम्नलिखित कॉलेजों/ विश्वविद्यालयों के लिए भी एमबीबीएस बाहरी परीक्षक थे: उत्तर डीएमसी मेडिकल कॉलेज और हिंदू राव अस्पताल, मलका गंज, दिल्ली; गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान स्वास्थ्य विश्वविद्यालय। डॉ. रॉय, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस (आईएएन 2019) की 37वीं वार्षिक बैठक "न्यूरॉन टू बिहेवियर" और एसोसिएशन ऑफ जेरोन्टोलॉजी (भारत) एजीआई के उन्नीसवें द्विवार्षिक सम्मेलन तथा एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 'एमर्जिंग सीनेरियो ऑफ पॉपुलेशन एजिंग' की बहु-विषयी कार्यशालाओं के सह-आयोजक थे। उन्होंने 'बीके बच्छावत मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' वार्ता की अध्यक्षता की और आईएएन सम्मेलन के दौरान आयोजित 'स्कूल चिल्ड्रन साइंस इंटरेक्शन मीट' सत्र के लिए एक पैनलिस्ट थे। उन्होंने एसोसिएशन ऑफ जेरोन्टोलॉजी, इंडिया के 19वें द्विवार्षिक सम्मेलन में बायोजेरॉन्टोलॉजी में एमएस कानूनगो लाइफटाइम अचीवमेंट ओरेशन की अध्यक्षता की। एम्स, नई दिल्ली में निम्नलिखित जिम्मेदारियां संभालते हैं: आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत प्रकटीकरण के लिए एनाटॉमी विभाग के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ); स्टोर परचेज कमेटी (एसपीसी, डीओ) के अध्यक्ष; एमबीबीएस प्रीक्लीनिकल पाठ्यक्रम समिति और संस्थान सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष। वह दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के लिए एम्स प्रतिनिधि के चुनाव के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी थे। उन्होंने संस्थान में विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और कल्याण गतिविधियों के सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से भाग लिया है और 'संस्थान दिवस' तथा 'एसवाईएस दिवस' जैसे कई कार्यक्रम उनके नेतृत्व में वर्ष 2019-20 के दौरान आयोजित किए गए। उन्होंने निम्नलिखित संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए संकाय चयन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है: एम्स नई दिल्ली, एम्स जोधपुर, एम्स

भुवनेश्वर, एम्स ऋषिकेश, एम्स, रायपुर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, पंजाब सरकार के अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा विभाग और कटक, उड़ीसा में स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय, बिद्याधरपुर।

प्रो. ए. शरीफ ने अगस्त 2019 में क्लिनिकल इकोटॉक्सीकोलॉजी (नैदानिक और अनुसंधान) सुविधा की स्थापना की, और तब से कायचिकित्सा, संवेदनाहरण विज्ञान, आईसीयू, तंत्रिका विज्ञान, अंत:स्राविकी, स्त्रीरोग विज्ञान, जठरांत्र रोग विज्ञान, त्वचाविज्ञान, ईएनटी, अस्थिरोग विज्ञान, मूत्रविज्ञान, ऑर्थोडॉन्टिक्स, जरा चिकित्सा, पैडोडोंटिक्स आदि सहित विभिन्न नैदानिक विभागों से रोगियों में विष और सूक्ष्म पोषक का पता लगाने के लिए उन्हें यहां भेजा जा रहा है। उन्होंने भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित परियोजना के तहत, नवादा, बिहार में सामुदायिक-आधारित डी-फ्लूरोडेशन इकाइयों का भी उद्घाटन किया। इकोनॉमिक टाइम्स अखबार द्वारा प्रकाशित एक संदर्भ पुस्तक - "सेलिब्रेटिंग दि चैंपियंस ऑफ डिजिटल हैल्थ इंटेलिजेस" में डॉ. शरीफ को भारतीय हेल्थकेयर के क्षेत्र में एक प्रॉमिसिंग टेक गुरु के रूप में चित्रित किया गया। वर्तमान में उनके पास एम्स, नई दिल्ली में निम्नलिखित पदनाम और पोर्टफोलियो हैं: प्रभारी आचार्य, कंप्यूटर सुविधा; अध्यक्ष, टेलीमेडिसिन सुविधा; भण्डार खरीद समिति (एसपीसी) के अध्यक्ष, सीडीईआर; सदस्य, विभागीय पदोन्नति समितियां; सदस्य, नई ओपीडी की परियोजना निगरानी समिति; एम्स के पुनर्विकास के लिए कोर समिति के सदस्य; शिष्ट आचार समिति के सदस्य; एफएआईएमएस के चुनाव आयोग के सदस्य; सीसीटीवी समिति के अध्यक्ष और सीयूजी मोबाइल टेलीफोनी सेवा प्रणाली के लिए तकनीकी विनिर्देश के अध्यक्ष। उन्होंने भारत के कई राज्यों में एम्स जैसे विभिन्न संस्थानों के लिए चयन समितियों के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में काम किया है जैसे कि - एम्स, कल्याणी, भुवनेश्वर; एम्स, जोधपुर; एम्स, पटना और एम्स, भोपाल। डॉ. शरीफ ने डीएचआर-आईसीएमआर एआई सेल, नई दिल्ली के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य और परियोजना समीक्षा और संचालन समूह (पीआरएसजी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य के रूप में भी काम किया। उन्हें अप्रैल में आईएलबीएस, नई दिल्ली में सूचना प्रौद्योगिकी महाप्रबंधक के चयन के लिए और जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. पुष्पा धर ने मार्च 2020 में एम्स, नई दिल्ली में संकाय सदस्य के रूप में अपना अंतिम वर्ष पूरा किया। वह एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस के 37वें वार्षिक सम्मेलन की प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप में विशेषज्ञ संकाय-सदस्य थीं। उन्होंने संस्थान में यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान संबंधी समिति की सदस्य के रूप में कार्य किया। वह दिल्ली के हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर) में एमएससी और एमडी (शरीर रचना विज्ञान) के लिए अध्ययन बोर्ड की सदस्य थीं।

प्रो. एस बी रे ने जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में तंत्रिका विज्ञान कार्यक्रम में एमएससी के लिए अतिथि संकाय के रूप में एक व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। वह एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस के 37वें वार्षिक सम्मेलन में रिसोर्स फैकल्टी थीं। वह निम्नलिखित परीक्षाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में शरीर-रचना-विज्ञान में बाहरी परीक्षक थीं: जून 2019 में आयोजित बीपीटी भाग I परीक्षा; जुलाई 2019 में आयोजित एमबीबीएस पहली व्यावसायिक परीक्षा।

प्रो. रीमा दादा ने आईएसएसआरएफ की 30वीं वार्षिक बैठक में और प्रजनन स्वास्थ्य पर विश्व कांग्रेस में डॉ. लभसेतवर व्याख्यान दिया और भारत की एनाटोमीकल सोसायटी के 67वें राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. सुखबीर प्रसाद जैन मेमोरियल व्याख्यान दिया। उन्हें और उनकी टीम को राष्ट्रीय स्तर पर 5 पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 4 पुरस्कार मिले। उन्होंने 12 सम्मेलनों और एसआईजी कार्यशालाओं में सत्रों की अध्यक्षता की। डॉ. दादा को विज्ञान भारती, भारत सरकार द्वारा आयोजित विज्ञान और योग संबंधी कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ नियुक्त किया गया था। उन्हें एनबीई प्रत्यायन मूल्यांकन कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्हें केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी और सुरेखा विश्व सदन, साईं विश्राम सदन और राजगढ़िया विश्राम सदन का सदस्य सचिव नामित किया गया। डॉ. दादा, वर्तमान में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन, मान्यता और अकादमिक ऑडिट के लिए एमसीआई प्रत्यायन परिषद की सदस्या हैं। उन्हें 'एनल्स ऑफ न्यूरोसाइंस' पत्रिका के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया और निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक/ बोर्ड के सदस्य के रूप में उन्होंने कार्य किया: रेस्टोरेटिव न्यूरोलॉजी और न्यूरो-रेस्टोरेशन, इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन, ट्रांसलेशनल जेनेटिक्स और जीनोमिक्स टेलोमेयर और टेलोमेरेस, पीएलओ वन, आरबीएम ऑनलाइन और कई अन्य पत्रिकाएं। प्रो. रीमा को स्कूलों और कॉलेजों में जेनेटिक्स पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए एनसीईआरटी द्वारा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। वह मेडिकल रिसर्च काउंसिल फेलोशिप, एडिनबरा के लिए जूरी सदस्य और प्रजनन बायोमेडिसिन एवं स्टेम सेल, ईरान में रॉयल इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड के लिए जूरी सदस्य बनी हुई हैं। वह पुरूष बांझपन पर आईसीएमआर टास्क फोर्स की सदस्य हैं। उन्होंने डीबीटी, आईसीएमआर, इंडो-यूएस टेक्नोलॉजी फोरम और वेलकम ट्रस्ट के समक्ष प्रस्तुत परियोजनाओं की समीक्षा की। डॉ. दादा ने, उन्नत शोध के लिए केंद्र स्थापित किए जाने के संबंध में आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति की बैठक के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्हें आईआईटी, दिल्ली में पीएचडी चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने जेनेटिक्स में 4 एमडी और 7 पीएचडी शोधग्रंथों का मूल्यांकन किया है और वह अंबेडकर सेंटर तथा साउथ कैंपस में जेनेटिक्स में पीएचडी थीसिस के लिए बाहरी परीक्षक रहीं। वह रोहतक के पंडित बीडी शर्मा विश्वविद्यालय में बीएससी जेनेटिक्स की परीक्षक बनीं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में निम्नलिखित समितियों में सदस्य के रूप में कार्य किया: एम्स दीक्षांत समारोह के लिए कोर कमेटी, डीएमए पदक के चयन संबंधी समिति, एंटी-रैगिंग कमेटी, पाठ्यचर्या समिति, रीकॉम्बिनेंट डीएनए अनुसंधान संबंधी संस्थान जैव-सुरक्षा समिति और स्वायत्त संस्थानों में अनुसंधान गतिविधियों के मानकों के सुधार संबंधी संस्थान समिति। वह छात्र संघ चुनाव के लिए चुनाव आयुक्त बनीं। डॉ. रीमा दादा एमडीएनआईवाई, एचआईएमएस, नई दिल्ली और दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज, देशबंधु कॉलेज, नई दिल्ली के लिए बाहरी संकाय सदस्य हैं। उनके लेख कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अखबारों में छपे और वह डीएसटी द्वारा निर्मित एक वृत्तचित्र में योग के रूप में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए भी प्रस्तुत हुईं। वह कई बार टीवी कार्यक्रमों में शामिल हुईं जैसे कि - टोटल हैल्थ, दूरदर्शन, विज्ञान प्रसार, राज्यसभा टीवी और इंडिया साइंस ऐप। अग्रणी एंड्रोलॉजी पत्रिका ‘एंड्रोलॉजिया’ में ‘आरंभिक गर्भावस्था क्षति में पैतृक कारक’ शीर्षक से प्रकाशित उनका लेख, 2019 में सबसे अधिक डाउनलोड किया जाने वाला लेख था।

प्रो. अरुंधति शर्मा ने कई पीएचडी शोधग्रंथों के लिए समीक्षक के रूप में काम किया और जीएनडीयू, अमृतसर में पीएचडी थीसिस के लिए बाहरी परीक्षक रहीं। उन्होंने कई पत्रिकाओं में संभावित प्रकाशन के लिए कई पांडुलिपियों की समीक्षा की है और विभिन्न बाहरी वित्तपोषण एजेंसियों के कई परियोजना प्रस्तावों की भी समीक्षा की है। वह भारत सरकार के 'स्किल इंडिया इनीशिएटिव' की सदस्य हैं।

प्रो. रेणु ढींगरा वर्तमान में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लास्टिनेशन की सदस्य, डीएएसएमओएस (डास्मोस) की कार्यकारी सदस्य, वर्चुअल टीचिंग संबंधी शैक्षणिक सलाहकार पैनल की सदस्य और एम्स, नई दिल्ली में टीचिंग शेड्यूल कमेटी की सदस्य हैं। वह डिपार्टमेंटल स्टोर्स की प्रभारी संकाय के रूप में नामित है। डॉ. ढींगरा को विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने आईसीएमआर से प्राप्त परियोजनाओं, अन्य मेडिकल कॉलेजों से प्राप्त स्नातकोत्तर शोधग्रंथों और अनेक पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत शोधपत्रों की समीक्षा की। उन्होंने कैडेवर तैयार करने के लिए हल्के संलेपन और डाई इंजेक्शन में सहयोग प्रदान किया और एम्स में विभिन्न कैडैवरिक कार्यशालाओं में संसाधन संकाय के रूप में भाग लिया, जैसे कि: एसीएस (I) कॉन (फिलर्स और बोटोक्स के लिए कैडेवरिक विच्छेदन पाठ्यक्रम), स्किन ग्राफ्ट और फ्लैप के लिए कैडवेरिक विच्छेदन पाठ्यक्रम, कैडवेरिक अल्ट्रासाउंड-गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया वर्कशॉप और इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ फिजिकल थेरेपी (आईएनसीपीटी-2019) में सम्मेलन पश्चात कार्यशाला। उन्होंने एमबीबीएस 2019-20 बैच के लिए द्वितीय सेमेस्टर शिक्षण प्रभारी के रूप में कोविड-19 महामारी की स्थिति में ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, निर्देशन और समन्वय किया।

प्रो. टी सी नाग को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया की फैलोशिप से सम्मानित किया गया। उन्हें एक मुख्य व्याख्यान (चिकित्सा विज्ञान के तहत) के लिए नामित किया गया और हैदराबाद में आयोजित 12वें एशिया-प्रशांत माइक्रोस्कोपी सम्मेलन में राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में उन्होंने कार्य किया। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस (आईएएन) की 37वीं वार्षिक बैठक में कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया, जहाँ उन्होंने 'प्लास्टिसिटी इन डेवलपिंग न्यूरल सर्किट' विषय पर एक विशेष संगोष्ठी सत्र की अभिकल्पना, आयोजन और अध्यक्षता की। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और संबद्ध विश्लेषणात्मक तकनीकों (ईएमएएटी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दो सत्रों की अध्यक्षता की। उन्होंने निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए कुल 14 पांडुलिपियों की समीक्षा की: एजिंग एंड डिजीज, एनाटोमिकल रिकॉर्ड, आर्काइव्स फॉर फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री, बायोफैक्टर, एक्सपेरिमेंटल आई रिसर्च, जर्नल ऑफ माइक्रोस्कोपी एंड अल्ट्रास्ट्रक्चर, बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथेरेपी, जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस रिसर्च, माइक्रोस्कोपी रिसर्च और तकनीक, फार्मास्युटिकल बायोलॉजी और रेडॉक्स बायोलॉजी। उन्होंने इस दौरान दो पीएचडी शोधग्रंथों की भी जांच की। एक एमबीबीएस छात्र को आईसीएमआर एसटीएस फेलोशिप से सम्मानित किया गया और उस छात्र ने उनके मार्गदर्शन में काम किया।

प्रो. रितु सहगल ने 'मेडिसिन' पत्रिका के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यशाला-सह-बैठक में भाग लिया और वर्तमान में वे ई-लर्निंग संसाधन सामग्री (ईएलआरएम) विशेषज्ञ समूह की सदस्य है जो ई-

लर्निंग संसाधन और एमबीबीएस छात्रों के लिए दक्षता आधारित चिकित्सा शिक्षा के विकास का विशेषज्ञ समूह है। वह आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत एनाटॉमी विभाग के लिए केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में पदनामित की गई हैं। उन्होंने सितंबर 2019 में आयोजित 64वें संस्थान दिवस के लिए प्रदर्शनी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया और फरवरी 2020 में आयोजित एम्स स्टूडेंट्स यूनियन निर्वाचन की सलाहकार परिषद में एक विशेष आमंत्रित सदस्य रहीं। वह एचआईएमएसआर, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में नियमित और सप्लीमेंटरी एनाटॉमी फर्स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक और पेपर सेटर रहीं तथा एमबीबीएस, बीएससी (एमटीआर) और दो नए बीएससी डेंटल कोर्स (डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंस और डेंटल हाइजीन) के प्रथम वर्ष के लिए नियमित एवं पूरक एनाटॉमी फर्स्ट प्रोफेशनल परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक भी रहीं।

डॉ. सरोज कलेर झाझरिया एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 67वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र में अध्यक्ष रहीं। उन्हें इस सम्मेलन के दौरान जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया में प्रकाशित शोधपत्रों के लिए डॉ. पीसी बंसल मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। उन्होंने निम्नलिखित निकायों में सदस्य के रूप में कार्य किया: इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी), इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस और एम्स टीचिंग शेड्यूल कमेटी। उन्होंने विभिन्न पत्रिकाओं में प्रस्तुत शोधपत्रों की समीक्षा की है। उन्होंने एम्स, मंगलागिरी में एनाटॉमी फर्स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में काम किया। वह 'अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट' सीयूएसए कार्यशाला और संगोष्ठी के लिए विशेषज्ञ संकाय रहीं। वह एम्स, नई दिल्ली में इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस की 37वीं वार्षिक बैठक के लिए प्रबंधन समिति की सदस्य भी रहीं।

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब ने नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया की कार्य समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने प्रश्न बैंक विकसित करने के लिए बनाई गई एमसीआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के विशेषज्ञ समूह की कार्यशाला और परामर्शी बैठक में भाग लिया और वर्तमान में वे, विदेशी मेडिकल स्नातक, एमसीआई/एनएमसी सहित एमबीबीएस छात्रों के लिए ई-लर्निंग संसाधन सामग्री के विकास के लिए गठित विशेषज्ञ समूह के सदस्य हैं। वह अगस्त 2019 में प्रायोगिक एनीमल वेल्फेयर समिति के विशेष आमंत्रित रहे। वह वर्ष 2020 के लिए एम्स छात्र संघ चुनावों की सलाहकार परिषद के विशेष आमंत्रित सदस्य भी थे। श्री टोनी ने, एम्स, नई दिल्ली में प्रायोगिक पशु कल्याण समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया और कोविड-19 महामारी के दौरान रोगियों के प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के प्रशिक्षण, परामर्श और समन्वय संबंधी समिति के सदस्य सचिव भी रहे। उन्होंने 2019 में आयोजित चार और 2020 में आयोजित एक प्री-मेडिकल और स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा में एम्स का प्रतिनिधित्व किया है। वह राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए प्रश्न बैंक को तैयार करने और सत्यापन कार्य में शामिल रहे। वह दिल्ली विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा संचालित एनाटॉमी फर्स्ट प्रोफेशनल परीक्षाओं के बाहरी परीक्षक भी बनाए गए। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय (नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया) और अंतर्राष्ट्रीय (सर्जिकल एंड रेडियोलॉजिकल एनाटॉमी,

मेडिसिन, केमिकल न्यूरोएनाटॉमी जर्नल, जर्नल ऑफ माइक्रोस्कोपी एंड अल्ट्रास्ट्रक्चर, अग्नाशय विज्ञान) पत्रिकाओं के लिए शोधपत्रों की समीक्षा की।

डॉ. नीरजा रानी को जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एमएससी न्यूरोसाइंस कोर्स के लिए विजिटिंग फैकल्टी नियुक्त किया गया। उन्हें परियोजना कार्य का मूल्यांकन करने और जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एमएससी न्यूरोसाइंस के चौथे सेमेस्टर के छात्रों से संबंधित परियोजनाओं की मौखिक परीक्षा के संचालन के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी नियुक्त किया गया। उन्होंने, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कत्तनकुलाथुर, तमिलनाडु से संबंधित पीएचडी शोधग्रंथों का मूल्यांकन किया और पीएचडी थीसिस के लिए बाहरी परीक्षक भी रहे। उन्होंने एचआईएमएसआर, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में नियमित और पूरक एनाटॉमी फर्स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक और पेपर सेटर के रूप में काम किया और पीजीआईएमएस रोहतक में बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष एनाटॉमी वार्षिक परीक्षा के लिए पेपर-सेटर के रूप में दायित्व निभाया। डॉ. नीरजा ने एनाटोमिकल सोसायटी ऑफ़ इंडिया के 67वें राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएटी सम्मेलन) में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस की 37वीं वार्षिक बैठक के लिए सचिव के रूप में भी काम किया। वह विभिन्न कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के लिए संसाधन संकाय रहीं, जैसे कि - सर्जिकल डिसिप्लिन्स, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हैंड्स-ऑन कैडवरिक कार्यशाला; अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट सीयूएसए संबंधी कॉम्प्रिहेंसिव सिंपोजियम। उन्होंने हिस्टोलॉजी और हिस्टोपैथोलॉजी जर्नल के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की।

डॉ. सीमा सिंह ने दो नए बीएससी दंतचिकित्सा पाठ्यक्रमों (डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंस और डेंटल हाइजीन) के लिए एनाटॉमी कक्षाएं आयोजित करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया। उन्हें आगामी एम्स (एचआईटीईएस) के लिए प्री-बिड बैठकों में भाग लेने के लिए नामित किया गया। डॉ. सीमा ने निम्नलिखित सम्मेलनों में भाग लिया और योगदान दिया: इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस (आईएएन-2019) का सैंतीसवां वार्षिक सम्मेलन, अल्ट्रासाउंड फॉर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट सीयूएसए संबंधी कॉम्प्रिहेंसिव सिंपोजियम और भौतिक चिकित्सा का **8**वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनसीपीटी-2019)।

डॉ. सुभाष चंद्र यादव ने कैलिफोर्निया के स्टैनफर्ड विश्वविद्यालय में क्रायो-इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी पर काम करने के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग से छह महीने की "दीर्घकालिक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान फैलोशिप" प्राप्त की। वह हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और संबद्ध विश्लेषणात्मक तकनीकों (ईएमएएटी) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के लिए संचालक भी रहे।

आगंतुक विज्ञानी

कीथ क्रचर, न्यूरोसर्जरी विभाग, कॉलेज ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी, यूएसए ने 13 फरवरी 2020 को "दि फ्रूटफुल साइकिल ऑफ टैक्नोलॉजी एंड साइंस" विषय पर व्याख्यान दिया।

9.3. जैवरसायन

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुब्रता सिन्हा

आचार्य

एस.एस. चैहान | एम.आर. राजेश्वरी | पी.पी. चट्टोपाध्याय
कल्पना लूथरा | अल्पना शर्मा | कुंजंग चोस्डोल

अपर आचार्य

सुदीप सेन | अर्चना सिंह-I

सह-आचार्य

अर्चना सिंह-II | जयंत कुमार पी | सुभ्रादीप कर्माकर
अशोक शर्मा | प्रज्ञान आचार्य

सहायक आचार्य

रियाज अहमद मीर | राखी यादव
प्रमोद कुमार गौतम | सिद्धार्थ कुंडु

विशिष्टताएं

- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे कि डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, डीएचआर, डीआरडीओ, यूजीसी (एमओओसीएस), भारत-आस्ट्रियाई, भारत-दक्षिणी अफ्रीकी, वेलकम ट्रस्ट, आयुष मंत्रालय, और आंतरिक एम्स द्वारा वित्त पोषित 51 अनुसंधान परियोजनाएँ विभाग में चल रही है, जिनकी लागत 26.5 करोड़ रुपये है और इस वर्ष 3.2 करोड़ रुपये के 9 अनुसंधान पूर्ण किए गए।
- 52 विभागीय परियोजनाएं और 49 सहयोगी परियोजनाएं विभाग के विभिन्न संकायों के साथ चल रही हैं।
- सूचीबद्ध ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 53 अनुसंधान प्रकाशन और 9 निष्कर्ष प्रकाशित हुए
- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर संकाय सदस्यों द्वारा 38 आमंत्रित व्याख्यान दिए गए और संकाय सदस्यों/अनुसंधान छात्रों द्वारा 47 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए (मौखिक/पोस्टर)।
- संकाय सदस्यों और छात्रों को मौखिक प्रस्तुतियों के लिए विभिन्न पुरस्कार और अवार्ड के साथ-साथ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में यात्रा अनुदान प्राप्त हुए।
- विभाग में 12 एमएससी, 13 एमडी, 6 एसआर और 40 पंजीकृत पीएचडी छात्र कार्य कर रहे हैं।
- पाठ्यक्रम पढने वाले एमबीबीएस के लिए प्रैक्टिकल और एमडी और एमएससी छात्रों के लिए कोर्सवर्क का विस्तार किया गया और विभिन्न विषयों में अधिक एडवांस्ड कक्षाओं को जोड़ा गया जिसमें अनुसंधान में वर्तमान में हुई उन्नति भी शामिल है।

- विभाग ने 30 अप्रैल 2019 को वर्ल्ड इम्यूनोलोजी डे पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।
- विभाग रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है और कुल 15,298 नमूनों में विभिन्न जांच की।

शिक्षा

स्नातक

विभाग ने स्नातक शिक्षण पाठ्यक्रम में कुछ परिवर्तन किए जिनका उद्देश्य कौशल विकास करना और जैवरसायन विज्ञान में नए विकास के अनुसार ज्ञान को बनाए रखना था। शिक्षात्मक व्याख्यानों के संबंध में केस चर्चाएं और ग्लुकोज निगरानी और गर्भ जांच के लिए पीओसीटी पर प्रदर्शन प्रैक्टिकल की शुरूआत की गई ताकि सैद्धांत-प्रैक्टिकल के संबंध में सुधार किया जा सके। विद्यार्थियों के लिए रुटीन बायोकेमिकल एनालिस्ट (यूरिक एसिड और एचडीएल कोलेस्ट्रोल) के लिए किट आधारित प्रैक्टिकल शुरू किए गए ताकि प्रयोग में प्रचलित पारम्परिक और ओटोएनालाइजर के बीच अंतर को समझा जा सके। आणविक जीवविज्ञान में वर्तमान अनुप्रयोगों के संबंध में तकनीकों को भी पाठ्यक्रम में जोड़ा गया जैसे नियंत्रित पाचन और नियंत्रण स्थल मैपिंग।

स्नातकोत्तर

इनमें 12 एमएससी और 13 एमडी छात्र शामिल हैं। विभाग के पास 40 पीएचडी छात्र भी हैं। तीन डीएसटी महिला वैज्ञानिक हैं और तीन एन-पीडीएफ पोस्ट-डोक्टरल छात्रों के रूप काम कर रहे हैं। स्नातकोत्तर शिक्षण पाठ्यक्रम का आगे विस्तार किया गया और मोलिक्यूलर बायोलोजी और कैंसर बायोलोजी मोड्यूल को जोड़ा गया है। "क्लिनिकल केस चर्चा" में बदलाव किया गया है ताकि एमडी, एमएससी छात्रों और सीनियर रेजिडेंट्स के लिए विभिन्न शोध पत्रिकाओं से जटिल केस रिपोर्टों की चर्चा की जा सके।

कोर्स कोओर्डिनेटर के रूप में प्रोफेसर एम राजेश्वरी ने यूजीसी-एमएचआरडी के माध्यम से सूचना एवं प्रोद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत सफलतापूर्वक दो एसडबल्यूएवाईएम-एमओओसी कोर्स जुलाई-दिसम्बर 2019 में सफलतापूर्वक पूर्ण किए। ये दो कोर्स थेः 1. बायोमोलिक्युल्स: स्वास्थ्य और बीमारी में संरचना एवं कार्य, तथा 2. बायोकेमिस्ट्री में एनालिटिकल तकनीकें। प्रत्येक कोर्स में पंजीकृत छात्रों की संख्या प्रत्येक में 2000 और 1500 से अधिक थी।

पीएचडी छात्रों के लिए भी एक औपचारिक कोर्स कार्य शुरू किया गया है।

सीएमई/कार्याशालाएं/परिचर्चा/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित सम्मेलन

- 29 अप्रैल 2019 को वर्ल्ड इम्यूनोलोजी दिवस पर भारतीय इम्युनोलोजी सोसायटी के तत्वाधान में एक परिचर्चा विभाग द्वारा (प्रो. अल्पना शर्मा) द्वारा एम्स में आयोजित की गई।

दिए गए व्याख्यान

सुब्रता सिन्हाः 7	**श्याम एस चौहानः 2**	**एमआर राजेश्वरीः 4**
कल्पना लुथराः 3	**अल्पना शर्माः 6**	**कुंजंग चोस्डोलः 1**
अर्चना सिंह-I: 2	**सुभादीप कर्माकर: 2**	**अशोक शर्माः 5**
प्रज्ञान आचार्यः 1	**रियाज अहमद मीरः 1**	**प्रमोद कुमार गौतमः 1**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टरः 47 (निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किएः सुश्री अंजनी को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया: पोस्टर प्रस्तुति; श्री नितेश मिश्रा को प्रथम पुरस्कार: मौखिक प्रस्तुति; श्री नितेश मिश्रा को प्रथम पुरस्कार: मौखिक प्रस्तुति; डॉ. रोमशा कुमार को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया: पोस्टर प्रस्तुति; डॉ. निधि गुप्ता ने को प्रथम पुरस्कार: मौखिक प्रस्तुति; डॉ. शमीमा अख्तर को को द्वितीय पुरस्कार: पोस्टर प्रस्तुति; देवान्जन डे को दूसरा पुरस्कार मिला: मौखिक प्रस्तुति- "युवा वैज्ञानिकों की प्रस्तुति"; डॉ. अमरप्रीत कौर को पोस्टर में भाग लेने और प्रस्तुत करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार मिला; वादन्या श्रीवास्तव को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए सुत्त नाग पुरस्कार मिला; डॉ अर्चना सिंह को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया: मौखिक प्रस्तुति

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी परियोजनाएं

1. एक ग्लियल ट्यूमर मॉडल का प्रयोग करते हुए नियोप्लेसिया में हाइपोक्सिया प्रवृत्त विपरित फीनोटाइप को नियंत्रित करने में संगत नीतियां एवं चिकित्सीय प्रतिरोध, सुब्रता सिन्हा, डीएसटी, 5 वर्ष, 2017-18, 98 लाख रुपये
2. कार्यक्रम सहायताः नए उपचारात्मक और निदानात्मक विकास के लिए सीआरआईएसपीआर-द्वारा समर्थित प्रोद्योगिकियां, सुब्रता सिन्हा, डीबीटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 2.89 करोड़ रुपये
3. गले के कैंसर में में डाइपेप्टिडाइल पेप्टीडेज के कोसिकीय और इम्युनोमोड्यूलेटरी कार्य, एसएस चौहान, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2020, 35 लाख रुपये
4. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक रक्त कैंसर में सिस्टीन कैथेप्सिन्सः रोग लक्षण और उपचार में समस्याएं, एसएस चौहान, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये
5. मानव पित्ताशय कैंसर के प्रारंभिक निदान के लिए नोवेल ब्लड आधारित बायोमेकर की पहचान, एसएस चौहान, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2018-2021, 46.16 लाख रुपये
6. एमओओसी-स्वयम बोयोमोलिक्यूल्स, एमआर राजेश्वरी, एमएचआरडी, 6 माह, जनवरी-मई 2020, 7.2 लाख रुपये
7. एमओओसी-स्वयम एनालिटिकल तकनीकें, एमआर राजेश्वरी, एमएचआरडी, 1 वर्ष, 2018-2020, 13.5 लाख रुपये
8. एमओओसी-स्वयम रि-रन एनाली टेक, एमआर राजेश्वरी, एमएचआरडी, 6 माह, जनवरी-जून 2019, 1.2 लाख रुपये।
9. ब्रेन आयरन एक्युमुलेशन के साथ न्यूरोडिजनरेशनः आयरन बायोमार्कर और उपचारात्मक विकल्प, एमआर राजेश्वरी पीआईः आस्ट्रिया, बी मोजदेखर, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, भारत-आस्ट्रिया, डीएसटी-डबल्यूटीजेड के माध्यम से, 2 वर्ष, 2017-2019, 18.85 लाख रुपये
10. हेपाटोमा एनिमल माडल सिस्टम में एचएमजीबी 1 की अभिव्यक्ति पर ट्राइप्लेक्स फोर्मिंग ओलिगोन्यूक्लियोटाइड (टीएफओ) के कैंसर-रोधी प्रभाव का मापन, एमआर राजेश्वरी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 63.14 लाख रुपये

11. हाइपोक्सिया और स्टेमनेस के संदर्भ में नैनोपार्टिकल्स और कैंसर कोसिकाओं के बीच अंतःक्रिया और आक्रामक विशेषताएं, पी चट्टोपाध्याय, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 80 लाख रुपये
12. आरएनए को बांधने वाले प्रोटिन आईजीएफ2बीपी3, लोंग नोन-कोडिंग आरएनए लिंक-आरएनए और माइग्रेशन में उनके टारगेट और एपिथेटिकल कैंसर सेल लाइन के आक्रमण के बीच संबंध का पता लगाना, पी चट्टोपाध्याय, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 42 लाख रुपये
13. संक्रमित बच्चों से ट्राइमेरिक इम्यूनोजीन आधारित एचआईवी-1 सबटाइप-सी का जनरेशन और लक्षण, कल्पना लूथरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 1.60 करोड़ रुपये
14. एचआईवी-1 सबटाइप सी संक्रमित रोगियों से मोनोक्लोनल एंटीबोडीज के लक्षण और अलगाव, कल्पना लूथरा, डीबीटी, 3 वर्ष 2017-2020, 88 लाख रुपये
15. पुरानी पैंक्रियाटाइटिस के पैथोजेनेसिस में इम्यून पाथवेज का अध्ययन, कल्पना लूथरा, एम्स, 1 वर्ष, 2019-20, 5 लाख रुपये
16. रुधिरविज्ञान संबंधी असाध्य बीमारी में एक यूनानी हर्बल दवा की उपचारात्मक संभावना का अनावरण, अल्पना शर्मा, आयुष, 3 वर्ष, 2017-2020, 62.12 लाख रुपये
17. पुरुष जननांग के कैंसर के भारतीय रोगियों में व्याप्त ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी), अल्पना शर्मा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 25 लाख रुपये
18. डेंड्रिटिक कोसिकाओं के क्रियात्मक निर्धारकों की भूमिका और एनके सेल्स के साथ उनकी इम्यून क्रोस टाक को समझनाः पैंफिगस वलगारिस में संभावित उपचारात्मक टारगेट, अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2018-2021, 42.31 लाख रुपये
19. एंडोथैलिकल डाइसफंकशन में ट्रेग सेल्स और एमडीएससी की भूमिका की पहचान, अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 45.31 लाख रुपये
20. क्रोनिक माइलोजीनस ल्यूकोमिया में यूनानी चिकित्सा दवा इंट्रीफाल-ई-आफ्टिमून की कार्यपद्धति और कैंसर प्रतिरोधकता को समझना, अल्पना शर्मा, सीसीआरयूएम आयुष, 3 वर्ष, 2019-2022, 68.66 लाख रुपये
21. हाइपोक्सिया के अंतर्गत एफएटीआई और पी53 के बीच सिगनलिंग इंटरएक्शनः ट्यूमर फेनोटाइप पर उनके प्रभाव तथा ग्लियोमा में नोवेल टारगेट की पहचान, कुंजंग चोस्डोल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-19, 55.52 लाख रुपये
22. ग्लियोमा में एफएटीआई एक्सप्रेसन पर एनएफकेबी की क्रियात्मक भूमिका का अध्ययन, कुंजंग चोस्डोल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-19, 33.33 लाख रुपये
23. ग्लियोमा के डबल्यूएचओ 2016 वर्गीकरण के संदर्भ में प्रोट्यूमरियोजेनिक का मोलिक्यूलर सिगनेचर, कुंजंग चोस्डोल, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये
24. ग्लियोब्लास्टोमा (जीबीएम) आक्रामकता में एफएटीआई विनियमित एमआईआरएनए की भूमिकाः जीबीएम रोगियों में चिकित्सकीय मार्कर के रूप में संभावित एमआईआरएनए की संभावना की पहचान, कुंजंग चोस्डोल, एसईआरबी-डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-22, 42.33 लाख रुपये

25. अपरिपक्व शिशुओं में दिमागी लकवा के विरुद्ध उपचारात्मक रणनीतियों को डिजाइन करने के लिए इन-विट्रो प्रतिमान में विभिन्न मस्तिष्क सेल प्रकारों पर हाइपोक्सिया का प्रभाव, सुदीप सेन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 49 लाख रुपये
26. मानव बोन मैरो से ली गई मिसेंकिमल स्टेम सेल और रोडेंट मॉडल का प्रयोग करते हुए सिंफिटम के ओस्टियोजेनिक प्रभाव को समझना, सुदीप सेन, सीसीआरएच, आयुष, 2 वर्ष, 2019-2021, 45 लाख रुपये
27. हाइपोक्सिया के एक्सपोजर पर भ्रूण मस्तिष्क स्टेम सेल के मस्तिष्क प्लास्टीसिटी को समझना, सुदीप सेन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
28. एडिपोज टिश्यू एबीसीए1 और मेटाबोलिक अवस्था द्वारा इन्सुलिन प्रतिरोध का मोड्यूलेशन और एचडीएल गुणवत्ता, अर्चना सिंह, एसईआरबी-डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 40.1 लाख रुपये
29. फेंफड़ों की टीबी की पैथोफिजियोलोजी में मैक्रोफेज इफेक्टर कार्य में हाइपरग्लाकेमिया की भूमिका, अर्चना सिंह, एसईआरबी-डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 49 लाख रुपये
30. टएचपी 1 सेल लाइन और फेफड़े के तपेदिक रोगियों से मोनोसाइट्स से विभेदित मैक्रोफेज में फेनोटाइपिक और कार्यात्मक परिवर्तन पर हाइपरग्लाइसीमिया के प्रभाव का अध्ययन, अर्चना सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 30 लाख रुपये
31. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के इन विट्रो विरुध सहायक और कीमो-इम्यूनोथेरेपी के रूप में माइकोबैक्टीरियम इंडीकस प्रानी और ह्यूमन बीटा डिफेंसिन-2 का अध्ययन, अर्चना सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
32. स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में फुफ्फुसीय तपेदिक और उनके घरेलू संपर्कों में आईनोस अभिव्यक्ति एवं एनओ स्तरों के संबंध में 1-आर्गिनाइन का मूल्यांकन, अर्चना सिंह, टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीबीएआई), 6 महीने, 2019-2020, 0.25 लाख रुपये
33. लिम्फोमैजेनेसिस में एक आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन, आईजीएफ2बीपी1 की भूमिका, जयंत कुमार पलानीचामी, डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस अर्ली करियर फेलोशिप फॉर क्लिनिशियंस एंड पब्लिक हेल्थ रिसर्चर्स, 5 वर्ष, 2016-2021, 187 लाख रुपये
34. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आरएनए मिथाइल ट्रांसफरेज मशीनरी की भूमिका, जयंत कुमार पलानीचामी, एम्स-टीएचएसटीआई कोलैबोरेटिव रिसर्च ग्रांट, 2 साल, 2019-21, 20 लाख
35. प्लेसेंटा ऑर्गेनोइड्स, सुभ्रादीप कर्माकर, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 60 लाख रुपये
36. जीबीसी न्यूक्लीयर हार्मोन नेटवर्क, सुभ्रादीप कर्माकर, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 70 लाख रुपये
37. ऑन्कोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ताः कैंसर के रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करना, अशोक शर्मा, मिटी 2 साल, 2020-2022, 292 लाख रुपये
38. कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन पीओटीई एंटीजेन और एनओटीसीएच सिग्नलिंग के बीच इंटरप्ले और ओवेरियन कैंसर में ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसका जुड़ाव, अशोक शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 42.5 लाख

39. जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन और जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिंग तथा बायोमार्कर के रूप में इसकी संभावना का मूल्यांकन और गर्भाशय के कैंसर के लिए इम्युनोथेरेपेटिक टारगेट, अशोक शर्मा, डीबीटी-रामालिंगास्वामी प्रोजेक्ट, 5 वर्ष, 2015-2020, 32.5 लाख रुपये
40. डिम्बग्रंथि के कैंसर में पेरीसेंट्रोमेरिक स्थानीय कैंसर-टेस्टिस/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई एक्सप्रेशन में एपिजेनेटिक रेगुलेटर के रूप में न्यूक्लियर आर्किटेक्चर, अशोक शर्मा, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 55 लाख रुपये
41. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए नए बायोमार्कर के रूप में सीरम स्तर और कैंसर-टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई की इंट्रा ट्यूमर अभिव्यक्ति का विश्लेषण का एक प्रायोगिक अध्ययन, अशोक शर्मा, डीएचआर, 2 साल, 2018-2020, रु 25 लाख
42. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल फीचर्स के साथ इसका संबंध, अशोक शर्मा, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये
43. क्रॉनिक लिवर फेल्योर पर एक्यूट किडनी इंजरी को कम करने के लिए एक उपकरण के रूप में सेल फ्री डीएनए, प्रज्ञान आचार्य, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रु 49 लाख
44. एनाप्लास्टिक थायरॉयड कार्सिनोमा में ट्यूमर डायनेमिक्स और इम्यून सेल इंटरैक्शन, रियाज अहमद मीर, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, रु 30 लाख
45. कोविड-19 स्पाइक प्रोटीन सी टर्मिनस का इंटरएक्टोम विश्लेषणः वायरस प्रविष्टि के लिए संभावित ड्रगेबल लक्ष्य की पहचान, रियाज अहमद मीर, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 8 लाख रुपये
46. जंगली प्रकार और म्युटेंट पी 53 के कार्यात्मक संरचना में पीएक्यूसम/आर2टीपी कोम्पलेक्स की भूमिका, रियाज अहमद मीर, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपय
47. मोटापा प्रेरित वसा ऊतकों की गड़बड़ी और इंसुलिन प्रतिरोध में एक्स्ट्रासेल्युलर मैट्रिक्स रीमोडलिंग, राखी यादव, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 46 लाख रुपये
48. वस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) और मोटापा संबंधित एडिपोज टिश्यू गड़बड़ी में इसके आईसोफोर्म का अध्ययन, राखी यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
49. अस्थि और रक्त के निर्माण और प्रोजेनिटर सेल माइग्रेशन और विकास के नियमन में मैक्रोफेज की भूमिका, प्रमोद कुमार गौतम, डीएसटी, 5 वर्ष, 2017-2022, रु 35 लाख
50. हर्बल पौधे के अर्क और एचएसपी 70- ट्यूमर एंटिजेन का उपयोग करके कैंसर स्टेम सेल पर लिपोसोम्स/नैनोकणों का उपयोग करके लक्षित दवा वितरण का विकास और इसके एंटी-ट्यूमर फंक्शन का मूल्यांकन, प्रमोद कुमार गौतम, एसईआरबी-डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 49 लाख
51. स्टेम सेल, कैंसर स्टेम सेल रिमोडलिंग और इससे संबंधित माइक्रोइन्वायर्नमेंट पर बीटा-डिफेंसिन की भूमिका का अध्ययन, एम्स, प्रमोद कुमार गौतम, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. ओरल कार्सिनोजेनेसिस में मानव विषम राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी अभिव्यक्ति की भूमिका और विनियमन का अध्ययन, एसएस चौहान डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 74.66 लाख रुपये

2. फ्राइडेरिच के एटैक्सिया (एफए) के आकलन, माइटोकॉन्ड्रियल में प्लाज्मा परिचालित डीएनए, एमआर राजेश्वरी, आईसीएमआर, 2 साल, 2017-2019, 34.59 लाख
3. एचआईवी -1 संक्रमित बच्चों की मेमोरी बी कोशिकाओं से मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के अलगाव और लक्षण वर्णन, कल्पना लूथरा, डीएसटी, 3 साल, 2016-2019, 63 लाख रुपये
4. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल के अलगाव और आणविक लक्षण वर्णन, सुदीप सेन, डीबीटी, 3 साल, 2015-2019, 25 लाख रुपये
5. ओलिगोडेन्ड्रोसाइट्स से भ्रूण तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं का अंतर - रोगजनन और सेरेब्रल पाल्सी को समझने के लिए चिकित्सीय रणनीतियों को विकसित करने के लिए एक रोग मॉडल, सुदीप सेन, डीबीटी, 2 साल, 2018-2020, 29.2 लाख रुपये
6. एएमएल में टीईटी 2 की भूमिका, सुभ्रादीप कर्माकर, एसईआरबी, 3 साल, 2017-2020, 42 लाख रुपये
7. एपिथेलिकल ओवरियन कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कैंसर-टेस्टिस एंटीजन पीओटीई के सीरम स्तर का अनुमान, अशोक शर्मा, एम्स में 2 साल 2016-2018 में, 10 लाख रुपये
8. प्यूरीन साल्वेज पाथवे मेटाबोलाइट्स और एंजाइम्स की जांच एवं गंभीर मलेरिया के परिणाम के साथ उनका संबंध, प्रज्ञान आचार्य, एसईआरबी, 3 साल, 2017-2020, 34 लाख रुपये
9. मोटापा प्रेरित वसा ऊतक दुष्क्रिया और सूजन में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम (ईआर) तनाव, राखी यादव, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 8 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एसोफैगल कैंसर में डाइप्टिडिडिल पेप्टिडेज़ III के सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी फ़ंक्शंस
2. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन: पूर्वानुमान और थेरेप्यूटिक्स में इंप्लांटेशन
3. ग्लियाल ट्यूमरिजनेसिस में प्रोथिमोसिन अल्फा की भूमिका
4. ओरल कैंसर में मानव विषम परमाणु न्यूबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका
5. एफआरडीए सकारात्मक, एफआरडीए-संदिग्ध और एफआरडीए-वाहक के प्रोटियोमिक्स
6. विभिन्न ऑक्सीजन एकाग्रता के तहत कैंसर कोशिकाओं के स्टेमनेस और माइग्रेशन विशेषताओं पर नैनोकणों का प्रभाव
7. कैंसर कोशिकाओं द्वारा बायोडिग्रेडेबल नैनोकणों का अपटेक
8. कैंसर सेल के आक्रामक उपसमूह में कार्बोनिक एनहाइड्रेज़ 9 का आंतरिककरण
9. कैंसर कोशिकाओं द्वारा पीएलजीए बायोडिग्रेडेबल नैनोकणों के अपटेक पर जीटा क्षमता का प्रभाव
10. ईएमटी को उलटने और कैंसर मेटास्टेसिस को दबाने के लिए एपिगेनेटिक थेरेपी
11. एक उपप्रकार सी संक्रमित पीडियाट्रिक एलाइट न्यूट्रालाइजर से एंटी एचआईवी-1 मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की उत्पत्ति और विशेषता
12. संभावित उपप्रकार सी आधारित इम्युनोजेन के लिए एक वयस्क एचआईवी-1 संक्रमित दीर्घकालिक नोन-प्रोग्रेसर (एलटीएनपी) से स्यूडोवायरस की उत्पत्ति और विशेषता

13. उपप्रकार सी संक्रमित वयस्क दीर्घकालिक गैर-प्रगतिकर्ता से एंटी एचआईवी-1 मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की उत्पत्ति और विशेषता
14. परिनैटल रूप से अधिग्रहीत एचआईवी-1 संक्रमण वाले बच्चों से स्यूडोवायरस की उत्पत्ति और लक्षण वर्णन
15. संक्रमित बच्चों से मानव विरोधी एचआईवी-1 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के अलगाव और लक्षण वर्णन
16. एचआईवी-1 संक्रमित बच्चों में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं पर एआरटी की शीघ्र शुरूआत के प्रभाव का एक अधोमुखी अध्ययन
17. इम्यूनोजेन डिजाइन की ओर बाल चिकित्सा एचआईवी-1 सी ट्रिमर जेनरेशन और लक्षण वर्णन
18. स्तन कैंसर में मेसेनकाइमल स्टेम सेल प्रवासन और विकास के नियमन में मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका
19. कैंसर स्टेम सेल और उनके संबद्ध माइक्रोन वातावरण पर जैव संयुग्मित कीमोथेरेपी के अणुओं का प्रभाव
20. वृक्क कार्सिनोमा में एक्सोसोम की कार्यात्मक भूमिका को स्पष्ट करना
21. पी53 की संरचना में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका की जांच करना
22. पेम्फिगस वल्गरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में जन्मजात लिम्फोइड कोशिकाओं की भूमिका का पता लगाना
23. सक्रिय तपेदिक के पैथोफिज़ियोलॉजी में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर हाइपरग्लेसेमिया के विभिन्न ग्रेडों का प्रभाव
24. मानव कैंसर टेस्टिस / रोगाणु प्रतिजन पीओटीई का एपिजेनेटिक नियमन रेगुलेशन और प्रतिरक्षण क्षमता
25. तीव्र पुरानी जिगर की खराबी में मोनोसाइट्स और मैक्रोफेज की विशेषता
26. मानव पित्ताशय की थैली के कैंसर का पता लगाने के लिए नये रक्त आधारित बायोमार्कर की पहचान
27. विटिलिगो में गामा डेल्टा टी कोशिकाओं और स्कवेंजर रिसेप्टर्स की भूमिका
28. गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा में प्रतिरक्षा बचाव तंत्र की व्याख्या करना
29. मूत्राशय के यूरोटेलियल कार्सिनोमा में बी सेल सबसेट और उनके प्रतिरक्षा विनियामक कार्यों का अध्ययन
30. पेम्फिगस वल्गरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में जन्मजात लिम्फोइड कोशिकाओं का अध्ययन
31. ग्लियोमा में एफएटी1 और एमआईआरएनए का कार्यात्मक सम्बन्ध
32. हाइपोक्सिया के विभिन्न डिग्री के तहत जीबीएम सेल लाइनों में जीन अभिव्यक्ति और गंभीर हाइपोक्सिक स्थिति के तहत एचआईएफ 1 विनियमन में पी53 की भूमिका का अध्ययन
33. हाइपोक्सिया और कीमोथेरेपी के लिए प्रतिक्रिया: ग्लियल ट्यूमर सेल लाइनों में एक अध्ययन
34. ग्लियोमा की कीमो-संवेदनशीलता पर एफएटी1 और पी53
35. ग्लियोमा के डब्ल्यूएचओ 2016 वर्गीकरण के संदर्भ में ग्लियोमा के आणविक हस्ताक्षर
36. एफएटी 1 प्रोटीन: ग्लियोमा कोशिकाओं में इसका प्रसंस्करण और सेलुलर कार्य
37. बच्चों में तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया (एएलएल) में माइटोकॉन्ड्रियल चयापचय संबंधी पुनर्संरचना पर अध्ययन।
38. एंडोथेलियल कोशिकाओं पर एडिपोनेक्टिन, स्फिंगोसिन 1-फॉस्फेट (एस 1 पी) और उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) के एंटी-एथेरोजेनिक प्रभावों के लिए एक एकीकृत तरीके की खोज
39. वसा ऊतक मध्यस्थता इंसुलिन प्रतिरोध में प्लाज्मा झिल्ली एटीपी बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्टर (एबीसीए1) की भागीदारी की जांच

40. फुफ्फुसीय तपेदिक सुधासिनी में मैक्रोफेज प्रभावकारक कार्य पर हाइपरग्लाइसीमिया की भूमिका: न्यूटन भाभा फैलोशिप (4 महीने, 2019)
41. सक्रिय तपेदिक के पैथोफिज़ियोलॉजी में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर हाइपरग्लेसेमिया के विभिन्न ग्रेडों का प्रभाव
42. मैक्रोफेज ध्रुवीकरण पर बी कोशिकाओं की भूमिका और फुफ्फुसीय तपेदिक के इम्युनोपैथोजेनेसिस में उनके प्रभावकारक कार्य का अध्ययन
43. ईटीवी6-आरयूएनएक्स1 पॉजिटिव बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के आईजीएफ2बीपी1 की भूमिका
44. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आरएनए मेथिलिकरण और आईजीएफ2बीपी अभिव्यक्ति की भूमिका।
45. कैंसर में जीन अभिव्यक्ति के नियमन में आरएनए मिथाइलेशन और आरएफ बाइंडिंग प्रोटीन के आईजीएफ2बीपी परिवार की परस्पर क्रिया
46. ओवेरियन कैंसर में कैंसर-टेस्टिस / जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी के कार्यात्मक लक्षण, अभिव्यक्ति और नैदानिक महत्व
47. कैंसर में परिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-टेस्टिस/ जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई के एपिजेनेटिक नियामक के रूप में 3 डी जीनोम आर्किटेक्चर की भूमिका
48. तीव्र क्रोनिक लिवर खराबी पर प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएं
49. तीव्र क्रोनिक लिवर खराबी में मोनोसाइट्स और मैक्रोफेज की विशेषता
50. मोटापे में वसा ऊतकों में ईसीएम रीमॉडलिंग का अध्ययन
51. स्तन कैंसर में मेसेंकायमल स्टेम सेल प्रवासन और विकास के नियमन में मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका
52. स्टेम कोशिकाओं, कैंसर स्टेम कोशिकाओं और उनके संबद्ध माइक्रोएन्वायरमेंट पर जैव संयुग्मित कीमोथेरेपी के अणुओं का प्रभाव

पूर्ण

1. विभिन्न मेटास्टेटिक क्षमता वाले स्तन कैंसर की कोशिकाओं में कैथेप्सिन बी के विभेदक अभिव्यक्ति के आणविक तंत्र का स्पष्टीकरण
2. कैंसर के लिए सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल और कैथेस्पिन बी की संभावित उपयोगिता का आकलन।
3. ओरल कैंसर में फॉस्फेट और टेन्सिन होमोलोग (पीटीईएन) के ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन के पश्चात मानव हेटरोजेनस राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी)
4. मानव पित्ताशय की थैली के कैंसर में सीरम माइक्रो आरएनए की अभिव्यक्ति और नैदानिक महत्व
5. पेरी-मिनिस्क्रुव इम्प्लांट सेरेविअल फ्लुइड (पीएमआईसीएफ) में दाहक बायोमार्कर एचएमजीबी1 और टीजीएफ-1
6. मल्टीपल मायलोमा में एमआई आरएनए द्वारा वर्सिकन की भूमिका और इसके नियमन की खोज करना
7. पेम्फिगस वल्गैरिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में गामा डेल्टा टी कोशिकाएं

8. ग्लिओमा में एफएटी 1 जीन अभिव्यक्ति का विनियमन
9. ग्लियोमा में एफएटी1, पी53 और एचआईएफ1ए के बीच सिग्नेलिंग परस्पर क्रिया
10. एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) में एचडीएल कार्यक्षमता पर एचएमजी-सीओए रिडक्टेस इनहिबिटर के प्रभाव पर एक अध्ययन।
11. इन विट्रो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ किमो-इम्यूनोथेरेपी में सहायक के रूप में माइकोबैक्टीरियम इंडिक्रेप्रानी और ह्यूमन बीटा डिफेंसिन का अध्ययन।
12. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई की क्लोनिंग और कार्यात्मक विश्लेषण
13. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर- टेस्टिस / रोगाणु जीन पीओटीईई की अभिव्यक्ति में डीएनए मिथाइलेशन का प्रभाव
14. एपिथेलियल ओवरियन कैंसर में पीओटीईबी अभिव्यक्ति पर डीएनए मिथाइलेशन का प्रभाव
15. मलेरिया रोगियों में टीएनएफ अल्फा

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर में ऊतक साइट-विशिष्ट प्रमोटर डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइल के मूल्यांकन से स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का एक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
2. अग्न्याशय के कार्सिनोमा वाले रोगियों में रेग-4 और एमयूसी-4 की अभिव्यक्ति, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
3. अग्नाशय कैंसर के विकास हेतु उच्च जोखिम वाले क्रोनिक अग्नाशयशोथ रोगियों में बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
4. अग्नाशय के कैंसर में संकेत पारगमन के एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
5. ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट के दौरान एकल बनाम बाद के माइक्रोस्टियोपोरेरिफेशन प्रेरित 1एल-1 बीटा स्तरों का आकलन- एक पायलट अध्ययन, डेंटल सर्जरी
6. जीसीएफ में आरएएनकेएल का मूल्यांकन और कैनाइन रीटर्न के दौरान निम्न स्तर की लेजर थेरेपी के साथ दांतों के मूवमेंट की दर - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डेंटल सर्जरी
7. टॉर्क टेनो वायरस का एन 22 क्षेत्र: क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और प्रतिरक्षाविज्ञान जांच में स्थानांतरीय पेप्टाइड का उपयोग और प्रोटीयोमिक विश्लेषण, प्रयोगशाला चिकित्सा
8. प्रवृत्त प्लूरिपोटेंट स्टेम सेल का उपयोग करके दुर्लभ बीमारी मॉडलिंग, स्टेम सेल सुविधा
9. लिंग विकास के विकारों के संबंध में टेस्टिकुलर जैवसंश्लेषी दोष और 5-α रिडक्टेस की कमी में जीनोटाइप फेनोटाइप सह-संबंध की पहचान करने के लिए अध्ययन
10. प्रीक्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में एक औषधीय मोडुलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, एनाटॉमी
11. एपिथेलियन डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी नियामक कोशिकाओं (एफओएक्सपी3) की अभिव्यक्ति के साथ एचआइपीईसी उपचार के साथ सम्बन्ध और इसका नैदानिक महत्व, डॉ. बी.आर.ए. सं.रो.कैं.अ.

12. एंटीबायोटिक सहनशीलता की चुनौती का सामना करना: एम. ट्यूबरकुलोसिस क्लीयरेंस में सुधार के लिए पारंपरिक एंटी-ट्यूबरकुलर ड्रग्स को देवआर डॉर्मेंसी के साथ मिलाना, बायोटेक्नोलोजी
13. टी-नियामक कोशिकाओं (ट्रेग्स) की भूमिका और उपकला एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में उनका नैदानिक सहसंबंध, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
14. एनएफ-केबी अभिव्यक्ति और एचआईवी संक्रमित भारतीयों में CD4 + एवं अन्य टी कोशिकाओं की कार्यात्मक क्षमता से इसका संबंध, माइक्रोबायोलॉजी
15. भारतीय रोगियों में पेनाइल कार्सिनोमा में मानव पैपिलोमावायरस की स्थिति और क्लिनिको-पैथोलॉजिकल स्टेजिंग के साथ सह-संबंध, यूरोलॉजी
16. मध्यम से गंभीर क्रोनिक पलेक सोरायसिस के लिए सबकुटेनियस एटनरसेप्ट बनाम मुखीय मेथोट्रिजेट की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए संभावित गैर-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और टीएच 1, टीएच 2, टीएच 17 और ट्रेग सेल पैटर्न के साथ प्रतिक्रिया को सहसंबंधित करना, डरमैटोलॉजी
17. सिर की चोट वाले रोगियों में फ्रैक्चर हीलिंग पर ओस्टोजेनिक ह्यूमरल कारकों का अध्ययन: डिकोडिंग मिस्ट्री, ऑर्थोपेडिक्स
18. आईवीएफ विफलता वाले रोगियों में प्रतिरक्षात्मक मूल्यांकन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
19. यूरोडायनामिकल रूप से प्रमाणित एसयूआई वाले रोगियो में टीओटी बनाम रेक्टस फ़ेशिया प्यूबोवैजिनल स्लिंग सर्जरी का एक तुलनात्मक पायलट अध्ययन
20. एंटीफंगल थेरेपी के साथ ओरल ल्यूकोप्लाकिया में कैंडिडा और प्रोइंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स और केमोकिनेस के बीच संबंध का अध्ययन करना, सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च
21. यूवील मेलेनोमा में एनएफकेबी मार्ग का आणविक लक्षण वर्णन, डॉ. आर.पी. सेंटर
22. घातक लैक्रिमल ग्रंथि ट्यूमर के आणविक लक्षण, डॉ. आर.पी. सेंटर
23. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) की प्रगति और रोग के निदान में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका, सं.रो.कैं.अ.
24. भारत के कमजोर आदिवासी समुदायों की खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी स्थिति के समाधान में स्वदेशी खाद्य पदार्थों की आहार विविधता और पोषक मूल्य, आईआईपीएच- दिल्ली, पीएचएफआई, भारत
25. फुफ्फुसीय और अतिरिक्त-फुफ्फुसीय तपेदिक में उपचार प्रतिक्रिया के निदान और निगरानी में सीरम सीए-125 स्तर की भूमिका, कायचिकित्सा
26. सनटाइनिब थेरेपी पर कैंसर के रोगियों में हाथ पैर की त्वचा की प्रतिक्रिया को रोकने के लिए पूर्व उपचार के रूप में सामयिक यूरिया के प्रभाव का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसेबो नियंत्रित पायलट अध्ययन
27. मायलोमा रोगियों में बर्टेज़ोमिब रक्त एकाग्रता और नैदानिक प्रतिक्रिया पर सीवाईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान
28. दवा प्रतिरोधी मिर्गी वाले व्यक्तियों में दौरे आने की आवृत्ति पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव और बायोमार्कर्स के साथ इसका सहसंबंध, भेषजगुण विज्ञान

29. एनीमिया पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और उन्नत अनुसंधान (एनसीईआर-ए) के हिस्से के रूप में एनीमिया अनुसंधान कंसोर्टियम, सामुदायिक चिकित्सा
30. दिल्ली की एक शहरी बस्ती में पोषक तत्वों के सेवन, मानवजनित और चयनित सीरम बायोमार्कर द्वारा गर्भवती महिलाओं की पोषण स्थिति का मूल्यांकन- समुदाय आधारित सम्भावित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा
31. स्टेम सेल, कैंसर स्टेम सेल और उनके जुड़े माइक्रोनिनिफिकेशन पर बायोकॉन्जुगेटिड कीमोथेरेपी के अणुओं का प्रभाव, बायोकैमिस्ट्री
32. स्तन कैंसर में मेसेन्काइमल स्टेम सेल माइग्रेशन और विकास के नियमन में मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका, बायोकेमेस्ट्री
33. ईएचपीवीओ के रोगियों में सीरम हेपेटोट्रॉफिक कारकों का प्रोफाईल, सीरम अमोनिया स्तर और जीवन की गुणवत्ता, पेडियाट्रिक्स सर्जरी
34. भारतीय बीसीआर-एबीएल-जैसे तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में नये ड्राइविंग टाइरोसिन किनसेस की पहचान और इन-विट्रो कार्यात्मक जांच: डीबीटी वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट फैलोशिप, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच
35. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) की प्रगति और रोग निदान में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका: डीएसटी एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
36. एमआरसीसी में आरटीके के प्रतिरोध का पता लगाने के लिए आणविक विश्लेषण, यूरोलॉजी
37. ओपिओइड निर्भरता में विशिष्ट एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता की भूमिका, मनोचिकित्सा
38. ओवरियन कैंसर में सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता में पीएआरपी1 और γ ग्लुटामिल सिस्टीन सिंथेटेस इनहिबिटर की भुमिका और डीएनए डिम्बग्रंथि के साथ सह-संबंध, आइआरसीएच
39. संधिशोथ में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, एनाटॉमी
40. कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स उपचारित ट्यूबरकुलर मेनिनजाइटिस के रोगियों में ल्यूकोट्रिएन ए4 हाइड्रॉलेज़ जीन पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका और क्लिनिकल परिणाम से सहसंबंध हैं, न्यूरोलॉजी
41. भारतीयों में क्रोनिक कार्बन चयापचय और संज्ञानात्मक हानि, जेरियाट्रिक मेडिसिन
42. संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर के रूप में पुराने रोगियों में नये प्रोटीन का अनुमान, जेरियाट्रिक मेडिसिन
43. प्राकृतिक घातक कोशिका स्तरों वाली दो या दो से अधिक विफल आईवीएफ / आईसीएसआई महिलाओं में आरोपण दर पर इंट्रालिपिड पूरकता के प्रभाव का मूल्यांकन करना-एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एम्स
44. डिम्बग्रंथि ट्यूमर और इसके नैदानिक महत्व में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीई की अभिव्यक्ति: एक पायलट अध्ययन, एम्स
45. एंडोमेट्रियल कैंसर की आणविक विशेषता और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल फीचर्स के साथ इसका संबंध, एम्स, नई दिल्ली
46. जैव प्रौद्योगिकी विभाग- सीलिएक रोग कंसोर्टियम, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी

47. बेरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन कम करने के लिए पूर्वानुमानित कारकों की पहचान: परिणामों में सुधार और वजन को बनाये रखने के लिये एक मॉडल का निर्माण, शल्य चिकित्सा विभाग
48. एचएनसी पर केंद्रित कैंसर अनुसंधान में दवा खोज के लिए एक उपकरण के रूप में एकल कोशिका व्युत्पन्न क्लोनल स्पेरोइड का विकास, जेएनयू
49. ऑन्कोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: कैंसर रोगी के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करना, बायोकैमिस्ट्री

पूर्ण

1. मानव ट्राफोबलास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति, एनाटॉमी
2. गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा के रोगियों में ट्यूमर के व्यवहार के लिए एक बायोमार्कर के रूप में ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान, यूरोलॉजी
3. उच्च जोखिम वाले रोगियों में प्री-एक्लेमप्सिया के विकास के लिए भविष्यसूचक और रोग निदान मार्कर के रूप में अपरा वृद्धि कारक, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
4. उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में पूर्व-एक्लम्पसिया की भविष्यवाणी के लिए प्लेसेंटल वृद्धि कारक, गर्भाशय धमनी डॉपलर और 3डी डॉपलर अल्ट्रासाउंड की भूमिका, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
5. -आवर्तक श्वसन पैपिलोमाटोसिस के उपचार में संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर की भूमिका, ओटोरिनोलैरिगोजोलोजी (ईएनटी)
6. उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में प्री-एक्लेमप्सिया की भविष्यवाणी के लिए प्लेसेंटल वृद्धि कारक, गर्भाशय धमनी डॉपलर और 3डी डॉपलर अल्ट्रासाउंड की भूमिका, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
7. ऐच्छिक खुले पाइलोप्लास्टी करवाने वाले बाल रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया और न्यूरोएंडोक्राइन तनाव की प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेट्स लम्बोरम ब्लॉक का प्रभाव, एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एनेस्थीसिया पेन मेडिसिन और क्रिटिकल केयर
8. सीरम में हेपेटाइटिस वायरस (ए-जी) की एक साथ पहचान के लिए एक मल्टीप्लेक्स वास्तविक समय में पीसीआर (क्यूपीसीआर) जांच का विकास, प्रयोगशाला चिकित्सा
9. ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण में पेरोक्सीसम प्रोलिफ़रेटर सक्रिय रिसेप्टर अल्फा (पैपर अल्फा) की भूमिका, जैव रसायन

प्रकाशन

शोधपत्रिका: 42 **सारांश: 10** **पुस्तक में अध्याय: 1**

रोगी देखभाल

1.	सीईए	2723	6.	बीटा एचसीबी	682	11.	फ्री T3	1532
2.	सीए 19-9	2481	7.	एएफबी	589	12.	फ्री T4	1532
3.	कुल पीएसए	332	8.	सीरम फेरिटिन	772	13.	टीएसएच	2035
4.	टीएसए 125	846	9.	विटामिन बी12	794			
5.	सीए 15.3	186	10.	फोलेट	794		**कुल**	**15298**

गुणवत्ता नियंत्रण:
नियमित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन योजना के अलावा, गुणवत्ता रिपोर्ट देने के लिए पिछले एक वर्ष के लिए बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस) में सफल मासिक भागीदारी। विभाग ने पोर्फिरीया परीक्षणों का मानकीकरण किया है और संस्थान के विभिन्न विभागों से नमूने प्राप्त करना शुरू किया है।

रसायन विभाग ने अतालता रोगियों के लिए न्यूरोलॉजी, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी और बाल चिकित्सा आनुवंशिकी से आने वाले एफआरडीए के साथ संदिग्ध एफआरडीए एवं गतिविभ्रम वाले रोगियों का नि:शुल्क आनुवांशिक परीक्षण किया है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं
आचार्य सुब्राता सिन्हा इंडियन नैशनल साइंस एकेडमी, इंडियन एकेडमी ओफ साइंस, नैशनल एकेडमी ओफ साइंस, नैशनल एकेडमी ओफ मेडिकल साइंस और इंडियन एकेडमी ओफ न्यूरोसाइंसिज के फेलो थे। आईएनएसए उपाध्यक्ष **2019** के रूप में चुने गए, संयोजक, आईएनएसए दिल्ली चैप्टर (**2018**); **सदस्य**, *संस्थागत समिति (प्रशासन),* संस्था निकाय, शासी निकाय, स्थायी चयन समीति और शैक्षिक समिति जेआईपीएमईआर पॉंडिचेरी (**2019** से); सोसायटी, जीव विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर (**2018** से); भारतीय संवर्धन विज्ञान संघ (**2020** से); ***संस्थागत समितियां (वैज्ञानिक, अनुसंधान, शैक्षिक)*** वैज्ञानिक सलाहकार समूह के सदस्य (एमएजी) - बेसिक मेडिकल साइंस, आईसीएमआर; पैथोलोजी संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आईसीएमआर (**2008**-वर्तमान में अध्यक्ष); रिसर्च काउंसिल (आरसी) सेंटर फोर सेलुलर एण्ड मोलिक्यूलर बायोलोजी, हैदराबाद (**2017** से); आरसी, इंडियन इंस्टीट्यूट ओफ केमिकल बायोलोजी, कोलकाता (**2014-2016; 2017** से); आरसी, सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (विशेष आमंत्रिती); एसएसी-राजीव गांधी सेंटर फोर बायोटेक्नोलोजी (**2008** से); एसएसी इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसिज, भुवनेश्वर - विशेष आमंत्रिती, कैंसर से संबंधित क्षेत्र; एसएसी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोकेमिकल जिनोमिक्स (2017 से); **वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों की समितियाँ - विज्ञान और प्रोद्योगिकी विभाग (डीएसटी):** अध्यक्ष, कोगनिटिव साइंस रिसर्च इनिशिएटिव (2014 से) और साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ योगा एंड मेडिटेशन (2015 से); सदस्य, पीआरसी चिकित्सा विज्ञान (एसईआरबी) (2018-20); ***इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर)***: अध्यक्ष, पीआरसी फोर बायोकेमिस्ट्री, इम्युनोलोजी और एलर्जी (2012 से); सदस्य, पीआरसी फोर ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंसिज (2014 से); सदस्य, पीआरसी फोर सेल और मोलिक्यूलर बायोलोजी (2013 से); सदस्य, राष्ट्रीय स्टेम सेल रिसर्च और उपचार समिति (2017 से); सदस्य, पीआरसी नैनोटेक्नोलोजी (2017 से); सदस्य, एनएसी एससीआरटी नैशनल एपेक्स कमेटी, स्टेम सेल रिसर्च और थेरेपी (2018 से); अध्यक्ष-जीटीएसी जीन थेरेपी एडवाइजरी कमेटी (2018 से)।

आचार्य एस.एस. चौहान को डॉ. खानोलकर ओरशन ऑफ नैशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज हेतु चुने गए, एम्स बायोसेफ्टी कमेटी के अध्यक्ष चुने गए और बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय के प्रभारी आचार्य चुने गए, एसईआरबी युवा वैज्ञानिक-जीव विज्ञान विशेषज्ञ समिति, डीएसटी, चुने गए। उन्होंने एम्स, जोधपुर में आंतरिक अनुसंधान अनुदानों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ के रूप में सेवा की और उनका चयन एम्स जोधपुर, एम्स पटना, एम्स भोपाल, पीजीआईएमईआर चण्डीगढ़, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एण्ड बिलियरी साइंसिज, दिल्ली में संकाय सदस्य के रूप में हुआ। उन्होंने डीबीटी-आरए, सीएसआईआर-आरए और

आईसीएमआर पोस्ट डोक्टरल फेलोशिप के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में सेवा की। आचार्य चौहान नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलोजी (आईसीएमआर), नई दिल्ली की प्रि-साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी के सदस्य और मेडिकल शिक्षकों को मान्यता देने के लिए गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी की विशेषज्ञ समीति के सदस्य भी हैं। उन्हें सप्रेशन ओफ मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा यूजी एक्सपर्ट कमेटी का सदस्य, सदस्य लाइब्रेरी कमेटी, इंस्टीट्यूट डे सेलिब्रेशन कमेटी, बायोटेक्नोलोजी टीचिंग एडवाइजरी कमेटी, एम्स, बायो सेफ्टी समिति, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली का सदस्य, और इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलोजी, माल रोड़, दिल्ली की बायो-सेफ्टी समिति के लिए डीबीटी नोमिनी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़ के सदस्य, और किंग जोर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ की कोर्स पाठ्यक्रम समिति का सदस्य भी चुने गए। उन्हें बायोकेमिस्ट्री में रिसर्च और रिपोर्ट और इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री के संपादक बोर्ड का सदस्य तथा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोध पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में भी चुने गए। बायोलोजिकल केमिस्ट सोसायटी (इंडिया) का आजीवन सदस्य, एसोशियन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ओफ इंडिया, इंडियन एसोशिएशन फोर कैंसर रिसर्च और इंडियन एकेडमी ओफ बायोमेडिकल साइंसिज का आजीवन सदस्य चुना गया।

आचार्य एम.आर. राजेश्वरी, उपाध्यक्ष, न्यूरोकेमिस्ट्री सोसायटी, इंडिया, दिसम्बर 2016, "डीएनए सोसायटी ओफ इंडिया" के अध्यक्ष। न्यूरोकेमिस्ट्री के लिए आईसीएमआर समीक्षा समीति, 2016 के बाद से। रिसर्च एडवाइजरी बोर्ड, सेंट्रल युनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, एडवाइजरी बोर्ड सदस्य-रेयर डिजीज सोसायटी ओफ इंडिया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-विभिन्न समीतियों में। सदस्य-स्कूल ऑफ लाइफ साइंसिज, कैंद्रिय विश्वविद्यालय, राजस्थान, 2013 के बाद से। सदस्य, रिसर्च काउंसिल, एसवी यूनिवर्सिटी, तिरुपति; कार्यकारी, एग्जिक्यूटिव काउंसिल मेम्बर ऑफ इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी।

आचार्य कल्पना लूथरा, इंडियन इम्यूनोलोजी सोसायटी की कार्यकारी सदस्य। एमबीबीएस छात्रों और विदेशी चिकित्सा स्नातकों के लिए ई-लर्निंग संसाधन मैटेरियल के विकास के लिए विशेषज्ञ समूह के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा नियुक्त सदस्य सचिव। स्नेकबाइट एनविनोमिंग पर प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए डीबीटी-बीआईआरएसी, सलाहकार समिति के सदस्य, नैशनल बायोफार्मा मिशन प्रोग्राम के अंतर्गत बायोटेक्नोलोजी इंडस्ट्री रिसर्च सहायक (बीआईआरएसी) की समीक्षा परियोजना प्रस्तावों के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य। अवधारणा के प्रमाण के लिए डेंगू खोज के लिए प्रोफिलेक्टिक और उपचारात्मक रणनीतियों की सहायता के लिए एनबीएम, बीआईआरएसी 2019 द्वारा वित्त पोषित ट्रांसलेशनल कंसोर्टियम फोर एस्टेबलिशिंग प्लेटफार्म टेक्नोलोजीज नामक कार्यक्रम की कार्य उन्नति की तिमाही समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य। आईसीएमआर में वैज्ञानिक ई (नोन-मेडिकल) के पद के लिए चयन समिति का सदस्य, मई 2019। एलर्जी इम्यूनोलोजी एण्ड ह्यूमन जेनेटिक्स के पीआरसी के सदस्य, आईसीएमआर एण्ड विशेषज्ञ समूह समीक्षा समिति, आईसीएमआर, कोशिका और मोलिक्यूलर बायोलोजी, जीनोमिक्स और स्टेम सेल की टीएआरई विशेषज्ञ समिति, एसईआरबी के विशेषज्ञ सदस्य, अगस्त 2019। बहुविषयक अनुसंधान युनिट, एनएएमसी के लिए स्थानीय अनुसंधान समिति के अध्यक्ष,

2019। टीएचएसटीआई, फरीदाबाद में शैक्षणिक समिति के 2 वर्ष के लिए बाहरी सदस्य। डीएचआर-आईसीएमआर की एचआरडी योजना की तकनीकी मूल्यांकन समिति के एक सदस्य के रूप में नियुक्त हुए (सितम्बर 2019)। अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्रिकाओं: जरनल ऑफ डायबिटीज; थेरेप्युटिक एडवांसिज इन वैक्सीन्स, राष्ट्रीय शोध पत्रिकाः के समीक्षक वार्षिक रिपोर्ट सम्पादन समिति, एम्स, हेतु एनएमजेआई सह-अध्यक्ष। एम्स में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में सुधार के लिए और एम्स की स्टोर खरीद समीति के सदस्य, 2019। सदस्य, सीसीआरएफ के लिए कोर समिति; सीसीआरएफ की जनरल सुविधा के को-ओर्डिनेटर। बीएसएल 2/3 और फ्लोसाइटोमीटरी के सदस्य। एम्स सांस्कृतिक समिति के सह-अध्यक्ष; नर्सिंग कालेज, एम्स, नई दिल्ली के लिए सूचना अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्रथम सूचना अधिकारी के रूप में मनोनीत। एम्स में यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण के लिए समिति के सदस्य, दिसम्बर, 2019। पीएचडी छात्र श्री संजय कुमार को लोकप्रिय वेलकम डीबीटी इंडिया अलाएंस एर्ली कैरियर फेलोशिप मिला-(जून 2019) स्वतंत्र अनुदान, वर्ष 2019 के लिए एम्स द्वारा प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए डॉ. अरुण फोतेदार मेमोरियल एआईआईएमएसओएनआईएएनएस अवार्ड और प्रोफेसर डेनिस आर. बर्टन के सुपरविजन में एचआईवी रिसर्च ट्रस्ट्स स्कोलरशिप, यूके, एनएसी-आईएवीआई, सेरिप्पस रिसर्च इंस्टीट्यूट, सान डियागो, कैलिफोर्निया, यूएसए, जून 2019 से अगस्त 2019।

आचार्य अल्पना शर्मा को बायोमेडिकल साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए फेलोशिप ओफ इंडियन एकेडमी ओफ बायोमेडिकल साइंसिज, 2019 मिला। बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल कालेज, दिल्ली सरकार और लेडी हार्डिंग, नई दिल्ली में फैकल्टी पदों के लिए चयन समिति की विशेषज्ञ। विशेषज्ञ, सीसीआरयूएम नई दिल्ली में वैज्ञानिक सी मूल्यांकन समिति। आयुष नई दिल्ली में यूनानी चिकित्सा में आयुष अवार्ड की अवार्ड समिति की वि□शेषज्ञ; एम्स नई दिल्ली में 29 अप्रैल 2019 को अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलोजी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया। अमेरिकन एसोशिएशन फोर कैंसर रिसर्च, यूएसए और इंटरनैशनल गाइनी कैंसर सोसायटी, यूएसए की सक्रीय सदस्य। मूल्यांकनकर्ता, डीएनबी बायोकेमिस्ट्री परीक्षा। पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़, जेएन मेडिकल कालेज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जेआईपीएमईआर, पुदुचेरी और केजीएमयू, लखनऊ में पीएचडी शोधग्रंथों एवं मौखिक परीक्षा के संचालक के लिए बाहरी परीक्षक। एम्स भुवनेश्वर, दिल्ली यूनिवर्सिटी, स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी और जेएन मेडिकल कालेज एमएमयू में एमडी के लिए और आईओएम, काठमांडु में एमएससी के लिए बाहरी परीक्षक। डीबीटी, डीएसटी, आयुष और यूपीसीएसटी को वित्तीय अनुदान के लिए जमा तदर्थ अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा की। सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स और एम्स में यूजी के लिए शिक्षण अनुसूची समिति; डॉ. निधि गुप्ता, पीएचडी छात्र को जामिया हमदर्द में अंतर्राष्ट्रीय एथनोफार्माकोलोजी सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार; डॉ. शमिमा अखतर मार्गदर्शन के अंतर्गत एन-पीडीएफ थी जिन्हें आईएसएआरसीओएन, 2019 में द्वितीय पुरस्कार मिला; सुश्री निधि गुप्ताः कैंसर अनुसंधान फाउंडेशन से पीएचडी कार्य के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया, फरवरी 2020।

डॉ. सुदीप सेन के पीएचडी छात्र (देवांजन डे) को सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री की 8वीं वार्षिक सीएमई में 'यंग साइंटिस्ट्स' की प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार मिला, 25

अप्रैल 2019; पीएचडी छात्रा (डॉ. अमरप्रीत कौर) को सान डियागो, कैलिफोर्निया, यूएसए, में 18 से 21 मई 2019 तक चलने वाले डाइजेस्टिव डिजीज वीक (डीडीडबल्यू) की वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने और पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार मिला। एमडी छात्र (डॉ. वादन्य श्रीवास्तव) को एम्स नई दिल्ली में 19 से 21 नवम्बर 2019 तक चलने वाले इंडियन एकेडमी ओफ न्यूरोसाइंस के 37वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुती के लिए सुत्ती नाग अवार्ड प्राप्त हुआ; पीएचडी छात्र (डॉ. जानवी मन्हास) को इंडो-यूएस साइंस एण्ड टेक्नोलोजी फोरम (आईयूएसएसटीएफ), एक स्वायत द्विपक्षीय संगठन जिसे विज्ञान, प्रोद्योगिकी, इंजीनियरिंग और नवाचार को संवर्धित करने के लिए दोनों सरकारों द्वारा वित्त प्रदान किया जाता है, के द्वारा एसटीईएमएम-डबल्युआईएसटीईएमएम में ”विमेन ओवरसीज स्टूडेंट इंटर्नशिप अवार्ड प्रदान किया गया। इस फेलोशिप के अंतर्गत जानवी यूनिवर्सिटी ओफ साउथर्न कैलिफोर्निया (यूएससी), लोस एंजलिस, यूएसए में ‘एली एण्ड एडिथ ब्रोड सेंटर फोर रिजनरेटिव मेडिसिन एण्ड स्टेम सेल रिसर्च’ की यात्रा कर रही हैं, जहां वे स्टेम सेल बायोलोजी एण्ड रिजेनरेटिव मेडिसिन विभाग, केक स्कूल ओफ मेडिसिन, यूएससी, में 6 महिने के लिए (जनवरी से जून, 2020) प्रोफेसर लियोनार्दो मोर्सट के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। वे ठोस ट्यूमर में कैंसर स्टेम सेल को टारगेट करने के लिए सिंथेटिक बायोलोजी टूल का विकास करने पर काम कर रही हैं। इस फेलोशिप में 19,000 यूएस डालर का अनुदान शामिल है।

डॉ. जयंत कुमार, हाइडबर्ग, जर्मनी में आयोजित कार्यशाला ‘‘ह्यूमनाइज्ड माइस इन बायोमेडिसिन’’ में भाग लेने के लिए ईएमबीओ ट्रैवल ग्रांट। यूरोपियन मोलिक्यूलर बायोलोजी ओर्गेनाइजेशन (ईएमबीओ) द्वारा प्रदान अनुदान, नवम्बर 2019। (इसी कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता)

डॉ. सुभादीप कर्माकर, नेचर एशिया में प्रदर्शित पबडा फिश जीनोम को डिकोड करने पर रिसर्च वर्क। इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित पबडा फिश जीनोम को डीकोड करने पर न्यूज कोमेंटरी। इंडियन एक्सप्रेस, 21 अगस्त 2019 में प्रकाशित पीकोक जीनोम की डीकोडिंग पर रिसर्च वर्क

डॉ. अशोक शर्मा को नोबेल पुरस्कार सिरीज 2019 के लिए बायोटेक्नोलोजी विभाग द्वारा आमंत्रित किया गया। विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर (बीबीसीसी), कोलकाता में आयोजित 5वें इंडियन इंटरनैशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ 2019) में ‘यंग अर्काइवर्स यंग साइंटिस्ट्स’ कोन्फ्रेंस (वाईएससी) में कलोक्कियल व्याख्यान के लिए संयुक्त रूप से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा डीबीटी इंडिया द्वारा आमंत्रित किया गया। इंडियन काउंसिल ओफ मेडिकल रिसर्च इंडियन कैंसर रिसर्च कन्सोर्टियम (आईसीएमआर-आईसीआरसी), नई दिल्ली को स्थापित करने वाली समिति के सदस्य

डॉ. राखी यादव, एमडी छात्रा डा. आस्था सचान (द्वितीय वर्ष) ने क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री एण्ड लैबोरेट्री मेडिसिन (एमपीएफसीबी) कांग्रेस में 15वें एशिया पैसिफिक फेडरेशन में अपना कार्य प्रस्तुत करने के लिए अक्टूबर 2019-मार्च 2020 सत्र के लिए श्रीमति द्वारका प्रसाद ट्रस्ट ट्रैवल ग्रांट जीता, जयपुर, नवम्बर 2019

अतिथि वैज्ञानिक

1. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान-आरएएस इनिशिएटिव, यूएसए से **डॉ. सुमन मुखोपाध्याय** ने **30** जनवरी **2020** को चयापचय पर ऑन्कोजेनिक आरएएस के अलग-अलग प्रभावों को उजागर करने पर चर्चा की
2. **डॉ. सुनील के तडेपल्ली**, निदेशक, सेंटोगेन, भारत ने **29** जनवरी **2020** को आणविक आनुवंशिकी पर चर्चा की।
3. संयुक्त राज्य अमेरिका से **डॉ. सैयद शादाब रज़ा** ने 'आरओएस ट्रिगर्ड आटोफैगी जोकि इस्कीमिक मस्तिष्क में मानव स्टेम कोशिकाओं की हानि और अस्तित्व के साथ जुड़ा हुआ है: **12** सितंबर **2019** को ऑक्सीजन ग्लूकोज अभाव अध्ययन से अवलोकन'
4. **आचार्य भगवतुला मूर्ति,** निदेशक, टेक्सास चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ह्यूस्टन, यूएसए ने **9** अगस्त **2019** को हाइपरॉक्सिक फेफड़ों की चोट में साइटोक्रोम पी**450** (सीवाईपी**1**ए / **1**बी**1**) एंजाइम की मैकेनिस्टिक भूमिका पर चर्चा की।
5. **डॉ. तायल हैवीकॉन,** ग्रेजुएट स्टूडेंट सीनेटर, विकृतिविज्ञान एवं सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग, यूनीवर्सिटी ओफ नेब्रास्का, यूएस ने 8 मई 2019 को टीएफएच कोशिका इम्यूनोफीनोटाइप सहित टी कोशिका लिम्फोमा को बढ़ाने वाली सीडी **4**+टीटी कोशिकाओं में टेट2 की दीर्घावधिक अभाव पर चर्चा की।

9.4. जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग

आचार्य और अध्यक्ष

हरपाल सिंह

सह-आचार्य

नीतू सिंह | संदीप झा
दिनेश कल्याणसुंदरम | अनूप सिंह

सहायक आचार्य

दीपक जोशी | जयंता भट्टाचार्य | एस.एम.के. रहमान
अमित मेहंदीरत्ता | अर्नब चंदा | बिस्वरूप मुखर्जी

प्रतिष्ठित आचार्य

वीना कौल

मानद आचार्य

एस.के. गुहा

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग (जिसे सीबीएमई के रूप में भी जाना जाता है, आईआईटी दिल्ली में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के लिए केंद्र) में अब ग्यारह स्थायी संकाय, एक एमिरिटस प्रोफेसर और एक मानद प्रोफेसर है।

विशिष्टताएं

विभाग की स्थापना 1971 में एम्स, नई दिल्ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के संयुक्त उपक्रम के रूप में हुई थी। विभाग ने चिकित्सा और जैविक समस्याओं के समाधान के लिए इंजीनियरिंग सिद्धांतों को प्रयोग किया है। इसकी भारत में प्रमुख संस्थानों और अस्पतालों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएं हैं। विभाग के पास ज्ञान के प्रसार और निदान के लिए तकनीकों, उपकरणों और तरीकों के विकास, उपचार प्रतिक्रियाओं का पालन, दवा वितरण और रोग उपचार में मदद करने का अपना दृष्टिकोण है। विभाग के संकाय निम्नलिखित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए समर्पित हैं:

- बायोमैटिरियल्स
- जैवयांत्रिकी
- बायोइंस्ट्रूमेंटेशन
- मेडिकल इमेजिंग

पिछले वर्ष में, एआईआईएमएस में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग में डॉ. अर्नब चंदा द्वारा **"बायोमेक्ट्रोनिक्स लैब"** की स्थापना की गई थी और प्रयुक्त और नैदानिक अनुसंधान के लिए निम्नलिखित उपकरण लगाए गए थे।

- बायोट्रोबोलॉजी प्रयोगों के संचालन के लिए 24 दिसंबर 2019 को राम इंक्रेडिबल से स्किड प्रतिरोधी परीक्षक

- 15 जनवरी 2020 को अमित इंजीनियरिंग कंपनी से मशीनिंग उपकरण (मिनी सीएनसी मशीन, शीयर कटिंग मशीन)
- 21 अक्टूबर 2020 को इनबोडी इंक, यूएसए से इनबॉडी 720 एनालाइज़र।

डॉ. अर्नब चंदा (पीआई) द्वारा भारतीय आबादी में चेहरे की विशेषताओं और मोटापे के संबंध को समझने के लिए एम्स से नैतिक मंजूरी को एक पायलट अध्ययन शुरू करने के लिए मंजूरी दी गई थी। इस अध्ययन में अब तक 50+ विषय पहले ही भाग ले चुके हैं।

शोध के अलावा, विभाग शिक्षण में लगा हुआ है, जहां आईआईटी दिल्ली में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग से संबंधित पीजी, यूजी और प्री-पीएचडी पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं।

शिक्षा: पिछले वर्ष में नौ पीएचडी छात्रों ने स्नातक किया।

उम्मीदवार	शोध का नाम	सुपरवाइजर
एम. मारीस्वरन	फीमर की प्रयोगात्मक और मस्कुलो-स्केलेटल माडलिंग-अंटेरियर क्रुसिएट लिगामेंट-टिबिया कोम्पलेक्स	दिनेश कल्याणसुंद्रम और संदीप झा
दिलप्रीत सिंह	अनुकूलित कोहनी प्रत्यारोपण का डिजाइन, विनिर्माण और मूल्यांकन	दिनेश कल्याणसुंद्रम और पुलक पांडे (मैकेनिकल)
विनोद परमार	ओक्टोइलैक्ट्रोनिक्स और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए लेजर-सामग्री अध्ययन	दिनेश कल्याणसुंद्रम और जीवी प्रकाश (फिजिक्स)
विजय गौड	इलेक्ट्रोस्टैटिक पाउडर कोटिंग और अन्य तरीकों के माध्यम से किए गए कार्बन / पॉलीप्रोपाइलीन कंपोजिट पर अध्ययन	दिनेश कल्याणसुंद्रम, और आर. अलगिरुस्वामी और अपूर्वा दास (टेक्स्टाइल)
सनेखा ठाकरान	स्तन ट्यूमर निदान और ग्रेडिंग में सुधार के लिए मल्टी-पैरामीट्रिक एमआरआई डेटा का मात्रात्मक विश्लेषण	अनूप सिंह
अयान देवनाथ	नैदानिक अनुप्रयोगों के साथ मात्रात्मक सीईएसटी एमआरआई विधियों का विकास	अनूप सिंह
नेहा सिंह	पोस्ट-स्ट्रोक न्यूरो-रिहैबिलिटेशन के लिए ब्रेन स्टिमुलेशन एप्लिकेशन के साथ रोबोटिक हैंड बेस हस्तक्षेप का डिजाइन	अमित मेहन्दीरत्ता
सुमित मदान	दर्द विकारों के उपचार के लिए सामयिक दवा वितरण प्रणाली का विकास और मूल्यांकन	वीना कौल
स्मिता पाटिल	ऊतक इंजीनियरिंग के लिए स्टेम सेल विभेदन को नियंत्रित करना	नीतू सिंह

अनुसंधान

फाईल किये गये पेटेंट: 7

1. दिनेश कल्याणसुंदरम, रोहन चावला, जयंत भट्टाचार्य और लता कौशिक, ओकुलर केमोपोर्ट, भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या: 201911043252, 24 अक्टूबर 2019 को दायर
2. दीपक जोशी, आशुतोष तिवारी, भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201911034729, इनसोल आधारित पैर दबाव माप प्रणाली, अगस्त 2019 में दायर
3. अमित मेहंदीरत्ता, नेहा सिंह, शारीरिक प्रदर्शन संकेत के साथ शारीरिक संकेत निर्देशित मस्तिष्क उत्तेजना के लिये भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201911027688, 10 जुलाई 2019 को
4. अनूप सिंह, अमित मेहंदीरत्ता, संदीप पंवार जोगी, रफीक टी, भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201911021295, 29 मई 2019 को फाइलिंग स्कैनिंग के दौरान मानव के लोड बीयरिंग जोइन्ट पर एक्सल लोड के लिए डिवाइस।
5. विना कौल, भारतीय पैटेंट नं. 330077, आवेदन संख्या 2478/डीईएल/2013, रेटिकुलोएंडोथेलियल सिस्टम के अंगों में कैंसर का पता लगाने के लिए एमआरआई नेगेटिव कंट्रास्ट को बढाने वाले एजेंट के रूप में सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन आक्साइड नैनोपार्टिकल फार्मुलेशन और इसकी तैयारी की प्रक्रिया, 2019 में फाइल किया गया
6. सिंह नीतु, कौर तेजिंदर, आवेदन संख्या पीसीटी201911046377, डायबेटिक घावों के उपचार में सुधार लाने के लिए हाइड्रोजेल (2019 में आवेदन)
7. सुरेंद्र खरबंदा, जेम्स हिल, सिरीश अप्पाज्योसुलान, मार्क रोजेनबर्ग, हरपाल सिंह, आवेदन संख्या पीसीटी डबल्युओ 2020018778ए1, सेलिनोमायसीन युक्त पोलिमेरिक नैनोपार्टिकल्स

उद्योग के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण: 2

1. हरपाल सिंह, उत्पादन और व्यावसायीकरण के लिए पीपीई कवर आल के लिए यूफ्लैक्स लि. नोएडा को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, मई 2020
2. हरपाल सिंह, फिब्रेक्स कंस्ट्रक्शन एंड केमिकल्स प्रा. लिमिटेड फरीदाबाद को उत्पादन और व्यावसायीकरण के लिए ब्रिदेबल पीपीई कवरॉल के लिए, प्रोद्योगिकी स्थानांतरण, मई 2020

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ताकतवर और सस्ती ओडियोलोजिकल जांच ध्वनि के लिए हाई एंड ओडियोमेट्रिक डिवाइस की रिइंजीनियरिंग, दिनेश कल्याणसुंदरम, इंडो-जर्मन साइंस एण्ड टेक्नोलोजी सेंटर, 55 लाख रुपये
2. मायकोटोक्सिन का पता लगाने के लिए उच्च संवेदनशील सस्ती लागत की किट पर आधारित एप्टामीटर का डिजाइन-विकास-मूल्यांकन, हरिप्रसाद, डीएसटी, 36 लाख रुपये

3. मात्रात्मक मल्टी-पैरामिट्रीक एमआरआई के लिए विधि का विकास और ब्रेन ट्यूमर के वर्गीकरण और उपचार फोलो-अप में मशीन लर्निंग के साथ साथ इसकी संभावना का मूल्यांकन, अनूप सिंह, एसईआरबी-डीएसटी, **30** लाख रुपये
4. जलने और आघात (ट्रांमा) देखभाल के लिए आर्टिफिशियल स्किन (बायो-इन्सपायर्ड बाइ-लेयर पोलिमेरिक हाइब्रिड स्केफफोल्ड), वीणा कौल, आईएमपीआरआईएनटी इंडिया, एमएचआरडी और एमओएच, **220** लाख रुपये
5. कैंसर इम्युनोथेरेपी के लिए एमयूसी**1** पल्स्ड डीसी-चलित एक्सोम्स, जयंत भट्टाचार्य, डीबीटी, **63** लाख रुपये
6. इंटरनेशनल बायोडिजाइन प्रोग्राम, प्रोफेसर हरपाल सिंह, डीबीटी, **150** लाख रुपये

प्रकाशन

जर्नल्स: 33 **सार: 23**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

विद्यार्थी

डॉ. अनूप सिंह द्वारा निर्देशित पीएचडी छत्रा पुष्पा को मई **2019** में मैग्ना कम लाउड प्राप्त हुआ।
डॉ. अनूप सिंह द्वारा निर्देशित पीएचडी छात्र रफीक को मई **2019** में मैग्ना कम लाउड प्राप्त हुआ।
डॉ. नीतु सिंह द्वारा निर्देशित छात्र वीना अरोड़ा को आईआईटी दिल्ली द्वारा रिसर्चर अवार्ड दिया गया और वर्ष **2019** के लिए एनएएसआई-एससीओपीयूएस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त प्राप्त हुआ।

डॉ. अमित मेहंदीरत्ता को 27वें इंटरनैशनल सोसायटी ओफ मैग्नेटिक रिजोनान्स इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम) सम्मेलन, **2019**, मोट्रियल, कनाडा में ईके जेवोइस्की अवार्ड मिला।

डॉ. अर्नब चंदा को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग, विज्ञान और प्रोद्योगिकी मंत्रालय, चीन और भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित भारत-चीन यात्रा के लिए चुना गया; उन्होंने भारत से प्रतिष्ठित संस्थान प्रतिनिधि मंडल के भाग के रूप में सिंगापुर और ब्रुनेई के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की यात्रा की।

डॉ. नीतू सिंह ने एम्स-आईआईटीडी बायोडिजाइन समर वर्कशाप, **2019** का आयोजन किया।

अतिथि वैज्ञानिक और आमंत्रित व्याख्यान

1. **प्रोफेसर पैड्रो इराजोकी**, रिली प्रोफेसर ओफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और विद्युत एवं **कंप्यूटर** इंजीनियरिंग प्रोफेसर, परड्यू युनिवर्सिटी, यूएसए, **26** फरवरी **2020**
2. **डॉ. मनोज कुमार**, स्टेम सेल इंस्टीट्यूट, विकास एवं रिजेनरेशन विभाग, केयू ल्यूवेन, बेल्जियम, **6** जनवरी **2020**, शीर्षकः कोम्पलेक्स इन विर्टो लिवर माडलः क्या पूर्व चिकित्सा वातावरण में बीमारियों की माडलिंग के लिए ओर्गनोइड तकनीकी महत्वपूर्ण है?
3. **डॉ. संहिता सिनहारे**, एमडी एंडर्सन कैंसर सेंटर, हाउस्टन, टेक्साज के कैंसर सिस्टम इमेजिंग विभाग में फैकल्टी रिसर्च इंस्ट्रक्टर, **19** सितम्बर **2019**, शीर्षकः मोलिक्यूलर इमेजिंग के द्वारा हेल्थकेयर की भावी तस्वीर।

9.5. जैव भौतिकी

एसईआरबी के प्रतिष्ठित आचार्य

टीपी सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ष

पुनीत कौर

आचार्य

सविता यादव सुजाता शर्मा

अपर आचार्य

जी. हरिप्रसाद राव शर्मिष्ठा डे

सह-आचार्य

इतायातुल्ला ए.एस.

सहायक आचार्य

कृष्ण कुमार इनामपुडी सरोज कुमार प्रदीप शर्मा

वैज्ञानिक

आशा भूषण एस. बास्कर सिंह मनोज कुमार उददीपन दास

विशिष्टताएं

रिपोर्ट की अवधि के दौरान, विभाग के पास 25 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं जो बाह्य अनुदान द्वारा वित्त पोषित हैं। विभाग में अनुसंधान जैविक प्रक्रिया, तर्कसंगत संरचना-आधारित दवा डिजाइन और नए विशिष्ट बायोमार्कर की खोज के आणविक आधार का निर्धारण करने से संबंधित है। विभाग प्रोटीन और छोटे अणु क्रिस्टल, चिकित्सा जैव सूचना विज्ञान, प्रोटीन अनुक्रमण और पेप्टाइड संश्लेषण, प्रोटियोमिक्स और गतिशील प्रकाश पर डेटा संग्रह के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार से उच्च शैक्षिक संस्थान (एफआईएसटी) अनुदान में विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना में सुधार के लिए धन प्राप्त हुआ। पिछले एक वर्ष में, संकाय और वैज्ञानिकों ने विभिन्न साथियों की समीक्षा की गई पत्रिकाओं में 36 शोध प्रकाशन प्रकाशित किए। विभाग ने एमएससी, पीएचडी और एमडी छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा और लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण प्रदान करना जारी रखा। संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को पूरे देश में व्याख्यान और सेमिनार देने के लिए आमंत्रित किया गया था और 46 व्याख्यान दिए हैं। 25 सितंबर 2019 को संस्थान दिवस पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए विभाग को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

बायोफिजिक्स विभाग के संकाय और वैज्ञानिकों ने पीएचडी, एमएससी (बायोफिजिक्स) और एमडी (बायोफिजिक्स) की डिग्री के लिए छात्रों को पढ़ाना और मार्गदर्शन करना जारी रखा। स्नातकोत्तर शिक्षण में सिद्धांत वर्ग, व्यावहारिक कक्षाएं और एक शोध प्रबंध परियोजना शामिल है।

लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग ने विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों से एमएससी और एमटेक छात्रों को लंबी और छोटी अवधि के प्रशिक्षण भी प्रदान किए।

व्याख्यान

टीपी सिंह: 10	**पुनीत कौर: 3**	**सविता यादव: 5**
सुजाता शर्मा: 1	**शर्मिष्ठा डे: 3**	**सरोज कुमार: 2**
ज्योतिर्मय बनर्जी: 5	**मनोज कुमार: 1**	

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति: 22

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. जन्मजात प्रतिरक्षा प्रणाली से पेप्टिडोग्लाइकन पहचान प्रोटीन की संरचना और कार्य अध्ययन, टीपी सिंह, एसईआरबीडीएसटी-, साल 5, 2019-2014
2. सालमोनेला टाइफी से डीएनए गाइरेस के विरुध अवरोधकों के लिए सिलिको पहचान, रासायनिक संश्लेषण और जैविक संरचना मूल्यांकन, पुनीत कौर, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 56.55 लाख रुपये
3. एएमआर-डीआईजी: एंटीवेलोब्रोबियल रेसिस्टेंस की सीक्वेंस बेस्ड प्रीडिक्शन के लिए नॉवेल डायग्नोस्टिक टूल, पुनीत कौर, आईसीएमआर (इंडो-नॉर्वे), 3 साल, 2018-2021, 136 लाख रुपये
4. संभावित बायोमेट्रिक अनुप्रयोगों के लिए ओक तसर (एनथेरा प्रोलेरी) कोकून से तैयार रेशम फाइब्रोइन फिल्म की विशेषता, पुनीत कौर, डीबीटी-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 29.97 लाख
5. बायोएनर्जी और जैवविविध उत्पादों के लिए नये और कुशल कार्बोहाइड्रेट एंजाइमों का विकास, पुनीत कौर, डीबीटी-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रु 23.99 लाख
6. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनकारी विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, सविता यादव, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, 61 लाख रुपये
7. आवर्तक गर्भावस्था के नुकसान में पुरुष कारकों की खोज: एक जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स आधारित दृष्टिकोण, सविता यादव, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 49 लाख रुपये

8. पेप्टिडिल आरएनए-हाइड्रॉलेज़ के विरुध नये जीवाणुरोधी एजेंट विकसित करने के लिए तर्कसंगत संरचना-आधारित लिगैंड डिज़ाइन, मल्टीड्रग प्रतिरोधी बैक्टीरिया, एसीनेटोबैक्टीर बॉमनी, से एक दवा लक्ष्य, सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 68 लाख रुपये
9. दवा प्रतिरोधी जीवाणुओं में सीओए सिंथेटिक मार्ग के एंजाइमों के विरुध नये जीवाणुरोधी एजेंट विकसित करने के लिए तर्कसंगत संरचना-आधारित लिगैंड डिजाइन, एसीनेटोबैक्टर बॉमनी, सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, रु। 50 लाख
10. लैक्टोफेरिन के ट्रिप्सिन क्लीव्ड फंक्शनल फ्रैगमेंट के साथ लिपोपॉलीसेकेराइड बाइंडिग का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 60 लाख रुपये
11. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस को बढाने वाले कारकों के सिलिको संरचनात्मक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन, सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 24 लाख रुपये
12. ए. बुमनेई से ग्लिसराल्डिहाइड-3-फॉस्फेट डिहाइड्रोजनेज (जीएपीडीएच) का संरचनात्मक और जैव रासायनिक लक्षण वर्णन और अवरोधक का डिजाइन, सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 25 लाख रुपये
13. चूहे के मॉडल पर अल्जाइमर रोग के सिरटुइन के छोटे अणु आधारित नये एक्टिवेटर का चिकित्सीय हस्तक्षेप, शर्मिष्ठा डे, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 65 लाख रुपये
14. साल्मोनेला एंटरिका से बैक्टीरियल सेल डिवीजन प्रोटीन एफटीएसजेड के संरचनात्मक और बायोफिज़िकल लक्षण वर्णन: रोगाणुरोधी दवा लक्ष्य, जैसे एथायथुल्ला, डीएसटी, 3 साल, 2016-2019, रु 33 लाख
15. मानव कैंसर में p53 Y220 उत्परिवर्ती कार्य को पुनर्स्थापित करने के लिए संभावित लिगैंड के रूप में कर्क्यूमिन के जैव-संरचनात्मक और संरचनात्मक लक्षण वर्णन, ए.एस. इतायातुल्ला, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 9.8 लाख रुपये
16. तपेदिक के विरुद्ध दवा के विकास के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए नॉन-हाइड्रॉलिसेबल पेप्टिडिल टीआरएनए कॉम्प्लेक्स बनाकर पेप्टिडिल टीआरएनए हाइड्रॉलेज़ द्वारा ट्रांसफ़ेशनल बचाव प्रणाली के संरचनात्मक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन, कृष्णा के इनामपुडी, डीएसटी, 4 साल, 2017-2021, 4.9 लाख रुपये
17. ईजीएफआर के विरुध नैनो-अवरोधकों की संरचना आधारित डिजाइन: फेफड़े के कैंसर में नये चिकित्सा विज्ञान को विकसित करने के लिए एक प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण, कृष्णा के इनामपुरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 65 लाख रुपये
18. ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर के उपचार के लिए दवा प्रतिरोधी ईजीएफआर कायनेज के विरुध शक्तिशाली अवरोधकों का विकास, कृष्णा के इनामपुडी, डीएसटी, 3 साल, 2020-2023, 40 लाख रुपये
19. एनएसपी आरएनए पोलीमरेज़ के लिए शक्तिशाली अवरोधकों का विकास और COVID-19 के उपचार के लिए नोवल कोरोना वायरस से पीएल प्रोटीज, कृष्णा के इनामपुडी, एम्स, 2 साल, 2020-22, 8 लाख रुपये

20. अल्जाइमर रोग के शुरुआती निदान के लिए नये इमेजिंग एजेंटों का डिजाइन और विकास, सरोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 37 लाख रुपये
21. फार्माको-रोधक एपिलेप्सी से जुड़े बेंजोडाइजेपाइन-प्रतिरोध में जीएबीएए रिसेप्टर पर डाइसफंक्शनल बेंजोडायजेपाइन बाइंडिंग साइट की भूमिका की जांच करना, एडवांस्ड एपिलेप्सी रिसर्चः एक बहुविषयक उपागम परियोजना के अंतर्गत मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार, ज्योतिर्मय बनर्जी, 3 वर्ष, 2018-2021, 136 लाख रुपये
22. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी (एमटीएलई) और फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया (एफसीडी) से जुड़े असामान्य सिनैप्टिक ट्रांसमिशन में मेटाबोलाइट्स और न्यूरोट्रांसमीटर की भूमिका की जांच: एपिलेप्टोजेनिक फोसी के स्थानीकरण हेतु संभावित बायोमार्कर्स, ज्योतिर्मय बनर्जी, डीबीटी, भारत सरकार, "मिर्गी अनुसंधान फेजना के लिए उत्कृष्टता का केंद्र" परियोजना के तहत, 3 साल, 2018-2021, 168 लाख रुपये
23. टेम्पोरल लोब मिर्गी, के एक रोडेंट पिलोकार्पिन मॉडल में ग्लूटामेटेरिक उत्तेजक न्यूरोट्रांसमीशन के क्षेत्र-विशिष्ट परिवर्तनों को स्पष्ट करना, ज्योतिर्मय बनर्जी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 61 लाख रुपये
24. ट्यूमर से सम्बन्धित अपवर्तक मिर्गी के रोगियों के ट्यूमर के ऊतकों पर प्लाज्मा जेट का प्रभाव, ज्योतिर्मय बनर्जी, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), 3 साल, 2018-2021, 33 लाख रुपये
25. हिप्पोकैम्पल स्केलेरोसिस से जुड़े असामान्य सिनेप्टिक ट्रांसमिशन में $\alpha 7$ और $\alpha 4\beta 2$ उपप्रकारों की भूमिका, ज्योतिर्मय बनर्जी, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये
26. एसिनेटोबेक्टर बौमान्नी में प्रदत्त प्रोटीन के विरुध नये जीवाणुरोधी एजेंटों को विकसित करने के लिए तर्कसंगत संरचना-आधारित लिगैंड डिजाइन, प्रदीप शर्मा, ICMR, 3 वर्ष, 2020-2023, 60 लाख रुपये
27. एसएआरएस-सीओवी-2 मुख्य प्रोटीज के खिलाफ ड्रग रिप्रोपोजिंग का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, प्रदीप शर्मा, एम्स, 2 साल, 2020-2022, 8 लाख रुपये
28. रोगाणुरोधी यौगिकों की संरचना आधारित पहचान, प्रदीप शर्मा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2020-2025, रु 50 लाख
29. घातक ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए प्रमुख मौखिक स्थितियों के परिवर्तन के दौरान शक्तिशाली बायोमार्कर की पहचान करने के लिए तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स विश्लेषण, एस. बास्कर सिंह, डीएसटी, 3 साल, 2019-2021, 43 लाख रुपये

पूर्ण

1. पेप्टिडोग्लाइकन पहचान प्रोटीन, पेटिडिल टीआरएनए हाईड्रोलेज, डाईहाइड्रोपिकोलिनेट सिंथेस (डीएचडीपीएस), डाईहाइड्रोपिकोलिनेट रिडक्टेज (डीएचडीपीआर) और फोस्फोलिफेज (डीएचडीपीआर) 2ए, का संरचनात्मक अध्ययन, टीपी सिंह, आईएनएसए, वर्ष 5, 2014-2019
2. नये एंटीट्यूमर हेटेरोएनेथ एन्थ्रेकेनडिएस का संरचना आधारित डिजाइन और संश्लेषण, पुनीत कौर, डीएसटीआरएफबीआर-, वर्ष 2.5, 2020-2017, लाख 24.4

3. पेप्टिडाइल टीआरएनए हाइड्रॉलस (पीटीएच): गैर हाइड्रोसिबल पेप्टिडाइल टीआरएनए के साथ पीटीएच की संरचना और कार्यात्मक तंत्र, कृष्णा के इनामपुडी, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2020, 9.8 लाख रुपये
4. एफटीआईआर इमेजिंग से स्तन कैंसर की प्रगति में संभावित भूमिका को समझने के लिए फाइब्रोब्लास्ट्स की विशेषता, सरोज कुमार, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 9.8 लाख रुपये
5. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस से सल्फेट सक्रियण परिसर का संरचनात्मक लक्षण वर्णन, उददीपन दास, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 8 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सीडीएच/1एफजेडआर के संबंध में एसएसपी90 की भूमिका को समझने के लिए संरचना आधारित पद्धति दवा लक्ष्य के साथ जटिल साईक्लोसम को बढ़ावा देने वाले एनाफेज की एक सक्रिय सबयूनिट
2. साल्मोनेला टायफी से संरचना का निर्धारण और नई दवाओं के विकास के लिए संरचना आधारित लिगेंड डिजाइन
3. सिलिको स्क्रीनिंग और संरचना आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए एमडीआर रोगजनकों के लिए दवाओं को विकसित करने के लिए एस. टाइफी से मुर बी के विरुध अवरोधकों का डिजाइन।
4. इनविवो मॉडल में सिर्टुइन को लक्षित करके अल्जाइमर रोग का चिकित्सीय हस्तक्षेप-
5. दर्द प्रोटीन के परिसंचारी स्तर पर अध्ययन, मेटास्टैटिक स्तन कैंसर में उनके संकेत और उसके चिकित्सीय निहितार्थ।
6. टाऊ के हाइपरफॉस्फोरिलीकरण में शामिल मार्गों को लक्षित करने वाले संभावित मोडुलेटर का अध्ययन
7. अल्जाइमर रोग (एडी) पैथोलॉजी में लिपोक्सिसेस को लक्षित करने वाले एमाइलॉइड बीटा (एß) के एंटीन्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण
8. साल्मोनेला टायफी के विरुध संभावित दवा लक्ष्य के रूप में एफटीएसजेड सेल डिवीजन प्रोटीन का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन।
9. उत्परिवर्तन वाई220सी वाले मानव कैंसर कोशिका लाइनों में प्राकृतिक यौगिकों का उपयोग करते हुए पी53 उत्परिवर्तन का संरचनात्मक और कार्यात्मक पुनर्सक्रियन
10. पी53 का संरचनात्मक ओर कार्यात्मक लक्षण वर्णन
11. पी53 प्राकृतिक प्रमोटर अनुक्रम के साथ पी 73डीबीडी का संरचनात्मक ओर बायोफिजिकल लक्षण वर्णन
12. माईकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पेप्टिडिल टीआरएरनए हाइड्रोलाइस का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन-बहुऔषधि प्रतिरोध तपेदिक का एक नया दवा लक्षय
13. ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर के इलाज के लिए दवा प्रतिरोधी ईजीएफआर किनेज के विरुध शक्तिशाली अवरोधकों का विकास

14. एथेरोस्केलेरोटिक हृदय रोग :आईटीआरएक्यू आधारित मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स द्वारा बायोफ्लुइड एक्सोसोम से प्रारंभिक बायोमार्कर को प्रकट करना
15. ईजीएफआर के विरूद्ध नेनोबॉडी-हिबिटर्स का संरचना आधारित डिजाइन: फेफड़ों के कैंसर के लिए नए चिकित्सा विज्ञान को विकसित करने के लिए एक प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण
16. अस्थायी लोब मिर्गी से संबंधित एपिलेपटोजेनेसिस एवं हाइपरएक्सीटेविलिटी में सेमोफोरिन की भूमिका को स्पष्ट करना
17. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया में सेरेब्रल कॉर्टेक्स की आयु निर्भरता को समझना।
18. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया और नॉन कॉर्टिकल डिसप्लेसिया पैथोलॉजिस में-एएमपीए रिसेप्टर क्लस्टरिंग के तंत्र को समझना
19. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया और नॉन कॉर्टिकल डिसप्लेसिया-डीआरई पैथोलॉजी से जुड़े परिवर्तित सिनैप्टिक ट्रांसमिशन में α-7nAChR और α-2- 4nAChR की भूमिका।
20. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी में साइटोसोलिक फॉस्फोलिपेज़ ए की भूमिका को स्पष्ट करना

पूर्ण

1. एकीकृत जैव सूचना विज्ञान और प्रायोगिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए रोगजनन, रोग प्रगति और कई मायलोमा में सेल मुक्त एमआईआरएनए परिसंचारी सेल के प्रसार को स्पष्ट करना
2. एचएनसीसी में गैर-क्लासिकल वर्ग I मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन जी का हस्तक्षेप और इसके चिकित्सीय निहितार्थ
3. पी53 वाइल्ड टाइप और म्यूटेंट आर337एच का स्ट्रक्चरल और बायोफिजिकल कैरेक्टराइजेशन
4. कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन का उपयोग करके एसईजीएफआर के लिए पेप्टाइड इंहिबीटर डिजाइन एवं वैलीडेशन
5. फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए मानव एसईजीएफआर के विरुध डीएनए एप्टेमर्स की पहचान
6. माइकोबैक्टीरियम तपेदिक से सुग एबीसी ट्रांसपोर्टर के एटीपेज डोमेन का बायोफिजिकल लक्षण वर्णन
7. बीसीआर-एबीएल किनेज में उत्परिवर्तन और लचीले अवरोधकों के डिजाइन के कारण सीएमेल में इमैटिनिब और संबंधित दवाओं के प्रतिरोध का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण
8. फेफड़ों के कैंसर का इलाज करने के लिए मानव एसईजीएफआर के विरुध डीएनए एप्टामर्स की पहचान

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. एस .टायफी, का जीनोमिक विश्लेषण, माइक्रोबायोलॉजी
2. नये डीएनए गाइरेस इनहिबिटर्स का संश्लेषण, जेएमआई, नई दिल्ली

3. लौंगिटयूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई) के लिए डिमेंशिया का हार्मोनाइज्ड डायग्नोस्टिक (डीएडी) असेसमेंट
4. वृधावस्था में स्केलेटल मसल के रिजेनरेशन का चिकित्सकीय अध्ययन, जेरियाट्रिक चिकित्सा
5. ईजीएफआर के विरुध नैनो अवरोधकों का संरचना-आधारित डिजाइन: फेफड़े के कैंसर के लिये नये चिकित्सा विज्ञान को विकसित करने के लिए एक प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण, जीवन विज्ञान, शिव नाडार यूनिवर्सिटी, सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइनफॉरमैटिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार, एम्स
6. ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर के उपचार के लिए दवा प्रतिरोधी ईजीएफआर किनेज के विरुध एक नैनोमेडिसिन दृष्टिकोण, पल्मोनरी मेडिसिन एंड स्लीप डिसऑर्डर, एम्स, केमिस्ट्री, आईआईटी दिल्ली, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी, ओटावा, कनाडा ।
7. लक्षित दवा प्रतिरोधी ट्यूमर हार्बरिन्ग ईजीएफआर: नोन स्माल सेल फेफड़े के कैंसर के उपचार के लिए अगली पीढ़ी का आणविक दृष्टिकोण, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार, एम्स, नई दिल्ली
8. गैस्ट्रोएन्टेरोनोपैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में एपोप्टोसिस प्रोटीन के अवरोधकों की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान
9. पार्किंसंस रोग के लिए प्रारंभिक पहचान तकनीक का विकास, न्यूरोलॉजी
10. प्रारंभिक जांच तकनीक का विकास और संज्ञानात्मक हानि को समझना, जेरियाट्रिक्स और न्यूरोलॉजी
11. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी,में कैसिइन काइनेज 2 को भूमिका का स्पष्ट करना, न्यूरोसर्जरी

पूर्ण

1. एकीकृत जैव सूचना विज्ञान और प्रायोगिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए रोगजनन, रोग प्रगति और मल्टीपल मायलोमा में संचारी सेल मुक्त एमआईआरएनए की व्याख्या करना, लैब ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
2. बुढ़ापे के मार्कर के रूप में, सीरम में नये इंट्रासेल्युलर प्रोटीन का मूल्यांकन जेरियाट्रिक चिकित्सा
3. तुरंत लोडिड और विलंबित लोड किए गए डेंटल प्रत्यारोपणों में पेरीप्लाक्रेविविअल फ्लुइड मेटेलोप्रोटीनेज -8 (एमएमपी -8) और कैथेप्सिन- के (सीटीएसके) स्तर का मूल्यांकन, सेंटर ऑफ डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च
4. मेसिनियल टेम्पोरल लोब मिर्गी (एमटीएलई) से जुड़े हाइपरेक्सिटिबिलिटी में केयूरेनिक एसिड, एक ग्लूटामेट रिसेप्टर इनहिबिटर, की भूमिका, न्यूरोसर्जरी
5. फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया के बाल और वयस्क रोगियों में जीएबीएए रिसेप्टर परिवर्तन की भूमिका की व्याख्या करना, न्यूरोसर्जरी
6. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी के रोगियों में एटीएफ 3 और टीजीएफß संकेतन की भूमिका की व्याख्या करना, न्यूरोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिका: 34 **सारांश: 2**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर टी.पी. सिंह ने विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए एसएएसटीआर - जी.एन. रामचंद्रन पुरस्कार प्राप्त किया। बायो-इंफॉर्मेटिक्स एंड ड्रग डिज़ाइन सोसायटी (बीआईडीडीएस) (2020-2022) के निर्वाचित अध्यक्ष। बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (2019-2021) के निर्वाचित अध्यक्ष। एसईआरबी-डीएसटी प्रतिष्ठित फैलोशिप (2019-2024) से सम्मानित

पुनीत कौर को भारतीय क्रिस्टलोग्राफिक एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया। INSA-IUPAB समिति की निर्वाचित सदस्य

सविता यादव ने नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली की फैलोशिप प्राप्त की; इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज, भारत की उपाध्यक्ष के रूप में चुनी गई; एम्स ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड (तीसरा पुरस्कार) से सम्मानित

सुजाता शर्मा को विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए कल्पना चावला उत्कृष्टता पुरस्कार मिला

डॉ. हरिप्रसाद जी को सेंट्रल कोर रिसर्च फैसिलिटी, एम्स, नई दिल्ली के लिए लोगो डिजाइनिंग का दूसरा पुरस्कार मिला। लोगो को सीसीआरएफ के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित किया गया है।

डॉ. शर्मिष्ठा डे को एम्स ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड में प्रथम पुरस्कार मिला, 2019 एम्स, नई दिल्ली

डॉ. एथयातुल्ला ए.एस. ने नई दिल्ली में 11 से 12 नवंबर 2019 तक दवा की खोज में अनुप्रयोग: इंडो-इटैलियन इलेक्ट्रा बीमलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया।

डॉ. सरोज कुमार ने जर्नल एक्टा बायोमेटेरिलिया (एल्सेवियर पब्लिकेशन, आईएफ: 7.15), 2019 में समीक्षा आमंत्रित की; मेड टेक4हेल्थ, उप्साला द्वारा स्वीडिश दूतावास, भारत में इंडो-स्वीडिश स्वास्थ्य वर्ष 2019 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; संयुक्त सचिव; जेरोन्टोलॉजी एसोसिएशन, 2019 का 19 वां द्विवार्षिक सम्मेलन; "पोलिश नेशनल ग्रांट एप्लीकेशन", पोलैंड, 2019 के विशेषज्ञ समीक्षक

डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी ने डॉ. अपर्णा दीक्षित के साथ संयुक्त रूप से अहमदाबाद, गुजरात में इंडियन एपिलेप्सी सोसायटी और इंडियन एपिलेप्सी एसोसिएशन (इकोन 2020) के 21वें संयुक्त सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मंच प्रस्तुति प्राप्त की, पत्रिका न्यूरोलॉजी इंडिया के लिए सह-संपादक; न्यूरोसाइंस (न्यूरोफार्माकोलॉजी अनुभाग) में जर्नल फ्रंटियर्स के लिए समीक्षा संपादक।

अतिथि वैज्ञानिक

निम्नलिखित प्रसिद्ध वैज्ञानिकों और प्रख्यात शिक्षाविदों ने पिछले वर्ष में व्याख्यान और वैज्ञानिक सहयोग प्रस्तुत करने के लिए विभाग का दौरा किया है:

1. डॉ. रफी अहमद, नॉर्वे
2. डॉ. अर्ने माइकल टेकस्ट, नॉर्वे
3. डॉ. एकातेरिना अवर्शिना, नॉर्वे
4. डॉ. सोनिका भटनागर, नई दिल्ली

9.6. जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

आर. एम. पाण्डे

आचार्य

एस. एन. द्विवेदी वी. श्रीनिवास

अपर आचार्य

मारूफ ए. खान

वैज्ञानिक-I

एम. कलाइवानी शिवम पांडे नीलिमा

विशिष्टताएँ

विभाग ने संकाय/रेजीडेंट्स और संस्थान में पीएचडी छात्रों के लिए जैव सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं पर तीन व्यावहारिक कार्यशालाएँ आयोजित की। विभाग के पास चार जारी बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं थीं। संस्थान में विभिन्न केंद्रों/विभागों के साथ सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में 81 जारी हैं तथा 58 अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है। विभाग में संकाय और वैज्ञानिकों के पास विभिन्न सहकर्मी समीक्षा चिकित्सा पत्रिकाओं में 155 अनुसंधान प्रकाशन थे। संकाय तथा वैज्ञानिक: देश में लगभग सभी प्रमुख चिकित्सा पत्रिकाओं के लिए और विभिन्न चिकित्सा विशिष्टताओं से कई अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं के लिए समीक्षक बने रहे; संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक और वैज्ञानिक समितियों पर कार्य किया गया; आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, आयुष की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के आमंत्रित सदस्य थे; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षणों की डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्डों (डीएसएमबी) पर कार्य किया; देश और विदेश में विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों में आमंत्रित व्याख्यान दिये; और देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में जमा पीएचडी शोधपत्रों के परीक्षक के रूप में कार्य किया।

शिक्षा

विभाग ने स्नातक-पूर्व, पैरामेडिकल और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात एमबीबीएस, बीएससी (ऑनर्स) विकिरण विज्ञान में चिकित्सा तकनीक, एम बायोटेक, बीएससी और एमएससी नर्सिंग, एवं एमडी सामुदायिक चिकित्सा हेतु "जैव सांख्यिकी और अनुसंधान विधियों की अनिवार्यता" का शिक्षण जारी रखा। संस्थान में रेजीडेंट के लिए अनुसंधान पद्धति, लेखन और संचार कार्यशालाओं के संचालन में विभाग प्रमुख भूमिका निभाता है, चार बैचों में 5 दिवसीय पाठ्यक्रम अनिवार्य है। अनुरोध करने पर, संकाय के सदस्यों ने रेजीडेंट, पीएचडी छात्रों के लिए व्याख्यान-शृंखला दी और संस्थान में विभिन्न केंद्रों/ विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतियों में भाग लिया। विभाग में पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन करने के अलावा, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने सह-मार्गदर्शक, पीएचडी के डीसी सदस्यों, डीएम, एमसीएच, एमडी/ एमएस/एमएचए/एमडीएस के

छात्रों के रूप में संस्थान में अन्य विभागों की शैक्षणिक गतिविधियों में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, विभागीय संकाय और वैज्ञानिकों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सम्मेलनों में अनुसंधान पद्धति और जीव विज्ञान पर विभिन्न कार्यशालाओं में 29 अतिथि व्याख्यान दिए।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आर.एम पांडे: 7 **एसएन द्विवेदी: 22** **वी श्रीनिवास: 5**

शिवम पांडे: 5

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 4

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव: 20 शहरों के विभिन्न स्थलों का अध्ययन, आरएम पांडे, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2019-2021, रुपये 26.40 लाख
2. तीन सप्ताह के इमोबिलाइजेशन के बाद क्लो हैंड के लिए टेंडन ट्रांसफर प्रक्रियाओं की तुलना में अर्ली एक्टिव मोबिलाइजेशन के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु बहुकेंद्रित परीक्षण (डेटा कोआर्डीनेशन एंड स्टडी मॉनिटरिंग), वी श्रीनिवास आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2015-2020, रुपये 21.22 लाख
3. भारत में क्रोन्स रोग: देश से बहु-केंद्रीय अध्ययन जहां आंतों के तपेदिक के साथ-साथ जोह्न्स रोग स्थानिक है (डेटा कोआर्डीनेशन एंड स्टडी मॉनिटरिंग), वी श्रीनिवास, डीएचआर, 3½ वर्ष, 2016-2020, रुपये 28.0 लाख
4. भारत में पांच वर्ष से कम बच्चों की मृत्यु दर पर भौगोलिक स्वास्थ्य असमानताओं का प्रभाव, एमए खान, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 16.0 लाख

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1 लिम्फ नोड सम्मिलिन के पैटर्न एवं संबन्धित कारक तथा मुखीय कैंसर रोगियों के मध्य स्थानीय आवर्ती: जैव सांख्यिकीय महत्त्व।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. आघात तथा ज्ञानात्मक क्षरण (काग्निटिव डिकलाइन) के कारणों को उजागर करने के लिए आबादी आधारित दूरदर्शी समूह अध्ययन: क्रॉस कल्चरल पर्स्पेक्टिव, तंत्रिका विज्ञान
2. मानव ट्राफोब्लास्ट कोशिकाओं के स्थानान्तरण पर हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, शरीर रचना

3. सेप्टिक शॉक वाले रोगियों में आप्लावन अवस्था में सघन चिकित्सा टीईई बनाम पारंपरिक टीईई की तुलना- एक डबल ब्लाइंडेड अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं सघन चिकित्सा
4. एचएनएससीसी में मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन-जी के हस्तक्षेप और इसके चिकित्सीय संबंध, जैव भौतिकी
5. अल्जाइमर रोग (एडी) के पैथोलॉजी लक्षित लिपोक्सीजेन्सेस में एमाइलॉइड बीटा (एबी) के एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैव भौतिकी
6. इनफ्लेमेटरी प्रोटीन के परिसंचारी स्तर, मेटास्टैटिक स्तन कैंसर में उनके सिग्नलिंग कैस्केड और उसके लिए चिकित्सीय संबंध पर अध्ययन, जैव भौतिकी
7. पीसीआई के बाद वाले रोगियों में योग आधारित हृदय संबंधी स्वास्थ्यलाभ की प्रभावकारिता: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, ओपन-लेबल, ब्लाइंड एंड-पॉइंट परीक्षण, हृदय विज्ञान
8. 18-24 वर्ष की आयु के कॉलेज जाने वाले छात्रों में ई-हैल्थ साक्षरता को मापने के लिए एक पैमाने का विकास, (अंग्रेजी संस्करण) फरीदाबाद, भारत, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
9. हृदघात वाले रोगियों में कैरोटिड पल्स जाँचने के लिए पॉइंट ऑफ़ केयर अल्ट्रासाउंड की भूमिका का अध्ययन करना, आपातकाल चिकित्सा
10. आपातकाल विभाग में तीव्र पेट दर्द वाले रोगियों के क्लिनिक एपिडेमीओलॉजिकल प्रोफ़ाइल का अध्ययन करने हेतु, आपातकालीन चिकित्सा
11. भारत के अनुदैर्ध्य उम्र बढ़ने के अध्ययन (एलएएसआई) हेतु अनुकूलित डिमेन्शीआ का नैदानिक मूल्यांकन (डीएडी), जरा चिकित्सा
12. प्री-फ्रेल से पीड़ित बुजुर्गों के लिए गृह-आधारित वीडियो-अवलोकित नॉर्डिक वॉकिंग प्रशिक्षण बनाम प्रत्यक्ष-अवलोकित नॉर्डिक वॉकिंग प्रशिक्षण, जरा चिकित्सा
13. इंडियन फ्रेल्टी रजिस्ट्री ऑफ ओल्डर एड्ल्ट्स का विकास, जरा चिकित्सा
14. वृद्ध भारतीय आबादी में प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जरी के परिणाम पर फ्रेल्टी और जेरिएट्रिक सिंड्रोम का प्रभाव, जरा चिकित्सा
15. बहु-मायलोमा में जीनोमिक विपथन का मिनिमम इनवेसिव मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच
16. रजोनिवृत्त महिलाओं के लिए वजन उपचार मॉड्यूल: स्त्रीरोग विशेषज्ञों हेतु एक व्यावहारिक गाइड, कायचिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय
17. तृतीयक उपचार अस्पताल में व्यापक रूप से वजन घटाने की प्रक्रिया से गुजरने वाले मोटापे से ग्रसित वयस्कों के बीच वजन घटाने के सफल परिणाम के पूर्वानुमानक, कायचिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय
18. एचआईवी नेगेटिव लिम्फ नोड ट्यूबरक्लोसिस में पैराडाक्सिकल रिएक्शन की घटना, परिणाम एवं जोखिम के कारक, जरा चिकित्सा

19. गंभीर डेंगू का पूर्वानुमान करने वाले एवं गंभीरता मापने हेतु स्कोरिंग सिस्टम का विकास, जरा चिकित्सा
20. दिल्ली एवं इससे जुड़े हुए क्षेत्र में सूक्ष्म जीवाणुजनित विकृति के मामले से विलग निएसेरिया मैनिंजिटाइड्स का आणुविक वर्णन, सूक्ष्मजैवविज्ञान
21. उत्तर भारत से नॉन-टाइपेबल हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा (एनटीएचआई) के फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक लक्षण का वर्णन, सूक्ष्मजैवविज्ञान
22. इम्यूनोकंप्रोमाइज़्ड व्यक्तियों में माइकोप्लाज़्मा निमोनिया एवं न्यूमोक्सीस्टिस जिरोवेसी की आणविक एपिडेमियोलॉजी, सूक्ष्मजैवविज्ञान
23. फंक्शनल मग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) का इस्तेमाल करके क्रोनिक इन्ट्रैक्टबल एपलेप्सी में कॉगनेशन तथा जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
24. पार्किंसंस रोग में ट्रांस्क्रिनिअल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन की भूमिका की जांच, तंत्रिका विज्ञान
25. दिल्ली के शहरी क्षेत्र में रहने वाले 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में सेरिब्रल माइक्रो-ब्लीड्स की व्यापकता एवं निर्धारक: जनसंख्या आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
26. 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के वयस्कों में ब्रेन एमआरआई पर प्रासंगिक निष्कर्षों की व्यापकता: एक जनसंख्या आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
27. 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के समुदाय में रहने वाले वयस्क व्यक्तियों में संवहनी जोखिम कारक, मस्तिष्क एमआरआई उपाय, अनुभूति एवं व्यवहार का संबंध: एक जनसंख्या आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
28. तीव्र आघात में बुखार, हाइपरग्लाइसेमिया, निगलने की प्रक्रिया एवं उच्च रक्तचाप का उपचार: एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आघात चिकित्सा अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार), तंत्रिका विज्ञान
29. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
30. आयुर्वेदिक उपचारों की चिकित्सीय प्रभावकारिता का आकलन करने में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका, एनएमआर
31. माइक्रोन्यूक्लि एसे का उपयोग करके अतिगलग्रंथि रोगियों में कम खुराक वाली 131आई थेरेपी की साइटोजेनेटिक विषाक्तता पर अध्ययन
32. एडवांस्ड एंड-स्टेज गैस्ट्रोएंटेरोपैन्क्रीऐटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर (जीईपी-एनईटी) वाले रोगियों में अल्फा एमिटिंग 225एसी-डोटाटेट बनाम बीटा एमिटिंग की तुलना, नाभिकीय चिकित्सा
33. पुल्मोनरी इंटरवेंशंस की आवश्यकता वाले पुल्मोनरी या एयरवे से संबंधित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में परिवर्तन एवं लक्षणों की अधिकता का आकलन - संभावित अध्ययन, ओन्को-एनेस्थीसिया और पॉलिएटिव मेडिसिन
34. माइक्रो वस्कुलर एनजाइना में संवहनी क्रिया एवं पीड़ा संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना, शरीर क्रिया विज्ञान

35. बाल किशोरों में मनोवैज्ञानिक आघात का लौटाव: एक बहुआयामी पैमाने का विकास एवं साइकोमेट्रिक गुण, मनोरोग चिकित्सा
36. स्तन कैंसर के रोगियों में आणुविका कारकों सहित प्रोग्नोस्टिक कारकों के जैव-सांख्यिकी पहलू: महामारी विज्ञान का मूल्यांकन, विकिरण चिकित्सा
37. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में टी-रेग्युलेटरी कोशिकाओं (ट्रेग्स) एवं उनके नैदानिक सहसंबंध की भूमिका, शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
38. मॉर्फिन सहनशील चूहों की स्पाइन कॉर्ड में चयनात्मक न्यूरोट्रांसमीटर्स और न्यूरोपैप्टाइड्स की अभिव्यक्ति, शरीर रचना
39. एंटरिक नर्वस सिस्टम पर फ्लोराइड से पूर्व एवं प्रसवोत्तर जोखिम के प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान
40. माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम में टीईटी2 प्रोटीन की भूमिका, जैव रसायन
41. एएमएल के पैथोजेनेसिस में टीईटी2 प्रोटीन की भूमिका, जैव रसायन
42. भारत में इन्फ्लूएंजा की रोकथाम और नियंत्रण हेतु साक्ष्य आधारित समर्थन को मजबूत करना/बढ़ावा देना, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
43. ओपन हार्ट सर्जरी करवाने वाले बच्चों में परिणाम पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस
44. पोस्ट-ऑपरेटिंव पीडियाट्रिक कार्डिअक सर्जिकल रोगियों में सप्लीमेंटेड मां के दूध की अर्ली इंटरल फीडिंग- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस
45. आइडियोपैथिक हाइपोपरैथायराइडिज्म की जटिलताओं में आणविक अंतर्दृष्टि- अंतःस्राविकी एवं चयापचय
46. इडियोपैथिक हाइपोपरैथायराइडिज्म वाले भारतीय रोगियों के ऑटोइम्यून आधार की खोज- अंतःस्राविकी एवं चयापचय
47. इडियोपैथिक हाइपोपरैथायराइडिज्म की अनोखी विशेषताएं, अंतःस्राविकी एवं चयापचय
48. भारतीय सीलियक रोग के रोगियों में ग्लूटेन मुक्त आहार के जुड़ाव के मूल्यांकन हेतु एक उपकरण का विकास एवं सत्यापन, जठरांत्ररोगविज्ञान एवं मानव पोषण
49. टीबी/एचआईवी सह-संक्रमण में मनोरोग संबंधी सह रुग्णता, कायचिकित्सा
50. कायचिकित्सा वार्ड में नियमित रूप से किए जाने वाली इन्वेसिव प्रक्रियाओं की गुणवत्ता में सुधार, कायचिकित्सा
51. प्रमुख रूप से चिकित्सीय रूप से अस्पष्ट लक्षणों वाले दर्द से पीड़ित रोगियों के लक्षण की गंभीरता तथा जीवन की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव, कायचिकित्सा
52. टीबी/एचआईवी सह-संक्रमण में मनोरोग संबंधी सह रुग्णता, कायचिकित्सा
53. नैदानिक स्वास्थ्यलाभ बनाम न्यूट्रोफिल स्वास्थ्यलाभ में अनुभवजन्य प्रयोगसिद्ध एंटीबायोटिक थैरेपी का प्रतिरोध, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
54. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर का विश्लेषण, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

55. हार्डवेयर प्रत्यारोपण के साथ क्लीन आर्थोपेडिक सर्जरी कराने वाले रोगियों में सर्जरी स्थान पर हुए संक्रमण में बंडल्ड इंटरवेंसन की प्रभावशीलता: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सूक्ष्म जैव विज्ञान
56. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के निदान और पूर्वानुमान में ब्लड मार्कर्स के एक नैदानिक पैनल का विकास, तंत्रिका विज्ञान
57. इस्केमिक स्ट्रोक वाले भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध से जुड़े आनुवंशिक एवं नैदानिक कारक, तंत्रिका विज्ञान
58. अस्पताल में भर्ती आघात के रोगियों में जटिलताओं को कम करने और उनके परिणामों में सुधार करने हेतु देखभाल करने वाले को संरचित शिक्षा की भूमिका का मूल्यांकन - एक क्लसटर्ड यादृच्छिक परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान
59. सामान्यीकृत मिर्गी में सामान्यीकृत स्पाइक और वेव डिस्चार्ज का पता लगाने में 8-चैनल ईईजी की उपयोगिता- एक नैदानिक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
60. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में मानक उपचार के लिए सहायक के रूप में एन-एसिटाइलसिस्टीन (एनएसी) की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता- ए फेज-II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान
61. मिर्गी का प्राथमिक उपचार प्रदान करने में प्रशिक्षु चिकित्सकों की क्षमता का आकलन करने हेतु एक उपकरण का विकास एवं उपयोग, तंत्रिका विज्ञान
62. हैंगिंग बाउल तकनीक का उपयोग करके सिंगल स्टेज अब्डॉमिनो -पैरामील पुल-थ्रो के बाद एनो-रेक्टल मलफॉर्मेशन वाले बच्चों में शुरूआती परिणाम- बाल चिकित्सा सर्जरी
63. वृषण-संबंधी जैव-दोष में जीनोटाइप फेनोटाइप सहसंबंध की पहचान करने और यौन विकास के विकारों के संबंध में 5-α रिडक्टेस की कमी हेतु अध्ययन, बाल चिकित्सा सर्जरी
64. जन्मजात यूरोपैथीस से आनुवंशिक प्रवृत्ति से संबन्धित यूरीन में आणुविक मार्कर्स की अंतर अभिव्यक्ति पर एक अध्ययन, बाल चिकित्सा सर्जरी
65. परिधीय वाहक धमनियों में कम प्रवाह वाले मध्यस्थता संकुचन की धमनी वाल यांत्रिकी की जांच, शरीर क्रिया विज्ञान
66. योगा संबंधी जीवनशैली हस्तक्षेप के बाद मोटापे में परिधीय ब्लड मोनोन्यूक्लियर कोशिका की जीनोमिक अभिव्यक्ति एवं प्रोटीन प्रोफाइल का परस्पर संबंध, शरीर क्रिया विज्ञान
67. पूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट रैट मॉडल में आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल इंप्लांटेशन के बाद मांसपेशियों का पुनर्जनन एवं चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान
68. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों का उपचार करने वालों में उपचार देने संबंधी अनुभव के मनो-सामाजिक सहसंबंध, मनोचिकित्सा
69. विघटनकारी रूपांतरण विकार वाले किशोरों हेतु मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मैनुअल का विकास, मनोचिकित्सा
70. स्तन कैंसर में एनएसीटी के उपरांत सेन्टनल लिम्फ नोड बायोप्सी की सटीकता बढ़ाने में एक्सिलरी लिम्फ नोड्स की अल्ट्रासाउंड गाइडेड वायर लोकलाइजेशन भूमिका, रेडियो डायग्नोसिस

71. कार्सिनोमा इसोफैगस में निओएडजुवंट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता- पैक्लिटैक्सेल+ कार्बोप्लाटिन के साथ सिस्प्लैटिन + 5Fu की तुलना हेतु मार्गदर्शी अध्ययन, शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
72. पेनीट्रेटिंग एबडोमिनल ट्रामा वाले रोगियों में इन्हेंस्ड कम्प्यूटर टोमोग्राफी एबडोमन बनाम कंट्रास्ट डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की तुलना का अध्ययन- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जेएनपीए ट्रामा सेंटर
73. सुनीतिनिब थेरेपी पर कैंसर रोगियों में हाथ-पैर की त्वचा की प्रतिक्रिया को रोकने के लिए पूर्व-उपचार के रूप में ट्रॉपिकल यूरिया के प्रभाव का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसेबो नियंत्रित मार्गदर्शी अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान
74. सक्रिय बालकों में माइक्रोबियल काउंट्स पर सोडियम फ्लोराइड माउथ रिंज की तुलना में क्रैनबेरी एक्स्ट्रेक्ट माउथ-रिंज की प्रभावशीलता-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
75. बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में किशोरों में अवसादग्रस्तता विकार: एक समुदाय आधारित क्रॉस-सैक्शनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
76. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों में हल्की संज्ञानात्मक दुर्बलता (एमसीआई) एवं संबन्धित कारक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
77. आर्सेनिक ट्राईऑक्साइड-एक्स्पोस्ड वयस्क मादा चूहे के हाइपोथेलेमस तथा हिप्पोकैम्पस में काग्निटिव फंक्शन तथा एस्ट्रोजन रिसेप्टर प्रोफ़ाइल पर रेस्वेराट्रोल सप्लीमेंटेशन का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान
78. हल्की संज्ञानात्मक दुर्बलता वाले पार्किंसंस रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक एवं बायोकेमिकल संबंधी मैपिंग, एनएमआर
79. अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में ब्लड इन्वेंट्री मैनेजमेंट का मूल्यांकन एवं रक्त की कमी को दूर करने हेतु रणनीति का विकास, जैव रसायन
80. रिकरंट प्रेगनैन्सी लॉस में शुक्राणु आणविक कारकों की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान
81. ऑर्थोपेडिक ट्रामा सर्जरी में पेरीओपरेटिव इन्फ़्लेमेटरी साइटोकिन्स अलट्रेशन एवं क्लीनिकल जटिलताओं पर रीजनल एनेस्थीसिया का प्रभाव, संवेदनाहरण एवं सघन चिकित्सा (जेपीएनएटीसी)

पूर्ण

1. बाल्यावस्था नेफ्रोटिक सिंड्रोम में गुर्दे की पथरी पर फ्लोराइड विषाक्तता की भूमिका: एक अल्ट्रा स्ट्रक्चरल, जैव रासायनिक एवं प्रोटॉमिक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान
2. ऐच्छिक ओपन पाइलोप्लास्टी करवाने वाले बालचिकित्सा रोगियों में शल्यचिकित्सा के बाद एनलजेसिया और न्यूरोएंडोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रैटस लम्बोरम ब्लॉक का प्रभाव। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं सघन चिकित्सा
3. अल्जाइमर रोग में टाऊ के हाइपरफ़ॉस्फ़ोरिलीकरण में शामिल मार्गों को लक्षित करने वाले संभावित मोड्यूलेटर का अध्ययन, जैव भौतिकी

4. सीरम प्रोटीन मार्कर का विकास और अल्जाइमर के रोग के लिए संभावित मोड्यूलेटर का उपयोग करके एंटीऑक्सीडेटिव प्रभाव का अध्ययन, जैवभौतिकी
5. दिल्ली के तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में चयनित परिचर्या कर्मचारियों में तनाव एवं जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता पर संरचित योगा कार्यक्रम का प्रभाव— एक छोटे स्कैल पर फेज़-2 परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
6. मौखिक एंटीकोआगुलंट्स लेने वाले रोगियों में ब्रिजिंग थेरेपी के साथ और उसके बिना निष्कर्षण के बाद रक्तस्राव होने की जटिलता की तुलना: एक मार्गदर्शी अध्ययन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
7. आपातकालीन विभाग में उपस्थित संदिग्ध संक्रमण वाले रोगियों में 7 और 28 दिनों के परिणाम के पूर्वानुमान के रूप में क्यू-सोफा स्कोर, आपातकालीन चिकित्सा विभाग
8. मेमोरी क्लिनिक में जाने वाले रोगियों में गैट और संतुलन का आकलन, जराचिकित्सा
9. भारत में तृतीयक स्वास्थ्य चिकित्सा स्थापित करने में फ्रैजिलिटी क्लिनिक में भाग लेने वाले बुजुर्ग वयस्कों का व्यापक जेरिएट्रिक आकलन, जराचिकित्सा
10. कैंसर रोगियों में ऑन्कोलॉजिकल दर्द के उपचार में स्क्रैम्बलर थेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, ओंकों- एनेस्थीसिया एंड पॉलीएटीव मेडिसिन
11. स्तन कैंसर के आनुवंशिक पहलू के बारे में भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों की जागरूकता एवं ज्ञान, शल्यचिकित्सा अर्बुद विज्ञान
12. वयस्क भारतीय नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज़ (एनएएफएलडी) रोगियों के बीच मैटाबोलिक, एन्थ्रोपोमेट्रिक और अल्ट्रासाउंड मापदंडों पर इंटैन्सिव आहार परामर्श के प्रभाव: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय
13. बाह्य रोगियों में मोटापे हेतु जैविक एवं व्यावहारिक जोखिम के कारक और अस्पताल आधारित व्यवस्था में मोटे रोगियों के बीच वजन घटाने समय आई बाधाएं, काय-चिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय
14. भारत में आबादी आधारित कोहॉर्ट अध्ययन हेतु अंग्रेजी और हिंदी में साक्ष्य आधारित प्रश्नावली की रूप-रेखा बनाना एवं सत्यापन करना, तंत्रिका विज्ञान
15. प्राथमिक सुप्रैटेंटोरियल अंत:मस्तिष्कीय रक्तस्राव हेतु डेक्सामेथासोन की उच्च खुराक: एक व्यावहारिक समानांतर समूह के साथ खुले स्तर के यादृच्छिक परीक्षण के साथ ब्लेंडेड एंडपॉइंट आकलन (पीआरओबीई), तंत्रिका विज्ञान
16. एनएमआर का उपयोग करके पार्किंसंस रोग में बायोमार्कर की पहचान, एनएमआर
17. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का मैटाबोल्मिक्स अध्ययन, एनएमआर
18. रेडियोन्यूक्लाइड (131आई-एनए) थेरेपी करा रहे डिफ्रेंशिएटेड थायराइड कैंसर वाले बच्चों और वयस्कों पर डॉसिमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा
19. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेजिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में एबेरेटेरोन ऐसिटेट बनाम कॉन्कोमिटैंट 177 एलयू-डीकेएफज़ेड-पीएसएमए-717 और एबेरेटेरोन ऐसिटेट थेरेपी के उपचारात्मक प्रभाव: ओपेन लेबल, टू आर्म, फेस 2 परीक्षण, नाभिकीय चिकित्सा

20. प्रेरण के अंत में फ्लो साइटोमेट्री द्वारा बी-सेल लाइनऐज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में मिनिमल रेजिज़ुअल डिजीज़ (एमआरडी) का पता लगाना, बालचिकित्सा
21. स्वस्थ व्यक्तियों में एंडोथेलियल फ़ंक्शन और जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन एवं विभिन्न सोमाटोटाइप वर्गीकरणों के साथ उनका सह-संबंध, शरीर क्रिया विज्ञान
22. बुजुर्गों पर निमोनिया का आर्थिक बोझ, रोकथाम एवं नियंत्रण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
23. फॉन्टन सर्जरी करा रहे रोगियों में मौखिक सिल्डेनाफिल ऐड्मिनिस्ट्रेशन—डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस
24. फेनेस्ट्रेटेड और नॉन-फेनेस्ट्रेटेड फॉन्टन सर्जरीज़ में प्लेउरल इफ्यूशन की तुलना-- यादृच्छिक भावी अध्ययन, सीटीवीएस
25. ओपेन हार्ट सर्जरी करवाने वाले बाल रोगियों में प्लेन रिंगर आधारित डेल निडोकर्डीओप्लेगिया समाधान के साथ प्लाज़्मलाइट-ए आधारित डेल निडोकार्डियोपैलेगिया समाधान की तुलना – एक भविष्यदर्शी डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस
26. फैलोट की टेट्रालॉजी हेतु सर्जरी करवाने वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव कोर्स पर संशोधित अल्ट्राफिल्ट्रेशन का प्रभाव—ए डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस
27. संभावित रूप से स्प्लिट फेस यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन जो अकेला ऑटोलॉगस वसा के इंजेक्शन बनाम आयु संबंधी फेशियल मात्रा की कमी विशेष रूप से टीयर ट्रॉफ डिफॉर्मिटी हेतु प्लेटलेट रिच प्लाज्मा के साथ मिश्रित ऑटोलॉगस वसा की तुलना करता है; मूल कोशिका से निकाली गई वसा को पृथक करने एवं लक्षण-वर्णन करने सहित, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
28. उत्तरी भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में जाने वाले डर्मैटोफाइटिक संक्रमण वाले रोगियों का वर्णनात्मक महामारी विज्ञान अध्ययन, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
29. विटिलिगो में ल्यूकोट्रिचिया के रि-पिग्मेंटेशन में नॉनकल्चर्ड एपिडर्मल कोशिका निलंबन के साथ नॉनकल्चर्ड निकाले गए बाल फॉलिकल रूट शीथ कोशिका निलंबन के प्रभाव की तुलना, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
30. क्लिनिक-इंवेस्टिगेटिव प्रोफाइल के आधार पर पेरीओकुलर हाइपरपिग्मेंटेशन को वर्गीकृत करने हेतु वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
31. ऑटोसोमल रिसेसिव कंजेनिटल इक्थियोसिस में एपिडर्मल सेरामाइड्स का आकलन और फेनोटाइप और जेनोटाइप के साथ इसका सह-संबंध, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
32. स्वायत्त तंत्रिका तंत्र के असंतुलन का आकलन करने हेतु क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन और सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस वाले रोगियों में त्वचीय अभिव्यक्तियों के साथ इसका सह-संबंध, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
33. सीलिएक रोग और अन्य एंटरोपैथीज़ वाले रोगियों में विलस विषमतओं के आकलन हेतु बायोमार्कर्स, जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषण
34. रोगाणुता में प्रीपेप्सिन के नैदानिक प्रदर्शन का अध्ययन करना- एक मार्गदर्शी अध्ययन, कायचिकित्सा
35. रोगाणुता वाले रोगियों में मृत्यु दर का अनुमान लगाने हेतु बायोमार्कर के रूप में एन-टर्मिनल प्रो-बीएनपी और कार्डियक ट्रोपोनिन- I की भूमिका, कायचिकित्सा

36. एएमएल में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए में उत्परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व, कायचिकित्सा अर्बुदविज्ञान
37. फेफड़ों के कैंसर और धूम्रपान के साथ उनके सह-संबंध के साथ ट्रेस तत्वों और भारी धातुओं के संबंध को निर्धारित करने हेतु अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
38. जेमसीटाबिन से उपचारित पित्ताशय के एडवांस कार्सिनोमा में एचईएनटी1, आरआरएम1, आरआरएम2 और ईआरसीसी1 अभिव्यक्ति की भूमिका-- प्लैटिनम डबल्ट, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
39. अप्रतिष्ठित रोगियों में थ्री रैम फेज़ II / III आरसीटी या सबसे बेहतर सहयोग देने वाली देख-भाल बनाम एर्लोटिनिव बनाम कैपसिटाबाइन द्वारा खराब प्रदर्शन की स्थिति के साथ मेटास्टैटिक जीबीसी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
40. जीन अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल और बाल चिकित्सा एएमएल में माइटोकॉन्ड्रियल एनर्जी मेटाबोलिज़्म के साथ इसका संबंध, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
41. मल्टिपल मायलोमा में बोन मैरो माइक्रो-एंवाइरमेंट की भूमिका, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
42. रोगाणुता में प्रीसेप्सिन के नैदानिक प्रदर्शन का अध्ययन करना—एक मार्गदर्शी अध्ययन, कायचिकित्सा
43. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालोवायरस के लिए मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर और जीनोटाइपिंग, सूक्ष्मजैव-विज्ञान
44. प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण (पीजेआई) का परिमाण और तृतीयक उपचार अस्पताल में प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण के माइक्रोबियल प्रोफ़ाइल की पहचान करने हेतु विस्तारण आधारित डीएनए विश्लेषण की भूमिका, सूक्ष्मजैव-विज्ञान
45. एंटीबायोटिक प्रिस्क्रिप्शन पैटर्न और नैदानिक परिणामों पर एमएएलडीआई टीओएफ द्वारा पूर्व संघटित शरीर रचना की पहचान का प्रभाव, सूक्ष्मजैव-विज्ञान
46. आघात से सुधार में गहन फिजियोथेरेपी और ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (टीएमएस) की भूमिका एवं रोकथाम तथा सुधार में विकास कारकों के सह-संबंध पर अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
47. डायनेमिक एफ-18 एफडीजी पीईटी / सीटी प्रोटोकॉल का मानकीकरण और नॉन-स्माल कोशिका फेफड़े के कैंसर में प्रारंभिक उपचार की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने हेतु हॉल बॉडी डिफ्यूशन वेटेड एमआरआई के साथ होल बॉडी एफ-18 एफडीजी पीईटी / सीटी की तुलना, नाभिकीय चिकित्सा
48. यूवाइटिस के प्रायोगिक मॉडल में बीआरबी ट्रांसपोंडर फ़ंक्शंस और एप्टैमर्स के मूल्यांकन को समझना, नेत्र औषध विज्ञान, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
49. रक्त नेत्र बाधाओं में दवाओं की बढ़ी हुई पैंठ हेतु क्यूएसपीआर मॉडल का विकास और सत्यापन, नेत्र भेषजगुण विज्ञान, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
50. जन्मजात यूरोपैथीज़ में बहुरूपता के प्रसार का अध्ययन और गुर्दे के कार्यात्मक परिणामों पर उनका प्रभाव, बाल शल्य चिकित्सा
51. चूहे के हृदय में स्थानिक अरक्तता रिपेरफ्यूजन की चोट के प्रयोगात्मक मॉडल में सूजन का औषधीय मॉड्यूलेशन, भेषजगुण विज्ञान

52. भारत में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों के चिकित्सा अनुपालन का आकलन करने हेतु प्रश्नावली का विकास एवं सत्यापन, भेषजगुण विज्ञान
53. प्रारंभिक अवस्था में पार्किंसन के रोग में व्यायामों के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास
54. हाल ही में निदान किए गये उच्च रक्तचाप के साथ टाइप 2 मधुमेह में ऑटोनोमिक, वस्कुलर और एंडोथेलियल फंक्शन पर अवरोध को परिवर्तित करने वाले एंजियोटेंसिन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान
55. प्रसूति संबंधी रक्तस्राव में परंपरागत रेडियोलॉजी की भूमिका, विकिरण निदान
56. हरियाणा के एक ग्रामीण क्षेत्र में बुजुर्ग व्यक्तियों में क्रोनिक श्वसन संबंधी रोग और उससे जुड़े हुए कारकों का एक अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
57. आर्सेनिक ट्रायोक्साइड के संपर्क में आने के बाद माइस बेसल अग्रमस्तिष्क संरचनाओं पर कर्क्यूमिन का प्रभाव, शरीर रचना
58. मौखिक ल्यूकोप्लाकिया में प्रो इंफ्लेमैटरी साइटोकिंस पर कैंडिडा और एंटिफंगल थेरेपी के प्रभाव—एक मार्गदर्शी अध्ययन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 119 **सार: 9**

पुरस्कार, सम्मान एवं अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. आर एम पांडे हेतु निम्नलिखित सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम थे। **आचार समिति:** भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान (पीएचएफआई के अंतर्गत), दिल्ली के अध्यक्ष; सदस्य: जैव प्रौद्योगिकी संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय केंद्र, डीबीटी के अंतर्गत। **समन्वयक**: एम्स में पीजी के छात्रों के लिए अनुसंधान पद्धति, लेखन और संचार पर अनिवार्य 5 दिवसीय कार्यशाला; **सदस्य**: नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (आईसीएमआर) की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; भारत में लाइसोसोमल भंडारण विकारों के नैदानिक, जैव रासायनिक और आणविक लक्षण वर्णन के बहु-केंद्रित सहयोगात्मक अध्ययन की संचालन समिति के सदस्य; विशेषज्ञ समिति, क्लैफ्ट लिप और पैलेट एनाटॉपी (आईसीएमआर) पर टास्क फोर्स परियोजना; बिल मिलेंडा गेट्स फाउंडेशन और डीबीटी द्वारा वित्तपोषित ब्रांड चैलेंस भारत के तकनीकी सलाहकार समूह/पोषण और स्वास्थ्य; जीवन पर मोबाइल टावर्स और हैंडसेट्स से आईएमएफ रेडीएशन एक्सपोजर के संभावित प्रभाव पर आरएंडडी प्रोपोजल के आकलन तथा डीएसटी के द्वारा संबंधित आर एंड डी पर एक्सपर्ट कमेटी; भारत में पीडियाट्रिक एचआईवी मामलों की अधिकता के आकलन पर विशेषज्ञ समिति (आईसीएमआर), **सदस्य डीएसएमबी**: नवजात मृत्यु दर पर समुदाय आधारित कंगारू मदर उपचार, डब्ल्यूएचओ द्वारा समन्वित; परीक्षक: दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में प्रस्तुत की गई पीएच.डी.थीसिस; सीएमसी वेल्लोर और केरल विश्वविद्यालय।

प्रो. एस एन द्विवेदी सदस्य थे: यूजीसी नॉमिनी, सलाहकार समिति, सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता यूनिवर्सिटी; हैदराबाद (2021) में आयोजित होने वाली जनसंख्या के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय

संघ के 29 वें अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या सम्मेलन के लिए राष्ट्रीय आयोजन समिति (आईयूएसएसपी); सांख्यिकी, असम विश्वविद्यालय, सिलचर में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड; नियन्त्रक निकाय, एप्लाइड सांख्यिकी और विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ, एम्स, पटना हेतु चयन समिति; मेटा विश्लेषण की वैश्विक पत्रिका हेतु संपादकीय बोर्ड; गेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस(जीडीएम) की विशेषज्ञ समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद हेतु विधियों और परियोजना समीक्षा समितियों पर टास्क फोर्स समिति; अंतर्राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संघ, यूएसए; फेलो, रॉयल स्टैटिस्टिकल -सोसाइटी, यूके; एम्स, नई दिल्ली में " जन स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान के एक स्कूल के निर्माण हेतु प्रस्ताव" की समीक्षा करने के लिए समिति; इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (आईएसएमएस) के एफएसएमएस अवार्ड से संबंधित फैलोशिप समिति, अन्य आईएसएमएस अवार्ड्स के लिए सर्च कमेटी (प्रो. एसके भट्टाचार्य ओरेशन, श्रीमती रामरती लालिमा सहाय पुरस्कार, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, प्रो ए इंद्रायण ट्रेवल ग्रांट)। स्नातकोत्तर अध्ययन हेतु संस्थान आचार समिति; अध्यक्ष, चयन समिति, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, दिल्ली; नई टास्क फोर्स के लिए परियोजना संचालन समिति (पीएससी), आईसीएमआर, नई दिल्ली के "स्वास्थ्य देखभाल सुविधा और सामुदायिक तैयारी के लिए भारत सरकार के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश तैयार करना; आईसीएमआर नई दिल्ली की "गेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों को कार्यान्वित करने हेतु स्वास्थ्य उपचार सुविधा एवं सामुदायिक तैयारी के लिए स्थिति अनुसार विश्लेषण" पर नई टास्क फोर्स के लिए परियोजना संचालन समिति(पीएससी), सहायक आचार्य के पद हेतु भर्ती नियमों के बारे में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली को राय प्रदान करने हेतु विशेषज्ञ समिति; सांख्यिकी एवं डेटा विज्ञान में उभरते रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक आमंत्रित वार्ता सत्र की अध्यक्षता की; बीएचयू, वाराणसी में 8वें अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसलेशनल कैंसर अनुसंधान सम्मेलन के दौरान कैंसर के उपचार के लिए वैकल्पिक तरीकों पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की; नई दिल्ली में एक ऑन्कोलॉजी फोरम अकादमिक में नैदानिक अभ्यास में चिकित्सीय अनुसंधान की सहमति और विवाद पर चर्चा के लिए पैनलिस्टों में से एक; स्टेटिस्टिक्स ऑफ़ यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू में पी.एच.डी डिग्री के अवार्ड के लिए पी.एच.डी थीसिस के मूल्यांकन के बाह्य परीक्षक, सांख्यिकीय संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ़ चाइल्ड हेल्थ; संपादक, डेमोग्राफी इंडिया; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जैवसांख्यिकी एंड बॉयोमीट्रिक्स ओपन एक्सेस जर्नल; समीक्षक फॉर वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी; समीक्षक, अमेरिकन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ; समीक्षक, “पीडियाट्रिक्स, अमेरिकन अकादमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स”; समीक्षक, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लीनिकल बायोस्टेस्टिक्स; सिस्टमैटिक रिव्यूज; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड रिव्यूज; सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड ऑफ इंडियन स्पाइन जर्नल; सदस्य, समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लीनिकल बायोस्टेस्टिक्स; निर्वाचित सदस्य, इंटरनेशनल स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टैटिस्टिकल एजुकेशन, नीदरलैंड; संस्थापक उपाध्यक्ष, सोसाइटी फॉर एविडेंस बेस्ड हेल्थ केयर; दो पीएचडी छात्रों के लिए सलाहकार, दिल्ली विश्वविद्यालय।

वी श्रीनिवास सदस्य थे: नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, आईसीएमआर की साइंटिफिक एडवाइजरी समिति (एसएसी); भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक की पदोन्नति करने हेतु मूल्यांकन बोर्ड, तंत्रिका विज्ञान पर आईसीएमआर की टास्क फोर्स समिति, पारंपरिक दवाओं के साथ निद्रा संबंधी विकार, पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि रोग, पुरुष गर्भनिरोधक आरआईएसयूजी परीक्षण पर अध्ययन, आईसीएमआर में विभिन्न पदों हेतुचयन समिति एवं जांच समितियां; तंत्रिका विज्ञान के लिए परियोजना समीक्षा समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरियल डिजीज (आईजेडीवीएल) के लिए सांख्यिकीय सलाहकार; जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (अमेरिकन सोसाइटी फॉर क्लीनिकल ऑन्कोलॉजी), पीडियाट्रिक्स (अमेरिकन अकादमी ऑफ पीडियाट्रिक्स), इंडियन जर्नल ऑफ़ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एवं लेप्रोलॉजी, तथा इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एंड एडल्ट मेंटल हेल्थ (जेआईएसीएएम) की पत्रिका हेतु सांख्यिकीय सलाहकार; अनुसंधान प्रस्ताव की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ, मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूके।; संस्थागत आचार समिति, एम्स; विषय विशेषज्ञ, जैव सांख्यिकी संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के चयन हेतु चयन समिति।

डॉ. मारूफ ए खान संपादकीय बोर्ड के सदस्य (जैव सांख्यिकी) -इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट्स; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, भारत के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ मॉडल असिस्टेड स्टेटिस्टिक्स एंड एप्लिकेशन, यूएसए के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ़ ओबेसिटी, यूके के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, यूके के वैज्ञानिक समीक्षक आदि थे।

डॉ. शिवम पांडे को एंटी-डोपिंग लेबोरेटरी कतर (एडीएलक्यू), दोहा, कतर में सांख्यिकीय पद्धति की भूमिका पर ढाई दिन की कार्यशाला हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

9.7. जैव प्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

जया एस. त्यागी (31 मई 2019 तक) श्याम एस. चौहान (1 जून 2019 से)

एनएएसआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्लेटिनम जुबली फेलो

जया एस. त्यागी (जून 2019 के आरंभ से)

सह-आचार्य

अनुश्री गुप्ता

सहायक आचार्य

रूपेश कुमार श्रीवास्तव भूपेंद्र कुमार वर्मा विक्रम सैनी
सिरीश कुमार इप्पागुंटा सुमित राठौर महेंद्र सिरवी
विनीत चौधरी

वैज्ञानिक

श्राबनी सौगंधिका

विशिष्टताएँ

1. प्रोफेसर जया एस. त्यागी, अध्यक्ष, सीसीआरएफ को एम्स निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया।
2. सुश्री किरण कुमारी, पीएचडी छात्रा, एम्स निदेशक से सीसीआरएफ लोगो डिजाइन करने के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए।
3. डॉ. रूपेश कुमार श्रीवास्तव का ओस्टिओइम्यूनोलॉजी समूह, पत्रिका 'इम्यूनिटी' की 25 वीं वर्षगांठ मनाते हुए, जिसे पत्रिका के आवरण पृष्ठ पर छापा गया।
4. सीसीआरएफ-बीएसएल3 उद्घाटन के दौरान नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. वेंकी रामाकृष्णन एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ डॉ. विक्रम सैनी।
5. सुश्री लीना सपरा, पीएचडी छात्रा, जयपुर में एफआईएमएसए-आईयूआईएस-आईआईएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए।
6. डॉ. सौरभ शर्मा नई दिल्ली में इंडिया-ईएमबीओ टीबी संगोष्ठी 2020 में जेबीसी पोस्टर पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

विभाग प्रति बैच 12-14 छात्रों को प्रवेश देकर चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ जैव प्रौद्योगिकी में एक उच्च स्तरीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाता है। विभाग एक पीएचडी कार्यक्रम भी चलाता है। एमएससी और पीएचडी छात्रों की कुल संख्या लगभग 35 है। विभाग संकाय ने पिछले वर्ष लगभग 10 पोस्टडॉक्टरल वैज्ञानिकों का मागदर्शन किया था। विभाग ने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के ग्रीष्मकालीन अनुसंधान छात्रवृत्ति कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया था। विभाग में 6 वरिष्ठ निदर्शक हैं जो शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में भाग लेते हैं। विभाग को विभिन्न वित्तपोषण एजेंसियों से बड़ी संख्या में अतिरिक्त अनुदान प्राप्त हुआ। संकाय और छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न वैज्ञानिक संगठनों से राष्ट्रीय स्तर के सम्मान/ पुरस्कार प्राप्त किए। विभागीय संकाय ने भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों में विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दी। विभाग ने विविध पृष्ठभूमि से आए छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए छात्र परामर्श एवं रोजगार जागरूकता कार्यक्रम भी आरंभ किया।

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

- विभाग, जैव प्रौद्योगिकी में 2 वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें मेडिकल जैव प्रौद्योगिकी पर जोर दिया जाता है, जिससे एमबायोटेक डिग्री प्राप्त होती है। शिक्षण कार्यक्रम में 16 विषयों को सम्मिलित किया गया है, जिसमें कोशिका एवं विकासात्मक जीव विज्ञान, अनुवांशिकी, मानव जैव रसायन विज्ञान, चिकित्सा सूक्ष्मजीव-विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा तकनीकी, आणविक जीव विज्ञान, संक्रामक रोग जीवविज्ञान, जेनेटिक इंजीनियरिंग एवं जीनोम प्रौद्योगिकी, जैवभौतिकी (सिद्धांत, तकनीक और चिकित्सा में अनुप्रयोग), जैव सूचना विज्ञान, ओएमआईसीएस (जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टॉमिक्स, प्रोटिओमिक्स और मेटाबॉलिमिक्स), जैव सांख्यिकी, प्रयोगशाला तकनीकियों (सिद्धांतों और इंस्ट्रूमेंटेशन) में संगोष्ठी, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी (जर्नल क्लब एवं संचार कौशल), आणविक चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी में संगोष्ठी तथा चिकित्सा अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में शोध-प्रबंध शामिल हैं।

- विभाग ने एम. जैव प्रौद्योगिकी (2019-2021) के पाठ्यक्रम में पाँच नए क्रेडिट विषय प्रस्तुत किए हैं जिनमें संक्रामक रोग जीवविज्ञान, ओएमआईसीएस: जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टॉमिक्स, प्रोटिओमिक्स, और चयापचय, बौद्धिक संपदा अधिकार, जैवनैतिकता और जैव सुरक्षा (आईबीबी), आणविक निदान और नैदानिक जैव रसायन (एमडीबी) तथा चिकित्सा सूक्ष्मजीव-विज्ञान एवं संक्रामक रोग जीवविज्ञान पर प्रयोगशाला पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं।
- प्रायोगिक कक्षाओं में छात्रों के प्रशिक्षण पर व्यक्तिगत ध्यान एवं व्यापक सहयोग दिया जाता है।
- जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आणविक चिकित्सा,जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स आदि में संगोष्ठी करने के लिए एम्स की विभिन्न विशिष्टताओं से संकाय के अलावा पीजीआईएमईआर, जेएनयू, आईजीआईबी, आईसीजीईबी, एनआईटी, टीएचएसटीआई, आरसीबी, बीसीआईएल, टीईआरआई, जामिया हमदर्द और दिल्ली विश्वविद्यालय से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है।
- विभाग मेडिकल जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है।
- विभाग डीबीटी और डीएसटी राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल एवं युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त युवा वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. बीडी रैप्सोडी सिंगल-सेल एनालिसिस प्लेटफॉर्म का उपयोग करके सिंगल-सेल कैप्चर वर्कफ़्लो पर एक दिवसीय कार्यशाला, 30-जुलाई 2019 डॉ. रूपेश के श्रीवास्तव और भूपेंद्र के. वर्मा
2. इमेजिंग तकनीक पर दो दिवसीय कार्यशाला 24-25 मई 2019, डॉ. भूपेंद्र के. वर्मा

प्रदत्त व्याख्यान

श्याम चौहान (कृपया 9.3 जैव रसायन देखें) **जया एस. त्यागी: 1**
अनुश्री गुप्ता: 1 **रूपेश कुमार श्रीवास्तव: 5**
भूपेंद्र कुमार वर्मा: 3 **विक्रम सैनी: 7**
सिरीश कुमार इप्पागुंटा: 1 **सुमित राठौर: 2** **महेंद्र सिरवी: 1**
विनीत चौधरी: 1

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर : 23 (डॉ. सौरभ शर्मा ने "इंडिया-ईएमबीओ टीबी संगोष्ठी 2020-मायकोबैक्टीरियल हेटरोजेनिटी एंड होस्ट टिशू ट्रोपिज्म" पर जेबीसी युवा उभरते वैज्ञानिक सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया**,** डॉ. कालरा को युवा शोधकर्ता पुरस्कार (पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार)।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एंटीबायोटिक टॉलरेंस की चुनौती का मुकाबला करना: एम. ट्यूबरकुलोसिस क्लीयरेंस में सुधार के लिए देवआर डॉर्मेंसी रेगुलेटर-टारगेटेड एप्रोच के साथ पारंपरिक क्षयरोगनिवारक दवाओं को जोड़ना। * विक्रम सैनी/जया एस. त्यागी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 47.30 लाख रूपये
2. एप्टामेर- आधारित तपेदिक निदान टूलबॉक्स. * विक्रम सैनी/जया एस. त्यागी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रूपये 16.52 लाख
3. जीयूटी वाली नियंत्रक टी कोशिकाओं में ऑस्टियोपोरोसिस के प्रोबायोटिक्स आधारित अवरोध सहित कोशिकीय तंत्र का स्पष्टीकरण, रूपेश के. श्रीवास्तव, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 65 लाख रुपये

4. ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए नए मशरूम आधारित सिनाबोटिक फूड सप्लीमेंट का विकास, रूपेश के. श्रीवास्तव, एम्स-आईआईटी-दिल्ली इंटर इंस्टीट्यूशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2019-2021, रूपये 20 लाख
5. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए व्युत्पन्न आरएनए फ्रेगमेंट की पहचान और कार्यात्मक लक्षण, भूपेंद्र के. वर्मा, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, रूपये 39.41 लाख
6. हरगोबिंद खुराना अभिनव युवा बायोटेक्नोलॉजिस्ट पुरस्कार (आईवाईबीए), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, विक्रम सैनी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रूपये 59.06 लाख
7. क्षय रोग के उपचार के लिए एक नए दृष्टिकोण के रूप में सेलेनियम सप्लीमेंटेशन के माध्यम से होस्ट बायोएनर्जीस और रेडॉक्स फ़ंक्शन का मॉड्यूलेशन, विक्रम सैनी, डीएसटी-एसआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 53.85 लाख
8. माइकोबैक्टीरियम ऑब्सेसुस से एल, डी-ट्रांसपेप्टिडेस का चरित्र चित्रण: एक उभरता हुआ अवसरवादी रोगजनन, विक्रम सैनी (डॉ. नम्रता कुशवाहा महिला वैज्ञानिक की परामर्शदाता) डीएचआर , 3 वर्ष, 2020-2023, रूपये 30.9 लाख।
9. नए छोटे अणु अवरोधक का उपयोग करके स्वस्थ डोनर के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टोल-जैसे रिसेप्टर और इंटरल्यूकिन -1 रिसेप्टर के जैव विज्ञान की जांच, सिरीश कुमार इप्पागुंटा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रूपये 10 लाख
10. ल्यूपस रोगियों से परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में नए टोल जैसे रिसेप्टर-सिग्नलिंग अवरोधकों की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गतिविधियों की खोज : ल्यूपस के लिए लक्षित दवा के रूप में टीएलआर की पहचान करने के लिए एक अध्ययन, सिरीश कुमार इप्पागुंटा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2023, रूपये 68.01 लाख
11. प्लास्मोडियम विवैक्स संक्रमण में पैरासाइट लिगैंड-होस्ट रिसेप्टर अंत:क्रिया का चरित्र-चित्रण, सुमित राठौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रूपये 65 लाख
12. प्लास्मोडियम विवैक्स गंभीर मलेरिया में एमआईआरएनए का परिसंचरण, सुमित राठौर, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रूपये 10 लाख

*डॉ. जया एस. त्यागी की सेवा निवृत्ति के बाद ***1*** जून ***2019*** से पीआई

पूर्ण

1. ओवीएक्स चूहे में लैक्टोबैसिलस रहमनोसस की बोन लॉस की मध्यस्थता निषेध में टीआरईजी-टीएच17 कोशिकाओं की भूमिका को विश्लेषित करने हेतु : रूपेश के श्रीवास्तव, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रूपये 10 लाख
2. डेंगू वायरस से जुड़े नोवल जीन रेगुलेटरी सर्किट: चिकित्सीय क्षमता की खोज करना। भूपेंद्र के. वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रूपये 9.9 लाख
3. सेलेनियम सप्लीमेंटेशन और माइकोबैक्टीरियल संक्रमण। विक्रम सैनी, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रूपये 10 लाख
4. मलेरिया परजीवी में ओर्गानेल डायनामिक्स को समझना-ऑटोफैगी की भूमिका। सुमित राठौर, डीएसटी, 5 वर्ष, 2013-2018, रूपये 35 लाख
5. कैंसर कोशिका में एनास्टेसिस की कार्यक्षमता : रोग प्रतिरोधक क्षमता और चिकित्सा में इसका प्रभाव। महेंद्र सिरवी, डीएसटी-एसईआरबी यंग साइंटिस्ट, 3 वर्ष, 2016-2019, रूपये 26 लाख

6. पुरुष प्रजनन क्षमता में उच्च नमक आहार (एचएसडी) की भूमिका का अध्ययन करने हेतु: बोन हार्मोन ओस्टियोकैलिन की भूमिका। श्राबनी सौगंधिका, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रूपये10 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्रासनली कैंसर में डाइप्टिडिडिल पेप्टिडेज़ III के सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी कार्य
2. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन्स: रोगनिदान एवं उपचार में जटिलताएँ
3. ग्लिओल ट्यूमॉरिजनेसिस में प्रोथीमोसिन अल्फा की भूमिका
4. मुंह के कैंसर में मानव हेटरोजेनस न्यूक्लियर रियोनोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका
5. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस और विटामिन सी डॉर्मेंसी मॉडल में संक्रमित होस्ट का अनुकूलन
6. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस में संक्रमण के विटामिन सी ईएक्स विवो प्रारूप में होस्ट ट्रांसक्रिप्शनल प्रतिक्रिया का विश्लेषण तथा एक्टिव टीबी और लेटेंट टीबी संक्रमण में नैदानिक प्रतिक्रियाओं के साथ तुलना।
7. होस्ट ऑस्टियो-इम्यून सिस्टम को विनियमित करते हुए हड्डी के स्वास्थ्य को ठीक करने में बिफिडोबैक्टेरियम लोंगम की भूमिका का अध्ययन हेतु
8. होस्ट इम्यून सिस्टम में सुधार करके हड्डी के स्वास्थ्य को विनियमित करने में सोडियम बेंजोएट (एनएबी) के प्रभाव का अध्ययन करना
9. डेंगू वायरस के संदर्भ में प्री-एमआरए स्प्लाइसिंग का चरित्र-चित्रण करना
10. गौण स्प्लिसोसोम तथा पॉलीअडेनिलेशन मशीनरी के बीच कार्यात्मक अंत:क्रिया का चरित्र-चित्रण करना
11. स्वस्थ परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में कोशिका सतह टोल-जैसे रिसेप्टर-इन्ड्यूस्ड प्रो-इन्फ्लैमटोरी साइटोकाइन एक्सप्रेशन पर नए छोटे अणु ऐन्टैगनिस्ट के प्रभाव का विश्लेषण।
12. स्वस्थ परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में एंडोसोमल टोल-जैसे रिसेप्टर-इन्ड्यूस्ड प्रो-इन्फ्लैमटोरी साइटोकाइन एक्सप्रेशन पर नए छोटे अणु ऐन्टैगनिस्ट के प्रभाव का विश्लेषण।
13. प्लास्मोडियम विवैक्स गंभीर मलेरिया के रोगियों में रेटिकुलोसाइट्स के सरफेस प्रोटिओमिक्स
14. माइक्रोब्स में धातु होमोस्टैसिस पर क्रियात्मक गैसों के प्रभाव का अध्ययन करना
15. मैकोबैक्टेरियम इंडिकस प्रेनी के प्रोटीन की प्रभावी अभिव्यक्ति एवं शुद्धिकरण के लिए रणनीतियों का विकास
16. एरिथ्रोसाइट सरफेस के साथ प्लास्मोडियम विवैक्स ट्रिप्टोफैन रिच एंटीजन 26.3 (पीवीटीआरएजी 26.3) के प्रोटीन की अंत:क्रिया की पहचान

पूर्ण

1. विभिन्न मेटास्टेटिक क्षमता वाली स्तन कैंसर कोशिकाओं में कैथेप्सिन बी की विभेदक अभिव्यक्ति आण्विक संरचना को समझना
2. कैंसर के लिए सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल और कैथेस्पिन बी की संभावित उपयोगिता का आकलन करना
3. मुख कैंसर में मानव हेटरोजेनस रिबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) आधारित फॉस्फेट तथा टेन्सिन होमोलोग (पीटीईएन) का पोस्ट ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन
4. मानव पित्ताशय कैंसर में सीरम माइक्रोआरएनए की अभिव्यक्ति तथा नैदानिक महत्व
5. विटामिन सी में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस अनुकूलन प्रतिक्रिया को सह-विनियमित करते ट्रांसक्रिप्शनल कारकों का निरीक्षण

6. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के मलेट सिंथोसिस को लक्षित करने वाले डीएनए एप्टामेर को बनाने वाले एक नए जी-क्वाड्रुप्लेक्स की थेरानॉस्टिक प्रयोज्यता
7. ओवीएक्स चूहे में प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस रम्नोसस (एलआर) तथा टी कोशिका के बीच संबंध का अध्ययन करना
8. माइक्रोसिस्टीन-एलआर प्रेरित बोन लॉस में टीएच17-ट्रेग सेल्स की भूमिका का विच्छेदन करना।
9. माइनर स्पाइसोसोमल प्रोटीन के कार्यात्मक लक्षण का वर्णन
10. आरएनए स्प्लाइसिंग और स्थिरता में वाईबीएक्स प्रोटीन की भूमिका
11. माइक्रोबियल संक्रमणों के माइक्रो-न्यूट्रीएंट सप्लीमेंटेशन का प्रभाव
12. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रेनी के प्रोटीन पुटेटिव एंटीजेनिक प्रोटीन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति तथा शुद्धिकरण।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर में टिशू साइट-स्पेसिफिक प्रमोटर डीएनए मेथिलेशन प्रोफाइल के मूल्यांकन से स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का अध्ययन, शल्यचिकित्सा
2. अग्न्याशय के कार्सिनोमा वाले रोगियों में रेज-4 और एमयूसी-4 की अभिव्यक्ति, जठरान्त्ररोग विज्ञान
3. अग्न्याशय कैंसर के उच्च जोखिम वाले तीव्र अग्न्याशय के रोगियों में बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, जठरान्त्ररोग विज्ञान
4. अग्न्याशय कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका, जठरान्त्ररोग विज्ञान
5. ओस्टेओक्लास्टोजेनेसिस, टीएचएसटीआई में टीएच9 कोशिकाओं की भूमिका, फरीदाबाद
6. हड्डी के स्वास्थ्य पर बीपीए की भूमिका, दिल्ली विश्वविद्यालय
7. ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए मशरूम आधारित नए सिनाबोटिक फूड सप्लीमेंट का विकास, आईआईटी-दिल्ली
8. पैंक्रीअटिटिस में प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका, जठरान्त्ररोग विज्ञान
9. टी-लाइनेज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में टीआरएनए-उत्पन्न फ्रेगमेंट की अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल, आईआरसीएच
10. गौण स्प्लिसोओसोमल तथा डेंगू, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
11. आरएनए स्प्लाइसिंग और स्थिरता में वाईबीएक्स प्रोटीन, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
12. विभिन्न ग्रेड एस्ट्रोसाइटोमस में कैंसर स्टेम कोशिका मार्कर और इसके प्रोटीन का नैदानिक महत्व, जैव प्रौद्योगिकी एवं रा.प्र. केंद्र
13. कीनुरेनीन मार्ग द्वारा ट्रिप्टोफैन मेटाबोलिज्म तथा कॉर्निया प्रत्यारोपण वाले केराटोकोनस और फच के एंडोथेलियल कॉर्नियल डिस्ट्रोफी के रोगियों में नैदानिक परिणाम से उनके सहसंबंध की खोज करना, रा.प्र. केंद्र
14. माइटोकॉन्ड्रियल मार्फोलॉजी और माइटोकॉन्ड्रियल बायोजेनिसिस के बीच एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, जैवरसायन
15. एनिमल मॉडल का उपयोग करके ट्रामा हेमोरहाजिक शॉक के बीच हेमटोपोइएटिक विफलता के लिए आईपीएससी द्वारा उत्पन्न हेमटोपोएटिक प्रोजेनिटर कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, आपातकालीन चिकित्सा

पूर्ण

1. तपेदिक उपचार प्रतिक्रिया हेतु मूल्यांकन बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, आईसीजीईबी नई दिल्ली तथा इनस्टेम बैंगलोर

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 17 सार: 2 पुस्तकों में अध्याय : 2

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

श्याम एस चौहान (कृपया 9.3 जैवरसायन देखें)

जया एस त्यागी एनएएसआई वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली फैलोशिप की प्राप्तकर्ता हैं। वह मानद अतिथि आचार्य, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद, इंडियन नेशनल साइंस अकादमी की फेलो, इंडियन अकादमी ऑफ साइंसेज की फेलो, भारतीय विज्ञान अकादमी (भारत) की फेलो, गुहा रिसर्च कॉन्फ्रेंस की सदस्य, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (भारत) की उपाध्यक्ष तथा परिषद की सदस्य, वैज्ञानिक मूल्यों पर पैनल की सदस्य, भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु, नेशनल इंस्ट्रीट्यूट फॉर रिसचर्स इन ट्यूबरक्लोसिस, चेन्नई के साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी की सदस्य, टीएचएसटीआई की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी की सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी एंड सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स के आरएपी-एसएसी की सदस्य, डीबीटी एक्सपर्ट ग्रुप ऑन ट्यूबरक्लोसिस की सदस्य, एचआरडी पर डीबीटी स्टियरिंग कमेटी एंड टास्क फोर्स की सदस्य, डीबीटी टेक्निकल इवैल्यूएशन कमेटी फॉर इन्फेक्शियस डिज़ीज बायोलॉजी की सदस्य, एनईआर हेतु एडीबीटी टेक्निकल इवैल्यूएशन कमेटी इन मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी-2 की सदस्य, अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशनल ह्यूमन इथिक्स कमेटी ऑफ आईजीआईबी, इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट कमेटी, एम्स की विशेष अतिथि हैं।

डॉ. अनुश्री गुप्ता जैव प्रौद्योगिकी विभाग के लिए केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी हैं, जैव सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम समन्वयक हैं, दिनांक 30 सितंबर - 4 अक्टूबर 2019 तक आईआईटी रूड़की में "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल बायोइनफॉरमैटिक्स" पर एक सप्ताह के अल्पकालिक संकाय कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. रूपेश श्रीवास्तव, विभागीय एम. बायोटेक कार्यक्रम के समन्वयक, एम्स-सीसीआरएफ में सीसीआरएफ-फ्लो सुविधा स्थापित करने में योगदान करने हेतु एम्स द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त किया, उद्घाटन 24 जनवरी, 2020 को हुआ, इंस्टीट्यूशनल आईपीआर समिति एवं इंस्टीट्यूशनल सीसीआरएफ-फ्लो साइटोमेट्री कमेटी के सदस्य। आमंत्रित संपादक: स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टीलिटी (आईएसएसआरएफ) के लिए 24वाँ अंक "प्रजनन स्वास्थ्य में ट्रांसलेशनल अनुसंधान" (आईएसएसएन 2395-2806) में न्यूज लैटर, सितंबर 2019, इंस्टीट्यूशनल कोविड-19 लिटरेचर अप्रेज़ल समिति के सदस्य, उनकी ऑस्टियो-इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला #इम्यूनिटी कम्यूनिटी का हिस्सा है जिसे पत्रिका 'इम्युनिटी' की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर मोज़ेइक आवरण के रूप में चित्रित किया गया, उनकी प्रयोगशाला से पीएचडी स्कॉलर, सुश्री लीना सपरा ने यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया और साथ ही एफआईएमएसए-आईयूआईएस-आईआईएस, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुतिकरण के लिए प्रथम पुरस्कार भी जीता, 12 से 16 अक्टूबर 2019, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस), जयपुर, भारत, इस प्रयोगशाला के पीएचडी स्कॉलर, सुश्री आशा भारद्वाज और श्री ज़फर आज़म, को यात्रा पुरस्कार (पीएचडी स्कॉलर) प्रदान किया गया। - एफआईएमएसए-आईयूआईएस-आईआईएस, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे, 12 से 16 अक्टूबर 2019 ,राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस), जयपुर, भारत।

डॉ. भूपेंद्र कुमार वर्मा विभागीय एम बायोटेक कार्यक्रम के समन्वयक। सदस्य, संस्थान "कोविड 19 नैदानिक प्रबंधन समिति"। सदस्य, इंस्टीट्यूट "इम्यूनोलॉजी आणविक जीवविज्ञान तथा वैक्सीन विकास" हेतु "कोविड 19 साहित्य समीक्षा समिति"

डॉ. विक्रम सैनी हरगोबिंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड (आईवाईबीए), जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, भारत (2018-19) के प्राप्तकर्ता हैं। उन्हें इंटरनेशनल सेंटर फ़ॉर डायरियाल डिज़ीज़ रिसर्च (आईसीडीडीआर), ढाका, बांग्लादेश में (16-17 सितंबर 2019) श्रृंखला के प्रतिष्ठित "ओवरसीज़ फ्रेंड्स ऑफ़ आईसीडीडीआर" के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्हें भारत के 73 वें स्वतंत्रता दिवस पर शिक्षा में योगदान के लिए हरियाणा राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। कोविड-19 हेतु पीपीई डीकन्टैमनैशन और री-यूज कमेटी का संयोजक होने के साथ ही उन्हें एम्स के विभिन्न अभियानों में शामिल किया गया था, वे संस्थागत कोविड -19 नैदानिक समिति के सदस्य सचिव, केंद्रीय संसाधन के सदस्य, कोविड-19 के दौरान एम्स, नई में पीपीई के उपयोग के चयन के सदस्य, इंस्टीट्यूशनल बायोसेफ्ट समिति(आईबीएससी), एम्स के सदस्य, कोर समिति मेंबर सीसीआरएफ, सीसीआरएफ-जैव सुरक्षा लैब (बीएसएल-2 और बीएसएल-3 प्रयोगशाला) उप-समिति एम्स के विशेषज्ञ सदस्य, केंद्रीय पशु सुविधा, एम्स पर न्यूड-माइस/ट्रांसजेनिक माइस फैसेलिटी और ए-बीएसएल3 फैसेलिटी की टेक्निकल समिति के विशेषज्ञ सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स में जैव प्रौद्योगिकी में रोजगार जागरुकता के समन्वयक हैं। इसके अलावा, डॉ. सैनी सूक्ष्मजीवविज्ञान में जर्नल फ्रंटियर्स में समीक्षा संपादक के रूप में सेवा दी।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. पवन के धर, आचार्य, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा 24 फरवरी 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
2. डॉ सुनील के अरोड़ा, आचार्य, पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा 26 फरवरी 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
3. डॉ. अमित अवस्थी, सह-आचार्य, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद द्वारा 26 फरवरी 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
4. डॉ. गोबर्धन दास, आचार्य, जेएनयू, द्वारा 2 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
5. डॉ. राहुल पाल, वैज्ञानिक, एनआईआई, नई दिल्ली द्वारा 4 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
6. डॉ. नील एस भावेश, वैज्ञानिक, आईसीजीईबी, नई दिल्ली द्वारा 4 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
7. डॉ. वी पेरुमल, सह-आचार्य, आईआईटी, नई दिल्ली द्वारा 5 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
8. डॉ. रीता सिंह, आचार्य, डीयू, नई दिल्ली द्वारा 6 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
9. डॉ. सागर सेन गुप्ता, वैज्ञानिक, एनआईआई, नई दिल्ली द्वारा 11 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
10. डॉ. मणिदिपा बैनर्जी, सह-आचार्य, आईआईटी, नई दिल्ली द्वारा 12 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
11. डॉ. देबी सरकार, आचार्य, डीयू, नई दिल्ली द्वारा 13 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
12. डॉ. मंजुला कालिया, सह-आचार्य, आरसीबी, फरीदाबाद द्वारा 13 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
13. डॉ. शंकर भट्टाचार्य, वैज्ञानिक, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद द्वारा 14 मार्च 20 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

9.8. सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

शशि कांत

आचार्य

संजीव कुमार गुप्ता | किरण गोस्वामी | आनंद कृष्णन
बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह | पुनीत मिश्रा | संजय कुमार राय
वाई एस कुसुमा कुमारी

अपर आचार्य

कपिल यादव | सुमित मल्होत्रा | अनिल कुमार गोस्वामी

सह-आचार्य

पार्थ हलधर | रवनीत कौर
हर्षल रमेश साल्वे | राकेश कुमार

सहायक आचार्य

मोहन लाल बैरवा

विशिष्टताएं

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र, (सीसीएम) एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत संकाय सदस्यों और कर्मचारियों का मुख्य फोकस समुदाय आधारित शिक्षण, अनुसंधान और सेवा का प्रावधान रहा है। शहरी फील्ड अभ्यास क्षेत्र (दक्षिण पुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली) और व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ के माध्यम से सशक्त आउटरीच कार्यक्रम और उपचार के मॉडल उपलब्ध कराए जाते हैं। भारत सरकार के कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं को सहयोग प्रदान किया जाता है।

1. विभाग को एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए) के रूप में नामित किया गया है और कई हितधारकों के समर्थन के साथ यह, देश में एनीमिया मुक्त भारत का नेतृत्व कर रहा है।
2. सीसीएम की भूमिका, एचआईवी निगरानी के लिए राष्ट्रीय संस्थान के रूप में कार्य करने की है और यह भारत सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) का सहयोग करता है।
3. विभाग गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण पर अनुसंधान और क्षमता निर्माण केंद्र के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केन्द्र बनाया गया है।
4. आरजीआई (भारत के महापंजीयक), गृह मंत्रालय और संस्थानों के नेटवर्क (मिनर्वा) के सहयोग से एसआरएस (सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम) आधारित मौखिक शव परीक्षा के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई के माध्यम से देश में मृत्यु दर की निगरानी को सशक्त किया गया है।

5. नवाचार और अध्ययन केंद्र के माध्यम से आयुष्मान भारत के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार (सीपीएचसी) का सहयोग किया जाता है जो आकांक्षी जिले नूंह, हरियाणा में स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) को तकनीकी मजबूती प्रदान करता है।
6. मैदान में योग अभ्यास के मामले में स्वास्थ्य संवर्धन और सामुदायिक स्तर पर लोगों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
7. इन्फ्लूएंजा पर सहयोगात्मक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं को सीडीसी और वायु प्रदूषण के संबंध में हैल्थ इफैक्ट इंस्टीट्यूट, यूएसए के साथ मिलकर क्रियान्वित किया जाता है।

विभाग ने एम्स, नई दिल्ली में **29** फरवरी से **2** मार्च **2020** तक "इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (आईपीएचए)" का **64**वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जिसमें **1100** से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व एमबीबीएस विद्यार्थी

एमबीबीएस के विद्यार्थियों को अनेक अवसरों और पोस्टिंग के माध्यम से समुदाय-आधारित अभ्यास के लिए उन्मुख किया जाता है। चौथे और **5**वें सेमेस्टर के विद्यार्थी शहर आधारित व्यवस्थित कार्यक्रम और परिवार स्वास्थ्य सलाहकार सेवा (एफएचएएस) में भाग लेते हैं, जिसमें उन्हें परिवार आबंटित किए जाते हैं। उन्हें समुदाय आधारित अनुसंधान के लिए भी अवसर दिया जाता है, जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पोस्टिंग करके उनके द्वारा अनुसंधान परियोजनाएं कार्यान्वित की जाती हैं। अपने **7**वें सेमेस्टर के दौरान, उन्हें छह सप्ताह प्रत्येक के लिए चार बैचों में सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। यह एक आवासीय पोस्टिंग है जिसमें उन्हें महामारी विज्ञान की अवधारणाओं का ज्ञान कराया जाता है, सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति उन्मुख किया जाता है और इस प्रयास में स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक, बाल स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के सामुदायिक पहलू, विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य प्रणाली और स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल होते हैं। नवजात और बाल रोग (आईएमएनसीआई) और महामारी विज्ञान के एकीकृत प्रबंधन पर प्रशिक्षित करने के लिए विशेष मॉड्यूल हैं। विद्यार्थियों को इस तैनाती के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य के स्नातकपूर्व उन्मुखीकरण (ओयूसीएच) मॉड्यूल के तहत एक संक्षिप्त गुणात्मक विधि-आधारित अनुसंधान परियोजना भी शुरू करनी होती है। पोस्टिंग की समाप्ति, आंतरिक रूपात्मक आकलन के साथ होती है।

इंटर्न

इंटर्न, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तीन महीने की कुल अवधि के लिए तैनात किए जाते हैं। इस अवधि को एसडीएच में छह सप्ताह और दयालपुर और छायसा स्थित प्रत्येक पीएचसी पर **3-3** सप्ताह में विभाजित किया गया है। पूरी पोस्टिंग आवासीय है। उप जिला अस्पताल (एसडीएच) में, इंटर्न ओपीडी और वार्डों में तैनात होते हैं जो उन्हें बुनियादी नैदानिक कौशल सीखने में मदद करते हैं, साथ ही साथ ये इंटर्न, सामान्य प्रसव एवं रोगी उपचार भी करते हैं। उन्हें संबंधित वरिष्ठ रेजिडेंट (एसआर) की देखरेख में एसडीएच में सभी उपलब्ध नैदानिक विशेषज्ञताओं में बारी-बारी से तैनात किया जाता है। पीएचसी पोस्टिंग

के दौरान, इंटर्न पीएचसी क्लीनिकों, उप-केंद्रों के साथ-साथ एंटीनेटल क्लीनिकों में स्वास्थ्य उपचार में भाग लेते हैं। वे सामुदायिक चिकित्सा के एसआर की देखरेख में प्रत्येक पीएचसी में डिलीवरी हट में भी तैनात किए जाते हैं। उन्हें सामुदायिक स्तर की गतिविधियों जैसे कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की देखरेख, क्षय-रोग-रोधी उपचार कराने के दौरान चूक करने वाले रोगियों की अनुवर्ती उपचार का अनुभव प्राप्त होता है, उप-केंद्रों की देखरेख, आउटरीच गतिविधियों, टीकाकरण और पीएचसी में चल रही अन्य गतिविधियों का अनुभव भी उन्हें प्राप्त होता है। ये इंटर्न, पीएचसी में विशेष गतिविधियों में भी शामिल होते हैं जैसे कि कायाकल्प मूल्यांकन, वार्षिक जनगणना, जन जागरूकता सृजन और स्कूल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ। सीआरएचएसपी पोस्टिंग के अंत में ये इंटर्न, संबंधित एसआर जिसके अधीन वे अंतिम पोस्टिंग मूल्यांकन के लिए पोस्ट किए गए थे, उनके द्वारा हस्ताक्षरित अपनी लॉग-बुक प्रस्तुत करते हैं।

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थी

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 18 महीने तक सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। यह पोस्टिंग आवासीय है। इस पूरी अवधि में वे उप-जिला अस्पताल में और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दोनों में प्रत्येक में 5 महीने और 10 दिन बारी-बारी से तैनात रहते हैं। इससे उन्हें एसडीएच और पीएचसी दोनों से जुड़ा आवश्यक कौशल और अनुभव प्राप्त करने का पर्याप्त अवसर मिलता है। उन्हें पीएचसी में निर्णय लेने और प्रशासन में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। नियमित शिक्षण कार्यक्रम में सेमिनार, परिवार और नैदानिक मामले की प्रस्तुतियाँ, अस्पताल और फील्ड-अभ्यास विषय पर आधारित समस्यागत अभ्यास शामिल होते हैं। बाकी पोस्टिंग शहरी फील्ड अभ्यास इलाके में की जाती है।

बीएससी नर्सिंग और पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग विद्यार्थी

बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों और पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग विद्यार्थियों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में डेढ़ महीने के लिए तैनात किया जाता है। इस तैनाती की प्रकृति आवासीय होती है। वे एसडीएच पर एक महीने और दो पीएचसी में से किसी एक में दो सप्ताह बिताते हैं। उन्हें प्रसव पूर्व उपचार, वार्ड प्रबंधन और टीकाकरण का प्रशिक्षण दिया जाता है। वे ओपीडी और वार्ड, दोनों में तैनात किए जाते हैं। वे ओपीडी और वार्ड में स्वास्थ्य संबंधी वार्ता, और आईईसी प्रदान करते हैं। नर्सिंग विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की निगरानी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली के एक संकाय सदस्य द्वारा की जाती है।

सेवाकालीन प्रशिक्षण

विद्यार्थियों के शिक्षण के अलावा, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में काम करने वाले कर्मचारियों के विभिन्न संवर्गों के लिए समय-समय पर सेवा प्रशिक्षण आयोजित किए गए। 2019-20 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण निम्नलिखित थे:

1. नर्सिंग स्टाफ और गहन फील्ड अभ्यास विषय के फील्ड स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए नवजात पुनर्जीवन पर एक पुनश्चर्या प्रशिक्षण फरवरी 2020 को नर्सिंग कॉलेज के संकाय सदस्यों के सहयोग से आयोजित किया गया।

2. स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं (24 * 2 = 48) के लिए कुल 50 घंटे का सेवाकालीन प्रशिक्षण, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दयालपुर और छायसा (आंकड़े समावेशी) में आयोजित किया गया। ये प्रशिक्षण, प्रत्येक माह बैठकों के दौरान आयोजित किए जाते हैं। क्षेत्र पर्यवेक्षण के दौरान पहचानी गई प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आधार पर विषय तय किए गए थे; समीक्षाधीन अवधि के लिए, ये विषय निम्नानुसार थे: जेएसवाई लाभार्थियों की पहचान और इसका लाभ उठाने की सुविधा उन्हें प्रदान करना, पशुओं के काटने का उपचार, जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं का उपचार, परिवार नियोजन - तरीके, महत्व और कवरेज में सुधार कैसे किया जाए, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन, उच्च जोखिम गर्भावस्था की ट्रैकिंग और प्रबंधन, माँ और नवजात शिशु के लिए प्रसव पूर्व उपचार जिसमें जटिलता प्रबंधन और कंगारू मदर केयर, आईएमएनसीआई- पहचान और बीमार बच्चे के उपचार, कुपोषण की पहचान, उपचार और फील्ड स्तर पर प्रबंधन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से टीकाकरण स्थल तक और वापस प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तक लाने के लिए कोल्ड चेन प्रबंधन का प्रशिक्षण, टीबी मामलों का निदान और उपचार।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. व्यवहार निगरानी सर्वेक्षण लाइट (बीएसएस लाइट-2019-2020), के कार्यान्वयन तंत्र हेतु कार्यशाला, 4-5 अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली ।
2. इंस्पायर सहयोगी बैठक, 25-27 अप्रैल 2019, कोलकाता
3. बीएसएस लाइट के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला, 20-23 मई 2019, गुरुग्राम, हरियाणा ।
4. "लार्वानाशक और कीटनाशक" के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 23 जुलाई 2019, एम्स, नई दिल्ली
5. केंद्रीय टीम के सदस्यों के लिए बीएसएस लाइट हेतु नमूना फ्रेम विकास का केंद्रीयकृत प्रशिक्षण, 17-20 अगस्त 2019, गुरुग्राम, हरियाणा
6. इंस्पायर सहयोगी वार्षिक बैठक 22-23 अक्टूबर 2019, दिल्ली
7. नॉर्थ जोन इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन -2019 के 23वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "ऑपरेशनल रिसर्च" पर कार्यशाला (प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप), 1 नवंबर 2019, नूंह, हरियाणा
8. मिनर्वा नेटवर्क और तकनीकी सलाहकार समूह की बैठक, 8 और 9 नवंबर 2019, दिल्ली
9. "भारत में वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों पर उन्नत अनुसंधान के लिए प्राथमिकताएं", अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 2-4 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
10. बीएसएस लाइट (मुख्य सर्वेक्षण) के लिए प्रशिक्षकों का केंद्रीकृत प्रशिक्षण, 9-12 दिसंबर 2019 एम्स, नई दिल्ली
11. भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (29 फरवरी से 2 मार्च 2020) के भागों के रूप में विभाग द्वारा निम्नलिखित सम्मेलन पूर्व एवं सम्मेलनोत्तर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया-

   क. शोध पत्र लिखना (स्थान: एम्स, नई दिल्ली)

ख. सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए नेतृत्व कौशल (स्थान: एम्स, नई दिल्ली)

ग. साक्ष्य (मेटा-एनालिसिस) से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य तक (स्थान: एम्स, नई दिल्ली)

घ. आपदा प्रबंधन- (स्थान: एनआईएचएफडब्ल्यू, मुनिरका)

ड. तनाव प्रबंधन के लिए योग (स्थान: मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान)

च. कुशल आश्वस्त-गुणवत्ता मोबाइल आधारित डेटा कैप्चर (स्थान: सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़)

दिए गए व्याख्यान

शशि कांत: 1
किरण गोस्वामी: 4
आनंद कृष्णन: 11
बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह : 6
पुनीत मिश्रा: 6
संजय के राय: 3
वाईएस कुसुमा कुमारी: 1
कपिल यादव: 1
सुमित मल्होत्रा: 11
अनिल कुमार गोस्वामी: 10
रवनीत कौर: 7
हर्षल रमेश साल्वे: 10
राकेश कुमार: 2
मोहन लाल बैरवा: 2

मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर प्रस्तुति: 15 (* सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार, ** दूसरा सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया कंट्रोल, शशि कांत, यूनिसेफ, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये1.8 करोड़ रुपये
2. भारत में इन्फ्लूएंजा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए साक्ष्य-आधारित एडवोकेसी को मजबूत करना/ बढ़ावा देना, आनंद कृष्णन, सीडीसी, अटलांटा, 5 वर्ष, 2018-23, 8.1 करोड़ रुपये
3. नमूना पंजीकरण प्रणाली में मौखिक शव परीक्षण के आधार पर मौत के कारण का पता लगाने के संबंध में तकनीकी सहायता इकाई की स्थापना, आनंद कृष्णन, भारत के महापंजीयक, 3 वर्ष, 2017-2020, 2.8 करोड़ रुपये
4. एनसीडी के लिए प्रबंधकीय और नेतृत्व कौशल बढ़ाने के लिए, एनसीडी कार्यक्रम प्रबंधकों और निदेशकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विकास, बहु-सेक्टर प्रशासन और समन्वय, आनंद कृष्णन, डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ, 6 महीने, 2019, 7 लाख रुपये
5. सामुदायिक स्थिति में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तनाव और आरोग्य के संबंध में व्यवस्थित योग कार्यक्रम का प्रभाव, इसकी व्यवहार्यता और दीर्घकालिक स्थिरता, पुनीत मिश्रा, डीएसटी, 1 वर्ष, 2018-19, 40 लाख रुपये
6. एचआईवी प्रहरी निगरानी एनआई और आरआई, संजय राय, नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 234.44 लाख रुपये

7. अनुसूचित जनजातियों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की स्थिति लाने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच और गुणवत्ता में सुधार: विशाखापत्तनम जिला, आंध्र प्रदेश में एक कार्यान्वयन अनुसंधान, वाईएस कुसुमा, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2020-2022, 29.2 लाख रूपये
8. भारत के चुनिंदा जिलों में गर्भवती महिलाओं के बीच आयोडीन की स्थिति का आकलन, कपिल यादव, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2016-20, 57.6 लाख रुपये
9. एनीमिया नियंत्रण में फ्रंट लाइन कार्यकर्ताओं - एएनएम, एडब्ल्यूडब्ल्यू और आशा द्वारा उपचार स्थल पर किए जाने वाले परीक्षण की प्रभावशीलता, कपिल यादव, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-22, 98.49 लाख रुपये
10. मानव संसाधन विकास स्वास्थ्य अनुसंधान योजना-संचालन अनुसंधान, सुमित मल्होत्रा, डीएचआर, 7 वर्ष, 2014-2021, 56 लाख रुपये
11. हरियाणा के एक चयनित जिले में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के कार्यान्वयन के लिए नवाचार अध्ययन केंद्र, सुमित मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2 वर्ष, 2018-2020, 41.45 लाख रुपये
12. दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्कूली किशोरियों में साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड अनुपूरण कार्यक्रम से संबंधित कार्यान्वयन और बाधाओं का आकलन, सुमित मल्होत्रा, दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, 2 वर्ष, 2018-2020, 16 लाख रुपये
13. हरियाणा के नूंह जिले में व्यापक स्वास्थ्य उपचार में 'आशा' के ज्ञान, कौशल और अभ्यास में सुधार करने में सामुदायिक स्वास्थ्य उपचार परिणाम मॉडल के लिए टेली-मेंटरिंग एक्सटेंशन की प्रभावशीलता को समझने के लिए एक अध्ययन, सुमित मल्होत्रा, ईसीएचओ इंडिया, 1 वर्ष, 2019-20, 21.75 लाख रुपये
14. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों में एनीमिया की रोकथाम, अनिल के. गोस्वामी, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये
15. दिल्ली के एक शहरी क्षेत्र में पोषक तत्वों के सेवन, एंथ्रोपोमेट्री और चयनित सीरम बायोमार्कर के रूप में गर्भवती महिलाओं की यथा-आकलित पोषाहार स्थिति - एक समुदाय-आधारित अध्ययन, रवनीत कौर, एम्स, 2 वर्ष, 2019-21, 8.25 लाख रुपये
16. ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में चलंत चिकित्सा इकाइयों के विभिन्न मॉडलों का तुलनात्मक मूल्यांकन, रवनीत कौर, एनएचएसआरसी, एमओएचएफडब्ल्यू, 2 वर्ष, 2019-20, 25 लाख रुपये
17. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत में वेक्टर-जनित रोगों के लिए सामुदायिक स्तर पर जलवायु आधारित प्रारंभिक चेतावनी तंत्र (सीसीईडब्ल्यूएस) का विकास करना, हर्षल साल्वे, जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम (एसपीएलआईसीई), डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 55.62 लाख रुपये
18. दिल्ली एनसीआर में परिवेशी पीएम 2.5 प्रभावन की मृत्यु दर, हर्षल साल्वे, एम्स-आईआईटी संयुक्त सहयोग परियोजना अनुदान, 2 वर्ष, 2018-2020, 8.9 लाख रुपये

19. ग्रामीण उत्तर भारत में एनपीसीडीएस के तहत सीओपीडी/ अस्थमा के लिए स्क्रीनिंग और उपचार प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन पर प्रायोगिक अध्ययन, हर्षल साल्वे, एनसीडीसी, 6 महीने, 2019-2020, 0.4 लाख रुपये
20. भारत में वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों पर शोध को आगे बढ़ाने के लिए प्राथमिकताएं, हर्षल साल्वे, हैल्थ इफैक्ट इंस्टीट्यूट, बोस्टन यूएसए, 5 महीने, 2019-2020, 19.93 लाख रुपये
21. नव निदानित स्पटम पॉजिटिव पल्मोनरी तपेदिक रोगियों के प्रारंभिक लक्षणों पर ग्लाइसेमिक स्थिति का प्रभाव और उपचार प्रतिक्रिया: एक अग्रदर्शी अध्ययन, राकेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 9.85 लाख रुपये

पूर्ण

1. दिल्ली में झुग्गियों और झुग्गी जैसी बस्तियों में डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) रणनीति का विकास, कार्यान्वयन और मूल्यांकन; वाई कुसुमा, आईसीएमआर और आईसीएसएसआर, 2 वर्ष, 2017-19, 17.8 लाख रुपये
2. कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और स्ट्रोक के राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) की समीक्षा के लिए मूल्यांकन साधनों का विकास बेरीडेलाइन एन, डब्ल्यूएचओ-इंडिया, 6 महीने, 2019, 15.04 लाख रुपये
3. एनसीडी रिस्क कारकों के समाधान के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रेरित स्वास्थ्य संवर्धन विद्यालय के उपयोग से स्कूल स्तर पर उपचार के लिए साधन का विकास, हर्षल आर साल्वे, डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ, 6 महीने, 2018-2019, 6.28 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हरियाणा, भारत में द्वितीयक उपचार स्वास्थ्य सुविधा में एएनसी में भाग लेने वाली गर्भवती महिलाओं के बीच जीडीएम का प्रसार: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन
2. नई दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में किशोरियों के बीच चुनिंदा पोषण संबंधी समस्याओं का आकलन- एक मिश्रित पद्धति अध्ययन
3. शहरी दिल्ली में निम्न-स्तरीय सामाजिक-आर्थिक समुदाय में मधुमेह के उपचार और नियंत्रण के बारे में जानकारी और आत्मविश्वास
4. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में प्रजनन आयु की महिलाओं के बीच आहार विविधता और संबंधित कारक
5. भारत में हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरों के बीच उच्च वसा, नमक, चीनी (एचएफएसएस) युक्त भोजन का सेवन
6. उत्तर भारत में समुदाय आधारित युवाओं में स्वास्थ्य और पोषण व्यवहार के मूल्यांकन की आवश्यकता।

7. बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में किशोरों के बीच अवसादग्रस्तता विकार: एक समुदाय-आधारित व्यापक प्रतिनिधि अध्ययन।
8. हरियाणा के फरीदाबाद जिले में लॉट क्वालिटी असेसमेंट सैम्पलिंग (एलक्यूएएस) तकनीक का उपयोग करते हुए कैंसर, मधुमेह और हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के तहत जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग के कवरेज का मूल्यांकन।
9. दिल्ली के एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच हल्की संज्ञानात्मक हानि और संबंधित कारक।
10. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप।
11. दिल्ली की एक पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों में एनीमिया का प्रसार।
12. बल्लभगढ़ तपेदिक इकाई, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में फुफ्फुसीय तपेदिक का सफल इलाज करा चुके रोगियों में फेफड़ों का ठीक ढंग से कार्य न करना।
13. बुज़ुर्गों में निमोनिया का आर्थिक बोझ, रोकथाम और नियंत्रण।
14. मृत्यु के कारण के संबंध में मौखिक शव परीक्षा में कथनों की प्रासंगिकता और कैप्चरिंग।
15. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में खाना पकाने के ईंधन की प्रकृति और निर्धारक तत्व तथा प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना को अपनाने में आने वाली बाधाएं - एक मिश्रित विधि अध्ययन।
16. फरीदाबाद, भारत में **18-24** वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों के बीच ई-स्वास्थ्य साक्षरता को मापने के लिए एक (अंग्रेजी संस्करण)पैमाने का विकास।
17. उत्तर भारत के एक ग्रामीण समुदाय में टीबी रोगियों के उपचार में चूक के निर्धारक तत्व : एक समुदाय आधारित मिश्रित विधि अध्ययन।
18. स्वास्थ्य उपचार स्थितियों के विभिन्न स्तरों पर सड़क दुर्घटनाओं में अस्पताल आधारित आघात रजिस्ट्री के कार्यान्वयन की व्यवहार्यता और रोगी उपचार की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।
19. दिल्ली की शहरी कमजोर वर्ग आबादी के लिए प्राथमिक नेत्र चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने में 'आशा' की भागीदारी पर समुदाय आधारित कार्यात्मक अनुसंधान अध्ययन।
20. योग प्रवर्तन के समुदाय आधारित कार्यात्मक अनुसंधान की व्यवहार्यता और एम्स, नई दिल्ली के नए मेडिकल स्नातक विद्यार्थियों में तनाव तथा कथित आरोग्यता पर इसका प्रभाव।
21. हरियाणा के फरीदाबाद जिले में एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम का मूल्यांकन: एक मिश्रित विधि अध्ययन।
22. दिल्ली के एक शहरी क्षेत्र में किशोरों के बीच सामान्य मानसिक विकार और संबंधित मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता।
23. आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे रोगियों के बीच वित्तीय विषाक्तता और चयनित पृष्ठभूमि भेदक कारकों सहित अननुपालन का पता लगाने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
24. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत सुरक्षाकर्मियों के बीच स्क्रीनिंग के माध्यम से मुख कैंसर के जोखिम कारकों और प्रसार की पहचान करने के लिए अध्ययन।

25. हरियाणा के बल्लभगढ़ में द्वितीयक उपचार अस्पताल में पांच वर्ष से कम के कुपोषित बच्चों के पोषाहार की स्थिति पर व्यापक पोषण पैकेज (सीएनपी) का प्रभाव।
26. आवश्यक नवजात उपचार पर प्रसव के बाद माताओं के ज्ञान और व्यवहार का आकलन करने और ग्रामीण हरियाणा में घर पर नवजात शिशु देखभाल में प्रशिक्षित आशाओं की दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
27. उन महिलाओं में आयरन की स्थिति जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मध्यम एनीमिया के इलाज के लिए अंतःशिरा आयरन सूक्रोज **6** और **12** महीने पहले दिया गया था।

पूर्ण

1. दिल्ली के तृतीयक उपचार अस्पताल में चयनित नर्सिंग स्टाफ के बीच तनाव और जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता पर व्यवस्थित योग कार्यक्रम का प्रभाव - छोटे पैमाने पर चरण **-2** परीक्षण
2. हरियाणा के एक ग्रामीण क्षेत्र में बुजुर्गों में सांस की पुरानी बीमारियों और संबंधित कारकों का अध्ययन
3. नई दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में **20-59** वर्ष की आयु की महिलाओं में नमक खाने से संबंधित ज्ञान और व्यवहार तथा आहार सोडियम के स्रोत का अध्ययन
4. ग्रामीण बल्लभगढ़**,** हरियाणा में किशोरों में उच्च रक्तचाप का की व्यापकता
5. उत्तर भारत के एक ग्रामीण क्षेत्र में तपेदिक रोगियों में उपचार में चूक के निर्धारक तत्व : एक समुदाय-आधारित मिश्रित-विधि अध्ययन।
6. हरियाणा के बल्लभगढ़ के एक ग्रामीण इलाके में बुजुर्ग व्यक्तियों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप।
7. हरियाणा के फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ ब्लॉक में संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत पंजीकृत नव-निदानित वयस्क तपेदिक रोगियों के बीच रोगी लागत और उपचार में देरी
8. श्वसन वायरस: इन्फ्लुएंजा और श्वसन सिंसाइटिकल वायरस के कारण भारत में मृत्यु दर का अनुमान
9. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रोगियों के बीच मधुमेह नियंत्रण सहित उपचार के की जानकारी और आत्मविश्वास का संबंध
10. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच जीर्ण श्वसन रोगों और संबद्ध कारकों का एक अध्ययन
11. दिल्ली की एक पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच दृष्टि हानि का प्रसार और दृष्टि संबंधी जीवन शैली के साथ इसका संबंध
12. जिला फरीदाबाद, हरियाणा में द्वितीयक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र में आने वाले 6-59 महीने की उम्र के बच्चों के बीच कोबालमिन और फोलेट की स्थिति।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. यूवेइटिस के रोगियों में प्रथम संपर्क और पूर्व-रेफरल उपचार और उपचार अनुपालन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र रोग विज्ञान केन्द्र
2. भारत में बच्चों की लंबाई में वृद्धि के मानक का विकास और बच्चों की वृद्धि दर का मूल्यांकन, कार्डियो-मेटाबोलिक उपाय और इसके सहसंबंध- एक अग्रदर्शी अध्ययन, जैवसांख्यिकी
3. एक चरण III, रैंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण- नव निदानित स्पटम पॉजिटिव टीबी मरीजों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में क्षय रोग (टीबी) की रोकथाम में वीपीएम1002 और इम्यूवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए परीक्षण, पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार
4. कुपोषित नव निदानित स्पटम पॉजिटिव पल्मोनरी तपेदिक वयस्क रोगियों में उपचार के परिणामों में सुधार लाने के लिए मानक डॉट्स थेरेपी में सहायक के रूप में ऊर्जा सघन पोषण अनुपूरक (ईडीएनएस) की प्रभावकारिता, पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार
5. दिल्ली इमरजेंसी लाइव हार्ट-अटैक इनिशिएटिव-"मिशन दिल्ली" सेविंग हार्ट सेविंग लाइव्स, हृद् विज्ञान
6. चरण III, रैंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण के लिए क्षमता-निर्माण योजना - नव निदानित स्पटम पॉजिटिव टीबी मरीजों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में क्षय रोग (टीबी) की रोकथाम में वीपीएम1002 और इम्यूवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन, पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार
7. बल्लभगढ़, हरियाणा में वयस्क कुपोषित फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों के बीच मानक डॉट्स थेरेपी के सहायक के रूप में, तैयार चिकित्सीय भोजन के रूप में पूरक पोषाहार की स्वीकार्यता और प्रचलन, पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार
8. सामान्य आबादी में स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों का पता लगाना, तंत्रिका विज्ञान
9. दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों में दर्दनाक दंत चोटों की व्यापकता और पैटर्न का आकलन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
10. मेडिकल कॉलेजों में समान स्ट्रोक उपचार और परिणामों के लिए एक मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन (आईएमपीईटीयूएस); एक कार्यात्मक अनुसंधान अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
11. स्कूल शिक्षकों के लिए दंत आघात जागरूकता साधन का विकास और सत्यापन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
12. व्यापक इलेक्ट्रॉनिक इंटीग्रेटेड रोड ट्रैफिक इंजरी सर्विलांस का विकास - भारत (आईआरआईएस-इंडिया), आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुर
13. सार्वजनिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य: स्ट्रोक जागरूकता: हिमाचल प्रदेश में समुदाय, स्कूलों और पराचिकित्सा स्टाफ को शिक्षा और प्रशिक्षण, तंत्रिका विज्ञान

14. गर्भावस्था हानि के मनो-सामाजिक आयाम : बहुआयामी पैमाने का विकास तथा सामूहिक मनोवैज्ञानिक उपचार मॉड्यूल का विकास और प्रभावकारिता (एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण), मनोचिकित्सा
15. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में परिवेशी पीएम 2.5 के प्रभाव के कारण मृत्यु दर, उत्तर भारत, आईआईटी दिल्ली
16. जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत गुणवत्ता और सर्वोत्तम पद्धतियों का आकलन, मनोरोग
17. वैश्विक वैक्सीन उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए भारतीय आबादी में पी. विवैक्स की जीनोम आधारित एंटीजेनिक विविधता का विश्लेषण, सूक्ष्मजीवविज्ञान, कायचिकित्सा
18. भारतीय आइसोलेट्स में प्रतिरोध लक्षणों के आयामों में आणविक अंतर्दृष्टि और समुदाय-अधिग्रहीत मूत्र पथ संक्रमण में उभरता दवा प्रतिरोध - एक बहु-केंद्रित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सूक्ष्मजीवविज्ञान, कायचिकित्सा
19. दवाओं के तर्कसंगत उपयोग पर आईसीएमआर टास्क फोर्स सेंटर, भेषजगुण विज्ञान
20. श्रवण दोष के प्रसार और हेतुविज्ञान पर कार्यबल परियोजना, ईएनटी
21. बाल कैंसर रोगियों के लिए ओरल हेल्थ टूलकिट, सीडीईआर
22. दिल्ली, एनडीटीवीटीसी, गाजियाबाद में किशोर अनुकूल क्लीनिकों में उपचार के लिए आने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और व्यसनी व्यवहार की सीमा
23. हरियाणा, के बल्लभगढ़ ब्लॉक में रहने वाले वयस्कों में जन्मजात हृदय रोग का प्रसार : जनसंख्या आधारित अध्ययन, हृद् विज्ञान
24. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रसित भारतीय महिलाओं में भिन्न-भिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों की प्रतिक्रिया में अन्तर और इस रोग की व्यापकता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, सह-रुग्णता और जोखिम कारकों का मूल्यांकन: पूरे भारत में बहु-केन्द्री अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
25. व्यापक एनीमिया कार्यक्रम और व्यक्तिगत चिकित्सा, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान, बाल रोग विज्ञान
26. भारतीय आइसोलेट्स में प्रतिरोध लक्षणों के आयामों में आणविक अंतर्दृष्टि और समुदाय-अधिग्रहीत मूत्र मार्ग संक्रमण में उभरता दवा प्रतिरोध - एक बहु-केंद्रित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सूक्ष्मजीवविज्ञान
27. भारत में टाइफाइडल साल्मोनेला में एएमआर के निगरानी नेटवर्क के लिए उन्नत नोडल केंद्र, सूक्ष्मजीवविज्ञान

पूर्ण

1. उत्तरी भारत में एनएएफएलडी और कार्डियो-मेटाबोलिक रोग जोखिम कारक के साथ इसका संबंध, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

2. भारत में 'फीडिंग इनफेंट्स एंड टॉडलर्स स्टडी' (एफआईटीएस) और 'दि किड्स न्यूट्रिशन एंड हेल्थ स्टडी' (केएनएचएस), आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी, जयपुर
3. 'पार्टिकुलेट मैटर एक्सपोज़र एंड डिप्रेशन' का संबंध: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, मनोचिकित्सा, जैव सांख्यिकी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 47 पुस्तकें: 1

रोगी उपचार

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ में रोगी उपचार (i) एक उप जिला अस्पताल (एसडीएच), और (ii) दयालपुर में एवं छैंसा स्थित दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाती है। 31 मार्च 2020 तक की स्थिति के अनुसार, सीआरएचएसपी के गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र की कुल जनसंख्या 1,03,510 थी।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में हेल्थकेयर प्रावधान संबंधी आँकड़े

- ओपीडी सेवाएं: ***4,36,383*** मरीज
- इन-पेशेंट सेवाएं: ***12,115*** मरीज
- आपातकालीन सेवाएं: ***86,592*** मरीज
- गर्भवती महिलाओं के लिए कुल ***4,080*** प्रसव कराए गए
- सर्जरी की कुल संख्या - ***2,394*** (केवल एसडीएच बल्लभगढ़ में)

बहिरंग रोगी विभाग:

दैनिक, सप्ताह में एक बार

- सामान्य चिकित्सा, गैर संचारी रोग क्लिनिक
- जनरल सर्जरी, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर)
- बाल चिकित्सा, बाल सर्जरी
- प्रसूति और स्त्री रोग, तंत्रिका विज्ञान
- नेत्र विज्ञान, प्लास्टिक सर्जरी
- मनोरोग, पोषण ओपीडी, दंत-चिकित्सा, **सप्ताह में तीन बार**
- आयुष (होम्योपैथी), एंटी-नेटल क्लिनिक, आयुष (आयुर्वेद), **सप्ताह में दो बार**
- अस्थिरोग विज्ञान, त्वचाविज्ञान
- कान, नाक और गला रोग

क. **एसडीएच बल्लभगढ़ में प्रदान की जाने वाली रोगी उपचार सेवाएं: (*2019-20*)**	
कुल आउटडोर रोगी	
बहिरंग रोगी विभाग(ओपीडी) कुल (नए+पुराने)	3,50,709
नए ओपीडी रोगी (%)	1,91,630 (54.6%)
कायचिकित्सा (नए+पुराने)	1,04,570
बालरोग (नए+पुराने)	73,752
प्रसूति एवं स्त्री रोग(नए+पुराने)	26,476
एंटीनेटल केयर क्लीनिक पंजीकरण, कुल मामले (नए+पुराने)	22,176
नेत्ररोग (नए+पुराने)	15,302
सर्जरी (नए+पुराने)	14,172
ईएनटी (नए+पुराने)	10,442
डेंटल	8,988
शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (नए+पुराने)	2,307
गैर-संचारी रोग क्लीनिक, कुल (नए+पुराने)	8,439
त्वचारोग (नए+पुराने)	13,579
आयुष (होमियोपैथी + आयुर्वेद)	10,394
अस्थिरोग (नए+पुराने)	27004
मनोचिकित्सा	10,029
पोषण	397
प्लास्टिक सर्जरी	41
तंत्रिका विज्ञान	1484
बाल शल्य चिकित्सा	1,157

2. अंतरंग रोगी विभाग

- बिस्तरों की कुल संख्या: **50**

क. कुल भर्ती (जन्म सहित)	**11,322**
• आपातकालीन विभाग के माध्यम से भरती	1,560
• ओपीडी के माध्यम से भरती	6,489
• नवजात की भरती (जन्म)	3,273

ख. भरतियों का पृथक्करण, विशेषज्ञता द्‌वारा (*संख्या*=12,608)	
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	6,869
• बालरोग	213
• नेत्र रोग	696
• सर्जरी	157
• कायचिकित्सा	64
• ईएनटी	47
• भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर)	3
ग. औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	106.4%
घ. सभी रोगियों के ठहरने की औसत अवधि (दिनों में)	1.80
ड.. कराए गए कुल प्रसव (आईयूडी सहित)	3,294

आपातकालीन सेवाएं : बिस्तरों की संख्या 10	
• पंजीकृत रोगी	73,326
• मेडिको-लीगल मामले	5,073
• आपातकालीन प्रवेश	1,581

एसडीएच, बल्लभगढ़ में कुल शल्यक्रियाएं	
1. नेत्ररोग	650
2. प्रसूति एवं स्त्रीरोग	892
3. सामान्य सर्जरी	482
4. बाल शल्य चिकित्सा	247
5. ईएनटी	110
6. भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास	13
कुल	**2,394**

प्रयोगशाला एवं नैदानिक सेवाएं	
क. प्रयोगशाला जांच (बायोकेमिकल एवं हैमेटोलॉजिकल)	2,62,794
ख. एक्स-रे	21,507
ग. अल्ट्रासाउंड	11,036

घ. मलेरिया स्लाइडें	5,619
• पी. विवेक्स	2
• पी. फेल्सीपेरम	शून्य
ड.. एचआईवी के लिए दी गई परामर्शी एवं परीक्षण सेवाएं	14,338

संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम:

उप जिला अस्पताल, बल्लभगढ़ संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एक तपेदिक इकाई (टीयू) है। इस इकाई के साथ तीन नामित माइक्रोस्कोपी केन्द्र (डीएमसी) जुड़े हुए हैं। बल्लभगढ़ अस्पताल में उपचारित तपेदिक के कुल मामले इस प्रकार थे:

मामलों की कुल संख्या जिनमें उपचार शुरू किया गया	**1033**
क. नए मामले	961
ख. पहले से उपचारित मामले	72

ख. सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ द्वारा 28 गाँवों के सघन फील्ड अभ्यास क्षेत्र (आईएफपीए) में, दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (दयालपुर और छायसा) और 12 उप केन्द्रों के नेटवर्क के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। आईएफपीए में डोमिसिलरी, आउटपेशेंट, इनपेशेंट, और रेफरल सेवाएं प्रदान की जाती हैं। वर्ष (2019-20) में आईएफपीए के महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक निम्नानुसार थे:

संकेतक	**मान**
जनसंख्या	1,03,510
प्रति 1,000 जनसंख्या पर जन्म दर	19.4
प्रति 1,000 जनसंख्या पर मृत्यु दर	6.7
जन्म के समय लिंग अनुपात (प्रति 1,000 बालकों पर बालिकाओं की संख्या)	866
प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर शिशु मृत्यु दर	30.8
प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 5 वर्ष से कम आयु में मृत्यु दर	35.4

1. **गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र में ओपीडी सेवाएं**: इसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के ओपीडी के साथ-साथ विस्तारित स्वास्थ्य क्लीनिकों के ओपीडी में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य उपचार सेवाएं शामिल हैं, जो आईपीएचए के प्रत्येक गांव में आयोजित की जाती हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	नए रोगी	दुबारा आने वाले रोगी	कुल
दयालपुर	23,120	21,088	44,208
छायसा	19,116	15893	35,009
कुल	42,236	36,981	**79,217**

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दयालपुर में पंजीकृत कुल आयुष ओपीडी रोगी: **6457**
(प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छायसा में कोई आयुष ओपीडी नहीं है)

2. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध कराई गई अंतरंग रोगी सेवाएं:

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	कुल
दयालपुर	415
छायसा	378
कुल	**793**

3. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आपातकालीन सेवाएं:

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	कुल
दयालपुर	9843
छायसा	3423
कुल	**13266**

4. परिवार कल्याण और मातृ शिशु स्वास्थ्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुसार निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं

संकेतक	मान
कुल प्रसवपूर्व पंजीकरण	2,634
पंजीकृत मामलों का पूर्ण टीटी कवरेज (%)	86.8
आईएफपीए में संस्थागत डिलीवरी का प्रतिशत	
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छायसा (%)	98.2%
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दयालपुर (%)	97.7%
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डिलीवरी हट्स में कुल डिलीवरी	
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छायसा	378
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दयालपुर	415

5. अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम: रक्त स्लाइड का संग्रह, ओपीडी में निष्क्रिय निगरानी के एक भाग के रूप में और आईएफपीए में अधिवास दौरे के दौरान सक्रिय निगरानी के रूप में किया जाता है।

संकेतक	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छायसा	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दयालपुर
जांची गई कुल मलेरिया स्लाइडों की संख्या	6550	6162
पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या	9	7
वार्षिक परजीवी परिघटन (प्रति 1,000 जनसंख्या)	0.17	0.132
वार्षिक रक्त जांच दर (%)	12.9%	11.63%
स्लाइड पॉजिटिविटी दर (%)	0.13%	0.11%

संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम :

आईएफपीए में, संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार चलाया जाता है। दयालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को माइक्रोस्कोपी केन्द्र के रूप में नामित किया गया है और आईएफपीए के तहत सभी गांवों की जरूरतों को पूरा करता है। आईएफपीए में उपचारित तपेदिक रोगियों की संख्या (श्रेणीवार) इस प्रकार है:

संकेतक (2019-2020)	पीएचसी छैंसा	पीएचसी दयालपुर
रोगियों की संख्या, जिनका उपचार शुरू किया गया	81	72
नए रोगी	19	72
पहले उपचारित किए जा चुके रोगी	2	0

6. **विशेष सेवाएं:** आउट रीच स्पेशियलिटी ओपीडी (ओआरएसओ) प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित एक विशेष गतिविधि है, जहां एसडीएच बल्लभगढ़ में तैनात सीनियर रेजिडेंट्स, साप्ताहिक आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रोगी को देखते हैं।

   इन सेवाओं को जून **2013** में शुरू किया गया था। पिछले वर्ष के दौरान प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में देखे गए मामले निम्नानुसार थे:

सेवाएं	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छायसा	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दयालपुर
स्त्रीरोग	170	577
बालरोग	280	533
नेत्ररोग	408	768
मनोरोग	100	252
आउट रीच विशेषज्ञता ओपीडी (ओआरएसओ)* (कुल)	**958**	**2130**

7. **एनिमल बाइट उपचार क्लीनिक**

गर्भवती महिलाओं को दी गई विशेष सेवाएं	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छायसा	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दयालपुर
गर्भावस्था प्राप्त आईवीआईएस	336	370
पीपीआईयूसीडी	83	52
उच्च जोखिम गर्भावस्था	446	373

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छायसा और दयालपुर दोनों में एनिमल बाइट मैनेजमेंट क्लिनिक है। पीएचसी छैंसा में एंटी-रेबीज टीकाकरण की 907 और पीएचसी दयालपुर में कुल 2048 खुराकें दी गईं।

8. **आईईसी गतिविधियां:** पीएचसी छायसा और दयालपुर में क्रमशः 28 और 55 स्वास्थ्य वार्ताएं आयोजित की गईं। नवजात उपचार और कंगारू मदर केयर, स्तनपान और वीनिंग, प्रसव पूर्व उपचार, उच्च जोखिम गर्भावस्था, गर्भावस्था में एनीमिया, संस्थागत प्रसव का महत्व, टीकाकरण, मलेरिया और डेंगू, बच्चों में क्षय रोग, बच्चों में एनीमिया, विटामिन-ए की कमी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, एचआईवी/ एड्स, बच्चों में दुर्घटना, व्यक्तिगत साफ-सफाई, परिवार नियोजन के तरीके, प्रसव के बाद उपचार और आहार, नवजात शिशु की देखभाल, स्वाइन फ्लू, जरा-चिकित्सा उपचार, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, आदि।

9. **लघु फिल्म शो:** बाल कल्याण केंद्र, बल्लभगढ़, पीएचसी दयालपुर, और पीएचसी छायसा में महत्वपूर्ण विषयों जैसे स्तनपान, प्रसव पूर्व उपचार, बाल उपचार, कन्या भ्रूण हत्या, नेत्र उपचार, विटामिन ए की कमी, कुपोषण और दस्त के बारे में फिल्में ओपीडी के समय के दौरान दिखाई गईं।

10. **प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान विशेष गतिविधियाँ**

    1. **सघन मिशन इन्द्रधनुष:** दोनों प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों ने सघन मिशन इन्द्रधनुष में भाग लिया, जहाँ लगभग 60 गर्भवती महिलाओं और 275 बच्चों को वैक्सीन से बचाव योग्य सात बीमारियों से प्रतिरक्षित किया गया।

    2. **राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के लिए आकलन:** दोनों प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण व्यापक उपचार प्रदान करने के मिशन के साथ बहुत मेहनत करते रहे हैं। दोनों प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को यह प्रमाण हासिल हुआ कि वे राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों का पालन करते हैं।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम का फील्ड अभ्यास क्षेत्र, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, दक्षिण दिल्ली के दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अंबेडकर नगर में स्थित है। इसमें, ब्लॉक 1 से 7,14,15,19, सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी शामिल हैं। यहां रहने वाली लगभग 35,363 लोगों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा किया जाता है। इस शहरी स्वास्थ्य केंद्र में रोगी उपचार सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

नैदानिक सेवाएं

गतिविधियां	**संख्या**
ओपीडी: देखे गए कुल रोगियों की संख्या (टीकाकरण सहित)	20440
प्रयोगशाला सेवाएं	
कुल प्रयोगशाला जांच	3845
किए गए एचबी परीक्षणों की संख्या	1371
इनमें से <7 g/dl एचबी वाले रोगियों की संख्या (सामान्य+ एएनसी)	36
इनमें से <11 g/dl एचबी वाले रोगियों की संख्या (सामान्य+ एएनसी)	780
ब्लड शुगर	2222
यूरिन अल्बुमिन एवं शुगर जांचें	73
मलेरिया के लिए आरडीटी	53
रक्त समूह	100

बाल स्वास्थ्य सेवाएं

आयोजित टीकाकरण सत्रों की संख्या : 99	
बीसीजी	50
डीपीटी 1/पेंटेवलेंट 1	227
डीपीटी 2/पेंटेवलेंट 2	196
डीपीटी 3 /पेंटेवलेंट 3	184
ओपीवी 0 डोज़ (जन्म पर खुराक)	33
ओपीवी1	227
ओपीवी2	196
ओपीवी3	185
हैपेटाइटिस-बी1	2
हैपेटाइटिस-बी2	6
हैपेटाइटिस-बी3	1
इंजेक्टेबिल आईपीवी फ्रेक्शनल1	227
इंजेक्टेबिल आईपीवी फ्रेक्शनल2	183
रोटावायरस 1	100
रोटावायरस 2	63
रोटावायरस 3	47
एमआर पहली डोज़	231

एमआर दूसरी डोज़	219
डीपीटी / ओपीवी बूस्टर 1	208
डीपीटी / ओपीवी बूस्टर 2	258
टीटी/डीटी-10 वर्ष	311
टीटी/डीटी - 16 वर्ष	101
9 महीने और 5 वर्ष की आयु के बीच दी गई विटामिन - ए	94
5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अल्बेंडाजोल	241
बहुत कम वजन वाले बच्चों की संख्या जिनकी स्वास्थ्य जांच की गई (0-5 वर्ष)	58

मातृ स्वास्थ्य सेवाएं

एंटीनेटल केयर	संख्या
शहरी स्वास्थ्य में गर्भवती महिलाओं को कुल कितनी बार देखा गया (नए रोगी=210)	690
गर्भवती महिलाओं की संख्या जिन्हें टीटी1/डीटी-1 बूस्टर दिया गया	94
गर्भवती महिलाओं की संख्या जिन्हें टीटी2/डीटी-2 बूस्टर दिया गया =79 + टीटी/डीटी बूस्टर=11	90
गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या जिन्हे 180 आईएफए गोलियां दी गईं	111
परिवार नियोजन	
वितरित कांडोम की संख्या	1115
वितरित मौखिक गर्भनिरोधक गोली चक्रों की संख्या	2
अभिनिर्धारित नए आरटीआई/एसटीआई मामले	116

विकसित, स्वरूपित और डिज़ाइन की गई स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री:

1. अंग्रेजी में एक एनएसएस बैनर, कुल 01, विकसित
2. "डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया पर एक पुस्तिका" को अपडेट किया गया, दूसरा संस्करण 2019, बुकलेट, कुल 02, हिंदी और अंग्रेजी
3. हिंदी में "कोरोना" पर 2 पोस्टर 24x36 इंच और अंग्रेजी में कोरोना पर 2 पोस्टर विकसित किए गए, पोस्टर, कुल 04, हिंदी और अंग्रेजी
4. हिंदी में "कोरोना" पर 14 लघु संदेश पोस्टर और अंग्रेजी में कोरोना पर 14 लघु संदेश पोस्टर विकसित किए, पोस्टर, कुल 28, हिंदी और अंग्रेजी
5. हिंदी में "कोरोना" पर 2 होर्डिंग्स 6x4 फीट आकार के और अंग्रेजी में कोरोना पर 2 होर्डिंग्स, कुल 04

एम्स में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियाँ:

- 18 अप्रैल 2019 को जेएलएन ऑडिटोरियम के सामने एम्स के एनएसएस स्वयंसेवकों के बीच **"ग्लोबल वार्मिंग"** पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। (20 विद्यार्थियों ने भाग लिया)
- 10 जून, 2019 को दिल्ली में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ 25 स्थलों पर **"प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान"** का आयोजन, **पोषण अभियान परीक्षण एवं उपचार कार्यक्रम** के तहत किया गया।
- चार अंडर ग्रेजुएट्स हस्तक्षेप गतिविधियाँ **"महिलाओं में कुपोषण, बुजुर्गों में पोषण, बुजुर्गों में जोड़ों का दर्द, सद्यप्रसूता माताओं के बीच जन्म संबंधी जटिलताओं और उनकी तैयारी तथा कोविड - 19"** के बारे में शहरी स्वास्थ्य केंद्र, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन में क्रमश: 8 अप्रैल 2019, 5 जुलाई 2019, 21 अगस्त 2019, 14 अक्टूबर 2019 और 12 फरवरी 2020 को आयोजित की गईं।
- एमबीबीएस विद्यार्थियों के नए बैच (2019) के लिए **"एनएसएस ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम"** 9 जुलाई 2018 को सीसीएम एम्स में आयोजित किया गया (82 एमबीबीएस विद्यार्थियों ने भाग लिया)।
- परिवार स्वास्थ्य सलाहकार सेवाओं के हस्तक्षेप कार्यक्रम में, **"हाइपरटेंशन, डायबिटीज मेलिटस और एनीमिया, बाल विवाह और एएनसी"** विषय पर छह स्ट्रीट प्ले 26 अगस्त 2019 और 2 सितंबर 2019 को आयोजित किए गए (समुदाय के लगभग 300 लोग इस गतिविधि में शामिल हुए)।
- **"ब्लड डोनेशन"** पर दो नाटिकाएं आयोजित की गईं, एक फोयर में और दूसरी सीएनसी प्रवेश द्वार पर, इसका आयोजन डॉ. शशि मेवाड़ के समन्वय में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किया गया।
- 30 जनवरी 2020 को दक्षिणपुरी एक्सटेंशन में **"विश्व कुष्ठरोग दिवस"** पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया (समुदाय के 50 लोग शामिल हुए)
- 18 अप्रैल 2019 को **"ग्लोबल वार्मिंग"** पर एम्स, नई दिल्ली के एनएसएस स्वयंसेवकों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया (कुल प्रतिभागी 20)।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए **कायाकल्प पुरस्कार:** फरीदाबाद जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में, सीआरएचएसपी के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दयालपुर को कायाकल्प अवार्ड के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया, जबकि सीआरएचएसपी के दूसरे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, यानी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छैंसा को कायाकल्प कार्यक्रम के लिए सराहना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

उप-जिला अस्पताल, बल्लभगढ़ के लिए **कायाकल्प पुरस्कार:** राज्य स्तर पर, सीआरएचएसपी के उप जिला अस्पताल, बल्लभगढ़ को सराहना पुरस्कार मिला।

प्रोफेसर शशि कांत को कोविड -19 पर नेशनल टास्क फोर्स में नामांकित किया गया, जिसकी अध्यक्षता एनआईटीआई के सदस्य डॉ. विनोद के. पॉल ने की। उन्होंने विभिन्न नीति निर्माण कार्यों में योगदान

दिया, जिन्हें बाद में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया था। वह माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति के सदस्य भी रहे; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा गठित महामारी विज्ञान और निगरानी कार्य दल के सदस्य के रूप में कोरोना महामारी के लिए महामारी विज्ञान से मुकाबले में योगदान दिया; वे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर में शासी निकाय के सदस्य, बनाए गए। उस हैसियत से उन्होंने एम्स, नागपुर के लिए संकाय सदस्यों के चयन में भाग लिया। इसके अलावा, उन्होंने एम्स, भोपाल में सामुदायिक चिकित्सा के संकाय सदस्यों के चयन में भी सहायता की। वह आईसीएमआर की विभिन्न परियोजना समीक्षा समितियों के अध्यक्ष या सदस्य हैं। वह, इस अवधि में भी आरएनटीसीपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय परिचालन अनुसंधान समिति के सदस्य बने रहे; भारत में एचआईवी आकलन के राष्ट्रीय कार्य समूह के सदस्य भी रहे, जो कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित है; भारत में एचआईवी प्रहरी निगरानी संबंधी तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य रहे। उन्होंने एनएसीओ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत में एचआईवी कैस्केड में सुधार लाने के लिए वैश्विक और स्थानीय साक्ष्यों संबंधी राष्ट्रीय परामर्श में भाग लिया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यक्रम के तहत तकनीकी विनिर्देश समिति के सदस्य रहे; 11 नवंबर, 2019 को, एम्स, भुवनेश्वर में 'कम्यूनिटी मेडिसिन में शिक्षा और अभ्यास' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान उन्होंने एक भाषण दिया; इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की आयोजन समिति के अध्यक्ष रहे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "लीडरशिप इन हेल्थ" विषय पर आयोजित वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर संजीव कुमार गुप्ता, जरा-चिकित्सा उपचार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में प्राथमिक उपचार संचालन दिशानिर्देश विकसित करने के लिए गठित टास्क फोर्स के सदस्य रहे, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में पीजीडीएमसीएच कार्यक्रम के संशोधन के लिए गठित विशेषज्ञ समिति में रहे; डेटा सेफ्टी मैनेजमेंट बोर्ड (डीएसएमबी) की "ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस (टीबीएम) के लिए एंटी-ट्यूबरकुलर ट्रीटमेंट (एटीटी) की 9 महीने, 12 महीने और 18 महीने की प्रभावकारिता का निर्धारण: एक यादृच्छिक नियंत्रित, नॉन-इनफीरियारिटी परीक्षण" परियोजना के लिए, एम्स की मुख्य वार्ता समिति (डीओ) में शामिल रहे। अनेक पत्रिकाओं के समीक्षक रहे, उदाहरण के लिए - द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के जनसंख्या स्थिरता कोष के आजीवन सदस्य हैं। संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा के लिए पी.टी. बोर्ड में सलाहकार के रूप में 9-11 दिसंबर 2019 को यूपीएससी की सहायता की। 6 नवंबर 2019 को दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में संकाय सदस्य पद के लिए चयन समिति के एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया; भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की वैज्ञानिक कार्यक्रम समिति के

अध्यक्ष रहे, इस सम्मेलन का आयोजन एम्स, नई दिल्ली में 29 फरवरी से 2 मार्च, 2020 तक किया गया था।

प्रोफेसर किरण गोस्वामी को राष्ट्रीय संस्थान और केंद्रीय क्षेत्रीय संस्थान का सदस्य बनाया गया: एचआईवी प्रहरी निगरानी बीएसएस लाइट 2019- 2020 के लिए विशेषज्ञ और रीसोर्स पर्सन बनाया गया। वे निम्नलिखित में विशेषज्ञ समिति की सदस्य रही-एसईईडी डिवीजन, टीआईएएसएन, डीएसटी; एसईएसपी के संबंध में कार्यक्रम सलाहकार समिति बैठक, एसईईडी प्रभाग और डीएसटी विशेषज्ञ समिति, शोधपत्र सेटिंग यूजीसी-नैट परीक्षा, नवंबर, 2019। उन्होंने निम्नलिखित सत्रों की अध्यक्षता की: बीएसएस लाइट के लिए प्रचालन रूपरेखा पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक के दौरान सामुदायिक एंगेजमेंट और एथिकल कंसीडिरेशंस, 4 -5 अप्रैल 2019 और बीएसएस लाइट ओवरव्यू- बीएसएस लाइट के लिए नमूना फ्रेम विकास हेतु पद्धति, केंद्रीकृत प्रशिक्षण, प्रशिक्षकों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण, 20-23 मई 2019। कार्यक्रम समन्वयक, एनएसएस इकाई, एम्स। सामुदायिक चिकित्सा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में निम्नलिखित में भाग लिया- एमबीबीएस फाइनल और पूरक परीक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय, नवंबर 2019 और मार्च 2020; एमबीबीएस तृतीय व्यावसायिक पूरक परीक्षा, एम्स जोधपुर में, फरवरी 2020; उन्होंने एम्स राजभाषा पखवाड़ा समारोह 2019 के दौरान निबंध लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार, नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, और एम्स सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह 2019 में भाग लेकर निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर आनंद कृष्णन डब्ल्यूएचओ, समुदाय-आधारित एनसीडी निवारण और नियंत्रण पर अनुसंधान एव क्षमता निर्माण पर सहयोग केंद्र; एसआरएस-वीए और एमआईएनईआरवीए नेटवर्क के लिए एम्स की तकनीकी सहायता इकाई; आईसीएमआर-एनआईआरईएच भोपाल की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; आईसीएमआर-एनआईओएच, अहमदाबाद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; भारतीय जन स्वास्थ्य अकादमी गैर-संचारी रोग और पर्यावरण चैप्टर के प्रमुख हैं और दक्षिण-पूर्व एशिया, वर्ल्ड एनसीडी फेडरेशन में क्षेत्रीय काउंसिलर हैं। इन्फ्लुएंजा रोग प्रसार में, विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यसमूह के सदस्य हैं; परियोजना मूल्यांकन समिति, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन भारत के सदस्य हैं, एम्स, नई दिल्ली में कार्डियो-पल्मोनरी डिसॉर्डर के लिए स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, उत्कृष्टता केंद्र, जलवायु और स्वास्थ्य के सदस्य हैं; डीबीटी इन्फ्लुएंजा वैक्सीन के संबंध में "नेक्स्ट जनरेशन इन्फ्लुएंजा वैक्सीन प्रोजेक्ट्स" के लिए मॉनिटरिंग कम एक्सपर्ट कमेटी सदस्य हैं; आईसीएमआर, एनसीडी डिवीजन के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समूह, सेंटर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ, जेएनयू की केन्द्रीय समिति; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कॉम्प्रिहेंसिव नेशनल न्यूट्रीशन सर्वे (सीएनएनएस) के लिए गठित एनसीडी पॉलिसी ग्रुप के सदस्य हैं; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र की गवर्निंग बॉडी के सदस्य; मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की पीजी विशेषज्ञ समिति के सदस्य; सामुदायिक स्वास्थ्य में प्रमाणपत्र कार्यक्रम की पाठ्यचर्या एवं प्रशिक्षण गुणवत्ता की समीक्षा करने के लिए और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), के लिए मेंटरिंग तंत्र बनाने के लिए गठित टास्क फोर्स के सदस्य; आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के वैज्ञानिक

सलाहकार समूह में विशेष आमंत्रित; कार्डियो-वस्कुलर रोग की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; आईसीएमआर - टास्क फोर्स प्रोजेक्ट्स ऑन न्यूरोकॉग्निटिव रोग, कार्डियो-वैस्कुलर डिजीज के सदस्य; इंडियन हाइपरटेंशन मैनेजमेंट इनिशिएटिव, हेल्थ सिस्टम रिसर्च पर आईसीएमआर एडवाइजरी ग्रुप के सदस्य; इंप्लीमेंटेशन रिसर्च के लिए प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी, इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम के सदस्य; कम्युनिटी मेडिसिन के लिए एसीटीआईएमएसटी, जेआईपीएमईआर, एम्स ऋषिकेश, निम्हांस की चयन समित के सदस्य; उन्हें, जयपुर में 'सीफिएन' पब्लिक हेल्थ एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड 2019 प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर पुनीत मिश्रा डीएसटी, भारत सरकार की कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य/ विशेषज्ञ रहे। वे एसवाईएसटी, एडब्ल्यूएसएआर के सदस्य रहे; एसईईडी डिवीजन, डीएसटी, भारत सरकार के लिए विशेषज्ञ समिति सदस्य और शोधपत्र समीक्षक रहे, पीसीएम और जीडीएम के लिए आईसीएमआर टास्क फोर्स के सदस्य रहे, डायबिटीज, मेटाबॉलिक डिसऑर्डर, किडनी और लीवर डिसऑर्डर संबंधी आईसीएमआर, टीईसी के सदस्य रहे; आईसीएमआर, डीएसटी, डीबीटी के लिए परियोजना समीक्षक रहे, एम्स, चयन समिति में अनुसंधान अनुभाग के सदस्य रहे। 1 मई 2019 को संकाय चयन, एम्स, गोरखपुर में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; संकाय चयन, एम्स, जोधपुर, संकाय चयन एम्स भुवनेश्वर, स्वास्थ्य और चिकित्सा विश्वविद्यालयों के लिए एनएएसी मूल्यांकनकर्ता रहे। केजीएमयू और डीयू में पीएचडी थीसिस मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक, एएमयू अलीगढ़ में एमडी परीक्षक, एमबीबीएस परीक्षक - एम्स ऋषिकेश; एमडी थीसिस परीक्षक - एम्स ऋषिकेश के रूप में भाग लिया। नेपाल में वाई-डीटी टाइफाइड संयुग्मित वैक्सीन चरण III नैदानिक परीक्षण के लिए डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) के सदस्य रहे। पीएलओएस वन, आईजेसीईएम, बीएमजे, लैंसेट पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, एनएमजेआई, बीएमसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटीज इन डेवलपिंग कंट्रीज, एडिक्टिव बिहेवियर्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडोलसेंट मेडिसिन एंड हेल्थ, बीएमसी पब्लिक हेल्थ के समीक्षक, बीएमसी महिला स्वास्थ्य, बीएमसी संक्रामक रोग, बायोमेडिकल और पर्यावरण विज्ञान, परिवार चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य, एनएमजेआई, डीएसटी, आईसीएमआर के लिए प्रस्तावों और कई अन्य जर्नलों के समीक्षक रहे। अनेक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए उन्होंने कई टीवी चैनलों पर विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया - लोकसभा टीवी - मलेरिया, अस्थमा, कुपोषण; कैंसर पर राज्यसभा टीवी के देश-देशांतर; आरएस टीवी पर कोरोना - बिग पिक्चर, आरएस टीवी - कोरोना, देश देशान्तर, आरएस टीवी कोरोनोवायरस कोविड 19 - प्रश्न और उत्तर, आरएस टीवी कोरोना - न्यूज फीड बाइट्स और आरएस टीवी जनसंख्या नियंत्रण, मिरर नाउ- कोरोना, ज़ी टीवी - कोरोना, इंडिया टीवी-कोरोना, एवीपी न्यूज़-कोरोना।

प्रोफेसर संजय के. राय को पूरे देश में एचआईवी प्रहरी निगरानी (एचएसएस) के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एम्स नई दिल्ली में स्थित एचएसएस राष्ट्रीय संस्थान में एनएसीओ "फोकल पर्सन" के रूप में नामित किया गया; इन राज्यों के एचएसएस 2019 को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए उन्होंने अक्टूबर और नवंबर 2019 के दौरान उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अनेक दौरे किए। वे, भारत में

एचआईवी अनुमानों पर नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य रहे और 2019 के दौरान कई टीआरजी बैठकों में भाग लिया। पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, यूपी चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, और केजीएमयू लखनऊ में एमडी सामुदायिक चिकित्सा के लिए परीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया। बाहरी परीक्षक के रूप में उन्होंने, बर्दवान मेडिकल कॉलेज, बर्दवान, पश्चिम बंगाल में (11-12 अप्रैल 2019), लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली (23-26 अप्रैल 2019), यूपी यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेस, सैफ़ई (16-17 जुलाई 2019) और केजीएमयू, लखनऊ (29-30 नवंबर, 2019) में एमडी सामुदायिक चिकित्सा परीक्षा आयोजित की। आईसीएमआर-एनआईसीईडी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य के रूप में, आईसीएमआर-एनआईसीईडी कोलकाता में 26-27 सितंबर 2019 से आईसीएमआर-एनआईसीईडी की 47वीं एसएसी बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। चेन्नई, तमिलनाडु और अलीगढ़, यूपी के लिए क्रमश: 5 मई 2019 और 25-26 मई, 2019 को एमडी/ एमएस/ एमडीएस/ डीएम और एमसीएच की ऑनलाइन सीबीटी तथा एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा की निगरानी के लिए एम्स परीक्षा केंद्र द्वारा नियुक्त किया गया। उन्हें संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एम्स की कोर कमेटी का सदस्य नामित किया गया। एम्स इंजीनियरिंग सलाहकार समिति (ईएसी) के एक सदस्य के रूप में इंजीनियरिंग सेवाओं के काम को कारगर बनाने के लिए इंजीनियरिंग सलाहकार समिति की कई बैठकों में भाग लिया। सीसीएम के स्टोर के प्रभारी आचार्य के रूप में बजट तैयारी में भाग लिया, और 2019-20 के दौरान सीसीएम के लिए विभिन्न मदों की खरीद की। अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा निदेशालय, पंजाब, और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल की स्थायी चयन समिति के एक सदस्य के रूप में 8 जून 2019, और 17 दिसंबर 2019 को क्रमश: राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), सेक्टर 26, चंडीगढ़, और एम्स, भोपाल के विभिन्न संकाय पदों के चयन में सहायता की। वर्ष 2019-2022 के लिए इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के "अध्यक्ष" चुने गए।

डॉ. कपिल यादव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "एनीमिया मुक्त भारत" के लिए परिचालन दिशानिर्देशों के निर्माण के लिए गठित "टेस्ट एंड ट्रीट" तकनीकी उप-समूह के सदस्य रहे और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के "एनीमिया नियंत्रण में उन्नत अनुसंधान केंद्र" (एनसीईएआर-ए)" के लिए फोकल प्वाइंट रहे।

डॉ. सुमित मल्होत्रा अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली के तहत क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) की कार्य समिति के सदस्य रहे; आकांक्षी जिले, नूंह, हरियाणा में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के कार्यान्वयन के लिए "नवाचार और शिक्षण केंद्र" हेतु फोकल पर्सन बनाए गए; सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक और स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य (सीपीसीएच) पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण गुणवत्ता में सर्टिफिकेट प्रोग्राम की समीक्षा करने और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के लिए सलाह तंत्र बनाने के लिए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय कार्य बल का हिस्सा रहे। अमृतसर में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार-स्वास्थ्य और कल्याण

केंद्र (एचडब्ल्यूसी) पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया (6 सितंबर 2019); राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (16-23 अक्टूबर 2019) के तहत 13वें कॉमन रिव्यू मिशन के लिए दिल्ली टीम का हिस्सा रहे; निजी स्वास्थ्य उपचार प्रतिष्ठानों में काम करने वाले प्रसूतिविदों और बाल रोग विशेषज्ञों के बीच एमआईवाईसीएन के बारे में ज्ञान और प्रथाओं का तेजी से आकलन करने संबंधी अध्ययन के लिए बहु-स्थली इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ रहे; एसआरएस-वीए तथा मिनर्वा नेटवर्क के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई के सदस्य तथा एनीमिया नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए) के सदस्य रहे; एम्स, नई दिल्ली में 29 फरवरी से 2 मार्च तक भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन की टीम के हिस्से के रूप में वैज्ञानिक समिति के सदस्य, प्री-कॉन्फ्रेंस समिति और स्थल समिति के संयोजक रहे। इसके अलावा, वेक्टर जनित रोगों पर एड-हॉक और फेलोशिप प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति का हिस्सा रहे; उन्हें, इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (आईपीएचए), 2019-20 के फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनिल कुमार गोस्वामी, एक राष्ट्रीय निकाय "ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स" चंडीगढ़ के 2016-20 तक संरक्षक रहे। 2008 से लेकर अब तक “रोग निवारण प्रकोप प्रतिक्रिया सेल” (डीपीओआरसी) एम्स के नामित नोडल अधिकारी रहे। काया कल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत "स्वच्छता संवर्धन" (स्वच्छ और हरित एम्स का केआरए-7) और "सार्वजनिक प्रतिक्रिया" (स्वच्छ और हरित एम्स का केआरए-8) के लिए उप-समिति के सदस्य रहे। तम्बाकू नियंत्रण प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली में "नई विनिर्दिष्ट स्वास्थ्य चेतावनी के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य" के रूप में निदेशक एम्स, नई दिल्ली द्वारा नामित किए गए। एम्स नई दिल्ली में डेंगू पर एक तकनीकी संगोष्ठी में "राष्ट्रीय डेंगू दिवस -16 मई 2019" पर पैनलिस्ट; विद्यार्थी संघ के सांस्कृतिक सप्ताह "पल्स, 2019 में स्ट्रीट प्ले प्रतियोगिता" में निर्णायक के रूप में उन्हें आमंत्रित किया गया। उन्होंने, 28 नवंबर 2019 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में और 20 जनवरी 2020 को एम्स नई दिल्ली में राष्ट्रीय वार्षिक "पीयर असेसमेंट काया कल्प मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन प्रोग्राम" में भाग लिया। इम्फाल, मणिपुर में 2020 में "अखिल भारतीय सामाजिक कार्य पेशेवर सम्मेलन (एआईएएमएसडब्ल्यूपी सम्मेलन)" की अध्यक्षता की।

डॉ. पार्थ हलधर, भारत में हेपेटाइटिस निगरानी के लिए तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य रहे, जिसका गठन भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा किया गया था। वह सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य अर्थशास्त्र मॉड्यूल में शिक्षण कार्य करते हैं। वह भारत में एचआईवी निगरानी के राष्ट्रीय संस्थान के सदस्य भी हैं, जिसका मुख्यालय एम्स नई दिल्ली में है। वह एम्स, नई दिल्ली में एनीमिया नियंत्रण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए) के सदस्य भी हैं। डॉ. पार्थ भारतीय पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की पर्यावरण समिति के संयोजक रहे, यह सम्मेलन 29 फरवरी से 2 मार्च तक एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

डॉ. रवनीत कौर, एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन) सुविधा, एम्स के लिए संकाय सदस्य रहीं और उन्होंने स्नातक शिक्षण के लिए कौशल मॉड्यूल तैयार किए। उच्च जोखिम वाले गर्भधारण के प्रबंधन के लिए परिचालन दिशानिर्देशों के विकास के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (मातृ स्वास्थ्य प्रभाग) के कार्यकारी समूह की सदस्य रहीं। एनीमिया मुक्त भारत के तहत एनीमिया के निदान और उपचार के लिए चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों और सहायक नर्स मिडवाइव्स के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने में योगदान दिया। वे निम्नलिखित पत्रिकाओं की समीक्षक रहीं - ग्लोबल हेल्थ रिसर्च एंड पॉलिसी, बीएमजे ओपन, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, जर्नल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिसिन। भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की आयोजन समिति की सदस्य रहीं, यह सम्मेलन 29 फरवरी से 2 मार्च 2020 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन की रिसेप्शन कमेटी की संयोजक और वैज्ञानिक समिति तथा स्मारिका समिति की भी वे सदस्य रहीं।

डॉ. हर्षल रमेश साल्वे, को एम्स के फैकल्टी एसोसिएशन (एफएआईएमएस) का महासचिव चुना गया। एम्स, नई दिल्ली द्वारा एसईटी सुविधा में विशेषज्ञ संकाय भी बनाया गया। भारत में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में उपचार और सर्वोत्तम प्रथाओं की गुणवत्ता के आकलन के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन-इंडिया कंट्री ऑफिस द्वारा विशेषज्ञ टीम का हिस्सा बनाया गया। औरंगाबाद में एम्स पीजी प्रवेश परीक्षा के लिए संकाय समन्वयक, नागपुर में एमबीबीएस परीक्षा और नागपुर में एम्स के लिए नर्सिंग अधिकारियों (ग्रेड II) की भर्ती के लिए ऑनलाइन सीबीटी आधारित परीक्षा में संकाय सदस्य के रूप में भाग लिया। त्रिशूर मेडिकल कॉलेज, त्रिशूर, केरल द्वारा 25 अक्टूबर 2019 को आयोजित 'त्रिकोन 2019' सम्मेलन में अतिथि वक्ता रहे। आरजीआई - एम्स नई दिल्ली द्वारा एसआरएस के लिए मिनर्वा नेटवर्क की कोर टीम का हिस्सा और नेशनल ट्रेनर रहे। भारत में एनपीसीडीसीएस के तहत कार्यक्रम प्रबंधकों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक। रोग प्रकोप प्रतिक्रिया सेल (डीपीओआरसी), एम्स, नई दिल्ली के सदस्य रहे। नई दिल्ली में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संवर्धन उपकरण विकसित करने के लिए डब्ल्यूएचओ - एसईएआरओ विशेषज्ञ समूह की बैठक (8 - 9 अप्रैल, 2019) में भाग लिया। सीईयू, सीएमसी वेल्लोर, तमिलनाडु द्वारा आयोजित "क्लिनिकल ट्रायल: मूल बातें और विशिष्ट विषय" पर कार्यशाला (17-19 अक्टूबर, 2019) में भाग लिया; शिक्षा और सामुदायिक चिकित्सा के अभ्यास पर प्रथम राष्ट्रीय संगोष्ठी, भुवनेश्वर (10-12 नवंबर 2019) में हिस्सा लिया, एसईटी फैसिलिटी एम्स, नई दिल्ली (26 नवंबर, 2019) में एमबीबीएस पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला में नामांकित संकाय रहे, एसपीएच, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा वायु प्रदूषण पर आयोजित 'सीपीसीबी शोधकर्ता के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम' (6 मई 2020) में रीसोर्स पर्सन रहे, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), नई दिल्ली के वार्षिक दिवस पर वायु प्रदूषण के विषय पर आयोजित संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रूप में हिस्सा लिया, इंडियन साइकाइट्रिक सोसाइटी (एएनसीआईपीएस), कोलकाता, पश्चिम बंगाल के 72वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (25 जनवरी 2020) में स्पीकर के रूप में हिस्सा लिया, विश्व बैंक के लिए मेडिकल कॉलेजों की डेटा प्रबंधन प्रणाली के आकलन के लिए पटना का दौरा किया

(12 और 13 मार्च 2020)। इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन दल (संयोजक - फंड रेजिंग और पूर्ण सत्र समिति, यात्रा और आवास समिति) के सदस्य रहे।

डॉ. राकेश कुमार, "संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी) और भारत के महापंजीयक के तहत क्षय रोग से होने वाली मौतों की रिपोर्टिंग के लिए सुदृढ़ीकरण तंत्र" नामक परियोजना की विशेषज्ञ सलाहकार समिति का हिस्सा रहे और 'यूरोलॉजी में एक्स्ट्रामुरल एडहॉक रिसर्च के लिए शोध' के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य रहे; सिंगापुर में 'इन्फ्लुएंजा नियंत्रण के लिए विकल्प एक्स सम्मेलन' के दौरान एक मौखिक शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए इंटरनेशनल सोसायटी फॉर इन्फ्लुएंजा एंड अदर रेस्पिरेटरी वायरस डिजीज (आईएसआईआरवी) से यात्रा फैलोशिप पुरस्कार प्राप्त किया; निम्नलिखित कार्यशालाओं में शामिल हुए - सिंगापुर में "वेक्सीनों के लिए स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन" और "स्फियरिक संक्रामक रोग मॉडलिंग"। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. मोहन लाल बैरवा, आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत के प्रबंधन बोर्ड में विशेष आमंत्रित, और बोर्ड ऑफ स्टडीज में सदस्य रहे। दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के एमपीएच प्रोग्राम के एक्जामिनर रहे। एसोसिएट एडिटर (ग्लोबल हेल्थ), बीएमसी पब्लिक हेल्थ एंड सेक्शन एडिटर (रिसर्च मेथड्स), लंग इंडिया रहे। इंटरनेशनल जर्नल फॉर इक्विटी इन हैल्थ; चोट नियंत्रण और सुरक्षा संवर्धन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल; बीएमजे ओपन; इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन; ह्यूमन वेक्सीन एंड इम्यूनोथेरेप्यूटिक्स; पीएलओएस वन; ग्लोबल हैल्थ एक्शन; बीएमसी पब्लिक हैल्थ; इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन: बुलेटिन ऑफ़ डब्ल्यूएचओ; बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल के समीक्षक रहे।

9.9. त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद के. शर्मा

आचार्य

नीना खन्ना	कौशल के. वर्मा	एम. रामम
बिनोद के. खेतान	सुजाय खांडपुर	जी सेतुरमन
	सोमेश गुप्ता	

सह-आचार्य

कनिका साहनी

सहायक आचार्य

नीतू भारी विशाल गुप्ता

शिक्षा

विभाग में 22 कनिष्ठ रेजीडेंटों, 10 वरिष्ठ रेजीडेंटों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा 4 पीएचडी अभ्यर्थियों को गाइड किया जा रहा है। एमडी (कायचिकित्सा) और डीएम (संक्रामक रोग) रेजीडेंटों हेतु 2 सप्ताह का योग्यता आधारित प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इन विभागों में त्वचाविज्ञान के रेजीडेंटों को भी 2 सप्ताह के रोटेशन पर नियुक्त किया जा रहा है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. कांटैक्ट एंड ऑक्यूपेशनल डर्माटोसिस फॉरम ऑफ इंडिया (सीओडीएफआईसीओएन 2019) का 9वां वार्षिक सम्मेलन, 31 अगस्त और 1 सितम्बर 2019।
2. एशियन सोसाइटी ऑफ डर्माटोपैथोलॉजी की प्रथम वार्षिक बैठक और डीएसआई की वार्षिक बैठक 15-17 नवम्बर 2019, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान:

विनोद के. शर्मा : 7	**नीना खन्ना : 6**	**कौशल के. वर्मा : 10**
एम. रामम : 11	**सुजाय खांडपुर : 8**	**कनिका साहनी : 4**
नीतू भारी : 10	**विशाल गुप्ता : 3**	

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 6

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. टीएनआईपी1, आईएल2बी और एनएफकेबीआईए की भूमिका को समझना तथा सोरयासिस में इंफ्लेमेशन तथा त्वचा होमोस्टेसिस को नियंत्रित करने में उनके लक्षित माइक्रो आरएनए, वी.के. शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019, रुपये 36.62 लाख
2. बालों के विकास तथा लेसिओनल टी-हेल्पर पर ऑटोलागॅस प्लेटलेट रिच प्लाज्मा के प्रभावों का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, अन्वेषक ब्लाइंड, प्लेसेबो नियंत्रित स्प्लिट हेड पायलट अध्ययन तथा एलोपेसिया आरियाटा में टी-नियामक कोशिका अभिव्यक्ति मार्कर, वी.के शर्मा, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2018, 5.22 लाख रूपये।
3. एटोपिक डर्माटाइटिस वाले वयस्क रोगियों में बारिसिटीनिब की दीर्घकालिक सुरक्षा तथा प्रभावकारिता का मूल्यांकन हेतु एक फेज 3 मल्टीसेन्टर, डबल ब्लाइंड अध्ययन, वी.के शर्मा, एली लिली, 1 वर्ष, 2019, रूपये 1 लाख
4. एच1-एन्टीहिसटामाइन से अपर्याप्त रूप से नियंत्रित किशोरों एवं वयस्कों में क्रोनिक स्पांनटेनियस यूटीकेरिया (सीएसयू) के उपचार में लिगलीजूमाब (क्यूजीई031) की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता की जांच हेतु एक एक बहु-केन्द्र, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, सक्रिय तथा प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन। (वित्त पोषित परियोजना) नीना खन्ना, नोवार्टिस, 3 वर्ष, रूपये 2019-2021, 11.24 लाख ।
5. बेन्जोयल पेरोक्साइड (2.5%/5%) की तुलना में बेंजोयल पेरोक्साइड (2.5%/5%), जिंक ऑक्साइड और पॉलिसिलोक्सानेस मिश्रण द्वारा उपचारित किए गए एक्ने वुल्गारिस के रोगियों में स्कारिंग की व्यापकता में कमी का मूल्यांकन हेतु एक फ़ेज 2, बहु-केंद्र, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, तुलनात्मक अध्ययन, नीना खन्ना, डॉ. रेड्डी प्रयोगशाला, 2 वर्ष, 2017-2019 रू 5.20 लाख
6. प्लांट पारथीनियम के कारण वायु जनित संपर्क डर्मेटाइटिस के रोगियों में इन्फ़्लामेट्री साइटोकाइन स्तर एवं डर्मेटाइटिस पर साइक्लोसपोराइन के प्रभाव का मूल्यांकन, कौशल वर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रूपये 36 लाख ।
7. सामान्य से गंभीर पेम्फिगस वुल्गोरिस में रितुग्सिमेब इंफ्यूजन तथा डेक्सामिथासोन साइक्लोफोसफामाइड के प्रभाव की तुलना, सुजाय खांडपुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष 9 महीने, 2015-2018, रूपये 29.72 लाख।
8. सामान्य से गंभीर दीर्घकालिक प्लेक सिरयोसिस में सबक्यूटेनियस इटेनरसेप्ट बनाम ओरल मिथोट्रीक्स की प्रभावकारिता की तुलना तथा टीएच 1, टीएच 2, टीएच 17 एवं ट्रेग सेल पैर्टन प्रतिक्रिया का सहसंबंध जानने हेतु एक भावी गैर-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजाय खांडपुर, फिजर फार्मास्यूटिकल्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रूपये 11.61 लाख।
9. कल्चर्ड मेलानोसाइट्स फ्रोम आउटर रूट शीथ ऑफ प्लक्ड हेयर फॉलिकल्स बनाम कल्चर्ड मेलानोसाइट्स फ्रोम एपिडर्मिस के प्रत्यारोपण का डबल ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, सोमेश गुप्ता, डीबीटी, 2017-2020, रूपये 60 लाख।

10. स्थिर विटिलिगो में नॉन कल्चर्ड एक्स्ट्रेक्टेड फॉलिकूलर आऊटर रूट शीथ सेल सस्पेंसन तथा पारंपरिक एपिडर्मल सेल सस्पेंसन प्रत्यारोपण की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता तथा स्टेम सेल आबादी घटकों के साथ सहसंबंध, सोमेश गुप्ता, आईसीएमआर, 2016-2020, रूपये 30 लाख।
11. बैक्टीरियल वेजिनोसिस में मेटाबोलोमिक्स की नैदानिक तथा/अथवा अग्रदर्शी क्षमता का विश्लेषण, इसके उपचार में विफलता, पुनः रोग तथा अन्य यौन-संक्रमण से संक्रमित होना, सोमेश गुप्ता, एम्स, 2018-2020, रूपये 16 लाख।
12. एटोपिक डर्मेटाइटिस वाले बच्चों में टीएच 2/टीएच17 इन्फ़्लामेट्री साइकोटाइन मड्यूलेटिक फिलाग्रीन प्रभाव तथा रोग की गंभीरता, नीतू भारी, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2019-2021, 7.45 लाख रूपये।

पूर्ण

1. ऐलोपिसीया एरीएटा के रोगजनन में शामिल आनुवांशिक, एपिजेनेटिक एवं प्रतिरक्षा घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, वीके शर्मा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2015-2019, रूपये 56 लाख।
2. एटोपिक डर्माटाइटिस वाले वयस्क रोगी में बेरिसिटीनिब की दीर्घकालिक सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक चरण 3, बहुकेंद्रीय डबल ब्लाइंड अध्ययन, वीके शर्मा, एली लिली एंड कंपनी, 1 वर्ष, 2019-2020, रूपये 12 लाख।
3. लाइकेन प्लेनस पिगमेंटोसस वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का मापन तथा विटिलिगो और मेलास्मा से इसकी तुलना, वीके शर्मा, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2017-2019, 0.6 लाख रूपये।
4. मध्यम से गंभीर पेम्फिगस वुल्गारिस में रितुक्सीमाब इन्फयूजन तथा डेक्सामेथासोन साइक्लोफॉस्फेमाइड पल्स की प्रभावकारिता की तुलना, सुजाय खाण्डपुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष 9 महीने, 2015-2018, 29.72 लाख रूपये
5. सामान्य से गंभीर दीर्घकालिक प्लेक सिरयोसिस में सबक्यूटेनियस इटेनरसेप्ट बनाम ओरल मिथोट्रीक्स की प्रभावकारिता की तुलना तथा टीएच 1, टीएच 2, टीएच 17 एवं ट्रेग सेल पैटर्न प्रतिक्रिया का सहसंबंध जानने हेतु एक भावी गैर-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजाय खांडपुर, फिजर फार्मास्यूटिकल्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रूपये 11.61 लाख।

विभागीय परियोजना

जारी

1. स्वयं रिपोर्ट किए गए चेहरे पर अत्यधिक बालों वाले रोगियों में इटियोलॉजी को वर्गीकृत करने हेतु एक क्रॉस सेक्शनल विवरणात्मक अध्ययन।
2. ऑटोनोमिक तंत्रिका तंत्र के असंतुलन तथा सिस्टमिक स्केलेरोसिस के रोगियों में त्वचीय अभिव्यक्तियों के साथ इसके सहसंबंध का आकलन करने हेतु एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

3. पेम्फिगस वुल्गारिस में रिटूक्सिमैब इन्फयूजन बनाम इंट्रावीनस डेक्सामैथासोन पल्स थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु एक संभावित याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण तथा बी और टी कोशिकाओं के फेनोटाइपिक एवं कार्यात्मक निर्धारकों के साथ इसका सहसंबंध।
4. स्थानीय विटिलिगों के उपचार में स्टैंडर्ड होल बॉडी एनबी-यूवीबी थेरेपी के साथ हैंडहेल्ड एनबी-यूवीबी उपकरणों की तुलना में एक ओपन लेबल गैर-याद्दच्छिक प्रारंभिक अध्ययन।
5. स्थानीय विटिलिगो के उपचार में दो लक्षित फोटोथेरेपी उपकरणों अर्थात गृह-आधारित हैंडहेल्ड नैरो बैंड यूवीबी कोम्ब उपकरण का दैनिक उपयोग बनाम द्वि-साप्ताहिक अस्पताल-आधारित एक्जाइमर प्रकाश चिकित्सा की तुलना करने हेतु एक ओपन लेबल गैर-याद्दच्छिक प्रारंभिक अध्ययन।
6. सिस्टेमिक स्लिरोसिस में केवल मानक थेरेपी की तुलना में योग का लाभ: एक मार्गदर्शी याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
7. एलर्जिक कांटैक्ट डर्मेटाइटिस के रोगियों में 24 और 48 घंटे के ओक्लूजन समय के बाद पैच परीक्षण सकारात्मकता की तुलना।
8. एक्रेल विटिलिगो के उपचार 5-एफयू मरहम में पीआरपी संबद्ध करने तथा माइक्रोनीडलिंग की प्रभावकारिता।
9. एटोपिक डर्मेटाइटिस वाले बच्चों में एक सैरामाइड आधारित मॉइस्चराइजर की तुलना में एक पैराफिन आधारित मॉइस्चराइजर का मूल्यांकन : एक डबल ब्लाइंडिड, द्वि-समूह समतुल्यता याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. पेम्फिगस वुल्गारिस में रिटूक्सिमाब थेरेपी और डेक्सामेथासोन पल्स के बीच प्रभावकारिता तथा कम लागत की तुलना करने हेतु संभावित याद्दच्छिक परीक्षण।
11. प्रुरिटस पर जीवन की गुणवत्ता -विभिन्न मापकों की तुलना।
12. उत्तरी क्षेत्र में तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में जाने वाले डिमेटोफाइटिक संक्रमण से ग्रसित रोगियों में उपचार विफलता में महामारी संबंधी कारकों का अध्ययन।
13. भारतीय सोरायसिस रोगियों में टीएनएफएक्स, टीएनएफएआईपी3, टीएनआईपीआई, टीआरएएफ31पी2, आईएल-17, आईएल-17, आईएल-23आर, आईएल12बी और एचएलए-सी जीनों में एकल न्यूक्लियाटाइड बहुरूपता का अध्ययन तथा नैदानिक विशेषताओं के साथ उनका सह-संबंध।
14. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बी.वी.) से ग्रसित महिलाओं में योनि माइक्रोबायोम और चयापचय एवं प्रत्यक्ष स्वस्थ नियंत्रण तथा नैदानिक मानदंडों, उपचार विफलता एवं पुनरावर्तन के साथ उनके सहसंबंध का अध्ययन।
15. खंडित चेहरा याद्दच्छिक नियंत्रण अध्ययन में मेलास्मा के उपचार में आंशिक सीओ 2 लेजर द्वारा सामयिक ट्रिपल थेरेपी फोर्मुलेशन तथा एकल ट्रिपल थेरेपी की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करना।

पूर्ण

1. सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगो और पिगमेन्टेशन में सूक्ष्म आरएनए की कुशल भूमिका को समझना।
2. 2-मर्केप्टोबेंजोथियाजोल की उच्च सामग्री के साथ मर्काप्टो मिश्रण द्वारा पैच परीक्षण
3. पुनरावृत्ति डर्मेटोफाइटिस के उपचार में आइसोट्रेटिनोन के साथ टेरबिनाफाइन तथा एकल टेरबिनाफाइन के संयोजन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन
4. मिथाइल्सिोथियाजोलिन के एक उच्च संकेन्द्रण वाले मेथिलस्क्लोरीथियाजोलिनोन/ मिथाइल्सिोथियाजोलिन मिश्रण के साथ पैच परीक्षण।
5. मुखीय पेम्फिगस वल्गेरिस के रोगियों में नैनोकणों में सामयिक रिटूक्सीमैब की प्रभावकारिता -एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एटोपिक डर्मेटाइटिस वाले बच्चों में टीएच2/टीएच17 इन्फलामेट्री साइटोकाइन्स माडयूलेटिंग फिलागरिन अभिव्यक्ति एवं रोग गंभीरता, अनुवांशिकी, हृद् जैव रसायन
2. अलारमिन्स इन्डयूज नेक्रोपटोसिस के मेकेनिज्म की व्याख्या तथा ऐथिरो में इम्यून हीमियोस्टेसिस एवं इन्फलेमेशन में इसकी भूमिका, हृद् जैव रसायन
3. इम्यून रेग्यूलेशन और इन्फलामेशन में न्यूट्रोफिल एक्सट्रासेस्यूलर ट्रेप्स -(एनईटीस) की भूमिका को परिभाषित करना, हृद् जैव रसायन
4. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय पद्धतियों की प्रतिक्रिया में प्रसार, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक-भिन्नता, कॉमोरबिडिटीज, जोखिम कारक और भिन्नता का मूल्यांकन, संपूर्ण भारत में एक बहुआयामी अध्ययन (आईसीएमआर- पीसीओएस टास्क फोर्स), बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय अध्ययन
5. शहरी क्षेत्रों में (वित्त पोषित परियोजना) एक जनसंख्या आधारित कुष्ठ रजिस्ट्री (पीबीएलआर) और नये केस की पहचान संबंधी रणनीतियों (एनसीडीएस) द्वारा कुष्ठ रोग को जड़ से खत्म करने की शुरुआत, टीएलएम, शाहदरा
6. बसल सेल कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोधर्मी त्वचा पैच, नाभिकीय चिकित्सा
7. बसल सेल कार्सिनोमा और केलोइड्स के उपचार हेतु रेडियोधर्मी त्वचा पैच, नाभिकीय चिकित्सा
8. पेम्फिगस वल्गेरिस के प्रतिरक्षा विकृति अनुवांशिकता विज्ञान में जन्मजात प्रतिरक्षा की भूमिका की खोज
9. सीसाट्रीशियल इक्ट्रोपियन के सुधार हेतु ओटोलोगस फेट ट्रांसफर, नेत्ररोग विज्ञान

पूर्ण

1. पेम्फिगस वल्गेरिस के प्रतिरक्षा विकृति आनुवांशिकता विज्ञान में गामा-डेल्टा टी-सेल्स भूमिका की खोज, जैवरसायन

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 37 पुस्तकों में अध्याय: 9 पुस्तकें: 3

रोगी उपचार

विभाग दो एकांत कक्ष सहित 29 बिस्तरों वाला वार्ड है। अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक दीर्घावधि के लिए भर्ती रोगियों की कुल संख्या 771 तथा अल्पावधि के लिए भर्ती रोगियों की कुल संख्या 2132 थी। ओपीडी दोपहर में सामान्य डर्मेटोलॉजी रोगियों (प्रथम पाली में) एवं विशेष किलनिक (एसटीडी, कुष्ठ रोग, त्वचारोग, पिग्मेंटेशन, एलर्जी) तथा लेजर (डायोड, कार्बन डाइऑक्साइड, एनडीवाईएजी लेजर, पल्स डाई लेजर) दोनों को सेवा प्रदान करती है। साइड लैब प्रक्रियाएँ तथा डर्मेटोसर्जरी प्रक्रियाएँ सुबह और दोपहर दोनों समय संचालित की जाती हैं। जनगणना के अनुसार, बाह्य रोगी विभाग में 30263 नए रोगियों को देखा गया था तथा पुराने रोगियों की कुल संख्या 55857 थी। एक सीनियर रेजीडेंट सप्ताह में दो बार त्वचा ओपीडी के लिए बल्लभगढ़ जाते हैं और विभाग ने सप्ताह में दो बार झज्जर में सामुदायिक त्वचाविज्ञान ओपीडी सेवाएं आरंभ की हैं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर वी.के. शर्मा संपादकीय बोर्ड - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, डर्मेटाइटिस, ब्रिटिश जर्नल डर्मेटोलॉजी के सदस्य थे; सदस्य, कार्यकारी समिति, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोलॉजी; सदस्य, अनुसंधान समिति, एम्स ऋषिकेश; आयोजक अध्यक्ष, कांटैक्ट एंफ ओक्यूपेशन डरमटोसिस फॉरम ऑफ इंडिया का 9वां वार्षिक सम्मेलन, 31 अगस्त एवं 1 सितम्बर 2019, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; प्लेनेरी सत्र की अध्यक्षता चौथा पिग्मेंटेरीकॉन, 15-17 नवम्बर 2019, कोलकाता; अध्यक्ष, हेन्ड डर्मेटाइटिस का उपचार, एमआईडी-सीयूटीआईसीओएन, 2 जून, दिल्ली; अध्यक्ष पीईडीडीईआरएमए -सीओएन 2019, 27 एवं 28 जुलाई, तेलंगाना।

प्रोफेसर कौशल वर्मा को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज द्वारा एफएएमएस-2019 द्वारा पुरस्कार दिया गया, नई दिल्ली; रायल कॉलेज ऑफ फिजिशियनस ऑफ एडिनबर्ग, यूके द्वारा वर्ष 2019 के लिए प्रेरक चिकित्सक हेतु नामांकित किया गया; मिशिगन यूनिवर्सिटी के डरमाटोलॉजी विभाग के अतिथि फैकल्टी, 19 से 25 जुलाई 2019 एन आर्बर, मिशिगन, यूएसए; 24वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ डर्मेटोलॉजी में जापान से प्रो. स्वेन एम. जॉन और प्रो. हिरो योकोजेकी के साथ "आक्यूपेशनल डर्माटोज" पर एक संगोष्ठी की अध्यक्षता, 10 से 15 जून 2019 मिलान, इटली; एसटीआई एवं एचआईवी-2019 विश्व कांग्रेस (आईयूएसटीआई- विश्व कांग्रेस) में “वैश्विक एचआईवी/एसटीआई रूझानों की क्षेत्रीय प्रतिक्रिया- आईयूएसटी

विशिष्ट संगोष्ठी" की अध्यक्षता, 13 से 17 जुलाई 2019 को वैंकुवर, कनाडा; आईयूएसटीआई-एपी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में एशिया पैसिफिक रीजन का प्रतिनिधित्व तथा आईयूएसटीआई- वर्ल्ड की विश्व कार्यकारी बैठक में भाग लिया, 13 जुलाई 2019 वैंकुवर, कनाडा; 15 जुलाई 2019 को सामान्य सभा में आईयूएसटीआई-एपी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में एशिया पैसिफिक रीजन का प्रतिनिधित्व किया, वैंकुवर, कनाडा; बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित होने वाली आईयूएसटीआई- वर्ल्ड कांग्रेस 2020 की वैज्ञानिक समिति (क्लीनिकल ट्रैक) के सह-अध्यक्ष; बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित होने वाली आईयूएसटीआई- वर्ल्ड कांग्रेस 2020 की वैज्ञानिक समिति (क्लीनिकल ट्रैक) की बैठक में भाग लिया,15 जुलाई 2019, वैंकुवर, कनाडा; 13 सितम्बर 2019 को इंटरनेशनल कांटैक्ट डर्मेटाइटिस रिसर्च ग्रुप (आईसीडीआरजी) की बोर्ड की बैठक में भाग लिया तथा देश का प्रतिनिधित्व किया, कुआलालम्पुर मलेशिया; 13 सितम्बर 2019 को भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एपीईओडीएस बोर्ड की बैठक में भाग लिया, कुआलालम्पुर, मलेशिया; फेस एस्थेटिक्स डर्मेटोलॉजिस्ट सोसायटी (एफएडीएस) वार्षिक सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की, 9 और 10 नवम्बर 2019, गुरूग्राम, दिल्ली एनसीआर; 29 सितम्बर-6 अक्टूबर 2019 तक लद्दाख में सामुदायिक सेवा स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम में योगदान दिया गया; 2 मई 2019 को डीडी नेशनल, प्रसार भारती पर एक लाइव फोन कार्यक्रम-स्किन हेल्थ एंड स्किन केयर इन समर में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; संकाय चयन हेतु विशेषज्ञ, एम्स जोधपुर, 8 सितम्बर 2019, जोधपुर, राजस्थान; बाह्य परीक्षक, एमडी (डर्माटोलॉजी एवं वेनेरोलॉजी) परीक्षा, बीपीकेआईएचएस, धरन, नेपाल, 15 और 16 अगस्त 2019।

प्रोफेसर सुजाय खांडपुर आईएडीवीएल दिल्ली शाखा 2020 के अध्यक्ष; डर्माटोपैथोलॉजी की आईएडीवीएल पुस्तक के सह-संपादक; सचिव, डर्माटोपथालॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया, 2019-20; सदस्य, स्पेशल इन्ट्रस्ट ग्रुप ऑफ डर्माटोपेथालॉजी, आईएडीवीएल थे।

डॉ. कनिका साहनी ने दुबई, यूएई, में डीआईएडी-डीआईएएल सम्मेलन में इंटरनेशनल केस प्रेजेंटेशन कॉम्पटिशन में प्रथम पुरस्कार जीता, फरवरी 2020।

डॉ. नीतू भारी को वर्ष 2019 में संपादक को सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया, आईजेडीवीएल। पात्रा एस, भारी एन, मोहता पी, सिंह एस, रामम एम, अग्रवाल एस॰, एडल्ट-ऑनसेट स्टिल डिसीज प्रेसैंटिंग एस ब्लोची एंड फ्लैगलेट पिगमेन्टेशन। *इंडियन जे डर्माटॉल वेनरोल लेपरोल* 2019; 85(6):626-8; आयोजक सचिव, कांटैक्ट एंड आक्यूपेशन डरमाटोसिस फॉरम ऑफ इंडिया का 9वां वार्षिक सम्मेलन, 31 अगस्त और 1 सितम्बर 2019, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; किलनिकल इमेज प्रतियोगिता आईजेएमआर, 2019 पुरस्कार।

9.10. आपात चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रवीण अग्रवाल

आचार्य

एल.आर. मुरमू | संजीव कुमार भोई

सह-आचार्य

नायर जमशेद | तेज प्रकाश सिन्हा

सहायक आचार्य

मीरा इक्का | अक्षय कुमार | प्रकाश रंजन मिश्रा

विशिष्टताएं

आपात चिकित्सा विभाग सभी प्रकार की चिकित्सा, बाल रोग और गैर अभिघात शल्य चिकित्सा और अभिघात आपातकालीन स्थितियों के रोगियों को हर समय, समग्र, और विश्वस्तरीय आपातकालीन उपचार प्रदान करने में अग्रणी रहा है। वर्ष 2019-2020 में लगभग 1,49,443 रोगियों का विभाग में आगमन हुआ। जुलाई 2012 से, विभाग आपातकालीन चिकित्सा की विशेषज्ञता में अपने स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त विभागीय संकाय भी अन्य विभागों (काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, जरा-चिकित्सा, गंभीर उपचार चिकित्सा, त्वचा रोग विज्ञान, मनोचिकित्सा एवं बहुत से अन्य) के स्नातकोत्तर, स्नातकपूर्व छात्रों नर्सिंग छात्रों और पराचिकित्सकों के जीवन रक्षा पाठ्यक्रम सहित आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अध्यापन भी करते हैं। विभाग आपातकालीन चिकित्सा विशिष्टता में अन्य महाविद्यालयों और अस्पतालों से वर्तमान और भविष्य के संकाय को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

विभाग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में जिला अस्पतालों में जलने के मामलों और आघात के साथ-साथ आपातकालीन विभाग के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए दिशा-निर्देश विकसित करने में शामिल है। दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, डब्ल्यूएचओ के सहयोग से, विभाग सड़क सुरक्षा, चोट के उपचार पर दिशानिर्देश तैयार करने के साथ-साथ भारत में आपातकालीन और आघात देखभाल के एकीकरण में भी शामिल है। एम्स गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत, आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने रोगी देखभाल और परिणाम को बेहतर बनाने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इससे रोगियों के ठहरने की संख्या कम रहने का भी परिणाम सामने आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विभाग ने डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स प्रशिक्षण के उद्देश्य से यूएसए से कई विश्वविद्यालयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया है। इनमें से कुछ विश्वविद्यालयों में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा और एसयूएनवाई डाउनस्टेट न्यूयॉर्क शामिल है।

शिक्षा

विभागीय संकाय ने विभाग में तैनात स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए जीवन सहायक पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। यह संस्थान के अलावा अन्य कॉलेजों के स्नातकोत्तर छात्रों हेतु एम्स आपात ईसीजी तथा तीव्र अनुक्रम नालिका प्रवेशन पाठ्यक्रम भी संचालित कर चुका है। आपात चिकित्सा के रेजीडेंट्स के लिए शैक्षिक गतिविधियों के कार्यक्रम (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस पर चर्चा) सप्ताह में दो बार 9 घंटे चलाए जाते हैं। रोगियों की आपातकालीन देखभाल में अल्ट्रासाउंड के उपयोग पर रेजीडेंटों को शिक्षा और कौशल प्रदान किया जाता हैं। रेजीडेंटों को सिमुलेशन आधारित शिक्षण (दोनों टेबल-टॉप तथा हाई-फिडेलिटी सिमुलेटर) दिया जाता है। इसके अलावा विभागीय संकाय द्वारा व्याख्यान और सेमिनार के माध्यम से स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रबोधक शिक्षा प्रदान की गई थी।

विभाग द्वारा अन्य देशों के मि. यान ली ले (फ्रांस), मि. मैथ्यू पेरिन (फ्रांस), मिस फातिमा अजीम खान (रियाद), मिस करेन बोर्गस (बेल्जियम) एवं श्री केतन सिंह (यूके) को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

आयोजित सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाएं

1. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में 5 अप्रैल 2019 को सीआरपीएफ के लिए सामरिक मुकाबला पाठ्यक्रम
2. एम्स, जोधपुर में 9 से 10 अप्रैल 2019 तक ट्रामा अपडेट और एयूटीएलएस कार्यशाला पर सीएमई
3. एम्स, ऋषिकेश में 6 से 7 मई 2019 तक आपातकालीन सोनोग्राफी कार्यशाला
4. एम्स, नई दिल्ली में 31 जुलाई से 4 अगस्त 2019 तक ईएम-इंडिया, आपातकालीन चिकित्सा पर राष्ट्रीय सम्मेलन
5. पुणे में 6 से 7 सितंबर 2019 तक एयूटीएलएस (उन्नत अल्ट्रासाउंड और आघात जीवन सुरक्षा) कार्यशाला
6. एलएचएमसी, नई दिल्ली में 14 से 15 सितंबर 2019 तक इमरजेंसी एंड पॉइंट ऑफ़ केयर अल्ट्रासाउंडोग्राफी पर आयोजित एम्स ईएम-सोनो कार्यशाला
7. 20 से 21 नवंबर 2019 तक सीआरपीएफ के लिए कंप्रेसिव लाइफ सपोर्ट कोर्स, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
8. एचईएमएस इंडिया, 26 से 28 नवंबर 2019 तक एम्स, नई दिल्ली में हेलीकाप्टर आधारित आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं पर कार्यशाला
9. अमेरिका के टेक्सास में 5 से 6 दिसंबर 2019 तक एडवांस्ड पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड कोर्स
10. तेल अवीव, इज़राइल में 12 जनवरी 2020 को डबल्यूएसीईएम अल्ट्रामेक वर्कशॉप (वर्ल्ड एकेडमिक काउंसिल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिंस अल्ट्रासाउंड इन मास कैजुअल्टीस वर्कशॉप)

11. राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली में 8 से 12 फरवरी तक भारत की 5 वीं राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा बोर्ड का समीक्षा पाठ्यक्रम (एनईएमबीआरआईसी)

प्रदत्त व्याख्यान

प्रवीण अग्रवाल

1. आपातकालीन विभाग आपातकालीन हृद् विज्ञान 2019 सम्मेलन (ईएमसीएआरडी) में महाधमनी विच्छेदन, 10-12 मई 2019, गोवा
2. टाइटन्स के द्वारा मास्टर वर्ग: नई एंटीडोट्स ईएमइंडिया 2019, राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन, 1 अगस्त 2019, दिल्ली
3. एक्यूट पॉइज़निंग, नेशनल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट कोर्स, 2-6 दिसंबर 2019, दिल्ली
4. बड़े पैमाने पर हताहतों में अल्ट्रासाउंड - एक अवलोकन, आपात स्थिति और आपदाओं के लिए तैयारी और प्रतिक्रिया पर 6ठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12-14 जनवरी 2020, तेल अवीव, इज़राइल
5. एम्स में डेंगू वृद्धि क्षमता परीक्षण, आपात स्थिति और आपदाओं के लिए तैयारी और प्रतिक्रिया पर 6ठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12-14 जनवरी 2020, तेल अवीव, इज़राइल
6. तीव्र विष विज्ञान और औषधि विज्ञान, भारत के 5 वें राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा बोर्ड की समीक्षा कोर्स (एनईएमबीआरआईसी) 8-12 फरवरी 2020, दिल्ली
7. हड्डियों और जोड़ों में चोट लगना, भारत के 5 वें राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा बोर्ड की समीक्षा कोर्स (एनईएमबीआरआईसी), 8-12 फरवरी 2020, दिल्ली
8. ईडी मध्य पूर्व-उत्तरी अफ्रीका विष विज्ञान सम्मेलन 19-22 फरवरी 2020, इस्तांबुल, तुर्की में ओपी कीटनाशक जहर रोगियों के उपचार में अपडेट
9. पशु विष (मंदक) से होने वाली विषाक्तता मध्य पूर्व-उत्तरी अफ्रीका विष विज्ञान सम्मेलन 19-22 फरवरी 2020, इस्तांबुल, तुर्की
10. ईडी एमएएचएईएम (महाराष्ट्र आपातकालीन चिकित्सा) सम्मेलन 7 और 8 मार्च 2020, पुणे में परिवर्तित मानसिक स्थिति की जांच
11. सेरेब्रल रिससिटेशन (पैनलिस्ट) एमएएचएईएम (महाराष्ट्र आपातकालीन चिकित्सा) सम्मेलन 7 और 8 मार्च 2020, पुणे

संजीव भोई

1. वायुमार्ग और माध्यमिक सर्वेक्षण, ट्रामा अपडेट और एयूटीएलएस कार्यशाला 9 और 10 अप्रैल 2019, जोधपुर
2. फास्ट एंड ई-फास्ट, आपातकालीन सोनोग्राफी कार्यशाला, 6 और 7 मई 2019, ऋषिकेश
3. इमरजेंसी कार्डियोलॉजी उद्घाटन राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रीदिंग इमरजेंसी, अल्ट्रासाउंड कोर्स ईएमसीएआरडी, 10-12 मई 2019, गोवा
4. प्री-हॉस्पिटल अल्ट्रासाउंड, एमएएसएचएवी सम्मेलन 21 जून 2019, दिल्ली

5. कठिन आघात, राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन (ईएमइंडिया-2019) 31 जुलाई से 4 अगस्त 2019, दिल्ली
6 चोट की प्रकृति, ट्राइएज में क्यूआई, ट्राइएज वर्कशॉप, 2 अगस्त 2019, दिल्ली
7. दृष्टिकोण, बुनियादी ईसीजी पर कार्यशाला, 2 अगस्त 2019, दिल्ली
8. वायुमार्ग, माध्यमिक सर्वेक्षण एयूटीएलएस (उन्नत अल्ट्रासाउंड और ट्रॉमा जीवन सुरक्षा) कार्यशाला 6 और 7 सितंबर 2019, पुणे
9. फास्ट और ई-फास्ट, एम्स ईएम सोनो 14 और 15 सितंबर 2019, दिल्ली
10. सामान्य अवलोकन और फेफड़े का अल्ट्रासाउंड : प्री-हॉस्पिटल अल्ट्राटसाउंड, आपातकालीन चिकित्सा हेतु 5 वीं विश्व शैक्षिक कांग्रेस, 20-24 अक्टूबर 2019, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात
11. प्राथमिक उपचार में अल्ट्रासाउंड, दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में आघात और आपातकालीन सेवाओं को सशक्त करने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 25-29 नवंबर 2019, खॉन-कोएन, थाईलैंड
12. देश का अद्‌यतन, दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में आघात और आपातकाल को मजबूत करने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 25-29 नवंबर 2019, खॉन-केन, थाईलैंड
13. वायुमार्ग, श्वास, देखभाल अल्ट्रासाउंड कोर्स के उन्नत बिंदु, 5-6 दिसंबर 2019, टेक्सास, अमेरिका
14. प्री-हॉस्पिटल अल्ट्रासाउंड, आपातकालीन और आपदा के लिए तैयारियों और प्रतिक्रिया पर 6ठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 12 और 13 जनवरी 2020, तेल अवीव, इज़राइल

नायर जमशेद

1. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम, ईएम इंडिया ईसीजी कार्यशाला 1 अगस्त 2019, दिल्ली
2. कमर में पंचर, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शव संबंधी कौशल विकास कार्यशाला, 12 अक्टूबर 2019, दिल्ली
3. ऑर्गनोफॉस्फेट विषाक्तता, एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी की 18 वीं वार्षिक वैज्ञानिक कांग्रेस 4-7 नवंबर 2019, पुटराजया, मलेशिया
4. ओपी विषाक्तता में पेरिफेरल नर्वस सिस्टम का उपयोग, एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी की 18 वीं वार्षिक वैज्ञानिक कांग्रेस 5 नवंबर 2019, पुटराया, मलेशिया
5. टेंशन न्यूमोथोरैक्स में सुई अपघटन, आयुर्विज्ञान शिक्षा और सामग्री विकास कार्यशाला, 31 जनवरी 2020, एम्स, दिल्ली

तेज प्रकाश सिन्हा

1. प्रारंभिक मूल्यांकन, फास्ट और ई-फास्ट ट्रॉमा अपडेट और एयूटीएलएस कार्यशाला, 9 और 10 अप्रैल 2019, जोधपुर
2. प्रारंभिक मूल्यांकन, श्वास आपाताकालीन सोनोग्राफी वर्कशॉप 6 और 7 मई 2019, ऋषिकेश
3. राष्ट्रीय अद्‌यतन वैश्विक विशेषज्ञ आपातकालीन नेटवर्क सम्मेलन, 11-13 मई 2019, अन आर्बर, मिशिगन, अमेरिका
4. प्री-हॉस्पिटल अल्ट्रासाउंड, एमएएसएचएवी मीटिंग, 21 जून 2019, दिल्ली

5. आपातकालीन थोरैस्कटॉमी और अल्ट्रासाउंड, ईएमइंडिया-2019 (राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन), 31 जुलाई से 4 अगस्त 2019, दिल्ली
6. चोट की प्रकृति, ट्राइएज में क्यूआई, ट्राइएज वर्कशॉप, 2 अगस्त 2019, दिल्ली
7. प्रारंभिक मूल्यांकन, फास्ट और ई-फास्ट एयूटीएलएस (उन्नत अल्ट्रासाउंड और ट्रॉमा जीवन सुरक्षा) कार्यशाला 6 और 7 सितंबर 2019, पुणे
8. प्रारंभिक मूल्यांकन, श्वास एम्स ईएम-सोनो, 14-15 सितंबर 2019, दिल्ली
9. बाल चिकित्सा अल्ट्रासाउंड, आपातकालीन चिकित्सा के लिए 5 वीं विश्व शैक्षणिक कांग्रेस, 20-24 अक्टूबर 2019, दुबई, यू ए ई
10. शॉक सीएपीएफएस कोर्स: मेडिकल, पैरामेडिकल स्टाफ और डॉक्टरों की व्यापक आपातकालीन और आघात उपचार प्रशिक्षण, 20-21 नवंबर 2019, दिल्ली
11. प्राथमिक देखभाल में अल्ट्रासाउंड, दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में आघात और आपातकालीन सेवाओं को सशक्त करने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 25-29 नवंबर 2019, खॉन-कोएन, थाईलैंड
12. राष्ट्रीय अद्यतन, दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में आघात और आपातकालीन सेवा को सशक्त करने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 25-29 नवंबर 2019, खॉन-केन, थाईलैंड
13. प्रारंभिक मूल्यांकन, फास्ट और ई-फास्ट उन्नत उपचार बिंदु अल्ट्रासाउंड कोर्स, 5 और 6 दिसंबर 2019, टेक्सास, अमेरिका
14. प्री-हॉस्पिटल अल्ट्रासाउंड, आपातकालीन सेवा और आपदा प्रबंधन के लिए तैयारी और प्रतिक्रिया पर 6ठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12 और 13 जनवरी 2020, तेल अवीव, इज़राइल

मीरा इक्का

1. इमरजेंसी डिपार्टमेंट इन इंडिया ईएमसीएआरडी 2019 में दिल का दौरा और सीने में दर्द पर राष्ट्रीय रजिस्ट्री, आपातकालीन हृद् विज्ञान उद्घाटन राष्ट्रीय समिट, 10-12 मई 2019 गोवा
2. नवजात पुनर्जीवन, ईएमइंडिया 2019, 3 अगस्त 2019, दिल्ली
3. आपदा प्रबंधन : मॉक ड्रिल, ईएमइंडिया 2019, 3 अगस्त 2019, दिल्ली
4. सीमित संसाधनों में शिक्षण अस्पताल में बड़े पैमाने पर घायलों के उपचार की योजना ईएमइंडिया 2019, 3 अगस्त 2019, दिल्ली
5. सेप्सिस -3 अपडेट और सेप्सिस बंडल, ईएमइंडिया 2019, 4 अगस्त 2019, दिल्ली
6. चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण में अस्पताल आपदा तैयारी की अवधारणा को शामिल करना, ईएमइंडिया 2019, 4 अगस्त 2019, दिल्ली
7. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सर्जिकल एयरवे, शव संबंधी कौशल विकास कार्यशाला, 12 अक्टूबर 2019, दिल्ली
8. ट्रॉमा रोगियों में सदमे, सीएपीएफएस कोर्स : मेडिकल, पैरामेडिकल स्टाफ और डॉक्टरों की व्यापक आपातकालीन और आघात देखभाल प्रशिक्षण, 21 नवंबर 2019, दिल्ली

अक्षय कुमार

1. आपातकालीन चिकित्सा में संचार, ईएमइंडिया, 1 और 2 अगस्त 2019, दिल्ली
2. ईडी में सेप्सिस, ईएमइंडिया, 1 और 2 अगस्त 2019, दिल्ली
3. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अल्ट्रासाउंड कैडवरिक का उपयोग कर केंद्रीय लाइन प्रविष्टि और सुई ट्रैकिंग कौशल विकास कार्यशाला, 12 अक्टूबर 2019, दिल्ली
4. प्राथमिक सर्वेक्षण, तीव्र गहन उपचार कोर्स और रेजीडेंटों और इंटर्न के लिए कार्यशाला, 30 और 31 अक्टूबर 2019, दिल्ली
5. सेप्सिस और परिवर्तित सेंसोरियम एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स और रेजीडेंट और इंटर्न के लिए कार्यशाला, 30 और 31 अक्टूबर 2019, दिल्ली
6. वयस्क सीएपीएफएस कोर्स में एडवांस कार्डियक लाइफ सपोर्टः मेडिकल, पैरामेडिकल स्टाफ और डॉक्टरों का व्यापक आपातकालीन और आघात देखभाल प्रशिक्षण, 20 और 21 नवंबर 2019, दिल्ली
7. हाई-फिडेलिटी सिमुलेशन पीडियाट्रिक रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (प्रीसाइड) 2019, 22 नवंबर 2019, दिल्ली
8. संकाय आयुर्विज्ञान शिक्षा और सामग्री विकास कार्यशाला, 5 दिसंबर 2019, एम्स, दिल्ली
9. प्रारंभिक जीवन सुरक्षा एवं बीमार रोगी का मूल्यांकन, केंद्र सरकार के चिकित्सा अधिकारियों के लिए आपातकालीन उपचार प्रशिक्षण एवं कार्यशाला, 28 दिसंबर 2019, दिल्ली
10. परिवर्तन की अवधारणा का परीक्षण, सुधार का विश्लेषण एवं मापन, विज्ञान गुणवत्ता सुधार कार्यशाला, राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन, 9 जनवरी 2020, मैसूर
11. घायलों की स्थिति के अनुसार वर्गीकरण - गुणवत्ता सुधार के द्वारा प्रतीक्षा के समय में कटौती, 5 मार्च 2020, दिल्ली
12. कोविड-19 का अवलोकन - एक चिकित्सक का दृष्टिकोण, नोवल कोरोनोवायरस रोग - कोविड 19 पर राष्ट्रीय वेबिनार, अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन रेडियोलॉजी सोसायटी, 20 मार्च 2020, एम्स, नई दिल्ली
13. आपातकालीन संचार, ईएमइंडिया (राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन), 1 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली

प्रकाश रंजन मिश्रा

1. उन्नत प्रक्रियात्मक अल्ट्रासाउंड कार्यशाला, ईएम इंडिया (राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन), 31 जुलाई 2019, दिल्ली
2. अतालता, खतरनाक ईसीजी और दौरा ताल, ईएम इंडिया, आपातकालीन ईसीजी कार्यशाला, 1 अगस्त 2019, दिल्ली
3. ईडी में इमरजेंसी सोनोग्राफी और सोनो-प्रोटोकॉल पर टाइटन्स द्वारा मास्टर क्लास, ईएम इंडिया, 2 अगस्त 2019, दिल्ली

4. ट्रॉमा रक्तस्रावी आघात में क्या नया है, ईएम इंडिया, 3 अगस्त 2019, दिल्ली
5. ईडी में ब्लॉक, ईएम इंडिया, 4 अगस्त 2019, दिल्ली
6. अल्ट्रासाउंड-निर्देशित थोरैसकोसेंटेसिस और इंट्रा-ऑसियस एक्सेस, कैडवेरिक कौशल विकास कार्यशाला, 12 अक्टूबर 2019, दिल्ली
7. बेसिक ईसीजी सीएपीएफएस कोर्स : मेडिकल, पैरामेडिकल स्टाफ और डॉक्टरों का व्यापक आपातकालीन और आघात उपचार प्रशिक्षण, 20 नवंबर 2019, दिल्ली
8. जीडीएमओ के लिए द्वितीयक स्तर के अस्पतालों में सामान्य आपात स्थितियों के प्रबंधन का प्रशिक्षण कार्यक्रम: कोल इंडिया लिमिटेड, 25 फरवरी 2020, दिल्ली

प्रस्तुत किये गए मौखिक पत्र / पोस्टर :

1. अभिजीत एस, प्रवीण अग्रवाल, शालीमार, नायर जमशेद, मीरा एक्का। आपातकालीन विभाग में उपस्थित तीव्र अपर जी आई रक्त वाले रोगियों में एक सप्ताह के परिणाम के पूर्वानुमान को बताने के लिए 3 स्कोरिंग सिस्टम (एआईएमएस 65, प्री-एंडोस्कोपिक रॉकॉल, ग्लासगो ब्लैचफोर्ड ब्लीडिंग स्कोर) की तुलना, डब्ल्यूएसीईएम 2019 (इमरजेंसी मेडिसिन के विश्व शैक्षिक कांग्रेस), 20-24 अक्टूबर 2019 , रोड़ा एएल बुस्तान, दुबई
2. गौरव कुमार, मीरा एक्का, नायर जमशेद, प्रवीण अग्रवाल सोडियम अज़ाइड के साथ घातक आत्मघाती विषाक्तता: एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ़ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी (एपीएएमटी2019) का मिनी-ओरल प्रेजेंटेशन 18वां वार्षिक विज्ञान कांग्रेस, 7 नवंबर 2019, पुटराजया, मलेशिया
3. मीरा एक्का, गौरव कुमार, नायर जमशेद, प्रवीण अग्रवाल इमीडाक्लोप्रिड के साथ घातक आत्मघाती जहर : एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ़ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी (एपीएएमटी2019) का एक दुर्लभ केस रिपोर्ट 18वां वार्षिक विज्ञान कांग्रेस, 4-7 नवंबर 2019, पुटराजया, मलेशिया

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली इमरजेंसी लाइफ हार्ट अटैच इनिशिएटिव: मिशन दिल्ली, प्रवीण अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 4.9 करोड़ रुपये
2. देश के चुनिंदा जिलों में एसटी-सेगमेंट एलिवेटेड मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन (एसटीईएमआई) में थ्रोम्बोलिसिस दर में परिवर्तन पर एक स्वास्थ्य प्रणाली-आधारित कार्य का मूल्यांकन - एक स्वास्थ्य कार्यान्वयन अनुसंधान परियोजना, प्रवीण अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2022, 87.93 लाख रुपये
3. जीन की अभिव्यक्ति का अध्ययन करने के लिए, सेलुलर सिग्नलिंग मार्ग की सक्रियता और आघात रक्तस्रावी सदमा टीएचएस के बीच नैदानिक परिणाम के साथ इसका संबंध। संजीव भोई, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 58 लाख रुपये

4. तृतीयक उपचार में सुविधा आधारित आपातकाल और चोट के उपचार की वर्तमान स्थिति, संजीव भोई, नीति आयोग, 1 वर्ष, 2019-2020, 37 लाख रुपये
5. द्‌वितीयक उपचार में सुविधा आधारित आपातकालीन और चोट उपचार की वर्तमान स्थिति। संजीव भोई, नीति अयोग, 1 वर्ष, 2019-2020, 34 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आपातकालीन विभाग में सेप्सिस की प्रारंभिक पहचान में एम्स सेप्सिस ट्राइएज प्रोटोकॉल की शुद्धता
2. स्मार्टफोन ईसीजी की शुद्धता का आकलन करना - अतालता के निदान हेतु सैंकटलाइफ मशीन
3. स्मार्टफोन ईसीजी की शुद्धता का आकलन करना - एसटीईएमआई का निदान करने हेतु सैंकटलाइफ मशीन
4. डेंगू की गंभीरता का शीघ्र पूर्वसूचक के रूप में सीरम काइमेज़ के स्तर का आकलन
5. इन्फेरियर वीना कावा कॉलेप्सिबिलिटी की तुलना में आंतरिक वाहिका आयतन स्थिति के निर्धारण में आंतरिक जुगुलर नस और ऊरु शिरा की बंध्यता का आकलन
6. हृदयगति रूकने के रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी के निर्धारण में जैव रासायनिक मार्कर
7. सीएलडी में एकेआई वाले रोगियों की नैदानिक महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल
8. ईडी में तीव्र पेट दर्द का नैदानिक महामारी विज्ञान अध्ययन
9. आपातकालीन चिकित्सा विभाग में आपातकालीन वायुमार्ग उपचार की आवश्यकता वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल
10. आपातकालीन विभाग में आने वाले संक्षारक विषाक्तता वाले रोगियों का नैदानिक महामारी विज्ञान प्रोफाइल
11. ऊपरी जठरांत्रीय रक्तस्राव के उपचार में टर्लीप्रेशन दवा की कम एवं उच्च खुराक की तुलनात्मक प्रभावकारिता : एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
12. आपातकालीन विभाग में बदले हुए ज्ञानकेन्द्र वाले रोगियों के नैदानिक परिणाम की भविष्यवाणी करने में प्रतिक्रियाहीनता स्कोर की पूर्ण रूपरेखा एवं ग्लासगो कोमा स्केल की तुलना
13. पोस्ट क्रेनियोएक्टॉमी रोगियों में नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण परिस्थितियों का पता लगाने के लिए ट्रांसक्रेनियल अल्ट्रासाउंड की नैदानिक शुद्धता
14. ऑर्गेनो-फास्फोरस विषाक्तता में इंट्रा-लिपिड इमल्शन थेरेपी की प्रभावकारिता - एक अन्वेषक अध्ययन
15. आपातकालीन विभाग के दौरों का महामारी विज्ञान - एक अंतर्राष्ट्रीय बहुकेन्द्रीय अध्ययन
16. मृत्यु दर के संदर्भ में एम्स के ट्राइएज प्रोटोकॉल का परीक्षण का मूल्यांकन
17. एक्यूट पैन्क्रियाटाइटिस में आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला स्कोर (अपाचे II, सीटीएसआई और बाईसेप) की तुलना में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात के नैदानिक विशेषता का मूल्यांकन

18. इंसुलिन और डेक्सट्रोज के साथ उपचार के बाद हाइपरकेलेमिक रोगियों में हाइपोग्लाइसीमिया की घटना
19. आघात पुनरुज्जीवन में तीव्र अनुक्रम इन्टयूबेशन के दौरान उपचार-बिंदु अल्ट्रासाउंड का एकीकरण: एक बहुस्तरीय यादृच्छिक अध्ययन
20. आपातकालीन विभाग में आने वाले हेमोप्टीसिस रोगियों में नेबुलाइज्ड बनाम अंतःशिरा ट्रानेक्सैमिक एसिड: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
21. आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन प्राप्त करने वाले रोगियों का परिणाम
22. आपातकालीन विभाग में आने वाले ऊपरी जठरांत्र में रक्तस्राव वाले रोगियों के परिणाम
23. एसटी-एलेवेशन मायोकार्डिअल रोधगलन के रोगियों में इफैर्क्ट संबंधी धमनी गड़बड़ी के पूर्वानुमान के रूप में प्लेटलेट-लिम्फोसाइट अनुपात
24. आपातकालीन विभाग में तीव्र विषाक्तता की रूपरेखा: एक पूर्वव्यापी अध्ययन
25. आपातकालीन विभाग में आने वाले संदिग्ध संक्रमण वाले रोगियों में 7 और 30 दिनों की मृत्यु दर के पूर्वानुमान के रूप में क्यू-सोफास्कोर
26. आपातकालीन विभाग में सेप्सिस के रोगियों में एंटीबायोटिक दवाओं के लिए समय कम करना और रक्त कल्चर संग्रह सुनिश्चित करना
27. आपातकालीन विभाग में दुखी दुर्घटनाग्रस्त तीव्र फुफ्फुसीय एडिमा के लक्षण वाले रोगियों के लिए एनटीजी बोल्ट के उच्च खुराक की भूमिका- एक संभावित अवलोकन अध्ययन
28. संक्षारक एसोफेगियल चोट में मेथिलप्रेडनिसोलोन दवा की भूमिका : एक यादृच्छिक नियंत्रित नियंत्रण ओपन अध्ययन
29. नियंत्रित समूह की तुलना में बढ़े हुए इंट्राक्रेनियल दबाव वाले बाल रोगी में अल्ट्रासाउंड द्वारा ऑप्टिक तंत्रिका शीथ डायामीटर निर्धारित करना
30. सीओपीडी उपचार बंडल के द्वारा ईडी में सीओपीडी के तीव्र प्रसार के उपचार के परिणाम में सुधार का निर्धारण करना
31. दुखी दुर्घटनाग्रस्त तीव्र फुफ्फुसीय एडिमा (एससीएपीई) वाले रोगियों के नैदानिक-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल का अध्ययन
32. छाती के ब्लंट ट्रॉमा रोगियों में अल्ट्रासाउंड के उपचार बिंदु की नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन करना

पूर्ण

1. तीव्र ऊपरी जठरांत्रीय रक्तस्राव के कारण आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों में 1 सप्ताह के परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए तीन स्कोरिंग सिस्टम (एआईएमएस 65, प्री-डोस्कोपिक रॉकॉल, ग्लासगो ब्लेचफोर्ड) की तुलना

2. आपातकालीन विभाग में डिस्टल हाथ और पैर की बाहरी चोटों के मूल्यांकन में जल-स्नान अल्ट्रासाउंड तकनीक
3. हार्ट पाथवे के द्वारा कम जोखिम वाले समूह के रूप में वर्गीकृत तीव्र शुरुआती छाती में दर्द वाले रोगियों में ईडी में आने के 30 दिनों के बाद छाती में दर्द के प्रमुख हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम का अध्ययन
4. आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों में क्रोनिक किडनी रोग से संबंधित जटिलताओं के नैदानिक प्रोफ़ाइल और पैटर्न का अध्ययन
5. एक आपातकालीन सेटिंग में सीने में तीव्र दर्द के साथ आने वाले रोगी में दोहरी ऊर्जा सीटी पर ट्रिपल रूल आउट की भूमिका
6. आपातकालीन विभाग में आने वाले के लिए आमवाती हृदय रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल
7. सीआईएसएनई बनाम एमएएससीसी स्कोर : आपातकालीन विभाग में कम जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपेनिक रोगियों की पहचान करना
8. स्टेमी वाले रोगी में प्रतिकूल परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक मैट्रिक्स के रूप में सीरम लैक्टेट और शॉक इंडेक्स
9. आपातकालीन विभाग में आने वाले सीएलडी रोगियों के नैदानिक प्रोफाइल का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. इमरजेंसी स्टडी में ग्लोबल वन डे - ग्लोबल मल्टीसेंट्रिक पीरियड प्रीवेलेंस स्टडी, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, एन आर्बर, अमेरिका
2. आपातकालीन विभाग का महामारी विज्ञान संबंधी दौरा- अंतर्राष्ट्रीय बहुकेंद्रीय अध्ययन, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, एन आर्बर, अमेरिका

पूर्ण

1. भारत में रेजीडेंट डॉक्टरों के संप्रेषण क्षमता के स्व-मूल्यांकन टूल का विकास, काय-चिकित्सा
2. अस्पष्ट पेट दर्द के रोगियों में चयापचय इमेजिंग का प्रयोग, शल्य चिकित्सा
3. भारत भर में शैक्षिणक आपातकालीन विभागों में इलेक्ट्रोनिक स्वास्थ्य रिकार्डों का सर्वेक्षण। भारत के बारह शैक्षिणक आपातकालीन विभाग

रोगी उपचार सेवाएं

आपातकालीन उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या

कुल नए रोगी	कुल पुराने रोगी	कुल रोगी
1,01786	47,657	1,49,443

न्याय चिकित्सा केस

आपातकालीन विभाग का विंग	कुल ई-एमएलसी
नई आपातकालीन	782
शल्यक आपातकालीन	11892
बाल आपातकालीन	554
कुल	13228

प्वाइंट ऑफ केयर टेंस्टिंग प्रयोगशाला (पीओसीटी) डाटा

जांच का प्रकार	की गईं कुल जांचे	कुल योग
कंपलीट ब्लड काउंट	1,08,000	
क्वांटिटेटिव ट्रोपोनिन I	10,672	
ब्लड गैस एनिलिसिस	93,569	**2,18,555**
बीएनपी तथा एनटी प्रो-बीएनपी	2048	
डी डाइमर	729	
यूरिन टॉक्स स्क्रीन	420	
पीटी / आईएनआर	3042	
प्रोकैल्सीटोनिन	75	

आपातकालीन ओ टी में की गई प्रक्रियाएं

प्रक्रिया का नाम	कुल संख्या
ट्रैकियोस्टोमी	178
अन्य प्रक्रियाएं	17
कुल छोटी प्रक्रियाएं	**195**

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. प्रवीण अग्रवाल जर्नल ऑफ इमरजेंसीज़, ट्रामा एण्ड शॉक, पबमेड में सम्मिलित एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका के मुख्य संपादक बने हुए हैं। वे फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के लिए केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन और इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के एकल समीक्षा पैनल के नामित सदस्य, सदस्य-वैज्ञानिक निकाय, इंडियन फार्माकोपिया कमीशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पदों पर बने हुए हैं। वे ऐकेडमिक कॉलेज ऑफ इमरजेंसी एक्सपर्ट्स इन इंडिया के उपाध्यक्ष हैं तथा ऑर्गनाइज़्ड मेडिसिन ऐकेडिमिक गिल्ड ऑफ इंडिया, जो भारत में आयुर्विज्ञान के महत्वपूर्ण संगठनों तथा समुदायों का एक गिल्ड है जिसका उद्देश्य रोगी उपचार, शिक्षा तथा अनुसंधान में राष्ट्रीय नीतियों का निर्माण करना है, के संयुक्त सचिव चुने गए। उन्होंने इमरजेंसी कार्डियोलॉजी कॉन्फ्रेंस (एमकार्ड) के दौरान

आपातकालीन चिकित्सकों, दिल के दौरे रजिस्ट्री और स्टेमी के लिए इकोकार्डियोग्राफी और अल्ट्रासाउंड पर सत्रों की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर संजीव भोई की टीम वर्तमान में भारत में द्वितीयक और तृतीयक देखभाल में सुविधा आधारित आपातकालीन और ट्रॉमा उपचार प्रणाली की स्थिति का आकलन कर रही है और आपातकालीन विभाग उपचार प्रणाली के निर्माण में नीति आयोग को तकनीकी सलाह प्रदान कर रहा है। उन्होंने भारत में अकादमिक आपातकालीन चिकित्सा के लिए दिशानिर्देश बनाने के लिए नवनिर्मित विशेषज्ञ बोर्ड ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन के सदस्य सचिव के रूप में कार्य किया। उन्होंने थीसिस की एक संकल्पना तैयार की है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान परिणामों के लिए उचित आकार के साथ कई विश्वविद्यालय साथ मिलकर एक बहुकेंद्रीय कार्य को विकसित करने के लिए एक ही पद्धति से कार्य करें। वह इस क्षेत्र में इमरजेंसी और ट्रॉमा के लिए डब्ल्यूएचओ-सहयोग केंद्र के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं और भारत के विभिन्न राज्यों और एसईएआरओ के सदस्य देशों के साथ-साथ आपात चिकित्सा हेतु विश्व शैक्षिक परिषद के साथ भारत एवं विश्व में एकीकृत आपातकालीन और आघात उपचार पद्धतियों के निर्माण में सहयोगात्मक स्तर पर काम कर रहे हैं।

डॉ. नायर जमशेद एमडी शिक्षण कार्यक्रम के प्रभारी हैं, जिसमें साप्ताहिक सेमिनार, जर्नल क्लब, टिनटिनल्ली की पाठ्यपुस्तक-आधारित पाठ चर्चा, साक्ष्य-आधारित चिकित्सा और नैदानिक मामलों पर चर्चा शामिल है। वे विभाग के सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभारी हैं। उन्होंने आपातकालीन विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभागीय पैनल चर्चा भी शुरू की है। उन्होंने प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में 11 पत्र प्रकाशित किए हैं, पुस्तकों में एक अध्याय और एक वर्ष में तीन पत्रिकाओं के समीक्षक भी रहे। उन्होंने विभिन्न विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन किया और व्याख्यान दिए है। वे संस्थान कोविड टास्क फोर्स के सदस्य भी हैं और कोविड-19 पर एम्स के लिखित दिशा-निर्देशों में सहायक रहे। वे एम्स और कोविड संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों में से एक हैं। वह एम्स के पाठ्यक्रम संशोधन कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों में से भी एक हैं। वह एसईटी सुविधा के एक शिक्षण संकाय सदस्य हैं और उसके लिए मॉड्यूल भी विकसित किया है। वह विभाग द्वारा संचालित एम्स ईसीजी और इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट कोर्स के लिए शिक्षण संकाय सदस्य भी हैं। डॉ. जमशेद मरीज की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार और विभाग की मृत्यु दर और रुग्णता पर बैठक के प्रभारी विभागीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं। वे प्रस्तावित विष विज्ञान फैलोशिप कार्यक्रम के लिए शिक्षण संकाय सदस्य में से एक हैं।

डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा ने अपने कार्यक्षेत्र को आपातकालीन और आघात उपचार प्रणाली के निर्माण में केन्द्रित किया है। वे भारत में द्वितीयक और तृतीयक देखभाल में सुविधा-आधारित आपातकालीन और चोट देखभाल प्रणाली की स्थिति का आकलन करने और आपातकालीन देखभाल प्रणाली के निर्माण में नीति आयोग को तकनीकी सलाह प्रदान करने में भी शामिल हैं। वर्तमान में, उनका प्रमुख कार्य क्षेत्र आपातकालीन और आघात हेतु अल्ट्रासाउंड उपचार के बिंदु का प्रयोग करना है। वे शरीर रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान सीखने के लिए स्नातकपूर्व छात्रों को प्रशिक्षण देकर आयुर्विज्ञान शिक्षा में उपचार

बिंदु अल्ट्रासाउंड के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। आपदा परिदृश्यों में तथा तीव्र / आपातकालीन उपचार बिंदु अल्ट्रासाउंड का उपयोग करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। वर्तमान में, वे वैश्विक आपातकालीन चिकित्सा अनुसंधान नेटवर्क "इमरजेंसी मेडिसिन एजुकेशन एंड रिसर्च बाई ग्लोबल एक्सपर्ट्स (इमर्ज)" की शैक्षिक उप-समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जिसका उद्देश्य आपातकालीन उपचार अनुसंधान के माध्यम से वैश्विक स्तर पर जीवन बदलना है। वे इस क्षेत्र में इमरजेंसी और ट्रॉमा के लिए डबल्यूएचओ- सहयोगी केंद्र के एक अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और भारत और एसईएआर क्षेत्र में भारत के विभिन्न राज्यों और एसईएआरओ के सदस्य देशों के साथ मिलकर आपातकालीन चिकित्सा के लिए एकीकृत आपातकालीन और आघात उपचार प्रणालियों के निर्माण हेतु काम कर रहे हैं।

डॉ. मीरा इक्का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षक रहीं, और एनल्स ऑफ क्लिनिकल केस स्टडीज़ के संपादकीय बोर्ड में भी हैं। वे एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी की सदस्य हैं। उन्होंने कौशल प्रयोगशाला, एसईटी सुविधा में इंटर्न के लिए "नीडल डिकॉम्प्रेशन इन न्यूमोथोरैक्स" पर कौशल सीखने के लिए कौशल मॉड्यूल के पाठ्यक्रम संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया, और एमबीबीएस छात्रों के शिक्षण और मूल्यांकन के प्रभारी हैं। वे आपातकालीन चिकित्सा विभाग में अग्नि सुरक्षा के संकाय प्रभारी, स्टोर और नोडल अधिकारी हैं। वे विभाग में ट्राइएज और स्क्रीनिंग ओपीडी की शुरुआत करने हेतु कार्य कर रही हैं। वे दर्द मुक्त आपातकालीन विभाग के लिए गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं का हिस्सा भी है। वे एसईटी सुविधा के शिक्षण संकाय सदस्य है और उनके लिए मॉड्यूल विकसित किया है। वह एम्स इमरजेंसी ईसीजी और विभाग द्वारा संचालित मेडिकल / पैरामेडिकल सीएपीएफएस कोर्स के व्यापक इमरजेंसी और आघात देखभाल प्रशिक्षण के लिए शिक्षण संकाय सदस्य भी है। वे आपातकालीन चिकित्सा स्नातकोत्तर के चार छात्रों और विभाग में आयोजित सेमिनारों में विभिन्न सेमिनारों और जर्नल क्लबों के लिए मध्यम स्नातकोत्तर छात्रों के मुख्य मार्गदर्शक हैं। वे प्रस्तावित विष विज्ञान फैलोशिप कार्यक्रम के लिए शिक्षण संकायों में से भी एक हैं।

डॉ. अक्षय ने विभाग में कई साक्ष्य-आधारित चर्चाओं का प्रतिनिधित्व किया है। वे एसईटी फैसिलिटी में कंटेंट विकसित करने और फैकल्टी और स्टूडेंट्स की ट्रेनिंग में शामिल रहे। उन्होंने पीजी छात्रों और इंटर्न की योग्यता विकसित करने के लिए कई महत्वपूर्ण उपचार कार्यशालाएं आयोजित की हैं। दिसंबर 2019 में, उन्हें एसईटी सुविधा में उनके योगदान के लिए शैक्षिक अनुभाग द्वारा सम्मानित किया गया था। उन्होंने तीव्र और गहन उपचार पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से आयुर्विज्ञान शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान किया है। उन्होंने संचार कौशल प्रशिक्षण में गुणात्मक अनुसंधान पूरा किया है और प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया है। आपातकालीन इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स के राष्ट्रीय सर्वेक्षण पर एक सहयोगी परियोजना पूरी हो गई है और प्रकाशन के लिए लिखी जा रही है। उन्होंने रोगी उपचार की प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए कई गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है, जिसमें एंटीबायोटिक का समय, पहले चिकित्सा संपर्क समय के मार्ग और विभाग में वायुमार्ग उपचार में सुधार शामिल है।

डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा 18 सितंबर 2019 को विभाग में एक नियमित संकाय के रूप में शामिल हुए और सशक्त आपातकालीन विभाग बनाने की दिशा में अपनी सेवाएं जारी रखीं। उन्होंने स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एम्स इमरजेंसी ईसीजी कोर्स जारी रखा है, जिसके द्वारा उन्हें इमरजेंसी सेटिंग्स में ईसीजी कोर्स को समझने में मदद करेगा। वे एचईएमएस-इंडिया (हेलीकॉप्टर आधारित आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं) के आयोजन सचिव रहे, जो देश में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में सुधार के मामले में एक मील का पत्थर साबित होगा। वे एम्स में आयोजित ईएम-इंडिया (राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन) के दौरान संकाय सदस्य और मध्यस्थ के रूप में सक्रिय रहे। उन्होंने कौशल प्रयोगशाला, एसईटी सुविधा, एम्स में एमबीबीएस छात्रों के लिए "पेल्विक बाइंडर्स" पर कौशल सीखने के लिए नया ई-कौशल मॉड्यूल विकसित किया है। वे कैवेडर्स का उपयोग करके आपात स्थितियों के साथ-साथ कौशल विकास में ट्रामा उपचार, सोनोग्राफी में पोस्टग्रेजुएट्स को प्रशिक्षित करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वह विभाग में आयोजित सेमिनार और जर्नल क्लबों के विभिन्न सत्रों में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए मध्यस्थ रहे और एक पैनलिस्ट के रूप में कई पैनल चर्चाओं में भी भाग लिया। वे आपातकालीन चिकित्सा टीम में रोगी देखभाल में सुधार और संचार कौशल विकसित करने के लिए विभागीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं। वे एम्स में आयोजित कोल इंडिया लिमिटेड के जीडीएमओ के कार्यशालाओं, सीएपीएफएस कोर्स और कार्यक्रम के दौरान डॉक्टरों और पैरामेडिक्स के प्रशिक्षण में भी शामिल थे। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी सेवाएं जारी रखीं; एम्स में क्लिनिकल मैनेजरियल ग्रुप कोविड टास्क फोर्स के सदस्य हैं और आपातकालीन चिकित्सा विभाग में इन्फ्लूएंजा जैसी और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी के लिए स्क्रीनिंग क्षेत्रों के निर्माण में योगदान दिया है।

9.11. अंत स्रावकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष

निखिल टंडन

आचार्य

नंदिता गुप्ता (31 दिसम्बर, 2019 तक)   रविन्दर गोस्वामी

राजेश खड़गावत   विवेक पी ज्योत्स्ना

सह-आचार्य

यशदीप गुप्ता

सहायक आचार्य

अल्पेश गोयल

विशिष्टताएं

विभाग कई शैक्षिक गतिविधियों में संलग्न है जैसे कि प्रत्येक वैकल्पिक सप्ताह में एंडोक्राइन-पैथोलॉजी कॉन्फ्रेंस तथा प्रत्येक सप्ताह में एंडोक्रिनोलॉजी-सर्जरी-न्यूक्लियर मेडिसिन (बुधवार) और एंडोक्रिनोलॉजी-रेडियोडायग्नोसिस (शुक्रवार) करना। प्रत्येक सप्ताह सेमिनार (बुधवार), जर्नल क्लब (शुक्रवार) और क्लिनिकल कक्षाएं (गुरुवार) होती हैं। इन शैक्षिक गतिविधियों के दौरान नैदानिक महत्व के विषयों और हाल ही में उच्च प्रभाव वाले आलेखों पर चर्चा की जाती है। विभाग दैनिक आउट पेशेंट सुविधाओं का संचालन करता है और यहां हार्मोन आमापन, चयापचय अध्ययन और अस्थि घनत्व माप के लिए आधुनिकतम प्रयोगशाला सेवाएं दी जाती हैं।

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल प्रशिक्षण

विभाग स्नातकपूर्व मेडिकल विद्यार्थियों और नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। आंतरिक चिकित्सा और जराचिकित्सा मेडिसिन से स्नातकोत्तर विद्यार्थी (एमडी) विभाग में एक और दो महीने की तैनाती पर आते हैं। इसके अलावा, एमसीएच स्तन और अंतःस्रावी सर्जरी, डीएम न्यूक्लियर मेडिसिन और एमएससी प्रजनन जीवविज्ञान में नामांकित स्नातकोत्तर फेलो भी विभाग में 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए रोटेशन पर भेजे जाते हैं।

दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक प्रशिक्षण

छह उम्मीदवार (पांच सामान्य, एक प्रायोजित) डीएम पाठ्यक्रम में शामिल हुए।

दो उम्मीदवारों को अल्पकालिक प्रशिक्षण की अनुमति दी गई।

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान

निखिल टंडन: 18 | **रविन्दर गोस्वामी:** 7 | **राजेश खड़गावत: 16**

यशदीप गुप्ता: 3 | **अल्पेश गोयल: 9**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/ पोस्टर: **5**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में मधुमेह से पीड़ित लोगों की रजिस्ट्री जिनमें मधुमेह चरण **II** कम उम्र में शुरू हो गया हो, निखिल टंडन, आईसीएमआर, **8** वर्ष, **2012-2020, 246.99** लाख रुपये
2. बच्चों में बदलता मधुमेह, निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, **8** वर्ष, **2012-2020, 21** लाख रुपये
3. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस से ग्रसित दक्षिण एशियाई महिलाओं में टाइप **2** डायबिटीज मेलिटस की रोकथाम के लिए जीवन शैली हस्तक्षेप कार्यक्रम, निखिल टंडन, आईसीएमआर, **5** वर्ष, **2015-2020, 72.77** लाख रुपये
4. एक अन्वेषणात्मक नई औषधि के लिए द्वितीय चरण नैदानिक परीक्षण का विकास, निखिल टंडन, टोरेंट फार्मा, **7** साल, **2014-2021, 84.53** लाख रुपये
5. सही परीक्षण और परीक्षण बारंबारता का उपयोग करके गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस से पीड़ित रह चुकी महिला की प्रसवोत्तर अनुवर्ती जांच के लिए कार्यनीति विकसित करना और उनके विचारों को जानने के बाद रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करना, निखिल टंडन, ल्यूपिन, **3** वर्ष, **2018-2021, 40.41** लाख रुपये
6. जीडीएम से पीड़ित रह चुकी महिलाओं में नींद की गुणवत्ता, अवसाद स्कोर और इष्टतम स्तनपान अवधि में सुधार के लिए जीवनशैली संशोधन हेतु हस्तक्षेप का प्रभाव: 'लिविंग' का उप-अध्ययन, निखिल टंडन, यूएसवी, **3** वर्ष, **2018-2021, 53.42** लाख रुपये
7. उच्च रक्तचाप और मधुमेह संस्थान के लिए एकीकृत ट्रैकिंग रेफरल और एल्गोरिदमिक प्रबंधन (आई-टीआरईसी) प्रणाली, निखिल टंडन, एनआईएच, संयुक्त राज्य अमेरिका, **5** साल, **2017-2022, US $ 6.49** लाख रुपये
8. युवा मधुमेह रोगी में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र (केयर), निखिल टंडन, आईसीएमआर, **5** वर्ष, **2019-2024, 104.95** लाख रुपये
9. टाइप **2** मधुमेह से पीड़ित रोगियों में एसओयूएल - सेमाग्लूटाइड कार्डियोवास्कुलर परिणाम परीक्षण, निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, **5** साल, **2019-2024, 30** लाख रुपये

10. टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी पर सेमाग्लूटाइड के दीर्घकालिक प्रभाव (फोकस), निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 साल, 2019-2024, 27.50 लाख रुपये
11. अस्थि खनिज घनत्व और क्रोनिक अल्कोहलिज्म तथा डिसल्फिरम डीएडिक्शन थेरेपी के बाद परिवर्तन, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 3 साल, 2017-2020, 45 लाख रुपये
12. लक्षण-रहित स्वस्थ भारतीयों में विटामिन डी की कमी और अस्थि माइक्रोआर्किटेक्चर: कम सीरम 25 (ओएच) डी और उच्च पीटीएच के कार्यात्मक महत्व की खोज, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 4 साल, 2019-2023, 76 लाख रुपये
13. 'प्री-डायबिटिक रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडेड ड्रग 'आयुष-डी' का एक यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित अग्रदर्शी फेज II क्लिनिकल अध्ययन", राजेश खड़गावत, सेंट्रल काउंसिल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसिस, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 साल, 2017-2020, 35 लाख रुपये
14. मेटफोर्मिन को चिकित्सा के रूप में शामिल करते हुए टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के उपचार में आयुर्वेदिक कोडेड ड्रग 'आयुष डी' का एक यादृच्छिक प्लेसीबो नियंत्रित चरण 2 अध्ययन, राजेश खड़गावत, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 साल, 2017-2020, 35 लाख रुपये
15. टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित बच्चों और किशोरों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर मेटफॉर्मिन के संयोजन में लिराग्लूटाइड बनाम मेटफोर्मिन मोनोथेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा: 26 सप्ताह का डबल ब्लाइंड यादृच्छिक, समानांतर समूह, प्लेसीबो नियंत्रित मल्टी-सेंटर ट्रायल और उसके बाद 26 सप्ताह का ओपन लेबल विस्तार, राजेश खडगावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2014-2019, 30 लाख रुपए
16. विकास हार्मोन की कमी वाले यौवन-पूर्व बच्चों के वृद्धि हार्मोन उपचार में दैनिक विकास हार्मोन उपचार की तुलना में सप्ताह में एक बार एनएनसी0195-0092 उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने वाली एक यादृच्छिक, बहुराष्ट्रीय, सक्रिय-नियंत्रित, (ओपन-लेबल), खुराक खोजी, (डबल-ब्लाइंड), समानांतर समूह परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 3 वर्ष, 2017-2020, 30 लाख रुपये
17. प्री-डायबिटीज से पीड़ित रोगियों में टाइप-2 डायबिटीज के विकास को रोकने या विलंबित करने के लिए ट्राइगोनेला फेनम-ग्रेकुम सीड्स के मानक सूत्रीकरण का विकास, राजेश खड़गावत, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017–2021, 35 लाख रुपये
18. अधिक वजन या मोटापे और टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम की प्रभाव और सुरक्षा, राजेश खडगावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2017-20, 30 लाख रुपए
19. विकास हार्मोन की कमी से पीड़ित यौवन-पूर्व बच्चों में दैनिक जीनोट्रोपिन की तुलना में साप्ताहिक एमओडी-4023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन चरण 3, ओपन-लेबल, यादृच्छिक, बहुस्तरीय, 12 माह - थेरेपी, राजेश खडगावत, ओपको जैविक, 3 वर्ष, 2017-2020, 25 लाख रुपए
20. मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड उपचार से अनियंत्रित टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित रोगियों में यूएसवीसीएपी नुस्खे की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण II ख, ओपन-

लेबल, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन, राजेन्द्र खड़गावत, यूएसवी लिमिटेड, **3** वर्ष, **2019-2021, 10** लाख रुपये

21. विकास हार्मोन की कमी वाले बच्चों में दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® के साथ सोमपाकिटान के सप्ताह में एक बार की खुराक के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना करने वाला एक परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, **5** वर्ष, **2018-2023, 20** लाख रूपये
22. उच्च कार्डियोवस्कुलर जोखिम वाले टाइप **2** मधुमेह रोगियों में कार्डियोवस्कुलर परिणामों पर एफेग्लेनेटाइड के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहुकेन्द्रीय अध्ययन, राजेश खड़गावत, सनोफी एवेंटिस, **5** वर्ष, **2018-2023, 25** लाख रुपये
23. मेटफोर्मिन सहित या उसके बिना बेसल इंसुलिन पर अपर्याप्त रूप से नियंत्रित टाइप **2** मधुमेह रोगियों में इंसुलिन ग्लार्गिन के साथ निश्चित अनुपात संयोजन में इंसुलिन ग्लारगिन/ लिक्सिसेनटाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा की मल्टीसेंटर तुलना के लिए एक यादृच्छिक, **24-** सप्ताह, नियंत्रित, ओपन लेबल, समानांतर बाहु, बहु-केंद्रीय अध्ययन, राजेश खड़गावत, सनोफी एवेंटिस, **3** साल, **2017-2020, 5** लाख रुपये
24. कुशिंग रोग के रोगियों में केवल पेसीरियोटाइड सी. या केबरगोलिन के संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए द्वितीय चरण का परीक्षण, विवेका पी ज्योत्स्ना, नोवार्टिस, **6** वर्ष, **2015-2021, 10** लाख रुपये
25. कुशिंग रोग के रोगियों के उपचार के लिए एलसीआई**699** की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए **24** सप्ताह, एकल-आर्म, ओपन-लेबल खुराक अनुमापन और उपचार अवधि के बाद एलसीआई**699** का चरण **III**, बहु-केंद्र, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक वापसी अध्ययन, विवेका पी ज्योत्स्ना, नोवार्टिस, **5** वर्ष, **2016-2021, 29.53** लाख रुपये
26. अंतर्जात कुशिंग सिंड्रोम वाले रोगियों, जिन्होंने पिछला नोवार्टिस-प्रायोजित ऑसिलोड्रोस्टैट (एलसीआई**699**) अध्ययन पूरा कर लिया हैं और जांचकर्ता द्वारा ओसिलोड्रोस्टैट के साथ नियमित नियमित उपचार से लाभ प्राप्त करने योग्य पाए जाते हैं, में दीर्घकालिक सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक ओपन-लेबल, बहु-केंद्रीय, रोल-ओवर अध्ययन, विवेका पी ज्योत्स्ना, नोवार्टिस, **5** साल, **2019-2024, 20** लाख रुपये
27. मौखिक एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक ड्रग्स ले रहे टाइप **2** डायबिटीज़ मेलिटस के रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण को बिगड़ने से रोकने में क्या योग से सहायता मिल सकती है, इस बात का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केंद्रीय ओपन लेबल समानांतर आर्म आरसीटी, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, **3** साल, **2017-2020, 75** लाख रुपये
28. टी2डीएम और अवसाद के रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभाव: द्वि-बाहु समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, **3** वर्ष, **2017-2020, 36.54** लाख रुपये

29. टाइप **1** डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरोनेटोमिकल और न्यूरोफंक्शनल असामान्यता का आकलन, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, **3** वर्ष, **2017-2020, 34.81** लाख रुपये
30. मोटापे से ग्रस्त/अधिक वजन वाली महिलाओं को (पिछले बच्चे के जन्म के 2 साल के भीतर) जब उनके पति के साथ जीवन शैली इंटरवेंशन कार्यक्रम में शामिल किया गया तथा उन्हें अकेले शामिल करने की तुलना में उस कार्यक्रम की प्रभावकता का मूल्यांकन करना: द्वि-बाहु, समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, **3** साल, **2019-2022, 47** लाख रुपये

पूर्ण

1. सह-रुग्ण मधुमेह और अवसाद के लिए एकीकृत उपचार, निखिल टंडन, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एनआईएच, यूएसए, *5* वर्ष, ***2014–2019, 88.22*** लाख रुपये
2. सीएआरआरएस ट्रांसलेशन ट्रायल: डायबिटीज में गुणवत्ता सुधार कार्यनीतियों को लागू करना, निखिल टंडन, आईसीएमआर-एमोरी यूनिवर्सिटी, *5* साल, ***2014-2019***, यूएस ***$ 17.55*** लाख
3. टाइप *2* मधुमेह के रोगियों में *52* सप्ताह का बहुकेंद्रीय, बहुराष्ट्रीय, ओपन-लेबल, सक्रिय- नियंत्रित, द्वि-बाहु, समानांतर समूह, यादृच्छिक परीक्षण, निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, *1* वर्ष, ***2019-2019, 13.75*** लाख रुपये
4. युवाओं में मधुमेह की मौजूदा रजिस्ट्रियों का सामंजस्य: अमेरिका-भारत सहयोगी अनुसंधान भागीदारी, निखिल टंडन, आईसीएमआर, *4* वर्ष, ***2016-2020, 84.13*** लाख रुपये
5. एनएन *1218 - 4131*, प्रभावकारिता और सुरक्षा - टाइप *1* डायबिटीज से पीड़ित व्यस्कों में इंसुलिन डीग्लूडेक के संयोजन में नोवो रेपिड की तुलना में तीव्र-प्रभावकारी इंसुलिन एस्पर्ट, निखिल टंडन, नोवा नॉर्डिन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड, *4* साल, ***2016-2020, 9.02*** लाख रुपये
6. उत्तर-भारत में गैर-ऐल्कहॉलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) का प्रसार और कार्डियो-मेटाबोलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, निखिल टंडन, आईसीएमआर, *3* वर्ष, ***2017-2020***, रुपए ***172.53*** लाख रूपये
7. एनएन*924-4221* पायनियर *6*-कार्डियोवास्कुलर परिणाम: टाइप *2* मधुमेह के रोगियों में मौखिक सेमाग्लूटाइड की कार्डियोवस्कुलर सुरक्षा की जांच करने के लिए एक परीक्षण, निखिल टंडन, नोवा नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, *3* साल, ***2017-2020, 21.57*** लाख रुपये
8. अज्ञातहेतुक हाइपोपैराथायरोडिज्म रोगियों में कैल्शियम सेंसिंग रिसेप्टर ऑटोएन्टिबॉडी का कार्यात्मक महत्व, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, *3* वर्ष, ***2016-2019, 44*** लाख रूपये
9. अधिक वजन या मोटापा से पीड़ित रोगियों में सेमाग्लूटाइड *2.4* मिलीग्राम का सप्ताह में एक बार सेवन करने का एसटीईपी-*1* प्रभाव और सुरक्षा, यशदीप गुप्ता, नोवो नॉर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड, *2* साल, ***2018-2020, 23*** लाख रुपये
10. भारतीय किशोरों के तनाव, चयापचय मापदंडों और संज्ञान (ध्यान और एकाग्रता) पर योग का प्रभाव, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, *3* साल, ***2017-2020, 64.64*** लाख रुपये

11. स्वदेशी रूप से विकसित ग्लूकोज सेंसिंग उपकरणों का प्रमाणीकरण, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, *1* वर्ष, *2018-2019, 2.40* लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. विटामिन डी की स्थिति और इसका कार्यात्मक महत्व
2. हाइपरपैराथायराइडिज्म में बोनी माइक्रोआर्किटेक्चर अनियमितताओं को उलटने-पलटने की क्षमता।
3. हाइपोपैराथायराइडिज्म में बेसल गैन्ग्लिया कैल्सीफिकेशन के रोगजनन में आणविक पहलू
4. जीए*68*-डोटानॉक पीईटी/सीटी और एफ*18*- एफडीजी पीईटी/सीटी दिए जाने पर न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर का लक्षण वर्णन और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ इसके परिणामों की तुलना
5. दिल्ली में शहरी वयस्कों के कार्डियो-चयापचय स्वास्थ्य पर उनके "संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव" के संबंध में भारतीय शाकाहारी आहार का आकलन करना
6. किशोरों में आहार की गुणवत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना: लड़कों और लड़कियों के बीच तुलना
7. एशियाई भारतीय नवजात शिशुओं में हड्डी के द्रव्यमान के निर्धारक तत्व - पोषण परिप्रेक्ष्य
8. एक्रोमेगाली रोगियों में सर्जिकल परिणाम के साथ नैदानिक, हार्मोनल, रेडियोलॉजिकल और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षणों का संबंध
9. आईएडीपीएसजी मानदंडों पर सामान्य बताई गई महिलाओं में गर्भधारण की शुरुआती (*<15* सप्ताह) और विलंबित (*24* से *28* सप्ताह) गर्भावस्था अवधि में ग्लाइसेमिया के लिए निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली का उपयोग करते हुए मानक डेटा उत्पन्न करना।

पूर्ण

1. गर्भावस्था में आईएडीपीएसजी मानदंड/ प्रकट मधुमेह के माध्यम से गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस के पूर्ववृत्त वाली महिलाओं और उनके पति/पत्नियों में ग्लूकोज सहिष्णुता के वितरण पर एक अध्ययन
2. बाहरी श्रमिकों में विटामिन डी की स्थिति
3. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म में थाइमिक और अस्थि-मज्जा टी एवं बी सेल इमिग्रेंट के मार्कर के रूप में टीआरईसी और केआरईसी
4. नियमित उपचार के दौरान पहली और तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी के प्रसार का अध्ययन करना
5. गर्भावस्था में गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस के विकास के साथ पहली तिमाही में ग्लूकोज स्क्रीनिंग और सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच सह-संबंध
6. गर्भवती एशियाई-भारतीय महिलाओं में थायराइड पेरोक्सीडेज एंटीबॉडी सकारात्मकता का प्रसार
7. कूल्हे के गैर-दर्दनाक फ्रैक्चर वाले रोगियों में विटामिन डी की कमी के प्रसार का मूल्यांकन करना
8. प्राथमिक हाइपरपैराथाइराइडिज़्म के नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल विशेषताओं का अध्ययन करना: विटामिन डी पोषण और हिस्टोपैथोलॉजी का प्रभाव

9. एथेरोस्क्लेरोसिस के एक मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई (सीआईएमटी) का अध्ययन करना और मोटापे से ग्रसित *4-18* वर्ष के आयु समूह के बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के साथ इसका सहसंबंध
10. मोटापे से ग्रसित *6-18* वर्ष की आयु के रोगियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा सेल फ़ंक्शन के साथ सीरम विटामिन डी स्तर के सहसंबंध का अध्ययन करना
11. *6-18* वर्ष की आयु के मोटापे से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में धमनियों में अकड़न का मूल्यांकन करना
12. स्पष्ट तौर पर स्वस्थ पुरुष मरीजों में सीरम एण्ड्रोजन मापदंडों पर वसा के प्रभाव का अध्ययन करना
13. मोटापे से ग्रसित बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना
14. टाइप *2* डायबिटीज में माइटोकॉन्ड्रियल दोष और वीडीआर बहुरूपता का अध्ययन
15. *11-17* वर्ष की आयु के मोटे एशियाई-भारतीय मरीजों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा सेल फ़ंक्शन पर विटामिन डी पूरकता के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण।
16. भारत में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोलेकैलसिफेरोल औषधि मिश्रण की अवयव शक्ति में परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना
17. मोटापे वाले बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना
18. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में फेनोटाइप और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध
19. स्पष्ट तौर पर स्वस्थ पुरुष मरीजों में सीरम एण्ड्रोजन मापदंडों पर वसा के प्रभाव का अध्ययन करना
20. भिन्न-भिन्न आयु समूहों में पिट्यूटरी मॉर्फोमेट्री का अध्ययन करना
21. 11-17 वर्ष की आयु के मोटापे से ग्रसित एशियाई भारतीय बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना
22. मोटापे से ग्रस्त भारतीय मरीजों में अग्नाशयी β कोशिका कार्यों पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
23. 6 महीने से 5 साल की उम्र में रिकेट्स के उपचार के लिए 90,000 और 1,80,000 आईयू मौखिक एकल खुराक विटामिन डी की प्रभावकारिता की तुलना करना
24. टर्नर सिंड्रोम वाले रोगियों में नैदानिक विशेषताओं और जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल पर एक्स गुणसूत्र के पैतृक मूल के प्रभाव का अध्ययन करना
25. उच्च रक्तचाप वाले मरीजों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म के प्रसार का अध्ययन करना
26. डायबिटीज मेलिटस टाइप 2 से ग्रसित व्यस्क रोगियों में खाने के विकारों और आहार पैटर्न का मूल्यांकन और मेटाबोलिक मापदंडों एवं ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ उनका संबंध।
27. फियोक्रोमोसाइटोमा/ पैरागैंग्लिओमा के मामलों में प्री और पोस्ट-ऑपरेटिव डिसग्लाइसिमिया - उत्तरी भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र अध्ययन

28. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस के पूर्ववृत्त वाले और बिना पूर्ववृत्त वाले रोगियों में गैर-अल्कोहलिक फैटी लीवर (एनएएफएलडी) के प्रसार का मूल्यांकन करना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन [मुख्य मार्गदर्शक]

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. प्राथमिक पैराथायराइड एडेनोमा का रोगजनन, पैथोलॉजी, फोरेंसिक मेडिसिन और एनाटॉमी
2. ऑटो इम्यून और प्रतिरक्षा संबंधी ऑर्बिटोपैथी के रोगियों में जीए डॉटानॉक पीईटी/ सीटी के साथ सोमाटोस्टेटिन रिसेप्टर भावाकृति का इन-विवो मूल्यांकन, न्यूक्लियर मेडिसिन
3. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन नियोप्लाज्म में क्रोमेटिन रीमॉडेलिंग, एमटीओआर पाथवे और एसएसटीआर भावाकृति का मूल्यांकन, पैथोलॉजी
4. सौम्य थायरॉयड सूजन के रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमिथाइरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो ब्रेस्ट एप्रोच की सुरक्षा और परिणाम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सर्जिकल विषयक्षेत्र

पूर्ण

1. नव नैदानिक उच्च रक्तचाप से पीड़ित टाइप 2 मधुमेह रोगियों में एंजाइम अवरोधक एंगिओटेन्सिन परिवर्तित करने के बाद रेनिन एंजियोटेनसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और संवहनी कार्यों के घटकों के बीच संबंध का अध्ययन करना, शरीर-क्रिया-विज्ञान
2. एम्स में भर्ती मरीजों में हाइपरग्लाइसेमिया के उपचार में एडीए/ एसीसी दिशानिर्देश आधारित इंसुलिन प्रोटोकॉल के परिणामों के निहितार्थ, कायचिकित्सा
3. प्रेरण रसायन चिकित्सा से गुजर रहे तीव्र ल्यूकोमिया रोगियों में पोषण की स्थिति/ मापदंडों का मूल्यांकन करना, रूधिरविज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 77 पुस्तकों में अध्याय: 2

रोगी उपचार

01 **अप्रैल**, 2019 **से 31 मार्च**, 2020 **तक ओपीडी उपस्थिति**

माह	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**पीएईसी क्लीनिक**	**डीओवाई क्लीनिक**	**कुल**
अप्रैल 2019	1053	3657	200	152	5062
मई 2019	1020	3514	125	121	4780
जून 2019	838	2787	65	259	3949
जुलाई 2019	1157	3772	205	170	5304
अगस्त 2019	935	3125	107	158	4325

सितंबर 2019	1037	3502	153	170	4862
अक्टूबर 2019	984	3007	102	138	4231
नवंबर 2019	1000	3165	137	182	4484
दिसंबर 2019	955	3265	141	482	4843
जनवरी 2020	1057	3318	161	128	4664
फरवरी 2020	932	3296	109	162	4499
मार्च 2020	633	1998	74	83	2788
कुल	**11601**	**38406**	**1579**	**2205**	**53791**

<u>प्रयोगशाला सेवाएं</u>

हॉर्मोन की जांच

संख्या	हॉर्मोन	की गई ट्यूब जांच		संख्या	हॉर्मोन	की गई ट्यूब जांच
1	टी 4	11580		14	इंसुलिन	4213
2	टीएसएच	18505		15	सी पेप्टाइड	655
3	टीपीओ	1604		16	जीएच	1334
4	एलएच	1746		17	जीएडी	7
5	एफएसएच	1739		18	एफ टी 4	5638
6	पीआरएल	2384		19	टी 3	1420
7	कॉर्टिसोल	4548		20	एफ टी 3	2442
8	टेस्टोटिरोन	1857		21	आईजीएफ 1	1496
9	डीएचईए	431		22	ई2	615
10	17 ओएचपी	2		23	एल्डोस्टेरोन	519
11	एसीटीएच	1611		24	रेनिन	409
12	पीटीएच	3639		25	एफजीएफ 23	172
13	विटामिन डी	6683		**कुल जोड़**		**75249**

मरीजों के नमूनों में स्टेरॉयड हार्मोन को मापने के लिए एचपीएलसी- टेंडेम मास स्पेक्ट्रोफोटोमीटर प्रणाली स्थापित की गई और अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग की आरआईए प्रयोगशाला में यह प्रणाली संतोषजनक रूप से काम कर रही है।

2019 की शुरुआत में ही इस प्रणाली पर स्टेरॉयड हॉर्मोन (25 (ओएच) विटामिन डी सहित) की मात्रा मापने के लिए कई मान्य रीएजेंट विधि प्रोटोकॉल्स लागू, परीक्षित और अंत में चयनित और मानकीकृत किए गए।

वर्तमान में, हम परिणामों की तुलना के लिए हमारे मान्य अभिकर्मक विधि प्रोटोकॉल और पारंपरिक आरआईए का उपयोग करके एचपीएलसी-एमएस/ एमएस नामक दोनों तरीकों का उपयोग करते हुए रोगी के नमूनों में स्टेरॉयड हॉर्मोन का परीक्षण मापने की प्रक्रिया में हैं।

जैव रासायनिक जांच

संख्या	**जांच**	**नमूनों की संख्या**
1	रक्त ग्लूकोज	14819
2	ग्लाइसेटिड हीमोग्लोबिन (एचबीए1सी)	14612
3	यूरिन पीएच	324
4	ओस्मोलेलिटी (यूरिन एवं सीरम)	1040
5	लिपिड प्रोफाइल	5285
	कुल परीक्षण	**36080**

विशेषज्ञता क्लीनिक:

(क) शनिवार को डायबिटीज ऑफ यंग (डीओवाई) क्लिनिक

(ख) सोमवार दोपहर को बाल चिकित्सा और किशोर एंडोक्राइन क्लिनिक (पीएईसी)

(ग) शुक्रवार सुबह गर्भावस्था डायबिटीज मेलिटस (जीडीएम) क्लिनिक

(घ) सामुदायिक सेवाएं/ शिविर।

विभाग नियमित रूप से मोटापा, पीसीओएस, मधुमेह और थायरॉइड विकारों पर विशेष जागरूकता और स्क्रीनिंग कार्यक्रमों के लिए शिविरों को आयोजित करता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. निखिल टंडन को महानिदेशक, डब्ल्यूएचओ द्वारा 13वें जनरल प्रोग्राम ऑफ वर्क (जीपीडब्ल्यू 13) की मापन और प्रभाव रूपरेखा समिति, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में सेवा देने के लिए नामित किया गया; वे, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, नई दिल्ली के सदस्य नामित किए गए; वेलकम ट्रस्ट की वैश्विक स्वास्थ्य परीक्षण समिति के सदस्य; एनआईएन, हैदराबाद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष; वैज्ञानिक पत्रिका 'ग्लोबल हेल्थ, एमिडिमियोलॉजी एंड जीनोमिक्स' के एसोसिएट एडिटर; मधुमेह और सीकेडी दिशानिर्देश: कार्य समूह के के.डी.आई.जी.ओ. उपचार के सदस्य; 'फोकस' अध्ययन के ग्लोबल पैनल के सदस्य के रूप में नामांकित; सदस्य, शासी निकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ध्रुवीय विज्ञान कार्यक्रम (एनसीपीपी), अंटार्कटिका के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य के रूप में नामित; सदस्य, शासी निकाय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, मुनिरका, नई दिल्ली; 38वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान अंटार्कटिका (आईएसईए), गोवा के लिए चिकित्सा अधिकारियों के चयन की चयन समिति के अध्यक्ष; उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई), नई दिल्ली;

सदस्य, संस्थान निकाय (आईबी), शासी निकाय (जीबी), स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) और एम्स, जोधपुर, राजस्थान की स्थायी चयन समिति (एसएससी); एफओसीयूएस (डायबिटिक रेटिनोपैथी आउटकम अध्ययन) - 25 जनवरी, 2020 को मुंबई में आयोजित अन्वेषक बैठक में ग्लोबल एक्सपर्ट पैनल के प्रधान अन्वेषक और सदस्य के रूप में; मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, (पंजाब), के साथ-साथ "एकीकृत ट्रैकिंग, रेफरल, इलेक्ट्रॉनिक निर्णय समर्थन और देखभाल समन्वय (आई-टीआरईएस)' नामक अनुसंधान परियोजना का जिला लॉन्च, कार्यक्रम अधिकारी, कैंसर, मधुमेह, सीवीडी और स्ट्रोक के निवारण और नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम, (पंजाब) और जिला अस्पताल में शहीद भगत सिंह नगर, पंजाब जिला स्वास्थ्य अधिकारी; पीएचडी विद्यार्थी, दिल्ली विश्वविद्यालय के सह-पर्यवेक्षक; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) सर्टिफिकेट कोर्स इन एविडेंस बेस्ड डायबिटीज मैनेजमेंट (सीसीईबीडीएम), साइकल - VI के राष्ट्रीय विशेषज्ञ। पीएचएफआई ने मई 2019 से एक संयुक्त प्रमाणन कार्यक्रम के रूप में पीएचएफआई और डॉ. मोहन की डायबिटीज एजुकेशन एकेडमी (डीएमडीईए) द्वारा विकसित और कार्यान्वित उपरोक्त कार्यक्रम शुरू करने का काम किया है; उन्हें, वैज्ञानिक और कार्यक्रम सलाहकार समिति, स्वास्थ्य अनुसंधान और विकास केंद्र, सोसायटी फॉर एप्लाइड स्टडीज, नई दिल्ली का अध्यक्ष नामित किया गया; डब्लयूएचओ-एसईएआरओ द्वारा दक्षिण पूर्व एशिया एनसीडी क्षेत्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनसीडी-आरटीएजी) में आमंत्रित किया गया; वे डीएम (एंडोक्रिनोलॉजी) प्रैक्टिकल परीक्षा, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में बाहरी परीक्षक रहे; वे भारतीय विज्ञान अकादमी (आईएएससी) परिषद के सदस्य रहे; मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एमआरसी), लंदन, यूके के लिए आवेदनों की समीक्षा करने के लिए गठित अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति के सदस्य रहे; 8वें अंतर्राष्ट्रीय बावर्ची सम्मेलन में "फ्रीडम फ्रॉम ट्रांसफ़ैट" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की; मुंबई में 18 और 19 मई, 2019 को आईसीएमआर द्वारा आयोजित ऑस्टियोपोरोसिस एसेंशियल कोर्स, 2019 में संकाय सदस्य रहे; राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), बेथेस्डा, यूएसए के लिए आईसीएमआर प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और भारत-अमेरिका मधुमेह अनुसंधान संयुक्त संचालन समिति के सदस्य रहे; इंडिया डिसेमिनेशन समिट में डायविटिक रेटिनोपैथी और रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमच्यूरिटी के कारण परिहार्य अंधेपन के निवारण हेतु क्वीन एलिजाबेथ डायमंड जुबली ट्रस्ट की पायलट परियोजना में शामिल; फैलोशिप स्क्रूटनी समिति की बैठक, एनएएसआई, प्रयागराज (इलाहाबाद) में विशेषज्ञ सदस्य रहे।

प्रो. रविंदर गोस्वामी एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म विभाग के लिए एम्स, जोधपुर की स्थायी चयन समिति (2 मई 2019) के विशेषज्ञ रहे; टाइप-1 डायबिटीज मेलिटस में प्लास्मासाइटॉइड डेंड्राइटिक कोशिकाओं और मोनोसाइट्स के सक्रियण में बीटा-सेल रीलीज्ड अलार्मिन अणुओं की भूमिका विषय पर पीजीआई चंडीगढ़ में पीएचडी वाइवा के संचालन के लिए बाहरी परीक्षक रहे (सितंबर 2019); एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ 226014 में एंडोक्रिनोलॉजी विषय में डीएम एक्जिट प्रायोगिक परीक्षा के लिए परीक्षक (9 और 10 दिसंबर 2019) रहे; एम्स, भोपाल में एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म विभाग में संकाय पदों की भर्ती के लिए गठित स्थायी चयन समिति के पैनल में विशेषज्ञ (19 दिसंबर 2019) रहे; एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, एम्स, ऋषिकेश में संकाय सदस्यों के चयन के लिए विशेषज्ञ (14 और 15 जुलाई 2019 और 4 मार्च 2020) रहे; पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में पीएचडी विषय "इवैलुएशन ऑफ गट

माइक्रोबायोटा एंड जेनेटिक प्रीडिस्पोजीशन टु टाइप 2 डायबिटीज इन इंडियन पॉपुलेशन पर पीएचडी वाइवा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक (6 मार्च 2020) रहे; सदस्य, टीईसी, मानव आनुवंशिकी और जीनोम विश्लेषण कार्यक्रम' डीबीटी; एम्स, जोधपुर और एम्स गोरखपुर की फैकल्टी स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए विशेषज्ञ; सीएसआईआर में चिकित्सा परियोजनाओं के लिए परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य, 2015 से अब तक; सदस्य, फैलोशिप चयन समिति, भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर (2018-2020); केंद्रीय कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) की कोर समिति के सदस्य; डीन अनुसंधान समिति (डीआरसी) एम्स, नई दिल्ली के सदस्य; एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में संकाय-सदस्यों के चयन के लिए विशेषज्ञ; आईसीएमआर के तहत कार्य करने वाले संस्थानों के लिए आईसीएमआर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य रहे।

प्रो. राजेश खड़गावत ने अपने उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए ईसीटीएस ईस्ट-मीट्स-वेस्ट अवार्ड 2019 प्राप्त किया, जिसे दिनांक 11-14 मई 2019, बुडापेस्ट, हंगरी में आयोजित ईसीटीएस की 46वीं वार्षिक कांग्रेस में प्रस्तुति हेतु स्वीकार किया गया; उन्होंने लद्दाख के लेह में दिनांक 29 सितंबर-6 अक्टूबर 2019 तक आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया; संकाय-सदस्य - राजस्थान लोक सेवा आयोग, यूपीएससी, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलियरी साइंसेज (आईएलबीएस), पीजीआई, रोहतक, एम्स-जोधपुर, भुवनेश्वर, रायपुर के चयन के लिए विषय-विशेषज्ञ रहे; झंडू स्वास्थ्य अनुसंधान, कोलकाता की वैज्ञानिक परिषद के सदस्य रहे; विशेषज्ञ, राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार; एंडोक्रिनोलॉजी बाहरी विशेषज्ञ, जापान एंटी-डोपिंग एजेंसी (जेएडीए); "बोर्ड ऑफ मेंबर्स (बीओएम), राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस), जयपुर" में 3 साल की अवधि के लिए शामिल रहे; सदस्य, एसएई- डैथ कमेटी, डीसीजीआई; सदस्य, विषय-विशेषज्ञ समिति (एंडोक्रिनोलॉजी), डीसीजीआई नई दिल्ली; विषय विशेषज्ञ, भारतीय चिकित्सा परिषद; एनआरएस मेडिकल कॉलेज, कोलकाता, श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के लिए डीएम परीक्षक रहे।

प्रो. विवेक पी. ज्योत्स्ना जीएच अपडेट बाल चिकित्सा एंडोक्राइन सम्मेलन, अप्रैल, 2019 में वक्ता रहीं; कैंडिडेट प्रेजेंटर डॉ. सौरव काठिवाड़ा के डीएम थीसिस कार्य पर सर्वश्रेष्ठ मंच शोधपत्र प्रस्तुति पुरस्कार - दूसरा पुरस्कार ईएसआई सम्मेलन 22 नवंबर 2019; दिनांक 22 और 29 नवंबर 2019 को संसद में सांसदों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया; गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के लिए डीएम एंडोक्राइन बाहरी परीक्षक रही, दिनांक 9 दिसंबर 2019; आरएसएसडीआई, यूपी कॉन 2 फरवरी 2020 के लिए आमंत्रित वक्ता रही।

डॉ. अल्पेश गोयल को नैदानिक अनुसंधान के लिए संस्थान दिवस समारोह (25 सितंबर 2019) को श्री मोहन लाल विग मेडल - 2018 से सम्मानित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. रविंदर सिंह, मेयो क्लीनिक रोचेस्टर, यूएसए ने 15 नवंबर 2019 (शुक्रवार) को विभाग का दौरा किया और एक व्याख्यान दिया।

9.12. न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुधीर गुप्ता

आचार्य

डी एन भारद्वाज   ओ.पी. मूर्ति   मिल्लो टेबिन

संजीव लालवानी (ट्रॉमा केंद्र)   आदर्श कुमार (ट्रॉमा केंद्र)

अपर आचार्य

चित्तरंजन बेहरा

सह-आचार्य

कुलभूषण प्रसाद   अभिषेक यादव

वैज्ञानिक-1

निधि शर्मा

रसायनज्ञ

ए.के. जायसवाल

विशिष्टताएं

विभाग भारत में जटिल चिकित्सा-विधिक समस्याओं के लिए शीर्ष निर्देशपरक सेवा केंद्र है। विभाग विभिन्न राज्यों के सीबीआई, एनआईए, एनएचआरसी, न्यायालयों और अपराध शाखा द्वारा भेजे गए मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान कर रहा है। यह चिकित्सा-विधिक शव परीक्षा, एमएलसी मृत्यु होने पर शव लेप, नैदानिक न्याय चिकित्सा सेवाओं, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, निर्दिष्ट चिकित्सा-विधिक मामलों और न्यायालय संबंधी कार्यों में विशेषज्ञ के रूप में राय देने संबंधी कार्यों में संलग्न है। विभाग द्वारा तीन प्रयोगशाला सेवाएं - टॉक्सिकोलॉजी, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और हिस्टोपैथोलॉजी तथा फोरेंसिक रेडियोलॉजी, फोरेंसिक एंथ्रोपोलॉजी और फोरेंसिक बायोकेमिस्ट्री के रूप में तीन सहायता सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। विभाग द्वारा **2490** चिकित्सा विधिक शव परीक्षाएं आयोजित की गई और अदालतों से प्राप्त **532** सम्मनों पर कार्य किया गया।

विभाग ने कई नैदानिक विभागों के लिए कैडेवरिक कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा प्रदान की है। देश में अपनी तरह का पहला अत्याधुनिक गंधहीन शवगृह, स्थापित किया गया है। विभाग को आईसीएमआर से "सेंटर ऑफ एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस इन वर्चुअल ऑटोप्सी" के विकास के लिए अनुदान प्राप्त हुआ है और इस सुविधा के विकास के लिए काम चल रहा है। बायोइंफॉर्मेटिक्स टूल और तकनीकों का उपयोग करके "डेवलपमेंट ऑफ डी.एन.ए. डेटाबेस एंड आइडेन्टीफिकेशन पोर्टल फॉर अनआइडेन्टीफाइड डेड बॉडीज़ ऑटोप्साइड एट एम्स, न्यू दिल्ली" नामक आईसीएमआर वित्त पोषित टास्क

फोर्स परियोजना को कार्यान्वित किया जा रहा है। कुल नौ विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं और चार पूरी हो चुकी हैं। एक सहयोगी परियोजना पूरी हो चुकी है और सात जारी हैं।

शिक्षा

विभाग में 10 स्नातकोत्तर (एमडी) विद्यार्थी और एक पीएचडी विद्यार्थी नामांकित हैं। विभाग पूरे भारत के अन्य विश्वविद्यालयों के बीएससी, एमएससी और एमडी विद्यार्थियों को डीएनए-फिंगरप्रिंटिंग तथा मेडिकल विष विज्ञान में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विभिन्न विश्वविद्यालयों के पांच विद्यार्थियों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया। विभाग ने एनआईए अधिकारियों के लिए "अंडरस्टेंडिंग मेडिकोलीगल कॉम्पोनेंट ऑफ फोरेंसिक साइंस" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

सीएमई/ कार्यशाला/ संगोष्ठी/ सम्मेलन: बलात्कार और यौन शोषण पीड़ितों को न्याय दिलाने में फोरेंसिक डीएनए की भूमिका' पर 'एम्स-ओगिल्वी' संगोष्ठी, 17 जुलाई 2019

प्रदत्त व्याख्यान

डी एन भारद्वाज: 1	**आदर्श कुमार: 11**	**चित्तरंजन बेहरा: 2**
अभिषेक यादव: 3	**ए.के. जायसवाल: 1**	

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 18 (दूसरा सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार; सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार; 2 सर्वश्रेष्ठ संकाय मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अग्रिम अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र में वर्चुअल शव परीक्षा, सुधीर के. गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 5 करोड़ रुपये
2. कार्य बल परियोजना - एम्स, नई दिल्ली में जिन अज्ञात शवों की शव-परीक्षा की गई, उनके लिए जैव सूचना-विज्ञान उपकरण और तकनीकों का उपयोग करके डीएनए डेटाबेस और पहचान पोर्टल का विकास, चित्तरंजन बेहरा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 1.36 करोड़ रुपये
3. मातृ वंश के लिए माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए परीक्षण के महत्व का अध्ययन करना, निधि शर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये

पूर्ण

1. भारतीय जनसंख्या में पूर्ण आत्महत्या से जुड़े एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपताओं का जैव सूचना-विज्ञान संबंधी और इन-विट्रो मूल्यांकन, चित्तरंजन बेहरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 69.11 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय जनसंख्या में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन जीन पॉलीमॉर्फिज्म का आनुवंशिक संबंध
2. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा-विधिक शव परीक्षण के दौरान एकत्र किए गए सुसाइड नोट का सामग्रीगत और भाषाई विश्लेषण
3. एंटेमॉर्टम और पोस्टमॉर्टम इलेक्ट्रोक्यूशन बर्न मार्क का सकल, हिस्टोलॉजिकल और इलेक्ट्रॉन-माइक्रोस्कोपिक अध्ययन
4. आरटी पीसीआर द्वारा मानव डीएनए का मात्रात्मक और गुणवत्ता आकलन।
5. गर्दन पर घातक दबाव के कारण होने वाली मृत्यु के मामलों में गर्दन की भीतरी चोटों का रेडियोलॉजिकल अध्ययन
6. एंथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल तकनीकों का उपयोग करके हाइयॉड बोन से यौन द्विरूपता और अनुमानित आयु प्रमाणित करना
7. गर्दन पर घातक दबाव के कारण होने वाली मौत के मामलों में हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा निष्कर्ष सहित पारंपरिक शव परीक्षण की तुलना में सीटी स्कैन और डिजिटल एक्स-रे आधारित वर्चुअल ऑटोप्सी
8. मौत के विभिन्न कारणों में सीटी स्कैन और डिजिटल एक्स-रे आधारित वर्चुअल शव परीक्षा और हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा सहित पारंपरिक शव परीक्षा का तुलनात्मक अध्ययन
9. कार्डिएक ऑरिजिन से हुई अचानक मौत में वर्चुअल ऑटोप्सी निष्कर्ष बनाम पारंपरिक ऑटोप्सी निष्कर्ष

पूर्ण

1. हृदय संबंधी संदिग्ध मौतों के मामलों में कार्डियक मार्करों, संपूर्ण निष्कर्षों और हृदय में हुए हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों का अध्ययन
2. कोहनी और कलाई के जोड़ों के आसपास एपिफ़िशियल यूनियन के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा **1-18** वर्ष की आयु के बीच आयु का अनुमान
3. एम्स नई दिल्ली के शवगृह में रिपोर्ट किए गए सड़क यातायात दुर्घटना के मामलों में शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की स्क्रीनिंग
4. दम घुटने से हुई मौतों में लिगेचर और कंप्रेसिंग मैटेरियल फाइबर की खोज, संग्रहण, पहचान और तुलना

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. रोटरी अल्ट्रासोनिक बोन ड्रिलिंग मशीन प्रोटोटाइप का विकास, आईआईटी - दिल्ली और पैथोलॉजी
2. जुड़वा बच्चों के बीच रिज विशेषताओं में भिन्नता की सीमा का अध्ययन करना और उनकी फिंगरप्रिंट विशेषताओं का उपयोग करते हुए लिंग का निर्धारण करना, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, केएमसी, मणिपाल

3. मण्डी, हिमाचल प्रदेश की ब्राहमण और राजपूत आबादी में कान और नाक के मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन - फोरेंसिक मानव-वैज्ञानिक जांच, नृविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
4. आत्महत्या से होने वाली मौतों में न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ग्लाइन सक्रियण की भूमिका: मानव के पोस्टमॉर्टम मस्तिष्क का अध्ययन, एनाटॉमी
5. अचानक हृदयगति रुकने से होने वाली मौत का रूपात्मक और आनुवंशिक मूल्यांकन, पैथोलॉजी
6. केडेवरिक कशेरुक में रीढ़ की हड्डी को फिक्स करने के लिए की गई शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं की जैव रासायनिक स्थिरता का अध्ययन, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग
7. युवाओं में अचानक हृदयगति रुकने से होने वाली मृत्यु: कारण की पहचान के लिए शव परीक्षा और आणविक अध्ययन, पैथोलॉजी

पूर्ण

1. फाइब्रिलिन **1** जीन उत्परिवर्तन और म्यूकोइड बाहयकोशिकीय मैट्रिक्स संचय (एमईएमए), सहित वक्ष महाधमनी के ऐन्यूरिज़्म में टीजीएफ बीटा की भूमिका, पैथोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 32

रोगी उपचार

क. आपातकालीन सेवाएं:

विभाग, दिल्ली के दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी जिले के लिए चोट, यौन अपराधों, जहरखुरानी आदि जैसे मामलों में चौबीसों घंटे चिकित्सा-विधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

ख. शवागार सेवाएँ

शवागार में कुल **2490 (1623 + 867-जेपीएनएटीसी)** चिकित्सा-विधिक शव परीक्षण किए गए।

ग. नैदानिक फोरेंसिक चिकित्सा

जांच अधिकारी द्वारा लाए गए और अदालत द्वारा भेजे गए पोटेंसी और अन्य मेडिको-लीगल जांच के कुल **513** मामले विभाग द्वारा निपटाए गए। सीबीआई के कुल **37** मामलों को विभाग के मेडिकल बोर्ड द्वारा निपटाया गया। आपातकालीन विभाग आदि से भेजे गए मामलों सहित कुल **374** जटिल मामलों में अनुवर्ती राय दी गई।

घ. सम्मन

विभाग के डॉक्टरों ने दिल्ली और अन्य राज्यों से प्राप्त सम्मन के **532** मामलों में न्यायालय में उपस्थिति दर्ज कराई।

ङ. मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी

एम्स के नैदानिक विभाग से भेजे गए विभिन्न विषों, मेडिकोलीगल मामलों और अकादमिक मामलों में **136** नमूनों के लिए कुल **436** परीक्षण किए गए।

च. **फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी**

विभाग, दक्षिणी और दक्षिण-पूर्व जिले से प्राप्त चिकित्सा-विधिक शव परीक्षण के नमूनों के लिए और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए भी हिस्टोपैथोलॉजी सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस दौरान कुल **218** मामले प्राप्त हुए और **955** नमूने लिए गए।

छ. **शव-संलेपन सुविधा**

विभाग एमएलसी मामलों (पोस्टमॉर्टम मामलों) के लिए शव-संलेपन सुविधा प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल **226** शव-संलेपन किए गए।

ज. **चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनर्प्राप्ति**

नेशनल आई बैंक द्वारा प्रत्यारोपण के लिए कुल **100** कॉर्निया को शवागार में पुनर्प्राप्त किया गया था।

झ. **फोरेंसिक विकिरण विज्ञानी सेवाएं**

विभिन्न चिकित्सा-विधिक और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए **247** मामलों (शव परीक्षण और लाइव - दोनों मामले) में फॉरेंसिक विकिरण विज्ञानी सेवाएं प्रदान की गईं।

ञ. **फोरेंसिक नृविज्ञान सेवाएँ**

अदालतों के साथ-साथ खेल प्राधिकरणों द्वारा भेजे गए **47** मामलों में आयु का आकलन

ट. **डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला**

यह प्रयोगशाला, डीएनए की एसटीआर प्रोफाइलिंग के लिए जेनेटिक एनालाइजर का उपयोग करके विवादित पेरेंटेज परीक्षण के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करती है। (**05** मामले और **17** नमूने)। अज्ञात शवों के नमूने/नमूनों की डीएनए-प्रोफाइलिंग की गई: डीएनए अलगाव, डीएनए का मात्रामापन और नमूना आरयूएनएस (**136** मामले)। डीएनए अलगाव और डीएनए के मात्रामापन हेतु शोध नमूने संसाधित किए गए (**961**-नमूने, रीयल टाइम पीसीआर: **84** प्रतिक्रिया, पीसीआर: **1740** प्रतिक्रिया)।

ठ. **फोरेंसिक जैवरसायन**

नौ शैक्षणिक मामलों में कुल **36** नमूनों का विश्लेषण किया गया।

ड. **सामुदायिक सेवाएं**

विभाग पूरे देश के सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और सरकारी अभियोजकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेता रहता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य आदर्श कुमार को यूक्रेन सरकार द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पदक' से सम्मानित किया गया। उन्हें जनवरी **2020** में अपोलो मेडिकल कॉलेज हैदराबाद में इंडियन ऐकडेमिक फॉरेंसिक मेडिसिन नामक फैलोशिप से सम्मानित किया गया। उन्हें ढाका, बांग्लादेश में **2019** से 2021 के लिए इंडो-पेसिफ़िक एसोसिएशन ऑफ़ लॉ मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में चुना गया। उन्हें **2018-2021** के लिए इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ लीगल मेडिसिन के सहायक राजदूत के रूप में नामित किया गया। वह जापान में दो साल **2018-2020** के लिए एशिया पैसिफिक मेडिकोलीगल

एसोसिएशन (एपीएमएलए) के सदस्य बनाए गए। वह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और केंद्रीय जांच ब्यूरो के मेडिकोलीगल विशेषज्ञ हैं। उन्हें जाल्मा-आईसीएमआर विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) और राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा मूल्यांकनकर्ता के रूप में भी नामित किया गया है। वह, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी के संपादक है। वह एचएसओए जर्नल फॉर फॉरेंसिक, लीगल एंड इंवेस्टिगेटिव साइंसेज (यूएसए), मिस्र के जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज- मिस्र, अडली टिप बुलेटिन- तुर्की और द इजिप्शियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज एंड अप्लाइड टॉक्सिकोलॉजी के लिए अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। वह 'मेडिकोलीगल अपडेट' के एसोसिएट एडिटर और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिकोलीगल प्रैक्टिस के वेब एडिटर हैं। वह इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी जर्नल, कर्नाटक मेडिकोलीगल सोसायटी जर्नल, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, जर्नल ऑफ फॉरेंसिक केमिस्ट्री एंड टॉक्सिकोलॉजी और जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य है।

डॉ. चित्तरंजन बेहरा ने अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ सुसाइडोलॉजी द्वारा बैटन रूज, यूएसए में आयोजित मनोवैज्ञानिक ऑटोप्सी प्रमाणन प्रशिक्षण पूरा किया है। उन्हें संस्थान दिवस प्रदर्शनी के लिए सीएमईटी, एम्स से प्रशस्ति पत्र मिला है। वह पब मैड इंडेक्सेड जर्नल: जर्नल ऑफ इंटरपर्सनल वायलेंस, जर्नल ऑफ एग्रेसन एंड वायलेंट बिहेवियर, जर्नल ऑफ फॉरेंसिक एंड लीगल मेडिसिन के लिए समीक्षक हैं। वह इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी एंड लीगल मेडिसिन, एआरसी जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज, एनल्स ऑफ फॉरेंसिक रिसर्च एंड एनालिसिस, साइंस फेड जर्नल ऑफ फॉरेंसिक्स और जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के सहायक संपादक है।

डॉ. अभिषेक यादव ने दिनांक **3** सितंबर **2019** को डॉ. आर.पी. सेंटर, एम्स द्वारा **34**वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा - **2018** के दौरान, राष्ट्रीय नेत्र बैंक में संकाय प्रभारी मोर्चरी के रूप में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। उन्होंने "फॉरेंसिक साइंस में डीएनए तकनीक" विषय पर एक टॉक शो में भाग लिया, जिसे डीडी साइंस/ इंडिया साइंस, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर प्रसारित किया गया था। उन्होंने बैंकॉक में इंटरएक्टिव शैक्षणिक ज्ञान विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. ए.के. जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी (आईएसआरओएसईटी) की फेलो सदस्यता प्राप्त की।

9.13. जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषण

आचार्य और अध्यक्ष

अनूप सराया

आचार्य

प्रमोद गर्ग | विनीत आहूजा | गोविंद के मखारिया

अपर आचार्य

शालीमार | बैबास्वत नायक

सहायक आचार्य

सौरभ केडिया | दीपक गुंजन

विशिष्टताएं

विभाग ने आठ सीएमई कार्यक्रमों और कई राष्ट्रीय सम्मेलनों एवं रोगी शिक्षा गतिविधियों का आयोजन किया। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा अग्नाशय रोग और आंत रोग के क्षेत्र में दो बार उन्नत अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र के रूप में पुरस्कृत किया गया; 57 वैज्ञानिक शोधपत्र प्रकाशित किए गए। विभाग ने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी, अग्नाशय रोगों, जिगर के रोगों और इनफ्लेमेटरी आंत रोगों के क्षेत्र में उन्नत फैलोशिप कार्यक्रम शुरू किया। विभाग के संकाय सदस्यों, रेजिडेंटों और पीएचडी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार सहित कई पुरस्कार प्राप्त किए। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न जीआई रोगों पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश बनाने की पहल की और समन्वय कार्य किया।

शिक्षा

विभाग द्वारा जठरांत्ररोग विज्ञान में डीएम तथा जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषाहार में पीएचडी के पाठ्यक्रम हेतु नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। विभाग ने स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया। विभाग ने उन्नत फैलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण: पच्चीस डीएम विद्यार्थी; छह पीएचडी विद्यार्थी; एडवांस एंडोस्कोपी, हेपाटोलॉजी, पैनक्रिएटोलॉजी और आईबीडी में चार फेलो

अल्पकालिक प्रशिक्षण: 6

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

1. दिनांक **28** जुलाई **2019** को एम्स, नई दिल्ली में विश्व हैपेटाइटिस दिवस पर सार्वजनिक व्याख्यान।

2. दिनांक 10 और 11 अगस्त 2019 को होटल पुलमैन, एयरोसिटी, नई दिल्ली में 64वीं ईसीसीओ (यूरोपीय क्रोहन और कोलाइटिस संगठन) शैक्षणिक कार्यशाला और सीसीएफआई की मध्य-अवधि बैठक।
3. लिवर रोगों में वर्तमान परिप्रेक्ष्य (सीपीएलडी-2019); दिनांक 5 और 6 अक्टूबर 2019 को एम्स, नई दिल्ली में।
4. ग्यारहवां सतत युवा नैदानिक कार्यक्रम (इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी की ओर से) दिनांक 11 से 13 अक्टूबर 2019 तक चेन्नई में
5. मानेसर, हरियाणा में दिनांक 7-10 नवंबर, 2019 तक देश भर के युवा संकाय सदस्यों के लिए (इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी की ओर से) प्रथम "ट्रेन द ट्रेनर्स प्रोग्राम" संचालित किया।
6. गैस्ट्रोएंटरोलॉजी यंग मास्टर्स (जीवाईएम - 2020); दिनांक 18-20 जनवरी 2020; एम्स, नई दिल्ली में।
7. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 29 जनवरी, 2020 को स्पार्क अनुदान-एम्स-यूसीएल संगोष्ठी।
8. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 15 फरवरी, 2020 को सीलिएक रोग जागरूकता दिवस।

प्रदत्त व्याख्यान

अनूप सराया: 8	**प्रमोद गर्ग: 5**	**विनीत आहूजा: 17**
शालीमार: 12	**बी नायक: 5**	**सौरभ केडिया: 4**
दीपक गुंजन: 2		

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 26

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पुराने अग्नाशयशोथ में सार्कोपेनिया: सार्कोपेनिया के लिए जिम्मेदार आणविक तंत्र तथा हेतुविज्ञान कारकों का महामारी विज्ञान, निदान और मूल्यांकन, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-22, 78 लाख रुपये
2. अग्नाशय एडेनोकार्सिनोमा के रोगजनन में जीन-विनियमन और प्रतिरक्षाविज्ञानी मार्कर्स की भूमिका, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-21, 41 लाख रुपये
3. तीव्र अग्नाशयशोथ में होम बेस्ड ब्लेंडराइज्ड फॉर्मूलेशन: एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (5/9/1178/2018-न्यूट.), अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-21, 39 लाख रुपये
4. अग्नाशय के कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएन मध्यस्थतायुक्त मॉड्यूलेशन की भूमिका, अनूप सराया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-21, 59 लाख रुपये

5. अग्नाशय के रोगों में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, प्रमोद गर्ग, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-24, 500 लाख रुपये
6. 'कैंसर मृत्यु दर न्यूनीकरण' पर संयुक्त केंद्र, प्रमोद गर्ग, इंडो यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम, 3 साल, 2018-20, 38 लाख रुपये
7. अल्सरेटिव कोलाइटिस में गट माइक्रोबायोटा से व्युत्पन्न मेटाबोलाइटिस के माध्यम से आंतों की उपकला मूल कोशिकाओं की एपिजेनेटिक रिप्रोग्रामिंग, विनीत आहूजा, डीएसटी-एसईआरबी, 3 साल, 2020-23, 56 लाख रुपये
8. स्वास्थ्य एवं शोथ आंत रोग में आंत मूल कोशिका के गट माइक्रोबायोम-रेगुलेटर्स, विनीत आहूजा, एमएचआरडी-स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबरेशन (एसपीएआरसी), 2 वर्ष, 2019- 21, 46 लाख रुपये
9. आंतों के रोगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, विनीत आहूजा, आईसीएमआर, 5 साल, 2019-24, 500 लाख रुपये
10. भारत में क्रोहन रोग: एक देश में बहु-केंद्रीय अध्ययन जहां आंतों की टीबी के साथ-साथ जॉह्न की बीमारी एंडेमिक है, विनीत आहूजा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016-19, 42 लाख रुपये
11. मध्यम से गंभीर तौर पर सक्रिय क्रोहन रोग से पीडित व्यक्तियों में रीमिशन के इंडक्शन एवं रख-रखाव में फिल्गोटिनिब की प्रभावकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए संयुक्त चरण 3, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, विनीत आहूजा गिलियड साइंस, 3 वर्ष, 2018-21, 16 लाख रुपये
12. मध्यम से गंभीर तौर पर सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस से पीडित व्यक्तियों में रोग के घटाव को शुरू एवं बनाए रखने में फिल्गोटिनिब की प्रभावकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए संयुक्त चरण 2बी/3, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, विनीत आहूजा, गिलियड साइंस, 3 वर्ष, 2018-21, **6** लाख रुपये
13. अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग में एन्टीवियो (विडोलिज़ुमाब IV) विस्तारित ऐक्सेस कार्यक्रम, विनीत आहूजा, फार्मास्यूटिकल उत्पाद विकास, 3 साल, 2016-19, 5 लाख रुपये
14. रोगजनन में लिपोलाइटिक हेलिकोबैक्टरी पाइलोरी एंजाइम और उनकी संभावित भूमिका, विनीत आहूजा, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-20, 56 लाख रुपये
15. क्रोहन रोग और आईटीबी में मैक्रोफेजिस की जन्मजात इनफ्लेमेटरी क्षमता का अध्ययन करना, विनीत आहूजा, डीएसटी-एसईआरबी, 3 साल, 2017-20, 27 लाख रुपये
16. पेरिऐनल फिस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग से पीडित व्यक्तियों में स्टैमपेसेल® (वयस्क मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न, कल्चरड, पूलड, ऐलोजेनिक मेजेन्काइमल स्ट्रोमल सैल्स) के लोकल एडमिनिस्ट्रेशन की सुरक्षा एवं प्रभावकता का मूल्यांकन करने के लिए ओपन लेबल, एकल-बाहु, अन्वेषक द्वारा आरंभित चरण I / II अध्ययन, विनीत आहूजा, स्टेमथियोपेटिक्स, 1 वर्ष, 2019-20, 8 लाख रुपये
17. सीलिएक रोग पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग-कंसोर्टियम, गोविंद के मखारिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-20, 359 लाख रुपये

18 इरीटेबल आंत्र सिंड्रोम से ग्रसित और गैर-सीलिएक लस संवेदनशीलता से ग्रसित रोगियों में पूर्ण गट एवं आंत्रीय मेटाजीनोम तथा लस मुक्त आहार का प्रभाव, गोविंद के मखारिया, डीएसटी, 3 साल, 2018-21, 61.7 लाख रुपये

19. भारत-अमेरिका संयुक्त नेटवर्क सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन सीलिएक डिजीज, गोविंद के मखारिया, इंडो यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम, 3 वर्ष, 2017-20, 43 लाख रुपये

20. कम इम्यूनोजेनिक ग्लूटेन वाले गेहूं के विकास के लिए खोज, गोविंद के मखारिया, आईसीएआर, 5 साल, 2015-20, 46 लाख रुपये

21. भारत की सगोत्र अथवा सजातीय विवाहितों की आबादी में मानव माइक्रोबायोम पहल, गोविंद के मखारिया, डीबीटी, 2 वर्ष, 2020-22, 106 लाख रुपये

22. सोफोसबुविर आधारित उपचार करा चुके क्रॉनिक हेपेटाइटिस-सी ग्रसित रोगियों में प्रतिरोधक सहयुक्त वैरिएंट्स (आरएवी) का अध्ययन करना, शालीमार, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017-20, 44 लाख रुपये

23. सीआरआईएसपीआर/सीएएस13ए प्रणाली का उपयोग करते हुए वायरल डीएनए की पहचान के लिए एक कम लागत वाले नौदानिक मंच का विकास, शालीमार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-21, 24 लाख रुपये

24. भारतीय रोगियों में बड चैरी सिंड्रोम/ यकृत शिरापरक बहिर्वाह पथ अवरोध का आनुवंशिक आधार, शालीमार, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-22, 72 लाख रुपये

25. नवीन बायोमार्करों का मूल्यांकन करने वाला एक बहुकेन्द्रीय नैदानिक अध्ययन: तीव्र-जीर्ण जिगर विफलता से ग्रसित रोगियों में डाइमिथाइलार्जिनिन्स और इस्केमिया-संशोधित एल्ब्यूमिन, शालीमार, एसपीएआरसी, 2 वर्ष, 2019-21, रुपए 74 लाख

26. बहु-ओमिक्स एप्रोच का उपयोग करते हुए चरण-विशिष्ट गैर-एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग के निदान के लिए अद्वितीय विभेदक लक्षणों की पहचान करना: एक पायलट अध्ययन, शालीमार, एम्स-टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रुपये

27. क्रोनिक लिवर रोग के रोगियों में हैपेटोकार्सिनोजेनेसिस के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए तरल बायोप्सी, बी. नायक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 49.5 लाख रुपये

28. हेपेटाइटिस सी वायरस से संक्रमित रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को समझने के लिए रिवर्स जेनेटिक आधारित पुनःसंयोजक न्यूकैसल रोग वायरस मॉडल का विकास, बी नायक, डीबीटी-एनईआर, 3 साल, 2017-20, 28 लाख रुपये

29. अल्कोहल-प्रेरित लिवर डिजीज (एएलडी) में सीडी-14 जीन विविधता और सह-रुग्ण स्थिति में एल्कोहल पैंक्रियाटाइटिस (एएलपी) तथा सीडी14-एलबीपीएस-टीएलआर4 कॉम्प्लेक्स से संबद्ध पोलिमॉर्फ़िज्म और एमडी2 अणु के मध्य संबंध, बी नायक, डीएसटी, 3 साल, 2017-20, 27 लाख रुपये

30. ग्रामीण सामुदायिक वातावरण में रहने वाले व्यक्तियों के स्वस्थ गट फ्लोरा में एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन का प्रसार, सौरभ केडिया, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपये

31. अल्सरेटिव कोलाइटिस से ग्रसित रोगियों में आंतों की बायोप्सी और रोग की गंभीरता में केवी1.3 पोटेशियम चैनल प्रकटीकरण के बीच सहसंबंध, सौरभ केडिया, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 2 लाख रुपये
32. अग्नाशय की सिस्टिक नियोप्लाज्म की सौम्य बनाम घातक किस्म की पहचान करने में माइक्रोआरएनए की भूमिका, दीपक गुंजन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ में आंत की म्यूकोसल क्षति और अंग विफलता एवं मृत्यु दर के साथ उनके संबंध का अध्ययन करना, अनूप सराया, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2015-19, 56 लाख रुपये
2. अग्नाशय कैंसर के विकास के जोखिम का सामना करने वाले पुरानी अग्नाशयशोथ के रोगियों में बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए, अनूप सराया, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2016-19, 91 लाख रुपये
4. सीलिएक रोग के रोगियों द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले लेबल रहित और लेबल-सहित ग्लूटेन-हीन खाद्य पदार्थों, उत्पादों और आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में ग्लूटेन सामग्री का अनुमान, गोविंद के माखरिया, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2018-20, 22,20 लाख रुपये
5. एनएएफएलडी एच.पाइलोरी सह-संक्रमण वाले रोगियों में एच. पाइलोरी उन्मूलन चिकित्सा का प्रभाव: एक पायलट ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, शालीमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-19, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में एक्सक्लूसिव ऐंटरल पोषण के साथ कॉर्टिकोस्टेरॉइड बनाम केवल कॉर्टिकोस्टेरॉइड के सेवन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. पुरानी अग्नाशयशोथ में दर्द के उपचार के लिए सहयोजी वृद्धिशील प्रीगैबलिन थेरेपी बनाम प्लेसीबो का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. एक वर्ष या उससे अधिक के लिए ग्लूटन-मुक्त आहार लेने वाले रोगियों में गैर-प्रतिक्रियाशील सीलिएक रोगों का प्रसार और एटियलजि का मूल्यांकन करना।
4. ग्लूटन मुक्त भोजन और उसके ग्लूटेन युक्त समकक्षों की लागत और पोषण संबंधी संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण।
5. सीलिएक रोग के रोगियों में आंतों की विफलता को परिभाषित करना
6. सीलिएक रोग से ग्रसित भारतीय रोगियों में लस मुक्त आहार के मूल्यांकन के लिए एक उपकरण का विकास और प्रमाणीकरण
7. तीव्र अग्नाशयशोथ से ग्रसित रोगियों में तीव्र हाइपोक्सिमिक श्वसन विफलता में गैर-आक्रामक सकारात्मक दबाव वेंटिलेशन का प्रारंभिक उपयोग
8. तीव्र अग्नाशयशोथ में संक्रमित तीव्र तरल संग्रह की स्थिति में प्रारंभिक बनाम विलंबित त्वचा-प्रवेशी(पर्क्यूटेनियस) ड्रेनेज: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

9. जिगर सिरोसिस वाले रोगियों में सार्कोपेनिया के मापदंडों पर ब्रांच्ड चेन एमिनो एसिडों के पूरक का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंड याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. छोटी आंत्र स्ट्रिक्चरिंग और क्रोहन रोग फिस्चुलाइजिंग में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी की प्रभावकारिता और सहिष्णुता: एक स्तरीकृत आरसीटी
11. सीलिएक रोग की अतिरिक्त छोटी आंत जीआई प्रत्यक्षीकरण
12. पूर्वसूचित तीव्र गंभीर अग्नाशयशोथ में इंट्रावस्कुलर तरल पदार्थ निर्देशित थेरेपी बनाम मानक द्रव चिकित्सा: एक याद्दच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
13. पुरानी गंभीर जिगर विफलता से ग्रसित रोगियों में मेजेन्काइम स्टेम सेल थेरेपी: एक डबल ब्लाइंड, याद्दच्छिक प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण
14. जिगर की पुरानी बीमारी के रोगियों में सीलिएक रोग का संचित प्रसार: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण
15. छोटे कद वाले रोगियों में सीलिएक रोग का संगृहीत प्रसार: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण
16. इन्फ्लैमेटरी आंत्र रोग के रोगियों के बायोलॉजिक्स में प्रतिक्रिया और प्रतिकूल घटनाओं के पूर्वसूचक (प्रीडिक्टर)
17. इन्फ्लैमेटरी आंत्र रोग के रोगियों में सीलिएक रोग का प्रसार
18. पुरानी अग्नाशयशोथ के रोगजनन में प्रतिरक्षा पथों की भूमिका।
19. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और हैपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में तरल बायोप्सी बायोमार्करों की भूमिका
20. पुरानी अग्नाशयशोथ में सार्कोपेनिया: प्रसार, निदान और पूर्वानुमानि मान
21. सहज उपचार की स्थिति में और सीलिएक रोग से ग्रसित लस-मुक्त आहार लेने वाले रोगियों पर सीलिएक रोग की डेंटल मैनिफेस्टेशन का स्पेक्ट्रम
22. सीलिएक रोग के त्वचा संबंधी अभिव्यक्तियों का स्पेक्ट्रम
23. सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस रोगियों में लक्षित उपचार रणनीति: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. आंत के अल्सरो-कंस्ट्रक्टिव रोग में आंतों के तपेदिक को क्रोहन रोग से अलग करने के लिए एक बहु-मापदंडी मॉडल
2. सीलिएक रोग के रोगियों में एलाफिन
3. सीलिएक रोग की अतिरिक्त छोटी आंत जीआई अभिव्यक्तियाँ (मैनिफेस्टेशन)
4. तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में आंतों की पारगम्यता- तंग जंक्शन प्रोटीन की भूमिका और एंटरनल पोषण का प्रभाव
5. इन्फ्लैमेटरी आंत्र रोग (अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन रोग) में विटामिन ए द्वारा मानव प्रतिरक्षा और प्रदाहक प्रतिक्रियाओं का मॉड्यूलेशन

6. लक्षणविहीन स्वस्थ व्यक्तियों में एलिवेटिड ऐलेनिन एमिनोट्रांस्फरेज़ स्तर का प्रसार: उत्तर भारत से समुदाय आधारित अध्ययन
7. सिरोसिस में सार्कोपेनिया का प्रसार और मांसपेशी बायोप्सी में सीरम मायोस्टैटिन और मायोस्टैटिन जीन अभिव्यक्ति के साथ इसका संबंध
8. अग्नाशयी एडिनोकार्सीनोमा के रोगियों में ऑटोफैगी की प्रोग्नॉस्टिक भूमिका
9. बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका और एमटीओआर पाथवे के एचसीसी लक्ष्य भेदन में इसका मॉड्यूलेशन
10. अग्नाशय कैंसर में संकेत पारगमन की माइक्रोआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका
11. पुरानी गंभीर यकृत विफलता वाले रोगियों में सेरेब्रल एडिमा और न्यूरोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों के प्रसार का अध्ययन करना

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. अग्नाशयी सूडोसिस्ट्स का एंडोस्कोपिक बनाम लेप्रोस्कोपिक ड्रेनेज का यादृच्छिक परीक्षण, शल्यचिकित्सा विभाग
2. बायोप्सी इन एडल्ट सीलिएक डिजीज (बायो एसीईडी) - ईएसएससीडी सर्वसम्मति: बहुराष्ट्रीय अध्ययन, पार्तिमेंठो दि मेडिसिना ई चिरुर्जिया, स्कोला मेडिका सालेर्निताना, यूनिवर्सिता दि सालेर्नो, इटली
3. लस मुक्त आहार के प्रति प्रतिक्रियाहीन सीलिएक रोगियों के समूह में दुर्दम्य सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न नैदानिक तौर-तरीकों की तुलना, विकृति विज्ञान
4. यकृत वसा सामग्री और एंजियोग्राफिक कोरोनरी धमनी स्टेनोसिस का सहसंबंध, कार्डियोलॉजी विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल
5. सीआरआईएसपीआर/सीएएस13ए प्रणाली का उपयोग करते हुए वायरल डीएनए की पहचान के लिए कम लागत वाले नैदानिक मंच का विकास, साउथ एशियन यूनीवर्सिटी, नई दिल्ली
6. चूहों में प्रयोगात्मक तीव्र अग्नाशयशोथ के डक्ट बंधाव और एनए-टोरोकोलेट मॉडल पर प्रदाह-विरोधी दवाओं का प्रभाव, जीआई सर्जरी और एनाटॉमी
7. उत्तरी भारत के प्रदाहक आंत्र रोग से ग्रसित रोगियों में आंत माइक्रोबायोम, मायकोबायोम और वायरोम पर शहरीकरण का प्रभाव, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
8. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में फीकल माइक्रोबायोम, शल्यचिकित्सा विभाग
9. भारतीय जनसंख्या में आत्महत्या की प्रवृत्ति के साथ साइटोकाइन का आनुवंशिक संबंध, न्याय चिकित्सा विभाग
10. यकृत फाइब्रोसिस मॉडल में मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त एक्सोसोम की हिपैटिक पुनरूत्पादक क्षमता, स्टेम सैल सुविधा
11. सीलिएक रोग में आंतों के स्टेम सेल, विकृति विज्ञान

12. सीलिएक रोग से ग्रसित रोगियों के एचएलए-डीक्यू2/ डीक्यू8 मैच वाले फर्स्ट डिग्री रिश्तेदारों में रोग संशोधक के रूप में माइक्रोआरएनए, विकृति विज्ञान
13. हैपेटाइटिस ई वायरस के खिलाफ नैनो टेक्नोलॉजी आधारित टीका, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, यूपी
14. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र जठरांत्र संबंधी चोट की व्यापकता, बालचिकित्सा विभाग
15. कोलोरेक्टल कैंसर पैदा करने और उसके उपचार में आंत माइक्रोबायोटा और उनके चयापचयों की भूमिका को समझने के लिए अध्ययन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई), नई दिल्ली

पूर्ण

1. सीलिएक रोग के रोगियों में जिगर का प्रभावित हो जाना: आईजीए/एंटी-टीटीजी सह-स्थानीयकरण तकनीक का उपयोग करते हुए इसका कारण सिद्ध करना, विकृति विज्ञान
2. भारत में अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में सीलिएक रोग की सीरम व्यापकता, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, आईजीएमसी शिमला, हिमाचल प्रदेश
3. प्रदाहक साइटोकाइन्स का आत्मघाती मौतों के साथ संबंध: एक अस्पताल आधारित तुलनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, न्याय चिकित्सा
4. गंभीर जीर्ण जिगर विफलता (एसीएलएफ) के रोगियों में विभिन्न साइटोकाइन्स के पूर्वानुमानित मूल्य का आकलन करना, संक्रामक रोग
5. थायरॉइड डिसफंक्शनिंग का पता लगाने के लिए नैनोपार्टिकल्स आधारित ऐम्पीरोमेट्रिक बायोसेंसर, बायोटेक्नोलॉजी, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, यूपी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 44 **सार: 48** **पुस्तकों में अध्याय: 3**

रोगी उपचार

रुटीन गैस्ट्रोएंटरोलॉजी क्लिनिक (सोमवार से शुक्रवार)

नए मामले: **27593** पुराने मामले: **53048**

विशेष क्लीनिक

क्लीनिक का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी
लिवर क्लीनिक	867	13350
अग्नाशय क्लीनिक	805	3951
आईबीडी और आईटीबी क्लीनिक	884	8698
हस्तेक्षेपी क्लीनिक	391	795
सीलिएक क्लीनिक	102	864

एंडोस्कोपी सेवाएं

प्रोसीज़र

नैदानिक एवं उपचारी एंडोस्कोपी:	17214
नैदानिक एवं उपचारी कोलोनोस्कोपी:	3337
नैदानिक सिग्माइडोस्कोपी:	1817
स्लाइड-दर्शी एंडोस्कोपी:	670
एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपेनक्रियाटोग्राफी (ईआरसीपी):	2150
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं उपचारी):	500
फाइब्रोस्केन:	8954

जीआई मोटिलिटी

- हाई रिजोल्यूशन एसोफेगल मेनोमीटरी: 376
- हाई रिजोल्यूशन एनोरेक्टल मेनोमीटरी: 197
- बायोफीडबैक: 350
- 24 घंटे एंबुलेटरी पीएच मॉनीटरिंग: 7

विभाग में की गई जांच

क्रमांक	जांच का नाम	संख्या
1.	जांच के लिए न्यूक्लिक एसिड आइसोलेशन	4154
2.	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा एचबीवी मात्राकरण	2054
3.	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा एचसीवी मात्राकरण	1134
4.	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	93
5.	लाइन प्रोब असे (एलआईपीए) द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	102
6.	एचईवी डिटेक्शन मात्रात्मक	339
7.	एलिसा द्वारा एचबीएसएजी	1482
8.	एलिसा द्वारा एचबीईएजी	561
9.	एलिसा द्वारा एंटी एचबीई	197
10.	एलिसा द्वारा एंटी एचबीसी टोटल	393
11.	विडास द्वारा एचबीसी आईजीएम	6
12.	एलिसा द्वारा एचएवी आईजीएम	544
13.	एलिसा द्वारा एचईवी आईजीएम	578
14.	एलिसा द्वारा एंटी एचसीवी	1142

15.	आर्टीरियल अमोनिया	645
16.	नेफेलोमेट्री द्वारा आईजीजी 4	14
17.	कोलोरीमेट्री द्वारा डी-ज़ाइलोज	297
18.	ईथर एक्सट्रेक्शन द्वारा फीकल फैट	195
19.	एलिसा द्वारा फीकल इलास्टेज	603
20.	हाइड्रोजन ब्रीथ जांच	111
21.	यूरिवा ब्रीथ जांच	213
22.	एलिसा द्वारा टीटीजी आईजीए	3127
23.	टर्बिडोमेट्री द्वारा सेरुलोप्लाज्मिन	1615
24.	कोलोरोमेट्री द्वारा सीरम कॉपर	837
25.	24 घंटे यूरिनरी कॉपर	663
26.	स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा लिपिड पैरोक्सीडेशन (एमडीए)	120
27.	फ्री रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट पोटेंशियल (एफआरएपी)	40
28.	लैक्टोज	90
29.	मैनिटोल	90
30.	इंसुलिन	113
31.	ग्लूकोज	113
32.	एलिसा द्वारा एचएससीआरपी	113
33.	एपो-ए1	113
34.	एपो-बी	113
35.	फीकल कैलप्रोटेक्टिन	96
36.	टोटल ऑक्सीडेंट स्ट्रेस (टीओएस)	80
37.	टोटल एंटीऑक्सीडेंट स्ट्रेस (टीएएस)	80

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. प्रमोद गर्ग को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत का फेलो नियुक्त किया गया; मनोनीत सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; गैर-संक्रामक रोग प्रभाग, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली हेतु वैज्ञानिक सलाहकार समूह के सदस्य।

प्रो. गोविंद मखारिया को क्लिनिकल रिसर्च कमेटी, वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ऑरगेनाइजेशन (2019-21) के सह-अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया; वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ऑरगेनाइजेशन द्वारा "आहार और आंत" पर वैश्विक दिशानिर्देशों के सह-अध्यक्ष रहे; सीलिएक रोग पर अध्ययन के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन के बोर्ड सदस्य (2015-2019) रहे; काउंसिल मेंबर, एशियन पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (2019-2022); इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के महासचिव (2016-2022); संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, नैदानिक और ट्रांसलेशनल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (अमेरिकल कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी); सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली; जैव सुरक्षा समिति के सदस्य, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू; सदस्य, शैक्षणिक समिति, राष्ट्रीय प्रतिरक्षण संस्थान, नई दिल्ली; सीलिएक रोग पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग कंसोर्टियम के समन्वयक; सीलिएक रोग पर एशियाई प्रशांत कार्य समूह के ग्रुप लीडर रहे; इंडियन मोटिलिटी एंड फंक्शनल डिजीज एसोसिएशन के गवर्निंग काउंसिल सदस्य; प्रदाहक आंत्र रोग पर भारतीय गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टास्क फोर्स सोसायटी के समन्वयक; इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में यंग क्लीनीशियन प्रोग्राम के समन्वयक रहे; उन्होंने गैस्ट्रो-एसोफैगल रिफ्लक्स रोग पर इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया के संयुक्त दिशानिर्देश तैयार किए।

डॉ. बैबास्वत नायक को इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑन्कोलॉजी आईएसओ-आईएसएमपीओ 2019 में सर्वोत्तम मौखिक शोधपत्र और नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया (सोनू कुमार/ डॉ. नायक, पर्यवेक्षक), वायरोकॉन 2020, इंडियन सोसाइटी ऑफ वायरोलॉजी में मौखिक वार्ता पर दूसरा स्थान, (सोनू कुमार/ डॉ. नायक, पर्यवेक्षक), राष्ट्रीय पोस्टडॉक्टोरल फैलोशिप, एसईआरबी (डॉ. गीतांजलि/ डॉ. नायक मेंटर) तथा 24 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में नामित किया गया; नवाचार और ट्रांसलेशन अनुसंधान, आईसीएमआर के लिए समीक्षा और विशेषज्ञ समिति के सदस्य रहे; आईसीएमआर रिसर्च एसोसिएट और सीनियर रिसर्च फैलो के लिए समीक्षक और आईसीएमआर प्रोजेक्ट समीक्षा समिति (डायरिया संबंधी रोगों के लिए) के सदस्य; डीएसटी एसईआरबी, आयुष/सीसीआरएच, आईसीएमआर एसटीएस विशेषज्ञ समूह में एक्स्ट्राम्यूरल वित्तपोषण के समीक्षक रहे; आईसीएमआर आईटीआर (नवाचार ट्रांसलेशन अनुसंधान) समूह और संस्थान जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) के लिए डीबीटी द्वारा नामित सदस्य रहे।

डॉ. सौरभ केडिया को दिनांक 1 सितंबर 2019 से 30 नवंबर 2019 तक टोक्यो मेडिकल और डेंटल यूनिवर्सिटी, टोक्यो, जापान में जापानी सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. दीपक गुंजन ने एशियन पेसिफिक डाइजेस्टिव वीक (एपीडीडब्ल्यू) 2019, कोलकाता में पीओईएम पर हैंड्स-ऑन सेशन का आयोजन किया, सिनर्जी 2020 में पीओईएम पर हैंड्स-ऑन सेशन का आयोजन किया; ईयूएस-ईआरसीपी-पीटीबीडी कनवर्जेंस 2020, मुंबई के लिए नामित सह-आयोजन सचिव; सीपीएलडी 2019, एम्स, नई दिल्ली

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. कंवरपाल सिंह, दिनांक 4 जून 2019 को मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फॉर द साइंस ऑफ लाइट, एर्लांगन, जर्मनी में ग्रुप लीडर रहे।
2. डॉ. अंदुरती एन. दास, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, आशा पोषण, कैलिफोर्निया, यूएसए, दिनांक 14 जनवरी 2020 को।
3. दिनांक 26 फरवरी 2020 को यूके से डॉ. अंजन धर।

9.14. जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष

पीयूष साहनी

आचार्य

सुजॉय पाल | निहार रंजन दाश

सहायक आचार्य

राजेश पंवार | आनन्द नारायण सिंह | सौरभ गलोढ़ा

विशिष्टताएं

विभाग के द्वारा इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी (आई.ए.एस.जी.सी.ओ.एन. 2019) का 29वां राष्ट्रीय सम्मेलन दिनांक 9 से 13 अक्टूबर 2019 तक आयोजित किया गया। 5 दिन तक चले इस सम्मेलन में एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम, छह कार्यशालाएं, एक क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम और 2 दिन का मुख्य सम्मेलन आयोजित किए गए।

शिक्षा

विभाग स्नातक छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। निम्नलिखित विषयों को छठे और आठवें सेमेस्टर में छात्रों को उपचारात्मक व्याख्यान और एकीकृत सेमिनार के माध्यम से पढ़ाए जाते हैं।

हल्का और गंभीर ग्रासनली विकार
ऊपरी जठरांत्रीय रक्तस्राव
तीव्र आंत्रीय रूकावट
छोटी आंत और बड़ी आंत के जलन वाले घाव
आंत्र और यकृत के अमीबिक घाव
पेट का कैंसर
पित्त अवक्षेप
अवरोध के कारण पीलिया
शल्यक रोगियों में पोषण
पोर्टल उच्च रक्तचाप
निचला जठरांत्रीय रक्तस्राव
आंतो का तपेदिक
पित्त की पथरी का रोग और जटिलाएं
पित्ताशय का कैंसर
अग्न्याशय के रोग
पुरानी अग्न्याशयशोथ
तीव्र अग्न्याशयशोथ

विभाग जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एम.सी.एच. हेतु 3 वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभाग में 14 एम.सी.एच. छात्र हैं। विभाग 1 से 3 माह की अवधि वाली अल्पकालीन ऑब्जर्वरशिप भी प्रदान करता है। साप्ताहिक शैक्षणिक गतिविधियों में साप्ताहिक ऑडिट, हाल में प्रकाशित पत्रों के सार पर प्रस्तुति, एक सेमिनार, जर्नल क्लब तथा अनुसंधान व शोध निबंध परियोजना पर चर्चा शामिल हैं। इनके अलावा,

जठरांत्र पर एक संयुक्त सत्र तथा जी.आई. रेडियोलॉजी पर एक सम्मेलन का सप्ताह में एक बार तथा जी.ई.-जी.आई. सर्जरी हिस्टोपैथोलॉजी पर दो सप्ताह में एक बार सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. भारतीय शल्यक जठरांत्ररोगविज्ञान संघ का 29वां राष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली, 9 से 13 अक्टूबर 2019
2. बहुअंग संग्रहण तकनीकों पर शव-संबंधी कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2019
3. आंतों के मिलनस्थल पर शल्यचिकित्सा कौशल कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2019
4. वाहिकाओं के मिलनस्थल पर शल्यचिकित्सा कौशल कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2019
5. एंडोस्कोपी कार्यशाला : प्रारंभिक एवं उन्नत, एम्स, नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2019
6. कार्यशाला : अनुसंधान : विधि एवं सांख्यिकी, एम्स, नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2019
7. शल्यक (वीडियो) कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 10 अक्टूबर 2019

प्रदत्त व्याख्यान

पीयूष साहनी: 75 **सुजॉय पाल: 17** **निहार रंजन दाश: 4**
राजेश पंवार: 6 **आनंद नारायण सिंह: 1** **सौरभ गलोढ़ा : 3**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 20

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. जी.बी.सी. और सूक्ष्म संक्रमण के बीच संबंध की पहचान करने हेतु आणविक प्रोफाइल बनाने / सूक्ष्म विश्लेषण के लिए जैव भंडार से पंजीकृत रोगियों से नैदानिक डाटा (जनसांख्यिकी, उपचार पैटर्न, चिकित्सीय परिणाम) एकत्र करने और पित्त / ऊतक के नमूने इकट्ठा करने के लिए पित्ताशय कैंसर पंजीयन का विकास और कार्यान्वयन, सुजॉय पाल, एम्स, टी.एच.एस.टी.आई. सहयोगी, 3 साल 2019-22, 10 लाख रुपये।
2. घेघा का उच्छेदन बनाम संक्षारण घेघा अवक्षेप का उच्छेदन न करना : एक आर.सी.टी., एन.आर. दाश, एम्स, 2013-2020, 5 लाख रुपये।

3. कोलोरेक्टल कैंसर मूल कोशिकाओं को पृथक करना तथा उनकी आणविक लक्षण वर्णन, सुजॉय पाल, दाश, एम्स, 2015-2020, 25 लाख रुपये।
4. पित्ताशय के कैंसर में एच.आई.पी.ई.सी. की सुरक्षा एवं प्रभावकता, निहार रंजन दाश, एम्स, 3 वर्ष 2016-2019, 5 लाख रुपये।

पूर्ण

1. परिधीय उपांत उच्छेदन तथा मध्यावधि उत्तरजीविता परिणाम को ध्यान में रखकर अग्न्याशय के कैंसर वाले रोगियों में पोस्टीरियर (एस.एम.ए.-प्रथम) दृष्टिकोण बनाम मानक पैनक्रियाटोडूडेनेकटॉमी : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजॉय पाल, एम्स, 5 वर्ष 2013-2018, 5 लाख रुपये।
2. भारत में रिसेक्टिड कोलोरेक्टल कैंसर की आनुवांशिक और आणविक प्रोफाइल तैयार करने हेतु एक प्रारंभिक अध्ययन, सुजॉय पाल, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, 5 लाख रुपये।
3. एक सस्ते स्वदेशी नो-फ्रिल एंटरल फीडिंग पंप का विकास, पीयूष साहनी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2015-2018, 23.85 लाख रुपये।
4. ऐच्छिक जठरांत्र सर्जरी मेंइ क्लोरहेक्सिडीन एल्कोहल बनाम सैवलोन / बीटाडिन बनाकर त्वचा निर्माण पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पीयूष साहनी, एम्स, 5 वर्ष, 2012-18, 1.50 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में ऑपरेशन के आस-पास के समय में स्टेरॉयड रेजिमेन दवा की हल्की खुराक बनाम मानक खुराक का एक यादृच्छिक परीक्षण।
2. गैस्ट्रिक पुल अप और सर्वाइकल ऑसोफैगोगैस्ट्रिक एनास्टोमोसिस के बाद एनास्टोमोटिक सख्ती और रिफलक्स के लक्षणों के विकास पर प्रोटॉन पंप अवरोधक का प्रभाव- एक यादृच्छिक परीक्षण।
3. यकृत प्रतिरोपण की प्रतीक्षा कर रहे वयस्क पुराने यकृत रोगियों (सी.एल.डी.) में सार्कोपेनिया के मूल्यांकन हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन।
4. अंग रोग वाले तीव्र अग्न्याशयशोथ का प्रायोगिक मॉडल
5. गंभीर तीव्र अग्न्याशयशोथ के एक प्रायोगिक मॉडल में अंग रोग पर लक्षित चिकित्सा के प्रभाव का एक अध्ययन।
6. पेनक्रियटीकोडूईटॉमी के रोगियों में पेनक्रियोटोबाइलरी के बाहरी जल निकासी बनाम जल निकासी न करना- एक अग्रदर्शी अध्ययन
7. इसोफेगेक्टॉमी से गुजर रहे रोगियों में नासोजेजुनल टयूब प्लेसमेंट के साथ जेजुनोस्टॉमी खिलाने की तुलना करना- एक अग्रदर्शी अध्ययन

पूर्ण

1. गैस्ट्रिक कैंसर के उपचार में हाइपरथर्मिक इंट्रा पैरिटोनियल कीमोथेरेपी की सुरक्षा एवं प्रभावकता।
2. अल्सरेटिव कोलाइटिस में रोगी द्वारा सूचित परिणामों का मापन : भारतीय तृतीयक उपचार केन्द्रों में समय-सापेक्ष अवलोकन अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोलोरेक्टल कैंसर मूल कोशिकाओं का पृथक्करण तथा आणविक लक्षण वर्णन, जैव रसायन
2. हेपाटाइपिस के बहु-विषाणुओं की पहचान हेतु सिंगलप्लेक्स पी.सी.आर. आधारित जांच का विकास, प्रयोगशाला चिकित्सा
3. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड्स से कैंसर मूल कोशिकाओं का पृथक्करण, पहचान तथा लक्षण-वर्णन, जैव रसायन
4. कोलोरेक्टल कैंसर मूल कोशिकाओं में अलग ढंग से व्यक्त जीन की भूमिका को स्पष्ट करना, जैव रसायन
5. भारतीय आबादी में पित्ताशय की थैली के कैंसर में जीनोमिक्स, विकिरण अर्बुद विज्ञान।

पूर्ण

1. जी.आई. सर्जरी करा रहे बुजुर्ग रोगियों में दुर्बलता का मूल्यांकन, जरा चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 15 **सार : 20** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

ओ.पी.डी.

देखे गए नए रोगियों की कुल संख्या: 3400 देखे गए पुराने रोगियों की कुल संख्या: 7406

विशिष्ट निदानशाला

विभाग स्टोमा रोगियों के लिए एक दैनिक निदानशाला चला रहा हैं।

विशेष प्रयोगशाला सेवाएं

गुदा मैनोमेट्री, ग्रासनलीय मैनोमेट्री, 24 घण्टे की एंबुलेटरी इसोफैगल पी.एच. मॉनिटरिंग, एंडोट्रेनिंग प्रयोगशाला।

भर्ती रोगी

कुल शल्यक क्रियाएं: 627 ऐच्छिक: 467 आपातकालीन: 160

विशेष रूचि वाले क्षेत्र

पित्त बाधा :	90	पोर्टल हाइपरटेंशन :	35
ग्रासनलीय कैंसर :	19	कार्सिनोमा पित्ताशय :	27
अल्सरेटिव कोलाइटिस :	45	अपर जी.आई. हैमरेज :	5
लोअर जी.आई हैमरेज :	10	तीव्र अग्न्याशयशोथ :	21
दीर्घकालिक अग्न्याशयशोथ :	21	पित्त सम्बंधी बाधा :	15
पैनक्रिएटो-ड्यूओडेनेक्टॉमी :	56	यकृत उच्छेदन :	46

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. पीयूष साहनी शिक्षा समिति, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के पूर्व अध्यक्ष और सभापति रहे; इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जनरल एडिटर्स के अध्यक्ष हैं; मेंम्बरशिप कमेटी तथा वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एंडिटर्स के सभापति हैं; संपादकीय मंडल, जनरल ऑफ गैस्ट्रोइंट्सटेनियल सर्जरी (सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ दी एलिमेंट्री ट्रेक्ट की आधिकारिक पत्रिका) तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, सदस्य सर्विसिज़ कमेटी, सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ दी एलिमेंट्री ट्रेक्ट, यू.एस.ए के सदस्य हैं; इंटरनेशनल कमेटी ऑफ मेडिकल जनरल ऐडिटर्स; सदस्य, एथिक्स कमेटी, मेडिकल कांउसिल ऑफ इंडिया के सदस्य हैं; बोर्ड ऑफ स्टडीज़, एम्स भुवनेश्वर के सदस्य हैं; एम्स, नई दिल्ली में 9 से 13 अक्टूबर 2019 को नई दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटोरोलॉजी के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक रहे, वर्ष 2019 के आंध्र प्रदेश राज्य के एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के डॉ.बी. शनमुकेश्वर राव मेमोरियल ओरेशन में व्याख्यान दिया।

प्रो. सुजॉय पाल 20 जून से 24 जून 2019 तक माननीय दलाई लामा के तत्वावधान में हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित समुदायिक स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया; 9 से 13 अक्टूबर 2019 तक एम्स, नई दिल्ली में भारतीय जठरांत्र शल्य चिकित्सा संघ के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के सह-आयोजक; पित्त मुक्त पेपर सत्र (मून्ड वी, पनवर आर., सिंह एन., दाश एन.आर., पाल एस., साहनी पी.) के लिए सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार। 29वें आई.ए.एस.जी. के वार्षिक सम्मेलन, 9 से 13 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली में पोर्टल बाइलियोपैथी में पित्त शल्य चिकित्सा विज्ञान के लघु एवं दीर्घकालिक परिणाम।

प्रो. निहार रंजन दाश को इंडियन ऑस्टोमी सोसाइटी का अध्यक्ष बने रहे तथा इंडियन ऑस्टोमी सोसाइटी की वार्षिक बैठक आयोजित की। वे यूरोपियन रेडियोलॉजी, बी.एम.सी. सर्जरी, बी.एम.सी. केस रिपोर्ट तथा ट्रोपिकल गैस्ट्रोएँटोरोलॉजी के समीक्षक थे। इन्हें जी.आई. सर्जरी में विशिष्टता के साथ संघ लोक सेवा

आयोग, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, जम्मू-कश्मीर के सर्जिकल गैस्ट्रोऐंटोरोलॉजी के लेक्चरर के साक्षात्कार, केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.), प्रश्न इंडिया, आई.सी.एम.आर. गॉल ब्लैडर टास्क फोर्स तथा एम्स, भुवनेश्वर एवं जोधपुर के संकाय चयन हेतु विशेषज्ञ नियुक्त किया गया; 9-13 अक्टूबर 2019 तक एम्स नई दिल्ली में आयोजित भारतीय शल्यक जठरांत्ररोगविज्ञान संघ, नई दिल्ली के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के सह-संयोजक रहे।

9.15. जराचिकित्सा विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए.बी. डे

सह-आचार्य

प्रसून चटर्जी | अविनाश चक्रवर्ती

सहायक आचार्य

विजय कुमार

विशिष्टताएं

स्वीडन की महारानी सिल्विया ने 3 दिसम्बर 2019 को विभाग की स्मृति एवं डिमेन्शिया सेवा का दौरा किया ताकि वे डिमेन्शिया चिकित्सा में अपनी रूचि के अनुसार भारत में प्रदान की जाने वाली डिमेन्शिया चिकित्सा से अवगत हो सकें। विभाग ने एम्स के विभिन्न विभागों द्वारा बुजुर्ग रोगियों को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा का एक तत्क्षण प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

माननीय श्री एम.वेंकैया नायडू, भारत के उपराष्ट्रपति ने 21 दिसम्बर 2019 को अपने कार्यालयी निवास पर प्रसून चटर्जी द्वारा लिखित पुस्तक "हेल्थ एंड वेल बींग इन लेट लाईफ: पर्सपेक्टिव्स एंड नैरेटिव्स फ्रॉम इंडिया" का विमोचन किया।

विभाग ने 19 सितम्बर 2019 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के 10 दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्रीय देशों के प्रतिभागियों हेतु इंटेग्रटेड केयर ऑफ द ओल्डर पर्सन (आईसीओपीई) का सीधा प्रदर्शन आयोजित किया।

विभाग ने 17-18 अगस्त 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में जैव-भौतिकी विभाग के सहयोग से 19वें बाइएनियल कॉनफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ जेंरटोलॉजी (भारत) सम्मेलन का सह-आयोजन किया।

डॉ. ए.बी. डे को 10 जुलाई 2019 से अगले 3 वर्षों के लिए हेल्दी एजिंग पर दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय विशेषज्ञ सलाहकार पैनल का सदस्य नियुक्त किया गया था।

शिक्षा

विभाग भारत में सबसे बड़ा जराचिकित्सा स्नातकोत्तर विभाग है। संस्थानिक शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदरी के अतिरिक्त, विभाग ने प्रति सप्ताह शिक्षण के पांच सत्रों सहित स्नातकोत्तर प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया। कर्नल सुमित भास्कर, आर्मी मेडिकल कोर 1 जुलाई, 2019 से अगले दो वर्षों के लिए दीर्घ अवधि प्रशिक्षु के रूप में विभाग में शामिल हुए। विभाग ने जराचिकित्सा सेवा की स्थापना हेतु कायचिकित्सा विभाग, एम्स, ऋषिकेश के एम.डी. छात्र को ओब्जर्वरशिप प्रदान की।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 19वीं बाइएनियल कॉन्फ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ जेंरटोलॉजी (भारत), 17-18 अगस्त 2019, नई दिल्ली
2. आईसीओपीई का डब्ल्यू.एच.ओ. एसईएआरओ- प्रदर्शन, 19 सितम्बर 2019, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

ए.बी. डे : 12 प्रसून चटर्जी : 5

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर:18

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. लांगिट्यूडनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.आई.) हेतु हार्मोनाईज्ड डायग्नोस्टिक एससमेंट ऑफ डिमेंशिया (डी.ए.डी.), ए.बी. डे, एन.आई.एच. (यूएसए), 5 वर्ष, 2019-2024, रूपये 2201.96 लाख
2. लांगिट्यूडनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.आई.) हेतु हार्मोनाईज्ड डायग्नोस्टिक एससमेंट ऑफ डिमेंशिया (डी.ए.डी.), ए.बी. डे, एन.आई.एच. (यूएसए), 5 वर्ष, 2015-2020, रूपये 528.66 लाख।
3. लांगिट्यूडनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.आई.), ए.बी. डे, एमओएचएफडब्लू, 4 वर्ष, 2015-2019, रूपये 100 लाख।
4. www.oldagessoulutions.org- बुजुर्गों एवं उनके सुविधाप्रदाताओं के लिये एक वेब पोर्टल, ए.बी. डे, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2019-2022, रूपये 47.38 लाख।
5. सारकोपेनिया का अध्ययन: बुजुर्ग उत्तर भारतीय आबादी में निदान हेतु मानकों की स्थापना, व्यापकता एवं जोखिम कारक तथा निवारण उपायों का विकास, ए.बी. डे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रु. 88.25 लाख।
6. भारत में बुजुर्ग व्यक्तियों की सामुदाय-आधारित चिकित्सा हेतु आधारशिला के रूप में बुजुर्ग व्यक्तियों हेतु एकीकृत चिकित्सा (आईसीओपीई) का सत्यापन एवं कार्यान्वयन: एक मार्गदर्शी अध्ययन, ए.बी. डे, डब्लू.एच.ओ., 1 वर्ष, 2019-2020, 10.05 लाख रूपये।
7. एम्स के जराचिकित्सा क्लीनिक में उपचार करा रहे व्यक्तिपरक संज्ञानात्मक क्षति (एस.सी.आई.) वाले बुजुर्ग रोगियों में मल्टीमॉडल हस्तक्षेप (आहार, अभ्यास एवं कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण), प्रसून चटर्जी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 38.52 लाख रूपये।
8. समुदाय बुजुर्ग में गतिशील स्वतन्त्रता पर स्मार्ट नोरडिक वाकिंग प्रशिक्षण का प्रभाव-एक मार्गदर्शी अध्ययन, प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 38.15 लाख रूपये।

9. इंडियन सुपर एजर्स की विशेषताएं- एक संभावित भविष्यदर्शी मॉडल के साथ एक मार्गदर्शी भावी कोहार्ट अध्ययन, प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 61.36 लाख रूपये।
10. सफाई, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य हेतु इन्टरजनरेशनल एंगेजमेंट एंड साइन्स के प्रारूप के प्रति ज्ञान, व्यवहार, बोध तथा चिकित्सा जागरूकता का राष्ट्रीय अध्ययन, प्रसून चटर्जी, डीएसटी, 1 वर्ष, 2019-2020, रु. 21.16 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अति बुजुर्ग व्यक्तियों में कार्यात्मक स्थिति पर नार्डिक वाकिंग प्रशिक्षण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. दुर्दमता से ग्रसित बुजुर्गों में उनके आरम्भिक मूल्यांकन पूर्व-सूचना तथा उपचार के लिए निर्मित एक नवीन पैमाने द्वारा हीमेटोलॉजिकल विकृतियों (मल्टीपल मायलोम) वाले रोगियों का जेरियाट्रिक आंकलन।
3. आयु संबंधी मायोपेथिज में सम्मिलित कारकों के एकीकरण हेतु विशिष्ट स्केलेटल मांसपेशी कोशिका (सेटेलाइट सेल्स) की ट्रांसक्रिम्टोम प्रोफाइलिंग (एमआरएनए/एमआईआरएनए)
4. फेफड़े के कैंसर से पीड़ित जराचिकित्सा रोगियों के आरंभिक मूल्यांकन, पूर्वानुमानकों हेतु नए विकसित स्कैल (स्कोप-सी, संस्करण1) की पुष्टि तथा बुजुर्ग आबादी में फेफड़े के कैंसर के बायोमार्कर के रूप में ट्यूमर सप्रैशर का उपचार एवं संभाव्यता का पता लगाना।
5. एसएआरआई वाली बुजुर्ग आबादी में मृत्यु-दर के पूर्वानुमानक के रूप में नैदानिक दुर्बलता पैमाना - एक भावी अवलोकनात्मक अध्ययन।
6. वृद्धाआश्रम के निवासियों में सार्कोपेनिया पर अवलोकन
7. अति बुजुर्गावस्था में रोग की हाल ही में शुरूआत हेतु अस्पताल में भर्ती के उपरान्त उत्तरजीविता का पूर्वानुमानक
8. भारतीय बुजुर्गों में जैविक उम्र बढ़ने के संकेतक तथा इसके सहसंबंध।
9. संज्ञानात्मक क्षति से ग्रस्त रोगियों के वाहकों में उपचारकर्ताओं का तनाव एवं बोझ
10. जराचिकित्सा आबादी में प्रलाप की घटना एवं व्यापकता तथा इसके सामाजिक -जनसांख्यिकीय, नैदानिक एवं जैवरासायनिक सहसंबंध
11. व्यक्तिपरक संज्ञानात्मक गिरावट वाले रोगियों में बायोमार्कर का अध्ययन
12. वृद्ध व्यस्कों में 6 माह तथा 1 वर्ष के लिए मृत्यु-दर के पूर्वानुमानक के रूप में आईसीटी-बीआरआईईएफ उपकरणों की मान्यता
13. स्मार्ट नोर्डिक वॉकर और स्मार्ट शूज़ के प्रयोगकर्ताओं के संतुलन एवं चाल की प्रोफाइल
14. दुर्दमता वाले बुजुर्गों में एससीओपीई सी संस्करण 1 की मद में कमी एवं उसका सत्यापन
15. बुजुर्गों में संज्ञानात्मक रिजर्व पर अंतर्जन्य शिक्षा का प्रभाव
16. वृद्ध व्यस्कों में सार्कोपेनिक एवं गैर सार्कोपेनिकों में गट माइक्रो बायोटा का अध्ययन

17. 75 वर्ष की आयु एवं उससे ऊपर के व्यक्तियों का गैट विश्लेषण

पूर्ण

1. वृद्धावस्था में स्केलेटल मांसपेशी के पुनर्जनन का अध्ययन।
2. राष्ट्रीय जागरूकता के अध्ययन हेतु स्वास्थ्य संबंधी नीतियों एवं कार्यक्रम जागरूकता प्रश्नावली (एचपीपीएक्यू) का विकास
3. जेरियाट्रिक रोगियों तथा मेडिकल/पैरामेडिकल कर्मियों में वरिष्ठ नागरिकों हेतु स्वास्थ्य चिकित्सा नीतियां तथा कार्यक्रम
4. भारतीय अस्पतालों में दोष का पूर्वानुमान: तीन संकेतकों की तुलना
5. भारतीय बुजुर्गों में न्यूमोकोकल टीके की नैदानिक तथा प्रतिरक्षात्मक प्रभावकता के आकलन हेतु यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रण परीक्षण
6. जराचिकित्सा ओपीडी में जाने वाले भारतीय बुजुर्ग वयस्कों में कार्डियोपल्मोनरी फिटनेस का मात्रात्मक मूल्यांकन।
7. भारतीय बुजुर्गों में दुर्बलता की स्वायत्त कार्यप्रणाली का आकलन।
8. संज्ञानात्मक क्षति हेतु बायोमार्कर के तौर पर बुजुर्ग रोगियों में नवीन प्रोटीन की गणना।
9. भारतीय बुजुर्गों में एक कार्बन चयापचय तथा संज्ञानात्मक क्षति।
10. भारतीय बुजुर्गों में दुर्बलता के नए पैमाने का विकास।
11. बुजुर्गों में आंतरिक क्षमता की एक नैदानिक संरचना की स्थापना।
12. भारतीय बुजुर्ग आबादी में सार्कोपेनिया के बायोमार्कर तथा नैदानिक उपकरण।

प्रकाशन

पत्रिकाएं:12 **सार:1** **पुस्तकों में अध्याय:2** **पुस्तकें:1**

रोगी उपचार

विभाग द्वारा प्रतिदिन ओ.पी.डी. सुविधाएं एवं सप्ताह में एक बार अपराह्न स्मृति निदानशाला उपलब्ध करायी गई। इस वर्ष के दौरान ओ.पी.डी. में रोगियों को 51511(नए व पुराने) परामर्श दिये गए तथा स्मृति निदानशाला में 312 (225 नए तथा 87 पुराने) रोगियों को देखा गया।

विभाग की दिवस उपचार सुविधा से 14969 रोगियों को पुनर्वास सुविधा प्रदान की गई। इस वर्ष के दौरान जराचिकित्सा के अंतर्गत 1623 रोगी भर्ती किए गए।

सामुदायिक सेवा

विभाग के संकाय तथा रेजिडेंट्स ने दिल्ली एन.सी.आर. क्षेत्र के वृद्धाश्रमों में गैर-सरकारी संगठन हेल्दी ऐजिंग इंडिया द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए लगाए गए शिविरों में भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ. प्रसून चटर्जी और डॉ. विजय कुमार ने दूरदर्शन के कई स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लिया तथा वृद्धावस्था संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

डॉ. जोइता बनर्जी को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ जेरियाट्रिक ऑन्कोलॉजी (एसआईओजी), जिनेवा, स्विटजरलैंड द्वारा भारत के राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर ए.बी. डे ने 20 से 21 अगस्त 2019 तक डब्ल्यूएचओ रीजनल ऑफिस फॉर साउथ-ईस्ट एशिया, नई दिल्ली, भारत में आयोजित वृद्ध लोगों के उपचार में चिकित्सकों हेतु प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण मैनुअल की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह परामर्श; पारो, भूटान में एजिंग पर राष्ट्रीय रणनीति के विकास हेतु हिताधारकों को परामर्श, भूटान, 23 से 25 अगस्त 2019; दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र में इंटेग्रटेड केयर फॉर ओल्डर पीपुल (आईसीओपीई) पर डब्ल्यूएचओ बैठक 18-20 सितम्बर 2019, नई दिल्ली, भारत; जिनेवा, स्विट्जरलैंड में 10 से 11 अक्टूबर 2019 को मेट्रिक्स एंड एविडेन्स फॉर हेल्दी एजिंग पर डब्ल्यूएचओ कोन्सोर्टीयम; 14 से 16 अक्तूबर 2019 को वांगड़, भूटान में हेल्दी एजिंग हेतु राष्ट्रीय रणनीति पर हिताधारकों को परामर्श, भूटान; जिनेवा, स्विटजरलैंड में 21 और 22 नवम्बर 2019 को हेल्दी एजिंग पर डब्ल्यूएचओ क्लीनिकल कोन्सोर्टीयम; 16 से 18 दिसंबर 2019 को पुणे, महाराष्ट्र में आईसीओपीई फॉर प्राइमरी केयर फिजिशियन्स पर डब्ल्यूएचओ एसईआरओ प्रशिक्षण कार्यक्रम; हैदराबाद, तेलंगाना में सीएचसी चिकित्सा अधिकारियों हेतु वृद्धों की स्वास्थ्य चिकित्सा पर प्रशिक्षकों का डब्ल्यूएचओ भारत राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में भाग लिया।

डॉ. प्रसून चटर्जी को मार्च 2020 में डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ में एक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने 20 से 21 अगस्त 2019 तक डब्ल्यूएचओ रीजनल ऑफिस फॉर साउथ-ईस्ट एशिया, नई दिल्ली, भारत में आयोजित वृद्ध लोगों के उपचार में चिकित्सकों हेतु प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण मैनुअल की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह परामर्श; 20 से 21 अगस्त, 2019; दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र में इंटेग्रटेड केयर फॉर ओल्डर पीपुल (आईसीओपी) पर डब्ल्यूएचओ बैठक 18-20 सितम्बर 2019, नई दिल्ली, भारत; जिनेवा, स्विटजरलैंड में 21 और 22 नवम्बर 2019 को हेल्दी एजिंग पर डब्ल्यूएचओ क्लीनिकल कोन्सोर्टीयम; 16 से 18 दिसंबर 2019 को पुणे, महाराष्ट्र में आईसीओपीई फॉर प्राइमरी केयर फिजिशियन्स पर डब्ल्यूएचओ एसईआरओ प्रशिक्षण कार्यक्रम; हैदराबाद, तेलंगाना में सीएचसी चिकित्सा अधिकारियों हेतु वृद्धों की स्वास्थ्य चिकित्सा पर प्रशिक्षकों का डब्ल्यूएचओ भारत राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में बतौर मुख्य प्रशिक्षक आयोजन भाग लिया; 2 दिसम्बर 2019 को आईसीएमआर मुख्यालय में डू नॉट अटेम्पट रिसस्सीटेशन (डीएनएआर) पर राष्ट्रीय परामर्शदाता बैठक में भाग लिया एवं पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

9.16. रूधिर विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम. महापात्रा

आचार्य

एस. त्यागी तुलिका सेठ

सहायक आचार्य

ऋषि धवन जस्मिता दास मुकुल अग्रवाल
गणेश कुमार V प्रदीप कुमार

वैज्ञानिक-II

सुमन लता

वैज्ञानिक-I

रवि रंजन रवि कुमार

विशिष्टताएं

- रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स द्वारा संचालित आई.एस.एच.टी.एम.-एम्स बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम को हीमोग्राम हेतु एन.ए.बी.एल. द्वारा आगामी दो वर्षों के लिए पी.टी. प्रदाता के रूप में मान्यता दी गई थी।
- रूधिर विज्ञान विभाग को निरंतर रूप से इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपेरिमेंटल हीमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी क्लिनिक बोन के सहयोग से इंटरनेशल सोसाइटी ऑफ हीमोस्टेसिस एंड थ्रोम्बोसिस द्वारा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का दर्जा प्राप्त है।

शिक्षा

- विभाग द्वारा रूधिर विज्ञान के क्षेत्र में डी.एम. (नैदानिक रूधिर विज्ञान), डी.एम. (रूधिर विकृति विज्ञान) तथा पी.एच.डी. कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। शैक्षिक कार्यक्रम में नियमित सेमिनार, संगोष्ठी, सूक्ष्म-शिक्षण तथा विषय संबंधी चर्चाएं सम्मिलित हैं।
- संकाय-सदस्यों द्वारा विकृति विज्ञान, रूधिर विज्ञान तथा आंतरिक चिकित्सा संबंधी विषयों पर स्नातकपूर्व विद्यार्थियों के लिए थ्योरी एवं प्रैक्टिकल कक्षाएं प्रदान की जाती हैं। बाल-चिकित्सा विभाग में नैदानिक विषय अध्ययनों को पढ़ाया जाता है। एम.डी. (विकृति विज्ञान) के विद्यार्थियों को रूधिर विज्ञान में प्रशिक्षित किया जाता है।
- विभाग द्वारा रूधिर विज्ञान के क्षेत्र में इच्छुक अतिथि चिकित्सकों, स्वास्थ्य सेवा व्यावसायिकों एवं एम.एस.सी. विद्यार्थियों के लिए अल्प-अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

- विभाग द्वारा नैदानिक एवं रूधिर विज्ञान प्रयोगशाला के क्षेत्र में एक चिकित्सक को अन्य संस्थान से प्रत्येक दो सप्ताह के लिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है। इस वर्ष के दौरान 06 एम.एस.सी. विद्यार्थियों को भी प्रत्येक दो माह के लिए अल्प-अवधि रूधिर विज्ञान प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- विभाग ने दिनांक 07-10 नवंबर, 2019 को इंडियन सोसाइटी ऑफ हीमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (हेमाटोकॉन 2019) का 60 वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में 1500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- विभाग द्वारा दिनांक 07 नवंबर, 2019 को तीन कार्यशालाएं भी आयोजित की गई। ये कार्यशालाएं निम्नलिखित विषयों पर थी:
  - सुदम्य रूधिर विज्ञान में फ्लोसाइटोमेट्री
  - थ्रोम्बोफिलिया
  - हीमोफिलिया- पेशीकंकाली

प्रदत्त व्याख्यान

एम.महापात्रा:	**09**	**सीमा त्यागी:**	**01**	**तुलिका सेठ:**	**20**
ऋषि धवन:	**06**	**मुकुल अग्रवाल:**	**12**	**जस्मिता दास:**	**07**
गणेश कुमार V:	**04**				

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर्स : 30

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. गंभीर हीमोफिलिया में सक्रिय प्लेटलेट्स द्वारा नैदानिक फीनोटाइप (समलक्षणी) की गंभीरता को कम करना, एम.महापात्रा, डी.बी.टी., तीन वर्ष, 2019-2022, 8 लाख रूपये।
2. इन्हिबिटर्स वाले हीमोफिलिया बी के लिए एन.एन.7415-4311 एक्सप्लोरर 7, एन.एन.7415-4311, कॉनसीजुमैब लेबल परीक्षण, तुलिका सेठ, नोवो नॉर्डिस्क, तीन वर्ष, 2019-2021, 3.5 लाख रूपये।
3. एक्सप्लोरर 8 एन.एन.7415-4311/4307, तुलिका सेठ, नोवो नॉर्डिस्क, तीन वर्ष, 2019-2021, 3.5 लाख रूपये।
4. राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र के साथ क्षमता निर्माण हेतु भारत 13 बहुकेन्द्रीय परियोजना, तुलिका सेठ, एन.एन.एच.एफ. एक वर्ष, 2019-2020, 14 लाख रूपये।

पूर्ण

1. सामाजिक-पारिस्थितिकीय प्रभाव एवं जनजातीय स्वास्थ्य: भारत में जनजातियों के मध्य थैलासीमिया म्यूटेशन की महामारी विज्ञान संबंधी विविधता पर अध्ययन एवं सामाजिक-पारिस्थितिकीय प्रभावी वस्तुओं का प्रभाव, रेनू सक्सेना, डी.एस.टी., तीन वर्ष, 2017-2020, 4.38 लाख रूपये प्रति वर्ष।
2. भारत में मध्यम एवं गंभीर हीमोफिलिया ए से पीड़ित पूर्व उपचारित रोगियों में रक्त स्राव की घटनाओं का उपचार एवं प्रोफिलैक्सिस के लिए ट्यूरोक्टोकॉगअल्फा की सुरक्षा, तुलिका सेठ, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एक वर्ष, 2018-2019
3. इब्रुटिनिब के माध्यम से उपचारित सी.एल.एल. एवं एम.सी.एल. वाले रोगियों के नैदानिक परिणाम: भारत से प्रेक्षणमूलक पूर्वव्यापी चिकित्सा चार्ट समीक्षा, तुलिका सेठ, सिरोक्लिन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, एक वर्ष, 2018-2019

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय दात्र कोशिका संलक्षण वाले रोगियों के फीनोटाइप पर आणविक आनुवंशिकी का प्रभाव
2. भारत में एफ VII तथा एफ X की वंशागत अपूर्णता में आणविक क्षतियों की पहचान एवं इन-सिलिको वर्णन
3. बी.सी.आर.-ए.बी.एल.1 काइनेज डोमेन की संयोजित भूमिका एवं टाइरोसिन काइनेज इन्हिबिटर्स (टी.के.आई.) के प्रतिरोध के साथ क्रॉनिक माइलॉइड ल्यूकीमिया रोगियों में किसी भी स्थान पर म्यूटेशन का अध्ययन करना।
4. माइलोडिसप्लास्टिक सिंड्रोम उपसमूहों की आणविक रूपरेखा- रोग के निदान एवं उपचार की प्रतिक्रिया के आकलन हेतु एकल वंशावली डिसप्लासिया वाला एम.डी.एस. तथा बहु-वंशावली डिसप्लासिया वाला एम.डी.एस.।
5. गंभीर हीमोफिलिया में सक्रिय प्लेटलेट्स द्वारा नैदानिक फेनोटाइप की गंभीरता कम करना।
6. एफ.सी.एम. द्वारा बी.सी.आर.-ए.बी.एल.-। ऋणात्मक एम.पी.एन. में एच.एम.आई.सी.एल. की भूमिका।
7. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा बहु-माइलोमा में इम्यूनोफेनोटाइपिंग तथा एम.आर.डी. विश्लेषण।
8. बी-कोशिका तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में फ्लो साइटोमेट्रिकप्लॉइडी विश्लेषण।
9. सीमित एंटी बॉडी पैनल का उपयोग करते हुए फ्लो साइटोमेट्री द्वारा एक्यूट माइलॉयड ल्यूकीमिया में न्यूनतम अवशिष्ट रोग का विश्लेषण।
10. क्रॉनिक माइलॉइड ल्यूकीमिया में सी.डी.26+ल्यूकीमिया स्टेम सेल का फ्लो साइटोमेट्री मूल्यांकन।
11. तीव्र ल्यूकीमिया से पीड़ित रोगियों में रक्त के स्राव के पूर्वानुमानित जोखिम पर थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी की भूमिका का अध्ययन करना।
12. हीमोग्लोबिनो विकृतियों के निदान में एच.बी.सी.जेड.ई. तथा एच.पी.एल.सी. की तुलना करना।

13. तृतीयक उपचार केन्द्र में बहु-माइलोमा (एम.एम.) से पीड़ित रोगियों के निदान एवं उपचार करने में हॉल बॉडी लॉ डॉज कम्प्यूटिड टोमोग्राफी (डब्ल्यू.बी.एल.डी.सी.टी.) तथा परंपरागत स्केलेटल सर्वे (सी.एस.एस.) के नैदानिक कार्य-निष्पादन की तुलना करना।
14. क्रॉनिक माइलॉइड ल्यूकीमिया वाले पुरूष रोगियों के वीर्य (शुक्राणु) मानदण्ड एवं पीयूष जनन ग्रंथि अक्ष पर टाइरोसीन काइनेज इन्हिबिटर का प्रभाव।
15. सी.एम.एल. में इमाटिनिब की मात्रा में वृद्धि : लक्षण, प्रतिक्रिया एवं परिणाम।
16. तृतीयक उपचार केन्द्र की ओ.पी.डी. में आने वाले सी.एम.एल. के दीर्घकालीन चरण के रोगियों में उपचार मुक्त सुधार (ट्रीटमेंट फ्री रिमिशन) हेतु पात्रता का मूल्यांकन।
17. थैलासीमिया मेजर रोगी, जो हीमेटोपोइटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण के उम्मीदवार हैं, में एम.आर.आई.टी2*लीवर, सीरम लीवर फिब्रोसिस इंडेक्सिस बनाम लीवर बायोप्सी द्वारा अस्थायी इलेस्टोग्राफी, हिपैटिक-आयरन कॉनसन्ट्रेशन का मूल्यांकन करना।
18. एप्लास्टिक एनीमिया में प्रतिरक्षा-दमन चिकित्सा एवं एल्ट्रोम्बोपैग की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।
19. प्राथमिक आई.टी.पी. वाले प्रौढों में सीरम एल.डी.एच. प्रालेख का आकलन करना तथा थ्रोम्बोपोइटिन रिसेप्टर एगोनिस्ट की प्रतिक्रिया के साथ अंतर्जात (ऐंडोजिनस) थ्रोम्बोपोइटिन स्तरों का सहसंबध।
20. सी.डी.20 सकारात्मक पूर्ववर्ती बी एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया वाले रोगी जो रिटुक्सिमेब लेते हैं बनाम जो इंडक्शन थेरेपी के साथ रिटुक्सिमेब नहीं लेते हैं, उनमें दुष्प्रभाव प्रालेख, न्यूनतम अवशिष्ट रोग तथा पूर्वकालीन इवेंट फ्री सर्वाइवल की तुलना करना।

पूर्ण

1. भारत में डीप वेन थ्रोम्बोसिस के विकृतिजनन में ऊतक कारक तथा ऊतक कारक मार्ग अवरोधक जीन पॉलिमॉर्फिज्म की भूमिका का मूल्यांकन करना।
2. हाल ही में निदान एवं उपचार किए जाने वाले बहु-माइलोमा रोगियों में इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री द्वारा सेरिब्लॉन प्रोटीन के प्रकटन का अध्ययन।
3. इंडक्शन कीमोथेरेपी से गुजर रहे एक्यूट ल्यूकीमिया रोगियों में पोषण संबंधी स्थिति/मानदण्डों का आकलन करना।
4. ल्यूकीमिया एवं लिम्फोमा से पीड़ित रोगियों में ट्यूमर अपघटन (लाइसिस) परिलक्षण के उपचार में रैसबुरिकेस की लघु मात्रा की प्रभावोत्पादकता।
5. इम्यूनोकॉम्प्रोमाइज्ड होस्ट में उदर संबंधी संक्रमण: नैदानिक, सूक्ष्मजैव विज्ञान एवं विकरण विज्ञान संबंधी पारस्परिक संबंध।
6. सी.एम.एल. में निलोटिनिब बनाम इमाटिनिब गहन आणविक प्रतिक्रिया।
7. उत्तर भारत के तृतीयक उपचार केन्द्र में प्रस्तुत की जाने वाली हाइपरइयोसिनोफिलिया से पीड़ित रोगियों की नैदानिक एवं प्रयोगशाला संबंधी प्रोफाइल।

8. लघुलोहित-कोशिका हाइपोक्रॉमिक एनीमिया वाले रोगियों में सीरम आयरन प्रोफाइल एवं हेप्सिडिन स्तर का सह-संबंध।
9. संदिग्ध एम.डी.एस. मामले में निदान को बढ़ाने के लिए अस्थिमज्जा बायोप्सी पर सी.डी. 61 एवं पी 53 के साथ आई.एच.सी. की भूमिका-पूर्वव्यापी एवं अग्रदर्शी अध्ययन।
10. तीव्र मायलोइड ल्यूकीमिया में अस्थिमज्जा लिम्फोसाइट उपवर्ग का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय परिस्थिति में प्लेटलेट्स रिफ्रेक्टोरिनेस की प्रधानता एवं उसके कारण रोगियों में होने वाले बहु प्लेटलेट के संचार का मूल्यांकन करने हेतु अग्रदर्शी प्रेक्षणमूलक अध्ययन, रक्त आधान चिकित्सा।
2. ऑटोइम्यून हीमोलाइटिक एनीमिया: नैदानिक एवं सीरमी सहसंबंध, रक्त आधान चिकित्सा।
3. इस्कैमिक सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन के गंभीर मामलों में ऑटोलॉगस अस्थिमज्जा से उत्पन्न मूल कोशिकाओं की इंट्रा विट्रिअल इंजेक्शन की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, रा.प्र.केन्द्र।
4. स्ट्रोक एवं संज्ञानात्मक क्षय के कारणों को स्पष्ट करने हेतु जनसंख्या आधारित अग्रदर्शी कोहार्ट अध्ययन: एक क्रॉस सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। इरास्मस चिकित्सा केन्द्र, रॉटरडैम, नीदरलैण्ड।
5. पोस्ट एलोजेनिक एच.एस.सी.टी. रोगियों में नेत्र जी.वी.एच.डी., प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी
6. हेप्लो आइडेंटिकल एच.एस.सी.टी. में इम्यून पुनर्गठन, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी
7. टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में दैहिक ज्वलन के विकास में प्लेटलेट सक्रियण की भूमिका, अंत: स्राविकी विज्ञान, एम्स एवं जैव प्रौद्योगिकी हेतु क्षेत्रीय केन्द्र (आर.सी.बी.)
8. द्वितीयक हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस चिकित्सा वाले रोगियों के परिणाम का पूर्वानुमान करना
9. ऐंजियोइम्यूनब्लास्टिक टी-कोशिका लिम्फोमा (ए.आई.टी.एल.) में रास होमोलोग जीन फैमिली (आर.एच.ओ.ए.) तथा आइसोसिट्रेट डिहाइड्रोजनेज 2 (आई.डी.एच.2) परिवर्तन विकृति विज्ञान।
10. कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों में दोहरी ऐंटीप्लेटलेट थेरेपी के प्रति उत्तरदाता एवं गैर उत्तरदाता में जीन पॉलीमार्फिज्म एवं प्रकृति के साहचर्य की पहचान करना।
11. सीरम डी-डीमर, न्यूट्रोफिल की भूमिका का मूल्यांकन करना: लिम्फोसाइट अनुपात, प्लेटलेट: डिंब ग्रंथि पुंज के आकलन में लिम्फोसाइट अनुपात एवं सी.ए.125, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान।
12. तीन महीनों के अंतर्गत नैदानिक परिणामों में सुधार हेतु लौह न्यूनता प्रौढ़ सायनोटिक, कॉजेनिटल हृदय रोग से पीड़ित रोगियों में मौखिक आयरन उपचार की तुलना में इंट्रावेनस आयरन थेरेपी की प्रभावोत्पादकता।

पूर्ण

1. लोहित कोशिका में अल्ट्रा फिल्ट्रेशन के दौरान उपयोग होने वाले ऋणात्मक दबाव का प्रभाव, सी.टी.वी.एस.।
2. मौखिक पैम्फीगस वल्गैरिस के नैनो कण में टॉपिकल रिटुक्सिमेब एनकेप्सूलेटिड की प्रभावोत्पादकता का अध्ययन करना- यादृच्छिक डबल ब्लांइडिड प्रयोगिक औषध नियंत्रित परीक्षण, त्वचा विज्ञान
3. बाल चिकित्सा हीमेटोलॉजी के रोगियों के लिए वोरिकोनाजोल/पोसोकोनाजोल स्तरों का मानकीकरण, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 23 सार: 29 पुस्तकों में अध्याय: 02

रोगी उपचार

क. नैदानिक सेवाएं

रूधिर विज्ञान दिवस उपचार केन्द्र जनगणना 2019-20

माह	प्रवेश	बी	ईएमओ	पीआरपी	सीआर	एफएफपी	एस	बी.एम.बी.एक्स.	टी.टी.	फ्लेबोटॉमी	हिकमेनरिमोवरल	पुरूष	महिला	संयोजित
अप्रैल	1090	37	379	192	-	19	6	146	55	32	2	461	178	460
मई	1260	38	499	214	-	15	1	186	34	21	6	520	234	501
जून	1245	37	538	202	1	21	1	172	34	33	3	581	298	538
जुलाई	1338	40	602	205	3	18	1	179	60	41	3	515	205	274
अगस्त	1209	36	550	180	2	17	2	144	38	27	2	432	216	554
सितंबर	1338	34	628	172	-	23	5	142	53	34	4	468	304	524
अक्टूबर	1139	35	496	128	-	19	1	138	48	30	1	381	290	445
नवंबर	1132	32	544	137	1	15	1	118	53	32	1	413	277	442
दिसंबर	1152	34	471	147	-	16	3	156	55	48	2	432	281	422
जनवरी	1160	36	504	147	1	15	3	145	58	32	3	462	290	417
फरवरी	1164	35	507	173	1	17	5	149	55	34	3	438	307	406
मार्च	884	28	366	127	-	15	3	57	30	12	-	379	185	309
कुल	14111	42	6084	2024	9	210	4	1732	573	376	30	5482	3065	5292

सामुदायिक सेवाएं

विभाग सामुदाय सुग्राहीकरण कार्यक्रमों एवं एम्स के सार्वजनिक मंचों पर तथा थैलासीमिया एंड हीमोफीलिया सोसाइटी के साथ थैलासीमिया और हीमोफीलिया की जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय रहा है। विभाग ने जी.ए.पी. स्थास्थ्य के साथ सहयोग किया है तथा रोगी सुरक्षा कार्यक्रमों एवं रक्त विकार हेतु आनुवांशिक परामर्श के लिए पाठ्यक्रम निर्माण करने के लिए सहयोग प्रदान किया है।

एस.ई.टी. सुविधा, एम्स में कार्यशाला के संचालन द्वारा एंटी-हीमोफीलिक कारकों के लिए हीमोफीलिया रोगी/माता-पिता के स्व-संयोजन कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। प्रथम रोगी सुरक्षा सम्मेलन को आयोजित

करने के लिए उत्तराखण्ड़ राज्य सरकार एवं एन.जी.ओ. जी.ए.पी. स्वास्थ्य संस्थान के सहयोग से सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम को आयोजित किया एवं उसमें भाग लिया गया।

(ख) प्रयोगशाला सेवाएं

रूधिर विज्ञान विभाग की प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित आधुनिकतम सुविधाएं हैं:

- बोन मैरो एस्पिरेट, बोन मैरो बायोप्सिस एवं पेरिफेरल स्मियर्स
- इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री
- आणविक आनुवांशिकी
- हीमोलाइटिक एनीमिया वर्कअप
- फ्लो साइटोमेट्री
- कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरेसिस फॉर हीमोग्लोबिनविकृतियां
- वंशागत एवं अर्जित रक्त स्राव विकार के लिए कॉएगुलेशन वर्कअप
- प्लेटलेट एग्रेगोमेट्री
- थ्रोम्बोफीलिया वर्कअप
- हीमोफीलिया एवं हीमोग्लोबिनविकृतियों का जन्म से पूर्व निदान करना

विभिन्न प्रयोगशालाओं की जनगणना(2019-20)

- **अस्थि मज्जा बायॉप्सी प्रयोगशाला:**

- इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री:	449	एल.ए.पी. स्कोर:	90
- रेटीकुलिन स्लाइड्स:	815	- साइटोकैमिस्ट्री:	940
- मसान ट्राइकोम:	10		
कुल बायोप्सी:	**1849**		

- **कोएगुलेशन प्रयोगशाला**

- कोएगुलेशन परीक्षण:	10846	- थ्रोम्बोसिस:	2126
कुल:	**12972**		

- **हीमोलाइटिक प्रयोगशाला**

- एच.पी.एल.सी.:	2227	- पी.एन.एच.:	92
- सीरम फेरिटिन:	1106	- मूत्र हीमोसिट्रिन:	34
- जी.6पी.डी:	707	- क्राइयोग्लोबूलिन:	12
- डी.सी.टी.:	237	- सिक्लिंग परीक्षण:	30
- ओ.एफ.टी.:	203		
कुल:	**4648**		

- **हीमोग्राम प्रयोगशाला**
  - ओ.पी.डी. एवं वार्ड रोगी : 52170 - अस्थि मज्जा अभिरंजन: 8081
  - हीमेटोलॉजी ओ.पी.डी. रोगी: 41530 - रेटिक काउंट: 40240

- **आणविक नैदानिक प्रयोगशाला**
  - आर.टी.पी.सी.आर./आर.क्यू.पी.सी.आर.: **2340**

- **फ्लोसाइटोमेट्री**
  - एक्यूट ल्यूकीमिया: 406 - न्यूनतम अवशिष्ट रोग: 64
  - क्रॉनिक लिम्फोप्रोलाइफरेटिव विकार: 183 - सी.डी.34 न्यूमिरेशन: 41
  - प्रवेगी निशाचर हीमोग्लोबिन यूरिया: 772 - प्लेटलेट विकार: 20

  कुल **1486**

पुस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एम. महापात्रा भारतीय रूधिर विज्ञान सोसाइटी एवं रक्त-आधान (आई.एस.एच.बी.टी.) के उपाध्यक्ष है; भारतीय रूधिर विज्ञान पत्रिका एवं रक्त-आधान (आई.जे.एच.बी.टी.) के मुख्य संपादक के रूप में निर्वाचित (मनोनीत) है; अक्टूबर 2019 में किंग्स कॉलेज, लंदन, यू.के. में द्वितीय किंग्स कॉलेज बोन मैरो फेलियर/एप्लास्टिक एनीमिया नामक आयोजित बैठक में "एप्लास्टिक एनीमिया इन इंडिया" विषय पर बोलकर भारतीय अगुआ के रूप में प्रतिनिधित्व किया; भारत के साथ रूधिर विज्ञान संबंधी शिक्षा एवं अनुसंधान सहयोग/सहकार्यता में यूरोपियन/अमेरिकन नेताओं के साथ चर्चा करने के लिए आई.एस.एच.बी.टी. द्वारा भारतीय अगुआ के रूप में प्रतिनिधित्व किया।

प्रो. तुलिका सेठ नीति विषयक समिति - एम्स-पी.जी. की सदस्य हैं, नीति विषयक समिति- दिल्ली विश्वविद्यालय की सदस्य, नैदानिक परीक्षणों के दौरान घटित प्रतिकूल घटनाओं की रिर्पोटिंग के लिए आई.ई.सी. एम्स नामक उपसमिति की सदस्य, रूधिर विज्ञान हेतु एन.बी.ई. की मनोनीत सदस्य, हीमोफिलिया उपचार हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के लिए भारत की 13 परियोजना की राष्ट्रीय समन्वयक, नीति विषयक समिति, कैनसपोर्ट की सदस्य सचिव है।

डॉ. मुकुल अग्रवाल राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (एन.ए.डी.ए.), भारत तथा एंटी-डोपिंग प्रयोगशाला, टोकियों के साथ ऐथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट मैनेजमेंट यूनिट (ए.बी.पी.यू.) के लिए रूधिर विज्ञान विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत है।

डॉ. ऋषि धवन को हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा एक वर्षीष प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम-ग्लोबल क्लिनिकल स्कॉलर्स रिसर्च ट्रेनिंग (जी.सी.एस.आर.टी.) 2021 कार्यक्रम के लिए 25% ट्यूशन शुल्क में छूट संबंधी छात्रवृत्ति के साथ चुना गया था।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. संजीत डडवाल, आचार्य, प्रतिरोपण संक्रामक रोग, सिटी ऑफ होप, दुआर्ते, संयुक्त राज्य अमेरिका, दिनांक 30 मई 2019
2. डॉ; नथान पुनवानी सह -आचार्य बी.एम.टी. एवं रूधिर विज्ञान, सीडर्स सिनाई मेडिकल सेंटर यू.एस.ए., दिनांक 29 फरवरी 2020
3. डॉ. नंदिता खेरा, सह-आचार्य, रूधिर विज्ञान, मायोक्लिनिक ऐरिजोना, संयुक्त राज्य अमेरिका, दिनांक 5 मार्च 2020

9.17. अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपती

चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. रा.प्र. केन्द्र

शक्ति कुमार गुप्ता

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल

डी.के. शर्मा

आचार्य

आई.बी. सिंह   संजय आर्य   आरती विज

अपर आचार्य

निरूपम मदान   अनूप डागा   अमित लठवाल   महेश आर

सह-आचार्य

ऐंजल राजन सिंह   विजयदीप सिद्धार्थ   परमेश्वर कुमार

सहायक आचार्य

जितेन्द्र सोढ़ी   अब्दुल हकीम

विकास एच   शीतल सिंह   लक्ष्मी तेज वुंडावल्ली

शिक्षा

विभाग द्वारा चिकित्सा स्नातकों के लिए एक स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम, एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) चलाया जा रहा है अर्थात् एमडी (एचए) जिसे पहले एमएचए (अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर) के रूप में जाना जाता था। इस पाठ्यक्रम की शुरूआत देश में पहली बार फरवरी 1966 में हुई थी और तब से इसे विशिष्ट स्नातकोत्तर अध्ययन विषय के रूप में मान्यता प्राप्त है। जनवरी 2016 में इसको एमडी (अस्पताल प्रशासन) के रूप में शैक्षिक समिति (एसी-113/10) के निर्णयानुसार परिवर्तित कर दिया गया जिसे दिनांक 13 अप्रैल 2015 को विधिवत रूप से जीबी (जीबी-152/7) की बैठक में अनुसमर्थित किया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी पाठ्यक्रम 'व्यावहारिक प्रशिक्षण' पर ध्यान केन्द्रित करता है, जहां रेजिडेंस प्रशासकों की तैनाती चौबीसों घंटे 'ड्यूटी ऑफिसर' के रूप में मुख्य अस्पताल, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर में 'प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष' में की जाती है और कार्य अवधि के उपरान्त अस्पताल की सभी गतिविधियों का समन्वयन करते हैं। प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष किसी भी अस्पताल/केंद्रों का केन्द्र बिन्दु होता है। विभाग में वरिष्ठ रेजिडेंट्स भी हैं, जो मुख्य अस्पताल और विभिन्न केन्द्रों में प्रशासनिक कार्यों में संकाय सदस्यों की सहायता हेतु तैनात होते हैं। वे एम्स में नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भी शामिल होते हैं।

संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न संगठनों जिसमें केन्द्र, राज्य सरकारों, अर्द्धसैनिक बलों तथा विविध पी.एस.यू. जैसे आई.आई.सी.एम., रांची तथा अन्य प्रबंधन संस्थानों में भी कार्य करने वाले डॉक्टरों के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन भी किया गया।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

1. बी.पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसिज, धरन, नेपाल से एमडी (एचए) के एक पीजी छात्र
2. शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के दो एमडी (एचए) छात्र
3. चार आईटीबीपी चिकित्सा अधिकारी
4. एक आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल इंस्टीट्यूट, उप कमांडेंट, बांग्लादेश
5. छह एमबीए - जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के अस्पताल प्रबंधन के छात्र
6. चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से एमबीए-एचए के एक छात्र

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

1. एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, नोएडा के सहयोग से 21-23 फरवरी 2020 को एम्स, नई दिल्ली में संगठित एसएएसएच (सुरक्षित और सतत स्वास्थ्य)-2020 सम्मेलन
2. 17वें हेल्थकेयर कार्यकारी प्रबंधन विकास कार्यक्रम, 1-7 मार्च, 2020, गोवा

प्रदत्त व्याख्यान

सिद्धार्थ सतपतीः 25	**शक्ति कुमार गुप्ताः 4**	**डीके शर्माः 2**
संजय आर्यः 6	**निरूपम मदानः 13**	**अनूप डागाः 5**
अमित लठवालः 2	**महेश आरः 14**	**ऐंजल राजन सिंहः 2**
विजयदीप सिद्धार्थः 8	**अब्दुल हकीमः 9**	**जितेंद्र सोढ़ीः 9**
शीतल सिंहः 3		

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 1

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. एम्स में एपीएआर बनाम एसीआर सिस्टम का एक तुलनात्मक विश्लेषण
2. एम्स में इंट्रामुरल ट्रांसपोर्टेशन के लिए प्रयोग की जा रही सीएसआर पहल के तहत बैटरी से चलने वाली बसों का संतुष्टि सर्वेक्षण
3. एम्स, नई दिल्ली के लिए लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण मॉड्यूल डिजाइन करने के उद्देश्य से कार्यस्थल में लिंग संवेदनशील व्यवहार का अध्ययन

4. प्रणालीगत सुधार के संबंध में एम्स, नई दिल्ली के आपातकालीन विभाग में मेडिको लीगल मामलों से निपटने की प्रक्रिया का अध्ययन
5. एम्स, नई दिल्ली में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच स्वच्छता और अस्पताल के कचरे के सुरक्षित निपटान के बारे में जागरूकता फैलाने में एक मैस्कोट की प्रभावशीलता का अध्ययन
6. मुख्य अस्पताल के ब्लड बैंक में इन्वेंट्री प्रबंधन अभ्यास का अध्ययन
7. दीवाली के त्यौहार के दौरान उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केन्द्र के आपात चिकित्सा विभाग में आने वाले मरीजों में पटाखों की चोट की व्यापकता और इनकी संख्या के परिणामों पर एक अध्ययन
8. नई दिल्ली में तृतीयक उपचार अस्पताल में गैर-चिकित्सा स्वास्थ्य कामगारों/रोगियों/ परिचारकों के बीच कोविड-19 के ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यासों का आकलन करने के लिए अध्ययन
9. अस्पताल के बुनियादी ढांचा परियोजना कार्यान्वयन मॉडल को विकसित करने के लिए अध्ययन
10. एम्स अस्पताल और उसके केंद्रों में उपलब्ध विभिन्न रोगियों की सहायता और कल्याणकारी योजनाओं और गरीब रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के तरीकों की पहचान करने के लिए अध्ययन
11. अस्पताल में ओपीडी सेवाओं के लिए निर्णय लेने के उपकरण के रूप में पंक्ति सिद्धांत का अनुप्रयोग
12. अग्नि शमन नियमावली एम्स, नई दिल्ली
13. मुख्य अस्पताल में एलएक्यूएसएचएवाई (लक्ष्य) लेबर रूम और मातृत्व ओटी कॉम्प्लेक्स के प्रत्यायन के लिए अंतराल विश्लेषण
14. चिकित्सा के तर्कसंगत उपयोग पर आईसीएमआर कार्यबल केंद्र
15. एक संस्थागत एंटिफंगल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम (एएफएसपी) का कार्यान्वयन और इनवेसिव फंगल संक्रमणों के साथ रोगियों में परिणाम और एंटिफंगल उपयोग पर इसका प्रभाव
16. एम्स में सीएसआर के विश्लेषण की आवश्यकता
17. एम्स, नई दिल्ली के विभिन्न केंद्रों में रेडियोथेरेपी सेवाओं और विशिष्ट रेडियोथेरेपी उपकरणों के उपयोग पर अध्ययन
18. जेपीएनएटीसी के आईसीयू में सीएलएबीएसआई लाइन संबंधित रक्त स्ट्रीम की घटनाओं पर शैक्षिक हस्तक्षेप के प्रभाव की पहुंच का अध्ययन।
19. एम्स में आने वाले मरीजों और उनके परिचरों के बीच नेत्रदान के बारे में जागरूकता का अध्ययन करना
20. एम्स, नई दिल्ली में एमओपी कीटाणुशोधन और स्वच्छता सेवाओं पर फ्लोर मोप्स के यंत्रीकृत लॉन्ड्रिंग के प्रभाव का अध्ययन करना

पूर्ण

1. विभागाध्यक्ष की नेतृत्व प्रोफाइल और कार्यप्रदर्शन तथा सहकर्मी चिकित्सकों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव का अध्ययन

2. मानक दिशानिर्देशों के अनुसार, 100 और उससे अधिक बेड के साथ, दिल्ली में चुनिंदा अस्पतालों के आपातकालीन विभाग का तुलनात्मक अध्ययन
3. एम्स में चिकित्सा नुस्खे में संक्षिप्त विवरण की "कभी उपयोग न करें" की प्रभावशीलता का अध्ययन
4. यौन शोषण तथा एम्स में आने वाले यौन-शोषितों की समाजिक-आर्थिक स्थिति के बीच संबद्धता का अध्ययन
5. एम्स में निःशुल्क दवा वाली फार्मेसी में दवा वितरण के कार्य का आकलन
6. मॉप की सफाई और कीटाणुशोधन पर मैकेनाइज्ड लॉन्डर्ड फ्लोर मॉप के उपयोग के प्रभाव पर एक इंटरपेन्शनल अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. स्तन कैंसर में सेंटीनल लिम्फ नोड बायोप्सी के लिए डुअल डाई तकनीक का मूल्यांकनः दोहरे खुले लेबल समानांतर डिजाइन नॉन इन्फेरियोरिटी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा
2. मिडलाइन पेट की सतह (उदर भित्ति) हर्निया की मानकीकृत लैप्रोस्कोपिक मेश सुधार की लागत, शल्य चिकित्सा

पूर्ण

1. खाद्य सुरक्षा व्यवहार के ज्ञान, क्रियाकलापों एवं विश्वासों पर आहार सेवाओं में खाद्य संचालकों में प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन, आहार-विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 15

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

एम्स नई दिल्ली को अस्पतालों की श्रेणी में प्रतिष्ठित ''काया कल्प'' सम्मान लगातार तीसरी बार अक्टूबर 2019 में अस्पतालों की श्रेणी के तहत 3 करोड़ की पुरस्कार राशि के साथ प्राप्त हुआ।
सभी प्रमुख-परिणाम क्षेत्रों में विभाग के संकाय सदस्यों के नेतृत्व में सुधार दिखाई दिया, जो रेजिडेन्ट्स, नर्सिंग प्रशासकों, अस्पताल अधिकारियों, संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्यों, इंजीनियरिंग विभाग और अन्य लोगों द्वारा सहयोग-प्राप्त हैं।

प्रोफेसर सिद्धार्थ सतपती को अक्टूबर-नवंबर 2019 में 3 सप्ताह के लिए बर्मिंघम, अमेरिका के अलबामा विश्वविद्यालय में वरिष्ठ जैव-चिकित्सा वैज्ञानिक हेतु अंतर्राष्ट्रीय आईसीएमआर फैलोशिप 2019-20 से सम्मानित किया गया। जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में 21-23 फरवरी, 2020 को अस्पताल प्रशासन अकादमी, नोएडा के सहयोग से अस्पताल प्रशासन के विभाग द्वारा सेफ एंड सस्टेनेबल हॉस्पिटल्स (एसएएसएच-2020) पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था; निदेशक एम्स द्वारा एम्स

प्रतिनिधि के रूप में अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (एनएबीएच) के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित; 21 सितंबर 2019 को एम्स भुवनेश्वर में गैर-संकाय प्रशासनिक पदों के लिए चयन समिति की सहायता के लिए एम्स भुवनेश्वर के मेंटर के रूप में और विषय विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया गया; प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, ऋषिकेश और मंगल-गिरी, और सुपर-स्पेशलिटी कैंसर अस्पताल (एसएससीएच), लखनऊ के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के विकास के लिए समिति के विशेषज्ञ सदस्य; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान की भवन समिति के सदस्य, ऑडिटोरियम, अकादमिक ब्लॉक और प्रयोगशालाओं के विकास के लिए निगरानी प्रदान करना; साथ ही यूजीसीआर द्वारा अनिवार्य शिक्षाविदों के सुधार के लिए आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय की अकादमिक लेखा परीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भी योगदान दिया; गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आगामी सीएपीएफआईएमएस में पदों के लिए भर्ती नियमों के युक्तिकरण के लिए समिति के सदस्य; जेएएचए और आईजेआरएफएचएचए के संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया और नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के लिए समीक्षक रहे।

डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित घरों के लिए कोरोना वायरस रोग (कोविड-19) की रोकथाम के लिए मानक संचालन प्रक्रिया के विकास के लिए विशेषज्ञ सदस्य थे; 9 फरवरी 2020 को आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आरएफएचएचए) द्वारा आयोजित "निरंतर गुणवत्ता सुधार (सीक्यूआई) की अनिवार्यता" पर मास्टर क्लास के लिए कार्यक्रम निदेशक; अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्राइड सन विलेज रिज़ॉर्ट, गोवा, भारत में 1 से 7 मार्च 2020 को 17वें हेल्थकेयर कार्यकारी प्रबंधन विकास कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम निदेशक; वे इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एप्लाइड मैनेजमेंट के निदेशक मंडल के कार्यकारी सदस्य और एसोसिएशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष चुने गए और 2019 में लंदन, इंग्लैंड में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर एप्लाइड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस के हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन ट्रैक के अध्यक्ष चुने गए; 22 सितंबर 2019 को चंडीगढ़, भारत में चिकित्सा संकाय के सुपरस्पेशलिटी प्रत्यक्ष कोटा पदों के लिए साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ सदस्य; दिनांक 7 से 9 अगस्त 2019 तक थिंपू, भूटान में 350 बेड वाले मल्टीडिसीप्लीनरी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में भूटान का दौरा किया। रिपोर्ट स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं संयुक्त सचिव (उत्तर), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार को 12 सितंबर 2019 को सौंप दिया गया। श्रीलंका में 29 जुलाई से 5 अगस्त 2019 तक परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा एमडी (चिकित्सा प्रशासन) परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया; 28 अगस्त 2019 को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई में स्कूल ऑफ हेल्थ सिस्टम स्टडीज में प्रोफेसर के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ सदस्य नियुक्त किए गए; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में उपभोक्ता ऑनलाइन फाउंडेशन द्वारा आयोजित 8 से 10 अगस्त 2019 को आयुष्मान भारत और इसके कार्यान्वयन पर गुणवत्ता कॉन्क्लेव के साथ बोर्ड बैठक में

भाग लिया; 27 जुलाई 2019 को विराटनगर, नेपाल में आयोजित कॉर्निया, मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी और अस्पताल प्रशासन पर सीएमई बैठक में भाग लिया; 24 जुलाई 2019 को केजीएमयू, लखनऊ में अस्पताल प्रशासन के विषय में संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ सदस्य रहे; दिनांक 18-19 जुलाई 2019 को एम्स, जम्मू और एम्स, अवंतीपुरा, श्रीनगर के लिए मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (भारतीय इस्पात प्राधिकरण), प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान, रांची, झारखंड द्वारा आयोजित "अस्पताल प्रशासन में चुनौतियां और भावी मार्ग" के लिए पैनल चर्चा के बाह्य विशेषज्ञ सदस्य रहे, जिसे अस्पताल प्रशासन-प्रणाली और व्यवहार पर एक-दूसरे से सीखने के लिए कार्यशाला के तौर पर 16 जुलाई से 18 जुलाई 2019 तक आयोजित किया गया था; 12 जुलाई 2019 को हॉलिडे इन, लंदन में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर एप्लाइड मैनेजमेंट के 26वें वार्षिक सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य; 28 जून 2019 को एसजीपीजीएमआईएस, लखनऊ में आयोजित अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर के लिए 2 वर्ष की व्यावहारिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक; एम्स, ऋषिकेश में 7 जून 2019 को एम्स, कश्मीर की स्थापना के लिए मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ सदस्य रहे; एम्स, कश्मीर, जम्मू और अवंतीपुरा के लिए मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने के लिए बैठक में भाग लिया; राष्ट्रीय जैविक संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित हेमोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य; नेपाल के विराटनगर में कॉर्निया, मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी और अस्पताल प्रशासन पर सीएमई में मुख्य भाषण दिया।

डॉ. डी. के. शर्मा ने निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद एमडी (अस्पताल प्रशासन) की अंतिम परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए दौरा किया; शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के लिए एमडी अस्पताल प्रशासन की वार्षिक परीक्षा (बैच - 2016) के व्यावहारिक भाग के संचालन के लिए एक बाहरी परीक्षक के रूप में सौरा श्रीनगर (जेएंडके) का दौरा किया।; अस्पताल प्रशासन विभाग के संकाय के चयन के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति की बैठक में भाग लेने के लिए एम्स जोधपुर का दौरा किया, आईएमसी अधिनियम 1956 की धारा 10(ए) के तहत एमडी-अस्पताल प्रशासन कोर्स के लिए नए पाठ्यक्रम की शुरुआत के एक महत्वपूर्ण समयबद्ध मूल्यांकन हेतु गुजरात, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, महाराष्ट्र, राजस्थान में से किसी एक जगह के मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के लिए एमसीआई की ओर से जयपुर का दौरा किया; आईएमसी अधिनियम 1956 की धारा 10(ए) के तहत एमडी-हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन कोर्स के लिए नए पाठ्यक्रम की शुरुआत के एक महत्वपूर्ण समयबद्ध मूल्यांकन हेतु गुजरात, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, महाराष्ट्र, राजस्थान में से किसी एक जगह के मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के लिए एमसीआई की ओर से पुडुचेरी का दौरा किया; सुपरस्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड हॉस्पिटल (एसएससीआईएंडएच), लखनऊ में संकाय चयन (अस्पताल प्रशासन) के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में चयन समिति की बैठक में भाग लिया; बिहार राज्य में दूसरा एम्स स्थापित करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित केंद्रीय टीम के एक सदस्य के रूप में

दरभंगा का दौरा किया; शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस), जम्मू में संकाय (अस्पताल प्रशासन) के चयन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में एपिकल चयन समिति की बैठक में भाग लिया; अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, भुवनेश्वर में संकायों के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में चयन समिति की बैठक में भाग लिया; एसओएचएस के पीजीडीएचएचएम कार्यक्रम में संशोधन के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक के सदस्य के रूप में इग्नू, नई दिल्ली का दौरा किया; निदेशक एम्स ऋषिकेश के कार्यालय में आयोजित होने वाले कश्मीर में नए एम्स की स्थापना के लिए मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति की बैठक में भाग लिया; अलवर, राजस्थान में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज का दौरा किया - साइट के दौरे हेतु प्रस्तावित योजना और मौजूदा बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रदान करने हेतु आवश्यक समन्वय के लिए अनुरोध किया।

प्रोफेसर आईबी सिंह को डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, आंध्र प्रदेश के तहत मेडिकल कॉलेजों में अस्पताल प्रशासन (एमडी) में पीजी डिग्री की परीक्षा के लिए अस्पताल प्रशासन फाइनल परीक्षा में एमडी हेतु परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था; निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद में एमडी अस्पताल प्रशासन परीक्षा के लिए परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त; एम्स, भोपाल में संकाय पदों (अस्पताल प्रशासन) की भर्ती के लिए बाहरी विशेषज्ञ नियुक्त; पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ के अस्पताल प्रशासन पाठ्यक्रम में परास्नातक के अंतिम परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक नियुक्त किया गया; विशेषज्ञ सदस्य के तौर पर नामित किए गए और निम्नलिखित में भाग लिया - (i) मौजूदा जिला/रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हेतु केंद्रीय प्रायोजित योजना के चरण III के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के मूल्यांकन के लिए जीडीएचएस, निर्माण भवन में तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) की 32वीं बैठक, और (ii) देश में एमबीबीएस सीटें बढ़ाने और नए पीजी विषयों को शुरू करने तथा पीजी सीटों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेजों के सुदृढ़ीकरण और उन्नयन हेतु मौजूदा मेडिकल कॉलेजों के उन्नयन के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) की 33वीं बैठक; वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षताः विभिन्न संस्थानों के संकायों, पेशेवरों और छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोधपत्र - "सेफ एंड सस्टेनेबल हॉस्पिटल्स" पर एसएएसएच-2020 राष्ट्रीय सम्मेलन में खुला सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. निरुपम मदान संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आईजेआरएफएचएचए) की सदस्य थी। उन्हें एम्स, नई दिल्ली में स्वास्थ्य सूचना विज्ञान, एमएचडी-17 के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया था।

डॉ. अनूप डागा जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (जेएएचए) के सह-संपादक एवं संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आईजेआरएफएचएचए) के सदस्य थे। वह तकनीकी वस्त्र समिति (मेडिकल एंड सर्जिकल टेक्सटाइल सहित), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सदस्य भी हैं। सदस्य, सेवा क्षेत्र प्रभाग परिषद, बीआईएस।

वह **मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक** (425 बिस्तर) परियोजना के परियोजना-प्रभारी भी हैं। वह **"सेफ एंड सस्टेनेबल हॉस्पिटल्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन" (एसएएसएच 2020)** के लिए आयोजन सचिव भी थे।

डॉ. अमित लठवाल जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए "डिस्ट्रिक्ट हेल्थकेयर मैनेजमेंट फॉर पब्लिक हेल्थ इमर्जेंसी मैनेजमेंट" और एनक्यूएएस सर्टिफिकेट कोर्स के लिए एएचए और नर्सिंग सर्विस एडमिनिस्ट्रेशन एंड क्वालिटी मैनेजमेंट के ट्रेनिंग कोर्स पर एनआईएचएफडब्ल्यू में रिसोर्स संकाय थे। उन्होंने अगस्त 2019 में जापानी ट्रॉमा उपचार प्रणाली का अध्ययन करने के लिए ट्रॉमा देखभाल हेतु मानव संसाधन विकास विनिमय कार्यक्रम के भाग के रूप में जापान का दौरा किया।

डॉ. महेश आर, ड्यूटी पर तैनात और क्लिनिकल प्रतिष्ठानों में डॉक्टरों पर हमले के खिलाफ केन्द्रीय विधान के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं की जांच के लिए समिति के सदस्य थे। वे फायर ऑडिट टीम के सदस्य सचिव हैं। वे एम्स नई दिल्ली में अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्रता के मामलों के आकलन हेतु गठित उप-समिति के अध्यक्ष भी हैं। वे एक तकनीकी विशेषज्ञ हैं, साथ ही चैंपियन सर्विस सेक्टर स्कीम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, फिक्की तथा एसईपीसी डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस सर्विसेज के हिस्से के रूप में तकनीकी विशेषज्ञ, मेडिकल वैल्यू ट्रैवल भी हैं। उन्होंने आईआईएम, विशाखापट्टनम में संचालन अनुसंधान और निर्णय विज्ञान (आईसीओआरडीएस-2019) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की। भारतीय मानक ब्यूरो के मेडिकल उपकरण और अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी) के प्रधान सदस्य के रूप में उनका योगदान जारी है।

डॉ. ऐंजल राजन सिंह 'डिजिटल व्यवधान के समय हेल्थकेयर में परियोजना प्रबंधन - रणनीति, लोगों, तकनीक और प्रक्रिया का परस्पर जुड़ाव'; "एसएएसएच-**2020:** कनेक्टिंग द डॉट्स .... फॉर बेटर मैनेजमेंट ऑफ हॉस्पिटल्स" के लिए मॉडरेटर थे जिसका आयोजन अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा किया गया था।

डॉ. जितेन्द्र सोढ़ी ने इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के लिए "पेशेंट अवेयरनेस ऑफ कॉस्ट्स ऑफ ट्रीटमेंट एट ए गवर्नमेंट-स्पॉन्सर्ड हॉस्पिटल" हस्तलिपि के लिए एक समीक्षक के रूप में योगदान दिया था; संस्थान में एक जांच समिति में सदस्य सचिव के रूप में योगदान दिया; एम्स, नई दिल्ली में आयोजित विभाग का सम्मेलन: **सेफ एंड सस्टेनेबल हॉस्पिटल्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एसएएसएच 2020)** की पंजीकरण समिति के संयोजक के रूप में योगदान दिया।

डॉ. अब्दुल हकीम 'एबी पीएम-जेएवाई के माध्यम से सार्वजनिक अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण' की कार्य समूह-5 की समिति के सदस्य थे।

डॉ. शीतल सिंह ने 15 फरवरी 2020 को नई दिल्ली में आयोजित एनएबीएच निर्धारक के रूप में एनएबीएच अस्पताल के मानकों के के 5वें संस्करण पर कॉन्क्लेव और रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

9.18. प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य और अध्यक्ष

एम. इरशाद (30 जून 2019 तक) रेणु सक्सेना (1 जुलाई 2019 से 31 दिसंबर 2019 तक)

सुब्रता सिन्हा (1 जनवरी 2020 से)

आचार्य

सरमन सिंह (प्रतिनियुक्ति पर)

सह-आचार्य

सुदीप कुमार दत्ता श्याम प्रकाश

सहायक आचार्य

सुनीता मीणा (17 अक्टूबर 2019 से) तुषार सहगल (4 नवंबर 2019 से)

प्रियम बत्रा (संविदा पर)

शीबा अंसारी (संविदा पर, 19 अक्टूबर 2019 से)

अपर्णा निंगोम्बम (संविदा पर, 25 नवंबर 2019 से)

विशिष्टताएं

विभाग ने नए आर.ए.के. ओपीडी ब्लॉक में स्मार्ट लैब नामक एकीकृत स्वचालित रोबोटिक प्रयोगशाला को सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह लैब अत्याधुनिक स्वचालित विश्लेषकों से सुसज्जित है, जिसे नमूना संग्रहण में मानव संपर्क को न्यूनतम रखने की दृष्टि से पूर्व-विश्लेषी प्रणाली के साथ और व्यवस्थित नमूना भंडारण एवं पुनर्प्राप्ति के लिए पोस्ट-ऐनालिटिकल अभिलेखीय प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है।

प्लेटलेट फंक्शन अध्ययन के लिए प्लेटलेट फंक्शन एनालाइजर (हेलेना प्लेटलेट एग्रीगोमीटर) को विभाग के हीमेटोलॉजी सेक्शन में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है।

विभाग ने क्लिनिकल पैथोलॉजी और आणविक नैदानिक सेवाएं शुरू की हैं। विभाग ने निम्नलिखित मापदंडों के लिए नैदानिक सेवाएं भी शुरू की हैं: एचपीएलसी द्वारा एचबीए 1सी, सीरम क्रोमोग्रानिन, विटामिन ए/ई और विटामिन डी।

केन्द्रीय संग्रहण फैसिलिटी में रक्त संग्रह की समय-सीमा सुबह 7.45 से 11.30 बजे तक बढ़ाई गई और उसके बाद दोपहर 1.30 बजे तक पोस्ट-प्रैंडिअल नमूने एकत्र किए जाते हैं। दूसरी पारी में 1:30 बजे से 3 बजे तक नमूने एकत्र किए जाते है। फरवरी 2020 से नए ओपीडी ब्लॉक में नमूना संग्रह सुविधा शुरू कर दी गई है।

एम्स, नई दिल्ली में विभिन्न प्रयोगशालाओं में काम करने वाले लैब टेक्नोलॉजिस्ट के लिए फेलोबोटॉमी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

जर्नल ऑफ़ लेबोरेटरी फ़िज़िशियंस सभी के लिए उपलब्ध जर्नल है, जिसके संपादक प्रो. सरमन सिंह हैं और प्रो. अरुलसेल्वी एस, प्रो. पूर्वा माथुर और डॉ. सुदीप के. दत्ता सह संपादक हैं। इस पत्रिका को पबमैड में सूचीबद्ध किया गया है और वर्तमान में थिएम पब्लिशर्स द्वारा इसे प्रकाशित किया जा रहा है।

शिक्षा

विभाग 3-वर्षीय एमडी (प्रयोगशाला चिकित्सा) पाठ्यक्रम और एक सुदृढ़ पीएचडी कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इस कार्यक्रम के तहत नियमित शिक्षण सत्र संचालित किए जाते हैं, जिनमें सेमिनार, जर्नल क्लब प्रेजेंटेशन, मासिक केस प्रस्तुतियाँ, मल्टी-हेडर माइक्रोस्कोप के माध्यम से इंटरेक्टिव स्लाइड मॉर्फोलॉजी सत्र, गुणवत्ता नियंत्रण पर चर्चा के साथ इंटरैक्टिव रिपोर्टिंग सत्र और नियमित आंतरिक मूल्यांकन के साथ ईक्यूएएस कार्यक्रम शामिल होते हैं।

अंतर्विभागीय सहयोग: विभाग ने विकृतिविज्ञान विभाग के साथ मिलकर एकीकृत संगोष्ठियों को फिर से शुरू किया है। इसके अलावा, विभाग व्यवस्थित कार्यक्रमों के माध्यम से विकृतिविज्ञान, जैव रसायन और बाल चिकित्सा विभागों से आने वाले एमडी रेजिडेंट्स के शिक्षण और प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करता है।

विभागीय संकाय द्वारा एमबीबीएस, नर्सिंग छात्रों और एम. जैव प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान देने का कार्य भी किया जाता है।

आयोजित सीएमई / कार्यशालाएँ/ संगोष्ठी/ सम्मेलन

इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स - दिल्ली चैप्टर के सहयोग से क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी सेक्शन द्वारा 7 जून 2019 को "डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स इन पैरासिटोलॉजी" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रदत्त व्याख्यान

सुदीप कुमार दत्ता: 9 **श्याम प्रकाश: 5** **सुनीता मीणा: 1**

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 22

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय जनसंख्या में ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी रोग (एडीपीकेडी) का जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन: मार्गदर्शी अध्ययन, सुदीप कुमार दत्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
2. मूत्र के नमूने में सूक्ष्म ऐल्बुमिन के देख-भाल स्तर पर ही निदान के लिए ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक सेंसर का विकास, सुदीप कुमार दत्ता, एम्स - आईआईटी दिल्ली सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रुपये

3. गैर-अल्कोहली फैटी लीवर रोग में वृद्धि भेदभाव कारक-15 और लौह तत्व संचारी प्रोटीनों के बीच आणविक अभिव्यक्ति और अंत:क्रिया, श्याम प्रकाश, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये
4. हैपेटाइटिस बी वायरस डीएनए (एचबीवी डीएनए) और एचसीवी आरएनए मात्राकरण के लिए माइक्रो पीसीआर का त्वरित नैदानिक मूल्यांकन, श्याम प्रकाश, बिगटेक बैंगलोर, 4 साल, 2016-2020, 30 लाख रुपये
5. त्वरित गैर इनवेसिव प्रोटोटाइप के विकास के लिए लारमय ग्लूकोज और यूरिया एनालाइज़र के दो संस्करणों का नैदानिक वैधीकरण, श्याम प्रकाश, एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान कोष, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
6. मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम में वृद्धि विभेदन कारक-15 और नाइट्रिक ऑक्साइड विनियामक जीन के बीच आणविक अभिव्यक्ति और अंत:क्रिया, श्याम प्रकाश, आईसीएमआर (एसआरएफ फेलोशिप), 3 साल, 2018-2021, 13.7 लाख रुपये
7. सीएपी-53194, पोलो लाइक काइनेज-1 का एक नवीन भविष्यसूचक ट्यूमर अवरोधक, श्याम प्रकाश, डीएसटी (डब्ल्यूओएस-ए के लिए), 3 साल, 2019-2022, 14.73 लाख रुपये
8. गैर-इनवेसिव लारमय ग्लूकोज की मात्रा-निर्धारण के लिए स्टैंडअलोन मीटर का विकास और प्रमाणीकरण, श्याम प्रकाश, बीआईआरएसी, 2020-2021, 7.91 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कोविड-19 रोगियों में हीमेटोलॉजिकल मापदंडों में गुणात्मक और मात्रात्मक असामान्यताओं का अध्ययन करना
2. तृतीयक देखभाल केंद्र में यूरिन आइसोलेट्स में कार्बापेनम और कोलिस्टिन प्रतिरोध पर एक अध्ययन
3. गंभीर क्रॉनिक लिवर विफलता और गंभीर क्रोनिक यकृत विफलता में प्लेटलेट प्रकार्यों की असमान्यता और अमोनिया स्तर का प्रभाव।
4. क्रोनिक किडनी रोग के 4-5 रोगियों में विटामिन डी रिसेप्टर जीन (वीडीआर), विटामिन डी और पैराथाइरॉइड हार्मोन स्तर की फॉक 1 बहुरूपता का आकलन
5. सीएपी-53194, पोलो लाइक काइनेज-1 का एक नवीन भविष्यसूचक ट्यूमर इनहिबिटर
6. सीरम में हैपेटाइटिस वायरस (ए-जी) का एक साथ पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स रियल टाइम पीसीआर (क्यूपीसीआर) का विकास
7. गैस्ट्रिक कैंसर में पूर्व-निश्चित सेल डेथ लिगैंड-1 तथा टाइट जंक्शनों (क्लॉडिन्स) के विषय डाइमिथाइल अर्जिनाइन और आण्विक अभिव्यक्ति का डिसरेगुलेशन।
8. पृथक ट्रामेटिक मस्तिष्क क्षति संबंधी रोगियों के परिधीय रक्त में कैथेप्सिन बी का मूल्यांकन और इसका सहसंबंध

9. गंभीर घाव-संबंधी मस्तिष्क की चोट में माइलिन हानि और ऑलीगोडेन्ड्रोसाइट पैथोलॉजी का मूल्यांकन
10. मोटापा और चयापचय सिंड्रोम में मुक्त रेडिकल मार्कर: एसओडी, एफआरएपी, एमडीए, पोषण संबंधी मार्कर: घुलनशील स्थानांतरण, एचएससीआरपी, हेपासिडिन, फोलिक एसिड
11. मधुमेह और चयापचयी सिंड्रोम में विकास विभेदन कारक-15 (जीडीएफ-15), और नाइट्रिक ऑक्साइड विनियामक जीन के बीच आणविक अभिव्यक्ति और अंत: क्रिया
12. मधुमेह और चयापचयी सिंड्रोम में विकास विभेदन कारक -15 (जीडीएफ-15), लौह तत्व संचारी प्रोटीन, माइक्रोन्यूट्रिएंट एंटीऑक्सिडेंट के बीच आणविक अभिव्यक्ति और अंत: क्रिया
13. नेफल्ड और मेटाबॉलिक सिंड्रोम में जीडीएफ -15, प्रोकाइनेटिकिन्स, एनओएस 2, एनओएस 3, पीडीएल-1 जीन, ज़िप -8, ज़िप -14, क्लाउडिन्स की आणविक अभिव्यक्ति
14. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) में माइटोकॉन्ड्रियल डिस्फंक्शन और एनआरएफ -2 जीन अभिव्यक्तियों में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों की आणविक अंत: क्रिया
15. थायोप्यूरिन दवा चयापचयों और प्रदाहक आंत रोग में हीमेटॉलॉजिकल सूचकांकों की निगरानी: प्रभावकारिता और परिणाम का मूल्यांकन।
16. सार्कोपेनिया से ग्रस्त मोटे रोगियों में कंकाल की मांसपेशियों के द्रव्यमान में और प्रकार्य में परिवर्तन पर व्यायाम और पोषण संबंधी हस्तक्षेप के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
17. मस्तिष्क संबंधी शिथिलता के लिए त्वरित नैदानिक एवं प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर के रूप में हल्के घाव संबंधी मस्तिष्क की चोट से प्रेरित नवीन परिसंचारी मस्तिष्क प्रोटीन एसएनटीएफ का अध्ययन
18. आणविक और परिधीय रक्त बायोमार्करों का अध्ययन और हल्के व मध्यम टीबीआई प्रेरित संज्ञानात्मक हानि के लिए उनकी उपयोगिता
19. एचआईवी की मात्रा के निर्धारण के लिए माइक्रो पीसीआर की आंतरिक विधि स्थापित करना और एचआईवी रीयल टाइम पीसीआर के साथ उसकी तुलना करना
20. हल्के और मध्यम अभिघातज मस्तिष्क चोट (टीबीआई) प्रेरित न्यूरो मनोवैज्ञानिक दुर्बलता की बेहतर पहचान के लिए नव-नैदानिक तौर पर सुलभ जैविक पूर्वसूचकों का ट्रांसलेशनल अनुप्रयोग।

पूर्ण

1. टोक्सोप्लाज्मा गोंडी से नवीन पुनर्योजन युक्त प्रोटीन की क्लोनिंग अभिव्यक्ति और शुद्धिकरण तथा मानव टॉक्सोप्लाज़्मता के निदान के लिए इसका मूल्यांकन।
2. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के साथ और बिना सक्रिय फुफ्फुसीय तपेदिक में सीडी4+टी और सीडी8+टी कोशिका सबसेट का फ्लोसाइटोमेट्रिक मूल्यांकन ।
3. आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण सामग्री के रूप में उपयोग के लिए 2 दिन की अवधि तक पारंपरिक रेफ्रिजरेटर में रखे गए साइट्रेटिड प्लाज्मा स्टोरड की उपयुक्तता का अध्ययन करना

4. सीमित संसाधन स्थितियों में आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण के रूप में उपयोग के लिए 36 घंटे से अधिक पारंपरिक रेफ्रिजरेटर में रखे गए साइट्रेटिड प्लाज्मा की स्थिरता का अध्ययन करना।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. गंभीर रूप से बीमार सेप्सिस रोगियों में गुर्दे की गंभीर चोट और रोगी परिणाम की पूर्वसूचना के लिए एक मार्कर के रूप में मूत्र एल्ब्यूमिन क्रिएटिनिन अनुपात- एक अग्रदर्शी प्रेक्षणमूलक अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी, पीड़ा और सघन उपचार
2. निदान और चिकित्सा की निगरानी के लिए एपिथैलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में एचई4 स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान
3. वृद्ध भारतीयों की आंतरिक क्षमता और जराचिकित्सा सिंड्रोम का पता लगाने में इंटीग्रेटेड केयर टूल - ब्रीफ (आईसीटी-ब्रीफ) का अनुप्रयोग, जरा चिकित्सा
4. अतिरिक्त फुफ्फुसीय टीबी के निदान में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध किट-आधारित लूप मध्यस्थ आइसोथर्मल प्रवर्धन (टीबी लैम्प असे) की भूमिका का मूल्यांकन करना, काय-चिकित्सा
5. मेनिन्जाइटिस के हैतुकी की पहचान में सीएसएफ लैक्टेट और क्लोराइड की भूमिका, काय-चिकित्सा
6. उत्तर भारत में आंशिक देखभाल अस्पतालों में ईओसिनोफिलिया के रोगियों में परजीवी संक्रमण का प्रसार, काय-चिकित्सा, सूक्ष्म जैव विज्ञान
7. डेंगू बुखार में सीरम फेरिटिन की उपयोगिता, काय-चिकित्सा, सूक्ष्म जैव विज्ञान
8. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में न्यूरोलॉजिकल परिणामों के पूर्वानुमान के लिए एक अनुभवजन्य उपकरण का प्रमाणीकरण- एक अग्रदर्शी प्रेक्षणमूलक अध्ययन, बाल चिकित्सा
9. सिस्टिक फाइब्रोसिस से पीड़ित बच्चों में सिस्टिक फाइब्रोसिस संबंधित मधुमेह का प्रसार और जोखिम कारक: क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, बाल चिकित्सा
10. एक्स्ट्रा-हेपेटिक पित्त एट्रीशिया से ग्रसित शिशुओं के निदान एवं पूर्वानुमान में सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज 7 लेविल की भूमिका - बाल शल्यचिकित्सा
11. ल्यूपस नेफ्रैटिस में इम्यून जांच-बिंदुओं (सीटीएलए-4, पीडी-1, पीडी-एल1), साइटोकिन्स और टी-रेग कोशिकाओं की अभिव्यक्ति, वृक्क विज्ञान
12. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम, टाइप -2 मधुमेह मेलिटस और प्रजनन आयु वाली स्वस्थ भारतीय महिलाओं में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों (ऑर्गेनोक्लोरिन, ऑर्गेनोफॉस्फेट, बाइफिनाइल ए, फथलेट) का तुलनात्मक मूल्यांकन और आहार संबंधी आदतों (शाकाहारी बनाम मांसाहारी) और आनुवांशिक परिवर्तनशीलता के साथ उनका संबंध, बहु-केंद्रीय परियोजना
13. मोटापे में टी-नियामक कोशिकाओं (टी-रैग्ज) की भूमिका और टाइप 2 मधुमेह एवं क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) में मोटापे से जुड़े प्रदाह में उनका नैदानिक सहसंबंध, वृक्क विज्ञान

14. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रसित भारतीय महिलाओं में भिन्न-भिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों की प्रतिक्रिया में रोग का प्रसार, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, सह रुग्णता, जोखिम कारक और भिन्नता का मूल्यांकन करना: भारत भर में एक बहु-केन्द्रीय अध्ययन, बहु-केंद्रीय परियोजना
15. मनुष्यों में गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट (एसटीबीआई) के बाद व्हाइट मैटर विकृति में ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स में परिवर्तन और माइलिनेशन की जांच करना, फॉरेंसिक पैथोलॉजी और आणविक डीएनए, जेपीएनएटीसी
16. सार्कोपेनिया से पीड़ित मोटे रोगियों में कंकाल की मांसपेशियों के द्रव्यमान में परिवर्तन पर व्यायाम तथा पोषण संबंधी हस्तक्षेप के प्रभाव की तुलना करना, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा
17. चयापचय रोगियों की जन्मजात त्रुटि के बीच एचपीएलसी विधि का उपयोग करके अमीनो एसिड की मात्रा निर्धारण के लिए सूखे रक्त के धब्बों और प्लाज्मा नमूनों की तुलना, आनुवांशिकी, बाल चिकित्सा
18. नेत्र संबंधी प्रक्रियाओं से गुजरने वाले बच्चों में एनेस्थेसिया देने के दौरान तनाव बायोमार्करों, मेलाटोनिन स्तर और चिंता स्कोरों पर माता-पिता की उपस्थिति का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ.रा.प्र. केन्द्र (संवेदनाहरण)

पूर्ण

1. समय से बहुत पहले जन्म (<32 सप्ताह) के मामले में स्तनों के दूध में मैक्रोन्यूट्रिएंट संघटन -एक अग्रदर्शी प्रेक्षणमूलक अध्ययन, बाल चिकित्सा
2. ट्यूमर लाइसिस सिंड्रोम के उपचार में कम खुराक रैसबुरिकेस का प्रभाव, रुधिर विज्ञान
3. गुर्दे की गंभीर चोट से ग्रसित गंभीर रूप से बीमार रोगियों में वॉल्यूम ओवरलोड की स्थिति में फ़्यूरोसेमाइड तनाव परीक्षण में स्पॉट मूत्र सोडियम की भूमिका, संवेदनाहरण एवं सघन उपचार
4. प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामों के पूर्वसूचकों के रूप में मनो-सामाजिक तनाव और लिपिड प्रोफाइल, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 19 सार: 15

रोगी उपचार

केन्द्रीयकृत रक्त संग्रहण सुविधा:

नैदानिक रसायन विज्ञान (1,58,000), हीमेटोलॉजी (1,10,000), ईएसआर (40,000), कोएगुलेशन प्रोफ़ाइल (9500), क्लिनिकल पैथोलॉजी और आणविक लैब (5930), नैदानिक माइक्रोबायोलॉजी (6500), मानव पोषण (210), एंडोक्रिनोलॉजी (50), ब्लड बैंक (4100) के लिए सीसीएफ में फ्लेबोटॉमी प्रोसीज़र किए गए।

क्लिनिकल पैथोलॉजी और मॉलिक्यूलर इम्यूनोलॉजी के तहत रुटीन सेवाएं जैसे एचबीए1सी **(4645)** और सीरम क्रोमोग्रानिन **(290)** परीक्षण किए गए।

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवाएं (चौबीसों घंटे)

हीमेटोलॉजी सेवाएं	**जांचों की संख्या**
डीएलसी के बिना पूर्ण हीमोग्राम	105954
परिधीय स्मियर जांच	10800
कोएगुलेशन सेवाएं	
प्रोथ्रोंबिन टाइम और आई.एन.आर.	103516
एपीटीटी	60200
सीएसएफ और शरीर संबंधी द्रव	
यूरिन कीटोन/शर्करा	1457
रक्त कल्चर/सीएसएफ प्लेटिंग	9430
टीएलसी, डीएलसी के सीएसएफ माइक्रोस्कोपी सहित शरीर द्रव	12714
उप-योग	**3,04,071**
नैमिक नैदानिक जैव-रसायन सेवाएं	
प्लाज्मा ग्लूकोज	4765
एस. यूरिया	268851
एस. क्रिएटिनिन	269045
एस. बिलिरुबिन	212721
एस. एमाइलेज	9757
सीरम इलेक्ट्रोलाइट (एनए, के, सीएल)	188121
आयोनिक सीए	188121
एसजीओटी	1314
एसजीपीटी	1314
एएलपी	1314
सीएसएफ-ग्लूकोज	5081
सीएसएफ-प्रोटीन	5081
धमनी रक्त गैस विश्लेषण	7836
उप-योग	**11,63,321**
कुल	**14,67,392**

प्रयोगशाला सेवाएं

नैदानिक जैव-रसायनिकी

जांच	**रक्त**	**मूत्र**	**शरीर द्रव**
शर्करा	386190	--	3537
यूरिया	311999	1714	--
क्रिएटिनिन	316600	14452	--
कैल्शियम	327267	5802	--
फॉस्फेट	329779	4876	--
यूरिक एसिड	329087	1947	--
इलेक्ट्रोलाइट (एनए, के)	320078	6527	--
एसजीओटी	331406	--	--
एसजीपीटी	331406	--	--
अल्कालाइन फॉस्फेट	333376	--	--
बिलिरुबिन I. जोड़ II. संयुक्त	333180 168021	--	--
टी. प्रोटीन	326831	14490	3537
एल्ब्यूमिन	326831	--	3537
कोलेस्टरोल	10919	--	--
एमाइलेज	3955	--	2533
कुल	**44,86,925**	**49,808**	**13,144**

सकल जोड़: 45,49,877

हीमेटोलॉजी सेवाएं

जांच का नाम	**जांचों की संख्या**
डीएलसी सहित संपूर्ण हीमोग्राम	274057
रेटीक्यूलोसाइट गणना	1064
परिधीय स्मियर	41627
ईएसआर	18481
पीटी/आईएनआर	11543
एपीटीटी	2416
प्लेटलेट कार्य परीक्षण	10
कुल	**3,49,198**

नैदानिक सूक्ष्म-जीवविज्ञानी सेवाएं

<u>क. नैमिक जांचें</u>

जांच का नाम	ओपीडी	वार्ड	जोड़
1. **यूरिन**			
मेडिकल बोर्ड	932	0	932
रुटीन	55223	59798	115021
सूक्ष्मदर्शी	29163	29899	59062
पीएच, स्पेसिफिक ग्रेविटी, एसीटोन, बाइल पिगमेंट/सॉल्ट,यूरोबिलिनोजन, रक्त			
बेंस जोन्स प्रोटीन	43	19	62
काइल्यूरिया	42	24	66
यूरिन कल्चर	22112	0	22112
तनाव अभिनिर्धारण परीक्षण	18527	0	18527
एंटीबायोटिक संवेदनशीलता	3380	0	3380
उप-योग	**129422**	**89740**	**219162**
2. मल जांच			
वैट माउंट सलाइन	6998	4020	11018
वैट आयोडीन स्टेन	6998	4020	11018
मल में छिपा हुआ रक्त	396	2156	2552
फैट ग्लोब्यूल्स	140	48	188
मल जैड-एन स्टेन के लिए विशेष धब्बे, मॉडिफ	60	16	76
उप योग	**14592**	**10260**	**24852**
3. **सीमन विश्लेषण**			
रुटीन	4497	0	4497
रिएक्शन की संख्या	4497	0	4497
मोटिलिटी	4497	0	4497
काउंट	3212	0	3212
फ्रुक्टोज़	1772	0	1772
उप-योग	**18475**	**0**	**18475**

4. स्प्यूटम विश्लेषण			
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	1610	125	1735
जैड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	3220	250	3470
एमटीबी कल्चर	509	11	520
उप-योग	**5339**	**386**	**5725**
5. यूरिन एएफबी विश्लेषण			
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	708	14	722
जैड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	1416	28	1444
उप-योग	**2124**	**42**	**2166**

<u>ख. विशेष जांच</u>

इम्यूनो-सीरोलॉजिकल एवं आणविक निदान

टीओरआरसीएच			**संख्या**
टॉक्सोप्लाज्मा गोंडी आईजीजी	1744	टॉक्सोप्लाज्मा गोंडी आईजीएम	1815
रुबेला आईजीजी	2056	रुबेला आईजीएम	2085
साइटोमेगालोवायरस आईजीजी	2015	साइटोमेगालोवायरस आईजीएम	1952
हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस आईजीजी	504	हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस 02 आईजीजी	504
रुबेला आईजीजी एविडिटी	10		
उप-योग			**12685**
6. वायरल मार्कर्स और एचआईवी			
एचएवी आईजीएम	2086	एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	52587
एचबीएसएजी	54967	एचईवी आईजीएम	231
एचबीसी आईजीएम	173	एचआईवी	41570
एचबीईएजी	2919	एचबीवी डीएनए	867
एंटी एचबीई	10	एचसीवी आरएनए	547
एंटी एचबीएस	1258		
उप-योग		**157215**	

7. अन्य			
मीज़ल्स आईजीजी	108	मम्प्स आईजीजी	108
वैरिसेला आईजीजी	96		
उप-योग		**312**	
8. आणविक जांच			
सीएमवी (आरटी पीसीआर)			1427
उप-योग			**1427**
9. लीशमैनिया सीरोलॉजी			
हैम्स्टर में लैब स्ट्रेन मेंटेनेंस			810
उप-योग			**810**
10. बीडी इनफ्लक्स सैल सॉर्टर (फ्लो साइटोमीटर)			
11. टीबी प्रयोगशाला			
जैडएन स्टेनिंग	494	एलजे मीडियम इनॉक्यूलेटिड	749
बैक्टेक एमजीआईटी 960 इनॉक्यूलेटिड	250	जीनएक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ	311
आरके 39	40		
उप-योग		**2,091**	
सकल योग			**444920**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ. सुदीप कुमार दत्ता एथिक्स संबंधी इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ क्लिनिकल केमिस्ट्री (आईएफसीसी) टास्क फोर्स के लिए भारत से समकक्ष सदस्य हैं (**2018** से अब तक); वे, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल केमिस्ट्री (एएसीसी) - भारत अनुभाग (**2018** से अब तक) के सचिव; एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ़ इंडिया (एएमबीआई), दिल्ली अध्याय (**2019** से अब तक) के कार्यकारी सदस्य; प्रशिक्षण और परियोजना के सफल समापन पर भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, नई दिल्ली से सिक्स-सिग्मा ग्रीन बेल्ट से सम्मानित है; कई पत्रिकाओं के समीक्षक है, जैसे कि: रीनल फेलियर, टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटीज इन डिवेलपिंग कंट्रीज, इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, इंडियन जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स, मॉलिक्यूलरसेल बायोलॉजी, प्रैक्टिकल लेबोरेटरी मेडिसिन।

डॉ. श्याम प्रकाश मणिपाल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस के एसोसिएट एडिटर हैं; डीएसटी के एसईआरसी प्रभाग की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; आईसीएमआर के पोषण प्रभाग की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री में शोध पत्र के समीक्षक; जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल न्यूट्रीशन ईएसपीईएन में शोध पत्र के समीक्षक; जर्नल ऑफ डाइबिटीज एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम में शोध पत्र के समीक्षक: क्लिनिकल रीसर्च एंड रिव्यूज़; मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स के समीक्षक हैं।

9.19. काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

नवीत विग

आचार्य

रीता सूद | आशुतोश बिस्वास
संजीव सिन्हा | नवल के विक्रम

अपर आचार्य

मनीष सोनेजा | पीयूष रंजन

सह-आचार्य

नीरज निश्चल | पंकज जोरवाल
अरविंद कुमार | रनवीर सिंह जादोन

सहायक आचार्य

अनिमेश रे | उपेंद्र बैथा
प्रयास सेठी | वेद प्रकाश मीणा

मुख्य विशिष्टताएं

कायचिकित्सा विभाग एक जीवंत विभाग है जो समग्र रोगी देखभाल सेवाए प्रदान करता रहा है, मेडिकल शिक्षा में नवाचार लाता रहा है और ट्रांसलेशनल तथा क्लिनिकल अनुसंधान आयोजित करता रहा है। विभाग ने संक्रामक रोगों, मेटाबोलिक संबंधी विकारों, चेस्ट मेडिसिन और नींद की बीमारी तथा बहु-चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता वाली बड़ी संख्या में चिकित्सा समस्याओं के उपचार में एक मजबूत पकड़ बनाई है। बढ़ती बीमारियों के साथ सामन्जस्य रखने के लिए संक्रामक रोगों, यात्रा स्वास्थ्य और वयस्क टीकाकरण क्लिनिक में रोगी की देखभाल सेवाओं को विस्तारित किया गया है। मौजूदा सुविधाओं को अधिक सुदृढ़ किया गया, और उपचार बिंदू परीक्षण प्रयोगशाला में नई जांच शुरू की गई है, जो चौबीसों घंटे काम करती है, और यह गंभीर रूप से बीमार रोगियों के उपचार में महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद करती है। विभाग को "ट्यूबरक्यूलोसिस में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र" के रूप में फिर से नामित किया है। कोविड-19 के प्रति प्रतिक्रिया, तपेदिक, एचआईवी, डेंगू, चिकनगुनिया, इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 जैसे विभिन्न संक्रामक रोगों में दिशानिर्देश तैयार करने जैसी विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में योगदान देने में विभाग के संकाय और रेजिडेन्ट्स सबसे अग्रणी हैं। इस साल हमने डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना भी शुरू किया है और एक एंटीबायोटिक एप्लिकेशन लॉन्च किया है, जो दुनिया भर में एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक डाउनलोड किया जाने वाला मुफ्त एंटीबायोटिक एप्लीकेशन है। एक यूट्यूब चैनल बनाया गया और इसे काफी सराहा भी गया है। हमने आंतरिक चिकित्सा के विश्व-प्रसिद्ध विशेषज्ञों की मेजबानी की, जिन्होंने हमारे छात्रों के साथ बातचीत की, इस प्रकार उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विकसित करने में मदद मिली।

शिक्षा

विभाग, व्यापक स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम चलाता है जिसमें एकीकृत व्याख्यान, सेमिनार, जर्नल क्लब और बेडसाइड क्लिनिकी मामले चर्चाएं शामिल हैं। वर्तमान में 58 एमडी छात्रों, 39 डीएम-संक्रामक रोग और 15 वरिष्ठ रेजीडेंट को चिकित्सा विभाग में प्रशिक्षित किया जा रहा है। हम अपेक्षित परिणामों, सीखने के अवसरों और आकलनों के बीच बेहतर संरेखण के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर के क्लिनिकल प्रशिक्षण में सुधार करने का प्रयास कर रहे हैं। छात्रों पर नियमित रूप से रचनात्मक आकलन और प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

विभाग / विभागीय संकाय द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- नई दिल्ली में दिनांक 16 मई 2019 को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर डेंगू बुखार पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा
- टीबी-कोमोरोबिडिटीज पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्यदल की बैठक, 21 मई 2019, नई दिल्ली
- 30 मई 2019 को नई दिल्ली में "मैकेनिकल वेंटिलेशन" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में दिनांक 4 जून 2019 को आयोजित "गुणवत्ता सुधार" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में दिनांक 12 जून 2019 को "जीआई क्षय रोग" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में दिनांक 4 जुलाई 2019 को आयोजित "स्ट्रोक" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में दिनांक 11 जुलाई 2019 को आयोजित "मायोकार्डियल इन्फ्रैक्शन" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में दिनांक 20 जुलाई 2019 को आयोजित "ऑटोइम्यून न्यूरोलॉजी" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में दिनांक 10 अगस्त 2019 को आयोजित "लिम्फ नोड टीबी" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में दिनांक 11 से 13 सितंबर, 2019 तक 'एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी ट्रेनिंग मॉड्यूल डेवलपमेंट के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक'
- नई दिल्ली में दिनांक 18 सितंबर 2019 को "एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम" पर कार्यशाला
- नई दिल्ली में दिनांक 20 अक्टूबर 2019 को एम्स मेडिसिन नेशनल मेडिकल क्विज़
- नई दिल्ली में 21 से 23 अक्टूबर 2019 तक 'एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी ट्रेनिंग मॉड्यूल डेवलपमेंट के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक'
- नई दिल्ली में 28 नवंबर 2019 को "लंग ट्रांसप्लांटेशन" पर संगोष्ठी
- नई दिल्ली में 21 दिसंबर 2019 को "इंसुलिन थेरेपी" पर संगोष्ठी

प्रदत्त व्याख्यान

नवीत विगः 1	**आशुतोष बिस्वास: 2**	**संजीव सिन्हा: 3**
नवल के विक्रम: 3	**मनीष सोनेजा: 4**	**नीरज निश्चल: 1**
अरविंद कुमार: 3	**अनिमेष रे: 6**	**उपेंद्र बैथा: 1**
प्रयास सेठीः 1		

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 3

अनुसंधान

जारी

1. भारत में अस्पतालों में एंटीमाइक्रोबायल स्टीवर्डशिप गतिविधियों की शुरूआत, नवीत विग, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2019-20, 10 लाख रुपये
2. मानव सीडी8 टी-सेल का कार्यात्मक विश्लेषण, नवीत विग, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-22, 25.18 लाख रुपये
3. एचआईवी रोगियों में प्रबंधन अवसरवादी संक्रमण उपचार के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश, नवीत विग, नाको, 3 वर्ष, 2019-20, 54 लाख रुपये
4. तपेदिक के उपचार के लिए नए जैव-चिकित्सीय दृष्टिकोण, संजीव सिन्हा, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2015-19, 45 लाख रु.
5. श्रेणी 1 के फुफ्फुसीय क्षयरोग से पीड़ित रोगियों में विटामिन डी3 पूरक सहित अथवा विटामिन डी पूरक के बिना दोबारा क्षयरोग की संभावना की रोकथामः एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रण क्लिनिकल परीक्षण, संजीव सिन्हा, डीएचआर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2015-20, 40 लाख रु.
6. संक्रमण के दौरान डेंगू वायरस के तेजी से प्रसार का तंत्र, एनके विक्रम, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-21, 20 लाख रु.
7. 6 महीने के योगिक व्यायाम का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण बनाम शरीर की संरचना पर नियमित शारीरिक गतिविधि, गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग और मोटापे वाले उत्तर भारतीय व्यक्तियों में कई मेटाबोलिक उपाय। एनके विक्रम, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-21, रु. 96.39 लाख।
8. सार्कोपेनिया मोटापे वाले रोगियों में मांसपेशियों के कार्यात्मक सुधार और कंकाल द्रव्यमान में परिवर्तन पर व्यायाम तथा पोषण संबंधी हस्तक्षेप के प्रभाव की तुलना करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एनके विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-21, 83.01 लाख रु.
9. बायोमार्कर की भूमिका और इनवेसिव फंगल संक्रमण के शुरुआती निदान के लिए एल्गोरिद्म में इसकी उपयोगिता, मनीष सोनेजा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
10. चेतावनी के संकेत के साथ डेंगू बुखार में आईवी फ्लूड थेरेपी की ओपन लेबल वाली आरसीटी। मनीष सोनेजा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 57 लाख रुपये
11. एचआईवी से जुड़े लिपोडायस्ट्रॉफी के इलाज में सरोग्लिट्ज़र 4 मिलीग्राम के मुकाबले प्लेसबो की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, नीरज निश्चल, जायडस कैडिला, 3 वर्ष, 2016-2019, 30 लाख रुपये
12. अतिरिक्त-फुफ्फुसीय तपेदिक के निदान में किट-आधारित लूप मध्यस्थता इसोथर्मल प्रवर्धन (टीबी-एलएएमपी) की भूमिका के मूल्यांकन हेतु। नीरज निश्चल, एम्स, 1 वर्ष, 2018-19, 3 लाख रु.

13. गैर-एचआईवी विषयों के बीच लिम्फनोड तपेदिक में विरोधाभासी प्रतिक्रिया - नैदानिक निहितार्थ और परिणाम, पंकज जोरवाल, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2019-2020, 1.9 लाख रुपये
14. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करनाः एकल स्तर, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अरविंद कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2019-22, 50 लाख रुपये
15. कई अंगो की निष्क्रियता वाले और बिना झटके के साथ तीव्र ज्वर की बीमारी वाले रोगियों की क्लिनिकल और साइटोकाइन प्रोफाइलः एक संभावित अवलोकन अध्ययन, रणवीर सिंह जोदान, एम्स, 1 वर्ष, 2019-20, 2 लाख रुपये
16. क्रोनिक कैविटरी पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों के इलाज के लिए मौखिक इट्राकोनाजोल के साथ नेबुलाइज्ड एम्फोटेरिसिन बी की तुलना करने वाला एक अध्ययन। अनिमेश राय, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 4.6 लाख रु.
17. गंभीर उपचार बीमारियों वाले रोगियों में आंत माइक्रोबायोम और नैदानिक क्रम पर प्रोबायोटिक्स का प्रभाव- एक पायलट अध्ययन। अनिमेश राय, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-21, 35.33 लाख रुपये
18. रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्स के ज्ञान और बुनियादी और उन्नत जीवन समर्थन के बारे में कौशल पर सिमुलेशन के प्रभावों पर एक अध्ययन। उपेंद्र बैथा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रुपये

पूर्ण

1. भारत के चुनिंदा शहरों/कस्बों और ग्रामीण आबादी के बीच वसा, नमक और चीनी में उच्च खाद्य और खाद्य उत्पादों/वस्तुओं का उपभोग पैटर्न, एनके विक्रम, आईसीएमआर, 15 माह, 2018-19, 62.59 लाख रुपये
2. डेंगू संक्रमण की सेरोप्रिविलेंस, आशुतोष विश्वास, एनवीबीडीसीपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2016-19, 30 लाख रुपये
2. गंभीर अधिवृक्क फेब्राइल रोगों के साथ भर्ती रोगियों में लेप्टोस्पाइरा और स्क्रब टाइफस का अध्ययन। रणवीर सिंह जोदान, एम्स, 2 वर्ष, 2017-19, रु. 4.25 लाख
3. स्वस्थता, नींद और संज्ञानात्मक कार्य पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करना, संजीव सिन्हा, डीएसटी, 4 वर्ष, 2015-19, 78 लाख रुपये
4. नींद और न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों पर मोबाइल फोन के उपयोग के कारण विद्युत चुम्बकीय विकिरण का प्रभावः एक आणविक दृष्टिकोण, मनीष सोनेजा, डीएसटी, 4 वर्ष, 2015-19, 65 लाख रुपये
5. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल आईसीयू में उच्च जोखिम वाले रोगियों में आक्रामक फंगल संक्रमण का पैटर्न, पंकज जोरवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तृतीयक अस्पताल में आने वाले चिरकारी पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के मानक उपचार हेतु क्लिनिकल प्रोफाइल और मरीजों के परिणाम पर एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन

2. न्यूनतम इनवेसिव ऊतक के नमूने का उपयोग करके वयस्कों में मृत्यु का कारण निर्धारित करने के लिए एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
3. ट्यूबरकुलर और धूम्रपान संबंधित सीओपीडी रोगियों के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल और पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट प्रोफाइल की तुलना करने के लिए एक अध्ययन
4. एक आईसीयू और एचआईसी प्रथाओं में सक्रिय निगरानी और लक्षित हस्तक्षेप और वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया पर इसका प्रभाव
5. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों में एंटी-ट्यूबरक्युलर थेरेपी प्रेरित लिवर की क्षति: संभावित समूह अध्ययन
6. युवा स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के शरीर की संरचना और मेटाबोलिक प्रोफाइल का आकलन
7. एचआईवी जनसंख्या में सार्कोपेनिया का आकलन
8. दूसरी पंक्ति एआरटी पर पीएलएचआईवी में कार्डियोमेटाबोलिक विकारों का बोझ
9. भारत में तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल अस्पताल में रीढ़ की हड्डी की टीबी (तपेदिक) के रोगियों के शुरुआती लक्षण और नैदानिक परिणाम
10. इस्नोफीलिया के रोगियों के नैदानिक और एटियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल
11. ऑटोइम्यून हेमोलाइटिक एनीमिया के नैदानिक और सीरोलॉजिकल लक्षण
12. चिकित्सा बाह्य रोगी क्लिनिक में चिकित्सकीय अस्पष्ट शारीरिक लक्षणों वाले मरीजों के क्लिनिकल और सामाजिक-जनसांख्यिकीय सहसंबंध
13. उपचारित फुफ्फुसीय तपेदिक रोगोत्तर लक्षण (सेक्वेलै) वाले रोगियों में नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक परस्पर संबंध।
14. तृतीयक देखभाल केंद्र पर अज्ञात मूल के बुखार वाले रोगी का क्लिनिको-एटियलॉजिकल प्रोफाइल और परिणाम
15. यूरो-सेप्सीस के साथ रोगियों के क्लीनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल और परिणामः उत्तरी भारत में तृतीयक अस्पताल देखभाल से संभावित अध्ययन
16. मेकेनिकली वेंटिलेटेड रोगी की देखभाल में साक्ष्य आधारित प्रथाओं के पालन और परिणाम का मूल्यांकन: एक क्वासी-इंटरवेंशनल अध्ययन
17. परिणामों के अनुमानों हेतु संदिग्ध सेप्सिस वाले रोगियों में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले बेडसाइड क्लिनिकल प्रारंभिक चेतावनी स्कोर का मूल्यांकन
18. ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस के निदान में टीबी लैम्प परीक्षण का मूल्यांकन
19. एडवांस्ड एचआईवी रोग में उपचार के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक
20. वेंटिलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया पर एक गहन देखभाल इकाई में सक्रिय निरंतर निगरानी का प्रभाव, और वेंटिलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया के साथ एक्सोजेनस फ्लोरा की संबद्धता।
21. हेमेटोपोएटिक स्टीम सेल प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में वयस्कों में श्वसन संश्लेषण वायरस संक्रमण की घटना

22. एचआईवी नेगेटिव लिम्फनोड ट्यूबरक्लोसिस में विरोधाभास की प्रतिक्रिया की घटनाएं, परिणाम और अनुमान कारक
23. प्रारंभिक निदान में इनवेसिव फंगल संक्रमणों और बायोमार्कर तथा आणविक पहुँच की भूमिका
24. द्वितीयक एचएलएच में परिणाम अनुमान कारक
25. एचआईवी नकारात्मक ईपीटीबी रोगियों में विरोधाभासी प्रतिक्रियाएं- घटना, परिणाम और पूर्वानुमान कारक
26. एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) पर वयस्क एचआईवी/एड्स रोगियों में इम्युनोलाजिक विफलता की व्यापकता
27. एचआईवी/टीबी सह-संक्रमण में मनोवैज्ञानिक विकृतियां
28. स्पाइनल टीबी के मरीजों में एफडीजी पीईटी की भूमिका
29. नए निदान किए गए अंतरालीय फेफड़ों के रोगों के मूल्यांकन के मामलों में इम्पल्स ऑसिलोमेट्री की भूमिका
30. टी कोशिकाओं पर पीडी1 की भूमिका और सेप्टिक रोगियों में अस्पताल में संक्रमण से जुड़े मृत्यु दर में मोनोसाइट्स पर पीडीएल1 की भूमिका
31. पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टयूबरक्लोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया के निदान और निगरानी में सीरम सीए-125 स्तर की भूमिका
32. सेप्सिस के रोगियों में द्वितीयक हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टोसाइटोसिस (एचएलएच)
33. एम्स के चिकित्सा वार्डों में सिस्टेमिक फंगल संक्रमण का स्पेक्ट्रम
34. मेडिकल वार्ड में भर्ती मरीजों में स्टेराइल पायूरियाः क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस, यूरियाप्लाज्मा यूरियालिक्टिकम, माइकोप्लाज्मा होमिनिस और माइकोप्लाज्मा जेनिटेलियम की घटनाएं
35. एनएएफएलडी वाले रोगियों में मस्तिष्क प्रमात्रा और संज्ञानात्मक मूल्यांकन का अध्ययन
36. संक्रमण इमेजिंग हेतु 99एम टेक्नेटियम (99एमटीसी) लेबल वाले एंटीबायोटिक दवाओं का संश्लेषण, गुणवत्ता नियंत्रण और जैव-वितरण अध्ययन
37. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस के निदान में 'किट-आधारित कमर्शियल लूप-मीडिएटेड आईसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (टीबी-एलएएमपी)' जांच की भूमिका का मूल्यांकन करना
38. एचआईवी इन्सेफैलोपैथी में पीईटी स्कैन की उपयोगिता

पूर्ण

1. चिकित्सा वार्ड और गहन उपचार इकाई में नैदानिक और पर्यावरणीय फंगल अलगाव का विश्लेषण - अस्पताल संक्रमण निगरानी हेतु एक साधन
2. मधुमेह और मेटाबोलिक मापदंडों के साथ लीन मास, मांसपेशियों की ताकत और शारीरिक प्रदर्शन की सहबद्धता
3. दिल्ली/एनसीआर में वयस्क आबादी के बीच डेंगू का खतरा, एम्स नई दिल्ली
4. पेरिकार्डियल इफ्यूजन वाले रोगियों की क्लिनिकल, एटियोलॉजिकल और प्रयोगशाला प्रोफाइल

5. नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर बीमारी वाले मोटे और गैर-मोटे व्यक्तियों के बीच तुलना
6. उपचारित थूक स्कार्स और स्पुटम नेगेटिव पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस संदिग्धों के बीच पुनरावृत्ति के निदान में ब्रोन्कोएलेवलर लैवेज और कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी की नैदानिक उपयोगिता
7. रेट्रो पाज़िटिव व्यक्तियों के बीच ट्यूबरक्लोसिस हेतु आइसोनियाजिड निवारक चिकित्सा की प्रभावशीलता
8. मेडिकल आईसीयू में डिवाइस से जुड़े संक्रमणों पर निगरानी और निवारक हस्तक्षेप का प्रभाव
9. एम्स, नई दिल्ली के चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के बीच ज्ञान व्यवहार अभ्यास
10. मेडिसिन वार्ड में इन्वेसिव प्रक्रियाओं की गुणवत्ता में सुधार
11. सेप्सिस के उपचार में सीरम प्रोकैल्शिटोनिन स्तर की भूमिका
12. एम्स, नई दिल्ली के मेडिसिन वार्ड में सिस्टेमिक फंगल संक्रमण का स्पेक्ट्रम
13. डेंगू संक्रमण में मृत्यु दर की घटनाओं और जोखिम कारकों का मूल्यांकन करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. अधिक वजन या मोटापा से ग्रस्त, और टाइप 2 मधुमेह, वाले व्यक्तियों में सेमाग्लुटाइड 2.4 मिलीग्राम की सप्ताह में एक खुराक का प्रभाव और सुरक्षा, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
2. अतिरिक्त तौर पर जोड़े गए विषयों के रूप में मेटफॉर्मिन के साथ टी2डीएम में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडित ड्रग 'आयुष-डी' का एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित प्रौस्पेक्टिव चरण II क्लिनिकल अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
3. रोगियों में एड ऑन थेरेपी के रूप में मेटफोर्मिन के साथ टी2डीएम में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडेड ड्रग 'आयुष-डी' के यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित भावी चरण II का नैदानिक अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
4. हाई कार्डियोवस्कुलर जोखिम, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म में टी2डीएम के रोगियों में कार्डियोवस्कुलर परिणामों पर एफ़पेग्लेनाटाइड के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल समानांतर समूह बहुकेंद्रीय अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
5. मेटफोर्मिन के साथ या उसके बिना बेसल इंसुलिन पर अपर्याप्त रूप से अनियंत्रित टी2डीएम रोगियों में इंसुलिन ग्लैर्गिन से इंसुलिन ग्लैर्गिन/लिक्सिसेनाटाइड नियत अनुपात संमिश्रण की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करते हुए 24 सप्ताह का एक नियंत्रित ओपन लेबल पैरेलल आर्म बहुकेंद्रीय अध्ययन करना, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म।
6. पूर्व-मिश्रित इंसुलिन एनालॉग्स, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म का उपयोग करके मधुमेह के रोगियों के साथ वयस्क रोगियों में एसएआर 341402 मिक्स 70/30 से नोवोमिक्स® 30 के 26 सप्ताह की यादृच्छिक ओपन लेबल समानांतर समूह की तुलना, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
7. टी2डीएम कार्डियोवस्कुलर जोखिम कारक और मध्यम रूप से विकृत गुर्दे के कार्यों, वाले रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम और गुर्दे की घटनाओं पर सोटाग्लिफ़्लोज़िन के प्रभाव के प्रदर्शन हेतु एक

यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल समानांतर समूह बहुकेंद्रीय अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

रोगी की देखभाल

कायचिकित्सा बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) प्रत्यक्ष गैर संदर्भ वाला क्लिनिक है जो सप्ताह में 6 दिन कार्यशील रहता है। विभाग विशेष क्लिनिक चलाता है, जिसमें संक्रामक रोग, यात्रा स्वास्थ्य और वयस्क टीकाकरण क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2 बजे), नीद से संबंधित विकारो हेतु क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2 बजे), मोटापा और मेटाबोलिक विकार क्लिनिक (बुधवार दोपहर 2 बजे) और चेस्ट क्लिनिक (शुक्रवार दोपहर 2 बजे) शामिल हैं। विभाग राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत एआरटी केंद्र भी चलाता है। सीआईआई वार्ड में प्वाइंट-ऑफ-केयर टेस्ट लैब गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए जांच प्रदान करती है, जिसमें धमनी रक्त गैस विश्लेषण, सेप्सिस हेतु बायोमार्कर, कार्डियक बायोमार्कर आदि शामिल हैं। विभाग के पास एक पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट लैब है, जिसमें कोई प्रतीक्षा अवधि नहीं होती है और जांच तुरंत की जाती है और उसी दिन रिपोर्ट दी जाती है। ब्रोंकोस्कोपी लैब डीआईआई वार्ड में स्थित है और अत्याधुनिक एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड सिस्टम से सुसज्जित है। सीआईआई वार्ड में स्थित स्लीप लैब पॉलीसोम्नोग्राफी मशीनों, एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और एंडोथेलियल डिसफंक्शन के गैर-इनवेसिव आकलन के लिए उपकरणों से लैस है। कायचिकित्सा विभाग, एम्स अस्पताल में आने वाले रोगियों को और साथ ही साथ आरएनटीसीपी (संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम) के तहत दिल्ली (चेस्ट क्लीनिक) के पांच क्षेत्रों से संदर्भित किए जाने वाले रोगियों को ट्यूबरक्लोसिस हेतु नैदानिक सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग के पास अत्याधुनिक जैव-सुरक्षा स्तर 3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला है।

विभाग द्वारा संचालित विभिन्न क्लिनिकों और प्रयोगशाला जांच में रोगियों के आंकडे निम्नवत हैः

ओपीडी एवं क्लिनिक

मेडिकल ओपीडीः कुल मामले **157590**

संक्रामक रोग, यात्रा स्वास्थ्य और वयस्क टीकाकरण क्लिनिकः कुल मामले **3809**

निद्रा क्लिनिकः कुल मामले **767**

वक्ष क्लिनिकः कुल मामले **5151**

मोटापा और मेटाबोलिक विकार क्लिनिक: कुल मामले **1405**

एंटीरेट्रोवायरल (एआरटी) केंद्र: प्री-एआरटी **870** एआरटी का दौरा **61360**

प्रयोगशालाएँ:

निद्रा प्रयोगशालाएँ:

निद्रा अध्ययन	**330**	ब्लड प्रेशर की एम्बुलेटरी निगरानी	**12**
एंडोथेलियल डिसफंक्शन अध्ययन	**10**		

पीएफटी प्रयोगशालाः

पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट	**6688**	6 मिनट का पैदल चलने का परीक्षण	**398**
एफओटी	**446**		

ब्रोंकोस्कोपी प्रयोगशालाः

फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी	**424**	ईबीयूएस	**62**
ट्रेकियोस्टोमी	**9**		

जैवरसायन प्रयोगशालाः

एसीई परीक्षण **508**

मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला (आईआरएल) सेवाएं (नमूनों की संख्या):

बलगम स्मीयरः	**12,000**	ठोस संवर्धन के लिएः	**600**
तरल संवर्धन के लिएः	**18,739**	सोलिड ड्रग ससेप्टिबिलिटी परीक्षणः	**92**
तरल डीएसटी (पहली लाइन):	**205**	तरल डीएसटी (दूसरी लाइन):	**559**
लाइन जांच परख (पहली लाइन एलपीए):	**5,448**	लाइन जांच परख (दूसरी एलपीए):	**848**
जीन/एक्सपर्टः	**12,407**		

प्वाइंट-ऑफ-केयर लैब

प्रोकैल्सिटोनिनः	**5115**	ट्रोप I:	**2654**
प्रो बीएनपीः	**2600**		
धमनी रक्त गैस विश्लेषण:	**26,672**		
रक्त संवर्धन (27.10.19 से)	**1350**		

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 69 सारः 3 पुस्तकों में अध्यायः 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर नवीत विग कोविड-19 पर नेशनल टास्क फोर्स के सदस्य, कोविड-19 पर क्लिनिकल रिसर्च ग्रुप (आईसीएमआर) के सदस्य, तपेदिक में प्रशिक्षण और अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के नोडल अधिकारी थे; अध्यक्ष, टीबी पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह-कोमोरबिडिटिस; अध्यक्ष विशेषज्ञ समिति, नैदानिक प्रशिक्षण और अनुवाद संबंधी अनुसंधान पर वित्त पोषित कार्यशाला के लिए डीएचआर-आईसीएमआर; सह-अध्यक्ष, स्थायी उपचार दिशानिर्देश (चिकित्सा), आईसीएमआर; सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के शासी निकाय; भारतीय फार्माकोपिया आयोग के वैज्ञानिक निकाय के सदस्य; एचआईवी/एड्स पर आईसीएमआर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य और एचआईवी/एड्स परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य रहे।

प्रोफेसर आशुतोष बिस्वास दिल्ली, कोलकाता, पुणे, बेंगलुरु में इबोला वायरस रोग के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों और प्रतिक्रिया पर रैपिड रिस्पांस टीमों के प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित किए गए थे; डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में "निप्पाह वायरस संक्रमण" पर डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ,

नियंत्रण के लिए केरल सरकार की सहायता के लिए एर्नाकुलम में दूसरी केंद्रीय टीम के लिए विशेषज्ञ सदस्य और निप्पाह वायरस रोग और संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा हेतु पर्सनल टेस्ट (पीटी) बोर्ड के लिए यूपीएससी विशेषज्ञ रहे।

प्रोफेसर संजीव सिन्हा एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, इंडियाक्लेन, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएनएएमएस), इंडियन चेस्ट सोसाइटी, इंडियन थायराइड सोसाइटी, अमेरिकन थोरैसिक सोसाइटी, इंटरनेशनल एड्स सोसायटी, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) के सदस्य थे। वे मेडिकल बोर्ड अंटार्कटिका अभियान, भारत सरकार, गोवा, वैज्ञानिक समिति, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के सदस्य, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, एफडीसी, डीसीजीआई के सदस्य भी थे। इंडेक्स्ड अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं/राष्ट्रीय निकायों और संस्थानों की समीक्षा समितियों के संपादकीय बोर्डों की सदस्यताः "केसेस जर्नल" के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट मैनेजमेंट की समीक्षा समिति के सदस्य रहे। दक्षिण अफ्रीका से प्रकाशित, जर्नल आईजेएमआर की समीक्षा समिति और वर्तमान एचआईवी अनुसंधान जर्नल की समीक्षा समिति के सदस्य, डीएचआर, आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा समिति, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) की फैलोशिप प्राप्त की। वे एम्स के पीजीआर एथिक्स कमेटी के सदस्य सचिव भी हैं।

प्रोफेसर एन.के. विक्रम को जनवरी 2020 में इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन की फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

डॉ. मनीष सोनेजा को जनवरी 2020 में इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन की फैलोशिप से सम्मानित किया गया। वे इन्फ्लुएंजा दिशानिर्देशों, एनसीडीसी के प्रबंधन की उप-समिति के अध्यक्ष थे; डेंगू और इन्फ्लुएंजा पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के सदस्य विशेषज्ञ समूह, आईसीएमआर एंटीबायोटिक नीति के सदस्य विशेषज्ञ समूह, और स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों पर दवाओं की राष्ट्रीय समिति (एसएनसीएम) की उप-समिति के विशेषज्ञ सदस्य भी रहे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. संजीत सिंह डडवाल, क्लिनिकल प्रोफेसर, डिवीजन ऑफ इंफेक्शियस डिजीज़, सिटी ऑफ़ होप नेशनल मेडिकल सेंटर, कैलिफोर्निया, यूएसए (28 मई, 2019).

9.20. सूक्ष्म जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रमा चौधरी

आचार्य

आरती कपिल　　ललित धर　　बिमल के दास

बिजय रंजन मिर्धा　　इमाकुलाता जैस　　बेनू धवन

सीमा सूद　　उर्वशी बी सिंह

सह-आचार्य

सरिता महापात्रा　　आशीष चौधरी　　गगनदीप सिंह

हितेंद्र गौतम　　निशांत वर्मा

सहायक आचार्य

किरण बाला　　मेघा बृजवाल

विशिष्टताएँ

विभाग हमेशा से रोगी उपचार, शिक्षण, अनुसंधान और सीएमई कार्यक्रमों के प्रति समर्पित रहा है। यह एम.बी.बी.एस., एम.डी., पी.एच.डी. और बी.एस.सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में नामांकित स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के शिक्षण में सक्रिय रूप से संबद्ध रहा है। डी.एम. (संक्रामक रोग) पाठ्यक्रम (3 और 6 वर्षीय कार्यक्रम) को चिकित्सा विभाग के साथ जारी रखा गया है।

सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, जो स्वास्थ्य सेवाओं का एक अनिवार्य घटक है, ने रोगी उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस वर्ष के दौरान, इसने कुल **2,51,925 नैदानिक परीक्षणों** को संपन्न किया है और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण में एक मुख्य भूमिका अदा की है। विभाग ने कोविड-19 संबंधित मुद्दों के प्रबंधन में संस्थान की प्रतिक्रिया में एक प्रमुख भूमिका निभाई, जैसे कि मरीजों से प्राप्त नमूनों का परीक्षण (पुष्टि/संदिग्ध/संपर्क), संक्रमण नियंत्रण पद्धतियों के संबंध में एम्स में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों का प्रशिक्षण (विभिन्न केंद्रों सहित), इस महामारी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कई प्रोटोकॉल विकसित करना, और संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना और निगरानी करना।

यह हमारे लिए वास्तव में गर्व की बात है कि हम एम्स, नई दिल्ली में **एनएबीएल मान्यता** प्राप्त करने वाले पहले विभाग बने। यह फिर से हमारी पूरी सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग टीम की विशेषज्ञता, समर्पण और कड़ी मेहनत को परिलक्षित करता है। यह प्रभावी रोगी उपचार हेतु विश्वसनीय और समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए विभाग में सख्ती से अनुपालन की जा रही सर्वोत्तम पद्धतियों और गुणवत्ता प्रोटोकॉल को भी प्रतिबिंबित करता है। "काया कल्प" के लिए बाहरी निरीक्षण समिति ने प्रयोगशालाओं और विभाग के अन्य क्षेत्रों में कई दौरे किए, और यहां अनुपालन किए जा रहे स्वच्छता और जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन मानकों के स्तर से बेहद संतुष्ट हुए।

इस विभाग ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में सूचीबद्ध किये गए 57 **प्रकाशनों** के साथ, अनुसन्धान के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण योगदान किया। इस अवधि के दौरान, कई वित्तपोषित अनुसन्धान परियोजनाओं को आरंभ किया गया या जारी रखा गया, जिसमें से कई अन्य विभागों या संस्थानों के सहयोग के साथ था। कई पुरस्कार जीतने वाले मौखिक एवं पोस्टरों की प्रस्तुति राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में की गयी।

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories
(A Constituent Board of Quality Council of India)

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS)

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2012

"Medical laboratories - Requirements for quality and competence"

for its facilities at

DEPT. OF MICROBIOLOGY, SECOND FLOOR, TEACHING BLOCK, NEW DELHI, DELHI, INDIA

in the field of

Medical Testing

Certificate Number: MC-3267

Issue Date: 15/11/2019 Valid Until: 14/11/2021

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of this laboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

AMERICAN
SOCIETY FOR
MICROBIOLOGY
PRECONFERNCE
WORKSHOP

64वें संस्थान दिवस में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार, एम्स, नई दिल्ली: 24- 27 सितंबर 2019

<u>दूसरी रीजनल एडवोकेसी वर्कशॉप, वीआरडीएल नेटवर्क</u>

शिक्षा

स्नातकपूर्व शिक्षण

चिकित्सीय सूक्ष्म जैव विज्ञान में एम.बी.बी.एस. बी.एस.सी. (नर्सिंग) - चिकित्सीय सूक्ष्म जैव विज्ञान

स्नातकोत्तर शिक्षण

पी.एच.डी. (सूक्ष्म जैव विज्ञान)

व्याख्यान: सप्ताह में एक बार जर्नल क्लब: सप्ताह में एक बार

एम.डी. (सूक्ष्म जैव विज्ञान)

व्याख्यान/संगोष्ठी: सप्ताह में एक बार जर्नल क्लब: सप्ताह में एक बार

ट्यूटोरियल: महीने में दो बार प्रस्तुत प्रायोगिक अभ्यास: महीने में दो बार

विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला पोस्टिंग

डीएम (संक्रामक रोग)

संगोष्ठीः सप्ताह में एक बार

विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला पोस्टिंग

अल्पावधि प्रशिक्षण

1. एम्स, दिल्ली में दिनांक 5 नवंबर 2019 को दूसरी रीजनल एडवोकेसी वर्कशॉप वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) नेटवर्क
2. राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (एसआरएल) के लिए कार्यशाला / प्रशिक्षण का आयोजन
3. ईक्यूएएस पैनल डिस्ट्रीब्यूशन वर्कशॉप एंड ट्रेनिंग ऑन नाको प्रयोगशाला ऑनलाइन टूल फॉर लेबोरेटरी डेटा रिपोर्टिंग टू एनएसीओ, 20 जनवरी 2020. (प्रतिभागी: तीन राज्यों के संबंधित प्रयोगशालाओं ने भाग लिया- पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; राजकीय मेडिकल कॉलेज, पटियाला; राजकीय मेडिकल कॉलेज, अमृतसर और एचआईवी प्रयोगशाला, एम्स के कर्मचारी।)
4. सितंबर 2019 में एचआईवी प्रयोगशाला के कर्मचारियों के लिए सिस्मेक्स सीडी4 साइफ्लो काउंटर (फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा सीडी4 परीक्षण मशीन)।

विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों से 25 अभ्यर्थियों को अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियाँ/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

रमा चौधरी: 8	**आरती कपिल: 9**	**ललित दार: 1**
बीआर मिर्धा: 1	**इमाकुलाता जैस: 1**	**बेनू धवन: 1**
सीमा सूद: 1	**सरिता महापात्रा: 7**	**आशीष चौधरी: 1**
गगनदीप सिंह: 7	**हितेन्द्र गौतम: 8**	**निशांत वर्मा: 2**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 47 (युवा अन्वेषक पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित, सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति की मान्यता में स्नेहलता स्मारक पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति की मान्यता में डॉ. रमाकांत मेमोरियल पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. रियल टाइम पीसीआर द्वारा एक्यूट फेब्राइल इलनेस तथा मोलक्युलर डिटेक्शन ग्रसित रोगियों में रिकेटसिया एवं स्क्रब टाइफस का सिरोएपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन। रमा चौधरी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019, 2269.8 लाख रु.
2. गंगा नदी की जल एवं अवसाद दोनों में, न सड़ने की विशेषता को समझने के लिए एक विस्तृत अध्ययन, रमा चौधरी, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार। 2 वर्ष, 2017-19, 68 लाख रुपये
3. इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज (अल्सरेटिव कोलाइटिस/क्रोन डिजीज) में आंतों के माइक्रोबायोटा और म्युकोसल प्रतिरक्षा पर एक प्रोबायोटिक स्ट्रेंस (बेसिलस क्लौसी) के प्रभाव के आकलन के लिए एक अध्ययन, रमा चौधरी, यूनिक बायोटेक प्राइवेट लि., 4 वर्ष, 2016-2020, 60 लाख रुपये
4. लैक्टोबेसिलस द्वारा उत्पन्न बैक्टीरियोसिन्स का चित्रण और एंटी माइक्रोबायल प्रोफाइल का आकलन, रमा चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2017-19, 10 लाख रुपये
5. कम्युनिटी एंड हॉस्पिटल बर्डन ऑफ एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस इन द इंडियन पीडियाट्रिक पॉपुलेशन; इंपेक्ट ऑफ प्रोबायोटिक्स एंड जियोग्राफी (मल्टीसेंटेरिक स्टडी), रमा चौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016-18, 50 लाख रुपये
6. नोडल सेंटर फॉर नेशनल सर्विलांस ऑफ एंटीमाइक्रोबिअल रेजिस्टेंस, 2018-2023, आईसीएमआर, नई दिल्ली। आरती कपिल, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-23, प्रथम वर्ष के लिए 60 लाख रुपये।
7. भारत में आंत्रज्वर के लिए राष्ट्रीय निगरानी व्यवस्था (एनएसएसईएफआई)-टियर 3, आरती कपिल, आईसीएमआर, 1 वर्ष एवं 6 माह, 2018-20, 40 लाख रुपये
8. हेलोफिलिक / हेलोकेलिफिलिक एक्टिनोमाइसेट्स एंड बैक्टीरिया एंड हाइपर सेलाइन हैबिटैट एज पोटेंशियल सोर्स ऑफ एंटीबैक्टीरियल मोलेक्युल्स फॉर ड्रग रेजिस्टेंट माइक्रोब्स, आरती कपिल, आईआईटी, दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-19, 10 लाख रुपये
9. रीजनल वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (आरएल-वीआरडीएल), ललित दार, डीएचआर, 2019 के बाद, लगभग 500 लाख रु.
10. राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम निगरानी प्रयोगशाला, ललित दार, एमओएचएफडब्ल्यू, 2019 के बाद, लगभग 95 लाख रु.
11. एचआईवी वायरल लोड (वीएल) और प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी), ललित दार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के लिए नाको क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला, 2012 से, रु. 11 लाख प्रति वर्ष + रिएजेंट समर्थन

12. डेंगू और चिकनगुनिया हेतु राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम एपेक्स प्रयोगशाला, ललित डार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी), 2012 से, रु. 3 लाख प्रति वर्ष + रिएजेंट समर्थन
13. भारत में एचआईवी-1 के उभरते नए वायरल उपभेदों की रिप्लीकेटिव फिटनेस और रोगजनक गुणों की जांच करने के लिए एक बहु-केंद्रित पर्यवेक्षणीय अध्ययन, बिमल के दास, डीबीटी, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 21 लाख
14. बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना, बिमल के दास, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 9.9 लाख
15. सी.डी.4 परीक्षण, बिमल के दास, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 0.25 लाख
16. बच्चों में तीव्र जीवाणु के एटियोलॉजी का निर्धारण करने के लिए पारंपरिक और मोलेक्युलर तरीकों के साथ बहु-आयामी भावी अस्पताल आधारित सेंटीनेल निगरानी, बिमल के दास, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, केआईएमएस मेडिकल कॉलेज, बेंगलोर, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 1.45 लाख
17. बैक्टीर्मिया के लिए बायोमार्कर, एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध और एनएमआर द्वारा अस्पताल से संक्रमित और फिब्राइल न्यूट्रोपेनिक रोगियों में मास स्पेक्ट्रोमेट्री, बिमल के दास, बीआईआरएसी- डीबीटी, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 10.95 लाख
18. एक्टिव सरफेस मॉडिफिकेशन स्ट्रेटेजीज टू इन्हिबिट बायोफिल्म फॉर्मेशन एंड बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, बिमल के दास, आईआईटीडी-एम्स बहु-संस्थागत संकाय अंतःविषय अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2019-21, 25 लाख रु.
19. इम्यूनोपेथोजेनेसिस तथा न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी न्यूमोनिया (न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया) की रोग गतिशीलता का अध्ययन, बीआर मिर्धा, एस.ई.आर.बी., डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-21, रु. 44 लाख
20. कैंडिडा औरिस के पारिस्थितिकी, विकास और प्रतिरोध तंत्र का एक अध्ययन, इमाकुलाता जैस, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-22, रु. 32.22 लाख
21. तृतीयक उपचार अस्पताल में मल्टीप्लेक्स पीसीआर द्वारा जननांग अल्सर की बीमारी के रोगियों से हेमोफिलस डुकेरी, ट्रेपोनिमा पल्लीडम, हर्प्स सिम्प्लेक्स वायरस टाइप 1 और 2 का प्रारंभिक पता लगाना, बेनू धवन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-20, रु. 37.63 लाख
22. हार्डवेयर प्रत्यारोपण के साथ स्वच्छ आर्थोपेडिक सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में सर्जिकल साइट संक्रमणों से जुड़े हुए हस्तक्षेप की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बेनू धवन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रु. 43.01 लाख
23. एन गोनोरीया का पता लगाने के लिए नैनो-सक्षम बायोसेंसर, सीमा सूद, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-19, रु. 50 लाख
24. एन गोनोरीया हेतु एक एप्टेमर आधारित पहचान प्रणाली का विकास, सीमा सूद, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016-19, रु. 46.5 लाख
25. दवा प्रतिरोधी रोगाणुओं के लिए एंटी-बैक्टीरियल मोलेक्युल के संभावित स्रोत के रूप में हाइपर सैलाइन बसाहट से हेलोफिलिक / हेलोएलकैलिफिलिक एक्टिनोमाइसेट्स और बैक्टीरिया पर अध्ययन, आरती कपिल और सीमा सूद, एम्स-आईआईटी दिल्ली संयुक्त अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2019-20, रु. 10 लाख

26. भारत में क्रॉन का रोग: एक ऐसे देश में एक बहुस्तरीय अध्ययन, जहां आंतों के तपेदिक के साथ-साथ जॉहेन की बीमारी स्थानिक है, उर्वशी बी सिंह, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016-19, रु. 500 लाख
27. प्री-एक्सडीआर-टीबी में उपचार के विकल्प के रूप में मोक्सीफ्लोक्सासिन की उपयोगिता, उर्वशी बी सिंह, दिल्ली स्टेट ओआर टास्क फोर्स, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2017-20, रु. 2 लाख
28. श्रेणी II टी.बी. रोगियों में सीरम मार्करों के रोगात्मक मान, उर्वशी बी सिंह, दिल्ली स्टेट ओआर टास्क फोर्स, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2017-20, रु. 2 लाख
29. संभावित बायोमार्कर के रूप में व्यक्त प्रोटीन का उपयोग करते हुए पल्मोनरी और एक्सट्रा पल्मोनरी ट्यूबर्क्लोसिस रोगियों का निदान: प्वाइंट-ऑफ-केयर परीक्षण के विकास के लिए एक दृष्टिकोण, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-21, रु. 60 लाख
30. एमडीआर और एक्सडीआर-टीबी हेतु रैपिड मोलेक्युलर दवा प्रतिरोध का पता लगाना और दिल्ली राज्य से ज़ील-नीलसन की स्टैन्ड माइक्रोस्कोपिक स्लाइड से माइकोबैक्टीरियम टी.बी. की मोलेक्युलर टाइपिंग, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-21, रु. 60 लाख
31. जिनोमिक्स विधि का उपयोग करके सिक्किम, असम तथा त्रिपुरा में ए.डी.आर.-टी.बी. के संवेदनशील स्थानों का मानचित्रण, उर्वशी बी. सिंह, डी.बी.टी.-एन.ई.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 400 लाख
32. टी.बी (रिफैम्पिसिन सस्केप्टीबल) में रिफैम्पिसिन और फेरोपेनेम की प्रारंभिक जीवाणुनाशक गतिविधि (ईबीए), उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-21, रु. 70 लाख
33. अर्ली बैक्टेरिसिडल एक्टीविटी (ईबीए) और पीके/पीडी स्टडी ऑफ रिफाम्पिसिन, फेरोपिनेम, सेफडिनिर विद क्लावुलनेट वस स्टैण्डर्ड ऑफ केयर इन नेवली डाएग्नोस्ड स्मीयर पॉजिटिव रिफाम्पिसिन ससकेप्टिबल टीबी, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-21, रु. 70 लाख
34. मूत्र नमूनों से टी.बी. के निदान हेतु केयर डिस्पोजेबल सेनोर स्ट्रिप के केन्द्र का डिजाइन तथा वैद्यीकरण, उर्वशी बी. सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-21, रु. 60 लाख
35. इमर्जिंग ड्रग रेजिस्टेंस इन कम्युनिटी एक्वायर्ड यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन एंड मॉलिक्यूलर इनसाइट्स इंटू डायनामिक्स ऑफ रेसिस्टेंट ट्रैट्स इन इंडियन आइसोलट्स- एक अखिल भारतीय बहु-केंद्रित पार-अनुभागीय अध्ययन, सरिता महापात्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रु. 65 लाख
36. एफ्फिकैसी ऑफ कोल्ड एटमोस्फेरिक प्लाज्मा जेट फॉर इट्स एंटीमाइक्रोबिअल एक्टिविटी अगेंस्ट ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरियल एंड फंगल पैथोजन: एन इन-विट्रो एंड इन-वीवो स्टडी, सरिता महापात्रा, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2019-21, रु. 20 लाख
37. डेवलपमेंट ऑफ सुपर हाइड्रोफोबिक कैथेटर्स टू इन्हिबिट बैक्टीरियल एंड यीस्ट ग्रोथ, सरिता महापात्रा, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2019-21, रु. 20 लाख
38. एक्टिव सरफेस मॉडिफिकेशन स्ट्रेटेजीज टू इन्हिबिट बायोफिल्म फार्मेशन एंड बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, सरिता महापात्रा, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2019-21, रु. 20 लाख
39. भारत में डेंगू संक्रमण की घटनाओं का अनुमान लगाने के लिए एक बहु-केंद्रित, अग्रदर्शी, समुदाय-आधारित अध्ययन (इंडेन अध्ययन), आशीष चौधरी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-22, रु. 38 लाख

40. बाल चिकित्सा संबंधी घातक विकृतियों में मानव साइटोमेगालोवायरस रोग, आशीष चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2019-21, रु. 5 लाख
41. कम्पैरिजन ऑफ कन्वेंशनल एंड मॉलिक्यूलर टेस्ट्स फॉर द डायग्नोसिस ऑफ हेर्पेस जोस्टेर, आशीष चौधरी, एम्स, 1 वर्ष, 2020-21, रु. 2 लाख
42. कॉरेलशन ऑफ सर्कुलेटिंग डेंगू टाइप्स विद प्राइमरी एंड सेकेंडरी डेंगू इन्फेक्शन इन चिल्ड्रन एंड एडल्ट्स, आशीष चौधरी, एम्स, 1 वर्ष, 2020-21, रु. 2 लाख
43. एच.आई.वी. पॉजिटीव रोगियों में हिस्टोप्लाज्मोसिस का प्रचलन, गगनदीप सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2017-19, रु. 6 लाख
44. ज्वर न्यूट्रोपेनिक रोगियों में एन.एम.आर. तथा मास स्पेक्ट्रममिति के द्वारा बैक्टेरिमिया, एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध तथा अस्पताल से प्राप्त संक्रमण हेतु बायोमार्कर्स, हितेन्द्र गौतम, बीआईआरएसी-डीबीटी, 18 माह, 2019-20, रु. 36.46 लाख
45. तीव्र और पुरानी मैनिंजाइटिस में साइटोकाइन प्रोफाइल और प्रतिरक्षा कोशिकाओं का अध्ययन, हितेन्द्र गौतम, एम्स, 1 वर्ष, 2019-20, रु. 4.95 लाख
46. एक सामुदायिक अस्पताल में गर्भवती महिलाओं में अलक्षणी मलेरिया संक्रमण का परिमाण, निशांत वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 4.98 लाख
47. भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में हेमटोपोइएटिक स्टीम सेल प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में वायरल संक्रमण का एक संभावित अध्ययन, मेघा बृजवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रु. 45 लाख
48. गुर्दे की प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में बीके पॉलिओमावायरस का पता लगाना और जीनोटाइपिंग, मेघा बृजवाल, 2 वर्ष, 2018-20, रु. 9 लाख

पूर्ण

1. साल्मोनेला एन्टेरिक सेरोवर टाइफी और पैराटाइफी ए में ऐजीथ्रोमाइसिन सुसुसियोटेबिलिटी के लिए इसीओओएफ का मान परिभाषित करना, आरती कपिल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015-17, रु. 22 लाख
2. जन स्वास्थ्य समुदाय में बायो-रिस्क शमन जागरूकता बढ़ाना तथा वी.एच.एफ. एवं श्वास संबंधी संक्रमणों को उत्पन्न करने वाले हाई-रिस्क समूह वायरल विकृतिजनों के निगरानी तथा अचानक आरंभ होने के लिए प्रयोगशालाओं का जाल बनाना, ललित दार, सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी), अटलांटा (एनआईवी, पुणे), 3 वर्ष, 2015-18, रु. 4.5 लाख (प्रति वर्ष)
3. आक्रामक फफूंद संक्रमणः अस्पताल से नैदानिक एवं पर्यावरणीय आइसोलेट्स का जानपदिक रोगविज्ञान, औषधि प्रतिरोध तथा आणविक चित्रण, इमाकुलाता जैस, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-20, रु. 52 लाख
4. बच्चों में एक्टिव पल्मोनरी टी.बी. के निदान हेतु नोवेल बायो-सिग्नेचर का अधिप्रमाणन, उर्वशी बी सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-21, रु. 38 लाख
5. बालचिकित्सा फुफ्फुसी टी.बी. के निदान के लिए देशीय रूप से विकसित तकनीकों का वैद्यीकरणः बहुकेन्द्रित, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 125 लाख

6. एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टी.बी. के निदान के लिए देशीय रूप से विकसित तकनीकों का वैद्यीकरणः बहुकेन्द्रित, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 125 लाख
7. वर्तमान एंटीबायोटिक उपयोग तथा निदानशालाई परिणाम पर ध्यान देने के साथ एम्स, नई दिल्ली के रोगियों में जीवाणु मूत्रीय भू-भाग संक्रमण के प्रबंधन में वर्तमान पद्धति का अध्ययन, सरिता महापात्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 1 लाख
8. पल्मोनरी टी.बी. में उपचार प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए जीवनक्षमता मापन का नैदानिक मूल्यांकन, किरण बाला, एम्स, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 4.94 लाख
9. विभिन्न विधियों से कोलिस्टीन संवेदनशीलता की जांच तथा एंटेराबैक्टिरीयासी में कोलिस्टीन रेजिस्टेंस की शीघ्र पहचान, हितेन्द्र गौतम, एम्स, 1 वर्ष, 2018-19, रु. 4.94 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ऑडिट फॉर एंटीफंगल ट्रीटमेंट यूसेज इन एडल्ट्स विद इनवेसिव फंगल इन्फेक्शन्स
2. बच्चों में खराब नियंत्रित अस्थमा हेतु एज़िथ्रोमाइसिन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. एलोजेनिक हेमेटोपिटिक स्टीम सेल प्रतिरोपण ग्रसित रोगियों में बीके तथा जेसी पोलियोमावायरस पहचान
4. लैक्टोबेसिलस विकृति का चित्रण तथा उनके इम्यूनोमॉड्युलेटरी प्रभावों का आकलन
5. यूरोसेप्सिस का क्लीनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल रूपरेखा तथा परिणाम -उत्तर भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में एक अग्रदर्शी अध्ययन
6. हर्प्स जोस्टर (दाद) के निदान हेतु पारंपरिक और मोलेक्युलर तकनीकों की तुलना
7. बैक्टीरियल वैजीनोसिस (बीवी) के साथ और बिना भारतीय महिलाओं में वास्तविक समय पीसीआर बनाम न्यूजेंट के स्कोरिंग की नैदानिक सटीकता की तुलना
8. मल्टीप्लेक्स पीसीआर और एस न्यूमोनाई के विरुलेंस मार्कर द्वारा बच्चों में तीव्र बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस एटिओलॉजी का निर्धारण
9. टीपिकल जीवों पर विशेष जोर देते हुए वेंटीलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया में एटिऑलॉजिकल एजेंट
10. हाइपरविरुलेंट क्लेबसिएला निमोनिया की पहचान और रोगाणुरोधी अतिसंवेदनशील पैटर्न
11. नैदानिक नमूनों से अलग किए गए एस्परगिलस की गुप्त प्रजातियों की पहचान और लक्षण वर्णन
12. एक्सडीआर एसीनेटोबैक्टर बौमनी के नैदानिक आइसोलेट्स में इरावसाइक्लीन बनाम टाइगेसाइक्लीन की इन विट्रो संवेदनशीलता और प्रतिरोध तंत्र का अध्ययन
13. एक तृतीयक उपचार अस्पताल में कृत्रिम अंग जोड़ संक्रमण का माइक्रोबियल प्रोफाइल की पहचान हेतु कृत्रिमांग जोड़ संक्रमण का परिणाम और प्रवर्धन आधारित डीएनए विश्लेषण की भूमिका
14. बचपन से जुड़े मेटाबॉलिक प्रोफाइल इंट्रा-थोरैसिक टी.बी.
15. एमडीआर-टीबी रोगियों के निकट व्यक्तियों का माइक्रोबायोलॉजिकल फॉलो-अप तथा जीनोटाइपिक जांच
16. गंभीर ज्वर बीमारी से ग्रसित रोगियों में रिकेट्सियासिया की आणविक पहचान तथा चित्रण

17. मॉलिक्यूलर डिटेक्शन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ टिक-बोर्न लाइम बोर्रेलिओसिस, ह्यूमन मोनॉकायटिक एहरलिचिओसिस एंड ह्यूमन ग्रेनुलॉयटिक एनाप्लाज्मोसिस
18. रियल टाइम पीसीआर के द्वारा लेगियोनेला न्यूमोफिला की आणविक पहचान तथा सिक्वेंस आधारित टाइपिंग के द्वारा आइसोलेट्स की चित्रण
19. पी. विवाक्स में क्लोरोक्विन प्रतिरोध के मलेरिया और मोलेक्युलर पहचान के निदान हेतु मल्टीप्लेक्स पीसीआर परीक्षण
20. विसंक्रमित प्यूरिया वाले रोगियों में क्लैमिडिया ट्रैकोमेटिस, यूरियाप्लाज्मा यूरियैलिटीकम, माइकोप्लाज्मा होमिनीस तथा माइकोप्लाज्मा जिनैटेलियम की उत्पत्ति
21. उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार अस्पताल में एओसिनोफिलिया के रोगियों में परजीवी संक्रमण की व्यापकता
22. बैक्टिरियल वैगिनोसिस संबंधित बैक्टीरिया के पहचान में एप्टेमर तकनीक की भूमिका
23. निरंतर बैक्टीरियल पेरिटोनाइटिस के अ-प्रसारक नैदानिक मार्कर के रूप में सीरम होमोसिस्टिन (एच.सी.वाई.)
24. एचआईवी संक्रमित रोगियों में स्टेफीलोकोकस ऑरियस कोलोनाइजेशनः आपतन, जोखिम कारक एवं परवर्ती चर्म एवं कोमल उत्तक संक्रमण
25. स्तरीकृत एंटीबायोग्राम और अनुभवजन्य एंटीबायोटिक विकल्पों और एंटीबायोटिक विकल्पों में शैक्षिक हस्तक्षेप की भूमिका
26. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी न्यूमोनिया (पीजेपी)/न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया (पीसीपी) का उपचार किए गए रोगियों में जीवाणु संक्रमण तथा इस बीमारी के परिणाम पर इसके असर का अध्ययन
27. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी का श्वसनी विस्फार के एटियोलॉजी के रूप में तथा रोग वृद्धि पर इसके प्रभाव का अध्ययन
28. संक्रामक और गैर संक्रामक घावों के विभेदीकरण में 99एम-टीसी यूबिक्विसाइडीन की उपयोगिता

पूर्ण

1. संदेहजनक नासोफारिंगल कार्सिनोमा के रोगियों में ईबीवी डीएनए पीसीआर हेतु पीसीआर
2. आक्रामक फंगल संक्रमण के निदान हेतु रियल टाइम पीसीआर
3. मेडिसिन आईसीयू में भर्ती रोगियों में कैंडिडा ऑरिस के विशेष संदर्भ में कैंडिडा कोलोनाइजेशन की जांच
4. फुप्फुसी वार्ड तथा आईसीयू में भर्ती रोगियों में फफूंदी और नोकार्डियल संक्रमण का प्रचलन
5. पुरुषों से यौन संबंध रखने वाले पुरुषों के जननांग तथा अन्य जननांग क्षेत्रों में एन. गनोरिया की पहचान (एमएसएम)
6. रूधिर हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी के रोगियों में कार्बपिनम प्रतिरोधक एंटेरोबैक्टिरीयासी के कारण आंत्रिक कोलोनाइजेशन तथा रक्त-धारा संक्रमण की व्यापकता
7. इम्यूनोकाम्पिटेंट, यांत्रिक रूप से संवातित रोगियों में न्यूमोनिया होने वाले एचसीएमवी रिएक्टिवेशन की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. अस्थिर पार्किन्सन बीमारी वाले रोगियों में बोध तथा मोटर लक्षण पर प्रोबायोटिक संपूरण का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान
2. आइडेंटिफिकेशन, एंटीमाइक्रोबियल सस्केप्टिबिलिटी पैटर्न एंड क्लीनिकल कोरेलशन ऑफ द रेयर पैथोजन्स डिटेक्टेड बाय एमएएलडीआई-टीओएफ एमएस इन नार्थ इंडिया, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
3. ए.एम.आर. डायगः एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोधकता के क्रम आधारित अनुमान के लिए एक महत्वपूर्ण नैदानिक उपकरण, जैव भौतिकी
4. इंफ्लूएंजा तथा अन्य श्वसन वायरसों पर सी.डी.सी.-एम्स सहयोगात्मक अनुबंध परियोजनाएँ, सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी), अटलांटा (यूएसए) एवं सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन
5. सिनो-नासाल तथा खोपड़ी आधारित आक्रामक फफूंद रोग के परिणाम का पूर्वानुमान करने में विभिन्न क्लिनिकल तथा इम्यूनोलॉजिकल पैरामीटर्स का मूल्यांकनः एक विस्तृत अध्ययन, कान एवं गला रोग विज्ञान
6. तृतीयक उपचार अस्पताल, चिकित्सा में आने वाले क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के रोगियों के क्लीनिकल प्रोफाइल और उपचार परिणाम पर एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, काय-चिकित्सा
7. शीघ्र निदान में आक्रामक फफूंद संक्रमण तथा बायोमार्कर्स की भूमिका एवं आणविक धारणा, काय-चिकित्सा
8. ओरल ल्यूकोप्लाकिया में प्रो-इनफ्लेमेटरी साइटोकाइंस पर कैंडिडा तथा एंटीफंगल थेरेपी का प्रभाव- एक प्रायोगिक अध्ययन, ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी
9. कैंडिडा औरिस: संक्रमण, बसाहट और स्वास्थ्य उपचार सेटिंग में संचरण की जोखिम, मेडिसिन
10. मिश्रित योनि संक्रमण, प्रसूति तथा स्त्रीरोग के रोगियों में क्लिन्डामाइसिन 100 मि.ग्रा. तथा क्लॉट्रीमेजोल 100 मि.ग्रा. बनाम क्लॉट्रीमेजोल 100 मि.ग्रा. योनि सपोजीटरीज के तय मात्रा के मिश्रण की सुरक्षा तथा क्षमता का आकलन करने के लिए एक चरण-IV, डबल ब्लाइंड, तुलनात्मक, भावी, बहुकेन्द्रित अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान
11. बी.वी. में मेटाबोलोमिक्स के निदान या संभावित क्षमता, इसकी उपचार असफलता, आवृत्ति तथा अन्य एसटीआई की सुग्राहिताओं का विश्लेषण, त्वचारोग विज्ञान
12. उपचार के पूर्व तथा पश्चात् बैक्टीरियल वेजिनोसिस से प्रभावित स्त्रियों में वेजिनल माइक्रोबायोम तथा मेटाबोलोम और आवृत्ति या पुनरावृत्ति के साथ उनके सह-संबंध का विश्लेषण, त्वचारोग विज्ञान
13. डिंब ग्रंथि कैंसर हेतु वैकल्पिक लारमय नैदानिक नीतियों की खोज, जैव भौतिकी
14. वयस्कों, जिनमें स्पुटम पॉजीटिव पल्मोनरी टी.बी. की नयी-नयी पहचान की गई है, में रिफम्पिसिन, आइसोनियाजिड, पाइराजिनामाइड तथा इथामबूटोल के साथ दिए गए मेटफॉर्मिन की बैक्टीरिया-रोधी क्रिया, फार्मोकोकाइनेटिक्स, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने हेतु एक चरण-IIबी ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण : एक 8-सप्ताही अध्ययन, फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार

15. नयी पहचान की गई स्पुटम पॉजिटिव पल्मोनरी टी.बी. रोगियों के घर के स्वस्थ व्यक्तियों में टी.बी. बीमारी की रोकथाम में वीपीएम1002, इम्यूनोवैक वैक्सिन की क्षमता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु चरण-III, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग
16. "अस्पष्ट बांझपन" वाली महिलाओं में टी.बी. और जेनिटल क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
17. नव निदानित सेपटम पॉज़िटिव पल्मोनरी टी.बी. रोगियों में प्रारंभिक प्रस्तुति और उपचार प्रतिक्रिया पर ग्लाइसेमिक स्थिति का प्रभाव: एक संभावित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
18. महिला जननांग टी.बी. के शुरुआती निदान में एनटीईपी अनुशंसित तरीकों के सापेक्ष नए मोलेक्युलर तरीकों और एंटीजन आधारित नैदानिक तौर तरीकों का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
19. प्रिस्क्रिप्सन पैटर्न नियंत्रण के साथ सम्मिलित रक्त धारा संक्रमण रोगियों में परंपरागत प्रक्रिया पर माल्डी-टीओएफ एमएस इस्तेमाल की क्लीनिकल क्षमता: एक प्री-पोस्ट अर्ध प्रयोगात्मक अध्ययन, काय-चिकित्सा विभाग
20. कोलेस्टेटोमो आक्रामकता का क्लीनिकोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन, ईएनटी विभाग
21. नवजात शिशुओं में त्वचा के एंटीसेप्सिस के लिए दो अलग-अलग क्लोरहेक्सिडाइन ग्लूकोनेट तैयारी की प्रभावकारिता: एक गैर-हीनता यादृच्छिक परीक्षण, बाल चिकित्सा विभाग
22. इम्मुनोसोम्प्रोमिसेड होस्ट में पेट का संक्रमणः एक नैदानिक, सूक्ष्मजीवविज्ञानी और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध, रुधिर विज्ञान विभाग
23. नीओ एएमआर ग्लोबल ऑब्जर्वेशनल स्टडीः अस्पताल में भर्ती नवजातों में सेप्सिस का एक अग्रदर्शी सामूहिक अध्ययन, बालचिकित्सा
24. क्या नीयोनेटल अर्ली ऑनसेट सेप्सिस के मामले में भ्रूण प्रतिरोधक प्रतिक्रिया गर्भाशय में शुरू होती है? बालचिकित्सा विभाग
25. विभिन्न विधियों से कोलिस्टीन संवेदनशीलता की जांच तथा एंटेरोबैक्टिरीयासी में कोलिस्टीन रेजिस्टेंस की शीघ्र पहचान, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
26. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करना: एकल स्तरीय, समानांतर समूह, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा विभाग
27. भारत में जिला अस्पताल की सेटिंग में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी नवजात सेप्सिस का बोझ, बालचिकित्सा विभाग
28. कैरिस सक्रिय बच्चों में सूक्ष्मजीवों व्यापकता पर एक क्रैनबेरी अर्क आधारित माउथ-रिन्स बनाम सोडियम फ्लोराइड माउथ-रिंस की प्रभावशीलता - एक द्विस्तरीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दंत चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा केंद्र
29. एक्सडीआर एसीनेटोबैक्टर बौमनी के नैदानिक आइसोलेट्स में इरावसाइक्लीन बनाम टाइगेसाइक्लीन की इन विट्रो संवेदनशीलता और प्रतिरोध तंत्र का अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
30. एमडीआर बैक्टीरियल तनावों के खिलाफ बैक्टीरिओफगेस का अलगाव और पहचान, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग

31. बच्चों में एक्यूट बैक्टीरियल मस्तिष्कावरणशोथ की एटियोलॉजी तय करने हेतु बहु-केन्द्रित अग्रदर्शी अस्पताल आधारित सेन्टीनल निगरानी, केन्द्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, के.आई.एम.एस. अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, केम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान, बैंगलोर
32. संक्रामण के कारण अज्ञात उत्पत्ति वाले पाइरेक्सिया (पीयूओ) के रोगियों में निर्णय समर्थित एल्गोरिथ्म की स्थापना में अभिकर्मक एजेंटों के रूप में एंटीबायोटिक्स लेबल वाले रेडियो की उपयोगिता, और अल्पावधि और दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव, न्यूक्लियर मेडिसिन
33. उत्तर भारत के एक तृतीयक उपचार केंद्र में एक्यूट, सबएक्यूट और क्रोनिक एन्सेफैलाइटिस/एन्सेफैलोपैथी वाले शिशुओं, बच्चों और किशोरों की एटिऑलॉजिकल प्रोफाइल, पेडियाट्रिक्स (शिशु रोग चिकित्सा)
34. लूप मेडियेटेड आइसोथर्मल एमप्लिफिकेशन विधि के द्वारा मल नमूनों में वी. कॉलेरा की पहचान, जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग
35. विभिन्न क्लीनिकल नमूनों में मल्टीड्रग रेसिस्टेंस ग्राम नेगेटिव बेसिलि में कोलिस्टिन रेसिस्टेंस का आणविक पहचान, टेक्सिला अमेरिकन विश्वविद्यालय
36. व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण, यूनिसेफ
37. एक्यूट फेब्राइल इलनेस हेतु मल्टीप्लेक्स पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण, बाल चिकित्सा
38. अकृत्रिम अल्सरेटिव कोलाइटिस के उपचार वाले रोगियों में समृद्ध फिकल माइक्रोबायोटा प्रतिरोपण की क्षमताः यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरांत्ररोग विज्ञान
39. टी.बी. लिम्फाडिनाइटिस के रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया के साथ उपचारार्थ औषधि स्तर तथा कृमि ग्रसन का सहयोग, काय-चिकित्सा
40. प्लाज्मोडियम वाइवैक्स संक्रमण में कठोरता हेतु जोखिम पूर्ण कारकों का मूल्यांकन-एक भावी अध्ययन, काय-चिकित्सा

पूर्ण

1. क्लेफ्ट लिप और या पैलेट (सीएल/पी) तथा नॉन-क्लेफ्ट नियंत्रण ग्रसित बच्चों में खतरों की जांच का एक क्लीनिकल अध्ययन, आर्थोडॉन्टिक्स, सी.डी.ई.आर.
2. एनएरोबिक कल्चर तथा आणविक तकनीकों का प्रयोग करते हुए भारतीय बच्चों में होने वाले दंत कैरिज का माइक्रोफ्लोरा का मूल्यांकन, पिडोडॉन्टिक्स, सी.डी.ई.आर.
3. जूवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस में आंत्रिक माइक्रोबायोटा का अध्ययन-एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं संबंधित अस्पताल, नई दिल्ली
4. एचआईवी तथा एड्स पीड़ित व्यक्तियों में क्रिप्टोकोक्कल एंटीजेनेमिया, कायचिकित्सा एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
5. एयरवे कोलोनाइजेशन तथा एंडोट्रैकियल ट्यूब बायोफिल्म के साथ वेंटिलेटर सह-संबंधित न्यूमोनिया के परिवर्तनशील संबंध का अध्ययन, पल्मोनरी चिकित्सा विभाग
6. पूतिता में प्रिसेप्सीन के नैदानिक प्रदर्शन का अध्ययन, एक प्रायोगिक अध्ययन, कायचिकित्सा विभाग

7. सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगों के विकृतिजनन तथा वर्णक नियंत्रण में माइक्रो आर.एन.ए. की भूमिका स्पष्ट करना, त्वचारोग विज्ञान
8. निर्धारण करना कि क्या निगरानी कल्चर में कार्बापिनेमेज प्रतिरोधक एंटेरोबैक्टिरिसी के साथ आंत का कोलोनाइजेशन हाई रिस्क फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक रोगियों को प्रभावित करता है, रूधिरविज्ञान विभाग
9. ए प्रूफ-ऑफ़-कांसेप्ट स्टडी ऑफ 3 डेज इंट्रावीनस सेफ्ट्रियाक्सोन फोलोव्ड बाय स्विच टू ओरल सेफेक्सिम विद नेफ्रोटिक सिंड्रोम, पीडियाट्रिक्स
10. ब्रेस्ट कैंसर में ए.एल.एन.डी. के पश्चात् डिकंजेस्टिव कम्प्रेशन थेरेपी तथा इंजेक्शन बैंजाथाइन पेनिसिलिन जी बनाम डिकंजेस्टिव कम्प्रेशन थेरेपी, इंजेक्शन बैंजाथाइन पेनिसिलिन-जी और ऊपरी अंग लिम्फेडिमा में हाइड्रोफोबिक सिलिकॉन ट्यूब के स्थापन की क्षमता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा
11. ऑब्डॉमिनल इन्फेक्शन इन इम्युनो-कोंप्रोमाइज्ड होस्ट्सः ए रेडियोलॉजिकल, माइक्रोबायोलॉजिकल एंड क्लिनिकल कोरिलेशन, बालचिकित्सा विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 45 **सारः 7** **पुस्तकों में अध्यायः 2** **पुस्तकें: 1**

रोगी उपचार

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग ने वर्ष 2019-20 के दौरान कुल **2,51,925 जांचें** निष्पादित की।

एस्से/जांच/परीक्षण का नाम	की गई जांचों की संख्या	एस्से/जांच/परीक्षण का नाम	की गई जांचों की संख्या
जीवाणुविज्ञान प्रयोगशाला		**परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला**	
पीब नमूने संवर्धन एवं पहचान	13,589	**आंत्र परजीवीरूग्णता**	
मूत्र नमूने संवर्धन एवं पहचान	31,874	मल परीक्षण-ओवा/ परजीवी (वेट माउंट/सांद्रता)	2,289
रक्त नमूने संवर्धन एवं पहचान	24,832	कॉक्सीडियन परजीवी- मॉड.एसिड फास्ट/विशेष अभिरंजन	2,289
थूक/गला स्वैब/श्वास-प्रणाली स्वैब नमूने संवर्धन एवं पहचान	13,611	इन-विट्रो संवर्धन	30
सी.एस.एफ./स्टेराइल नमूने संवर्धन एवं पहचान	6,558	माइक्रोस्पोरिडिया हेतु पी.सी.आर. एस्से	2,289

मल नमूने संवर्धन एवं पहचान	1,422	**मलेरिया**	
प्रतिरोगाणु सुग्राहिता परीक्षण		जिम्सा अभिरंजन	4,676
पीब / निःस्त्राव / उत्तक-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	2,902	एक्रिडाइन ऑरेंज (ए.ओ.) प्रतिदीप्त अभिरंजन	4,676
मूत्र-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	2,425	मात्रामापन बफी कोट (क्यू.बी.सी.)	4,676
रक्त - प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	2,229	मलेरिया एंटीजन पहचान एस्से	4,676
श्वसन नमूने - प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	2,192	**लीशमेनियता (कालाज़ार)**	
सी.एस.एफ./स्टेराइल नमूने - प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	589	जिम्सा अभिरंजन	89
मल नमूने-प्रतिरोगाणु सुग्राहिता जांच	7	एक्रिडाइन ऑरेंज (ए.ओ.) प्रतिदीप्त अभिरंजन	89
बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस के लिए सीएसएफ नमूने से लेटेक्स एग्लूटिनेशन (एंटीजन डिटेक्शन)	10	काला-अजार सीरम विज्ञान (आरके-39)	663
कुल	1,02,240	**फाइलेरिया रोग**	
अस्पताल संक्रमण नियंत्रण (एच.आई.सी.) प्रयोगशाला		रक्त की प्रत्यक्ष जांच एवं सांद्रता	739
निगरानी संवर्धन	26,522	पतला आलेप	739
सी.एस.एस.डी./विसंक्रमण मॉनिटरिंग	2,755	मोटा आलेप	739
जल नमूने	1,603	एक्रिडाइन ऑरेंज (एओ) प्रतिदीप्त अभिरंजन	739
कुल	**30,880**	फाइलेरिया एंटीजन की पहचान	739
		मात्रामापन बफी कोट (क्यू.बी.सी.)	739
एनएरोबिक, विशेष विकृतजनों तथा माइकोप्लाज्मा प्रयोगशाला		**अन्य जांच**	
एनएरोबिक संवर्धन (रक्त, पित्त, बी.ए.एल., सी.एस.एफ., ऊत्तक)	756	अभिरंजन तथा पी.सी.आर. एस्से के द्वारा न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी संक्रमण (पीसीपी) की पहचान हेतु परीक्षण	1262
सी. डिफिसाइल मल संवर्धन	575	फ्री लिविंग अमीबा हेतु सेरिब्रोस्पनल फ्लूड परीक्षण	59
सी. डिफिसाइल एलिसा के लिए मल नमूने	575	कृमि प्रजाति	1
एनारोब्स के लिए संवेदनशीलता परीक्षण	57	आर्थरोपोड प्रजाति	2
सी. डेफिसाइल के लिए पीसीआर (*टॉक्स ए* जीन)	88	परजीवी सीरम परीक्षण	

सी. डेफिसाइल के लिए पीसीआर (*टॉक्स बी* जीन)	88	एलिसा के द्वारा एंटी-अमीबीय आई.जी.जी. एंटीबॉडी हेतु अमीबीय सीरम-परीक्षण	113
बार्टोनेला संवर्धन	12	हाइडेटिड रोग सीरम-परीक्षण (एलिसा/आईएचए)	135
बार्टोनेला आईएफए	13	एलिसा के द्वारा आई.जी.जी. एंटीबॉडियों हेतु टॉक्सोप्लाज्मता सीरम परीक्षण	57
बार्टोनेला पीसीआर (साइट्रेट सिंथेस जीन)	10	**विविध**	
बार्टोनेला पीसीआर (*रीब सी* जीन)	6	एस्पाइरेट्स की जांच (थूक. पीब आदि)	101
लेप्टोस्पाइरा आईजीएम एलिसा	639	**कुल**	**32,606**
लेप्टोस्पाइरा-मूत्र डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	636		
लेप्टोस्पाइरा-प्लाज्मा डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	634	**वायरसविज्ञान प्रयोगशाला**	
लेप्टोस्पाइरा संवर्धन (मूत्र और प्लाज्मा)	130	आणविक परीक्षण (पी.सी.आर., आरटी-पीसीआर)	
लेप्टोस्पाइरा पीसीआर	6	एसएआरएस-सीओवी-2 नोवल कोरोनावायरस रीयल टाइम आरटी-पीसीआर (ई जीन)	1,818
लेजीओनेला नियूमोफिला आईजीएम एलिसा	226	एसएआरएस-सीओवी-2 नोवल कोरोनावायरस रीयल टाइम आरटी-पीसीआर (ओआरएफ 1b जीन)	152
लेजीओनेला नियूमोफिला यूरीन एंटीजन (आईसीटी)	159	एसएआरएस-सीओवी-2 नोवल कोरोनावायरस रीयल टाइम आरटी-पीसीआर (आरडीआरपी 2 जीन)	152
लेजीओनेला एसपीपी. कल्चर	174	इन्फ्लूएंजा रीयल टाइम मल्टीप्लेक्स आर.टी.-पी.सी.आर.	711
लेजीओनेला नियूमोफिला रियल टाइम पीसीआर (मीप जीन)	211	श्वसन वायरस पैनल (इन्फ्लूएंजा के अतिरिक्त) मल्टीप्लेक्स पीसीआर	73
लेजीओनेला नियूमोफिला सेरोग्रुप 1 रियल टाइम पीसीआर (डब्ल्यूजेडएम जीन)	55	एचएसवी 1 एंड 2 डीएनए पीसीआर (सीएसएफ, जीयूडी, ऑक्यूलर आदि)	82
एमएलएसटी के लिए *लेजीओनेला* पीसीआर (44 पर्यावरणीय आइसोलेट्स, प्रत्येक 7 जीन)	308	एचसीएमवी डीएनए पीसीआर (मूत्र, कोलोनिक बायोप्सी, सीएसएफ आदि)	127
स्क्रब टाइफस आई.जी.एम. एलिसा	623	प्रारंभिक शिशु निदान हेतु एचआईवी-1 आरटी-पीसीआर	4,087

स्क्रब टाइफस आई.जी.एम. आईएफए	326	एचआईवी-1 आरएनए आरटी-पीसीआर (वायरल लोड)	2,048
स्क्रब टाइफस आई.जी.एम. आईसीटी	88	डेंगू, चिकनगुनिया एवं जिका वायरस रियल टाइम आरटी-पीसीआर	21
स्क्रब टाइफस नेस्टेड पीसीआर (56 केडीए जीन)	136	पोलियोमावायरस (बीके/जेसी) रियल टाइम आरटी-पीसीआर	295
स्क्रब टाइफस रियल टाइम पीसीआर (47 एचटीआरए जीन)	24	एंटेरोवायरस (नेस्टेड, रियल टाइम) आरटी-पीसीआर	5
रीकेटसिया स्पॉटेड फीवर ग्रुप आईजीएम एलीसा	458	रैश के साथ फीवर वायरल पैनल (खसरा, एंटेरोवायरस, पैर्वोवायरस बी19, एचएचवी-6 एवं एचएचवी-7)	2
रीकेटसिया टाइफस ग्रुप आईजीएम एलीसा	458	वायरल मेनिंगाइटिस / एनसेफलाइटिस पीसीआर पैनल (एचएसवी, एंटेरोवायरस, पैरिकोवायरस, वीजेडवी, मम्मस)	54
रीकेटसिया स्क्रीन आईजीएम आईएफए	180	वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस पैनल (रोटावायरस, नोरोवायरस, एडेनोवायरस 40/41,)	5
रीकेटसिया नेस्टेड पीसीआर जीएलटी जीन	164	एप्सटीन-बार वायरस (ईबीवी) डीएनए पीसीआर (कनवेंशनल, रियल टाइम)	16
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनी आईजीएम एलिसा	226	पर्वोवायरस बी19 रियल टाइम पीसीआर	21
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनी संवर्धन	172	कोशिका संवर्धन (इन्फ्लूएंजा ए/बी, डेंगू, एचएसवी 1 एवं 2, एडीनोवायरस, आदि)	271
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनी रियल टाइम पीसीआर (कार्ड टोक्सिन जीन)	164	**एंटीजन पहचान**	
क्लेमाइडिया न्यूमोनी आईजीएम एलिसा	226	डेंगू एनएस1 एंटीजन (एलिसा)	984
बोर्रेलिया बर्गडोरफेरी आईजीएम एलिसा	106	रोटावायरस एंटीजन (आईसीटी)	5
बोर्रेलिया बर्गडोरफेरी आईजीजी एलिसा	106	एंटीबॉडी पहचान	
बोर्रेलिया बर्गडोरफेरी आईजीएम इम्यूनोब्लॉट	20	एंटी-डेंगू आईजीएम (एलिसा)	1351
बोर्रेलिया बर्गडोरफेरी आईजीजी इम्यूनोब्लॉट	20	एंटी-चिकनगुनिया आईजीएम (एलिसा)	57
बोर्रेलिया बर्गडोरफेरी रियलटाइम पीसीआर (सीएसएफ - लक्षित ओएसपीए)	60	एंटी-जापानी एनसेफलाइटिस आईजीएम (एलिसा)	20
एनाप्लास्मा फागोसाइटोफिलम आईजीजी आईएफए	140	एस.एस.पी.ई. निदान (सीएसएफ/सीरम) हेतु एंटी-मीजल्स एंटीबॉडी कम्प्लीमेंट	44

		फिक्सेशन परीक्षण (सीएफटी)	
एर्लिचिया चफेनेसिस आईजीजी आईएफए	140	एंटी-मीजल्स आईजीजी/ कुल आईजीजी (एलिसा) (सी.एस.एफ./सीरम)	32
		प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी	
माइकोप्लाज्मा होमिनिस संवर्धन	442	जैंक आलेप (एचएसवी 1 एवं 2, वीजेडडब्ल्यू हेतु)	12
माइकोप्लाज्मा होमिनिस पीसीआर	508	डाउनी कोशिकाएं / एटिपिकल लिम्फोसाइट के लिए पीएस (ईबीवी-संबंधित संक्रामक मोनोन्यूक्लिओसिस)	4
यूरियाप्लाज्मा यूरियालिटिकम संवर्धन	442	**कुल**	**12,449**
यूरियाप्लाज्मा यूरियालिटिकम पीसीआर	508		
क्लेमाइडिया ट्रेकोमाइटिस पीसीआर	530	**कवकविज्ञान एवं आई.सी.पी. प्रयोगशाला**	
माइकोप्लाज्मा जिनाटेलियम पीसीआर	478	**प्रत्यक्ष माइक्रोस्कॉपी/संवर्धन**	
कुल	**12,103**	रक्त संवर्धन/अस्थि मज्जा/रक्त बैकटेक	1238
यौन संचारित रोग (एस.टी.डी.) प्रयोगशाला		श्वसन (बी.ए.एल., थूक, ट्रैकियल ऐस्पिरेट)	5035
		मूत्र	1142
उच्च वेजिनल स्वाब (एचवीएस)	384	सी.एस.एफ.	1465
वार्य	1019	ऊत्तक/बायोप्सी	861
व्यक्त प्रोस्टेटिक स्राव (ई.पी.एस.)	28	त्वचा खुरचना/नाखून/बाल	142
मूत्रमार्ग स्राव	66	तरल (पर्युदर्या, हृदयावरण तथा एसिटिक तरल)	776
सर्विकल स्राव	133	पीब	567
योनि स्राव	3	विविध (प्लेट्स, स्वाब, कैथीटर टिप्स)	1092
ग्रसनी स्वाब	30	कवक सीरम परीक्षण/कवक रोधी/टीडीएम/पीसीआर	
मलाशय स्वाब	30	क्रिप्टोकॉक्कल एंटीजन	1016
मूत्रमार्ग स्वाब	7	गेलेटोमनान एंटीजन	2023
बी.वी. (माइक्रोस्कोपी केवल) हेतु योनि स्वाब	486	मूत्र हिस्टोप्लाज्मा एंटीजन	29
मूत्रमार्ग स्राव-नेसेरिया गनोरिया हेतु पी.सी.आर.	66	बीटा डी ग्लूकेन एस्से	153
योनि स्राव-*नेसेरिया गनोरिया* हेतु पी.सी.आर.	3	हिस्टोप्लाज्मा एंटीबॉडी	20
सर्विकल स्राव-*नेसेरिया गनोरिया* हेतु पी.सी.आर.	133	ऐस्पर्जिलस एंटीबॉडी	86

मलाशय स्वाब-*नेसेरिया गनोरिया* हेतु पी.सी.आर.	30	टीडीएम (वॉरीकोनाजोल)	168
ग्रसनी स्वाब-*नेसेरिया गनोरिया* हेतु पी.सी.आर.	30	कवकरोधी सुग्राहिता	463
एंटीमाइक्रोबियल सुग्राहिता परीक्षण		पीसीआर (पैनफंगल 11, हिस्टोप्लाज्मा 3, क्रिप्टोकॉक्कस 1, ऐस्पर्जिलस 2)	68
उच्च योनि स्वाब (एचवीएस)	101	**कुल**	**16,344**
वार्य	96	टी.बी. प्रयोगशाला	
व्यक्त प्रोस्टेटिक स्राव (ईपीएस)	9	जेडएन स्मीयर हेतु नमूने संसाधित	6,588
मूत्रमार्ग स्राव	05	एल.जे. माध्यम पर संवर्धन	139
सर्विकल स्राव	-	एमजीआईटी 960 पर रैपिड कल्चर	3,689
योनि स्राव	-	एमजीआईटी डीएसटी	218
ग्रसनी स्वाब	-	*माइकोबैक्टीरियम टी.बी.* के लिए पीसीआर	4,618
रेक्टल स्वाब	-	जीनएक्सपर्ट एम.टी.बी./आर.आई.एफ.	615
कुल	**2,659**	**कुल**	**15,867**
एचआईवी प्रतिरक्षा-विज्ञान प्रयोगशाला		**सीरम परीक्षण प्रयोगशाला**	
एच.आई.वी. जांच	2,920	वी.डी.आर.एल.	8689
सी.डी.4 गणना	9,930	विडाल	4336
एच.आई.वी. अनिर्धारित नमूनों हेतु वेस्टर्न ब्लॉट (संबंधित राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं से प्राप्त)	4	टीपीएचए	361
कुल	**12,854**	एएसओ	100
		ब्रुसेला एंटीबॉडी के लिए स्टैंडर्ड एग्लूटिनेशन टेस्ट (एसएटी)	9
आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला		**कुल**	**13,495**
एक्यूट बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस (एबीएम) के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर	428		
कुल	**428**		

वायरोलॉजी प्रयोगशाला

- प्रयोगशाला ने दिल्ली एनसीआर में संस्थानों (आर्मी हॉस्पिटल आरएंडआर, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी), मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), नेशनल आईएमआर, और आईएलबीएस) के

लिए वास्तविक समय आरटी-पीसीआर द्वारा सार्स-सीओवी-2 नोवल कोरोनवायरस के मोलेक्युलर निदान पर प्रशिक्षण दिया।

- प्रयोगशाला ने मानेसर में सेना के शिविर, छावला में आईटीबीपी शिविर, और विभिन्न राज्यों (पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश आदि) में सेना के शिविरों में रखे गए विस्थापितों हेतु सार्स-सीओवी-2 नोवल कोरोना वायरस परीक्षण किया।

एचआईवी इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला

- एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला - एनएबीएल प्रमाणित
    - जून में एचआईवी वायरल लोड और प्रारंभिक शिशु निदान के लिए राष्ट्रीय एचआईवी संदर्भ प्रयोगशाला और नाको क्षेत्रीय रेफरल प्रयोगशाला का सफल एनएबीएल डेस्कटॉप मूल्यांकन।
    - आग की घटना (अगस्त 2019) के उपरांत दिसंबर 2019 में एक सफल एनएबीएल पुन: सत्यापन दौरा।

  वैधता: जुलाई 2018 से जुलाई 2020 तक। एनएबीएल स्कोप सहित:
- रैपिड परीक्षणों का उपयोग करते हुए एचआईवी डायग्नोस्टिक सीरोलॉजी
- सीडी**4** गणना/सीडी**4** प्रतिशत अनुमान
- प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी) हेतु एचआईवी गुणात्मक रियल टाइम पीसीआर
- वायरल लोड (वीएल) हेतु एचआईवी मात्रात्मक रियल टाइम पीसीआर
- गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम (बाहरी गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियाँ)
    - एपेक्स लैब नेशनल एड्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के साथ ईक्यूएएस गतिविधि
- जुलाई 2019 और जनवरी 2020: प्रदर्शन: 100%
    - 4 राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं (एसआरएल) में ईक्यूएएस पैनल वितरित किए गए
- अगस्त-2019 आग के कारण रद्द और जनवरी 2020- 100% भागीदारी
- नेशनल सिरोलॉजी रेफरेंस लेबोरेटरी (एनएसआरएल) ऑस्ट्रेलिया के साथ अंतर्राष्ट्रीय ईक्यूएएस गतिविधि
- जून 2019 एवं सितंबर 2019 प्रदर्शन: 100%
- आईसीटीसी गतिविधि
    - जांच पूर्व परामर्शः 2920 रोगी
    - जांच पश्चात परामर्शः 2901 रोगी

परजीवी विज्ञान प्रयोगशालाः

- गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम (बाह्य गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियाँ)
    - इंडियन एकेडमी ऑफ ट्रापिकल पैरासिटोलॉजी द्वारा अपने नियमित नैदानिक सेवाओं के लिए ग्रेड ए प्रदान किया गया।

सीरम परीक्षण प्रयोगशालाः

- बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस): अनुरूप परिणाम के साथ आईएएमएम-ईक्यूएएस, नई दिल्ली में भाग लिया।

एचआईसीसी-कोविड प्रतिक्रिया: सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग एम्स अस्पताल में एचआईसीसी का एक अभिन्न अंग है। संकाय निम्नलिखित कोविड-19 प्रतिक्रिया संबंधी विंग का एक हिस्सा थाः

- विभिन्न दस्तावेजों की तैयारी:
    - संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण दिशानिर्देश
    - कीटाणुशोधन और बंध्याकरण प्रोटोकॉल (टर्मिनल कीटाणुशोधन सहित)
    - एचआईसी संबंधित गतिविधियों के लिए तैयार रीकोनर
    - डोनिंग / डॉफ़िंग के लिए जाँचसूची
    - कीटाणुशोधन / सफाई के लिए जाँचसूची
    - नमूना संग्रह और नमूनों का परिवहन
    - पीपीई का उचित उपयोग
    - फेस शील्ड और चश्मे का पुन: उपयोग
    - विस्तारित उपयोग और एन95 प्रोटोकॉल का सीमित उपयोग
    - कीटाणुशोधन और पीपीई का पुन: उपयोग
    - डेड बॉडी डिस्पोजल प्रोटोकॉल
- स्वास्थ्य कर्मचारियों का शिक्षण और प्रशिक्षण
    - प्रशिक्षण के लिए वीडियो
    - प्रदर्शन के लिए पोस्टर
    - पीपीई डोनिंग और डॉफ़िंग का लाइव प्रदर्शन
- डोनिंग और डॉफिंग के लिए क्षेत्रों की तैयारी
- एचआईसी से संबंधित मुद्दों के लिए दिन-प्रतिदिन संकल्प
- कोविड-19 के लिए बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट
- पीपीई - कवरॉल सूट और एन-95 मास्क के कीटाणुशोधन और पुन: उपयोग के लिए एक सुविधा विकसित करने में योगदान

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

- 64वें संस्थान दिवस, एम्स, नई दिल्ली में विभाग के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार। 24-27 सितंबर 2019.
- सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए स्नेहलता मेमोरियल पुरस्कार: "न्यूमोनिया और पल्मोनरी रोग गंभीरता में नोवल मायकोप्लाज्मा न्यूमोनिया काईस टॉक्सिन की मोलेक्युलर पहचान" हेतु श्रीनाथ के, चौधरी आर, चंदोलिया ए, काबरा एसके, डे एबी, गुलेरिया आर को आईएएम के 11वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रदान किया गया, 2019, 3-4 दिसंबर 2019, पुणे, भारत
- सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए डॉ. रमाकांत मेमोरियल अवार्ड: "नई दिल्ली, भारत में सामुदायिक-एक्वायर्ड न्यूमोनिया के रोगियों में *माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया* और *लेगियोनेला न्यूमोफिला* की उपस्थिति और पहचान: एक बहु-केंद्रित अध्ययन" के लिए श्रीनाथ के, चौधरी आर, वलवने ए, सागर टी, चौधरी एम, वर्मा-बेसिल एम

और अन्य को आईएएम के 11वें राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रदान किया गया, 2019, 3-4 दिसंबर 2019, पुणे, भारत

- "प्रोबायोटिक स्ट्रेन बैसिलस कोगुलांस के प्रभाव का आकलन करने के लिए भारतीय जनसंख्या में प्लेसबो-कंट्रोल्ड स्टडी, इनफ्लेमेटरी बाउल डिजीज में विशेष आईएस2" विषय पर पेपर प्रस्तुत करने के लिए वी दीपक दीपक बमोला को "यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड", जो गट माइक्रोबायोटा और प्रोबायोटिक साइंस फाउंडेशन (इंडिया) द्वारा बमोला वीडी, दुबे डी, सामंता पी, आहूजा वी, चौधरी आर को "अत्याधुनिक विज्ञान और अनुप्रयोग - इंटेस्टाइनल माइक्रोबायोटा और प्रोबायोटिक्स" पर 10वीं भारत प्रोबायोटिक संगोष्ठी के दौरान प्रदान किया गया जिसे 29 फरवरी और 1 मार्च 2020 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।
- इस वर्ष आईसीएमआर-डीएचआर के तहत वायरोलॉजी प्रयोगशाला को क्षेत्रीय स्तर का वायरस रिसर्च एंड डायग्नोसिस लेबोरेटरी (आरएल-वीआरडीएल) नामित किया गया था।
- दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार: बिस्वाल डी, वर्मा एन, सुर्वे ए, कुमार वी, मिर्धा बीआर। बच्चों में इंट्रा-ऑकुलर हाइडैटिड सिस्ट: एक दुर्लभ मामला प्रस्तुति, ट्रोपाकॉन 2019. केएमसी, मणिपाल, 6-8 सितंबर 2019
- सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार: सिंह जी, खेस्स आई, मणि पी, इरम ए, सोनेजा एम, मोहन ए, खेस्स ए, सचदेव जे। एस्परगिलस टेरेउस प्रजाति के क्लिनिकल स्पेक्ट्रम और एंटिफंगल संवेदनशीलता की प्रोफ़ाइल कॉम्प्लेक्स: भारत से एक एकल केंद्र अध्ययन। एएएएम2020. लूगानो, स्विट्जरलैंड, 27-29 फरवरी 2020
- सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार: साहू एम, सोनेजा एम, सिंह जी, खेस्स आई, विग एन। दुर्लभ स्थानों पर आक्रामक एस्परगिलोसिस: तीन मामलों की श्रृंखला। एलआईडी, आईएलबीएस, नई दिल्ली, अगस्त 2019.

प्रोफेसर रमा चौधरी ने माननीय लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्रतिष्ठित 'अटल स्वास्थ्य भूषण सम्मान 2019' प्राप्त किया; एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में 22 अगस्त को वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन के सर्वोत्तम अभ्यास पर कार्यशाला आयोजित की; 11 सितंबर, 2019 को नेपाल मेडिकल कॉलेज टीचिंग अस्पताल में "मानव माइकोप्लाज्मा संक्रमण: एक अपडेट" पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला का आयोजन; माइकोप्लाज्मा कल्टीवेशन और पहचान पर कार्यशाला का आयोजन, आईएएम के XI राष्ट्रीय संगोष्ठी और मानव, पशु और प्लांट माइकोप्लाज्मा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2 दिसंबर 2019, पुणे; 26 और 27 फरवरी 2020 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में एनारोबिक कल्चर तकनीकों पर कार्यशाला का आयोजन; भारत में एएसएम राजदूत के रूप में फिर से चुना गया-2019 से 2021; एएसएम एम्बेस्डर लीडर्स काउंसिल के सदस्य, केवल नौ सदस्यों को पूरी दुनिया से चुना; एएमआर, आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; एएमआर, आईसीएमआर के जूनोसेस के लिए परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष; कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त निगरानी समूह के लिए विशेष आमंत्रित; भारत के ड्रग कंट्रोलर द्वारा कोविड-19 के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गुणात्मक और मात्रात्मक-इन विट्रो डायग्नोस्टिक किट पर गुणवत्ता परीक्षण प्रदर्शन की स्वीकृति मानदंडों पर विशेषज्ञ बैठक के सदस्य।

प्रोफेसर ललित धर सार्स-सीओवी-2/कोविड-19 के लिए आईसीएमआर उच्च स्तरीय टास्क फोर्स के सदस्य थे; वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) के राष्ट्रीय नेटवर्क के अध्यक्ष के रूप में डीएचआर आईसीएमआर में नामित किए गए, जिसमें देश भर में 105 वायरोलॉजी प्रयोगशालाएँ शामिल थीं; वायरोलॉजी

प्रयोगशाला ने एचआईवी, इन्फ्लूएंजा, डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमणों के लिए सीरोलॉजिकल और आणविक नैदानिक परीक्षण सहित, वायरोलॉजिकल परीक्षणों के लिए एनएबीएल मान्यता प्राप्त की; भारत सरकार को अपनी प्रतिरक्षण नीतियों पर सलाह देने के लिए शीर्ष निकाय, टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के सदस्य रहे; वायरोलॉजी प्रयोगशाला वर्ष 2019 से स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) का एक क्षेत्रीय वायरल अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशाला (आरएल-वीआरडीएल) हैं। इस प्रयोगशाला को वर्ष 2019 में एक राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस निगरानी कार्यक्रम प्रयोगशाला भी नामित किया गया था। यह प्रयोगशाला पहले से ही एचआईवी वायरल लोड और प्रारंभिक शिशु निदान के लिए नाको क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला और डेंगू और चिकनगुनिया के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) की एक शीर्ष प्रयोगशाला है; एम्स के बाहर विभिन्न एजेंसियों में सक्रिय योगदान देता है: परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं (एनएबीएल) हेतु राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की कोर प्रत्यायन समिति के सदस्य रहे; सहायक संकाय, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया; सदस्य, तकनीकी संसाधन समूह, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी); सदस्य, आईसीएमआर विषाणु विज्ञान हेतु परियोजना समीक्षा समिति; सदस्य, आईसीएमआर फैलोशिप समिति; और नाको तकनीकी संसाधन समूह (प्रयोगशाला सेवाएं) के सदस्य रहे।

प्रोफेसर सीमा सूद ने पेटेंट के लिए आवेदन किया है: मल्होत्रा एस और सूद एस. एप्टामर्स फॉर नीसेरिया गोनोरिया। आवेदन संख्याः 201911021888; कार्यकारी सदस्य- आईयूएसटीआई एशिया पेसिफिक रीजन; संकाय- राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई); सदस्य- तदर्थ एवं फैलोशिप प्रस्तावों के लिए परियोजना समीक्षा समिति (आईसीएमआर); सदस्य- छात्र अनुसंधान सलाहकार समिति (एसआरएसी) जामिया मिलिया इस्लामिया; सदस्य- संस्था मानव नैतिक समिति (आईएचईसी), एसीबीआर (डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च); विषय विशेषज्ञ- फैकल्टी की भर्ती, एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़; समीक्षक: प्रकृति की समीक्षा, आणविक निदान की विशेषज्ञ समीक्षा

प्रोफेसर उर्वशी बी सिंह ने अध्यक्षता की: सत्र: पल्मोकृट 2020 में क्षय रोग पर संगोष्ठी, 8 मार्च 2019 को एम्स, नई दिल्ली; सलाहकार और एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की फेलोशिप, अक्टूबर 2019; डीबीटी में विशेषज्ञ सदस्य 'सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों पर समिति - बिग डेटा और जीनोमिक्स', अगस्त 2019; डीसीजीआई द्वारा क्लिनिकल परीक्षण, नए ड्रग्स सहित सेलुलर बायोलॉजी आधारित दवा उत्पादों/स्टेम सेल व्युत्पन्न उत्पादों और नए मेडिकल डिवाइसेस आदि की मंजूरी के लिए विशेषज्ञ सदस्य नियुक्त की गईं, जनवरी 2020; राष्ट्रीय तपेदिक प्रसार सर्वेक्षण हेतु आईसीएमआर संचालन समिति की सदस्य नियुक्त, जनवरी 2020; सह-अध्यक्ष, आरएनटीसीपी के तहत तपेदिक के निदान पर राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समूह, वर्ष 2018 से; भारत में एलटीबीआई प्रबंधन पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य दल की सदस्य, वर्ष 2018 से; आरएनटीसीपी के तहत तपेदिक के उपचार पर राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समूह की सदस्य, वर्ष 2018 से; आरएनटीसीपी के तहत बाल चिकित्सा क्षय रोग के उपचार पर राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समूह की सदस्य, वर्ष 2018 से; आरएनटीसीपी के तहत टीबी सह-रुग्णताओं पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह की सदस्य, वर्ष 2018 से; आरएनटीसीपी के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति की सदस्य, वर्ष 2018 से; 'स्टॉप टीबी न्यू डायग्नोस्टिक्स वर्किंग ग्रुप', वर्ष 2009 से डब्ल्यूएचओ सदस्य; भारतीय स्वदेशी प्रौद्योगिकी के लिए सत्यापन प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति, आईसीएमआर की सदस्य, वर्ष 2014 से; भारत टीबी अनुसंधान कंसोर्टियम,

आईसीएमआर, नैदानिक, चिकित्सीय, वैक्सीन और कार्यान्वयन अनुसंधान समूहों की सदस्य; सदस्य, राज्य टीबी कार्य बल और समिति; इंटरनेशनल एसएजी कमेटी ऑफ इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम, आईसीएमआर पर विशेषज्ञ सदस्य, वर्ष 2016 से; समीक्षक: उभरते संक्रामक रोग, चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान, सूक्ष्मजीव और संक्रमण, महामारी विज्ञान और संक्रमण, पीएलओएस वन, जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ टी.बी.।

डॉ. सरिता महापात्रा स्वच्छता एक्शन योजना के अन्तर्गत कार्यशाला का संचालन किया : दिनांक 18 नवंबर 2019 से 24 नवंबर 2019 को न्यूरोसाइंसेज सेंटर, एवं कार्डियोथोरेसिक सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में "एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह"; सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार: न्यूरोएनेस्थेसिया और तंत्रिका संबंधी उपचार अपडेट, 2019; प्रथम पुरस्कार पोस्टर प्रतियोगिता: आईएएमएम दिल्ली चैप्टर, 2019

डॉ. आशीष चौधरी को 28 मई 2019 को कैनेडियन कॉलेज ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजिस्ट (एफसीसीएम) के फ़ेलो की उपाधि से सम्मानित किया गया; सदस्य - संस्थान जैव सुरक्षा समिति (आईबीएसई), एम्स दिल्ली; सदस्य- बीएसएल-3 सुविधा, सेंट्रल कोर रिसर्च फैसिलिटी (सीसीआरएफ), एम्स दिल्ली

डॉ. हितेन्दर गौतम को 64वें संस्थान दिवस, एम्स, नई दिल्ली में 24-27 सितंबर 2019 के लिए सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग से एक संकाय नामित किया गया था। उन्होने विभाग हेतु सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया; एम्स काया कल्प टीम का हिस्सा और विभाग हेतु काया कल्प गतिविधियों के लिए जिम्मेदार और निरीक्षण: काया कल्प 2019: एम्स, नई दिल्ली के लिए पहला पुरस्कार प्राप्त किया; राष्ट्रीय लक्ष्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत मातृ और बाल स्वास्थ्य उपचार में संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए समिति के सदस्य; संक्रमण की रोकथाम और प्रयोगशाला को मजबूत करने के दिशानिर्देशों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार में आमंत्रित विशेषज्ञ, 9 जुलाई 2019; एचआईटीईएस ऑफिस, नोएडा में प्रधान मंत्री सुरक्षा योजना, 6 नवंबर 2019 को पीएमएसएसवाई के तहत आगामी एम्स के लिए सीएसएसडी के तकनीकी मूल्यांकन हेतु तकनीकी समिति के सदस्य; प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत आगामी एम्स के लिए सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग की पूर्व-बोली बैठक के लिए समिति के सदस्य। 24 जुलाई 2019, एचआईटीईएस ऑफिस, नोएडा में; एमएएलडीआई-टीओएफ की खरीद हेतु बाहरी विशेषज्ञ जिपमेर, पुदुचेरी, 3 अप्रैल 2019; एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार और एम्स अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम आयोजन समूह (एयू-सीओजी) हेतु समिति सदस्य एम्स, नई दिल्ली में 22 नवंबर 2019 से; विभाग एनएबीएल कोर कमेटी के सदस्य और डिप्टी क्वालिटी मैनेजर डिपार्टमेंट ऑफ़ सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली: विभाग एनएबीएल मान्यता प्राप्त है, 15 नवंबर 2019 से; टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी में रिसर्च मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी प्रोग्राम द्वारा मेडिसिन में पीएचडी के लिए सह-गाइड; सदस्य सचिव: डॉ. बी.आर. अंबेडकर आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति; कोर ग्रुप मेंबर: हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल कमेटी (एचआईसीसी) एम्स, नई दिल्ली; डॉ. बी.आर. अंबेडकर आईआरसीएच और मुख्य एम्स के हेल्थ केयर स्टाफ हेतु दैनिक आधार पर व्याख्यान की श्रृंखला "हेल्थ केयर सेटिंग में कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण", और "डोनिंग और डोफिंग ऑफ पीपीई", 13 मार्च से 31 मार्च 2020, एम्स, नई दिल्ली; इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी एंड

ब्लड ट्रांसफ्यूजन (हेमैटोकॉन 2019) की अध्यक्षता इसकी 60वीं वार्षिक सम्मेलन "स्वचालन के युग में पूर्व-विश्लेषणात्मक त्रुटियां" पर 7 नवंबर 2019, नई दिल्ली में की।

डॉ. निशांत वर्मा पेरासिटोलॉजी लैब की एनएबीएल मान्यता हेतु सदस्य थे; वे विभागीय स्टोर खरीद समिति के सदस्य थे; विभागीय डीएम आईडी शिक्षण समिति के सदस्य; एमबीबीएस II (पूरक) परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक (थ्योरी, मौखिक और व्यावहारिक) परीक्षा - माइक्रोबायोलॉजी, एमएएमसी, एलएचएमसी और यूसीएमएस, नई दिल्ली; महर्षि मार्कंडेश्वर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, सोलन, हिमाचल प्रदेश में एमबीबीएस द्वितीय पेशेवर (सूक्ष्म जैव विज्ञान) परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; एचआईसीसी कोर समिति के सदस्य के रूप में कोविड-19 के लिए प्रशिक्षण सत्र; एफडीए भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली-110002 में नए इन विट्रो डायग्नोस्टिक्स चिकित्सा उपकरणों के नैदानिकप्रदर्शन मूल्यांकन के संबंध में केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (चिकित्सा उपकरण एवं नैदानिक प्रभाग) द्वारा गठित समिति में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; केएमसी, मणिपाल (6-8 सितंबर 2019) में आयोजित ट्रोपाकॉन 2019 में पोस्टर (पुरस्कार श्रेणी) के लिए न्यायाधीश; कार्यकारी समिति के सदस्य: इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी; सदस्य-अस्पताल संक्रमण सोसाइटी- भारत; सदस्य- आईएएमएम- दिल्ली अध्याय; एम्स, नई दिल्ली में एचआईसी समिति के लिए कोर ग्रुप के सदस्य; सदस्य सचिव: सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति; समीक्षक : जर्नल ऑफ़ हॉस्पिटल इन्फेक्शन, ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी एंड पीएलओएस ने ट्रोपिकल रोगों की उपेक्षा की।

डॉ. किरण बाला इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स (जीवन सदस्यता 3301/19), टी.बी. तथा फेफड़ा रोग के विरूद्ध संघ द यूनियन इंटरनेशनल (सदस्यता सीयू 0783207) की सदस्य थी; उन्होंने एम्स, नई दिल्ली 2018 में सीसीआरएफ मुख्य समिति की उप-समिति बी.एस.एल.-3, बी.एस.एल.-2 का विशेषज्ञ सदस्य, समीक्षकः इंडियन जे ऑफ यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जे ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, मेडिकल माइकोलॉजी, इंडियन जे मेड रिसर्च, इंडियन जे टी.बी., माइकोपैथोलॉजिया; एम्स, नई दिल्ली में 9 से 12 दिसंबर 2019 के बीच आयोजित 'स्टेटास्टिक सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए बुनियादी सांख्यिकी के तरीके और डेटा-विश्लेषण' पर सांख्यिकी विभाग की कार्यशाला में हिस्सा लिया।

9.21. वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय कुमार अग्रवाल

आचार्य

दीपांकर मधुसूदन भौमिक | संदीप महाजन

सह-आचार्य

सौमिता कमल कुमार बागची | राज कुमार यादव

सहायक आचार्य

अरूण कुमार सुब्बिहा

विशिष्टताएँ

विभाग नियमित तौर पर अत्याधुनिक वृक्क वैज्ञानिक उपचार प्रदान करने के साथ साथ किफ़ायती लागत पर वृक्क के प्रत्यारोपण की सुविधा भी प्रदान करता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान में एबीओ-असंगत वृक्क प्रत्यारोपण नियमित रूप से किया जा रहा है। उन सभी रोगियों में जिनका वृक्क प्रत्यारोपण हुआ है, संक्रमण रोकने के लिए विभाग ने प्रतिरक्षा कम करने वाली दवाओं और संक्रमण की निगरानी जारी रखी है। विभाग प्रति सप्ताह लगभग 80 रोगियों को बहुत कम लागत पर और गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों को मुफ्त में हीमोडायलिसिस प्रदान कर रहा है। यह विभाग पूरे एम्स भर के कई विभागों में बेड-साइड डायलिसिस करता है और ट्रामा सेंटर में डायलिसिस को सहयोग प्रदान करता है। विभाग प्राथमिक ग्लोमेरुलर रोग और पुराने वृक्क रोगियों के लिए, वृक्क विज्ञान में संभावित अनुसंधान हेतु नमूनों का जैव-भंडार भी संचालित कर रहा है। विभाग के संकाय लगभग सभी सरकारी नीति-निर्माण निकायों में हैं, जो पुराने वृक्क रोग, डायलिसिस और वृक्क प्रत्यारोपण से संबंधित हैं। डॉ. एस के अग्रवाल राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के तकनीकी सलाहकार और राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण रजिस्ट्री (एनओटीटीआर) के प्रभारी अधिकारी हैं। विभाग ने स्वयं विभाग के भीतर पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए हेमोडायलिसिस और पेरिटोनियल पहुंच के लिए वैस्क्युलर पहुंच के लिए कार्यात्मक वृक्क विज्ञान कार्यक्रम शुरू कर दी है।

शिक्षा

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग द्वारा पोस्ट एमडी (मेडिसिन और पीडियाट्रिक) उम्मीदवारों के लिए तीन वर्षीय डिग्री कोर्स, डीएम वृक्क विज्ञान संचालित है, जिन उम्मीदवारों का चयन एम्स द्वारा अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। एम्स दिल्ली के साथ साथ विभाग आवश्यकता के अनुसार, अन्य एम्स जैसे

संस्थानों के लिए भी परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस अवधि में तीन उम्मीदवारों को एम्स, नई दिल्ली में डीएम वृक्क विज्ञान कोर्स में प्रवेश दिया गया। बाल रोग और विकृति विज्ञान विभाग के रेजीडेन्ट नियमित रूप से नेफ्रोपैथोलॉजी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए आते हैं। वर्तमान में विभाग में प्रत्येक 6 महीने के लिए तीन गैर-शैक्षणिक जूनियर रेसिडेन्ट्स हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग निम्नलिखित के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है:

1. आंतरिक चिकित्सा, जरा चिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, मूत्रविज्ञान, संवेदनाहरण, संक्रामक रोग, गंभीर उपचार चिकित्सा और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग से स्नातकोत्तर छात्रों को कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों तक की अवधि के लिए रोटेशन आधार पर विभाग में तैनात किया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. विश्व वृक्क दिवस-2019, दिनांक 12 मार्च 2019 के अवसर पर दिनांक 11 एवं 12 मार्च 2019 को एम्स एवं आर.एम.एल. अस्पताल, नई दिल्ली में आर.एम.एल. अस्पताल के सहयोग से वृक्क संबंधी बीमारियों के बारे में जन जागरूता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

एस के अग्रवालः 9	**दीपांकर भौमिकः 9**	**संदीप महाजनः 9**
सौमिता बागचीः 4	**आर.के. यादवः 3**	**अरूण कुमार एस.: 3**

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टरः 14

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एंटी फॉस्फोलाइपेज ए2 रिसेप्टर (पी.एल.ए.2आर.) एंटीबॉडीज का परिसंचरण स्तर तथा इडियोपैथिक मेम्ब्रेन्स नेफ्रोपैथी (आईएमजीएन) के साथ इसका संबंध जानने के लिए संभावित सामूहिक अध्ययन, एस.के. अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 31 लाख रुपये
2. टी- नियामक कोशिकाओं की भूमिका और टाइप-2 मधुमेह और सीकेडी में मोटापे से जुड़े जलन में उनका नैदानिक सहसंबंध, संदीप महाजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 56.53 लाख रुपये
3. भारतीय रोगियों में प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी के साथ एचएलए एंटिजनों की संगति, सौमिता बागची, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये

4. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक अनुकूली निर्बाध यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, खुराक का अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस, 2 वर्ष, 2019-2021, रु. 1.98 लाख प्रति रोगी
5. रितुक्सिमैब की तुलना में इडियोपैथिक झिल्लीदार नेफ्रोपैथी वाले रोगियों के उपचार में एक एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने हेतु यादृच्छिक, उपचार ओपन-लेबल, डोज़-ब्लाइंडेड समानांतर समूह, तीन भागों वाली, प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट क्लिनिकल परीक्षण। सौमिता बागची, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2019-2022, रु. 2 लाख प्रति रोगी
6. टाइप-2 डायबिटीज, हृद्वाहिका जोखिम कारकों तथा साधारण क्षतिग्रस्त वृक्क क्रिया वाले रोगियों में हृद्वाहिका तथा वृक्कीय कार्यों पर सोटाग्लिफ्लोजिन के प्रभाव का प्रदर्शन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित, समकक्ष समूह, बहु-केन्द्रित अध्ययन। आरके यादव, सनोफी फार्मा, 5 वर्ष, 2018-2023, 4.71 लाख प्रति रोगी

पूर्ण

1. भारतीय नगरीय वयस्क आबादी में पुराने वृक्क रोग की व्यापकता का बहु-केन्द्रित अध्ययन, एस.के. अग्रवाल, आईसीएमआर, 7 वर्ष, 2012-2019, रु. 90 लाख
2. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी से पीड़ित भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज डेफिसिएंट आईजीए1 की व्यापकता एवं महत्वः केस नियंत्रण अध्ययन, सौमिता बागची, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, रु. 5 लाख
3. सी.वाई.पी.3.ए.5 तथा एम.डी.आर.-1 एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म का पैटर्न तथा जीवित वृक्क एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्त्ता में टैक्रोलिमस आधारित प्रतिरक्षादमनकारी के विशिष्टीकरण पर इसका प्रभाव, आर के यादव, एम्स, 2016-2019, रु. 4.05 लाख

विभागीय अनुसंधान

जारी

1. वृक्क प्रतिस्थापन थेरेपी वाले रोगियों में एच.बी.वी. तथा एच.सी.वी. संक्रमण का क्लीनिकोपैथोलॉजिकल सह-संबंध
2. वृक्क दान के बाद मापा हुआ जी.एफ.आर. इकोकार्डियोग्राफी, अस्थि खनिज चयापचय के मार्कर तथा कैरोटिड इंटिमल मीडियल थिकनेस (सी.आई.एम.टी.) में परिवर्तन का मूल्यांकन
3. प्रत्यारोपण के बाद प्रथम वर्ष में वृक्क प्रत्यारोपण करने वालों में प्रोटीन्यूरिया का अध्ययन
4. भारतीय व्यवस्था में वृक्क एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ताओं के दीर्घकालिक परिणामों पर हेपेटाइटिस सी उपचार का प्रभाव
5. पुराने वृक्क रोग में पोषण की स्थिति और व्यायाम सहनशीलता का मूल्यांकन
6. वृक्क के प्रत्यारोपण से पहले और बाद में हेमोडायलिसिस पर पुराने वृक्क रोग के रोगियों में व्यायाम सहिष्णुता और पोषण संबंधी स्थिति में परिवर्तन का मूल्यांकन करने हेतु एक सामूहिक अध्ययन

7. भारतीय रोगियों में रोग की गंभीरता और परिणाम पर विटामिन डी के स्तर की भूमिका का अध्ययन करने हेतु एम्स से प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी के साथ प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी (एपीआईजीएएन) समूह
8. वृक्क प्रतिरोपण के पश्चात रोगियों के सीरम तथा मूत्र नमूनों से बीके वायरस की तीव्र एवं लागत-प्रभावी नैनो-एल.ए.एम.पी. आधारित पहचान का विकास
9. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी का सहयोगी प्रबंधन- एक अग्रदर्शी अध्ययन
10. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी के रोगियों में सीरम इम्यूनोग्लोबुलिन ए/ पूरक कारक 3 (आई.जी.ए./सी3) का क्लीनिकल तथा हिस्टोलॉजिक गंभीरता के साथ सह-संबंध
11. वृक्क प्रतिरोपण के पश्चात रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट तथा अम्ल आधारित समस्याएँ: अग्रदर्शी अध्ययन
12. वृक्क प्रत्यारोपण के बाद पीटीडीएम हेतु जोखिम कारक के रूप में विटामिन डी की कमी का अध्ययन करना

पूर्ण

1. वृक्क प्रत्यारोपण के पूर्व और पश्चात हेमोडायलिसिस पर पुराने वृक्क डिजीज (सी.के.डी.) में व्यायाम, सहनशीलता तथा पोषण स्थिति में परिवर्तन का मूल्यांकन हेतु एक सामूहिक अध्ययन
2. एम्स, नई दिल्ली में अनुरक्षण हेमोडायलिसिस पर रोगियों में तरल ओवरलोड स्थिति और अच्छी नींद में संबंध का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
3. एक तृतीयक उपचार अस्पताल में हेमोडायलिसिस करा रहे सी.के.डी. रोगियों के यूरिया-क्रिएटिनिन क्लियरेंस तथा थकान के स्तर पर इंट्राडायलिटिक कार्यों के प्रभाव का मूल्यांकन हेतु अध्ययन
4. भारतीय व्यवस्था में डी+/आर+ वृक्क प्रत्यारोपण में सीएमवी संक्रमण की संभावना और पैटर्न पर वैल्गानसिक्लोविर के साथ सार्वभौमिक सीएमवी प्रोफिलैक्सिस का प्रभाव
5. वृक्क दाताओं का दीर्घ अवधि परिणाम
6. वृक्क प्राप्तकर्ताओं में पल्मोनरी संक्रमण : संभावित सामूहिक अवलोकनात्मक अध्ययन
7. प्राथमिक एफ.एस.जी.एस. वाले वयस्क रोगियों में क्लीनिकल प्रोफाइल, उपचार प्रतिक्रिया तथा परिणाम का मूल्यांकन करने हेतु पूर्वव्यापी अध्ययन
8. पुराने वृक्क रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य तथा वृक्क प्रतिरोपण के प्रभाव का अध्ययन
9. वृक्क प्रतिरोपण के बाद प्रथम वर्ष में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाले संक्रमण का प्रोफाइल तथा जोखिम के कारक
10. कैथीटर खराबी तथा ऑपरेशन पश्चात जटिलताओं के मामले में पुराने वृक्क डिजीज स्टेज 5 रोगियों में ओमेनटेक्टोमी के साथ या इसके बिना लैपरोस्कोपिक पेरिटोनियल डायलिसिस कैथीटर निवेशन बनाम परंपरागत रूप से खुला पेरिटोनियल डायलिसिस कथीटर निवेशन का तीन भागों में यादृच्छिक तुलना।

11. भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में बायोप्सी प्रमाणित वृक्क रोग के पैटर्न की रूपरेखा का अध्ययन
12. टाइप 2 डायबिटिक रोगियों में नॉन-प्रोटीन्यूरिक रोग का जनसांख्यिकीय एवं नैदानिक प्रोफाइल का अध्ययन
13. तृतीयक उपचार वृक्क विज्ञान केन्द्र में त्वचीय हेमोडायलिसिस कैथीटर के परिणामों का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सिलियक रोगियों में आंतों की अपर्याप्तता को परिभाषित करना, जठरांत्ररोग विज्ञान
2. नवजातों तथा वृक्क प्राप्तकर्ताओं से ह्यूमन साइटोमेगालोवायरस की पहचान एवं जिनोटाइपिंग, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग
3. संदिग्ध मध्य न्यूमोनिया तथा अन्य पुराने फेफड़े संबंधी रोग के इम्यूनअक्षम एवं इम्यूनसक्षम दोनों प्रकार के रोगियों से श्वसन नमूनों में न्यूमोसिस्टिक जिरोवेसी की आणविक पहचान और लक्षण वर्णन, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग
4. भारत के वृक्क प्रतिरोपित में गैनसीक्लोविर अक्रिय रोगियों की तुलना में सक्रिय रोगियों में यूएल 97 जीन म्यूटेशन के प्रचलन का अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
5. लैप्रोस्कॉपी डोनर नेफ्रेक्टोमी बनाम ओपन डोनर नेफ्रेक्टोमी के बाद के परिणामों एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना करते हुए एक संभावित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
6. न्यूमोसिस्टि जिरोवेसी की नैदानिक तनाव का जनसंख्या आनुवांशिकी तथा इसके क्लीनिको-एपिडेमियोलॉजिकल सह-संबंध का अध्ययन, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग
7. उप-नैदानिक क्रिप्टोकॉक्स के निदान हेतु इम्यूनोब्लॉट एस्से का विकास, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग
8. वृक्क प्रतिरोपण आदाताओं में बीके पोलियोमा वायरस की पहचान एवं जिनोटाइप वितरण, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग
9. न्यूरोसर्जरी में पेशी एंजाइम की मात्रा बढ़ना तथा ऑपरेशन पश्चात् एक्यूट वृक्क चोट में इसकी प्रासंगिकता का अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
10. सेलुलर रिजेक्सन में ग्लोमेरूलर केपिलरी एंडोथेलियल क्षति का एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल तथा अति-संरचनात्मक अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग
11. उप-नैदानिक क्रिप्टोकॉकोसिस के निदान हेतु इम्यूनोब्लॉट एस्से का विकास, सूक्ष्मजीवविज्ञान
12. दिल्ली तथा भारत के अन्य भागों से क्रिप्टोकॉक्कल आइसोलेट्स का कवकरोधी सुग्राहित परीक्षण एवं जिनोटाइपिंग, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग
13. वृक्क प्रत्यारोपण प्रत्यारोपणकर्ताओं में 24-घंटे बनाम मानक 7-दिवसीय रोगनिरोधी एंटीबायोटिक आहार के प्रभाव का अध्ययन करना : एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
14. चरण 4-5 सीकेडी रोगियों में वीडीआर जीन, विटामिन डी और पैराथायराइड हार्मोन के स्तर के फोक 1 पॉलीमोर्फिज्म का आकलन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

15. सीकेडी वी रोगियों में ऑटोलॉगस वसा ऊतक व्युत्पन्न मेसेनकाइमल मूल कोशिकाओं का उपयोग करते हुए एवी फिस्टुला हेमोडायलिसिस पहुंच की परिपक्वता दर में सुधार : डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, कार्डियोवस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन
16. लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रोक्टोमी और ओपन डोनर नेफ्रोक्टोमी के बाद अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम : एक पूर्व एवं अग्रदर्शी तुलनात्मक सामूहिक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
17. भारतीय आबादी में ऑटोसोमल डॉमिनेंट पॉलीसिस्टिक वृक्क रोग (ए.डी.पी.के.डी.) का जिनोटाइपिक चित्रणः एक प्रयोगात्मक अध्ययन, जैवरसायन विभाग

पूर्ण

1. एंटी-कम्प्लिमेंट फैक्टर एच एंटिबॉडी संबंधित एटिपिकल हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम, बाल चिकित्सा
2. मेम्ब्रेन्स नेफ्रोपैथीः इम्यून प्रतिदीप्त, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी तथा पी.एल.ए.2आर. प्रोफाइल के साथ नैदानिक सह-संबंध का अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग
3. पूर्वानुमानित कठोर एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस में इंट्रावास्कुलर फ्लूड गाइडेड थेरेपी बनाम मानक फ्लूड थेरेपी : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, जठरांत्र रोग विज्ञान
4. वृक्क प्रतिरोपण संबंधी जीवन में यूरेटेरोनियोसिस्टोस्टोमी में स्टेंट बनाम नो-स्टेंटः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग
5. सिरोसिस में सार्कोपिनिया की उपस्थिति तथा पेशी बायोप्सी में सीरम मायोस्टेटिन तथा मायोस्टेटिन जीन एक्सप्रेशन के साथ इसका संबंध, जठरांत्ररोग विज्ञान
6. एक सूचना पुस्तिका विकसित करने की दृष्टि से एम्स अस्पताल में सीएपीडी रोगियों के बीच ज्ञान और जीवन की गुणवत्ता के आकलन हेतु एक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज
7. मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथीः इम्यून प्रतिदीप्त, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी तथा पी.एल.ए.2आर. प्रोफाइल के साथ नैदानिक सह-संबंध का अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 12 सारः 1 पुस्तकों में अध्यायः 3

रोगी उपचार

अरुण कुमार एस

1. लेह, लद्दाख में चिकित्सा शिविर (2 अक्टूबर 2019 से से 6 अक्टूबर 2019)
2. माननीय सांसदों हेतु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर (23 नवबंर 2019 से 4 दिसंबर 2019)

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

सभी वृक्क विज्ञान संबंधी रोग के लिए सामान्य वृक्क उपचार प्रदान करने के साथ ही, विभाग अद्यतन वृक्क प्रतिस्थापन थेरेपी प्रदान करता है; अंतिम चरण के वृक्क रोग के किसी भी रोगी को बहुत कम

लागत पर हेमोडायलिसिस, सी.ए.पी.डी. तथा वृक्क प्रतिरोपण की सुविधा देता है। विभाग द्वारा स्वैप प्रतिरोपण तथा ए.बी.ओ. असंगत वृक्क प्रतिरोपण भी किया जाता जाता है। विभाग प्रतिरक्षा दमनकारी दवाओं की निगरानी भी निःशुल्क प्रदान करता है। हेमोडायलिसिस के दौरान, मशीन में अतिशुद्ध जल दिया जाता है ताकि रोगियों को अत्यंत सुरक्षित हेमोडायलिसिस प्रदान किया जा सके।

निम्नलिखित संख्या में रोगियों को संबंधित सुविधाएं दी गईं-

क्र.सं.	क्षेत्र		
1	हेमोडायलिसिस संबंधी	एचडी नए रोगी	1377
		आपातकालीन एच.डी. रोगी	1113
		कुल एच.डी.	11453
		प्लाज्माफेरेसिस	84
		फिमोरल वेन कैथीराइजेशन	933
		जुगलर / सबक्लैवियन कैथीराइजेशन	336
		ए वी फिस्टुला	570
		पर्मकैथ निवेशन	133
2	आई.सी.यू. संबंधित	सी.आर.आर.टी./एस.एल.ई.डी.	23
3	पेरिटोनियल डायलिसिस	एक्यूट पीडी	12
		सी.ए.पी.डी.	17
4	इंडोर संबंधित	वृक्क बायोप्सी	819
		यकृत बायोप्सी	2
		इंडोर नियमित भर्ती	1378
		इंडोर लघु भर्ती	4382
		इंडोर मृत्यु / पुरुष	60/37
		वृक्क विज्ञान सलाह	6320
		अल्ट्रासाउंड	762
5	दिवस उपचार	पल्स मिथाइलप्रिडनिसोलोन टी.टी.	66
		आईवी आयरन थेरेपी	189
		आईवी साइक्लोफॉस्फेमाइड थेरेपी	27
		अन्य विविध थेरेपियां	1742
6	वृक्क प्रतिरोपण	एल.आर.आर.टी. का मूल्यांकन	441
		कैडेवर प्राप्तकर्ता का मूल्यांकन	141
		की गई जीवंत आर.टी.	114
		की गई कैडेवर आर.टी.	6

7	वृक्क प्रयोगशाला संबंधित	रक्त नमूना	140685
		जैव रासायनिक (यूरिया, सी.आर., एन.ए., के.)	88211
		मूत्र ओस्मोलेलिटी	1324
		24 घंटे मूत्र जांच	19683
		आर.टी. रोगियों हेतु हेमोग्राम	12746
		सी.ओ.2	29239
		सीरम लौह	6513
		टी.आई.बी.सी.	6513
		यू.आई.बी.सी.	6513
		टी. संतृप्ति	6513
		सीरम फेरिटिन	2749
		टैक स्तर	5365
8	ओ.पी.डी. से संबंधित	वृक्क निदानशाला नये रोगी	11282
		वृक्क निदानशाला पुराने रोगी	48029
		वृक्क निदानशाला कुल रोगी	59311
		आर.टी.सी.सी. नए केस	441
		आर.टी.सी.सी. पुराने केस	1447
		आर.टी. नए केस	212
		आर.टी. पुराने केस	10492
		आर.टी. निदानशाला कुल रोगी	10704

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर एसके अग्रवाल को भारत के उच्च रक्तचाप सोसायटी के 28वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल की दिशा में उच्च रक्तचाप और सीकेडी के सामुदायिक स्क्रीनिंग पर महामारी विज्ञान" पर डॉ. सिद्धार्थ एन शाह सम्मान से सम्मानित किया गया, और उन्होने प्रथम अंतर्राष्ट्रीय वृक्क और उच्च रक्तचाप सम्मेलन में हिस्सा लिया जो 20-22 सितंबर 2019 को मुंबई के होटल ट्राइडेंट में आयोजित किया गया था; वे डायलिसिस (2020-निरंतर) में मुख्य सेमिनारों में संपादक रहे; गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में संरक्षक वृक्क प्रत्यारोपण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित थे; उन्होने इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला, हिमाचल प्रदेश में वृक्क प्रत्यारोपण कार्यक्रम शुरू किया; नीति आयोग में 17 मार्च 2020 को आयोजित गैर-मादक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) को संबोधित करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण की आवश्यकता पर परामर्श के सदस्य; ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज के अध्यक्ष: भारतीय सीकेडी समूह (2017-जारी); सीडीएससीओ के "क्रैडियो-रीनल डिवीजन" के सदस्य "विषय विशेषज्ञ समिति" (2016-जारी); साउथ एशियन बोर्ड ऑफ नेफ्रोलॉजी के सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी का

एक प्रभाग (2011-जारी); भारत सरकार के राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम की अपीलीय समिति के सदस्य; सरकारी नौकरियों के लिए वृक्क के प्रत्यारोपण के रोगियों की फिटनेस तय करने हेतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति के सदस्य; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, भारत सरकार द्वारा सीकेडी हेतु मसौदा दिशानिर्देशों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; वृक्क विज्ञान के भारतीय जर्नल के संपादक, 2015-जारी; नेशनल एक्यूट वृक्क इंजरी की कोर ग्रुप मेंबर ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ वृक्क विज्ञान; कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य, अगस्त 2017-जारी; देश में वृक्क के प्रतिस्थापन चिकित्सा के लिए भारत सरकार के चिकित्सा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन बोर्ड (एमटीएबी) के विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, 2017-जारी; राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के लिए दिशानिर्देश बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; भारत में निरंतर एंबुलेटरी पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए परिचालन दिशानिर्देश बनाने वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्य; आईएसएन-एडवांसिंग क्लिनिकल ट्रायल (एसीटी) द्वारा आईएसएन-एसीटी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया (2016-जारी); स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित, स्वास्थ्य अनुसंधान पर संवर्धन और मार्गदर्शन के लिए अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण और समन्वय के समन्वय (जीआईए) योजना के तहत वृक्क रोगों हेतु गठित "विशेषज्ञ समूह" का सदस्य होने के लिए आमंत्रित (2018-जारी); यूरोपीय मेडिकल जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य होने के लिए आमंत्रित (2018-जारी); वृक्क विज्ञान में अभिलेखागार के संपादकीय बोर्ड के सदस्य होने के लिए आमंत्रित किया गया (2018-जारी)।

प्रोफेसर दीपांकर एम भौमिक एम्स ऋषिकेश में वृक्क विज्ञान विभाग के अतिथि आचार्य हैं; साथ ही वे इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी के उप संपादक; संकाय चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ: (क) एम्स ऋषिकेश, (ख) आईएलबीएस, नई दिल्ली, (ग) आईजीएमईआर आरएमएल अस्पताल, (घ) आईजीआईएमएस पटना, (ङ) राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, ताहिरपुर, दिल्ली; विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों, पीजीआई चंडीगढ़, आईजीएमसी शिमला के लिए डीएम परीक्षक रहे; साथ ही वे गुरु कृपा ट्रस्ट के ट्रस्टी; पूल अधिकारियों के लिए सीएसआईआर चयन समिति के सदस्य; आवश्यक दवाओं(उपकरणों) की सूची की राष्ट्रीय समिति के सदस्य; आईएसएनएनज़ेड और आईएफकेडी के सहयोग से एम्स, आरएमएल और सफदरजंग में मार्च 2020 में विश्व वृक्क दिवस समारोह का आयोजन किया; स्टोर खरीद समिति एम्स के सदस्य थे।

प्रोफेसर संदीप महाजन को इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन की फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया (2019); राष्ट्रीय पीडी दिशानिर्देश समिति के सदस्य (2014-जारी); पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (2016-जारी) द्वारा उच्च रक्तचाप के प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स के राष्ट्रीय विशेषज्ञ पैनल में आमंत्रित; पेरिटोनियल डायलिसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया की वैज्ञानिक समिति के सदस्य (2019-जारी); टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी के पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल प्रोग्राम (वृक्क विज्ञान) के लिए कार्यक्रम अध्यक्ष (2017-जारी); जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पुनर्गठित टास्क फोर्स के मेटाबोलिक विकार और ऑटो-इम्यून रोगों के विशेषज्ञ सदस्य (2017-जारी); राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पेरिटोनियल डायलिसिस की शुरुआत हेतु समिति के सदस्य (2017-जारी); वृक्क विज्ञान हेतु मानक

उपचार कार्यप्रवाह (एसटीडब्ल्यू) की तैयारी के लिए आईसीएमआर द्वारा स्थापित विशेषज्ञ समूह के लिए सह-अध्यक्ष के रूप में नामित (2018-जारी); यात्रा के लिए दक्षिण एशियाई दिशानिर्देशों के सदस्य और ठोस अंग प्राप्तकर्ताओं में स्थानिक संक्रमण के रूप में नामित (2019-जारी); एम्स के ड्रग चयन समिति के सदस्य (2018-जारी); अतिरिक्त बजटीय संसाधन और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पर समिति के सदस्य (2018-जारी); एम्स पब्लिक अवेयरनेस कमेटी के सदस्य (2018-जारी); न्यू पेड वार्ड ब्लॉक हेतु एम्स परियोजना प्रबंधन समिति के सदस्य (2018-जारी); एम्स के विस्तार की योजनाओं की समीक्षा करने वाली समिति के सदस्य, नई दिल्ली (2018-जारी)।

डॉ आरके यादव शोध-सारों के समीक्षक हैं- प्रत्यारोपण सोसाइटी (टीटीएस 2020) की 28वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, जो सियोल, दक्षिण कोरिया में 12 से 16 सितंबर 2020 तक आयोजित थी; पुराने वृक्क रोग पर ऑल इंडिया रेडियो पर वार्ता 2 सितंबर 2020, दिल्ली; उन्होंने एसईटी सुविधा के अंतर्गत स्नातक शिक्षण के तहत एक मॉड्यूल **'आर्टेरीयल रक्त नमूना संग्रह'** विकसित किया।

डॉ एस अरुणकुमार वर्ष 2019 के लिए आईएसएन-एएनआईओ इन्दुकला इप्कोवाला एडवांस्ड छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं; उन्होने ईआरए (यूरोपियन रीनल एसोसिएशन) एसईआईडी (वैज्ञानिक शिक्षा और सहभागिता दिवस) में भाग लेने हेतु युवा नेफ्रोलॉजिस्ट के लिए यात्रा अवार्ड प्राप्त किया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **डॉ अंजू यादव**, एमडी एफ़एएसएन, सहायक प्रोफेसर और सहायक निदेशक, लिविंग वृक्क डोनर प्रोग्राम, वृक्क विज्ञान हाइपरटेंशन एंड ट्रांसप्लांटेशन डिवीजन, थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी फिलाडेल्फिया, यूएसए ने 11 फरवरी 2020 को वृक्क विज्ञान विभाग का दौरा किया और "लिविंग रिलेटेड रेनल ट्रांसप्लांट: यूएसए से अनुभव" पर एक व्याख्यान दिया। वे 4 और 5 बजे के बीच हेपेटिक नस बहिर्वाह ट्रैक्ट बाधा पर रेडियोडायग्नोसिस विभाग द्वारा आयोजित एक सीजीआर में भी शामिल हुईं, और इसका आनंद लिया।

2. **पैट्रिक टॉबी हेव्लेट्ट सीओएटीईएस,** मेडिसिन के प्रोफेसर और ट्रांसप्लांटेशन के निदेशक, ऑस्ट्रेलियन रेनल ट्रांसप्लांट सर्विस, रॉयल एडिलेड हॉस्पिटल, कंसल्टेंट, नेशनल ट्रांसप्लांटेशन सर्विसेज, ऑस्ट्रेलियन रेड क्रॉस ब्लड ट्रांसफ्यूजन सर्विस, एसोसिएट एडिटर: ट्रांसप्लांटेशन एंड इम्यूनोलॉजी एंड वृक्क इंटरनेशनल, डीक्लेरेशन ऑफ इस्तांबुल कस्टोडियन ग्रुप (डीआईसीजी) हेतु काउंसलर आईएसएन, और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के प्रेसिडेंट इलेक्ट ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी (टीएसएएनजेड) ने 15 फरवरी 2020 को वृक्क विज्ञान विभाग का दौरा किया और "रेनल ट्रांसप्लांट में एवरोलिमस" पर एक व्याख्यान दिया।

3. **इर्विन स्टीव वूडले,** सर्जरी के प्रोफेसर, प्रत्यारोपण के विभाजन, यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी कॉलेज ऑफ मेडिसिन और अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर, और इज़राइल पेन सेंटर ऑफ़ ट्रांसप्लांट ऑन्कोलॉजी ने 25 फरवरी 2020 को वृक्क विज्ञान विभाग का दौरा किया और “रिडिफ़ाइनिंग रिजेक्शन एज ए बेसिस फॉर डेवेलपमेंट ऑफ न्यू रिजेक्शन थेरेपीस” विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

9.22. नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद

आचार्य एवं अध्यक्ष

रमा जयासुंदर

आचार्य

एस. सेंथिल कुमारन

अपर आचार्य

उमा शर्मा | विरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक

सुजीत कुमार मेवाड़ | पवन कुमार

विशिष्टताएं

एमआरआई सुविधा कोविड-19 संकट के आरंभ से ही कार्यशील थी। यही एक एमआरआई सुविधा है जोकि इस संकट के दौरान कार्यशील रही है। 1.5 टेस्ला ऐरा एमआर स्कैनर का उपयोग करते हुए, कार्डियोवैस्क्युलर रेडियोलॉजी एवं एंडोवैस्क्यूलर इंटरवेंशन विभाग द्वारा एनएमआर विभाग के संयुक्त प्रयास में 7-8 नवंबर 2019 को एडवांस्ड कार्डिओवैस्क्यूलर एमआर कार्यशाला (तकनीक, प्रौद्योगिकीयां और अनुप्रयोग) का आयोजन किया गया था। कार्डियोवैस्क्यूलर रेडियोलॉजी और एंडोवैस्क्युलर इंटरवेंशन विभाग और एनएमआर विभाग के बीच एक सहयोगी अध्ययन में विभाग के चार रेडियोग्राफरों ने थैलेसीमिया रोगियों (64 घंटे में 230 मरीजों) में आयरन आकलन की मैराथन एमआर स्कैनिंग में हिस्सा लिया।

शिक्षा

संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने व्याख्यान दिए और संस्थान में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में एमआर तकनीकों के प्रदर्शन में भाग लियाः (i) जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम- (ii) पाठ्यक्रम 10 (स्ट्रक्चरल बायोलॉजी एंड एनएमआर टेक्नोलॉजी), पाठ्यक्रम 11 (बायोइन्फार्मेटिक्स एवं मौलेक्यूलर मेडिसिन); (iii) तृतीय सेमेस्टर, एमबीबीएस पाठ्यक्रम; (iv) एमडी फिज़ियोलॉजी पाठ्यक्रम, फिज़ियोलॉजी विभाग।

अल्प अवधि/दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

भारत के विभिन्न सरकारी अस्पतालों से चार मेडिकल एवं विज्ञान विषयों के उम्मीदवारों तथा एम्स के बीएससी रेडियोलॉजी विद्यार्थियों ने एमआरआई, एफएमआरआई और एमआरएस तकनीकों में प्रशिक्षण पूर्ण किया।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

रमा जयासुंदर: 35 **एस सेंथिल कुमारन: 3**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए: 44

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. आयुर्वेदिक फार्माकोलॉजी में 'रस' के मौलिक प्रश्न को संबोधित करने के लिए एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स और कीमोसेंसरी संकेत का अध्ययन, रमा जयासुंदर, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2017-20, 74.76 लाख रुपए।
2. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक जैव मार्कर्स आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में क्लासिकल आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथो बायोलॉजी का वर्णन करना, रमा जयासुंदर, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2017-20, 79 लाख रुपए।
3. संज्ञान पर पर्यावरण और व्यावसायिक शोर के प्रभाव, एस. सेंथिल कुमारन, जीव विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (एलएसआरबी), डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2018-2020, 59.25 लाख रुपए
4. कंप्यूटर विजन आधारित विश्लेषण का उपयोग करके एमआरआई तकनीक के माध्यम से स्पिनोकेरेबेलर अटैक्सिया प्रभावित रोगियों (एससीए) में आकृति विज्ञान और तंत्रिका विज्ञान संबंधी परिवर्तन, एस सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, 2 वर्ष, 2019-2021, 65.22 लाख रु.
5. कम लागत के गैर-इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजक तकनीकों का उपयोग कर पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी को बढ़ाने के लिए न्यूरल प्लास्टिसिटी की समझ और सुविधा, एस सेंथिल कुमारन, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रु. 34.32 लाख
6. हाइपोक्सिक आइस्केमिक मस्तिष्क की चोट में नोर्मोबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी, फ्लूक्साइटिन और ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन (आरटीडीसीएस) की भूमिका-एचआईबीआई पहल, एस सेंथिल कुमारन, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 106.03 लाख रु.
7. ग्लूटेन ऐटैक्सिया और सीलिएक रोग के रोगियों में गैर-इन्वेसिव बायोमार्कर की पहचान के लिए एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, ऊमा शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रु. 4.50 लाख।
8. प्रमुख डिप्रेसिव विकार में मैगनेटिक रेसोनेंस इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए, गैर-इन्वेसिव बायोमार्कर के संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों और पहचान को स्पष्ट करना, ऊमा शर्मा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2023, रु. 33.08 लाख।

पूर्ण

1. मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन के लिए औषधीय पादपों के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, रमा जयासुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2014-2019, 48.96 लाख रुपए
2. चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का प्रयोग करते हुए मस्तिष्क के पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी अध्ययन में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को समझना, रमा जयासुंदर, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017-2020, 43.23 लाख रुपए
3. आकृति विज्ञान, कार्यात्मक, जैव रासायनिक और व्यवहार मूल्यांकन पोस्ट-ईएमएफ विकिरण, एस सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2015-2018, 52.70 लाख रुपए
4. गतिशीलता संबंधी विकार में न्यूरो-इमेजिंग हाइपोस्मिया, एस सेंथिल कुमारन, डीएसटी, 2014-2019, रु. 49.5 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चुनिंदा औषधीय पौधों के कार्यात्मक संकेतों के लिए कीमोसेंसरी और फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन के लिए एनएमआर फाइटोमैटोबोलॉमिक्स
2. स्ट्रोक के रोगियों में फिजियोथेरेपी हस्तक्षेप की चिकित्सीय दक्षता के आकलन में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका
3. स्ट्रोक के रोगियों में आयुर्वेद हस्तक्षेप की चिकित्सीय दक्षता के आकलन में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका
4. एंटी-एचआईवी मेडिसिनल प्लांट्स पर स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन
5. मामूली संज्ञानात्मक क्षति से पीड़ित पार्किंसन रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक मैपिंग और जैव रासायनिक सहसंबंध।
6. प्रोस्टेट कैंसर से ग्रस्त रोगियों में इन-बोर एमआर निर्देशित लक्षित प्रोस्टेट बायोप्सी।
7. प्रोस्टेट कैंसर की एमआरआई और एमआरएस
8. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में रक्त और मूत्र के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन
9. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सेलियाक रोग के मेटाबोनोमिक्स अध्ययन
10. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलोमिक रूपरेखा
11. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
12. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क इस्चेमिया के बीच सेरेब्रल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेर्बेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
13. चूहों में स्ट्रोक के प्रयोगात्मक मॉडल में डायहाइड्रोमाइकेटिन का मूल्यांकन और चूहे में स्ट्रोक के बाद दौरे की संवेदनशीलता।
14. प्रोस्टेट कैंसर की एमआरआई और एमआरएस

15. ग्लूटेन एटेक्सिया के साथ रोगियों के चयापचय
16. इस्केमिक स्ट्रोक के प्रयोगात्मक मॉडल में सेफीनैमाइड के न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभावों का मूल्यांकन।

पूर्ण

1. स्ट्रोक के रोगियों में योग हस्तक्षेप की चिकित्सीय दक्षता के आकलन में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका
2. एनएमआर तकनीक का उपयोग कर पार्किंसन रोग में बायोमार्कर की पहचान
3. हिपेटिक ग्लायकोजेनेसिस टाइप I और III का आण्विक और जैव रासायनिक लाक्षणीकरण
4. स्तन कैंसर के अध्ययन के लिए चुंबकीय अनुनाद (एमआर) बहु-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण और आणविक मार्कर के साथ इसका सहसंबंध।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन के लिए औषधीय पादपों के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, ओक्युलर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी
2. एनएमआर फाइटोमेटाबोलॉमिक्स और आयुर्वेदिक औषधीय पौधों, ओक्युलर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी के केमोसेंसरी सिग्नेचर का अध्ययन।
3. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक जैव मार्कर्स आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में क्लासिकल आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथो बायोलॉजी का वर्णन करना, तंत्रिका विकिरण विज्ञान
4. एंटी-एचआईवी मेडिसिनल प्लांट्स पर अध्ययन, जैवरसायन
5. फंक्शनल मैगनेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई), न्यूरोलॉजी का उपयोग करके क्रोनिक अट्रैक्टिव मिर्गी में समझने की क्षमता और क्यूओएल का अध्ययन।
6. हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में संशोधित बाधा प्रेरित मूवमेंट थेरेपी की प्रणाली में अंतर्दृष्टि प्रदान करना - एक फंक्शनल मैगनेटिक रेजोनेंस इमेजिंग आधारित अध्ययन, बालचिकित्सा।
7. किशोर इन्हेलेंट उपयोगकर्ताओं में क्यू इंड्यूस्ड क्रेविंगः एक फंक्शनल मैगनेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) अध्ययन, मनोरोग चिकित्सा
8. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रम का तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन, जैवभौतिकी
9. बायोपोलर I विकारों वाले यूथेमिक रोगियों में न्यूरोकेमिकल सहसंबंधी संज्ञानात्मक कार्य, मनोरोग चिकित्सा
10. हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में संशोधित बाधा प्रेरित मूवमेंट थेरेपी की प्रणाली में अंतर्दृष्टि प्रदान करना - एक फंक्शनल मैगनेटिक रेजोनेंस इमेजिंग आधारित अध्ययन, बालचिकित्सा।

11. पूर्ण स्पाइनल कॉर्ड आघात वाले चूहों में कोर्टिकल पुन:संगठन: सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स एवं लो इंटेंसिटी मैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर का प्रभाव, शरीर-क्रिया-विज्ञान
12. नींद में मेडियोडोरसल थैलेमिक न्यूक्लियर की भूमिका, शरीर-क्रिया-विज्ञान
13. पोस्ट स्ट्रोक के लिए रोबोटिक हाथ समर्थित ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन थेरेपी, न्यूरो स्वास्थ्य देखभाल रिहैबिलिटेशन, आईआईटी नई दिल्ली- सीबीएमई।
14. तुलनात्मक मैग्नेटोएन्सेफालोग्राफी बनाम इलेक्ट्रोएन्सेफ्लोग्राफी स्रोत स्थानीयकरण और दवा प्रतिरोधी मिर्गी, न्यूरोसर्जरी और एनबीआरसी के साथ रोगियों में अंतरालीय मिरगी के निर्वहन के प्रसार की प्रभावकारिता।
15. न्यूरोकॉगनिटिव योगाभ्यास करने वालों शारीरिक रूप से सक्रिय और निष्क्रिय जीवन शैली जीने वाले व्यक्तियों के बीच भावना, और परोक्ष ज्ञान को आपस में जोड़ता है: एक एफएमआरआई और न्यूरोसाइकोलॉजिकल स्टडी, सीआईएमआर
16. पार्किंसंस रोग में प्रवृत्ति निष्पादन और इसके संज्ञानात्मक प्रसंस्करण को समझना - एक अग्रदर्शी अध्ययन, तंत्रिकाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी, नई दिल्ली
17. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में उन्नत अल्ट्रासाउंड और उन्नत एमआरआई की भूमिका, विकिरण निदान
18. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने और स्थानीयकरण में मल्टीपेरामैट्रिक एमआरआई की भूमिका, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र, आईआईटी-दिल्ली
19. प्रोटॉन न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए सेप्सिस रोगियों में सीरम का मेटाबोलोमिक्स, कायचिकित्सा
20. ईईजी कॉर्टिकल स्रोत और अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी विकारों में कामकाजी स्मृति और भाषा प्रसंस्करण की संबद्धता, शरीर-क्रिया-विज्ञान
21. ऑब्सेसिव कम्पल्सिव विकार के साथ स्किज़ोफ्रेनिया और ऑब्सेसिव कम्पल्सिव लक्षणों के साथ स्किज़ोफ्रेनिया में 1एच एमआरएस पर न्यूरोकेमिकल परिवर्तन का एक तुलनात्मक अध्ययन, मनोचिकित्सा
22. क्षय के निदान में लघु अणु जैव-हस्ताक्षर, सूक्ष्मजीवविज्ञान
23. अल्जाइमर (एडी) रोग विकृति में लिपोक्सिसेस को लक्षित करने वाले एमाइलॉयड बीटा के एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैवभौतिकी

पूर्ण

1. तंत्रिका संज्ञानात्मक गिरावट और मस्तिष्क चयापचय से जुड़े एचआईवी, काय चिकित्सा
2. चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का प्रयोग करते हुए मस्तिष्क के पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी अध्ययन में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को समझना, तंत्रिकाविज्ञान और तंत्रिका विकिरणविज्ञान

रोगी उपचार

रोगी देखभाल एवं अनुसंधान हेतु विभाग में तीन एमआरआई स्कैनर (दो 3.0 टेस्ला और एक 1.5 टेस्ला स्कैनर) हैं। विभाग सप्ताह के सभी दिवस चौबीसों घंटे रोगी देखभाल एमआरआई सुविधाएं प्रदान करता है। अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के दौरान स्कैन किए गए रोगियों की संख्या का विवरण निम्नानुसार हैः

क्लीनिकल नैदानिक एमआरआई स्कैन	:	6119 रोगी
अनुसंधान	:	876 रोगी और स्वस्थ स्वयंसेवक

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर रमा जयासुंदर को भारत के महामहीम राष्ट्रपति द्वारा नागालैंड विश्वविद्यालय मुंबई में उनके (आगंतुक) नामिति के तौर पर तीन वर्षों हेतु नामित किया गया था; कुलपति, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) में भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास में शिक्षण पाठ्यक्रम में वार्षिक रिफ्रेशर कोर्स हेतु अकादमिक परिषद के एक सदस्य के रूप में नामित किया गया था; आयुर्वेद विज्ञान पर विभिन्न देशों के विदेशी राजनयिकों को संबोधित करने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आमंत्रित; दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा उनके नामिति के रूप में नामित; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा उनके नामिति के रूप में नामित; सीएसआईआर-पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (सीएसआईआर-टीकेडीएल), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की सलाहकार समिति के सदस्य; वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, उत्कृष्टता केंद्र, इंटरडिसिप्लीनरी स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ; भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), कोलकाता के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य; मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), मोहाली में आचार्यों की नियुक्ति हेतु चयन समिति के लिए नामिति; आयुष क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार हेतु जूरी सदस्य के रूप में नामित, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नामित; 12 सम्मेलनों में मुख्य वक्ता, विस्तृत व्याख्यान और आमंत्रित वक्ता; आयुर्वेद और एकीकृत चिकित्सा जर्नल के संपादकीय बोर्ड पैनल; आयुर्वेद और एकीकृत चिकित्सा के करेंट साइंस और जर्नल हेतु समीक्षक।

प्रोफेसर एस सेंथिल कुमारन को आईएसएमआरएम-इंडियन चैप्टर की कार्यकारी समिति का सदस्य चुना गया; इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, मेडिसिन में मैग्नेटिक रेजोनेंस, न्यूरोरिहेबिलिटेशन एंड न्यूरल रिपेयर (सेज पब्लिशिंग) और आईईईईई एक्सेस के लिए समीक्षक।

डॉ. उमा शर्मा फ्रंटियर्स इन न्यूरोसाइंसेस के लिए अतिथि संपादक थीं।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार करंट मेटाबोलॉमिक्स और सिस्टम बायोलॉजी, बेंथम साइंस के संपादकीय बोर्ड पैनल थे; निम्न पत्रिकाओं के लिए समीक्षकः साइंटिफिक रिपोर्ट, स्प्रिंगर नेचर; कैंसर इमेजिंग, स्प्रिंगर नेचर; वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जिकल ओंकोलॉजी, स्प्रिंगर नेचर; कैंसर मेडिसिन, जॉन विली; मैगनेटिक रेसोनेंस इन मेडिसिन, जॉन विली; जर्नल ऑफ इलेक्ट्रीकल एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, हिंदवी; कम्प्यूटर मेथड्स एंड प्रोग्रामिंग इन मेडिसिन, एल्सेविएर।

9.23. नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सीएस बाल

आचार्य

राकेश कुमार | चेतन डी पटेल (हृद् तंत्रिका केंद्र)

अपर आचार्य

माधवी त्रिपाठी | अनिल के. पांडेय (चिकित्सा भौतिकी)

सह आचार्य

निशिकान्त ए. दामले | शमीम ए. शमीम

सहायक आचार्य

खंगमम बंगकिम चंद्र

विशिष्टताएं

नाभिकीय चिकित्सा विभाग की दो अलग-अलग सेवाएं हैं: नैदानिक और चिकित्सीय सुविधाएं। नैदानिक सेवाओं में सामान्य नाभिकीय सेवाएं आती हैं जिनमें मुख्य विभाग में गामा कैमरा, स्पेक्ट और स्पेक्ट/सीटी का उपयोग किया जाता है और सीएनसी में नाभिकीय कार्डियोलॉजी एकक के तौर पर विशेषज्ञ सेवाएं जिनमें अस्पताल के सीएन केंद्र और अन्य विभागों से हृदय संबंधी अध्ययन के लिए भेजे गए रोगियों का इलाज किया जाता है। मुख्य विभाग में दो पीईटी/सीटी स्कैनर और पीईटी रेडियोकेमिस्ट्री सुविधा युक्त एक समर्पित 11 एमईवी साइक्लोट्रॉन है। अन्य प्रभागों में अंत:स्रावी ट्यूमर, विक्षेपज तंत्रिका अंत:स्रावी, ट्यूमर, विक्षेपज बीज ग्रंथी नोशोत्तर पुरस्थ कैंसर (एमसीआरपीसी), बच्चों में कैंसर जैसे तंत्रिका कोशिका प्रसू अर्बुद, वयस्क दुर्दम क्रोमाफिन कोशिकार्बुद और परागंडिकार्बुद, यकृतकोशिकी कार्सिनोमा, रेडियोसायनिवेक्टोमी और अस्थि पीडा उपशमन की सेवाएं प्रदान करते हैं जिनमें बीटागण ऊत्सर्जकों नामत: आई-131, एलयू-177, पी-32, एसएम-153 और हाल ही में अल्फा रेडियोन्यूक्लाइड एक्टिनियम-225 लेबल डोटेटेट और पीएसएमए-617 का उपयोग किया जाता है। अल्फा थेरेपी में एम्स संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे हैं और एसी-225 का उपयोग करने वाले दुनिया के शीर्ष 3 देशों में है।

शिक्षा

विभाग में इस शैक्षणिक वर्ष 3 पीएचडी, 5 डीएम, 22 एमडी और 18 एमएससी छात्र हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग ने अगरतला, त्रिपुरा सरकार में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र से दो चिकित्सकों को, प्रत्येक को पीईटी/सीटी में 6 माह और इम्फाल सरकारी अस्पताल, मणिपुर से दो चिकित्सकों को नाभिकीय रेडियोलॉजी में 3 माह का प्रशिक्षण दिया है। 22-24 अप्रैल 2019 से प्रोफेसर सी.एस. बाल की देखरेख में चिकित्सीय नाभिकीय चिकित्सा में विभिन्न राष्ट्रीय चिकित्सा केंद्रों / अस्पतालों के पांच वरिष्ठ नाभिकीय चिकित्सा चिकित्सकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया है।

प्रोफेसर सी.एस. बाल द्वारा छठे सेमेस्टर के स्नातक छात्रों के लिए एकीकृत शिक्षण संगोष्ठियां ली गई जिनमें से एक रेडिओलॉजी संकाय के प्रोफेसर डी.एन. श्रीवास्तव के साथ इंट्रोडक्शन ऑन इमेजिंग पर था और प्रो. महाजन के साथ रिनल फंक्शन पर आठवें सेमेस्टर के लिए और न्यूरोरेडियोलॉजी में डॉ. जोसेफ, अपर प्रोफेसर के साथ न्यूरोइमेजिंग पर आठवें सेमेस्टर के यूजी छात्रों के लिए।

डॉ. माधवी त्रिपाठी ने 19 मार्च 2020 को *'बिनाइन एण्ड मेलिग्नेंट ट्यूमर्स ऑफ दी ट्रेकियो-ब्रोंकल ट्री इंक्लूडिंग मीडियास्टिनल ट्यूमर्स'* पर छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए एकीकृत संगोष्ठी की। प्रो एस.के. काबरा, डॉ संजीव सिन्हा, डॉ. स्मिता मनचंदा, और डॉ. माधवी त्रिपाठी।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान

सीएस बालः 12 **राकेश कुमारः 9** **चेतन पटेलः 3**

माधवी त्रिपाठीः 6 **अनिल कुमार पांडेः 5** **निशिकांत ए दामलेः 5**

शमीम ए शमीमः 2

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 48 (सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. डोसिमेट्री ऑफ 177lu -लेबल्ड पीएसएमए-617 इन कैस्ट्रेशन-रेसिस्टेंट कैंसर पेशेंट्स। सी.एस. बाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रु. 25 लाख
2. केपेरिजन ऑफ एल्फा एमिटिंग 225Ac-डोटेटेट वर्सेज बीटा एमिटिंग 177Lu- डोटेटेट थैरेपी इन एडवांस्ड एंड स्टेज गैस्ट्रोएंटेरोपैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर (जीईपी-नेट) पेशेंटस। सी.एस. बाल, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, रु. 150 लाख
3. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के निदान और फॉलो-अप में गैलियम-68 लेबिल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट मेंब्रेन एंटीजन के साथ पीईटी-सीटी का प्रयोग, राकेश कुमार, आईएईए, 5 वर्ष, 2017-2022, 15,000 यूरो
4. कार्डियो-ऑन्कोलॉजी स्टडी (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, चेतन डी. पटेल, आईएईए, 5 वर्ष, 2019-2023, 2000 यूरो
5. एनहांसिंग द कैपेसिटी ऑफ न्यूरोइमेजिंग एंड बायोमार्कर्स: एप्लीकेशन इन अर्ली-स्टेज एल्जाईमर्स डिजीज विद कॉमोरबिडिटीज, माधवी त्रिपाठी, आईएईए, 4 वर्ष, 2015-2020, यूरो 18,000
6. इवेल्यूशन ऑफ लोंग एक्टिंग ऑक्ट्रिटाईड थैरेपी इन स्टेरॉयड रेसिस्टैंट ग्रेव्स ऑप्थलोपेथी विद सोमाटोस्टैटिन रिसेप्टर ऑन 68Ga-डोटेनोक पीईटी/सीटी, निशांत ए. डामले, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रु. 5 लाख/वर्ष
7. डायनोस्टिक एक्योरेसी ऑफ एंटीफंगल सिंटिग्राफी इन डायग्नोसिंग इनवेसिव फंगल डिजीज (आईएफडी) इन फिब्राइल न्यूट्रोपेनिया इन पीडियाट्रिक हेमाटोलॉजिक मेलिग्नोसीस, निशिकांत ए. दामले, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रु. 5 लाख/वर्ष

8. यूटिलिटी ऑफ रेडियोलेबल्ड एंटिबॉयोटिक्स एज इमेजिंग एजेंट्स इन स्टेबलिशमेंट ऑफ ए डिसिजन सपोर्ट एलोगरिद्म इन पेशेंट्स विद पाइरेक्सिया ऑफ अननोन ऑरिजिन (पीयूओ) कॉज्ड बाई इनफेक्शन एण्ड इट्स इंपेक्ट ऑन शॉर्ट टर्म एण्ड लोंग टर्म क्लिनिकल आउटकम्स, निशिकांत ए. दामले, आईसीएमआर, 2019-2022, 3 वर्ष, रु. 36 लाख/वर्ष
9. 68Ga-पीएसएमए पीईटी-सीटी फोर इवेल्यूशन ऑफ हेप्टोसेलुलर कार्सिनोमा, शमीम ए शमीम, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-2020, रु. 5 लाख
10. कंपेरिजन ऑफ री-188-एचडीडी लिपियोडोल ट्रांस आर्टिरियल रेडियोन्यूकलाइड थैरेपी (टीएआरटी) विद री-188-डीईडीसी लिपियोडोल टीएआरटी इन मैनेजमेंट ऑफ एडवान्स्ड हेप्टोसेलुलर कार्सिनोमा: ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल, शमीम ए शमीम, 3 वर्ष, 2019-2022, 47.56 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जीईपी-एनईटी में 225 एसी-डीओटीएटीएटीई
2. कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर में 225एसी-पीएसएमए-617 थेरेपी
3. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के मूल्यांकन के लिए 68जीए-पीएसएमए पीईटी-सीटी
4. औषध दुर्दम्य मिर्गी में 'सिस्कोस' की नैदानिक सटीकता का विश्लेषण करने के लिए एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन
5. ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी टू कंपेयर डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ 18एफ-एफसीएच पीईटी/सीटी, 4डी-सीटी एण्ड 99एम टीसी-सिस्टेमिबि इन डिटेक्शन एंड लोकेलाइजेशन ऑफ कल्प्रिट लिजन इन पेशेंट्स विद प्राइमरी हाइपरपैराथायरोयडिज्म
6. बायोडिस्ट्रिब्यूशन एंड रेडिएशन डोसिमेट्री ऑफ 68जीए-डीएटीए.एसए.एफएपीआई इन पेशेंट्स डायग्नोज्ड विद वेरियस कैंसर्स।
7. कंपेरिजन ऑफ 25एसी-पीएसएमए-617 वर्सेज 177एलयू-पीएसएमए-617 इन द ट्रीटमेंट ऑफ मेटास्टैटिक केस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर।
8. कंपेरिजन ऑफ री-188-एचडीडी लिपिडोल ट्रांस आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी (टीएआरटी) विद री-188-डीईडीसी लिपिओडोल टीएआरटी इन दी मेनेजमेंट ऑफ एडवांस्ड हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा: ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल
9. योगीकैड अध्ययन के डिजाइन और तरीके- पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण
10. डायग्नोस्टिक परफार्मेंस ऑफ सीआरएच स्टिम्यूलेटेड बीआईपीएसएस इन पेशेंट्स विद एसीटीएच डिपेंडेंट कुशिंग सिंड्रोम
11. रेडियोआयोडीन थेरेपी करवाने वाले पृथक किए थायरॉयड कैंसर वाले बच्चों एवं युवा वयस्कों में डोसीमेट्रिक अध्ययन।
12. इवेल्यूशन ऑफ स्टैंडर्ड अपटेक वैल्यू रेशोज इन 18एफ-टीएयू पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी

13. टीसी-99एम ट्रोडैट स्पेक्ट/सीटी पर स्ट्राइटल बाइंडिंग रेशो का मूल्यांकन
14. गैस्ट्रिक एम्पटिंग सिंटियाग्राफी यूजिंग स्टैंडर्ड वेगन मील: स्टेबलिशमेंट ऑफ कंट्रोल वेल्यूज
15. इस देयर ए नीड टू चेंज एडमिनिस्टर्ड 131I एक्टिविटी इन हाई टर्नओवर ग्रेव्स डिजीज
16. नॉन इनवेसिव टिश्यू डायनोसिस- ए कंपेरिजन ऑफ द एक्यूरेसी ऑफ पेरामेट्रिक मेपिंग ऑन एमआरआई विद कार्डिएक पीएटी स्कैन इन डेटरमाइनिंग द रिस्पोंस टू थैरेपी इन कार्डिएक सार्कोयडोसिस
17. प्रोस्पेक्टिव कंपेरिजन बिट्विन 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी एंड कनवेंशनल मोडेलिटिज फोर इविंग्स फेमिली ऑफ ट्यूमर्स
18. प्रोस्पेक्टिव इवेल्यूशन ऑफ प्रोस्ट्रेट स्पेसिफिक मेंब्रेन एंटिजन एक्सप्रेशन इन रिकरेंट हाई ग्रेड ग्लियोमास यूजिंग जीए-68 पीएसएमए/पीईटी/सीटी
19. रोल ऑफ 18एफ-फ़्लोरोचोलिन पीईटी / सीटी इन द लोकेलाइजेशन ऑफ कल्प्रिट लिजन इन पेशेंट्स विद परसिस्टेंट/रिकरंट प्राइमरी हाइपरपेरोथायरोयडिज्म
20. स्तन कैंसर की स्टेजिंग में 68जीए-डीओटीए / डीएटीए.एसए.एफएपीआई की भूमिका
21. एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा में 68जीए-पीएसएमए-एचबीईडी-सीसी पीईटी/सीटी की भूमिका
22. रोल ऑफ टेक्सचर एनालाइजिस इन 18-एफडीजी पीईटी/सीटी इन रिस्पोंस असेसमेंट इन सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा
23. कोंस्ट्रेंड लीस्ट स्क्वायर फ़िल्टरिंग का उपयोग करके सिंटीग्राफिक इमेज रिस्टोरेशन
24. रिचर्डसन लुसी एल्गोरिद्म का उपयोग करके सिंटीग्राफिक इमेज रिस्टोरेशन
25. स्टेंडर्डाइजेशन ऑफ टेक्नेटियम-99 एम एथिलीन डाइसीस्टीन (99एमटीसी-एलएलईसी) क्लिअरेंस इन रीनल ट्रांसप्लांट डोनर्स/नॉर्मल ह्यूमैन सब्जेक्ट्स एंड कंपेरिजन विद ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट (जीएफआर) इन विट्रो बाय टू प्लाज्मा सेंपल मेथड
26. हार्ट-फेलियर में कार्डियक सिंपथेटिक इनरवेशन के मूल्यांकन के लिए फ्लोरीन-18 फ्लोरो एल-डाइहाइड्रोक्सीफिनाइललानाइन (एफ-18 एफडीओपीए) की व्यवहार्यता का आकलन कार्बन-11 हाइड्रोक्सीपेफेड्रिन (सी-11 एचईडी) पीईटी-सीटी से तुलना
27. टू स्टडी द क्लिनिकल प्रोफ़ाइल, इनवेस्टिगेशन्स एण्ड आउटकम ऑफ पेशेंट्स अंडरगोइंग पैराथाइरॉइडेक्टोमी: ए रिट्रोस्पेक्टिव एंड प्रोस्पेक्टिव एक्सपीरियंस
28. टू स्टडी दी कॉनकोर्डेंस ऑफ थायराइड इमेजिंग एंड डेटा रिपोर्टिंग सिस्टम (टीआईआरएडीएस) एंड बेथेस्डा सिस्टम फोर थायरॉयड सिस्टोपैथोलॉजी (टीबीएसआरटीसी) विद फाइनल हिस्टोपैथोलॉजी इन सोलिटरी थायराइड नोड्यूल (एसटीएन)
29. माइक्रोवैस्कुलर एनजाइन में संवहनी के कार्य और दर्द की संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना
30. यूटिलिटी ऑफ 99एम-टीसी यूबिक्विसिडिन इन डिफरेंशिएशन ऑफ इनफेक्टिव एंड नॉन इनफेक्टिव लेशंस

पूर्ण

1. 68-गैलियम पीएसएमए एचबैड सीसी पीईटी/सीटी पॉजिटिव एनाप्लास्टिक थायराइड कार्सिनोमा में 177एलयू-डीकेएफजेड-पीएसएमए 617 की चिकित्सीय क्षमता का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
2. प्रारंभिक कीमोरेडियोथेरेपी से रोके गए स्थानीय एडवांस्ड हैड एंड नैक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीईटी/सीटी) की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन
3. कॉम्प्रेहेंसिव एसेसमेंट ऑफ राईट वेंट्रिकल फंक्शन एण्ड पल्मोनरी पर्फयूशन इन पेशेंट्स विद आइसेन्जेनर सिंड्रोम यूजिंग मल्टी मोडेलिटी इमेजिंग
4. डॉसिमेट्री एंड एफिकेसी ऑफ **177**एलयू-पीएसएमए-**617** थेरेपी इन मेटास्टैटिक केस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट पेशेंट्स
5. टीसी99एम-एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन स्पेक्ट से गुजरने वाले रोगियों में इंटरफीयरिंग इन्फ्रा हृदय संबंधी गतिविधि को कम करने में आहार हस्तक्षेप का प्रभाव
6. घातक पोर्टल शिरा घनास्त्रता के साथ हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में रीनियम-188 एचडीडी लिपिडोल की प्रभावकारिता
7. इवेल्यूशन ऑफ एम्नेस्टिक माईल्ड कॉग्निटिव इंपेयरमेंट यूजिंग एफ-18 टीएयू एण्ड एफ -18 एफडीजी पीईटी/सीटी।
8. वेवलेट ट्रांसफॉर्म का प्रयोग करके इमेज डीनॉयजिंग
9. गेलियम-68 पीएसएमए पीईटी/सीटी का प्रयोग करके मेटास्टेटिक ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में पीएसएमए एक्सप्रैशन की इमेजिंग
10. ऑटोइम्यून ऑर्बिटोपैथी के रोगियों में गेलियम 68 डोटानॉक पीईटी/सीटी की सहायता से सोमाटोस्टेटिन रिसेप्टर एक्सप्रैशन का त्वरित मूल्यांकन
11. एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी पर बनावट विश्लेषण का उपयोग करके उच्च ग्रेड लिम्फोमा के अंतरिम उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन
12. तनाव संबंधी मायोकार्डियल पर्फ्यूशन साइन्टिग्राफी द्वारा उन्नत सीकेडी वाले रोगियों में स्पर्शोन्मुख तनाव प्रेरित मायोकार्डियल इस्किमिया
13. नर्म ऊतर सार्कोमा के रोगियों में स्टेज और प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में 18-एफडीजी पीईटी-सीटी की भूमिका
14. कार्डिएक सारकॉइडोसिस में जीए68-डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी की भूमिका; कार्डिएक एमआरआई के साथ तुलना
15. संक्रमण इमेजिंग के लिए 99एम टेक्नेटियम (99एम टीसी) एंटीबायोटिक दवाओं का संश्लेषण, गुणवत्ता नियंत्रण और जैवविविधता अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. बायोडिस्ट्रिब्यूशन एंड रेडिएशन डोसिमीट्री ऑफ 68जीए-डीएटीए.एसए.एफएपीआई इन पेशेंट्स डायग्नोज्ड विद वेरिसय कैंसर्स. यूनिवर्सिटि ऑफ मेंज, जर्मनी।
2. इवैल्यूएशन ऑफ द ग्राफ्ट किडनी बाय कंट्रास्ट-अल्ट्रासाउंड एंड इलास्टोग्राफी इन अर्ली पोस्टऑपरेटिव पीरियड, रेडियोलोजी
3. सर्वाइकल लिम्फ नोड्स में अज्ञात सिर और गर्दन प्राइमरी मेटास्टैटिक का मूल्यांकन, ईएनटी, ऑर्थो
4. मोनोसिम्प्टोमेटिक रेस्ट ट्रिमर क्लासिफिकेशन बेस्ड ऑन क्लिनिकल इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल एंड डोपामाइन ट्रांसपोर्टर बाइंडिंग प्रोफाइल इन इंडियन पेशेंट्स। न्यूरोलॉजी विभाग, जीबी पंत इंस्टिट्यूट ऑफ मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड जिपमेर, नई दिल्ली
5. रोल ऑफ 68जीए-डीओटीए/डीएटीए.एसए.एफएपीआई इन द स्टेजिंग ऑफ ब्रिस्ट कैंसर। यूनिवर्सिटी ऑफ मेंज, जर्मनी।
6. प्राथमिक पीसीआई के बाद मल्टीवैसल बीमारी वाले एसटीईएमआई रोगियों में नॉन-कलप्रिट धमनियों की इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के गेटेड-स्पैक्ट एमपीआई का मान, हृद् विज्ञान

पूर्ण

1. ए स्टडी ऑफ क्लिनिकल स्पेक्ट्रम ऑफ ड्रम इंड्यूस्ड मूवमेंट डिसऑर्डर एंड इट्स एसोसिएटेड रिस्क फेक्टर्स। न्यूरोलॉजी विभाग, जीबी पंत इंस्टिट्यूट ऑफ मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड जिपमेर, नई दिल्ली
2. कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट इन अर्ली ऑनसेट एंड इडियोपेथिक पार्किन्सन्स डिजीज। न्यूरोलॉजी विभाग, जीबी पंत इंस्टिट्यूट ऑफ मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड जिपमेर, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 79

रोगी उपचार

परमाणु चिकित्सा विभाग की दो अलग-अलग सेवाएं हैं: नैदानिक और चिकित्सीय सुविधाएं। नैदानिक सेवाओं में सामान्य परमाणु औषधिक सेवाएं आती हैं जिनमें मुख्य विभाग में गामा कैमरा, स्पेक्ट और स्पेक्ट/सीटी का उपयोग किया जाता है और सीएनसी में नाभिकीय कार्डियोलॉजी एकक के तौर पर विशेषज्ञ सेवाएं जिनमें अस्पताल के सीएन केंद्र और अन्य विभागों से हृदय संबंधी अध्ययन के लिए भेजे गए रोगियों का इलाज किया जाता है। विभाग में 120-150 डायग्नोस्टिक रोगी स्कैन/अध्ययन प्रतिदिन किए जाते हैं।

अन्य प्रभागों में अंतःस्रावी ट्यूमर, विक्षेपज तंत्रिका अंतः स्रावी, ट्यूमर, विक्षेपज बीज ग्रंथी नोशेत्तर पुरस्थ कैंसर (एमसीआरपीसी), बच्चों में कैंसर जैसे तंत्रिकाकोशिका प्रसू अर्बुद, वयस्क दुर्दम क्रोमाफिन

कोशिकार्बुद और परागंडिकार्बुद, यकृतकोशिकी कार्सिनोमा, रेडियोनिवेक्टोमी और अस्थि पीडा उपशमन की सेवाएं प्रदान करते हैं जिनमें बीटागण ऊत्सर्जकों नामत: आई-131, एलयू-177, पी-32, एसएम-153 और हाल ही में अल्फा रेडियोन्यूक्लाइड एक्टिनियम-225 लेबल डोटेटेट और पीएसएमए-617 का उपयोग किया जाता है। सुविधा में प्रतिदिन 110-170 रोगियों के लिए ओपीडी सुविधा प्रदान की जाती है और प्रति सप्ताह लगभग 35-50 रोगियों का अध्ययन किया जाता है। नाभिकीय चिकित्सा में अधिकांश थैरेपी ओपीडी प्रक्रियाएं हैं और एईआरबी विनियमों के अनुसार, जिन कैंसर रोगियों को 30 एमसीआई आई-131से दिया जाता है, उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता होती है। हमारे पास 1967 के बाद से नियमित फोलो अप के तहत 11,000 से अधिक डीटीसी रोगी हैं, और 1972 के बाद से 7000 से अधिक हाइपरथायरॉइड के रोगी हैं। हमारे पास दैनिक ओपीडी सेवाएं हैं और संकाय एवं डीएम छात्र, इनडोर और आउट पेशेंट, दोनों प्रकार की सुविधाओं में देखरेख करते हैं।

विभाग नियमित रूप से मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी इमेजिंग करता है, जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और उपचार में एक अनिवार्य जांच है। हम कार्डियक इन्फैक्शन पैथोलॉजी के लिए और मायोकार्डियल वायबिलिटी के आकलन के लिए पीईटी ट्रेसर एफ-18 एफडीजी के साथ कार्डियक पीईटी इमेजिंग भी करते हैं। गैर सीएडी संकेतों जैसे कार्डियक सार्कोइडोसिस और इंफिल्ट्रेटीव / इंफ्लेमेटरी पैथोलॉजी के लिए अब नए नैदानिक तकनीक गैलियम-68 डॉटानॉक और टीसी99एम पीवाईपी की तरह किया जाता है। हमने कार्डियक सिम्पैथेटिक पारी के मूल्यांकन के लिए एफ-18 एफडीओपीए की व्यवहार्यता का आकलन किया जाता है एवं एक जारी अध्ययन में हार्ट फेलियर के रोगियों में इसकी भूमिका का मूल्यांकन किया गया। केंद्र से संदर्भित सीएडी रोगियों में और आईआरसीएच से कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में कार्डियक मूल्यांकन के लिए विभाग बाएं वेंट्रिकुलर फंक्शन के मूल्यांकन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी भी करता है।

2019-2020 के दौरान डायग्नोस्टिक स्कैन और रेडियोन्यूक्लाईड थेरेपी की संख्या

नियमित नैदानिक	
99एमटीसी-आरबीसी ब्लड पूल स्कैन	24
डीएमएसए	1460
डीआरसीजी	178
ईसीडी-आइक्टल स्पैक्ट	229
ईसीडी-आईएनटी स्पैक्ट	258
जीईआर	502
जीईटी	99
एचआईडीए	278
एलआईवी-एसपीएलएन	02
लिम्फोसिटीग्राफी	219

एमडीपी बोन स्कैन	1803
131आई-एमआईबीजी-डीएक्स	271
131आई-एमआईबीजी-डीएक्स	27
मैकेल'स स्कैन	40
पैराथायराइड इमेजिंग	213
रीनल डायनामिक स्टडी	3788
सेंटीनेल नोड इमेजिंग	02
पेरटेकनेटेट थायराइड स्कैन	457
99एमटीसी-ट्रोडैट स्कैन	14
डब्ल्यूबीएस-डीएक्स	1179
डब्ल्यूबीएस-टीएक्स	864
177एलयू-डोटाटैट	48
177एलयू-पीएसएमए-617	35
177एलयू-ईडीटीएमपी/डॉटएमपी/बीपीएएमडी/जेडओएल	20
225एक्टीनीयम - डोटाटैट	28
225एक्टीनीयम-पीएसएमए-617	12
131I-एमआईबीजी	1145
131I-हाइपरथायरायडिज्म के लिए थेरेपी	300
131I-थायराइड कैंसर के लिए थेरेपी	798
जीएफआर	2242
डायग्नोस्टिक्स- पॉजिट्रॉन इमोशन टोमोग्राफी (पीईटी/सीटी)	
18एफ एफडीजी	7546
जीए68 पीएसएमए	520
जीए68 डीओटीए एनओसी	774
एफ18 कोलाइन	83
68जीए एक्सेंडिन4	12
एफ18 डीओपीए	101
एफ18 टीएयू	15
18एफ-फ्लोराइड पीईटी/सीटी बोन स्कैन	20
एनएच3 कार्डिएट पीईटी स्कैन	9
68जीए-गुल-नोटा पीईटी/सीटी	34
68जीए-एफएपीआई पीईटी/सीटी स्कैन	6
एनसीसीटी	621

कार्डिएक केंद्र की गतिविधियाँ	
कार्डिएक एफ18-एफडीजी पीईटी	156
99एमटीसी/मायोकार्डियल परफ्यूजन स्टडी	1859
आरएनवी स्टडी (एमयूजीए)	562
विविध (वी/क्यू स्कैन, पहली पास)	147

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर सीएस बाल को यादव एमपी, बल्लाल एस, त्रिपाठी एम, दामले एनए, साहू आरके, सेठ ए, बैल सीएस. ***के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड-2019*** के लिए मिला।[177]। मेटास्टेटिक कैस्ट्रेट-रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर में लू-डीकेएफजेड-पीएसएमए-617 थेरेपी: सुरक्षा, प्रभावकारिता और जीवन मूल्यांकन की गुणवत्ता। ईयूआर जे न्यूक्ल मेड मोल इमेजिंग (2017) 44**:** 81. डीओआईः 10.1007/s00259-016-3481-7. ईएएनएम, बार्सिलोना, स्पेन; निम्नलिखित में भी प्रस्तुत किया गया है: ***ऑन्कोलॉजी, क्लीनिकल थेरेपी और डायग्नोसिस - सेंटर फॉर थेरेपी एक्सीलेंस वाईआईए संगोष्ठी*** बल्लाल एस, यादव एम, बाल सीएस. अर्ली रिजल्टस ऑफ 225एसी-डीओटीएटीएटीई टार्गेटेड अल्फा थैरेपी इन मेटास्टेटिक गेस्ट्रोएंटरोपैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राईन ट्यूमर्स: फर्स्ट क्लिनिकल एक्सपीरियंस ऑन सेफ्टी एंड एफिकेसी। जे न्यूकल मेड 2019 60:74 **एसएनएमएमआई, 2019, अनाहेइम, यूएसए**; क्रमश अक्टूबर और दिसंबर, 2019 में एफएनएएससी (भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में अध्येता) और एफएनएससी (भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में अध्येता) चुना गया था।

प्रोफेसर चेतन पटेल को न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया का उपाध्यक्ष चुना गया है**;** कार्यकारी समिति के सदस्य, सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, भारत; कार्यकारी समिति के सदस्य**,** एसोसिएशन ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन ऑफ इंडिया**;** न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी सेशन पैनल के चेयरपर्सन ने सोसायटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन के 51वें वार्षिक सम्मेलन में चर्चा की, 12-14 दिसंबर 2019, मुंबई महाराष्ट्र

9.24. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

आचार्य और अध्यक्ष

सुनेश कुमार

आचार्य

दीपिका डेका (प्रतिनियुक्ति पर) नीरजा भाटला के. के. रॉय
नीना मल्होत्रा वत्सला डढ़वाल जे बी शर्मा
नीता सिंह

अपर आचार्य

के अपर्णा शर्मा गरिमा कच्छावा
रीता माहे पी. वनमैल

सह-आचार्य

विदुषी कुलश्रेष्ठ सीमा सिंघल
राजेश कुमारी ज्योति मीणा

सहायक आचार्य

जूही भारती नीलांचली सिंह मोनिका गुप्ता
ऋचा वत्स दीपाली गर्ग रिंचन झंगमो
कुसुम लता अर्चना कुमारी अंजू सिंह
नेहा वरुण सोनिया धीमान इंदिरा प्रसाद
अनुभूति राणा

वैज्ञानिक

रोहिणी सहगल (जी III) अरुण कुमार (जी I)

विशिष्टताएं

विभाग ने फरवरी 2020 नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, एम्स, झज्जर में स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान सेवाओं की शुरुआत में की थी। ओपीडी और ओटी दोनों सेवाएं रेजीडेंट चिकित्सकों और सलाहकारों की 24x7 उपलब्धता के साथ शुरू की गई थीं।

शिक्षा

एमसीएच (स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान) और डीएम (प्रजनन अर्बुदविज्ञान) के पहले उम्मीदवारों ने दिसंबर 2019 में परीक्षा उत्तीर्ण की।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

विभाग विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विषयों जैसे स्त्री रोग एंडोस्कोपिक सर्जरी, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान, अल्ट्रासोनोग्राफी और इनफर्टिलिटी में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। निम्नलिखित चिकित्सकों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया गया।

1. डॉ. बीला वेंकट, विशाखापट्टनम, 15 मार्च 2019 से 15 मई 2019, न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग सर्जरी
2. डॉ. राधा कुमारी, विशाखापट्टनम, 15 मार्च 2019 से 15 मई 2019, न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग सर्जरी
3. लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. शाहनूर चिश्ती, बांग्लादेश, 17 जून 2019 से 16 दिसंबर 2020, मातृ भ्रूण चिकित्सा
4. कर्नल डॉ. इस्मत आरा, बांग्लादेश, 17 जून 2019 से 16 दिसंबर 2029, मातृ भ्रूण चिकित्सा
5. डॉ. पूनम शर्मा, हरियाणा, 3 सितंबर 2019 से 2 मार्च 2020, न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग सर्जरी
6. लेफ्टिनेंट कर्नल अभिजीत कुमार, मिलिट्री अस्पताल, रामगढ़ कैंट, 1 अक्टूबर 2019 से 30 सितंबर 2020, मातृ शिशु चिकित्सा
7. डॉ. चारु शर्मा, राजस्थान, 9 दिसंबर 2019 से 20 दिसंबर 2019, मातृ भ्रूण चिकित्सा
8. डॉ. मीनाक्षी गोठवाल, राजस्थान, 9 दिसंबर 2019 से 20 दिसंबर 2019, मातृ भ्रूण चिकित्सा
9. डॉ. दिव्या पंडेरी, नई दिल्ली, 23 दिसंबर 2019 से 5 जनवरी 2020, प्रसूति एवं स्त्री रोग

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

1. लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. विनोद जी नायर, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 2017 से 31 अक्टूबर 2019, न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग सर्जरी
2. लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. वीनस देशवाल, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, 1 नवंबर 2017 से 31 अक्टूबर 2019, न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग सर्जरी
3. लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) महस्के नीलेश मधुकर, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 2018 से 14 अक्टूबर 2019, मातृ भ्रूण चिकित्सा
4. विंग कमांडर एन मोहना प्रिया, कमांड हॉस्पिटल (एएफ), बैंगलोर, 7 अक्टूबर 2019 से 7 अक्टूबर 2021, न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग सर्जरी

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. प्रसूति में डॉपलर को समझना, 28 अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. सातवीं एम्स भ्रूण चिकित्सा कार्यशाला, 29 अप्रैल 2019 से 2 मई 2019 एम्स, नई दिल्ली
3. एमसीएच (स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान) और एसआर के लिए बॉवेल सचरिंग प्रैक्टिकम कार्यशाला, 11 मई 2019, एम्स, नई दिल्ली
4. भ्रूण इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला, 8 सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
5. दिल्ली के प्रसूति रोग विशेषज्ञों और स्त्री रोग विशेषज्ञों का 41वीं वार्षिक सम्मेलन, 26-29 सितंबर 2019, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
6. उपचार कार्य की गुणवत्ता के लिए राष्ट्रीय प्रतिभागी बैठक, 16 और 17 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली

7. व्यापक गर्भपात उपचार को मजबूत करने के लिए स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक: डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ, 23 और 24 दिसंबर 2019, नई दिल्ली

गुणवत्ता में सुधार से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन

1. गुणवत्ता सुधार के लिए प्रथम रेजीडेंट ओरिएंटेशन कार्यशाला, 13 अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. गुणवत्ता सुधार के लिए दूसरी रेजीडेंट ओरिएंटेशन कार्यशाला, 11 मई 2019, एम्स, नई दिल्ली
3. एओजीडी क्यूआई समिति, के तहत गुणवत्ता सुधार पद्धति कार्यशालाएं 28 जुलाई एलएचएमसी, नई दिल्ली
4. एम्स के नेतृत्व में लक्ष्य निर्धारित मेडिकल कॉलेजों के लिए राष्ट्रीय परामर्श हेतु ओरिएंटेशन कार्यशाला, 30 और 31 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली
5. एओजीडी क्यूआई समिति के अन्तर्गत गुणवत्ता सुधार पद्धति कार्यशालाएं, 16 नवंबर 2019, एमएएमसी, नई दिल्ली
6. एओजीडी क्यूआई समिति के अन्तर्गत गुणवत्ता सुधार पद्धति कार्यशालाएं, 14 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
7. गुणवत्ता सुधार के लिए तीसरी रेजीडेंट ओरिएंटेशन कार्यशाला, 12 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
8. गुणवत्ता सुधार के लिए चौथी रेजीडेंट ओरिएंटेशन कार्यशाला, 3 मार्च 2020, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

सुनेश कुमार: 1	**नीरजा भाटला: 24**	**के के रॉय: 23**
नीना मल्होत्रा: 27	**वत्सला डढवाल: 22**	**जे बी शर्मा: 17**
नीता सिंह: 8	**के अपर्णा शर्मा: 52**	**गरिमा कच्छावा: 9**
रीता माहे: 5	**विदुषी कुलश्रेष्ठ: 6**	**सीमा सिंघल: 6**
राजेश कुमारी: 5	**ज्योति मीणा: 7**	**जूही भारती: 8**
ऋचा वत्स: 1	**रिंचन झंगमो: 1**	**दीपाली गर्ग: 1**
अर्चना कुमारी: 1	**नेहा वरुण: 2**	**अनुभूति राणा: 9**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 63

1. **(सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार; प्रसूति विज्ञान में डॉ. आरपी सूनावाला पुरस्कार; एफओजीएसआई - करण गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार; मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार)**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं के इलाज के लिए सरोग्लिटज़ार 2 मिलीग्राम और 4 मिलीग्राम टैबलेट बनाम प्लेस्बो की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक

डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, एडेप्टिव डिज़ाइन, नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण, गरिमा कच्छावा, कैडिला हेल्थ केयर लिमिटेड,1.5 वर्ष, 2019-2021, 1 लाख रु

2. भारतीय स्वास्थ्य चिकित्सा केद्रों में एल्सेवियर के "अरेजो®" के प्रयोग के साथ मानक उपचार दिशानिर्देशों की उपयोगिता, सार्थकता और अनुपालना का मूल्यांकन करने के लिए एक व्यवहारिक अध्ययन, - एक घोषणात्मक कृत्रिम बुद्धि आधारित चिकित्सकीय निर्णय सहायता तंत्र और पाथवे प्रौद्योगिकी, के अपर्णा शर्मा, नीति आयोग-यूके के - डीआईटी, 1 वर्ष, 2019-2020, 37.83 लाख रुपये
3. मर्क की एचपीवी6/11/16/18 वैक्सीन (गर्डासिल ®) की तुलना में कोहर्ट 1 (9 से 14 वर्ष की लड़कियां और लड़कों) को दो खुराक अनुसूची और कोहर्ट 2 (15 से 26 वर्ष की महिलाएं और पुरुष) को तीन खुराक अनुसूची के अनुसार स्वस्थ वालंटियर को दी गई एसआईआईपीएल की क्यूएचपीवी वैक्सीन की इम्युनोजेनिसिटी और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण-II/III, आंशिक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, सक्रीय नियंत्रित, बहुसंयोजक अध्ययन, नीरजा भाटला, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, 5 वर्ष, 2018-23, 17.47 लाख रुपये
4. ऐतिहासिक कारकों और जैव- भौतिकीय और जैव रासायनिक मापदंडों के आकस्मिक उपयोग के आधार पर भारतीय आबादी के लिए एक पूर्वकल्पना पूर्वानुमानक मॉडल विकसित करने के लिए एक भावी अध्ययन, के अपर्णा शर्मा, एम्स, 2 साल, 2018-1821, 3.5 लाख रुपये
5. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित महिलाओं में डिम्बग्रंथि के कार्य और चयापचय संबंधी कारकों पर डी-चेरो इनोसिटोल और मायो-इंनोसिटल संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक सम्भावित, ओपन-लेबल, सिंगल-सेंटर, सिंगल आर्म, पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, गरिमा कच्छवा, एम्ब्रोसिया लाइफ साइंस प्रा. लि., 2 वर्ष, 2019-2021, 12.96 लाख रु
6. तनावपूर्ण मूत्रीय असंयम से पीड़ित महिलाओं में ऑटोलॉगस रेक्टस फ़ासिया प्यूबोवैजिनल स्लिंग बनाम मिड-यूरेथ्रल स्लिंग बनाम बर्च कोल्पोसेंसेशन प्रक्रिया का एक तुलनात्मक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण अध्ययन, जेबी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 65 लाख रु
7. सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कराने वाली महिलाओं पर एक 100-रोगी पायलट अध्ययन में उपचार दृश्यात्मक निरीक्षण के मानक के लिए एक ट्रांसवजाइनल कोल्प्सकॉप की तुलना, नीरजा भाटला, ड्यूक यूनिवर्सिटी, एनसी, यूएसए, 3 वर्ष, 2017-20, 2017-20, 10.53 लाख रु.
8. बांझ और जननक्षम भारतीय महिलाओं में एंटी-मुलेरियन हॉर्मोन (एएमएच) और एंट्रल फॉलिकल काउंट्स का आयु विशिष्ट मानदंड, नीना मल्होत्रा, आरईसीपीडीसीएल, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित सीएसआर, 3 वर्ष, 2016-2020, रु 50 लाख
9. चिकित्सा महाविद्यालयों में लक्ष्य के कार्यान्वयन के लिए एम्स राष्ट्रीय नेतृत्व समूहः एक गुणवत्ता सुधार परियोजना, के. अपर्णा शर्मा, एम्स-स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय-एनएचएसआरसी की एक पहल, 1 वर्ष, 2019-20, भारत सरकार द्वारा प्रशिक्षकों की यात्रा, रहने और मानदेय के लिए वित्त पोषण।

10. एंडोमेट्रियोसिस के मार्कर के रूप में सर्कुलेटरी एग्जोसमल माइक्रो आरएनए-एक पायलट अध्ययन, जूही भारती, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2020, 3.45 लाख रुपये
11. स्वास्थ्य चिकित्सा पेशेवरों को गर्भाशय ग्रीवा के पूर्व आक्रामक घावों की जांच और उपचार के कौशल सिखाने के लिए एक कम लागत वाला प्रशिक्षण मॉडल विकसित करना, सीमा सिंघल, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, रु. 3.45 लाख
12. गर्भनाल में लौह तत्व की स्थिति और मलेरिया के जोखिम का जल्द पता लगाने के लिए एक सूचनात्मक उपकरण का विकास: प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामों को कम करने के लिए एक लागत प्रभावी दृष्टिकोण, के अपर्णा शर्मा, डीएचआर, 36 महीने, 2017-2020, 101.66 लाख रुपये
13. गर्भावस्था पर योग प्रभाव और प्रसवकालीन परिणाम, जेबी शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-2023, रु 35 लाख
14. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने में एचपीवी वैक्सीन की 2 बनाम 3 खुराक की प्रभावशीलता और सुरक्षा: एक भारतीय बहु-केंद्र याद्दच्छिक परीक्षण, नीरजा भाटला, डब्ल्यूएचओ-आईएआरसी, 11 वर्ष, 2009-20, 193.33 लाख रुपये
15. मानव स्वास्थ्य पर नोन-लोनिन्जेलेक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव, जेबी शर्मा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, रु 47 लाख
16. गर्भावस्था में एनीमिया को कम करने के लिए उन्नत, प्रसवपूर्व देखभाल - व्यापक एनीमिया कार्यक्रम और व्यक्तिगत चिकित्सा (सीएपीपीटी) परियोजना, वत्सला डढवाल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु.116.98 लाख
17. पीसीओएस वाली भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों की व्यापकता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, सह-रुग्णता, जोखिम कारक और भिन्नता का मूल्यांकन: भारत में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2018-2021, रु 37.58 लाख
18. प्रशिक्षित स्वास्थ्य चिकित्सा प्रदाताओं, अर्ध-कुशल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य केन्द्रों में वेब आधारित अनुप्रयोग का उपयोग करके डब्ल्यूएचओ एएनसी मॉडल का कार्यान्वयन, अपर्णा शर्मा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2019-2021, रु. 19.75 लाख
19. एचपीवी से संबंधित बीमारियों के उपचार हेतु द्रुत पहचान, नीरजा भाटला, एनसीआई, यूएसए, एरिजोना स्टेट युनिवर्सिटी के माध्यम से, यूएसए, 3 साल, 2017-20, 90.19 लाख रुपये
20. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायन (ईडीसी) की भूमिका, गरिमा कच्छवा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 35.72 लाख
21. प्रिक्लेम्पसिया के पूर्वानुमान में बायोकेमिकल एंडोथेलियल मार्कर एवं आर्टिरियल स्टिफनेस के मेल का मूल्यांकन करना।
22. समय से पहले डिम्बग्रंथि उम्र बढ़ने के लिए ऑटोलॉगस बोन मैरो व्युत्पन्न स्टेम सेल प्रत्यारोपण की भूमिका का मूल्यांकन, नीता सिंह, एम्स, 2 साल, 2019-2020, 10 लाख रु.
23. प्रतिरोपण विफलता में प्राकृतिक घातक कोशिकाओं की भूमिका की जांच करने के लिए और ताजा गैर दाता आईवीएफ चक्रों में उन्नत गर्भाशय प्राकृतिक किलर (यूएनके) कोशिकाओं के साथ

महिलाओं में इंट्रालिपिड्स के इम्युनोमोडायलेटरी प्रभाव का अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नीता सिंह, आईसीएमआर, 3 साल , 2019-2022, 40 लाख रु

24. असामान्य मासिक रक्तस्राव के रोगियों में मासिक धर्म में रक्त स्राव की मात्रा को कम करने के लिए ट्रानेक्सिमिक एसिड (500 मिग्रा) और मेफेनेमिक एसिड (250 मिग्रा) के साथ दी जाने वाली डायोसमिन (900 मिग्रा) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन, जेबी शर्मा, वाल्टर बसनेल, 4 साल, 2016-20, 17 लाख रुपये।
25. बांझ और बच्चा पैदा करने में सक्षम भारतीय महिलाओं में एफएसएच रिसेप्टर जीन पॉलीमोर्फिज्म की व्यापकता और आईवीएफ/आईसीएसआई से गुजरने वाली महिलाओं का अध्ययन करना, रीता माहे, एसईआरबी, 3 साल, 2018-2021, 35 लाख रुपये
26. प्रीक्लेम्पसिया कांगो रेड डिटेक्शन किट (प्वाइंट-ऑफ-केयर टेस्ट) की मान्यता: बहुविकल्पी परीक्षण, के अपर्णा शर्मा, पर्किन-एल्मर, 2 वर्ष, 2019-2021, किट के लिए अनुदान

पूर्ण

1. गर्भाशय फाइब्रॉएड के प्रबंधन में आंतरायिक यूलिप्रिस्टल एसीटेट उपचार की दो रेजिमेंटों के बीच तुलना, गरिमा कच्छवा, जैगसनपाल प्रा लिमिटेड, 3 साल, 2016-2019, 4.45 लाख रु
2. गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की गैर-इनवेसिव जांच के लिए स्मार्ट फोन आधारित एप्प का विकास और पायलट परीक्षण, 1 वर्ष, 2019, एम्स-यूसीएल, 5 लाख रु.
3. बांझ महिलाओं में जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन, जेबी शर्मा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 साल, 2016-2020, रु 28 लाख
4. डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति और रोग का निदान के साथ सहसंबंध, नीरजा भाटला, आईसीएमआर, 2 साल, 2017-2019, 3.19 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. यूरोओडायनामिक रूप से सिद्ध एसयूआई वाले रोगियों में टीओटी बनाम रेक्टस फ़ेशिया प्यूबोवैजिनल स्लिंग सर्जरी का तुलनात्मक पायलट अध्ययन
2. सर्वाइकल बीमारी वाली महिलाओं में ट्यूमर की विशेषताओं और मेटास्टैटिक बीमारी का आकलन करने में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) के साथ ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासोनोग्राफी (टीआरयूएस) की प्रभावकारिता की तुलना
3. एक क्रॉस-सेक्शनल केस- असंयमी महिलाओं में अवसाद का नियंत्रण अध्ययन
4. डारिफेनैसिन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
5. गर्भावस्था में मातृ वजन बढ़ने और मनोवैज्ञानिक तनाव और गर्भावस्था के परिणामों के साथ इसके संबंध में जन्मपूर्व योग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक पायलट अध्ययन

6. गर्भावधि आयु और विकास प्रतिबंधित भ्रूणों के लिए उचित रूप से विकसित छोटे भ्रूण की हृदय संबंधी रूपरेखा का एक संभावित अध्ययन और प्रसवकालीन परिणाम के साथ इसका संबंध
7. हाइड्रोकैलिसिस के मरीजों में डिम्बग्रंथि रिजर्व पर लैप्रोस्कोपिक सैल्पेक्टोमी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन
8. एंडोमेट्रियोसिस से जुड़ी महिलाओं में इन-विट्रो-निषेचन (आईवीएफ) चक्र से पहले एगोनिस्ट (ल्यूप्रोलाइड) - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
9. प्रसवपूर्व गंभीर परीक्षण करवाने वाले रोगियों में 1% इंजेक्शन लिग्नोकाइन बनाम इमला क्रीम के प्रयोग के बाद दर्द का आकलन
10. आईवीएफ कराने वाले कमजोर उत्तरदाताओं में वृद्धि हार्मोन सप्लीमेंट के बाद सहायक प्रजनन तकनीक के परिणाम - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
11. इन विट्रो निषेचन और प्रतिकूल गर्भावस्था परिणाम में गर्भावस्था में अपरा मात्रा और संवहनी सूचकांकों का सहसम्बंध
12. इन विट्रो निषेचन में गैर-दाता में एक विरोधी ट्रिगर में एक एकल ट्रिगर बनाम एक दोहरी ट्रिगर की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
13. सर्वाइकल शियर वेव इलास्टोग्राफी की तुलना, बिशप स्कोर, और सफल श्रम संकेत की भविष्यवाणी के लिए ट्रांसवेजाइनल सर्वाइकल लंबाई माप: एक पायलट अध्ययन
14. लेप्रोस्कोपी के दौरान न्यूमॉपरिटोयूम की स्थापना में प्रत्यक्ष ट्रोकर और वेरिस सुई की तुलना: एक नैदानिक परीक्षण
15. मनोवैज्ञानिक रुग्णता के मार्कर के रूप में इंसुलिन प्रतिरोध की तुलना (कथित तनाव, अवसाद और चिंता) और पीसीओएस और गैर-पीसीओएस बांझ महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) - एक केस नियंत्रित अध्ययन
16. पीसीओ महिलाओं में ओव्यूलेशन इंडक्शन और आईयूआई चक्र से गुजरने वाली माइओनोसाइटोल प्लस मेटफॉर्मिन बनाम मायोइनोसिटॉल की तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
17. भ्रूण की हृदय गति और गर्भाशय के संकुचन और नवजात परिणाम के साथ सहसंबंध के मूल्यांकन के लिए पोर्टेबल उन्नत इंट्रापार्टम मॉनिटरिंग सिस्टम और मानक कार्डियोटोकोग्राफी की तुलना
18. मानक चिकित्सा प्रोटोकॉल की तुलना में वेब आधारित मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके प्रसवकालीन उपचार की गुणवत्ता की तुलना: एक पायलट अध्ययन
19. एशियाई भारतीय महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज़ मेलिटस के विकास के साथ पहली तिमाही के मेटाबॉलिक मापदंडों और मातृ शरीर में वसा सूचकांक का सहसंबंध- एक तुलनात्मक अध्ययन
20. स्त्री रोग संबंधी सर्जरी कराने वाली महिलाओं में सर्जरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल के बाद बढ़ी हुई रिकवरी के कार्यान्वयन की प्रभावकारिता और व्यवहार्यता का मूल्यांकन
21. किशोर और युवा भारतीय लड़कियों में मासिक धर्म दोष के साथ हार्मोनल और मेटाबोलिक पैरामीटर का मूल्यांकन

22. एशियाई भारतीय गर्भवती महिलाओं की तुलना में प्रीक्लेम्पसिया में ल्यूकोसाइट और प्लेटलेट सूचकांकों का मूल्यांकन
23. 2 अलग-अलग सर्जिकल तकनीकों के बीच एंडोमेट्रियोसिस के लिए डिम्बग्रंथि सिस्टेक्टॉमी के बाद डिम्बग्रंथि रिजर्व का मूल्यांकन
24. भ्रूण की वृद्धि प्रतिबंधित गर्भावस्था में प्लेसेंटल इलास्टोग्राफी और प्लेसेंटल वेस्कुलराइजेशन इंडेक्स का मूल्यांकन: एक केस नियंत्रित अध्ययन
25. सीटी आधारित रिपोर्टिंग सिस्टम "पीएयूएसई" का उपयोग करके एपिथेलियल डिम्बग्रंथि, फैलोपियन ट्यूब और प्राथमिक पेरिटोनियल कार्सिनोमा के सर्जिकल रिसेक्टेबिलिटी का मूल्यांकन
26. भारतीय आबादी में कौन और अंतरग्रही -21 भ्रूण वृद्धि चार्ट का मूल्यांकन
27. गर्भाशय ग्रीवा के प्रारंभिक घावों की जांच और उपचार के लिए एक कृत्रिम बुद्धि आधारित उपकरण की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता
28. निदान और स्तर II स्त्री रोगों की प्रक्रियाओं के लिए 2.9 मिमी लैप्रोस्कोप के साथ आधुनिक मिनिलाप्रोस्कोपी की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता
29. बड़े मायोमास के लिए मिनीलेप्रोटॉमी समर्थित लैप्रोस्कोपी मायोमेक्टोमी की व्यवहार्यता और परिणाम
30. असंयम मूत्र की समस्या से पीड़ित महिलाओं में यौन रोग
31. एनआईसीयू में भर्ती किए गए अपरिपक्व शिशुओं की माताओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं (चिंता, अवसाद और तनाव प्रतिक्रिया) की व्यापकता: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
32. प्रजनन में सक्षम भारतीय पुरुषों में वीर्य विश्लेषण मापदंडों के वर्तमान नामांक को विकसित करने के लिए संभावित अध्ययन
33. फुप्फुसीय शिरा पल्सटैबिलिटी इंडेक्स कार्डियक रीमॉडलिंग (वैश्विक गोलाकार सूचकांक) और वृद्धि (मायोकार्डियल परफॉर्मेंस इंडेक्स) प्रतिबंधित और सामान्य रूप से विकसित भ्रूण
34. जमे हुए भ्रूण स्थानांतरण चक्र के दौरान एंडोमेट्रियल तैयारी के लिए लेट्रोज़ोल बनाम जीएनआरएच एगोनिस्ट एचआरटी का उपयोग करके गर्भावस्था के परिणाम की तुलना करते हुए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
35. मध्य सेरेब्रल आर्टरी पीक सिस्टोलिक वेग और अंतर्गर्भाशयी विकास प्रतिबंधित भ्रूण में परिणाम के बीच संबंध
36. एफजीआर भ्रूण में एमसीए पीएसवी और प्रसवकालीन परिणाम का संबंध
37. एंडोमेट्रियोसिस वाले रोगियों में सहायक प्रजनन तकनीक के साथ गर्भावस्था के परिणाम के पूर्वानुमान के लिए एंडोमेट्रियोसिस फर्टिलिटी इंडेक्स की भूमिका: एक संभावित अध्ययन
38. एफजीटीबी में एपिजेनेटिक्स की भूमिका
39. महिला जननांग तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट की भूमिका
40. एशियाई भारतीय महिलाओं में एकल चिकित्सा पोषण थेरेपी की तुलना में गर्भकालीन मधुमेह के उपचार में मायोइनोसिटॉल की भूमिका: एक पायलट अध्ययन

41. सहायता प्राप्त प्रजनन तकनीकों के बाद गर्भधारण में भ्रूण कार्डियक रीमॉडलिंग और गर्भधारण के बाद के ठहराव का अध्ययन
42. लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी के बाद तत्काल पोस्ट ऑपरेटिव दर्द को कम करने में पैरासर्विकल ब्लॉक की भूमिका: एक संभावित यादृच्छिक प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण
43. आईवीएफ-आईसीएसआई चक्र के दौर से गुजर रही पीसीओएस महिलाओं में डिम्बग्रंथि उत्तेजना के लिए अकेले गोनैडोट्रॉफ़िन बनाम लेट्रोज़ोल और गोनैडोट्रॉफ़िन की तुलना करने के लिए- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
44. ओवरएक्टिव मूत्राशय वाली महिलाओं में सोलिफेनासीन और टॉल्टरोडीन की प्रभावकारिता की तुलना करना
45. गर्भावस्था और सांस लेने और भ्रूण के परिणाम के साथ सहसंबद्ध वायु कार्बन मोनोऑक्साइड के स्तर का मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन
46. महिला जननांग तपेदिक के निदान में अन्य पारंपरिक विधि की तुलना में टीबी लूप मध्यस्थता प्रवर्धन जांच की भूमिका का मूल्यांकन
47. प्रिक्लेम्पसिया के पूर्वानुमान में जैव रासायनिक और जैव-रासायनिक मार्करों के संयोजन का मूल्यांकन करना
48. डिम्बग्रंथि के मूल्यांकन में सीरम डी-डिमर, न्यूट्रोफिल / लिम्फोसाइट अनुपात, प्लेटलेट / लिम्फोसाइट अनुपात और सीए 125 की भूमिका का मूल्यांकन
49. प्रसव के बाद मूत्र रोग संबंधी समस्याओं की जांच और प्रसव के समय से इसका संबंध
50. ऑफिस हिस्टेरोस्कोपी के दौरान दर्द से राहत के लिए सामान्य सेलाइन बनाम कमरे के तापमान सेलाइन का प्रयोग

पूर्ण

1. सर्वाइकल इंट्रापेथेलियल नियोप्लासिया के मूल्यांकन के लिए पोर्टेबल ट्रांसवजाइनल कोल्प्सकॉप और हैंड-हेल्ड कोल्पोसोप का क्रॉसओवर यादृच्छिक अध्ययन
2. गर्भावधि उम्र और विकास प्रतिबंधित भ्रूणों और प्रसवकालीन परिणाम के साथ इसके जुड़ाव के लिए उचित रूप से विकसित भ्रूण हृदय संबंधी रूपरेखा का एक संभावित अध्ययन।
3. एंडोमेट्रियोसिस से जुड़ी महिलाओं में नॉन-आर्ट गर्भधारण के लिए एंडोमेट्रियोसिस फर्टिलिटी इंडेक्स (टीएफआई) का प्रमाणन।
4. पेल्विस ऑर्गन प्रोलेप्स में तनाव मूत्र असंयम का निदान करने के लिए विभिन्न तौर-तरीकों की तुलना
5. सोनोग्राफिक रूप से मापी गई भ्रूण के कोमल ऊतक मोटाई का नवजात शरीर की रचना के साथ सह-संबंध
6. इन-विट्रो निषचन (आईवीएफ) चक्रों से गुजरने वाली पीसीओएस महिलाओं में आर्ट परिणामों पर मेटफोर्मिन की तुलना में मायोइनोसिटोल का प्रभाव- एक 'गैर-इनकिरियोटी' प्रयोग

7. उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में प्री-एक्लेमप्सिया के पूर्वानुमान के लिए प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर, गर्भाशय धमनी डॉपलर और 3 डी पावर प्लेसेंटा
8. गर्भावस्था में सेरेब्रोप्लेसेंटल अनुपात द्वारा प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणाम का पूर्वानुमान
9. प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामों के पूर्वसूचक के रूप में मनोसामाजिक तनाव और लिपिड प्रोफाइल
10. एंडोमेट्रियोमा सिस्टेक्टॉमी की तुलना में डायनामोगेस्ट थेरेपी प्राप्त करने वाले एंडोमेट्रियोमा रोगियों में सीरम एएमएच स्तरों में परिवर्तन का मूल्यांकन
11. पॉलीसिस्टिक ओवियन सिंड्रोम के साथ युवा एशियाई-भारतीय लड़कियों में क्लिनिको-हार्मोनल और मेटाबोलिक पैरामीटर पर मायो-इनोसिटोल-डी-चीरो-इनोसिटोल संयोजन बनाम संयुक्त मौखिक गर्भ निरोधकों की भूमिका का अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस के साथ दक्षिण एशियाई महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह मेलिटस की रोकथाम के लिए एक जीवन शैली इंटरवेंशन कार्यक्रम: भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, अंत:स्राविकी एवं चयापचय
2. स्नातक नर्सिंग छात्रों के बीच चयनित नर्सों के कौशल के बारे में ज्ञान पर लोफिडेलिटी सिमुलेशन की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अर्ध प्रायोगिक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
3. एआरटी के लिए नियंत्रित डिम्बग्रंथि उत्तेजना वाले रोगियों में आर-एचएमजी और एचपी-एचएमजी की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक, ओपन लेबल, मूल्यांकनकर्ता-ब्लाइँड, समानांतर समूह, बहु-केंद्रीय, चरण-III अध्ययन, भारत सीरम फार्मास्यूटिकल्स।
4. डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोगियों में मल्टी जीन पैनल परीक्षण के साथ बीआरसीए और गैर-बीआरसीए म्यूटेशन का आकलन: एक पार-अनुभागीय अवलोकनात्मक अध्ययन
5. वाहक डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी नियामक कोशिकाओं (एफओएक्सपी3) की अभिव्यक्ति के साथ एचआईपीईसी उपचार का सम्बंध और इसके नैदानिक महत्व, शल्यक अर्बुदविज्ञान
6. आईवीएफ कराने वाली महिलाओं में सफल गर्भावस्था की भविष्यवाणी के लिए जैव-मार्कर: उत्तर भारतीय आबादी में प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करना: अस्पताल-आधारित भावी कोहोर्ट अध्ययन, नैदानिक महामारी विज्ञान एकक
7. ड्रिप डिजिटल पीसीआर द्वारा कीमोरेडियोथेरेपी से पहले और बाद में सर्वाइकल कैंसर के मरीजों में एचपीवी सर्कुलेटिंग ट्यूमर डीएनए का पता लगाना, निवारक अर्बुदविज्ञान
8. चिकित्सकों के विरुध हिंसा का आकलन करने के लिए एक प्रश्नावली का विकास और सत्यापन, कायचिकित्सा
9. एमबीबीएस छात्रों और भारत में रेजिडेंट डॉक्टर्स के लिए कम्युनिकेशन स्किल ट्रेनिंग मॉड्यूल्स (सीएसटीएम) का विकास, सत्यापन और प्रसार, कायचिकित्सा

10. पुराने दीर्घकालिक दर्द में अल्ट्रासाउंड निर्देशित बेहतर हाइपोगैस्ट्रिक प्लेक्सस ब्लॉक की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान एवं पीड़ा चिकित्सा
11. एंडोमेट्रियोसिस से सम्बंधित दर्द में एंडोमेट्रियल न्यूरोट्रोफिक कारक और तंत्रिका फाइबर, आईसीएमआर
12. बांझ महिलाओं में जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
13. सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए मानव पैपिलोमा वायरस (एचपीवी 16) आधारित नैनोकैरियर्स का उपयोग करते हुए सिस्प्लैटिन की बाहरी डिलीवरी, शरीर रचना विज्ञान
14. समयपूर्व और प्राथमिक डिम्बग्रंथि विफलता के आनुवंशिक निर्धारक, प्रजनन जीवविज्ञान
15. चुंबकीय नैनोकणों और क्वांटम डॉट्स कोशिका विज्ञान नमूने से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिकाओं की दृश्य पुष्टि: ग्रामीण भारतीय क्षेत्रों के लिए एक लागत प्रभावी, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण, शरीर रचना विज्ञान
16. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ सहसंबंध, विकृति विज्ञान
17. मानव पेपिलोमा वायरस के लक्ष्य के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स ऑनकॉप्रोटिंस ई 6 और ई 7, डीएसटी
18. प्री-एक्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में औषधीय न्यूनाधिक के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान
19. डिम्बग्रंथि के कैंसर स्टेम कोशिकाओं में एमआईआरएनए के माध्यम से स्टेट 3 विनियमन: एक चिकित्सीय दृष्टिकोण, प्रजनन जीवविज्ञान
20. प्रीक्लेम्पसिया में हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादक एंजाइमों, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनिस और एमआईआर-21 की स्थिति और ट्रोफोब्लास्ट प्रसार को संशोधित करने में उनकी भूमिका, शरीर रचना विज्ञान
21. चूहे में मानव शुक्राणु और श्लेष्मा सक्रियण में साइट्रेट सिंथेस एक्सप्रेशन का अध्ययन, प्रजनन जीव विज्ञान
22. अपने विचारों को शामिल करने के बाद परीक्षण और रोगी केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करने की सही परीक्षा और आवृत्ति का उपयोग करके गर्भकालीन मधुमेह मेलेटस के इतिहास वाली महिला में बाद की रणनीति का विकास करना, अंत:स्राविकी एवं चयापचय
23. हृदय संबंधी जोखिम कारकों पर ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रभाव का अध्ययन करने के लिए गस्टेशनल डायबिटीज़ मेलिटस के इतिहास वाली महिलाओं की माँ-संतान-पति कोहोर्ट को स्थापित करना, अंत:स्राविकी एवं चयापचय
24. अधिक वजन / मोटापे से ग्रस्त महिलाओं (अंतिम प्रसव के 2 साल के अंदर) में बच्चे के जन्म के बाद और जन्म पूर्व जीवन शैली के हस्तक्षेप के कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना: दो समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्राविकी एवं चयापचय

25. गर्भकालीन मधुमेह मिलेटस के इतिहास वाली महिलाओं में उन्हें उनके पति या पत्नी के साथ जीवन शैली इंटरवेंशन कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना: टू आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंत:स्राविकी एवं चयापचय

पूर्ण

1. मानदंड और हाइपोक्सिया के तहत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससी और एमएपीसी की संवहनी क्षमता की तुलना, स्टेम सेल सुविधा
2. उप जिला अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा में मध्यम से गंभीर एनीमिया के साथ प्रसवोत्तर महिलाओं के बीच हीमोग्लोबिन के स्तर में सुधार करने में अंतःशिरा फेरिक कार्बोक्सी माल्टोस (एफसीएम) की प्रभावशीलता - एक पारंपरिक अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा
3. हरियाणा, उत्तर भारत, में उप-जिला अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं में मध्यम एनीमिया के उपचार में अंतःशिरा लौह सूक्रोज की प्रभावशीलता, सामुदायिक चिकित्सा
4. नॉनइम्यून हाइड्रोपस भ्रूण (एनआईएचएफ), बाल रोग का एटिऑलॉजिकल मूल्यांकन
5. गर्भावस्था के दौरान प्री-एक्लेमप्सिया / गेस्टेशनल हाइपरटेंशन और गस्टेशनल डायबिटीज रोगियों में विभेदित विनियमित मेटाबोलाइट्स और पाथवे की पहचान के लिए मेटाबॉलिकमिक्स का दृष्टिकोण, आईसीजीबी
6. गर्भावस्था हानि की मनोसामाजिक गतिशीलता: एक समूह के मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल के एक बहुआयामी पैमाने का विकास और प्रभावकारिता (एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण) का विकास, मनोचिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 57 **सार: 9** **पुस्तक में अध्याय: 13**

रोगी उपचार

सुविधाएं

कोल्पोस्कोपी	-	806	क्रायोथेरेपी	-	23
थर्मल पृथक्करण	-	26	एलईईपी	-	29

सामुदायिक सेवाएं/शिविर

1. 2019-20 में एओजीआईएन- इंडिया और कल्याणमयी (भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का सीएसआर विंग) के सहयोग से 12 शहरों में आयोजित राष्ट्रव्यापी 48 सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग और उपचार शिविर
2. कैंसर फाउंडेशन के वार्षिक कार्यक्रम, समवेदनाई, में **सर्वाइकल कैंसर - इसकी रोकथाम में रोटरी की भूमिका** पर सार्वजनिक व्याख्यान 10 मई 2020

3. 64वीं स्थापना दिवस प्रदर्शनी में **सर्वाइकल कैंसर: टीकाकरण और स्क्रीनिंग द्वारा रोकथाम,** पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रसूति एवं स्त्री रोगविज्ञान विभाग को पहला पुरस्कार दिया गया, एम्स, नई दिल्ली, 25 सितंबर 2019
4. वार्षिक रोटरी सम्मेलन में **सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन पर सार्वजनिक व्याख्यान - रोटरी क्या कर सकता है,** नोएडा, 11 जनवरी 2020
5. राष्ट्रीय समन्वयक, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर देशव्यापी 225 सदस्य सोसायटी द्वारा अर्धसैनिक बलों के लिए एफ़ओजीएसआई स्तन और ग्रीवा स्क्रीनिंग शिविर, 8 मार्च 2020

नीना मल्होत्रा

दिनांक 21 मई 2019 को शाम 4 से 5 बजे 'आईवीएफ उपचार' विषय पर आधारित डीडी न्यूज द्वारा दिल्ली दूरदर्शन के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम गुड इवनिंग इंडिया में लाइवा शो (फोन इन) में विशेषज्ञ थीं।

वत्सला डढवाल

मंगलवार अर्थात् 14 जनवरी 2020 को दोपहर 03:00 बजे से 04:00 बजे तक सर्वाइकल कैंसर विषय पर एआईआर एफएम रेनबो 102.6 एमएचजेड पर लाइव प्रोग्राम "हेल्पलाईन" में आमंत्रित

गरिमा कच्छावा

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग में विशेष स्त्री रोग एन्डोक्लिनिक सफलतापूर्वक चल रहा है, जहाँ रोगियों का उपचार कई प्रकार से किया जाता है।

स्त्री रोग में न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी में विशेषज्ञता के साथ एक समर्पित संकाय-सदस्य के रूप में, विशेष रूप से प्रजनन उपचार के लिए आने वाले रोगियों के लिए लेप्रोस्कोपिक और हिस्टेरोस्कोपिक सर्जरी करना।

अपर्णा शर्मा

गुणवत्ता सुधार परियोजनाएँ

1. सीजेरियन सेक्शन में सर्जिकल साइट के संक्रमण को कम करने के लिए संक्रमण की रोकथाम के बंडल का कार्यान्वयन
2. भ्रूण चिकित्सा ओटी में प्रसवपूर्व नैदानिक इनवेसिव प्रक्रिया कराने वाली सभी रोगियों के लिए जांच-पश्चात परामर्श सुनिश्चित करना
3. आईयूआई के लिए नियोजित सभी रोगियों के लिए नमूना पुनर्प्राप्ति के बाद स्त्री रोग ओपीडी तक पहुंचने के 30 मिनट के अंदर आईयूआई सुनिश्चित करना
4. स्त्री रोग ओपीडी में बांझपन उपचार की शुरुआत के लिए प्रतीक्षा समय को कम करना
5. तृतीयक उपचार केंद्र के प्रसूति कक्ष में जन्म साथी अभ्यास की स्थापना- एक गुणवत्ता सुधार पहल

सामुदायिक सेवा

1. 12 अप्रैल 2019 को सुरक्षित मातृत्व दिवस पर लोकसभा टेलीविजन पर लाइव पैनल चर्चा
2. 21 अप्रैल 2019 को हेल्थ टुडे ऑन बर्थ डिफेट्स पर पैनल चर्चा
3. जन्मजात विकृति वाले भ्रूण के लिए 24 सप्ताह की आवश्यकता और सुरक्षा एमटीपी के बारे में उच्च न्यायालय में गवाही दी गई जो जीवन के अनुकूल नहीं है।
4. 24 सितंबर 2019 को संस्थान दिवस समारोह के दौरान यूनिवर्सल हेल्थ केयर विषय पर विभागीय पोस्टर का निर्माण।
5. दिल्ली के प्रसूति रोग विशेषज्ञों और स्त्री रोग विशेषज्ञों की वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में 29 सितंबर 2019 की सुबह "सुरक्षित गर्भपात जागरूकता वॉक" का आयोजन
6. 9 दिसंबर 2019 को सामुदायिक विकास समिति द्वारा आयोजित प्रतापगढ़ के नौडेरा में स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।
7. स्वस्थ भारत कार्यक्रम के तहत लोकसभा टेलीविजन के माध्यम से 6 मार्च, 2020 (शुक्रवार) शाम 5 बजे से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान पर एक लाइव पैनल चर्चा में भाग लिया।

जूही भारती

एम्स, भारत सरकार में राष्ट्रीय संरक्षक के रूप में भाग लेते हुए मेडिकल कॉलेजों में 'लक्ष्य' लेबर रूम दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम का नेतृत्व किया। इस संबंध में, एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक का दौरा किया और 15 नवंबर 2019 को केयर क्वालिटी इंप्रूवमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया और 16 नवंबर 2019 को ऑनसाइट मेंटरिंग दौरा किया।

अनुभूति राणा

गुणवत्ता सुधार परियोजनाएँ

1. भ्रूण चिकित्सा ओटी में प्रसवपूर्व नैदानिक इनवेसिव प्रक्रिया कराने वाली सभी रोगियों के लिए जांच-पश्चात परामर्श सुनिश्चित करना
2. आईयूआई के लिए नियोजित सभी रोगियों के लिए नमूना पुनर्प्राप्ति के बाद स्त्री रोग ओपीडी तक पहुंचने के 30 मिनट के अंदर आईयूआई सुनिश्चित करना।

सामुदायिक सेवा

29 सितंबर 2019 की सुबह दिल्ली के प्रसूति रोग विशेषज्ञ और स्त्री रोग विशेषज्ञों के वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में "सुरक्षित गर्भपात जागरूकता वॉक" का आयोजन किया।

2019-2020 के दौरान रोगी उपचार सेवाओं का विवरण

क्लीनिकों के अनुसार मरीजों की उपस्थिति का विवरण

क्लिनिक	**दिनों / सप्ताह की संख्या**	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**
हाई रिस्क प्रेग्नेंसी क्लिनिक	3	1981	10051
स्त्रीरोग अंतःस्रावी क्लिनिक	3	26	144
स्त्री रोग कैंसर क्लिनिक	2	737	3741
आईवीएफ क्लिनिक	1	1073	3427
एएनसी	3	749	3207
यूआरओ स्त्रीरोग क्लिनिक	1	170	639
परिवार कल्याण क्लिनिक	6	4267	4053

मातृ स्वास्थ्य में प्रदर्शन

सेवाओं का प्रकार	**लाभान्वित गर्भवती महिलाओं की संख्या**
टीटी की पहली खुराक	1232
टीटी की दूसरी खुराक	1048
आईएफए टेबलेट प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	2256
उच्च रक्तचाप (बीपी>140/90) वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या और उपचार	300
प्रबंधित एक्लेम्पसिया के मामलों की संख्या	44
एचबी के लिए परीक्षण कराने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	2461
एचबी <11 का इलाज कराने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	604
एचबी <7 का इलाज कराने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	20
ओजीटीटी के लिए परीक्षण की गई गर्भवती महिलाओं की संख्या	2461
जीडीएम के लिए उपचारित गर्भवती महिलाओं की संख्या	505
जीडीएम पॉजिटिव से इंसुलिन प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	109
सिफलिस के लिए पीओसी टेस्ट का उपयोग करके जांच की गई गर्भवती महिलाओं की संख्या	2461

2019-2020 के दौरान की गई मुख्य एवं गौण सर्जरी की सूची।

भ्रूण चिकित्सा

सर्जरी विवरण	कुल
एमनियोसेंटेसिस	252
एमिनो इंफ्युजन	1
एमनियोरिडक्शन	7
सेफालोसेंटेसिस	1
क्रोनिक विलस सैम्पलिंग	312
कोर्डोसेंटेसिस	29
सिस्ट अस्पिरेशन	10
डाइजोक्सिन इंस्टलेशन	1
फेटोस्कोपी + लेजर पृथककरण	1
इंट्रा एम्नियोटिक इंफ्युजन	1
इंट्रा कार्डिएक केसीएल	1
इंट्रामायोट्रियल मेथोट्रेक्सेट	1
अंतर्गर्भाशयी आधान	183
केसीएल इंस्टिलेशन	2
डिम्बग्रंथि सिस्ट एस्पिरेशन	4
फुफ्फुस द्रव अस्पिरेशन	2
रेडियो आवृति पृथककरण	22
चयनात्मक भ्रूण ह्रास	16
वेसिकोसेंटेसिस	4
कुल	**850**

न्यूनतम इनवेसिव (गौण सर्जरी)

सर्जरी विवरण	मुख्य	गौण	कुल
बी / एल लैप्रोस्कोपिक सालपिंगोफ़ोरेक्टॉमी	1		1
सिस्टोस्कॉपी		37	37
डेविडोव वैजिनोप्लास्टी	1		1
डायग्नोस्टिक हिस्टेरोस्कोपी		946	946
हिस्टेरोस्कोपिक एडहेसोलिसिस	22		22
हिस्टेरोस्कोपिक आईयूसीडी निकालना	16		16
हिस्टेरोस्कोपिक मायोमेक्टोमी	25		25

हिस्टेरोस्कोपिक पॉलीपेक्टॉमी	89		89
हिस्टेरोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्सन	40		40
हिस्टेरोस्कोपी + ईए + ईसीसी		69	69
हिस्टेरोस्कोपी + ईए / ईसीसी / मॉक एट		50	50
हिस्टेरोस्कोपी + मिरेना सम्मिलन		7	7
हिस्टेरोस्कोपी + मॉक एट		14	14
हिस्टेरोस्कोपी + मॉक एट + ईए		21	21
लैप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टॉमी	126		126
लैप्रोस्कोपिक रूडिमेंट्री हॉर्न एक्सिशन	7		7
लैप्रोस्कोपिक (आर) हेमीहिस्टेक्टोमी	1		1
लेप्रोस्कोपिक उदर शूल	2		2
लैप्रोस्कोपिक एडेनोमायोमेक्टॉमी	5		5
लैप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टॉमी	30		30
लैप्रोस्कोपिक डेविडो वैजिनोप्लास्टी	3		3
लैप्रोस्कोपिक डेविडॉव्स		1	1
लैप्रोस्कोपिक एक्स्ट्राफैशल हिस्टेरेक्टॉमी + बीएसओ + बी / एल पेल्विव लिम्फैडेनेक्टॉमी	7		7
लेप्रोस्कोपिक गोनाडेक्टॉमी	4		4
लेप्रोस्कोपिक लिगेशन		20	20
लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी	50		50
लैप्रोस्कोपिक ओवरीओपेक्सी	1		1
लैप्रोस्कोपिक ओवरीओटॉमी	23		23
लैप्रोस्कोपिक रेडिकल हिस्टेरेक्टॉमी (टाइप-सी) + बीएसओ + बी / एल पेल्विक लिम्फैडैनेओटोमी	2		2
लैप्रोस्कोपिक रूडिमेंट्री हॉर्न एक्सिशन	6		6
लैप्रोस्कोपिक सालिंगेक्टोमी / क्लिपिंग	107		107
लेप्रोस्कोपिक स्कार साइट एक्सिशन	1		1
लैप्रोस्कोपिक स्टेजिंग		1	1
लैप्रोस्कोपिक लिम्फैडेनेक्टॉमी	1		1
लैप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपी + पॉलीपेक्टॉमी		1	1
लैप्रोस्कोपी + अनुप्रस्थ सेप्टम एक्सिशन + वैजिनोप्लास्टी	2		2
बांझपन के लिए लेप्रोस्कोपी (डायग्नोस्टिक)	300		300
बांझपन के लिए लेप्रोस्कोपी (ऑपरेटिव)	57		57

लैप्रोस्कोपी असिस्टेड वैजिनोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्शन	9		9
आरएफए		2	2
टी1एच ± सालपिंजेक्टोमी	102		102
टी1एच ±यू/एल या बी/एल सालपिंजो- ऊफोरेक्टोमी	52		52
यू / एल लेप्रोस्कोपिक सालपिंगो ओफोरेक्टोमी	5		5
टीका + लिगेशन		7	7
लैप्रोस्कोपी- डायग्नोस्टिक	170		170
कुल	1267	1176	2443

ओपन उदर सर्जरी

पेट की प्रमुख ओपन सर्जरी का विवरण	**कुल**
उदर सक्रोकोल्पोपेक्शी	8
एडेनोमायोमेक्टोमी	6
द्विपक्षीय मूत्र-त्याग	1
कैसरन हिस्टेरेक्टॉमी	1
सिस्टेक्टॉमी / ओवरीओटॉमी यू/एल या बी/एल सालिंगोफोर्क्टोमी	43
सीए ओवरे के लिए डीबुलिंग सर्जरी	93
एक्स्ट्रासैशनल हेक्टेक्टोमी + बोसो + बी / एल लिम्फाडेन्टेक्टोमी	52
लैपरोटॉमी + सर्केलेज	5
लैपरोटॉमी + ट्यूबल रिकैनलाइज़ेशन	1
एक्टोपिक के लिए लैपरोटॉमी	21
लैपरोटॉमी + सबटोटल हिस्टेरेक्टॉमी	11
मिनिलाप लिगेशन	7
मल्टीपल पेरिटोनियल लेयोमोमा एक्सिशन + इन्फ्राकोलिक ओमेंटेक्टॉमी	1
लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी	70
रेडिकल हिस्टेरेक्टॉमी	29
रेडिकल ट्रेचलेटॉमी	1
रेक्टस फ़ासिया स्लिंग सर्जरी	2
निशान साइट पुटी छांटना	1
सीए अंडाशय के लिए स्टेजिंग लैप्रोटॉमी	72
टी1एच यू / एल / बी / एल सालिंगपोफ्रेक्टोमी	51

टी1एच ± सल्पिंगेक्टोमी	117
ट्यूबल रिकनेलाइजेशन सर्जरी	6
पूर्ण उदर हिस्टेरेक्टॉमी	59
पूर्ण लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी	53
कुल	**711**

योनि संबंधी सर्जरी

सर्जरी विवरण	**मुख्य**	**गौण**	**कुल**
बर्सच कोल्पोसस्पेंशन		2	2
सर्क्लेज	5	4	9
सरवाइकल सर्क्लेज	5		5
सरवाइकल कनसीस	1		1
सर्विकोवेजनोप्लास्टी	2		2
सिस्टोसेले रिपेयर	2		2
सिस्टोस्कॉपी	2		2
यूए + सर्विकोवैजिनोप्लास्टी		4	4
फोदर्गिल की सर्जरी	3		3
लेबिल मास एक्साइज	1		1
लैबिल सेपरेशन	1		1
लैप्रोस्कोपिक वैजिनोप्लास्टी		3	3
मेलकोट बदली	1		1
मैकडॉनल्ड्स सेक्र्लेज		22	22
मैकिंडो वैणिनोप्लास्टी		10	10
एनडीवीएच	1		1
रेडिकल वुल्वैक्टोमी + बी / एल इनगिनो-फेमोरल लिम्फैडेनेक्टॉमी		3	3
रेडिकल वुल्वैक्टोमी + बी / एल इनगिनो फेमोरल लिम्फ नोड डिसेक्शन	3		3
रेक्टोवाजाइनल फिस्टुला रिपेयर		3	3
आरवीएफ रिपेयर	2		2
सैक्रोसपिनस फिक्सेशन	4		4
टीवीटी-ओ	9		9
यौनिक हिस्टेरेक्टॉमी		7	7
यौनिक हिस्टेरेक्टॉमी + पीएफआर	40		40
यौनिक सैक्रोसपिन निर्धारण		5	5
वैजिनोप्लास्टी	15	1	16
वैजिनोस्कोपी		1	1

वेसिकोवागिनल फिस्ट्ला रिपेयर		1	1
वल्वाल हेमाटोमा ड्रेनेज		3	3
वीवीएफ रिपेयर	1		1
एंटीरियर कोल्पोरेफी		6	6
एंटीरियर कोलपोर्फ़ी और पोस्टीरियर कोलपो-पेरिनेरोफ़फी		2	2
पोस्टीरियर कोल्पो-पेरिनेरोरफी		4	4
कुल योग	**98**	**81**	**179**

अन्य सर्जरी

अन्य सर्जरी	**मुख्य**	**गौण**	**कुल**
एब्डोमिनल स्कार एंडोमेट्रियोमा एक्सिशन		6	6
अढेसियोलिसिस		16	16
बार्थोलिन सिस्ट एक्सिशन		20	20
बायोप्सी (ग्रीवा / योनि / वाउल्ट / वल्वाल)		79	79
बायोप्सी (वल्वाल / ग्रीवा / वाउल्ट)		18	18
सर्क्लाज	6	2	8
सरवाइकल पॉलिपेक्टोमी		8	8
कॉनिज़ेशन		2	2
सीपीटी रिपेयर	3		3
सीएस स्कार एक्टोपिक एक्सिशन	1		1
सिस्ट एस्पिरेशन		9	9
सिस्टोस्कोपी		2	2
सिस्टोस्कोपी + कोकटेल थेरेपी		2	2
सिस्टोस्कोपी + वैजिनोस्कोपी		1	1
ईए + ईसीसी + पैप स्मीयर		260	260
ईए + ईसीसी		290	290
ईए + ईसीसी + पॉलिपैक्टॉमी		14	14
ईए + मॉक एट		1	1
एपिड्यूरल एनाल्जेसिया		6	6
ईयूए + एल ° + एच ° + हेमटोमेट्रा और हेमेटोकोल्पोस ड्रेनेज	1		1
संवेदनाहरण के प्रभाव में जांचें	8		8
अन्वेषक लैपरोटॉमी + एस्किटिक फ्लूइड साइटोलॉजी + पेरिटोनियल बायोप्सी	1		1
हेमेटोमा ड्रेनेज	2		2
हिस्टीरोस्कॉपी + ईए + ईसीसी+ पॉलीपेक्टोमी		4	4

एलयूसीडी को हटाना		10	10
लैप किम्ब्रोप्लास्टी		2	2
लीप		16	16
मेलकोट बदलना		3	3
मैलिकॉट हटाना		1	1
प्लेसेंटा का मैनुअल निष्कासन	1		1
मिरेना सम्मिलन		69	69
मिरेना निकालना		1	1
मौल्ड बदलना		47	47
मायोमेक्टोमी		11	11
ओपन एंडोमेट्रियोटिक सिस्टेक्टॉमी	8		8
ओपन यूटेरोसैक्रल प्लेनेंस	2		2
डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग	6		6
ओवरियोटोमी	6		6
पैप स्मीयर		28	28
पेल्विक लिम्फैडेनेक्टॉमी	1		1
पेरिपार्टम हिस्टेरेक्टॉमी	2		2
पॉलीपेक्टोमी		26	26
प्योमेट्रा ड्रेनेज		24	24
रेक्टस फ़ासिया स्लिंग सर्जरी		4	4
रिस्टरिंग		74	74
आरवी रिपेयर		1	1
सेप्टल रिसेक्शन		19	19
चिकित्सीय डी और सी		3	3
अनुप्रस्थ यौनिक सेप्टम एक्सिस	5		5
अनुप्रस्थ यौनिक सेप्टम एक्सिस	1		1
ट्यूबल कैनुलेशन		8	8
हाइड्रोसालपिनक्स के लिए ट्यूबल क्लिपिंग	7		7
ट्युबोप्लास्टी	3		3
टीवीटी-ओ/टोट		2	2
वीएसीसी		31	31
वीएसीसी +सीयू-टी		1	1
कुल	64	1121	1185

स्त्रीरोग ओपीडी में की गई विभिन्न प्रक्रियाओं का विवरण

1. **गौण:**

एमटीपी की संख्या	**577**
गर्भधारण के लिए पीएनडीटी	10837
प्रसूति विज्ञान के लिए पीएनडीटी	5332
स्त्रीरोग अल्ट्रासाउंड	1658
एफ-फॉर्म यूएसजी	286

प्रसव संबंधी विवरण:

मुख्य (एलएससीएस)	1341
2. गौण (यौनिक + फ़ोर्सेप्स)	1120
कुल प्रसव	2461

पोस्ट पार्टम कार्यक्रम

विभिन्न परिवार नियोजन विधियों पोस्ट पार्टम कार्यक्रम की उपलब्धियां

विधियाँ	**2018-2019**	**2019-2020**
सीयू.टी	1262	1001
डीएमपी ए इंजेक्शन, पहली खुराक	118	120
डीएमपी ए इंजेक्शन दूसरी खुराक	16	33
डीएमपी ए इंजेक्शन तीसरी खुराक	8	6
डीएमपी ए इंजेक्शन चौथी खुराक एवं अन्य	4	6
ओरल पिल	446 पैकेट	811 पैकेट
सीएचएवाईवाईए	30	35
पारम्परिक गर्भनिरोधक	75500	81550
ट्यूबेक्टॉमी	676	526

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर सुनेश कुमार "यूरोपियन जर्नल ऑफ़ ऑब्स्टेट्रिक, गायनोकोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन" के सहयोगी समीक्षक हैं; संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), नई दिल्ली में चिकित्सा अधिकारी पद के लिए साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य; पीजीआई, चंडीगढ़ में स्त्रीरोग विज्ञान विभाग में संकाय सदस्यों के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य; पीजीआईएमआर, रोहतक में स्त्रीरोग विज्ञान में संकाय सदस्यों के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य; प्रजनन चिकित्सा में अनुसंधान पर आईसीएमआर समूह के सदस्य; आदर्श ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआएचआरयू), राजस्थान के लिए आईसीएमआर अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य; भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत

सरकार के सदस्य; महिलाओं के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम के लिए रीच योजना को अंतिम रूप देने के लिए डीबीटी उप-समूह समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में तकनीकी विनिर्देश / चयन समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में कर्मचारी परिषद समिति के सदस्य; आचार समिति, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, कैंसर गर्भाशय ग्रीवा पर उपसमिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; सदस्य, हेल्थकेयर गुणवत्ता और रोगी संचालन सलाहकार समिति पर आईसीएमआर समिति; सदस्य, भारत में उपचार गुणवत्ता के कार्यान्वयन पर आईसीएमआर टास्क फोर्स समिति; सदस्य, एम्स, नई दिल्ली में फैलोशिप कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए समिति; प्रेसिडेंट, एसोसिएशन ऑफ ओब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली (2019-2020)।

प्रोफेसर नीरजा भाटला को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के क्षेत्र में योगदान के लिए आईएसएससीपी उत्कृष्टता पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया; बेस्ट ऑरिजनल स्टडी के लिए आईओजी डा. सत्य पाल अवार्ड्स 2019। ग्रीवा कैंसर उन्मूलन के लिए डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ समूह और कार्य समूहों के सदस्य रही हैं; काउंसिल मेंबर, एशियन सोसाइटी ऑफ गाइनकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी और नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, भारत, 2019-21। कार्यक्रम सलाहकार समिति की सदस्यता, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, अनुसंधान सलाहकार समिति, सरकारी सलाहकार: सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति-XXIII एफआईजीओ विश्व कांग्रेस 2021, ऑस्ट्रेलिया, वैज्ञानिक ट्रैक - स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी; वर्ल्ड कांग्रेस, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सर्वाइकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कोपी (आईएफसीपीसी) भारत 2020. सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति-वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, आईसीएमआर; एचपीवी टीके, डब्ल्यूएचओ पर विशेषज्ञों का सामरिक सलाहकार समूह (एसएजीई) कार्य समूह; टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई); भारत में सिजेरियन सेक्शन के उपयोग को अनुकूलित करने पर पहली टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता की, आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली, 12 अप्रैल 2019; एनपीसीडीसीएस के लिए तकनीकी सलाहकार समूह (कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और हृदयाघात के रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम) एनसीडी को रोकने और प्रबंधित करने के लिए चिकित्सा अधिकारियों के लिए ई-लर्निंग कोर्स, 16 मई 2019; वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक, केएनआईटी कार्यक्रम, बीआईआरएसी। सदस्य, सरकारी सलाहकार: इंडिया कैंसर रिसर्च ऑफ कंसोर्टियम की तकनीकी सलाहकार समूह, आईसीएमआर; **(I)** ज्ञानकोशीय ऑन्कोलॉजी के एनबीई प्रत्यायन के लिए निर्धारक, **(ii)** प्रसूति एवं स्त्री रोग; सदस्य, श्रीमंत शंकरदेवा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम की सामान्य परिषद। सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति: प्रजनन स्वास्थ्य में राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान (एनआईआरआरएच), आईसीएमआर, मुंबई; स्त्री रोग डीएमजी दिशानिर्देश और अनुसंधान समूह, नेशनल कैंसर ग्रिड, टीएमएच, मुंबई। न्यू टीचिंग एंड सर्विस इनिशिएटिव्स: स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान की प्रभारी, एम्स झज्जर। एमआईएस सेवाओं सहित दैनिक ओपीडी और दो बार साप्ताहिक ओटी सेवाओं की शुरुआत की। दिशानिर्देशों का विकास: डिम्बग्रंथि के कैंसर के प्रबंधन पर आईसीएमआर दिशानिर्देश, नई दिल्ली, 2019; सर्वाइकल प्री-कैंसर के लिए स्क्रीन और ट्रीट के लिए डब्ल्यूएचओ दिशा-निर्देश, 2020. नए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का विकास: ड्यूक यूनिवर्सिटी, नॉर्थ

कैरोलिना, यूएसए - सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग के लिए सेल्फ-स्क्रीनिंग टूल का विकास; यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूके - भारत में डिम्बग्रंथि के कैंसर के आनुवांशिकी का मूल्यांकन।

प्रोफेसर नीना मल्होत्रा को 20 जून 2019 को आयोजित अकादमिक वर्ष 2019-2020 के लिए रॉयल कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट, लंदन द्वारा ओवरसीज ट्रैवल आरसीओजी अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो बर्मिंघम के महिला अस्पताल बर्मिंघम, यूके में सहायक गर्भाधान इकाई है।

प्रोफेसर वत्सला डढवाल एसईसी (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) की सदस्य थीं; माननीय सचिव, दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों की एसोसिएशन; एईएफआई समिति की सदस्या; भ्रूण चिकित्सा (संक्रमण मुद्दा) की सहायक संपादक; परीक्षक, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, द्वारका कार्यालय, पीएसपी क्षेत्र, सेक्टर -9, जिला न्यायालय द्वारका, नई दिल्ली 7 जनवरी 2020 को परीक्षा पश्चात प्रश्न पत्र समीक्षा की वर्तमान श्रृंखला में भाग लेने के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया। मातृ भ्रूण चिकित्सा-एम्स में फैलोशिप; सह गाइड; मानक चिकित्सा प्रोटोकॉल की तुलना में वेब आधारित मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके प्रसवपूर्व चिकित्सा की गुणवत्ता की तुलना: एक पायलट अध्ययन; गर्भावस्था में मातृ वजन बढ़ने और मनोवैज्ञानिक तनाव और गर्भावस्था के परिणामों के साथ इसके संबंध में जन्मपूर्व योग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक पायलट अध्ययन; पूर्ण थीसिस - गर्भधारण और गर्भधारण के परिणामों की तुलना में इन विट्रो निषेचन द्वारा गर्भधारण में गर्भधारण मात्रा और संवहनी सूचकांक के बीच संबंध का संभावित अध्ययन; एंडोमेट्रियो सिस्टेक्टॉमी की तुलना में डायनेगोस्ट थेरेपी प्राप्त करने वाले एंडोमेट्रियोमा रोगियों में सीरम एएमएच स्तरों में परिवर्तन का मूल्यांकन करने के लिए: एक पायलट अध्ययन; भ्रूण की हृदय संबंधी जांच का एक संभावित अध्ययन, उचित रूप से विकसित, गर्भकालीन उम्र के लिए छोटे और प्रतिबन्धित परिणाम के साथ विकास प्रतिबंधित स्तन और उसका जुड़ाव; पुनरावर्ती सहज गर्भपात (आरएसए) के साथ रोगियों में आनुवंशिक असामान्यताओं का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन किया।

प्रोफेसर नीता सिंह, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग में बोर्ड ऑफ स्टडीज में बाहरी विशेषज्ञ हैं, एम्स, ऋषिकेश 15 अप्रैल 2019; यूसीएल लंदन के लिए आईसीएमआर-डीएचआर की फेलोशिप, प्रजनन चिकित्सा के लिए यूके, 3 जून 2019 - 8 अगस्त 2019; दिनांक 30 अक्टूबर 2019 से 1 नवम्बर 2019 तक संयुक्त मेडिकल सेवा परीक्षा, 2019 में उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों के आकलन के लिए "संयुक्त मेडिकल सेवा परीक्षा 2019 हेतु पर्सनैलिटी टेस्ट (पीटी) बोर्ड" यूपीएससी में सलाहकार के रूप में भाग लिया, यूपीएससी कार्यालय, नई दिल्ली; 17 दिसंबर 2019 को एम्स, भोपाल (एमपी) में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में संकाय पद की भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति के पैनल में बाहरी विषय विशेषज्ञ; प्रजनन और फर्टिलिटी के अध्ययन के लिए इंडियन सोसायटी (आईएसएसआरएफ) द्वारा प्रजनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए डा. (श्रीमती) मृदुला कम्बोज मेमोरियल ओरेशन-**2020** पुरस्कार दिया गया।

डॉ. के. अपर्णा शर्मा को एक कम/मध्यम-आय वाले देश से सर्वश्रेष्ठ नैदानिक अनुसंधान अनुच्छेद के लिए जॉन जे सियरा आईजेजीओ पुरस्कार पेपर अवार्ड, माननीय उल्लेख **2019** से सम्मानित किया गया

(इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ गाइनकोलॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स); वर्ष 2019 के लिए एफओजीएसआई इमेजिंग साइंस कमेटी अवार्ड; एफओजीएसआई-आईएईसी-एसयूएन इंटरनेशनल ट्रैवलिंग फैलोशिप 5-20 जून 2019 के एक भाग के रूप में हैरिस बर्थराइट सेंटर, किंग्स कॉलेज अस्पताल, लंदन में भ्रूण चिकित्सा में अवलोकन; 24 सितंबर 2019 को संस्थान दिवस समारोह के दौरान यूनिवर्सल हेल्थ केयर थीम पर बने विभागीय पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार; एसईटी सुविधा, एम्स से एसईटी सुविधा कार्यक्रमों की भागीदारी, उन्नति और नवाचार के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र; स्वास्थ्य सुधार के लिए सहायक संकाय: इंटरनैशनल केयर - बिहार एमसीएच पहल। कार्यक्रम सलाहकार समिति (सरकार): राष्ट्रीय प्रजनन श्रम प्रशिक्षण समूह में प्रतिभागी, एमओएचएफडब्ल्यु, भारत सरकार के गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम; देश भर के 25 प्रशिक्षक के एक नेटवर्क द्वारा नौ राज्यों में दस मेडिकल कॉलेजों में लक्ष्य के कार्यान्वयन के लिए एम्स नेशनल मेंटरिंग ग्रुप का नेतृत्व किया। सदस्य, सरकारी सलाहकार समिति: विशेषज्ञ समूह, एंटिनेटल केयर गाइडलाइन्स, एमओएचएफडब्ल्यु, भारत सरकार की समीक्षा; सदस्य, सिजेरियन सेक्शन ऑडिट फॉर्म, एमओएचएफडब्ल्यु, भारत सरकार की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समूह; 1 अगस्त 2019 को हिस्टेरेक्टॉमी पर राष्ट्रीय स्तर की परामर्श कार्यशाला की सदस्य; एमटीपी संशोधन विधेयक के मसौदे के लिए आचार समिति की सदस्य, 8 अगस्त 2019; सदस्य, पूर्वधारणा देखभाल के लिए तकनीकी डेलीगेशन के लिए विशेषज्ञ समूह - 5 सितंबर 2019, एमओएचएफडब्ल्यु, भारत सरकार; टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई), मातृत्व टीकाकरण पर उप समूह की सदस्य; उच्च जोखिम गर्भावस्था, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के लिए तकनीकी दिशानिर्देशों की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; जिला सलाहकार समिति, पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम, दक्षिण जिला, नई दिल्ली के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए नामांकित; सदस्य, लक्ष्य के लिए सस्टेनेबल मॉडल पर टीआरजी, लेबर रूम क्वालिटी इंप्रूवमेंट प्रोग्राम, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार; सदस्य, लक्ष्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत अनुसंधान के संभावित क्षेत्रों पर टीआरजी; सदस्य, विशेषज्ञ समूह सम्मानजनक मातृत्व और नवजात शिशु चिकित्सा दिशानिर्देश और प्रशिक्षण पैकेज, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार की समीक्षा करने के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति: कार्यकारी समिति की सदस्य, सोसाइटी ऑफ फिटल मेडिसिन (एसएफएम), भारत, 2020-2022; संयुक्त सचिव, प्रसूति रोग विशेषज्ञ और दिल्ली के स्त्री रोग विशेषज्ञ (एओजीडी), 2019-2020; सह-अध्यक्ष, गुणवत्ता सुधार समिति, एओजीडी, 2019-2021; उत्तर क्षेत्र समन्वयक, सुरक्षित मातृत्व समिति एफओजीआई, 2020-2022; सह-संयोजक, प्रारंभिक गर्भावस्था पर विशेष रुचि समूह, भारतीय प्रजनन सोसायटी, (आईएफएस) 2020-2022; वैज्ञानिक समिति, ब्रेकिंग सिलोस एक्रॉस: किशोरावस्था से रजोनिवृत्ति, 10 और 11 अगस्त 2019; कार्यक्रम की सलाहकार समिति, स्वास्थ्य देखभाल, 2020 में गुणवत्ता और सुरक्षा पर बीएमजे- आईएचआई अंतर्राष्ट्रीय फोरम; विशेषज्ञ समीक्षक समूह, भारत-यूके हेल्थकेयर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैटलिस्ट को सपोर्ट कर रही हैं, जो अरेजो के संस्करण को सत्यापित करने के लिए है, जिसे नीति आयोग (2019-2020) के नेतृत्व में भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए अनुकूलित किया जा रहा है; एफओजीआई 2019-21 की आनुवंशिकी और भ्रूण चिकित्सा समिति के सदस्य; प्रतिभागी, दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एसईएआर-टीएजी) सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के संदर्भ में मातृ मृत्यु दर

और प्रसव को कम करने की दिशा में, **25-27** नवंबर, **2019**, नई दिल्ली। संस्थान समितियाँ (एम्स) की सदस्य: सदस्य, अस्पताल गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा समिति और गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा कार्यक्रम।

डॉ. गरिमा कच्छावा, 1 फरवरी 2018 से 2 साल की अवधि के लिए पोस्ट पार्टम कार्यक्रम की परियोजना सचिव हैं; एओजीडी बुलेटिन वॉल्यूम 19, मासिक अंक 9 जनवरी 2020 में अतिथि संपादक। समर्पित मुद्दा: स्त्री रोग अंत:स्राविकी। शिक्षा: स्नातक: व्याख्यान -2; स्नातकोत्तर: सेमिनार और जर्नल क्लब के लिए गाइड और परसेप्टर। विभागीय कार्य: जूनियर छात्रों के नैदानिक कौशल के मूल्यांकन के लिए एक संकलित मूल्यांकन प्रोफार्मा। इसने हमें सर्जिकल और नैदानिक कौशल के लिए कनिष्ठ रेजीडेंटों को एक संरचित और व्यक्तिगत प्रशिक्षण प्रदान करने में मदद की; वरिष्ठ रेजीडेटों के लिए उनके सीखने को ट्रैक करने और विभाग में व्यक्तिगत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक कौशल संवर्धन प्रोफार्मा भी विकसित किया।

डॉ. रीता माहे एम्स, ऋषिकेश (26 अप्रैल 2019) में एमबीबीएस अनुपूरक परीक्षा (तृतीय प्रोफेसर) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भाग लिया; दलाई लामा मंदिर, मैकलॉड गंज, धर्मशाला में आयोजित तिब्बती रोगी ट्रस्ट (28 फरवरी से 3 मार्च 2020) के नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में सलाहकार के रूप में भाग लिया।

डॉ. पी. वनमैल, सह-लेखक प्रकाशन पुरस्कार जॉन जे. सियारा आईजेजीओ प्राइज पेपर अवार्ड, कम/मध्य-आय वाले देश (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल) से सर्वश्रेष्ठ नैदानिक अनुसंधान लेख के लिए सम्माननीय उल्लेख 2019; आईजेजीओ पत्रिका समीक्षक; डाटा बेस प्रबंधन प्रणाली के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठ, एओजीडी बुलेटिन के लिए सह-संपादक, वर्ष 2019-2020; 'अन्य पारंपरिक नैदानिक तकनीकों की तुलना में महिला जननांग तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट की भूमिका का मूल्यांकन' अनुसंधान पर, 2 फरवरी 2020 को लखनऊ में आयोजित 63 वें एआईसीओजी में सह-लेखक के रूप में डॉ. आर डी पंडित रिसर्च पुरस्कार से सम्मानित; लखनऊ में आयोजित 2 फरवरी 2020 को 63 वें एआईसीओजी में 'ब्लैडर ए इनोसेंट विक्टिम' के सह-लेखक के रूप में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। निम्नलिखित के लिए सूत्रधार/संकाय: बीईएमसी पाठ्यक्रम (एनएचएसआरसी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार पहल) के संशोधन के लिए विशेषज्ञ-कोर समूह की बैठक; नेशनल मेन्टॉर फॉर लक्ष्य- एम्स, जोधपुर के लिए लेबर रूम एंड मैटरनिटी ओटी क्वालिटी इम्प्रूवमेंट इनिशिएटिव; 23 और 24 दिसंबर 2020 को एम्स जोधपुर में आयोजित गुणवत्ता सुधार कार्यशाला के लिए सुविधा; एमबीबीएस, बीएससी के लिए नए प्रवेशकों के लिए संकाय सदस्य, मेडिकल बोर्ड, एम्स पाठ्यक्रम में नर्सिंग (2014 के बाद)। गुणवत्ता सुधार: विभाग की गुणवत्ता सुधार पहल में महत्वपूर्ण भूमिका। एसईटी सुविधा टीम की सदस्य: यूजी शिक्षण के लिए प्रसव के संचालन के लिए प्रारूपित कौशल मॉड्यूल। 29 सितंबर 2019 को आयोजित 63 वें एआईसीओजी में जनरल गायनोकोलॉजी पर सह-संचालित क्विज़। शिक्षा: स्नातक व्याख्यान: मासिक धर्म की फिजियोलॉजी; सामान्य और असामान्य यौवन (**VI** सेमेस्टर), 4 जनवरी 2020; गर्भाशय (**VIII** सेमेस्टर) के सौम्य और

प्रीमियरलिग्नेंट घाव, 6 जनवरी 2020; पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग: सेमिनार गाइड: पोस्ट-पार्टम हेमरेज; जुड़वां गर्भावस्था: जटिलताओं; पोस्ट-डेटिज़्म / आईयूडी / स्टिल बर्थ; जर्नल क्लब के लिए रिसेप्टर: एनईजेएम; गर्भनिरोध। दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों की एसोसिएशन का 41वां वार्षिक सम्मेलन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग एम्स, नई दिल्ली, 28 और 29 सितंबर 2019 (सदस्य-आयोजन समिति; सह-संपादक- सम्मेलन कार्रवाई; संकाय पेपर / पोस्टर प्रस्तुति की प्रभारी।

डॉ. सीमा सिंघल को यूआईसीसी तकनीकी फेलोशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया और 25 अक्टूबर 2019 से 28 नवंबर 2019 तक मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर, न्यूयॉर्क, यूएसए का दौरा किया गया; इंचियोन कोरिया में एशियन सोसाइटी ऑफ गाइनोकोलॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट की द्विवार्षिक बैठक में एएसजीओ प्रतिभा शो में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया; विशेषज्ञ सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति, न्यू ड्रग डिवीजन डीसीजीआई; कार्यकारी सदस्य एओजीआईएन इंडिया, 2020-2022 के रूप में चुनी गई; एओजीडी बुलेटिन खंड 19 (10) फरवरी 2020 की अतिथि संपादक, स्त्री रोग संबंधी कैंसर पर समर्पित मुद्दा; संपादक एओजीआईएन इंडिया 2017-2019; कम/मध्यम-आय वाले देश से सर्वश्रेष्ठ नैदानिक अनुसंधान अनुच्छेद के लिए जॉन जे सियरा आईजेजीओ पुरस्कार पेपर अवार्ड में सम्माननीय उल्लेख। दस्तावेजों का मसौदा तैयार किया: एलएसएएस के लिए संशोधित पाठ्यक्रम। चिकित्सा अधिकारियों को संवेदनाहरण कौशल प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत जीवन रक्षक संवेदनाहरण कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम। संशोधित एमोक (ईएमओसी) पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य।

डॉ. राजेश कुमारी ने प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञों के संगठन के 41वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; (सदस्य-आयोजन समिति; सह-संपादक- सम्मेलन कार्रवाई; संकाय प्रभारी यूरो-स्त्रीरोग पूर्वधारणा कार्यशाला); एओजीडी 2019-2020 का नैदानिक स्राव; प्रथम पुरस्कार एआईजीयू 2019 15-17 नवंबर केआईएमएस अस्पताल प्रथम पुरस्कार एफसीएल इंकोंटीनेंस- तृतीयक चिकित्सा केंद्र से अनुभव। निम्नलिखित के लिए सूत्रधार / संकाय: संकाय, मेडिकल बोर्ड, एमबीबीएस के लिए नए प्रवेशकों के लिए एम्स, बीएससी नर्सिंग, पाठ्यक्रमों में (2014 के बाद); 26 सितंबर 2019 को ओबीजी एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मूत्रविज्ञान कार्यशाला में संयुक्त आयोजन सचिव; यूरो-स्त्रीरोग फेलोशिप कार्यक्रम में परीक्षक; 9 से 11 फरवरी 2020 को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज, जोधपुर में एमबीबीएस के रूप में बाहरी परीक्षक ।

डॉ. ज्योति मीणा ने कोलकाता में आयोजित आरसीओजी के 33 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रसूति विज्ञान में डॉ. आरपी सूनावाला पुरस्कार प्राप्त किया; एफओजीएसआई- करण गुप्ता स्मारक लखनऊ में आयोजित ऑलस्ट्रेट्रिक्स और स्त्री रोग की 63 वीं अखिल भारतीय कांग्रेस में विविध समूह में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए पुरस्कार; 5 दिसंबर 2019 को ई-सेट सुविधा में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. जूही भारती ने 10 और 11 अगस्त को, नई दिल्ली में एफओजीएसआई सम्मेलन "ब्रेकिंग साइलो एक्रॉस: एडोलेसेंस टू मेनोपॉज" के आयोजन में (संयुक्त सचिव के रूप में) भाग लिया।

डॉ. रिंचन ज़ंगमो को 15 अक्टूबर 2020 को रॉयल कॉलेज ऑफ़ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट (एमआरसीओजी) का सदस्य घोषित किया गया।

डॉ. दीपाली गर्ग को फेलोशिप ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ़ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट से सम्मानित किया गया; फेलोशिप ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ मैटरनल एवं चाइल्ड हेल्थ से सम्मानित किया गया।

डॉ. अर्चना कुमारी को 2020 के लिए नॉर्थ ज़ोन में डॉ. कामिनी राव ओरेटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया; 1 फरवरी 2020 को फेलो ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स से पुरस्कृत किया गया। दस्तावेज़ों का मसौदा तैयार किया: एसईटी सुविधा के लिए "सीटीजी की व्याख्या" नामक मॉड्यूल तैयार किया।

डॉ. अनुभूति राणा मेडिकल कालेजों में "लक्ष्य" का कार्यान्वयन करने के लिए एम्स नेशनल मेंटरिंग ग्रुप से आरआईएमएस, रांची के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक हैं।

9.25. अस्थिरोग

आचार्य एवं अध्यक्ष

राजेश मल्होत्रा

आचार्य

हीरा लाल नाग	रवि मित्तल
शाह आलम खान	विजय कुमार

सह-आचार्य

भावुक गर्ग	मोहम्मद ताहिर अंसारी

सहायक आचार्य

विजय कुमार दिग्गी	विक्रांत मंहास
विवेक शंकर	वैंकटेशन संपत कुमार

विशिष्टताएँ

अ.भा.आ.सं के तीनों लक्ष्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हुए, अस्थिरोग विभाग को इस वर्ष देश में सर्वोच्च स्थान दिया गया और साथ ही इसने पिछले दशक की युगचेतना को बनाए रखा। सर्वोत्तम स्नातक और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा अस्थिरोग शिक्षा के क्षेत्र में हम देश में अग्रणी हैं। पिछले वर्ष हमारे नियमित शव संबंधी पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और सम्मेलन क्षेत्र में सबसे अधिक लोकप्रिय रहे तथा अस्थिरोग की सभी उप-विशिष्टताओं को समाविष्ट किया।

पिछले वर्ष विभाग अस्थिरोग अनुसंधान में एक अद्‌वितीय वृद्धि का साक्षी रहा तथा इसके पास राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फंडिंग सहित विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं थीं। हमने 3 डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला, आनुवांशिक प्रयोगशाला, गेइट प्रयोगशाला जैसी समर्पित अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाएँ विकसित की, जिनसे हमें पबमेड जैसी ख्याति वाले विभिन्न शोधपत्रों, शोधपत्र प्रस्तुतीकरण एवं पुरस्कार के संदर्भ में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई।

रोगी उपचार के विषय में, हमारे विभाग ने बेजोड़ कौशल एवं सुविधाएँ प्राप्त कीं तथा सभी प्रकार की जटिल अस्थिरोग समस्याओं पर कार्य किया। हमारे नए अस्थिरोग ऑपरेशन थिएटर विश्व के किसी भी उन्नत केंद्र के समान ही उत्कृष्ट रूप से सुसज्जित हैं। हाल ही में, हमनें रोबोटिक सुविधा, ईओएस सुविधा, उन्नत इंट्राऑपरेटिव इमेजिंग सुविधाएं तथा कई अन्य उन्नत प्रौद्‌योगिकियां भी आरंभ कीं, जो देश में पहली एवं एकमात्र सुविधा भी हैं। हमारी "एसएटीएचआई" और "एसएसएचएआरए" सेवाएँ भारत में अपनी तरह की पहली सेवा है, जो कोमल अस्थि-भंग की प्राथमिक एवं द्‌वितीयक रोकथाम की आवश्यकता को पूरा करती है।

शिक्षा

- वयस्क पुनर्निर्माण, ऑर्थोस्कोपी, पेल्विक एसिटाबुलर ट्रॉमा एवं अस्थिरोग संबंधी अर्बुद विज्ञान में नवीन एवं व्यापक फैलोशिप प्रशिक्षण
- संगोष्ठी, बेडसाइड शिक्षण, केस परिचर्चा, वास्तविक जीवन विषयक परिदृश्य, जर्नल क्लब के रूप में स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्रों का वस्तुनिष्ठ एवं व्यापक प्रशिक्षण

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा/कार्यशाला/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. ट्रामा में वर्तमान अवधारणाएं 2019, ट्रामा सोसायटी ऑफ इंडिया, 5-7 अप्रैल 2019, गुड़गांव
2. ऑक्सफोर्ड प्रशिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम, 26 और 27 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
3. चौथी एम्स एसीएसएसटी पेल्विस एसिटाबुलम कार्यशाला, ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें., 27 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
4. भारत में आपातकालीन नर्सिंग के प्रसार पर गोलमेज बैठक, एम्स, 2 अगस्त 2019, नई दिल्ली
5. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आपात स्थिति एवं सघन चिकित्सा उपचार पर कार्यशाला, 2 अगस्त 2019, नई दिल्ली
6. ऑर्थोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणाओं के दौरान यूनीकंपार्टमेंटल घुटना प्रतिस्थापन पर कार्यशाला, 2019, 16 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली
7. ऑर्थोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणाएं 2019, 17 और 18 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली
8. अस्थिरोग विज्ञान की सर्वोत्तम तकनीकें, 13 और 14 सितंबर 2019, एयरोसिटी, नई दिल्ली
9. एम्स ऑर्थोप्लास्टी कार्यक्रम, 7 और 8 नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

राजेश मल्होत्रा : 45	**एच.एल. नाग : 4**	**रवि मित्तल : 16**
शाह आलम खान : 4	**विजय कुमार : 21**	**भावुक गर्ग : 28**
मो. ताहिर अंसारी : 6	**विजय कुमार दिग्गी : 8**	**विक्रांत मंहास : 5**
वेंकटेशन संपत कुमार : 7		

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर : 10

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. रजोनिवृत्ति के उपरांत ऑस्टियोपोरोटिक तथा समान आयु वर्ग की स्वस्थ महिलाओं में आनुवांशिक तथा जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019- 2022, रुपये 139 लाख

2. कंप्यूटर आधारित नैविगेशन में प्रणालीगत एम्बोलि बनाम घुटना प्रतिरोपन की पारंपरिक शल्य तकनीक की तुलना हेतु एक भावी यादृच्छिक अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019 से 2022, रु. 50 लाख
3. पूर्ण घुटना ऑर्थ्रोप्लास्टी में पर्रसोना नी सिस्टम का संभावित, बहु-केंद्रीय परिणाम अध्ययन। अध्ययन प्रोटोकॉल # सीएसए2014-02के, राजेश मल्होत्रा, ज़िमर, 7 वर्ष, 2015 से 2022, रु 24 लाख
4. कंप्यूटर आधारित नैविगेशन में प्रणालीगत एम्बोलि बनाम घुटना प्रतिरोपन की पारंपरिक शल्य तकनीक की तुलना हेतु एक भावी यादृच्छिक अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019 से 2022, रु. 50 लाख
5. भारतीय एवं पश्चिमी जनसंख्या में ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में अंतर को समझना: लक्षण, उपचार के विकल्प तथा उनके परिणाम पर प्रभाव, राजेश मल्होत्रा और विजय कुमार, डीएसटी-यूकेआईईआरआई, 3 वर्ष, 2017-2020, रुपये 88 लाख
6. आणविक इमेजिंग (पीईटी-सीटी) का उपयोग करके अतिरिक्त रीढ़ की हड्डी के मस्कुलोस्केलेटल तपेदिक में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन, शाह आलम खान, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2020, रुपये 8 लाख
7. बाल अस्थि सर्कोमा में देखरेख, शाह आलम खान, जीव दया फाउंडेशन, यूएसए, 3 वर्ष, 2016-2019, 20,000 अमरीकी डॉलर
8. सिर की चोट से ग्रसित रोगियों में अस्थि-भंग चिकित्सा पर ओस्टोजेनिक ह्यूमॉरल फैक्टर का अध्ययन: रहस्योद्घाटन, विजय कुमार डिग्गी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 49 लाख
9. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस से ग्रसित एवं मुक्त भारतीय रोगियों में आनुवांशिक तथा साइटोकिन्स प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, भावुक गर्ग, आईसीएमईआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रु. 140 लाख
10. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में एज़ेनिन बायोसाइंसेस लिमिटेड के बायोसिमिलर डेनोसुमाब बनाम अन्वेषक डेनोसुमाब की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु एक संभावित, सक्रिय-नियंत्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, बहुकेंद्री, चरण III अध्ययन, भावुक गर्ग, अल्केम लेबोरेटरीज, 2 वर्ष, 2018-2020, रु 8 लाख
11. ट्रांसजेंडर आबादी में हड्डी स्वास्थ्य का आकलन: एक मार्गदर्शी अध्ययन, भावुक गर्ग, आईसीएमईआर, 2 वर्ष, 2018-2021, रु 72 लाख
12. भारतीय आबादी के लिए पूर्ण कोहनी प्रतिस्थापन प्रोस्थेसिस का प्रारूप, भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रु 84.63 लाख
13. रीढ़ की हड्डी के विकारों के उपचार हेतु पेडल स्क्रू प्लेसमेंट में फ्री हैंड स्टैंडर्ड विधि बनाम ओ-आर्म नेविगेशनल तकनीक का उपयोग: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, भावुक गर्ग, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, रु 5 लाख

14. ओस्टियोसारकोमा के ट्यूमर सूक्ष्म-वातावरण में प्रतिरक्षा जांच का मूल्यांकन, वेंकटेशन संपत कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये

पूर्ण

1. सीवी 185-158: वैकल्पिक पूर्ण घुटना प्रतिस्थापन या पूर्ण कूल्हा प्रतिस्थापन सर्जरी करा रहे भारतीय रोगियों में एपिकैबैन की सुरक्षा का मूल्यांकन हेतु चरण IV, ओपन-लेबल, बहु-विषयक अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, पीपीडी, 4 वर्ष, 2015 से 2019, रु. 33 लाख
2. कूल्हा अंग-भंग वाले ऑस्टियोपोरोटिक से पीड़ित बुजुर्ग एवं युवा रोगियों में संभावित एमआईआरएनए प्रकटन भिन्नता पर एपिजिनेटिक अंतर्दृष्टि, भावुक गर्ग, एओटीआरएयूएमए एशिया पैसिफिक रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2018-2019, रु 1.7 लाख
3. स्कोलियोसिस में एपिकल पेडिकल्स की शरीर रचना, भावुक गर्ग, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020 रु. 1.25 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पूर्ण कूल्हा प्रतिस्थापन की कंप्यूटर आधारित नेविगेशन बनाम हस्त-मुक्त शल्यक तकनीक की तुलना करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
2. पृष्ठीय रिस्ट गैंग्लियन के खुले बनाम आर्थ्रोस्कोपिक उच्छेदन के परिणाम का आकलन करने हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छित नियंत्रण परीक्षण
3. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रामा रोगियों में रक्त-आधान कार्यप्रणाली का संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
4. कूल्हा अंग-भंग पश्चात सर्जरी में देरी: परिणामों पर कारण एवं प्रभाव
5. एक आर्थ्रोस्कोपिक एसीएल पुनर्निर्माण में टनल/सॉकेट आकृति विज्ञान ग्राफ्ट निर्धारण विधि की दो भिन्न पद्धतियों के मूल्यांकन हेतु: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
6. कंप्यूटर नेविगेशन वाली में मीडियल यूनिकॉम पार्ट मेंटल घुटना आर्थोप्लास्टी में प्रत्यारोपण स्थिति एवं अंग संरेखण की सटीकता का निर्धारण- एक भूत एवं भविष्यदर्शी अध्ययन
7. पटेला के विस्थापित फ्रैक्चर हेतु रोपण के पश्चात कार्यात्मक एवं रेडियोलॉजिकल परिणाम
8. एएमओए के रोगियों में स्थिर बनाम गतिशील व्यवहार निर्देशित यूकेआरआर के कार्यात्मक एवं रेडियोलॉजिकल परिणाम: एक आरसीटी
9. डि कुरवेन टेनोसाइनोवाईटिस हेतु पुल्ली निर्गमण तथा पुल्ली पुनर्निर्माण का परिणाम मूल्यांकन करने हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
10. क्रूसिएट रिटेनिंग में हाईयर फोर्गोट्टेन जाइंट स्कोर बनाम पोस्टीरिअर स्टेबिलाईजिंग पूर्ण घुटना आर्थोप्लास्टी
11. पृष्ठीय रिस्ट गैंग्लियन के खुले बनाम आर्थ्रोस्कोपिक उच्छेदन के परिणाम का आकलन करने हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छित नियंत्रण परीक्षण

12. जन्मजात हस्त भिन्नता के कार्यात्मक प्रभाव: जन्मजात ऊपरी अंग भिन्नता (सीओयूएलडी) का प्रारंभन एवं रखरखाव, रजिस्ट्री, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)

पूर्ण

1. मध्य केंद्रबिंदु एवं गौण केंद्रबिंदु के बीच नैदानिक, फ्लोरोस्कोपिक तथा रेडियोलॉजिकल परिणाम की तुलना करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
2. पूर्ण घुटना आर्थ्रोप्लास्टी में गतिज एवं यांत्रिक संरेखण का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
3. तपेदिक की आणविक इमेजिंग
4. गतिशील व्यवहार संबंधी यूकेआर करा रही भारतीय आबादी में आरएसए तथा क्लिनिक-रेडियोलॉजिकल परिणाम का उपयोग कर प्रत्यारोपण प्रवास विश्लेषण
5. पूर्ण कूल्हा प्रतिस्थापन की कंप्यूटर आधारित बनाम हस्त-मुक्त शल्यक तकनीक की तुलना करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
6. पूर्ण कूल्हा प्रतिस्थापन की दीर्घ कंसोल, इमेज रहित कंप्यूटर आधारित नेविगेशन बनाम एक्सेलेरोमीटर आधारित पोर्टेबल नेविगेशन तकनीक की तुलना करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय तथा पश्चिमी आबादी में ऑस्टियोआर्थराइटिस की संरचना में भिन्नता को समझना: लक्षणों, उपचार के विकल्प तथा उनके परिणाम पर प्रभाव, यूकेआईईआरआई-डीएसटी
2. मध्य घुटने का दर्द तथा नियंत्रित ऑस्टियोआर्थराइटिस में ट्रांसकैथेटर धमनी इंबोलाईजेशन की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता, हृदवाहिनी रेडियोलॉजी एवं एंडोवस्कुलर हस्तक्षेप

पूर्ण

1. भारतीय आबादी में यूनिकंपार्टमेंटल घुटना प्रतिस्थापन की सुरक्षा अनुकूलन तथा नैदानिक प्रभावकारिता, डीएसटी-यूकेआईईआरआई
2. मलिग्नेंट बोन ट्यूमर में एक्स्ट्राकोर्पोरियल इराडिएशन थेरेपी की बायोमैकेनिकल जांच, आईआईटी, दिल्ली
3. ऊपरी अंग की चोटों में उच्च आवृत्ति अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग करते हुए पेशीय चोटों का मात्रा निर्धारण, विकिरण चिकित्सा विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ : 45 **पुस्तकों में अध्याय : 4** **पुस्तकें : 1**

रोगी चिकित्सा

- निर्धन रोगियों हेतु अस्थिरोग बाह्य रोगी एवं शल्य चिकित्सा - 10-13 नवंबर, 2019 को आरएएएचटी शिविर, मंडला (म.प्र.)
- निर्धन रोगियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के लिए एम्स द्वारा सदस्य समिति का गठन
- अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑर्थो ओटी परिसर की स्थापना
- गैट प्रयोगशाला
- जेनेटिक प्रयोगशाला
- ओ आर्म सुविधा
- ईओएस सुविधा
- एसएटीएचआई तथा एसएसएचएआरए सेवाएं
- नया ओपीडी ब्लॉक
- रोबोटिक रीढ़ की सर्जरी
- सप्ताह में दो बार प्रातःकाल सामान्य ओपीडी
- सप्ताह में एक बार अपराह्न में "स्पोर्ट्स क्लिनिक" चलाना
- सप्ताह में एक बार अपराह्न में चिकित्सा केंद्र में चोटिल एथलीटों का उपचार करना, जे.एल. नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली

पुरस्कार, सम्मान तथा अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफ़ेसर राजेश मल्होत्रा को 26-28 अप्रैल 2019 को नई दिल्ली में स्पाइन एंड ऑर्थोपेडिक बायोमैकेनिक्स के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शोधपत्र "इंफ्लुएंस ऑफ एटिऑलॉजी एंड ऑनसेट ऑफ़ डेफ़ॉर्मिटी ऑन 3 डी गैट पैटर्न ऑफ़ पेशेंट विद कॉम्प्लेक्स स्पाइनल डेफ़ॉर्मिटी" के लिए सर्वोत्तम शोधपत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया; 1 जुलाई 2019 को आईएमए, नई दिल्ली में चिकित्सक दिवस समारोह के दौरान सर्वोत्तम विशिष्ट सेवाओं के लिए आईएमए डॉक्टर्स डे पुरस्कार से सम्मानित किया गया; 7 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में मीडिया सहयोगी सीएनएन न्यूज़ 18 के सहयोग से सीएमई एक्सिलेन्स समिट एंड अवार्ड्स के दौरान सीएमई एज्युकेटर पुरस्कार (व्यक्तिगत) से सम्मानित किया गया; 25 सितम्बर 2019 को एम्स, नई दिल्ली में स्थापना दिवस समारोह के दौरान प्रदर्शिनी श्रेणी- वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में प्रथम पुरस्कार दिया गया; 2 से 14 सितम्बर 2019 तक एम्स, नई दिल्ली में हिंदी सप्ताह समारोह के दौरान हिंदी श्रुतलेख के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया; 11 जुलाई 2019 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली में “बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (मेडिकल डिवाइसेस, डायग्नोस्टिक्स एंड इम्प्लान्टेंट्स)” पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) की दूसरी बैठक के **सदस्य** रहे; 14 और 15 अक्टूबर 2019 को डीबीटी के मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी सलाहकार समूह (एसटीईजी) की बैठक के लिए विशेषज्ञ; विशेषज्ञ सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर तकनीकी/सलाहकार कोर

समिति- स्वीडन, फिनलैंड, फ्रांस के डीबीटी; "दंत चिकित्सा और हड्डी रोगों में नैनो प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप" और "कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए नैनो-आधारित उपकरण" पर प्रस्तावों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की सूची हेतु विशेषज्ञ समिति में विशेषज्ञ; बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (उपकरण, निदान एवं प्रत्यारोपण) पर तीसरी तकनीकी विशेषज्ञ समिति; “नानोबायोटेक्नोलॉजी” पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठक; एम्स, नई दिल्ली में बायनेस्ट समिति; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आपातकालीन एवं आघात चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने हेतु विशेषज्ञों के राष्ट्रीय कोर समूह के **सह-अध्यक्ष**; संपादकीय समूह के सदस्य, डॉ. डी वाई पाटिल विद्यापीठ का मेडिकल जर्नल; संपादक, जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स और ट्रॉमा; 16 अप्रैल 2019 को एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग ट्यूटर, वैज्ञानिक I (बायोस्टैटिक्स) एवं नैदानिक मनोवैज्ञानिक के साक्षात्कार हेतु चयन समिति के लिए विशेषज्ञ; 8 और 9 जून 2019 को नई दिल्ली में एएसएएमआई इंडियन बेसिक इलिजारोव एवं विकृति पाठ्यक्रम में मुख्य अतिथि; 13 जून 2019 को आर्मी अस्पताल (आर एंड आर), दिल्ली कैंट में असफल डिस्टल फेमोरल मेगाप्रोस्थीसिस के संशोधन हेतु एलोग्राफ्ट सर्जरी का उपयोग करके पुनर्निर्माण करने के लिए आर्मी अस्पताल के कमांडेंट द्वारा आमंत्रित किया गया; 26-29 जून 2019 को "भारतीय और पश्चिमी आबादी में ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में भिन्नता को समझना: लक्षणों, उपचार के विकल्प तथा उनके परिणाम पर प्रभाव" शीर्षक वाली डीएसटी-यूकेआईईआरआई परियोजना के अंतर्गत लीड्स, यू.के. का दौरा; 7 जुलाई 2019 को नई दिल्ली में डीओए-एमआईडीसीओएन 2019 में मुख्य अतिथि; 3 अगस्त 2019 को एम्स, नई दिल्ली में अकादमी कॉलेज ऑफ इमरजेंसी एक्सपर्ट्स के 8 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में सम्मानित अतिथि; 19-24 अगस्त 2019 को "ट्रॉमा एंड एक्यूट मेडिसिन में मानव संसाधन विनिमय कार्यक्रम" के अंतर्गत नरीता, जापान का दौरा; 25 दिसंबर 2019 को नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में स्वच्छ यमुना अभियान में सम्मानित अतिथि।

प्रोफेसर हीरा लाल नाग, स्पोर्ट्स मेडिसिन सेक्शन, आईओए की केंद्रीय कार्य समिति के अध्यक्ष थे; आर्थोस्कोपी और स्पोर्ट्स मेडिसिन जर्नल, आईएएस की आधिकारिक पत्रिका संपादकीय बोर्ड के सदस्य; विशेषज्ञ सदस्य, मानवाधिकार समिति; सदस्य, ईएचएस सलाहकार समिति; जयपुर में "हाई टिबियल ओस्टियोटमी" तथा "ऑल इंसाइड एसीएल रीकंसट्रकशन " कोलकाता का सीधा सर्जिकल प्रदर्शन; जोधपुर में ड्राई मॉडल पर "मेनिस्कस रिपेयर" का सर्जिकल प्रदर्शन; भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के लिए मानद सलाहकार; नियुक्त सदस्य, अस्पताल प्रबंधन बोर्ड; नामित सदस्य, सर्जिकल उपकरणों की तकनीकी विशिष्टता चयन समिति; जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी और पीजीआईएमईआर, डॉ. आरएमएल अस्पताल में एमएस परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक; उपाध्यक्ष, अस्थिरोग अनुसंधान संस्था, एम्स; सदस्य, स्टोर खरीद समिति, एम्स; बाह्य विशेषज्ञ, संकाय के चयन के लिए स्थायी समिति, अस्थिरोग विभाग, एम्स, ऋषिकेश; समय-समय पर अस्थिरोग यूनिट- II के एकक प्रभारी तथा विभाग के कार्यवाहक अध्यक्ष; संकाय प्रभारी, अस्थिरोग ओटी; सदस्य, एसआईसी (विस्तारण) हेतु चिकित्सा उपकरण समिति, सफदरजंग अस्पताल; सदस्य, लेह में स्वास्थ्य शिविर का चिकित्सा दल; सदस्य, एसआईसी हेतु जांच समिति, सफदरजंग; बाह्य विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति, संकाय के चयन हेतु, अस्थिरोग विभाग, एम्स,

गोरखपुर; विशेषज्ञ सदस्य, आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण भारतीय मानक ब्यूरो; सदस्य, एसआईसी के विशेष ऑडिट हेतु समिति, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; सदस्य, यूजी विशेषज्ञ समिति, एमसीआई; बाह्य विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति, संकाय के चयन हेतु, अस्थिरोग विभाग, राजकीय आयुर्विज्ञान विज्ञान संस्थान, जीआर नोएडा, यूपी; बाह्य विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति, संकाय के चयन हेतु, अस्थिरोग विभाग, पीजीआईएमईआर, रोहतक, हरियाणा।

प्रोफेसर विजय कुमार को नॉर्थ ज़ोन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का संयुक्त सचिव चुना गया; 7 सितंबर 2018 को एम्स, नई दिल्ली में आर्थ्रोप्लास्टी में फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर नेटवर्क (इंडिया) एवं वर्तमान संकल्पना 2018, 6वीं इंटरनेशनल जेरिएट्रिक ऑर्थोपेडिक सोसाइटी ऑफ इंडिया सम्मेलन की संयुक्त बैठक के दौरान "वॉक फॉर एल्डर्लि" का आयोजन; 23 जून-2 जुलाई 2018 को "भारतीय और पश्चिमी आबादी में ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में भिन्नता को समझना: लक्षणों, उपचार के विकल्प तथा उनके परिणाम पर प्रभाव" शीर्षक वाली डीएसटी-यूकेआईईआरआई परियोजना के अंतर्गत लीड्स, यू.के. का दौरा।

डॉ. भावुक गर्ग को एशिया पैसिफिक मिमिक्स इनोवेशन पुरस्कार 2019 मिला; अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स एडवाइजरी काउंसिल फॉर ऑर्थोपेडिक सर्जरी के यंग फैलो एसोसिएशन (वाईएफए) संपर्क प्रतिनिधि थे; सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स; सह संपादक, जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, नॉर्थ अमेरिकन स्पाइन सोसाइटी जर्नल (एनएएसएसजे); एओ स्पाइन अंतर्राष्ट्रीय संकाय; सदस्य: एसआरएस रोगी शिक्षा समिति; दिल्ली प्रतिनिधि, नॉर्थ ज़ोन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन; सदस्य कार्यकारी समिति, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन्स ऑफ इंडिया; सदस्य, स्टेम सेल अनुसंधान एवं पुनर्योजी चिकित्सा पर टास्क फोर्स, डीबीटी; elearnspine.org पर टास्क फोर्स, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसएसआई); स्कोलियोसिस स्क्रीनिंग पर टास्क फोर्स, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया (एएसएसआई); क्षमता निर्माण पर टास्क फोर्स, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया (एएसएसआई); ईपीटीबी दिशानिर्देशों पर टास्क फोर्स, एम्स; सदस्य, एम्स टीबी कोर समिति।

डॉ. मो. ताहिर अंसारी ने एओ ट्रॉमा फेलोशिप प्राप्त की: 4 नवंबर -13 दिसंबर 2019; बीजी क्लिनिक एवं यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, ट्यूबिंगन; जर्मनी।

डॉ. विजय कुमार दिग्गी 29 जून 2019 को बेंगलुरु में आयोजित केएएससीओएन में पोस्टरोमेडियल कॉर्नर क्षति पर वाद-विवाद हेतु अध्यक्ष तथा 28 सितंबर 2019 को इंदौर में आयोजित आईएएससीओएन में टखना सत्र हेतु अध्यक्ष थे।

डॉ विक्रांत मंहास ने 2-4 मई 2019 को नई दिल्ली में एओ फाउंडेशन द्वारा आयोजित "एओ एडवांस ट्रॉमा कोर्स" तथा 18 जुलाई 2019 को सीएमईटी, एम्स द्वारा आयोजित "टीचर मेंटर प्रोग्राम" को सफलतापूर्वक पूरा किया;16-18 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में "सीसीए 2019" में ऑक्सफोर्ड यूकेए सॉ बोन कार्यशाला हेतु टेबल प्रशिक्षक; 13 तथा 14 दिसंबर 2019 को जयपुर, राजस्थान में "एम्स्टर्डैम फूट एंड एंकल कोर्स" सफलतापूर्वक पूरा किया; नई दिल्ली में 22 दिसंबर 2019 को "डीओए बेसिक ट्रॉमा

कोर्स" में लैग स्क्रू व्यायाम, बाह्य फिक्सेटर एवं डीएचएस पर कार्यशाला; 28 फरवरी को नई दिल्ली में डॉ. नसेफ मोहम्मद नसेफ द्वारा "पैर और टखने की सर्जरी में हालिया प्रगति" पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया; 26 मार्च 2020 को "इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स" के समीक्षक के रूप में नियुक्ति।

डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार ने 17 से 24 जून 2018 के बीच “एपीओए- गंगा हॉस्पिटल ट्रैवलिंग ट्रॉमा फैलोशिप” हेतु गंगा अस्पताल, कोयंबटूर का दौरा किया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. चिंग लाऊ, यूएसए, जीनोमिक लैंडस्केप ऑफ ओस्टियोसारकोमा पर अतिथि व्याख्यान, 10 अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. एथेंस, जॉर्जिया से डॉ. ओरमोंड एम महोनी, टीकेआर में वर्तमान रुझान एवं विवादों पर अतिथि व्याख्यान, 16 अक्टूबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
3. प्रोफेसर रोहित अमृतानंद, सीएमसी, 12 जुलाई 2019, वेल्लोर
4. प्रोफेसर रेमंड पी ओन्डर्स, क्लीवलैंड मेडिकल सेंटर, ओहियो, 25 जुलाई 2019, यूएसए

9.26. नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुरेश चंद्र शर्मा (31 जनवरी 2020 तक) आलोक ठक्कर (1 फरवरी 2020 से)

आचार्य

राकेश कुमार

अपर आचार्य

कपिल सिक्का चिरोम अमित सिंह

सह-आचार्य

राजीव कुमार
प्रेम सागर
डेविड विक्टर कुमार इरूगु (16 सितम्बर 2019 तक)
अरविंद कैरो
शुचिता सिंह
हितेश वर्मा

विशेषताएं

विभाग ने अपने छात्रों और प्रतिनिधियों तथा प्रेक्षकों हेतु भी गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए अपनी गतिविधियों को जारी रखा है। विभाग ने वर्ष में 10 बड़ी और छोटी कार्यशालाएं आयोजित की। विभाग ने सिर और गर्दन की सर्जरी पर अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला जो केडवेरिक डिमोनोस्टेररेशन डिससेक्शन और लाइव सर्जरी डिमोनोस्टेरेशन सहित है का आयोजन किया लेकिन कार्यशाला कोविड महामारी के कारण स्थगित की गई। विभाग ने दो एडवांस कॉक्लिर इंप्लांट इलैक्ट्रोड डिजाइन तथा अंतर्वेशन तकनीक कार्यशालाएं और सी.आई. पुन: स्थापना कार्यशालाएं आयोजित की। विभाग ने जून और नवम्बर में दो हेड और नेक केडवेरिक कार्यशालाओं को जारी रखा। विभाग ने एक केडवेरिक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी और एक माइक्रोवस्कुलर एनास्टोमोसिस पाठ्यक्रम के साथ सार्क एवं आई.ए.ओ.एच.एन.एस. ई.एन.टी. (कान, नाक, गला) सम्मेलन हेतु पूर्व-सम्मेलन हेड और नेक सी.एम.ई. का आयोजन किया। दिनांक 3 मार्च, 2020 को "विश्व श्रवण दिवस" पर हमारी लोक जागरूकता एवं पेनल चर्चा में काफी सहभागिता रही जिसमें कई रोगियों की श्रवण हेतु स्क्रिनिंग की गई एवं उनके प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

शिक्षा

एम.बी.बी.एस. छात्रों हेतु औपचारिक व्याख्यान 6वें एवं 8वें सेमेस्टर में आयोजित किया गया तथा 1 घण्टे का व्याख्यान होता है। स्नातक छात्रों को रोटेशन के आधार पर 2 माह हेतु विभाग में (ओ.पी.डी. एवं वार्ड) में नियुक्त किया जाता है। वे मूल ई.एन.टी. जांच के साथ सामान्य ई.एन.टी. रोगों के निदान और प्रारंभिक उपचार सहित सम्प्रेषण कौशल सीखते है। नैदानिक प्रशिक्षण निम्नानुसार होता है:

1. यथोचित कान, नाक एवं गला जांच सहित ई.एन.टी. के नैदानिक पक्षों हेतु परिचय पर दो कक्षाएं।
2. शिक्षण और केस पर चर्चा के अलावा सामान्य ई.एन.टी. परिस्थिति जैसे सी.एस.ओ.एम., डिविएटिड नेजल सेपटम, नेज़ल पोलियपस कैंसर लैरिंगएक्स आदि।
3. सामान्य रूप से प्रयुक्त ई.एन.टी. उपकरणों एवं ई.एन.टी. प्रैक्टिस में एम्स-रे हेतु अभिविन्यास।
4. सामान्यत: की गई ओ.पी.डी. प्रक्रियाओं जैसे नेज़ल पैकिंग, इयर पैकिंग, कॉटरी आदि हेतु जानकारी।
5. चुनी हुई क्रियात्मक प्रक्रियाओं जैसे श्वास-प्रणाल-छेदन, गलतुंडिका-उच्छेदन, स्पटोप्लास्टी, नेज़ल पॉलीपेक्टोमी आदि की जानकारी।
6. निरोधक कर्ण विज्ञान एवं हेड और नेक कैंसर।

नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान नियुक्ति के अंत में छात्र इनमें योग्य होते है:

1. सामान्य कान, नाक एवं गला समस्याओं की जांच और निदान।
2. रोगी के निदान एवं उपचार हेतु सामान्य अन्वेषण प्रक्रियाओं एवं उनके निदान को समझाना।
3. प्राथमिक देखभाल केन्द्र में रोगी का उपचार करने के दौरान सामान्य ई.एन.टी. एवं सिर व गर्दन समस्याओं का उपचार।
4. विभिन्न छोटी शल्यचिकित्सा प्रक्रियाएं जैसे इयर सायरिंगिंग, नेज़ल पैकिंग एवं बायॉप्सी प्रक्रिया निष्पादन हेतु प्रशिक्षण।
5. जन मार्गदर्शन हेतु निरोधक कर्ण विज्ञान और सिर व गर्दन कैंसर के प्रति जागरूकता होना।

स्नातकोत्तर (पी.जी.) हेतु मुख्य उद्देश्य रोगी देखभाल, अध्यापन, अनुसंधान क्षमता और सामूहिक कार्य है। पी.जी. छात्रों को संगोष्ठी / पेपर, अनुसंधान लेखन का प्रस्तुतीकरण करना होता है तथा नैदानिक निर्णय करने की क्षमता अर्जित करने और उपचार करने में दक्ष होना होगा। स्नातकोत्तर छात्र संकाय सदस्य / वरिष्ट रेजीडेन्टस के पर्यवेक्षण में बड़ी और छोटी सर्जिकल प्रकियाओं का निष्पादन करते है। वे स्वतंत्र रूप के छोटे और बड़े आपरेशन करने हेतु प्रशिक्षित होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान वह ओडियोलॉजी अनुभाग, एवं वेस्टीबुलर प्रयोगशाला की जानकारी सहित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में तैनात रहते हैं, वार्ड में पूर्व जानकारी लेने के अतिरिक्त, ओ.टी. ज्ञान, आपात, आई.सी.यू. आवश्यकता के बारे में तथा तंत्रिकाशल्यचिकित्सा / संवेदहनाहरण, आतंरिक (चिकित्सा; आपरेशन से पूर्व एवं आपरेशन के पश्चात) रोगियों के उपचार के संबंध में सीखते हैं। आपरेशन थियेटर और आपातकाल आपरेशनस में उपस्थिति होना। वार्ड राउंड में सहायता करते हैं एवं अन्य विभागों से आने वाली काल / परामर्शों हेतु वरिष्ठ साथियों के साथ अन्य वार्डों में जाते हैं, सेमिनार / जर्नल क्लब में अपराह्न में विशिष्ट क्लिनिकों में बेडसाइड क्लिनिकल पक्ष हेतु वार्ड में शैक्षिक सत्रों में भाग लेते हैं एवं विभाग के रोस्टर अनुसार आपात ड्यूटी करते हैं। स्नातकोत्तर छात्र को संकाय के दिशानिर्देश में भी शोध प्रबंध करना होता है।

विभाग एम.सी.एच. हेड तथा नेक सॅर्जरी और स्कल बेस सॅर्जरी में फैलोशिप का अधिविशिष्ट पाठ्यक्रम चलाता है। एम.सी.एच. रेजीडेटों को ओ.पी.डी., ओ.टी. में संबंधित विशिष्टताओं में ड्यूटी आबंटित की गई है एवं वह विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकृतिविज्ञान, तंत्रिकाशल्यचिकित्सा आदि

विभागों के साथ संयुक्त रूप से शैक्षिक गतिविधियों में भी भाग लेते हैं। एम.सी.एच. रेजीडेंटों एवं स्कल बेस फेलो को संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने के लिए पदोन्नत किया जाता है। वह रोटेशन द्वारा सेमिनार एवं जर्नल क्लब प्रस्तुत करते हैं। एम.सी.एच. रेजीडेंटों को क्लिनिकल एवं शैक्षिक ड्यूटी के लिए एन.सी.आई. झज्जर में भी तैनात किया जाता है।

विभाग समय-समय पर विभिन्न नयी अभिरूचि के विषयों पर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लाभों हेतु भी कार्यशालाएं और सम्मेलन आयोजित करता है। विभाग देश तथा विदेश से प्रेक्षक हेतु प्रतिनिधियों का स्वागत करता है और उन्हें विभागीय गतिविधियों, विशिष्टता निदानशालाओं, संगोष्ठियों, आपरेटिव प्रक्रियाओं को देखने के लिए उनका आतिथेय करता है।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

मेजर डॉ. रोही सिंह, ग्रेडिड विशेषज्ञ (ई.एन.टी.) सैन्य अस्पताल, हिसार, 1 वर्ष मई 2019 से।

लघु अवधि प्रशिक्षण

डॉ. मानवी सैनी, विशेषज्ञ (ई.एन.टी.), एन.डी.एम.सी. चरक पालिका अस्पताल, नई दिल्ली, 6 सप्ताह 15 जुलाई 2019 से 23 अगस्त 2019 तक।

ऐच्छिक प्रशिक्षण

1. श्रवणविज्ञान एवं वाक् भाषा विकृति विज्ञान (बी.ए.एस.एल.पी.) में स्नातक छात्रों की प्रशिक्षुता ए.वाई.जे.एन.आई.एस.एच.डी., क्षेत्रीय केन्द्र, नोएडा।
2. ए.वाई.जे.एन.आई.एस.एच.डी. (दिव्यांगजन) के टी.वाई.बी.ए.एस.एल.पी. मुम्बई, छात्रों ने अपनी शिक्षा यात्रा के रूप में 21 फरवरी 2020 को विभाग का दौरा किया।

विभाग में पर्यवेक्षक रहे तथा आपात चिकित्सा, बालचिकित्सा, शरीरक्रियाविज्ञान के विभागों से रोटेशन तैनातियां रही एवं स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन (एस.आई.बी.) के तहत फेलो रहे।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. विश्व श्रवण दिवस पर जन जागरूकता शिविर एवं पैनल चर्चा, 3 मार्च 2020
2. कोक्लियर इंप्लांटस पर दो-दिवसीय अग्रिम सर्जिकल एवं इलेक्ट्रोड डिजाइन कार्यशाला: नवप्रवर्तन के साथ श्रवण कार्य को सुधारना, 12 तथा 13 फरवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली।
3. माइक्रोवास्कुलर तकनीक एवं सीवन कार्यशाला, 27-31 जनवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली।
4. दूसरा हेन्डस ऑन फंगस्नल एन्डोस्कोपी साइनस सॅर्जरी कैडवरिक कार्यशाला, 18 तथा 19 जनवरी 2020, ए.सी.एस.एस.टी. ट्रामा सेंटर, एम्स।
5. नोवां कैडवरिक हेड तथा नेक पाठ्यक्रम, 26 एवं 27 नवम्बर 2019, ए.सी.एस.एस.टी., ट्रामा सेंटर एम्स।
6. अभिभावकों हेतु सी.आई. हेबिलटेशन तथा जागरूकता कार्यशाला, 13 एवं 14 नवम्बर 2019 एम्स तथा मण्डी हाउस सभागार।

7. कॉकलियर इंप्लांटस पर दो-दिवसीय अग्रिम सर्जिकल एवं इलेक्ट्रोड डिजाइन कार्यशाला: कॉकलियर इंप्लांटस हेतु सी.आई. 532 इलेक्ट्रोड पर फोकस करने सहित नवप्रवर्तन के साथ श्रवण कार्य को सुधारना, 7 एवं 8 नवम्बर 2019, एम्स।
8. हेड एवं नेक पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान की इण्डियन एकेडमी का 8वां वार्षिक सम्मेलन, हेड एवं नेक सॅर्जरी तथा 11वां सार्स ई.एन.टी. सम्मेलन, 15 अगस्त 2019।
9. ए.सी.एस.एस.टी. में आठवां कैडवरिक हेड एवं नेक पाठ्यक्रम 17 और 18 जुलाई 2019, ट्रामा सेंटर, एम्स।
10. दसवां एम्स कैडवरिक एवं दूसरी अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 24-28 मार्च 2020: कोविड महामारी के चलते स्थागित की गई।

प्रदत्त व्याख्यान

एस.सी. शर्मा: 1	**आलोक ठक्कर: 46**	**राकेश कुमार: 18**
कपिल सिक्का: 25	**चिरोम अमित सिंह: 13**	**राजीव कुमार: 10**
प्रेम सागर: 9	**अरविन्द कुमार कैरो: 6**	**शुचिता सिंह: 06**
हितेश वर्मा: 15		

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति: 18

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजना

जारी

1. श्रवण दोष की व्यापकता तथा हेतुविज्ञान-राष्ट्रीय कार्य बल परियोजना (समन्वय केन्द्र), आलोक ठक्कर, आई.सी.एम.आर., 4 साल, 2015-2019, 97 लाख रुपये।
2. मानव स्वास्थ्य पर नॉन आयोनाइजिंग इलेक्ट्रोमैगनेटिक का प्रभाव: ऑडिटरी और वेस्टिबुलर प्रणाली पर प्रभाव, राकेश कुमार, आई.सी.एम.आर., 3.5 वर्ष, 90 लाख रुपये।
3. साउंड 4 ऑल: री-इंजीनियरिंग हाई-एंड ऑडियोमेट्रिक डिवाइसेज फॉर रोबस्ट एंड एफोर्डेबल ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग फेंज 2, कपिल सिक्का, इण्डो जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आई.जी.एस.टी.सी.) 3 वर्ष, 2019-2022, 54 लाख।
4. बाल चिकित्सा पापुलेशन में कोकलियर इंप्लांटस का फेक्टर इम्पेक्टिंग आउटकम, कपिल सिक्का आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2019-2022, 2.84 लाख रुपये।
5. दॉ क्लिनिकोपेथोलोजिकल इवेल्यूशन ऑफ कोलेस्टीटोमा एग्रेशिवनेश, कपिल सिक्का, एम्स, दो वर्ष, 2018-2020, 6.5 लाख रुपये।
6. स्टडी ऑफ ह्यूमन पेपिलोमा वायरस एसोसिएशन इन सीनोनेस्ल टयूमर, कपिल सिक्का, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये।
7. सर्विकल लिम्प नोड्स के लिए अपरिचित हेड एवं नेक प्राइमरी मेटास्टेरिक का मूल्यांकन चिरोम अमित सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 4.95 लाख रुपये।

8. जेनेटिक प्रोफाइल ऑफ ओलफेक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा का मूल्यांकन, राजीव कुमार, एम्स, 2 वर्ष 2018-2020, 10 लाख रुपये।
9. एच.एल.ए., फेगोसिटिक कार्य एवं साइनसाइटिस इंवेसिव फंगल साइनसाइटिस तथा गैर-इंवेसिव फंगल साइनसाइटिस के केसों में संकेत तत्वों का मूल्यांकन, हितेश वर्मा, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2019-2021, रु.10 लाख।
10. हेड एवं नेक कैंसर पर एग्रता के साथ कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज हेतु टूल के रूप में एक कोशिकिय व्युत्पन्न क्लोनल स्फीरोइडस का विकास, हितेश वर्मा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2019-2022, 3 करोड़ रुपये।
11. आण्विक माइक्रो-आर.एन.ए. : तम्बाकू खाने वालों बनाम तम्बाकू न खाने वालों में आण्विक परिवर्तन के दौरान जैव-मार्कर मेकर के रूप में उनकी उपयोगिता, शुचिता सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2016-18, 9.8 लाख रुपये।
12. गैर-मेनियार रोग वर्टिगों रोगियों में बायोमार्कर के रूप में सर्कुलेशन में इन्नर ईयर प्रोटीन ओटोलिन-I, विटामिन डी एवं आयोनाइज्ड कैल्शियम का अध्ययन, डेविड विक्टर कुमार इरूगु, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 8.66 लाख रुपये।
13. ओरोफेरिंगिल कार्सिनोमा रोगियों में पूर्वभासी मार्कर के रूप में मास्टॉयड सर्जरी बी.आर.सी.सी. 3 एक्प्रेशन करवाने वाले रोगियों में विभिन्न स्क्वैमाउस कान रोग के मध्य 'सोरिएसन' के एक्सप्रैशनल स्तर अंतर पर प्रायोगिक तुलनात्मक अध्ययन एवं रेडियोथेरेपी प्रतिरोध पर इसका प्रभाव, अरविंद कुमार कैरो, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 9.05 लाख रुपये।
14. एन-एसीटायल के इन्ट्राडुक्टल एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा रेडियोथेरेपी इन्डूस्ड जेएरोस्टोमीया की रोकथाम, अरविन्द कुमार कैरो, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2020-2023, 36 लाख रुपये।

पूर्ण

1. मुख स्क्वैमस सेल कर्सिनोमा (ओ.एस.सी.सी.) के विकृतिजनन में सीन 3बी एम.आर.एन.ए. अल्ट्रनेट स्पीलिस्गं के प्रयोजनमूलक संबद्धता को स्पष्ट करना, एस.सी.शर्मा, विज्ञान एवं अभियांत्रिक अनुसंधान बोर्ड (एस.ई.आर.बी.), 2 वर्ष, 2017-2019, 3.55 लाख रुपये।
2. 'वेस्कूलर एन्डोथेलिया ग्रोथ फेक्टर' के स्तर का मूल्यांकन-रिकरंट रेस्पीरेटरी पोपीलोमाथोसिस के मामले में, हितेश वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-18, 4.7 लाख रुपये।
3. हाल ही में हेड और नेक कैंसर से नैदानित रोगियों में अवसाद हेतु नैदानिक एवं जैवरसायानिक का मूल्यांकन, प्रेम सागर, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, 8 लाख रुपये।

विभागीय परियोजना

जारी

1. विस्टर चूहों में अलोजेमिक टिसू इंजीनियर्ड ट्रेकियल प्रत्यारोपण-प्रीक्लिनिकल अध्ययन।
2. हेड एवं नेक कैंसर रोगियों में सिंकोरोनोयस एसोफेजिल नियोप्लाज़्मा की पहचान हेतु ट्रांसनेजल एसोफेजइल एनडोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन।

3. मुख गुहा के गिंजीवोब्यूक्ल कामप्लेक्स कार्सिनोमा में ओ.एस.एम.एफ. आन ओक्लट एवं ओवर लिम्फ नोड मेटास्टासिस का प्रभाव।
4. पोस्ट-लेरियनजेक्टोमी रोगियों में परिनियोजन सुधार एवं वाक् पुर्निमार्ण हेतु ट्रेकियोइसोफेगिल प्रोस्थेसिस का डिजाइन एवं विकास ।
5. इंडोकेनाइन ग्रीन का प्रयोग करके निकट अवरक्त फ्लूरेसेंस, माइक्रोस्कॉपिक मूल्यांकन एवं केवल आंख द्वारा थायरॉयड सर्जरी में पैराथायरॉयड पहचान।
6. खोपड़ी अस्थिमज्जाशोथ आधारित रोगियों में नैदानिक विशिष्टताओं तथा उपचार परिणामों का मूल्यांकन।
7. सिरम ओटोलिंन 1 बायोमार्क के रूप में और बी.पी.पी.वी. रोगियों में विटामिन डी सिरम के महत्व का मूल्यांकन।
8. कोकलियर आरोपण के कम से कम 3 वर्ष के बाद प्रीलिंगवल प्रोफाउंड एस.एन.एच.एल. में एफ.एन.आई.आर.एस. पर अडियोटरी कोरटिक्ल के साथ दर्शित विभिन्न कोकलियर आरोपण की तुलना।
9. सेविरिटी ऑफ ओ.एस.ए.:- शोथज मार्कर्स एवं एनाटोनिक्ल कारकों के साथ सहसम्बंध द्वारा सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन।
10. उपचार के पूर्व और पश्चात परिखा वोक्लीसेंडवीडीयोलैरिंगोस्टरोबोस्कोपिक आकलन वाले रोगियों में वसा इमप्लांटटेशन का मूल्यांकन।
11. आंशिक / पूर्ण लैरियगंजेक्टोमी हेतु कार्सिनोमा लेरयंक्स एवं हाइपोफेरयंक्स योजना वाले रोगियों में पेराट्रिकियल लिम्प नोड मेटास्टासिस के भार की पहचान।
12. समान अवस्था कार्णपालि पुर्निमार्ण एवं केनलप्लास्टी करवाने वाले रोगियों का परिणाम।
13. बाल नेसोफारयेन्जल ऐन्जियोफिबरोमा का काबलेशन अस्सिटिड एनडोस्कोपी उन्मूलन: एक अग्रदर्शी पायलट अध्ययन।
14. मुख गुहा शल्यचिकित्सिय उपचार किए गए कार्सिनोमा रोगियों हेतु जीवन मूल्यांकन का उत्तरजीवी परिणाम एवं जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन ।

पूर्ण

1. नैदानिक परिस्पर्शन एवं विकिरणविज्ञान द्वारा मुख गुह पट्टकी कोशिका कार्सिनोमा (टी1-टी3) में मूल्यांकन की गहराई का इंवेशन एवं इसका इंवेशन की गहराई ऊतकविकृतिविज्ञानिक से सहसम्बंध।
2. मुख पट्टकी कोशिका कार्सिनोमा में माइक्रोवास्कुलर सघनता एवं ट्यूमर संयुक्त मेक्रोफेजिस का अध्ययन।
3. सिर एवं गर्दन पट्टकी कोशिका कार्सिनोमा के नव निदान मामलों में निकोटिन निर्भरता के प्रतिरूप को स्पष्ट करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन एवं प्रेरिऑपरेटिव जटिलताओं के साथ इसके संबंध का मूल्यांकन करना।
4. लघुकर्णता का शल्यक सुधार करवा रहे रोगियों में परिणाम।

5. सीनोबेसल एवं स्कूल्ल बेस इंवेसिव फंगल रोगों के परिणामों को सूचित करने में विभिन्न नैदानिक एवं इम्यूनोलॉजिक्ल मापदण्डों का मूल्यांकन:- एक वर्णनात्मक अध्ययन।
6. बाल जनसंख्या में गेस्ट्रोइसोफेजिल रिफ्लक्स एवं अब्स्ट्रक्टिक एडिनॉइड या एडिनोटोनसिल्लर हाइपरट्रोफी के अनियत संबंध पर एक पायलट अध्ययन।
7. हेड एवं नेक पैरागैंगिलियोमास में एस.डी.एच-एक्स. उत्परिवर्तन: एक क्लिीनिपैथोलॉजिक्ल अध्ययन।
8. कण्ठय क्रिया पर लघु अवधि ऐंडोट्रेचिएल नलिका प्रवेशन (इनटूबेशन) का प्रभाव।
9. एलर्जिक नासाशोय एवं नेजल पॉलिपोस्सि के मामलों में विटामिन डी एवं प्रतिरक्षित मार्कर्स वाले रोगों की गंभीरता का क्लीनिको रेडियोलॉजी संबंध।
10. इनर इयर मेलफोरमेशन बनाम सामान्य शरीर रचना वाले बच्चों में पोस्ट कोक्लियर इंप्लाटं परिणामों की तुलना।
11. ओलफैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी पायलट अध्ययन।
12. लैंरिगोफेरिंगिल रिफ्लैक्स रोग के कारण डिस्फोनिया में ई.एम.जी. निष्कर्ष एवं उपचार परिणाम से संबंध।
13. कोक्लियर इंप्लांटेशन के पश्चात् प्रीलिंगुअल प्रोफाउन्ड सेन्सरिन्यूराल श्रवण क्षति वाले रोगियों में श्रवण मौखिक परिणामों के साथ प्रयोजनमूलक नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी मेजरमेंट से संबंध।
14. मिनीऐरिस रोग एवं वेस्टीबुलर माइग्रेन के रोगियों में नैदानिक प्रोफाइल का आकलन।
15. रौवेरी के पार्श्व रेट्रोफैरिंजियल लिम्फ नोड के संदर्भ में टॉन्सिल के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के पहले इकोलोन लिम्फ नोड ड्रेनेज का पता लगाना।
16. किशोर नेज़ल एंजियोफाइब्रोमा एस से ग्रस्त रोगियों में 68 गैपस्मेहेबड सी.सी. स्कैन की भूमिका।
17. कैंसर मुख गुहा में हिस्ट्रोकेमिकल द्वारा परपोषी इम्यूनोलाजिकल ट्यूमर की प्रतिक्रिया का आकलन और पूर्वानूमान पर इसका प्रभाव- रेट्रोस्पेक्टिव कोहर्ट अध्ययन।
18. प्रारंभिक कीमोरेडियोथेरेपी से उपचारित लोकली एडवांस्ड सिर एवं गला स्क्वैमाउस कोशिका कार्सिनोमा में रेजीड्यूल रोग का निर्धारण करने में पी.ई.टी.-सी.टी. स्कैन की प्रभावकता को सुनिश्चित करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा विभाग)।
19. जी.ए.-68 पी.एस.एम.ए. एच.बी.ई.डी. सी.सी.पी.ई.टी.-सी.टी. सकारात्मक एनाप्लास्टिक थायरॉइड कासिनोमा में एल.यू.-177 डी.के.एफ.जेड.-पी.एम.एस.ए. 617 की चिकित्सीय संभावना का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा विभाग)।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. सिर-गर्दन पट्टकी कोशिका कार्सिनोमा (एम्स साइट) में मानव पेपिलोमा वायरस की व्यापकता, हेड नेक को-आपरेटिव आनकोलॉजी ग्रुप (एच.एन.सी.ओ.जी.)

2. ऊतक नमूनों में दुर्दमता की पहचान हेतु मशीन लर्निंग टेक्नीक के साथ गहन लर्निंग का मूल्यांकन, विकृति विज्ञान।
3. रिजन्रेशन एप्लिकेशन हेतु 3डी प्रिन्टिड ट्रेचियल ग्राफ्टस, स्टीम सेल सुविधा।
4. पूर्वलक्षाणिकता में वर्गीकरण एवं थेरेपीयूटिक्लि रेलिवेन्ट सबग्रुपस हेतु ओलफैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमस का आणुविक लक्षण वर्णन, विकृति विज्ञान।
5. मुखीय श्लैष्मिक घावों के स्पेक्ट्रम में अंतनुशासनिक विभिन्नताएं, त्वचाविज्ञानी।
6. वर्तमान सक्शन उपकरणों वाले बाल ट्रेकियोस्टोमाइज़्ड रोगियों हेतु स्वदेशी हैंडहेल्ड सक्शन असेम्बली का प्रभाव एवं प्रयोज्यता की तुलना का पायलट अध्ययन, बाल रोग।
7. ट्रकियोस्टोमी ट्युब की सफाई हेतु सक्शनिंग मशीन को विकसित करना, आई.आई.टी., दिल्ली
8. भारत में क्लेफट लिप और पैलेट असंगति: नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक तथा उपचार की वर्तमान स्थिति: एक अस्पताल आधारित अध्ययन, दन्त चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र।
9. क्रोनिक आइडोपेथिक टिनिटस से ग्रस्त भारतीय आबादी में सिरम जिंक का स्तर, फार्माकोलॉजी।
10. किसी चुनिंदा तृतीयक देखभाल अस्पताल से छुट्टी पाने वाले रोगियों के बीच नर्स की पहल पर शुरू की गई अनुवर्ती टैली-कंसल्टेशन हेतु रोगी सन्तुष्टि का आकलन करने के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण, नर्सिंग।
11. किसी चुनिंदा तृतीय देखभाल अस्पताल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में विभिन्न अस्पताल सेवाओं के प्रति रोगी की संन्तुष्टि के बारे में ओ.एम.आर. सीट आधारित फीड-बैक सर्वेक्षण।
12. उत्तर भारत से नॉन-टाइपेबल हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा (एन.टी.एच.आई.) के फेनोटाइपिक एवं जेनोटाइपिक का लक्षण वर्णन, माइक्रोबायोलॉजी।
13. उत्तर भारत की जनसंख्या में हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा के नेसोफ्रेयेनजिएल केरियेज़ का अध्ययन।
14. अंत:क्षेप एवं काउंसिलिंग के माध्यम से बिहार की अनुसूचित जाति समुदाय में फ्लूओरोसिस मीटिगेशन का अध्ययन, शरीररचना विज्ञान।
15. वर्तमान सक्शन उपकरणों के साथ बाल ट्रेकियोस्टोमाइज़्ड वाले रोगियों हेतु स्वदेशी हस्तचालित सक्शन असेंबली की प्रभावकारिता और प्रयोज्यता की तुलना पर पायलट अध्ययन, बाल रोग विज्ञान।
16. हेड एवं नेक मेलिगेनसि में लिम्प नोड के एफ.एन.ए.सी. प्रोवेन एस.एस.सी. के मामलों में विभिन्न सम्भव प्राथामिक साइट का नैदानिक-विकिरण-विकृतिविज्ञान संबंधी मूल्यांकन।
17. समय-पूर्व जिह्वा कार्सिनोमा में ट्यूमर इनावेशन एवं लिम्प नोड विक्षेप की गंभीरता की प्रीडिक्टिंग में अल्ट्रासाउन्ड की भूमिका।
18. कार्सिनोमा लैरिंगएक्स की अवस्था में स्पिलिट-बोल्स डुअल एनर्जी सी.टी. का मूल्यांकन, विकिरणनिदान।
19. आलफैक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमस में डब्ल्यू.एन.टी. एवं एस.एच.एच. सिग्नेलिंग मार्ग का मूल्यांकन। विकृतिविज्ञान, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान।

20. मैक्सीलेक्टोमी रोगियों में कंवेंशनल एवं वैक्यूम रूप पद्धति का प्रयोग करके सर्जिकल आब्टूरेटर फ्रैबीकेटिड के कार्य-प्रणाली की तुलना करना: रेडोमाइज़्ड नियंत्रण अध्ययन, प्रोस्थोडोनटिक एवं विकृति-विज्ञान।
21. एक्सट्रा-पुलमोनरी ट्युबरोक्यूलोसिस (ई.पी.टी.बी.) के निदान में किट-बेसड लूप-मेडिएटिड इसोथर्मल एम्पिलिफिकेशन (टी.बी.-एल.ए.एम.पी.) आमापन की भूमिका का मूल्यांकन, कायचिकित्सा।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 43 **सारांश : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 3**

रोगी उपचार

ओपीडी के अतिरिक्त ऑपरेशन थियेटर एवं माइनर ओ.टी. सेवाओं के साथ-साथ विभाग में ऑडियोलॉजी एवं स्पीच पैथोलॉजी का एक पुनर्वास एकक भी संचालित किया जाता है एवं ऑडियोलॉजी व स्कल बेस में स्पेशियलिटी क्लिनिक संचालित किए जाते हैं जिसमें कॉक्लियर इंप्लांट के साथ, राइनोलॉजी, वर्टिगो, वायस और निगलने की क्रिया सहित सप्ताह में दो बार सिर और गर्दन कैंसर क्लिनिक भी संचालित किए जाते हैं। विभाग द्वारा सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ एवं आउटरीच ओ.पी.डी., इज्जर में ग्रामीण सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। आंकड़े इस प्रकार हैं:

वार्ड भर्ती (डी4 वार्ड): 5298

दीर्घ भर्ती: 1469 लघु भर्ती: 3829

ऑपरेशन किए गए मरीजों की संख्या

मुख्य आपरेशन थियेटर: बड़े मामले: 2690

माइनर ओटी: छोटे मामले: 1938

माइनर आपरेशन थियेटर : ओ.पी.डी. प्रक्रियाएं: 16960

ओ.पी.डी. में देख गये मरीजों की संख्या

नये रोगी: 46910 पुराने पंजीकरण: 65382

आर.यू.ए.एस. में रोगियों की संख्या

नये रोगी: 2755 पुराने पंजीकरण: 2273 कुल : 5028

कुल आडियोलॉजिक्ल टेस्ट हुए (पी.टी.ए. + टेयमपनोमेटरी + एफ.एफ.ए. + बी.ई.आर.ए. + ओ.ए.ई. + ए.एस.एस.आर.): 29,075

विशिष्टता क्लिनिक

क्र.संख्या	क्लिनिक	नये मामले	पुराने मामले	कुल
1.	वर्टिगो	131	267	398
2.	ऑडियोलॉजी एवं स्कल बेस	122	34	156
3.	कोक्लियर इंप्लांट	264	547	811
4.	वॉइस	294	246	540
5.	राइनोलॉजी	207	87	294
6.	सिर और गर्दन कैंसर	1208	4515	5723
7.	सिर एवं गर्दन पुर्निमाण क्लिनिक	76	87	163
8.	विकिरण सम्मेलन	1024	-	1024

सामुदायिक सेवा क्लिनिक

- सप्ताह में एक बार आपरेशन की सुविधाओं के साथ बल्लभगढ़ के सामुदायिक अस्पताल में दो बार सप्ताहिक क्लिनिक।
- गुडगांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में साप्ताहिक क्लिनिक
- आई.आई.टी. दिल्ली में सामुदायिक अस्पतालों में साप्ताहिक क्लिनिक
- विभाग द्वारा आउटरीच ओ.पी.डी. इज्जर में दैनिक ओ.पी.डी. सेवाएं और सप्ताह में तीन बार ओ.टी. सेवाएं प्रदान की जाती है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एस.सी. शर्मा नेशनल मेडिकल कमीशन के अध्यक्ष मनोनीत किए गये एवं जोधपुर, एम्स के अध्यक्ष थे, सदस्य, संस्थान निकाय, एम्स, रायबरेली; फेलो (विश्वविद्यालय सीनेट के सदस्य), पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; सदस्य, संस्थान निकाय, स्थायी क्रम समिति एवं पी.जी.आई.एम.ई.आर. की स्थायी संपदा समिति, चडीगढ़; अध्यक्षता, पी.जी.आई.एम.ई.आर. की एच.आर. उप-समिति, चण्डीगढ़; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण राष्ट्रीय कार्यक्रम एन.पी.पी.सी.डी. के तहद मानद सलाहकार (बधिरता); सदस्य, तकनीकी संचालन समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण राष्ट्रीय कार्यक्रम (एन.पी.पी.सी.डी.), मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994, एम्स, नई दिल्ली के तहत प्राधिकार समिति के सदस्य, सह-अध्यक्ष, इंजीनियरी सलाहकार समिति, एम्स, नई दिल्ली; विषय विशेषज्ञ, "मानव जीवन पर मोबाइल टावर्स और हैंडसेट से होने वाले ई.एम.एफ. विकिरण सक्सपोज़र के संभावित प्रभाव" संबंधित आर एवं डी पहल, नामक कार्यक्रम के अन्तर्गत कमेटी ऑन स्लीप डिसऑर्डर्स; संज्ञानात्मक शिथिलता और ई.एन.टी. परियोजना, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, वसन्त कुन्ज नई दिल्ली; अध्यक्ष, 'कान, नाक एवं गले की सर्जरी उपकरण' भारत मानक ब्यूरो की

अनुभागीय समिति (एम.एच.डी. 04); सदस्य, कार्यकारी समिति, हरियाणा कल्याणकारी सोसाइटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एडं हियरिंग इंपेयरमेंट, पंचकुला; सदस्य, नए एम्स में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने की पहल करने वाली समिति (माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वार गठित); ई.एन.टी. विभाग, एम्स, ऋषिकेश में विजिटिंग प्रोफेसर; सदस्य 'नेशनल मेडिकल डिवाइस प्रामोशन काउंसिल' उद्योग बढ़ोत्तरी एवं आन्तरिक व्यापार विभाग (डी.आई.पी.पी.) वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत संरक्षण: एम्स, जोधपुर के अटेन्डिड ओफिसियल फंगशन (मोडुयूलर आपेरशन थियेटर का उद्घाटन) 10 अप्रैल, 2019; भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के साथ 10-13 अगस्त 2019 को रांची और चेन्नई का दौरा किया; एम्स के '7वें वार्षिक दिवस समारोह' के मुख्य अतिथि ने 15 सितम्बर 2019 को समूह सदस्य के रूप में ई.एस.आई.सी. मेडिकल विश्वविद्यालय अलवर, राजस्थान का दौरा, 16 सितम्बर 2019 (संदर्भ संख्या फा.10-8 / 92(D) स्थापना-I तिथि 5 सितम्बर 2019); एम्स, जोधपुर के दूसरे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता, 7 दिसम्बर 2019 को की।

प्रोफेसर आलोक ठक्कर ई.एन.टी. 2019 में स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट वर्कफ़्लोज़ हेतु आई.सी.एम.आर. समिति के अध्यक्ष रहे; दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति के तहत चिकित्सा उपकणों संबंधी उपसमिति के उपाध्यक्ष रहे; समन्वयकर्ता, सिर-गर्दन कैंसर राष्ट्रीय कैंसर ग्रीड; हेड़-नेक आनकोलॉजी हेतु आधारशिला माननीय अध्यक्ष ने रखी; परिषद् सदस्य-एशिया पेसिफिक सोसायटी ऑफ थायराइड सॅर्जरी (ए.पी.टी.एस.) 2019-2022 संयोजक-दिल्ली हेड-नेक आनकोलॉजी फोर्म; विश्व स्वास्थ्य संगठन सदस्य-दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र हेतु, श्रवण देखभाल पर क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह; अन्तर्राष्ट्रीय संकाय अमरीकन अकादमी ऑफ ओटोलैरीगोलॉजी एवं हेड-नेक सॅर्जरी (ए.ए.ओ.एच.एन.एस. 2019), न्यू ओरलेन्स; अतिथि आचार्य, ओटोलैरीन्गोलॉजी विभाग, एम्स ऋषिकेश (2019); सदस्य; स्टॅडिज बोर्ड ओटोलैरीन्गोलॉजी विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, मणिपाल विश्वविद्यालय 2017; सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्; पद्मभूषण डॉ. दुखन राम मेमोरियल ओरएशन वोक्ल फोल्ड अंगघात के नये परिदृश्य, बिहार एवं झारखण्ड 2019 वार्षिक सम्मेलन, धनबाद, 6-8 दिसम्बर, मुख्य व्याख्यान-सार्जिकल रिएनिमिनेशन ऑफ दा पेरालाइजड फेसियल नर्वस, गुजरात एसोशिएशन ऑफ ओटोलैरीन्गोलॉजी ऑफ इण्डियन उदयपुर वार्षिक बैठक, 28 सितम्बर 2019।

डॉ. राकेश कुमार भारत में ई.एन.टी. सर्जिकल उपकरणों के मानकों को देखने हेतु बी.आई.एस.के.एम.एच.डी.-4 के अध्यक्ष रहे; मानद उपाध्यक्ष, ओटोराइनोलैरींगोलॉजिक रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ एम्स (ओ.आर.एस.ए); ओटोराइनोलैरींगोलॉजी विभाग एवं एच.एन.एस.आई.जी.आई.एम.एस., पटना में मानद परामर्शदाता; ओटोराइनोलैरींगोलॉजी विभाग एवं एच.एन.एस. एम्स, ऋषिकेश, में मानद अतिथि परामर्शदाता, सेंट मेरी अस्पताल सेलो दक्षिण कोरिया में कोक्लियर इंप्लांट श्रवण क्षमता सुधार परिणाम पर कार्यशाला में उपस्थिति; भारत में अन्य स्थानों में नयी सुविधाओं की शुरूआत-ए.एम.यू. अलीगढ़ में **कोक्लियर इंप्लाट कार्यक्रम;** तीन कार्यशालाओं / सम्मेलनों एवं सी.एम.ई. का आयोजन / नौवां सिर गर्दन विश्लेषण पाठ्यक्रम, सी.टी.ई.आर.एफ., एम्स, नई दिल्ली, 26-27 नवम्बर, 2019 एवं अग्रिम कोक्लियर इंप्लांटेशन में ई.एन.टी. शल्यचिकित्साकों के प्रशिक्षण हेतु दो प्रायोगिक कार्यशालाएं; आई.जी.एम.सी. में

ए.ओ.आई. के हिमाचल प्रदेश चेपटर में कोक्लियर इंप्लांट पर भाषण का आयोजन, 1 जून 2020, शिमला; एम.एस. (ई.एन.टी.) हेतु परीक्षक के रूप में हलद्वानी, गुवाहाटी, के जी.एम.यू., लखनऊ, दिल्ली विश्वविद्यालय आर.एम.एल. में आमंत्रित; एम्स, भुवनेश्वर एवं भोपाल में संकाय भर्ती हेतु स्थायी चयन समिति के पैनल में विदेशी विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; आमंत्रित अतिथि संकाय।

डॉ. कपिल सिक्का इण्डियन जनरल ऑफ ओटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और सहायक संपादक है; समीक्षक इंडियन जनरल ऑफ ओटोलॉजी, इण्डियन जनरल ऑफ ओटोलैरींगोलॉजी सिर एवं गर्दन सर्जरी, इण्डियन जनरल ऑफ पेडियाट्रिक्स, इण्डियन जनरल कैंसर; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरींगोलॉजी ऑफ इण्डिया, दिल्ली स्टेट ब्रांच; हॉनी ट्रेजरर, ओटोलैरिंगोलॉजिक रिसर्च सोसाइटी ऑफ एम्स (ओ.आर.एस.ए.), 2017; अयोजन सचिव, इंटरनेशनल हेड एवं नेक कैडेवरिक कार्यशाला; मेंटरिंग टीम, जे.एन.यू. अलीगढ़ एवं डी.एम.सी. लुधियाना में कोक्लियर इंप्लाट प्रोग्राम; मेडिकल बोर्ड के सदस्य, एम्स; सदस्य निर्देशिका अनुसंधान संपादकीय समूह, एम्स; 3 मार्च 2020 को विश्व श्रवण दिवस को जन जागरूकता शिविर एवं पैनल परिचर्चा आयोजित एवं दोनों प्रिंट एवं इलैक्ट्रोनिक मीडिया द्वारा कवर; कोक्लियर इंप्लाटं पर एडवांस सार्जिकल एवं इलैक्ट्रोड डिजाइन पर एम्स नई दिल्ली में, 2 दिनों की कार्यशाला “नवप्रवर्तन से श्रवण क्रिया सुधार” (इम्प्रूविंग हियरिंग प्राफ्रोमेंश विद इनोवेशन) का 12 एवं 13 फरवरी 2020 में आयोजन; 12वें राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय आमांत्रित; 8 एवं 9 कैडवेरिक हेड एवं नेक पाठ्यक्रम ए.सी.एस.एस.टी., ट्रामा सेंटर, एम्स में जुलाई तथा नवम्बर 2019 में आयोजित; अभिभावकों के लिए हेबलिटेशन एवं जागरूकता कार्यशाला 13 एवं 14 नवम्बर 2019 को एम्स एवं मण्डी हाउस सभागार में आयोजित की गई। अभिभावकों एवं उनके सवालों पर चर्चा; लोकसभा टी.वी. में “स्वस्थ भारत” पर कैंसर से बचाव एवं शीघ्र निदान पर विशेषज्ञ, पैनल परिचर्या; 8 नवम्बर 2019 लाइव प्रश्नों के उत्तर दिए; कोक्लियर इंप्लाटं के लिए सी.आई. 532 इलैक्ट्रोड हेतु संकाय प्रशिक्षक एवं उक्त के लिए 7 और 8 नवम्बर, 2019 को कार्यशाला आयोजित की; अतिरिक्त पुलमोनरी टी.बी. प्रशिक्षण माड्यूल के विकास एवं प्रशिक्षण विषय सूची की तैयारी हेतु संकाय; टी.एच.एन.एस. की 13वीं वार्षिक बैठक में उपस्थित रहने हेतु टी.एच.एन.एस. (ताईवान हेड एवं नेक सोसायटी) द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई, ताईचुंग शहर, 26-28 जुलाई 2019; बाह्य परीक्षक, टाटा मेमोरिय अस्पताल, मुम्बई में एम.सी.एच. परीक्षा; संशोधित विनियमों के अनुसार एकरूप मानदण्डों के आवेदन को सुनिश्चत करने के लिए अखिल भारतीय कोटा के अन्तर्गत अक्षमता प्रमाणपत्रों को जारी करने वाले संस्थानों के लिए 1 जून 2019 को एम्स में कार्यशाला का आयोजन किया., हियरिंग एण्ड स्पीच डिस्एबलिटि सत्र का नेतृत्व; मेन्टर, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में सी.आई. कार्यक्रम।

डॉ. चिरोम अमित सिंह ने दूसरे माइक्रोवर्नाकुलर एनास्टोमिस्सि कार्यशाला (लाइव रेट मॉडल) का संयोजन एवं आयोजन 27 से 30 जनवरी 2020 तक किया; एम्स समूह के सदस्यों में से एक जिसने धर्मशाला में 19 से 23 जनवरी 2019 को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया; समीक्षक बी.एम.जे. नवप्रवर्तन; ए.सी.एस.एस.टी. में 8वां एवं 9वां केडवेरिक हेड एवं नेक पाठ्यक्रम का सह-संयोजन एवं आयोजन, ट्रामा सेन्टर, एम्स में जुलाई एवं नवम्बर 2019 को हुआ; विश्व श्रवण दिवस पर जन जागरूकता शिविर एवं

पैनल चर्चा का आयोजन 3 मार्च 2020 को हुआ; इसको प्रिन्ट तथा इलैक्ट्रोनिक मीडीया ने व्यापक रूप से कवर किया था। संकाय प्रभारी, ई.एन.टी. विभाग स्टोर एवं संकाय प्रभारी स्नातकोत्तर परीक्षा; बाह्य परीक्षक, एस.पी.एम.सी. बीकानेर आर.यू.एच.एस.; अध्यक्ष, ओरोफेरिंगनिक्स उपचार, लैरिंगनेक्स एवं हाइपोफेरिंगनेक्स कैंसर: आई.जी.आर.ई.एच.एन.एस. की चौथी कांग्रेस सर्जिकल बनाम नोन सर्जिकल एवं रोबोटिक बनाम एन्डोस्कोफि 4-6 अक्टूबर 2019।

डॉ. राजीव कुमार को आई.ए.ओ.एच.एन.एस. के 6वें वार्षिक एवं 11वें सार्स ई.एन.टी. सम्मेलन में "जूनियर कन्सलटेन्ट अवॉर्ड पेपर" श्रेणी में दूसरा पुरस्कार 15 से 18 अगस्त तक, 2019 गुड़गांव, हरियाणा में प्रदान किया गया; भारत की मानद ट्रेजरर ऑफ एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा, 2019-2020; निम्नलिखित चिकित्सा पत्रिकाओं में समीक्षक: इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलैरिंगोलॉजी एवं हेड तथा नेक सॅर्जरी, जरनल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट, इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, वर्ल्ड जरनल ऑफ पेडिएट्रिक सॅर्जरी, बी.एम.जे. केस रिपोर्ट।

डॉ. प्रेम सागर इण्डियन सोसॉयटी ऑफ ओटोलॉजी के 28वें वार्षिक सम्मेलन (आई.एस.ओ.सी.ओ.एन. 2019) में 15-17 नवम्बर 2019, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल में टेम्प्रो बोन विच्छेदन प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता रहे; पी.जी. अवॉर्ड पेपर प्रस्तुति पर निर्णायक सत्र, इण्डियन सोसायटी ऑफ ओटोलाजी (आई.एस.ओ.सी.ओ.एन. 2019) सम्मेलन, 15-17 नवम्बर 2019 कलकत्ता, पश्चिम बंगाल; ए.बी.-पी.एम.जे.ए.वाई. के अन्तर्गत ई.एन.टी. हेतु स्वास्थ्य लाभ पैकेज की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ समूह के **सदस्य,** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ई.एन.टी. हेतु मानक उपचार वर्कफ्लोस (एस.टी.डब्ल्यू.) के विशेषज्ञ समूह के सदस्य। ई.एन.टी. चयन समिति देखने के बाद एवं ई.एन.टी. सर्जिकल उपकरणों के मानक तय करना, भारत मानक ब्यूरो द्वारा एम.एच.डी. 04; एसोसिएशन ऑफ ओटोलैरिंगोलाजिस्टिस के मानद संपादक, दिल्ली शाखा, 2019-2020; निम्नलिखित चिकित्सा पत्रिकाओं के समीक्षक: एनलस ऑफ ओटोलॉजी, रिहिनोलॉजी एवं लैरिंगोलॉजी, एस.ए.जी.ई. जनरलस; इण्डियन पेडिएट्रिक, आफिसियल जनरल ऑफ इण्डियन एकेडमी ऑफ पेडिएट्रिकस, स्प्रिंगर नेचर। इन्टरनेशनल अचिवर्स ऑफ ओटोरिंगोलैरिंगोलॉजी, थीमी पब्लिकेशन, डेवल्पमेंट मेडिसिन एण्ड चाइल्ड न्यूरोलॉजी, अ मेक केथी प्रेस पब्लिकेशन एवं आफिसियल जनरल ऑफ अमेरिकन एकेडमी ऑफ सेरिब्रल पाल्सी एण्ड डेवलपमेंट मेडिसिन (ए.ए.सी.पी.डी.एम.) एवं ब्रिटिश पेडिएट्रिक न्यूरोलॉजी एसोशिएशन (बी.पी.एन.ए.), अन्तर्राष्ट्रीय चिकित्सा अनुसंधान के जनरल, एस.ए.जी.ई. जनरलस; बी.ए.जे. इनोवेशन, बी.एम.जे. जनरलस।

डॉ. शुचिता सिंह पचौरी विदेशी अतिथि संकाय द्वारा एन्डोस्कोपी इयर सॅर्जरी पर एक वार्ता डॉ. प्रेयर द्वारा एम्स, नई दिल्ली में 9 दिसम्बर 2019 को आयोजित की गई।

डॉ. हितेश वर्मा ने एलर्जी एवं ईयर रोगों में भाग लिया "हेलो डॉक्टर प्रोग्राम" सहारा न्यूज 24 नवम्बर 2019; स्वास्थ्य शिविर। डॉ. शिव कुमारी दुबे शिक्षण संस्थान, प्रतापगढ़ में 7 दिसम्बर 2019; कोरोना वायरस पर वार्ता। इण्डिया टी.वी., 13 मार्च 2020; एम.बी.बी.एस. अनुपूरक परीक्षा। 12 मार्च 2020, एच.आई.एम.एस.ए.।

9.27. बाल रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अशोक के. देवरारी (नवजात चिकित्सा विज्ञान)

आचार्य

विनोद के. पाल (नीति आयोग में प्रतिनियुक्ति पर) (नवजात चिकित्सा विज्ञान)

अरविंद बग्गा (वृक्क विज्ञान)

सुशील के काबरा (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक)

मधुलिका काबरा (आनुवंशिकी)

पंकज हरी (वृक्कविज्ञान)

शेफाली गुलाटी (तंत्रिका विज्ञान)

राकेश लोढा (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक)

रचना सेठ (अर्बुद विज्ञान)

वंदना जैन (अंतःस्राविकी)

रमेश के. अग्रवाल (नवजात चिकित्साविज्ञान)

सह-आचार्य

नीरजा गुप्ता (आनुवंशिकी)

एम.जीवा शंकर (नवजात चिकित्सा विज्ञान)

अदिति सिन्हा (वृक्कविज्ञान)

बिस्वरूप चक्रवर्ती (तंत्रिका विज्ञान)

काना राम जाट (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक)

झुमा शंकर

रजनी शर्मा (अंतःस्राविकी)

अनु सचदेवा (नवजात चिकित्सा विज्ञान)

प्रशांत कुमार जौहरी (तंत्रिका विज्ञान)

रोहन मलिक (जठरांत्र विज्ञान)

जगदीश प्रसाद मीणा (अर्बुद विज्ञान)

नरेंद्र कुमार बागड़ी (रूमेटोलॉजी)

सहायक आचार्य

आदित्य कुमार गुप्ता (अर्बुद विज्ञान)

अंकित वर्मा (नवजात चिकित्सा विज्ञान)

वैज्ञानिक

मधुमिता राय चौधरी

अमिता

रश्मि शुक्ला (संविदा)

काजल जैन

अन्य स्टाफ

अनुजा अग्रवाला (आहार विशेषज्ञ)

सुमिता गुप्ता (वरिष्ठ भौतिक चिकित्सा विज्ञान)

पल्लवी मिश्रा (जैवरसायनज्ञ)

साधना अरोड़ा (तकनीकी अधिकारी)

धनेश्वर यादव

नीना मेहता (चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)

विशिष्टताएं

विभाग को छह डीएम कोर्स संचालित करने में विशेषज्ञता प्राप्त है, डबल्यूएचओ के सहयोग से दो केंद्र (नवजात शिशु देखभाल में एक नवजात प्रशिक्षण एवं अनुसंधान और दूसरा चिकित्सा एवं प्रयोगशाला आनुवंशिकी विज्ञान में प्रशिक्षण पर) और दो आईसीएमआर उन्नत उत्कृष्टता केंद्र (नेफ्रोलोजी एवं प्लमोनोलोजी) और बाल तंत्रिकाविकास संबंधी बीमारियों के लिए उन्नत अनुसंधान केंद्र। वर्तमान में **46** डीएम छात्र और **38** एमडी छात्र शैक्षणिक कार्यक्रमों में और अन्य **34** छात्र गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजीडेंट पदों पर पंजीकृत हैं।

नवजात शिशु विज्ञान विभाग ने हिस्सेदारों (नीति आयोग, भारत सरकार, यूनिसेफ, पीएटीएच, यूएसएआईडी, आईएपी, एनएनएफ इंडिया) और निदेशक बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में राज्य लीडरों के लिए डबल्यूएचओ इंडिया कंट्री ऑफिस सहायता के साथ मिलकर 'राष्ट्रीय नवजात स्वास्थ्य के लिए समर्थन बैठक' का आयोजन किया।

विभागीय संकाय के नेतृत्व में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने विभाग हेतु विभिन्न प्रतिष्ठाएं प्राप्त की।

पुरस्कार

- डॉ. उमंग भारद्वाज और डॉ. सत्य प्रकाश एमडी रेजिडेंट्स 12-15 दिसंबर 2019 के बीच हैदराबाद में नियोकॉन में आयोजित एन.एन.एफ. नेशनल क्विज में विजयी हुए
- इंदौर में **9-12** जनवरी **2020** तक आयोजित किए गये 57 वे आईएपी पेडिकॉन में डॉ. एस. मदाथिल, डीएम ने अपने अध्ययन के लिए डॉ. एसएस मनचंदा नियोनटोलॉजी रिसर्च अवार्ड जीता, जिसका शीर्षक था, प्रिटर्म शिशुओं में रेटिनोपैथी (आरओपी) के लिए लेजर उपचार के दौरान एनाल्जेसिया के लिए अंतःशिरा फेंटेनल और अंतःशिरा केटामिन की तुलना- एक यादृच्छिक परीक्षण;
- डॉ. सागर टी, एमडी ने **27-29** सितंबर **2019** तक बैंगलोर में आयोजित आईएपी नियोकोन में अपने अध्ययन के लिए डॉ.मेहरबान सिंह गोल्ड मेडल पुरस्कार जीता, जिसका शीर्षक है, "स्थिर पूर्व नवजातों में पिता और माताओं द्वारा कंगारू देखभाल के दौरान शारीरिक प्रतिक्रियाओं की तुलना: आईएपी में एक गैर-हीनता क्रोस ओवर अध्ययन"।

विभिन्न विभागों के लगभग 10 अनुसंधान पेपर्स को विभिन्न विशेष सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ पत्र के रूप में आंका गया

शिक्षा

विभाग नवजात शिशुविज्ञान, नेफ्रोलॉजी, तंत्रिका विज्ञान, आनुवंशिक विज्ञान, अर्बुद विज्ञान और पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल में छह डीएम पाठ्यक्रम चला रहा है.पांच छात्रों के साथ उन्नत पीएचडी कार्यक्रम जारी है।

एमडी कार्यक्रम: कुल 37 छात्रों को शामिल करने वाला एक एमडी कार्यक्रम जारी है। नियमित शिक्षण सत्र और चल रहे आंतरिक मूल्यांकन की एक प्रणाली अस्तित्व में है। संकाय द्वारा एक महीने में नया फ्लिप क्लास शिक्षण पेश किया गया है। हमने विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए वेंटिलेशन कार्यशाला

के लिए नवजात पुनर्जीवन और पीयरिक्स उन्नत जीवन समर्थन कार्यक्रम सहित कई प्रशिक्षण कार्यशालाएं कीं।

डीएम कार्यक्रम: सभी विभागों में सप्ताह में 3-4 बार नियमित रूप से संरचित शिक्षण गतिविधियां होती हैं। एकीकृत सेमिनार और केस चर्चा के रूप में अंतःविषय और अंतर्विभागीय शिक्षण को सभी विषयों में प्रोत्साहित किया जाता है। नियमित छोटी कार्यशालाएं और रेजीडेंटों और संकायों से जुड़े इंटरैक्टिव मामले पर चर्चा होती है। पल्मोनोलॉजी डिवीजन अन्य उदाहरणों से जुड़ने के लिए टेलीमेडिसिन का उपयोग करता है। नवजात शिशुविज्ञान डिवीज़न ने कंगारू मदर केयर, टोटल पैरेंटेरियन न्यूट्रीशन, समझ उपकरणों जैसे सामान्य विषयों पर साप्ताहिक कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें चिकित्सकों और नर्सों को प्रत्यक्ष अनुभव शामिल हैं।डिवीजन ने पिछले साल इस तरह की 24 कार्यशालाएँ आयोजित कीं।

एमबीबीएस शिक्षण: विभागीय संकाय एमबीबीएस छात्रों के बेडसाइड शिक्षण में शामिल होते हैं अपनी पोस्टिंग के दौरान बाल रोग (ओपीडी और वार्ड) में व्याख्यान, संरचित ट्यूटोरियल और एकीकृत सेमिनार में भाग लेते हैं। बाल रोग विभाग ने एसईटी के लिए स्नातक चिकित्सा छात्रों के लिए कौशल मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया है। नवजात शिशु विज्ञान ने छठे सेमेस्टर के लिए नवजात पुनर्जीवन पर दीवार चार्ट, सिमुलेटर, टैबलेट, केस स्टडी और कार्यशाला का उपयोग करते हुए बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिए मानक उपचार प्रोटोकॉल पर यूजी छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

अंतःस्राविकी

- टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों के लिए नियमित रूप से शिक्षा और रोगी बातचीत कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों के लिए नई संसाधन सामग्री विकसित की गई है। इनमें कार्बोहाइड्रेट की गिनती और स्वस्थ आहारों पर पुस्तिकाएं शामिल हैं।
- टाइप 1 मधुमेह के लिए एक समर्पित इंटरैक्टिव द्विभाषी वेबसाइट विकसित की गई है। इसे इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक एंड अडोलेसेंट एंडोक्रिनोलॉजी के माध्यम से व्यापक रूप से उपलब्ध कराया गया है
- मोटापे से ग्रसित लोगों और उनके परिवारों के बच्चों के लिए नियमित रूप से इंटरएक्टिव समूह सत्र आयोजित किए जाते हैं। एक आहार विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और योग प्रशिक्षक (सभी अनुसंधान परियोजनाओं में कार्यरत) बहु-विषयक टीम का हिस्सा हैं।

जठरांत्ररोग विज्ञान

- भारत-यूएस विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसटीएफ) संकाय विनिमय कार्यक्रम के भाग के रूप में सीलिएक रोग में उत्कृष्टता के लिए बोस्टन चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल एंड हार्वर्ड सेंटर की लघु यात्रा (14-26 सितंबर 2019)
- मलागा स्पेन में बाल चिकित्सा आईबीडी में अल्प अवधि प्रशिक्षण (24-30 नवंबर 2019)
- 15 फरवरी 2020 को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के साथ एम्स नई दिल्ली में सीलिएक दिवस और सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

- नए उपकरणों का उन्नयन और अनुमोदन: कैप्सूल एंडोस्कोपी, एंटरोस्कोपी, पीएच प्रतिबाधा तंत्र
- टीम और उसके प्रशिक्षण में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी स्पेशलिटी नर्स को जोड़ा गया

नवजात शिशु विज्ञान

- डॉ. अशोक देवरारी को वर्ष **2020** के लिए भारत के राष्ट्रीय नवजात विज्ञान फोरम के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है, जो एक संगठन है जिसमें लगभग 8500 सदस्य हैं
- नवजात शिशु देखभाल में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए नियोनेटोलॉजी डिवीजन को एक डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र (2019-23) फिर से नामित किया गया है
- यूनिसेफ, यूएनएफपीए, यूएसएआईडी और डब्ल्यूएचओ द्वारा समर्थित नवजात शिशु स्वास्थ्य के लिए हमारा डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र अपने ऑनलाइन संसाधनों, फेस-टू-फेस वर्कशॉप और प्वाइंट ऑफ केयर कंटीन्यूअस क्वालिटी इंप्रूवमेंट (पीओसीक्यूआई) मॉड्यूल के माध्यम से संगठनों को क्यूआई का प्रसार करता है। गुणवत्ता में सुधार पर एक समर्पित वेबसाइट (**http://aiimsqi-org/**) क्यूआई को पढ़ाने और सीखने के लिए मुफ्त संसाधन प्रदान करती है, और टीमों के क्षमता निर्माण और क्यूएफ के काम को साझा करने के लिए एक मंच के रूप में दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रीय संगठन के देशों ने अपने क्षेत्रों में क्यूआई कार्य शुरू किया है। डिवीजन ने भारत में मातृ और नवजात स्वास्थ्य के लिए अस्पताल की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई कार्यशालाओं की सुविधा प्रदान की है।
- नवजात शिशु चिकित्सा विज्ञान विभाग ने देश के चार राज्यों में विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) में इलाज की जा रही समय से पूर्व पैदा होने वाले नवजात शिशुओं की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए पीजीआई, चंडीगढ़ और जीएमसीएच, चंडीगढ़ और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के साथ भागीदारी की है। इस गतिविधि का प्रमुख उद्देश्य साक्ष्य आधारित प्रथाओं को लागू करके अपरिपक्व नवजात शिशुओं में समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों (आरओपी) की रेटिनोपैथी की घटनाओं को कम करना था।
- नवजात शिशु चिकित्सा विज्ञान विभाग नवजात स्वास्थ्य पर साक्ष्य आधारित प्रथाओं का प्रसार करने के लिए ई-लर्निंग का उपयोग कर रहा है। वर्तमान में, तीन ई-लर्निंग पाठ्यक्रम पेश किए जा रहे हैं (**www.ontop-in.org**) बीमार नवजात शिशु देखभाल, नवजात शिशु नर्सिंग और सीपीएपी। हमने लगभग **18** बीमार नवजात और आठ आवश्यक नवजात देखभाल पाठ्यक्रम पूरे किए हैं।
- समय से पूर्व पैदा होने वाले बच्चों की देखभाल पैकेज (एंड्रोचड मोबाइल पर WHO AIIMS PT एवं iOS पर समय से पूर्व नवजात देखभाल preterm care डाउनलोड करें) पर मोबाइल फोन पर एक ऐप विकसित किया गया है, जो समय से पूर्व पैदा होने वाले शिशुओं के साक्ष्य-आधारित उपचार में ऑनलाइन उपलब्ध है और **3000** स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायियों द्वारा पूर्ण किया गया है **www.pretermcare-elimintaingrop.org।**
- 21 नवम्बर 2019 को डबल्यूएचओ इंडिया कंटरी ओफिस के साथ भागीदारों (नीति आयोग, जीओआई, यूनिसेफ, पीएटीएच, यूएसएआईडी, आईएपी, एनएनएफ इंडिया) और राज्य लीडरों लिए

'राष्ट्रीय नवजात शिशु स्वास्थ्य के लिए समर्थन बैठक'निदेशक बोर्ड रुम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की।

वृक्कविज्ञान

- प्रोफेसर अरविंद बग्गा को वेनिस, इटली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के त्रिवार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित आईपीएनए शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अदिति सिन्हा स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम के उपचार पर आईपीएनए दिशानिर्देशों के लिए कोर समूह की सदस्य थीं

तंत्रिका-विज्ञान

बाल रोग विभाग ने 4 नवंबर को डॉ. ओपी घई मेमोरियल ऑरेशन का आयोजन किया, जो 27 नवंबर, 2019 को एम्स, नई दिल्ली में "बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी: वर्तमान और भविष्य" पर प्रो वीना कालरा द्वारा दिया गया था।

अर्बुद विज्ञान

- बाल कैंसर कार्यक्रमों के लिए रोगी शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया
- बाल कैंसर पर सार्वजनिक व्याख्यान और प्रदर्शनी का आयोजन किया
- एक बाल कैंसर रोगी वाले परिवारों को सरकारी और गैर सरकारी संगठन से वित्तीय सहायता की सुविधा
- भारतीय कैंसर सोसायटी द्वारा पहल के हिस्से के रूप में कैंसर फंडामेंटल्स पर ई-लर्निंग पर मॉड्यूल तैयार किए गए

रूमेटोलॉजी

- 27 जनवरी 2019 को दूरदर्शन पर प्रसारित जन जागरूकता कार्यक्रम 'सम्पूर्ण स्वास्थ्य, में "बच्चों में ऑटोइम्यून बीमारियां" विषय पर रोगी जागरूकता की चर्चा

आनुवंशिकी

1. नर्सों के लिए स्नातक शिक्षण अध्यापन: आम आनुवंशिक और बाल चिकित्सा समस्याओं पर 20 व्याख्यान
2. स्नातकोत्तर शिक्षण (बाल रोग): सप्ताह में 5-6 दिन
3. जैव प्रौद्योगिकी पीजी शिक्षण में भी शामिल
4. पीएचडी (जेनेटिक्स) शिक्षण - प्रति सप्ताह 2 कक्षाएं

अल्प अवधि प्रशिक्षण रिकॉर्ड -2019-2020

1. डॉ. अंकुर सिंह, 1-30 अप्रैल 2019,1 माह, आणविक, साइटोजेनेटिक्स, जैव रासायनिक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
2. डॉ सिवा एस, 30 सितंबर 2019 से 31 मार्च 2020, 6 महीने, आणविक, साइटोजेनेटिक्स, उम्मीद पहल के तहत जैव रासायनिक डीबीटी

3. डॉ. अंबरीश, 14 अक्टूबर 2019 से 15 अप्रैल 2020, 6 महीने, साइटोजेनेटिक्स, उम्मीद पहल के तहत डीबीटी
4. डॉ एकता, 16 अक्टूबर 2019 से 15 अप्रैल 2020, 6 महीने, आणविक, साइटोजेनेटिक्स, जैव रासायनिक, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
5. नीतू कटारिया, 15 फरवरी 2019 से 30 अप्रैल 2019, 2माह, आणविक लैब, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, ऋषिकेश, उत्तराखंड
6. सुश्री सुरभि, 01 जून 2019 से 30 जुलाई 2019, 2माह, बायोकेमिकल लैब, आणविक लैब, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, हरियाणा
7. सुश्री सोनिया जांगड़ा, 01 जून 19 से 31 जुलाई 19, 2 महीने, बायोकेमिकल लैब, आणविक लैब, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, हरियाणा
8. लेफ्टिनेंट कर्नल शिवानी संगवान, 17 जून 2019 से 16 जून 21, (लंबी अवधि का प्रशिक्षण), 2 साल (24 महीने), साइटोजेनेटिक लैब, डीजीएएफएमएस / डीजी -1 डी कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली

फैलोशिप / रोटेशन इंट्रा और इंटर विभागीय

1. डॉ. राहुल सिन्हा, डीएम (बाल रोग न्यूरोलॉजी) बाल चिकित्सा विभाग में छात्र, 1-30 मार्च 2020, एक महीना, द्वारा: प्रोफेसर शेफाली गुलाटी, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. डॉ. गुरलीन ओबेरॉय (डीएम हेमटोपैथोलॉजी विभाग), 1-10 जुलाई 2019, 10 दिन, सभी 3 लैब, एचओडी, हेमेटोलॉजी विभाग
3. डॉ. उपिंदर सिंह जे.आर. (शैक्षणिक) प्रयोगशाला चिकित्सा, 1-30 नवंबर 2019, एक महीना, सभी 3 लैब, एचओडी,प्रयोगशाला विभाग।
4. डॉ. वदंया श्रीवास्तव, डॉ. रामेश्वर तिवारी,डॉ. संकेत कटपारा एमडी छात्र, 14-24 सितंबर 2019, 10 दिन, सभी 3 लैब, पीजी शिक्षण-प्रभारी, जैव रसायन विज्ञान विभाग।
5. डॉ. आयुष्मान डोभाल, डॉ. निखिल चंद्रन, डॉ. सुमन साहा, डॉ. आस्था सचान, एमडी छात्र, 31 अक्टूबर 2019 से 11 नवंबर 2019, 10 दिन, सभी 3 लैब, पीजी टीचिंग-प्रभारी, जैव रसायन विज्ञान विभाग।
6. डॉ. दानिश अली, जे. आर. (शैक्षणिक), लैब मेडिसिन, 1-31 मई 2019, 1 महीना, सभी 3 लैब,डॉ. एम इर्शाद, एचओडी, लैब मेडिसिन
7. डॉ. प्रियंका गोस्वामी, जे. आर. (शैक्षणिक),लैब मेडिसिन, 1-31 मई 2019, 1 महीना, सभी 3 लैब, डॉ. एम इरशाद, एचओडी, लैब मेडिसिन
8. डॉ. श्रीमन्तीनी रात्रे, जे.आर. (शैक्षणिक) लैब, मेडिसिन, 1-30 अप्रैल 2019, 1 महीने, सभी 3 लैब, डॉ. एम. इरशाद, एचओडी, लैब मेडिसिन
9. डॉ. अभिरूप सरकार, जे.आर. (शैक्षणिक) लैब मेडिसिन, 1-30 अप्रैल 2019, 1 महीना, सभी 3 लैब, डॉ. एम. इरशाद, एचओडी, लैब मेडिसिन

नवजात शिशु विज्ञान

एमडी कार्यक्रम

1. विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम पर दो प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया
2. विभाग ने आम विषयों पर साप्ताहिक कार्यशालाओं का आयोजन किया जैसे कि कंगारू मदर केयर, टोटल पैरेंटरल न्यूट्रिशन, समझ उपकरण, निवासियों और नर्सों का प्रशिक्षण। अंतिम वर्ष में ऐसी 12 कार्यशालाएं आयोजित की गयी।
3. इन कार्यशालाओं में भाग लेने वालों में प्रभाग में स्नातकोत्तर रेजीडेंट और नर्स शामिल थे।

डीएम कार्यक्रम

1. डिवीजन ने बेडसाइड इकोकार्डियोग्राफी, पैरेंट्रल न्यूट्रीशन, श्वसन विकारों में वेंटिलेटर सेटिंग्स और नवजात उपकरण पर साप्ताहिक कार्यशालाओं का आयोजन किया। डिवीजन फैकल्टी की मेंटरशिप के तहत एक सीनियर डीएम रेजीडेंट (फाइनल ईयर) अन्य डीएम रेजिडेंट्स और सीनियर एमडी रेजिडेंट्स को ट्रेनिंग देता है।
2. विभाग ने शिक्षण कार्यक्रम में अन्य विषयों को शामिल करते हुए पांच एकीकृत सेमिनार और केस चर्चा का आयोजन किया।

एमबीबीएस शिक्षण

1. बाल चिकित्सा विभाग ने एसईटी सुविधा के लिए अंडरग्रेजुएट मेडिकल छात्रों के लिए कौशल मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया है। नवजात शिशु विज्ञान विभाग ने दीवार चार्ट, सिमुलेटर, टैबलेट और केस स्टडी का उपयोग करते हुए बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिए मानक उपचार प्रोटोकॉल पर सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। और छठे सेमेस्टर के छात्रों के लिए छोटे समूहों में एक नियमित नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम कार्यशाला।
2. यूजी छात्रों को प्रभाग द्वारा विकसित ई सामग्री का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो **www.newbornwhocc.org** या मोबाइल एप पर उपलब्ध है

वृक्कविज्ञान

डीएम कार्यक्रम में वर्तमान में 5 रेजीडेंट चिकित्सक हैं। दो चिकित्सकों ने 2019 में पाठ्यक्रम पूरा किया।

बाल वृक्कविज्ञान में दीर्घ एवं अल्प अवधि के प्रशिक्षण

- अबूजा, नाइजीरिया के डॉ. अजीते अदबुकोला ने जून-अगस्त 2019 के दौरान 3 महीने तक प्रशिक्षण लिया
- लेफ्टिनेंट कर्नल ज़ॉ मिन हटवे, डिफेंस सर्विसेज मेडिकल एकेडमी, यांगून, म्यांमार में व्याख्याता और सलाहकार, बाल रोग विशेषज्ञ, ने अप्रैल 2019 में 6 महीने का प्रशिक्षण पूरा किया
- दो छात्रों ने अपने दो साल के फेलोशिप प्रशिक्षण को जारी रखा; लेफ्टिनेंट कर्नल अदिति शर्मा, भारतीय सेना के विशेषज्ञ बाल रोग विशेषज्ञ (अगस्त 2018 के बाद से प्रशिक्षण) और डॉ. जसिंथा साबनदेसन, ब्रीच कैंडी, श्रीलंका से प्रशिक्षु (मार्च 2019 से प्रशिक्षण)।

इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन (जेपीएनए) एशियन पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन (एएसपीएनए) जूनियर मास्टर क्लास (साइकिल 2, वर्ष 1): यह त्रैमासिक कार्यक्रम 6-7 अप्रैल 2019 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। फैकल्टी में बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी में ~25 राष्ट्रव्यापी विशेषज्ञ शामिल थे और चार प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं, अर्थात् प्रोफेसर पियरे कोचट (लिवन, फ्रांस), हुई किम याप (सिंगापुर), ऐलेना लेवचेंको (ल्यूवेन, बेल्जियम) और अमिता शर्मा, (बोस्टन, यूएसए)। भारत भर के बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी में लगभग 110 प्रतिनिधियों, मुख्य रूप से स्नातकोत्तर रेजीडेंटों और प्रशिक्षुओं ने इस बैठक में भाग लिया।

नर्सों का विशेष प्रशिक्षण: कलावती सरन चिल्ड्रन अस्पताल के दो तकनीशियनों और दो नर्सिंग अधिकारियों ने मार्च 2020 में दो सप्ताह के लिए बाल हीमोडायलेसिस एकक का निरीक्षण किया

तंत्रिका विज्ञान

1. ***डीएम बाल रोग तंत्रिका विज्ञान में चल रहे कार्यक्रम*** (दिसंबर 2019 तक 11 छात्र; अब 10 छात्र)
2. नर्सों के लिए शिक्षण सहित ***अंडरग्रेजुएट टीचिंग*** (प्रोफेसर शेफाली गुलाटी प्रेसेप्टर हैं): सभी तीन संकाय सदस्यों को 4 वें, 6 वें और 8 वें सेमेस्टर अंडरग्रेजुएट शिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल किया गया था।
3. ***स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम***: स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम में सभी 3 संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शामिल थे।
4. ***अल्प अवधि प्रशिक्षु***
   डॉ. एमडी अबू सईद (बांग्लादेश) 18 फरवरी 2019 से 14 अप्रैल 2019 तक
5. ***छात्रों और चिकित्सकों के अंतर-संस्थान रोटेशन:*** एमडी (पीएमआर) चिकित्सक, डीएम (वयस्क तंत्रिका विज्ञान) 15, एमएससी नर्सिंग 6, फेलो बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान 1
6. ***अभिनव शैक्षिक गतिविधियाँ:***
   बाल तंत्रिका विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर ई लर्निंग मॉड्यूल
   मोबाइल ऐप आधारित डायग्नोस्टिक टूल विकसित किया गया: ऑटिज्म, मिर्गी, अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर और न्यूरो मोटर इंफेक्शन।
   ऑटिज़्म संवेदी एकीकरण हस्तक्षेप पैम्फ़लेट (अंग्रेजी और हिंदी)

पल्मोनोलॉजी, गहन देखभाल, तपेदिक

1. डीएम (बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल) चल रहे दो बैचों को पूरा किया। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के साथ 3 टेलीकांफ्रेंसिंग के साथ सप्ताह में दो दिन शिक्षण कार्यक्रम। अन्य चिकित्सा संस्थान (एम्स, जोधपुर, एम्स भुवनेश्वर) भी इसमें शामिल होते हैं।
2. विभाग एमडी (बाल रोग) में छात्रों को परामर्श दे रहा है; एमएससी (नर्सिंग); बीएससी नर्सिंग; एमबीबीएस; पीएचडी कार्यक्रम

रूमेटोलॉजी

1. 10 नवंबर 2019 को आयोजित "क्लिनिकल इम्यूनोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन्स: ए प्राइमर्स फॉर रेजिडेंट्स" पर कार्यशाला आयोजित करने वाले संकाय
2. एसईटी सुविधा में स्नातक और "पल्स ऑक्सीमेट्री" मॉड्यूल तैयार करने के लिए शिक्षण मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने में शामिल।

सीएमई/ कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अंतःस्राविकी

- एम्स कार्यशाला और मंथन, सेक्स विकास की सीमाओं पर बैठक, 2 नवंबर, 2012 को एम्स, नई दिल्ली में

आनुवंशिकी

1. जन्म दोष, काउंट से लेकर देखभाल तक, 20 अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. टर्नर सिंड्रोम पर शैक्षिक कार्यक्रम, कोलोराडो विश्वविद्यालय, सर गंगा राम अस्पताल और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 19 जनवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली।
3. रोगी और माता-पिता के लिए ट्यूबरस स्केलेरोसिस सीएमई और संगोष्ठी, शिक्षा सहयोग ट्यूबरस स्क्लेरोसिस इंडिया एलायंस, 11-12 फरवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली
4. जीन से जीनोम तक- अवधारणाओं का कायाकल्प !! 25 जनवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली

नवजात शिशु विज्ञान

1. पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन इंडिया, 11-13 जनवरी 2019, 17-19 मई 2019, द्वारा समर्थित 'प्वाइंट ऑफ़ केयर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट' दृष्टिकोण (कुल: 5) का उपयोग करके 'समय से पूर्व पैदा होने वाले शिशु की देखभाल' में सुधार के लिए सिमुलेशन-आधारित शिक्षा। 11-13 सितंबर 2019, 11-13 नवंबर 2019, 27-29 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. कॉमन वेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव द्वारा समर्थित स्तनपान कार्यशाला (व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र (सीएलएमसी) टीम, 7 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली
3. पीओसीक्यूआई (देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के बिंदु) (बाल रोग विशेषज्ञों और आईएपी कार्य समिति के लिए), 3 और 4 नवंबर 2019, नई दिल्ली
4. पीओसीक्यूआई (देखभाल गुणवत्ता में सुधार के बिंदु), (बाल रोग विशेषज्ञों और आईएपीकार्य समिति के लिए), 20 और 21 दिसंबर 2019, नई दिल्ली
5. नई पद्धति में शामिल होने वाले चिकित्सकों के लिए गुणवत्ता सुधार संवेदीकरण कार्यशाला, रिसर्च मेथोडोलॉजी फाउंडेशन कोर्स, 4 मार्च 2020, नई दिल्ली

तंत्रिकाविज्ञान

1. एसईई सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली में 13-14 अप्रैल 2019 को उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र में ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के उपचार में संवेदी तौर तरीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. योग्यता विकास और समावेशन (एएडीआई) उद्घाटन के लिए वैकल्पिक और ऑगमेंटेटिव संचार में कार्यरत पेशेवरों का प्रशिक्षण, 14 फरवरी 2020 को, 7 सप्ताहांत के लिए उद्घाटन

अर्बुदविज्ञान

1. सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा, बाल कैंसर जागरूकता, 17 फरवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली।
2. मरीजों के लिए शिक्षा कार्यक्रम, बाल कैंसर, 09 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली।
3. सी2एस बैठक, चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप और बाद के प्रभाव, 03 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली।
4. सीसीआर इसिनोफिलिया एक्सोटिका! एलर्जी और संक्रमण से परे सोचें, 15 अक्टूबर 2019, एम्स, नई दिल्ली।
5. रोगी शिक्षा कार्यक्रम, बाल कैंसर, 13 मई 19, एम्स, नई दिल्ली।
6. एनआईपीओएफ की 15 वीं बैठक (उत्तर भारत बाल चिकित्सा मंच), 20 जुलाई 2019, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली।
7. एनआईपीओएफ की ओर से वार्षिक कर्क रोग फोरम, 08 दिसंबर 2019, नई दिल्ली

पल्मोनोलॉजी, गहन देखभाल, तपेदिक

1. एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल: मॉड्यूल 8: पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन कोर्स, 20-21 जुलाई 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल: पल्मोनोलॉजी में इमेजिंग पर पाठ्यक्रम मॉड्यूल 9, 21-22 फरवरी 2020, एम्स नई दिल्ली
3. आईजेपी वार्षिक समारोह और 12 वें डॉ. केसी चौधरी ओरेशन, अनुसंधान पुरस्कार में 7 वें डॉ.आईसी वर्मा उत्कृष्टता पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ मूल शोध पुरस्कार और प्रतिस्पर्धी नैदानिक दौर, एम्स, बोर्ड रूम 29 सितंबर 2019

प्रदत्त व्याख्यान

वंदना जैन: 7	**रजनी शर्मा: 9**	**रोहन मलिक: 5**
मधुलिका काबरा: 6	**नीरजा गुप्ता: 9**	**मधुमिता राय चौधरी: 2**
अशोक के देवरारी: 24	**एम जीवन शंकर: 23**	**अनु सचदेवा: 14**
अरविंद बग्गा: 22	**पंकज हरि: 10**	**अदिति सिन्हा: 17**
शेफाली गुलाटी: 53	**बिस्वरुप चक्रवर्ती: 14**	**प्रशांत जौहरी: 9**
रचना सेठ: 10	**जगदीश पी मीणा: 4**	**आदित्य कुमार गुप्ता: 6**

एस के कबरा: 55 **राकेश लोढ़ा: 2** **काना राम जाट: 14**
झूमा शंकर: 10 **नरेंद्र कुमार बागड़ी: 5**

मौखिक पत्र/ पोस्टर प्रस्तुती: 95 (गोल्ड मेडल पेपर के लिए रैंक 2; 2019 अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पुरस्कार; डॉ. एस. एस. मनचंदा नियोनेटोलॉजी रिसर्च अवार्ड; सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार; सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए डॉ. मेहरबान सिंह स्वर्ण पदक; मौखिक पत्र में दूसरा पुरस्कार, वैज्ञानिक सत्र में सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार; सर्वश्रेष्ठ पत्र पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. "कैंसर से बचाव (सी टू सी)"कैंसर सर्वाइवरशिप" का अध्ययन, रचना सेठ, जेआईवी दयाफाउंडेशन, 8 साल, 2011-2021, रु 120 लाख
2. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया(आईसीआईसीएलई), वालेनव-निदान रोगियों के लिए एक सहयोगी, बहुसांस्कृतिक, राष्ट्रीय अध्ययन,रचना सेठ, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड और आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, रु. 30 लाख
3. एक चरण 3, रैंडमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित प्रभावकारिता और अतुल्यन के सुरक्षा अध्ययन के साथ रोगियों में म्यूटेशन ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और ओपन लेबल एक्सटेंशन, शेफाली गुलाटी, पीटीसी थेराप्यूटिक्स, यूएसए, 2 साल, 2019-2020, रु50 लाख
4. श्वसन संबंधी लक्षण के रोगियों में सारीजोटन की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित छह महीने का अध्ययन,शेफाली गुलाटी, न्यूरॉन फार्मास्यूटिकल्स, इटली, 2 वर्ष, 2017-2020, 42 लाख रु
5. बाल टीबी निदान के लिए एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ अल्टरा के साथ संयुक्त स्टूल प्रोविज़निंग किट के प्रदर्शन के मूल्यांकन का अध्ययन,राकेश लोढ़ा, फाइंड इंडिया,15 महीने, 2019-2020, रु 42.82 लाख
6. बच्चों में एंटी-सप्लीमेंट फैक्टर एच (एफएच) से जुड़े हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम (एचयुएस): इम्यूनोलॉजिकल और जेनेटिक आधार, और ऑटोएंटीबॉडीज के कार्यात्मक लक्षण वर्णन, अदिति सिन्हा, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 68.21 लाख
7. ऑटो एन्टिबॉडी से जुड़े वैकल्पिक पूरक रास्ते में शिथिलता, नेफ्रोटिक सिंड्रोम में माध्यमिक झिल्ली से झिल्लीदार ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस, पंकज हरि, डीबीटी, 3 साल, 2017-2019
8. गंभीर रूप से बीमार बच्चों, में तीव्र जठरांत्र संबंधी चोट के बायोमार्कर, राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, 55.84 लाख,
9. क्लिनिकल फेनोटाइप्स, के साथ जुड़े स्पष्ट रूप से संतुलित गुणसूत्र पुनर्व्यवस्थित का ब्रेकप्वाइंट मैपिंग, रश्मि शुक्ला, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख

10. भारत में जिला अस्पताल की सेटिंग में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी नवजात सेप्सिस का बोझ, एम जीवा शंकर, बीएमजीएफ, यूएस, 2½, वर्ष, 2019-2021, 12,43,286 यूएसडी
11. बाल श्वसन रोगों में अग्रिम अनुसंधान के लिए केंद्र; आईसीएमआर 2018-2023। राकेश लोढ़ा, कानाराम जाट, झुमा शंकर, 620 लाख रुपये की परियोजनाएं इस प्रकार हैं (i) बच्चों में पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियों के उपचार के लिए क्षमता निर्माण। (ii) भारत में सिस्टिक फाइब्रोसिस: व्यापकता, उत्परिवर्तन प्रोफ़ाइल और रजिस्ट्री का विकास (iii) बच्चों में अंतरालीय फेफड़े की बीमारी (iv) बच्चों में प्राथमिक सिलिअरी डिस्किनेशिया के लिए देखभाल परीक्षण के बिंदु
12. 5 महत्व वाले क्षेत्रों में अपनी परियोजनाओं के साथ बचपन न्यूरो अविकसित विकारों पर उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र, शेफाली गुलाटी, जीआईए (एमओएचडब्ल्युद्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल (इसके सीएसआरके हिस्से के रूप में), 5 साल, 2017-2022, 1130 लाख रु।
13. अमीनो एसिड मेटाबॉलिज्म रोगियों में जन्मजात त्रुटि के बीच एचपीएलसी विधि का उपयोग करके एमिनो एसिड की मात्रा के लिए सूखे रक्त के धब्बे और प्लाज्मा नमूनों की तुलना, पल्लवी मिश्रा, एम्स, 2 साल, 2019-2020, 10 लाख
14. कम्पास: दक्षिण एशिया परीक्षण में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए संचार-केंद्रित माता-पिता की सहायता से इलाज (मैनचेस्टर और संगथ विश्वविद्यालय), शेफाली गुलाटी, एमआरसी, यूके, 4 साल, 2018-2022, 1120 लाख रुपये
15. गंभीर भ्रूण और नवजात मेंडेलियन विकास के अंतर्निहित आणविक तंत्रों का पूरे एक्सोम सीक्वेंसिंग का उपयोग करके व्यापक मूल्यांकन, नीरजा गुप्ता, मधुलिकाकबरा, डीएचआर, 2 वर्ष, 2018-2020, 49.3 लाख रुपये
16. डाउन सिंड्रोम में एवीएसडी के गठन में सिलिया और सोनिक हेजहॉग पाथवे जीन में कॉपी नंबर और अनुक्रम वेरिएंट का योगदान, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-1922, 65 लाख रुपए
17. अगली पीढ़ी के अनुक्रमण डीबीटी के माध्यम से अज्ञात बौद्धिक विकलांगता (डीआईआईडी) की घोषणा (डीआईआईडी- एनजीएसअध्ययन), नीरजा गुप्ता, मधुलिका काबरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 86.81 लाख
18. आण्विक रोगजनन और आइसोलेटेड लैटरिज्ड अतिवृद्धि / आइसोलेटेड हेमीहाइपरप्लासियाके नैदानिक स्पेक्ट्रम।मधुमिता रॉय चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख
19. भारत में डेंगू संक्रमण, एसके काबरा, एनआईएच, 5 वर्ष, 2015-2020, रु 90 लाख
20. भारत में डेंगू वायरस का संक्रमण, राकेश लोढ़ा, एनआईएच, यूएसए, 2 वर्ष, 2015-2021, 210 लाख रुपये
21. न्यूरोब्लास्टोमा रोगियों और उसके नैदानिक सहसंबंध के रक्त के नमूने में सेल मुक्त माइक्रो आरएनए को प्रसारित करने की जांच, आदित्य के गुप्ता, एम्स, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये

22. प्राथमिक सिलिअरी डिस्किनेशिया की आनुवंशिक उत्परिवर्तन प्रोफ़ाइल का पता लगाना और भारतीय बच्चों में क्लिनिकल फेनोटाइप के साथ उत्परिवर्तन का संबंध, काना राम जाट, डीबीटी, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2018-2021, 30.86 लाख रुपये
23. आत्मकेंद्रित लोगों के कौशलो में सुधार के लिए ए1 आधारित पुनर्बलन का विकाश,शेफाली गुलाटी, एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोग अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2019-2020, रु 5 लाख
24. एकओर्थोलोगस क्रिस्पर/सीएस9 प्रणाली (एफएनसीएएस9) पर आधारित एक उच्च थ्रूपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास और रोग मॉडलिंग और सुधार के लिए 3 डी ऑर्गेनाइजेशन की पीढ़ी में इसका उपयोग आईजीआईबी, मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, मधुमिता रॉय चौधरी के सहयोग से, डीबीटी, 2 साल, 2019-2021, 120 लाख रु
25. क्लिनिकल और बिग डेटा के एकीकरण के माध्यम से बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाइयों में सेप्सिस का प्रारंभिक पता लगाना, वेलकम ट्रस्ट -डीबीटी, 5 साल, 2015-2020, रु 196 लाख
26. एनएएफएलडी के साथ अधिक वजन वाले किशोरों में यकृत वसा अंश और इंसुलिन प्रतिरोध में कमी में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता: एक आरसीटी, वंदना जैन, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-21, रु. 59.2 लाख रु
27. हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम के रोगियों के लिए एक बायोरेपोजिटरी और रजिस्ट्री की स्थापना, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022
28. व्यापक जीनोमिक मूल्यांकन और अनुवाद संबंधी जैव सूचना विज्ञान का उपयोग करके कंकाल डिसप्लेसिया वाले भारतीय रोगियों के जीन-फिनोम का मूल्यांकन, , नीरजा गुप्ता, मधुलिका कबरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 57 लाख रु
29. भारतीय रोगियों में एटीएम म्यूटेशन के नोंसेंस सप्रेशन के लिए रीड थ्रु यौगिकों का मूल्यांकन, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 45 लाख रुपए
30. एटीएम स्प्लिस वेरिएंट का एक्स विवो करेक्शन एंटीसेंस ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स, रश्मि शुक्ला, (एसआरएफ फेलोशिप सुश्री अखिला शंकर को दिया गया), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-1922, 16 लाख रुपए
31. बचपन की बीमारी, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022 के निदान और चिकित्सा के लिए साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देशों का निर्माण और प्रसार
32. ह्यूमन बी सेल प्रतिक्रियाएं और भारत से डेंगू के रोगियों में रिसेप्टर की प्रतिपूर्ति, राकेश लोढ़ा, डीबीटी, 2 साल, 2019-2021, रु 46.6 लाख
33. दुर्लभ और अन्य आनुवंशिक विकारों के लिए आईसीएमआर रजिस्ट्री, मधुलिका कबरा, नीरजा गुप्ता, 6 साल, 2019-2025, 109 लाख रु.
34. जैविक मार्करों का एकीकृत आणविक जीव विज्ञान: भारतीय बच्चों बी वंश में तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया में जीन की प्रतिलिपि संख्या परिवर्तन की भूमिका।निवेदिता, रचना सेठ, यूजीसी महिला वैज्ञानिक फैलोशिप, 5 वर्ष, 2018-2022 40 लाख रुपए

35. क्रिटिकल केयर मेडिसिन में भविष्यवाणी और सटीकता के लिए अनुदैर्ध्य बिग-डेटा माइनिंग, राकेश लोढ़ा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2018-2020 रु 35.74 लाख
36. एएसडी के साथ बच्चों में मोबाइल ऐप आधारित ऑगमेंटेटिव एंड अल्टरनेटिव कम्युनिकेशन आधारित हस्तक्षेप, शेफाली गुलाटी, एम्स यूजी रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, 2 साल, 2019-2021, रु 2 लाख
37. बचपन में लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) में आणविक परिवर्तन: साइटोकाइन रिसेप्टर की भूमिका - जैसे एफ एक्टर -2 (सीआरएलएफ 2) पुनर्व्यवस्था और जेनस काइनेज (जेएके) उत्परिवर्तन, रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-2019, रु 38 लाख
38. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) के रोगियों में जीन कॉपी संख्या भिन्नता और उत्परिवर्तन प्रोफाइल का आणविक मूल्यांकन और रोग का निदान, जगदीश प्रसाद मीणा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रु. 4.76 लाख प्रति वर्ष
39. बहुकेन्द्रीय यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण जिसमें अताक्सिया तेलांगियाक्टेसिया वाले लोगों में न्यूरोलॉजिकल लक्षणों पर इंट्रा एरिथ्रोसाइट डेक्सामेथासोन सोडियम फॉस्फेट के प्रभावों का मूल्यांकन किया गया; शेफाली गुलाटी, एरी डेल, एस.पी.ए., इटली, 2 साल, 2018-2020, 72 लाखरुपए
40. 2-5 वर्ष की आयु में अत्यंत प्रीटर्म (<28 सप्ताह या<1000 g) के बहु-प्रणाली स्वास्थ्य परिणाम(न्यूरोडेवलपमेंट,वृद्धि,श्वसन,हृदय,चयापचय और वृक्क) 2020, अन्नु सचदेवा,एम्स,1 वर्ष,2019- 2020, 5 लाख रुपए
41. नियोमआर ग्लोबल नियोनेटल सेप्सिस ऑब्जर्वेशनल स्टडी (नियोबस): अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओंमें सेप्सिस का एक भावी कोहोर्ट अध्ययन,रमेश अग्रवाल, डीएनडीआई और जीएआरडीपी, स्वाज़ीलैंड, 1½ वर्ष, 2018-2020, 151.35 लाख रुपये
42. नियो एएमआर ग्लोबल नियोनेटल सेप्सिस ऑब्जर्वेशनल स्टडी (नियोबस): अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक भावी सहसंयोजक अध्ययन, रमेश अग्रवाल, आईसीएमआर, 1 ½ वर्ष, 2018-2020, रु. 102.46
43. सीलिएक रोग में चोट के गैर-चिन्हित मार्कर रोहन मलिक, एम्स, 2 साल, 2019-2020, 10 लाख रुपये
44. प्राय पुनरावर्ती या स्टेरोइड आधारित नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में दैनिक उपचार की प्रभावकारिता की तुलना दैनिक आधार पर प्रेडनिसोलोन की कम खुराक बनाम वैकल्पिक दिनों में मानक उपचार से करने के लिए ओपन लेबल, यादृच्छिक, नियंत्रित प्रयोगअरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022
45. निम्न संसाधन सेटिंग्स में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों के लिए इंसुलिन और आहार व्यवस्था का अनुकूलन, वंदना जैन, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 2.5 वर्ष, 2017-20, रु 25 लाख
46. पीडियाट्रिक रीनल बायोलॉजी प्रोग्राम: नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम पर शोध, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 5 साल, 2016-2021, रु 800 लाख

47. वेसिकोरेट्रल रिफलक्स के साथ भारतीय बच्चों के बीच आनुवंशिक विविधताओं का पायलट अध्ययन।पंकज हरि, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022
48. खराब रूप से नियंत्रित अस्थमा वाले बच्चों में माइकोप्लाज्मा और क्लैमाइडिया संक्रमण की व्यापकता, काना राम जाट, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 9.8 लाख रुपये
49. प्रो-एड्रेनोमेड्युलिन कैंसर और इससे पीड़ित बच्चों के लिए फिब्राइल न्यूट्रोपेनिक बच्चों में एंटीमाइक्रोबियल थेरेपी के लिए संक्रमण और प्रतिक्रिया के लिए एक नोवेल बायोमार्कर के रूप में प्रोक्लेसिटोनिन के साथ तुलना।जगदीश प्रसाद मीणा, डीएसटी, 3 साल, 2020-2023, रुपये 42.18 लाख
50. प्रोक्लसीटोनिन निर्देशित बच्चों में एंटीबायोटिक चिकित्सा, झूमा शंकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2021, रु.81 लाख
51. बाल किडनी रोगों में अनुसंधान के लिए आईसीएमआर उन्नत केंद्र, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, रु 160.95 लाख
52. नियमित रूप से स्टेरॉयड सेंसिटिव नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम, वाले रोगियों में संक्रमण के दौरान लेवमिसोल बनाम दीर्घकालिक वैकल्पिक दिनों में स्टेरॉयड की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए यादृच्छिक रूप से खुला लेबल नियंत्रित परीक्षण अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022।
53. 4 साल से छोटे बच्चों में इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम के पहले एपिसोड के लिए प्रेडनिसोलोन के साथ 6 महीने बनाम 3 महीने की चिकित्सा की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए रैंडमाइज्ड, मल्टीसेंट्रिक, ओपन लेबल, समानांतर समूह परीक्षण, 5 साल, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 2016-2021.
54. बच्चों में प्राथमिक और एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी डिसऑर्डर की श्वसन संबंधी शिकायतें, एसके काबरा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2022, रु. 600 लाख
55. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम के साथ बच्चों में थेरेपी और गुर्दे की प्रतिक्रिया के बायोमार्कर के रूप में सीरम और मूत्र माइक्रो आरएनए, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 5 साल, 2016-2019।
56. सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनसेज़- 9: न्यूरोसिस्टेरोसिस में कैल्सीफिकेशन और मिर्गी की भविष्यवाणी के लिए एक संभावित बायोमार्कर; अनुदैर्ध्य प्रयोगशाला अध्ययन, बिस्वरूप चक्रवर्ती, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2019, 5 लाख रु।
57. सीरम एसआईसीएएम5 और एमपी9 / टीआईएमपी1 अनुपात: नींद में बिजली की स्थिति के साथ एन्सेफैलोपैथी (ईएसईएस) सिंड्रोम के साथ बच्चों में रोग गतिविधि के संभावित भविष्यवाणियाँ, प्रशांत जौहरी, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 5 लाख रु।
58. बच्चों में झटके के संकेत, झूमा शंकर, डीएसटी, 3 साल, 2019-2021, रु 35 लाख
59. पोषण संबंधी पुनर्वास केंद्रों में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के बीच व्यवस्थित पल्मोनरी तपेदिक का मामला। एस.के. काबरा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2018-2020, रु 14.2 लाख
60. नींद से वंचित नींद ईईजी के लिए तैनात बच्चों में नींद लाने में मेलाटोनिन और ट्राईलोफोस की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक डबल ब्लाइंड, समानांतर डिजाइन, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, प्रशांत जौहरी, स्नातक अनुसंधान मेंटरशिप एम्स, 2 साल, 2020-2021, 1.1 लाख रु

61. भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में बी सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के रोगजनन में आईकेजेडएफ1 जीन और विभिन्न आईकेएआरओएस आइसोफोर्मसकी भूमिका निर्धारित करना,ककाली पुर्कायस्थ, रचना सेठ, बायोकेयर अनुदान के तहत डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2020, रु 60 लाख
62. नवजात परिणामों में सुधार के लिए शिशुओं के लिए मानव दूध के उपयोग और उत्थान के लिए व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र (सीएलएमसी) की स्थापना करना। काजल जैन, सीएचआरआई, भारत में 3 साल, 2018-2021, रुपये 18.31 लाख और सीएलएमसी के लिए उपकरण
63. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडीएस) वाले बच्चों में मौखिक प्रोबायोटिक पूरकता की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित ट्रायल, शेफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, 33.32 लाख रुपये
64. जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस के रोग क्रम और उपप्रकारों की भविष्यवाणी करने में श्लेष तरल द्रव प्रोटिओमिक्स की भूमिका का पता लगाना।एनके बागड़ी, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2021, 42.12 लाख रुपए
65. देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्षेत्रीय शिक्षण मंच को बनाए रखने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना, प्रो. अशोक देवरारी, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2020-2021, 34.44 लाख
66. आनुवांशिक बीमारियों के उपचार की युनीक विधि और प्रबंधन के अंतर्गत एक एस्पीरेशनल डिस्ट्रिक्ट घटक के साथ मानव आनुवंशिकी में क्लिनिसियन का प्रशिक्षण और आनुवांशिकीय निदान इकाई की रचना। मधुलिका कबरा, नीरज गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 400 लाख रुपये
67. डेंगू की खोज के लिए प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट के लिए प्रोफ़ाइलेक्टिक और चिकित्सीय रणनीतियों का समर्थन करने के लिए प्लेटफ़ॉर्म तकनीकोँ की स्थापना के लिए अनुवाद अनुसंधान कंसोर्टियम। राकेश लोढ़ा, बीआईआरएसी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2019-2023, 161.68 लाखरुपये
68. अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में रोग जीव विज्ञान और बैक्टीरिया सेप्सिस के निदान को समझना: एक बहु-केंद्र अध्ययन, रमेश अग्रवाल, डीबीटी, भारत, 5 वर्ष, 2015-2020, रु 209.12 लाख
69. तीव्र ल्यूकेमिया के नव निदान बच्चों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियो विषाक्तता के शुरुआती पता लगाने और उपचार के लिए बायोमार्कर और इमेजिंग का उपयोग।रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 70.68 लाख
70. मां और नवजात शिशु की प्रसवपूर्व देखभाल पर डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देश, एम जीव संकर, डब्ल्यूएचओ, 4 महीने, 2019-2020, रु 7.14 लाख
71. हीमोलिटिक युरेमिक सिंड्रोम के गैर-डायरियल और गैर-ऑटोइम्यून रूप वाले रोगियों में पूरे एक्सोम अनुक्रमण, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022

पूर्ण

1. एसईएआर में जन्म दोष निगरानी के लिए गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता सुधार पर एपीडबल्यू, मधुलिका कबरा, डबल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2019-2020, 12 लाख रुपये

2. सेप्टिक शॉक में आरंभिक तरल रिससीटेशन में संतुलित नमक बनाम सामान्य सेलाइन, झूमा शंकर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2019 में 71 लाख रु।
3. ऑटिज्म वाले बच्चों में रक्त भारी धातु का स्तर और मात्रात्मक ईईजी, शेफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 4.5 वर्ष, 2014-2019, रु. 49.04 लाख
4. समय से पूर्व पैदा होने वाले शिशुओं के लिए पूरक आहार पर दिशा-निर्देश विकसित करना,<34 सप्ताह का गर्भकाल, एम जीव संकर, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, रु 9.51लाख
5. कम-संसाधन सेटिंग में विकासात्मक न्यूरोसाइकियाट्रिक विकारों की जांच के लिए एक स्केलेबल मोबाइल प्लेटफॉर्म का विकास और सत्यापन: प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ऑटिज़्म रिस्क के लिए स्टार्ट-स्क्रीनिंग टूल (एमआरसी फाउंडेशन अवार्ड स्कीम, यूके), शेफाली गुलाटी, एमआरसी, यूके, 2 वर्ष । 2017-2019, रु. 4.8 लाख
6. क्या गर्भाशय में नवजात शुरुआती सेप्सिस के मामले में भ्रूण की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया शुरू होती है? काजल, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 9.5 लाख रु
7. दिल्ली में तीव्र श्वसन लक्षणों पर बाहरी वायु प्रदूषण का प्रभाव: एक मल्टीसाइट अध्ययन। तकनीकी समन्वयक साइट। एसके काबरा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017-2019, रु 56.21 लाख
8. सीडी -20 पॉजिटिव पीडियाट्रिक एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में शामिल होने के दौरान न्यूनतम अवशिष्ट रोग पर रितुक्सीमैब को मानक रसायन चिकित्सा में जोड़ा गया: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, आदित्य कुमार गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 3.5 लाख रु
9. विटामिन डी की कमी वाले बच्चों में विटामिन डी की खुराक की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ईएसडीएसी परीक्षण), काना राम जाट, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017-2019, 34.8 लाख रुपये
10. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन घटाने के लिए एक परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता: एक आरसीटी, वंदना जैन, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2016-2019, 51.6 लाख रुपये
11. अपरिपक्व नवजात शिशुओं में श्वसन संकट सिंड्रोम के उपचार के लिए एक अभिनव और सस्ती बकरी फेफड़े के सर्फटेक्टेंट की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन: एक बहु-साइट यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, रमेश अग्रवाल, वेलकम ट्रस्ट, यूके, 3 ½ वर्ष, 2016-2019, रुपये 1008.63लाख
12. एलएमआईसी में नवजात सेप्सिस और रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर अनुसंधान की सुविधा : जीजीपीपी/डीएनडीआई के साथ सहयोग,रमेश अग्रवाल, उपेक्षित रोग पहल के लिए दवा (डीएनडीआई), 1 वर्ष, 2018-2019, 45.78 लाख रुपए
13. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में बिस्तर घावों के लिए शहद बनाम मानक उपचार, झूमा शंकर, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ पीडियाट्रिक इंटेंसिव एंड क्रिटिकल केयर-हार्ड अनुदान, 1 वर्ष, 2017-2018, रु 6.5 लाख
14. भारत में आनुवांशिक लिंग विकास में दुर्लभ विकारों के निदान और उपचार में सुधार, वंदना जैन,आईसीएमआर, दिल्ली और बीएमबीएफ, जर्मनी, 2.5 वर्ष, 2017-2019, रु 47 लाख

15. समय से पूर्व नवजात देखभाल पैकेज और प्री-सर्विस एजुकेशन में गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण को एकीकृत करना, अशोक देवरारी, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2018-2019रुपए 33.56 लाख
16. सेप्टिक शॉकवाले बच्चों में लगातार बनाम स्कवॉ 2 निगरानी, झूमा शंकर, एम्स, 3 वर्ष, 2015-2018, 8 लाख रुपए
17. एटिपिकल हेमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, अरविंद बग्गा, सीईएफआईपीआरए (डीएसटी), 3 साल, 2016-2019, रु 12.25 लाख
18. भ्रूण की खराबी और मृत जन्म के मूल्यांकन में न्यूनतम इनवेसिव शव परीक्षा: एक मृत जन्म के लिए मानक प्रोटोकॉल के विकास के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन, नीरजा गुप्ता, मधुलिका कबरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 29.59 लाख रुपए।
19. तीव्र ज्वर बीमारी (एमपीओसीटी) के लिए मल्टीप्लेक्स पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्ट। राकेश लोढ़ा, टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2017-2019, रु 32 लाख
20. बच्चों में द्वितीय-पंक्ति एंटी-ट्यूबरकुलर ड्रग्स के फार्माकोकाइनेटिक्स। राकेश लोढ़ा, डीएचआर, 2 वर्ष, 2017-2019, रु 24.58 लाख
21. जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस वाले बच्चों में मेथोट्रेक्सेट का उत्तर देना: बायोमार्कर की भूमिका, एम्स, 2016-2018, 2 वर्ष, रु 4 लाख
22. सूखे रक्त के धब्बों द्वारा प्रसव पूर्व जांच: त्रिकोणीय और संसाधन उपयोग के लिए भूमिका, नीरजा गुप्ता, मधुलिका काबरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 17.86 लाख
23. विशेष देखभाल नवजात इकाई में नवजात देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करके समयपूर्वता की रेटिनोपैथी को कम करना, अशोक देवरारी, पीएचएफआई, 3, वर्ष, 2016-2019, रु 114.03 लाख
24. 2 से 24 महीने की उम्र के जोखिम में भारतीय बच्चों के संदर्भ मानक टूल (भारतीय शिशुओं के लिए डीएएसआईआई- विकासात्मक मूल्यांकन स्केल) की तुलना में भारतीय अनुकूलित एएसक्यू-3 (आयु और चरण प्रश्नावली) एक विकासात्मक स्क्रीनिंग उपकरण के रूप में सत्यापन। शेफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017-2019, 19.01 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कैंसर कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों में एंटीबायोटिक थेरेपी के प्रोक्लेसिटोनिन निर्देशित बंद होने की सुरक्षा और कम जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपेनिया होने पर - एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण (प्रोफ़ेनेसी अध्ययन)
2. गैस्ट्रो-एसोफैगल रिफ्लक्स और ऑब्सट्रक्टिव एडेनोइड या एडीनो-टॉन्सिलर हाइपरट्रोफी पीडियाट्रिक आबादी के कारण संबंध पर एक पायलट अध्ययन, गंभीर सेप्सिस वाले बच्चों के कार्यात्मक परिणाम, नैदानिक सुविधाओं, प्रयोगशाला का उपयोग करके सीमित संसाधन में सिस्टिक फाइब्रोसिस के निदान के लिए एल्गोरिथ्म विकसित करना। हथेलियों का परीक्षण और एक्वाजेनिक झुर्रियाँ

3. बचपन और किशोरावस्था फोकल शुरुआत अपवर्तक मिर्गी में लक्षित कम आवृत्ति आरटीएमएस थेरेपी का एक यादृच्छिक शैम नियंत्रित परीक्षण।
4. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया से बचे हुए लोगों में रोगग्रस्त वसावाचक का आकलन
5. गम्भीर लिम्फोब्लास्टिक लेक्टिमिया के साथ भारतीय बच्चों में कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया पर रोगसूचक मार्करों के साथ अभिव्यक्ति पर आईकेजेडएफ1 जीन परिवर्तन और साइटोकाइन रिसेप्टर एसोसिएशन फैक्टर 2 (सीआरएलएफ2) की अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुति का सह सम्बंध
6. बच्चों में खराब नियंत्रित अस्थमा के लिए एज़िथ्रोमाइसिन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. समय पूर्व अवधि में (28-34 सप्ताह) बहुत कम जन्म के वजन (<1500 ग्राम) शिशुओं को पुष्ट दूध की तुलना में अपुष्ट दूध पिलाए गए बच्चोँ की शारीरिक संरचना (वसा द्रव्यमान और वसा मुक्त द्रव्यमान): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
8. जन्म के पूर्व और नवजात शिशुओं में वायु विस्थापन फुफ्फुसीय जीव द्वारा प्रारंभिक अवस्था में शारीरिक रचना: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन
9. हेमोडायलिसिस पर रोगियों में शारीरिक संरचना की निगरानी
10. एचआईवी 1 संक्रमित बच्चों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की विशेषता
11. देखभाल और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों में बचपन और किशोर नींद जागरूकता: एक समुदाय और अस्पताल आधारित सर्वेक्षण
12. जीनोमिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए जननांग दोष की नैदानिक और आणविक विशेषता
13. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और आमतौर पर 2 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के बीच ऑक्सीडेटिव बायोमार्कर की तुलना
14. ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का उपयोग करने वाले गैर-मिरगी स्वस्थ बच्चों की तुलना में स्लीप में इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस (ईएसईएस) के साथ 5 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों में कोर्टिकल उत्तेजना।
15. तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती होने वाले नवजात शिशुओं में बहु-दवा प्रतिरोध की प्रारंभिक पहचान के लिए मशीन लर्निंग के आधार पर एक भविष्यवाणी मॉडल का विकास और सत्यापन।
16. तीव्र रूप से बीमार बच्चों के लिए जिनका वजन नहीं किया जा सकता है, एक वजन आकलन उपकरण का विकास और सत्यापन।
17. भारतीय नवजात शिशुओं में गंभीर रूप से सम्मिलित सेंट्रल कैथेटर (पीआईसीसी) के सम्मिलन की लंबाई के लिए एक सूत्र तैयार करना - एक संभावित अवलोकन अध्ययन
18. 1 महीने से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंडल डिसऑर्डर का निदान और उपचार का अंतराल: एक अवलोकन अध्ययन
19. अच्छी तरह से नियंत्रित गैर-घाव संबंधी मिर्गी वाले बच्चों और किशोरों में डीटीआई, एफएमआरआई और क्यूईईजी अनुभूति और व्यवहार को सहसंबंधित करता है: एक अवलोकन अध्ययन।
20. प्रारंभिक रूप से गंभीर बीमार बच्चों में पैरेंट्रल न्यूट्रिशन की शुरुआत में देरी

21. पूर्ववर्ती नवजात शिशुओं (32 सप्ताह के गर्भ) में नियमित निरीक्षण पेट निगरानी बनाम नियमित दिनचर्या का प्रभाव पेट में पूर्ण आंत्र फ़ीड तक पहुंचने के लिए समय पर पेट की निगरानी - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
22. प्राय होने वाले नेफ्रोडिक सिंड्रोम को दूर करने के लिए अंतःशिरा अनुक्सिमाब बनाम टैक्रोलिमस की प्रभावकारिता और सुरक्षा
23. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों में चिकित्सा पर एक ऐड के रूप में ओलेज़ापाइन की प्रभावकारिता और सुरक्षा। एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित अध्ययन
24. 2 साल से अधिक के लिए कैल्सिनूरिन अवरोधकों पर बने स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम में बनाए रखने में मौखिक माइकोफेनोलेट मोफ़ेटिल बनाम अंतःशिरा रीतुसीमाब की प्रभावकारिता: ओपन-लेबल गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
25. पूर्व किशोरावस्था के इडियोपैथिक आर्थराइटिस वाले बच्चों में मानक चिकित्सा बनाम मानक चिकित्सा के अलावा पल्स डेक्सामेथासोन की प्रभावकारिता: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड
26. संवेदी प्रोफ़ाइल देखभाल प्रश्नावली 2 का उपयोग करते हुए मस्तिष्क पक्षाघात के साथ 3-15 वर्ष की आयु के बच्चों में संवेदी प्रसंस्करण असामान्यताओं के प्रसार का अनुमान: एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकन अध्ययन।
27. बेड साइड अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग करके बच्चों के डायाफ्राम का मूल्यांकन
28. संक्रमित बच्चों में एचआईवी-1 उपप्रकार सी लिफाफा का मूल्यांकन
29. 5-18 वर्ष आयु वर्ग के हेमिप्रेक्टिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में अपर लिम्ब फंक्शन में सुधार करने के लिए संशोधित कांस्ट्रेन्ड इंडिकेटेड मूवमेंट थेरेपी के सहायक के रूप में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनील मैग्नेटिक उत्तेजना का मूल्यांकन।
30. 6 माह -18 वर्ष की आयुके एमपीएस I और एमपीएस II रोगियों के सीरम में एक संभावित बायोमार्कर के रूप में ट्राइसैकेराइड बीएम-652 का मूल्यांकन ”
31. स्वस्थ शिशुओं में जन्म से 6 महीने तक फैट प्रक्षेपवक्र, और 2 साल की उम्र में सीरम इंसुलिन, आईजीएफ-1 और एडिपोनेक्टिन पर इसका प्रभाव
32. गुर्दे की गंभीर चोट वाले गंभीर रूप से बीमार बच्चों में निरंतर कम दक्षता डायलिसिस की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता
33. दक्षिण भारत में विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए टीम सुविधा-टीम योग्यता दृष्टिकोण के कार्यान्वयन की व्यवहार्यता, प्रभावशीलता और स्थिरता
34. एक्यूआई के प्रारंभिक चरण के साथ आईसीयू में भर्ती बच्चों में तीव्र गुर्दे की चोट (एकेआई) चरण III में प्रगति की भविष्यवाणी करने में फ़्यूरोसेमाइड तनाव परीक्षण
35. सेप्टिक शॉक वाले बच्चों में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसफंक्शन (डीएम थीसिस)
36. पीडियाट्रिक कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिक एंटेरोकोलाइटिस के परिणाम के बारे में जानकारी और निर्धारक

37. वाले बच्चों में गंभीर ओरल म्यूकोसाइटिस दर्द के उपचार में केटामाइन माउथवॉश बनाम प्लेसबो; एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण
38. एनएस वाले बच्चों में रीकुटीमाब थेरेपी की दीर्घकालिक सुरक्षा: मानव एंटी-चिमेरिक एंटीबॉडी (एचएसीए), हाइपोगैमाग्लोबुलिनमिया और बीके और जेसी वर्जिनिया का प्रसार
39. तीव्र ज्वर की बीमारी वाले रोगियों में रिकेट्सियासेआ का आणविक पता लगाना और विशेषता।
40. टिक जनित लाइम बोरेलियोसिस, मानव मोनोसाइटिक एर्लिचियोसिस और मानव ग्रैनुलोसाइटिक एनाप्लास्मोसिस का आणविक पता लगाना और लक्षण वर्णन
41. गंभीर रूप से बीमार बच्चों (एमडी थीसिस) में न्यूरोलॉजिकल परिणाम
42. बाल कर्क रोगियों में फिब्राइल न्यूट्रोपेनियाफोलिंगकेमथेरेपी की घटनाओं को कम करने में न्यूट्रोपेनिक आहार बनाम मानक भारतीय आहार: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
43. सेप्टिक शॉक वाले बच्चों में नोरपेनेफ्रिन बनाम एपिनेफ्रीन (डीएम थीसिस)
44. दौरे आने वाले बच्चों और किशोरों में इष्टतम ईईजी अवधि: एक अवलोकन अध्ययन
45. स्वस्थ अवधि में और निकट नवजात शिशुओं के लिए
46. नवजात पीलिया के मूल्यांकन के दो दृश्य तरीकों का प्रदर्शन- क्रेमर और संशोधित क्रेमर की विधि
47. जुवेनाइल डर्माटोमायोसिटिस में परिणामों के पूर्वसूचक: एक पार-अनुभागीय अध्ययन (संस्थान यूजी अनुसंधान अनुदान)
48. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल चोट की व्यापकता, पीआईसीयू में अपने शुरुआती 7 दिनों के प्रवास के दौरान गंभीर रूप से बीमार बच्चों में मांसपेशियों की मोटाई और मांसपेशियों की इकोजेनेसिटी में परिवर्तन: एक अवलोकन अध्ययन
49. एनएफ 1 जीन में माइक्रोएलेटमेंट्स की व्यापकता और न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस वाले रोगियों के फेनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन
50. बचपन में फुफ्फुसीय शिथिलता हॉजकिन लिम्फोमा से बचे लोगोँ में फेफड़ों का विकार
51. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित संरचित हस्तक्षेप कार्यक्रम का उपयोग करते हुए डिस्लेक्सिया के साथ विशिष्ट सीखने के विकार वाले भारतीय स्कूल जाने वाले बच्चों का उपचार: एक अनुदैर्ध्य हस्तक्षेप अध्ययन।
52. बच्चों में प्राथमिक और अधिग्रहीत इम्यूनोडिफीसिअन्सी विकारों में श्वसन जटिलताएँ
53. सीलिएक रोग के निदान में आंतों के वसीय अम्ल की भूमिका और बाध्यकारी प्रोटीन और अनुपालन पर मूल्यांकन
54. पुराने किडनी रोग वाले बच्चों में डिस्लिपिडेमिया के उपचार के लिए एटोरवास्टेटिन की अल्पकालिक प्रभावकारिता और सुरक्षा
55. नैदानिक रूप से निमोसिस्टिस जिरोवेसीपायोनिया (पीजेपी) / न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया (पीसीपी) का निदान किए गए बैक्टीरियल संक्रमण वाले मरीजों का कोहोर्ट अध्ययन और रोग के परिणाम पर इसका प्रभाव।

56. तीव्र रूप से लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले नवजात शिशुओं में एक्यूट किडनी के रोगियों में तीव्र किडनी की चोट के लिए घटना और जोखिम कारक उच्च खुराक मेथोट्रेक्सेट प्राप्त करना
57. 1-18 वर्ष की आयु के गंभीर रूप से बीमार बच्चों में उनके शुरुआती 7 दिन के पीआईसीयू में रहने के दौरान मांसपेशियों की मोटाई और मांसपेशियों की इकोजेनेसिटी में परिवर्तन का अध्ययन: एक अवलोकन अध्ययन
58. वायुमार्ग विसंगतियों वाले बच्चों में शिशु पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (आईपीएफटी) का अध्ययन करना और ब्रोन्कोस्कोपी खोज के साथ इनका सहसंबंध करना।
59. बाल चिकित्सा में तीव्र गड़बड़ी लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से बचे लोगों में मानसिक रुग्णता के प्रसार और जोखिम कारकों का अध्ययन
60. 22क्यू11 लोकस पर डोसजेनोमालीज़ की व्यापकता का अध्ययन और फेसियो-ऑरिक्युलो-ओकुलर स्पेक्ट्रम विकारों के फेनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन.

पूर्ण

1. प्रसव कक्ष में एक समय से पूर्व जन्मे शिशु के लिए "सिमुलेशन-आधारित" शिक्षा बनाम "पारंपरिक" शिक्षा में सुधार और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के ज्ञान में सुधार लाना: एक यादृच्छिक परीक्षण
2. एक पार-अनुभागीय अवलोकन अध्ययन एकान्त कार्यशील किडनी वाले बच्चों में गुर्दे की शिथिलता की व्यापकता का आकलन
3. वेसिकोरेट्रल इनफलक्स वाले भारतीय बच्चों के बीच आनुवंशिक भिन्नता का एक पायलट अध्ययन
4. उत्तर भारत में तृतीयक अस्पताल में विशेष क्लिनिक में भाग लेने वाले क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणामों पर एक अध्ययन
5. साइटोकिन रिसेप्टर जैसे फैक्टर 2 (सीआरएलएफ2) की अभिव्यक्ति प्रस्तुति में एतिहासिक मार्करों के साथ आईकेजेडएफ-1 जीन परिवर्तन का सम्बंध और एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले भारतीय बच्चों में प्रेरण रसायन चिकित्सा की प्रतिक्रिया
6. वायु विस्थापन फुफ्फुसोग्राफी द्वारा जन्म के समय स्वस्थ शिशु की शारीरिक रचना का पता लगाना
7. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में हृदय संबंधी परिणाम
8. 18F-एफडीजी पईईटी/सीटी का उपयोग करके बाल चिकित्सा में लिम्फोमा में अस्थि मज्जा की भागीदारी की विशेषता और ब्लाइंड अस्थि मज्जा बायोप्सी के साथ इसकी तुलना
9. ड्रग रेसिस्टेंट मिर्गी से पीड़ित बच्चों के बीच कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स थैरेपी और संशोधित एटकिंस आहार की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण
10. जोखिम वाले नवजात शिशुओं में हाइपोग्लाइसीमिया का पता लगाने में दो पॉइंट-ऑफ-केयर ग्लूकोज मीटर के प्रदर्शन की तुलना
11. एम्स द्वारा परिवर्तित आईएनडीटी-एडीएचडी टूल के अनुसार एडीएचडी वाले 6 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में कोन्नर पैरेंट के साथ लक्षणों की तीव्रता की तुलना।

12. नवजात शिशुओं में ऑरोट्रैचियल ट्यूब की लंबाई के आकलन के तीन अलग-अलग तरीकों की तुलना: एक पोस्टमॉर्टम अध्ययन
13. गर्भकालीन मधुमेह वाली माताओं के लिए जन्म लेने वाले शिशुओं में नवजात शिशु की उम्र के साथ गर्भनाल रक्त और स्तन के दूध आईजीएफ-1 का स्तर-एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन
14. शिशुओं और बच्चों में सिस्टिक किडनी रोग: नैदानिक स्पेक्ट्रम और अल्ट्रासाउंड निष्कर्ष
15. एंटीबायोटिक दवाओं की पहली खुराक का घटतीमात्रा का सेप्टिक शॉक वाले बच्चों में बढ़ती मृत्यु दर से सम्बंध
16. 1800 ग्राम से 2499 ग्राम के बीच वजन वाले शिशुओं की देखभाल के लिए माताओं और परिवारों के लिए परामर्श पैकेज विकसित करना
17. डिस्लेक्सिया के साथ विशिष्ट सीखने की बीमारी वाले भारतीय स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए एक संरचित उपचारात्मक हस्तक्षेप कार्यक्रम विकसित करना: एक अनुदैर्ध्य हस्तक्षेप अध्ययन
18. 2-18 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले बच्चों और किशोरों में नींद की समस्या की पहचान करने के लिए प्रश्नावली आधारित उपकरण का विकास और सत्यापन
19. समयपूर्वता की रेटिनोपैथी का पता लगाने में भविष्यवाणी करने वाले एल्गोरिदम की नैदानिक सटीकता
20. नवजात शिशुओं में त्वचा के एंटीसेप्सिस के लिए दो अलग-अलग क्लोरहेक्सिडाइन ग्लूकोनेट की प्रभावकारिता: एक गैर-हीनता याद्दच्छिक परीक्षण
21. नॉनइम्यून हाइड्रोप भ्रूणों (एनआईएचएफ) का एटिऑलॉजिकल मूल्यांकन
22. नेफ्रोलिथियासिस वाले बच्चों में चयापचय संबंधी असामान्यताओं का मूल्यांकन
23. आइसोलेटेड हेमीहाइपरप्लासिया में 11p15.5 स्थान पर अम्मोनियुलर परिवर्तन का मूल्यांकन
24. समय से पूर्व पैदा होने वालें बच्चों में रेटिनोपैथी के लिए लेजर उपचार के दौरान होने वाले दर्द के लिएफेंटेनाइल बनाम केटामाइन: एक हस्तक्षेप सीरीज केस स्टडी
25. जन्म के समय कम वजन वाले नवजात शिशुओं में प्रीटरम फार्मूला पाउडर बनाम मानव दूध फोर्टिफायर के साथ व्यक्त स्तन के दूध की पुष्टता,: एक याद्दच्छिक, गैर-हीनता परीक्षण
26. हेमोलिटिक युरेमिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी-फैक्टर एच ऑटोएंटीबॉडी का कार्यात्मक लक्षण वर्णन
27. पेरिवेंट्रीकुलर की घटना और जोखिम कारक - 32 सप्ताह के गर्भ से पहले या 1500 ग्राम से कम जन्म के साथ पहले से ही जन्मजात नवजात शिशुओं में इंट्रावेंट्रिकुलर रक्तस्राव और पेरिवेंट्रीकुलर ल्यूकोमैलासिया।
28. प्राथमिक देखभाल चिकित्सकों और बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजिस्ट के बीच अंतर-ऑब्जर्वर समझौते में आईएलआईएम 2017 वर्गीकरण योजना के अनुसार एम्स संशोधित आईएनडीटी ईपीआई टूल का उपयोग करके एक माह से 18 वर्ष तक के बच्चों में मिर्गी का वर्गीकरण।
29. हेपेटिक ग्लाइकोजेनोसिस प्रकार I और II के आणविक और जैव रासायनिक लक्षण वर्णन
30. ट्युबर स्केलेरोसिस वाले भारतीय रोगियों में टीएससी जीन में उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम

31. 1 माह से 18 वर्ष की आयु तक के शिशुओं, बच्चों और किशोरों को प्रभावित करने वाले न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर के लिए राष्ट्रीय ज्ञान और प्रशिक्षण केंद्र, वेबसाइट www.pedneuroaiims.org के लिए नवाचारों का विकास; वेबसाइट पर ई-लर्निंग मॉड्यूल, मोबाइल ऐप विकसित करना और इंटरैक्टिव फोरम का संचालन करना (यूजी समर फैलोशिप: 2 छात्र)
32. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में प्लाज्मा पीसीएसके9
33. गंभीर रूप से बीमार बच्चों के लिए पोलिनेयुरोपैथी
34. खराब नियंत्रित अस्थमा वाले बच्चों में एबीपीए के प्रसार और जोखिम कारक
35. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में गैर एल्कोहोल फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) की व्यापकता
36. दमा के बच्चों में नींद में खलल पड़ने की बीमारी
37. पहले से नवजात शिशुओं (<32 सप्ताह) में जीवन के पहले सप्ताह में संभावित सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता सुधार की पहल: ब्रोंकोपलमोनरी डिस्प्लेसिया की रोकथाम
38. गंभीर निर्जलीकरण और सदमे वाले बच्चों में मृत्यु दर के जोखिम कारक (पूर्ण)
39. सेप्सिस प्रेरित मायोकार्डियल विकारों के जोखिम कारक
40. सेप्टिक सदमे के निदान में सेप्सिस -3 बनाम गोल्डस्टीन परिभाषा
41. गौचर रोग के भारतीय रोगियों में तंत्रिकीय अभिव्यक्ति स्पेक्ट्रम - एक संभावित अध्ययन
42. जीवन के प्रारंभिक 48 घंटों के दौरान जोखिम में शिशुओं में हेमटोक्रिट प्रोफाइल का अध्ययन और प्रारंभिक जोखिम: एक भावी कोहर्ट अध्ययन
43. संवेदी असामान्यता के साथ जीएमएफएम स्तर I-III वाले 3 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों में स्थैतिक सेरेब्रल पाल्सी बच्चों में सकल गत्यात्मक कार्यों में सुधार लाने में मानक चिकित्सा के साथ प्रबलित सेंसरी इंटीग्रेशन थेरेपी (एसआईटी) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना।
44. 1 महीने से 18 वर्ष तक के बच्चों में हाइपोटोनिया के मूल्यांकन के लिए अल्ट्रासाउंड मांसपेशी-आधारित पैरामीटर उत्पन्न करना
45. मनोचिकित्सा, संज्ञानात्मक सह विकारों, ब्रोन्कियल अस्थमा के साथ बच्चों और किशोरों मेंव्यवहार संबंधी समस्याओं का अध्ययन
46. माइटोकॉन्ड्रियल विकारों के साथ भारतीय रोगियों में हिस्टोपैथोलॉजी, न्यूरोइमेजिंग और जैव रासायनिक चयापचयों के साथ उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम और इसके सहसंबंध का अध्ययन करना
47. जीवन के शुरूआती 24 से 72 घंटों तक स्वस्थ नवजात शिशु की मूत्र चयापचय संबंधी प्रोफाइल

सहयोगी

जारी

1. लेबर के वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी रोगियों में प्लेसबो के साथ तुलना में इब्डोन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन- एक पायलट अध्ययन, आरपी सेंटर
2. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के निदान में डीएसएम आईवी टीआर और डीएसएम 5 की संवेदनशीलता और विशिष्टता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केंद्र, ओपन लेबल परीक्षण भारत में 5 स्थान

3. डिफ्यूज आंतरिक पोंटाइन ग्लाइकोमा वाले रोगियों में अकेले पारम्परिक रेडियोथेरेपी बनाम समानांतर और सहायक टेम्पजोलोमाइड के साथ हाइपोफ्रैक्शनेटिड रेडियो थेरेपी की तुलना करने वाला एक फेज 2 डबल आर्म याद्दच्छिक परीक्षण विकिरण चिकित्सा
4. बच्चों में एंटी-सप्लीमेंट फैक्टर एच (एफएच) से जुड़े हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम (एचयूएस): इम्यूनोलॉजिकल और आनुवांशिक आधार, और ऑटोएन्टीबॉडीके कार्यात्मक लक्षण वर्णन, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली
5. रिलेसैप्ड / रिफ्रेक्ट्री हॉजकिन लिम्फोमा के लिए सहयोगी अध्ययन, इंडियन पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी ग्रुप (आईएनपीओजी)
6. डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय क्रियाशील वर्गीकरण का उपयोग करके दिल्ली में वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान
7. आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार में आंतरिक स्रोत और कनेक्टिविटी: एक क्यूईईई अध्ययन, शरीरक्रिया विज्ञान
8. दिल्ली वायु प्रदूषण: स्वास्थ्य और प्रभाव, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, सूचना विज्ञान, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, हृदविज्ञान, इंपीरियल कॉलेज, लंदन, व्यावसायिक चिकित्सा संस्थान, श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय, चेन्नई, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, इंटरनेशनल क्लीनिकल एपिडेमियोलॉजी नेटवर्क, भारत, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज
9. ऑर्थोलोजस क्रिस्पर/ केस 9 सिस्टम (एफएनसीएएस9) पर आधारित एक उच्च थ्रूपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास और बीमारी मॉडलिंग और सुधार के लिए 3 डी ऑर्गेनोइड की पीढ़ी में इसका अनुप्रयोग, आईजीआईपी, नई दिल्ली
10. दवा प्रतिरोध मिर्गी वाले किशोरों और वयस्कों में संशोधित एटकिंस आहार की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान
11. ग्रामीण एलएमआईसी सेटिंग्स में गर्भावस्था में एनीमिया के प्रसार में व्यक्तिगत बनाम नियमित प्रसवपूर्व देखभाल, व्यापक एनीमियाप्रोग्राम और वैयक्तिकृत चिकित्सा (सीएपीपीटी) परियोजना, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
12. पुराने अग्नाशयशोथ के लिए आनुवंशिक मार्करों के एक सूचनात्मक, लागत प्रभावी और कुशल पैनल को विकसित करने, परीक्षण और मान्य करने के लिए एक जीनोमिक सुविधा की स्थापना, जठरांत्ररोग विज्ञान
13. आईसीएमआर यंग डायबिटीज रजिस्ट्री, अंत:स्राविकी एवं चयापचय
14. भारतीय बाल चिकित्सा पीएच-ऑलमें नए ड्राइविंग टायरोसिन कीनेज की पहचान, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान
15. शुक्राणु एपिग्नोम पर उन्नत पैतृक आयु और खराब जीवनशैली का प्रभाव: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारमें संभव लक्षण, शरीर रचना विज्ञान
16. मल्टी सेंट्रिक इंडिया ने टास्क फोर्स प्रोजेक्टको छोड़, सीडीईआर, एम्स

17. ओपन हार्ट सर्जरीके बाद सियानोटिक जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में न्यूरो-विकास परिणाम, बाल हृदय रोग विज्ञान
18. जोन 2 टाइप 1 आरओपी के उपचार के लिए प्राथमिक रेनीबिज़ुमैब बनाम लेजर के परिणाम, नेत्र विज्ञान
19. बचपन के कैंसर के आकलन में दर्द का आकलन, नर्सिंग कॉलेज
20. बाल किडनी बायोलोजी कार्यक्रमः नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान, जीनोमिक्स एवं इंटिग्रेटिव जीवविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, परिवर्तनात्मक स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान, भारत सरकार, फरीदाबार; अनुसंधान और रिफरल अस्पताल, नई दिल्ली, सेंट जोन चिकित्सा महाविद्यालय, बंगलुरु, क्रिश्चियन चिकित्सा महाविद्यालय, वेलोर
21. वेसिकोर्टेरल इनफ्लक्स के साथ भारतीय बच्चों में आनुवंशिक विविधता का पायलट अध्ययनजीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
22. न्यूरोब्लास्टोमा में 18एफ-डीओपीए पीईटी /सीटी और 131I-एमआईबीजी सिंटिग्राफी की भूमिका की तुलना करने के लिए संभावित अध्ययन, परमाणु चिकित्सा
23. बाल चिकित्सा लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस में प्रारंभिक कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में एफडीजी पीईटी / सीटी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा
24. हाइपर इंसुलिन माइसीपोग्लाइसेमिया के साथ बाल चिकित्सा रोगियों में एफ-डीओपीए पीईटी-सीटी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा
25. द चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप स्टडी (सी2एस स्टडी), उपचार पूरा होने के बाद बचपन का कैंसर: मल्टीसेंट्रल अध्ययन
26. 'मेरा पूरा बचपन; बाल स्वास्थय व्क्सज विकास अंत:क्रियात्मक प्रणाली':भारतीय बच्चों और 18 वर्ष की आयु तक किशोरों के समग्र मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए एक वेब आधारित प्लेटफॉर्मका उपयोग;; एक तृतीयक केंद्र पायलट अध्ययन, चडीस, यूएसए
27. किशोरावस्था इडियोपैथिक अर्थराइटिसमें प्रतिक्रिया मूल्यांकन में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड (सीईयूएस) और पूरे शरीर के एमआरआई की उपयोगिता, रेडियोडायग्नोसिस
28. गैर-डायरियल और गैर-ऑटोइम्यून रोगियों में हीमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोमके रोगियों में संपूर्ण अनुक्रमण, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली

पूर्ण

1. एफआरडीए रोगियाँ से अलग पीबीएमसी की तुलनात्मक प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग और जो कि अलग-अलगफ्रैटेक्सिन अप-रेगुलेटिंग थेरेपी, उपस्थिति में है, जैवरसायन
2. सोनोग्राफिक रूप से मापी गई भ्रूण की कोमल ऊतक मोटाई का नवजात शरीर रचना के साथ सहसंबंध, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
3. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में भावना मान्यता और सामाजिक व्यवहार: व्यवहार और फेनोटाइपिक लिंकेज, आईआईटी, कानपुर का एक अध्ययन

4. यूके और भारत में आई-ट्रैकिंग तकनीक का उपयोग करके ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों वाले बच्चों की पहचान के लिए उद्देश्य उपायों की स्थापना (ईआईआरए: ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए आई-ट्रैकआईएनजी मूल्यांकन), बर्कबेक विश्वविद्यालय, लंदन
5. शिशु ब्रैकियल प्लेक्सोपैथीकी इमेजिंग, रेडियोलॉजी
6. एफ 18 एफडीजी पीईटी / सीटीपर बनावट विश्लेषण का उपयोग करके उच्च ग्रेड लिम्फोमा का अंतरिम मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा
7. एटिपिकल हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम, लेबरटोएयर डी'इम्युनोलोजीपर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन,होस्पिटेलयूरोपेन जार्ज पॉम्पीडौ, इनसिम यूएमआरएस 872, पेरिस, फ्रांस
8. लैब ऑन्कोलॉजी का अपरिपक्व टी-तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, आणविक जीव विज्ञान
9. सीवाईपी3एएस और एमडीआर-1 एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता का पैटर्न और रेनल अलोग्राफ़्ट प्राप्तकर्तामें टाक्रोलिमस आधारित इम्यूनोसप्रेशन के वैयक्तिकरण पर इसका प्रभाव, नेफ्रोलॉजी
10. रक्त के सूखे धब्बों द्वारा प्रसव पूर्व जांच: त्रिकोणीय और संसाधन उपयोग के लिए भूमिका, एमएएमसी, नई दिल्ली
11. बाल चिकित्सा यूवाइटिसमें मोतियाबिंद सर्जरी के रोगसूचक और सर्जिकल परिणाम, नेत्र विज्ञान
12. एशियाई भारतीय नवजात शिशुओंमें हड्डी के द्रव्यमान का अध्ययन, अंत:स्राविकी
13. अंतिम चरण 5 आरओपी में सिवनी रहित स्पष्ट कॉर्नियल माइक्रिनिटिस विट्रोक्टॉमी सर्जरी के सर्जिकल परिणाम, नेत्र विज्ञान
14. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों के लिए इलाज के रास्ते,पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई), नई दिल्ली
15. हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी के स्पेक्ट्रम में दृश्य हानि का पैटर्न, नेत्र रोग विभाग
16. ऑटिस्टिक विषयों में वस्तु धारणा के अशाब्दिक बायोमार्कर को समझना और सुधारना, आईआईटी दिल्ली

प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ: 162 सारांश: 44 पुस्तकों में अध्याय: 22 पुस्तकें: 5

रोगी उपचार

सेवा का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल उपस्थिति
बाल रोग सामान्य ओपीडी	32994	81124	114118
बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी क्लिनिक (पीएनसी)	888	5683	6571
बाल चिकित्सा न्यूरोमस्कुलर रोग	208	1375	1583
बाल रोग गैस्ट्रोएंटरोलॉजी हेपेटोलॉजी और पोषण (पीजीसी)	244	1862	2106

बाल चिकित्सा बेबी क्लिनिक	512	08	520
बाल चिकित्सा उच्च जोखिम नवजात विज्ञान क्लिनिक (एचआरसी)	315	1723	2038
बाल किडनी रोग विज्ञान चिकित्सा (आरएमसी)	455	3488	3943
बाल चिकित्सा चेस्ट क्लिनिक (पीसीसी)	400	3422	3822
बाल चिकित्सा क्षय रोग क्लिनिक	186	1174	1360
बाल रोग रूमेटोलॉजी क्लिनिक (पीआरसी)	452	2981	3433
पेडियाट्रिक जेनेटिक्स और जन्म दोष क्लिनिक	3317	1214	4531
बाल चिकित्सा आनुवंशिक प्रसवोत्तर मामले	2477	144	2621
बाल चिकित्सा अर्बुद क्लिनिक	317	2341	2658
बाल चिकित्सा कैंसर सर्वाइवर्स क्लिनिक (पीसीएससी)	177	1318	1495
बाल चिकित्सा अंतःस्रावी और चयापचय क्लिनिक (पीईसी)	141	1053	1194
बाल विकास क्लिनिक (सीडीसी)	1107	2480	3587
न्यूरोसाइस्टिसर्कोसिस क्लिनिक (एनसीसी)	194	1119	1313
ओटिज्म क्लिनिक	470	2510	2980
बाल मनोविज्ञान क्लिनिक	442	185	627
बाल मायोपेथी क्लिनिक	461	1871	2332
कुल योग			

इसके अलावा, पीडियाट्रिक चेस्ट क्लिनिक में सिस्टिक फाइब्रोसिस और पीडियाट्रिक एचआईवी सेवाएं प्रदान की गईं।

कंगारू मदर केयर इकाई सामान्य और जोखिम वाले नवजात शिशुओं की अनुवर्ती सेवाओं के साथ चलती है।

रोगियों को विभिन्न क्लिनिकों (न्यूरोलॉजी, मायोपैथी, जेनेटिक्स, हाई रिस्क, एंडोरिनोलॉजी, डेवलपमेंट, चेस्ट, रूमेटोलॉजी) और सामान्य ओपीडी सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की गईं।

2019-2020 के दौरान उपलब्ध कराए गए कुल फिजियोथेरेपी सत्र: 4550

आंतरिक सेवाएं

- आंतरिक सेवाओं में सामान्य वार्ड, दिन के दौरान देखभाल सुविधा, नवजात इकाइयाँ (एनआईसीयू ए और बी), कंगारू मदर केयर यूनिट और बाल चिकित्सा गहन देखभाल सुविधा में भर्ती सुविधाएं शामिल हैं।
- विभाग ने जीवन-सहायता और अन्य विशेष जरूरतों वाले बाल रोगियों को पूरा करने के लिए बच्चों के वार्ड में 8-बेड वाली उच्च निर्भरता इकाई का संचालन किया। एचडीयू की नर्सों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- सी 5 वार्ड में स्थित डे केयर यूनिट में एक दिन के लिए छोटी प्रक्रियाओं या हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले बच्चों को भर्ती किया जाता है।

कुल आंतरिक दाखिले

बाल चिकित्सा वार्डों में लंबे प्रवेश:	2861
डे केयर सुविधा में प्रवेश:	16,600

पीआईसीयू में भर्ती मरीज

एनआईसीयू में प्रवेश ए + बी:	612

विशेष जांच

अंतःस्राविकी

पीईएपीओडी द्वारा बॉडी कम्पोजिशन विश्लेषण:	385

ईसीएलआईए परीक्षण

1.	मानव विकास हार्मोन:	645
2.	इंसुलिन:	150
3.	विटामिन बी 12:	165
4.	फोलिक एसिड:	165
5.	फेरिटिन:	65
6.	एचबीएजी:	70
7.	एचसीवी:	70

8.	पीसीटी:	650
9.	एफटी4:	20
10.	विटामिन डी:	50
11.	कोर्टिसोल:	30

जठरांत्ररोगविज्ञान

डायग्नोस्टिक गैस्ट्रोस्कोपी:	700
एंडोस्कोपिक वैरिकाल बंधाव और स्क्लेरोथेरेपी:	300
एंडोस्कोपिक ग्लू इंजेक्शन:	5
एंडोस्कोपिक हीमोक्लिप प्रयोग:	2
बाहरी बॉडी को हटाना:	15
पर्क्यूटेनियस एंडोस्कोपी गैस्ट्रोस्टॉमी:	5
कोलोनोस्कोपी:	120
जिगर की बायोप्सी:	55

आनुवंशिकी

साइटोजेनेटिक्स लैब:

परिधीय और गर्भनाल रक्त कल्चर:	398
एमनियोटिक द्रव संवर्धन	233
कोरियोनिक विली कल्चर	20
क्यूएफ- पीसीआर	583

आणविक लैब

किए गए नियमित परीक्षण:

1. बीटा थैलेसीमिया (βथल) उत्परिवर्तन विश्लेषण - 201 परिवारों में किया गया
   βथल के लिए प्रसव पूर्व निदान - 81 परिवारों को पेश किया गया
2. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) म्यूटेशन विश्लेषण - 141 मामलों में किया गया
   एसएमए के लिए प्रसव पूर्व निदान की पेशकश की - 14 परिवारों
3. डचेने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) म्यूटेशन विश्लेषण - 347 परिवारों में किया गया
   डीएमडी के लिए प्रसव पूर्व निदान - 22 परिवारों के लिए
4. फ्रेगाइल एक्स स्क्रीनिंग - 345 परिवारों में की गई

5. सिस्टिक फाइब्रोसिस आणविक विश्लेषण - 104 मामलों में किया गया
   सिस्टिक फाइब्रोसिस के लिए प्रसव पूर्व निदान -05 परिवार
6. अचोंड्रोप्लासिया उत्परिवर्तन विश्लेषण - 18 मामलों में किया गया
   अचोंड्रोप्लासिया के लिए प्रसव पूर्व निदान - 03 परिवारों को प्रदान किया गया
7. गैर-अनुभवजन्य श्रवण हानि (कॉनेक्सिन 26) स्क्रीनिंग - 24 मामलों में की गई
   कॉनेक्सिन 26 के लिए प्रसव पूर्व निदान - 03 परिवारों को प्रदान किया गया
8. सेक्स क्रोमैटिन संबंधित असामान्यताएँ - 42 मामलों में
9. एल्बिनिज़म स्क्रीनिंग - 01 मामले में
   एकोंडरोप्लासिया के लिए प्रसव पूर्व निदान - 02 परिवारों को
10. आरईटीटी सिंड्रोम विश्लेषण -31 मामलों में किया गया
    आरईटी सिंड्रोम के लिए प्रसव पूर्व निदान - 03 परिवारों को प्रदान किया गया

अनुसंधान के आधार पर किए गए परीक्षण:

1. बीडब्ल्यूएस के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01 परिवार
2. मेगालेनसेफालिक ल्युकोएंसेफालोपैथी (एमएलसी) उत्परिवर्तन विश्लेषण - 07 मामलों में किया गया
3. माइटोकोंड्रियल म्यूटेशन विश्लेषण के लिए प्रसव पूर्व निदान - 02 मामलों में
4. एमपीएस (एमपीएस-I) के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01 परिवार को
5. जीएसडोफर्ड के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01परिवार
6. क्रैबे रोग के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01परिवार
7. एपीईआरटी के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01परिवार
8. जीए के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01परिवार

जैव रासायनिक आनुवंशिकी लैब:

1. **प्रसव पूर्व जांच: 1654**
   1. ट्रिपल मार्कर - 65
   2. डुअल मार्कर - 1589
2. **मेटाबोलिज्म की जन्मजात त्रुटि के लिए एंजाइम विश्लेषण: 667 (चितोट्रियोसिडेस सहित)**

   गौचर रोग: 67
   नीमेन पिक रोग: 55
   हर्लर (एमपीएस-I): 22
   हंटर (एमपीएस-II): 20
   सेनिफिलिप्पो (एमपीएस III बी, सी, डी): 16
   मॉर्कियो ए (एमपीएस-IVए): 22
   मोरक्वियो बी (एमपीएस-आईवी बी): 11
   जीएम 1 गांग्लियोसिडोसिस: 33

मेटाक्रोमेटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी: 43
एमपीएस -VI: 14
एमपीएस VII: 2
तय-सच: 35
सैंडऑफ रोग: 5
म्यूकोलिपिडोसिस: 6
क्राबे: 35
न्यूरोनल सेरॉइड लिपोफुचिनोसिस: 42
पोम्पे: 32
बायोटिनिडेस की कमी: 57
गैलेक्टोसिमिया: 48

3. **एलएसडी के लिए बायोमार्कर**
चितोत्रियोसिडेस: 102
मूत्र संबंधी रोग: 74

4. **लाइसोसोमल स्टोरेज विकारों का प्रसव पूर्व निदान**
नॉन इम्यून हाइड्रोप्स: 17
अन्य लाइसोसोमल स्टोरेज विकार: 17
गौचर रोग: 3
जीएम 2 गांग्लियोसिडोसिस: 3
जीएम 1 गैंग्लियोसिस: 2
एमपीएस आईवीए: 2
अन्य: 7 (एमएलडी, एमपीएसआई, एमपीएसआईआई, एमपीएसवीआई, एनपीडी, कराबस, एनसीएल)

5. **मेटाबोलिज्म के छोटे अणु सम्बंधी जन्मजात त्रुटियां**
रक्त अमोनिया: 149
टीएलसी: 98
एचपीएलसी: 63

6. **मूत्र रासायनिक परीक्षण**
छोटे अणु: 96
बड़े अणु (एमपीएस, ओलिगोसेकेराइड): 15

नवजात शिशु विज्ञान

रक्तचाप की इनवेसिव निगरानी:	110	उपचारात्मक हाइपोथर्मिया:	7
लक्षित नवजात इकोकार्डियोग्राफी:	120	धमनी रक्त गैस विश्लेषण:	300
लक्षित नवजात अल्ट्रासोनोग्राफी:	120	देखभाल के बिंदु पर ग्लूकोज आकलन:	800
उच्च आवृत्ति वेंटिलेशन:	34	हेमेटोक्रिट:	450
इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड:	14	कुल सीरम बिलीरुबिन:	600
कुल आंत्र पोषण:	100	ग्राम स्टेनिंग:	300
एएबीआर:	200	आरओपी के लिए लेजर थेरेपी:	390

वृक्कविज्ञान

विशेष परीक्षण और प्रक्रियाएँ

बच्चों में गुर्दा प्रत्यारोपण	14
हीमोडायलिसिस	1535
तीव्र पेरिटोनियल डायलिसिस (स्वचालित पेरिटोनियल डायलिसिस सहित)	64
लगातार एम्बुलेंस पेरिटोनियल डायलिसिस	163
प्लास्मफेरेसिस सत्र	677
निरंतर गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी	13
निरंतर कम दक्षता डायलिसिस	27
अस्थायी हेमोडायलिसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक जुगुलर, फेमरल)	85
गुर्दे की बायोप्सी	133
एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग	340
मॉनिटर किए गए जलसेक (एल्ब्यूमिन, साइक्लोफॉस्फेमाइड, रीटक्सिमाब)	1481
एंटीबॉडी के लिए एलिसा कारक एच के पूरक के लिए	334
सतह डी46 अभिव्यक्ति	56

तंत्रिकाविज्ञान

की गई प्रक्रियाओं की कुल संख्या

1) ईईजी - 2207, वीडियो ईईजी - 1637, एंबुलेटरी ईईजी - 132 (कुल ईईजी - 4076)
2) एनसीएस और ईएमजी - 295
3) आरएनएसटी - 25
4) पीएसजी - 150
5) डे केयर प्रक्रियाएं: लम्बर पंचर - 176, त्वचा की बायोप्सी - 33, तंत्रिका बायोप्सी - 7, मांसपेशियों की बायोप्सी - 70
6) सिपहैप (स्पिनरजा व्यक्तिगत रोगी मानवीय पहुंच कार्यक्रम) के तहत स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी रोगियों को स्पिनरजा उपचार।

एसएमए टाइप 1-2 रोगियों को लोड खुराक (4 खुराक पाक्षिक) दिया: एसएमए टाइप 2-10 मरीज

मनोवैज्ञानिक और विकासात्मक परीक्षण	
वीसीएमएस फॉर एसक्यू (एसक्यू, कोक्लेयर इंप्लांट के लिए)	3600
विकासात्मक प्रोफाइल 3	4000
बचपन के व्यवहार की चेकलिस्ट	6800
भारतीय बच्चों के लिए मलिन इंटेलिजेंस स्केल	4500
बच्चों के लिए वेसलर इंटेलिजेंस स्केल	40
हाउस ट्री पर्सन टेस्ट	1100
भारतीय शिशुओं के लिए विकास का पैमाना (डीएएस II)	570
संवेदी प्रोफ़ाइल 2	280
ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए डीएसएम -5	1010
बचपन आत्मकेंद्रित रेटिंग स्केल	540
एएसडी के लिए इंकलेन टूल	126
एएसडी के लिए आईएसएए टूल	126
ध्यान की कमी सक्रियता विकार के लिए डीएसएम-5	120
इंकलेन उपकरण एडीएचडी	74
एम्स एडीएचडी के लिए संशोधित उपकरण	74
एडीएचडी के लिए कोनर रेटिंग स्केल	95
ग्रेड स्तर का आकलन डिवाइस	300
प्रज्ञता विकार के लिए निमहंस बैटरी	152
कुल मरीज = 12,680 **वार्ड और आपातकालीन मरीजों सहित: (13,535)**	
हस्तक्षेप और परामर्श	
कुल मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप	
प्रारंभिक उत्तेजना चिकित्सा	1360
व्यवहार हस्तक्षेप	5600
एचटीपी (कार्यात्मक) का उपयोग करके मनोवैज्ञानिक और व्यक्तित्व मूल्यांकन	740
निओक्टरल एनुरिसिस के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	65
टिक विकार के लिए परामर्श	52
संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी	1200

वार्ड में माता-पिता की काउंसलिंग	195
आपातकाल में माता-पिता की काउंसलिंग	35
प्रमाणीकरण	
विकलांगता प्रमाणन	
प्रमाणीकरण के लिए मरीजों का मूल्यांकन किया गया	**325**

अर्बुदविज्ञान

क्रम	**जांच**	**संख्या**
1	प्रो पीएनबी	175
3	यूरिक अम्ल	144
4	एसजीओटी	84
5	एसजीपीटी	84
6	फॉस्फेट	24
7	मैग्नीशियम	144
8	बिलिरुबिन (प्रत्यक्ष)	60
9	बिलिरुबिन (कुल)	60
10	ट्रोपोनिन-I	175
11	पूर्ण प्रोटीन	24
12	एल्बुमिन	24
13	क्रिएटिनिन	24
14	यूरिया	24
15	पोटैशियम	24
16	तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए फ्लो साइटोमेट्री और एमआरडी आकलन	100
17	हीमोग्राम । क्रिटिकल केयर लैब	4000
18.	मज्जा	700
19.	सीएसएफ आईटीएम /	1100
20.	बायोप्सी	600
21.	पीआरपी/पीआबीसी आधान	1200

पल्मोनोलॉजी, गहन देखभाल, तपेदिक

विशेष प्रयोगशाला परीक्षण

1. हाई स्पीड वीडियो माइक्रोस्कोपी: 274
2. नाकब्रश से ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी: 150
3. पीसीडी के लिए म्यूटेशन 150
4. पसीना क्लोराइड आकलन: 631
5. बाल चिकित्सा में लचीला ब्रोंकोस्कोपी 321
6. ईबीयूएस (एंडोब्रोनकियल अल्ट्रासाउंड) 43
7. स्पिरोमेट्री 1251
8. शिशु पीएफटी 368
9. प्लेथाइमोग्राफी 7
10. आवेग ऑसिलोमेट्री (आईओएस) 781
11. नाइट्रिक ऑक्साइड (फीनो) का आंशिक उत्सर्जन: 671
12. नाक का नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ): 221
13. कुल और विशिष्ट आईजीई 192
14. एस्परजीलस के विरुध विशिष्ट आईजीई : 74
15. एस्परजीलस के विरुध विशिष्ट आईजीजी71
16. लेंटिल के विरुध विशिष्ट आईजीजी: 12
17. एवियन एंटीजन के विरुध विशिष्ट आईजीजी15
18. व्यायाम परीक्षण 72
19. 24 घंटे एसोफैगल पीएच अध्ययन 15
20. क्रायो फेफड़े की बायोप्सी 2
21. एक्सपर्ट अल्ट्रा के लिए स्टूय: 36
22. फ्युसिलेम द्वारा लेम के लिए मूत्र 36
23. डेन्गू के लिए रैपिड स्ट्रिप टेस्ट 101

रूमेटोलॉजी

टेलीफ़ोनिक सेवाएं: 240

नेत्र विज्ञान विभाग के साथ साझेदारी में सहयोगी यूविया-जेआईए क्लिनिक (जुलाई 2019 के बाद) बच्चों की स्क्रीनिंग: 430

रुमेटोलॉजी (वयस्क देखभाल में स्थानांतरित) के सहयोग से संक्रमणकालीन देखभाल सेवाएं: 05

इंट्रा-आर्टिकुलर स्टेरॉयड (आईएसीएस) व्यवस्थापन और उपयोग किए गए आईएसीएस:

- जोड़ों में इंजेक्शन: 279
- यूएसजी निर्देशित आईएसी इंजेक्शन: 14

- नैदानिक गठिया: 06
- नैदानिक त्वचा बायोप्सी: 04
- विभिन्न संधिशोथ के लिए जैविक एजेंटों का प्रशासन: 41

वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट

बाल चिकित्सा चिकित्सा ओपीडी में कार्डियो-पल्मोनरी व्यायाम परीक्षण: 98

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

छात्र / अनुसंधान कर्मचारी

1) न्यूरोपेडिकन न्यूरोलॉजी क्विज़ में पहला स्थान, 28 जुलाई 2017 (डॉ. प्रभजोत कौर और डॉ. गुप्ता)
2) डॉ. प्रियंका मदान ने अपने शोध के लिए 2019 अंतर्राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पुरस्कार जीता, जिसका शीर्षक है" बच्चों में हल्के मानसिक मस्तिष्क चोट (एमटीबीआई) न्यूरोकोग्निटिव परिणाम और उनके डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग (डीटीआई) में सम्बंध"

डॉ. रजनी शर्मा ने 7 जुलाई 2019 को डीडी न्यूज़ टोटल हेल्थ प्रोग्राम में "हाइपोथायरायडिज्म" पर दूरदर्शन पर एक चर्चा की; 16 अक्टूबर 2019 को एम्स में मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित "मोटापा: एक बढ़ती महामारी" पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा में भाग लिया।

प्रोफेसर मधुलिका काबरा को ड्ब्ल्युएचो द्वारा प्रिटोरिया के एथिकल में जीनोमिक और जेनेटिक डिसऑर्डर पर एक विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था;आईसीएमआरदुर्लभ रोग टास्क फोर्स के लिए सह अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया

डॉ. मधुमिता रॉय चौधरी ने एनआईएमएस, हैदराबाद और सीडीएफडी,हैदराबाद द्वारा आयोजित जेनेटिक न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर पर इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स एवँ इंडो-यूएस संगोष्ठी के लिए सोसाइटी के छठे वार्षिक सम्मेलन में नैदानिक अनुसंधान और बुनियादी विज्ञान श्रेणी में पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, 21 से 23 नवंबर 2019

डॉ. रश्मि शुक्ला को सीनियर बायोमेडिकल साइंटिस्ट्स 2019-2020 के लिए शॉर्ट टर्म आईसीएमआर-डीएचआर इंटरनेशनल फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर अशोक देवरारी: पश्चिम क्षेत्र नियॉन 2019 ओरेशन 'आरएमसीएच शिक्षा का अभिनव समाधान'; पश्चिम बंगाल राज्य एनएनएफ प्रोफेसर बागची ओरेशन: "देखभाल की गुणवत्ता"; सीएमईउत्कृष्टता शिखर सम्मेलन और पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार; प्रीटरम "डू नो हार्म" में सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों के लिए विकसित किए गए प्रीटरम केयर ऐप के लिए विशेष उल्लेख पुरस्कार

प्रोफेसर रमेश अग्रवाल ने जर्नल ऑफ प्रिनाटोलॉजी के पूरक के लिए अतिथि संपादक के रूप में काम किया, जिसका शीर्षक था "भारत में प्रचलित नवजात शिशुओं में श्वसन संकट सिंड्रोम के इलाज के लिए बकरी फेफड़े का सर्फेक्टेंट"।

डॉ. एम. जीवा शंकर देश के पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल छात्रों और संकाय के लिए एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम, "जैव-चिकित्सा अनुसंधान में बुनियादी पाठ्यक्रम" के सह-समन्वयक थे; बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम - मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के समर्थन में और एनआईए आईसीएमआरद्वारा संचालित; मातृ और बाल स्वास्थ्य पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) के सदस्य - भारत सरकार का जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विकास और रोग जीव विज्ञान; अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बीआईआरएसी-डीबीटी-बीएमजीएफ ग्रैंड चैलेंज इंडिया की परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी) के विशेषज्ञ और सदस्य; क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू)', एम्स, नई दिल्ली की कार्य समिति के सदस्य, जो संस्थान में नैदानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए संसाधन और सेवाएं प्रदान करेगा; बाल स्वास्थ्य पर शोध प्रस्तावों की समीक्षा के लिए स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अनुदान सहायता योजना के तहत प्रथम स्तर स्क्रीनिंग समिति 'के सदस्य; मातृ और प्रसवकालीन स्वास्थ्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देश विकास समूह के सदस्य; भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बीआईआरएसीद्वारा समर्थित ज्ञान एकीकरण और अनुवादप्लेटफ़ॉर्म के मातृ और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए केंद्र कोर समिति (सी3) के सदस्य; ग्लोबल और नेशनल कोऑपरेटर 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज, इंजरीज़ एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी (जीडीबी)' - दुनिया भर में महामारी विज्ञान के स्तर और बीमारी के बोझ के रुझानों को मापने का सबसे बड़ा प्रयास - वाशिंगटन विश्वविद्यालय में हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन; एम्स, नई दिल्ली में क्लिनिकल रिसर्च मेथोडोलॉजी और एविडेंस बेस्ड मेडिसिन कोर्स में फैलोशिप के संचालन की देखरेख करने वाले तकनीकी समूह के सदस्य; जीएसटीजी डेवलपमेंट मैनुअल पर विशेषज्ञ परामर्श समूह के सदस्य, जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास की सुविधा प्रदान करते हैं; एनएनएफ के संपादकीय समूह के सदस्य - नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश 2019, दिशा-निर्देशों के विकास में मदद करने के लिए देशभर के नवजात विज्ञानियों की सहायता करने में सम्मिलित रहे।

डॉ. अनु सचदेवा एसटीजी डेवलपमेंट मैनुअल पर परामर्श समूह के प्रमुख थे, जो कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास की सुविधा प्रदान करता है; 'एनएनएफ - क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइंस **2019**' के लेखन समूह के सदस्य।

प्रोफेसर अरविंद बग्गा को अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन शिक्षा पुरस्कार, 2019; एशियाई बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के महासचिव; सहायक सचिव, अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन; संपादक, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; संपादक, कोक्रेन किडनी और प्रत्यारोपण समूह; संपादकीय बोर्ड, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स; बाल रोग और बाल स्वास्थ्य; विश्व जे बाल रोग; सदस्य, बाल चिकित्सा समीक्षा समूह, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद; अनुसंधान सलाहकार समिति: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।

प्रोफेसर पंकज हरी भारत के अंतर्राष्ट्रीय बाल रोग संबंधी नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के सदस्य थे; सदस्य, सर्वश्रेष्ठ आचरण और मानक समिति, अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रामा एंड इमरजेंसी पीडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ प्रोग्रैट्रिक यूरोलॉजी में, नेफ्रोलॉजी ऑफ नेफ्रोलॉजी यूरोलॉजी; अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (ओपन), पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, नेफ्रॉन, किडनी और ब्लड प्रेशर रिसर्च, एक्टा पीडियाट्रिक, रीनल फेल्योर, इंडियन पीडियाट्रिक्स की क्लिनिकल जर्नल के लिए समीक्षक।

डॉ. अदिति सिन्हा को वर्ष 2018 के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बाल रोग में अनुसंधान के लिए डॉ. एच.बी. डिंगले मेमोरियल पुरस्कार मिला; सदस्य, स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम के उपचार पर आईपीएनए दिशानिर्देशों के लिए मुख्य समूह; संयुक्त सचिव, इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के लिए धारा संपादक; बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी के लिए समीक्षक, इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स।

प्रोफेसर शेफाली गुलाटी को सेवरोन फाउंडेशन में चिकित्सकीय सेवाओं के माध्यम से उनके विशिष्ट सेवाओं के लिए 21 दिसम्बर 2019 को एनडीएमसी सम्मेलन केंद्र, संसद मार्ग, नई दिल्ली में अटल स्वास्थ्य सम्मान 2019 पुरस्कार प्राप्त हुआ; आईएपी के बाल तंत्रिकातंत्र अध्याय द्वारा न्यूरोपेडिकोन 2019 के दौरान बाल तंत्रिकातंत्र विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार;सलाहकार बोर्ड के सदस्य, बाल रोग न्यूरोलॉजी अकादमी आईएपी 2019 से; चेयरपर्सन चयन, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी अकादमी, आईएपी, मार्च 2020; संरक्षक, तीसरा इंटरनेशनल बीएमआई ऑटिज्म सम्मेलन, व्यवहार मोमेंटम इंडिया, फरवरी 2020; ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, फ्रांस, जनवरी 2020 के लिए एकमात्र एशियन एक्सपर्ट के रूप में एलिसिटेशन बोर्ड एक्सपर्ट ग्रुप के लिए चुनी गयी; लर्निंग लैडरल फैमिली द्वारा अप्रैल 2019 में नि:शक्तजनों को सम्मिलित करने के लिए प्रंशसनीय; संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया (4); विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक (बीएमजे ओपन, जर्नल ऑफ इनहेरिट मेटाबोलिक रोग, अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स, जर्नल ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी, फ्रंटियर्स, एपिलेप्टिक डिसऑर्डर); एमडी, डीसीएच डीएम और कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यावसायिक निकायों के पीएचडी के विभिन्न शोध के परीक्षक और समीक्षक (23); विभिन्न समितियों के लिए विशेषज्ञ: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय: राष्ट्रीय कल्याणस्वास्थ्यकर्यक्रम; दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए दिशानिर्देश तैयार करना। प्रारंभिक बचपन के विकास पर परामर्श: पहले 1000 दिनों की यात्रा, राष्ट्रीय विश्वास: ऑटिज़्म उपकरणों में मास्टर ट्रेनर्स के राष्ट्रीय समन्वयक; प्रारंभिक हस्तक्षेप, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में चयनित किया गया। नेशनल ट्रस्ट एक्ट के संशोधन के लिए, रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मातृ और बाल स्वास्थ्य-विकास और रोग की विशेषज्ञ समिति (टीईसी) के आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समूह के सदस्य। जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी): परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम): "न्यूरोलॉजी / मनोरोग विशेषज्ञ समूह" के

सदस्य, भारतीय फार्माकोपिया मिशन: छठे संस्करण के लिए विषय समीक्षा समिति के विशेषज्ञ नेशनल फॉर्मूला ऑफ इंडिया (एनएफटी) 2019-2020, डीएमाआईके लिए विशेषज्ञ विशेषज्ञ समूह के सदस्य, डीएम (बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी पाठ्यक्रम), शिक्षक योग्यता और मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण के लिए विशेषज्ञ, जिसमें डीएमबाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी,यूजीसीविशेषज्ञ, चिकित्सा विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन के लिए चयन शामिल हैं। पोषण अभियान, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, को बढावा देने के लिए प्रतिभाशाली आहार पद्धतियों को बढावा देने में विकलांग लोगों की आवश्यकताओं के प्रति समुदायों को संवेदनशील बानाने के लिए विशेषज्ञः सामाजिक एवं व्यवहारिक परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) रणनीतियां। ओटिज्म सहित विकासात्मक विकारों के प्रमाणन के लिए उपसमीति के अध्यक्ष; राष्ट्रीय विशेषज्ञ समीति के सदस्यः विशिष्ट विकलांगताओं के मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए दिशानिर्देशों का विकास करने के लिए; विकलांगताएं जिनके लिए उच्च सहायता की आवश्यकता है; विकलांगों के लिए सरकारी नौकरियों की पहचान, शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए एमसीआई और संयुक्त चिकित्सा सेवाओं में आरक्षण; एक से अधिक विकलांगताओं पर उपसमीति; सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण मोड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समूह और संवेदना कार्यक्रम, भारतीय पुनर्वास परिषद; यूनिसेफः विकलांग बच्चों पर अंतर्राष्ट्रीय हिस्सेदारी-ईसीडी टास्क फोर्स; एनसीईआरटीः विशिष्ट बच्चों का मुख्य धारा में समावेशन, ईसीसीई, विशिष्ट बच्चों की शिक्षा पर विशेषज्ञ समीति के सदस्य।

डॉ. बिस्वरूप चक्रवर्ती जून 2019 में मुज़फ़्फ़रपुर, बिहार में एईसीके प्रकोप के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों की केंद्रीय टीम का हिस्सा थे; 19 जुलाई 2019 को आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में बिहार में एईएस पर उच्चाधिकार प्राप्त राष्ट्रीय परामर्श में हिस्सा लिया; स्टैंडिंग नेशनल कमेटी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग (ड्रग रेगुलेशन सिस्टम), स्वास्थय और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आवश्यक चिकित्सा की राष्ट्रीय सूची में संशोधन के लिए एंटी-इंफेक्टिव्स विशेषज्ञ समूह के सदस्य के रूप में नामांकित और 7 फरवरी 2020 को पहली बैठक में भाग लिया गया।

प्रोफेसर रचना सेठ भारतीय बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी सर्वाइवर एंड लेट इफेक्ट्स उपसमिति, बाल रोग विज्ञान ऑन्कोलॉजी चैप्टर, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की रिसर्च समूह की चेयरपर्सन थी; संपादकीय बोर्ड, भारतीय बाल रोग के सदस्य के रूप में; समन्वयक, डीएम कार्यक्रम बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी, एम्स; टीएमएच मुंबई और किदवई मेमोरियल अस्पताल, बेंगलुरु में डीएम बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी के लिए बाहरी परीक्षक; सदस्य ग्लोबल रेटिनोब्लास्टोमा अध्ययन समूह; एआईआईएमएस, बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी डिवीजन, बालरोग, द्वारा स्टीयरिंग फर्स्ट मल्टिसेन्टेरिक बचपन कैंसर सर्वाइवरशिप रजिस्ट्री; 14 जून 2019 को "विश्व रक्तदाता दिवस" पर निदेशक, एम्स द्वारा स्पष्ट; डीएम बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी निवासियों ने आईजेपी क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सितंबर 2017) और आईएपी दिल्ली बैठक (जुलाई 2019) में मामले प्रस्तुत किए; चेयरपर्सन: पीडियाट्रिकहेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी में सीएमई, पीडियाट्रिक ल्यूकेमिया और लिम्फोमा पर सीएमई, ब्रेन ट्यूमर पर सीएमई।

डॉ. आदित्य गुप्ता विभाग में एलोजेनिक हेमाटोपोइटिक स्टेम सेल प्रतिस्थापन शुरू कर रही थीं। वर्ष 2019 में तीन एलोजेनिक एचएससीटी किए गए हैं और किए गए एचएससीटी की कुल संख्या 15 है (2017 से); बाल चिकित्सा सीएमएल में सर्वश्रेष्ठ टीकेआई पर एक सत्र की अध्यक्षता करना; लिम्फोमास और ल्यूकेमियास पर सीएमई; 9 फरवरी 2020. सर गंगा राम अस्पताल।

प्रोफेसर एस.के. कबरा ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज को कमजोर संसाधन सेटिंग में दुर्लभ बीमारी की पहचान और उपचार के लिए अभिनव दृष्टिकोण पर सात दशक पूरे होने पर संदेश दिया: एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में 25 सितंबर 2019 को सिस्टिक फाइब्रोसिस एक प्रोटोटाइप; 29-30 नवंबर 2019 को तिनसुकिया में आईएपीतिनसुकिया द्वारा आयोजित(एएसपीडीआईसीओएन 2019) के वार्षिक सम्मेलन में "सिस्टिक फाइब्रोसिस निदान और प्रबंधन" पर स्वर्गीय प्रोफेसर ए.सी. बरुआ ओरेशन; सदस्य: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, केंद्रीय टीबी डिवीजन।भारत में लेटेंट टीबी संक्रमण प्रबंधन पर सदस्य तकनीकी कार्य समूह। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय टीबी प्रभाग, भारत सरकार; अध्यक्ष: भारत में अव्यक्त टीबी संक्रमण प्रबंधन पर उपसमिति, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय टीबी प्रभाग, भारत सरकार।

डॉ. के. आर. जाट को भारतीय बाल रोग, 2019 के लिए शीर्ष समीक्षक से सम्मानित किया गया; सहयोगी संपादक: बीएमसी बाल रोग; निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: कोक्रेन सहयोग, छाती, बाल रोग, बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी, भारतीय बाल रोग, एलर्जी, अस्थमा और नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान, बाल चिकित्सा एलर्जी, इम्यूनोलॉजी, और पल्मोनोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, रेस्पिरेटरी केयर, इंडियन जे ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईजेसीसीएम) , प्लोस वन, बीएमसी संक्रामक रोग, बीएमजे ओपन। **वैज्ञानिक समुदायों की सदस्यता:** पीआरआईएसआईडीई (पीडियाट्रिक रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया) के सदस्य, यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी (ईआरएस) के सदस्य, अमेरिकन थोरैसिक सोसाइटी (एटीएस) के सदस्य, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के रेस्पिरेटरी चैप्टर के आजीवन सदस्य, रुमैटोलॉजी चैप्टर के आजीवन सदस्य, आईएपी, भारतीय रुमेटोलॉजी एसोसिएशन (आईएआरए) के आजीवन सदस्य, इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी (आईआईएस) के आजीवन सदस्य, पेडिएट्रिक एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (पीएएलएस) और बेसिक के लिए प्रशिक्षक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस), अस्थमा ट्रेनिंग मॉड्यूल (एटीएम), रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इंफेक्शन-ग्रुप एजुकेशन मॉड्यूल (आरटीआई-जीईएम), और पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस मॉड्यूल के ट्रेनर।

डॉ. झूमा शंकर “एम्स में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए बुनियादी जीवन समर्थन पाठ्यक्रम” की टीम की स्थापना कर रहे थे - 11 अगस्त 2019; “एम्स -7 और 8 सितंबर 2019 को उन्नत जीवन समर्थन पाठ्यक्रम” का आयोजन; एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल मॉड्यूल 2019" की टीम का आयोजन - 20 जुलाई से 21 जुलाई 2019; 2 बैचों के लिए तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम के लिए बिहार के डॉक्टरों और नर्सों के लिए संगठित प्रशिक्षण कार्यक्रम (1-14 फरवरी 7-21 मार्च 2020);

मरीज की देखभाल, प्रशिक्षण, पर्यवेक्षण और दिशानिर्देश विकास के लिए 2019 के एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के प्रकोप के लिए श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बिहार के मुजफ्फरपुर में संकाय और रेजीडेंट तैनात थे। हम महामारी की जांच में शामिल थे, मसौदा प्रबंधन प्रोटोकॉल बनाने में और बिहार सरकार में शामिल हैं, मुजफ्फरपुर, बिहार में एईएस के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकास।

डॉ. नरेन्द्र बागड़ी ने भारतीय संधिविज्ञान संघ (एलएम-1300) 2019 की सदस्यता प्राप्त की; बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी यूरोपीय सोसायटी सदस्यता (पीआरईएसएम2019-I / 283) 2019 की सदस्यता; एनओसी समिति, केंद्रीय ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए), महिला और बाल विकास मंत्रालय के 201 से नामित सदस्य; 7 दिसंबर 2019 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में समुदायिक विकास समिति द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया; तीव्र एन्सेफैलोपैथी सिंड्रोम 2019 के दौरान विशेषज्ञों की केंद्रीय टीम में शामिल होने के लिए ऑलएमएस, नई दिल्ली से मुजफ्फरपुर, बिहार के चिकित्सा विशेषज्ञों के रूप में योगदान दिया गया।

आमंत्रित वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर ओलाफ हायर्ट (प्रोफेसर ऑफ़ पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी ऑफ़ ल्यूबेक यूनिवर्सिटी, लुबेक, जर्मनी और यूरोपीयन लीड्स ऑफ़ यूरोप -नेटवर्क फॉर रेयर डिज़ीज़्स, और डॉ.राल्फ़वर्नर, लुबेक यूनिवर्सिटी, ल्यूबेक, जर्मन में जेनेटिकिस्ट) ने बालचिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी विभाग का दौरा किया, 30नवंबर से 2 दिसंबर 2019 तक।
2. डॉ. निकोल फ्लेईश्चर, एप्लीकेशन एंड रिसर्च के प्रमुख, एफडीएनएइंकने 13 नवंबर 2019 को "डीपलर्निंगकाउपयोगकरकेआनुवांशिकविकारोंकीपहचान "पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ. इंद्रनील सहाय (न्यू इंग्लैंड न्यूबोर्न स्क्रीनिंग प्रोग्राम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और मैसाचुसेट्स जनरलहॉटिक्स, जेनेटिक्स और मेटाबॉलिज्म विभाग में सीनियर अटेंडेंस) ने मेटाबोलिक मायोपैथिस और न्यूबोर्न स्क्रीनिंगन पर 3 अक्टूबर 2019 को व्याख्यान दिया।
4. डॉ. विभा दास (बाल चिकित्सा विभाग, हनोवर मेडिकल स्कूल में बाल चिकित्सा मेटाबोलिक मेडिसिन के प्रमुख) ने हेपाटोरेनल टायरोसिनेमिया: निदान, उपचार, परिणाम और निगरानी व्याख्यान दिया, 25 सितंबर 2019
5. डॉ. सदिक्वा अंजुम (डीएम नियोनेटोलॉजी), उस्मानिया मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद, तेलंगाना 1 जनवरी 2020 से 15 जनवरी 2020 तक
6. डॉ. करामल्ला सद्दाम हुसैन (डीएम नियोनटोलॉजी), मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, भारत 1 सितंबर 2019 से 15 सितंबर 2019 तक
7. डॉ. कौशिकी शंकर (डीएम नियोनटोलॉजी), मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, भारत 1 अक्टूबर 2019 से 15 अक्टूबर 2019 तक
8. डॉ. पार्वती सी. डडवाल, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, कनाडा, 24 जनवरी 2019 से 23 फरवरी 2019 तक

9.28. बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम. बाजपेयी

आचार्य

संदीप अग्रवाल　　एम. श्रीनिवास (प्रतिनियुक्ति पर)

अपर आचार्य

शिल्पा शर्मा (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.)

सह-आचार्य

विशेष जैन　　अंजन दुहा

प्रबुद्ध गोयल　　देवेंद्र कुमार यादव

सहायक आचार्य

अजय वर्मा　　अपराजिता मित्रा (संविदा)

विशिष्टताएं

विभाग ने दिनांक 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2019 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन (आईएपीएससीओएन 2019) के 45 वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया और साथ ही सीएमई और लाइव ऑपरेटिव पीडियाट्रिक यूरोलॉजी कार्यशाला का भी आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्थान में बाल शल्य चिकित्सा विभाग की स्थापना के स्वर्ण जयंती समारोह के साथ हुआ। इस अवसर को मनाने के लिए, कार्यक्रम में 30 अक्टूबर 2019 की शाम को विभाग के पूर्व छात्रों की बैठक और बाल उपचार में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सीएमई और मॉड्यूल विकास भी शामिल था। इस कार्यक्रम में भारत और विदेश के सभी हिस्सों से व्यापक प्रतिनिधित्व वाले 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभाग ने पहली बार आईएपीएस के वार्षिक सम्मेलन में लाइव टेलीकास्ट वर्डओवर जैसी विशेषताओं को पेश किया और स्मार्टफोन के लिए एक एप्लिकेशन लॉन्च किया। इसके साथ ही पूर्व छात्रों की बैठक भी आयोजित की गई थी जिसमें दुनिया भर के विभाग के 150 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया था। भारत सरकार के डाक सेवा विभाग द्वारा बाल शल्य चिकित्सा विभाग की स्वर्ण जयंती मनाते हुए एक "प्रथम दिवस आवरण" जारी किया गया। विभाग ने इस सम्मेलन में बाल शल्य चिकित्सा की प्रगति के संबंध में पत्रिका शुरू की।

विभाग, संकाय-सदस्य, स्थान और स्टाफ-सदस्यों के साथ आगामी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में विस्तार के लिए संकल्पबद्ध है तथा साथ ही गंभीर विकृतियों, उन्नत कैंसर, आघात और अन्य रोग से पीड़ित बच्चों के लिए सभी उप-विशिष्टताओं और उपचार के विकास की ओर अग्रसर है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल शिक्षण

विभाग एमसीएच बाल शल्य चिकित्सा प्रशिक्षुओं, स्नातकोत्तर, स्नातक पूर्व, नर्सिंग छात्रों, बीएससी और एमएससी नर्सिंग छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। हमारे विभाग में शिक्षण और शैक्षिक विकास और सुधार के लिए एक नए और नवीन विचार का "सर्जरी-पेडिया" नामक गूगल समूह द्वारा निर्माण किया गया है। क्लिनिकल प्रैक्टिस में दिन-प्रतिदिन और सेमिनार के दौरान विभिन्न संदेह और प्रश्न उत्पन्न होते हैं। संदेह और प्रश्नों को उन रेजीडेंट डॉक्टरों को आबटित किया जाता हैं जो प्रश्नों के बारे में पढ़ते हैं और हर किसी के लाभ के लिए गूगल समूह में उत्तर को पोस्ट करते हैं। आसान तथा तेज खोज और पुनर्प्राप्ति के लिए संचार प्रणाली को सूचीबद्ध करके प्लेटफॉर्म को और सुधारा गया है।

अल्प अवधि प्रशिक्षण निम्नलिखित को प्रदान किया गया:

डॉ. शिप्रा शर्मा, चिकित्सा संस्थान, छत्तीसगढ़, 24 जुलाई 2019 - 23 अक्टूबर 2019

डॉ. संदीप कुमार, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, 1-31 अक्टूबर 2019

डॉ. अडागटला राजशेखर, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, 1-30 नवंबर 2019

डॉ. रीतेश कुमार, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, 2-31 दिसंबर 2019

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- दिनांक 1 से 3 नवंबर 2019 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन (आईएपीएससीओएन) का 45 वां वार्षिक सम्मेलन
- दिनांक 30 और 31 अक्टूबर 2019 को सीएमई और लाइव ऑपरेटिव बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान कार्यशाला
- दिनांक 1 और 2 नवंबर 2019 को अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सीएमई और बाल विकास में मॉड्यूल विकास
- दिनांक 12 नवंबर 2019 को बाल यौन शोषण पर सार्वजनिक जागरूकता व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम

प्रदत्त व्याख्यान

एम बाजपेयी: 8	**संदीप अग्रवाल: 8**	**शिल्पा शर्मा: 34**
विशेष जैन: 3	**अंजन दुहा: 6**	**प्रबुद्ध गोयल: 5**
देवेन्द्र कुमार यादव: 1	**अजय वर्मा: 1**	

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 74

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. बाल चिकित्सा हाइपोस्पेडियस की मरम्मत के लिए बायोकॉम्पैटीबल ड्रेसिंग, शिल्पा शर्मा, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रूपये
2. जन्मजात मूत्रविज्ञान विकृतियों और सीकेडी में उन्नत अनुसंधान केंद्र, मीनू बाजपेयी, एम्स, 5 वर्ष, 2018, 190 लाख रूपये
3. बच्चों में न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के दौरान इमेज के कम्पन और कैमरा पकड़ने वाले सहायक की थकान को कम करने के लिए पोर्टेबल रैपड्ली एडजस्टेबल कैमरा होल्डिंग डिवाइस का विकास, विशेष जैन, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-2021, 10 लाख रूपये
4. बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में रोगी की देखभाल और स्वास्थ्य अनुसंधान की सुविधा के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित डॉक्टर रोगी इंटरफ़ेस का विकास, प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019, 130 लाख रूपये
5. बाल चिकित्सा तंत्रिकाजन्य मूत्राशय में इंट्रावेसिकल बोटुलिनम टॉक्सिन ए का इलेक्ट्रोमोटिव संचालन, शिल्पा शर्मा, एम्स, 2 साल, 2019-2020, 5 लाख रुपये
6. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों के लिए भ्रूण परामर्श के लिए दिशानिर्देशों की स्थापना, शिल्पा शर्मा, डीबीटी, 4.5 वर्ष, 2014-20, 48.36 लाख रूपये
7. 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों में सीरम अल्फा भ्रूण प्रोटीन की संदर्भ रेंज, देवेंद्र कुमार यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2015-2020, 2.3 लाख रूपये

पूर्ण

1. चूहों में प्रायोगिक रूप से प्रेरित लिवर फाइब्रोसिस में करक्यूमिन और इसके संयोजन के प्रभाव: एक तुलनात्मक विश्लेषण, शिल्पा शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रूपये।
2. ऑब्सट्रक्टिव रिनोपैथी में गुर्दे संबंधी संरक्षण में अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं और रीनल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका-चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, शिल्पा शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2013-2015, 5 लाख रूपये
3. पीयूजे बाधा वाले बच्चों में एमएजी 3 स्किन्टिग्राफी पर कोर्टिकल ट्रांजिट टाइम की भूमिका, विशेष जैन, एम्स, 2 साल, 2015-2019, 1.65 लाख रूपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया, हाइड्रोसील और अनवतीर्ण वृषण की योनि प्रवर्धन में कोमल मांसपेशियों की कोशिका विशेषताओं और मायोफाइब्रोलास्ट्स का तुलनात्मक अध्ययन

2. तत्काल और प्रारंभिक जटिलताओं के संदर्भ में डिस्टल पेनाइल हाइपोस्पेडियस के संचालित मामलों के अल्पकालिक परिणामों का एक अग्रदर्शी अध्ययन।
3. जन्मजात मूत्र विज्ञान संबंधी विकृतियों के लिए आनुवंशिक प्रवृत्ति के संबंध में मूत्र में आणविक मार्करों की अंतर अभिव्यक्ति पर एक अध्ययन
4. रिसाव दर और घाव के संक्रमण पर श्वसन ग्रसिका नालव्रण वाले ग्रसिका अछिद्रता की प्राथमिक मरम्मत में ट्रांसएनेस्टोमोटिक फीडिंग ट्यूब का ऐन्टीग्रेड या रेट्रोग्रेड निवेशन।
5. एक्स्ट्रा-हिपेटिक पोर्टल शिरा अवरोध से पीड़ित बाल रोगियों में गणना टोमोग्राफी पोर्टोग्राफी पर इंट्रा-हेपेटिक पोर्टल एनाटॉमी (बाएं और दाएं पोर्टल नस) और रेक्स शंट सर्जरी की शारीरिक व्यवहार्यता का आकलन।
6. एकतरफा गैर-सिंड्रोमिक विल्म्स ट्यूमर वाले बच्चों में गुर्दे की कार्यक्षमता का आकलन: एक ऐम्बिस्पेक्टिव नियंत्रण अध्ययन
7. ओपन कोहेन के यूरेटेरिक पुन: प्रत्यारोपण में डबल "जे" और स्टेंट के रूप में शिशु आहार नलियों की तुलना - एक यादृच्छिक अध्ययन।
8. डिस्टल हाइपोस्पेडियस में आंतरिक और बाहरी पूर्व-त्वचा के बीच माइक्रोवेसेल घनत्व और वृद्धि कारक स्तरों में अंतर
9. हैंगिंग बाउल तकनीक के माध्यम से एकल-चरणित एब्डोमिनो-पेरिनेल के ठीक होने के बाद गुदा एवं मलाशय संबंधी विकृतियों वाले बच्चों में प्रारंभिक परिणाम,: एक ऐम्बिस्पेक्टिव कोहार्ट अध्ययन
10. ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में एड्रियामाइसिन के संचालन से संबंधित कार्डियोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन
11. हाइपोस्पेडियस परिणामों का दीर्घकालिक डेटाबेस (एच.ओ.एल.डी.): एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन
12. मूत्रमार्ग के पीछे के वाल्व के लिए इलाज किए गए रोगियों में मूत्राशय के कार्यों के दीर्घकालिक परिणाम
13. गुदा एवं मलाशय संबंधी विकृतियों में पीएसएआरपी का दीर्घकालिक परिणाम
14. उत्तर भारतीय जनसंख्या के लिए नवजात एनोजेनिटल डिस्टेंस नोमोग्राम और एंथ्रोपोमेट्री के साथ इसका संबंध
15. भारतीय जनसंख्या में बाल पुरूष जननांग संबंधी लंबाई का मानक आकलन
16. भारतीय बाल आबादी में गुर्दे की लंबाई, पैरेन्काइमल मोटाई और गुर्दे की इलास्टोग्राफी के मानदंड संबंधी मूल्य
17. आवृत्ति/पुनरावर्ती ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में आईसीई (इफोसामाइड, कार्बोप्लाटिन और ईटोपोसाइड) सैल्विज पद्धति के साथ उपचार के परिणाम
18. एकतरफा पेल्वी-यूरेरिक जंक्शन बाधा के गैर-ऑपरेटिव प्रबंधन के परिणाम
19. स्पाइना बिफिडा में प्लाज्मा जीडीएनएफ का स्तर: बच्चों में न्यूरोलॉजिकल इम्पेयरमेंट के साथ सहसंबंध

20. ईएचपीवीओ के पीटीएस में सीरम हेपेटोट्रॉफिक कारकों, सीरम अमोनिया का स्तर और जीवन की गुणवत्ता की रूपरेखा
21. हेपोटोब्लास्टोमा वाले बच्चों का मोनोथेरेपी और पीएलएडीओ पद्धति के साथ उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन
22. आई.आर.एस.-5 रेजिमेन के उपचार सहित रैबडोमायोसार्कोमा से पीड़ित बच्चों के उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन
23. शोधित एनडब्ल्यूटीएस -5 रेज़िमेन के साथ उपचार पर विल्म्स ट्यूमर वाले बच्चों के उपचार का अग्रदर्शी अध्ययन
24. किडनी के क्लियर सेल सार्कोमा के उपचार के लिए पांच औषधि रेजिमेन पर अग्रदर्शी अध्ययन
25. सर्जिकल नियोनेट्स और शिशुओं में सीरम प्रोकैल्सिटोनिक स्तरों की प्रवृत्ति का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन और पोस्ट-ऑपरेटिव अवधि के दौरान घटनाओं के साथ इसका सहसंबंध
26. बाल चिकित्सा रोगियों में कॉडल ब्लॉक के वैसोडिलेटरी प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी, अवलोकन संबंधी अध्ययन
27. पूर्व-शल्य चिकित्सीय प्रतीक्षा अवधि में दिन के दौरान देखभाल प्रक्रियाओं के लिए बुलाए गए बाल शल्यक चिकित्सा के रोगियों के लिए अंतःशिरा द्रव के रखरखाव के संचालन के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) परियोजना
28. हाइपोस्पेडियस के संचालित मामलों के दीर्घकालिक परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का पूर्वव्यापी अध्ययन
29. न्यूरोजेनिक मूत्राशय के रोगियों में गुर्दे की क्षति की भविष्यवाणी में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका और गुर्दे के नुकसान के मौजूदा मापदंडों के साथ इसके सहसंबंध
30. बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर में फुप्फुसीय मेटास्टेक्टोमी की भूमिका
31. अतिरिक्त-यकृत पित्त की अछिद्रता वाले शिशुओं के रोग निदान एवं रोग संबंधी पूर्व अनुमान में सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस -7 स्तरों की भूमिका
32. विभिन्न कशेरुक स्तरों पर बाल चिकित्सा रोगियों में एपिड्यूरल स्पेस डेप्थ और ओरिएंटेशन का सोनोग्राफिक मूल्यांकन: एक प्रेक्षणमूलक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
33. लिंग विकास के विकार के संबंध में टेस्टिक्यूलर बाइयोसिन्थेटिक दोष और 5-□ रिडक्टेस कमी में जीनोटाइप-फेनोटाइप सहसंबंध की पहचान करने के लिए अध्ययन
34. बाल्यावस्था के ठोस ट्यूमर से बचे बच्चों में बीमारी के दीर्घकालिक प्रभावों और इसके उपचार का अध्ययन करना
35. बाल आयु-समूहों में स्ट्रैच्ड पीनाइल की लंबाई की माप के लिए स्लाइडिंग स्केल पेनोमीटर का प्रमाणीकरण

पूर्ण

1. जन्मजात मूत्र संबंधी विकृतियों में नेफ्रोजेनिक जीन में बहुरूपता के प्रसार और गुर्दे के कार्यात्मक परिणामों पर उनके प्रभाव का अध्ययन
2. हिर्स्चस्प्रुंग के रोगियों में एनोरेक्टल फ़ंक्शन के दीर्घकालिक पोस्टऑपरेटिव परिणामों का आकलन
3. ओपन पाइलोप्लास्टी से गुजरने वाले बच्चों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेटस लुम्बोरम ब्लॉक बनाम एरेक्टर स्पाइने प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित अध्ययन
4. बाल चिकित्सा आबादी में एसोफैगल बटन बैटरी
5. काजल जैसी कोशिकाएं (आईसीसी-एलसी) और जन्मजात पेल्वीयूरेटेरिक जंक्शन बाधा में हिस्टोपैथोलॉजी की अंतरालीय कोशिकाओं का मूल्यांकन और इंट्रा ऑपरेटिव निष्कर्षों के साथ उनका सह-संबंध
6. मूत्राशय / प्रोस्टेट रैबडोमायोसार्कोमा के रोगियों में कार्यात्मक मूत्राशय परिणाम
7. यौन विभेदन विकार के दीर्घकालिक परिणाम
8. पैमाना विधि द्वारा स्ट्रेच्ड पीनाइल की लम्बाई की माप: इंट्रा-ऑब्जर्वर का अनुमान और इंटर-ऑब्जर्वर विविधताएं और तकनीक का मानकीकरण
9. कसाई प्रोटोएन्टेरोस्टोमी के पश्चात ईएचबीए के रोगियों में इंट्रा-यकृत पित्त डक्टुलर संबंधी आर्किटेक्चर का एमआर मूल्यांकन
10. विकासशील देश में न्यूरोब्लास्टोमा में रोग संबंधी कारक और परिणाम: एक ऐम्बिस्पेक्टिव अध्ययन
11. ब्लंट ट्रामा ऐन्डोमन के बाद बाल ठोस अंग की चोट का निर्धारण करने में आघात के लिए सोनोग्राफी के साथ केंद्रीकृत आकलन की संवेदनशीलता और विशिष्टता
12. हेपेटोब्लास्टोमा में एंटी-टीईआरटी एंटीबॉडी और ट्यूमर व्यवहार के इम्यूनो-हिस्टोकेमिस्ट्री सहसंबंध का अध्ययन- एक पायलट अध्ययन
13. गुर्दे की चोट के आनुवंशिक लक्षण के साथ और बिना जन्मजात मूत्ररोग वाले बच्चों में गुर्दे की चोट के शुरुआती मार्करों के बीच अस्थायी संबंध का अध्ययन
14. जन्मजात मूत्ररोग में नेफ्रोजेनिक जीन में बहुरूपता के प्रसार और गुर्दे के कार्यात्मक परिणामों पर उनके प्रभाव का अध्ययन
15. यकृत संबंधी फाइब्रोसिस के मूल्यांकन हेतु बिलियरी अछिद्रता के रोगियों में यकृत की हिस्टोपेथोलॉजी, प्लेटलेट अनुपात इंडेक्स, सुपरसोनिक शियर वेव इलास्टोग्राफी के एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज़ की उपकरण के रूप में तुलना करना।
16. गुर्दे की चोट के आनुवंशिक लक्षण के साथ और बिना जन्मजात मूत्ररोग वाले बच्चों में गुर्दे की चोट के शुरुआती मार्करों के बीच अस्थायी संबंध का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ऊतक पुनर्जनन के लिए कार्यात्मक सामग्री का उपयोग करके त्वचा ग्राफ्ट सब्सिट्यूट का बायोफाइब्रिकेशन, स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस
2. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया की मरम्मत में इलियोइंग्वाइनल और इलियोहाइपोगैस्ट्रिक तंत्रिका ब्लॉक की अवधि में लंबे समय तक रोपिवैकेन के साथ हेटास्टार्च की प्रभावकारिता - एक प्रारंभिक अध्ययन, संवेदनाहरण
3. यकृत की चोट के मॉडल में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त एक्सोसोम की हेपेटिक रीजनरेटिव क्षमता
4. पोस्टीरियर यूरेथ्रल वाल्व के माध्यम से उपचारित रोगियों में मूत्राशय के कार्यों के दीर्घकालिक परिणाम, विकिरण विज्ञान, नाभिकीय चिकित्सा विभाग
5. एड्रेनोकोर्टिकल ट्यूमर वाले बच्चों में प्रस्तुति, प्रबंधन और परिणाम, विकृति विज्ञान और जैव सांख्यिकी
6. प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल का उपयोग कर दुर्लभ बीमारी मॉडलिंग, स्टेम सेल फैसिलिटी, सीटीवीएस
7. उन्नत गैर-उत्तरदायी और आवर्तक न्यूरोब्लास्टोमा के लिए एमाआईबीजी थेरेपी की भूमिका, परमाणु चिकित्सा, स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस
8. थोरेसिक पी.एन.ई.टी. में निदान-संबंधी कारकों का अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण चिकित्सा, विकिरण निदान
9. बाल ठोस ट्यूमर से उपचारित लोगों में बीमारी और इसके उपचार के दीर्घकालिक प्रभावों का अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, प्रजनन जीवविज्ञान, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान, हृद रोग विज्ञान
10. वायरस प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग का मुकाबला करने में वयस्क स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की चिकित्सीय भूमिका को समझना

पूर्ण

1. नवजात शिशुओं में त्वचा के एंटीसेप्सिस के लिए दो अलग-अलग क्लोरहेक्सीडिन ग्लूकोनेट की प्रभावकारिता: एक गैर-हीनता यादृच्छिक परीक्षण, बालचिकित्सा
2. एकतरफा पीयूजे बाधा वाले बच्चों में एमएजी -3 सिंटिग्राफी के बाद कॉर्टिकल पारगमन समय की माप में इंट्रा- और इंटरऑब्जर्वर वैरिएबिलिटी, नाभिकीय चिकित्सा
3. यूरेटेरोसेली से पीड़ित बच्चों में प्रस्तुति, परिणाम और उपचार, नाभिकीय चिकित्सा
4. पीयूजे बाधा वाले बच्चों में एमएजी 3 स्किन्टिग्राफी पर कॉर्टिकल ट्रांजिट समय की भूमिका, परमाणु चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 27 सार: 24 पुस्तकों में अध्याय: 7

रोगी उपचार

बाह्य रोगी विभाग

बाल शल्य चिकित्सा बाह्य रोगी विभाग प्रतिदिन चलाया जाता है। इसके अलावा, कुछ स्थितियों पर अधिक ध्यान देने के लिए स्पेशिलिटी क्लीनिक भी चलाए जाते हैं।

विभाग और संकाय द्वारा संचालित विभिन्न स्पेशिलिटी क्लीनिक:

- जन्मपूर्व निदान
- क्रेनियोसाइनोसटोसिस
- फोलो-अप
- जीआई हैपेटोबिलीयरी
- जलशीर्ष
- इंटरसेक्स और हाइपोस्पेडियस
- ठोस ट्यूमर
- वक्ष शल्य चिकित्सा
- मूत्ररोग विज्ञान

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शिशुओं के लिए गहन उपचार इकाई
- उच्च निर्भरता क्षेत्र
- कंप्यूटर आधारित यूरोडायनामिक और यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन
- कंप्यूटर आधारित एनोरेक्टल मैनोमेट्री
- कंप्यूटर आधारित एसोफैगल मैनोमेट्री
- गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स के लिए 24 घंटे की पीएच निगरानी
- गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स के लिए प्रतिबाधा मैनोमेट्री

सामुदायिक सेवाएं

- सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लिनिक और ऑपरेटिव सत्र

ओपीडी और स्पेशिलिटी क्लीनिकों में उपस्थिति

ओपीडी / क्लिनिक	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सामान्य	7664	18308	25972
जलशीर्ष	0	34	34
मूत्ररोग विज्ञान	411	1971	2382
इंटरसेक्स और मूत्ररोग विज्ञान	16	250	266

ट्यूमर	24	498	522
क्रेनियोसाइनोसटोसिस	शून्य	शून्य	शून्य
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़	2207	शून्य	2207

दाखिले

एबी 5 वार्ड: 2481 (1101 लंबी भर्ती; 1163 लघु प्रवेश और 118 लंबी भर्ती) एबी 5 / आईसीयू: 162

शल्य चिकित्सा संबंधी प्रक्रियाएं

मुख्य ओ.टी.

नैमिक: बड़े ऑपरेशन: 1202; छोटे ऑपरेशन: 242

आपातकाल: बड़े ऑपरेशन: 343; छोटे ऑपरेशन: 11

ओपीडी प्रक्रियाएं: 2884

ओपीडी में बायोप्सी: 78

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़: शल्यक्रिया संबंधी रोगी: 82

छोटे ऑपरेशन: 166

विशेष जांच

यूरोडायनेमिक अध्ययन: 411 एनोरेक्टल मैनोमेट्री: 88

यूरोफ्लोमेट्री: 216

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एम बाजपेयी ने आरएंडआर अस्पताल में बाल शल्य चिकित्सा पर सीएमई के दौरान प्रतिष्ठित शिक्षक पुरस्कार प्राप्त किया: 21 और 22 सितंबर 2019; प्रभारी-आचार्य-अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन, 3 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली; एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 03 दिसंबर 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की ओर से और प्रभारी आचार्य-इंटरनेशनल कोऑपरेशन, घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन, की हैसियत से भारत के स्वीडिश ट्रेड कमिश्नर के कार्यालय और एम्स, नई दिल्ली के बीच सहयोग को विकसित करने पर स्वीडन की महारानी सिल्विया को संबोधित किया। सह-अध्यक्ष कार्य समूह: संदर्भ की शर्तों पर समिति यूसीएल ग्लोबल एंगेजमेंट ऑफिस, यूके और एम्स, नई दिल्ली; निदेशक, एम्स, के नेतृत्व में स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय (एमओएचडब्ल्यू), ताइवान, नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी (एनसीकेयू) और नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल (एनसीकेयूएच), ताइवान के आमंत्रण पर 8 से 12 अप्रैल 2019 तक एम्स का प्रतिनिधित्व किया; अध्यक्ष: कैफेटेरिया प्रबंधन समिति; प्रभारी-आचार्य-अंतर्राष्ट्रीय सहयोग घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, संस्थानों के प्रमुख, संकायाध्यक्ष, कुलपति, सरकारों के राजदूत, व्यापार

आयुक्तों और दूतावासों के प्रतिनिधियों के साथ 35 बैठकें संचालित की; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जन (आईएपीएससीओएन 2019) के 45 वें वार्षिक सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष; आयोजन अध्यक्ष: सीएमई और लाइव ऑपरेटिव बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान कार्यशाला 30 अक्टूबर से 3 नवंबर 2019; आयोजन अध्यक्ष: एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा विभाग की स्थापना का स्वर्ण जयंती समारोह; 30 अक्टूबर 2019 की शाम को विभाग के पूर्व छात्रों की बैठक का आयोजन; आयोजन अध्यक्ष: पहले अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सीएमई और बाल उपचार में मॉड्यूल विकास; विभाग की तरफ से लोगो डिजाईन किया और भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा बाल शल्य चिकित्सा विभाग की स्वर्ण जयंती मनाते हुए "प्रथम दिवस आवरण," जारी करने के लिए लोगो को डिज़ाइन किया गया; आईएपीएससीओएन 2019 के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में बाल शल्य चिकित्सा विभाग के लिए बाल शल्य चिकित्सा में प्रगति पर पत्रिका का शुभारंभ किया गया।

प्रोफेसर संदीप अग्रवाल को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन के एमएस रामकृष्णन ओरेशन 2019 पुरस्कार से सम्मानित किया गया; एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन के लिए कार्यकारी बोर्ड सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स के लिए सेक्शन एडिटर; एसआईओपीईएल के संसाधन चुनौती वाले राष्ट्र अध्ययन समूह के उपाध्यक्ष; एम्स की 62 वीं वार्षिक रिपोर्ट समिति के अध्यक्ष; पल्स 2019 के लिए संकाय समन्वय समिति, एम्स के सह-अध्यक्ष; सचिव, एम्सओएनआईएएनएस- एम्स का पूर्व छात्र संघ; एम्स में पीएचडी सुधारों पर विचार करने के लिए समिति के सदस्य; एम्स के मेस, दुकानों और प्रतिष्ठान समिति के अध्यक्ष; एम्स के लिए छात्रावास अधीक्षक; नैदानिक अनुसंधान के लिए श्री मोहन लाल विग पदक के चयन के लिए समिति के सदस्य; सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कोर्स के लिए कोर्स इंस्ट्रक्टर, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आई.पी.एस.ओ.), और यूरोपीय बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन और यूरोपीयन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी द्वारा यूरोपीय सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी की वार्षिक कांग्रेस से पहले आयोजित की; बाल चिकित्सा सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में मास्टर क्लास के लिए कोर्स प्रशिक्षक, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आई.पी.एस.ओ.) और यूरोपीय बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी द्वारा संचालित।

डॉ. शिल्पा शर्मा को पुन: वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जन 2017-2019, 2020-2022 का कार्यकारी निकाय सदस्य चुना गया; हाइपोस्पेडियस और डीएसडी 2018-2020 के इंटरनेशनल सोसायटी के कार्यकारी परिषद की सदस्य; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी 2019-2021 के दिल्ली चैप्टर की अध्यक्ष; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी 2018-2020 के अनुसंधान अनुभाग की सचिव; बाल शल्य चिकित्सा इंटरनेशनल के संपादकीय बोर्ड की सदस्य; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के सम्पादक मंडल की सदस्य; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की सम्मानित सदस्यता; एम्स, पटना की संकाय भर्ती के लिए 2019, 2020 के लिए स्थायी चयन समिति की सदस्य; सदस्य, संस्थान आचार समिति, सुपरस्पेशिलिटी बाल रोग अस्पताल और स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, सेक्टर 30, नोएडा।

डॉ. विशेष जैन दिनांक 4 अक्टूबर 2019 को एबीवीआईएमएस, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित सहायक आचार्य (बाल शल्य चिकित्सा) के चयन के लिए चयन बोर्ड के बाहरी सदस्य थे; पिछले 1 वर्ष में 7 प्रस्तुतियों के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया; थीसिस को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए यूसी चक्रवर्ती पुरस्कार मिला; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन के 45 वें वार्षिक सम्मेलन के संयुक्त सचिव; मई 2019 में जापान में एक शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा यात्रा छात्रवृत्ति प्राप्त की।

डॉ. अंजन दुहा एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में बाल शल्य चिकित्सा विभाग की तकनीकी विशिष्टता समिति के बाहरी विशेषज्ञ हैं। 18 सितंबर 2019 को आयोजित सहायक आचार्य (बाल शल्य चिकित्सा) के चयन के लिए चयन बोर्ड में शामिल बाहरी सदस्य, एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली; "सीएमई-लाइव ऑपरेटिव पीडियाट्रिक यूरोलॉजी कार्यशाला", आईएपीएससीओएन 2019, 30 अक्टूबर 2019, एम्स में सुबह के सत्र में अध्यक्ष; "बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर में बुनियादी विज्ञान", एस.ओ.एस.सी.ओ.एन.- मुंबई में दिनांक 21 दिसंबर 2019 को आयोजित सत्र के अध्यक्ष; एस.ओ.एस.सी.ओ.एन., मुंबई में दिनांक 21 दिसंबर 2019 को "ठोस ट्यूमर पर पैनल चर्चा" नामक सत्र के अध्यक्ष, एम्स, दिल्ली में अग्नि सुरक्षा ड्रिल के लिए विभागीय नोडल अधिकारी के रूप में नामित; संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रारूप समिति के सदस्य; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन के 45 वें वार्षिक सम्मेलन के संयुक्त सचिव है।

डॉ. प्रबुद्ध गोयल को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; जुलाई 2019 में वर्ष 2018-2019 के लिए सुश्रुत चिकित्सा विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित; अगस्त 2019 में चिकित्सा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और अवैतनिक प्रयासों के लिए शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया; सितंबर 2019 में एडवांस रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट ऑफ सोशल साइंस से समाज सेवा, विज्ञान, खेल, शिक्षा, कानून, पत्रकारिता, पर्यावरण और समाज के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार; सितंबर 2019 में शिक्षण, अनुसंधान, खेल, पर्यावरण, मीडिया और प्रशासनिक योगदान हेतु प्रतिबद्ध, समर्पित और मेधावी सेवा के लिए उत्कृष्टता का पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. अजय वर्मा ने दिनांक 12 नवंबर 2019 को बाल-उत्पीड़न पर व्याख्यान दिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. सुमित दवे, सहायक आचार्य सर्जरी और बाल चिकित्सा, लंदन स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, विक्टोरिया अस्पताल, लंदन, ओंटारियो, कनाडा
2. डॉ. एंड्रयू मैकनीली, बीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, वैंकोवर, कनाडा
3. डॉ. मोहन एस गुंडेटी, शिकागो, यूएसए

9.29. विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

चित्रा सरकार

आचार्य

मनोज के सिंह　रूमा रे　ए.के. डिंडा

एम.सी. शर्मा　वेंकटेश्वरन के अय्यर　संदीप आर माथुर

वैशाली सूरी

अपर आचार्य

सुधीर अरावा　गीतिका सिंह　असित रंजन मिर्धा

दीपाली जैन　प्रसनजीत दास

सह-आचार्य

रजनी यादव　सीमा कौशल

शिप्रा अग्रवाल　सौम्या रंजन मलिक

सहायक आचार्य

आदर्श बरवाद　प्रशांत रामटेक　आंचल कक्कड़

मधु राजेश्वरी　रुचि राठौर　अरुणा नांबिरंजन

कवनीत कौर

समूह 'क' अधिकारी

हिमेंद्र सिंह तोमर　राजेश्वर खड़िया

विशिष्टताएं

वर्ष 2019-2020 में, पैथोलॉजी विभाग उच्च स्तरीय शैक्षणिक और कुशल नैदानिक सेवाओं को बनाए रखने में सक्षम रहा है। विभाग हिस्टोपैथोलॉजी (कुल 56000 मामले) और साइटोपैथोलॉजी के मामले (कुल 27000 मामलों) की नियमित नैदानिक रिपोर्टिंग, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण, साथ ही पैथोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान में शामिल है।

आणविक विकृति विज्ञान और साइटोजेनेटिक वर्क-अप से संबंधित विभाग में नई सुविधाएं बढ़ाई गई हैं, जिसमें इन-सीटू हाइब्रिडाइजेशन, कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरिसस, रियल टाइम पीसीआर आदि शामिल हैं। इसके अलावा, विभाग ने टिशु माइक्रोएरे सिस्टम और फ्लो-साइटोमेट्री सेट-अप की स्थापना की है। डायग्नोस्टिक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल का विस्तार किया गया है और इस अवधि के दौरान कुल 60000 स्लाइडों को

चिह्नित और अध्ययन किया गया है। विभाग नियमित रूप से आण्विक विधियों का उपयोग करके स्तन कैंसर (कुल 120 मामले) में एचईआर-2/एनईयू एम्पिलीफिकेशन और फेफड़े के कैंसर(कुल 450 मामलों) में ईजीएफआर जीन उत्परिवर्तन के लिए रिपोर्ट प्रदान कर रहा है।

विभाग के संकाय को 32 बाह्य परियोजनाओं और 18 आंतरिक परियोजनाओं के लिए निधि प्राप्त हुई है। सहकर्मी की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की शीर्ष में कुल 197 पत्र प्रकाशित हुए हैं। विभाग के संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए हैं और व्यक्तिगत रूप से या उनके रेजिडेंट को पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। प्रोफेसर चित्रा सरकार को न्यूरोपैथोलॉजी में उनके योगदान के लिए दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला। प्रोफेसर ए.के. डिंडा को ग्लोबल काउंसिल ऑन रेगुलेटरी साइंस 2019 (**GSRS**19), यूरोपीय आयोग, संयुक्त अनुसंधान केंद्र इसरा, इटली में ग्लोबल काउंसिल ऑफ रेगुलेटरी साइंस रिसर्च के कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में नामित किया गया है। डॉ. प्रसनजीत दास को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर के लिए कुंती देवी मेहरोत्रा पुरस्कार मिला है। विभाग ने बोन मैरो बायोप्सी पर एक सीएमई, आइएपीएम के दिल्ली चैप्टर का एक वार्षिक सम्मेलन और पैथोलॉजी के दिल्ली स्नातकोत्तर छात्रों के लिए तीन स्नातकोत्तर शिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। डॉ. एम.के. सिंह को दक्षिण एशिया सामग्री (10वां संस्करण) के साथ रोग के आधार पर रॉबिन की पाठ्यपुस्तक के लिए अनुकूलन संपादक बनाया गया है।

विभाग ने डॉ. इयान क्री यात्रा का आगमन आयोजित किया जो कैंसर पर रिसर्च (आईएआरसी), ल्योन, फ्रांस के अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी से सभी ट्यूमर के वर्गीकरण की ब्लू बुक के विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की संपादक हैं। प्रोफेसर चित्रा सरकार को डब्ल्यूएचओ के तत्वावधान में सीआईएमपीएसीटी नाउ (सीएनएस ट्यूमर वर्गीकरण को आणविक और व्यावहारिक दृष्टिकोण को सूचित करने के लिए कंसोर्टियम) की कार्यसमिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। प्रोफेसर चित्रा सरकार को आगामी 2020 डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण में सीएनएस ट्यूमर और अपडेट्स ऑफ सीआईएमपीएसीटी-नाउ के सह-लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया है। प्रोफेसर एम.सी. शर्मा और डॉ. कवनीत कौर को आगामी 2020 डब्ल्यूएचओ क्लासिफिकेशन ऑफ सीएनएस ट्यूमर में सह-लेखक अध्याय भी आमंत्रित किया गया है। डॉ. दीपाली जैन को संपादकीय बोर्ड के पद और लंग, प्लुरा, थाइमस और हार्ट के ट्यूमर के आगामी 2020 डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण के लेखक के लिए चुना गया है।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

एमडी विधार्थी: 31 **वरिष्ठ रेजिडेंट:** 19 **पीएचडी विधार्थी:** 10

अल्प अवधि के प्रशिक्षण/दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. डॉ./सुश्री नेहा कुमारी ने अल्प अवधि का प्रशिक्षण पूरा किया, 1-30 अप्रैल 2019
2. डॉ. मालविका गौड़ ने अल्प अवधि ओबजरवरशिप पूरा किया, 25 मार्च-11 अप्रैल 2019
3. डॉ. चेतन दास ने अल्प अवधि ओबजरवरशिप पूरा किया, 1 मार्च-31 मई 2019
4. डॉ./सुश्री नेहा गर्ग ने अल्प अवधि का प्रशिक्षण पूरा किया, 5 जुलाई-5 नवंबर 2019
5. डॉ. सरिता आसोत्रा ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया, 30 सितंबर 2019 से 8 फरवरी 2020
6. डॉ. असमीत कौर ने अल्प अवधि का प्रशिक्षण पूरा किया, 30 सितंबर 2019 से 7 अक्टूबर 2019
7. डॉ. अर्चना चिराग बुच ने एक महीने का प्रशिक्षण पूरा किया, 13 मई -13 जून 2019
8. डॉ. नताशा डोगरा दीर्घकालिक प्रशिक्षण कर रही हैं, 28 दिसंबर 2018 से 27 दिसंबर 2020

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अस्थि मज्जा बायोप्सी पर सीएमई, 10 नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

चित्रा सरकार: 3	**मनोज कुमार सिंह: 2**	**ए.के. डिंडा: 9**
मेहर सी शर्मा: 10	**वैशाली सूरी: 3**	**संदीप माथुर: 6**
गीतिका सिंह: 4	**असित रंजन मिर्धा: 5**	**दीपाली जैन: 10**
सुधीर अरावा: 7	**प्रसनजीत दास: 8**	**रजनी यादव: 5**
सौम्या रंजन मलिक: 5	**सीमा कौशल: 7**	**शिप्रा अग्रवाल: 2**
प्रशांत रामटेक: 2	**आदर्श डब्ल्यू. बरवाद: 2**	**आंचल कक्कड़: 4**

प्रस्तुत किये गए मौखिक पत्र/पोस्टर: 56 (फ्री पोस्टर के रूप में प्रथम पुरस्कार; सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के रूप में प्रथम पुरस्कार; सर्वश्रेष्ठ पेपर-मरुधरा जोधपुर पुरस्कार सत्र, वार्षिक यूएसआईसीओएन 2019; सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार; दूसरे स्थान पर विजेता पुरस्कार; युवा अन्वेषक पुरस्कार; प्रथम पुरस्कार पेपर प्रस्तुतीकरण)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में रैपमाइसिन (एमटीओआर) और मिटोजेन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) किमेस सिग्नलिंग मार्ग के स्तनधारी लक्ष्य का व्यापक विश्लेषण दीपाली जैन, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट यंग रिसर्चर अवार्ड, 5 वर्ष, 2015-2020, 29 लाख रूपये

2. ग्लियोब्लास्टोमा व्यक्तिगत चिकित्सा के लिए व्यापक आणविक आनुवंशिक पैनल विकसित करने के लिए एक बहु-केंद्रित अध्ययन। चित्रा सरकार, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2021, 50 लाख रूपये (लगभग)
3. यूरिन आधारित प्रोटीन बायोमार्कर, पीएसए और एमएसएमबी का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर के नॉन-इनवेसिव को पता लगाने के लिए एक नवीन इम्यूनो नैनो फ्लोरेसेंस एसे (आईएनएफए) प्रणाली, ए.के. डिंडा, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 70.89 लाख रुपये
4. पैपिलरी थायरॉयड कैंसर के निदान के लिए एक फ्यूचरिस्टिक नॉन-इन्वैंसिव उपकरण के रूप में बीआरएफ (T1799A) उत्परिवर्तन के लिए परिचालित डीएनए का विश्लेषण। शिप्रा अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2020, 8.12 लाख रूपये
5. स्परैडिक समावेशी बॉडी मायोसिटिस के बेहतर लक्षण वर्णन के उद्देश्य से एडल्ट-ऑनसेट आइडियोपैथिक इन्फ्लामेटरी मायोपैथियों (आईआईएम) का क्लिनीकोपैथोलॉजिकल और सीरोलॉजिकल मूल्यांकन, एम.सी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 50 लाख रूपये
6. ग्लूटेन मुक्त आहार के लिए गैर प्रतिक्रिया वाले सीलिएक रोग के रोगियों के एक समूह में रिफ्रैक्टरी सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न नैदानिक तौर तरीकों की तुलना, पी दास, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-22, 38.29 लाख रूपये
7. नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में इम्यूनोलॉजिकल मिलियू और पीडी-एल1 का सहसंबंध, दीपाली जैन, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 8 लाख रूपये
8. मेटास्टेसिस मूल्यांकन के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान करने के लिए लैबरिन्थ आधारित यांत्रिक और तेज़ पृथकीकरण तकनीक का विकास, असित रंजन मिर्धा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 30 लाख रूपये
9. कम आक्रामक इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल और नैनो-वाहक का विकास - लोकलाइज़्ड टारगेटेड कैंसर थैरेपी के लिए हाइब्रिड प्रणाली, एके डिंडा, डीएचआर, 3 साल, 2018-2021, 75.56 लाख रूपये
10. रोटरी अल्ट्रासोनिक अस्थि ड्रिलिंग मशीन प्रोटोटाइप का विकास, असित रंजन मिर्धा, एसआरआईएसटीआई, अहमदाबाद, गुजरात, 2 वर्ष, 2018-2020, 15 लाख रूपये
11. एचटीएएनआईपोट रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस मेडिकल ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज (डायमंड्स), चित्रा सरकार, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 साल, 2020-23, 170 लाख रूपये
12. कोलोरेक्टल कैंसर की स्वचालित पहचान और ग्रेडिंग के लिए एक नैदानिक उपकरण के रूप में, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस का मूल्यांकन, रजनी यादव, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रूपये

13. सिनोनेसियल स्क्वैमस नियोप्लाज्म के रोगजनन में ईजीएफआर म्यूटेशन, एचपीवी की स्थिति और पीडी-एल 1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रूपये
14. ऊतक नमूने में असाध्यता की पहचान के लिए गहन शिक्षण सहित मशीन लर्निंग तकनीकों का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रूपये
15. परिधीय टी सेल लिंफोमा के आणविक उप-प्रकार का मूल्यांकन, एस मलिक, एम्स, 2 साल, 2019-2020, 10 लाख रूपये
16. डूओडिनल बायोप्सी के स्वचालित मूल्यांकन और ग्रेडिंग के लिए व्याख्या करने योग्य गहन अध्ययन, पी दास, एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रूपये
17. विभिन्न प्रोटो-ओन्कोजेन्स और ट्यूमर सप्रेसर जीन की तुलनात्मक आनुवंशिक और एपिजेनेटिक बदलाव की पहचान, प्रोक्सिमल बनाम डिस्टल कोलोन के एब्रिंथ क्रिप्टो फोकि के विकास में निहित। पी. दास, महिला वैज्ञानिक योजना के तहत डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 27 लाख रुपये
18. इम्यूनोथेरेपी के संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में प्रोस्टेट कैंसर के नवीन आणविक उपप्रकारों की पहचान, सीमा कौशल, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 25 लाख रुपये
19. वायरल मायोकार्डिटिस के नैदानिक रूप से संदिग्ध मामलों में चार आम वायरस का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण का विवरण, सुधीर अरावा, एम्स, 2 साल, 2018-2019, 10 लाख रूपये
20. स्मॉल सेल लंग कैंसर में इम्यूनोमॉड्यूलेटर्स: कैंसर इम्यूनोथेरेपी के कार्यान्वयन के लिए आधार, दीपाली जैन, डीएसटी, 3 साल, 2019-2022, 40 लाख रूपये
21. ट्रिपल नेगेटिव/एचईआर-2 एनईयू पॉजिटिव स्तन कैंसर के मरीजों में प्रतिरक्षा प्रणाली और पीडीएल1 की अभिव्यक्ति की ट्यूमर को प्रवेश करने वाली कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिक प्रोफाइल और निओएडजुवेंट कीमोथैरेपी के साथ उनके सहसंबंध, संदीप आर माथुर, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 21 लाख रूपये
22. रोगनिरोधी संकेत और रोग चिकित्सा की पहचान करने के लिए मेनिंगिओमास के विभिन्न हिस्टोलॉजिकल और आणविक उपसमूहों का एकीकृत प्रतिलेखात्मक विश्लेषण, वी सूरी, आईसीएमआर, 2019-2022, 62 लाख रूपये
23. जेसी बोस रिसर्च फेलोशिप, चित्रा सरकार, डीएसटी, 5 साल 2016-2020, 15 लाख रूपये प्रति वर्ष
24. सिलियक रोग के साथ रोगियों की एचएलए-डीक्यू2/डीक्यू मैच्ड पहले स्तर के रिश्तेदारों में रोग संशोधक के रूप में एमआईआरएनए, पी दास, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 45 लाख रूपये

25. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका सह-संबंध, संदीप आर माथुर, एम्स, 2 साल, 2018-20, 10 लाख रूपये
26. प्रायोगिक और चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक उपसमूहों में वर्गीकरण के लिए आल्फैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा का आणविक लक्षण वर्णन, आंचल कक्कड़, एसईआरबी, 3 साल, 2020-2023, 47 लाख रुपये
27. आईएचसी मार्करों के आधार पर मसल इनवेसिव ब्लैडर कैंसर का आणविक उपप्रकार, सीमा कौशल, एम्स, 2 साल, 2019-2021, प्रति वर्ष 4.9 लाख रुपये
28. कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए एमयूसी1 पल्स्ड डीसी-डेरीवेटिव एक्सोसोम, आदर्श बरवाद, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2021, 62.27 लाख रूपये
29. यांत्रिकी निर्देश प्रदान करने वाली सामग्रियों का उपयोग करके नोवल पुनर्संरचनात्मक शल्य चिकित्सा के लिए निरमान 3डी-नोवल न्यूनतम आक्रामक प्रत्यारोपण, एके डिंडा, डीबीटी, 4 साल, 2018-2022, 64.34 लाख रुपये
30. सामान्य बेहतर और खराब पैराथाइरॉइड ग्रंथियाँ: आणविक रूप से समान या भिन्न? शिप्रा अग्रवाल, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रूपये
31. यांत्रिकी निर्देश प्रदान करने वाली सामग्रियों का उपयोग करके और 3डी प्रिंटिंग द्वारा तैयार किया गया पुनर्संरचनात्मक शल्य चिकित्सा के लिए नोवल न्यूनतम आक्रामक प्रत्यारोपण, एके डिंडा, डीबीटी(इंडो-डच), 3 साल, 2018-2021, 50.88 लाख रुपये
32. प्रयोगात्मक मधुमेह चूहों में एसीई2/एंजियोटेंसिन(1-7)/मास रिसेप्टर अक्ष के माध्यम से डायबिटिक कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी के भेषजगुणविज्ञानी प्रभाव, असित रंजन मिर्धा, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये
33. उन्नत सॉफ्ट टिशू सार्कोमा में पी53 उत्परिवर्तन की समसामयिक प्रासंगिकता, असित रंजन मिर्धा, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 5 लाख रुपये
34. हेल्थकेयर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्चुअल टीचिंग मॉड्यूल (एमओओसी) बनाने और परीक्षण करने का प्रस्ताव, मनोज कुमार सिंह, स्वयम और स्वयम प्रभा (मानव संसाधन मंत्रालय), 3 वर्ष, 2018-2021, 3.15 लाख रुपये
35. रास होमोलोग के सदस्य ए (आरएचओए) और एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी-सेल लिंफोमा में आइसोसिट्रेट डिहाइड्रोजनेज (आईडीएच 2) म्यूटेशंस, एस मलिक, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये
36. भारत में न्यूरोमस्कुलर विकारों के उद्देश्य से अनुरेखण लक्ष्य जीन्स (स्टैंड-इंडिया), एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 50 लाख रूपये
37. लगातार कोलेस्टेसिस वाले बाल रोगियों के नैदानिक, प्रयोगशाला और रोग संबंधी प्रोफाइल का अध्ययन, रजनी यादव, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 9.9 लाख रूपये

38. साइनो-नैज़ल उपकला ट्यूमर में एचपीवी जुड़ाव का अध्ययन, दीपाली जैन, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 20 लाख रूपये
39. चाइल्डहुड इडीओपैथक नेफ्रोटिक सिंड्रोम में पोडोसाइटिक चोट के लिए एक भविष्यसूचक बायोमार्कर के रूप में यूरीन एक्सोसोम का अध्ययन, गीतिका सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 76.17 लाख रुपये
40. अचानक हृदय आघात से मृत्यु: पाठ्यक्रम की पहचान करने के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन, सुधीर अरावा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2021, 69 लाख रूपये
41. व्यापक आणविक उपप्रकारों और इसकी नैदानिक प्रासंगिकता के अनुसार कोलोरेक्टल कार्सिनोमा को वर्गीकृत करने के लिए आणविक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्करों को सरोगेट करना। पी दास, एम्स, 2 साल, 2019-21, 10 लाख रुपये
42. भारत में एलपोर्ट सिंड्रोम के आनुवंशिक परिदृश्य के साथ फेनोटाइपिक सहसंबंध, गीतिका सिंह, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 80 लाख रूपये
43. परिधीय टी सेल लिम्फोमास के आणविक उपप्रकारों का मूल्यांकन करना, एस मलिक एम्स, 2 साल, 2019-20, 10 लाख रूपये
44. रिफ्रैक्टरी/पुनरावर्तन प्राथमिक विसरित बड़े बी सेल लिंफोमा वाले रोगियों में उत्तरजीविता पर सीएमवाईसी, बीसीएल 2, बीसीएल 6 और एपस्टीन बर्र वायरस की भूमिका का मूल्यांकन करना:एक महत्वाकांक्षी अध्ययन, एस मलिक, डीएसटी, 3 साल, 2016-2019, 30 लाख रूपये
45. रिफ्रैक्टरी हॉजकिन के लिंफोमा के निदान और रोगनिरोधन में माइक्रोइनवायरमेंट क्लोनलिटी एसे और 9P24 परिवर्तन की भूमिका का मूल्यांकन करना, एस मलिक, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 35 लाख रुपये
46. प्रोस्टेट कैंसर में पीआई3के/एकेटी/एमटीओआर और एआर सिग्नलिंग मार्ग के एक नवीन नियामक के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना, सीमा कौशल, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 26 लाख रूपये
47. ट्यूमर प्रतिरक्षा परिदृश्य: पीडीएल1 अभिव्यक्ति और सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमा में प्रतिरक्षा सेल इनफिल्ट्रेशन की जांच के द्वारा ट्यूमर प्रतिरक्षा के पारस्परिक प्रभाव का मूल्यांकन और उत्तरजीवित परिणामों के साथ इसका सहसंबंध, एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 35 लाख रूपये
48. ऑलिगोडेंड्रोग्लिओमस में एमआईआरएनए क्लस्टर्स (C14MC & C19MC) की भूमिका को उजागर करना: क्लिनिकलोपैथोलॉजिकल सहसंबंध के साथ आनुवांशिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करके अध्ययन करना, चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, प्रति वर्ष 10 लाख रूपये

49. बाल चिकित्सा अधिवृषण के रोगजनन में घोंघा पैरालॉग्स की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, एमसी शर्मा, डीएसटी, 3 साल, 2018-2020, 45 लाख रूपये
50. छोटी बी-सेल नॉन-हॉजकिन के लिम्फोमाज के उचित लक्षण वर्णन में नए इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री मार्करों की उपयोगिता, प्रशांत रामटेक, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 6.5 लाख रुपये

पूर्ण

1. गैर-संकेंद्रित फोकल खंडीय ग्लोमेरुलोस्केलेरोसिस में एनपीएचएस1, एनपीएचएस2, डब्ल्यूटी1, एसीटीएन4 और आईएनएफ का विश्लेषण, आदर्श बरवाद, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 10 लाख रु
2. बीके पोलोमा वायरस और यूरोथेलियल कार्सिनोमा का संबंध: भारतीय आबादी में एक अध्ययन, गीतिका सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2012-2014, 4.93 लाख रूपये
3. पुल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा वाले रोगियों के मेल खाने वाले ट्यूमर के ऊतकों और सीरा में ईजीएफआर म्यूटेशंस का पता लगाना और तुलना करना: दीपाली जैन, डीबीटी, 3 साल, 2016-2019, 25 लाख रुपये
4. एचपीवी स्थिति का मूल्यांकन और मौखिक और ओरोफैरिंजल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एकेटी/एमटीओआर सिग्नलिंग पाथवे एक्टीवेशन के साथ इसका सहसंबंध, आंचल कक्कड़, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 8.8 लाख रूपये
5. फॉर्मालीन से जुड़े हुए पैराफिन एम्बेडेड ऊतक के नमूनों से सामान्य कोलोनिक म्यूकोसा और कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की तुलना में एबरैंट क्रिप्टो फोकि में ऑन्कोजीन ट्रांसक्रिप्ट के जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण, पी दास, डीबीटी, 3 साल, 2015-2019, 25 लाख रूपये
6. सीलिएक रोग में आंतों के स्टेम सेल्स, पी दास, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये
7. उन्नत सॉफ्ट टिशू सार्कोमा के रोगियों में पी 53 इम्युनोअभिव्यक्ति और केआई67 एलआई का अध्ययन, असित रंजन मिर्धा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2019, 10 लाख रुपये
8. वर्चुअल स्किल्स लेबोरेटरी, मनोज के सिंह, डीइटी (इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग), 2 वर्ष, 2014-2018, 262.5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

1. एनएससीएलसी में ईजीएफआर डाउनस्ट्रीम पाथवे का विश्लेषण और टीकेआई प्रतिरोध के लिए तंत्र को समझाना
2. ग्लियोमास में प्रतिरक्षा जांच बिंदु मार्करों का विश्लेषण
3. एनाप्लास्टिक लार्ज सेल लिंफोमा की क्लिनिको पैथोलॉजिकल प्रोफाइल
4. एपेथेलिओइड जीबीएमएस और पीएक्सए की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल की तुलना

5. आरएचडी रोगियों के उत्तेजित वाल्वुलर ऊतक में पॉलीमरेज़ की श्रृंखला अभिक्रिया के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना
6. सिनोनसैलिपिथेलियल ट्यूमर में ह्यूमन पिल्लोमा वायरस का पता लगाना
7. विल्म्स ट्यूमर और न्यूरोब्लास्टोमा के निदान और पूर्वानुमान में एपोप्टोसिस संबंधित एमआईआरएनए की विभेदक अभिव्यक्ति
8. मेनिंगियोमा में ईएमटी मार्ग
9. पैन्क्रीऐटिक न्यूरोएंडोक्राइन नियोप्लाज्म में क्रोमेटिन रीमॉडलिंग, एमटीओआर पाथवे और एसएसटीआर अभिव्यक्ति का मूल्यांकन
10. ईजीएफआर म्यूटेशंस और सिनोनेजल स्क्वैमस नियोप्लाज्म में एकेटी/एमटीओआर पाथवे का मूल्यांकन
11. अपर ट्रैक्ट यूरोथेलियल कार्सिनोमा में एमएसआई और पीडीएल 1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन
12. हिस्टोलॉजिकल विश्लेषण और प्रोग्रेसिव फेमिलियल इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस का उपश्रेणीकरण
13. रुमैटिक हार्ट वाल्व में सर्जिकल एक्साइज का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन
14. एंडोमेट्रियल कैंसर के आणविक लक्षण का वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका संबंध
15. एपिथेलिओइड ग्लियोब्लास्टोमा की आणविक रूपरेखा
16. उन्नत सॉफ्ट टिशू ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों में पी53 उत्परिवर्तन की पूर्वाभासी प्रासंगिकता
17. मसल इनवेसिव मूत्राशय के कैंसर के आणविक उपप्रकार में प्रोग्राम्ड डेथ लिगैंड-1 अभिव्यक्ति
18. रास होमोलोग जीन परिवार (आरएचओए) और एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी सेल लिंफोमा (एआईटीएल) में इसोसाइट्रेट डिहाइड्रोजनेज 2 (आईडीएच 2) म्यूटेशन
19. कॉर्टिकोट्रॉफ़ पिट्यूटरी एडेनोमास में ईजीएफआर-एमएपीके, एनएफकेबी और एसएचएच मार्ग का अध्ययन
20. सर्जरी द्वारा विभाजित किये गए पित्ताशय ग्रंथिकर्कटता में अंतर-ट्यूमर विषमता का अध्ययन
21. किडनी के पुराने रोग में आयरन के होमियोस्टैसिस का अध्ययन
22. उन्नत सॉफ्ट टिशू सार्कोमा वाले रोगियों में पी53 इम्युनोएक्प्रेशन और केआई67 एलआई का अध्ययन
23. पीडी-एल 1 अभिव्यक्ति का अध्ययन और थायरॉयड कार्सिनोमास में उत्परिवर्तनीय प्रोफ़ाइलिंग के साथ सहसंबंध।
24. आल्फैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा में डब्ल्यूएनटी और सोनिक हेजहोग सिग्नलिंग मार्ग का अध्ययन
25. मेंब्रानोप्रोलाइफरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस में पूरक के लेक्टिन मार्ग के सक्रियण पर अध्ययन
26. युवाओं में हृदय रोग से अचानक मृत्यु: कारण की पहचान करने के लिए एक हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन

27. अनुकूलता आणविक उपप्रकारों और नैदानिक सहसंबंध के अनुसार मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमस को वर्गीकृत करने के लिए सरोगेट इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और आणविक मार्करों के पैनल की उपयोगिता

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजिनेज़ और डिस्पेज़) का उपयोग करके तैयार किए गए निकाले गए हेयर फोलिकल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन की विभिन्न कोशिका आबादी की प्रभावकारिता और संरचना का एक तुलनात्मक अध्ययन।
2. सेलुलर रिजेक्शन में ग्लोमेर्युलर कैपिलरी एंडोथेलियल चोट का एक इम्यूनोहिस्टोकैमिकल और अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन
3. प्राथमिक हाइपरपैराथायरोडिज़्म में चयनित प्रतिलेखन कारकों और ग्राहियों का विश्लेषण।
4. सेल डेथ लिगैंड 1 और नॉन स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में टी रेगुलेटरी सेल्स के साथ इसका जुड़ाव: साइटोलॉजी नमूने का उपयोग।
5. डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिम्फोमा का साइलोपैथोलॉजिकल प्रोफाइल
6. प्रतिरोधक हवामार्ग के मरीजों में टॉन्सिल का नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विश्लेषण
7. शिशु ग्लियोमास का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन
8. कम लागत वाले क्रियाशील बायोकम्पैटिबल पॉलिमरिक घाव की ड्रेसिंग का विकास
9. संधिशोथ के लिए लक्षित नैनोड्रग वितरण प्रणाली का विकास
10. मेडुलोब्लास्टोमा के आणविक उपसमूह के लिए डीएनए मेथिलिकरण एरे (डॉ. चित्रा सरकार)
11. पित्ताशय कार्सिनोमा और उसके नैदानिक प्रभाव में एचईआर 2 न्यू स्टेन की अभिव्यक्ति
12. मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस-2, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेस-9, टिशू इनहैबिटर्स मेटालोप्रोटीनेस-1, टिशू इनहैबिटर्स मेटालोप्रोटीनेस-2 की अभिव्यक्ति, थोरैसिक एओरिक एन्यूरिज्म में कोलेजन 1 और 4 की अभिव्यक्ति
13. पित्ताशय कार्सिनोमा में पीडी 1, पीडी-एल 1 और सीडी 8 सेल मार्करों की अभिव्यक्ति और उनके नैदानिक प्रभाव
14. ईजेडएच2-डब्ल्यूएनटी अभिव्यक्ति और ट्यूमर इनवेसिवनेस, स्टेम सेल फेनोटाइप और पिट्यूटरी ग्रंथि में प्रगति में सहसंबंध
15. फाइब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और गैर मार्फ़नॉइड एकल के टीएएए में टीजीएफ बीटा
16. ट्रू-कट लिवर बायोप्सी पर पुरानी विफलता पर घातक की हिस्टोलॉजिकल विशेषताएं

17. उन्नत सॉफ्ट टिशू सार्कोमा वाले रोगियों में पी 53 इम्युनोएक्प्रेशन और Ki67 LI की अपक्षयी लम्बर कैनाल स्टेनोसिस स्टडी के रोगियों में लिगामेंटम फ्लेवम में हिस्टोपैथोलॉजिकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक परिवर्तन
18. मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी: नैदानिक सहसंबंध के साथ इम्यूनोफ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और पीएलए2आर प्रोफाइल का अध्ययन
19. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में पीडीएल-1 अभिव्यक्ति और ट्यूमर इनफिल्ट्रेटिंग लिम्फोसाइट्स और क्लिनिको-पैथोलॉजिक विशेषताओं के साथ सहसंबंध और कीमोथेरेपी (एमडी थीसिस) पर प्रतिक्रिया
20. प्रोग्राम्ड डेथ लिजैंड-1 (पीडीएल-1) और नॉन-स्माल सेल लंग कार्सिनोमा में टी रेगुलेटरी सेल्स के साथ उसका जुड़ाव: साइटोलॉजी नमूनों का उपयोग
21. ग्लोमेकलर रोगों में गैलेक्टोज की कमी वाले आईजीए1 का अध्ययन
22. इम्यूनोहिस्ट्रोकेमिकल मार्कर्स के आधार पर बेसल और ल्यूमिनल प्रकारों में प्राथमिक मसल इन्वेसिव ब्लेडर कार्सिनोमा का उपप्रकार
23. काला अजार के उपचार के लिए लक्षित नैनोपार्टिकल आधारित दवा वितरण प्रणाली
24. आईडीएच नेगेटिव ग्लियोमाज के लक्षित अनुक्रमण
25. पल्मनेरी एडेनोकार्सिनोमा के ईजीएफआर म्यूटेशन परीक्षण में मूत्र परिसंचारी कोशिका मुक्त डीएनए की उपयोगिता

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर के निदान में 12-कोर में सुव्यवस्थित ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड बायोप्सी के साथ ओएफएमआरआई-इनबोर लक्षित बायोप्सी की संभावित तुलना, रेडियोलोजी
2. प्री ऑपरेटिव रोग के बोझ और प्रतिरोधकता का निर्धारण करने के लिए कार्सिनोमा ओवरी में सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन की तुलना करने वाला एक संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
3. प्रारंभिक स्तन कैंसर रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड फाइन निडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी (एफएनएसी) का उपयोग करके एक्सिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
4. पुरानी अग्नाशयशोथ के रोगजनन में प्रतिरक्षा पाथवे का एक अध्ययन, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी
5. ट्रॉमा केयर में जलने की चोटों के लिए कृत्रिम त्वचा (जैव-प्रेरित बाय-लेयर पॉलिमरिक हाइब्रिड स्कैफोल्ड) (इम्प्रिंट प्रोजेक्ट), सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र, आईआईटी, दिल्ली

6. ईएमटी से संबंधित प्रोटीन अभिव्यक्ति और सूक्ष्म आरएनए 200 ए, बी, सी, द्वारा उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोग की गंभीरता वाले रोगियों का आकलन। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग
7. मेम्ब्रानोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के लिए माध्यमिक नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम में वैकल्पिक पूरक मार्ग के साथ जुड़ी हुई आटोएंटीबॉडी, पेडिएट्रिक नेफ्रोलॉजी
8. फेशियल वोल्यूम में कमी के उपचार में ऑटोलॉगस गैर सुसंस्कृत त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, त्वचा विज्ञान
9. स्तन कैंसर के रोगियों में आणविक पैरामीटर सहित निदान कारकों के जैव सांख्यिकीय पहलू: एक महामारी विज्ञान मूल्यांकन, बीआर आईआरसीएच
10. इन्फ्रारेड इमेजिंग के द्वारा स्तन कैंसर मेटास्टेसिस को बायोमार्कर्स आधारित शुरूआती निदान और समझना, जैवभौतिकी
11. फेफड़े के कैंसर में मस्तिष्क मेटास्टेसिस, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
12. ओरोफेरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में निदान लक्षण के रूप में बीआरसीसी 3 की अभिव्यक्ति और रेडियोथेरेपी प्रतिरोध पर इसके प्रभाव, नाक,कान एवं गला रोग विज्ञान
13. कोलोन कार्सिनोमा में कैंसर स्टेम सेल, जैव रसायन
14. एसोफैगल कैंसर में डाईपेप्टीडाइलापेप्टीडोस III के कोशीय और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी कार्य, जैव रसायन
15. वृषण रोगाणु कोशिका ट्यूमर के लिए बायोमार्कर के रूप में परिसंचारी माइक्रोआरएनए: एक पायलट अध्ययन, प्रजनन जैवविज्ञान
16. पुल्मोनरी सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल टयूबरकुलोसिस के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, पुल्मोनरी मेडिसिन
17. मिडियास्टिनल सार्कोइडोसिस और टयूबरकुलोसिस में एमआईआरएनए का तुलनात्मक मूल्यांकन, पुल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार
18. ब्लेडर कार्सिनोमा के लिए कोल्ड कप बनाम बाईपोलर बायोप्सी नमूनों की तुलना, यूरोलॉजी
19. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में मानक 12 कोर के सुव्यवस्थित टीआरयूएस निर्देशित बायोप्सी और एमआरआई-फ्यूजन बायोप्सी की तुलना -एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, यूरोलॉजी
20. ऑपरेबिलिटी के साथ प्रारंभिक ग्रीवा कैंसर, लिम्फ नोड स्थिति और रोग के स्थानीय विस्तार में एमआरआई द्वारा निर्धारित बैरल इंडैक्स का सहसंबंध, स्त्री एवं प्रसूति रोग विज्ञान
21. हिस्टोपैथोलॉजी का अनुमान लगाने के लिए वृक्क द्रव्यमान का सीटी बनावट विश्लेषण, रेडियोलोजी
22. आरएचडी रोगियों के उत्तेजित वाल्वुलर ऊतक में पॉलीमरेज़ श्रृंखला अभिक्रिया के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना, कार्डियोलॉजी

23. माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभावों और इंजेक्शन के दर्द को कम करने के लिए नए सूत्रीकरण और पैकेजिंग का विकास और रिकैल्सिट्रेन्ट एनोजेनिटल और एक्सट्रा-जेनिटल (आम) गाँठ में नैदानिक परीक्षण, त्वचा विज्ञान
24. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए नॉन-इनवेसिव डायग्नोस्टिक किट का विकास: पुराने रास्ते पर नई चाल, जैवभौतिकी
25. रोटरी अल्ट्रासोनिक बोन ड्रिलिंग मशीन प्रोटोटाइप का विकास, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, दिल्ली
26. डिस्टल हाइपोस्पेडिया में आंतरिक और बाहरी पूर्व-त्वचा के बीच माइक्रोवेसल घनत्व और विकास कारकों में अंतर, बाल शल्य चिकित्सा
27. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया और फंगल रोगज़नन के खिलाफ इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: एक इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, सूक्ष्मजैव-विज्ञान
28. थायरॉयड कैंसर के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में एस्ट्रोजेन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरवाई) और थायराइड कैंसर में चिकित्सीय लक्ष्य आयोडीन हैंडलिंग जीन के साथ इसके सहसंबंध, मेडिकल ऑन्कोलॉजी लैब
29. पशु मॉडल में हर्बल अर्क की एंटी-यूरोलिथिआटिक गतिविधि का मूल्यांकन,नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, अहमदाबाद
30. आल्फैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन, नाक,कान एवं गला रोग विज्ञान
31. ओस्टियोसारकोमा के ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में प्रतिरक्षा जांच का मूल्यांकन, अस्थि रोग
32. आरसीसी में प्रतिरक्षा पलायन तंत्र का मूल्यांकन, जैव रसायन
33. सी11-मेथिओनीन पीईटी/सीटी के साथ रिनल सेल कार्सिनोमा का मूल्यांकन और 18 फ्लोरोडोक्सीग्लूकोसव पीईटी/सीटी के साथ तुलना, न्यूक्लियर मेडिसिन
34. गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड्स के लिए अज्ञात हेड और नेक प्राइमरीज़ मेटास्टेटिक का मूल्यांकन, नाक,कान एवं गला रोग विज्ञान
35. पेम्फिगस वूलगारिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न पहचान ग्राहियों (पीआरआरएस) के साथ $\gamma\delta$ T सेल सबसेट की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, भेषजगुण विज्ञान
36. सीरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के निर्धारण में वसा ऊतक एबीसीए1 की भूमिका पता करना, जैव रसायन
37. ग्लिओमास में वसा जीन, जैव रसायन
38. एक नवीन उबिकिटिन लिगसे के रूप में एफबीएक्सओ4 जोकि स्तन कैंसर के रोगजनन में साइक्लिन D1 को लक्षित करता है, जैव रसायन
39. क्रोनिक हार्ट फेलियर वाले रोगियों में सूजन के साथ टॉल जैसे रिसेप्टर्स (टीएलआरएस) के सहसंबंध का पता लगाना, हृदरोग विज्ञान

40. सर्टोली सेल ओनली सिंड्रोम पर आनुवंशिक अध्ययन, प्रजनन जैवविज्ञान
41. भारतीय रोगियों में पेनाइल कार्सिनोमा में मानव पैपिलोमावायरस की स्थिति: क्लिनिको-पैथोलॉजिकल स्टेजिंग के साथ व्यापकता, वितरण और सहसंबंध, यूरोलॉजी
42. रीनल सेल कार्सिनोमा के रोगियों में एक बायोमार्कर फोर ट्यूमर बिहेवियर के रूप में ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान, यूरोलॉजी
43. ट्यूमर के व्यवहार की भविष्यवाणी के लिए रीनल सेल कार्सिनोमा में संभावित आणविक मार्कर (पीआरएल3 फॉस्फेट, सीएवी2, एलएएमए4) की पहचान, यूरोलॉजी
44. मिडिललाइन ग्लियोमास की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल, न्यूरोसर्जरी
45. मुख संबंधी और मैक्सिलोफैशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले सौम्य तंतुमय घाव के आणविक और प्रतिरक्षात्मक लक्षण का विवरण, ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, सीडीईआर
46. एमयूसी! कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए स्पंदित डीसी-डेरिवेटिव एक्सोसोम, आईआईटी, दिल्ली
47. मानव क्रोहन रोग और जोंस रोग में माइकोबैक्टीरियम पैराट्यूबरकुलोसिस: एक बहुकेंद्रिक भारतीय अध्ययन, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी
48. स्तन कैंसर की ऑप्टिकल लक्षण वर्णन, सर्जरी
49. औषधीय प्रयोगात्मक मधुमेह चूहों में एसीई2/एंजियोटेंसिन(1-7)/मास रिसेप्टर अक्ष के माध्यम से डायबिटिक कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी को प्रभावित करता है, फार्माकोलॉजी
50. रीनल सेल कार्सिनोमा में टीएच17 और ट्रेग कोशिकाओं के फेनोटाइपिक और आणविक लक्षण का विवरण, जैव रसायन
51. रोग की गंभीरता और दीर्घकालिक परिणामों के साथ सहसंबंधित अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों के आंतों के ऊतकों में पोटेशियम चैनल की अभिव्यक्ति, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी
52. सीलिएक रोग वाले रोगियों में डर्मेटाइटिस हेरपेटिफॉर्मिस की व्यापकता, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी
53. रिफ्रैक्टरी सीलिएक रोग की व्यापकता: एक संस्थागत अध्ययन, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी
54. एस्चेरिचिया कोली सिस्टम (इम्प्रिंट प्रोजेक्ट) में ट्रामा और दुर्घटना से देखभाल के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय प्रोटीन का उत्पादन, द स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, आईआईटी, दिल्ली
55. आईआरसीएच, एम्स में वृषण जनन कोशिका ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
56. यूरिनरी ब्लेडर कार्सिनोमा में बी कोशिकाओं की भूमिका, जैव रसायन
57. मेटास्टेटिक आरसीसी वाले रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं और सीएक्ससीआर1 अभिव्यक्ति की भूमिका, यूरोलॉजी
58. अग्न्याशय के सिस्टिक नियोप्लाज्म की मामूली बनाम घातक प्रकार की पहचान में माइक्रो आरएनए की भूमिका, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी

59. स्तन कैंसर के रोगियों में नवसहायक कीमोथैरेपी के बाद अवशिष्ट ट्यूमर के बोझ के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायगनोसिस
60. प्रोस्टेट कैंसर की प्रगति के दौरान बीटा ऑक्सीकरण के विनियमन में पीएक्यूओसम कॉम्प्लेक्स की भूमिका, जैव रसायन
61. स्तन कैंसर में फॉस्फोफ्रक्टोकिनेज-पी (पीएफकेपी) की भूमिका, मेडिकल ऑन्कोलॉजी बीआरए-आईआरसीएच
62. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी के मूल्यांकन में शियरवेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायगनोसिस
63. प्रोस्टेटाइटिस के एक प्रयोगात्मक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन, फार्माकोलॉजी
64. एचएमजीबी-1 के साथ जुड़ी हुई ऑटोफेगी का अध्ययन और ब्लेडर के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में इसके संबंधित अणु, जैव रसायन विज्ञान
65. कार्डियक मार्करों, संदिग्ध हृदय संबंधी मृत्यु के मामले में हृदय में एंड हिस्टोपैथोलॉजिकल के कुल निष्कर्ष का अध्ययन, फॉरेंसिक मेडिसिन
66. सीलिएक रोग में आंतों स्टेम सेल निचे का अध्ययन, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी और आरसीबी, फरीदाबाद
67. सर्टोली ओनली सिंड्रोम (एससीओएस) में एमआईआरएनए प्रोफाइल का अध्ययन, प्रजनन जैवविज्ञान
68. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में संभावित बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए-182 और एमआईआरएनए-187 का अध्ययन और सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर की स्टेजिंग के साथ इसका संबंध, यूरोलॉजी
69. डिम्बग्रंथि गंभीर कार्सिनोमा में पीकेसी सिग्नलिंग का अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी बीआरए आईआरसीएच
70. चूहे में ब्लेमाइसिन प्रेरित पल्मोनेरी विषाक्तता में सेसामोल का अध्ययन, फार्माकोलॉजी
71. कोलेस्टीएटोमा की आक्रामकता का क्लिनोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान
72. प्रोस्टेट कैंसर में एकल स्टेजिंग मोडैलिटी के रूप में 68जीए-पीएसएमए-पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, न्यूक्लियर मेडिसिन
73. थाइमिक ट्यूमर और वीएटीएस लेप्रोस्कोपिक, सर्जरी
74. ट्यूमर और परिधीय रक्त परिसंचरण में एससीएलसी के प्रतिरक्षा परिदृश्य को चिह्नित करने के लिए, पैथोलॉजी
75. मल्टी-ओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके चरण-विशिष्ट नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग के निदान के लिए अद्वितीय अंतर संकेतों की पहचान करना: एक पायलट अध्ययन, गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी
76. टीआईएआरडीएस और कोशिका विज्ञानी ग्रेडिंग के साथ सोलिटेरी थायरॉइड नोड्यूल में अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी का अध्ययन करने के लिए, शल्य चिकित्सा

77. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि ट्यूमर के प्रीऑपरेटीवडायग्नोसिस में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीई-ई का उपयोग: एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
78. छोटे बी-सेल नॉन-हॉजकिन्स लिम्फोमा के उचित लक्षण वर्णन में नए इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री मार्करों की उपयोगिता, पैथोलॉजी
79. संक्रमण के कारण पैरेक्सिआ ऑफ अननोन ओरिजिन (पीयूओ) वाले रोगियों में निर्णय समर्थन एल्गोरिथ्म की स्थापना में इमेजिंग एजेंट के रूप में रेडियोलेबल्ड एंटीबायोटिक दवाओं की उपयोगिता और छोटी अवधि तथा दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव, न्यूक्लियर मेडिसिन

पूर्ण

1. एचपीवी ई6/ई7 एमआरएनए एस्से का तुलनात्मक मूल्यांकन और हाई ग्रेड सर्वाइकल इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया के निदान के लिए उच्च जोखिम वाले एचपीवी डीएनए टेस्ट, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
2. जीए-68 पीएसएमए एचबीईडी सीसी पीईटी सीटी पॉजिटिव एनाप्लास्टिक थायरॉयड कार्सिनोमा में एलयू-177_डीकेएफज़ेड_पीएसएमए 617 की चिकित्सीय क्षमता का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन, न्यूक्लियर मेडिसिन
3. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा छोटी आंत के म्यूकोसा, रक्त प्लाज्मा और मूत्र के मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग द्वारा जांच किए गए सीलिएक रोग में मेटाबॉलिक पाथवेज़ में असामान्यताएं, एनएमआर
4. प्राइमरी हाइपरपैराथाईरोडिज्म के रोगियों में पैराथाइरॉइड घावों और लिम्फ नोड्स के पृथकीकरण में 18एफ-फ्लोरोकोलाइन के साथ शुरूवाती गतिशील पीईटी/सीटी की भूमिका का आकलन, न्यूक्लियर मेडिसिन
5. अग्नाशय नलिका एडेनोकार्सिनोमा में माइक्रोआरएनए-107 से संबंधित नोच पाथवे के नैदानिक महत्व, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
6. ठीक होने वाली शुरूवाती पल्मोनरी दुदम्यताओं वाले रोगियों के लिए इंट्राऑपरेटिव प्लूरल लैवेज फ्लूइड द्रव और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए की नैदानिक उपयोगिता - एक पायलट अध्ययन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
7. प्राइमरी हाइपरपैराथाईरोडिज्म (एचपीटी) वाले रोगियों में पैराथायरॉयड घावों के लोकलाइज़ेशन में 4डी सीटी, 4डी एमआरआई और फ्लोरोकोलाइन पीईटी की तुलना, रेडियोडायगनोसिस
8. ईबीयूएस टीबीएनए के दौरान ग्रेडेड सक्शन प्रेशर्स का उपयोग करके नैदानिक परिणाम की तुलना, पुल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार

9. एमआरआई टी2* द्वारा ट्रैंशिएंट इलास्टोग्राफी, हेपेटिक आयरन कंसेंट्रेशन का मूल्यांकन, थैलेसीमिया के प्रमुख रोगियों में लिवर, सीरम लिवर फाइब्रोसिस इंडेक्स बनाम लिवर बायोप्सी जोकि हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट (एचएससीटी) के लिए उम्मीदवार हैं, एक तुलनात्मक पायलट अध्ययन, हीमेटोलॉजी
10. मेसेनचाइमल स्टेम सेल (एमएससीएस) माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के लिए सहनशील और प्रतिरक्षा-विशेषाधिकारित एक दवा प्रस्ताव, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स और आईजीआईबी, नई दिल्ली
11. उन्नत पित्ताशय के कैंसर के जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइलिंग आधारित माइक्रोएरे: एक पायलट अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
12. भ्रूण की विकृतियों और मृत जन्म के मूल्यांकन के लिए मिनिमली इंवैसिव अटॉप्सी (एमआईए) - मृत जन्म के मूल्यांकन के लिए एक मानक प्रोटोकॉल के विकास के लिए व्यावहारिकता अध्ययन, बाल चिकित्सा
13. एफडीजी पीईटी सीटी, एमआरआई और एनएमआर का उपयोग करके स्तन कैंसर का आणविक वर्गीकरण, एक पायलट अध्ययन, सर्जरी
14. अग्नाशय नलिका एडेनोकार्सिनोमा में आरईजी4 की अभिव्यक्ति निदान और रोग के लक्षण के आकलन दोनों के लिए संभावित मार्कर के रूप में काम कर सकती है, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
15. जेमसिटाबाइन - प्लेटिनम डब्लिट के साथ इलाज किए गये उन्नत पित्ताशय में कार्सिनोमा में एचईएनटी1, आरआरएम1, आरआरएम2 और ईआरसीसी1 अभिव्यक्ति की भूमिका, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
16. जेमसिटाबाइन - प्लेटिनम डब्लिट के साथ इलाज किए गये उन्नत पित्ताशय में कार्सिनोमा में एचईएनटी1, आरआरएम1, आरआरएम2 और ईआरसीसी1 अभिव्यक्ति की भूमिका, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
17. प्रत्यक्ष रूप से प्रारम्भिक इंटरस्टीशियल लंग डिजीज के निदान में एचआरसीटी की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस
18. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी के मूल्यांकन में शीरवेवइलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस
19. यूटरिन पैथोलॉजी के मूल्यांकन में सोनो-इलास्टोग्राफी की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस
20. स्कैल्प बायोप्सी: गंजेपन के निदान में वर्टिकल एंड ट्रांसवर्स सेक्शन्स की तुलना, त्वचा विज्ञान
21. माइक्रोपैटर्ड सर्फेस और डीसेल्युलैराइज्ड कॉर्निया का उपयोग करके स्कल्प्चरिंग कॉर्नियल की रचना करना, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली, स्टेम सेल फैसिलिटी, डॉ. आरपी सेंटर
22. फेफड़े के कैंसर के लिए विभिन्न पारंपरिक पल्मोनोलॉजी प्रक्रियाओं के नैदानिक परिणाम के पूर्वानुमान करने वालों का अध्ययन, पुल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार

23. सीलिएक रोग में शामिल अतिरिक्त छोटे आंतों के गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट के स्पेक्ट्रम का अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएं : **182** **सार** : **28** **पुस्तकों में अध्याय** : 2

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं

सर्जिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला

संसाधित किए गए नमूने	55,600	विशेष स्टेन	38,100

साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला

कुल नमूनें	26719	एफएनएसी (बाह्य रोगी)	10696
एक्सफोलिएटिव्स रूटीन	13943	सर्वाइकल स्मीयर्स (पीएपी स्मीयर)	2080
शव परीक्षण किए गए	13	इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	1505

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन प्रयोगशाला

नैदानिक	51268	रिसर्च	805

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल नमूनें	2106	फ्रोज़न सेक्शन	359

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन

रूटीन आईएचसी	8375	अनुसंधान आईएचसी	5238
मांसपेशी आईएचसी	1699		
कुल प्राप्त मांसपेशी	291		
मांसपेशी एंजाइम-हिस्टोकेमिस्ट्री	658		

स्वस्थाने संकरण में प्रतिदीप्ति

नैदानिक	349	नैमिक	272

ईएम सुविधा

कुल मांसपेशियों के नमूनें	288	कुल तंत्रिका के नमूनें	37
इम्यूनोब्लॉट नमूना	55		

टिश्यू कल्चर लैब

एच एंड ई स्टेनिंग	9827	विशेष स्टेन्स	1320+एच-पाइलोरी 6239
प्रतिरक्षा रसायन	4979	फ्रोज़ेन सेक्शन	2380
अनस्टेंड	3289	कोटेड स्लाइड्स	26295
अनुसंधान ब्लॉक कटिंग	2989		

वृक्क विकृति सेवाएं

मूत्र तलछट का विश्लेषण	1860
गुर्दे की बायोप्सी के इम्यूनोफ्लोरेसेंस	968
गुर्दे की बायोप्सी का इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	941

हृद् विकृति विज्ञान

नमूनें

रूटीन	310	अनुसंधान	163

अन्य कार्य

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	392 स्लाइड्स	एच एंड ई स्टेन	305 स्लाइड्स
विशेष स्टेन	102 स्लाइड्स		

प्रत्यारोपण बायोप्सी के बाद का त्वरित संसाधन 29 मामले

बलॉक्स की कटिंग (अनस्टेंड सेक्शन) 631 स्लाइड्स

स्किन बायोप्सी कटिंग	**282 मामलें (प्रत्येक 6 स्लाइड्स) 1672**
रीनल बायोप्सी कटिंग	**580 मामलें (प्रत्येक 10 स्लाइड्स)**
फ्रोज़ेन कटिंग	**80 मामलें (प्रत्येक 3 स्लाइड्स)**
कोटेड कटिंग	**2200 मामले**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

रेजीडेंट पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार रॉय डी, कुमार एच, सारंगी जे, कक्कड़ ए, जैन डी, माथुर एसआर, अय्यर वीके, धार ए द्वारा जीता गया, रीटफॉर्महेमांगियोएंडोथेलीओमा की सूक्ष्म सुई एस्पिरेशन साइटोलॉजी: पहले मामले की रिपोर्ट। दिल्ली का आठवां वार्षिक सम्मेलन इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट का अध्याय, 21 सितंबर 2019, नई दिल्ली, भारत

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार रॉय डी, कक्कड़ ए, जैन डी, माथुर एसआर, अय्यर वीके द्वारा जीता गया, पैरोटिड ग्रंथि को मेटास्टेसिस की सूक्ष्म सुई एस्पिरेशन साइटोलॉजी, इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट का 49वां वार्षिक सम्मेलन, 7-10 नवंबर 2019, चंडीगढ़, भारत

कुमार एम. को **सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया मरूधरा जोधपुर पुरस्कार सत्र, वार्षिक यूसीकॉन 2019**

युवा अन्वेषक पुरस्कार: वर्षा सिंह पीएचडी की छात्रा: नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा (एनएससीएलसी) में सामान्य और असामान्य ईजीएफआर (एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर) म्यूटेशन के उत्तरजीविता विश्लेषण के रूप में काम करने के लिए नेशनल लंग कैंसर कॉन्फ्रेंस (एनएएलसीसीओएन), केजीएमसी, लखनऊ, दिसंबर 2019

द्वितीय विजेता का पुरस्कार, पोस्टर प्रस्तुति के लिए डॉ. श्रद्धांजलि सत्पथी को प्लाज्मा और मूत्र के नमूनों पर ईजीएफआर म्यूटेशन के परीक्षण के रूप में कार्य करने के लिए नेशनल लंग कैंसर कॉन्फ्रेंस (एनएएलसीसीओएन), केजीएमसी, लखनऊ: लंग कैंसर के निदान और उपचार में लिक्विड बायोप्सी की वेल्यू के मूल्यांकन के लिए एक पायलट अध्ययन, दिसंबर 2019

डॉ. सत्या मोंगा अवार्ड (डॉ. तृप्ति नाकरा) को आईएनएसएम1 शीर्षक से प्रकाशित पत्र के लिए साइटोलॉजी स्मीयर्स में स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा के निदान के लिए एक रोबस्ट न्यूक्लियर एम्यूनोस्टेन प्राप्त हुआ, नवम्बर 2019

प्रो. चित्रा सरकार सीआईएमपीएसीटी-नाउ (सीएनएस ट्यूमर टैक्सोनॉमी को आणविक और व्यावहारिक दृष्टिकोण को सूचित करने के लिए कंसोर्टियम) की कार्य समिति की सदस्य थीं, सीएनएस ट्यूमर के आगामी डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण और सीआईएमपीएसीटी-नाउ के अपडेट में सह-लेखक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स, कल्याणी में अध्यक्ष के रूप में नियुक्त, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के बारे में सिफारिश सुझाव देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति की अध्यक्ष, सदस्य, इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के प्रबंधन निकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की सदस्य, टीएचएसटीआई सोसायटी समिति डीएसटी-इंस्पायर फैलोशिप स्थायी समिति की नामित सदस्य डीएसटी-इंस्पायर फैलोशिप अध्यक्ष की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की नामित सदस्य, महिला शिकायत प्रकोष्ठ, एम्स, अध्यक्ष, एम्स में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, सहयोगी अनुसंधान के लिए एम्स और अन्य संस्थानों के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग के लिए समन्वयक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के नैनो मिशन काउंसिल (एनएमसी) की सदस्य, सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के उत्तर पूर्वी क्षेत्र जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए सर्वोच्च समिति, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ न्यूरोपैथोलॉजी की उपाध्यक्ष, सचिव, न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया, रैनबैक्सी पुरस्कारों के लिए चयन समिति की सदस्य, आईएनएसए के अनुभागीय

समिति (स्वास्थ्य विज्ञान) की सदस्य, सदस्य, जर्नल न्यूरोपैथोलॉजी के संपादकीय बोर्ड (जापान से प्रकाशित), सदस्य, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों की पदोन्नति के लिए मूल्यांकन समिति, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर के प्रबंधन निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य, पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली के ह्यूमन इथिक्स समिति के सह-अध्यक्ष, सदस्य, एनसीडी-III, आईसीएमआर की ऑन्कोलॉजी उप-समिति हैं।

प्रो. मनोज के सिंह ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट और आईएपी-आईडी का 68वें वार्षिक सम्मेलन सत्र की अध्यक्षता की, 5 दिसंबर 2019 से 8 दिसंबर 2019, हिस्टोपैथोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

प्रो. ए.के. डिंडा को ग्लोबल काउंसिल ऑन रेगुलेटरी साइंस 2019 (जीएसआरएस19), यूरोपीय आयोग, संयुक्त अनुसंधान केंद्र इसरा, इटली में ग्लोबल काउंसिल ऑफ रेगुलेटरी साइंस रिसर्च के कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

प्रो. संदीप आर माथुर को 2020 तक 3 साल के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट के दिल्ली चैप्टर का सचिव नियुक्त किया गया है।

डॉ. दीपाली जैन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने फेफड़े, प्लुरा, थाइमस और हार्ट के ट्यूमर का वर्गीकरण के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं; फेफड़े, प्लुरा, थाइम और हार्ट के ट्यूमर का वर्गीकरण विश्व स्वास्थ्य संगठन के कई अध्यायों की जिम्मेदार लेखिका और सह-लेखिका; लंग कैंसर के अध्ययन (आईएएसएलसी), के लिए पैथोलॉजी कमेटी इंटरनेशनल एसोसिएशन की सदस्य, यूएसए; पल्मोनरी पैथोलॉजी सोसाइटी यूएसए, डुब्रोवनिक, क्रोशिया जून 2019 द्वारा 2019 पीपीएस ट्रैवल अवार्ड; 20वां अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ऑफ साइटोलॉजी, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया, मई 2019 में आईसीएमआर ट्रैवल अवार्ड; लंग कैंसर एआईआईएमएस पल्मोक्रिट, मार्च 2020 दिल्ली में संगोष्ठी अध्यक्ष; सीओपीडी-डीबीटी पर मैंबर ब्रेन स्टॉर्मिंग कमेटी रहीं।

डॉ. सीमा कौशल को भारत के एसजीयूपी (सोसाइटी ऑफ जेनिटोयूरिनरी पैथोलॉजिस्ट) के संस्थापक कार्यकारी सदस्य के रूप में नामित किया गया था; शीर्षक पत्र "बायोप्सी प्रूवेन अपर और लोवर यूरिनरी टैक्ट यूरोथीलियल कार्सिनोमा में पेरिस सिस्टम के कार्यान्वयन द्वारा मूत्र संबंधी साइटोलॉजी के नमूनों का बेहतर सहसंबंध के लिए मई 2019 में सिडनी में आयोजित साइटोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में यूरीन साइटोलॉजी के विषय में मुख्य पांच पत्रों में से एक के लिए सम्मानित किया गया था; यूरोऑन्कोलॉजी पर संवाद "टेस्टिक्युलर ट्यूमर के रोगनिदान संबंधी आकलन सामान्य समस्याएं" पर सत्र की अध्यक्षता की: यूरोऑन्कोलॉजी समिट 2020, 22 फरवरी 2020, एमपी यूरोलॉजिकल हॉस्पिटल एंड टीचिंग इंस्टीट्यूट नडियाड, गुजरात

डॉ. प्रसनजीत दास को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा एपीसीओएन 2019 के प्रकाशित पत्र के लिए आईएपीएम 2019-20 के प्रकाशित पत्र के लिए प्रोफेसर कुंती देवी महरोत्रा पुरस्कार मिला; सीलिएक रोग के रोगियों पर हमारे शोध को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया और इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम (आईयूएसएसटीएफ) द्वारा उत्कृष्टता वित्त पोषित के लिए सीलिएक रोग संयुक्त अनुसंधान नेटवर्क के तहत 31 अक्टूबर-13 नवंबर 2019 को बेथ इज़राइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर एंड हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन में विज़िटिंग पैथोलॉजिस्ट थे; 1 जनवरी 2020 से राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ़ पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. आदर्श बरवाद को संयुक्त राज्य अमेरिका के पिट्सबर्ग पीए, यूएसए विश्वविद्यालय में आईसीएमआर/डीएचआर 2019-2020 योजना के तहत युवा वैज्ञानिक के लिए दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप से पुरस्कृत किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. इयान क्री एमडी डब्ल्यूएचओ ब्लू बुक एडिटर आईएआरसी, लियोन, फ्रांस

डॉ. होल्गर मोच एमडी पैथोलॉजी के प्रोफेसर ज्यूरिख विश्वविद्यालय, ज्यूरिक, स्विट्जरलैंड

9.30. भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी.एल. कुमार

आचार्य

एन.आर. बिस्वास (प्रतिनियुक्ति पर) एस.के. मौलिक डी.एस. आर्य

जतिंदर कत्याल सुरेन्द्र सिंह के.एच. रीटा

जागृति भाटिया

सह-आचार्य

पूजा गुप्ता हरलोकेश नारायण यादव सुधीर चंद्र सारंगी

सहायक आचार्य

एन.एस. राज

वैज्ञानिक

शारदा एस. पेशीन (31 अगस्त 2019 तक) थॉमस कालीकल अमिता श्रीवास्तव

माधुरी गुप्ता सुंदर सिंह सैमुअल स्वाति शर्मा

विशिष्टताएँ

"एसवाईएमपी एनपीआईसी - 2019": नेशनल पॉइजन इंफॉरमेशन सेंटर (एनपीआईसी) की स्थापना के 25वें वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 26 अप्रैल 2019 को पॉइजन (जहर) पर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

शिक्षा

विभाग बी.एससी नर्सिंग (ऑनर्स), बीएससी ओटी तकनीशियन, एमबीबीएस, एमएससी (चिकित्सा भेषजगुण विज्ञान), एमडी, पीएचडी और डीएम (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय है।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 03 अगस्त, 2019 को एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (आईएसएआर-डीसीसीओएन 2019) के लिए इंडियन सोसाइटी के दिल्ली चैप्टर का पांचवां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

वीएल कुमारः 1 **पूजा गुप्ताः 3** **हरलोकेश नारायण यादवः 2**
शारदा शाह पेशीनः 2 **थॉमस कालीकलः 1** **अमिता श्रीवास्तवः 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 25 (युवा अन्वेषक पुरस्कार-मूल श्रेणी में प्रथम पुरस्कार; आईपीएस-सीओएन - सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार (पीसी डांडिया पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. विस्टर चूहों में स्ट्रेप्टोजोटोकिन प्रेरित डायबेटिक (मधुमेह) कार्डियोमायोपैथी में विनपोसेटिन की सुधारक संभावना, हरलोकेश नारायण यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 16.80 लाख रुपये
2. पल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन के उपचार में एंटीइन्फ्लेमेटरी योजना : एक प्रायोगिक अध्ययन, एस.के. मौलिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 30 लाख रुपये
3. मिर्गी वाले रोगियों (पी.डब्ल्यू.ई.) में तनाव : सिरम बायोमार्कर्स तथा सीवाईपी2सी19 पोलीमॉर्फिज्म के बीच सह-संबंध, एक प्रायोगिक अध्ययन, जतिंदर कात्याल, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 7.87 लाख रुपये
4. लीराग्लूटाइड की ओरल डिलीवरी हेतु सोलिड लीपिड नैनोपार्टिकल्स का विकास, एक एंटी-डाइबेटिक ड्रग, हरलोकेश नारायण यादव, डीबीटी, 2 वर्ष, 2018-2020, 14.75 लाख रुपये
5. हेमेटोलॉजिकल दुर्दमताओं वाले रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियोटॉक्सिसिटी के लिए प्रारंभिक बायोमार्कर, शालिनी रावल (पूजा गुप्ता-मेंटर डब्ल्यूओएस-बी), डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 30.24 लाख रुपये
6. अवसाद के रोगियों में न्यूरोडीजेनेरेशन और न्यूरोप्लास्टिसिटी पर एंटीडीप्रेजेंट्स का प्रभाव, एससी सारंगी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 29.03 लाख रुपये
7. मिर्गी से पीड़ित महिलाओं के मेटाबौलिक स्टेटस पर लेविटिराकेटम तथा वाल्प्रोएट के साथ एंटी इपिलेप्टिक ड्रग मोनोथेरेपी का प्रभाव, एस.सी. सारंगी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये
8. चूहों में फेफड़े संबंधी उच्च रक्तचाप के प्रयोग मॉडल में सिल्डेनाफिल मोनोथेरेपी बनाम विटामिन और सिल्डेनाफिल संयोजन का प्रभाव, हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2020, 10 लाख रुपये

9. कोलाइटिस के चूहे मॉडल में एज़ाथियोप्रीन के फार्माकोकाइनेटिक्स और फार्माकोडायनामिक्स पर मेडिसीसाइड और एशियाटिकोसाइड के प्रभाव का मूल्यांकन, थॉमस कालीकल, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 4.9 लाख रुपये (प्रथम वर्ष के लिए)
10. चूहों में स्ट्रॉक के प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड इस्टर्स (एफएई) का मूल्यांकन, के.एच. रीटा, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2015-2019, 57.54 लाख रुपये
11. चूहों में आघात तथा आघात के पश्चात के दौरे के व्यवहार के प्रायोगिक मॉडल में सेफिनामाइड का मूल्यांकन, के.एच. रीटा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 27.61 लाख रुपये
12. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) वाले स्तरीकृत रोगियों "प्रकृति" का जीनोमिक और जैव रासायनिक सहसंबंधः व्यक्तिगत सीएडी प्रबंधन के प्रति एक एकीकृत एप्रोच, पामिला दुआ (डॉ केएच रीटा-गाइड), डीएसटी (महिला वैज्ञानिक), 3 वर्ष, 2019-2022, 31.21 लाख रुपये
13. दवाओं के तर्कसंगत उपयोग पर आईसीएमआर टास्क फोर्स सेंटर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 15.75 लाख रुपये
14. एएमपीए रिसेप्टर का मॉड्यूलेशनः चूहों में फोकल सेरेब्रल इस्केमिया रिपरफ्यूजन इन्जरी के बाद पोस्ट-स्ट्रोक डेमेज पर प्रभाव, केएच रीटा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 51.40 लाख रुपये
15. चूहों में मधुमेह के प्रायोगिक मॉडल में ग्लिबेनक्लामाइड के साथ आयुर्वेदिक फॉर्म्यूलेशन की फार्माकोडायनामिक तथा फार्माकोकिनेटिक पारस्परिक क्रिया, एस.सी. सारंगी, एआईएमआईएल औषध, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2018-2021, 21.01 लाख रुपये
16. पल्मोनरी फिब्रोसिस प्रेरित ब्लेयोमायसिन के प्रायोगिक मॉडल में अधाटोडावासिका के प्रभाव को जांचने की फार्माकोलॉजिकल एवं मोलीक्यूलर एप्रोच, जागृति भाटिया, केन्द्रीय यूनानी मेडिसिन अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, 3 वर्ष, 2018-2021, 55.42 लाख रुपये
17. प्रयोगात्मक मधुमेह वाले चूहों में ए.सी.ई.-2/एंजियोटेनसिन (1-7)/मास रिसेप्टर्स एक्सिस के माध्यम से मधुमेह कार्डियोमायोपैथी में विटामिन-डी के औषधीय प्रभाव, हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये
18. गठिया में उपयोग की जाने वाली होम्योपैथिक दवाओं की औषधीय जांच, सुरेन्द्र सिंह, आयुष, 2 वर्ष, 2017-2019, 27.56 लाख रुपये
19. चूहों में इस्केमिक स्ट्रोक के स्थायी और क्षणिक मॉडल में ऑटोफैगी और एपोप्टोसिस को संशोधित (मोडुलेट) करने में जीएसके3□ की भूमिका, देवेंद्र सिंह (डॉ. केएच रीटा - गाइड), आईसीएमआर (आरए), 3 वर्ष, 2019-2022, 21.58 लाख रुपये
20. ऐन्जिओजेनेसिस आधारित पशु घाव उपचार हेतु सतह इंजीनियरड सिल्वर (ए.जी.) नैनोकणों एवं पेप्टाइड संयुग्मन, हरलोकेश नारायण यादव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 87.36 लाख रुपये
21. कैंसर चिकित्सा शास्त्र हेतु सिनेरजीस्टिक (योगवाही) प्रभाव को प्राप्त करने के लिए एंटी-कैंसर ड्रग तथा पी53 मॉड्यूलेटर की टारगेटिड सह-डिलीवरी, हरलोकेश नारायण यादव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2021, 35 लाख रुपये

22. सनिटिनिब कीमोथेरेपी करना रहे कैंसर रोगियों में हाथ-पैर की त्वचा के रिएक्शन (प्रतिक्रिया) के माध्यमिक प्रोफिलैक्सिस में सामयिक यूरिया के प्रभाव का मूल्यांकन करना, पूजा गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-20, 5 लाख रुपये
23. मायलोमा से पीड़ित रोगियों में नैदानिक प्रतिक्रिया तथा बोर्टेजोमिब ब्लड कनसंट्रेशन पर सी.वाई.पी.2सी.19 पॉलीमोर्फिज्म के प्रभाव का अध्ययन, पूजा गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 25.31 लाख रुपये

पूर्ण

1. चूहों में सिस्पलेटिन प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी में बर्बेरिन तथा डायड्जीन के नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन, जागृति भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2019, 24.99 लाख रुपये
2. विस्टर चूहों में प्रयोगात्मक मधुमेह न्यूरोपैथिक दर्द में ऐपालरिस्टाट के लिपिड-आधारित नैनोकणों का निर्माण और मूल्यांकन, हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2017-2019, 5 लाख रुपये
3. अंतःपात्र *(इनविट्रो)* कार्डियोटॉक्सिसिटी प्रेरित कीमोथेरेपी के विरूद्ध सुरक्षा हेतु नैनो-बर्बेरिन, पूजा गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये
4. दौरे से संबंधित हृदय की अपसामान्यताओं में संभावित बायोमार्कर के रूप में ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रॉपिक फैक्टर (बीडीएनएफ) की भूमिका, जतिन्दर कात्याल, डीएसटी (एसईआरबी), 2 वर्ष, 2017-2019, 22.03 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. चूहों में प्रायोगिक मधुमेह कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी की सुधारात्मक संभावना।
2. लेवेटिरेस्टाम बनाम सोडियम वैल्प्रोएट मोनोथेरेपी पर मिर्गी (पीडब्ल्यूई) वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक हानि का मूल्यांकन
3. 5-फ्लोरोरैसिल प्रेरित कार्डियोटॉक्सीसिटी से सुरक्षा के लिए बर्बेरीन नैनापार्टिकल्स - एक *इन विट्रो* और *इन वीवो* अध्ययन
4. तनाव से ग्रसित रोगियों के न्यूरोडीजनरेशन पर एंटीडिप्रेसेंट के प्रभाव की तुलना
5. लेवेटिरेस्टाम का सेवन करने वाले मिर्गी के रोगियों में सीवाईपी2सी19 पोलीमार्फिज्म
6. मिर्गी वाले रोगियों (पी.डब्ल्यू.ई.) में तनावः सीरम बीडीएनएफ तथा जिंक के स्तरों के बीच सहसंबंध
7. चूहों में सीजर इंड्यूस्ड डिप्रेशन में लेवेटिरेस्टाम के साथ जिंक जोड़ने का प्रभाव
8. चूहों में मोनोक्रोटालिन प्रेरित फेफडे धमनी के उच्च रक्तचाप (मोनोक्रोटालिन इंड्यूस्ड पल्मोनरी आर्टिरल हाइपरटेंशन) में बोसेंटन और सिल्डेनाफिल के संयोजन में और अकेले बेनीडिपाइन का प्रभाव।

9. चूहों में मोनोक्रोटालिन प्रेरित फेफड़े के उच्च रक्तचाप (मोनोक्रोटालिन इंड्यूस्ड पल्मोनरी हाइपरटेंशन) पर विटामिन डी (Vit. D) का प्रभाव
10. युवा और मध्यम आयु वर्ग के 2-टाईप मधुमेह रोगियों के संज्ञानात्मक प्रकार्य पर मौखिक हाइपोग्लाइकेमिक एजेंटों के प्रभाव का मूल्यांकन
11. हेमेटोलॉजिकल दुर्दमता वाले ऐसे रोगियों जो डॉक्सोरुबिकिन युक्त रेजिस्टेंस ले रहे हैं उनमें कीमोथेरेपी-प्रेरित कार्डियोटॉक्सीसिटी के मार्कर
12. स्वस्थ स्वयं सेवकों में प्रायोगिक रूप से प्रेरित दर्द के लिए ओपन-लेबल प्लसिबो बनाम डबल ब्लाइंड प्लेसिबो उपचारः एक अग्रगामी अध्ययन
13. चूहे के हृदय में मायोकार्डियल इनफरक्शन तथा मधुमेह आई/आर-चोट के प्रयोगात्मक मॉडलों में टेरीफ्लूनोमाइड के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का फार्माकोलॉजिकल एवं आणविक लक्षण वर्णन
14. गैर-अल्कोहल फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के प्रायोगिक मॉडलों में नीलिटिनिब का फार्माकोलॉजिकल स्टडीज ओडेलिनेट प्रभाव
15. जीवन की गुणवत्ता तथा लागत विश्लेषण के साथ आई.आर.सी.एच., एम्स में प्रगत नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एन.एस.सी.एल.सी.) में पैटर्न निर्धारित करना
16. मनोचिकित्सा कौशल, संज्ञानात्मक और स्वस्थ स्वयंसेवकों में निर्णय लेने की क्षमताओं पर पैरासिटामोल की एकल खुराक के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित क्रॉसओवर अध्ययन
17. सेप्सिस के प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टेसुनेट के प्रभाव पर अध्ययन
18. प्रोस्टेटीटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में रोक्सीथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन
19. सेप्सिस के प्रयोगात्मक मॉडल में रोक्सीथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन
20. हेप्टोटॉक्सिसिटी प्रेरित कार्बन टेट्राक्लोराइड पर एबटासेप्ट के प्रभाव का मूल्यांकन करना
21. चूहों में ब्लेयोमायसिन प्रेरित पल्मोनरी टॉक्सिसिटी में सेसामोल के प्रभाव का अध्ययन करना
22. एक्स्ट्रा-पल्मोनरी क्षयरोग से पीड़ित रोगियों में निदान एवं रोग-उपचारक देखभाल हेतु बायोमार्कर के रूप में वीईजीएफ-ए : एक अग्रगामी अध्ययन

पूर्ण

1. मल्टीपल मायलोमा वाले रोगियों में बोर्टेज़ोमिब आधारित आहार नियम के प्रति जवाबदेही के बायोमार्कर के रूप में ग्लूकोज-विनियमित प्रोटीन-78 (जीआरपी **78**) की खोज करने वाला एक प्रायोगिक अध्ययन।
2. पोस्ट-लंच अवधि के दौरान स्वस्थ स्वयं सेवकों की साइकोमोटर परफॉर्मेंस पर नियमित तथा डिकैफिनेटेड कॉफी के प्रभाव के आकलन का यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड क्रॉस ओवर अध्ययन।
3. उपचार की लागत तथा जीवन की गुणवत्ता के संबंध में फोकल तथा जनरलाइज्ड सीजर में नवीन तथा परंपरागत एंटीऐपिलेप्टिक औषधियों की तुलना

4. लीराग्लुटाइड के मौखिक फॉर्मूलेशन आधारित नैनो-कणों का विकास तथा चूहों में उच्च वसा आहार प्रेरित मोटापे में इसके प्रभाव का मूल्यांकन
5. मिर्गी से पीड़ित महिलाओं में एंटीऐपिलेप्टिक दवाओं का शारीरिक गतिविधि, प्रजनन अंतःस्रावी स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव
6. 35 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के फेफड़े संबंधी फंक्शन पर एस्कोर्बिक एसिड सप्लीमेंटेशन का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित अग्रगामी अध्ययन
7. फैट लीवर पर नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) से पीड़ित रोगियों में *एच. पायलोरी* इराडिक्शन थेरेपी का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित अग्रगामी अध्ययन
8. यू-50488 का प्रभाव, एक कापा ओपिओइड रिसेप्टर (कोर) एगोनिस्ट और आईआरएल-1620, मिर्गी के रोग पर एक एंडोथेलिन बी (ईटीबी) रिसेप्टर एगोनिस्ट और रेट लिथियम पिलोकार्पाइन (एलआईपी) सीज्यूर मॉडल में हृदय बदलाव।
9. एंटी-ऐपिलेप्टिक ड्रग टेपरिंग से गुजर रहे मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में सीजर की पुनरावृत्ति से संबंधित कारकः एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
10. विस्टर चूहों में प्रयोग के साथ प्रेरित मधुमेह मेलिटस में ओरल लिराग्लुटाइड पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स का सूत्रीकरण तथा इसकी हाइपोग्लाइसेमिक गतिविधि का मूल्यांकन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. बी तथा टी सेल्स के समलक्षणीय एवं कार्यात्मक निर्धारकों के साथ पेम्फीगस वल्गेरिस तथा उसके सहसंबंध में रिटुक्सीमैब इन्फ्यूजन बनाम इंट्रावेनस डेक्सामिथासोन प्लस थेरेपी की प्रभावकता की तुलना संबंधी एक यादृच्छिक नियंत्रित अग्रगामी परीक्षण, त्वचाविज्ञान
2. क्रैनबेरी एक्स्ट्रेक्ट माउथ की प्रभावशीलता- टीबी सक्रिय बच्चों में माइक्रोबियल काउंट पर सोडियम फ्लोराइड माउथ रिंस की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा विभाग, सीडीआर
3. इडियोपैथिक सर्टोली सैल ऑनली सिंड्रोम (एससीओएस) के मामलों में जीनोमिक कारणों का पता लगाने के लिए एसएनपी माइक्रोअरी का उपयोग कर हाई रिजोल्यूशन जीनोमिक स्क्रीनिंग, प्रजनन जैवविज्ञान

पूर्ण

1. फेफड़ों के कैंसर में ट्रेस तत्वों एवं भारी धातुओं तथा धूम्रपान के साथ उनके सहसंबंध का निर्धारण करने हेतु अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
2. प्राइमरी मोलर में पल्पोटॉमी हेतु सिमवास्टेटिन जेल तथा डायोड लेजर का तुलनात्मक मूल्यांकन : सिंगल ब्लाइंड, चरण 2 यादृच्छिक परीक्षण, पीडियाट्रिक डेन्टीस्ट्री, सीडीईआर

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 31 सारः 16

रोगी उपचार

राष्ट्रीय विष सूचना केन्द्र (एनपीआईसी)

फार्माकोलॉजी विभाग ने विषाक्तता (जहर) के प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान करने में 25 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है। यह विषाक्त पदार्थों के प्रबंधन के बारे में प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनपीआईसी द्वारा प्रदान की गई चौबीसों घंटों की सेवा का लाभ देश भर के चिकित्सकों, सरकारी एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों और आम जनता के इलाज और उपचार से उठाया जाता है। एनपीआईसी को 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक 8126 कॉल्स मिली हैं।

एनपीआईसी द्वारा प्राप्त होने वाली महीने-वार कॉल्स

महिने	**कॉल्स की संख्या**
अप्रैल-19	659
मई-19	737
जून-19	646
जुलाई-19	684
अगस्त-19	622
सितंबर-19	621
अक्टूबर-19	638
नवंबर-19	572
दिसंबर-19	750
जनवरी-20	731
फरवरी-20	746
मार्च-20	720
कुल	**8126**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर वी.एल. कुमार सत्र 1, कॉमन पॉइजंसः इसूज एंड परस्पेक्टिव्स, में अध्यक्ष थे, दिनांक 26 अप्रैल 2019 को नेशनल पॉइजन इंर्फोमेशन सेन्टर, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "एसवाईएमपी एनपीआईसी - 2019" सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में जहर पर एक संगोष्ठी में

प्रोफेसर के.एच. रीटा मार्च 2019 से स्पेशलिटी फार्माकोलॉजी, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन के स्पेशलिस्ट बोर्ड में थी; विशेषज्ञ सदस्य, प्रथम बायोमेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज (कोर रिसर्च ग्रांट) परियोजना सलाहकार समिति की बैठक, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति, सीडीएससीओ

डॉ. पूजा गुप्ता भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मैट्रिओविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (एमवीपीआई) के लिए फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) और मेडिकल डिवाइस मॉनिटरिंग सेंटर (एमडीएमसी) के तहत एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर (एडीआर-एएमसी) के लिए समन्वयक हैं।

डॉ. सुधीर सारंगी ने एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए बैंकॉक में आयोजित 33वें अंतर्राष्ट्रीय मिर्गी कांग्रेस, 2019 में पोस्टर प्रस्तुति के लिए उपलब्धि प्रमाण पत्र प्राप्त किया, आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची (एनएलईएम) 2015 में संशोधन के लिए स्थायी राष्ट्रीय चिकित्सा समिति (एसएनसीएम) के लिए विषय विशेषज्ञ, भारतीय फार्माकोपोइया आयोग, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर 2019 को ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय फार्मामेट्री ऑफ इंडिया के संशोधन के लिए विषय समीक्षा समिति की चौथी बैठक के लिए विषय विशेषज्ञ रहे।

डॉ. थॉमस कालीकल दिनांक 26 अप्रैल 2019 को नेशनल पॉइजन इंर्फोमेशन सेन्टर, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "एसवाईएमपी एनपीआईसी - 2019" सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में जहर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेन्ट्स इन एप्लीकेशन ऑफ एलसीएमएस/एमएस इन अननोन पॉइजन आईडेंटीफिकेशन' और डेमोन्ट्रेशन ऑफ माइक्रोमेडेक्स डेटाबेस, तृतीय सत्र मे अध्यक्ष रहे।

डॉ. अमिता श्रीवास्तव ने दिनांक 12-15 सितम्बर 2019 को काठमांडू, नेपाल (सार्क) में आयोजित (आईएएमएलई 2019) फोरेंसिक विज्ञान, फोरेंसिक चिकित्सा और प्रौद्योगिकी में लीगल मेडीसिन, मेडीकल नेगलीजेन्स और चिकित्सा व्यवसाय में मुकदमेबाजी पर वर्तमान रुझानों पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर आईएएमएलई फैलोशिप प्राप्त की; दिनांक 26 अप्रैल 2019 को नेशनल पॉइजन इंर्फोमेशन सेन्टर, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "एसवाईएमपी एनपीआईसी-2019" सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में जहर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टेक्नोलॉजीकल एडवांसमेन्ट्स इन एप्लीकेशन ऑफ एलसीएमएस/एमएस इन अननोन पॉइजन आइडेंटीफिकेशन' और डेमोनस्ट्रेशन ऑफ माइक्रोमेडेक्स डेटाबेस, तृतीय सत्र मे अध्यक्ष रहीं। दिनांक 12-15 सितम्बर 2019 को काठमांडू, नेपाल (सार्क) में आयोजित (आईएएमएलई 2019) फोरेंसिक विज्ञान, फोरेंसिक चिकित्सा और प्रौद्योगिकी में लीगल मेडीसिन, मेडीकल नेगलीजेन्स और और चिकित्सा पद्धति में मुकदमेबाजी पर वर्तमान रुझानों पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फॉरेंसिक फार्माकोलॉजी' पर सत्र में अध्यक्षता की।

9.31. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष

यू. सिंह

आचार्य

संजय वाधवा | एस.एल. यादव | गीता हांडा

सह-आचार्य

श्रीकुमार वी.

सहायक आचार्य

असेम रंगिता चानू

अधीक्षक भौतिक चिकित्सक

श्रीमती स्मिता दास

वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक

श्री ओ.पी. यादव

अधीक्षक ओक्यूपेशनल थेरेपिस्ट

श्री रमन कुमार सिंह

वरिष्ठ ओक्यूपेशनल थेरेपिस्ट

श्रीमती लिली फरहत परवीन

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

श्री अजय बब्बर

विशिष्टताएँ

कई संकाय-सदस्यों और विभाग के रेजीडेंटों ने 30 नवंबर और 1 दिसंबर 2019 को नई दिल्ली के एबीवीआईएमए और डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में क्रिटिकल केयर रिहैबिलिटेशन : न्यू होराइजन इन पीएमआर विषय पर आयोजित इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन के 14वें वार्षिक सम्मेलन "दिल्ली पीएमआर सम्मेलन 2019" में भाग लिया। इस कार्यक्रम में दिल्ली सहित पूरे भारत के प्रख्यात संकाय-सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करके ज्ञान समृद्ध किया।

शिक्षा

विभाग द्वारा आठवें सेमेस्टर और छठे सेमेस्टर के लिए स्नातक कक्षाएं शुरू की गईं। 11 स्नातकोत्तर छात्र एमडी (पीएमआर) कर रहे हैं। आर जी कर मेडिकल कॉलेज (कोलकाता) के पीएमआर डीएनबी छात्रों ने अपने शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रम के सिलसिले में हमारे विभाग का दौरा किया। विभाग में प्रशामक देखभाल और ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी और पेन फैलो के लिए स्नातकोत्तर और फैलोशिप प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। आर्मी मेडिकल कोर के एक सर्जन ने हमारे विभाग में अपने दीर्घकालिक प्रशिक्षण की शुरुआत की है।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

यू. सिंहः 5	**संजय वाधवाः 13**	**गीता हांडाः 4**
श्रीकुमार वीः 9	**हफीस रहमानः 1**	

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः 23 (पीजीटी के लिए डॉ. सनत कुमार मेमोरियल बेस्ट पोस्टर)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. पुराने पैर दर्द के उपचार के लिए दीर्घकालीन स्थायी कार्मिकों के लिए स्मार्ट डायनेमिक फैब्रिक एक्यूरेटर, श्री कुमार वेंकटरमन, अ.भा.आ.सं.-आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2018-20, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. पैर की विभिन्न समस्याओं के लिए स्मार्टफोन से फुट इमेजों का प्रयोग करके कस्टम 3डी प्रिंटेड फुट ओर्थोटिक्स का विकास एवं जांच, गीता हांडा, बीआईआरएसी (डीबीटी), 1.5 वर्ष, 2017-2019, 12 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ऊपरी अंग विच्छेदनों के कार्य करने की स्थिति एवं प्रोस्थैटिक उपयोग का अवलोकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
2. ऐंकिलोजिंग स्पोंडीलाइटिस वाले रोगियों में संतुलन दुर्बलता एवं लड़खड़ा कर गिरने के जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
3. काफी समय तक खड़े रहने के कारण पैर की मांशपेशी एवं हड्डियों के पुराने दर्द में व्यायाम करने के साथ स्मार्ट डायनेमिक फेब्रिक एक्ट्यूएटर की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले रोगियों में इंट्रा - आर्टिकुलर एडालिमुमाब बनाम इंट्रा - आर्टिकुलर हायलूरोनिक एसिड के प्रभाव का एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. एडालिमुमाब थेरेपी पर ऐंकिलोजिंग स्पोंडीलाइटिस से पीड़ित व्यक्तियों में व्यायाम सहनशीलता सहित रोग गतिविधि में परिवर्तन की तुलना - एक अवलोकनात्मक प्रायोगिक अध्ययन
6. एडालिमुमाब थेरेपी पर एंकिलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस वाले व्यक्तियों में अवस्था और संतुलन के साथ रोग गतिविधि में परिवर्तन की तुलना - एक अवलोकन संबंधी पायलट अध्ययन।

7. स्वास्थ्य संबंधी नियंत्रणों के साथ पुराने और हल्के पीठ दर्द वाले रोगियों की हैमस्ट्रिंग एक्सटेंसिबिलिटी की तुलना
8. निचला अंग प्रोस्थेसिस में डैम्पर नियंत्रण
9. फाइब्रोमायल्जिया रोगियों में पीड़ा मोडुलेशन स्थिति पर ट्रांस्क्रैनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव
10. संवेदी प्रसंस्करण असामान्यताओं के साथ सेरेब्रल पाल्सी जीएमएफसीएस I-III वाले बच्चों में सकल चलन कौशल में सुधार करने में अकेले मानक देखभाल बनाम मानक देखभाल के लिए एक सहायक के रूप में संवेदी एकीकरण चिकित्सा की प्रभावकारिता का मूल्यांकनः सिंगल ब्लांइड यादृच्छिक अध्ययन
11. हिरायामा रोगः क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल विशेषताएं और लांग नेक हाइपोथेसिस
12. रीढ़ की हड्डी में चोट वाले रोगियों में दबाव से चोट की पुनरावृत्ति की घटना।
13. रीढ़ की हड्डी में चोट के साथ रोगियों में कामकाज और जीवन की गुणवत्ता और इससे जुड़ा पोस्ट ट्रॉमैटिक ग्रोथ।
14. सारकोपेनिया के साथ मोटापे से ग्रस्त रोगियों में व्यायाम और पोषण संबंधी हस्तक्षेप से अस्थि-पंजर-संबंधी मांसपेशियों में परिवर्तन के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण ।
15. इंटरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी (आईएससीओएस) डाटाबेस प्रोजेक्ट
16. एम्स, नई दिल्ली के स्वास्थ्य कर्मियों के बीच काम से संबंधित हल्की पीठ दर्दः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

पूर्ण

1. पार्श्विक अधिस्थूलक-शोथ वाले रोगियों में सामान्य एक्सटेंसर टेंडन्स की अल्ट्रासोनोग्राफिक विशेषताएं, प्रकार्य एवं पीड़ा पर अल्ट्रासाउंड गाइडेड कोर्टिकोस्टेरॉयड इंजेक्शन बनाम परम्परागत उपचार की प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. कार्पल टनल सिंड्रोम वाले रोगियों में बिफिड मेडियन नर्व की व्यापकता : केस कंट्रोल स्टडी
3. कार्पल टनल सिंड्रोम के रूप में प्रस्तुत होने वाले मीडियन नर्व का लिपोफाइब्रोमेटस हामार्टोमा
4. पेक्टोरेलिस मेजर टीयर : कंधे में दर्द का एक दुर्लभ कारण।
5. मधुमेह रोगी में सैक्राल ऑस्टियोमाइलाइटिस जो कोक्सीडिनिया के जैसे प्रतीत होते हैं।
6. प्रारंभिक ओस्टियोपोरोसिस में जोलेड्रोनिक एसिड बनाम संरचित व्यायाम कार्यक्रम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. एकल डोज प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा एवं कोर्टिकोस्टिरॉयड इंजेक्शन के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
8. क्रोनिक प्लांटर फेसिटिस के रोगियों में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा एवं डेक्स्ट्रोज प्रोलोथेरेपी के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

9. प्रमस्तिष्कीय पाल्सी वाले बच्चो में उपचार प्रदाता द्वारा सूचित बुद्धिमत्ता सहित जीवन गुणवत्ता, हाथ प्रकार्य, गंभीर प्रेरक पेशी का सहसंबंध विश्लेषण के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
10. रीढ़ की हड्डी की क्षति से पीड़ित व्यक्तियों में अति सक्रिय ब्लैडर में फुट एवं ऑक्सीबुटिनिम के इलैक्ट्रिकल स्टीमुलेशन की प्रभावकता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
11. पार्क-ईज परीक्षणः पार्किन्संस रोग की आरंभिक अवस्था में व्यायाम की प्रभावकता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
12. घुटने की आरंभिक ओस्टियोआर्थेराइटिस में इंट्रा-आर्टिकुलर एडालिमुमेब बनाम इंट्रा-आर्टिकुलर हयालुरोनिक एसिड की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
13. अध्यात्म और स्वास्थ्य पर पुनर्वास चिकित्सीय पेशेवर की अवधारणाएं।
14. आध्यात्मिक देखभाल और पुनर्वास में पुराने दर्द वाले रोगियों की आवश्यकताएं और अनुभव।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पीठ के निचले भाग में पुराने पीड़ा से पीड़ित रोगियों में मोटर कोर्टेक्स एक्सिटाबिल्टी एवं पीड़ा की स्थिति का अध्ययनः ट्रांस्क्रैनियल चुम्बकीय उत्तेजन का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान
2. कृत्रिम उंगलियों के साथ कृत्रिम हाथ का डिजाइन। नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग. नेहू (एनईएचयू), शिलांग के सहयोग से।
3. श्रम-दक्षता की दृष्टि से परिष्कृत शल्यक उपकरणों का डिजाइन, विकास एवं मान्यता, शल्यचिकित्सा विभाग
4. थर्मल इमेजिंग, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग/आईआईटी-डी का उपयोग करते हुए ट्रांसस्टिबियल एम्प्यूट्स में अवशिष्ट अंगों पर दबाव बिंदुओं का पता लगाना
5. पीठ के निचले भाग में पुराने दर्द में पीड़ा एवं कोर्टिकोमोटर एक्सिटाबिल्टी पर योग का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान
6. गति एवं संतुलन के दौरान संज्ञानात्मक भार का इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल विश्लेषण तथा स्पर्शनीय फीडबैक का उपयोग करने के पश्चात निचले अंग विच्छेदन में गति एवं संतुलन में सुधार की जांच करना, जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग, अ.भा.आ.सं./आई.आई.टी. दिल्ली
7. सीमित संसाधन वाले देशों के लिए फोर्स मायोग्राफी चालित सस्ते सक्रिय निचले अंग प्रोस्थेसिस, आई.आई.टी. दिल्ली, आरेगन विश्वविद्यालय, यूएसए
8. स्केलेटल पेशी समूह में प्रगतिशील प्रतिरोधी व्यायाम एवं पोषण तथा सार्कोपेनिया वाले स्थूल रोगियों में प्रकार्य के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कायचिकित्सा
9. ट्रांसफेमोरल एम्पुटी के लिए साइनर्जी आधारित अनुकूली कृत्रिम अंग। (आईसीएमआर के तहत), आईआईटी, दिल्ली।

पूर्ण

1. कॉर्टिकोमोटर एग्जिस्टेबिलिटी पर मोटर इमेजरी का प्रभाव और रूमेटॉयड आर्थराइटिस में दर्द की स्थिति, शरीर क्रिया विज्ञान
2. ऐकिलोजिंग स्पोंडीलाइटिस में पल्मोनरी प्रकार्य का मूल्यांकन, शरीरक्रिया विज्ञान

रोगी उपचार

नए रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	10939
नए पंजीकरण (पीएंडओ कार्यशाला)	2615
कुल नए रोगी	**13554**

पुराने रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	24917
पीएंडओ कार्यशाला	5678
दिव्यांगता मूल्यांकन क्लिनिक	92
रेलवे रियायत प्रमाणपत्र	159
ओपीडी आगमन (पीटी अनुभाग)	18674
ओपीडी आगमन (ओटी अनुभाग)	17156
ओपीडी आगमन (एमएसडब्ल्यू)	4669
फुट क्लीनिक	101
ईएमजी/एनसीवी लैब प्रक्रियाएँ	34
डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड और इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं	2517
माइनर ओटी प्रक्रियाएं	5010
कुल पुराने मामले	**79007**

विभाग की विशेष क्लीनिक

1. पेशीअस्थि अल्ट्रासाउंड निर्देशित हस्तक्षेप
2. फुट क्लिनिक में कस्टम मोल्डिड इंसोल्स
3. डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों के अनुसार, विशिष्ट रूप से निर्मित व्हीलचेयर आपूर्ति के लिए व्हीलचेयर अनुशंसा एवं जांच क्लिनिक।
4. मस्क्यूलो-स्केलेटल प्रयोगशालाः कम्प्यूटरीकृत मूल्यांकन तथा व्यायाम उपकरण।
5. फुट लैब/क्लिनिक
6. दिव्यांगता मूल्यांकन क्लिनिक।

7. ब्रेस जांच क्लिनिकः रोगियों के लिए अंतिम आपूर्ति से पहले हमारी वर्कशॉप में बनी प्रोस्थेटिक तथा ऑर्थोटिक यंत्रों की जांच।
8. केस सम्मेलन : दीर्घ-अवधि पुनर्वास रोगियों के लक्ष्य निर्धारण एवं उपचार के मूल्यांकन पर परिचर्चा।
9. जिम राउंड क्लिनिकः पीएमआर के तहत भर्ती रोगियों की थेरेपी का मूल्यांकन।

सामुदायिक सेवाएँ

रोगी उपचारः विभागीय संकाय तथा रेजीडेन्ट डॉक्टर दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए मथुरा में ग्रामीण कैंपों में समय-समय पर सम्मिलित होते हैं।

जन संचार माध्यमः जन जागरूकता व्याख्यान और टीवी स्वास्थ्य कार्यक्रमः प्रोफेसर डॉ संजय वाधवा और प्रोफेसर डॉ एसएल यादव ने जन स्वास्थ्य जागरूकता और विकलांगता से संबंधित मुद्दों के लिए टीवी/रेडियो पर कई वार्ता/कार्यक्रमों में भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर यू. सिंह शैक्षिक समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द ओर्थोपेडिकली हैंडीकैप्ड, कोलकाता के सदस्य; एम.वाई.ए.एस.-जी.एन.डी.यू., अमृतसर में अनुसंधान डिग्री समिति हेतु विशेषज्ञ; इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन के एमेरिटस एडिटर; स्पाइनल कॉर्ड सीरीज़ एंड केसेस, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी (आईएससीओएस), यूके के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; जर्नल ऑफ रिहेबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया लोकोमोटर एंड एसोसिएटेड डिसेबिलिटीज़ के परामर्श संपादक और समीक्षक; एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के समीक्षक; इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरो-सर्जरी; समीक्षक, जर्नल ऑफ स्पाइनल कॉर्ड मेडिसिन के समीक्षक; जर्नल ऑफ अमेरिकन एकेडमी ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन के समीक्षक; लेप्रोसी समीक्षा; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोथेरेपी और ऑक्यूपेशन थेरेपी के समीक्षक; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (आईजेबीएसटी) के लिए संपादकीय बोर्ड के मानद सदस्य; दिसंबर 2013 से नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, नई दिल्ली द्वारा एस्ट्रोसाइट, मल्टीस्पेशलिटी जर्नल के वरिष्ठ संपादक; 10 अगस्त 2019 को आईपीएआरएम, क्लिनिकल मीटिंग के वैज्ञानिक सत्र 1, एम्स, नई दिल्ली के अध्यक्ष; चेयरपर्सन एंड जज फॉर बेस्ट पेपर अवार्ड, वैज्ञानिक सत्र XVIII. अंतर्राष्ट्रीय स्पाइन और स्पाइनल इंजरी कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली, 13 अक्टूबर 2019; दिनांक 14 सितंबर 2019 को एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़े के दौरान वर्ष 2018-19 के लिए हिंदी डिक्टेशन प्रतियोगिता के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर संजय वाधवा अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन के संयोजक हैं। तकनीकी समिति 173, वर्किंग ग्रुप 12 (आईएसओ/टीसी173/डब्ल्यूजी 12); 2023 तक भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अध्यक्ष, अनुभागीय समिति (एमएचडी09); 2 वर्ष की अवधि (2019-2021) के लिए 1 अप्रैल 2019 से इंडियन एसोसिएशन

ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (आईएपीएमआर) के अध्यक्ष; जून 2021 तक नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के उपाध्यक्ष; जून 2021 तक नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य; 2023 तक भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मेडिकल और अस्पताल डिवीजन काउंसिल के सदस्य; विकलांगता समिति, भारतीय चिकित्सा परिषद के सदस्य; विकलांगता पर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य, आईसीएमआर; जराचिकित्सा पर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य, आईसीएमआर; कार्यक्रम अधिकारी के रूप में, दिनांक 1 जून 2019 को एम्स, नई दिल्ली में एनाटॉमी विभाग के सेमिनार कक्ष में एनईईटी यूजी परीक्षा के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए नामित दस मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों के लिए विकलांगता मूल्यांकन दिशानिर्देशों पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। एमसीआई (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) द्वारा यह अनुरोध किया गया था; दिनांक 6 जून 2019 को एम्स, नई दिल्ली में पीएमआर विभाग में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पीएमआर से संबंधित लाभ पैकेजों का मसौदा तैयार करने के लिए आईएपीएमआर के तहत उप-समिति की बैठक का आयोजन किया गया; दिनांक 15 अक्टूबर, 2019 को एम्स, नई दिल्ली के विभाग में डॉ. पुनीत धालीवाल, पीएचडी (पीटी) द्वारा ''वेस्टिबुलर रिहैबिलिटेशन'' पर पीजी छात्रों के लिए एक व्याख्यान-सह-प्रदर्शन का आयोजन किया गया; आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पीएमआर से संबंधित लाभ पैकेज का मसौदा तैयार करने के लिए राष्ट्र-व्यापी परामर्श का आयोजन किया गया। आईएपीएमआर की ओर से दिनांक 12 मार्च 2020 को भारत सरकार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), पीएम-जेएवाई को दस्तावेज का मसौदा प्रस्तुत किया गया; 29 मार्च 2020 को कोरोनावायरस संक्रमण/कोविड-19 के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान फिट रहने के लिए डीडी समाचार पर एक टीवी कार्यक्रम कुल स्वास्थ्य के दौरान एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; 3 दिसंबर 2019 को ''अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस'' के अवसर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए डीडी न्यूज पर एक टीवी कार्यक्रम के दौरान एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; 6 सितंबर 2019 को ''रीढ़ की हड्डी की चोट'' पर लोकसभा टेलीविजन (एलएसटीवी) पर कार्यक्रम के दौरान एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; 16 नवंबर 2019 को दूरदर्शन पर 'स्पोर्ट्स इंजरीज' पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'स्पोर्ट्स 360' के दौरान एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; 7 सितंबर 2019 को इंडिया गेट स्थित राज पथ में "रीढ़ की हड्डी में चोटों से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एससीआई रैली में भाग लिया।

प्रोफेसर एसएल यादव ने पीएमआर में शोधकार्य कियाः दिनांक 17 जनवरी 2020 को कालीकट, केरल में इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन के 48वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान अवसर और चुनौतियां (राष्ट्रपति ओरेशन); वर्ष 2019 के लिए आईएएमएलई (इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकोलेगल विशेषज्ञ) की फैलोशिप; यूजीसी ने (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) प्रोफेसर को आईओई संस्थानों की सहायता के लिए ईईसी प्रयासों में विश्व रैंकिंग पर आने के लिए एक संरक्षक के रूप में नियुक्त किया।

डॉ श्रीकुमार वी. समीक्षक, एसएन कॉम्प्रिहेंसिव क्लीनिकल मेडिसिन, स्प्रिंगर पब्लिकेशन**;** सदस्य**,** डेवलपमेंट ग्रुप, ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी - पैकेज ऑफ रिहेबिलिटेशन इंटरवेंशन, विश्व स्वास्थ्य संगठन

(डब्ल्यूएचओ), जिनेवा; तकनीकी समिति, वियरेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज एंड टेक्नोलॉजीज (लिमिटेड-33), भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य; रिसोर्स पर्सन, सीएमई ऑन स्पाइनल कॉर्ड इंजरी - तमिलनाडु चैप्टर ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन, 2 फरवरी 2020, चेन्नई; चेयरपर्सन, सेशन ऑन अल्टरनेटिव थेरपीज एंड लेटेस्ट ट्रेंड्स, इंटरनेशनल स्पाइन एंड स्पाइनल इंजरीज़ कॉन्फ्रेंस 2019, 12-14 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली; अध्यक्ष, पीजीटी अवार्ड पेपर सेशन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन का 48वां वार्षिक सम्मेलन, 16-19 जनवरी 2020, कोझीकोड; सिविल सेवा परीक्षा - 2019 मेडिकल बोर्ड फॉर पर्सन विद बेंचमार्क डिसेबिलिटी (लोकोमोटर डिसेबिलिटी), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष; बाहरी परीक्षक, एमडी (शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास) थीसिस मूल्यांकन, 13 फरवरी 2020, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर; गैर-परीक्षक समन्वयक, व्यावहारिक परीक्षा, राष्ट्रीय बोर्ड (शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास) का राजनयिक, 27 सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली; नोडल अधिकारी, योजना और जीईएम के तहत मशीनरी और उपकरण के संकेतक, पीएमआर विभाग; इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन के कोषाध्यक्ष; इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहेबिलिटेशन मेडिसिन के संयुक्त सचिव हैं।

डॉ असेम रंगिता चानू जर्नल ऑफ मेडिकल सोसायटी की समीक्षक रहीं; अध्यक्ष, सिविल सेवा परीक्षा - 2019 मेडिकल बोर्ड फॉर पर्सन विद बेंचमार्क विकलांग (लोकोमोटर डिसेबिलिटी), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक मंत्रालय, लोक शिकायत और पेंशन, भारत सरकार; एम्स की वेबसाइट के लिए पीएमआर से कंटेंट प्रोवाइडर; पीजी थीसिस में मुख्य गाइड - ऊपरी एम्पुटीस के कृत्रिम उपयोग और कार्यात्मक स्थिति का निरीक्षण करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन; सामुदायिक नेत्र विज्ञान में पीएचडी छात्र (डॉ. सॉविक मन्ना) के लिए डॉक्टरेट समिति के सदस्य - डब्ल्यूएचओ-आईसीएफ का उपयोग करके दिल्ली की वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन किया।

रेजिडेंट डॉक्टर

1. एम्स, नई दिल्ली के के 64वें संस्थान दिवस प्रदर्शनी-2019 के दौरान 'बेसिक्स एंड एडवांसेज इन रिहैबिलिटेशन एंड ब्रेकिंग बैरियर्स इन रिहैबिलिटेशन' पर हमारे पोस्टर लगाए गए थे।
2. डॉ. हफिस रहमान (एसआर), डॉ. कृष्णा बी (जेआर) को दिल्ली पीएमआर कॉन 2019 शीर्षक के आईपीएआरएम के 14वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजित प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
3. डॉ. अंसारुल हक मियाँ और डॉ. अरविंद पीआर (जेआर) को दिल्ली पीएमआर कॉन्फ्रेंस 2019 के आईपीएआरएम के 14वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजित प्रश्नोत्तरी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।
4. डॉ. फातिमा हनीना पी (जेआर), ने 18 जनवरी 2020 को केरल के कोझीकोड में आयोजित 48वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्ट-ग्रेजुएट पोस्टर प्रस्तुति के लिए डॉ. सनत कुमार सरकार मेमोरियल मेडल जीता।

5. डॉ. कान्हूचरण मल्लिक (एसआर) को ‘विजन न्यूरोरेहोलिबेशन-2025’ विषय पर निबंध के लिए आईएफआरसीओएन-2019 के दौरान आईएफएनआर यंग फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया था।
6. डॉ कान्हू चरण मल्लिक (एसआर) को आईएसएआर-डीसीसीओएन 2019 में फार्मास्युटिकल रिसर्च में यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड (कोंसोलेशन) से सम्मानित किया गया, जो कि नई दिल्ली के एम्स के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।
7. डॉ. रौनक कुमार (एसआर) को 16 अप्रैल 2019 को भगवान महावीर जयंती महोत्सव पर पीजी बैच एमडी पीएमआर में अकादमिक प्रदर्शन के लिए वीएमएमसी और एसजेएच में द्वितीय पुरस्कार (रजत) से सम्मानित किया गया।
8. डॉ. रक्तिम स्वर्णकार (जेआर) ने नीस, फ्रांस में 22-26 नवंबर 2019 को पार्किन्सन डिजीज एंड मूवमेंट डिसऑर्डर की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में पोस्टर प्रस्तुत करने हेतु एमडीएस (मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी) कांग्रेस 2019 ट्रैवल ग्रांट अवार्ड प्राप्त किया।
9. डॉ. रक्तिम स्वर्णकार (जेआर) ने 17 नवंबर, 2019 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में द्वितीय राष्ट्रीय बायोमेडिकल रिसर्च प्रतियोगिता (एनबीआरकॉम-2019) में भाग लेने और प्रस्तुत करने हेतु सत्र अक्टूबर 2019-मार्च 2020 के लिए द्वारका प्रसाद ट्रस्ट ट्रैवल ग्रांट पुरस्कार प्राप्त किया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. डैरेन जे प्लेयर, मस्कुलोस्केलेटल बायोइंजीनियरिंग, डिविजन ऑफ सर्जरी एंड इंटरवेंशनल साइंस में लेक्चरर, फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस, यूनीवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूनाइटेड
2. राज मित्रा, एमडी, द सीनेटर रॉबर्ट जे डोले, आचार्य एवं अध्यक्ष, पुनर्वास चिकित्सा विभाग, द यूनिवर्सिटी ऑफ कंसास मेडिकल सेंटर, संयुक्त राज्य अमेरिका।

9.32. शरीरक्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

किशोर कुमार दीपक

आचार्य

हरूदानंदा मलिक | देवब्रत घोष | कंवल प्रीत कोचर
रत्ना शर्मा | नलिन मेहता | सुमन जैन
अशोक कुमार जरयाल | राज कुमार यादव | अंजना तलवार

अपर आचार्य

अस्मिता पाटिल | रेनू भाटिया

सह-आचार्य

सिमरन कौर | प्रशांत तुलसीदास तायडे
दीनू संता चन्द्रन | नसरीन अख्तर

सहायक आचार्य

रितेश कुमार नेताम | आकांक्षा सिंह
गीतांजलि गोकर्ण बडे | सूर्या प्रकाश मुथुकृष्णन

विशिष्टताएं

शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, डॉक्टरेट कार्यक्रम के अलावा स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण में शामिल रहा है। संकाय ने एम्स और अन्य संस्थानों में कार्यशालाओं और संगोष्ठियों को आयोजित करके संस्थान में ही स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान तकनीकों में कार्मिकों को प्रशिक्षित करने का भी कार्य किया। संकाय द्वारा न्यूरोफिज़ियोलॉजी (स्वायत्त तंत्रिका तंत्र सहित), सेलुलर और आणविक शरीरक्रिया विज्ञान, पोषाहार, संवहनी शरीरक्रिया विज्ञान, प्रजनन, श्वसन, नींद, अनुभूति, ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना और योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनेक आंतरिक एवं बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ की गई थीं। अनुसंधान के परिणाम विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर प्रस्तुत किए गए और सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। अपने मूल अनुसंधान के आधार पर, विभाग ने स्वायत्त और संवहनी प्रकार्य आकलन, दर्द उपचार, सुधारात्मक सर्जरी के दौरान इंट्रा-ऑपरेटिव निगरानी और योगिक हस्तक्षेप में अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके रोगी देखभाल में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा में संकाय सदस्यों के अभिनव योगदान की सराहना के तौर पर विभाग के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों द्वारा कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए गए हैं। विभाग ने **12** से **15** दिसंबर **2019** तक सार्क देशों की कार्यशाला के लिए "टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेज - एडवांस्ड वर्कशॉप" का

आयोजन किया और विदेशों से आए वैज्ञानिकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की (चित्र 1)। विभाग ने इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस की 37वीं वार्षिक बैठक भी 18 से 21 नवंबर 2019 तक आयोजित की और बैठक शानदार रूप से सफल रही (चित्र 2)। 'न्यूरोसाइंटिस्ट्स -स्कूल चिल्ड्रन मीट' का आयोजन विभाग द्वारा 18 नवंबर 2019 को युवा भारतीयों के मन में शोध के प्रति रुचि जगाने के लिए किया गया (चित्र 3)। एक महत्वपूर्ण मान्यता के रूप में, इसरो के तत्वावधान में जनवरी 2020 में आयोजित मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम, 2020 द्वारा हमारे अंतरिक्ष और पर्यावरण शरीरक्रिया विज्ञान लैब से सात अनुसंधान पत्र आमंत्रित किए गए थे।

चित्र 1: शरीरक्रिया विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'टेक्नीक इन फिजियोलॉजिकल साइंसेज - एडवांस्ड वर्कशॉप' का उद्घाटन समारोह - (12 दिसंबर 2019)
बाएं से दाएं: डॉ. आर भाटिया, आचार्य एच.एन. मल्लिक, आचार्य आर गुलेरिया, आचार्य के.के. दीपक

चित्र **2:** शरीरक्रिया विज्ञान और शरीर रचना विज्ञान विभागों द्वारा आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज **(18** नवंबर **2019)** के **37**वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन समारोह

बाएं से दाएं: आचार्य एस जैन, आचार्य के.के. दीपक, आचार्य पी. सेठ, आचार्य एस बी सिंह, आचार्य पी एन टंडन (सम्मानित अतिथि), आचार्य आर गुलेरिया (मुख्य अतिथि), आचार्य एम के ठाकुर, आचार्य वी के खन्ना, आचार्य टी एस रॉय, आचार्य एस कौर।

चित्र **3:** शरीरक्रिया विज्ञान और शरीररचना विभागों द्वारा **18** नवंबर **2019** को जवाहरलाल सभागार में आयोजित 'न्यूरोसाइंटिस्ट्स -स्कूल चिल्ड्रन मीट',

बाएं से दाएं: आचार्य एच डब्ल्यू एम स्टीनबस, आचार्य एस बी सिंह, आचार्य पी सेठ, आचार्य के.के. दीपक, आचार्य आर सरकार, आचार्य पी के सेठ, आचार्य एस जैन, आचार्य टी एस रॉय

शिक्षा

1. **स्नातकपूर्व शिक्षण:** व्याख्यान 200 घंटे और व्यावहारिक कक्षाएं 240 घंटे, स्नातक विद्यार्थी: विद्यार्थियों की कुल संख्या: 107
2. **स्नातकोत्तर शिक्षण:** स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की कुल संख्या:
   क. एमएससी के विद्यार्थी: 10
   ख. एमडी विद्यार्थी: 19
   ग. पीएचडी शोधार्थी: 27
3. **नर्सिंग और संबद्ध पाठ्यक्रम:** विद्यार्थियों की कुल संख्या: 155
4. **शरीरक्रिया विज्ञान विभाग में लघु अवधि प्रशिक्षण:**
   - क. 9 मार्च 2020 से 18 मार्च 2020 तक हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएससी के दो विद्यार्थी
   - ख. 13 अगस्त 2019 से 27 अगस्त 2019 तक जीएमसी, गुंटूर से एक संकाय सदस्य
   - ग. 3 जून 2019 से 30 जुलाई 2019 तक जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर से स्कूल ऑफ स्टडीज इन न्यूरोसाइंस से एक एमएससी विद्यार्थी
   - घ. 15 जुलाई 2019 से 27 जुलाई 2019 तक गडग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गडग से दो संकाय सदस्य
   - ङ. 15 नवंबर 2019 से 30 नवंबर 2019 तक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता से एक विद्यार्थी
   - च. 15 जून 2019 से 31 जुलाई 2019 तक आईआईएसईआर, मोहाली के एक बीएस-एमएस विद्यार्थी
   - छ. 17 फरवरी 2020 से 16 मार्च 2020 तक वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली से एक वरिष्ठ रेजिडेंट
   - ज. 1 जून 2019 से 31 जुलाई 2019 तक एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड से एक विद्यार्थी
   - झ. 1 मई 2019 से 15 जून 2019 तक एमजीएम एलाइड हेल्थ साइंसेज इंस्टीट्यूट, इंदौर से एक बीपीटीएच विद्यार्थी
   - ञ. 19 जून 2019 से 19 जुलाई 2019 तक डीआईपीएसएआर, दिल्ली से दो विद्यार्थी
   - ट. 15 जून 2019 से 15 जुलाई 2019 तक बीआर अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय से दो विद्यार्थी

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंस- उन्नत कार्यशाला: सार्क देशों के लिए कार्यशाला, 12-15 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
2. इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस की सत्ताइसवीं वार्षिक बैठक, विषय: "न्यूरॉन टू बिहेवियर", 18-21 नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
3. फेडरेशन ऑफ इंडियन फिजियोलॉजिकल सोसाइटीज (एफआईपीएस कांग्रेस) की **8**वीं कांग्रेस के भाग के रूप में अंतरिक्ष फिजियोलॉजी और पृथ्वी संबंधी उनके अनुप्रयोगों का अध्ययन करने के लिए तकनीक और प्रोटोकॉल पर सैटेलाइट कार्यशाला - 2019, 26 सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
4. राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "स्वायत्त प्रकार्य परीक्षण" पर कार्यशाला और मधुमेह के न्यूरल एवं वैस्कुलर प्रकार्यों के गैर-इनवेसिव आकलन पर व्यावहारिक कार्यशाला, 16 मई 2019, नासिक
5. स्वायत्त तंत्रिका विज्ञान पर राष्ट्रीय सीएमई सह कार्यशाला के दौरान "स्वायत्त प्रकार्य परीक्षण" पर कार्यशाला, 12 अप्रैल 2019, गडक, कर्नाटक
6. गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में 15 फरवरी 2020 को आधारभूत ज्ञान के बारे में सीएमई के दौरान "ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्टिंग" पर कार्यशाला और 'ऑटोनोमिक फंक्शन टेस्टिंग' में भावी प्रवृत्तियां।
7. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआईकॉन **2019**), के 65वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "स्वायत्त प्रकार्य परीक्षण" पर कार्यशाला, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी, 27 नवंबर 2019।
8. सीएमई के दौरान "स्वायत्त प्रकार्य परीक्षण" पर कार्यशाला और गुंटूर मेडिकल कॉलेज, डॉ एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, गुंटूर में स्वायत्त तंत्रिका विज्ञान पर कार्यशाला, 13 अक्टूबर 2019।
9. चौथा राष्ट्रीय चिकित्सा प्रयोगशाला पेशेवर सप्ताह 2019 (एनएमएलपीडब्ल्यू), 22 जुलाई 2019, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
10. ''सर्जिकल न्यूट्रीशन" से जुड़े विषयों पर द्वितीय "आईएपीईएन क्लिनिकल न्यूट्रीशन अपडेट सिम्पोजियम सीरीज़ - 2019, 22 मई 2019, एम्स, नई दिल्ली
11. फेडरेशन ऑफ इंडियन फिजियोलॉजिकल सोसाइटीज (एफआईपीएस कांग्रेस 2019) की **8**वीं कांग्रेस में, "संज्ञान की समझ के लिए न्यूरोइमेजिंग उपकरण के रूप में क्वांटिटेटिव ईईजी" पर संगोष्ठी, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, फरीदाबाद, 26-29 सितंबर 2019
12. इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस की **27**वीं वार्षिक बैठक, **18-21** नवंबर **2019,** एम्स, नई दिल्ली में "कैप्चरिंग न्यूराल एक्टिविटी टु असैस कॉग्निशन" पर संगोष्ठी।
13. 'क्यूईईजी: ए टूल टु असैस कॉग्निशन' पर कार्यशाला: भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी की **27**वीं वार्षिक बैठक, **18-21** नवंबर **2019,** एम्स, नई दिल्ली
14. संज्ञानात्मक कार्य परीक्षण और क्यूईईजी, टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसिज - उन्नत कार्यशाला, **12-15** दिसंबर **2019,** एम्स, नई दिल्ली

15. माइक्रोअरे और कार्यात्मक जीनोमिक्स की अभिव्यक्ति के कार्य-रूपों के आधार पर कार्यशाला, शरीरक्रिया में विज्ञान में तकनीक - उन्नत कार्यशाला, 12-15 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
16. न्यूरोसाइंटिस्ट -स्कूल चिल्ड्रन मीट, 18 नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
17. मानव और जानवरों में दर्द के आकलन पर कार्यशाला, फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक - उन्नत कार्यशाला, 12-15 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
18. संगोष्ठी सह कार्यशाला: एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई), दिल्ली चैप्टर के तत्वावधान में डिजिटल लर्निंग एंड टीचिंग फिजियोलॉजी में नवाचार विषय पर, 24 जून 2019, एम्स, नई दिल्ली
19. 'रीसेंट अपडेट्स इन माइंड, बॉडी, मेडिसिन' पर संगोष्ठी, 28 नवंबर 2019, एपीपीआईकॉन 2019, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी
20. दर्द उपचार के लिए ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना पर कार्यशाला, टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसिज- उन्नत कार्यशाला, 12-15 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
21. शारीरिक चिकित्सा के 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला, 19 दिसंबर 2019, जेपीएनटीसी और एम्स, नई दिल्ली
22. इन्टेंसिव स्लीप टैक्नोलॉजी कार्यशाला, 14-19 अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली
23. पॉलीसोमनोग्राफी कार्यशाला, टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसिज- उन्नत कार्यशाला, 12-15 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
24. पॉलीसोम्नोग्राफी कार्यशाला, 28 नवंबर 2019, एपीपीआईकॉन 2019, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी

सीएमई/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

किशोर कुमार दीपक: 26	**देवव्रत घोष: 4**	**कंवल प्रीत कोचर: 2**
रत्ना शर्मा: 5	**नलिन मेहता: 15**	**सुमन जैन: 5**
राज कुमार यादव: 3	**अंजना तलवार: 7**	**अस्मिता पाटिल: 6**
रेनू भाटिया: 5	**सिमरन कौर: 4**	**प्रशांत तायडे: 3**
दीनू एस चंद्रन: 4	**नसरीन अख्तर: 5**	**आकांक्षा सिंह: 4**
रितेश कुमार नेताम: 1	**गीतांजलि गोकर्ण बडे: 6**	
सूर्या प्रकाश मुथुकृष्णन: 5		

मौखिक/ पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 56 (सर्वश्रेष्ठ पोस्ट ग्रेजुएट थीसिस लेख के लिए पुरस्कार; सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. इन-विवो स्पाइनल कॉर्ड घायल चूहे के मॉडल में न्यूरो-रिजेनरेशन के लिए एक नवीन संयोजी कार्यनीति: एक बायोकंपेटिबल हाइड्रोजेल सिस्टम में लगाए गए आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स लेपित न्यूरोट्रॉफिक कारक, सुमन जैन, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 32.24 लाख रुपये
2. अवसाद के साथ सिजोफ्रेनिया में स्थिति और लक्षण मार्करों के रूप में ईईजी माइक्रोस्टेट और स्रोत कनेक्टिविटी का अध्ययन, रत्ना शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, रुपए 20.73 लाख
3. प्रीऑप्टिक क्षेत्र के थर्मोसेंसिटिव न्यूरॉन्स का लक्षण-वर्णन, नसरीन अख्तर, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 9.97 लाख रुपये
4. रीढ़ की पूरी हड्डी की चोट से पीड़ित रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक लेपित नैनोकणों के आरोपण के साथ-साथ दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, सुमन जैन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 88.35 लाख रुपये
5. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर में आराम के दौरान कॉर्टिकल सोर्स और ब्रेन आयरन का परस्पर संबंध तथा विजुओस्पेटियल वर्किंग मेमोरी, सिमरन कौर, डीएचआर, 2.5 वर्ष, 2017-2020, रुपए 17.74 लाख
6. पार्किंसंस रोग में ईईजी माइक्रोस्टेट्स और चरण सिंगक्रनी संज्ञानात्मक डेफिसिट का सहसंबंध, रत्ना शर्मा, आईसीएमआर, 4 साल, 2016-2020, 17.44 लाख रुपए
7. व्यसनी विकारों में बायोमार्कर के रूप में ईईजी माइक्रोस्टेट्स, सिमरन कौर, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 8.05 लाख रुपए
8. स्वस्थ लोगों और अस्थमा से ग्रसित रोगियों में फुफ्फुसीय चर और प्रदाहक मार्करों पर परिवेशी वायु प्रदूषकों में तीव्र परिवर्तन का प्रभाव, गीतांजलि गोकर्ण बाडे, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपए 2 लाख
9. चूहों में स्ट्रेप्टोज़ोटोकिन प्रेरित सिनैप्टिक डिसफंक्शन और अमाइलॉइड अग्रदूत प्रोटीन प्रसंस्करण पर कम तीव्रता वाले चुंबकीय क्षेत्र के दीर्घकालिक एक्सपोज़र का प्रभाव, सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 13.20 लाख रुपये
10. चूहे के मॉडल में गंभीर रूप से घायल रीढ़ की हड्डी में न्यूरो-रिजेनरेशन पर अत्यंत कम आवृत्ति चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव, सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 12.50 लाख रुपये
11. रूमेटॉइड संधिशोथ में कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग न्यूरोफीडबैक-निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का कोर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी और दर्द की स्थिति पर प्रभाव, रेनू भाटिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 26 लाख
12. अस्थिर पार्किंसंस रोग के रोगियों में अनुभूति और मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक पूरकता का प्रभाव, केपी कोचर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 53.94 लाख

13. क्रोनिक लो बैक पेन के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी पर दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, रेणु भाटिया, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपए

14. क्रोनिक लो बैक पेन के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर की उत्तेजना पर योग का प्रभाव, रेणु भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, रु 22.63 लाख

15. फाइब्रोमाइल्जिया के रोगियों में दर्द की स्थिति पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव, रेनू भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 56 लाख रुपए

16. मोटापे और अधिक अवसादग्रस्तता वाले रोगियों में योग-ध्यान आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राज कुमार यादव, डीएसटी, 3 साल, 79 लाख रुपये

17. दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना के बाद चुंबकीय क्षेत्रों की डॉसिमेट्री स्थापित करने के लिए फैंटम ब्रेन का गठन, सुमन जैन, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, रुपए 5 लाख

18. स्पाइनल ट्रांजेक्टिड चूहों में एंटीग्रेविटी मांसपेशियों का कार्यात्मक और रूपात्मक अध्ययन: इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड एक्सपोज़र और आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल इम्प्लांटेशन का संयोजी प्रभाव, सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 13.20 लाख रुपये

19. सर्केडियन रिदम और नींद के बीच चरण संबंध में लिंग-आधारित अंतर: स्पिंडल आर्किटेक्चर और वर्णक्रमीय विश्लेषण अध्ययन, नसरीन अख्तर, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, रुपए 1.98 लाख

20. परिधीय और इन-विट्रो प्रेरित टी विनियामक कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णन: सीओपीडी के रोगजनन में अनुमानित भूमिका, अंजना तलवार, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रुपए 20 लाख

21. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का आण्विक आधार, देवव्रत घोष, एसईआरबी, 5 वर्ष, 2016 - 2020 49.72 लाख रुपए

22. रक्तदान के मॉडल का उपयोग करके हल्के रक्तस्राव के प्रति न्यूरोहार्मोनल प्रतिक्रिया, आकांक्षा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपए 9 लाख

23. नवजात शिशु रक्तवाहिनी मस्तिष्क पक्षाघात रोगियों में कम आवृत्ति पर दोहराई जाने वाली ट्रांसैक्रैनेटिक चुंबकीय उत्तेजना द्वारा कॉर्टिकल उत्तेजनीयता और प्लास्टिसिटी का न्यूरोमॉड्यूलेशन, सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 51.35 लाख

24. गैर-एसटी उत्थान तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में बड़ी प्रतिकूल कार्डियोवैस्कुलर घटनाओं के प्रति एंडोथेलियल डिसफंक्शन और धमनी कठोरता का गुणात्मक मान, दीनू एस चंद्रन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपए 9.92 लाख

25. एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध तथा माइक्रोस्टेट्स: एक एंडोफेनोटाइपिक मार्कर, सिमरन कौर, सीएसआरआई, डीएसटी, 1.5 वर्ष, 2017-2020, रुपए 11.97 लाख

26. डिफॉल्ट मोड नेटवर्क एक्टिविटी के क्यूईईजी सहसंबंध और पार्किंसन किस्म की मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी तथा सेरेबेलर अटैक्सिया किस्म की मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी में संज्ञानात्मक डेफिसिट के साथ इसका सहसंबंध, रत्ना शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 21.58 लाख रुपये
27. पोस्ट ट्यूबरकुलोसिस सीकेले रोगियों में सिस्टेमेटिक प्रदाहक बायोमार्करों का मात्राकरण और प्रतिरक्षा कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग, गीतांजलि गोकर्ण बाडे, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
28. ओम के जाप में ईईजी माइक्रोस्टेट का अध्ययन, प्रशांत तायडे, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, रुपए 4.63 लाख
29. नवीन नैदानिक उपकरण ग्लूसेस्ट द्वारा जैव रासायनिक और कार्यात्मक परिवर्तनों की जांच करना और स्ट्रेप्टोजोटोकिन (एसटीजेड) प्रेरित चूहा मॉडल में गैर-इनवेसिव चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना चिकित्सा द्वारा अल्जाइमर रोग की प्रगति को रोकना, सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 21.58 लाख रुपए
30. पुरुष विस्टर चूहों में वृषण आकारिकी और शुक्राणुजनन पर डीजल, बायोडीजल और बायोडीजल मिश्रण ईंधन-इंजन उत्सर्जन के प्रभाव का अध्ययन करना, अस्मिता पाटिल, एम्स-आईआईटी, 3 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
31. मायोकार्डियल रोधगलन से पीड़ित रोगियों में परिधीय, केंद्रीय और कोरोनरी धमनियों में ठहरी हुई प्रतिगामी कतरनी और एथेरोजेनिक प्रोफाइल के बीच संबंध का अध्ययन करना, दीनू एस चंद्रन, आईसीएमआर वर्ष, 3 साल, 2018-2020, रुपए 10.68 लाख (एसआरएफ पद के लिए वित्तपोषित)
32. अभिव्यक्ति सरणियों के जीनोम-वार विश्लेषण (जीडब्ल्यूए) से एंडोमेट्रियोसिस के लिए ट्रांसक्रिपटोमिक लैंडस्केपिंग, देबब्रत घोष, डीएसटी, 5 वर्ष, 2015-2020, 47.37 लाख रुपये

पूर्ण

1. सिर ऊपर उठाने के झुकाव, सिर नीचे करने के झुकाव के दौरान कार्डियोवैस्कुलर परिवर्तनशीलता पर धीमी गति से सांस लेने के तीव्र प्रभाव और भोले स्वस्थ लोगों एवं प्रशिक्षित योग चिकित्सकों में शरीर के निचले हिस्से के नकारात्मक दबाव, के.के. दीपक, आयुष, 3 साल, 2016-2019, 66.76 लाख रुपये
2. शहरी युवा वयस्कों में सर्केडियन रिदम व्यवधान, सोशल जेट लैग और स्लीप डिसऑर्डर, नसरीन अख्तर, आईसीएमआर -एसटीएस अवार्ड, 1 वर्ष, 2019
3. धूम्रपान करने वाले सीओपीडी और बायोमास धुएं में सांस लेने वाले सीओपीडी के ब्रैथ कंडेंसेट्स मे प्रदाहक एवं ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों की तुलना, गीतांजलि गोकर्ण बाडे, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 7.32 लाख रुपये
4. कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ के लिए निरंतर नॉन-इनवेसिव रक्त दाब तरंग मापक यंत्र, दीनू एस चंद्रन, बीआईआरएसी, 1.5 वर्ष, 2018-2019, रुपए 5.88 लाख

5. कॉन्ड्यूट धमनियों में परिवर्तित कतरनी प्रोफ़ाइल प्राप्त करने के लिए परिधीय धमनी एप्लेनेशन टोनोमीटर का विकास और सत्यापन, दीनू एस चंद्रन, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 4.50 लाख रुपये
6. उच्च वसा आहार प्रेरित मोटापा वाले चूहे क मॉडल में आरक्यूएट न्यूक्लीयस में ग्लूकोज सेंसिंग न्यूरॉन्स पर हाइपोथैलेमिक सूजन का प्रभाव, रितेश कुमार नेताम, एम्स, 3 साल, 2017-2020, 10-20 लाख रुपए
7. अवधारणात्मक प्रभुत्व के क्यूईईजी आधारित तंत्रिका संबंधी सहसंबंध, सिमरन कौर, एम्स, 3 वर्ष, 2016-2018, 6.62 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अल्जाइमर रोग के इंट्रासेरेब्रवेंट्रिकुलर स्ट्रेप्टोज़ोटोकिन प्रेरित चूहे मॉडल पर रूपात्मक और कार्यात्मक अध्ययन: चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना का प्रभाव
2. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में कॉर्टिकल कनेक्टिविटी और ईईजी स्रोतों का अध्ययन
3. स्वस्थ व्यक्तियों में एंडोथेलियल फ़ंक्शन और जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन, और विभिन्न सोमाटोटाइप वर्गीकरणों के साथ उनका सहसंबंध
4. क्रोनिक लो बैक पेन के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकॉमोटर एक्साइटेबिलिटी का अध्ययन: ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
5. फुफ्फुसीय तपेदिक सीकेले से गुजर चुके रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों और प्रदाहक बायोमार्कर का अध्ययन
6. लंबे समय तक शीर्षासन करने वाले योग चिकित्सकों में सिर को नीचे करने के समय के झुकाव के प्रति तीव्र कार्डियो-ऑटोनोमिक प्रतिक्रियाएं
7. रीढ़ की पूरी हड्डी की चोट से ग्रसित चूहों में कोर्टिकल पुनर्गठन: सुपर-पैरामैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स और कम तीव्रता वाले चुंबकीय क्षेत्र के प्रभाव
8. बड़े अवसादग्रस्तता विकार में डिफ़ॉल्ट मोड नेटवर्क: एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन
9. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में ईईजी कॉर्टिकल स्रोत और कामकाजी मेमोरी की कनेक्टिविटी तथा भाषा प्रसंस्करण
10. बड़े अवसादग्रस्तता विकार में ईईजी माइक्रोस्ट्रेस
11. गुरुत्वाकर्षण प्रतिरोधी मांसपेशी गतिविधि और स्वायत्त प्रकार्य पर प्रतिपक्षी गुरुत्वाकर्षण लोडिंग बॉडी गियर का प्रभाव
12. मनुष्यों में तंत्रिका चालन पर गहरे हाइपोथर्मिया का प्रभाव
13. चूहों में नींद और जागृति पर वीएलपीओ के इलेक्ट्रोलाइटिक और न्यूरोटॉक्सिक घाव का प्रभाव
14. गतिशील सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन पर धीमे निम्नतर सकारात्मक शारीरिक दबाव का प्रभाव

15. स्वस्थ वयस्क लोगों में नींद के दौरान चरणों में होने वाली घटनाओं पर नीचे सिर के झुकाव का प्रभाव
16. मध्यम आयु वर्ग के लोगों और बुजुर्ग मनुष्यों में ठहरी हुई प्रतिगामी कतरनी पर सिंपेथो-निरोधात्मक घुमावों का प्रभाव
17. निचली पीठ के पुराने दर्द में दर्द और कॉर्टिकोमोटर की उत्तेजना पर योग का प्रभाव
18. दृश्य वस्तु पहचान में प्रभावी मस्तिष्क कनेक्टिविटी
19. हाइपोथायरायडिज्म पर अल्पकालिक योग-आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. ओपिओइड की लत में भावनात्मक हस्तक्षेप: क्यूईईजी अध्ययन
21. उच्च रिज़ॉल्यूशन मैनोमेट्री द्वारा निदान किए गए भिन्न-भिन्न प्रकार के ऐकेलेसिया रोगियों में स्वायत्त प्रकार्य का मूल्यांकन
22. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस में माइक्रोकिमेरिक वाई-क्रोमोसोम की प्रोटीन अभिव्यक्ति का मूल्यांकन
23. एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस में फुफ्फुसीय प्रकार्यों का मूल्यांकन
24. योग-आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप के बाद, मोटापे में परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में जीनोमिक अभिव्यक्ति और प्रोटीन प्रोफ़ाइल
25. निचले शरीर के नकारात्मक दबाव (एलबीएनपी) द्वारा श्लेष धमनी में प्रतिगामी कतरनी वृद्धि के हेमोडायनामिक सहसंबंध
26. सीओपीडी में परिधीय टी नियामक कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णन
27. रीढ़ की पूरी हड्डी की चोट में मांसपेशियों का पुनर्जनन: चूहों में आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल इम्प्लांटेशन के साथ-साथ चुंबकीय क्षेत्र के एक्सपोजर का प्रभाव
28. नींद और नींद की कमी की स्थिति में न्यूरोमस्कुलर परिवर्तन
29. रीढ़ की हड्डी की चोट से ग्रसित चूहों में चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क के साथ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल के आरोपण के बाद न्यूरो-रिजेनरेशन
30. क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और ध्यान के माइक्रोस्टेट्स तथा एडीएचडी में हस्तक्षेप: एक एन्डोफेनोटाइपिक मार्कर
31. एक नथुने से सांस लेने वाले व्यक्ति के मात्रात्मक ईईजी सहसंबंध
32. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस में दर्द और न्यूरोट्रोफिन के बीच संबंध पर अध्ययन
33. कम प्रवाह के कारण होने वाले संकुचन में धमनी दीवार यांत्रिकी की जांच करना
34. चूहों में बैरोरीफ्लेक्स संवेदनशीलता और कैरोटिड धमनी संरचना पर सिम्युलेटेड माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव का अध्ययन करना
35. रक्तदान के दौरान परिवर्तित स्वस्फूर्त बैरोरीफ्लेक्स संवेदनशीलता के तंत्र का अध्ययन करना
36. लोकल स्लीप के तंत्रिका सहसंबंधों और अनुभूति के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना: एक क्यूईईजी अध्ययन

37. पोस्ट मायोकार्डियल रोगियों में संवहनी प्रकार्य और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना
38. बांह पर धीमे कफ दबाव की प्रतिक्रिया में ब्रोकियल धमनी प्रतिगामी कतरनी की वृद्धि में योगदान करने वाले संवहनी तंत्र का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. एंडोमेट्रियोसिस में एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं की नियोप्लास्टिक क्षमता
2. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में ऑफसेट एनाल्जेसिया का अध्ययन
3. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस के ट्रांसक्रिपटोमिक परिदृश्य का अध्ययन
4. नौसिखियों तथा प्रशिक्षित योग चिकित्सकों में सिर के ऊपर की ओर झुकाव, सिर के नीचे झुकाव और शरीर के निचले हिस्से के नकारात्मक दबाव के दौरान कार्डियोवैस्कुलर परिवर्तनशीलता पर धीमी गति से साँस लेने के तीव्र प्रभाव
5. मोटर इमेजरी के ईईजी डेटा पर आधारित ब्रेन कंप्यूटर इंटरफ़ेस
6. ओपिओइड की लत वाले रोगियों में कार्यकारी स्मृति के कॉर्टिकल स्रोत: एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन
7. नशे की लत से जुड़े विकारों का डिफ़ॉल्ट मोड नेटवर्क- एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन
8. नव निदानित उच्च रक्तचाप से ग्रसित मधुमेह रोगियों में स्वायत्त संवहनी और एन्डोथेलियल फ़ंक्शन पर एंजियोटेन्सिन परिवर्तक एंजाइम इन्हीबिटर का प्रभाव
9. चूहों में क्षेत्रीय मस्तिष्क तापमान पर क्रियात्मक चुनौतियों का प्रभाव
10. ब्रोन्कियल अस्थमा रोगियों में तनाव, वायुमार्ग प्रतिरोध और सूजन पर अल्पकालिक योग-आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. बैरोरीफ्लेक्स संवेदनशीलता की आवृत्ति निर्भरता पर स्थिर हैंडग्रिप व्यायाम का प्रभाव
12. मोटापे से ग्रस्त भारतीय रोगियों में अग्नाशय के बीटा सेल प्रकार्यों पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
13. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस में एंडोमेट्रियल टेलोमेरेज़ रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस प्रोटीन अभिव्यक्ति
14. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग किस्म 1, 2 और 3 के रोगियों में स्वायत्त प्रकार्यों का मूल्यांकन और मस्तिष्क में रूपात्मक परिवर्तनों के साथ इनकी तुलना
15. योग के सर्वोत्तम कार्डियक पुनर्वास के दौर से गुजर रहे इनफ्रेक्शन रोगियों पर स्वायत्त टोन, संवहनी और मायोकार्डियल में एंडोथेलियल फंक्शन का मूल्यांकन
16. एंडोथेलियल फंक्शन के एक उपाय के रूप में प्रतिक्रियाशील हाइपरिमिया के दौरान पल्स वेव वेलोसिटी का प्रवाह-समर्थित घटाव
17. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का आणविक आधार
18. ग्लूकोमा में संज्ञानात्मक प्रदर्शन का तंत्रिका सहसंबंध: एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन

19. द्विनेत्री प्रतिद्वंद्विता के दौरान अनुरूपता और अफेक्टिव वेलेंस का तंत्रिका प्रसंस्करण: एक क्यूईईजी अध्ययन
20. विभिन्न शारीरिक प्रकार्यों पर प्राणायामों के प्रभाव का पॉलीसोमनोग्राफ़िक अध्ययन
21. स्वस्थ वालंटियरों के संज्ञानात्मक प्रदर्शन में भावना-प्रेरित परिवर्तनों का मात्रात्मक ईईजी सहसंबंध
22. सिजोफ्रेनिया में विज़ुओ-स्पेटियल कार्यरत स्मृति का मात्रात्मक ईईजी सहसंबंध
23. नींद में मेडियोडोरसल थैलेमिक केन्द्रकों की भूमिका
24. चूहों में नींद के समय पार्श्विक सेप्टल केन्द्रकों की भूमिका
25. संधिशोथ रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर की उत्तेजनीयता पर मोटर इमेजरी का प्रभाव
26. क्रमिक सुप्रा-सिस्टोलिक ऑक्लूज़न द्वारा कतरनी मॉडुलन के जवाब में रेडियल धमनी अल्प प्रवाह मध्यस्थित संकुचन का अध्ययन करना
27. वयस्क मानव रोगियों में नींद से जागने के इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल लक्षणों का अध्ययन करना
28. पार्किंसंस रोग के 6-ओएचडीए चूहे के मॉडल में मोटर, संज्ञानात्मक पर सुपर-पैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोकणों के आरोपण और चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना के चिकित्सीय प्रभाव का अध्ययन करना
29. बांह पर क्रमिक कफ दबाव के जवाब में ब्रोकियल धमनी प्रतिगामी कतरनी की वृद्धि में योगदान करने वाले संवहनी तंत्र का अध्ययन करना
30. प्रोटीन प्रोफाइलिंग द्वारा एंडोमेट्रियोसिस की पैथोफिज़ियोलॉजी और तनाव के साथ इसके सहसंबंध को समझना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. क्रॉनिक प्रुरिटस की गंभीरता का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन और 12 मदों वाले प्रुरिटस गंभीरता स्केल तथा 5-डी इच स्केल का उपयोग करके जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का आकलन करना, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान
2. सतह ईएमजी का उपयोग कर स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लेप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस मरम्मत के बाद इनसीज़नल हर्निया से पीड़ित रोगियों में पेट की दीवार गतिशीलता की बहाली का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन, शल्य चिकित्सा
3. पुरानी अग्नाशयशोथ में दर्द उपचार के लिए सहयोजी वृद्धिशील प्रीगैबलिन थेरेपी बनाम प्लेसिबो का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र विज्ञान एवं मानव पोषण
4. फोकल ऑनसेट अपवर्तक मिर्गी में बचपन और किशोरावस्था में लक्षित कम आवृत्ति दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना चिकित्सा का एक यादृच्छिक कृत्रिम-नियंत्रित परीक्षण, बाल रोग चिकित्सा

5. बालों के विकास एवं लीजनल टी-हेल्पर एवं एलोपेसिया एरियाटा में टी- नियामक कोशिका अभिव्यक्ति पर ऑटोलोगस प्लेटलेट-संवृद्ध प्लाज्मा का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक, दोहरा प्लेसिबो-नियंत्रित, स्पिलिट-हेड परीक्षण, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान
6. भावी नियंत्रण के लिए गतिशील ऑप्टिक अर्रे का उपयोग करके एलोसैंट्रिक तंत्रिका नेविगेशन प्रक्रिया स्कीमेटिक के निर्धारण के लिए अध्ययन, मनोचिकित्सा
7. एडीएचडी के साथ और उसके बिना विशिष्ट लर्निंग विकार (डिस्लेक्सिया) से पीड़ित किशोरों में स्वायत्त प्रकार्यों का एक अध्ययन, मनोचिकित्सा
8. अवसाद, नकारात्मक और सकारात्मक सिजोफ्रेनिया में कार्यात्मक लगभग अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी और मात्रात्मक इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक वर्णक्रमीय विश्लेषण का उपयोग करके मस्तिष्क सक्रियण का अध्ययन, मनोचिकित्सा
9. कैटेटोनिया में कार्यात्मक मस्तिष्क सक्रियण और इलेक्ट्रो-फिजियोलॉजिकल स्पेक्ट्रल विश्लेषण का अध्ययन, मनोचिकित्सा
10. अल्जाइमर रोग (एडी) पैथोलॉजी में लिपोक्सीजेन्स को लक्षित करने वाले एमाइलॉयड बीटा (एबी) की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैवभौतिकी
11. प्रथम वर्ष के मेडिकल विद्यार्थियों के बीच प्रथम वर्ष के अंत में स्लीप पैटर्न में परिवर्तन, कथित तनाव और संभलने की रणनीति: एक अग्रदर्शी अध्ययन, कायचिकित्सा
12. मोटे रोगियों और पोस्ट-बैरिएट्रिक सर्जरी समूहों के बीच अनुभूति, डिफ़ॉल्ट मोड नेटवर्क और मनोसामाजिक व्यवहार एवं जीवन शैली के विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, शल्य चिकित्सा
13. बुजुर्गों में पोस्टऑपरेटिव संज्ञानात्मक शिथिलता की घटना पर लिग्नोकाइन बनाम डेक्समेडेटोमिडीन देने के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार
14. ट्रांसक्रेनीअल चुंबकीय उत्तेजना का उपयोग कर मिरगी-रहित स्वस्थ बच्चों की तुलना में नींद में वैद्युत स्थिति एपिलेप्टिकस वाले बच्चों में कॉर्टिकल उत्तेजनीयता, बाल चिकित्सा
15. दिल्ली ग्लूकोमा महामारी विज्ञान अध्ययन, आरपी नेत्र विज्ञान केन्द्र
16. काउंटरमीज़र ग्रेविटी लोडिंग बॉडीसूट का विकास और कार्डियोवास्कुलर एवं मस्कुलर सिस्टम के साथ इसका संभावित संबंध, डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर
17. अच्छी तरह से नियंत्रित नॉन-लीज़नल मिर्गी से पीड़ित बच्चों और किशोरों में अनुभूति और व्यवहार के डीटीआई, एफएमआरआई और क्यूईईजी सहसंबद्ध: एक अवलोकन अध्ययन, बाल तंत्रिकाविज्ञान
18. स्वस्थ लोगों और अस्थमा-पीड़ित रोगियों में फुफ्फुसीय चर और प्रदाहक मार्करों पर परिवेशी वायु प्रदूषकों में तीव्र परिवर्तन का प्रभाव, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एवं स्लीप मेडिसिन
19. अल्जाइमर रोग के स्ट्रेप्टोज़ोटोकिन प्रेरित चूहा मॉडल में न्यूरोजेनेसिस पर दोहराई जाने वाली चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना का प्रभाव, जैवप्रौद्योगिकी

20. शारीरिक परिवर्तनों पर सूर्यनमस्कार अभ्यास का प्रभावः एक पायलट अध्ययन, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र
21. चूहों में मोनोक्रोटेलिन प्रेरित फुफ्फुसीय धमनी हाइपरटेंशन पर विटामिन डी का प्रभाव, भेषजगुणविज्ञान
22. अवसाद के रोगियों में सेलुलर एजिंग के बायोमार्करों पर योग आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीररचना विज्ञान
23. गर्भावस्था में मातृ और प्रसवकालीन परिणाम पर योग का प्रभाव, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
24. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन में कमी के लिए परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता, बाल रोग चिकित्सा
25. एंडोमेट्रियोसिस-संबंधी दर्द में एंडोमेट्रियल न्यूरोट्रोफिक कारक और तंत्रिका फाइबर, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
26. गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग से ग्रसित युवा रोगियों में एंडोथेलियल डिसफंक्शन, कायचिकित्सा
27. ग्लूकोमा के रोगियों में ओसीटी-एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए ऑप्टिक डिस्क परफ्यूज़न पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव न्यूनीकरण के प्रभाव का मूल्यांकनः यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र
28. पोस्टीरियर क्रॉस-बाइट के लिए त्वरित मैक्सिलरी विस्तार से उपचारित बढ़ती उम्र के रोगियों में जबड़े की मांसपेशियों की इलेक्ट्रोमोग्राफिक गतिविधि पर तत्काल एवं ऑक्लूज़ल पद्धतिगत परिवर्तनों और उनके प्रभाव का मूल्यांकन, एक अग्रदर्शी नैदानिक अध्ययन, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र
29. एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस में फुफ्फुसीय प्रकार्यों का मूल्यांकन, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास
30. 5 से 18 वर्ष की आयु के हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में ऊपरी अंग प्रकार्य को बेहतर बनाने के लिए संशोधित बाधा प्रेरित संचलन चिकित्सा के सहायक के रूप में दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल रोग विज्ञान
31. बिगड़ चुके ग्लूकोमा के रोगियों में माइंडफुलनैस आधारित तनाव न्यूनीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान
32. मानव मेसेंकाइमल स्टेम कोशिकाओं के बढ़े हुए न्यूरोनल डिफरेंशिएशन के लिए ग्राफीन संचालित 3डी स्केफोल्ड की खोज और चूहा पार्किंसंस रोग मॉडल पर उसका प्रयोग, स्टेम सेल केन्द्र, आईआरसीएच
33. एनएमआर का उपयोग करके पार्किंसंस रोग में बायोमार्कर की पहचान करना, एनएमआर
34. परिधीय और इन-विट्रो प्रेरित टी विनियामक कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णनः सीओपीडी के रोगजनन में अनुमानित भूमिका, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन

35. मोटापे से पीड़ित वयस्क भारतीय रोगियों में वजन घटाने, शरीर में वसा वितरण और इंसुलिन प्रतिरोध पर निगरानी-युक्त आहार एवं जीवन शैली संशोधनों का प्रभाव,शल्य चिकित्सा विभाग
36. संधिशोथ में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, शरीररचना विज्ञान
37. आंतरिक रूप से ऑपरेटिव बनाम बाह्य ऑपरेटिव ध्यान नियामक तंत्रों के दौरान दिल-दिमाग की परस्पर-क्रिया की जांच, डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर
38. क्या केंद्रीय संवेदीकरण, क्रॉनिक नॉनस्पेसिफिक नेक आर्म पेन की खास विशेषता है? - फाइब्रोमायल्गिया से ग्रसित और स्वस्थ व्यक्तियों की तुलना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा
39. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल का अलगाव और आणविक लक्षण वर्णन, जैव रसायन
40. टेम्पोरोमैंडिबुलर ज्वाइंट रिप्लेसमेंट कराने वाले मरीजों की मासेटर और टेम्पोरल मांसपेशियों की ईएमजी गतिविधि में लोंगीट्यूडिनल परिवर्तन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
41. प्रारंभिक जीवन के तनाव से प्रेरित आक्रामक व्यवहार का न्यूरोबायोलॉजिकल आधार, जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी संस्थान, दिल्ली
42. बांझपन से ग्रसित भारतीय महिलाओं (18-40 वर्ष) की पोषाहार प्रोफ़ाइल और जीवन शैली, लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
43. तपेदिक के बाद के सीकेले रोगियों में सिस्टेमेटिक प्रदाहक बायोमार्कर और प्रतिरक्षा कोशिकाओं की इम्युनोफेनोटाइपिंग की मात्रा, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एवं स्लीप मेडिसिन
44. कार्य विशिष्ट फोकल हैंड डिस्टोनिया में अवर पार्श्विका लोब्यूल के लिए दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनील चुंबकीय उत्तेजना: एक यादृच्छिक क्रॉस ओवर ब्लाइंडिड परिणाम आकलन अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
45. बारंबार होने वाले गर्भछय में साइटोकिन के स्तर की भूमिका और साइटोकिन के स्तर पर प्रोजेस्टेरोन का प्रभाव, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
46. सीओपीडी में नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका, फुफ्फुसीय चिकित्सा
47. मोर्फिन उपचारित चूहों की रीढ़ की हड्डी में चयनात्मक न्यूरोपैप्टाइड्स की भूमिका, शरीररचना विज्ञान
48. ग्लूकोमा के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार में सहायक के रूप में योग आधारित हस्तक्षेप की भूमिका, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र
49. स्केलिटल श्रेणी ii बढ़ती उम्र के रोगियों में जुड़वां ब्लॉक चिकित्सा से पहले और बाद में स्टर्नोक्लेडोमैस्टॉइड और ट्रेपेज़ियस मांसपेशी गतिविधि, दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र
50. उन्माद जैसे व्यवहार के चूहे के मॉडल में क्लॉक जीन्स का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
51. क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित रोगियों में संज्ञानात्मक प्रकार्य और गुर्दे के प्रत्यारोपण के प्रभाव का अध्ययन, नेफ्रोलॉजी
52. धीमी गति से साँस लेने की तुलना में प्राणायाम का न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल प्रभाव, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र

53. क्रोनिक पोस्ट-सर्जिकल दर्द के चूहे के मॉडल में सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी का अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान
54. प्रीएक्लेम्पसिया के पूर्वानुमान में जैव रासायनिक एंडोथेलियल मार्करों और धमनी कठोरता के संयोजन का मूल्यांकन करना, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
55. जुड़वां ब्लॉक उपचार कराने वाले, बढ़ती आयु के श्रेणी II उच्च कोण वाले रोगियों में मेंडिबुलर पोश्चर में आने वाल परिवर्तनों के बाद गर्दन की मांसपेशियों की गतिविधि का मूल्यांकन करना-एक ईएमजी अध्ययन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
56. फाइब्रोमायल्जिया सिंड्रोम में बेरीटशैफ्ट क्षमता या संचलन संबंधी कॉर्टिकल क्षमता में परिवर्तन का अध्ययन करना, मनोचिकित्सा, पीएमआर
57. रीढ़ की पूरी हड्डी की चोट से ग्रसित चूहों में कार्यात्मक रिकवरी में कोलेजन आधारित स्केफोल्ड्स के प्रभाव का अध्ययन करना, एनआईपीईआर, अहमदाबाद
58. पार्किंसंस रोग के रोगियों के दैनिक जीवन की गतिविधियों, व्यावहारिक और संज्ञानात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियों पर दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना, तंत्रिका मनोचिकित्सा
59. अज्ञातहेतुक हाइपो-पैराथायराइडिज्म के अनूठे पहलू, अंत:स्राविकी एवं चयाचपय

पूर्ण

1. स्वायत्त तंत्रिका तंत्र के असंतुलन और प्रणालीगत काठिन्य के रोगियों में त्वचीय अभिव्यक्ति के साथ इसके सहसंबंध का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
2. शराब पर निर्भरता के संबंध में दृश्य क्यू-प्रेरित लालसा प्रतिमान के विकास और इसके क्यूईईजी सहसंबंधों का एक पायलट अध्ययन, मनोचिकित्सा
3. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट के बाद परिणाम का निर्धारण करने में थोड़े-थोड़े समय बाद प्रार्थना की भूमिका का एक पायलट अध्ययन; तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, आरएमएल, नई दिल्ली
4. सह-रुग्णता एडीएचडी सहित या रहित विशिष्ट लर्निंग डिसऑर्डर (डिस्लेक्सिया) से ग्रसित किशोरों में ऑटोनोमिक कार्यों का एक अध्ययन, मनोचिकित्सा
5. सारकॉइडोसिस में आवेग ऑसिलोमेट्री का एक अध्ययन, पल्मोनरी कायचिकित्सा
6. अंतरालीय फेफड़ा रोग में श्वसन प्रतिबाधा, प्रतिरोध और प्रतिक्रिया का अध्ययन, पल्मोनरी मेडिसिन
7. चिंता की उपस्थिति या चिंता के अभाव में तनाव और दर्द धारणा/ मॉडुलन के बीच संबंध तलाशने के उद्देश्य से एक खोजपूर्ण अध्ययन, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
8. भारतीय बुजुर्गों में शारीरिक शिथिलता की स्थिति पर स्वायत्त प्रकार्य का मूल्यांकन, जराचिकित्सा विभाग

9. मधुमेह और चयापचय मापदंडों के साथ दुर्बल द्रव्यमान, मांसपेशियों की ताकत और शारीरिक प्रदर्शन का संबंध, कायचिकित्सा
10. ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के रक्त में भारी धातु का स्तर और मात्रात्मक ईईजी सहसंबंध, बाल रोग विज्ञान
11. शराब छुड़ाते समय दिखने वाले तीव्र लक्षणों का उपचार कराने वाले, शराब के सेवन से उत्पन्न विकारों से ग्रसित रोगियों में कार्डियक स्वायत्त टोन और प्रतिक्रियात्मकता, मनोरोग और एनडीडीटीसी
12. सेंट्रल सीरस कोरियो-रेटिनोपैथी और ध्यान: कार्यात्मक और रूपात्मक परिणाम अध्ययन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र
13. स्वायत्त उत्तेजना के दौरान हृदय और श्वसन संकेत के बीच गतिशील परस्पर-क्रिया का लक्षण वर्णन, डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर
14. धूम्रपान करने वाले सीओपीडी और बायोमास धूम्र प्रभावित सीओपीडी की छोड़ी हुई साँस में प्रदाहक और ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों की तुलना, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर तथा स्लीप मेडिसिन
15. स्नातकोत्तर शिक्षण में एक सत्र बनाम चार सत्रों के प्रारूप की तुलना, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
16. थोरैकोलम्बर स्पाइन सर्जरी से गुजर रहे रोगियों के ट्रांसक्रेनीअल मोटर उद्भूत क्षमताओं पर प्रोपोफ़ोल और केटोफ़ोल की तुलना, न्यूरो-एनेस्थेसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर
17. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर (एडीएचडी) के मरीजों के लिए डिफरेंशियल प्री फ्रंटल कॉर्टेक्स (पीएफसी) एक्टिवेशन और भावनात्मक उत्तेजना के जवाब में नियंत्रण समूह: ए फंक्शनल नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन, साइकोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
18. ग्लूकोमा के रोगियों में इंट्राओकुलर दबाव, जीवन की गुणवत्ता, प्रदाहक मार्करों और जीन्स अभिव्यक्ति प्रोफाइल पर योग-आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रा.प्र. नेत्ररोग विज्ञान केन्द्र
19. गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग से ग्रसित युवा रोगियों में एंडोथेलियल डिसफंक्शन, कायचिकित्सा
20. प्राथमिक ओपन एंगिल मोतियाबिंद के रोगियों में माइंडफुलनेस-आधारित तनाव में कमी के प्रभाव का मूल्यांकन, रा.प्र. नेत्ररोग विज्ञान केन्द्र
21. व्यवस्थित योग कार्यक्रम आरंभ करने की व्यवहार्यता तथा नए मेडिकल स्नातक विद्यार्थियों की अनुमानित आरोग्यता और तनाव पर इसका प्रभाव, एम्स, नई दिल्ली, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
22. 25-29.9 किग्रा/ वर्गमीटर बनाम 30-34.9 किग्रा/ वर्गमीटर बीएमआई वाले व्यक्तियों में पोषाहार और जीवन शैली संशोधन का प्रभाव और 35 किग्रा/ वर्गमीटर बीएमआई में बैरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का आकलन करना, शल्य चिकित्सा विभाग
23. गंभीर रूप से बीमार यांत्रिक रूप से वेंटिलेट किए गए बच्चों में पोलिन्यूरोपैथी, बाल रोग विज्ञान

24. विशिष्ट लर्निंग अक्षमता से ग्रसित बच्चों और किशोरों में स्वायत्त प्रकार्य का अध्ययन, मनोरोग
25. अल्जाइमर रोग में ताउ के हाइपरफॉस्फोरलाइजेशन में शामिल पाथवे को लक्षित करने वाले संभवित मॉडुलेटर का अध्ययन, जैवभौतिकी
26. मनुष्यों में लाल रक्त कोशिकाओं और रक्त के प्रवाह पर स्थिर चुंबकीय क्षेत्र के प्रभाव का अध्ययन, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 41 **सार: 14** **पुस्तकों में अध्याय: 2**

रोगी उपचार

ऑटोनोमिक फंक्शन लैब और वैस्कुलर फंक्शन लैब में, भेजे गए रोगियों के लिए नैदानिक सुविधा प्रदान की जाती है। ये प्रयोगशालाएं, स्वायत्त टोन के मात्राकरण के साथ स्वायत्त प्रतिक्रियाशीलता का रुटीन परीक्षण प्रदान करती हैं। इस वर्ष स्वायत्त प्रकार्य परीक्षण के लिए भेजे गए कुल 1038 लोगों का परीक्षण किया गया है, जिसमें 1011 रोगी और 27 स्वस्थ व्यक्ति शामिल हैं।

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल फिजियोलॉजी में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और सर्जरी विभाग से संदर्भित 55रोगियों के लिए नैदानिक सुविधा (ऊपरी जीआई मैनोमेट्री) प्रदान की गई।

इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिज़ियोलॉजी: इंट्राऑपरेटिव न्यूरो-मॉनिटरिंग सहायता, न्यूरोसर्जरी विभागों से भेजे गए 350, ऑर्थोपेडिक्स से भेजे गए 100, ट्रॉमा सेंटर से भेजे गए 10, सीटीवीएस से भेजे गए 5, और पेडिएट्रिक सर्जरी विभाग से भेजे गए 1 रोगी को प्रदान की गई।

इंटीग्रल हेल्थ क्लिनिक (आईएचसी) मुख्य रूप से स्वास्थ्य प्रचार गतिविधियों के लिए मस्तिष्क, मेडिसिन और ध्यान के एकीकरण का केन्द्र है। आईएचसी एक आउट पेशेंट केन्द्र है जिसका उपयोग, न केवल चिकित्सीय लाभ के लिए बल्कि एक विकासशील स्वास्थ्य चेतना के हिस्से के रूप में किया जाता है। तनाव-मोचन केन्द्र के रूप में, आईएच क्लिनिक संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, रेजिडेंटों और कर्मचारियों सहित एम्स के सभी कर्मचारियों को तनाव-मुक्त करने के लिए एक सहायक केन्द्र के रूप में काम करता है। लघु अवधि योग आधारित हस्तक्षेप के लिए आईएचसी में कुल 619 लोगों को नामांकित किया गया, और वर्ष 2019 -2020 के दौरान आईएचसी में कुल 4532 लोगों (दैनिक आधार/ दिन-वार) को प्रशिक्षित और लाभान्वित कराया गया। इसमें पुरानी बीमारियों (जैसे मधुमेह टाइप 2, मोटापा, हाइपो-थायरायडिज्म, हृदय रोग, पुराना अवसाद, आदि) के रोगी शामिल हैं और एम्स के विभिन्न विभागों (राजेन्द्र प्रसाद नेत्र रोग विज्ञान केन्द्र, एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज्म, मनोचिकित्सा, आर्थोपेडिक्स, आदि) से संदर्भित रोगी शामिल हैं।

रेस्पिरेटरी फिजियोलॉजी लैब में फेफड़े के रीसेक्शन के लिए मरीजों के प्री-ऑपरेटिव मूल्यांकन के लिए 20 कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण (सीपीईटी) प्रदान किए गए।

दर्द अनुसंधान और टीएमएस प्रयोगशाला में 886 आरटीएमएस (दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना) सत्र मोटर कॉर्टेक्स/ डोर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर दिए गए, लचीलेपन मूल्यांकन के साथ 480 योग सत्रों और पुराने दर्द रोगियों को 44 मोटर इमेजरी सत्र दिए गए। 108 पुराने दर्द रोगियों और 20 स्वस्थ स्वयंसेवकों का दर्द और सोमाटोसेंसरी मूल्यांकन किया गया था। 35 रोगियों के लिए पेरिक्रेनियल और ग्रीवा मांसपेशियों की ईएमजी रिकॉर्डिंग की गई। 70 पुराने दर्द रोगियों और 40 स्वस्थ स्वयंसेवकों की कोर्टेकोमोटर एक्साइटेबिलिटी माप और मूल्यांकन भी आयोजित किया गया। 53 रोगियों के लिए मात्रात्मक संवेदी परीक्षण किया गया। पुराने दर्द वाले रोगियों में निचली पीठ के पुराने दर्द, फाइब्रोमायल्जिया, रुमेटाइड अरिथराइटिस, गर्दन और कंधे के पुराने दर्द, क्रोनिक प्रुरिटस, हाइपो-थायरायडिज्म और ऑर्थोडॉन्टिक थेरेपी से गुजरने वाले छोटे बच्चे शामिल रहे। मरीजों को एम्स के विभिन्न नैदानिक विभागों जैसे कि रुमैटोलॉजी, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोसर्जरी, ओरल और मैक्सिलोफैशियल सर्जरी, ऑर्थोडॉन्टिक्स, डर्मेटोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, एनेस्थिसियोलॉजी और न्यूरोलॉजी से भेजा गया था।

सामाजिक संपर्क-विस्तार कार्यक्रम

मीडिया कवरेज (टेलीविजन):

1. इंटरनेट (YouTube), व्यायाम और मस्तिष्क स्वास्थ्य, https://youtu.be/IqcTCT71wXk; चिकित्सा विशेषज्ञ: प्रो के.के. दीपक, डॉ. गीतांजलि बाडे, डॉ. एच. बरुन शर्मा, गगन बनोधे, 4 अगस्त 2018, इंटरनेट पर उपलब्ध
2. टेलीविज़न, डीडी न्यूज़: फिट इंडिया मिशन आचार्य के.के. दीपक, 1 अप्रैल 2018, शाम 7.30 बजे से रात 8.00 बजे, रात 10.30 बजे से 11 बजे तक
3. टेलिविज़न, डीडी न्यूज चैनल लाइव शो, समग्र स्वास्थ्य पर "योग द्वारा रोगों की रोकथाम"; चिकित्सा विशेषज्ञ: प्रो. राज कुमार यादव, 1 अप्रैल 2019, सुबह 8.30 से 9.30 बजे तक
4. टेलीविजन, डीडी न्यूज चैनल लाइव कार्यक्रम "टोटल हैल्थ" योग, चिकित्सा और स्वास्थ्य पर; चिकित्सा विशेषज्ञ: आचार्य राज कुमार यादव, 16 जून 2019, सुबह 8.30 से 9.30 बजे तक
5. टेलीविजन, डीडी न्यूज चैनल कार्यक्रम योग और चिकित्सा पर “योग पर्व”; चिकित्सा विशेषज्ञ: आचार्य राज कुमार यादव, 20 जून 2019, दोपहर 3.30 से 4.30 बजे
6. टेलीविज़न, डीडी नेशनल चैनल लाइव प्रोग्राम 'योगा इंटरनेशनल डे' पर "योगोत्सव"; चिकित्सा विशेषज्ञ: आचार्य राज कुमार यादव, 21 **जून** 2019, 11 से 11.45 बजे

7. टेलीविजन, डीडी न्यूज (दोनों - हिंदी और अंग्रेजी समाचार) कार्यक्रम 'फिट इंडिया'; चिकित्सा विशेषज्ञ: प्रो. राज कुमार यादव, 29 अगस्त 2019, रात 8 बजे से 9 बजे (हिंदी) रात 9 बजे से 10 बजे (अंग्रेजी)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य के.के. दीपक इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी और फार्माकोलॉजी (आईजेपीपी) **2017-2020** के कार्यकारी संपादक हैं; वे एज एप्रोप्रिएट फिटनेस प्रोटोकॉल के विकास संबंधी समिति, युवा मामले और खेल मंत्रालय, खेल विभाग (फिट इंडिया सेल, फिट इंडिया मिशन), भारत सरकार के अध्यक्ष रहे; वे, परीक्षा अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली में निविदा दस्तावेज को अंतिम रूप देने वाली समिति और विभिन्न परीक्षाओं के लिए कंप्यूटर-आधारित परीक्षण ऑनलाइन परीक्षा के लिए एजेंसी/ परामर्शदाता/ सेवा प्रदाता की सेवाएं प्राप्त करने के लिए समस्त प्रक्रियाओं की निगरानी करने वाली समिति के भी अध्यक्ष रहे; वे, वार्ता समिति, एम्स, नई दिल्ली के अध्यक्ष रहे; सदस्य, स्टोर खरीद समिति, एम्स, नई दिल्ली; पैरामेडिकल विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड एलाइड हेल्थ, जामिया हमदर्द, दिल्ली के अध्ययन बोर्ड के सदस्य रहे; गुरु गोविंद सिंह विश्वविद्यालय (**2019**) के पीएचडी कार्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड के सदस्य रहे; एम्स नई दिल्ली के परीक्षा अनुभाग के लिए प्रबंधन प्रणाली समिति के अध्यक्ष रहे; सदस्य, चयन समिति "खेल इंडिया", खेल और युवा मामले मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, बायोमेडिकल डिवाइस और प्रौद्योगिकी विकास (बीडीटीडी) विशेषज्ञ सलाहकार समूह (ईएजी) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, भारत सरकार में प्रारंभिक स्क्रीनिंग कमेटी (आईएससी) के सदस्य; डीआरडीओ के कार्यकारी बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य; एनआरडीसी नेशनल इनोवेशन अवार्ड्स, नेशनल सोसाइटल इनोवेशन अवार्ड्स और नेशनल बडिंग इनोवेटर्स अवार्ड्स **2019** के सदस्य; सह-अध्यक्ष, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी **37**वां वार्षिक सम्मेलन (नवंबर, आईएएन **2019**); आयोजन सचिव, टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंस - उन्नत कार्यशाला, **2019**: सार्क देशों के लिए कार्यशाला; वित्त पोषण के लिए चिह्नित विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और प्रवेश योग्यता के मानकीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य, खेल और युवा मामले मंत्रालय, भारत सरकार (**2019**) के लिए; फिजियोलॉजी विभाग, आईजीआईएमएस, पटना में संकाय सदस्य के पदोन्नति के लिए व्यक्तिगत पदोन्नति मूल्यांकन बोर्ड की बैठक में बाहरी विशेषज्ञ; हैदराबाद विश्वविद्यालय के टेक्नोलॉजी इनेबिलिंग सेंटर (टीईसी-हैदराबाद विश्वविद्यालय), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के कार्यक्रम सलाहकार समूह के सदस्य; ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद में आयोजित फेडरेशन ऑफ इंडियन फिजियोलॉजिकल सोसायटीज़ (एफआईपीएस कांग्रेस - **2019**) की आठवीं कांग्रेस के राष्ट्रीय सलाहकार; इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज का **37**वां वार्षिक सम्मेलन (नवंबर, आईएएन **2019**) में सेरेबेलर और दिमागी मध्यस्थित स्वायत्त मॉड्यूलेशन विषय पर संगोष्ठी के संयोजक; एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज (आईएएन **2019**) के **37**वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान **500** से अधिक स्कूली बच्चों के साथ बातचीत के लिए पैनलिस्ट के रूप में सेवा दी; एसोसिएशन ऑफ

फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआईकॉन **2019**) के **65**वं वार्षिक सम्मेलन में राष्ट्रीय सलाहकार रहे; कार्यकारी सदस्य, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया; मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की पीजी समिति के सदस्य; राष्ट्रीय पुरस्कार -2010 के आवेदनों के संबंध में आरंभिक स्क्रीनिंग कमेटी (आईएससी) बैठक के सदस्य, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।

आचार्य कंवल प्रीत कोचर, एम्स, नई दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग द्वारा 12-14 दिसंबर 2019 को आयोजित, दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) पर चौथे राष्ट्रीय सीएमई और सर्टिफिकेट कोर्स के अध्यक्ष रहीं; 18 से 21 नवंबर 2019 को फिजियोलॉजी और एनाटॉमी विभाग द्वारा आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस के **37**वें वार्षिक सम्मेलन "न्यूरॉन टू बिहेवियर" आईएएन-2019 में विशेष अतिथि; 27 से 29 सितंबर 2019 तक फिजियोलॉजी विभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, एनएच-3, एनआईटी फरीदाबाद द्वारा आयोजित एफआईपीएस कांग्रेस - 2019 में 26 सितंबर 2019 को आयोजित कार्यशाला में वक्ता रहीं; 16 सितंबर, 2019 को फिजियोलॉजी विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली द्वारा आयोजित "क्लिनिकल इलेक्ट्रो-डायग्नोस्टिक टूल फॉर टीचिंग एंड रिसर्च" पर "न्यूरो-साइको-फिजियोलॉजी रिसर्च में ग्लोबल ट्रेंड्स" नामक सीएमई कार्यशाला में अध्यक्ष रहे; **18** अप्रैल, **2019** को गृह मंत्रालय, आरके पुरम, महानिदेशालय के कार्यालय में आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में शरीर और मन के लिए निवारक एवं प्रवर्धक स्वास्थ्य-रक्षा सेवाओं तथा कोपिंग स्किल्स और तनाव प्रबंधन के क्षेत्र के लिए तकनीकी विषय विशेषज्ञ।

आचार्य नलिन मेहता, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के अधिक्रमण स्वरूप बनाए गए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में मानद सलाहकार और महासचिव रहे; एमसीआई के अधिक्रमण में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा गठित यूजी विशेषज्ञ समिति में सदस्य रहे; वे, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (जीएनडीयू), अमृतसर, पंजाब में संकाय सदस्यों के लिए गठित चयन समिति के सदस्य रहे; अनुसंधान आचार बोर्ड, क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस), इंफाल, मणिपुर के सदस्य रहे; एम्स, जोधपुर में फैकल्टी (फिजियोलॉजी) के चयन के लिए गठित स्थायी समिति में बाहरी विशेषज्ञ सदस्य; एम्स, भुवनेश्वर में स्नातक पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन बोर्ड के बाह्य सदस्य रहे।

आचार्य सुमन जैन, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस की उपाध्यक्ष रहीं; आईएनएसए द्वारा गठित आईयूपीएस-आईयूपीएचएआर समिति की सदस्य; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की दिल्ली-एनसीआर शाखा की सचिव; नियमित संकाय पदों पर नियुक्ति और मूल्यांकन पदोन्नति के लिए जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी की स्थायी चयन समिति द्वारा फिजियोलॉजी के विषय विशेषज्ञ नियुक्त की गईं; सक्षम प्राधिकारी, एम्स नई दिल्ली द्वारा "प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी-बेसिक साइंसेज" की सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में अस्थायी पदों पर नर्स अधिकारी की नियुक्ति के लिए गठित समिति की सदस्य; एम्स दिल्ली में गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट्स की काउंसलिंग के लिए सदस्य,; एम्स, दिल्ली में अनुसंधान दिवस के दौरान पीएचडी और पोस्टडॉक विद्यार्थियों के पोस्टर का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायक नियुक्त की गईं;

आईसीएमआर के न्यूरोमॉड्यूलेशन एवं मानसिक स्वास्थ्य पर अग्रिम अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र के लिए ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना की खरीद के लिए तकनीकी विशेषज्ञ रहीं; भरतियार विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसिज, दिल्ली में पीएचडी विद्यार्थियों की डॉक्टरल अनुसंधान समिति के लिए बाह्य विशेषज्ञ नियुक्त की गईं; निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा पीएचडी शोधार्थी की अनुसंधान सलाहकार समिति में बाह्य विशेषज्ञ; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली ओर राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर, हरियाणा के लिए सहायक संकाय सदस्य।

आचार्य राज कुमार यादव, 'एनल्स ऑफ योग एंड फिजिकल थेरेपी' के संपादकीय बोर्ड के सदस्य रहे; नैदानिक और प्रयोगात्मक शरीर विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादक; डिप्टी हॉस्टल अधीक्षक, एम्स, नई दिल्ली; दक्षेस देशों के लिए 'टेक्नीक्स इन फिजियालॉजिकल साइंसिज, टीआईपीएस 2019, एम्स, नई दिल्ली, दिसंबर **2019** के वित्त सचिव रहे; महासचिव: एफएआईएमएस: फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ एम्स, नई दिल्ली (जनवरी **2020** तक); सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई), दिल्ली चैप्टर; सचिव, फैकल्टी क्लब, एम्स, नई दिल्ली; एम्स, नई दिल्ली में वैज्ञानिक संवर्ग को औपचारिक रूप देने के लिए गठित समिति के सदस्य रहे; स्नातक विद्यार्थियों के लिए एम्स की छात्र परोपकारी फंड समिति के सदस्य रहे; सदस्य, ओवरसाइट समिति, एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली (मई 2018 से); पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षुओं के लिए आरोग्यता कार्यक्रम: रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली, 2019 (कई सत्र) में वक्ता और संसाधन संकाय के रूप में शामिल रहे; गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, ग्रेटर नोएडा में 19 नवंबर 2019 को 'एविडेंस बेस्ड नॉन-इनवेसिव थेरेपीज़: फ्येचरिस्टिक मेडिसिन' के दौरान एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; गेस्ट ऑफ ऑनर, सचिव, एपीपीआई, दिल्ली चैप्टर, एम्स, नई दिल्ली, 24 जून, 2019।

डॉ. रेनू भाटिया इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी) की सदस्य रहीं, एम्स स्नातक पाठ्यचर्या के आयोजन समूह की सदस्य रही और 'वीमन इन ब्रेन स्टिमुलेशन' की सदस्य रहीं।

डॉ. सूर्या प्रकाश एम को 17 नवंबर 2019, को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय बायोमेडिकल रिसर्च प्रतियोगिता (एनबीआरसीकॉन-2019) में, 'द पोटेंशियल ऑफ ईईजी-डिराइव्ड रेस्टिंग-स्टेट फंक्शनल कॉर्टिकल कनेक्टिविटी ऐज़ ए डायग्नोस्टिक बायोमार्कर फॉर अल्जाइमर डिजीज एंड माइल्ड कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट' नामक शोध कार्य के लिए 15000/- रुपए का दूसरा नकद पुरस्कार, पोस्टर प्रेजेंटेशन (मेडिकल साइंसेज श्रेणी) में प्राप्त हुआ और उन्हें "यंग रिसर्चर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। वह, एमबीबीएस पाठ्यचर्या सुधार समिति, एम्स, नई दिल्ली में सदस्य हैं और 19 से 23 अक्टूबर 2019, तक शिकागो आईएल, यूएसए में आयोजित सोसाइटी फॉर न्यूरोसाइंस के 49वें वार्षिक सम्मेलन "न्यूरोसाइंस 2019" में 'ब्रेन नेटवर्क्स कम्यूनिकेट थ्रू थीटा ओसीलेशंस टु एनकोड हाइ लोड इन ए विज़ुओ-स्पेटियल वर्किंग मेमोरी टास्क: एन ईईजी कनेक्टिविटी स्टडी' विषय पर शोधकार्य के प्रस्तुतीकरण के लिए 99661/- रुपए का यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

डॉ. आकांशा सिंह, एम्स, नई दिल्ली, में दिसंबर 2019 में सार्क देशों के लिए आयोजित 'टीआईपीएस 2019 (टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेज)' की संयुक्त सचिव-वित्त रहीं।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. एलाड फेइन, सीईओ आईएफईईएल, इज़राइल - 9 दिसंबर 2019 को फिजियोलॉजी विभाग में हार्ट रेट परिवर्तनशीलता पर चर्चा के लिए पधारे।

9.33. प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

मनीष सिंघल

सहायक आचार्य

राजा तिवारी	शशांक चौहान
राज कुमार मानस	राकेश डावर

विशिष्टताएँ

विभाग की स्थापना जुलाई 2015 में की गई थी। वर्तमान में, विभाग में 5 संकाय सदस्य, 15 एमसीएच वरिष्ठ रेजीडेंट, 2 गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजीडेंट और 5 गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजीडेंट हैं। पिछले एक साल में बाह्य-रोगी विभाग में मासिक रोगी भार और प्रवेश में लगातार वृद्धि हुई है। हमारे पास हाथ, फांक और डर्मेटो सर्जरी के विशेष क्लीनिक हैं। हम ऑन्कोसर्जरी, न्यूरोसर्जरी, कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, बाल चिकित्सा सर्जरी, सामान्य सर्जरी, नेत्र कोशिकाओं की टीमों और विभिन्न अन्य विभागों के साथ मिलकर धमनीविस्फार के निर्माण और विभिन्न दोषों के पुनर्निर्माण के लिए सेवाएं प्रदान करते हैं। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में, हम माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी और रीप्लांटेशन सहित पोस्ट-ट्रॉमाटिक रीकन्सट्रक्टिव सर्जरी के पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रदान कर रहे हैं, साथ ही साथ ब्रैकियल प्लेक्सस (बाह्य स्नायुजाल) चोटों वाले रोगियों के मूल्यांकन और उपचार के लिए एक विशेष क्लिनिक भी है। विभाग ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कैडेवरिक पाठ्यक्रम और पुनर्संरचनात्मक फ्लैप कवर सर्जरी पर कार्यशालाएं आयोजित की हैं। ग्रामीण आबादी तक पहुंच के लिए हम बल्लभगढ़, हरियाणा में एक ओपीडी भी चलाते हैं। हमारे संकाय और रेजीडेंटों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई प्रस्तुतियाँ दी गई हैं। विभाग ने सफलतापूर्वक सात उम्मीदवारों की एमसीएच परीक्षा आयोजित की है।

बुनियादी ढांचे का विकास

बर्न और प्लास्टिक ब्लॉक की स्थापना। विभाग के भावी प्रयासों में बर्न केयर एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के लिए एक अत्याधुनिक केंद्र, एक समर्पित स्किन बैंक और हाथ एवं चेहरे के प्रत्यारोपण के लिए एक समग्र ऊतक आवंटन कार्यक्रम शुरू करना शामिल हैं।

विभाग द्‌वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईएसवीसीए 2019, 28 एवं 29 सितंबर 2019, नई दिल्ली
2. एम्स, नई दिल्ली में क्रानियोमैक्सिलोफेशियल पुनर्निर्माण में मास्टर क्लास, 17 अक्टूबर 2019
3. फिलर और बोटोक्स के लिए कैडवेरिक डिससेक्शन कोर्स, एसीएस(आई)सीओएन 2019, नई दिल्ली
4. स्किन ग्राफ्ट और फ्लैप के लिए कैडवेरिक डिससेक्शन कोर्स, एसीएस(आई) सीओएन 2019, नई दिल्ली
5. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक डब्ल्यूएचओ परियोजना, प्राथमिक चिकित्सा समुदाय का विकास के विशेषज्ञ समूह के सदस्य।
6. सीएमईटीआई आयोजित: घाव उपचार और फोड़े की समस्या की रोकथाम पर कार्यशाला, 21 जनवरी 2019, एम्स, नई दिल्ली
7. सीएमईटीआई आयोजित: घाव उपचार और फोड़े की समस्या की रोकथाम पर कार्यशाला, 3 मार्च 2019, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

मनीष सिंघलः 7 **राजा तिवारीः 7** **राज कुमार मानसः 8**
शशांक चौहानः 6

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टरः 12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. माइक्रोवेस्क्यूलर फ्री फ्लैप्स के ऑपरेशन के पश्चात के मूल्यांकन में माइक्रोडायलेसिस की भूमिका, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 4.95 लाख रुपये
2. ब्रैकियल प्लेक्सस पुनर्संरचना हेतु रोबोटिक शल्य चिकित्सा की उपयोगिता पर पायलट अध्ययन, राजा तिवारी, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 29.5 लाख रुपये

पूर्ण

1. स्प्लिट थिकनेस स्किन ग्राफ्ट वाले डोनर पर सी1 हर्बल तेल के स्थानिक प्रयोग की प्रभावकता के आकलन का नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। (चरण I), मनीष सिंघल, आयुष मंत्रालय, 4 वर्ष, 2014-2018, 17.22 लाख रुपये
2. समुदाय हेतु फर्स्ट ऐड मॉड्यूल का विकास, मनीष सिंघल, डब्ल्यूएचओ एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 6 माह, 2018, 6.1 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. रिडक्शन मैमोप्लास्टी से गुजर रहे मरीजों में निप्पल एरोलर परफ्यूजन का पता लगाने में फ्लोरोसेंट एंजियोग्राफी की प्रभावकता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन
2. स्तन कैंसर उपचार के उपरान्त परिणामः एक अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य
3. सिंगल सेंटर जेपीएनएटीसी, एम्स में हाथों की चोटों की एपिडिमियोलॉजी, पूर्वव्यापी और अग्रदर्शी अध्ययन
4. प्लास्टिक सर्जरी वाले रेजीडेन्ट्स में माइक्रोसर्जरी स्किल्स पर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकता।
5. रोगी, जिनका स्पेगहेट्टी रिस्ट चोट के लिए इलाज किया गया था, उनमें परिणामों के साथ संबंधित पूर्वानुमानित कारक
6. एक्यूट परिधीय तंत्रिका क्षति की मरम्मत में प्लेटलेट प्रधान प्लाज्मा के उपयोग के नैदानिक तथा इलेक्ट्रोफिजियोलोजिक परिणामों का अध्ययन
7. डिजिटल रिप्लांट के प्रभावित करने वाले सर्वाइवल कारकों का विश्लेषण

पूर्ण

1. लिपोसक्शन सहायता-प्राप्त सबक्यूटेनियस मेस्टेक्टोमी
2. भारतीय आबादी में कटे-फटे होंठ तथा तालुओं वाले मरीजों की सोफ्ट टिश्यू प्रोफाइल
3. विभिन्न विकारों के लिए प्रोफंडा आर्टरी पर्फोरेटर फ्लैप की उपयुक्तता तथा परिणाम का मूल्यांकन

सहयोगी परियोजना

जारी

1. भारत में कटे-फटे होंठ और तालु की विसंगतिः क्लिनिकल प्रोफाइल जोखिम कारक तथा उपचार की वर्तमान स्थिति: अस्पताल आधारित अध्ययन, दन्त शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

पूर्ण

1. फांक होंठ एवं तालु (सीएल/पी) वाले बच्चों में जोखिम की जांच पर एक नैदानिक अध्ययन और नॉन-क्लेफ्ट नियंत्रण, दन्त शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र।

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

क) अंतः रोगी देखभाल सुविधाएँ:

- हाइपरबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी सुविधा
- माइक्रोवैस्क्युलर सुविधा
- हाथ तथा जन्मजात विसंगतियों की सर्जरी सुविधा
- क्रैनोफेशियल और क्लेफ्ट सर्जरी
- एस्थेटिक सर्जरी
- सिर एवं गले का पुनर्निर्माण
- ट्रंक और एक्सट्रिमीटी का पुनर्निर्माण

ख) क्लिनिक:

- कम्बाइन्ड क्लेफ्ट क्लिनिक
- हाथों का क्लिनिक
- ब्रैकियल प्लेक्सस क्लिनिक
- कम्बाइन्ड कुष्ठ रोग क्लिनिक

ग) सामुदायिक सेवा/शिविरः

- सीएचआरपीसी, बल्लभगढ़ और एम्स नई दिल्ली ट्रॉमा सेंटर में "**बर्न प्रिवेंशन अवेयरनेस एंड प्राइमरी एड प्रोग्राम**" का आयोजन किया, जिसमें हमने जलने (बर्न) की रोकथाम, पटाखों और अन्य प्रकार के जलने (बर्न) और प्राथमिक चिकित्सा उपचार पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। लगभग 100 रोगियों और रोगी के रिश्तेदारों ने ओपीडी परिसर में कार्यक्रम में भाग लिया और जलने से बचाव पर विचार किया
- सीएचआरपीएस, बल्लभगढ़, हरियाणा में प्रत्येक मंगलवार को प्लास्टिक सर्जरी बाह्य रोगी विभाग सेवाएं आरंभ की गई

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर मनीष सिंघल को वरिष्ठ भारतीय बायोमेडिकल साइंटिस्ट 2019-20 के लिए आई सीएमआर-डीएचआर इंटरनेशनल फैलोशिप से सम्मानित किया गया; एनपीपीएमबीआई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत वीडियो स्पॉट्स ऑन बर्न इंजरीस पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य; एनपीपीएमबीआई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत बर्न इंजरीस की जागरूकता और रोकथाम के लिए आईईसी विकास पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत ड्रोनिंग की जागरूकता और रोकथाम पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य; चंडीगढ़ और ओडिशा की ट्रामा केयर सुविधाओं और बर्न इकाइयों की निगरानी के लिए केंद्रीय विशेषज्ञ; सुझाव देने के लिए और एम्स, रायबरेली के बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए तदर्थ समिति के सदस्य; एजुकेशन वर्किंग ग्रुप, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज के लिए आमंत्रित सदस्य; डेलनेट, वसंत कुंज, नई दिल्ली में 18 और 19 जनवरी, 2020 को आयोजित होने वाली सॉलिडऑर्गेइंजरीस के प्रबंधन के लिए आईएसटीएसी दिशानिर्देशों पर आईएसटीएसीटी सर्वसम्मति बैठक, सर्वसम्मति बैठक; इंडीसेफ्ट टास्क फोर्स के सदस्य, आईसीएमआर, नई दिल्ली; दिनांक 28 फरवरी 2020 को राजमार्ग दुर्घटनाओं और आपातकालीन चिकित्सा उपचार भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली पर राष्ट्रीय कार्यशाला के विशेषज्ञ के रूप में मंत्रालय द्वारा नामांकित किया गया; परियोजना अनुमोदन समिति के सदस्य, उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के उन्नयन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना, आयुष मंत्रालय; राष्ट्रीय स्तर पर ट्रामा एंड बर्न प्रोग्राम के कार्यान्वयन की रणनीति को संशोधित करने के लिए संविधान समिति के सदस्य; भारत में आईसीएमआर, नई दिल्ली में क्लेफ्ट एनॉमेलीज के उपचार के लिए दिशानिर्देशों के विकास के लिए विशेषज्ञ समूह सदस्य; एटीएलएस पाठ्यक्रम के लिए संकाय, 28-30 नवंबर एबीवीआईएमएस और डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली; नैनोबायोटेक - 2019 के सत्र VI के अध्यक्ष, 21-23 नवंबर 2019, एयरोसिटी, एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार के लिए सदस्य, समिति; एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार के लिए संस्थान नीति

विषयक समिति के सदस्य; एसएससीआई और एच, लखनऊ में संकाय चयन पैनल के सदस्य; रोगी सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक; आरएचटीसी, नजफगढ़ में 100 बिस्तर वाले सामान्य अस्पताल के सलाहकार समिति के सदस्य; चिकित्सा उपकरण प्रभाग के विशेषज्ञ सदस्य, केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन डीजीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली-110002; डीएनबी, प्लास्टिक सर्जरी के लिए परीक्षा के राष्ट्रीय बोर्ड के लिए परीक्षक।

डॉ राजा तिवारी पहले भारतीय थे जिन्हें रॉयल मेलबर्न अस्पताल, ऑस्ट्रेलिया से एडवांस्ड रिकंस्ट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी में फैलोशिप से सम्मानित किया गया था। 1 अप्रैल 2019 से 30 सितंबर 2020 तक फैलोशिप की अवधि 6 महीने; अध्यक्ष: सीएमई - प्लास्टिक सर्जरी में बेसिक और वर्तमान प्रचलन, 12 अक्टूबर 2019, रीवा, एमपी; 17 अक्टूबर 2019 को जय प्रकाश नारायण ट्रॉमा सेंटर, दिल्ली में मास्टरक्लास क्रानियोमैक्सिलोफेशियल पुनर्निर्माण में मॉडरेटर और सह-आयोजक।

डॉ राकेश डावर को दिनांक 12-15 सितंबर 2019 को भारत में पुरी, ओडिशा में आमंत्रित संकाय और अध्यक्ष; दिनांक 17 अक्टूबर, 2019 को जय प्रकाश नारायण ट्रॉमा सेंटर, दिल्ली में मास्टरक्लास क्रैनियोमैक्सिलोफेशियल पुनर्निर्माण में सह-आयोजक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ राज कुमार मानस को एनएबीआईसीओएन 2019 में संकाय और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित और कंडाघाट में हुई बैठक के दौरान नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स-इंडिया, एनएबीआई, के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया; पुरी में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ हैंड ऑफ सर्जरी के वार्षिक सम्मेलन आईएसएसएच 2019 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए आमंत्रित फैकल्टी और चेयरपर्सन और जज; आईएसवीसीए 2019 में आमंत्रित फैकल्टी और चेयरपर्सन, इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ़ इंटरनैशनल सोसाइटी ऑफ़ वैस्कुलराइज़्ड कम्पोजिट टिशू एलो-ट्रांसप्लांटेशन, ने नई दिल्ली में आयोजित अनुसंधान और प्रायोगिक वैस्कुलिस्टालो-प्रत्यारोपण पर सत्र संचालित किया।

डॉ. शशांक चौहान कॉम्पेटीटिव पेपर सेशन में निर्णायक थे, एप्रासोकॉन (APRASOCON) 2019, 13 जनवरी 2019, भुवनेश्वर।

9.34. मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

राकेश कुमार चड्ढा

आचार्य

प्रताप शरण राजेश सागर नन्द कुमार ममता सूद

अपर आचार्य

रमन दीप सुजाता सतपति

सह-आचार्य

कौशिक सिन्हा देब रोहित वर्मा बिचित्र नन्द पात्रा

सहायक आचार्य

गगन हंस वैभव पाटिल बर्रे विजय प्रसाद

बाल मनोचिकित्सा	**नैदानिक मनोचिकित्सक**
रेणु शर्मा	वंदना चौधरी

विशिष्टताएँ

मनोचिकित्सा विभाग एमडी (मनोचिकित्सा), पीएचडी (मनोविज्ञान) और एमबीबीएस छात्रों के लिए उत्कृष्ट प्रशिक्षण आयोजित करने के अलावा बीएससी/एमएससी नर्सिंग के छात्रों तथा कायचिकित्सा, जराचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, और उपशामक चिकित्सा और विभिन्न अवधि के लिए मनोचिकित्सा में तैनात डीएम तंत्रिका विज्ञान के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी लगा हुआ है। मनोचिकित्सा विभाग वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर, यूके), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), आईसीएमआर, एनसीपीसीआर आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से कई प्रमुख वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ चला रहा है। विभाग ने वर्ष में सफलतापूर्वक कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें लो रिसोर्स सेटिंग्स में गंभीर मानसिक विकारों के लिए घर पर देखभाल को मजबूत करने हेतु राष्ट्रीय सीएमई (अप्रैल 2019), पोस्ट ग्रेजुएट प्रशिक्षुओं के लिए वेलनेस प्रोग्राम (अगस्त 2019; मार्च 2020), मानसिक स्वास्थ्य फिएस्टा 2019 (अक्टूबर 2019), इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन का **21**वां वार्षिक सम्मेलन (नवंबर 2019) और 4था राष्ट्रीय सीएमई एवं सर्टिफिकेट कोर्स ऑन रीपिटिटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिम्यूलेशन (दिसंबर 2019) शामिल रहे। मनोचिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में हमेशा से अग्रणी रहा है। विभाग बच्चों और किशोरों के मानसिक विकार, मनोदैहिक विकार, सामान्य मानसिक विकार, गंभीर मानसिक विकार, दोहरा निदान विकार के लिए साप्ताहिक स्पेशल्टी क्लिनिकों और ब्रेन

स्टिम्यूलेशन क्लिनिक के अलावा रोज़ाना वॉक-इन एवं फॉलो-अप क्लिनिक चलाता है। विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में सप्ताह में 6 दिन सामुदायिक आउटरीच सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें 2019-2020 में 3597 नए मामले और 6432 अनुवर्ती मामलों की सेवाएं प्रदान की गई। 2019-2020 में विभाग ने कुल 14409 नए मामलों एवं 68706 फॉलो-अप रोगियों को रोगी परामर्श सेवाओं के साथ 301 रोगियों के लिए रोगी उपचार सेवाएँ प्रदान की।

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

सिद्धांत व्याख्यान 6ठा सेमेस्टर - 20 घंटे

नैदानिक शिक्षण/तैनाती

3रा सेमेस्टर - 7 घंटे 4था एवं 5वां सेमेस्टर - 25 दिन 6ठा - 8वां सेमेस्टर - 40 दिन

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में समुदाय में शिक्षण

7वां सेमेस्टर - 12 घंटे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बीएससी नर्सिंग

सिद्धांत व्याख्यान

प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान) 15 घंटे के लिए तृतीय वर्ष (मनोचिकित्सा) 8 घंटे के लिए

क्लिनिकल पोस्टिंग

तृतीय वर्ष मनोचिकित्सा वार्ड में 2 महीने के लिए

एमएससी नर्सिंग

सिद्धांत व्याख्यान

प्रथम वर्ष में 8 घंटे

क्लीनिकल पोस्टिंग

प्रथम वर्ष - मनोचिकित्सा वार्ड में 8 महीने और मनोचिकित्सा ओपीडी में एक महीने

दूसरा वर्ष - मनोचिकित्सा वार्ड में 3-4 महीने

थीसिस कार्य

अपने थीसिस कार्य का संचालन मनोचिकित्सा ओपीडी और वार्ड में करते हैं

अन्य विभागों से तैनात जूनियर रेजीडेंट का प्रशिक्षण

कायचिकित्सा, जेरिएट्रिक मेडिसिन, इमरजेंसी मेडिसिन, आपात चिकित्सा और पैलिएटिव मेडिसिन विभागों से जूनियर रेजीडेंटों को और न्यूरोलॉजी में डीएम प्रशिक्षुओं को 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए मनोचिकित्सा में प्रशिक्षण के लिए मनोचिकित्सा विभाग में तैनात किया जाता है।

एमडी (मनोचिकित्सा) और पीएचडी शिक्षण

- सप्ताह में एक बार संगोष्ठी
- सप्ताह में एक बार केस कांफ्रेंस
- सप्ताह में एक बार जर्नल चर्चा
- सप्ताह में एक बार थीसिस प्रोटोकॉल और मध्यावधि प्रस्तुति
- सप्ताह में एक बार ट्यूटोरियल
- स्नातकोत्तर मनोचिकित्सा और डॉक्टरेट स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान के छात्रों के लिए साइकोथेरेपी पर्यवेक्षण
- मनोचिकित्सा में जूनियर रेजिडेंटों के लिए परामर्श-संपर्क प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्स, नई दिल्ली में कम संसाधन व्यवस्था में गंभीर मानसिक विकारों के लिए घर पर उपचार को मजबूत करने पर राष्ट्रीय सीएमई, 27 अप्रैल 2019
- जेएलएन सभागार, एम्स नई दिल्ली में मेन्टल हेल्थ फिएस्टा 2019, 4 अक्टूबर 2019
- इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन, नई दिल्ली का 21वां वार्षिक सम्मेलन, 13-16 नवंबर 2019
- रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम और टीएमएस लैब, एम्स, नई दिल्ली, में 12-14 दिसंबर 2019 को चौथा रिपिटिटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन पर सर्टिफिकेट कोर्स और राष्ट्रीय सीएमई

प्रदत्त व्याख्यान

राकेश कुमार चड्ढा: 12	**प्रताप शरणः 11**	**राजेश सागरः 51**
नंद कुमार: 9	**ममता सूदः 6**	**सुजाता सतपति: 2**
रमन दीपः 4	**कौशिक सिन्हा देब: 12**	**रोहित वर्माः 11**
बिचित्र पात्राः 3	**गगन हंसः 7**	**वैभव पाटिलः 4**
बर्रे विजय प्रसादः 3	**रेणु शर्माः 4**	

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः 48

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. अवसाद और सिज़ोफ्रेनिया के उपचार में मस्तिष्क उत्तेजना के तीव्र और अनुदैर्ध्य प्रभावों का अध्ययन, रोहित वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
2. मैट्रिलिनियल बाइपोलर डिसऑर्डर में क्लिनिकल प्रोफाइल, माइटोकांड्रियल डीएनए 10398, पेरिफेरल ग्लुकोज यूटिलाइजेशन (**HOMA_IR**) और इनफ्लेमेशन (**TNF-α**) का आकलन, रमन दीप, एम्स, 2019-2021, 2 वर्ष, 3.9 लाख रुपये

3. फटे होंठ और तालु वाले बच्चों और किशोरों के बीच भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं और जीवन की गुणवत्ता का आकलन, राजेश सागर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2021, 39.89 लाख रुपये
4. जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गुणवत्ता और सर्वोत्तम पद्धतियों का आकलन, राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ-देश और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 6 महीने, 2019-2020, 9.94 लाख रुपये
5. बाइपोलर विकार में लिथियम प्रतिक्रिया के बायोमार्कर्स: दीर्घकालिक लिथियम प्रोफिलैक्सिस पर बाइपोलर डिसऑर्डर वाले व्यक्तियों में क्लिनिकल मार्कर्स, पेरिफेरल ब्लड-बेस्ड मार्कर्स एवं ग्रे मैटर वॉल्यूम का आकलन, रमन दीप, डीएसटी: ईसीआरए, 3 वर्ष, 2018 - 2021, 24 लाख रुपये (लगभग)
6. मानसिक स्वास्थ्य में न्यूरोमोड्यूलेशन पर सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड एक्सीलेंस (सीएआरई), नंद कुमार, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019, 450 लाख रुपये
7. उत्तर भारत के लोगों के लिए संज्ञानात्मक मूल्यांकन प्रणाली (सीओजीएनआईएसटीएटी) के मानदंड का क्लिनिकल अध्ययन, ट्रांसलेशन, संकर सांस्कृतिक अंगीकरण और विकास, राजेश सागर, कॉग्निटिव हेल्थ रिहैबिलिटेशन सिस्टम एलएलपी, 2 वर्ष, 2018-2020, 7.92 लाख रुपये
8. एडीएचडी से प्रभावित 6-11 वर्ष की आयु के बच्चों पर कॉग्निटिव ट्रेनिंग टूलकिट (सीटीटी**)** और कंप्यूटर बेस्ड कॉग्निटिव ट्रेनिंग (**PSS CogRehab)** के संज्ञानात्मक और मनो-शारीरिक प्रभाव **:** एक याद्दच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन**,** सुजाता सतपति**,** डीएसटी / सीएसआरआई**, 3** वर्ष**, 2019-2022, 53** लाख रुपये
9. किशोरों द्वारा स्वयं को जानबूझकर नुकसान पहुंचाना: स्कूल-आधारित अध्ययन, बिचित्र नंद पात्रा, आईसीएमआई**, 2** वर्ष**, 2019-2021, 27** लाख रुपये
10. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन का उपचार चाहने वालों में नए साइकोएक्टिव पदार्थों का पता लगाना - एक बहु केंद्रीय अध्ययन, आरके चड्ढ़ा, राजस्व विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017-2020, 651 लाख रुपये
11. घबराहट और चिंता पर भारतीय प्रश्नावली का विकास (पीएएनआईक्यू), प्रताप शरण, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2020, 180 लाख रुपये
12. श्रवण सिमेंटिक और प्रोसिडिक सामग्री का मूल्यांकन करने के लिए डिफ्यूज ऑप्टिकल टोमोग्राफी पर आधारित कॉर्टिकल विश्लेषण, भाषा अधिग्रहण और चेहरे की पहचान को सिज़ोफ्रेनिया में भावना के निर्धारक के रूप में मान्यता, डीएसटी सीएसआरआई, 3 वर्ष, 2018-2021, 51.98 लाख रुपये
13. यूनिपोलर एवं बाइपोलर डिप्रेशन से प्रभावित और कभी भी उपचार न कराये रोगियों में एंटेरियर सिंगुलेट कॉर्टेक्स, हिप्पोकैंपस एवं एमिग्डाला की चयापचय संबंधी असामान्यताओं तथा पेरिफेरल ग्लूटामिन के साथ इसके संबंध का एच1-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी-आधारित आकलन, गगन हंस, एम्स, 2 साल, 2019-2020, 3.6 लाख रुपये

14. प्रसव के बाद अवसाद और चिंता का शिशु के विकास पर प्रभावः एक सामुदायिक कोहोर्ट अध्ययन, राजेश सागर, 3 वर्ष, 2016-2019, 8.57 लाख रुपये
15. साइकोसिस के परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थानः प्रथम स्तरीय साइकोसिस का प्रोटोकॉल आधारित मूल्यांकन और उपचार (एम्स सेंटर), ममता सूद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, यूके, 3 वर्ष, 2017-2020, 106 लाख रुपये
16. साइकोसिस परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल स्वास्थ्य रिसर्च ग्रुपः द वारविक-इंडिया-कनाडा (डब्ल्यूआईसी) नेटवर्क, आरके चड्ढा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 3 वर्ष, 2017-2020, जीबीपी 269,146
17. नई दिल्ली जन्म कोहोर्ट में मनोरुग्णता और इसके शुरुआती पूर्ववृत्त, राजेश सागर, क्यूईडी और डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ, 3 वर्ष, 2018-2020, 8.67 लाख रुपये
18. गर्भावस्था के नुकसान की मनोसामाजिक गतिकी: एक बहुआयामी पैमाने का विकास और सामूहिक मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉडल का विकास एवं प्रभावकारिता (रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल)**,** सुजाता सतपति**,** आईसीएमआर**, 3** साल**, 2019-2022, 59** लाख रुपये
19. छठी से आठवीं तक के छात्रों का साहस बढ़ाने के लिए बायो-साइको एवं सामाजिक-सांस्कृतिक मॉडल पर ऑडियो-विज़ुअल एवं डिजिटल सामग्री विकसित करना**,** मानसिक स्वास्थ्य और समग्र स्वास्थ्य**,** नंद कुमार**,** एएआई**, 2** साल**, 2019, 98** लाख रुपये
20. बच्चों के ड्रा-ए-पर्सन-टेस्ट (डीएपीटी) में पेनेट्रेटिव सीएसए के संकेतकों/मार्कर्स का वैधांकन एवं मानकीकरण , सुजाता सतपति, एनसीपीसीआर, 6 महीने, 2020, 3.99 लाख रुपये

पूर्ण

1. एडीएचडी से पीड़ित 6-11 वर्ष के बच्चों के लिए नव विकसित एम्स सीटीटी (नॉन-कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण हस्तक्षेप किट) की व्यवहार्यता और दक्षता का परीक्षण, सुजाता सतपथी, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 3.6 लाख
2. ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर वाले रोगियों में दाएं डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में चयापचय संबंधी असामान्यताओं का एच1-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित मूल्यांकन- एक पायलट अध्ययन, गगन हंस, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपये 0.9 लाख
3. बाइपोलर डिसऑर्डर में मानसिक-सामाजिक परिणाम और संज्ञानात्मक कार्यः एक समय सापेक्ष अध्ययन, राजेश सागर, डीएसटी, 3 वर्ष 2016-2019, रुपये 28.53 लाख
4. सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों में संज्ञानात्मक कार्य और मुख्य रूप से नकारात्मक लक्षणों पर उच्च आवृत्ति रिपिटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए रैंडमाइज्ड शम नियंत्रित डबल ब्लाइंड ट्रायल, नंद कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015-2019, रुपये 50.56 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. सामान्य मानसिक विकारों से पीड़ित और उपचार के इच्छुक वयस्कों में बचपन की प्रतिकूल पिरस्थितियों (चाइल्डहुड एडवर्सिटी), परसिव्ड पैरेंटिंग, परसिव्ड सोशल सपोर्ट, एवं मानसिक स्वास्थ्य का क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
2. सामान्य मानसिक विकारों से पीड़ित, स्वास्थ्य नियंत्रण वाले और उपचार के इच्छुक वयस्कों में बचपन की प्रतिकूल पिरस्थितियों (चाइल्डहुड एडवर्सिटी), परसिव्ड पैरेंटिंग, परसिव्ड सोशल सपोर्ट, एवं मानसिक स्वास्थ्य का क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
3. कार्यकारी कार्यप्रणाली पर कार्य निर्भर प्रभाव की जांच के लिए एनोड ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. उपचार-रोधी डिप्रेशन में बेहतर न्यूरोसाइकोलॉजिकल एवं क्लिनिकल परिणामों के लिए कीटामाइन बनाम मोडिफाइड इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी का रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड सिंगल ब्लाइंड ट्रायल
5. कमॉरबिड एडीएचडी सहित एवं रहित विशिष्ट लर्निंग डिसऑर्डर (डिस्लेक्सिया) के साथ किशोरों में ऑटोनोमिक कार्यो का अध्ययन
6. क्लोजापीन थेरेपी पर सिजोफ्रेनिया के रोगियों में सीरम मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक स्तरों का अध्ययन और नैदानिक प्रोफाइल के साथ इसका जुड़ाव
7. नॉन-साइकोटिक डिप्रेशन वाले भारतीय रोगियों में एंटीडिप्रेशेंट दवाओं की उपचार प्रतिक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन - लॉन्गिट्यूडिनल फॉलो-अप अध्ययन।
8. आवर्ती मनोदशा विकारों वाले अस्पताल से छुट्टी रोगियों में आत्महत्या की कोशिश करने वालों के चिकित्सकीय लक्षणों का आकलन: एक वर्णनात्मक अध्ययन
9. फैमिलियल बाइपोलर डिसऑर्डर (बीडी)-I में उपचार का परिणाम, इनफ्लेमेटरी साइटोकिन (टीएनएफ- अल्फा) और एमटीडीएनए 10398ए/जी पॉलीमॉर्फिज्म का आकलन
10. अल्कोहल निर्भरता में ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) द्वारा प्रेरित पृष्ठीय प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स प्लास्टिसिटी का व्यवहारिक प्रभाव
11. नई दिल्ली के चयनित तृतीयक उपचार अस्पतालों में किडनी का प्रत्यारोपण कराने वालों में स्वयं देखभाल व्यवहार, मनोवैज्ञानिक लक्षणों एवं जीवन की गुणवत्ता पर नर्स के हस्तक्षेप की प्रभावशीलता
12. अवसाद के उपचार में ब्रेन स्टिमुलेशन का प्रभावः मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर तीव्र और अनुदैर्ध्य प्रभाव का एक डिफ्यूज ऑप्टिकल टोमोग्राफी अध्ययन
13. बाइपोलर प्रभावित विकार में मेडिकल को-मॉर्बिडिटीज
14. अवसादग्रस्तता विकारों में मेटाकोग्निटिव थेरेपी

15. उपचार प्रतिरोधी अवसाद में इंटरमिटेंट थीटा-बर्स्ट मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आईटीबीएस) की चिकित्सीय प्रभावकारिता का प्रारंभिक मूल्यांकनः एक डबल-ब्लाइंड शम नियंत्रित अध्ययन
16. सिजोफ्रेनिया में नकारात्मक लक्षणों एवं संज्ञानात्मक क्रिया पर इंटरमिटेंट थीटा-बर्स्ट मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आईटीबीएस) की सहनक्षमता एवं प्रभावशीलता का प्राथमिक आकलन
17. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों का मनो-व्यवहार और संज्ञानात्मक कार्यः समग्र मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास और व्यवहार्यता
18. बच्चों और किशोरों में मनोवैज्ञानिक आघात से उबरने की क्षमता : एक बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोवैज्ञानिक गुण
19. दवा में नॉन-रिस्पांसिव ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशनः उत्तेजना के विभिन्न स्थानों की तुलना करने के लिए एक रैंडोमाइज्ड डबल ब्लाइंड समानांतर समूह शम नियंत्रित परीक्षण
20. एडीएचडी में प्रतिरक्षा विषयक, ऑक्सीडेटिव मार्कर और संज्ञानात्मक कार्य का अध्ययन

पूर्ण

1. अल्कोहल निर्भरता, अवसाद एवं को-मॉर्बिड अल्कोहल निर्भरता और अवसाद वाले रोगियों में सीरम मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारकों के स्तर का एक तुलनात्मक अध्ययन
2. मायोकार्डियल इनफार्क्शन के बाद चिंता और अवसाद (डिप्रेशन) का वर्णनात्मक अध्ययन
3. ओपियोड निर्भरता वाले रोगियों में तलब को कम करने के लिए द्विपक्षीय ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
4. ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर वाले रोगियों पर अप्रतिक्रियाशील रीपिटिटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिम्यूलेशन (आरटीएमएस) के ऐड-ऑन प्रभाव का रैंडमाइज्ड ट्रायल
5. बायपोलर डिसऑर्डर टाइप I में आत्मघाती प्रवृत्ति वाले रोगियों में ग्रे मैटर वॉल्यूम और व्हाइट मैटर इंटीग्रिटी का आकलन
6. बाल यौन शोषणः बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोवैज्ञानिक आघात केन्द्रित उपचार मॉड्यूल
7. विशिष्ट अधिगम विकार के लिए घर पर उपचार हेतु पद्धति का विकास
8. पहले एपिसोड साइकोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के रूप में प्रीफ्रंटल कार्यकारिता के तंत्रिका मनोवैज्ञानिक और तंत्रिका संज्ञानात्मक मार्कर
9. वयस्क माइलोमा रोगियों में और सक्रिय उपचार और रखरखाव के चरण में मनोचिकित्सा, नींद की गुणवत्ता और मानसिक समायोजन शैली
10. दवा में नॉन-रिस्पांसिव ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशनः उत्तेजना के विभिन्न स्थानों की तुलना करने के लिए एक रैंडोमाइज्ड डबल ब्लाइंड समानांतर समूह शम नियंत्रित परीक्षण

11. स्ट्रोक से उबरने में गहन भौतिक चिकित्सा एवं ट्रांस क्रैनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (टीएमएस) की भूमिका तथा इंटरवेंशन एवं स्वास्थ्य लाभ के साथ वृद्धि कारकों के सह-संबंध पर अध्ययन
12. एडीएचडी से प्रभावित बच्चों व किशोरों में नशीले पदार्थों के सेवन संबंधी विकार
13. मध्यम टीबीआई के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य पर रेगुलेटरी ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) के प्रभाव का आकलन करना
14. उपचार प्रतिरोधी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर में ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस): एक ओपन लेबल परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. गंभीर मानसिक रोग से प्रभावित व्यक्तियों की देखभाल करने वालों में क्रियात्मक मानकों पर प्रकृति-आधारित वर्चुअल रियलिटी हस्तक्षेप के आकलन हेतु तुलनात्मक अध्ययन। कॉलेज ऑफ नर्सिंग
2. 12-आइटम प्रुरिटस गंभीरता पैमाने और 5-डी इच पैमाने का उपयोग करके क्रोनिक प्रुरिटस की गंभीरता और जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, त्वचाविज्ञान
3. एम्स, नई दिल्ली, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में हृदय प्रत्यारोपण के बाद रोगियों के अनुभवों का व्याख्यात्मक, सांवृतिक अध्ययन
4. निकट अधिकतम मुखीय दवाई पर सबऑप्टीमल ग्लाइसेमिक नियंत्रण वाले टाइप 2 मधुमेह वाले रोगियों में इंसुलिन थेरेपी के आरंभ को विलंबित कर सकता है एवं/या निकट भविष्य में किसे इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है या नहीं, यह मूल्यांकन करते वाला एक प्रायोगिक बहुकेंद्रीय ओपन लेबल समांतर भुजा आरसीटी, अंतःस्राविकी
5. गर्भावस्था दौरान एवं प्रसव के बाद वजन बढ़ने पर योग का प्रभाव, मनोवैज्ञानिक तनाव, जीवन की गुणवत्ता, गर्भावस्था में फुप्फुसीय कार्यों पर गर्भावस्था के परिणाम से इसके संबंध पर प्रत्याशित अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग
6. सर्फेस एनर्जी ईएमजी का उपयोग करके हेल्दी कंट्रोल्स की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम एवं रिपेयर के बाद इनसिजनल हर्निया वाले रोगियों में एब्डोमिनल वॉल डाइनैमिक्स के रिस्टोरेशन के मूल्यांकन हेतु प्रत्याशित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
7. एम्स के हृद् विज्ञान एकक में हृदयाघात वाले रोगियों की देखभाल करने वाले चुनिंदा लोगों पर की गठित समूह की काउंसलिंग की प्रभावशीलता के मूल्यांकन हेतु अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन, नई दिल्ली, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
8. भारत के तृतीयक देखभाल केंद्रों में उन्नत सार्कोमा रोगियों में प्रारंभिक एकीकृत उपशामक देखभाल बनाम नियमित ऑन्कोलॉजिकल देखभाल की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक, टू आर्म, तुलनात्मक, नैदानिक अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच

9. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में प्रसवोत्तर परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में आघात के बाद निचले पैर के एम्प्यूटीज में योग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जेपीएनएटीसी
10. भावी नियंत्रण के लिए डायनामिक ऑप्टिक एर्रे का उपयोग करते हुए आबंटित तंत्रिका नेविगेशन प्रक्रिया का अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
11. मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर (एमडीडी) में काइन्यूरेनाइन पाथवे के सीरम बायोमार्कर्स का अध्ययन, एनाटॉमी
12. सामान्य मानसिक विकारों के रोगियों के उपचार में देरी को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
13. भारत में प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (एमडीडी) उपचार के लिए योग-आधारित जीवन शैली के प्रभाव का एक स्थानांतरणीय यादृच्छिक परीक्षण और इसके साथ जुड़े सेलुलर बुढ़ापे के बायोमार्कर का विश्लेषण, शरीर रचना विज्ञान
14. एएडीएआर-डिमेंशिया साइंस प्रोग्राम (डीएसपी), एनबीआरसी, आईएनसीएलईएन और प्रमुख संस्थान
15. एडोलेसेंट्स रेसिलिएंस एंड ट्रीटमेंट नीड्स फॉर मेंटल हेल्थ इन इंडियन स्लम्स (आर्टेमिस), जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली
16. मस्तिष्क में गंभीर मानसिक चोट के बाद पेरिफेरल ब्लड एवं मष्तिष्क में अल्टर्ड माइक्रोआरएनए एक्सप्रेशन, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी
17. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में फेशियल फ्रैक्चर्स के लिए 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी असिस्टेड सर्जरी बनाम परंपरागत सर्जरी से उपचार किये गये रोगियों के सर्जिकल परिणाम एवं वित्तीय बोझ के मूल्यांकन हेतु खोजपूर्ण अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली, ट्रॉमा सर्जरी, जेपीएनएटीसी
18. सीआईएमआर में कम-से-कम 3 महीने के लिए टाइप 2 डीएम वाले लोगों में 2 या अधिक ओरल एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक ड्रग्स के आधे मैक्सिमल डोज के साथ **HbA1C** पर जीवनशैली में परिवर्तन की विभिन्न मोडलिटीज के प्रभाव के आकलन हेतु ओपन-लेबल 3 आर्म आरसीटी, सीआईएमआर
19. श्रवण-बाधित लोगों के लिए ईईजी आंकड़े का विश्लेषण, डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
20. टाइप1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूराएनाटोमिकल और न्यूरोफैक्शनल असामान्यताओं का आकलन, अंत:स्राविकी
21. काउंसलिंग के लिए आईआरसीएच आनुवांशिक क्लिनिक पर आने वाले संदिग्ध पारिवारिक कैंसर के रोगियों के बीच संकट, चिंता और अवसाद के लक्षणों का आकलन, और उन पर आनुवांशिक परामर्श के प्रभाव का विश्लेषण करनाः एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच
22. फटे होंठ और तालु वाले बच्चों और किशोरों के बीच भावनात्मक और व्यवहारिक समस्याओं और जीवन की गुणवत्ता का आकलन, दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र

23. कीमोथेरेपी कराने वाले कैंसर रोगियों के लैंगिक स्वास्थ्य और यौन स्वास्थ्य एवं अंतरंगता के बारे में जानकारी व उनकी प्रवृत्ति का आकलन। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच
24. डायबिटीज मेलिटस के साथ सामान्य मानसिक विकार का संबंध - उत्तर भारत में एक समुदाय आधारित केस-कंट्रोल स्टडी, सामुदायिक चिकित्सा
25. एंटीएपिलेप्टिक ड्रग मोनोथेरेपी करा रहे एपिलेप्सी के शिकार लोगों में सामाजिक अनुभूति एवं व्यवहारजन्य विकार का संबंध, भेषजगुण विज्ञान
26. उत्तर भारत के ग्रामीण बल्लभगढ़ में वयस्कों (> 30 वर्ष) के बीच दीर्घकालीन मल्टीमोर्बिडिटी के बोझ और संबद्ध कारक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
27. स्ट्रोक रिकवरी में तंत्रिका सहायक तकनीक में सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड एक्सेलेंस (केयर). आईआईटी, नई दिल्ली
28. भारत में क्लिफ्ट लिप और पैलेट एनॉमली; नैदानिक प्रोफाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः एक अस्पताल-आधारित अध्ययन, मुख्य चरण, दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र
29. डिप्रेशन के रोगियों के संज्ञानात्मक कार्यों का एफएमआरआई और एफएनआईआरएस का उपयोग करके कोर्टिकल एक्टिवेशन का तुलनात्मक अध्ययन, एनएमआर
30. स्तन कैंसर के रोगियों में "मल्टीजीन वंशानुगत पैनल परीक्षण" प्रोफाइल की तुलना करना जो आनुवंशिक परीक्षण के एनसीसीएन 2018 के मानदंड के योग्य हैं या नहीं : उत्तर भारतीय जनसंख्या में एक संभावित अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
31. तनाव से ग्रसित रोगियों के न्यूरोडिजेनरेशन पर एंटीडिप्रेजेंट के प्रभाव की तुलना, भेषजगुण विज्ञान विभाग
32. पीसीओएस और नॉन-पीसीओएस इनफर्टाइल महिलाओं के बीच मार्कर ऑफ साइकोलॉजिकल मॉर्बिडिटी (परसिव्ड तनाव, अवसाद एवं चिंता) के रूप में इंसुलिन रेजिस्टेंस का क्वालिटी ऑफ लाइफ (क्यूओएल) से तुलना - केस कंट्रोल स्टडी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग
33. कम्पैरिजन ऑफ आउटकम्स इन पोस्ट कोचलियर इम्प्लांटेशन चिल्ड्रन विद एंड विदाउट कंजेनिटल इनर इयर मैलफोर्मेशन, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान
34. आईसीडी-11 के लिए बौद्धिक और अनुकूली व्यवहार कार्य के प्रस्तावित व्यवहार संकेतकों के अनुरूप सत्यापन, ओटावा विश्वविद्यालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैण्ड
35. जेरिएट्रिक हिप फ्रैक्चर में प्रीऑपरेटिव सीएसएफ मेलाटोनिन स्तर और पोस्ट-ऑपरेटिव डेलीरियम के बीच सहसंबंध, ऑर्थोपेडिक्स
36. आराम के दौरान कॉर्टिकल स्रोतों और मस्तिष्क आयरन का सहसंबंध, अटेन्शन डेफिसिट हाइपर एक्टिव डिसऑर्डर में विजुओस्पाटियल कार्यशील स्मृति, शरीर क्रिया विज्ञान
37. चिकित्सकीय रूप से अस्पष्ट शारीरिक लक्षणों वाले रोगियों के उपचार में प्रभावकारिता का विकास और व्यापक उपचार मॉड्यूल की स्वीकार्यता का मूल्यांकन, काय चिकित्सा
38. कंप्रिहेंसिव साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी का विकास एवं मान्यता, न्याय विज्ञान एवं विषविज्ञान

39. अच्छी तरह से नियंत्रित नॉनलेजनल मिर्गी से पीड़ित बच्चों और किशोरों में डीटीआई, एफएमआरआई और क्यूईईजी अनुभूति और व्यवहार का सहसंबंधः एक अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान
40. ईईजी कॉर्टिकल सोर्सेज और अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में क्रियात्मक स्मृति एवं भाषा प्रसंस्करण की कनेक्टिविटी, शरीर क्रिया विज्ञान
41. डिप्रेशन के रोगियों में न्यूरोडिजेनरेशन और न्यूरोप्लास्टिसिटी पर एंटीड्रिपेसेंट्स का प्रभा, भेषजगुण विज्ञान विभाग
42. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजरने वाले रोगियों में एआरटी के परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभावः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
43. ग्लूकोमा रोगियों में ओसीटी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए ऑप्टिक डिस्क परफ्यूजन पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी (एमबीएसआर) का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
44. स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन स्कोर और परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की गुणवत्ता पर पैरावर्टिब्रल संवेदनाहरण विज्ञान विभाग का प्रभाव, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
45. दिल्ली के टर्शियरी केयर हॉस्पिटल में चुनिंदा नर्सिंग स्टाफ के तनाव और प्रोफेशनल क्वालिटी ऑफ लाईफ पर संरचनात्मक योग कार्यक्रम पर प्रभाव - स्मॉल स्केल फेज-II ट्रायल, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र
46. दिल्ली के तृतीयक उपचार अस्पताल में चयनित नर्सिंग स्टाफ में व्यवसायिक जीवन गुणवत्ता तथा संरचित योग कार्यक्रम का प्रभावः एक छोटे पैमाने का फेज-2 परीक्षण, सीआईएमआर
47. टी2डीएम और अवसाद वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभावः द्विबाहु समांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंतःस्राविकी
48. टी2डीएम वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभावः द्विबाहु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीआईएमआर
49. आईसीयू नर्सेज के तनाव व मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव: आरसीटी, सीआईएमआर
50. लैप्रोस्कोपिक इनसिजनल हर्नियर रिपेयर में क्यूओएल पर योग उपचार का प्रभाव, शल्य चिकित्सा विभाग
51. लैप्रोस्कोपिक असंगत हर्निया और उदर हर्निया की मरम्मत के दौर से गुजर रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर योग चिकित्सा का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग
52. अनुभूति पर पर्यावरण और व्यावसायिक शोर का प्रभाव, एनएमआर विभाग
53. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन घटाने के लिए एक परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता, बाल चिकित्सा, आयुष

54. दर्द से पीड़ित चिकित्सकीय रूप से अस्पष्ट शारीरिक लक्षण (एमयूपीएस) वाले रोगियों के जीवन की गुणवत्ता और लक्षणों की गंभीरता पर योग का प्रभाव, कायचिकित्सा
55. मल्टी-मॉडल एमआरआई का उपयोग करके प्रारंभिक-ऑनसेट सिज़ोफ्रेनिया (ईओएस) में संज्ञानात्मक हानि के साथ जुड़े मस्तिष्क व्यवहार संबंध का मूल्यांकन, एनएमआर
56. पोलीसिस्टिक अण्डाशय सिंड्रोम (पी.सी.ओ.एस.) वाली भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय पद्धतियों के परिणाम की व्यापकता, क्षेत्रीय फीनोटाइपिक भिन्नता, सहरूग्णता, जोखिम कारकों का मूल्यांकन तथा भिन्नता, भारत में सर्वत्र एक बहु केंद्रीय अध्ययन, अंत:स्राविकी
57. कॉर्नियल रिफ्रैक्टिव सर्जरी में अवशिष्ट रिफ्रेक्टिव त्रुटि के कारण जोखिम कारकों का मूल्यांकन, राजेन्द्र प्रसाद केंद्र
58. सेंट्रल सीरियस कोरियोरेटिनोपैथी में फ्लुएंस फोटोडायनामिक थेरेपी को कम करने के लिए एक सहायक के रूप में खाने की दवा इप्लेरेनोन की भूमिका का मूल्यांकन: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नेत्र विज्ञान
59. फिजिबिलिटी ऑफ इंट्रोड्यूसिंग स्ट्रक्चर्ड योगा प्रोग्राम एंड इट्स इफेक्ट ऑन स्ट्रेस एंड पर्सिव्ड वेल बीइंग ऑन न्यू मेडिकल अंडर-ग्रेजुएट स्टुडेंट्स ऑफ एम्स, नई दिल्ली, सीसीएम
60. एम्स, नई दिल्ली के स्नातक-पूर्व नर्सिंग छात्रों के प्रथम और द्वितीय वर्ष के तनाव और मनोवैज्ञानिक कल्याण पर योग और इसके प्रभाव का परिचय देने की व्यवहार्यता, सीआईएमआर
61. मानसिक बीमारी पर व्यय का फाइनेंस- एक मामले का अध्ययन, इग्नू, दिल्ली
62. भारतीय जनसंख्या में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन्स की आनुवंशिक संगति, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान
63. अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में एंटीडिप्रजेंट प्रतिक्रिया के साथ मोनोएमिनेर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन संबंधी पॉलीमॉर्फिज्म और उनके सहयोग की आनुवंशिक अभिव्यक्ति, भेषजगुण विज्ञान विभाग
64. बचपन के ठोस घातक ट्यूमर के उबरे लोगों में मनो-सामाजिक और दैहिक विकारों की घटना और गंभीरता। बाल अर्बुद विज्ञान
65. संस्थान द्वारा वित्त पोषित भारत में मिर्गी वाले व्यक्तियों में स्टिग्मा के लिए उपचार, सीआईएमआर
66. लैप्रोस्कोपिक या इंडोस्कोपिक विधि द्वारा आंतरिक जल निकासी के बाद अग्नाशयशोथ, द्रव संग्रह और कार्यात्मक परिणामों की पुनरावृत्ति के मामले में अग्न्याशय के नेक्रोसिस / स्यूडोसिस्ट के साथ रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम, शल्य चिकित्सा
67. पार्किंसंस रोगी के दिमाग में कार्यात्मक और जैव रासायनिक सहसंबंधी हल्के संज्ञानात्मक प्रभाव, एनएमआर
68. शहरी मलिन बस्तियों में रहने वाले पुराने किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य जोखिम कारकः जीवटता वृद्धि हेतु उपचार (अनुमति), जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ

69. ईएमएफ विकिरण के बाद रूपात्मक, कार्यात्मक, जैव रासायनिक और व्यवहारिक मूल्यांकन, एनएमआर
70. ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर और इसकी वॉशिंग सबटाइप के तंत्रिका सहसंबंधः एक क्रॉस-सेक्शनल एफएमआरआई अध्ययन, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद
71. सिजोफ्रेनिया के साथ रोगियों के लिए तंत्रिका संबंधी पुनर्वास मॉड्यूल, न्यूरोसाइकोलॉजी, हृद् तंत्रिका केन्द्र
72. निर्णय लेने के न्यूरोसाइकोलॉजिकल आधार: मेडियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में संज्ञानात्मक कार्य का परीक्षण, न्यूरोलॉजी और मनोविज्ञान विभाग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
73. कम संसाधन व्यवस्था में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों में आहार और इंसुलिन का अनुकूलन, पीडियाट्रिक्स
74. कैंसर के रोगियों में व्यापक चिंता, अवसाद और संकट को प्रभावित करने वाले प्रसार और कारकः एक संभावित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान विभाग और पेलिएटिव मेडिसिन, आईआरसीएच
75. समय से पूर्व जन्मे शिशुओं की माताओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं (चिंता, अवसाद और तनाव) की व्यापकता - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
76. बुजुर्गों में ऑपरेशन के बाद संवेदना में कमी के मामले में इंट्राऑपरेटिव डेक्समेडेटोमिडाइन और लिग्नोकेन उपचार के प्रभावों की तुलना करने वाले संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
77. एचआईवी/टीबी सह-संक्रमण में मनोचिकित्सा रुग्णता, काय चिकित्सा और सूक्ष्म जैव विज्ञान
78. क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रोस्टेट्स - एक एन्डोफेनोटाइपिक मार्कर, शरीर क्रिया विज्ञान
79. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर में सेंटीनेल नोड बायोप्सी के साथ बीसीएस और मास्टेक्टॉमी के बाद जीवन की गुणवत्ता, शल्य चिकित्सा विभाग
80. जायगोमैटिको-ओटोसो मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स फ्रैक्चर में सीएडी मॉडल्स द्वारा निर्देशित 3डी प्रिंटेड हाइड्रॉक्सीअपटाइट स्कैफोल्ड पर इस्तेमाल किए गए एडिपोज ऊतकों का उपयोग करते हुए निकाले गए मेसेंकोइमल स्टेम सेल द्वारा पोस्ट-ट्रॉमेटिक फेशियल डिफेक्ट्स की मरम्मत, ट्रॉमा सर्जरी
81. चुनिंदा नैदानिक विकार में वैलेंस और निर्णय लेने की प्रक्रिया में फ्रंटल एसिम्मेट्री की भूमिका, मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
82. प्रीस्कूल बच्चों में बचपन की यक्ष्मा एवं अभिभावकों के दबाव की गंभीरता और पैटर्न तथा व्यवहार के विभिन्न पहलुओं के साथ इसका संबंध, अस्पताल-आधारित अध्ययन। दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र

83. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) में रेस्ट एंड विज़ुओस्पेशल वर्किंग मेमोरी के दौरान ईईजी और मस्तिष्क आयरन के स्तर के कॉर्टिकल स्रोतों का अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
84. आणविक और पेरिफेरल ब्लड बायोमार्कर का अध्ययन और हल्के और मध्यम दर्दनाक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) प्रेरित संज्ञानात्मक हानि का निदान करने में उनकी उपयोगिता, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
85. वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी एलायंस फैलोशिप के लिए व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली
86. एक वर्ष से भी अधिक समय पहले कीनोटिक कंजेनिटल हार्ट डिजीज (सीसीएचडी) का इलाज किए गए किशोरों और वयस्क रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता और मनोदैहिक मापदंडों पर योग की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कार्डियोलॉजी
87. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में उन्नत नॉन-स्मॉल सेल फेफड़ों के कैंसर में इंटीग्रेटेड सिस्टमैटिक पैलिऐटिव केयर (आईएसपीसी) बनाम मानक ऑन्कोलॉजी देखभालः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण अर्बुद विज्ञान एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग, आईआरसीएच
88. फैमिली विटालिगो इंपैक्ट स्केल के साइकोमेट्रिक गुण: विटिलिगो वाले रोगियों के परिवार के सदस्यों के लिए जीवन स्तर की गुणवत्ता का एक पैमाना, त्वचाविज्ञान
89. कोक्लियर इम्प्लांटेशन से कम से कम 3 साल के बाद, प्रारंभिक गहन सेंसिरिनुरल हियरिंग लॉस रोगियों में अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी के पास क्रियाशील पाए गए श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि के साथ विभिन्न कर्णावत आरोपण परिणाम स्कोर की तुलना करना, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान विभाग
90. प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स इंट्राऑपरेटिवली तथा सेवोफ्लुरेन से प्रेरित एवं अनुरक्षित बच्चों (2-5 वर्ष) में पोस्टऑपरेटिव एमेर्जेन्स डेलीरियम के मामले में कम सेरेब्रेल रक्त प्रवाह के मध्य संबंध को सुनिश्चित करना : एक एफएनआईआरएस आधारित अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
91. मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा (पीएफए) मॉडल की एक प्रौद्योगिकी संचालित विधि विकसित करना। मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन (भारत)
92. बाल अर्बुदविज्ञान के रोगियों के लिए एक ओरल हेल्थ टूलकिट (ओएचटीपीओपी) विकसित करना और बेहतर मौखिक स्वास्थ्य स्थिति और कम मौखिक जटिलताओं बनाम देखभाल के मानक के लिए इसकी प्रभावशीलता की तुलना करना, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
93. पोस्ट ट्रॉमेटिक फेशियल डिसफिगरेशन वाले रोगियों में संरचनात्मक वसा ग्राफ्टिंग के साथ नरम ऊतक पुनर्निर्माण और वृद्धि के परिणामों का मूल्यांकन करना, ट्रॉमा सर्जरी, जेपीएनएटीसी
94. मिर्गी के रोगियों में हल्के और मध्यम अवसाद में अवसादरोधी दवाओं के प्रभावों का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान

95. लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर में चेस्ट ट्रॉमा के रोगियों में फुफ्फुसीय क्रियाओं, प्रतिरोधी प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी, जेपीएनएटीसी
96. मनोरोगों के प्रसार और जोखिम कारकों का अध्ययन करने के लिए और बाल चिकित्सा में गंभीर समस्याओं लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उत्तरजीवी, बाल चिकित्सा विभाग
97. पार्श्व संज्ञानात्मक एवं सांस-ध्यान के प्रभावों और सामान्यीकृत चिंता विकार (जीएडी) रोगियों में भावात्मक प्रसंस्करण का परीक्षण, शरीर क्रिया विज्ञान और मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
98. हल्के और मध्यम अभिघातज मस्तिष्क चोट (टीबीआई) प्रेरित न्यूरोसाइकोलॉजिकल इम्प्रूवमेंट, लेबोरेटरी मेडिसिन की उन्नत पहचान के लिए नवीन चिकित्सकीय सुलभ बायोलॉजिकल सूचकों का स्थानांतरणीय प्रयोग, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी
99. क्रोनिक अनिद्रा विकार वाले विषयों में शिरोधारा (आयुर्वेदिक तेल छोड़ने वाले उपचार) की प्रभावकारिता की जांच के लिए ट्रायल पर द्विभुज समानांतर ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीआईएमआर

पूर्ण

1. सिज़ोफ्रेनिया, ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर तथा ऑब्सेसिव कंपल्सिव लक्षणों वाले सिजोफ्रेनिया में एच1 एमआरएस पर न्यूरोकेमिकल परिवर्तन का एक तुलनात्मक अध्ययन, एनएमआर
2. लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफरेक्टोमी बनाम ओपन डोनर नेफरेक्टोमी के बाद परिणामों और जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने वाला एक संभावित अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग
3. दिल्ली- एनसीआर में एकल अभिभावकीय अनुभव रखने वाली महिलाओं में अभिभावकीय तनाव व मानसिक स्वास्थ्य के आकलन पर अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
4. घर में आक्रामक रोगियों को नियंत्रित करने के ज्ञान पर सुरक्षा प्रदत प्रशिक्षण कार्यक्रम की सार्थकता के आकलन सम्बन्धी अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
5. खुले जाल हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक पूरी तरह से एक्सट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एब्डॉमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) ग्रोइन हर्निया, की मरम्मत के बाद यौन क्रियाओं की तुलना करने के लिए एक त्रिभुजीय का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
6. जिला फरीदाबाद, हरियाणा में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन-एक मिश्रित विधि अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा
7. माता-पिता संबंधी विकास के पैटर्न और उनके बच्चों में पुरानी बीमारी के जोखिम के बीच संबंध- नई दिल्ली बर्थ कोहोर्ट में एक अंतर-सरकारी अध्ययन, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
8. केंद्रीय सीरस कोरियोरेटिनोपैथी और ध्यानः कार्यात्मक और रूपात्मक परिणाम अध्ययन, नेत्ररोग विज्ञान
9. भारत में अवसाद और मधुमेह के लिए सहयोगात्मक देखभाल, अंत:स्राविकी

10. दिल्ली के एक शहरी क्षेत्र में किशोरों के बीच सामान्य मानसिक विकार और संबंधित मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
11. सहवर्ती पित्त की पथरी और सामान्य पित्त नली की पथरी के रोगियों के एकल चरण बनाम द्विचरण उपचार के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलनाः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग
12. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों में अवसादग्रस्तता विकारः एक समुदाय आधारित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
13. हल्के और मध्यम अवसादग्रस्त व्यक्तियों पर मानक उपचार की तुलना में योग और ध्यान और जीवन शैली संशोधन के 30 मिनट का प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन (भारत)
14. मल्टी-सोमैटोफॉर्म विकार के रोगियों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक तनाव का प्रभावः एक एफएमआरआई आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद
15. नींद और तंत्रिका संबंधी कार्यों पर मोबाइल फोन के उपयोग के कारण ईएमएफ विकिरण का प्रभावः एक आणविक अध्ययन, कायचिकित्सा
16. निचले अंगों के विच्छेदन में संतुलन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार में वर्चुअल रियलिटी थेरेपी (वीआरटी) का प्रभाव, ट्रॉमा केन्द्र
17. पेडिएट्रिक स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में शल्य क्रिया के बाद की उल्टी पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंड परीक्षण, आरपीसी, संवेदनाहरण विज्ञान
18. अवसाद के रोगियों में सेलुलर एजिंग के बायोमार्कर पर योग आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप के प्रभाव, लेबोरेटरी फॉर मोलेकुलर रीप्रोडक्शन एंड जेनेटिक्स
19. डायबिटीज मेलिटस टाइप 2 वाले वयस्क रोगियों में खाने के विकारों और उनका चयापचय मापदंडों और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर प्रभाव का मूल्यांकन, अंत:स्राविकी
20. दिल्ली विश्वविद्यालय के सार्वजनिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के भोजन ग्रहण और आहार की गुणवत्ता पर व्यवहार और स्वभाव का प्रभाव, दिल्ली विश्वविद्यालय
21. द्विध्रुवी विकार के परिणाम और दीर्घकालिक पाठ्यक्रम हेतु आईपीएस बहु-केंद्रित अध्ययन, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
22. नई दिल्ली बर्थ कोहोर्ट - फेफड़े के कार्य पर प्रारंभिक जीवन के विकास प्रतिरूपों का आकलन करने के लिए अनुवर्ती अध्ययन, एक पारिवारिक कोहोर्ट में कार्डियो चयापचय जोखिम कारक और मानसिक स्वास्थ्य, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
23. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में गर्भवती महिलाओं के बीच सामान्य मानसिक विकारों की रोकथाम, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
24. आघात के बाद पैर के विच्छेदन के दौर से गुजर रहे रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राथमिक समाप्ति एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, ट्रामा सर्जरी

25. वृद्ध वयस्कों में पोस्टओपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की घटना का मूल्यांकन करने वाले संभावित पायलट अध्ययन में आइसोफ्लुरेन और डेस्फ्लुरेन की तुलना करना, संवेदनाहरण विज्ञान
26. मेश निर्धारण की विभिन्न तकनीकों और वेंट्रल हर्निया के साथ चीरों की लेप्रोस्कोपिक मरम्मत के बाद दीर्घ कालीन परिणाम, पुराने दर्द और जीवन की गुणवत्ता की तुलना में संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, एक पायलट अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
27. गाल स्टोन रोग के रोगियों में एकल चीरा लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के साथ स्टैंडर्ड फोर पोर्ट लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के परिणाम की तुलना करने के लिए संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
28. प्रतिकूल गर्भावस्था प्रभाव के संभाव्यता सूचक के रूप में मनोसामाजिक तनाव एवं लिपिड प्रोफाइल, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
29. रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (11वें संशोधन) पर गुणात्मक अध्ययन अन्वेषण दृष्टिकोण; भारत में मानसिक स्वास्थ्य निदान में सुधार के लिए सजीव अनुभव का उपयोग करना। विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड
30. अतिप्रियता व्यवहार के रैट मॉडल पर क्लॉक जीन का अध्ययन, तंत्रिका रसायन विज्ञान
31. कोक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद श्रवण गहन सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस रोगियों में ऑडिटरी कॉर्टेक्स एक्टिवेशन के साथ इन्फ्रा-रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी माप के पास कार्यात्मक सहसंबंधी बनाना, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान विभाग
32. ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती होने वाले पॉलीट्रॉमा रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी
33. स्तर 1, ट्रामा सेंटर में श्रोणि फ्रैक्चर वाले रोगियों में उपचार, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन, ट्रामा सर्जरी
34. स्वास्थ्य, नींद और संज्ञानात्मक कार्यों पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन, कायचिकित्सा
35. पल्मोनरी फंक्शंस पर योग के प्रभाव, श्वसन की मांसपेशियों की शक्ति और सहनशीलता, पसलियों में गतिशीलता, सूजन के लक्षण और कुंद छाती के आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और उनके स्तर पर थोरैसिक ट्रैकर सेफ्टी स्कोर के साथ सहसंबंध, ट्रॉमा सर्जरी
36. विभिन्न जैविक नमूनों में शराब और विभिन्न दवाओं के विषैले विश्लेषण और वितरण पैटर्न और आत्मघाती मौतों में उनके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव, न्याय चिकित्सा
37. दर्दनाक चोट के बाद न्यूरो-संज्ञानात्मक हानि के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए एक मार्कर के रूप में नवीन प्लेटलेट्स पर उपयोगिता, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी

रोगी उपचार

- **विशेष क्लीनिक**

  साइकोसोमैटिक क्लिनिकः सप्ताह में एक बार

  सामान्य मानसिक विकार क्लिनिकः सप्ताह में एक बार

बाल और किशोर मनोचिकित्सा विशेषज्ञ सेवाएं

गंभीर मानसिक विकार क्लिनिकः सप्ताह में एक बार

गुरुवार को ब्रेन स्टिमुलेशन / टीएमएस क्लिनिकः सप्ताह में एक बार

मंगलवार को सी एन सेंटर में न्यूरोसाइकिएट्री ओपीडी। सप्ताह में एक बार

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मनोचिकित्सा सेवाएं

दोहरे निदान क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

परामर्श संपर्क सेवाएं

- **कोविड -19 सेवाएँ**

  वर्तमान कोविड 19 महामारी के मद्देनजर, मनोचिकित्सा विभाग ने निम्नलिखित गतिविधियां की हैं:

  - महामारी से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य शैक्षिक सामग्री का विकास किया गया। सार्वजनिक तौर पर, "2019-नोवल कोरोनावायरस प्रकोप के दौरान तनाव से निपटने" और "डबल्यूएचओ द्वारा 2019-नोवल कोरोनावायरस प्रकोप के दौरान तनाव से जूझ रहे बच्चों की मदद" के पोस्टर को डब्ल्यूएचओ से उचित अनुमति लेने के बाद (हिंदी, पंजाबी, गुजराती, मराठी, बंगाली, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, मलयालम, ओडिया और मणिपुरी) विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुदित किया गया।
  - हमारे अस्पताल में सामान्य तनाव के विषय में निर्देश देते हुए कि उनमें तनाव की पहचान कैसे करें और इसके साथ कैसे सामना करें विषय पर स्वास्थ्य सेवा श्रमिकों के लिए निर्देशों का विकास। तनाव प्रबंधन की मूल बातों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। हमने इस विषय पर छोटी वीडियो क्लिप भी तैयार की और इन्हें सोशल मीडिया और संस्थान की वेबसाइट पर डाला गया। इन-हाउस कर्मचारियों के लिए एक टेली हेल्पलाइन भी बनाई गई।
  - क्वारंटाइन में व्यक्तियों के लिए अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में निर्देशों का विकास या संबंधित साहित्य से संसाधन सामग्री का उपयोग करके आइसोलेशन (अलगाव) में रखा गया, इसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया।
  - चिकित्सकों और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए मार्गदर्शन लेख तैयार किया गया।
  - पहले से ही 28 मार्च 2020 को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए टेलीकन्सल्टेशन सुविधा एम्स साइकाइट्रिक (मनोचिकित्सा) फॉलोअप के तहत स्थापित की गई थीं क्योंकि 24 मार्च 2020 को आउट पेशेंट सेवाओं को बंद कर दिया गया था। हमने टेली परामर्श के लिए 3 फोन लगाए हैं। उन सभी रोगियों को जिन्होंने अपॉइंटमेंट ले ली है, उन्हें मनोचिकित्सक द्वारा अपने वर्तमान मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति की पुष्टि करने और एक नए उपचार की आवश्यकता के लिए बुलाया जाता है। किसी भी संशोधन की आवश्यकता वाले रोगियों में, रोगी को पुराने प्रिस्क्रिप्शन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजने के लिए कहा जाता है और एक नया प्रिस्क्रिप्शन

जारी किया जाता है और इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजा जाता है। मार्च 2020 तक 238 रोगियों को सेवाएं दी गईं।

- **विभाग में सुविधाएं (विशेष प्रयोगशालाएँ)**
  - ब्रेन मैपिंग लैब सुविधा का उन्नयन - मौजूदा स्थिर एफएनआईआरएस (fNIRS) और क्यूईईजी (QEEG) सिस्टम में मस्तिष्क मानचित्रण के लिए एक अत्याधुनिक सुविधा के विकास के लिए वायरलेस एफएनआईआरएस (**fNIRS**) सिस्टम जोड़ा गया
  - एमईसीटी सुविधा का उन्नयन - ईसीटी के कार्य पद्धति में बेहतर डेटा संग्रह/डिजिटलीकरण; कम्प्यूटरीकृत संज्ञानात्मक परीक्षण संकलित; ईसीटी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए केटामाइन उपयोग की अतिरिक्त उपयोगिता
  - केटामाइन क्लिनिक का प्रारंभ - आत्मघाती रोगियों और उपचार प्रतिरोधी अवसादग्रस्त व्यक्तियों में उपयोग के लिए एंटी-डिप्रेसिव एजेंट के रूप में केटामाइन की उपयोगिता का प्रारंभ
  - आरंभिक उच्च परिभाषा ट्रांसक्रानियल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन - एक न्यूरोमॉड्यूलेशन सुविधा के रूप में एचडी-टीडीसीएस (HD-tDCS) और टीएसीएस एंड टीआरएनएस (tACS & tRNS) सुविधा शुरू की गई
  - कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से इलेक्ट्रोएन्सेफालोग्राफी का एडवांस्ड सिग्नल एनालाइजिस (उन्नत संकेत विश्लेषण)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राकेश कुमार चड्डा ने सोशल साइकाइट्री: एसेन्स ऑफ साइकाइट्री- केईएम अस्पताल, 20 नवंबर 2019 को वीएन बगडिया भाषण दिया; निर्वाचित महासचिव, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकाइट्री (2019-2022); आयोजक चेयरपर्सन इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन का 21वां नूतन सम्मेलन, 13-16 नवंबर 2019; अवार्ड्स कमेटी, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकाइट्री, इंडियन साइकैट्रिक सोसाइटी ऑन साइकोथेरेपी की अध्यक्षता; बीजे साइक इंटरनेशनल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; एम्स, जोधपुर; केजीएमयू, लखनऊ; यूएचएस के चयन समिति रोहतक के सदस्य हैं।

प्रोफेसर प्रताप शरण एम्स में छात्र कल्याण प्रभारी अधिकारी हैं; आईसीडी-11 मानसिक, व्यवहार और न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों (2018 - बाद) के लिए प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य; इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकाइट्री (आईएएसपी, 2018-2020) के उपाध्यक्ष; इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकाइट्री (आईएएसपी, 2018-2020) के उपाध्यक्ष; मानसिक स्वास्थ्य पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी के उपाध्यक्ष; इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (2017-2021) के लिए स्नातक मनोचिकित्सा शिक्षा उपसमिति के सह अध्यक्ष; ईटिंग डिसऑर्डर के जर्नल के वरिष्ठ संपादक; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के एसोसिएट संपादक; निम्नलिखित पत्रिकाओं के

संपादकीय बोर्ड के सदस्य रहे : इंडियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकाइट्री, जर्नल ऑफ़ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ, और जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर। वे इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकाइट्री के ऑम्बड्समैन भी हैं; मानक उपचार वर्कफ़्लो के विकास के लिए आईसीएमआर-डीएचआर की सलाहकार समिति के सदस्य; एम्स में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार के लिए समिति के मुख्य समन्वयक; एम्स प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी (क्लीनिकल साइंसेज) और एम्स एथिक्स कमेटी के सदस्य; जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, भारत के अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य; लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के रेजिलिएंट फ्यूचर्स इंडिया इनिशिएटिव के लिए रिसोर्स पर्सन; भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य फाउंडेशन के मानसिक स्वास्थ्य क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ; वर्ष 2020-2030 के दक्षिण एशिया में प्रवासन एवं स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकताओं और एजेंडा सेटिंग के लिए नेशनल स्टीयरिंग कमेटी (राष्ट्रीय संचालन समिति) (भारत) के विशेषज्ञ सदस्य; एम्स के "एंड ऑफ लाइफ केयर पॉलिसी" समिति के विशेषज्ञ सदस्य; जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी की चयन समिति के सदस्य; पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक एवं कल्पना चावला सरकारी मेडिकल कॉलेज, करनाल; और विभिन्न एम्स; नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च, यूके, मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूके, वेलकम ट्रस्ट, यूके और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के समीक्षक; चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम विकास पर जॉन्स हॉपकिंस ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया; निम्नलिखित पत्रिकाओं के पीयर (श्रेष्ठ) समीक्षक: प्लोस वन, बीएमजे ओपन, साइकोलॉजिकल मेडिसिन, साइकाइट्री रिसर्च, बीएमसी साइकाइट्री, बीएमसी साइकोलॉजी, एपिडेमियोलॉजी एंड साइकियाट्रिक साइंसेज, जर्नल ऑफ इफेक्टिव डिसऑर्डर, वर्ल्ड सोशल साइकाइट्री, एशियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकाइट्री, सीएनएस विकार के प्राथमिक उपचार सहयोगी हैं।

प्रोफेसर राजेश सागर ने चंडीगढ़ में दिनांक 9 नवंबर 2019 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एंड अडोलेन्स मेंटल हेल्थ (आईएसीएएमसीओएन-19), के 15वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पीपीए ओरेशन पुरस्कार (अवार्ड) प्राप्त किया; दिनांक 26 फरवरी 2020 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 61वें कॉलेज वार्षिक दिवस और दीक्षांत समारोह पर, नैदानिक, अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार-2019 प्राप्त किया; भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय डीजीएचएस द्वारा नई दिल्ली के निर्माण भवन में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस (1 जुलाई 2019) के अवसर पर अभिनंदन पुरस्कार प्राप्त किया; दिनांक 21 दिसंबर 2019 को संविधान क्लब ऑफ इंडिया में ब्रेन बिहेवियर रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ''द पॉजिटिविटी अवार्ड''-2019 में मानसिक विकारों से पीड़ित लोगों को लम्बे समय तक हीलिंग टच उपचार प्रदान करने हेतु उत्कृष्ट और शानदार योगदान के लिए 'द हीलिंग अवार्ड' प्राप्त किया; एडिनबर्ग, एफआरसीपी (एडिन) 2019 के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन की फैलोशिप प्राप्त की; नवंबर 2019 में चंडीगढ़ में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ कांफ्रेंस के 15वें

द्विवार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत "बच्चों और किशोरों में एडीएचडी के साथ तंबाकू का उपयोग" प्रपत्र के लिए ल्यूक क्लैक यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त किया; जनवरी 2020 में कोलकाता में आयोजित भारतीय मनोचिकित्सा समाज के 72वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत पोस्टर "प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल एक्टिविटी विद एडीएचडी" के लिए प्रोफेसर एम मुरुगप्पन पुरस्कार प्राप्त किया; ब्रीफ साइकोथेरेपीज, आईएमएचएएनएस, कोझिकोड (2019) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया; इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट्स (एनएसीआईएसीपी), 2020, पंजाब यूनीवर्सिटी, चंडीगढ़ (2020) के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया; आईसीएमआर, पीएचएफआई, आईएचएमई (यूएसए) द्वारा आयोजित भारत राज्य स्तरीय के रोग के लिए मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ समूह के वैश्विक रोग बोझ (जीबीडी) भारत के अध्यक्ष रहे; मनोचिकित्सा विभाग, मेलबोर्न विश्वविद्यालय, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया द्वारा मानद प्रोफेसर रहे; केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (मेंटल हेल्थकेयर एक्ट, भारत सरकार के तहत नियामक निकाय) के सदस्य रहे; केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की आचार समिति के सदस्य रहे; मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2013 से लगातार मानद सलाहकार; भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी की जर्नल समिति, 2019 के सह-अध्यक्ष रहे; महिला स्वास्थ्य के लिए परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर, सीसीआरएच, डीबीटी के मानसिक स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ सदस्य; नेशनल कोऑर्डिनेशन सेंटर-फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के सिग्नल रिव्यू पैनल के विशेषज्ञ सदस्य हैं। भारतीय फार्माकोपोइया आयोग; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई-आईईसी) की संस्थागत आचार समिति के विशेषज्ञ सदस्य; दूरदर्शन, डीडी न्यूज, डीडी नेशनल, डीडी किसान, लोकसभा टीवी, राज्यसभा टीवी और रेडियो कार्यक्रम, एफएम इंद्रधनुष, आकाशवाणी में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित रहे हैं; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशन में मनोचिकित्सा बीमारी वाले रोगियों के पुनर्वास के बारे में राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों (यूटी) से जानकारी एकत्र करने के लिए प्रारूप के विकास में योगदान जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए विशेषज्ञ सदस्य और सलाहकार, मौजूदा जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम दिशानिर्देशों-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, दिनांक 10 मई 2019 को आयोजित बैठक के पुनरीक्षण के लिए समिति, 5 जुलाई 2019 को एनसीबीसी में बैठक के लिए नामित, सीएमएचए विनियमों को अंतिम रूप देने के लिए समूह के विशेषज्ञ सदस्य, 21 मार्च 2020 को मेंटल हेल्थकेयर अधिनियम-2017 के अनुसार आयोजित बैठक के सदस्य; दिनांक 24-26 फरवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली में, एम्स के न्यूरोसाइकिएटरी (स्कैन) सलाहकार समूह में डब्ल्यूएचओ के कार्यक्रम पर नैदानिक मूल्यांकन के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैठक के आयोजन को संचालित किया और मेजबानी की।

प्रोफेसर नंद कुमार को *14 मार्च 2020 से अब तक इंडियन साइकाइट्री सोसाइटी (आईपीएस) द्वारा शारीरिक उपचार-उप समिति* के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था; दिनांक 29 और 30 जनवरी 2020 को दिल्ली में टीआईडीई की स्क्रीनिंग समिति की बैठक (बुजुर्गों और विकलांगों का तकनीकी

हस्तक्षेप), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सदस्य; 12 से 14 दिसंबर 2019 को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), नई दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित "टीएमएस: ग्लोबल मेडिकल रेवोल्यूशन" पर चौथे राष्ट्रीय सीएमई के आयोजन सचिव; 10 अक्टूबर 2019 को मानसिक स्वास्थ्य फिस्टा के चेयरपर्सन के द्वारा गैर-लाभकारी पंजीकृत संगठन एमएचएफआई और मनोचिकित्सा विभाग एम्स, नई दिल्ली संयुक्त रूप से आयोजित किया गया ।

प्रोफेसर ममता सूद, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकाइट्री की महासचिव हैं; सामान्य अस्पताल सेटिंग्स में गंभीर मानसिक विकारों के लिए गृह-आधारित उपचार को मजबूत करना विषय पर राष्ट्रीय सीएमई के आयोजन सचिव रहे।

डॉ. कौशिक सिन्हा देब ने 2019 में प्राप्त किया: बाल्टिन अवार्ड - इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकाइट्री (एनसीआईएएसपी) का 26वां राष्ट्रीय सम्मेलन; 2020-2021: वेबसाइट समिति, भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी के अध्यक्ष रहे।

डॉ. रोहित वर्मा जर्नल के सहायक संपादक हैं - "एशियाई जर्नल ऑफ कॉग्निटिव न्यूरोलॉजी"; न्यूरोमोड्यूलेशन सोसाइटी (इंडिया) के महासचिव और संस्थापक सदस्य।

डॉ. बिचित्रा नंदा पात्रा को नवम्बर 2019 में चंडीगढ़, भारत में आयोजित 15वां द्विवार्षिक सम्मेलन भारतीय बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य सम्मेलन में प्रस्तुत "बच्चों और किशोरों में एडीएचडी के साथ तंबाकू का उपयोग" पेपर के लिए ल्यूक क्लैक यंग साइंटिस्ट अवार्ड मिला; डॉ वीके वर्मा को नवंबर - दिसंबर 2019 में भारत के भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकाइट्री के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "इनिशियल ट्रीटमेंट ड्रॉपआउट इन पेशेंट्स विद सब्सटांस यूज डिसऑडर्स अटेंडिंग ए टेरीटरी केयर डी-एडिक्शन सेंटर इन नार्थ इंडिया" पेपर के लिए पुरस्कार; प्रोफेसर एम मुरुगप्पन को जनवरी 2020 में कोलकाता में आयोजित भारतीय मनोचिकित्सा समाज के 72वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "एडीएचडी के साथ प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल एक्टिविटी" के पोस्टर के लिए सत्र-II पुरस्कार मिला।

डॉ. गगन हंस को एनएमआरआर विभाग, एम्स के सहयोग से परियोजना के लिए वर्ष 2019-2020 के लिए एम्स इंट्रामुरल प्रोजेक्ट अनुदान से सम्मानित किया गया; मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार और नैदानिक मामले की रिपोर्ट के जर्नल के लिए सहकर्मी समीक्षक रहे।

डॉ. रेणु शर्मा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए मेडिकल बोर्ड की सदस्य हैं।

डॉ. वंदना चौधरी को 25 से 30 अगस्त 2019 तक सिंगापुर में आयोजित हेल्मुट रम्सचिमद अनुसंधान संगोष्ठी (एचआरआरएस) 2019 आईएसीएपीएपी का आवासीय अनुसंधान प्रशिक्षण के लिए *"एशिया में बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य में अनुसंधान और सहयोग विकसित करना"* विषय पर चर्चा के लिए नामांकित किया गया।

9.35. पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनंत मोहन

आचार्य और निदेशक, एम्स

रणदीप गुलेरिया

सह-आचार्य

करण मदान	विजय हड्डा

सहायक आचार्य

पवन तिवारी	सौरभ मित्तल

वैज्ञानिक-I

स्नेह अरोड़ा	ए. सुरेंद्रनाथ

विशिष्टताएं

विभाग ने पुल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एवं निद्रा चिकित्सा "पुल्मोक्रिट 2020" पर एक वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में स्लीप मेडिसिन पर 2 दिन की एम्स-चेस्ट कार्यशाला और पुल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एवं निद्रा चिकित्सा पर 2 दिनों का अपडेट शामिल था। कार्यशाला के लिए 3 संकाय सदस्य उपस्थित रहे जो संयुक्त राज्य अमेरिका से आए थे और लगभग 30 भारतीय संकाय सदस्यों ने योगदान दिया और प्रतिभागियों को आमने-सामने व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। कोविड-19 संकट के बावजूद, हमारी कार्यशाला में पूरी उपस्थिति रही और इसमें 100 चिकित्सकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसी तरह, 2 दिनों के लंबे अपडेट के लिए पूरे देश और पड़ोसी देशों से भी 400 के करीब प्रतिभागी उपस्थित हुए।

शैक्षणिक सत्र के दौरान श्रीमती राजबीर कौर इंटरवेंशनल ब्रोंकोस्कोपी और पुल्मोनोलॉजी लेबोरेटरी के रूप में, एक "अत्याधुनिक" इंटरवेंशनल पुल्मोनोलॉजी सुइट का भी माननीय निदेशक द्वारा उद्घाटन किया गया और यह केन्द्र, 31 जुलाई 2019 से काम कर रहा है। यह सुइट पूरी तरह से उन्नत ब्रोंकोस्कोपिक सैंपलिंग तकनीकों (टीबीएएन, ईबीयूएस, रेडियल- ईबीयूएस, लंग प्वाइंट), पुल्मोनोलॉजी (वायुमार्ग स्टेंटिंग, डिबल्किंग) और मेडिकल थोरेसोस्कोपी उपचार-विधि से लैस है। किसी भी नैदानिक या चिकित्सीय प्रक्रिया को करने के लिए सुइट में संवेदनाहरण स्टेशन की सुविधा उपलब्ध है।

शिक्षा

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. **'एम्स पुल्मोक्रिट 2020:** 5 से 8 मार्च 2020 तक **पुल्मोनरी क्रिटिकल केयर में अपडेट और निद्रा चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।**
2. **आईएलडी के निदान का पता लगाना: एक बहु-विषयक एप्रोच(एम्स पुल्मोनोलॉजी पाठ्यक्रम 2019 (एपीसी))** सितंबर 2019, एम्स।

प्रदत्त व्याख्यान

अनंत मोहन: 26 **करण मदान: 17** **विजय हड्डा: 17**

सौरभ मित्तल/पवन तिवारी: 5

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर : 5

1. हड्डा वी, कुमार आर, मदान के, तिवारी पी, मित्तल एस, मोहन ए, इत्यादि। भारतीय आबादी में एएलके-पॉजिटिव और ईजीएफआर पॉजिटिव नॉन-स्मॉल सेल लंग एडेनोकार्सिनोमा वाले मरीजों की क्लिनिकल प्रोफाइल की तुलना। एटीएस 2019, 17-22 मई 2019, काय-बेली हचिसन कन्वेंशन सेंटर, डलास, यूएसए, टेक्सास, डलास।
2. हडडा वी, शाह टीएच, खिलनानी जीसी, मदान के, तिवारी पी, मित्तल एस, इत्यादि। सीओपीडी एक्ससेर्बेशन (एनएवीए-एनआईसीई) में सामान्य रूप से समायोजित वेंटीलेटरी असिस्ट (एनएवीए) बनाम नॉन-इनवेसिव प्रेशर सपोर्ट वेंटिलेशन (एनआईवी-पीएसवी): एक यादृच्छिक परीक्षण, एटीएस 2019, 17-22 मई 2019, काय-बेली हचिसन कन्वेंशन सेंटर, डलास, यूएसए, टेक्सास, डलास
3. हड्डा वी, डोड्डामणि एस, मदान के, मित्तल एस, तिवारी पी, मोहन ए, इत्यादि। इनऑपरेबिल फुप्फुसीय एस्परगिलोमा के लिए इंट्राब्रोनचियल वोरिकोनाज़ोल इंस्टीलेशन की प्रभावकारिता: रेंडमाइज्ड नियंत्रण परीक्षण, एपीएसआर 2019, 14-18 नवंबर 2019, नेशनल कन्वेंशन सेंटर, हनोई, वियतनाम, हनोई
4. मदान के, मित्तल एस, कुमार यू, गुलेरिया आर, मोहन ए, भल्ला एएस, इत्यादि। सिस्टेमिक स्कलेरोसिस में अंतरालीय फेफड़ा रोग के मूल्यांकन में ब्रोन्कोएलवियोलर लवेज द्रव साइटोकिन्स: एक अग्रदर्शी अध्ययन, ईआरएस इंटरनेशनल कांग्रेस, 29 सितंबर 2019, मैड्रिड, स्पेन
5. मित्तल एस. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के निदान के लिए प्रयोगशाला पॉलीसोमनोग्राफी में कलाई में पहनी जाने वाली पोस्टेबल डिवाइस (वॉचपैट) की तुलना, वैंकूवर, 19-27 सितंबर 2019, कनाडा

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक्स्ट्रा-पुल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस (लिम्फ नोड्स और फुप्फुस बहाव) से पीड़ित रोगियों में एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं के प्लाज्मा औषधि स्तर का निर्धारण और उपचार के परिणाम के साथ इसका संबंध, अनंत मोहन, आरएनटीसीपी (दिल्ली), 2 साल, 2019-2021, रुपए 2.72 लाख।
2. मोडरेटर सीवर्स सीओपीडी से पीड़ित रोगियों में अस्पताल आधारित संरचित फुप्फुसीय पुनर्वास कार्यक्रम के बाद क्लिनिकल परिणामों का व्यापक मूल्यांकन और क्षेत्र-स्तरीय कार्यान्वयन के लिए रणनीति, अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपए 38 लाख
3. ब्रोन्कियल अस्थमा (तमक श्वांस) के प्रबंधन में आयुर्वेदिक कोडेड औषधि "आयुष - ए" का यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, अनंत मोहन, आयुष मंत्रालय, 2020, रुपए 60.4 लाख
4. फेफड़े के कैंसर के प्रारंभिक निदान के लिए बायोमार्कर के रूप में उच्छश्वसन घनीभूत और ब्रोन्कियल ब्रशिंग में माइक्रोआरएनए, अनंत मोहन, डीबीटी, 3 साल, 2019-2022, 180 लाख रुपए
5. श्वसन रोगों में ब्रीथोमिक्स के विज्ञान का अनुप्रयोग, अनंत मोहन, आईसीएमआर-सीएआरई (सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस), 5 साल, 2019-2024 रुपए 500 लाख
6. ल्यूकोसाइट्स का लक्षण वर्णन और सेप्सिस से पीड़ित रोगियों में परिणाम का पूर्वानुमान, विजय हड्डा, एम्स, 3 साल, 2017-2020, 4.5 लाख रुपए
7. सेप्सिस से पीड़ित, गंभीर रूप से बीमार रोगियों में इम्यून सेल डिसफंक्शन और अस्पताल-अधिग्रहीत संक्रमण का जोखिम, विजय हड्डा, एसईआरबी, 3 साल, जुलाई 2018, 35.0 लाख रुपए
8. राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रोफाइल: 20 नगरों में बहु-स्थली अध्ययन, विजय हड्डा, एमईएफसीसी, 3 वर्ष, अगस्त 2019, रुपए 62.67 लाख
9. बायोडिग्रेडेबल एयरवे स्टेंट के डिजाइन और विकास, डॉ. करण मदान, एम्स-आईआईटी, 2 साल, 2019-2021, रुपए 5 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तृतीयक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र में फेफड़े के कैंसर के लिए विभिन्न हस्तक्षेपी पुल्मोनोलॉजी प्रक्रियाओं के नैदानिक परिणाम के पूर्वसूचकों का अध्ययन
2. तृतीयक देखभाल केंद्र में फेफड़े के कैंसर के रोगियों में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल और परिणामों का एक अवलोकन अध्ययन
3. अतिरिक्त पुल्मोनरी तपेदिक (लिम्फ नोड्स और फुप्फुस बहाव) से पीड़ित रोगियों में एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं के प्लाज्मा औषधि स्तर का निर्धारण और उपचार के परिणामों के साथ इसका संबंध

4. तृतीयक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र में फेफड़े के प्रत्यारोपण के लिए भेजे गए मरीजों का चयन मानदंड और नैदानिक एवं सामाजिक आर्थिक प्रोफ़ाइल

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ईजीएफआर के खिलाफ नैनोबॉडी-अवरोधकों का संरचना-आधारित डिजाइन: फेफड़े के कैंसर के लिए नवीन चिकित्सा विज्ञान विकसित करने के लिए एक प्रोटीन इंजीनियरिंग कार्यनीति; जीवन विज्ञान, शिव नादर विश्वविद्यालय; सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइनफॉरमेटिक्स, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
2. ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर के इलाज के लिए दवा-प्रतिरोधी ईजीएफआर काइनेज के खिलाफ एक नैनोमेडिसिन कार्यनीति, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली, जैव रसायन विभाग, माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा
3. उत्परिवर्ती ईजीएफआर को संरक्षित करने वाले औषधि प्रतिरोधी ट्यूमर को लक्षित करना: गैर-लघु कोशिका फेफड़ा कैंसर के उपचार के लिए उन्नत आणविक दृष्टिकोण, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 40 **सार:** 11

रोगी उपचार

पुल्मोनरी मेडिसिन ओपीडी

नए रोगी	10213	पुराने रोगी	24408
कीमोथेरेपी प्रोसीज़र	3994		

फेफड़ा कैंसर क्लीनिक

नए रोगी	410	पुराने रोगी	1860

संयुक्त पुल्मोनरी सर्जरी क्लीनिक

नए रोगी	160	पुराने रोगी	773

निद्रा विकार क्लीनिक

नए रोगी	177	पुराने रोगी	304

आईएलडी/ पीएएच क्लीनिक

नए रोगी	170	पुराने रोगी	1650

अंतरंग रोगी (वॉर्ड/आईसीयू/डे-केयर)

नियमित भरती	767	अल्प-अवधि भरती	5074

प्रयोगशालाएं

श्वसन प्रयोगशाला

स्पाइरोमीटरी प्रोसीज़र	14400	डिफ्यूज़न क्षमता अनुमान	2750
बॉडी बॉक्स (प्लेथिस्मोग्राफी) मापन	210	एमआईपी, एमईपी	150
एफओटी/आईओएस	195		

ब्रोंकोस्कोपी प्रयोगशाला

फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी प्रोसीज़र	1371	एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड	582
थोरेसोस्कोपी	44	क्रायोथेरेपी	10
स्टेंटिंग	40	रिजिड थोरेसोस्कोपी	120
रेडियल ईबीयूएस	102		

निद्रा प्रयोगशाला

पॉलीसोमनोग्राफी अध्ययन	414	सीपीएपी टाइट्रेशन	310
वॉच पीएटी	181		

एलर्जी परीक्षण

सीपीईटी	120	एफईएनओ	1587
छह मिनट वॉक परीक्षण	1806	स्किन प्रिक परीक्षण	70
सकल आईजीई स्तर	3245	एसपेरजिलस आईजीई स्तर	2860
एसपेरजिलस आईजीजी स्तर	855		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग के संकाय सदस्य जुलाई 2016 से स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति के सदस्य रहे - गंभीर दुष्प्रभाव समिति, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत) के सदस्य; 2018 से "विषय विशेषज्ञ समिति", डीसीजीआई के सदस्य; "स्पेशल सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन" की विशेष समिति के सदस्य, जे.एन.यू. सितंबर 2016 से; राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, भोपाल के राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान में टास्क फोर्स "पर्यावरण विज्ञान" के सदस्य; वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट की अनुसंधान समिति के अध्यक्ष; वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली की संस्थान अनुसंधान समीक्षा समिति और नीति विषयक समिति के सदस्य; आईसीएमआर (पर्यावरण विज्ञान) की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; फरवरी 2020 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के "संयुक्त निगरानी समूह" के सदस्य; 2018 से एम्स अनुसंधान समिति के सदस्य के रूप में कार्य जारी रखा।

9.36. विकिरण निदान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरुण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव | राजू शर्मा | संजय थुलकर (सं.रो.कैं.अ.)
संजय शर्मा (डॉ. रा.प्र.कैंद्र) | आशु सेठ भल्ला | स्मृति हरि
शिवानन्द गामनगट्टी (ट्रॉमा केन्द्र) | अतिन कुमार (ट्रॉमा केन्द्र)

अपर आचार्य

चन्दन जे. दास | मधुसूदन के.एस. | सुरभि व्यास
मनीषा जाना | देवासेनातिपति कण्डासामी | चन्द्रशेखर एस.एच. (सं.रो.कैं.अ.)

सह-आचार्य

स्मिता मनचंदा | अंकुर गोयल | प्रियंका नरंजे
मुकेश यादव (सं.रो.कैं.अ.) | एकता धमीजा (सं.रो.कैं.अ.)

सहायक आचार्य

कृतिका रंगराजन (सं.रो.कै.अ.)

वैज्ञानिक-IV

शशि बी. पॉल

मुख्य तकनीकी अधिकारी (समूह क)

श्री ब्रह्म सिंह | श्रीमती रेनू सूरमा

विशिष्टताएँ

विभागीय संकाय-सदस्य सक्रिय रूप से रोगी चिकित्सा, शिक्षा एवं अनुसंधान में सक्रिय थे। विभाग ने विभिन्न इमेजिंग प्रक्रियाओं के लिए प्रतीक्षा अवधि को कम करने हेतु एक ठोस और सफल प्रयास किया। वर्तमान में सभी जांचों की रिपोर्टिंग इलेक्ट्रॉनिक है और कार्यस्थलों पर की जाती है। इस अवधि के दौरान तीन पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीनों और एक फिल्म स्कैनर को विभाग के नैदानिक चिकित्सा साधनों में जोड़ा गया। संकाय सदस्यों ने विभिन्न सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 206 से अधिक व्याख्यान दिए। संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल थे तथा विभिन्न

अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 137 शोधपत्र प्रकाशित किए गए तथा रेडियोलॉजी की पाठ्यपुस्तकों में 42 अध्यायों का योगदान दिया। उन्होंने रेडियोलॉजी पर चार पुस्तकों का संपादन भी किया। भारत और विदेशों में विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 60 पोस्टर और मौखिक पेपर प्रस्तुत किए गए। विभाग के संकाय सदस्य 4 वित्त पोषित परियोजनाओं में प्रधान अन्वेषक थे। इसके अतिरिक्त, वे 21 जारी विभागीय परियोजनाओं एवं अन्य नैदानिक विभागों के साथ लगभग 64 सहयोगी परियोजनाओं में भी शामिल थे। विभाग ने इस अवधि के दौरान दो रेडियोलॉजी पाठ्यक्रम, एक राष्ट्रीय सम्मेलन और एक राज्य शाखा सम्मेलन आयोजित किया जिसे बहुत समर्थन प्राप्त हुआ और इसमें देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

विभागीय संकाय-सदस्य स्नातक छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस अवधि में संकाय द्वारा छात्रों को कुल 62 व्याख्यान दिए गए।

स्नातकोत्तर

इस अवधि के दौरान विभाग में कुल 25 कनिष्ठ रेजिडेंट थे, जिनमें 6 नए रेजिडेंट थे जो विभाग में शामिल हुए। इस अवधि के दौरान विभाग में छह फैलो अपनी फैलोशिप कर रहे थे। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों में लगभग 36 संगोष्ठी, 35 जर्नल क्लब, 70 केस चर्चा, 70 रोचक फिल्म सत्र एवं 80 व्याख्यान कक्षाएं सम्मिलित थीं। विभाग ने इस अवधि के दौरान देश भर से कुल 5 विकिरण चिकित्सकों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

बीएससी (ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी (एमटीआर):

यह पाठ्यक्रम तीन वर्ष का है और कुल 29 छात्र इस पाठ्यक्रम में शामिल हैं।

आयोजित की गई सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः

1. इमेजिंग तकनीक की हालिया प्रगति पर चौथा एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग पाठ्यक्रम, 5 और 6 अप्रैल 2019
2. इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी का सत्रहवाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसपीआर 2019, 7 एवं 8 सितंबर 2019
3. एम्स रेडियोलॉजी कोर्स सीरीज़, चेस्ट ट्यूमर की इमेजिंग, 30 नवंबर और 1 दिसंबर 2019
4. इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन की दिल्ली शाखा के सहयोग से विकिरण निदान विभाग ने राज्य शाखा का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया: डीआईयू 2020, 7 और 8 फरवरी 2020

प्रदत्त व्याख्यान

अरुण कुमार गुप्ताः 1 **दीप एन श्रीवास्तवः 3** **राजू शर्माः 27**
संजय शर्माः 1 **आशुसेठ भल्लाः 24** **स्मृति हरिः 12**
शिवानन्द गामनगट्टीः 18 **अतिन कुमारः 20** **चन्दन ज्योति दासः 5**
मधुसूदन केएसः 6 **सुरभि व्यासः 8** **मनीषा जाना: 12**
देवसेनातिपति कंडासामी: 18 **स्मिता मनचंदा: 19** **अंकुर गोयल: 15**
प्रियंका नरंजेः 14

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 59 (तीसरा पुरस्कार पोस्टर प्रस्तुति; सर्वश्रेष्ठ मौखिक पत्र पुरस्कार; सह-लॉड पुरस्कार; प्रशिक्षु अनुसंधान पुरस्कार; वैज्ञानिक प्रदर्शनी पुरस्कार; कांस्य; प्रथम पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. अपक्षयी और ट्रॉमैटिक (दर्दनाक) रीढ़ के रोगों हेतु एमआरआई स्पाइन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोग, राजू शर्मा, मैसर्स सिनैप्सिका टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 10.85 लाख रुपये
2. इंटरस्टीशियल लंग डिजीज़स: टेक्सचर बेस्ड एनालाइजिस फॉर क्वांटिफिकेशन, आशुसेठ भल्ला, सीएसआईआर-आईजीआईबी, 2 वर्ष, 2018-2020, सीएसआईआर मिशन मोड परियोजना "इंटेलिजेंट सिस्टम (आईएस) - इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजी एंड सॉल्यूशंस" के अंतर्गत उप परियोजना
3. फाइब्रो-एडिपोज वॉस्कुलर (संवहनी) विसंगति की रेडियोलॉजिकल और हिस्टोलॉजिकल विशेषताएं एवं निदान और प्रोग्नोस्टिकेशन के लिए एक स्कोरिंग प्रणाली विकसित करने हेतु अध्ययन, अंकुर गोयल, एम्स (इंट्रामुरल), 2 वर्ष, 2019-2021, प्रति वर्ष 5 लाख रुपये
4. मैमोग्राम माध्यम से स्तन कैंसर का पता लगाने एवं भारतीय आबादी में इसके उपयोग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धि) का इस्तेमाल, अरुण कुमार गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपये 89.19 लाख ।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. घुटने में ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में उन्नत चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और रेडियोलॉजिकल इंटरवेंशन।
2. लक्षणात्मक स्तन रोगियों की क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल: भारत में तृतीयक चिकित्सा केंद्र में एक संभावित अध्ययन।

3. फुल फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी पर असामान्यताओं का पता लगाने और वर्गीकरण करने हेतु गहन शिक्षण।
4. संयोजी ऊतक रोग संबंधित अंतरालीय फेफड़े की बीमारी में एचआरसीटी के संबंध में एमआरआई की नैदानिक सटीकता।
5. पल्मोनरी नोड्यूल और मास्सेस (फुप्फुसीय पिंड और द्रव्यमान) में डुअल एनर्जी सीटी की नैदानिक उपयोगिता।
6. कार्सिनोमा लेरिक्न्स को लगाने में स्प्लिट-बोलस डुअल एनर्जी सीटी का मूल्यांकन।
7. फाइब्रॉडिपोज वेस्क्यूलर विकार: क्लिनिक-रेडियोलॉजिक-पैथोलॉजिकल विशेषताओं एवं इसके पदार्थ संबंधी परिणामों का व्यापक विश्लेषण।
8. कुशिंग सिंड्रोम में पिट्यूटरी एडेनोमा की आनुवंशिक विविधता
9. बाल चिकित्सा बुद्व चियारी सिंड्रोम में इमेजिंग एवं इंटरवेंशन।
10. नॉन-वरिसाल जठरांत्र संबंधी रक्तस्राव (गैस्ट्रोइंटेस्टिनल हेमरेज) वाले रोगियों में इमेजिंग और रेडियोलॉजिकल इंटरवेंशन: तकनीकी एवं नैदानिक परिणाम।
11. लिम्फोमा के रोगियों में आईवीआईएम डीडब्ल्यूआई एमआरआई।
12. इडियोपैथिक हाइपोपरैथायराइडिज्म में चिकित्सीय इंटरवेंशन के प्रकार और बहु-प्रणाली जटिलताओं का मूल्यांकन।
13. बाल चिकित्सा ब्रोन्किइक्टेसिस में एमआरआई बनाम एमडीसीटी: एक महत्त्वपूर्ण परीक्षण।
14. रीढ़ की हड्डी के रोगों में पेरकुटेनियस इमेज़ निर्देशित इंटरवेंशन
15. टीएसीई के हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा का प्रतिक्रिया मूल्यांकन।
16. एमआरआई द्वारा रीढ़ की हड्डी में तपेदिक की एंटी-ट्यूबरकुलर थेरेपी का प्रतिक्रिया मूल्यांकन।
17. पुरानी अग्नाशयशोथ के मूल्यांकन में ड्यूल एनर्जी की गणना टोमोग्राफी और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका।
18. पैल्विक फ्रैक्चर रोगियों में नैदानिक परिणाम मूल्यांकन हेतु इमेजिंग की भूमिका
19. अल्ट्रासाउंड निर्देशित वायर स्थानीयकरण की भूमिका और स्तन रोगियों में निओ एड्जुवेंट किमोथेरेपी के बाद, सेंटीनल लिम्फ नोड बायोप्सी की नैदानिक सटीकता को बढ़ाने में, क्लीप्ड प्रीट्रीटमेंट पॉजिटिव एक्सिलरी लिम्फ नोड्स को सर्जिकल तरीके से हटाने में भूमिका
20. लो फ्लो (कम प्रवाह) मेडीएटिड कमी की धमनीय वाल यांत्रिकी की जांच हेतु।

पूर्ण

1. भ्रूण की फ़िमोरल मात्रा का मूल्यांकन करने हेतु 3 डी अल्ट्रासाउंड
2. पीठ के निचले भाग में दीर्घकालिकी दर्द में उन्नत एमआर इमेजिंग और इमेजिंग निर्देशित इंटरवेंशन

3. ड्यूल एनर्जी संगणित टोमोग्राफी और मल्टीस्टैमेट्रिक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध के साथ वृक्क कोशिका कार्सिनोमा की विशेषता।
4. तीव्र ग्रीवा कोर्ड आघात में एमआरआई की नैदानिक और रोगसूचक भूमिका।
5. कंट्रास्ट-एनहांस्ड अल्ट्रासाउंड और कतरनी तरंग इलास्टोग्राफी का उपयोग करके कोमल ऊतक संवहनी विसंगतियों का मूल्यांकन
6. ऑस्टियोसारकोमा और ईएसएफटी के रोगियों में आईवीआईएम डीडब्ल्यूआई एमआरआई।
7. मैस्टाइटिस बनाने वाले क्रॉनिक मास की मल्टीमॉडैलिटी इमेजिंग मूल्यांकन तथा एटिओलोजी का निर्धारण करने में अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोर नीडल बायोप्सी की भूमिका
8. अग्नाशय समूह में उन्नत सीटी और एमआर तकनीकों की भूमिका
9. गर्दन की मांसपेशियों के निरुपण में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड और एमआर परफ्यूज़न की भूमिका
10. स्पष्ट रूप से ईडीओपेथिक अंतरालीय फेफड़ों के रोगों के निदान में एचआरसीटी की भूमिका।
11. लो-फ़्लो वेस्क्यूलर विकारों में स्क्लेरोथेरेपी: एक तृतीयक स्तरीय स्वस्थ्य केंद्र में वर्तमान प्रक्रियाओं की नैदानिक प्रभावशीलता का आकलन
12. क्रोनिक कैविटी की फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस की इमेजिंग विशेषताओं की पहचान करना और टीबी सीकेले और हेमोप्टीसिस के बाद के रोगियों में डीईसीटी पर सरल एस्परगिलोमा से अंतर करना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ट्यूमर के लक्षण कार्सिनोमा सरविक्स में फैलने वाले लोकोरिजनल के आकलन में अल्ट्रासोनोग्राफी और एमआरआई की तुलना, प्रसूति एवं स्त्री रोग
2. ह्यूमन टेम्पोरोमैंडिबुलर ज्वाइंट का संरचनात्मक अध्ययन, शरीर रचना
3. ब्लंट लिवर ट्रॉमा के रोगियों में परिणाम के पुर्वानुमानों का मूल्यांकन करने हेतु अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी
4. ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी (ओएमएच), लेप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) तथा ग्रोइन हर्निया का ट्रांस एबडोमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) रिपेयर के बाद सेक्सुअल फंक्शंस और प्रजनन संबंधी संकेतों की तुलना करने हेतु थ्री आर्म यादृच्छिक अध्ययन, सर्जरी
5. विभिन्न इंट्रा-एब्डोमीनल पैथोलॉजी में लैप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड की प्रयोज्यता, एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, सर्जरी
6. ट्रांसिएंट इलास्टोग्राफी, शीयर वेव इलास्टोग्राफी और सीरम बायोकेमिकल मार्कर का उपयोग करके दीर्घकालिक यकृत रोग से ग्रसित रोगियों में लीवर फाइब्रोसिस का आकलन, जठरान्त्र रोग
7. शीयर वेव इलास्टोग्राफी का उपयोग करके हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा के रोगियों में, लोकोरिजनल चिकित्सा हेतु ट्यूमर की प्रतिक्रिया का आकलन, जठरान्त्र रोग

8. ब्रोन्किइक्टेसिस में *न्यूमोसिस्टिस जीरोवेस्की* संक्रमण और नैदानिक विशेषताओं और रोग प्रगति पर इसका प्रभाव, सूक्ष्म जैव विज्ञान
9. एक्स्टोक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक नर्व की बेसलाइन और पोस्ट नियोडजुवेंट कीमोथेरेपी। क्या एमआरआई से रोग निदान का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है? आर.पी सेंटर
10. एसीटीएच आधारित कुशिंग सिंड्रोम में बीआईपीएसएस, अंतःस्राविकी एवं चयापचय
11. एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में पोस्ट ट्यूबरक्यूलॉसिस क्रॉनिक लंग डिसऑर्डर वाले रोगियों में नैदानिक प्रोफाइल, पल्मोनरी फंक्शन एवं जीवन की गुणवत्ता, फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा रोग
12. कोबलेशन असिस्टेड एंडोस्कोपिक एक्सीजन ऑफ जुवेनाइल नेसोफेरींगील एंजीयोफिब्रोमाः एक संभावित मार्गदर्शी अध्ययन, ईएनटी एंड हेड एंड नेक सर्जरी
13. कंपेरिजन ऑफ सर्वाइकल शियर वेव इलास्टोग्राफी, बिशोप स्कोर, एंड ट्रांसवेजिनल सर्वाइकल लेंग्थ मेजरमेंट फॉर प्रिडिक्शन ऑफ सक्सेस्फुल लेबर इंडक्शनः एक मार्गदर्शी अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
14. सतही लिपोमास के उपचार में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी (गैर ऑपरेटिव) की तुलना, शल्य चिकित्सा
15. कंजेनिटल इनर इयर मैलफोर्मेशन से ग्रसित एवं रहित बालकों में कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद परिणामों की तुलना, ऑटोरहिनोलेरिंगोलॉजी एवं सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा
16. इंटरमीडिएट हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टेरीयल रेडियोमोबलाइज़ेशन बनाम ट्रांसआर्टेरीयल केमोएम्बोलाइज़ेशन की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरान्त्र रोग, नाभिकीय चिकित्सा
17. एशियाई-भारतीय महिलाओं में गेस्टेश्नल डायबिटीज मेलिटस के बढ़ने के साथ पहली तिमाही के मेटाबोलिक मानकों के बीच का सहसंबंध और मैटरनल बॉडी फैट सूचकांक, एक तुलनात्मक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
18. पेरिनेटल परिणाम वाली आईयूजीआर प्रेग्नेन्सीस में प्लेसेंटल वैसकुलराइजेशन इंडिसेस एवं प्लेसेंटल इलास्टोग्राफी का सहसंबंध : एक केस नियंत्रण अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
19. भारतीय आबादी में मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटिड टोमोग्राफी का उपयोग करते हुए एओर्टिक और इलिओफेमोरल आयामों हेतु नोमोग्राम की व्युत्पत्ति, हृद विकिरण विज्ञान
20. ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में निओ एड्जुवेंट कीमोथेरेपी की शुरुआती प्रतिक्रिया का पता लगाने में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, शल्यचिकित्सा एवं कायचिकित्सा अर्बुद विज्ञान
21. पोस्ट क्रैनियोटॉमी रोगी में नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति का पता लगाने हेतु ट्रांसक्रेनियाल अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, आपातकालीन चिकित्सा
22. गंभीर अग्नाशयशोथ के रोगियों में स्यूडोसिस्ट/बंद नेक्रोसिस के लिए सिस्टोगैस्ट्रोस्टॉमी के बाद असम्बद्ध अग्नाशय वाहिनी सिंड्रोम असामान्य और स्पर्शोन्मुख होता है, जठरान्त्र रोग विज्ञान
23. डोर्सल रिस्ट गैंगलिअन (नाड़ीग्रन्थि) के ओपन बनाम आर्थोस्कोपिक एक्सीजन परिणाम का आकलन करने हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अस्थिरोग

24. बुजुर्गों में निमोनिया के आर्थिक बोझ, रोकथाम एवं नियंत्रण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
25. मैकेनिकली वेंटीलेटेड रोगियों में डायाफ्राम स्ट्रेंथ और थिकनेस पर फ्रेनिक नर्व स्टिमुलेशन का प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, फिजियोथेरेपी।
26. पर्क्यूटेनियस लिथोटोमी के संदर्भ में किडनी की स्थिति पर बॉल्सटर और इसके अभिविन्यास का प्रभाव, मूत्ररोग विज्ञान
27. छोटी आँत वाले दीर्घकालिक रोग की संरचना एवं फिस्टुलाइजिंग में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी की प्रभावकारिता एवं सहनशीलता, जठरान्त्र रोग विज्ञान
28. युवा रोगियों में माइक्रोसेफली का एटियोलॉजिकल मूल्यांकन, अनुवांशिकी
29. युवा रोगियों में माइक्रोसेफली का एटियोलॉजिकल मूल्यांकन, बाल चिकित्सा।
30. पेट की तपेदिक की जांच एवं निदान में 99 एम टेक्नेटियम लेबल वाले एंटीबायोटिक स्किन्टिग्राफी का मूल्यांकन
31. स्तन कैंसर सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी ड्यूल डाई तकनीक का मूल्यांकन: टू आर्म ओपन लेबल पैरेलल डिजाइन नॉन-इनफीरियरिटी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा
32. किशोर एवं युवा भारतीय लड़कियों में मासिक धर्म की गड़बड़ी के साथ हार्मोनल और मेटाबोलिक पैरामीटर का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
33. पेरी ओकुलर और एडनेक्सल संवहनी घावों में इंट्रालेशनल ब्लेमाइसिन का मूल्यांकन, डॉ.रा.प्र. केन्द्र
34. रैपिड पैलेटल एक्सपेंशन में मिड पैलेट टांके खोलने का आकलन करने में अल्ट्रासोनोग्राफी के उपयोग की खोज: मार्गदर्शी अध्ययन, ऑर्थोडोनटिक्स
35. सामान्य थोरेसिक सर्जरी में सर्जरी प्रोटोकॉल के बाद उन्नत स्वास्थ्य लाभ की फिज़िबिलिटी: भावी कोहोर्ट अध्ययन, शल्य चिकित्सा
36. बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिक एंटरोकोलाइटिस की घटना एवं परिणाम, बालचिकित्सा
37. भ्रूण विकृतियों तथा मृत-जन्म के मूल्यांकन में मिनिमल इंवेसिव शव-परीक्षण (एम.आई.ए.)- मृत जन्म मूल्यांकन हेतु मानक प्रोटोकॉल विकसित करने हेतु एक व्यावहारिक अध्ययन, बालचिकित्सा
38. स्थानीय स्तर पर उन्नत रेक्टल कैंसर के लिए शॉर्ट कोर्स रेडियोथेरेपी के साथ नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी: एक पायलट अध्ययन, शल्यचिकित्सा
39. भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में गुर्दे की लंबाई और पैरेन्काइमल मोटाई और गुर्दे की इलास्टोग्राफी की नोर्मेटिव वैल्यू, बाल शल्य चिकित्सा
40. स्थानीय रूप से एडवांस्ड स्तन कैंसर पोस्ट निओ-एड्जुवेंट कीमोथेरेपी के रोगियों में स्तन संरक्षण सर्जरी के अर्बुद विज्ञान संबंधी परिणाम, शल्यचिकित्सा
41. समान चरण पिना पुनर्निर्माण एवं कैनालप्लास्टी के माध्यम से नलिका की अविवरता के साथ माइक्रोटिया के रोगियों के परिणाम, कान, नाक, गला तथा सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा

42. **लैटरल** नेक एक्स-रे का इस्तेमाल करते हुए डिफिकल्ट लारिंजोलोजी तथा ओरोट्रेकियल इंटूबेशन का पूर्वानुमान: एक भावी अवलोकनतमक डबल-ब्लाइंड अध्ययन, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं सघन उपचार
43. वेंट्रल हर्निया का प्रॉस्थेटिक मटेरियल (मेश) एंकर्ड बाय मैकेनिकल डिवाइस बनाम ग्लू ड्यूरिंग लैपयरॉसकॉपिक उपचार: ए डबल ब्लाइंड याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्यचिकित्सा
44. भारतीय आबादी में प्रॉक्सिमल टिबिअल फ्रैक्चर के टिबिअल प्लेट्यू फ्रैक्चर और सीटी गाइडेड मैपिंग के उपचार में यूनिएक्सिअल बनाम पॉलीएक्सिअल प्लेटिंग के बाद रेडियोलॉजिकल, क्लिनिकल एवं फंक्शनल परिणामों का तुलनात्मक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अस्थिरोग
45. गैर-विशिष्ट ओर्टोआर्थिराईटीस में गतिविधि का आकलन करने में कंट्रास्ट यूएसजी की भूमिका, हृद विकिरण विज्ञान
46. हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा और हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में तरल बायोप्सी बायोमार्कर की भूमिका, जठरान्त्र रोग विज्ञान
47. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
48. क्रोहन रोग में पेरियनल फिस्टुला में स्टेम सेल थेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता, जठरान्त्र रोग विज्ञान
49. पेट में चोट लगने के बाद पीडियाट्रिक सॉलिड ऑर्गन इंजरी का निर्धारण करने में फोकस्ड एसेसमेंट के साथ सोनोग्राफी फॉर ट्रॉमा (फास्ट) की संवेदनशीलता एवं विशिष्टता, बाल शल्य चिकित्सा
50. उत्तर भारत के तृतीयक उपचार केंद्र (एम्स -आईएलडी) में मौजूद इंटरस्टीशियल यकृत रोग के रोगियों की स्पेक्ट्रम एवं प्रोफाइल, फुप्फुसीय, गंभीर उपचार एवं निद्रा चिकित्सा
51. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के जोखिम कारक : एक केस नियंत्रित अध्ययन, शल्यचिकित्सा
52. ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिआ गंभीरता में सर्जरी का यथाक्रम प्रभाव - इनफ्लमेटरी मार्कर्स के साथ एक मूल्यांकन, ऑटोरिनोलारिंगोलोजी - सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा
53. एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में मल्टीपल मायलोमा (एमएम) के रोगियों के निदान और उपचार में संपूर्ण शरीर वाली कम खुराक की कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डब्ल्यूबी एलडीसीटी) और पारंपरिक कंकाल सर्वेक्षण (सीएसएस) के नैदानिक प्रदर्शन की तुलना करना, रुधिर विज्ञान
54. इंट्राक्रेनियल दबाव वाले बाल रोगियों में कंट्रोल ग्रुप की तुलना में ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर का अल्ट्रासाउंड के द्वारा निर्धारण, आपातकालीन चिकित्सा
55. लारिंजल और हाइपोफैन्जियल कार्सिनोमा में पैराट्राइकल लिम्फ नोड मेटेस्टेस की मौजूदगी का निर्धारण, ईएनटी तथा सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा
56. क्लिनिकल नेगेटिव एक्सिलिया वाले अर्ली ऑपरेबल स्तन कैंसर के रोगियों में एक्सिला के उपचार हेतु एल्गोरिथ्म स्थापित करना, शल्यचिकित्सा
57. प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म वाले रोगियों में प्रबंधन के परिणामों का अध्ययन करना, अंतःस्राविकी एवं चयापचय

58. पित्ताशय वाल की मोटाई अथवा पित्त की पथरी के रोग से जुड़े पॉलीप वाले रोगियों में रेडिकल सर्जरी से बचने के लिए एफएनएसी निर्देशित प्री- ऑपरेटिव यूएसजी की उपयोगिता का अध्ययन, शल्यचिकित्सा
59. भारतीय और पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थिराइटिस की पद्धतियों में अंतरों को समझनाः लक्षणों, उपचार विकल्पों और उनके परिणाम पर प्रभाव, अस्थिरोग

पूर्ण

1. इम्यूनो-कोंप्रोमाइज्ड होस्ट्स में एब्डॉमिनल संक्रामण : एक रेडियलॉजिकल, माइक्रोबायोलॉजिकल एवं क्लिनिकल सहसंबंध, रुधिर विज्ञान
2. एकेलेसिया कार्डिया: लैप्रोस्कोपिक हेलर की कार्डियोमायोटॉमी के बाद परिणाम का पूर्वानुमान करने वाले कारकों का दीर्घकालिक परिणाम और मूल्यांकन, सर्जरी
3. एपिफ़िशियल यूनियन अराउंड द एल्बो एंड रिस्ट जॉइंट्स, फॉरेंसिक मेडिसिन के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा 1 से 18 वर्ष के बीच की आयु का आकलन, न्याय चिकित्सा
4. 7 दिनों के भीतर गंभीर रूप से बीमार रोगियों में मांसपेशियों की मोटाई एवं इकोजेनेसिटी परिवर्तन, बालचिकित्सा
5. नवजातों में ओरोट्रेकियल ट्यूब की लंबाई का अनुमान लगाने के लिए तीन विभिन्न पद्धतियों की तुलनाः पोस्ट-मार्टम अध्ययन, बाल चिकित्सा
6. आरंभिक स्तन कैंसर वाली महिलाओं में स्किन स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी बनाम स्तन कंजरवेटिव सर्जरी के ऑन्कोलॉजिकल एवं जीवन गुणवत्ता की तुलनाः श्रेष्ठता परिकल्पना के साथ एक यादृच्छिक तुलना, सर्जरी
7. डी कुर्वेवेन के टेनोसाईनोवाइटिस के लिए पुली रिलीज और पुली पुनर्निर्माण के परिणाम का आकलन करने के लिए डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अस्थिरोग
8. एडनेक्सल मासेस के पूर्व मूल्यांकन में 2 आयामी और 3 आयामी अल्ट्रासोनोग्राफी का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
9. बेड साइड अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग करके वेंटिलेटेड बच्चों के डायफ्राम कार्य का मूल्यांकन, बाल चिकित्सा
10. कक्षीय लिम्फैंगियोमा में इंट्रा लेशनल ब्लेओमाइसिन के परिणाम का मूल्यांकन, आर पी सेंटर
11. सीनो-नसल और स्कल आधारित आक्रामक फंगल रोगों के परिणामों के पूर्वानुमान हेतु विभिन्न नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का मूल्यांकन: एक वर्णनात्मक अध्ययन, ईएनटी
12. ऑटो इम्यून एवं प्रतिरक्षा संबंधी ऑर्बिटोपैथी के रोगियों में 68जीए डोटानॉक पीईटी/सीटी के साथ सोमाटोस्टेटिन रिसेप्टर अभिव्यक्ति का इन-विवो मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा

13. अत्यधिक कम वजन वाले नवजात शिशुओं में अपरिपक्व मस्तिष्क की चोट (पेरिवेंटिकुलर लुकोमालासिया और/या अंतर्निलयी संवहन रक्तस्राव) की घटना एवं जोखिम कारकों (32 सप्ताह का जेस्टेशन या 1500 ग्राम जन्म का वजन): एक भावी कोहॉर्ट अध्ययन, बाल चिकित्सा
14. मैस्टाइटिस बनाने वाले क्रॉनिक मास की मल्टीमॉडैलिटी इमेजिंग मूल्यांकन और एटिओलोजी का निर्धारण करने में अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोर नीडल बायोप्सी की भूमिका, सर्जरी
15. डाउन सिंड्रोम वाले रोग भारतीय बालकों में गैर-एल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग, बाल चिकित्सा
16. उत्तरी भारत में फेकोक्रोमोसाइटोमा/पैरागैंगलियोमा के मामलों में प्री और पोस्ट-ऑपरेटिव डिस्ग्लेसेमिया - एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र अध्ययन, अंतःस्राविकी एवं चयापचय
17. ओलफैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा के रोगियों में ओकल्ट लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की आवृति के मूल्यांकन हेतु संभावित मार्गदर्शी अध्ययन, ईएनटी
18. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व पर विटामिन के अनुपूरक के प्रभाव का मूल्यांकन, फार्माकोलॉजी हेतु यादृच्छिक समानांतर अध्ययन
19. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका, जठरान्त्र रोग विज्ञान
20. अधिक जोखिम वाले गर्भधारण में प्री-एक्लेम्सिया का पूर्वानुमान लगाने हेतु आंवल विकास कारक, गर्भाशय धमनी डोप्लर तथा प्लेसेन्टा के 3डी डोप्लर अल्ट्रासाउंड की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
21. भारतीय आबादी में यूनीकंपार्टमेंटल घुटने के प्रतिस्थापन की सुरक्षा, उपयुक्तता एवं नैदानिक प्रभाव, अस्थिरोग
22. रक्तचाप के रोगियों की मात्रा स्थिति के मूल्यांकन हेतु सब्क्लोवियन शिरा एवं आंतरिक विना कावा क्षति की सोनोग्राफिक तुलना, कायचिकित्सा
23. संक्रमण इमेजिंग के लिए 99 मीटर टेक्नेटियम (99 मीटर टे)" लेबेल्ड एंटीबायोटिक का जैवविविधता अध्ययन एवं संश्लेषण गुणवत्ता नियंत्रण, नाभिकीय नियंत्रण
24. स्तन कैंसर वाली महिलाओं में ऑन्कोलॉजिकल एवं सौंदर्य के परिणाम पर 1 सेमी बनाम 2 सेंटीमीटर के अंतर मार्जिन और ऑन्कोप्लास्टिक क्लोजर ऑफ ब्रेस्ट पैरेन्काइमल दोष का प्रभावः एक 2X2 फैक्टोरियल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जरी
25. हाइपोक्सिक इस्कीमिक एंसिफेलोपेथी (आरपीसी) के स्पेक्ट्रम में विजुअल इंपेयरमेंट का पैटर्न, आरपी सेंटर
26. जीडीएम के पिछले इतिहास सहित एवं रहित महिलाओं में एनएएफएलडी की व्यापकता का अध्ययन एवं तुलना, अंतःस्राविकी एवं चयापचय
27. उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता का अध्ययन करना, अंतःस्राविकी एवं चयापचय
28. बालकों में डिफरेंट एनर्जी कॉटेंट वाले क्लियर फ्लूड्स गैस्ट्रिक एंप्टीयिंग का अल्ट्रसाउंड मूल्यांकन : एक क्रॉस ओवर मार्गदर्शी अध्ययन, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं सघन चिकित्सा

29. हड्डी के स्वास्थ्य का आकलन करने में ट्रेबेक्यूलर बोन स्कोर और बोन मिनरल डेंसिटी की उपयोगिता जिसमें प्राइमरी हाइपरपैराथायरोडिज्म में वर्बेटल फ्रैक्चर और पैराथायरायडिक्टोमी, के बाद उनका परिवर्तन शामिल है, अंतःस्राविकी एवं चयापचय

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 107 सारः 2 पुस्तकों में अध्यायः 42 पुस्तकें: 4

रोगी उपचार

क्र.सं.	जांच / विशेष प्रक्रियाओं का नाम	जांच की कुल सं.
1	**रूटीन एक्स-रे**	
	ओपीडी	99229
	इंडोर	28421
	आपातकालीन	62694
	पोर्टेबल	49718
2	**विशेष जांच**	
	बेरियम अध्ययन	2368
	अंतःशिरा पाइलोग्राफी	1602
	सिस्टोयूरेथ्रोग्राफी	2663
	हिस्टेरोसलपिंगोग्राफी	1012
	ऑपरेशन कक्ष अध्ययन	224
	अन्य कंट्रास्ट अध्ययन	860
3	**मैमोग्राफी**	3811
4	**डेक्सा स्कैन**	123
5	**अल्ट्रासाउंड**	
	नियमित	36556
	आपातकालीन	30020
	डोपलर (नियमित + आपातकालीन)	4043
6	**सीटी**	
	शरीर	18922

	सिर	8122
7	**एमआरआई (मुख्य + एनएमआर)**	6906
8	**इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं**	
	इंटरवेंशनल वाहिका अध्ययन	3440
9	**इंटरवेंशनल गैर-वाहिका अध्ययन**	
	सीटी निर्देशित	449
	अल्ट्रासाउंड निर्देशित	5345
	फ्लोरोस्कोपी निर्देशित	2971
	मैमोग्राफी निर्देशित	08
	कुल योग	**3,69,507**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर अरुण कुमार गुप्ता इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स 'के कार्यकारी समिति के सदस्य थे।

प्रोफेसर दीप नारायण श्रीवास्तव वर्ष **2019-2020** के लिए चिकित्सा विज्ञान अनुभाग के अध्यक्ष थे और "भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पेशेवर निकाय) के परिषद सदस्य; सह संपादक, एनल्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस (इंडिया) द्वारा प्रकाशित थिएमी मेडिकल एंड साइंटिफिक पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा, उ.प्र., इंडिया.

प्रोफेसर राजू शर्मा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग में संकाय चयन हेतु दिल्ली आईआईटी के चयन समिति के सदस्य थे; यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान के लिए चयन समिति के सदस्य; भारतीय रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग एसोसिएशन के लिए रेजीडेंट शिक्षा समन्वयक नियुक्त; अमेरिकन रोएंटजेन रे सोसायटी के सदस्य; गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एब्डोमीनल रेडियोलॉजी ऑन पैंक्रिएटिक इमेजिंग पत्रिका के विशेष अंक के अतिथि संपादक बनने के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रोफेसर संजय शर्मा को 24 जनवरी 2020 को कोच्चि में आयोजित यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया सम्मेलन (यूएसआईसीओएन 2020) में *इंडियन जर्नल ऑफ़ यूरोलॉजी* द्वारा वर्ष 2019 का सर्वश्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार दिया गया; एम्स, नई दिल्ली (5 और 6 अप्रैल, 2019) में आयोजित "चौथे एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग कोर्स सीरीज़ (इमेजिंग एडवांस एंड फिजिक्स)" के आयोजन सचिव; सदस्य, नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी) सिनॉप्टिक रिपोर्टिंग फॉर्मेट्स वर्किंग ग्रुप थे।

प्रोफेसर आशु सेठ भल्ला सोसायटी ऑफ इमेजिंग एंड इंटरवेंशन एससीआईआई के अध्यक्ष थे**;** इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी का प्रोफेसर एमवीके शेट्टी वक्तव्य**;** इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन-आईआरआईए के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार**;** नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी**)** सिनॉप्टिक रिपोर्टिंग फॉर्मेट्स वर्किंग ग्रुप के सदस्य थे।

प्रोफेसर अतिन कुमार इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली स्टेट चैप्टर के अध्यक्ष चुने गए; इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग के संचालन मण्डल के सदस्य के रूप में निर्वाचित किए गए; इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा नेशनल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित हुए; 7-9 फरवरी 2020 के बीच एम्स, नई दिल्ली में आयोजित आईआरआईए के दिल्ली स्टेट चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन में दिल्ली इमेजिंग अपडेट डीआईयू 2020 के संयुक्त आयोजक; 5 और 6 अप्रैल 2019 को एम्स, नई दिल्ली में चौथे एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग कोर्स सीरीज़, एडवांसिस इन इमेजिंग टेक्नोलॉजी के आयोजक सचिव थे।

डॉ. शशि बी पॉल इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लिवर (आईएनएएसएल) द्वारा गठित 'हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा' पर 'टास्क फोर्स' की सदस्य रहीं, ऑन्कोलॉजिकल इमेजिंग इंडिया की सदस्य; ब्रेस्ट इमेजिंग सोसायटी ऑफ इंडिया की सदस्य; विभिन्न चिकित्सीय पत्रिकाओं जैसे, एब्डॉमिनल रेडियोलॉजी, यूरोपियन रेडियोलॉजी, डायग्नोस्टिक एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपाटोलॉजी की समीक्षक थीं।

डॉ. अंकुर गोयल 7-9 फरवरी 2020 के बीच एम्स में आयोजित आईआरआईए के दिल्ली स्टेट चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली इमेजिंग अपडेट डीआईयू 2020 के संयुक्त आयोजक सचिव चुने गए ; 5 और 6 अप्रैल 2019 को एम्स, नई दिल्ली में चौथे एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग कोर्स सीरीज़, एडवांसिस इन इमेजिंग टेक्नोलॉजी के कोषाध्यक्ष; 20 अक्टूबर 2019 को एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग में संयोजक एवं संयुक्त सचिव; आईआरआईए 2019-20 के दिल्ली स्टेट चैप्टर के संयुक्त सचिव; वर्ष 2017 में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक योगदान के लिए (23-26 जनवरी 2020) गांधीनगर में आयोजित आईआरआईए के 73 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रतिष्ठित प्रोफेसर वीपी लखनपाल स्वर्ण पदक से सम्मानित; गांधीनगर में (23-26 जनवरी 2020) आयोजित आईआरआईए के 73 वें वार्षिक सम्मेलन में आईसीआरआई (इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग) की फैलोशिप से सम्मानित किए गए।

डॉ. स्मिता मनचंदा, एम्स, नई दिल्ली में 30 नवंबर और 1 दिसंबर 2019 को आयोजित “एम्स रेडियोलॉजी कोर्स: इमेजिंग ऑफ चेस्ट ट्यूमर 2019” की आयोजन सचिव; "डीआईयू 2010" में आईआरआईए के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा "राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार"; संयुक्त सचिव, सोसाइटी ऑफ चेस्ट इमेजिंग एंड इंटरवेंशन; नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी) सिनॉप्टिक रिपोर्टिंग फॉर्मेट्स वर्किंग ग्रुप की सदस्य रहीं।

9.37. प्रजनन जैवविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आशुतोष हल्दर

आचार्य एवं प्रभारी-अधिकारी, सीआरआईए सुविधा

प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

सह-आचार्य

सुरभि गुप्ता   मोना शर्मा

वैज्ञानिक II

दीपक पाण्डे   नीरज कुमार

वैज्ञानिक I

मनीष जैन

विशिष्टताएं

विभाग नैदानिक सेवाओं (प्रजनन हार्मोंस और कैंसर बायोमार्कर्स) तथा प्रजनन जेनेटिक परामर्श के अतिरिक्त मुख्य रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यों में संलग्न है। ज्यादातर प्रजनन संबंधी जेनेटिक परामर्श स्वयं-संदर्भित होते हैं (ऐसे मामले जिनमें ज्यादातर प्रजनन संबंधी विकार, विकृति, कैंसर, बांझपन आदि होते हैं)। सीआरआईए सुविधा ने (विभाग का नैदानिक अनुभाग) कैंसर मार्कर, थायरॉइड प्रोफाइल और प्रजनन हार्मोन सहित 47 से अधिक मापदंडों हेतु परीक्षण प्रदान किया है। विभाग ने सीआरआईए परीक्षणों की ऑनलाइन रिपोर्टिंग भी आरंभ की है। सीआरआईए सुविधा ने इस वर्ष 2,62,304 परीक्षण किए हैं; जो कि विगत वर्ष की तुलना में लगभग 24000 परीक्षण अधिक हैं। इस वर्ष के दौरान आंतरिक एवं बाहय रोगियों के लिए मेथोट्रेक्सेट परीक्षण शुरू किया गया है। विभाग वीर्य विश्लेषण और विभिन्न एफआईएसएच और पीसीआर संबंधित सेवाएं (नैदानिक, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, आदि) भी प्रदान कर रहा है।

एम्स के अन्य विभागों के अलावा हमारे अपने पीएचडी छात्रों, एमएससी छात्रों और विभाग के विभिन्न प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण और शिक्षण प्रदान किया गया। विभिन्न अकादमिक योगदान के लिए कई राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा विभाग के संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया गया था, जैसे कि एनआईआई स्टेम सेल समिति, एनएबीएल कोर मान्यता समिति, आईसीएमआर एपीएस एंड एसआरएफ परियोजना समीक्षा/चयन समिति, डीएम हेतु एमसीआई मूल्यांकन (मेडिकल जेनेटिक्स) पाठ्यक्रम, एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. के पीएसी एवं आईआरबी समिति के सदस्य, डीबीटी, आयुष, आदि की विभिन्न समिति के टास्क फोर्स सदस्य आदि। डॉ. आशुतोष हल्दर को इस वर्ष भारत के एंडोक्राइन सोसायटी के डॉ. सुभाष मुखर्जी ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया और वे आईएसएसआरएफ (जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव

हेल्थ एंड मेडिसिन साइंटिफिक स्कॉलर एलएलसी, यूएसए द्वारा प्रकाशित) के आधिकारिक जर्नल, के संपादकीय बोर्ड में शामिल हुए।

शिक्षा

- पीएचडी छात्र (पंजीकृत/जारी): 10
- एमएससी छात्र (प्रजनन जैव विज्ञान और नैदानिक भ्रूणविज्ञान): 11
- जेआरएफ/एसआरएफ/आरए/आरओ: 2
- साप्ताहिक सेमिनार एवं साप्ताहिक जर्नल क्लब
- सप्ताह में दो बार प्रयोगशाला डाटा प्रस्तुति
- प्रतिदिवस केस के अनुसार/प्रयोगशाला कार्य संबंधी चर्चा
- स्नातकोत्तर: एमडी प्रयोगशाला चिकित्सा छात्र (15 दिवसों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)
  एमडी जैवरसायन छात्र (15 दिवसों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)
- आईआईटी खड़गपुर से ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण छात्र

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आशुतोष हल्दर: 7 मोना शर्मा: 1

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 9

<u>अनुसंधान</u>

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. इडियोपैथिक फैमिलियल ओवरियन विफलता में आनुवंशिक कारकों का पता लगाने के लिए जांच, आशुतोष हल्दर, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 44 लाख रुपये
2. 22क्यू11.2 विलोपन सिंड्रोम में फीनोटाइपिक विषमता/परिवर्तनशीलता के कारणों का पता लगाने की जांच, आशुतोष हल्दर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015-18, 41 लाख रुपये
3. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनकारी विद्युत चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, 15 लाख रु.
4. इंसुलिन संकेतन के प्रतिलिपि कारकों के अनुप्रवाह के जीनोम व्यापी संयोजन के प्रभाव से स्वास्थ्य-अवधि नियामक मॉड्यूल को स्पष्ट करना, नीरज कुमार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 50 लाख रुपये
5. प्रतिरोपण तथा अनुवर्ती के लिए एम्ब्रीओ यूटरिन क्रॉस टॉक: एक्सोसोमल माइक्रो आरएनए के लिए भूमिका, सुरभि गुप्ता, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 44.2 लाख रुपये

6. मैमलियन स्पर्म-एग फ्यूसन का अध्ययन करने के लिए सीआरआईएसपीआर/कैस-9 आधारित नॉक-आउट/नॉक-इन तकनीक का उपयोग करके जीनोम-एडिटिड चूहों का प्रजनन, सुरभि गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 75.5 लाख रुपये
7. इडियोपैथिक सर्टोली सैल ऑनली सिंड्रोम (एससीओएस) के मामलों में जीनोमिक कारणों का पता लगाने के लिए एसएनपी माइक्रोअरी का उपयोग कर हाई रिजोल्यूशन जीनोमिक स्क्रीनिंग, मनीष जैन, एम्स, 3 वर्ष, 2017-2020, 10 लाख रुपये
8. इडियोपैथिक सर्टोली सेल ओनली सिन्ड्रोम (एससीओएस): एपिजेनोमिक एटियोलॉजी का पता लगाने के लिए एक जांच, मनीष जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 45 लाख रुपये
9. पुरुष प्रजनन प्रणाली पर इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक क्षेत्र के प्रभावों का इन विट्रो मूल्यांकन, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 58.27 लाख रु.
10. संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों और बायोमार्कर खोज की पहचान करने हेतु डिम्बग्रंथि के कैंसर ट्रांसस्क्रिप्टोम का एकीकृत विश्लेषण, आशुतोष हल्दर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 54 लाख रुपये
11. पॉली सिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम (पीसीओएस): हाइपरएंड्रोजेनिज्म (नैदानिक) और हाइपरएंड्रोजेनेमिया (जैवरसायन) और अंतर्निहित ईटियोलॉजिक (पश्च आनुवंशिक और आनुवंशिक) कारकों के बीच विसंगति के कारणों का पता लगाने की जांच, आशुतोष हल्दर, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 51 लाख रुपये
12. एचसीजी किट के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, पीके चतुर्वेदी, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड / स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वार्षिक, 9 लाख रुपये
13. समय पूर्व डिम्बग्रंथि विफलता में माइटोकॉन्ड्रियल फैटी एसिड शटल सिस्टम की भूमिका, मोना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 41 लाख रुपये
14. ऊसाईट इंट्रासेल्यूलर कैल्शियम में बढ़ोतरी की पुष्टि हेतु संभावित शुक्राणु कारकों और संबंधित संकेतक पथ का अध्ययन, मोना शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
15. गोनाड्स में टीजीएफ-बीटा और इंसुलिन सिग्नलिंग से प्रेरित प्रजनन दीर्घायु लक्ष्यों की कार्यात्मक गतिविधि को समझना, नीरज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 50 लाख रुपये
16. प्रोस्टेट कोशिकाओं में सेक्स-स्टेरॉयड की मध्यस्थता वाले स्ट्रोमल-एपिथैलियल परस्पर क्रिया पर सूक्ष्म पोषक तत्वों और विटामिन के प्रभाव को स्पष्ट करनाः सामान्य प्रोस्टेट फिज़ियोलॉजी के रखरखाव में भूमिका, दीपक पांडे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 42.3 लाख रुपये

पूर्ण

1. कैनोरहैब्डाइटिस एलिगेंस में स्वस्थ आयु के एचडीएसी इनहिबिटर्स मीडिएटिड जीनोम-व्यापी गतिशीलता, नीरज कुमार, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017-2020, 50 लाख रुपये
2. वीईजीएफ एक्सप्रेशन और लेडीग कोशिका की कार्यात्मकता के मॉड्यूलेशन में 3,5,3'-एल-ट्रायोडोथिरोनिन (टी3) की भूमिका, सुरभि गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 39 लाख रुपये

3. भ्रूण विकास के दौरान टर्नओवर और ट्रांसलेशन नियामक एमआरएनए बाध्यकारी प्रोटीन (टीटीआर-आरबीपी) के ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस मीडिएटिड रेगुलेशन को स्पष्ट करना, नीरज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 10 लाख रुपये
4. प्रोस्टेट स्ट्रोमल कोशिकाओं के प्रभाव में बढ़ रही प्रोस्टेट एपिथेलियल कोशिकाओं पर आहार फ्लैवोनोइड्स के प्रभावों का अध्ययन करना, दीपक पांडे, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ओवरियन की परिपक्वता पूर्व विफलता के आनुवंशिक निर्धारक
2. प्रोस्टेट कैंसर कोशिका लाइंस पर औषधीय अर्क की कैंसर-रोधी गतिविधि का मूल्यांकन
3. टेक्स29 प्रोटीन की विशेषता और गर्भाधान में इसकी संभावित भूमिका।
4. फास्फोलिपेज सी जेटा अभिव्यक्ति पर मानव शुक्राणु विट्रीफिकेशन का प्रभाव
5. प्रोस्टेट कोशिकाओं में स्ट्रोमल-एपिथैलियल परस्पर क्रिया पर चयनात्मक एस्ट्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर (एसईआरएम) का प्रभाव
6. शारीरिक और रोगात्मक परिस्थितियों के अंतर्गत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एपिथेलियल से मेसेनकीमल ट्रांजिशन के दौरान एपिजेनेटिक परिवर्तन
7. पॉलिसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम का हेतुविज्ञान और बायोमार्कर
8. *कैनोरहैबिडिटिस एलेगेंस* में मानव ओवेरियन ऑर्थोलॉग्स रेगुलेटिंग इन्सुलिन के संकेतन पर निर्भर प्रजनन दीर्घावधि की कार्यात्मक विशेषताएं
9. पीओएफ का आनुवंशिकी
10. पीसीओ की जीनोमिक्स और एपिजिनोमिक्स
11. सर्टोली सेल ओनली सिन्ड्रोम (एससीओएस) मामलों में माइक्रोआरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइल
12. ट्रोफोब्लास्ट बायोलॉजी में इंडोलिमाइन 2,3-डीओक्सिहाइडेज़ की भूमिका।
13. ऊसाईट एक्टिवेशन में एल-कार्नाइटाइन की भूमिका
14. ट्रोफोब्लास्ट कोशिका में एंजियोजेनिक कारकों के विनियमन में माइक्रो आरएनए की भूमिका
15. ट्रोफोब्लास्ट कोशिका के प्रसार को नियंत्रित करने में एम.आई.आर.-143-3पी. की भूमिका
16. बार बार होने वाले गर्भावस्था के नुकसान के रोगियों में प्लेसेंटा से निकाली गई एक्सोसोम की मात्रा के निर्धारण की भूमिका

पूर्ण

1. प्रजनन उम्र बढ़ने के दौरान भ्रूण की विकासात्मक योग्यता पर एचडीएसीआई का मूल्यांकन
2. विषम लिंग अनुपात का जैविक आधार
3. प्रतिरोपण पूर्व चूहे के भ्रूण में क्रोमोसोम मोजेसिज्म और एनीप्लोइडी
4. मानव शुक्राणु और चूहों के ऊसाईट एक्टिवेशन में सिट्रेट सिंथेस एक्सप्रेशन

5. मेनोपॉजल के बाद महिलाओं पर पॉली हर्बल निर्मित अशोकारिस्ट का डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
6. प्रोस्टेट कोशिकाओं में हार्मोन मीडिएटिड स्ट्रोमल-एपिथेलियल इंटरेक्शन पर आहार फ्लेवनोइड्स का प्रभाव
7. मेक्रोप्रोलैक्टिनिमिया की एटियोपैथोलॉजी
8. युवावस्था के सर्विकल कार्सिनोमा में नैदानिक प्रसार के आणविक आधार का मूल्यांकन
9. सरटोली सेल ऑनली सिंड्रोम (एससीओएस) का आनुवंशिक अध्ययन
10. प्राथमिक टेस्टिकुलर विफलता की आनुवंशिकी
11. एच.एस.6एस.टी.2 का उत्परिवर्तन मूल्यांकनः इडियोपैथिक पूर्व परिपक्व ओवरियन विफलता में एक प्रमुख जीन
12. क्रोमोसोम 13 और 21 एनीप्लोइडी की लेबलिंग के स्थान पर प्राइमड द्वारा तत्काल पहचान
13. समयपूर्व ओवरियन विफलता में साइटोकिन्स की भूमिका
14. ट्रोफोब्लास्ट कोशिका में एंजियोजेनिक कारकों के विनियमन में माइक्रो आरएनए की भूमिका
15. शुक्राणु दोषः भारी धातु की भूमिका, विटामिन ए और सर्टोली कोशिका परिपक्वता
16. टेस्टिकुलर रोगाणु कोशिका रुकावट (परिपक्वता रुकावट): फेनोटाइप-जीनोटाइप सहसंबंध की एक जांच
17. ओवेरियन की परिपक्वता पूर्व विफलता के आनुवंशिक निर्धारक
18. पूर्व भ्रूण विकास में एम.आर.एन.ए.3' यूटीआर बाइंडिंग प्रोटीन जीन के एक्सप्रेशन पर ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस के प्रभाव का अध्ययन
19. मॉडल प्रणाली के रूप में *केनोरहाब्डिटिस एलिगेंस* का उपयोग कर प्रजनन उम्र बढ़ने में संरक्षित आरएनए बाध्यकारी प्रोटीन (आरबीपी) की भूमिका का अध्ययन करने हेतु

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. प्रजनन अक्षम और प्रजननसक्षम भारतीय महिलाओं में एंटी मुलरियन हार्मोन और एंटरल फॉलिकल काउंट्स का आयु विशिष्ट मानदंड, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
2. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर, यूरोलॉजी के विकास हेतु क्लिनिको-जेनेटिक प्रोग्नॉस्टिक सिग्नेचर, मूत्ररोगविज्ञान
3. दीर्घ कालिक माइलोइस ल्यूकीमिया से पीड़ित पुरुषों में शुक्राणु के पैरामीटर्स और पीट्विटरी गोनेडल एक्सिस पर टाइरोसीन काइनेस इनहिबिटर्स का प्रभाव, रुधिर विज्ञान
4. 0 से 14 वर्ष आयु वर्ग के लड़कों में टेस्टोस्टेरोन और डायहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन हेतु एक सामान्य संदर्भ श्रृंखला (नोमोग्राम) की स्थापना, बाल शल्यचिकित्सा
5. ट्यूबरकुलोसिस में दबी हुई रोग प्रतिरोधक क्षमता पर चैकपाइंट इनहिबिटर्स का प्रभाव, प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान और प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

6. पीसीओएस से ग्रसित भारतीय महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह वाले माता-पिता के इतिहास का प्रभाव, एंडोक्रिनोलॉजी मैलिग्नेंटलेशंस, दंत विज्ञान केंद्र
7. मौखिक संभावित रूप से घातक और घातक घाव में बायोमार्कर्स के रूप में सूक्ष्मआरएनए और एचटीईआरसी जीन प्रोफाइल
8. अस्पष्टीकृत मृत-जन्म का आणविक आनुवंशिक मूल्यांकन, आनुवंशिकी एकक, बाल चिकित्सा
9. 3 साल से कम आयु के भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा फेटो प्रोटीन की संदर्भ सीमा, बाल शल्य चिकित्सा
10. एकाधिक माइलोमा में बोन मैरो माइक्रोइनवायरनमेंट की भूमिका, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कै.अ.
11. पैनक्रिएटिक कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मीडिएटिड मॉड्यूलेशन की भूमिका, जठरांत्र रोग विज्ञान
12. छोटे मॉलेक्यूल्स का अवशोषण करने वाले ईआर चैपरोन्स का थैराप्यूटिक लक्ष्य निर्धारणः प्रीक्लेम्पसिया में ईआर तनाव को कम करने के लिए एक वर्चुअल स्क्रीनिंग दृष्टिकोण, जैव सूचना विज्ञान विभाग, भारतीय विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु
13. बाल रोग संबंधी ठोस ट्यूमर के उत्तरजीवियों में रोग के दीर्घ अवधि प्रभाव एवं इसके उपचार का अध्ययन करने के लिए, बाल शल्य चिकित्सा
14. प्रोटीन प्रोफाइलिंग और तनाव के साथ सहसंबंध द्वारा एंडोमेट्रोसिस की पैथोफिजियोलॉजी को समझना, शरीर-क्रिया-विज्ञान
15. इडियोपैथिक हाइपोपेराथायरायडिज्म के अद्वितीय पहलू, अंतः स्राविकी विज्ञान

पूर्ण

1. प्रीक्लेम्पसिया में गर्भनाल धमनी वेलोसिमेट्री के साथ फेटो-मैटरनल हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादन का एक सहसंबंधी अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान
2. साइटोजेनेटिक और एफआईएसएच का उपयोग करके एकाधिक माइलोमा में गुणसूत्र विसंगतियों का गुणन, चिकित्सीय अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कै.अ.
3. वीर्य विश्लेषण और यौन-कार्य पर ट्रांस-अबडॉमिनल इंग्विनल हर्निया के सुधार का प्रभाव, सर्जरी
4. गैस्ट्रिक एडिनोकार्सिनोमा में सी एमईटी जीन एक्सप्रेशन का मूल्यांकन और पारंपरिक क्लिनिक-पैथोलॉजिकल पैरामीटर के साथ सह-संबंध - एक वर्णनात्मक अध्ययन, विकृति विज्ञान, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्वविद्यालय
5. सर्विकल इंट्राएपिथेलियल नियोप्लासिया के हिस्टोलॉजिक ग्रेड मार्कर के रूप में सर्विकल साइटोलॉजी स्पेसिमेंस में एचटीईआरसी प्रवर्धन का मूल्यांकन, पैथोलॉजी, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्वविद्यालय
6. लिम्फोसाइट पुनर्स्थापन और संक्रामक विकृति के बाद ऑटोलॉगस हेमेटोपोएटिक स्टीम सेल प्रत्यारोपण, चिकित्सीय अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कै.अ.

7. प्रारंभिक अपरिपक्व टी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया का आणविक जीवविज्ञान, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सं.रो.कै.अ.
8. बहु माइलोमा का आणविक जीवविज्ञान, चिकित्सीय अर्बुदविज्ञान, सं.रो.कै.अ.
9. स्पर्मेटोजेनेसिस में सूक्ष्म आरएनए की भूमिका, भारतीय प्रतिरक्षाविज्ञान संस्थान, दिल्ली
10. हृदय विकृति से ग्रस्त बच्चों में क्लिनिको-डिस्मोर्फिक प्रोफाइल और संबंधित विकृति का अध्ययन, एमएएमसी, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 9 पुस्तकों में अध्यायः 1

रोगी उपचार

डॉ. हल्दर को मुख्य रूप से दिल्ली के अन्य अस्पतालों से अथवा परामर्श/प्रबंध योजना/सलाह के लिए स्वयं रेफरल और विशेष रूप से पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनैडिज्म, बार-बार गर्भपात, बार-बार आईवीएफ विफलता, आनुवंशिक विकार और विकृति सिंड्रोम में प्रजनन आनुवंशिकी से संबंधित 100 से अधिक मामलों को सौंपा जा चुका है।

प्रयोगशाला सेवा के रूप में कार्यभार

एसटीआर/माइक्रोसैटेलाइट मार्करों का उपयोग करके मानकीकृत अतिरिक्त मॉलेक्यूलर साइटोजेनेटिक तकनीक (स्थानीय तौर पर हाईब्रिडाइजेशन सेवाओं में जारी फ्लोरोसेंट के अतिरिक्त), और रोगी उपचार हेतु उपयोग

प्रजनन जैवविज्ञान विभाग (आण्विक साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला) में विशेष प्रयोगशाला सुविधाएँ, एम्स

रक्त (इंटरफेज़/मेटाफेज़ कोशिका), बक्कल कोशिका, मूत्र कोशिका, ठोस कोशिका इत्यादि पर माइक्रोडिलीशन एफआईएसएच

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम के संदिग्ध कुल 300 मरीजों को भर्ती किया गया है। हमने अपनी मॉलेक्यूलर साइटोजेनेटिक्स लैब में सभी मामलों का फिश-क्यूएफ-पीसीआर किया है और सभी मरीजों की रिपोर्ट दी है। हमने पीडब्ल्यूएस मामलों के लिए मिथाइल विशिष्ट पीसीआर को मानकीकृत किया है, और हमारी प्रयोगशाला में मिथाइल विशिष्ट पीसीआर की सुविधा शुरू की है। हम शीघ्र से शीघ्र हमारे विभाग में सभी माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम्स के माइक्रो-ऐरे की सुविधा शुरू करने जा रहे हैं (निविदा पूर्व में ही अपलोड कर दी गई है)।

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम की सूचीः

- डिजॉर्ज सिंड्रोम (22क्यू11.2)
- विलियम सिंड्रोम (7क्यू11.23)
- प्रेडर विली सिंड्रोम (15क्यू11.13)
- रेटिनोब्लास्टोमा (13क्यू)
- मिलर डैकर सिंड्रोम (17पी13.3)
- लेंगर गीडियन्स सिंड्रोम (8क्यू24.11)
- 1पी36.13
- वूल्फ हिर्सकॉर्न (4पी16.3)

प्रसवपूर्व एफआईएसएच (एम्नीओटिक द्रव कोशिकाएँ/कोरियोनिक ऊतक)

- ट्राईसोमी 21 (डाउन सिंड्रोम)
- ट्राईसोमी 18 (एडवर्ड सिंड्रोम)
- ट्राईसोमी 13 (पटाऊ सिंड्रोम)
- कोई भी ऑटोसोमल एन्यूसप्लॉइडीस (अनुरोध पर)

कैरियोटाइपिंग (केवल अनुसंधान उपयोग के लिए)
सेक्स क्रोमोसोम एफआईएसएच (एक्स, वाई, एसआरवाईः केवल अनुसंधान और बांझपन)
वाईक्यू माइक्रोडिलिशन पीसीआर (तकरीबन 20 प्राइमर पूरे हुए)
पीआरआईएनएस (गुणसूत्र 13, 18, 21, एक्स, वाई)
क्यूएफ-पीसीआर (डीजी, डब्ल्यूएस, पीडब्ल्यूएस, आरबी, एमडी, लैंगर-गिडियंस, ट्राइसोमी 13, 18, 21, आदि)
मिथाईल विशिष्ट पीसीआर (पीडब्ल्यूएस)
डीएनए माइक्रोएरे (माइक्रोडिलिशन सिंड्रोम/प्राथमिक टेस्टिकुलर विफलता/पीओएफ/पीसीओएस)

सीआरआईए सुविधाः
सुविधा में एलएच, एफएसएच, प्रोलैक्टिन टी3, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्राडियोल, प्रोजेस्टेरोन, अल्फा फेटो-प्रोटीन, प्रोस्टेट विशिष्ट एंटीजन (पीएसए), बीटा एचसीजी, सीए-125, कोर्टिसोल और विटामिन डी, एंटी टीपीओ, एंटी टीजी, फ्री टी3, फ्री टी4, बीएनपी, ट्रोपोनिन आई, सीकेएमबी, होमोसिस्टीन, एसएचबीजी, सीईए, सीए 19.9, सीए 15.3, फ्री पीएसए, प्रो जीआरपी, एचई 4, एक्टिव बी12, फेरिटिन, फोलेट, इंसुलिन, पीटीएच, सी-पेप्टाइड, एचबीए1सी और एंटी सीसीपी, डीएचटी, 17 हाइड्रोक्सी प्रोजेस्टेरोन, एसीटीएच, जीएच, इनहिबिन बी और एएमएच और प्रोकैल्सिटोनिन (पीसीटी) के लिए 47 पैरामीटर की नियमित जांच के लिए संस्थान और बाहरी रोगियों के रक्त के लिए नमूने लिए गए थे। हमने नया परीक्षण शुरू किया है - मेथोट्रेक्सेट।

क्र.सं.	जांच का नाम	कुल सं.
1	17-ओएचपी	471
2	एसीटीएच	5
3	एक्टिव बी12	19423
4	एएफपी	6231
5	एएमएच	5185
6	एंटी-सीसीपी	3858
7	एंटी-टीजी	198
8	एंटी-टीपीओ	1348
9	बीएचसीजी	1546

10	बीएनपी	1099
11	सीए-125	2831
12	सीए15.3	10
13	सीए19.9	2607
14	सीईए	2523
15	सीकेएमबी	6
16	कोर्टीसोल	1616
17	सी-पेप्टाइड	2
18	डीएचईएएस	542
19	डीएचटी	2
20	एस्ट्रेडियोल	1094
21	फेरिटीन	12022
22	फोलेट	13251
23	फ्री पीएसए	122
24	फ्री टी3	843
25	फ्री टी4	1092
26	एफएसएच	7488
27	ग्रोथ हार्मोन (जीएच)	171
28	होमोसिस्टीन	34
29	इनहिबिन बी	33
30	इंसुलिन	1804
31	इंटेक्ट पीटीएच	15086
32	एलएच	6660
33	मेथोट्रेक्सेट	113
34	पीसीटी	15141
35	प्रोगेस्टेरोन	351
36	प्रोलेक्टीन	5951
37	पीएसए	3184
38	एसएचबीजी	7
39	टेस्टोस्टेरोन	2043

40	टोटल टी3	19961
41	टोटल टी4	22926
42	ट्रोपोनिन-I	526
43	टीएसएच	50258
44	टीटी4	1
45	विटामिन डी, 25-हाइड्रोक्सी	32639
	कुल	**262304**

जाँच

जेएसएसकेः 5900

बीपीएलः 9200

एबी-पीएमजेएवाईः 395

किए गए परीक्षणों की संख्या पिछले वर्ष के 2,37,956 से बढ़कर इस वर्ष 2,62,304 हो गई है। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान परियोजना अध्ययनों के लिए 4000 से अधिक संख्या के विभिन्न परीक्षण पूर्ण किए गए। लगभग 50 रोगियों को एंड्रोलॉजी सेवाएं दी गई जिसमें संपूर्ण शुक्राणु पैरामीटर्स (शुक्राणु गणना, स्वतः गतिशीलता, चेतनत्व, मोर्फोलॉजी) शामिल थी।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर केआर लॉमस ओरेशन ऑफ द डिपार्टमेंट, वर्ष 2019 प्रोफेसर एजे राव, आईआईएससी बैंगलोर को प्रदान किया गया।

तीन उत्कृष्ट पोस्टर अवार्ड, वर्ल्ड कांग्रेस ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थ, जिसमें प्रजनन संबंधी कैंसर बांझपन तथा सहायता आधारित प्रजनन पर जोर दिया गया था, तथा आईएसएसआरएफ की 30वीं वार्षिक बैठक के दौरान, जिसका आयोजन 14-16 फरवरी 2020 को जम्मू में किया गया थाः पलक सिंह, सुरभि गुप्ता, दीपक पांडेय, पीके चतुर्वेदी। प्रोस्टेट कैंसर हेतु हर्बल बीज निकालने की संभावित कैंसर विरोधी गतिविधि; राणा आर, हल्दार ए, गुप्ता एस, शर्मा एम। टीएनएफ-ए प्रेरित चूहों ऊसाइट एपोप्टोसिस में एल-कार्निटाइन की भूमिका; चौधरी जे, कनिका, गुप्ता एस। एपिजेनेटिक रेगुलेशन ऑफ एपिथेलियल टू मेसेंकाईमल ट्रांजिशन इन ट्रोफोब्लास्ट सेल्स को आईएल-6 सिग्नलिंग द्वारा मध्यस्थ किया गया है।

प्रोफेसर आशुतोष हल्दर को ईएसआईसीओएन 2019 के दौरान एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया 2019 का डॉ. सुभाष मुखर्जी ओरेशन अवार्ड प्राप्त हुआ; उन्होंने तीन अलग अलग अधिवेशनों की अध्यक्षता की (आईएसएसआरएफ, स्पीडकॉन2020 और एसटीओएक्स); विभिन्न राष्ट्रीय अधिवेशनों (एसआईएएमजी, एनआईआरआरएच इत्यादि) में पोस्टर अवार्ड के लिए निर्णयकर्ता रहे; मानव विकास और रोग जीव विज्ञान टास्क फोर्स सदस्य - मातृ एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम डीबीटी; एमसीआई के मेडिकल जेनेटिक्स के टास्क

फोर्स सदस्य; सलाहकार पैनल - विशेषज्ञ सदस्य (जेनेटिक्स) एवं एनएएमएस के सलाहकार पैनल (बायोटेक्नोलॉजी) की सदस्यता; एनआईएचएफडब्ल्यू के कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) और संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) के सदस्य; एनआईआई की संस्थागत समिति-स्टीम सेल रिसर्च (आईसी-सीएसआर) के सदस्य; एमपी पीसीओएस सोसायटी के कार्यकारी सदस्य; आनुवांशिकी और साइटोजेनेटिक्स पर एनएबीएल की प्रत्यायन समिति के सदस्य; सीसीआरएएस (आयुष मंत्रालय के तहत) की विशेषज्ञ समिति के सदस्य; डीएम (मेडिकल जेनेटिक्स; एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ) के लिए बाहरी परीक्षक एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों (जेएनयू, सीडीआरआई, डीयू, एसजीपीजीआई, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, केरल विश्वविद्यालय आदि) में पीएचडी (थीसिस एवं मौखिक); आईसीएमआर वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने के लिए आकलन बोर्ड के विशेषज्ञ; पीएसी समिति के सदस्य, आईसीएमआर (एसआरएफ/आरए परियोजनाएँ); संकाय, आईजीआईएमएस, पटना के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य; एंड्रोलॉजी सहित कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं (ज्यादातर अनुक्रमित सहकर्मी की समीक्षा) के लिए समीक्षक, आणविक आनुवंशिकी और जीनोमिक चिकित्सा, प्रजनन जीव विज्ञान, एक्टा ऑब्स्टेट्रिसिया एट गाइनकोलोजिका स्कैंडिनेविका, आणविक साइटोजेनेटिक्स, जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक जेनेटिक्स, जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, टॉक्सिन रिव्यूज़, स्कॉलर्स रिपोर्ट, साइंस अलर्ट, ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल रिसर्च, नैदानिक चिकित्सा अंतर्दृष्टि: प्रजनन स्वास्थ्य, आनुवंशिकी में केस रिपोर्ट, जर्नल ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्शन एंड जेनेटिक्स, पीयर जे, साइंस डोमेन इंटरनेशनल, इंडियन पीडियाट्रिक्स, आईजेएमआर, आदि; 100 से अधिक उद्धरण (कुल 1000 से अधिक; गूगल स्कोलर उद्धरण 977); **संपादकीय/सलाहकार मंडल/कार्यकारी सदस्यः** *अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स-* ओपन जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स ऑफ साइंटिफिक रिसर्च (जो कि 200 से अधिक ओपन जर्नलों का प्रकाशन करती है); जर्नल क्लिनिकल केस रिपोर्ट एंड रिव्यूज (सीसीआरआर); जेबीआर जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोसिस एंड रिसर्च; एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज (2012 तक); ऑस्टिन जर्नल ऑफ़ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड इनफर्टिलिटी; बायोइंफो पब्लिकेशंस जर्नल्स; ग्लोबल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स एंड जीन थेरेपी; नैदानिक अनुसंधान और विकास: ओपन एक्सेस; एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकिल एंड क्लिनिकल रिसर्च आदि। ***राष्ट्रीय पत्रिकाएँ-*** जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थ एंड मेडिसिन (आईएसएसआरएफः आईएसएसएनः 2214-420एक्स, साइंटिफिक स्कॉलर एलएलसी, यूएसए द्वारा प्रकाशित), जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया (जेनेटिक्स सेक्शन); नैदानिक अनुसंधान और विकास; इनोवेयर जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस।

प्रोफेसर प्रदीप कुमार चतुर्वेदी एमएससी प्रजनन जैवविज्ञान एवं नैदानिक भ्रूणविज्ञान हेतु पाठ्यक्रम समन्वयक थे; उन्होने सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन (यूएसए) ''बियोंड पॉसिबल'' के 52वें वार्षिक बैठक के अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशनः रिमार्केबल ट्रांसफार्मेशन ऑफ रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी में हिस्सा लिया, जो सैन जोस सीए, यूएसए में 18 से 21 जुलाई 2019 को आयोजित किया गया था; वर्ल्ड कांग्रेस ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थ, जिसमें प्रजनन संबंधी कैंसर बांझपन तथा सहायता आधारित प्रजनन पर जोर दिया गया था, तथा आईएसएसआरएफ की 30वीं वार्षिक बैठक के दौरान, जिसका आयोजन 14-16 फरवरी 2020 को जम्मू में किया गया था, में अध्यक्षता की; **सरकारी संस्थान / संगठन / नेशनल सोसाइटी के विशेषज्ञ /**

समिति / टास्क फोर्स सदस्य: पीजी, एम्स के लिए नीति-विषयक समिति के सदस्य, पीएचडी के लिए परीक्षक और एमएससी पीएचडी परीक्षक आईएम टेक चंडीगढ़, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की परियोजनाओं के समीक्षक, आईसीएमआर चयन समिति के सदस्य, सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च और एड-हॉक परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति के सदस्य और जर्नल ऑफ एंड्रोलोजिया के समीक्षक थे।

9.38. रूमेटोलॉजी

आचार्य एवं अध्यक्ष

उमा कुमार

सहायक आचार्य

रंजन गुप्ता
दानवीर भादू
रुद्र प्रसाद गोस्वामी
बृजनंदन गुप्ता
(इम्यूनोपैथोलॉजी)

विशिष्टताएं

रुमेटोलॉजी विभाग की स्थापना अगस्त 2015 में की गई और अधिसूचित भी किया गया। यह विभाग अत्याधुनिक रोगी उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है और संसाधनों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो कि रुमेटोलॉजिकल बीमारियों के रोगियों की विशाल संख्या से निपटने के लिए आवश्यक है। जगह की कमी के कारण विभाग केवल दो ओपीडी और एक रुमेटोलॉजी क्लिनिक का संचालन करने में सक्षम है। इसकी 6-बिस्तरों वाली रूमेटोलॉजी डे केयर सेवा, जो भारत में पहली बार 2012 में शुरू की गई थी, विभिन्न हस्तक्षेपों, उपचारों और प्रक्रियाओं हेतु कम समय के लिए भर्ती की आवश्यकता वाले रोगियों की आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। आम जनता और चिकित्सा-पेशेवरों के बीच गठिया और संबंधित विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जाती हैं। अनुसंधान में भी विभाग अग्रणी रहा है; इसके लिए रु. 8,23,54949.00 (आठ करोड तेईस लाख चौवन हजार नौ सौ उन्चास) का अनुसंधान अनुदान प्राप्त है और कई सहयोगी परियोजनाएँ भी यहाँ चल रही हैं। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में विभाग के संकाय के कई लेख प्रकाशित किए गए। विभागीय क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी लैब विभिन्न प्रतिरक्षाविज्ञानी जांच के मामले में पूरे अस्पताल की जरूरतों को पूरा करती है, जो संख्या में काफी अधिक होते हैं। प्रशिक्षित रूमैटोलॉजी विशेषज्ञों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, विभिन्न सरकारी संगठनों से चिकित्सा विशेषज्ञों को नियमित आधार पर अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विभाग शिक्षण कार्यक्रम चला रहा है, और यह रुमेटोलॉजी में 'डीएम' पर सुपर-स्पेशलिटी पाठ्यक्रम आरंभ करने हेतु प्रयासरत है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

1. सेमेस्टर 8 के लिए; नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान का स्कोप, स्वप्रतिरक्षा और स्वप्रतिरक्षी रोगों पर वर्तमान अवधारणा, 19 मार्च 2020
2. सेमेस्टर 8 के लिए; सिस्टेमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस; 25 मार्च 2020
3. सेमेस्टर 8 के लिए; 18 फरवरी 2020 को रूमेटॉइड आर्थराइटिस का उपचार
4. सेमेस्टर 8 के लिए 20 फरवरी 2020 को इंफ्लेमेट्री मायोसिटिस

5. सेमेस्टर 8 के लिए 26 फरवरी 2020 को स्मॉल वेसल वैस्कुलिटिज
6. सेमेस्टर 8 के लिए 18 फरवरी 2019 को सिस्टेमिक सेलेरोसिस और ओवरलैप सिंड्रोम
7. सेमेस्टर 8 के लिए 19 मार्च 2019 को पॉलीआर्थराइटिडस के रोगी पर अध्ययन

चौथे, छठे और आठवें सेमेस्टर के लिए बेडसाइड शिक्षण नियमित रूप से किया गया।

स्नातकोत्तरः सेमिनार, बेडसाइड शिक्षण, मृत्युदर की समीक्षा, जर्नल स्कैन एवं जर्नल क्लब, प्रत्येक सप्ताह रोगी परिचर्चा

नर्सिंग व्याख्यानः नर्सिंग स्टाफ के विभिन्न संवर्गों हेतु रुमेटोलॉजिकल विकारों पर व्याख्यान माला का आयोजन।

चिकित्सकों को दिया गया अल्पकालीन प्रशिक्षण

1. डॉ. मो. अलाउद्दीन अल मामून, बांग्लादेश, 18 फरवरी 2020-14 अप्रैल 2019
2. डॉ. चिरंजीता फुकन, असम, 16 फरवरी 2020- 26 मार्च 2020
3. डॉ. एन सेबेस्टियन, यूके, 30 मई 2019- 7 जून 2019

'रूमेटोइड आर्थराइटिस' पर टेलीमेडिसिन व्याख्यान।

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 'रुमेटोलॉजी में सामान्य इम्यूनोलॉजिकल परीक्षणः रेसिडेन्ट्स हेतु एक प्रीमियर' पर व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन (10 नवंबर 2019)

प्रदत्त व्याख्यान

उमा कुमारः 18 **दानवीर भादूः 4** **रंजन गुप्ताः 4**
रुद्र प्रसाद गोस्वामी: 3

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टरः 18 (सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति, सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार स्वामी कुवलयानंद छात्रवृत्ति पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. रूमेटॉइड आर्थराइटिस वाले रोगियों में फिल्गोटिनीब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु दीर्घकालिक बहुकेन्द्रीय, डबल ब्लाइंड अध्ययन, उमा कुमार, गिलियड फार्मास्यूटिकल्स, 6 वर्ष, 2019-2025, 21.29 लाख रु.
2. सक्रिय सोरियाटिक आर्थराइटिस (गठिया) वाले रोगियों में ग्लेनमार्क एप्रेज़ो® (एप्रेमिलास्ट) टेबलेट की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक चरण-IV क्लिनिकल परीक्षण, उमा कुमार, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 4.5 लाख रुपये

3. स्थानीय रूप से स्वीकृत सूचना के अनुसार, रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) वाले भारतीय रोगियों में सिम्पोनी® (गोलीमुमाब इंजेक्शन 50मिग्रा) के उपयोग से जुड़ी सुरक्षा की निगरानी हेतु एक संभावित, बहुकेन्द्रीय, पोस्ट-मार्केटिंग निगरानी। उमा कुमार, सिरो क्लीनफार्म, 2 वर्ष, 2019-2020, 2.5 लाख रुपये
4. सक्रिय सोरियाटिक आर्थराइटिस के रोगियों में उपचर्म तौर पर दिए गए एडालिमुमाब मोनोथेरेपी के साथ तुलना में त्वचा के भीतर दिए गए खुराक के रूप में सेक्युकिनुमाब मोनोथेरेपी के 52वें सप्ताह में प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, सक्रिय नियंत्रण, बहुकेन्द्रीय अध्ययन। उमा कुमार, नोवार्टिस इंडिया लि., 2 वर्ष, 2018-2020, 9.39 लाख रुपये
5. लुपस नेफ्रैटिस रोग गतिविधि के बायोमार्कर के रूप में एंडोजीनस टीएलआर4 लिगैंड्स एमआरपी8/14 तथा टेनास्किन-सीः क्रॉस सेक्शनल और देशांतरीय मूल्यांकन, रंजन गुप्ता, एम्स, 3 वर्ष, 2017-2020, 10 लाख रुपये
6. इन्फ्लेमेटरी मायोसाइटिस में मांसपेशियों की पुरानेपन के मार्कर, दानवीर भादू, इंडियन रुमेटोलॉजी एसोसिएशन, 1 वर्ष, 2020-2021, 2 लाख रुपये
7. रूमेटॉइड आर्थराइटिस में मेथोट्रेक्सेट की प्रतिक्रिया की अनुमानः मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं पर एडेनोसिन एक्टोएन्जाइम नेटवर्क की भूमिका, रंजन गुप्ता, एपीएलएआर, 2 वर्ष, 2017-2020, 7.5 लाख रुपये
8. एक्यूट गोटी आर्थराइटिस में टीएलआर-4 की भूमिका, दानवीर भादू, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 2.3 लाख रुपये
9. सेन्सिस्टम-ऑन (विस्तार): 'सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस से संबंधित इंटरस्टीशियल लंग डिज़ीज' (एसएससी-आईएलडी) के रोगियों में निंटेडानिब की दीर्घकालिक सुरक्षा का आकलन करने हेतु एक ओपन-लेबल एक्सटेंशन परीक्षण, उमा कुमार, बोएह्रिंगरइंगेलहाइम, 3 वर्ष, 2018-2021, 49.52 लाख रुपये
10. ल्यूपस नेफ्रैटिस में बायोमार्कर के रूप में घुलनशील ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर (टीएनएफ) रिसेप्टर्स टीएनएफआरएसएफ1बी तथा टीएनएफआरएसएफ6बी, रंजन गुप्ता, दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन, 1 वर्ष, 2018-2019, 1 लाख रुपये
11. जटिल बीमारियों की सिस्टम्स बायोलॉजीः रुमेटॉइड अर्थराइटिस हेतु आनुवंशिक निष्कर्षों से लेकर मोलेक्यूल विकास का नेतृत्व करना। सेंटर फॉर एक्सीलेंस ऑन जीनोम साइंस एंड प्रेडिक्टिव मेडिसिन (जीईएसपीआरईएम) फेस-II, उमा कुमार, डीएसटी, 5 वर्ष, 2015-2020, 59.6 लाख रुपये
12. ऑटोइम्यूनिटी और सूजन के साथ वायु प्रदूषण की परस्पर क्रिया का अध्ययन करना, उमा कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 49.3 लाख रुपये

पूर्ण

1. ए रेंडोमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लैसिबो-एंड एक्टिव-कंट्रोल्ड, मल्टीसेंटर, फेज 3 स्टडी टू एस्सेस द एफिशिएंसी एंड सेफ्टी ऑफ फिल्गोटिनिब एडमिनिस्टर्ड फॉर 52 वीक इन कांबिनेशन विद मेथोट्रेक्सेट टू सब्जेक्ट विद मॉडरेटली टू सवरली एक्टिव रह्यूमेटोइड आर्थराइटिस हू हैव इन

इनएडीक्यूएट रिस्पोंस टू मेथोट्रेक्सेट, उमा कुमार, गिलीड फार्मास्यूटिकल, 2 वर्ष, 2018-2019, रु. 23.8 लाख

2. प्रभावकारिता का आंकलन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो और सक्रिय-नियंत्रित, मल्टीसेंटर, चरण 3 का अध्ययन और फिल्गोटिनिब की 52 सप्ताह के लिए सुरक्षा और मेथोट्रेक्सेट (एमटीएक्स) के साथ संयोजन में उन विषयों के साथ होती है, जो गंभीर रूप से सक्रिय संधिशोथ के साथ होते हैं जो एमटीएक्स थेरेपी के लिए एनएआईवीई हैं, उमा कुमार, गिलीड फार्मास्यूटिकल, 2 वर्ष, 2018-2019, रु. 15.86 लाख
3. एक चरण III, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित, सक्रिय सोरायसिस अर्थिराइटिस (फ्यूचर 5) वाले विषयव्यक्तियों में 2 साल तक की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता (संरचनात्मक क्षति के निषेध सहित) को प्रदर्शित करने हेतु पहले से भरे सिरिंज में त्वचा के नीचे दिए गए सेक्युकिनुमाब (150 मिग्रा और 300 मिग्रा) का बहु-कैंन्द्रीय अध्ययन, उमा कुमार, नोवार्टिस फार्मास्युटिकल, 2 वर्ष, 2018-2020, 19.44 लाख रुपये

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. रुमेटॉइड अर्थराइटिस के आकलन हेतु एक अनुमानित बायोमार्कर विकसित करने के लिए एक संयुक्त मेटाबोलोम और प्रोटेओम प्रोफाइलिंग, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली
2. क्लिनिकल और जीनोमिक्स दृष्टिकोण के माध्यम से पॉलीएंगाइटिस के साथ ग्रैनुलोमैटोसिस का अध्ययन करने हेतु एक भारतीय पहल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, भटिंडा, पंजाब
3. प्राथमिक सिजोग्रेन्स सिंड्रोम में रेनल ट्यूबलर एसिडोसिस वाले रोगियों का क्लिनिकल और आनुवंशिक लक्षण वर्णन, रुमेटोलॉजी विभाग, सैंट स्टीफन हॉस्पिटल, दिल्ली
4. एंटिफॉस्फोलीपिड सिंड्रोम और रुमेटॉइड अर्थराइटिस में इन्फ्लामेसोम सक्रियण और नेटोसिस पर अलग-अलग विशिष्टताओं के एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी के प्रभाव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली
5. सेलिवरी स्केवेंडर एंड एग्लुथिनिन (एसएएलएसए) की भूमिका का मूल्यांकन और रयूमेटॉयड आर्थराइटिस (आरए) में लेक्टिन पाथवे कॉम्पोनेंट्स, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
6. प्रोटीओमिक दृष्टिकोण का उपयोग करके रुमेटॉइड अर्थराइटिस में नए और विशिष्ट प्रोटीन बायोमार्कर की पहचान, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली
7. रूमेटॉइड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, एनाटॉमी
8. सिस्टेमिक लुपस एरिथमेटोसुस पर मल्टी-इंस्टीट्यूशनल नेटवर्क प्रोग्राम: एसएलई की डायवर्सिटी को समझना, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ, एनआईएमएस, हैदराबाद, जिपमेर, पुडुचेरी, सीएमसी, वेल्लोर, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज, बैंगलुरू, इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर, एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक, आईपीजीएमईआर, कोलकाता

9. किशोर स्कूली बच्चों में मस्कुलोस्केलेटल लक्षण और शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, संतोष विश्वविद्यालय, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

पूर्ण

1. रुमेटॉइड अर्थराइटिस के उपचार हेतु लक्षित नैनो मेडिसिन का विकास, पैथोलॉजी
2. रूमेटॉइड आर्थराइटिस की बायोलॉजी की जानकारी : कुछ/नॉवेल जेनेटिक डेटरमिनेंट्स का फंक्शनल कैरेक्टेराइजेशन, आनुवंशिकी विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 7 सारः 2 पुस्तकों में अध्यायः 2

रोगी उपचार

ओपीडीः देखे गए कुल रोगियों की संख्याः 28,641 (नए 6939 एवं अनुवर्ती 21702)

रुमेटोलॉजी डे केयर सुविधा

बायोलॉजिक्स / इम्यूनोसप्रेसिव ड्रग इन्फ्यूजनः	1582	इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शनः	1186
एससी/आईएम इंजेक्शन (बायोलॉजिक, स्टेरॉइड, आदि):	845	बायोस्पेसिसः	64
अल्ट्रासाउंडः	417	अन्यः	85

कुलः 5031

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला

कुल रक्त और श्लेष नमूने का विश्लेषण: 42528

आरएफः 7570	**एएनएः** 11345	**डीएसडीएनएः** 4398
ईएनएः 351	**एएनसीएः** 5461	**एलकेएम-1:** 2318
एएसएमएः 2324	**आईजीए आईजीजीः** 1032	**सी3:** 2742
सी4: 146	**एसीएल-आईजीजी एसीएल-आईजीएम:** 4544	
क्रायोग्लोबुलिन और क्रायोफिब्रिन: 92	**क्रिस्टल के लिए सायनोवियल फ्लूइडः** 205	

सार्वजनिक/रोगी जागरूकता गतिविधियाँ

सामुदायिक सेवा

1. लेह, लद्दाख तथा प्रतापगढ़ में चिकित्सा शिविर
2. एम्स में आर्थराइटिस पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया
3. एम्स में एसएलई पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया
4. रुमेटालॉजिकल विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रिंट मीडिया में लेखन

5. आर्थराइटिस पर टीवी और रेडियो कार्यक्रमों में भाग लेना
6. मुद्राओं और आसनों (पोजेस एंड पोस्चर्स) (सभी के लिए मस्कुलोस्केलेटल स्वास्थ्य) पर जन जागरूकता पुस्तिका प्रकाशित
7. वायु प्रदूषण तथा ऑटोइम्यूनिटी पर जन जागरूकता पुस्तिका प्रकाशितः क्या वे एक-दूसरे से जुड़े हैं?

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर उमा कुमार को 28 फरवरी 2020 (राष्ट्रीय राजधानी दिवस) पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का उपयोग करते हुए, जनता के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार को लोकप्रिय बनाने में उत्कृष्ट प्रयासों हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार (2020) प्राप्त हुआ; उन्हें भारत में सेवरॉन फाउंडेशन, इंडिया द्वारा समाज के लिए उनकी सेवाओं की मान्यता में अटल स्वास्थ्य भूषण सम्मान (2019) से सम्मानित किया गया; वर्ष 2019 के लिए 'संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एमसी गुप्ता' की अगवानी की; अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीएसआईआर-एनआईएसटीएडी, दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि रहे; स्वास्थ्य अनुसंधान कॉन्क्लेव हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य समन्वयक, 5वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम, कोलकाता में जिसे 5 से 8 नवंबर 2020 तक आयोजित किया गया था; एनसीएसटीएस, डीएसटी, भारत सरकार के अधीन विज्ञान चैनल कार्यक्रम पर कार्यक्रम की समीक्षा और निगरानी सलाहकार समिति (पीआरएमएसी) के नियुक्त सदस्य; डीसीजीआई, भारत सरकार द्वारा आईएनडी समिति हेतु विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त; विभिन्न चयन समितियों और विशेषज्ञ समूहों के सदस्य; अंतर्राष्ट्रीय ल्यूपस मीट कोलकाता, 2020 जैसी विभिन्न बैठकों में सत्र की अध्यक्षता; डीएम रुमेटोलॉजी के लिए बाह्य परीक्षक रहे; डीबीटी, भारत सरकार द्वारा पुरानी बीमारियो की रोकथाम हेतु मंथन बैठक के लिए जेरियाट्रिक, पोषण और कार्यात्मक खाद्य पदार्थ हेतु आमंत्रित विशेषज्ञ थे।

डॉ. रंजन गुप्ता को बायोमेडिकल साइंस तथा क्लिनिकल अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रकाशित अनुसंधान कार्य हेतु आईसीएमआर द्वारा शकुंतला अमीरचंद पुरस्कार, 2018 प्राप्त हुआ; जयपुर में आईआईएस-आईयूआईएस-एफआईएमएसए इम्यूनोलॉजी पाठ्यक्रम में शामिल होने हेतु आईयूआईएस-एफआईएमएसए यात्रा बर्सरी प्राप्त की।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर (डॉ.) जॉर्ज स्चेट, प्रोफेसर और मेडिसिन विभाग के प्रमुख, रुमेटोलॉजी और इम्यूनोलॉजी, यूनिवर्सिटाटॉस्कलिनीकुम एर्नलनगेन एफएयू एर्लनगेन-नुर्नबेर्ग, ऑस्ट्रिया

9.39. शल्य चिकित्सा विभाग

आचार्य और अध्यक्ष

अनुराग श्रीवास्तव

आचार्य

सुनील चुम्बर	राजिंदर प्रसाद	वी. सीनू (असाइनमेंट पर)
संदीप अग्रवाल	वीरेंदर कुमार बंसल	अनीता धर

अपर आचार्य

हेमांग के. भट्टाचार्जी

सह-आचार्य

असूरी कृष्ण	पीयूष रंजन	मंजुनाथ मारुति पॉल
मोहित जोशी	यशवंत सिंह राठौर	कमल कटारिया
	सुहानी	

सहायक आचार्य

ओम प्रकाश

विशिष्टताएं

शल्य चिकित्सा विभाग मिनिमल इनवेसिव, थोरैसिक, वैस्कुलर, रीनल ट्रांसप्लांट, ब्रैस्ट, एंडोक्राइन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, बेरिएट्रिक और जनरल सर्जरी के कार्य देखता है। हम विशेष स्तन कैंसर, बैरियाट्रिक और रीनल ट्रांसप्लांट क्लीनिक चला रहे हैं। इसके अलावा, विभाग द्वारा बुनियादी और उन्नत लैप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम इनवेसिव प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। विभाग आस-पास के देशों के अनेक सर्जनों को अल्पकालिक प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। विभाग ने नियमित रूप से अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिसमें सर्जिकल आर्मामेंटेरियम जैसे स्तन, न्यूनतम इनवेसिव, बेरिएट्रिक, थोरैसिक सर्जरी के केंद्रित क्षेत्रों में ज्ञान प्रदान करने पर जोर दिया गया है। इन गतिविधियों में सीएमई, सम्मेलन और वेट लैब वर्कशॉप शामिल हैं। विभाग द्वारा आयोजित कुछ प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रमों में शामिल हैं- एम्स स्तन पाठ्यक्रम, बैरिकोन और थोरेसिक सर्जरी पर संगोष्ठी। हमारी टीम को लंग हार्वेस्ट और ट्रांसप्लांट के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराने के लिए फेफड़े के प्रत्यारोपण पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। हमारे विभाग के संकाय विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जिसमें विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रमों में सुधार के लिए सिमुलेशन-आधारित शिक्षण और कौशल मॉड्यूल का विकास शामिल है। हमारे रेजिडेंट और संकाय सदस्य नियमित रूप से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शोध कार्य प्रस्तुत करते रहे हैं और उन्हें पुरस्कार भी मिले हैं तथा सराहना भी प्राप्त हुई है। पिछले वर्ष भी कुछ प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संकाय सदस्यों ने दौरा किया जिन्होंने अपने अनुभव साझा किए। **25** सितंबर **2019** को आयोजित संस्थान दिवस समारोह में

पोस्टर और वीडियो प्रस्तुति के लिए विभाग को तीसरा पुरस्कार मिला है। हमें, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की दिल्ली राज्य शाखा के सर्वोत्तम मासिक सम्मेलन के संचालन के लिए रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है और यह ट्राफी हमें, नवंबर 2019 में आयोजित सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रदान की गई। विभाग ने स्तन कैंसर, मोटापा और अब कोविड-19 जैसी बीमारियों के प्रति सार्वजनिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

शिक्षा

1. साप्ताहिक स्नातकोत्तर संगोष्ठी
2. साप्ताहिक एमसीएच संगोष्ठी
3. प्रत्येक यूनिट में सप्ताह में एक बार जूनियर/सीनियर रेजिडेंट द्वारा मृत्यु दर और मृत्यु की स्थिति पर चर्चा
4. एमबीबीएस छात्रों के लिए ओपीडी/वार्ड में व्याख्यान, शिक्षण कार्यक्रम
5. जूनियर और एमसीएच रेजिडेंटों और एमबीबीएस छात्रों के लिए समय-समय पर आंतरिक मूल्यांकन
6. नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान
7. बीएससी ऑपरेशन थिएटर तकनीशियनों के लिए व्याख्यान
8. विभाग द्वारा प्रस्तुत सीसीआर:
   यूनिट I: व्हाट कीप्स कूल एंग्री
   यूनिट II: वंस इन ए ब्लू मून
   यूनिट III: ए मिस्टीरियस फॉसे ऑफ प्यू डी' ऑरेंज: एन अनसोल्व्ड रिडिल
   यूनिट IV: ए टेल ऑफ मल्टीपल वीटी-क्योर्ड बाइ सर्जरी
9. विभाग द्वारा प्रस्तुत सीजीआर:
   यूनिट III: सर्जिंग अहैड इनटु न्यू होराइजन्स: न्यूनतम एक्सेस थोरैसिक और ऊपरी जीआई सर्जरी का हमारा अनुभव
   यूनिट IV: एकल यूनिट में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का विकास: 3 दशकों की यात्रा
   (कोविड 19 महामारी के दौरान, विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों को वेबिनार और आभासी बैठकों के रूप में आयोजित किया गया)

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एसईटी केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली में एमसीएच रेजिडेंट के लिए लेप्रोस्कोपिक कैडेवर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
2. रेजिडेंट्स के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण: सीएएसटी 2019 में केडेवरिक मल्टीगर्ल रिट्रीवल, एसईटी केन्द्र, एम्स दिल्ली
3. ऑपरेटिव लेप्रोस्कोपी (5-दिवसीय पाठ्यक्रम) - अप्रैल, मई, जुलाई और अगस्त 2019 में 4 पाठ्यक्रम
4. लेप्रोस्कोपिक सीवन

5. रेजिडेंट्स के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण: कैडेवरिक मल्टी-ऑर्गन रिट्रीवल और एंडो-ट्रेनिंग सत्र
6. लैप्रोस्कोपिक सीवन कौशल (3-दिवसीय पाठ्यक्रम) - अप्रैल 2019 में 1 पाठ्यक्रम
7. लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी (3-दिवसीय पाठ्यक्रम) - अप्रैल और जुलाई 2019 में 2 पाठ्यक्रम
8. एम्स स्तन पाठ्यक्रम, अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली
9. एसईटी केन्द्र, फरवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली में एब्डोमिनल वॉल क्लोज़र टेकनीक कार्यशाला
10. आर्ट ऑफ कोलोरेक्टल एनास्टोमोसिस पर कार्यशाला, सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
11. जनरल थोरेसिक सर्जरी पर प्री-कॉन्फ्रेंस कैडवर कार्यशाला, सितंबर 2019, एसईटी केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली
12. सर्जरी में समकालीन अभ्यास: थोरैसिक सर्जरी पर विचारगोष्ठी, सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
13. यूनिपोर्टल वीएटीएस पर कार्यशाला, सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
14. कोलोरेक्टल एनास्टोमोसिस पर कार्यशाला, सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
15. एम्स बेरिकॉन 2019 - बैरियाट्रिक और मेटाबोलिक सर्जरी पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
16. बेरिएट्रिक सर्जरी पाठ्यक्रम पर फर्स्ट कैडवर हैंड्स
17. एसईटी केन्द्र, सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली में सेल्सिकॉन 2019 के एक भाग के रूप में बैरियाट्रिक सर्जरी में दूसरा कैडेवर व्यावहारिक पाठ्यक्रम
18. ओसीकॉन 2020 के लिए प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप के एक भाग के रूप में बेरियाट्रिक सर्जरी में तीसरा कैडेवर व्यावहारिक पाठ्यक्रम- 18वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ़ ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक सर्जरी सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, फरवरी 2020; एसईटी केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली
19. चौथा आईएजीईएस (इंडियन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंडोस्कोपिक सर्जन) फैलोशिप कोर्स इन बैरियाट्रिक एंड मेटाबोलिक सर्जरी (एफएएलएस), नवंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
20. लंग ट्रांसप्लांट विद कैडेवर कार्यशाला, मार्च 2020, एसईटी केन्द्र, एम्स
21. अपेक्षाकृत नवीन न्यूनतम इनवेसिव इनसीजनल एंड वेंट्रल हर्निया मरम्मत पर ऑपरेटिव वर्कशॉप, दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

अनुराग श्रीवास्तव: 6	**सुनील चुम्बर: 3**	**राजिंदर प्रसाद: 19**
संदीप अग्रवाल: 22	**वीरेंद्र कुमार बंसल: 16**	**अनीता धर: 3**
हेमांग के. भट्टाचार्जी: 5	**असूरी कृष्ण: 4**	**पीयूष रंजन: 12**
मंजूनाथ मारुति पॉल: 1	**मोहित जोशी: 14**	**यशवंत राठौर: 1**
कमल कटारिया: 2	**सुहानी: 17**	**ओमप्रकाश: 5**

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 61 (सी. पलानिवेलु अवार्ड - सर्वोत्तम पीजी शोधपत्र के लिए; बेस्ट पोडियम प्रेजेंटेशन; सर्वोत्तम शोधपत्र अवार्ड; डब्ल्यूसीएस ट्रैवल स्कॉलरशिप; ट्रैवल स्कॉलरशिप; बेस्ट पोडियम प्रेजेंटेशन)

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ए लेबल एक्सटेंशन, सिंगल आर्म मल्टिसेन्ट्रिक फेज III स्टडी - बर्जर रोग के कारण क्रिटिकल लिम्फ इस्वनीमिया पीड़ित रोगियों में स्टेंप्यूसेल® के अनुमोदित उत्पाद की प्रभावशीलता और सुरक्षा का आकलन करना, अनीता धर, स्टेंप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 5 साल, 2018-2023, रुपए 7 लाख
2. ए लेबल एक्सटेंशन, सिंगल आर्म मल्टिसेन्ट्रिक फेज III स्टडी - एथेरोस्क्लेरोटिक पेरिफेरल आर्टरी रोग के कारण क्रिटिकल लिम्फ इस्वनीमिया पीड़ित रोगियों में स्टेंप्यूसेल® के अनुमोदित उत्पाद की प्रभावशीलता और सुरक्षा का आकलन करना, अनीता धर, स्टेंप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-2024, 3 लाख रुपए
3. पित्त मूत्राशय कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में आंत माइक्रोबायोम का अध्ययन, असूरी कृष्ण, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपए 10 लाख
4. रिकॉलिसिटेंट मास्टाल्जिया में पूर्ण एस्ट्रोजन नाकाबंदी: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, सुहानी, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रुपए 4.99 लाख
5. लेप्रोस्कोपिक या एंडोस्कोपिक विधि द्वारा आंतरिक ड्रेनेज के बाद तीव्र अग्नाशयशोथ, द्रव संग्रह और कार्यात्मक परिणाम के संदर्भ में अग्न्याशय के वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस/स्यूडोसिस्ट से पीड़ित रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम, ओम प्रकाश, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपए
6. महाधमनी के एंडोवस्कुलर ऑक्लूज़न के लिए महाधमनी गुब्बारा फैलाव कैथेटर की व्यवहार्यता की जांच करना - एक कैडेवरिक अध्ययन, मोहित कुमार जोशी, एम्स, 1 वर्ष, 2019, रुपए 0.75 लाख

पूर्ण

1. रीनल एलोग्राफ्ट रोगियों में एफओएक्सपी3, ओएक्स40, पीडी1, और टीआईएम-3 की पद्धति और गुर्दे की चोट के साथ इसका सह-संबंध, मंजूनाथ मारुति पॉल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मोटापे की बीमारी के लिए लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी के दौरान एंट्राल रीसेक्शन बनाम एंट्रल संरक्षण की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
2. एक अग्रदर्शी यादृच्छिक परीक्षण, तीव्र अग्न्याशयशोथ के बाद वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस के लिए लैप्रोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना हेतु।

3. सतह ईएमजी का उपयोग करके स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लेप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस मरम्मत के बाद इनसीजनल हर्निया से पीड़ित रोगियों में एब्डोमिनल वॉल डायनामिक्स की बहाली का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन।
4. पारंपरिक प्रणालीगत कीमोथेरेपी बनाम मौखिक मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी के उपयोग का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, और कीमोथेरेपी के बाद स्तन संरक्षण सर्जरी के योग्य रोगियों पर एक अन्य यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण का संचालन करना।
5. सौम्य थायरॉयड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमी-थायराइडेक्टोमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर बनाम एक्सिलो-ब्रेस्ट तरीके की सुरक्षा और परिणाम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
6. पूर्ण डिकंजेस्टिव थेरेपी बनाम पूर्ण डिकंजेस्टिव थेरेपी के साथ-साथ हाइड्रोफोबिक सिलिकॉन ट्यूब लगाए जाने की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण करना और स्तन कैंसर में एएलएनडी के बाद ऊपरी अंग के लिम्फेडेमा में आईसीजी द्‌वारा उनके दीर्घकालिक पेटेंसी की तलाश करना।
7. फ्लोरेसिन स्पेक्ट्रोमेट्री, इंडोसायनिन ग्रीन इमेजिंग, रमन स्पेक्ट्रोमेट्री और डॉपलर फ्लोमेट्री विश्लेषण का अध्ययन करना - स्तन के घातक और सौम्य घावों की तुलना करते हुए।
8. ब्लंट लिवर ट्रॉमा से पीड़ित रोगियों में परिणाम के पूर्वसूचकों का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन - एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।
9. एब्डोमिनल वॉल का चीरा: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
10. वजन घटाने की सर्जरी कराने वाले मरीजों में चयापचय लचीलेपन से संबंधित जीन का विश्लेषण
11. पोस्ट कोलेसिस्टेक्टोमी लक्षणों का आकलन और जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन: एक अग्रदर्शी समूह अध्ययन
12. स्तन कैंसर के रोगियों में टी लिम्फोसाइटों के विभिन्न सब-सेट की अभिव्यक्ति में उपचार के विभिन्न तौर-तरीकों का संबंध और उनके नैदानिक परिणाम
13. जैव रसायन पीएचडी थीसिस: प्लाज्मा झिल्ली एटीपी बाइंडिंग ट्रांसपोर्टर ए1 (एबीसीए1) मध्यस्थता इंसुलिन प्रतिरोध की भागीदारी की जांच
14. मोटापे से ग्रस्त रोगियों में वजन घटाने के लिए बैंडेड और गैर-बैंडेड लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
15. ऑपरेबल स्तन कैंसर के लिए स्तर 1 बनाम पूर्ण एक्सिलरी लिम्फ नोड विच्छेदन करा रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और किफायत की तुलना: एक उभयपक्षी अध्ययन
16. हर्निया को समाप्त करने के लिए बाधित डबल 'X' सीवन के प्रारंभिक परिणामों की तुलना सतत निकट दूर - दूर निकट की विधि से करना
17. एब्डोमिनल वॉल चीरों को बंद करने के लिए, बाधित डबल 'एक्स' सीवन के प्रारंभिक परिणामों की तुलना निकट दूर - दूर निकट विधि से करना: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

18. प्रारंभिक परिणामों और किफायत के संदर्भ में प्राथमिक और इनसीज़नल हर्निया के उपचार के लिए ईटीईपी बनाम आईपीओएम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
19. ऑपरेबल स्तन कैंसर वाली महिलाओं में प्रहरी लिम्फ नोड का पता लगाने के लिए इंडोसायनिन ग्रीन बनाम फ्लोरेसिन की पहचान दर और किफायत की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. टू-डायमेंशनल (2 डी) एंडो-विजन सिस्टम, अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के) एंडो-विजन सिस्टम और तीन आयामी (3 डी) एचडी एंडो-विजन सिस्टम पर मानकीकृत फैंटम टास्क के लिए सीखने की अवस्था की तुलना: एक्स-विवो अध्ययन
21. आरंभ में ही स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में ऑटोलॉगस फैट ग्राफ्टिंग की सहायता से स्किन स्पैरिंग मास्टेक्टॉमी में जीवन की गुणवत्ता एवं ऑन्कोलॉजिकल परिणामों की तुलना सिलिकॉन इम्प्लांट की सहायता से स्किन मास्टेक्टॉमी बनाम ब्रेस्ट कंजर्वेटिव थेरेपी के साथ करना: एक यादृच्छिक तुलना
22. एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी और ओपन थायराइड सर्जरी कराने वाले मरीजों के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलना।
23. गैर लैक्टेशनल मास्टिटिस के उपचार में निर्णय विश्लेषण दृष्टिकोण
24. स्तन तपेदिक (स्तन टीबी) के निदान के लिए एप्टामेर- आधारित परख का विकास
25. पेट और वंक्षणशोथ क्षेत्र के संकेत और लक्षणों वाले रोगियों में नैदानिक अध्ययन मूल्यांकन
26. लैप्रोस्कोपिक चीरे और वेंट्रल हर्निया मरम्मत कराने वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर योग चिकित्सा का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
27. गुर्दे का प्रत्यारोपण करा चुके रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट और एसिड-बेस की गड़बड़ी - एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
28. स्तन कैंसर में प्रहरी लिम्फ नोड बायोप्सी के लिए दोहरी डाई तकनीक का मूल्यांकन: टू आर्म ओपन लेबल समानांतर डिजाइन नॉन-इनफीरियॉरिटी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
29. सामान्य वक्ष सर्जरी में सर्जरी प्रोटोकॉल के बाद बढ़ी हुई रिकवरी की व्यवहार्यता: अग्रदर्शी समूह अध्ययन
30. प्राथमिक हाइपर-पैराथायरायडिज्म के रोगियों में नैदानिक और जैव रासायनिक परिणाम के साथ इमेजिंग और ऑपरेटिव निष्कर्षों के सहसंबंध के मूल्यांकन के लिए अनुवर्ती अध्ययन
31. लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद दर्द संबंधी उपचार में सुधार: एक यादृच्छिक गुणवत्ता सुधार अध्ययन
32. लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी कराने के बाद रुग्णता की हद तक मोटे मरीजों में बैरेट एसोफैगस की घटना
33. टोटल थायरॉयडेक्टॉमी के बाद पैराथायरॉयड कार्य के मूल्यांकन के लिए इंडोसायनिन हरी प्रतिदीप्ति निर्देशित बनाम पारंपरिक मूल्यांकन के पश्चात हाइपोकैल्सीमिया की घटना।
34. सौम्य स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम: एक उभयदर्शी अध्ययन

35. वेंट्रल हर्निया की लैप्रोस्कोपिक मरम्मत के दौरान पेनिट्रेटिंग फिक्सेशन डिवाइस बनाम फाइब्रिन सीलेंट के साथ मैश लगाना: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
36. स्थानीय रूप से उन्नत मलाशय कैंसर के लिए शॉर्ट कोर्स रेडियोथेरेपी के साथ नव-सहायक कीमोथेरेपी: एक पायलट अध्ययन
37. महिलाओं में निप्पल डिस्चार्ज; गैर-खूनी निप्पल डिस्चार्ज वाली महिलाओं में 3 सेमी डक्टल शंकु एक्सीज़न के साथ सीमित लंबाई डक्टल शंकु एक्सीज़न (1.5 सेमी) की तुलना करते हुए मूल्यांकन और यादृच्छिक परीक्षण
38. मोटापे से ग्रसित रोगियों में टाइप -2 डायबिटीज मेलेटस के समाधान के लिए ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास (मिनी गैस्ट्रिक बाईपास) बनाम रॉक्स-एन-वाई गैस्ट्रिक बाईपास: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
39. नव-सहायक कीमोथेरेपी कराने के बाद, स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में स्तन संरक्षण सर्जरी के ऑन्कोलॉजिकल परिणाम
40. जीईआरडी के लक्षणों के समाधान के मामले में हायटल हर्निया मरम्मत के साथ या उसके बिना लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के परिणाम
41. थाइमोमा से पीड़ित रोगी में न्यूनतम एक्सेस थाइमेक्टोमी के परिणाम
42. श्रेणी I के मोटापे में वज़न कम करने के लिए बाएं गैस्ट्रिक आर्टरी एम्बोलिज़ेशन की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए अग्रदर्शी ओपन लेबल क्लिनिकल परीक्षण
43. हैलर कार्डियोमायोटॉमी से गुजर रहे अकालसिया कार्डिया के रोगियों में एक एंटी रिफ्लक्स प्रोसीज़र के रूप में उनके प्रबलन बनाम टुपेट फंडोप्लीकेशन की तुलना करते हुए अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
44. स्तन कैंसर के रोगियों के भीतर नव-सहायक कीमोथेरेपी के बाद स्तन कैंसर के स्थानीयकरण के लिए सिलिकॉन ट्यूब टिप के साथ स्टेनलेस स्टील क्लिप लगाने की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन: एक नॉन-इनफीरियारिटी अध्ययन
45. लैक्टेशनल ब्रेस्ट एब्सस में वैक्यूम सक्शन ड्रेनेज बनाम नीडिल एस्पिरेशन की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण: सुपीरियरिटी हाइपोथीसिस परीक्षण
46. लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफरेक्टोमी और ओपन डोनर नेफरेक्टोमी के बाद अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम: एक उभयदर्शी तुलनात्मक अध्ययन
47. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में पोर्ट साइट जटिलताओं को कम करने के लिए मानकीकृत नाभि स्वच्छता
48. मूत्र असंयम पर बैरियाट्रिक सर्जरी प्रेरित वजन घटाव के प्रभाव का अध्ययन
49. स्तन कैंसर में ट्यूमर में घुसपैठ करने वाले लिम्फोसाइटों के महत्व का अध्ययन
50. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद लक्षणविहीन पित्त पथरी के रोगियों में लक्षणात्मक परिणाम
51. उदर हर्निया में लैप्रोस्कोपिक मानकीकृत मैश मरम्मत की किफायती लागत का आकलन करना

52. छोटे और मध्यम उदर मिडलाइन हर्निया में मानकीकृत लैप्रोस्कोपिक मैश मरम्मत करा चुके रोगियों में कार्यात्मक परिणामों का आकलन करना
53. सबसे अच्छा गैर-इनवेसिव मार्कर या उनके संयोजन का निर्धारण करने के लिए, बेराइट्रिक सर्जरी करा चुके गैर-अल्कोहली फैटी लीवर वाले रुग्णता की हद तक मोटापे से ग्रस्त रोगियों में फाइब्रोसिस की व्याप्ति के साथ लिवर बायोप्सी का सहसंबंध
54. बेराइट्रिक सर्जरी करा रहे, रुग्णता की हद तक मोटापे से ग्रस्त रोगियों में गैर-आक्रामक जांच का निर्धारण करना जिसका सहसंबंध लिवर बायोप्सी के साथ हो
55. नैदानिक रूप से नकारात्मक अक्षतंतु के साथ प्रारंभिक ऑपरेबल स्तन कैंसर के रोगियों में एक्सिला के प्रबंधन के लिए एक एल्गोरिदम स्थापित करना
56. सामान्य और क्षेत्रीय संज्ञाहरण के तहत सर्जरी कराने वाले रोगियों में 30 दिन के पोस्टऑपरेटिव परिणामों की भविष्यवाणी करने में आयु समायोजित चार्लसन सह-रुगणता इंडेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना।
57. वैकल्पिक ऑपरेशन के लिए सूचीबद्ध रोगियों में ऑपरेशन रद्दीकरण के कारणों का अध्ययन करना
58. लैप्रोस्कोपिक वंक्षण मरम्मत की जटिलताओं का अध्ययन करना
59. लैप्रोस्कोपिक द्वारा कमर के हर्निया की मरम्मत करा चुके रोगियों में दृश्य एनालॉग स्कोर का उपयोग करते हुए पोस्ट ऑपरेटिव दर्द की मात्रा के सहसंबंध का अध्ययन मात्रात्मक संवेदी परीक्षण का उपयोग करके मापे गए प्री ऑपरेटिव दर्द थ्रेशोल्ड के साथ करना - केस नियंत्रण अध्ययन
60. पित्ताशय की दीवार की मोटाई या पित्त की पथरी की बीमारी से जुड़े पॉलीप से ग्रसित रोगियों में रेडिकल सर्जरी से बचने के लिए पूर्व-ऑपरेटिव यूएसजी निर्देशित एफएनएसी की उपयोगिता का अध्ययन करना।
61. पीएडी के साथ मधुमेह के उपचार में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा का उपयोग।
62. वैरिकाज़ नसों से पीड़ित रोगियों के उपचार में शिरापरक डॉपलर अध्ययनों के साथ सावधानीपूर्वक नैदानिक परीक्षा का सत्यापन

पूर्ण

1. स्तन कैंसर उपचार के बाद ऊपरी अंग के लिंफेडीमा में डिकंजेस्टिव कम्प्रेशन थेरेपी (डीसीटी), इंजेक्शन बीपीजी के साथ डीसीटी और हाइड्रोफोबिक सिलिकॉन ट्यूब के माध्यम से ड्रेनेज की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में आंत माइक्रोबायोम का एक अध्ययन
3. प्राथमिक अकलासिया कार्डिया में लैप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटमी के बाद रोगसूचक परिणाम के साथ शारीरिक परिणाम और सहसंबंध का अध्ययन
4. ब्लंट लिवर ट्रॉमा से पीड़ित रोगियों में परिणाम के पूर्वसूचकों का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन: अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन

5. ओपन आर्म हर्नियोप्लास्टी, लेप्रोस्कोपिक पूर्णत: अतिरिक्त पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एब्डोमिनल पूर्व-पेरिटोनियल (टीएपीपी) ग्रोइन हर्निया की मरम्मत के बाद यौन क्रियाओं की तुलना करने के लिए थ्री-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
6. क्रोनिक शिरापरक हाइपरटेंशन से पीड़ित रोगियों में पैर के अल्सर की पूर्ण हीलिंग प्राप्त करने में पेनिसिलिन + देखभाल के मानक या केवल देखभाल के मानक की तुलना करने वाला टू आर्म समानांतर डिजाइन सुपीरियारिटी यादृच्छिक परीक्षण
7. चक्रीय मास्टाल्जिया के उपचार में ओरमेलोक्सिफ़ेन और टैमोक्सिफ़ेन की प्रभावकारिता की तुलना: फाइव आर्म्ड डबल- ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
8. सतही लिपोमा के प्रबंधन में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी (गैर ऑपरेटिव) की तुलना
9. स्तन संरक्षण से उपचारित महिलाओं की तुलना में मास्टेक्टॉमी के साथ उपचारित स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में ऑन्कोलॉजिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना: एक उभयदर्शी अध्ययन
10. न्यूनतम-इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रियाओं में तीन-आयामी (*3* डी) एंडो-विजन सिस्टम बनाम अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (*4*के) एंडो-विजन सिस्टम की तुलना-एक ओपन लेबल यादृच्छिक अध्ययन
11. द्वि-आयामी (*2*डी) एंडोविज़न सिस्टम, अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (*4*के) एंडोविज़न सिस्टम और तीन-आयामी (*3* डी) एचडी एंडोविज़न सिस्टम की तुलना मानकीकृत फेंटम टास्क पर करना: एक एक्स-विवो अध्ययन
12. रेडियोआयोडीन (*131*आई- एनए) थेरेपी करा रहे विभेदित थायराइड कैंसर से पीड़ित बच्चों और युवा वयस्कों में डोजीमेट्रिक अध्ययन
13. लेप्रोस्कोपी के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि का एर्गोनोमिक विश्लेषण और प्रशिक्षण का प्रभाव
14. स्तन कैंसर में सीरम बायो-मार्कर के रूप में गामा सिन्यूक्लिन का मूल्यांकन
15. प्राथमिक हाइपर-पेराथायरायडिज्म के रोगियों में नैदानिक और जैव रासायनिक परिणाम के साथ इमेजिंग और ऑपरेटिव निष्कर्षों के सहसंबंध के मूल्यांकन के लिए अनुवर्ती अध्ययन
16. थायराइड सर्जरी के दौरान पैराथाइरॉइड ग्रंथि के परफ्यूजन की पहचान और आकलन के लिए आईसीजी प्रतिदीप्ति इमेजिंग
17. बीएमआई *25* से *29.9* बनाम *30* से *34.9* किग्रा प्रति वर्गमीटर वाले रोगियों में पोषण और जीवन शैली संशोधन का प्रभाव और बीएमआई > *35* किग्रा प्रतिवर्गमीटर वाले रोगियों में बैरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव
18. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के भिन्न-भिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड से कैंसर स्टेम कोशिकाओं का अलगाव, पहचान और लक्षण वर्णन।
19. मोटापे से ग्रस्त रोगियों में टाइप *2* मधुमेह के लिए ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास बनाम रूज़ एन वाई गैस्ट्रिक बाईपास: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. थायरॉयडेक्टॉमी नमूना से पैराथायराइड विच्छेदन और संरक्षण पर पायलट अध्ययन और ऑपरेशन पश्चात कैल्शियम और पैराथर्मोन स्तर के साथ इनका सहसंबंध

21. हैलर्स कार्डियोमायोटॉमी करा रहे अकेलसिया कार्डिया के रोगियों में एंटी रेफ़्लक्स प्रोसीज़र के रूप में उनके प्रबलन बनाम टुपेट फ़ंडोप्लीकेशन के कोण की तुलना करने वाला अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
22. जीवित संबंधित वृक्क प्रत्यारोपण में यूरेटिरो-नियो सिस्टोस्टोमी में स्टेंट बनाम नो स्टेंट: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
23. स्तन कैंसर में एण्ड्रोजन रिसेप्टर्स मध्यस्थता घटनाओं और आणविक विषमता का अध्ययन
24. लैप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टॉमी में पोर्ट प्लेसमेंट और एर्गोनॉमिक्स का अध्ययन
25. रुग्णता की हद तक मोटापे से पीड़ित रोगियों में हृदय रोग जोखिम में कमी पर बैरियाट्रिक सर्जरी प्रेरित वजन घटाव के प्रभाव का अध्ययन
26. बेरिएट्रिक सर्जरी कराने वाले रुग्णता की हद तक मोटापे से ग्रसित रोगियों में वजन घटाव और सह रुग्णता पर लेप्रोस्कोपिक मिनी गैस्ट्रिक बाईपास के प्रभाव का अध्ययन।
27. वृद्ध लोगों में सर्जिकल परिणाम
28. प्रारंभिक स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में ऑन्कोलॉजिकल और सौंदर्य संबंधी परिणाम पर *1* सेमी बनाम *2* सेंटीमीटर रीसेक्शन मार्जिन और ऑन्कोप्लास्टिक क्लोजर ऑफ ब्रेस्ट पैरेन्काइमल दोष का प्रभाव: एक *2x2* फैक्टोरियल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
29. मायस्थेनिया ग्रेविस के लिए उप-जीफॉइड वीडियो समिर्थित थाइमेक्टॉमी की व्यवहार्यता और सुरक्षा: एक पायलट अध्ययन
30. कैथेटर की खराबी और पोस्ट-ऑपरेटिव जटिलताओं के मामले में क्रोनिक किडनी रोग स्टेज *5* से पीड़ित रोगियों में ओमेंटेक्टोमी के साथ या बिना लैप्रोस्कोपिक पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर सम्मिलन बनाम परम्परागत ओपन पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर सम्मिलन की थ्री आर्म यादृच्छिक तुलना।
31. उन रोगियों में सर्जिकल परिणाम को परिभाषित करना जिन्हें न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी से ओपन सर्जरी में परिवर्तित किया गया हो।
32. थायरॉयड क्षेत्र में सूजन के लिए शारीरिक परीक्षा के भिन्न-भिन्न तरीकों का सत्यापन और सोनोग्राफिक सहसंबंध - एक परा-वर्गीय अध्ययन
33. स्तन रोगों के रोगियों में स्तन और अक्षतंतु की शारीरिक जांच के भिन्न-भिन्न तरीकों का सत्यापन: एक परा-वर्गीय अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सर्वसम्मत आणविक उप-प्रकारों के अनुसार मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमाओं को वर्गीकृत करने के लिए इसका आणविक और इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन करना और इसकी रोगसूचक एवं चिकित्सीय प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना, विकृति विज्ञान।

2. दुष्टव्रण (पुराना घाव) की पूर्ण हीलिंग में नम ऑक्लूसिव शहद ड्रेसिंग बनाम जटयादि तैल की ड्रेसिंग की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, शल्यतंत्र विभाग
3. मेटास्टैटिक मूल्यांकन के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान करने के लिए लेबिरिंथ आधारित यांत्रिक और तेज़ अलगाव तकनीक का विकास, विकृति विज्ञान।
4. अधिक वजन और मोटापा से पीड़ित रोगियों में साप्ताहिक रूप से सेमाग्लूटाइड **2.4** मिलीग्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा, एंडोक्रिनोलॉजी
5. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं में विभेदित अभिव्यक्त जीन की भूमिका को स्पष्ट करना, जैव रसायन
6. मोटापा प्रेरित एडिपोस ऊतक शिथिलता में एक्स्ट्रासेल्युलर मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग और इंसुलिन प्रतिरोध, जैव रसायन
7. जठरांत्र और श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में साइटोकैरेटिन और सीकेआईटी का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल एवं मात्रात्मक विश्लेषण, शरीर रचना विज्ञान।
8. टाइप **2** मधुमेह और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) में मोटापे से जुड़ी सूजन में टी-नियामक कोशिकाओं (टी-रैग्स) की भूमिका और उनका नैदानिक सहसंबंध, वृक्क विज्ञान।
9. मोटापा प्रेरित एडिपोस ऊतक शिथिलता में संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) और इसके आइसोफोर्म का अध्ययन, जैव रसायन
10. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल (सीएससी) को बनाए रखने में डब्ल्यूएनटी नॉन-केननीकल मार्ग की भूमिका का अध्ययन करना और कैंसर स्टेम सेल चयापचय में इसकी भूमिका का मूल्यांकन करना, जैव रसायन
11. वसा ऊतक एबीसीए**1** और चयापचय की स्थिति द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉड्यूलेशन, जैव रसायन
12. कोलोरेक्टल कैंसर के रोगी में प्रतिरक्षा दमन में नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स
13. गैस्ट्रोएंटेरो-पेनक्रियाटिक और श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमरों में नवीन प्रोटीन की भूमिका को उजागर करना, शरीर रचना विज्ञान।

पूर्ण

1. मोटापा प्रेरित वसा ऊतक की शिथिलता और सूजन में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम (ईआर) तनाव, जैव रसायन

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 31 **सार: 20** **पुस्तक में अध्याय: 5**

रोगी उपचार

विभाग, स्तन कैंसर के रोगियों के लिए मल्टीमॉडेलिटी उपचार, न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, रीनल ट्रांसप्लांटेशन, हेपेटोबाइलियरी और अग्नाशय की सर्जरी, थोरैसिक और थोरैसोस्कोपिक सर्जरी, एंडोक्राइन सर्जरी, मेटाबॉलिक और बैरिएट्रिक सर्जरी, अंतिम चरण की गुर्दे की बीमारी के रोगियों में संवहनी एक्सेस के लिए सर्जरी सहित संवहनी सर्जरी जैसे अनेक क्षेत्रों में नियमित सेवाएं प्रदान कर रहा है। हमारा विभाग सक्रिय रूप से इनडोर और आउटडोर रोगी उपचार में शामिल है। विभाग, नियमित जनरल सर्जरी ओपीडी के अलावा निम्नलिखित विशेष क्लिनिक चलाता है:

- बेरिएट्रिक क्लिनिक
- स्तन कैंसर क्लिनिक
- अनुवर्ती उपचार क्लीनिक
- संयुक्त फुफ्फुसीय सर्जरी क्लिनिक
- रीनल ट्रांसप्लांट क्लिनिक

विभाग बैरियाट्रिक सर्जरी, स्तन कैंसर जैसे विभिन्न मूल क्षेत्रों के लिए नियमित रोगी सहायता समूह की बैठकें करता है। यह विभाग, स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों के माध्यम से सामुदायिक स्थितियों में इन बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने, राष्ट्रीय एफएम रेडियो पर वार्ता में हिस्सा लेने, पत्रिकाओं में लेख लिखने और विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित जन-जागरूकता सेमिनारों में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से भागीदारी करता रहा है। संकाय सदस्यों ने 'अशोक मिशन' के हिस्से के रूप में लेह में भी अपनी सेवाएं प्रदान की हैं।

कोविड-**19** महामारी के दौरान, विभाग संस्थागत मानक पद्धति के अनुसार विभिन्न रोगियों और आकस्मिक रोगी देखभाल के संबंध में टेलीफोन के माध्यम से परामर्श प्रदान करता रहा है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग

- 25 सितंबर 2019 को आयोजित 'संस्थान दिवस समारोह' में पोस्टर और वीडियो प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार।
- नवंबर 2019 में आयोजित सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान वर्ष **2018** के लिए एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की दिल्ली राज्य शाखा के सर्वश्रेष्ठ मासिक बैठक आयोजन के लिए रोलिंग ट्राफी से विभाग को सम्मानित किया गया।

आचार्य अनुराग श्रीवास्तव ने **सर्जिकॉन 2019 -** मानेकशॉ सेंटर, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली, में 25 नवंबर, 2019 को भाषण दिया; एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की दिल्ली राज्य शाखा के नामित अध्यक्ष के रूप में चुने गए।

आचार्य सुनील चुम्बर ने 'अशोक मिशन' के अंग के रूप में लेह में सेवाएं प्रदान कीं।

आचार्य राजिंदर प्रसाद ने 'एस के सेन मेमोरियल ओरेशन - "स्तन कैंसर के प्रबंधन में बदलते रुझान- 3 दशकों का अनुभव" विषय पर 'सर्जिकॉन 2019 - मानेकशॉ सेंटर, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली में, 24 नवंबर 2019 को दिया।

आचार्य संदीप अग्रवाल को 'द ओबेसिटी सोसायटी (टीओएस) और अमेरिकन सोसायटी ऑफ मेटाबोलिक एंड बैरिएट्रिक सर्जरी (एएसएमबीएस) द्वारा आयोजित 'ओबेसिटरी वीक' में 'बाल मोटापा-वैश्विक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक पाठ्यक्रम के लिए भारत से विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

आचार्य वीरेंद्र कुमार बंसल, जेआईपीएमईआर, पुदुचेरी के संस्थान निकाय में मई 2019 से मई 2024 तक सदस्य रहे; आईसीएमआर और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, आयुष्मान भारत, नई दिल्ली, 2019 के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लो के लिए सर्जरी विशेषज्ञ समूह के सह-अध्यक्ष रहे; एनओटीटीओ, जनवरी 2020 के तहत गुर्दा प्रत्यारोपण संबंधी शीर्ष तकनीकी समिति के सदस्य रहे; अतिथि आचार्य, अंग प्रत्यारोपण विभाग, मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए, 15 से 23 अक्टूबर 2019; अध्यक्ष, सोसाइटी ऑफ इंडोस्कोपिक एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया, (एसईएलएसआई), जनवरी 2020; उपाध्यक्ष, इंडियन हर्निया सोसाइटी, 2019; इसके अलावा वे, सचिव, इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ़ लैप्रोस्कोपिक सर्जन्स 2019, 2020 भी रहे।

आचार्य अनीता धर को एम्स, नई दिल्ली से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई; उपभोक्ता मामले में एम्स की ओर से माननीय राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, नई दिल्ली में गठित मेडिकल बोर्ड सदस्य रहीं।

डॉ. हेमांग के. भट्टाचार्जी ने कोलोरेक्टल सर्जरी विभाग, क्लीवलैंड क्लिनिक फ्लोरिडा, फ्लोरिडा, यूएसए द्वारा 'स्मिथ इंटरनेशनल सर्जिकल स्कॉलरशिप 2020' प्राप्त की; वर्ष 2019 के लिए अमेरिकन सोसाइटी ऑफ कोलोन एंड रेक्टल सर्जन्स (एएससीआरएस) इंटरनेशनल कॅरियर डेवलपमेंट स्कॉलरशिप अवार्ड से सम्मानित किए गए; दि यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कोलोप्रोक्टोलॉजी ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया; निदेशक, एम्स द्वारा एसईटी केन्द्र में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में योगदान के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. असूरी कृष्ण को 2020-2022 हेतु इंडियन हर्निया सोसायटी का सचिव चुना गया।

डॉ. पीयूष रंजन को मीडोज फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया; आपातकालीन और ट्रॉमा केयर सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञों के राष्ट्रीय कोर समूह में शामिल किया गया; राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डीजीएचएस द्वारा सम्मानित किया गया; आपातकालीन और ट्रॉमा केयर पाठ्यक्रम दिशानिर्देश विकसित करने के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में नामित किए गए; उन्होंने विशेषज्ञ के रूप में निम्नलिखित आयोजन में भाग लिया - डब्ल्यूएचओ द्वि-क्षेत्रीय (दक्षिण पूर्व एशियाई और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र) ड्राउनिंग प्रीवेंशन स्टेटस रिपोर्ट- मल्टी स्टेकहोल्डर मीटिंग।

डॉ. सुहानी को सर्जिकल शिक्षा में योगदान के लिए दिल्ली राज्य चैप्टर, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ़ इंडिया **2019** से 'सर्जिकॉन 2019' में सम्मानित किया गया; भुवनेश्वर में एएसआईकॉन 2019 में "बीटाडाइन यंग सर्जन अवार्ड 2019" उन्हें प्राप्त हुआ; माननीय निदेशक, एम्स, दिल्ली द्वारा एसईटी केन्द्र, एम्स में पाठ्य-सामग्री विकास में योगदान के लिए प्रशंसापत्र प्रदान किया गया; भारत के राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा कार्यान्वयन ढांचे (2018-25) के लिए रोगी सुरक्षा पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश विकसित करने संबंधी विशेषज्ञ समूह के सदस्य रहे।

रेजिडेंट्स:

- डॉ. वितीश सिंगला ने सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रकाशन के लिए एएसआई की दिल्ली राज्य शाखा से अध्यक्ष पदक प्राप्त किया।
- डॉ. ईशान वर्मा को क्राको, पोलैंड में आयोजित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ़ सर्जरी, **2019** में भाग लेने के लिए बीएसआई यात्रा अवार्ड मिला।
- डॉ. नेहा गुप्ता को मार्च **2020** में ईबीसीसी (यूरोपीय स्तन कैंसर सम्मेलन) में शोध कार्य प्रस्तुत करने और यात्रा पर जाने के लिए ईओआरटीसी (यूरोपियन ऑर्गेनाइजेशन फॉर रीसर्च ट्रीटमेंट एंड कैंसर) से फ़ेलोशिप प्राप्त हुई।
- डॉ. आदर्श प्रताप सिंह को अर्जेंटीना में आयोजित **27**वीं आईएसएल वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ लिम्फोलोजी के दौरान अध्यक्षीय युवा लिम्फोलॉजिस्ट का पुरस्कार मिला।
- डॉ. कुश राज लोहानी को सैन एंटोनियो स्तन कैंसर संगोष्ठी, यूएसए में क्लिनिकल स्कॉलर अवार्ड प्राप्त हुआ।

अतिथि वैज्ञानिक

- डॉ. इसमल जतोई, यूटी हेल्थ, सैन एंटोनियो में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और एंडोक्राइन सर्जरी डिवीजन के प्रमुख ने एम्स ब्रेस्ट कोर्स के दौरान **4** और **5** अप्रैल **2019** को विभाग का दौरा किया।
- डॉ. दाईजिनी ने शंघाई पल्मोनरी अस्पताल की थोरेसिक सर्जन सितंबर **2019** में यूनिपोर्टल वीएटीएस पर ऑपरेटिव वर्कशॉप के भाग के रूप में विभाग का दौरा किया।
- डॉ. खालिद मोहम्मद अली अमीर, कंसल्टेंट थोरैसिक सर्जन, साउथ हैम्पटन, यू.के. ने थोरैसिक सर्जरी के क्षेत्र में रेजिडेंट्स और संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन के लिए सितंबर **2019** में दो सप्ताह के लिए विभाग का दौरा किया।
- डॉ. रेनहार्ड बिटनर और डॉ. ली बिंजेन ने रॉटनबर्ग, जर्मनी (हर्निया सेंटर) से 14 और 15 दिसंबर 2019 को नवीनतर न्यूनतम इनवेसिव इंसीजनल और वेंट्रल हर्निया मरम्मत पर ऑपरेटिव कार्यशाला के भाग के रूप में विभाग का दौरा किया।

9.40. आधान चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

डी.के. शर्मा

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी

पूनम कौशिक

सहायक आचार्य

हेम चंद्र पांडेय	गोपाल पाटीदार
(मुख्य अस्पताल)	(हृ.तं. केंद्र)
राहुल चौरसिया	दीप्ति रंजन राउत (सितंबर 2019 से)
(ज.प्र.न.ए.ट्रॉ. केंद्र)	(एनसीआई, झज्जर)

विशिष्टताएं

विभाग, रोगी उपचार और रक्त सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और "सही समय पर सही रोगी को सही रक्त" प्रदान करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अथक कार्य करता है। रक्त कोष सेवाएं पूरे वर्ष में 24**x**7 प्रदान की जाती हैं।

एमडी आधान चिकित्सा की शुरुआत 2017 में की गई थी और जनवरी 2017 में पहला छात्र शामिल हुआ था। वर्तमान में हमारे पास ग्यारह छात्र एमडी कर रहे हैं। एक छात्र, कार्यक्रम में पहले छात्र ने 2019 में स्नातक किया।

स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए गंभीर प्रयास किए गए हैं और इसके परिणामस्वरूप हम **27** फरवरी **2020** को "मेगा ब्लड डोनेशन इवेंट" में **3000** रक्त यूनिट्स एकत्र करने का रिकॉर्ड बना पाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी दानदाता शिक्षा, प्रेरणा और भर्ती को मजबूत किया जा रहा है, जिससे स्वैच्छिक दान में वृद्धि हुई है।

रक्त सुरक्षा एक सतत प्रयास है और तीन मौजूदा रक्त कोषों में एकत्रित सभी रक्त यूनिट्स के 100% को एनएटी के साथ परीक्षण किया जाता है, जिसमें सिरोलॉजिकल परीक्षण के अलावा सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत प्रदान की जाती है। मुख्य रक्त कोष की एनएटी प्रयोगशाला, सीएनसी ब्लड बैंक और जेपीएनएटीसी ब्लड बैंक के लिए संक्रामक मार्करों की केंद्रीय परीक्षण सुविधा है।

विस्तारित पैनल का उपयोग करके एंटीबॉडी स्क्रीनिंग की परीक्षण सुविधा को आपातकालीन रोगियों के लिए भी बढ़ाया गया है। अनियमित एंटीबॉडी वाले रोगियों में एंटीबॉडी पहचान अब नियमित रूप से नैमिक प्रक्रिया के रूप में की जा रही है।

रक्त कोष, रोगियों के लिए प्लाज्माफेरेसिस प्रक्रियाओं और एंटीबॉडी टिटर परीक्षण करके एबीओ असंगत किडनी प्रत्यारोपण को सक्षम कर रहा है। एनसीआई झज्जर में एक स्टोरेज सेंटर शुरू किया गया है,

जिसमें मुख्य ब्लड बैंक से मदर ब्लड बैंक के रूप में ब्लड कंपोनेंट सहयोग मिलता है। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, झज्जर परिसर में "रक्त केंद्र" की स्थापना की प्रक्रिया चल रही है।

शिक्षा

1. नर्सिंग स्टाफ के लिए "बेहतर आधान प्रक्रियाएं" पर सीएमईटी पाठ्यक्रम।
2. ब्लड बैंकिंग पर एमबीबीएस यूजी की कक्षाएं।
3. सुरक्षित रक्त आधान प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न प्रयोगशाला तकनीकों में ओटी तकनीशियनों (बीएससी ओटीटी) का नियमित प्रशिक्षण।
4. एम्स के नर्सिंग छात्रों के लिए नियमित अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम।
5. एमडी आधान चिकित्सा शुरू की गई है और वर्तमान में ग्यारह छात्र इस कार्यक्रम को कर रहे हैं।
6. विकृति विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा तथा रूधिर विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्रों का शिक्षण उनकी तैनाती के दौरान किया जा रहा है।
7. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, झज्जर परिसर में तैनात नर्सिंग अधिकारियों को "सुरक्षित बेड-साइड ट्रांसफ़्यूज़न प्रिक्रयाओं" के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. रक्त सुरक्षा और गुणवत्ता पर सीएमई: संक्रामक रोग**, 5** अप्रैल **2019,** एम्स**,** नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

पूनम कौशिक : 1 **हेम चंद्र पांडेय: 11** **गोपाल कुमार पाटीदार: 4**
राहुल चौरसिया: 1

प्रस्तुत किये गए मौखिक पत्र/पोस्टर: 11

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. गंभीर रूप से घायल रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेटेड रक्त ट्रांसफ़्यूज़न के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, राहुल चौरसिया, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रूपये
2. मेनिन्जियोमा वाले रोगियों में ट्रांसफ़्यूज़न संबंधित इम्यूनो-मॉड्यूलेशन के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गोपाल कुमार पाटीदार, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रूपये
3. कॉर्ड ब्लड में सीरोलॉजिकल परीक्षणों का उपयोग करते हुए डी स्थिति का निर्धारण करने की तुलना में, प्रसव काल के दौरान भ्रूण की आरएच डी स्थिति के निर्धारण के लिए मां के प्लाज्मा से पृथक सेल मुक्त भ्रूण डीएनए का उपयोग करने की नैदानिक सटीकता, हेम चंद्र पांडेय, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रूपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तृतीयक स्तर के अस्पताल में गुलियन-बैरं सिंड्रोम और मायस्थेनिया ग्रेविस रोगियों के उपचार में एक लागत विवरणात्मक अध्ययन
2. गंभीर रूप से घायल आघात के रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेटेड रक्त ट्रांसफ़्यूज़न के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. स्वस्थ रक्त दाताओं में एबीओ एंटीबॉडी टिटर का विश्लेषण
4. ए और बी रक्त दाता प्लाज्मा के सामान्य सेलाइन के साथ मिश्रित और पतला करने के बाद एबीओ एंटीबॉडी टाइट्रे और कोएगुलेशन कारक स्तर का आकलन
5. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया के नैदानिक और सीरोलॉजिकल लक्षण
6. गंभीर रूप से रक्तस्राव के आघात के रोगियों में रक्त के घटकों के उपयोग पर क्रायोप्रिसिपेट के प्रारंभिक उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
7. प्लेटलेट अपवर्तन की व्यापकता का आकलन करने और कई प्लेटलेट ट्रांसफ़्यूज़न प्राप्त करने वाले रोगियों में इसके कारण के लिए अग्रदर्शी अवलोकन संबंधी अध्ययन
8. रक्तस्रावी शॉक के साथ ट्रॉमा वाले मरीजों में बड़े पैमाने पर ट्रांसफ़्यूज़न की अवधारणा का पुन: मूल्यांकन
9. तृतीयक उपचार अस्पताल में विभिन्न लिंग, आयु समूहों और विशिष्टताओं में लाल रक्त कोशिका के उपयोग में अंतर का पूर्वव्यापी विश्लेषण

पूर्ण

1. 22° से. और 4° से. पर पेस में संग्रहीत प्लेटलेट्स का इन विट्रो और इन विवो मूल्यांकन
2. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल आघात रोगियों में ट्रांसफ़्यूज़न प्रक्रियाओं के अग्रदर्शी अवलोकन संबंधी अध्ययन
3. ट्रांसफ़्यूज़न श्रृंखला के विश्लेषणात्मक चरण में विभिन्न त्रुटियों की घटनाओं का विश्लेषण करने के लिए अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
4. कार्डियक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में ल्यूकोरेटेड और गैर-ल्यूकोरेटेड रक्त घटक ट्रांसफ़्यूज़न के परिणाम
5. तीव्र परिधीय तंत्रिका चोट के उपचार में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा का उपयोग करने के बाद नैदानिक और न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल परिणामों का अध्ययन करने के लिए, प्लास्टिक सर्जरी, जेपीएनएटीसी, एम्स

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एकध्रुवीय और द्विध्रुवी अवसाद वाले मरीजों के उपचार में पूर्ववर्ती सिंगुलेट कॉर्टेक्स, हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला में चयापचय असामान्यताओं का एच 1-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित उपचार और परिधीय ग्लूटामिन के साथ इसका संबंध, मनोचिकित्सा
2. नवीन छोटे अणु अवरोधक का उपयोग करके स्वस्थ दानदाताओं के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टोल-जैसे रिसेप्टर और इंटरल्यूकिन-1 रिसेप्टर के जीव विज्ञान की जांच, जैव प्रौद्योगिकी
3. गंभीर रूप से घायल आघात के रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेटेड ब्लड ट्रांसफ्यूजन के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, क्रिटिकल एंड इंटेंसिव केयर, लेबोरेटरी मेडिसिन, इमरजेंसी मेडिसिन, सर्जरी, जेपीएनएटीसी और एनेस्थिसियोलॉजी, पेन मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर, एम्स
4. गंभीर रूप से रक्तस्राव के आघात के रोगियों में रक्त के घटकों के उपयोग पर क्रायोप्रिप्रेसिट के प्रारंभिक उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, सर्जरी, जेपीएनएटीसी
5. पूरक कारक एच (सीएफएच) -संबंधित प्रोटीन 1 (सीएफएचआर 1) और प्रतिरक्षात्मक सहिष्णुता के रखरखाव में इसकी भूमिका, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद

प्रकाशन

पत्रिकाएं : **3** **सार**: **7**

रोगी उपचार

विभाग में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं

- ऑटोलॉगस रक्तदान
- ऑटोलॉगस प्लेटलेट दान
- स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की सुविधा
- एफेरेसिस प्रक्रियाएं (एसडीपी, टीपीई, पीबीएससी)
- स्वचालित रक्त समूहन और सीरोलॉजी
- स्वचालित संक्रामक मार्करों का परीक्षण
- 100% रक्त घटक तैयार करना
- अनियमित एंटीबॉडी की पहचान
- एंटीबॉडी स्क्रीनिंग
- एंटीबॉडी टिटर्स
- लुकोडेप्लेटेड रक्त/घटक

- इरेडिएशन सुविधा
- एम्स के तीन ब्लड बैंकों की सभी दान की गई यूनिटों का आईडी-एनएटी परीक्षण

  (क) एफेरेसिस: एसडीएपी संग्रहण, टीपीई, पीबीएससी, एलडीएल एफेरेसिस और ग्रैनुलोसाइट हार्वेस्टिंग।

  हेमटो-ऑन्कोलॉजी रोगियों का समर्थन करने के लिए स्वैच्छिक एसडीपी दानदाताओं की रजिस्ट्री बनाई गई।

  (ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि:
- मुख्य रक्त बैंक ने दिल्ली एनसीआर में कुल 115 स्वैच्छिक दान शिविर आयोजित किए और 11000 से अधिक यूनिट्स एकत्रित कीं।
- सीएचसी बल्लभगढ़ के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में दानदाताओं के लिए प्रेरक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम किए गए।
- एनसीआई झज्जर में मुख्य ब्लड बैंक, ब्लड स्टोरेज सेंटर के लिए मदर ब्लड बैंक बन गया, जो कैंसर के मरीजों के इस्तेमाल के लिए रक्त घटक उपलब्ध कराता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

संस्थान दिवस 2019 पर पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार; 14 जून 2019 को स्वैच्छिक दान कार्य के लिए राज्य रक्त आधान परिषद से उत्कृष्टता पुरस्कार; डॉ. रोमेश जैन (एसआर) को आईसीएमआर इंटरनेशनल ट्रैवल ग्रांट; 27 फरवरी 2020 को “मेगा ब्लड डोनेशन इवेंट” के दौरान संस्थान द्वारा एक ही दिन में सबसे अधिक रक्त इकाइयाँ एकत्रित करने का रिकॉर्ड बनाया गया।

डॉ. पूनम कौशिक एसबीटीसी की सदस्य; रक्त संग्रहण केंद्रों के दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए रक्त कोशिका-एनएचएम प्रभाग की सदस्य थीं।

डॉ. गोपाल पाटीदार, डोनर रिएक्शन की रिपोर्टों की समीक्षा और विश्लेषण के सदस्य थे, जिन्होंने नेशनल ब्लड डोनर हेमोविजिलेंस प्रोग्राम, इंडिया के तहत एक डोनर-विजिल सॉफ्टवेयर प्रस्तुत किया।

9.41. प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

डी. के. मित्रा

सहायक आचार्य

उमा कांगा | राकेश कुमार दीपक

वैज्ञानिक II

सुनील कुमार | लता कुमारी

वैज्ञानिक I

संजीव गोस्वामी | सोनिया वर्मा

शिक्षा

वर्ष 2019-20 के दौरान, हमारे विभाग ने भारत और विदेशों के विभिन्न अस्पतालों और संस्थानों से 27 विद्यार्थियों/ डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया। इन उम्मीदवारों ने प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान, प्रतिरक्षा आनुवंशिकी-एचएलए परीक्षण, प्रतिरोपण के पश्चात् निगरानी और प्रतिरक्षण की कमी के लिए अन्य प्रतिरक्षात्मक जांच में प्रयोगशाला तकनीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अल्पकालिक प्रशिक्षण-एम्स (1-2 सप्ताह): विभाग ने एम्स से विकृति विज्ञान (5), प्रयोगशाला चिकित्सा के कनिष्ठ रेजीडेंट (3) तथा वृक्क विज्ञान (1), रूधिर विज्ञान (6), जैव रसायन (3), मेडिकल ऑन्कोलॉजी (3), ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (3), बाल चिकित्सा (2) के वरिष्ठ रेजिडेंट्स (डीएम छात्र) को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण-राष्ट्रीय (6 महीने): एक उम्मीदवार ने दीर्घकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (सीएमई)

वर्ष के दौरान, विभाग के संकाय और वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और कई व्याख्यान दिए। हमारा विभाग नियमित रूप से छात्रों और विजिटिंग प्रशिक्षु के लिए फ्लोसाइटोमेट्री आधारित एस्से के साथ विभिन्न सेल कल्चर एस्से पर प्रशिक्षण प्रदान करता है। हमारा विभाग भारत में अन्य एचएलए प्रयोगशालाओं द्वारा परीक्षण की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए एचएलए जीन्स के डीएनए आधारित टाइपिंग के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता नियंत्रण कार्य का समन्वय करता है। संकाय ने इन विभागों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम के भाग के रूप में एम्स के जैव प्रौद्योगिकी और विकृति विज्ञान विभागों में विशेष व्याख्यान भी दिए। संकाय/ वैज्ञानिकों ने बाल चिकित्सा, रूधिर विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान, वृक्क विज्ञान, जैव रसायन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकृति विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा से

एमडी/डीएम रेजिडेंट्स को व्याख्यान दिया। संस्थान के नर्सिंग विद्यार्थियों को ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी पर भी कई व्याख्यान दिए गए।

प्रदत्त व्याख्यान

उमा कांगा: 10 **राकेश कुमार दीपक: 1** **लता कुमारी: 1**
संजीव गोस्वामी: 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. रिमोट हेल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम का विकास: एनसीडी के लिए प्रारंभिक निदान, थैरेपी, अनुपरीक्षण और निवारक उपचार (कार्डियो-पल्मोनरी), डीके मित्रा, इम्प्रिंट (एचआरडी + आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2017-20, 64.85 लाख रूपये
2. पोस्ट हार्ट ट्रांसप्लांट रिजेक्शन स्टेटस के परिणाम में डोनर विशिष्ट एंटीबॉडी (डीएसए), एचएलए टाइपिंग और प्रमुख हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (एमएचसी) का मूल्यांकन: क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन, राकेश दीपक, एम्स, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रुपये
3. क्लाउड आधारित इंटीग्रेटेड मेडिकल डिवाइस (आईएमडी) की कार्यात्मकता एवं वैधीकरण: दूरदराज की अयोग्य जनसंख्या को विशिष्ट नैदानिक, चिकित्सीय एवं अनुपरीक्षण उपचार प्रदान करना, डीके मित्रा, एज़्योर सॉफ्टवेयर, 1 वर्ष, 2019-20, 16.44 लाख रूपये।
4. डीआर एम.टी.बी. में जीनोम वाइड ट्रांसक्रिप्शन विश्लेषण: नोबल लक्ष्यों की पहचान और प्रतिरक्षा संबंधी उतार-चढ़ाव, डीके मित्रा, डीबीटी, 3 साल, 2018-21, 148 लाख रुपये
5. उत्तर पूर्व भारत की आबादी में एचएलए और गैर-एचएलए जीनों और टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस के ह्यूमरल प्रोफाइल का जीनोमिक विश्लेषण, उमा कांगा, डीबीटी (बीसीआईएल), 3 साल, 2017-20, 127.8 लाख रुपये
6. रेनल एलोग्राफ़्ट रिजेक्शन के अनुमान के लिए नोबल बायोमार्कर की पहचान, उमा कांगा, एम्स-टीएचएसटीआई, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रूपये
7. डेंगू संक्रमण के इम्यूनोजेनेटिक सहसंबंध: उत्तर भारतीय जनसंख्या में एचएलए और केआईआर जीन का विश्लेषण, उमा कांगा, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रूपये
8. ड्रग बहिर्वाह पंपों की अभिव्यक्ति और कार्य पर होस्ट टी सेल की प्रतिक्रिया का प्रभाव: दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए उपयुक्तता, डीके मित्रा, आईसीएमआर, 42 महीने, 2014-18, 78.5 लाख रूपये
9. ट्यूबरकुलोसिस वैक्सीन डेवलपमेंट (STriTuVaD) के लिए इन सिलिको ट्रायल, यूरोपियन कमीशन हॉरीजॉन 2020, डीके मित्रा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-23, 500 लाख रूपये

10. उत्तर भारतीयों में द्वीपिका (आइसलेट)-एंटीबॉडी नेगेटिव टाइप 1 डायबेटीज (टाइप 1 बी): नैदानिक संबंध और रोगजनन, उमा कांगा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 56 लाख रुपये
11. मल्टीवेलेंट लीशमैनिया वैक्सीन डेवलपमेंट, डीके मित्रा, बीआईआरएसी डीबीटी, 3 साल, 2015-19, 397.57 लाख रूपये
12. एनकेटी सेल सबसेट्स: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस विशिष्ट प्रभावक टी सेल प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव, डीके मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-20, 70.26 लाख रूपये
13. पीडी-एल 1/पीडी -1 मार्ग की इम्यूनोरेगुलेटरी भूमिका को स्पष्ट करने और विसेरल लीशमैनियासिस के खिलाफ टीकाकरण रणनीतियों के लिए एक संभावित उपकरण के रूप में खोज करने के लिए अध्ययन, डीके मित्रा, डीएसटी, 3 साल, 2018-21, 70 लाख रुपये ।
14. पित्ताशय के कैंसर के रोगियों में ट्रेग कोशिकाओं और इम्यून स्परेसिव परिवेश की प्रासंगिकता का अध्ययन करना, लता कुमारी, एम्स, 2 साल, 2019-21, 10 लाख रूपये

पूर्ण

1. किलर इम्युनोग्लोबुलिन रिसेप्टर-ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन (केआईआर-एचएलए) अभिक्रिया: हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन में महत्व, उमा कांगा, एम्स, 2 साल, 2017-19, 4 लाख रुपये
2. एचएलए मिनिजिनोम का इनफेज पॉलीमॉर्फिज्म विश्लेषण और अगली पीढ़ी के अनुक्रम (जापानी सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस) में इसका अनुप्रयोग, उमा कांगा, डीएसटी-जेएसपीएस इंडो-जापानी, 2 साल, 2016-18, 6.8 लाख रूपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. क्रोनिक एथेरोस्क्लेरोसिस रोग: जीन अभिव्यक्ति में स्टेज-विशिष्ट परिवर्तनों का एकीकृत विश्लेषण और एथेरोस्क्लोरोटिक प्लैक्स की एमआईआरएनए प्रोफ़ाइल और परिसंचरण में प्लाज्मा-व्युत्पन्न बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं के साथ सहसंबंध।
2. एचएससीटी में नॉन-क्लासिकल एचएलए, एमआईसीए और एनकेजी2 रिसेप्टर्स की नैदानिक प्रासंगिकता
3. एचएलए नैदानिक सेवाओं के लिए लागत प्रभावी इनहाउस विश्लेषण का विकास
4. आनुवंशिक मार्करों में हैटोरेजेनाइटी की स्थापना: प्रत्यारोपण निगरानी में संभावित उपयोग
5. कश्मीरी आबादी में एचएलए जीन की जीनोमिक विविधता - एनजीएस तकनीकी का लाभ
6. एए से जुड़े माइक्रोआरएनए सिग्नेचर की पहचान और इम्यूनोस्प्रेसिव थेरेपी पर प्रतिक्रिया
7. वृक्क प्रत्यारोपण में अस्वीकृति का अनुमान लगाने के लिए सिग्नेचर की पहचान
8. हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद प्रतिरक्षा की पुनर्रचना।
9. ट्यूबरकुलोसिस में प्रतिरक्षा की दबी हुई स्थिति पर चेकपॉइंट इन्हैबिटर्स का प्रभाव

10. ट्यूबरकुलोसिस में एनकेटी कोशिकाएं: सुरक्षात्मक टी सेल प्रतिक्रिया पर प्रभाव।
11. सारकॉइडोसिस में विभिन्न टी सेल सबसेट के फेनोटाइपिक और कार्यात्मक वर्णन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. रिमोट हेल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम का विकास: एनसीडी के लिए प्रारंभिक निदान, थैरेपी, अनुपरीक्षण और निवारक उपचार (कार्डियो-पुल्मोनरी), आईआईटी, खड़गपुर, आईआईटी-मुंबई
2. चिमेरिस्म की स्थिति में नोवल फोरेंसिक एक्जिबिट और वाई-एसटीआर मार्करों की इंफोर्मेटिविटी का मूल्यांकन, न्याय चिकित्सा
3. क्लाउड आधारित इंटीग्रेटेड मेडिकल डिवाइस (आईएमडी) की कार्यात्मकता एवं वैधीकरण: दूरदराज अयोग्य जनसंख्या को विशिष्ट नैदानिक, चिकित्सीय एवं अनुपरीक्षण उपचार प्रदान करना, एज़्योर सॉफ्टवेयर
4. उत्तर पूर्व भारत के नागाओं में नेसोफैरिंगल कार्सिनोमा की आनुवंशिक प्रवृत्ति, नागा अस्पताल और प्राधिकरण, नागालैंड
5. उत्तर पूर्व भारत की आबादी में एचएलए और नॉन-एचएलए जीनों और टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस की ह्यूमरल प्रोफाइल का जेनोमिक विश्लेषण, शरीररचना विभाग, तेजपुर मेडिकल कॉलेज
6. मल्टीवलेंट लीशमैनिया वैक्सीन का विकास, ज़ाइडस कैडिला
7. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेंकाईमल स्टेम सेल (एच.एम.एस.सी.एस.) द्वारा एचएलए-जी मध्यस्थता प्रतिरक्षा माड्यूलेशन की संभावित भूमिका, स्टेम सेल सुविधा
8. भारतीय रोगियों में प्राथमिक आईजीएएन में एचएलए एंटीजेन्स की भूमिका: एक केस नियंत्रण अध्ययन, वृक्क विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 18 **सार**: 3

रोगी उपचार

गुर्दे का प्रत्यारोपण

गुर्दा प्रत्यारोपण सेवा	प्राप्तकर्त्ता	दानकर्त्ता	कुल
लाइव संबंधित	678	673	1351
शव प्रत्यारोपण (गुर्दा)	63	9	72
क्रॉस मैच टेस्ट - सीडीसी (सीरम विज्ञान)	1292		
क्रॉस मैच टेस्ट - सीडीसी (फ्लोसाइटोमेट्री)	411		
लुमिनेक्स पीआरए	629		
लुमिनेक्स (डीएसए मॉनिटरिंग)	531		

अस्थि मज्जा / रक्तोत्पादक मूल कोशिका प्रत्यारोपण

रूधिर विज्ञान, एम्स और अन्य रेफरल

निदान	**प्राप्तकर्त्ता**	**दानकर्त्ता**	**कुल**
अप्लास्टिक एनीमिया	207	524	731
तीव्र ल्यूकेमिया (एएमएल + एएलएल)	93	204	297
थैलेसीमिया	37	85	122
क्रोनिक ल्यूकेमिया (सीएमएल + जेएमएमएल)	34	86	120
अन्य	61	128	189
योग	**432**	**1027**	**1459**

क्रम संख्या	**निदान**	**की गई जांचों की संख्या**
क	**लो रिज़ॉल्यूशन एचएलए टाइपिंग** (पीसीआर-एसएसपी या पीसीआर-एसएसओ ल्यूमिनेक्स आधारित)	
1	एचएलए-ए लोकस	1579
2	एचएलए-बी लोकस	1579
3	एचएलए-सी लोकस	47
3	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	451
4	एचएलए-डीआरबी3/4/5 लोकी	101
ख	**हाइ रिज़ॉल्यूशन एचएलए टाइपिंग** (अनुक्रम आधारित टाइपिंग (एसबीटी)/अगली पीढ़ी का अनुक्रमण (एनजीएस)/-एसएसओ ल्यूमिनेक्स)	
5	एचएलए-ए लोकस	76
6	एचएलए-बी लोकस	76
7	एचएलए-सी लोकस	77
8	एचएलए-डीआरबी1	81
9	एचएलए-डीक्यूबी1	77
10	एचएलए-डीक्यूए1	76
ग	**डोनर विशिष्ट एंटीबॉडी (डीएसए) मॉनिटरिंग** ल्यूमिनेक्स आधारित विश्लेषण	
11	एचएलए क्लास I	29
12	एचएलए क्लास II	29

घ	**बीएमटी में चाइमेरिज्म अध्ययन**	
13	पोस्ट एचएससीटी प्राप्तकर्ता	24
14	प्री एचएससीटी प्राप्तकर्ता	24
15	एचएससीटी प्रदाता	24
	कुल जांचे	4350
ड	**बीएमटी के लिए गैर-रिश्तेदार दानकर्त्ता की खोज** * एचएलए से मेल खाने वाले दाताओं के लिए 'एशियन इंडियन डोनर मैरो रजिस्ट्री' द्वारा वर्ष के दौरान प्राप्त अनुरोध	35*

II. रोग एसोसिएशन एचएलए स्क्रीनिंग परीक्षण

	रोग	**एचएलए जांच**	**जांचों की संख्या**
16	एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस और अन्य स्पोंडिलारोथ्रोपैथिस	**एचएलए-बी**-27	863
17	कोएलियेक रोग	**एचएलए-डीक्यूए**1	64
18	कोएलियेक रोग	**एचएलए-डीक्यूबी**1	64
19	नार्कोलेप्सी/कैटाप्लेक्सी	**एचएलए-डीक्यूबी**1	12
20	बेहेट्स रोग	**एचएलए-बी***51	52
21	ड्रग हाइपरसेंसिटिविटी स्क्रीनिंग	**एचएलए-बी***57:01, **बी***15:02	4
	कुल		**1059**

	सभी रोगी उपचार सेवाएँ	**जांचों की संख्या**
	एचएससीटी संबंधी और गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम	4350
	रोग संबंधी जांच	1059
	कुल	**5409**

प्राथमिक प्रतिरक्षा नैदानिक

प्राथमिक और माध्यमिक इम्यूनोडिफिशिएंसी रोग के लिए प्रदान की गयी नि: शुल्क सेवा

परीक्षणों की कुल संख्या(2019-20)			
क्रम संख्या	**निदान**	**मार्कर्स/एस्से**	**जांचों की संख्या**
1.	टी सेल आवृत्ति	$CD3^{+}/CD4^{+}/CD8^{+}$	1046
2.	बी सेल आवृत्ति	$CD19^{+}/CD20^{+}$	1170

3.	एनके सेल आवृत्ति	$CD3^-/CD16^+/CD56^+$	647
4.	एनके सेल गतिविधि	$CD3^-/CD56^{dim}/Perforin^+$	315
5.	एनके सेल गतिविधि	sIL2R	24
6.	एएलपीएस	$CD3^+/CD4/8^-/TCR\alpha\beta^+$	104
7.	ल्यूकोसाइट्स आसंजन की कमी	$CD18^+/CD11a^+/CD11b^+$	355
8.	क्रोनिक ग्रैनुलोमैटस रोग	DHR	1012
9.	हाइपर आईजीएम	$CD3^+/CD8^-/CD69^+/$ $CD154^+$	37
10.	टी सेल फ़ंक्शन (आईएफएन-गामा)	$CD3^+/CD4^+/IFN\text{-}\gamma^+/IL\text{-}2^+$	136
11.	क्लास स्विच मेमोरी	$CD19^+/CD27^+/IgD^-$	48
12.	डेग्रनुलेशन विश्लेषण	$CD3^-/CD56^{dim}/CD107a^+$	7
13.	आईएल-12 विश्लेषण	$CD14^+/IL\text{-}12^+$	15
14.	टी सेल पेरफ़ोरिन	$CD3^+/CD8^+/Perforin^+$	4
15.	मेमोरी टी सेल	$CD3^+/CD45RA^+/CD45RO^+$	12
16.	सीरम आईजीए		315
17.	सीरम आईजीएम		316
18.	सीरम आईजीजी		323
19.	सीरम आईजीई		62
कुल			**5948**

अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण: आईआरसीएच, एम्स रेफरल

निदान	**प्राप्तकर्ता**
एएमएल	191
सीएमएल	55
एएलएल	97
अन्य	127
कुल	470
प्रदाता	443
कुल	**913**

क्रम संख्या	निदान	की गई जांचों की संख्या
क	**लो रिज़ॉल्यूशन एचएलए टाइपिंग** (पीसीआर-एसएसपी)	
1	एचएलए-ए लोकस	804
2	एचएलए-बी लोकस	720
3	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	219
	कुल	**1743**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ उमा कांगा इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटिज़ (आईयूआईएस) के महासभा के सदस्य के रूप में कार्यरत (नवंबर 2016- नवंबर 2019); काउंसिल ऑफ एशिया पैसिफिक हिस्टोकम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (एपीएचए) की एशिया पैसिफिक रीजन काउंसलर (2018 से आगे-निरंतर); भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञान सोसाइटी (आई.आई.एस.) के कोषाध्यक्ष के रूप में - (2018-2020)।

9.42. मूत्ररोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अमलेश सेठ

आचार्य

राजीव कुमार

अपर आचार्य

प्रभजोत सिंह

सह-आचार्य

ऋषि नय्यर   वृषभानु नायक

सहायक आचार्य

संजय कुमार   सिद्धार्थ जैन   मनोज कुमार

विशिष्टताएं

1. डॉ. निखिल वासदेव, परामर्शदाता यूरोलॉजिकल सर्जन, हर्टफोर्डशायर और बेडफोर्डशायर यूरोलॉजिकल कैंसर सेंटर, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, लिस्टर हॉस्पिटल (ईस्ट एंड नॉर्थ हर्ट्स एनएचएस ट्रस्ट), वाटफोर्ड जनरल हॉस्पिटल (वेस्ट हर्ट्स एनएचएस ट्रस्ट), यूके ने विभाग और वार्ड का दौरा किया और 2 जनवरी 2020 को 'रोबोटिक रैडिकल सिस्टेक्टॉमी की स्थिति' विषय पर व्याख्यान दिया।
2. दिनांक 27 जनवरी 2020 को एम्स, नई दिल्ली में डॉ अशोक के. हेमल के द्वारा यूरोलॉजी में चौथे सरिंदर मान सिंह मेमोरियल ऑरेशन दिया गया था जो रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी, वेक फॉरेस्ट बैपटिस्ट हेल्थ मेडिकल सेंटर, विंस्टन सलेम, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए के निदेशक हैं।
3. विभाग द्वारा ओपीडी और माइनर ओटी को नई राजकुमारी अमृत कौर ओ.पी.डी. भवन की चौथी मंजिल, ए विंग पर दिनांक 16 मार्च 2020 से स्थानांतरित कर दिया गया है।

चित्र: डॉ. निखिल वासदेव द्वारा विभाग का दौरा किया गया।

शिक्षा

विभाग के संकाय-सदस्यों ने वर्ष के दौरान निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और व्याख्यान दिए। संकाय के वरिष्ठ सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों में एनबीई और एमसीएच यूरोलॉजी के परीक्षक हैं। विभाग के संकाय-सदस्यों ने अन्य आगामी संस्थानों के यूरोलॉजी में एमसीएच और डीएनबी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम के पुनर्गठन और पुन: निर्धारण में सक्रिय भाग लिया। विभाग के संकाय-सदस्य सक्रिय रूप से यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में विभिन्न भारतीय दिशा-निर्देशों के विकास में शामिल हैं।

विभाग ने स्नातक-पूर्व और नर्सिंग विद्यार्थियों (बीएससी और एमएससी) के लिए व्याख्यान दिए। संकाय-सदस्य स्नातक-पूर्व के लिए पाठ्यक्रम संशोधन में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग 3 साल की अवधि में यूरोलॉजी में एमसीएच की डिग्री के लिए 11 स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षित करता है। पोस्ट एमसीएच फेलोशिप प्रशिक्षण उप-विशिष्टताओं के लिए उपलब्ध है, जिसमें न्यूनतम इनवेसिव यूरोलॉजी, यूरो-ऑन्कोलॉजी, रिक्न्सट्रक्टिवयूरोलॉजी और यूरोगायनोकोलॉजी शामिल हैं। दो उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक 'मिनिमली इनवेसिव यूरोलॉजी' फेलोशिप कोर्स पूरा किया, जो दिसंबर 2019 में विभाग से पास आउट होने वाले फेलो का पहला समूह बन गया है। विभाग ने गुर्दे का प्रत्यारोपण कार्यक्रम परिचालन कारणों से दुबारा आयोजित किया गया।

विभाग के संकाय-सदस्यों ने विद्यार्थियों के लिए कौशल सेट के विभिन्न मॉड्यूल के विकास में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जो ई-लर्निंग की दिशा में सहायता प्रदान करता है। संकाय-सदस्यों ने अपने संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एसईटी (सेट) सुविधा हेतु व्याख्यान भी दिए। एस ई टी सुविधा में प्रशिक्षुओं और एमबीबीएस छात्रों को यूरेथ्रल कैथीटेराइजेशन: पुरूषों और महिलाओं के संबंध में मेनिनक्विन पेल्विस पर प्रशिक्षण दिया गया और इसे उनके नियमित पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। कौशल सिमुलेटर पर प्रशिक्षण (यूआरओ/पीईआरसी मेंटर) रेजिडेंट के प्रशिक्षण के नियमित पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है।

विभाग में अल्पावधि अवलोकन के लिए अफगानिस्तान से दो प्रशिक्षु भी थे।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. दिल्ली यूरोलॉजिकल सोसायटी की मासिक बैठक**, 22** फरवरी **2020,** एम्स

प्रदत्त व्याख्यान

अमलेश सेठ: 24	**राजीव कुमार**: 28	**प्रभजोत सिंह**: 14
ऋषि नैय्यर: 14	**वृषभानु नायक**: 7	**संजय कुमार**: 1

प्रस्तुत किये गए मौखिक पत्र/पोस्टर: **35** (**एनजेडयूएसआईसीओएन** 2019 **में सर्वश्रेष्ठ नि:शुल्क पोस्टर सत्र 6 - दूसरा पुरस्कार**; **सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र- एनजेडयूएसआईसीओएन** 2019 **में मरुधर जोधपुर पुरस्कार**

सत्र- पहला पुरस्कार; **एनजेडयूएसआईसीओएन** 2019 **में सर्वश्रेष्ठ नि:शुल्क पोस्टर सत्र 3 - पहला पुरस्कार**; **एनजेडयूएसआईसीओएन** 2019 **में सीएमसी लुधियाना पोस्टर सत्र में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर- पहला पुरस्कार**; **एनजेडयूएसआईसीओएन** 2019 **में सर्वश्रेष्ठ नि:शुल्क पोस्टर सत्र 6 - प्रथम पुरस्कार**; 39**वें एसआईयू कांग्रेस** 2019 **में सर्वश्रेष्ठ मॉडरेट पोस्टर**, **एथेंस- प्रथम पुरस्कार)**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. आंशिक नेफरेक्टोमी से पहले किडनी के रोगी-विशिष्ट तीन आयामी मुद्रण का नैदानिक मूल्य: मात्रात्मक और गुणात्मक आकलन, ऋषि नय्यर, एम्स, 2 वर्ष, 2018-20, 5 लाख रुपये
2. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास के लिए क्लिनिको-जेनेटिक प्रोग्नॉस्टिक सिग्नेचर्स, प्रभजोत सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 100 लाख रूपये
3. भारी धातुओं, जहरीले तत्वों के पर्यावरणीय जोखिम और रेनल सेल कार्सिनोमा प्रेरण और प्रगति पर इसका प्रभाव, वृषभानु नायक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 43.05 लाख रूपये
4. रीनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) में संभावित आणविक मार्करों (पीआरएल3 फॉस्फेट, सीएवी2, एलएएमए4 और जीआरपी8) की पहचान: ट्यूमर के व्यवहार की भविष्यवाणी, मनोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रुपये प्रति वर्ष
5. प्रोस्टेट कैंसर में स्टेजिंग मोडैलिटी के रूप में 68जीए-पीएसएमए-पीईटी /सीटी स्कैन की भूमिका, संजय कुमार, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 48.85 लाख रूपये
6. संदिग्ध प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में सेमिनल एमआईआरएनए और इन्फ्लामेटरी मार्करों की भूमिका का मूल्यांकन करना और एमपीएमआरआई और बायोप्सी निष्कर्षों के साथ सहसंबंध, सिद्धार्थ जैन, एम्स, 1 साल, 2019-2020, 5 लाख रूपये

पूर्ण

1. एशिया में प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों की एक बहुकेन्द्रीय, भावी, अनुदैर्ध्य रजिस्ट्री, अमलेश सेठ/प्रभजोत सिंह, जिनसेन, 3 वर्ष, 2016-2019, 14 लाख रूपये
2. भारतीय रोगियों में पुरुष जननांग संबंधी कार्सिनोमा में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस की स्थिति: घटना, प्रकार का वितरण क्लिनिको-पैथोलॉजिकल स्टेजिंग के साथ सहसंबंध, प्रभजोत सिंह, एम्स, 3 साल, 2016-2019, 9.5 लाख रुपये
3. रीनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) के रोगियों में ट्यूमर व्यवहार के लिए एक बायोमार्कर के रूप में ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान, मनोज कुमार, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 10 लाख रूपये
4. मेटास्टेटिक क्लियर सेल आरसीसी वाले मरीजों में ट्यूमर के ऊतकों में ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) और सीएक्ससीआर1 अभिव्यक्ति को प्रसारित करने की पूर्वानुमानित भूमिका: एक अग्रदर्शी

अवलोकन संबंधी अनुदैर्ध्य सहसंयोजक अध्ययन, वृषभानु नायक, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 8.5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बांझ पुरुषों में अशुक्राणुता के कारण के रूप में बाधा के निदान के लिए सेमिनल बायोमार्कर का मूल्यांकन
2. आरएआरपी के दीर्घकालिक परिणाम
3. वीवीएफ रिपेयर से गुजर रहे रोगियों में लंबे समय तक यौन और असंयमिता के परिणाम
4. युवा पुरुष रोगियों में वोडिंग लोअर ट्रैक्ट लक्षणों के हेतुकी का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन
5. पीएसएनएल के लिए विभिन्न बोल्टस्टर स्थितियों के रेडियोलॉजिकल मानव देह मापी का मूल्यांकन
6. मध्यवर्ती जोखिम वाले मूत्राशय कैंसर के लिए मानक मिटोमाइसिन, एचआईवीईसी और बीसीजी की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
7. कार्सिनोमा मूत्राशय में रोग के चरण और ग्रेड का अनुमान लगाने में वीआईआरएडी (वर्ज़न 1) का इस्तेमाल करते हुए एमपी एमआरआई की भूमिका
8. मूत्रवाहिनी पथरी के रोगियों में दोबारा की गई/ विस्तारित चिकित्सा निष्कासन थैरेपी की भूमिका
9. नियमित यूरोलॉजिकल सर्जरी में कैथीटर प्रवेशन से पहले मूत्रमार्ग पोविडोन-आयोडीन इन्स्टलेशन की भूमिका
10. एकपक्षीय बनाम द्विपक्षीय वासोएपिडिडीमल एनास्टोमोसिस: अग्रदर्शी यादृच्छिक परीक्षण

पूर्ण

1. बच्चों, किशोर और युवा वयस्क आबादी में गुर्दे के ट्यूमर की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल प्रोफाइल
2. टीयूआरबीटी के दौरान मूत्राशय के कैंसर की रीस्टेजिंग के लिए कोल्ड कप बनाम लूप बायोप्सी
3. लैप्रोस्कोपिक नेफरेक्टोमी में इलेक्ट्रोकॉटरी बनाम अल्ट्रासोनिक शियर्स की तुलना
4. क्या एंडोयूरोलॉजिकल प्रक्रिया से गुजरने वाले स्वस्थ पुरुषों में मूत्र मार्ग के संक्रमण की प्रक्रिया के बाद की घटना में इंट्रा-मूत्रमार्गीय फ्लोर की कोई भूमिका है - एक नैदानिक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ओवरएक्टिव मूत्राशय के उपचार के लिए डैरीफेनासिन बनाम मिराबेग्रॉन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण,प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
2. डुअल एजर्नी कम्प्यूटेड टोमोग्राफी और मल्टीपैरामेट्रिक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग के साथ रीनल सेल कार्सिनोमा की विशेषता और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध, विकिरण विज्ञान

3. क्लिनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल और यूरोसेप्सिस के रोगियों के परिणाम, सूक्ष्म जीवविज्ञान
4. बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में असंयमितता का मूल्यांकन, शल्य चिकित्सा
5. कम खुराक के साथ और बिना डल्टियाजेम इन्फ्यूजन के फीयोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लिओनोमा सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में पेरिऑपरेटिव अवधि में हेमोडायनामिक प्रोफ़ाइल, संवेदनाहरण विज्ञान
6. प्रसवोत्तर रोगियों में विभिन्न मूत्र संबंधी समस्याओं की घटना और प्रसव के माध्यम से इसका संबंध, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान
7. प्रोस्टेट कैंसर में इन-विट्रो यूरिनरी और सीरम एनएमआर आधारित चयापचय, एनएमआर
8. फिओक्रोमोसिटोमा/पैरागैंगलियोमा वाले रोगियों की आणविक प्रोफाइल और फेनोटाइप-जीनोटाइप सहसंबंध: उपचार और पूर्वानुमान में जटिलताओ की व्याख्या, विकृति विज्ञान
9. सर्जरी के माध्यम ट्यूमर से निजात पाने वाले फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंगलियोमा के रोगियों में निम्न वेना कावा कोलेप्सबिलिटी इंडेक्स द्वारा मापा जाने वाला प्रीपरेटिव इंट्रावस्कुलर वॉल्यूम की स्थिति: एक अग्रदर्शी अवलोकन संबंधी कोहार्ट अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान
10. जीयूटीबी रोगियों में जीन एक्सपर्ट यूरीन की भूमिका, काय-चिकित्सा
11. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में इन-बोर एमआर गाइडिड बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
12. बांझ पुरूष में मेथिलनेटेट्राहाइड्रोफोलेट रिडक्टेस (एम.टी.एच.एफ.आर.) पॉलीमॉर्फिम्स के जुड़ाव का अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान
13. पुरुष बांझपन में टेलोमेयर स्थिति और डीएनए की मरम्मत का तंत्र, शरीर रचना विज्ञान
14. त्वचा प्रवेशी नेफ्रोलिथोटॉमी से गुजरने वाले मरीजों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडिड इरेक्टर स्पाइने प्लेन ब्लॉक- एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान

पूर्ण

1. एडेनोकार्सिनोमा प्रोस्टेट वाले रोगियों की रीस्टेजिंग में 18f-फ्लोरोमेथिलकोलाइन और 68जी.ए.-पीएसएमए पीईटी/ सीटी की तुलना, नाभिकीय चिकित्सा
2. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में बोन मेटास्टेस का पता लगाने के लिए 68जी.ए.-पीएसएमए पीईटी/सीटी और 18एफ.-एन.ए.एफ. पीईटी/सीटी की तुलना, नाभिकीय चिकित्सा
3. यूटेरिन प्रोलैप्स के लिए योनि सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में यूरोडायनामिक अध्ययन और योनि पेसरी परीक्षण की एनमास्क् गूढ़ एसयूआई से तुलना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
4. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के निदान और अनुपरीक्षण में गैलियम -68 लेबल्ड प्रोस्टेट विशिष्ट झिल्ली एंटीजेन के साथ पीईटी-सीटी का उपयोग: नाभिकीय चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 27 **सार**: 14 **पुस्तकों में अध्याय**: 6

रोगी उपचार

मुख्य अस्पताल ओपीडी

नए रोगी: 14282 पुराने रोगी: 41284

भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ. यूरो- मेंलिग्नेंसी क्लिनिक

नए रोगी: 24 पुराने रोगी: 3090

एंड्रोलॉजी एंड इनफर्टिलिटी क्लिनिक

नए रोगी: 825 पुराने रोगी: 1125

भर्तियां

लंबे समय के लिए भर्ती: 1622 अल्प समय के लिए भर्ती: 1038

अस्पताल से छुट्टी: 2449

मुख्य ओटी ऑपरेशन: 2127

ओपन सर्जरी: 447

रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	33	रेडिकल अथवा साइटोरिडक्टिव नेफ्रेक्टॉमी	39+5
सरल नेफ्रेक्टोमी	15	थ्रोम्बेक्टॉमी आईवीसी के साथ रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	5
सैल्विज सिस्टेक्टॉमी	1	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	8
आंशिक सिस्टेक्टॉमी	1	नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी के साथ रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	3
एंड टू एंड यूरेथ्रोप्लास्टी	17	आंशिक नेफ्रेक्टॉमी	14
एंटेरियर ले ओपन	4	आरपीएलएनडी	5
ऑग्मेंटेशन सिस्टोप्लास्टी	5	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	22
अधिवृक्क उच्छेदन	2	दूसरे चरण का समापन	5
पैरागैंग्लियोमा उच्छेदन	1	पायलोप्लास्टी	7
मूत्रवाहिनीय का पुन: प्रतिरोपण	16	बोएरी फ्लैप	2
वीवीएफ को ठीक करना	23	कुल पेनेक्टॉमी	2
आंशिक पेनेक्टॉमी	14	ऑर्चिडोपेक्सी/ वृषणोच्छेदन (अनडिसेंडेड वृषण)	3
हाइपोस्पेडियस को मरम्मत	4	एयूएस प्रतिरोपण/पुरुष जननांग संबंधी कृत्रिम अंग	6
सिस्टोलिथोटॉमी	2	टीवीटी/टीओटी	2
पेरिनेल यूरेथ्रोस्टॉमी	6	श्रोणिफलक तथा वंक्षण (इलियोइंग्वाइनल) संबंधी लसीका ग्रंथि विच्छेदन	10
उच्च वंक्षण वृषणोच्छेदन	14	परिच्छेदन	33
सामान्य वृषणोच्छेदन	64	अन्य	54

इंडोयूरोलॉजी: 1379

ऊपरी मार्ग: 410		निचला मार्ग : 969					
पीसीएनएल	191	टीयूआरपी/टीयूआई पी/टीयूईबी	89	सीएलटी	32	डीजेएस	292
यूआरएस	154	टीयूआरबीटी	282	पीसीसीएलटी	1	डीजेआर	44
आरआईआरएस	56	टीयूआर फल्गुरेशन	23	एचओएलईपी	3	ओआईयू/बीएनआई/ एंडोडिलाटेशन	30
पीसीएनयूएल	6	टीयूआरईडी	1	एचओएलसीटी	0	डिफ्लक्स इंजेक्शन	1
इंडोपायलोटॉमी	3	थक्का निकलना	0	पीवीपी	4	लेजर वेल्डिंग	0
		एंडोइवैल्यूऐशन	54	यूरेटेरोसेल इन्सिशन	2	अन्य	111

लेप्रोस्कोपिक: 166

रेडिकल नेफ्रेक्टोमी	36	आशिंक नेफ्रेक्टोमी	4
साधारण नेफ्रेक्टोमी	57	एड्रेनलेक्टोमी	19
रेट्रोपेरिटोनोस्कोपिक नेफ्रेक्टोमी / नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	10	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	8
पाइलोप्लास्टी	14	यूरेटेरोलिथोटॉमी	8
पाइलोलिथोटॉमी	3	पैरागैंगलियोमा एक्सिशन	2
साधारण नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	2	अन्य	3

रोबोटिक: 109

रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी	34	पाइलोप्लास्टी	35	अन्य	2
आंशिक नेफ्रेक्टोमी	37	सरल प्रोस्टेटेक्टोमी	1		

माइक्रोसर्जरी: 26

वीईए	15	वीवीए	1	एमवीएल	6	वृषणकोश का अन्वेषण	4

माइनर ओटी: 14424

इंडोस्कोपिक	3138
ओपन	1
लघु मामले	4811
यूरोफ्लोमेट्री	6111
यूरोडायनामिक अध्ययन	363

ईएसडब्ल्यूएल: 1042

नए रोगी	316	पुराने रोगी	726

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएं: 225

प्रोस्टेट टीआरयूएस बायोप्सी	149	एसपीसी	3
एमआरआई-टीआरयूसी फ्यूजन बायोप्सी	44	पीसीएन	5
इन बोर बायोप्सी	18	यूएसजी	6

सामुदायिक सेवा/शिविर

1. दूरदर्शन पर कई हेल्थ टॉक शो (अमलेश सेठ)
2. यूपी के प्रतापगढ़ के नौदेरा में स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया, 7 दिसंबर 2019 (प्रभजोत सिंह)
3. यूरोलॉजिकल बीमारियों पर गुड इवनिंग इंडिया-हेल्थ टॉक: रोकथाम और सामान्य उपचार के उपाय, डीडी नेशनल, 2 मई 2019 (ऋषि नय्यर)
4. लेह, लद्दाख में चिकित्सा शिविर में भाग लिया, 30 सितंबर से 4 अक्टूबर 2019 (वृषभानु नायक)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

रेजीडेंट्स

1. यूएसआई से हर्षित गर्ग को 'यूएसआई ओलंपस ट्रैवल फेलोशिप अवार्ड' 2020
2. एनजेडयूएसआई से रोहित डढवाल और हर्षित गर्ग को डी.यू.एस.सी.ओ.एन. अचीवर्स अवार्ड 2019
3. एसआईयू से डॉ हर्षित गर्ग को 'एसआईयू रेजीडेंट छात्रवृत्ति 2019'

प्रोफेसर अमलेश सेठ-विश्व यूरो-ऑन्कोलॉजी फोरम कार्यकारी परिषद के सदस्य हैं; अध्यक्ष-उत्तर क्षेत्र चैप्टर यूरोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया; यूरोलॉजी में मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ के लिए आईसीएमआर की समिति के अध्यक्ष; पीएम जेएवाई के तहत एनएचए के साथ स्वास्थ्य लाभ पैकेज पर परामर्श के लिए यूरोलॉजी एक्सपर्ट ग्रुप के अध्यक्ष; डीसीजीआई के तहत यूरोलॉजी और प्रजनन पर विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य; विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के क्षेत्र में युवा छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए "यूरेका" नामक उनकी विशेष श्रृंखला के लिए राज्यसभा टीवी द्वारा साक्षात्कार; एथेंस ग्रीस में एसआईयू के आमंत्रित व्याख्यानदाता- अक्टूबर 2019; एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में ईएयू के आमंत्रित व्याख्यानदाता, मार्च 2020।

प्रोफेसर राजीव कुमार ने पिननामनेनी वेंकटेश्वर राव ओरेशन, यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (2020), एसआईयू व्याख्यान, यूएसएएनजेड वार्षिक वैज्ञानिक बैठक, अप्रैल 2019, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में भाग लिया; वे वैज्ञानिक चिकित्सा लेखन पर कार्यशालाओं के लिए संकाय है: (क) वैज्ञानिक चिकित्सा लेखन: सम्मेलन से पूर्व कार्यशाला, आईपीएचएसीओएन, एम्स नई दिल्ली, 28 फरवरी 2020 और (ख) साथियों

की समीक्षा पर कार्यशाला, इंडियन पेडोडॉन्टिक्स सोसायटी, एम्स, नई दिल्ली: 19 मई , 2019। वह एम्स, नई दिल्ली में संयुक्त संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) है; सह-अध्यक्ष वैज्ञानिक समिति और सदस्य, निदेशक मंडल, सोसाइटी इंटरनेशनेल डी' यूरोलॉजी; अध्यक्ष वैज्ञानिक समिति और सह-ऑप्ट कार्यकारी सदस्य, यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ एशिया; मुख्य संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; सहयोगी संपादक, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया; अंतर्राष्ट्रीय परामर्श संपादक, जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ एंड्रोयूरोलॉजी; कार्यकारी सदस्य, ब्रिटिश जर्नल ऑफ यूरोलॉजी इंटरनेशनल; सह-संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, खोजी और नैदानिक मूत्रविज्ञान; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, एशियाई जर्नल ऑफ यूरोलॉजी; सचिव चिकित्सा संपादकों का विश्व संघ (डब्ल्यूएएमई); माननीय सचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स भी हैं।

डॉ प्रभजोत सिंह को दिल्ली यूरोलॉजिकल सोसायटी से दिसंबर 2019 को अचीवर पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया; एक्स्ट्रा पुल्मोनरी टीबी के निदान और उपचार के लिए मॉड्यूल के विकास के लिए विषय विशेषज्ञ (यूरोलॉजी) के रूप में पैनल के सदस्य हैं; उन्हें एम्स, नई दिल्ली में जनवरी 2020 एसईटी सुविधा में शैक्षणिक योगदान के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

डॉ. ऋषि नय्यर को इंसिटिव सर्जिकल, यूएसए द्वारा 'रोबोटिक कंसोल सर्जन' के रूप में प्रमाणित किया गया है; एसआईयू की एथेंस, ग्रीस में अक्टूबर 2019 में 39वीं कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ मॉडरेटेड ई-पोस्टर (एम.पी.02: बेसिक साइंस / इंफेक्शन); एक्स्ट्रा पुल्मोनरी टीबी के निदान और उपचार के लिए मॉड्यूल के विकास के लिए विषय विशेषज्ञ (यूरोलॉजी) के रूप में पैनल के सदस्य; 'नैयर की स्माइली ब्लैडर साइन और स्टैलेगनेट इन ब्लैडर' का पहला विवरण, नवंबर 2019; नैय्यर के ट्यूब्ड ब्लैडर फ्लैप रिपेयर 'का पहला विवरण, दिसंबर 2019; एम्स, नई दिल्ली में पहला रेट्रोपेरिटोनोस्कोपिक आंशिक नेफरेक्टॉमी; एम्स, नई दिल्ली में पहला रोबोटिक रेट्रोपेरिटोनोस्कोपिक आंशिक नेफरेक्टॉमी; दिल्ली यूरोलॉजिकल सोसायटी, से दिसंबर 2019 में अचीवर्स पुरस्कार 2019। जनवरी 2020 में एम्स, नई दिल्ली में एसईटी सुविधा के लिए शैक्षिक योगदान हेतु प्रशंसा प्रमाण पत्र; लिवर हेल्थ अवेयरनेस, आईएलबीएस, 2019 पर पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्टून प्रतियोगिता में प्रशंसा का प्रमाण पत्र; आईएसयू-यूएसआई के लिए यूरोएजुकेशन और यूरोमैट 'में मेंटर होने के लिए स्क्रॉल ऑफ ऑनर का पुरस्कार, जनवरी 2020; यूएसआई द्वारा एमआईयूसी इंटरनेशनल फेलोशिप 2020 से सम्मानित (यूसीकॉन 2021 में प्रस्तुत किया जाना); डीजीएचएस, डीसीजीआई के कार्यालय के तहत डीटीएबी के लिए सह-चयनित सदस्य और विषय विशेषज्ञ (यूरोलॉजी); यूएयूकेओएन, ओरछा में 'लैप सिग्मोइड वैजिनोप्लास्टी' का सेमी-लाइव सर्जिकल प्रदर्शन, मार्च 2020; यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया यूरोमैट कार्यक्रम के शिक्षा बोर्ड के लिए कोर संकाय; एसईटी (कौशल-ए-लर्निंग-टेलीमेडिसिन) सुविधा के लिए संकाय; डीजीएचएस, डीसीजीआई (भारत) के कार्यालय के अधीन विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) के सदस्य; संपादकीय समिति के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी हैं।

डॉ. वृषभानु नायक को 2020 जेयूए एशियाई छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया; जनवरी 2020 में एम्स, नई दिल्ली में एसईटी सुविधा के लिए शैक्षिक योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ निखिल वासदेव, सलाहकार यूरोलॉजिकल सर्जन, यूके
2. डॉ अशोक के हेमल, निदेशक, रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी, वेक फॉरेस्ट बैप्टिस्ट हेल्थ मेडिकल सेंटर, विंस्टन सलेम, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए

10.1 हृद्वक्ष विज्ञान केंद

हृद् विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी.के. बहल

आचार्य

अनिता सक्सेना, एस.एस. कोठारी, बलराम भार्गव (प्रतिनियुक्ति पर), के.सी. गोस्वामी, एस. सेठ, संदीप मिश्रा, राकेश यादव, एन. नाइक, जी. कार्तिकेयन, गौतम शर्मा, एस. सिंह, अंबुज रॉय, एस. रामाकृष्णन

अपर आचार्य

सौरभ के. गुप्ता

सह-आचार्य

दीप्ति सिद्धार्थन, सत्यवीर यादव, राघव बंसल

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस.के. चौधरी

आचार्य

यू.के. चौधरी, ए.के. बिसोई, वी. देवगुरु, मिलिंद पी. होते, सचिन तलवार

अपर आचार्य

मनोज कुमार साहू, पी राजशेखर

सह-आचार्य

सर्वेश पाल सिंह, रमेश पी. मेनन

सहायक आचार्य

प्रदीप रामाकृष्णन, उम्मेद सिंह धत्तरवाल, सुखजीत सिंह (संविदा पर)

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संदीप चौहान

आचार्य

नीति मखीजा पूनम मल्होत्रा कपूर मिनाती चौधरी

शम्भूनाथ दास पराग घरड़े विश्वास मलिक

सह-आचार्य

सुरूचि हसीजा अरिंदम चौधरी

हृद् जैव रसायन

आचार्य

लक्ष्मी रामाकृष्णन

वैज्ञानिक

मनोज कुमार तेंभरे

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य

चेतन डी पटेल

हृद् विकृतिविज्ञान

आचार्य

रूमा रे

अपर आचार्य

सुधीर कुमार अरावा

हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन्स

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजीव शर्मा

आचार्य

प्रिया जागिया

सह-आचार्य

संजीव कुमार

मूल कोशिका सुविधा

आचार्य

सुजाता मोहंती

रक्त आधान सेवाएँ

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजलि हजारिका

सहायक आचार्य

गोपाल कुमार पाटीदार

अधीक्षक, चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

श्रीमती वीना बेलानी

मुख्य तकनीकी अधिकारी

बिजय माझी गुलशन मेहता गजेंद्र सिंह चौहान

विशिष्टताएं

हृद् विज्ञान

इस वर्ष के दौरान विभाग में लगभग 1,40,000 बहिरंग रोगियों का उपचार किया गया। 35,000 से अधिक रोगियों की इकोकार्डियोग्राफी की गई और लगभग 3000 रोगियों के नैदानिक हृदय कैथेटराइजेशन किए गए। 3000 से अधिक रोगियों की एंजियोप्लास्टी, डिवाइस इम्प्लांटेशन और बैलून वाल्वोप्लास्टी सहित इंटरवेंशनल प्रोसीज़र पूरे किए गए।

इस अवधि के दौरान, विभाग ने विविध प्रकार के हृदय रोगियों का अध्ययन करने वाली कई शोध परियोजनाओं में भाग लिया। स्टेमी, उच्च रक्तचाप, हृदयाघात, रूमेटिक हृदय रोग और जन्मजात हृदय रोग से संबंधित महत्वपूर्ण लेख उच्चस्तरीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। हमने सीएसआई नेशनल कॉन्फ्रेंस **2019** और इंडिया लाइव 2020 सहित कई बड़े हृद् विज्ञान सम्मेलन आयोजित किए। विभाग के संकाय-सदस्य हार्ट एशिया, इंडियन हार्ट जर्नल, एनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी और जेपीसीवीएस सहित प्रमुख हृद् विज्ञान पत्रिकाओं के सहयोगी हैं। कई संकाय-सदस्य महत्वपूर्ण समितियों में शामिल रहे।

रोगी उपचार, अनुसंधान और शिक्षण के अलावा विभाग ने देश में हृद् विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षिक परिचर्चा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग के संकाय-सदस्यों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय हृद् विज्ञान निकायों में कार्यकारी पदों के लिए चुना गया है और इससे शैक्षिक एजेंडा पर पुन: ध्यान केन्द्रित करने में मदद मिली है।

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा के दायरे में आने वाले विविध रोगियों के पूरे समुदाय और जन्मजात हृदय रोगों के लिए सर्जरी, हृदय संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हो जाने वाले रोगियों के लिए बहिरंग रोगी क्लिनिक में, सप्ताह में तीन दिन और महाधमनी क्लिनिक के माध्यम से सप्ताह में दो बार सेवाएं प्रदान की गईं। हृद् विज्ञान के साथ मिलकर, 10,500 से अधिक रोगियों का इलाज अंतरंग रोगी आधार पर किया गया और लगभग 200,000 रोगियों को आउट पेशेंट सेवाएं प्रदान की गईं। सभी प्रकार के हृदय रोगों से पीड़ित 3500 से अधिक रोगियों की शल्यचिकित्सा की गई, जिसके परिणाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ केंद्रों के समतुल्य रहे। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के साथ अनुसंधान, प्रकाशन और सहयोग पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। विभागीय संकाय-सदस्यों ने **55** आमंत्रित व्याख्यान दिए और समकक्ष समीक्षित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में **25** से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए गए। सघन उपचार के क्षेत्र में विभाग ने कई सेमिनार और अतिथि व्याख्यान आयोजित किए। फेफड़ों के प्रत्यारोपण और अन्य विषयों पर, **1** वैट लैब सहित चार कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। विभाग और सघन उपचार दल, संक्रमण नियंत्रण कार्य में सक्रिय रूप से शामिल रहे और उन्होंने पोस्ट-कार्डियक सर्जरी आईसीयू देखभाल प्रोटोकॉल विकसित किए। भारत में पहली बार, पुल्मोनरी मेडिसिन आईसीयू में एच1एन1 निमोनिया से ग्रस्त हो जाने के बाद एआरडीएस से पीड़ित **120** किलोग्राम वज़न वाली महिला रोगी पर विभाग में सबसे लंबे समय तक चलने वाले वीवी ईसीएमओ (**92** दिन) किया गया। विभाग की फिजियोथेरेपी यूनिट सक्रिय रूप से कई फिजियोथेरेपी कार्यशालाओं के आयोजन में शामिल रही। साथ ही यह यूनिट वित्तपोषित एवं सहयोगी परियोजनाओं के संचालन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही।

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

विभाग के संकाय-सदस्यों और रेजिडेंट्स को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान सम्मानित किया गया। सभी आचार्य और अपर आचार्य पूरे भारत में डीएम कार्डिएक एनेस्थेसिया, एमडी एनेस्थीसिया और डीएनबी एनेस्थीसिया पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षक नियुक्त हुए। यह विभाग, बाल हृद् संवेदनाहरण में फेलोशिप शुरू करने में अग्रणी रहा और वाहिका संवेदनाहरण में फैलोशिप शुरू करने के लिए जल्द ही मंजूरी मिल गई। विभाग के सभी संकाय-सदस्य विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हृद् संवेदनाहरण, संवेदनाहरण और इकोकार्डियोग्राफी पत्रिकाओं के संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्य/समीक्षा समिति के सदस्य हैं। डॉ. पूनम मल्होत्रा ने आईएसीटीए के अध्यक्ष (गैर-निर्वाचित) के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करके वर्तमान में एससीए- दिल्ली और एनसीआर शाखा की अध्यक्ष (गैर-निर्वाचित) हैं और ईसीएमओ सोसायटी ऑफ इंडिया की भूतपूर्व अध्यक्ष (गैर-निर्वाचित) रही हैं। वह जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) की मुख्य संपादक हैं।

हृद् जैवरसायन

विभाग हृद् वक्ष केंद्र के अंतरंग एवं बहिरंग रोगियों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। विभाग में की जाने वाली अनेक जांचों के लिए, रोगियों को अन्य विभागों के साथ-साथ अन्य संस्थानों से भी संदर्भित किया जाता है। कई ईक्यूएएस कार्यक्रमों में भाग लेकर विभाग में विश्लेषण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाती

है। विभाग अनुसंधान में सक्रिय है। इसका प्रमाण है कि विभाग बाहरी अनुदान से संचालित सात परियोजनाओं का मुख्य अन्वेषक है और अनेक विभागों से संबंधित कई सहयोगी परियोजनाएं संचालित है। दो विद्यार्थी वर्तमान में पीएचडी कर रहे हैं और हृद् जैव रसायन विभाग के संकाय-सदस्य, पांच अन्य पीएचडी शोध में सह-गाइड हैं। विभाग के संकाय-सदस्य, यूनिसेफ और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा किए जा रहे पोषाहार सर्वेक्षण के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य हैं। विभाग के संकाय-सदस्य, गुर्दे की पुरानी बीमारी संबंधी एक परियोजना में आंध्र प्रदेश सरकार के लिए तकनीकी सलाहकार समिति में शामिल हैं। यह कार्य, गैर-संचारी रोगों और अंत:स्राविकी के क्षेत्र में आईसीएमआर के लिए परियोजना समीक्षा समिति का विशेषज्ञ सदस्य होने के अलावा किया जा रहा है।

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

हृद् वक्ष केंद्र में संचालित नाभिकीय चिकित्सा ड्यूअल हेड स्पैक्ट-सीटी-गामा कैमरा लगाया गया है जिस पर नैदानिक हृद् वैज्ञानिक नाभिकीय प्रक्रियाएं संपन्न की जाती हैं। यह इकाई, शिक्षण और अनुसंधान कार्यों में भी सक्रिय रूप से शामिल है। न्यूक्लियर मेडिसिन एमडी और एमएससी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को हृद् वैज्ञानिक नाभिकीय प्रक्रियाओं में रोटेशनल आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है। यह यूनिट 8 डीएम, एमडी, पीएचडी और एमएससी विद्यार्थियों के शोध प्रबंध या शोध कार्य में शामिल है जहां न्यूक्लियर हृद् विज्ञान उनके शोध कार्य का हिस्सा है। टीसी**99**एम लेबल वाले ट्रेसरों और एफ-18 एफडीजी पीईटी अध्ययन के साथ मायोकार्डियल स्पैक्ट अध्ययन कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। हमने कार्डियक सार्कोइडोसिस, कार्डियक इंफेक्टिव और इंफ्लेमेटरी पैथोलॉजी के लिए गैलियम-68 डॉटनॉक जैसे अन्य पीईटी रेडियोट्रेसरों का उपयोग शुरू किया। हमने कार्डिएक सिंपेथेटिक इनर्वेशंस के मूल्यांकन के लिए एफ-18 एफडीओपीए की व्यवहार्यता का आकलन किया है। हाल ही में हमने टीसी99एम पीवाईपी का उपयोग करके कार्डियक अमाइलॉइडोसिस का पता लगाने के लिए इमेजिंग कार्य शुरू किया है। यह इकाई, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्तपोषित "कार्डियो-ऑन्कोलॉजी स्टडी (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन" नामक एक अंतरराष्ट्रीय बहु-कैंद्रीय अनुसंधान परियोजना में शामिल है। हम वित्तपोषित परियोजना में अन्य विभागों के साथ सहयोग कर रहे हैं, जिनमें से एक अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा वित्तपोषित है।

हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन्स

विभाग के संकाय-सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलनों में व्याख्यान दिए। विभाग ने भारत के विभिन्न स्थानों और विदेशों से आए पर्यवेक्षकों की मेजबानी की। उन्होंने कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग और एंडोवस्कुलर हस्तक्षेपों के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण प्राप्त किया। संकाय-सदस्य कई वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों के सदस्य और समीक्षक हैं।

मूल कोशिका सुविधा

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार ने चरण II के तहत, इस सुविधा को 'स्टेम सेल अनुसंधान उत्कृष्टता केन्द्र' के रूप में विकसित करने की दिशा में अगले 3 वर्षों के लिए अपना वित्तीय

सहयोग विस्तारित कर दिया है। यह सुविधा, वर्तमान में एम्स के अन्य विभागों के सहयोग से 9 परियोजनाओं पर काम कर रही है और डीबीटी, आईसीएमआर, डीएसटी, आईयूएसएसटीएफ, एम्स आदि द्वारा वित्तपोषित है। 16 पीएचडी शोधकर्ताओं और **7** एमडी, डीएम विद्यार्थियों को डिग्री के लिए पंजीकृत किया गया है, साथ ही 4 वैज्ञानिक और 1 डीएसटी-यंग साइंटिस्ट वर्तमान में सरकारी वित्तपोषित परियोजनाओं में इस केन्द्र में कार्यरत हैं। भारत के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे कि आईआईएसईआर मोहाली, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी खड़गपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय-दक्षिण परिसर, आईजीआईबी, एनआईआई, टीएचएसटीआई, एनबीआरसी, आईसीपीओ के अनुसंधान शोधार्थियों को भी उनके पीएचडी कार्य में सह-पर्यवेक्षण की सुविधा दी जा रही है। इस सुविधा ने उच्च प्रभाव वाली सहकर्मी समीक्षित पत्रिकाओं में 16 शोधपत्र प्रकाशित किए हैं और विभिन्न वैज्ञानिक मंचों (बैठकों, सम्मेलनों) में प्रस्तुतिकरण किए हैं। सुविधा के संकाय-सदस्य साइंटिफिक रिपोर्ट्स (नेचर पब्लिशिंग ग्रुप), ट्रांसलेशनल सर्जरी, स्टेम सेल में वर्तमान रुझान और रीजेनरेटिव मेडिसिन, इनसाइट्स इन स्टेम सेल जैसी अनेक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों के संपादकीय बोर्डो में सदस्य के रूप में शामिल हैं। संकाय-सदस्य इंटरनेशनल सोसायटी फॉर सेल्युलर थेरेपी (आईएससीटी), इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर) और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, इंडियन साइंस कांग्रेस (आईएससी), इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी (आईआईएस) जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय निकायों के सक्रिय सदस्य के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस सुविधा ने पांच अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों (यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, ब्रिजपोर्ट यूनिवर्सिटी, इंडियाना यूनिवर्सिटी और पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, ईरान) के साथ वैज्ञानिक सहयोग शुरू किया है।

रक्त आधान सेवाएँ

सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण रक्त और रक्त अवयवों को एकत्र, संसाधित और आधान करके केंद्र में भर्ती मरीजों की जरूरतों को चौबीसो घंटे पूरा किया जाता है। इन गतिविधियों में इनडोर और आउटडोर रक्त संग्रह, रक्त दाताओं को प्रेरित करना और रक्तदान-पूर्व तथा रक्तदान-पश्चात् परामर्श, रक्त अवयव तैयार करना, विभिन्न सीरोलॉजिकल परीक्षण करना तथा एफेरेसिस एवं चिकित्सीय फेलोबोटॉमी जैसी विशेष प्रक्रियाएं शामिल हैं। पैक्ड रेड सेल्स, प्लाज़्मा, फ्रेश फ्रोजन प्लाज़्मा, प्लेटलेट रिच प्लाज़्मा, प्लेटलेट कॉन्संट्रेट, क्रायोप्रेसिपिटेट, ल्यूकोडिप्लीटिड रेड सेल और प्लेटलेट जैसे अवयव हर समय उपलब्ध रहते हैं। एफेरेसिस प्रक्रियाओं और ऑटोलॉगस दान के लिए सुविधा उपलब्ध है। शेष प्लाज्मा को प्लाज्मा उत्पाद विभाजन के लिए भेज दिया जाता है। हृदय प्रत्यारोपण के रोगियों के लिए रक्त अवयवों का विकिरणन किया जाता है। बीटीएस में किए गए सीरोलॉजिकल परीक्षणों में रक्त समूहन के लिए परीक्षण, अनियमित एंटीबॉडी के लिए स्क्रीनिंग, कॉलम एग्लूटीनेशन और एसपीआरसीए परख जैसी नवीनतम तकनीक का उपयोग करके संगतता परीक्षण शामिल हैं। एकत्रित रक्त की प्रत्येक इकाई का परीक्षण हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, एचआईवी-**1** और **2**, सिफलिस, मलेरिया जैसे संक्रामक संक्रमणों की संभावना को दूर करने के लिए किया जाता है। बेहतर परिणाम और गुणवत्ता के लिए विभाग में अधिकांश प्रयोगशालाओं

में स्वचालित विधियों का उपयोग किया जाता है। एचआईवी/ एचसीवी/ एचबीवी का पता लगाने और इस प्रकार रक्त सुरक्षा में सुधार के लिए डोनर रक्त नमूनों की एनएटी (न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट) जांच की जाती है। रोगी के रक्त के नमूने और रूपों के संचरण के लिए **नीमेटिक ट्यूब सिस्टम** उपलब्ध है। तत्काल डेटा तैयार करने और एचआईएस के साथ एकीकरण के लिए एनआईसी द्वारा तैयार ई-रक्त बैंक सॉफ्टवेयर मॉड्यूल के माध्यम से ब्लड बैंक प्रक्रियाओं का कम्प्यूटरीकरण किया गया है।

शिक्षा

<u>हृद् विज्ञान</u>

हृद् विज्ञान स्नातक, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है। दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों में संकाय-सदस्यों द्वारा जर्नल क्लब, मृत्यु दर बैठक, कैथ सम्मेलन, अल्पकालिक और दीर्घकालिक संगोष्ठी, वाद-विवाद, नैदानिक मामले पर चर्चा और स्पॉटर्स जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं। विभागीय संकाय-सदस्यों ने स्नातक, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा पैरामेडिक्स के लिए एसीएलएस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, अल्पकालिक/ दीर्घकालिक प्रशिक्षण और विभिन्न नवाचारी शैक्षिक गतिविधियां आयोजित कीं।

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. सीएसआई 2019, 5 से 8 दिसंबर 2019, नई दिल्ली
2. इंडिया लाइव 2020, 27 फरवरी से 3 मार्च 2020, नई दिल्ली
3. अरिदमिया एंड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी आईएसएचआर, 22 और 23 फरवरी 2020, नई दिल्ली

दिए गए व्याख्यान

वी.के. बहल: 8 | **अनिता सक्सेना: 16** | **एसएस कोठारी: 5**
संदीप मिश्रा: 10 | **एन. नाइक: 4** | **अंबुज रॉय: 11**
एस. रामाकृष्णन: 14 | **सौरभ के. गुप्ता: 8**

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 4

<u>हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा</u>

विभाग सक्रिय रूप से स्नातक, स्नातकोत्तर, एमसीएच विद्यार्थियों, एमएससी (परफ्यूजन प्रौद्योगिकी) के विद्यार्थियों और नर्सों के शिक्षण में शामिल रहा। वर्तमान में **27** विद्यार्थी सीटीवीएस में एमसीएच की पढ़ाई कर रहे हैं, चार विद्यार्थी कार्डियक सर्जिकल सघन उपचार में डीएम की पढ़ाई कर रहे हैं, दो विद्यार्थी महाधमनी सर्जरी में फेलोशिप कर रहे हैं और छह विद्यार्थी एमएससी (परफ्यूजन टेक्नोलॉजी) की पढ़ाई कर रहे हैं। 11 विद्यार्थी सीटीवीएस में एमसीएच की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और एक ने महाधमनी फेलोशिप पूरी करके परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तथा छह ने उक्त अवधि में एमएससी परफ्यूजन

पूरी कर ली है। विभाग ने एम्स नई दिल्ली के 17 स्नातकोत्तर और छह पोस्टडॉक्टोरल आंतरिक विद्यार्थियों को, जम्मू कश्मीर के एक, वाराणसी के एक और भारत से बाहर के छह (यूके से दो, ऑस्ट्रेलिया से एक और नाइजीरिया से एक) विद्यार्थियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. लंग ट्रांसप्लांट कैडेवर वर्कशॉप-व्यावहारिक प्रशिक्षण, 20 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
2. सोसायटी फॉर हार्ट फेल्योर एंड ट्रांसप्लांटेशन (एसएफएचएफटी 2019) की 7वीं वार्षिक कांग्रेस में आयोजित "ईसीएमओ कार्यशाला", 23 अगस्त 2019, मुंबई
3. सीटीवीएस रोगियों में कार्डियो-पुल्मोनरी फिजियोथेरेपी अपडेट, 5 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
4. दिसंबर 2019, नई दिल्ली में एम्स के सीटीवीएस रोगियों में कार्डियो-पुल्मोनरी फिजियोथेरेपी अपडेट
5. गहन चिकित्सा में कार्डियो-पुल्मोनरी फिजियोथेरेपी पर सीएमई, 25 जनवरी 2020, नई दिल्ली
6. "ओजाकी प्रक्रिया" पर ऑपरेटिव कार्यशाला, 27 और 28 फरवरी 2020, नई दिल्ली
7. "ओजाकी प्रक्रिया" पर वैटलैब, 29 फरवरी 2020, नई दिल्ली

दिए गए व्याख्यान

एस.के. चौधरी: 16 **वी. देवगुरु: 11** **मिलिंद होते: 7**
सचिन तलवार: 7 **पी राजशेखर: 9** **मनोज कुमार साहू: 5**
सर्वेश पाल सिंह: 6

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 2

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

- मुख्य संवेदनाहरण विज्ञान विभाग के एक प्रायोजित उम्मीदवार सहित छह डीएम उम्मीदवारों ने और नौ अन्य एमडी-जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों ने कार्डिएक-थोरैसिक-एनेस्थीसिया में सुपर स्पेशिएलिटी प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के छह एमडी उम्मीदवारों और कोलकाता से दो उम्मीदवारों को कार्डियक-एनेस्थीसिया विशेषज्ञता में अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया।
- श्री चित्र तिरुनल इंस्टीट्यूट, त्रिवेंद्रम से चार डीएम उम्मीदवारों को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया गया।

आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. ईसीएमओ सिम्युलेटर पर वेबिनार, 14 जुलाई 2019, नई दिल्ली
2. "3डी इकोकार्डियोग्राफी" पर सीएमई, 12 नवंबर 2019, नई दिल्ली
3. 13वां त्रैमासिक वैज्ञानिक सम्मेलन - एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा के बैनर तले; विषय: व्यापक पेरिऑपरेटिव ईसीएचओ कार्यशाला, 16 और 17 नवंबर 2019, गुरुग्राम

4. कार्डिएक क्रिटिकल केयर एंड अल्ट्रासाउंड पर राष्ट्रीय व्यावहारिक कार्यशाला, **8** दिसंबर **2019,** नई दिल्ली
5. ट्रान्सथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला, **28** दिसंबर **2019,** नई दिल्ली

दिए गए व्याख्यान

संदीप चौहान: 2 **नीति मखीजा:** 4 **पूनम मल्होत्रा कपूर:** 35
मिनाती चौधरी: 6 **विश्वास मलिक: 5** **सुरूचि हसीजा: 1**
अरिंदम चौधरी: 2

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 4

हृद् जैवरसायन

- **2** पीएचडी विद्‌यार्थियों को मुख्य गाइड के रूप में और **5** को सह-गाइड के रूप में मार्गदर्शन प्रदान किया
- दो एमडी विद्‌यार्थी के लिए मुख्य गाइड
- डीएम/एमडी की 10 थीसिस परियोजनाओं के लिए सह-गाइड
- **5** पीएचडी थीसिस के लिए डॉक्टोरल समिति के सदस्य

आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एसटीए कॉम्पैक्ट टेस्ट पैरामीटर (मूल सिद्धांत और इसके नैदानिक प्रभाव), सम्मेलन कक्ष, सीएनसी, एम्स, नई दिल्ली, **6** अगस्त **2019,** नई दिल्ली

प्रस्तुत मौखिक पत्र/ पोस्टर: 1

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

स्नातकोत्तर विद्‌यार्थियों की संख्या: **40 (**न्यूक्लियर मेडिसिन के **22** एमडी विद्‌यार्थी और नाभिकीय हृद् विज्ञान में रोटेशनल आधार पर नाभिकीय चिकित्सा के **18** एमएससी विद्‌यार्थी)
संपन्न शोधप्रबंधों/शोध पत्रों की संख्या: **8**
जर्नल क्लब/ सेमिनार/ अंत:-विभागीय व्याख्यान में मॉडरेटर: **8**
प्रारंभ किए गए नए शोधप्रबंधों की संख्या: **5**
नैदानिक अध्ययन की रिपोर्ट करते समय एमडी विद्‌यार्थियों का 'कार्यस्थल पर शिक्षण'

दिए गए व्याख्यान

चेतन डी पटेल: 3

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 12

<u>हृद् विकृतिविज्ञान</u>

दिए गए व्याख्यान

सुधीर कुमार अरावा: 7

<u>हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन्स</u>

शिक्षण

अंतर-विभागीय

स्नातक-पूर्व: कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग और वाहिका इंटरवेंशन की मूल सिद्धांतों पर व्याख्यान

स्नातकोत्तर: कार्डियक रेडियोलॉजी क्विज़, संबद्ध विशेषज्ञताओं के विभागों नामत: मेडिसिन, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हृद् विज्ञान और हृद् वक्ष सर्जरी में सेमिनार का संचालन

हृद् विज्ञान और सीटीवीएस के साथ क्लिनिको-रेडियोलॉजी बैठकें।

संबद्ध विशेषज्ञताओं के साथ क्लीनिकल कंबाइंड राउंड्स और क्लिनिकल ग्रैंड राउंड्स में भागीदारी

अंत:-विभागीय

दैनिक केस प्रस्तुतियाँ

साप्ताहिक जर्नल क्लब और सेमिनार

प्रशिक्षण

जूनियर और सीनियर रेडियोलॉजी रेजिडेंटों, हृद् विज्ञान, सीटीवीएस और कार्डिएक एनेस्थेसिया में वरिष्ठ रेजिडेंटों का प्रशिक्षण और कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग तथा वाहिका हस्तक्षेप की तकनीकों में बाहरी पर्यवेक्षक रहे।

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. उन्नत कार्डियोवस्कुलर एमआर कार्यशाला, **7** और **8** नवंबर **2019,** दिल्ली

दिए गए व्याख्यान

संजीव शर्मा: 9　　**प्रिया जागिया:** 11　　**संजीव कुमार:** 14

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/पोस्टर: 11

<u>मूल कोशिका सुविधा</u>

यह विभाग **पीएचडी**, **डीएम और एमडी** कार्यक्रमों में भाग लेता है

क्रमांक	**कार्यक्रम**	**विद्यार्थियों की संख्या**
1	पीएचडी	16
2	डीएम और एमडी	7
3	अल्प अवधि प्रशिक्षण	7

दिए गए व्याख्यान

सुजाता मोहंती: 6

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/पोस्टर: 7

<u>**रक्त आधान सेवाएँ**</u>

दिए गए व्याख्यान

अंजलि हजारिका: 7 **गोपाल कुमार पाटीदार: 2**

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र / पोस्टर: 5

अनुसंधान

<u>**हृद् विज्ञान**</u>

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हृदयाघात रोगियों के परिणामों (जी-सीएचएफ) के जनसांख्यिकी, सामाजिक-आर्थिक और नैदानिक कारकों, एटियलॉजिस, पैथोफिज़ियोलॉजी, प्रबंधन, बाधाओं का अध्ययन करने के लिए एक वैश्विक रजिस्ट्री, अम्बुज रॉय, पॉपुलेशन हैल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट, कनाडा, **7** साल, **2016-2023, 65** लाख रुपए
2. प्रतिकूल वाहिका घटनाओं (आईवीवीई) को रोकने के लिए इन्फ्लूएंजा के टीके का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंबुज रॉय, एमआरसी (यूके)/ मैकमास्टर विश्वविद्यालय, कनाडा, **4** साल, **2016-2020, 2.16** लाख रुपये
3. स्वस्थ वयस्क भारतीयों में एचडीएल गुणवत्ता का आकलन और उच्च आल्टिट्यूड का प्रभाव, रक्षा शरीरक्रिया विज्ञान और संबद्ध विज्ञान संस्थान के साथ सहयोगी परियोजना, **3** वर्ष, **2017- 2019,** रुपए **51.23** लाख
4. नई दिल्ली और वेल्लोर जन्म सहवासियों में **45** वर्ष की आयु में मायोकार्डिअल संरचना और प्रकार्य के बाल्यावस्था एवं युवा वयस्क पूर्वसूचक, भारत, अंबुज रॉय, ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, **4** साल, **2016-2020, 20** लाख रुपये
5. भारत में हृदय रोग की रोकथाम के लिए एक सहयोगी गुणवत्ता सुधार पहल का विकास और परीक्षण (सी-क्यूआईपी अध्ययन), अंबुज रॉय, एनआईएच, यूएसए, **5** साल, **2019-2024,** रुपए **10.05** लाख
6. गैर इस्कीमिक डाइलेटिड कार्डियोमायोपैथी से ग्रसित रोगियों में नैदानिक परिणामों पर मायोकार्डियल स्कारिंग का प्रभाव, नीतीश नाइक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 67.14 लाख

7. 'इनविक्टस' (विटामिन के विरोधी, रिवारोसाबेन या एस्पिरिन का उपयोग कर रूमेटिकेफ उपचार की जांच संबंधी अध्ययन), जी कार्तिकेयन, पॉपुलेशन हैल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट, कनाडा, 4 साल, 2016-2020, 16.7 करोड़ रुपये
8. राष्ट्रीय हृदयाघात रजिस्ट्री (एनएचएफ), डॉ. अंबुज रॉय, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2018-2021, 24 लाख रुपए
9. हृदयाघात में प्रोटिओमिक्स और अन्य बायोमार्करों की भूमिका, संदीप सेठ, डीएचआर आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2020, 79 लाख रुपये
10. अधिक वजन या मोटापे वाले लोगों में कार्डियोवस्कुलर परिणामों पर सेमाग्लूटाइड प्रभाव (सेलेक्ट), अंबुज रॉय, नोवो नॉर्डिस्क, 5 साल, 2019-2024, रुपए 2 लाख
11. अधिक वजन या मोटापे से पीड़ित मरीजों में हृदय रोग और स्ट्रोक पर सेमाग्लूटाइड प्रभाव (सेलेक्ट) परीक्षण, एक अंतरराष्ट्रीय बहुकेन्द्रीय परीक्षण, अंबुज रॉय, नोवो नॉर्डिस्क, 5 साल, 2018- 2023, प्रति मरीज 3.8 लाख रुपये (कुल 20 मरीज)
12. प्राथमिक पीसीआई के बाद मल्टीवैसल रोग वाले एसटीईएमआई रोगियों में नॉन-कल्प्रिट धमनियों की इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के लिए गेटेड-स्पैक्ट एमपीआई का मान, जी कार्तिकेयन, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, 3 साल, 2018-2020, 13.5 लाख रुपये
13. आईसीडी रोगियों के लिए योग: इंप्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफाइब्रीलेटर लगवा चुके रोगियों में मनोवैज्ञानिक और एरिदमेटिक परिणामों पर योग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नीतीश नाइक, आयुष मंत्रालय, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपए 26.08 लाख
14. हृदयाघात में योग जीवन शैली परिवर्तन, संदीप सेठ, डीएसटी, 3 साल, 2018-2020, 46 लाख रुपये
15. योग-केयर परीक्षण। हृदय स्वास्थ्य पर एक योग-आधारित हृदय पुनर्वास कार्यक्रम (योग-सीएआरई) के प्रभाव: एक नैदानिक परीक्षण (भारत) और मैकेनिस्टिक अध्ययन (यूके), अंबुज रॉय, आईसीएमआर-एमआरसी (यूके) वित्तपोषित परीक्षण, 2014, 24.06 लाख रुपये

पूर्ण

1. एनपीसीडीएस के अंतर्गत जिला अस्पताल सघन उपचार इकाइयों में हृदय संबंधी सामान्य आपात स्थितियों और संबंधित जटिलताओं के प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देशों का विकास, अंबुज रॉय, डब्ल्यूएचओ, 7 महीने, 2019, 6.15 लाख रुपये
2. तीक्ष्ण कोरोनरी इवेंट प्रबंधन रजिस्ट्रियों (एमएसीई रजिस्ट्रियां) के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की स्थापना के लिए पायलट अध्ययन, नीतीश नाइक, आईसीएमआर, 4 साल, 2015-2019, 62.35 लाख रुपये
3. बाएं तरफा वाल्व थ्रोम्बोसिस (सेफ-पीवीटी) के लिए फाइब्रिनोलिटिक थेरेपी की तुलना में सर्जरी, जी कार्तिकेयन, आईसीएमआर, 2 साल, 2017-2019, 69 लाख रुपये

4. डॉपलर के साथ इकोकार्डियोग्राफी का उपयोग करते हुए, हरियाणा के बल्लभगढ़ ब्लॉक में वयस्कों के 18-25 वर्ष आयु वर्ग में आमवाती हृदय रोग के प्रसार का अध्ययन करना, अनिता सक्सेना, डीएचआर 3 साल, 2016-2019, 38.83 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बाएं धमनीय उपांग बंधन के साथ या बिना कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग कराने वाले रोगियों में धमनीय फिब्रिलेशन और स्ट्रोक की घटनाओं की एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलना
2. स्थिर इस्केमिक हृदय रोगियों में प्लेटलेट एकत्रीकरण और मूत्र में 11-डिहाइड्रो-थ्रोम्बोक्सेन बी 2 के स्तर पर भिन्न-भिन्न एंटी-प्लेटलेट औषधि रेजिमेन की तुलना
3. हृदय लय पर धमनीविस्फार सब-अरेकनॉइड रक्तस्राव के बाद सेरेब्रल वैसोस्पैम उपचार के लिए स्टैलेट गैंग्लियन ब्लॉक का प्रभाव: एक होल्टर-आधारित अध्ययन
4. ओपन हार्ट सर्जरी के बाद सायोनोटिक जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में न्यूरो-डेवलपमेंटल परिणाम
5. वीएसडी से ग्रसित शिशुओं में फेफड़े के संक्रमण के साथ पीएएच का बिगड़ना।

पूर्ण

1. सुपीरियर साइनस वेनोसस इंटरएट्रियल संचार की मॉर्फो-एनाटॉमी को स्पष्ट करना -100 रोगियों का कंप्यूटिड टोमोग्राफिक अध्ययन
2. आरएसओवी में फाइब्रिलिन जीन उत्परिवर्तन और सूजन के मार्कर
3. पोस्ट-ऑपरेटिव कार्डियक सर्जिकल रोगियों में साइनस लय में जंक्शनल एक्टोपिक टैकीकार्डिया के रूपांतरण के लिए इवाब्रेडिन बनाम एमियोडैरोन - एक यादृच्छिक, ओपन लेबल, नॉन-इनफीरियारिटी परीक्षण
4. क्रोनिक किडनी रोग से ग्रसित रोगियों में लक्षणरहित मायोकार्डियल इस्किमिया की व्यापकता
5. मिर्गी का इलाज करा रहे 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों में कार्डियक चैनलोपैथी का व्यापकता
   आरएचडी के वाल्व ऊतकों में स्ट्रेप्टोकोकल पीसीआर

सहयोगी परियोजनाएं

1. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए एक जनसंख्या आधारित अग्रदर्शी सामूहिक अध्ययन, न्यूरोलॉजी
2. एनसीआर में तीव्र हृदय स्वास्थ्यरक्षा में देरी और बाधाओं की पहचान (सह पीआई) सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. एकीकृत ट्रैकिंग, रेफरल और इलेक्ट्रॉनिक निर्णय समर्थन, तथा देखभाल समन्वय (आई-टीआरईसी) प्लेटफ़ॉर्म (सह-पीआई), एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, एमोरी विश्वविद्यालय, अटलांटा, संयुक्त राज्य अमेरिका

<u>हृद् वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा</u>

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एकीकृत ईसीएमओ सहायता से शैशवावस्था में प्राथमिक धमनी स्विच ऑपरेशन कराने वाले बच्चों की तुलना में एकीकृत ईसीएमओ समर्थन के बिना सर्जरी कराने वालों के बीच, अक्षुण्ण वेंट्रिकुलर सेप्टम के साथ बड़ी धमनियों के ट्रांसपोजीशन में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम का आकलन
2. पिछले **10** वर्षों में फोनटान प्रोसीज़र के परिणाम का विश्लेषण और उन्हें प्रभावित करने वाले कारक
3. **2**डी स्पेकिल्ड ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी द्वारा पेरिकार्डिएक्टॉमी फॉरक्रॉनिक कंस्ट्रक्टिव पेरिकार्डिटिस कराने वाले रोगियों में मायोकार्डियल मैकेनिक्स का आकलन
4. ऑफ-पंप सीएबीजी कराने वाले रोगियों में एट्रियल फाइब्रिलेशन के पूर्वसूचक के रूप में बीएनपी - एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
5. टाइप ए महाधमनी विच्छेदन की नैदानिक और रेडियोलॉजिकल विशेषताएं - **2009** से **2019** तक एक पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन
6. दाएं धमनीय द्रव्यमान के दीर्घकालिक सर्जिकल परिणाम और क्लिनिको-पैथोलॉजिकल अध्ययन
7. अस्थिर एंजाइना बनाम स्टेबल एनजाइना की स्थिति में दिल का ऑपरेशन (सीएबीजी) कराने वाले रोगियों में बायोमार्कर के स्तर और वेंट्रिकुलर फंक्शन की रिकवरी की तुलना करना
8. टीओएफ और शोधित टीओएफ में पुल्मोनरी पोजीशन में मेकेनिकल बनाम बायोप्रोस्थेटिक वाल्व के आरंभिक परिणाम की तुलना
9. हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी के साथ साइलेंट कार्डियक एलोग्राफ़्ट वास्कुलोपैथी का पता लगाना: पारंपरिक एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी के साथ तुलनात्मक अध्ययन
10. कोरोनरी एंडारक्टेक्टोमी के बाद सीएबीजी कराने वाले रोगियों में ग्राफ्ट प्राकट्यता
11. आयु, एलवी मास इंडेक्स, आईवीएस की मोटाई, जल्दी ठीक होने पर आईवीएस की गति की दिशा का प्रभाव: टीजीए में एएसओ में रुग्णता और मृत्यु दर
12. धमनी स्विच ऑपरेशन कराने के बाद रोगियों में नियोआयोर्टिन का दीर्घावधि प्रभाव
13. पुल्मोनरी वेन्स (यूकेसी मॉडिफिकेशन) की री-रूटिंग के साथ साइनस वीनोसस एएसडी के दीर्घकालिक अनुक्रम-साइनस नोडल डिसफंक्शन और पुल्मोनरी एवं सिस्टेमिक धमनी रुकावट
14. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में ऑर्थोटोप्टिक हार्ट प्रत्यारोपण के बाद एक वर्ष के परिणाम
15. एम्स में पिछले **10** वर्षों में किए गए टीएपीवीसी मरम्मत के परिणाम
16. कार्डियक सर्जरी के बाद बच्चों में वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया का प्रकोप - एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
17. सीएबीजी कराने वाले मरीजों में सीरम विटामिन डी का स्तर: **2** महीने बाद स्टर्नल हीलिंग के साथ सहसंबंध

18. **2** वर्ष से कम उम्र के बच्चों में टीएपीवीसी मरम्मत के सर्जिकल परिणाम और ऑपरेशन के समय प्रबंधन की रणनीति
19. बाल चिकित्सा सर्जरी रोगियों में ट्रेकियोस्टोमी
20. बाल कार्डिएक सर्जरी में एलोप्यूरिनॉल का उपयोग

पूर्ण

1. एक यादृच्छिक ओपन लेबल नियंत्रित परीक्षण एसटी थॉमस और डेल निदो कार्डियोप्लेजिया की तुलना करते हुए कार्डियोपुल्मोनरी बाईपास के बाद इलक्ट्रोलाइट अपसामान्यता का अध्ययन करना
2. जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले शिशुओं में परम्परागत अल्ट्राफिल्ट्रेशन पर संयुक्त पारंपरिक और संशोधित अल्ट्राफिल्ट्रेशन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक ओपन लेबल-नियंत्रित परीक्षण।
3. फैलो मरम्मत की टेट्रालॉजी कराने वाले रोगियों में ऊतक परफ्यूजन और कोएगुलोपैथी की पर्याप्तता पर हेमोडाइल्यूशन के प्रभाव का अध्ययन
4. स्ट्रोक द्वारा जटिल बन गया तीव्र किस्म ए विच्छेदन: इष्टतम रणनीति**?**
5. इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम में विच्छेदित वाल्साल्वा के साइनस का एन्यूरिज्म
6. भारतीय आबादी में सर्कल ऑफ विलिस का आकलन
7. वयस्कों में महाधमनी का कोआर्कटेशन
8. फैलो की टेट्रालॉजी के बाद ट्रांस एनुलर पैच (टीएपी) बनाम नॉन ट्रांस ट्रांसुलर पैच (नॉन-टीएपी) के साथ सकल सुधार पश्चात् व्यायाम अभ्यास का तुलनात्मक अध्ययन
9. प्लाजमिलाइट की तुलना - ओपन हार्ट सर्जरी कराने वाले बाल रोगियों में डेल निदो कार्डियोप्लेजिया का आधारिक समाधान
10. फेनेस्ट्रेटिड और नॉन-फेनेस्ट्रेटिड फॉन्टान में प्लुरल इफ्यूजन की तुलना- एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
11. पेडियाट्रिक कार्डियक सर्जिकल मरीजों में विलंबित स्टर्नल क्लोजर
12. एक्यूट टाइप ए विच्छेदन वाले रोगियों का जनसांख्यिकीय, नैदानिक और रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल
13. ओजाकी प्रक्रिया का प्रारंभिक परिणाम
14. साधारण से लेकर गंभीर बाएं धमनी शिथिलता रोग के रोगियों में कोरोनरी धमनी बाईपास सर्जरी के बाद योग आधारित कार्डियक रिहैबिलिटेशन की प्रभावकारिता - एक पोस्ट सर्जरी फॉलो-अप, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
15. बाइकस्पिड एओरटिक वाल्व वाले रोगियों की आनुवंशिक स्क्रीनिंग
16. बाइकस्पिड महाधमनी वाल्व वाले रोगियों की आरोही महाधमनी में अपक्षयी परिवर्तन की व्याप्ति का हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन
17. आरोही महाधमनी धमनीविस्फार के साथ महाधमनी के कोआर्कटेशन का प्रबंधन।
18. भारतीय रोगियों में वाल्सलवा एन्यूरिज्म के साइनस का आकृति विज्ञान

19. माइकोबैक्टीरियल आयोर्टोपैथी: इसकी प्रस्तुति और प्रबंधन की एक संस्थागत समीक्षा।
20. हाइपोथर्मिक संचार अरेस्ट के बिना महाधमनी चाप रिप्लेसमेंट सर्जरी के न्यूरोलॉजिकल परिणाम
21. पोस्ट फॉन्टन सर्जरी के रोगियों में यकृत फाइब्रोसिस का गैर-इनवेसिव आकलन
22. अतिरिक्त कार्डियक फॉन्टान प्रक्रिया से गुजरने वाले रोगियों में ओरल सिल्डेनाफिल अवचारण- एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन
23. सुधारात्मक कार्डियक सर्जरी कराने वाले बच्चों में कार्डिएक ईसीएमओ का परिणाम
24. सेप्सिस से ग्रसित पोस्ट कार्डियक सर्जरी के रोगियों का परिणाम
25. गंभीर बाईं महाधमनी शिथिलता से पीड़ित क्रोनिक गंभीर महाधमनी रीगर्गिटेशन के मामलों में महाधमनी वाल्व प्रतिस्थापन/ बेंटल ऑपरेशन के परिणाम
26. 50 वर्ष से अधिक उम्र के रोगियों में माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए परफ्यूजन रणनीति
27. कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी कराने वाले रोगियों में परफ्यूज़न नीतियाँ
28. बीवीए से ग्रसित मरीजों के पहली डिग्री रिश्तेदारों (एफडीआर) में बाइकस्पिड एओर्टिक वाल्व (बीएवी) और आरोही महाधमनी विस्फार का प्रसार।
29. हेमीआर्क प्रक्रिया के साथ बेंटल प्रोसीज़र से गुजर चुके रोगियों का सर्जिकल ऑडिट और परिणाम
30. जीवन के पहले दशक में फैलोट रिपेयर की टेट्रालजी: परफ्यूजन रणनीतियाँ
31. तृतीयक देखभाल सरकारी अस्पताल में पोस्ट-ट्रांसप्लांट चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने वाले हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं की संतुष्टि का स्तर: एक प्रश्नावली आधारित अध्ययन
32. महाधमनी जड़/वाल्व प्रक्रिया से गुजरने वाले रोगियों में कार्यात्मक एमआर के लिए ट्रांस-महाधमनी माइट्रल वाल्व की मरम्मत

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. रूमेटिक हृदय रोग के रोगियों में धमनीय फिब्रिलेशन के शुरुआती संसूचन, निगरानी और पूर्वानुमान के लिए नवीन प्लाज्मा बायोमार्कर का तुलनात्मक प्रोटिओमिक विश्लेषण, हृद् विज्ञान, एम्स और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी
2. पोस्ट-ऑपरेटिव बाल हृदय सर्जिकल रोगियों में मां के पूरक दूध के साथ प्रारंभिक एंटिरल स्तनपान: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय
3. मायोकार्डिअल इन्फाक्ट मॉडल में स्टेम कोशिकाओं की डिलीवरी के लिए बायोकम्पेटिबल स्केफोल्ड्स का निर्माण - एक आदर्श कार्डियक पैच की खोज में, मूल कोशिका सुविधा
4. इन विट्रो में एंडोथेलियल डिसफंक्शन के भिन्न-भिन्न चरणों की पहचान करना और हृदय जोखिम कारकों के संपर्क में आए लोगों में उनका सत्यापन करना, जैव रसायन, एम्स
5. पैथोफिजियोलॉजी को समझने और नैदानिक एवं चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए भावी बायोमार्कर की पहचान करने के लिए एट्रियल फिब्रिलेशन के साथ रुमेटिक हृदय रोग के रोगियों के हृदय

ऊतक का प्रोटिओमिक विश्लेषण, हृद् विज्ञान, एम्स और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, नई दिल्ली

6. सेफ पीएचटी - कृत्रिम हृदय वाल्व थ्रोम्बोसिस के रोगियों में थ्रोंबोलाइसिस बनाम सर्जरी की तुलना करने के लिए यादृच्छिक अध्ययन, हृद् विज्ञान
7. सीएडी रोगियों में प्लाक जीवविज्ञान का अध्ययन, हृद् विज्ञान और इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटेड बायोलॉजी, नई दिल्ली
8. माइट्रल वाल्व प्रतिस्थापन करा रहे रोगियों में आमवाती माइट्रल वाल्व ऊतक में प्रोटिओमिक्स का अध्ययन, हृद् विज्ञान

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. जन्मजात हृदय रोग के सर्जिकल रिपेयर के रोगियों में कार्डियक रिहैबिलिटेशन पर राजयोग मेडिटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एकल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, उषा किरण, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017-2019, रुपए 23 लाख

2. हृदय रोग सर्जरी से गुजरने वाले नवजात शिशुओं और अबोध बच्चों में बिवेलिरुडिन एंटीकोएगुलेशन, सुरूचि हसीजा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपए

3. एम्स एल्गोरिथ्म का उपयोग करते हुए सायनोटिक जन्मजात कार्डियक सर्जरी के रोगियों में पॉइंट-ऑफ-केयर निर्देशित हेमोस्टैटिक प्रबंधन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन, 2 वर्ष, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2018-2020, 12 लाख रुपये

4. सायनोटिक बनाम एसायनोटिक बाल रोगियों में प्लेटलेट एग्रीगोमेट्री, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपए 15 लाख

पूर्ण

1 प्लेटलेट एग्रीग्रोमेट्री और मानक परीक्षणों का उपयोग करके वेनो-आर्टेरियल (वीए) एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजिनेशन (ईसीएमओ) पर कोएगुलोपैथी का मूल्यांकन, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2019

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कार्डियक सर्जरी के बाद मैनुअल बनाम मैकेनिकल वेंटिलेशन पर बच्चों के परिवहन के बाद हेमोडायनामिक और एबीजी मापदंडों की तुलना
2. ओपन हार्ट सर्जरी कराने वाले बाल रोगियों में प्लेसमलाइट आधारित डेल नीडो कार्डियोप्लेजिया समाधान की तुलना, सादा रिंगर आधारित डेल निदो कार्डियोप्लाजिया समाधान से करना: एक अग्रदर्शी डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. प्रतिबाधा कार्डियोमेट्री द्वारा ऑफ पंप तथा ऑन पंप कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी पर थोरैसिक द्रव सामग्री की तुलना
4. फॉन्टन प्रक्रिया के बाद प्रारंभिक फुप्फुस बहाव पर वैसोप्रेसिन जलसेक के प्रभाव-एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
5. कार्डियक सर्जरी कराने वाली मासिक धर्म से गुजर रही महिलाओं में खून की कमी का मूल्यांकन
6. बाएं वाल्वुलर हृदय रोग के रोगियों में फुप्फुसीय धमनी दबाव का आकलन करने के लिए एक विधि के रूप में दाएं धमनीय स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफिक संकेतक
7. ओपन हार्ट सर्जिकल रिपेयर कराने वाले जन्मजात हृदय रोगी शिशुओं के फुप्फुसीय कार्य में सर्जरी के दौरान फेफड़ों की अनुवृत्ति में परिवर्तन और प्रगामी बदलाव का आकलन करना, एक वर्ष की अवधि तक।

पूर्ण

1. वाल्व सर्जरी करा रहे रोगी में धमनीय फैब्रिलेशन की रोकथाम में डेक्समेडिटोमिडाइन
2. स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफ द्वारा जन्मजात हृदय रोगी बच्चों के वेंट्रीकुलर फंक्शन पर संवेदनाहारी एजेंटों का प्रेरण प्रभाव।
3. ओस्टियोपेनीन, आरवी फ़ंक्शन और फॉलेट्स की नैदानिक परिणाम इनटेट्रोलॉजी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रोस्थेटिक वाल्व मिसमैच की 2डी और 3डी टीईई की इंट्रा-ऑपरेटिव रूप से तुलना करना, अलबामा विश्वविद्यालय, अलबामा, बर्मिंघम, संयुक्त राज्य अमेरिका

हृद् जैवरसायन

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एलार्मिन प्रेरित नेक्रोप्टोसिस के तंत्र का पता लगाना और एथेरोस्क्लेरोसिस में प्रतिरक्षा होमोस्टैसिस और सूजन में इसकी भूमिका, मनोज के टेम्ब्रे, डीएसटी-एसईआरबी (प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान अवार्ड), **3** वर्ष, **2017-2020,** रुपए **50** लाख

2. प्रतिरक्षा विनियमन और सूजन में न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप्स (एनईटी) की भूमिका को परिभाषित करना, मनोज के टेम्ब्रे, एम्स, **2** वर्ष, **2017-2019, 8.5** लाख रुपए

3. डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण **-** प्रोबायोटिक सप्लीमेंट, बैसिलस कोएगुलांस यूनिक और बैसिलस क्लॉज़ी का प्रोटीन अवशोषण, बॉडी कम्पोजीशन, मस्कुलर स्ट्रेंथ और प्रतिरोध प्रशिक्षित वयस्क पुरुषों में प्रतिरक्षा पर प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, आर लक्ष्मी, यूनिक बायोटेक, **20** महीने, **2016-2019, 37** लाख रुपए

4. नई दिल्ली जन्म समूहों में गर्भकालीन आयु की दृष्टि से उपयुक्त शरीर के साथ जन्म लेने वालों की तुलना में गर्भकालीन आयु की दृष्टि से छोटे शरीर के साथ पैदा होने वाले वयस्कों में एंडोथेलियल कॉलोनी निर्माण प्रकोष्ठ (ईसीएफसी) की कार्यशीलता: भ्रूण के सीमित विकास के साथ वयस्क क्रोनिक रोगों का संबंध स्थापित करने वाला संभावित तंत्र, आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, 35 लाख रुपए
5. वृद्ध आबादी में हृदय जोखिम के आकलन के लिए डीबीएस में बायोमार्कर का अनुमान लगाना, आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 12 महीने, 2018-2019, 28 लाख रुपये
6. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण के लिए क्यूसी लैब के रूप में काम करने हेतु शामिल करने का प्रस्ताव, आर लक्ष्मी, यूनिसेफ, 2 वर्ष, 2016-2020, 233.67 लाख रुपये
7. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में ईपीसी की कार्यात्मक गतिविधि के साथ टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) स्तर के एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) के साथ सहसंबंध का अध्ययन करना, आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 साल, 2017-2019, 39 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ए और बी ग्रुप डोनर प्लाज्मा के सामान्य सेलाइन के साथ मिश्रण और तनुकरण के बाद एबीओ एंटीबॉडी टिटर और जमावट कारक स्तर का आकलन।
2. अस्थिर एनजाइना बनाम स्थिर एनजाइना से ग्रसित सीएबीजी कराने वाले रोगियों में बायोमार्कर के स्तर की तुलना और वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन की रिकवरी
3. भारत में किसी सुपर-स्पेशिएलिटी सेंटर के ब्लड बैंक में रक्त इनवेंटरी का इष्टतम उपयोग
4. हृदय शल्यक्रिया कराने वाले रोगियों में ल्यूको-रिड्यूज्ड और नॉन ल्यूको-रिड्यूज्ड रक्त अवयव आधान किए जाने के परिणाम
5. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) रोगियों में, एंडोथेलियल प्रजनक कोशिका (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) स्तर और ईपीसी संख्या एवं प्रकार्य के साथ इसके संबंध का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. 3 महीने पर, चयनित स्वास्थ्य संबंधी परिणाम परिवर्तनों पर नर्स की देखरेख में व्यवस्थित टेलीफोनिक हृदयाघात प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावशीलता का पता लगाने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली
2. जन्मजात हृदय रोग के लिए सर्जिकल मरम्मत कराने वाले रोगियों में कार्डियक पुनर्वास के जैव रासायनिक और संज्ञानात्मक सहसंबंधों पर राजयोग ध्यान के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए सिंगल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, डीबीटी वित्तपोषित, कार्डिएक एनेस्थीसिया, एम्स

3. कॉमन मेंटल डिसऑर्डर का डायबिटीज मेलिटस के साथ संबंध - उत्तर भारत में समुदाय आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन, आंतरिक, सीसीएम, एम्स
4. भिन्न-भिन्न उम्र में सामान्य सुपीरियर और इनफीरियर पैराथायराइड ग्रंथियों की सेलुलर और आणविक विषमता, आंतरिक, पैथोलॉजी, एम्स
5. ओपन हार्ट सर्जरी कराने वाले बच्चों में विटामिन डी सप्लीमेंट का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आंतरिक, सीटीवीएस, एम्स
6. सोरायसिस में सूजन और त्वचा होमियोस्टैसिस को विनियमित करने में टीएनआईपी1, आईएल2बी और एनएफकेबीआईए की भूमिका और उनके लक्ष्य माइक्रो आरएनए की पहचान करना, डरमेटोलॉजी और वेनेरोलॉजी विभाग
7. प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान में डिम्बग्रंथि के कैंसर स्तर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एचएनई) का मूल्यांकन
8. आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले पेरिटोनिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेफड़ा संरक्षक वेंटिलेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आंतरिक, एनेस्थेसियोलॉजी, एम्स
9. उत्तर भारत में नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) की व्यापकता और कार्डियो-मेटाबोलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, आईसीएमआर वित्तपोषित, एंडोक्रिनोलॉजी, एम्स
10. मेनियार्स रोग रहित वर्टिगो रोगियों में एक बायोमार्कर के रूप में, परिसंचरण में भीतरी कान की प्रोटीन ओटोलिन-1, विटामिन डी और आयनित कैल्शियम का अध्ययन, इंट्राम्यूरल, ऑटोरिनोरालिंगोलॉजी
11. मध्यम एटोपिक डर्मेटाइटिस से पीड़ित बच्चों में टीएच2/ टीएच17 सूजन नियंत्रक फिलेग्रिन अभिव्यक्ति और रोग की गंभीरता, डरमेटोलॉजी और वेनेरोलॉजी
12. वसा ऊतक एबीसीए1 द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का नियंत्रण और चयापचय स्थिति, डीएसटी द्वारा वित्तपोषित, जैव रसायन, एम्स

पूर्ण

1. विटिलिगो और त्वचा रंजकता में एमआईआरएनए संकेतों को परिभाषित करना, (ली'ओरियल वित्तपोषित आईएडीवीएल परियोजना)
2. विटिलिगो और त्वचा पिगमेंटेशन में एमआईआरएनए संकेतों को परिभाषित करना, डर्मेटोलॉजी और वेनेरोलॉजी
3. एलोपेसिया अरियाटा के रोगजनन में शामिल आनुवंशिक, एपिजेनेटिक और इम्यूनोलॉजिकल घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, आईसीएमआर, नई दिल्ली
4. किशोर वय की लड़कियों (12-19 वर्ष) में हीमोग्लोबिन स्तर पर विटामिन बी 12 के साथ आयरन और फोलिक एसिड (आईएफए) के पैकेज की पूरक खुराक का प्रभाव, डीबीटी द्वारा वित्तपोषित, मानव पोषण एकक।

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कार्डियो-ऑन्कोलॉजी स्टडी में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन (आईसीओएस), डॉ. चेतन डी. पटेल, इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए), 5 साल, सितंबर 2019 - जारी, 1 वर्ष 2000 यूरो।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. योगिक एड अध्ययन की डिजाइन और प्रविधि- पीसीआई करा चुके रोगियों में योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अन्वेषण परीक्षण
2. गैर-इनवेसिव टिशू डायग्नोसिस - कार्डिएक सार्कोइडोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया का निर्धारण करने में कार्डिएक पीईटी स्कैन के साथ एमआरआई पर पैरामीट्रिक मैपिंग की सटीकता की तुलना।
3. पेडियाट्रिक लैंगरहान सेल हिस्टोसाइटोसिस में प्रारंभिक कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी की भूमिका
4. कमजोर कैरोटिड प्लाकों की पहचान करने में जीए68-एनओटीए-एमएसए पीईटी-सीटी की भूमिका
5. सीमित न्यूनतम स्क्वायर फ़िल्टरिंग का उपयोग करते हुए, सिंटीग्राफिक इमेज रेस्टोरेशन करना
6. रिचर्डसन लुसी एल्गोरिदम का उपयोग करते हुए, सिंटीग्राफिक इमेज रेस्टोरेशन करना
7. हृदयाघात में कार्डियक सिम्पैथेटिक इनफैक्शन के मूल्यांकन के लिए फ्लोरिन-18 फ्लोरो एल-डायहाइड्रॉक्सी-फिनाइलालानिन (एफ-18 एफडोपा) पीईटी-सीटी की व्यवहार्यता का आकलन करना, कार्बन-11 हाइड्रॉक्सीफेड्रिन (सी-11 एचईडी) पीईटी-सीटी के साथ तुलना करना।
8. माइक्रोवस्कुलर एनजाइना में वाहिका प्रकार्य और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी पर बनावट विश्लेषण का उपयोग करके उच्च ग्रेड लिम्फोमा के अंतरिम उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन
2. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में 68जीए पीएसएमए पीईटी/सीटी और 18एफ फ्लोराइड पीईटी/सीटी की तुलना
3. रोगियों में दाएं वेंट्रिकल फ़ंक्शन और फुप्फुसीय परफ्यूजन का व्यापक मूल्यांकन
4. टीसी99एम-एमआईबीआई मायोकार्डिअल परफ्यूजन स्पेक्ट से गुजरने वाले रोगियों में इंटरफेरिंग इन्फ्रा-कार्डियक गतिविधि को कम करने में आहार हस्तक्षेप का प्रभाव
5. वेवलेट ट्रांसफ़ॉर्म का उपयोग करके सिंटीग्राफिक इमेज डीआयनाइजिंग के लिए इनपुट मापदंडों का अनुकूलन और सत्यापन

6. तनाव संबंधी मायोकार्डियल पर्फ्यूज़न सिंटीग्राफी द्वारा उन्नत सीकेडी से पीड़ित रोगियों में लक्षणरहित तनाव प्रेरित मायोकार्डियल इस्किमिया का प्रसार
7. नरम ऊतक सरकोमा के रोगियों में स्टेजिंग और प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी की भूमिका
8. कार्डिएक सरकोइडोसिस में जीए68-डॉटनॉक पीईटी/सीटी की भूमिका; मल्टी मॉडेलिटी इमेजिंग का उपयोग करके आइसेनमेंजर सिंड्रोम के साथ कार्डिएक एमआरआई के साथ तुलना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्राथमिक पीसीआई के बाद मल्टीवैसेल रोग वाले एसटीईएमआई रोगियों में इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के लिए गेटेड-स्पैक्ट एमपीआई का मान, हृद् विज्ञान।

हृद् विकृतिविज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वायरल मायोकार्डिटिस के नैदानिक संदिग्ध मामलों में चार सामान्य वायरस के इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण, सुधीर, एम्स, 2 साल, 2018-2019, 10 लाख रुपये
2. अचानक हृदयाघात से मृत्यु; स्थितियों की पहचान करने के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन; पाठ्यक्रम, सुधीर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2021, 69 लाख रुपये

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मुख आयतन ह्रास के उपचार में ऑटोलॉगस नॉन-कल्चर्ड त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, त्वचाविज्ञान
2. फुप्फुसीय सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल तपेदिक के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, पुल्मोनरी मेडिसिन
3. आरएचडी रोगियों के कटे हुए वाल्वुलर ऊतक में पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना
4. माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन दर्द को कम करने के लिए एक नए सूत्रीकरण एवं पैकेजिंग का विकास और हठी एनोजेनिटल एवं एक्स्ट्रा-जेनिटल (सामान्य) मस्सों में इसका नैदानिक परीक्षण, त्वचाविज्ञान
5. पेम्फिगस वुल्गारिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न रिकग्निशन रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ-साथ वाईओ टी सेल सबसेट की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, फार्माकोलॉजी
6. क्रोनिक हृदयाघात के रोगियों में सूजन के साथ टोल जैसे रिसेप्टर्स (टीएलआर) के सहसंबंध का पता लगाना, हृद् विज्ञान, सफदरजंग

7. शल्य चिकित्सा द्वारा काटे गए रुमेटी हृदय वाल्वों का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन
8. संदिग्ध कार्डिएक मृत्यु के मामलों में हृदय में कार्डियक मार्करों, सकल निष्कर्षों और हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों का अध्ययन, फोरेंसिक मेडिसिन
9. चूहे में ब्लेमाइसिन प्रेरित फुप्फुसीय विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन, औषध विज्ञान
10. युवाओं में अचानक कार्डिएक मृत्यु: कारण की पहचान करने के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एक एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजनैस और डिस्पेज़) का उपयोग करके तैयार, निकाले गए बाल कूप बाहरी रूट म्यान सेल निलंबन की विभिन्न सेल आबादियों की प्रभावकारिता और संरचना का एक तुलनात्मक अध्ययन।
2. थोरेसिक महाधमनी धमनीविस्फार में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस-2, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस-9, ऊतक अवरोधक मेटालोप्रोटीनस-1, ऊतक अवरोधक मेटालोप्रोटीनस-2, कोलेजन-I और आईवी अभिव्यक्ति
3. गैर-मारफनॉइड व्यक्तियों के टीएएए में फाइब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और टीजीएफ बीटा

हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन्स

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. परिधीय धमनी रोग के कारण नॉन-रीवस्कुलराइजेबिल महत्वपूर्ण अंग इस्किमिया में इंट्रामस्क्युलर ऑटोलॉगस प्लेटलेट रिच प्लाज्मा से प्रेरित चिकित्सीय एंजियोजेनेसिस का मूल्यांकन, संजीव कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2020, 4.9 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. **"गैर-इनवेसिव टिशू डायग्नोसिस" -** कार्डिएक सार्कोइडोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया का निर्धारण करने में कार्डिएक पीईटी स्कैन के साथ एमआरआई पर पैरामीट्रिक मैपिंग की सटीकता की तुलना।
2. लेफ्ट वेंट्रिकुलर हाइपरट्रॉफी और हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के बीच भेद करने में पीसीआर-एटीपी अनुपात के पी-**31** एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण की भूमिका निर्धारित करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
3. वैरिकोज़ नसों वाले रोगियों में अक्षम परफोरेटर्स के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित फोम स्क्लेरोथेरेपी (पोलिडोकैनॉल) के साथ रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एकल-केंद्री यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
4. उच्च सामान्य रक्तचाप बनाम नॉर्मोटेंसिव रोगियों (नियंत्रण) से ग्रसित मरीजों में बाएं वेंट्रिकुलर तनाव**,** नेटिव टी **1** और टी **2** मैपिंग मापदंडों की तुलना।

5. कम चरमता शिरापरक रीफ्लक्स से पीड़ित रोगियों में कंकोमिटेंट ट्रंकल लेजर पृथक्करण और ट्रिब्यूटरी फोम स्केलेरोथेरेपी बनाम केवल ट्रंकल लेजर पृथक्करण के परिणामों की तुलना - एकल केंद्री यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में दोहरी स्रोत संगणित टोमोग्राफी और एमआरआई के साथ कार्डियक एलोग्राफ़्ट वैस्कुलोपैथी का पता लगाना: पारंपरिक कोरोनरी एंजियोग्राफी और बायोप्सी के साथ तुलनात्मक अध्ययन
7. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में हेमोडायलिसिस एक्सेस आर्टेरियो-वीनस फिस्टुला की परिपक्वता दर में सुधार बनाम ऑटोलॉगस वसा ऊतक व्युत्पन्न रोगग्रस्त मेसेंकिमल स्टेम सेल: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण
8. कैथेटर पृथक्करण के बाद धमनीय फिब्रिलेशन की पुनरावृत्ति में बाएं धमनी, बाएं धमनीय उपांग, फुप्फुसीय नसों और एपिकार्डियल वसा की रूपात्मक विशेषताओं का मात्रात्मक बहुभिन्नरूपी विश्लेषण: एक पूर्वव्यापी और अग्रदर्शी अध्ययन
9. घुटने के मध्यम दर्द वाले रोगियों में जीनिक धमनी एम्बोलाइज़ेशन की सुरक्षा और प्रभावकारिता
10. थोरैसिक महाधमनी स्यूडोएन्यूरिज्म और टाइप बी विच्छेदन के लिए वक्ष एंडोवस्कुलर मरम्मत (टीईवीएआर) के बाद स्टेंट ग्राफ्ट विचलन

पूर्ण

1. पीवीडी के रोगी में विपरीत प्रबल एमआरए की तुलना, नॉन-कंट्रास्ट एमआरए से करना।
2. कोरोनरी धमनी रोग और कोरोनरी प्लाक आकृति विज्ञान की गंभीरता के साथ एपिकार्डियल फैट वॉल्यूम का सहसंबंध
3. भारतीय आबादी में मल्टीडिटेक्टर कम्प्यूटेड टोमोग्राफी का उपयोग करके महाधमनी और इलियोफीमरल आयामों के लिए नामकरण की व्युत्पत्ति
4. कोरोनरी धमनी रोग के मरीजों में बड़ी प्रतिकूल हृदय घटनाओं का पूर्वानुमान करने में शोधित कोरोनरी ओपेसीफिकेशन में कमी का गुणात्मक मूल्य
5. महाधमनी स्टेनोसिस के रोगियों में संगणित टोमोग्राफी एंजियोग्राफी पर महाधमनी वाल्व कैल्सीफिकेशन का मात्राकरण
6. तकायासू आर्टिरिटिस के कारण अनियंत्रित उच्च रक्तचाप वाले युवा रोगियों में गुर्दे की सफल एंजियोप्लास्टी के बाद गुर्दे के रूपात्मक परिवर्तन
7. नॉन-इस्कीमिक विस्फारित कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस और वॉल मॉरफोलॉजी की पहचान में हृदय चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका
8. टी**1** मैपिंग, टी**2** मैपिंग और लेट गैडोलिनियम एन्हांसमेंट (एलजीई) का उपयोग करके, कार्डियक सार्कोइडोसिस के रोगियों में निदान, भावी संकेत और उपचार प्रतिक्रिया में कार्डिएक एमआरआई की भूमिका का पता लगाना

9. अविशिष्ट आयोर्टो-आर्टिरिटिस के रोगियों में कार्डिएक एमआरआई की भूमिका और उपचार प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान और मूल्यांकन में इसका महत्व
10. एनएसएए गतिविधि में सीईयूएस की भूमिका
11. आयरन ओवरलोड सिंड्रोम में ऊतक आयरन की पहचान मात्राकरण में दोहरी ऊर्जा वाले सीटी की भूमिका
12. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी आर्टरी डिजीज के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा वाले सीटी पुल्मोनरी परफ्यूजन की भूमिका और उपचार परिणाम का आकलन करने में इसका महत्व
13. हेटरोटेक्सी सिंड्रोम में प्रणालीगत और फुप्फुसीय शिरापरक विसंगतियों के मूल्यांकन में एमडीसीटी की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्टैनफोर्ड टाइप बी एओरटिक विच्छेदन के विकास के पूर्वानुमान के लिए सीटी इमेजिंग विशेषताओं पर अनुप्रयुक्त नवीन सांख्यिकीय लर्निंग और मॉडलिंग तकनीक तथा ऐसी स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी के वास्तविक विकल्पों का वित्तीय आकलन, एम्स-आईआईटी परियोजना
2. सीएडी और एलवी शिथिलता से ग्रसित रोगियों में कार्यात्मक सुधार की व्यवहार्यता और पूर्वानुमान के आकलन के लिए एफडीजी-पीईटी की तुलना में डीई-सीएमआर, हृद् विज्ञान
3. रुग्णता की हद तक के मोटापे में हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में बैरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव, शल्य चिकित्सा
4. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डॉसिमीटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, विकिरण भौतिकी
5. कार्डियक सार्कोइडोसिस में 68 जीए-डॉटनॉक पीईटी/सीटी की भूमिका; कार्डिएक एमआर के साथ तुलना, न्यूक्लियर मेडिसिन

पूर्ण

1. नॉन-इस्कीमिक विस्फारित कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस और वॉल मारफोलॉजी की पहचान में कार्डियक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका, हृद् विज्ञान

मूल कोशिका सुविधा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पुनर्योजी अनुप्रयोगों के लिए 3डी प्रिंटेड ट्रेकियल ग्राफ्ट, सुजाता मोहंती, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2021, 5 लाख रुपए

2. कार्यात्मक सामग्री का उपयोग करके त्वचा के ऊतकों के विकल्प का जैव निर्माण, सुजाता मोहंती, डीएसटी, 2 साल, 2018-2020, रु 15 लाख
3. डीबीटी- सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्टेम सेल रिसर्च: बेसिक और ट्रांसलेशनल (फेज- II), सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2017-2020, रुपए 298 लाख
4. इन विट्रो वाउंड बेड मॉडल में मेलानोसाइट्स और केराटिनोसाइट्स के हस्तांतरण का समर्थन करने में सक्षम एक वाहक ड्रेसिंग का विकास, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2017-2020, 59.37 लाख रुपये
5. मायोकार्डिअल इन्फाक्ट मॉडल में स्टेम सेल की डिलीवरी के लिए बायोकम्पैटिबल स्केफोल्ड का निर्माण: एक आदर्श कार्डियक पैच की खोज में, सुजाता मोहंती, एनईआर-डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपए 28 लाख
6. मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण: जीवीएचडी मॉडल में उनकी चिकित्सीय क्षमता का आकलन, सुजाता मोहंती, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 42 लाख रुपये
7. भारत-अमेरिका संयुक्त केंद्र: पुनर्योजी चिकित्सा में सेलुलर रिप्रोग्रामिंग, सुजाता मोहंती, आईयूएसएसटीएफ, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपए 35 लाख
8. आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल का उपयोग करके रेटिना तक स्टेम सेल डिलीवरी बढ़ाने के लिए कार्यविधियां, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, रुपए 82 लाख
9. वायरस प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग का मुकाबला करने में वयस्क स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की चिकित्सीय भूमिका को समझना, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 22 लाख रुपये।

पूर्ण

1. रोगी विशिष्ट संयुक्त ऊतक निर्माण के लिए 3डी बायोप्रीनिंग और इन विट्रो मॉडल प्रणाली, डॉ. सुजाता मोहंती, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 30 लाख रुपये
2. नॉरमोक्सिया और हाइपोक्सिया के तहत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससी और एमएपीसी की वाहिका क्षमता की तुलना, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2018-2020, 46.26 लाख रुपये
3. विभिन्न वयस्क ऊतकों में बहुत छोटी, भ्रूण जैसी स्टेम कोशिकाओं (वीएसईएल) का अध्ययन करने के लिए एसओपी, डॉ. सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017-2018, 4 लाख रुपये
4. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर सेल को अनश्वर बनाने के लिए टेलोमेरेस रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित करना, डॉ. सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014-2017, 56 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आयतन ह्रास के शोधन के लिए ऑटोलॉगस नॉन-कल्चरल डर्मल सेल सस्पेंशन ट्रांसप्लांटेशन

2. कैल्शियम-सिलिकेट आधारित सीमेंट्स से प्रेरित अभेदित मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की सेलुलर प्रतिक्रियाओं और ऑस्टोजेनिक क्षमता का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक हिस्टोकेमिकल अध्ययन
3. मुख गुहा स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं का पता लगाना और मात्राकरण करना
4. विभेदित थायरॉयड कैंसर की इमेजिंग और आणविक लक्षण वर्णन
5. एचएलए-जी और अन्य घुलनशील कारकों के माध्यम से ऊतक विशिष्ट मानव एमएससी की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी क्षमता
6. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न एचएमएससी का उपयोग कर एचयूवीईसी सूक्ष्म ऊतकों से एंडोथेलियल ट्यूबों का इन विट्रो और इन विवो स्थिरीकरण और हड्डी ऊतक इंजीनियरिंग में इसका अनुप्रयोग
7. दाता कॉर्नियल ऊतकों की पूर्ण नैदानिक क्षमता का उपयोग करके उनके विस्तारित उपयोग की कार्यविधियों का पता लगाने के लिए इन-विट्रो अध्ययन
8. स्तन कैंसर का ऑप्टिकल लक्षण-वर्णन
9. हेपाटो-सेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में सूक्ष्म आरएनए की भूमिका
10. दवा प्रेरित जिगर चोट मॉडल में ऊतक विशिष्ट एमएससी व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका का मूल्यांकन करना।

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और एकाधिक एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलेजनैस और डिस्पेज़) का उपयोग करके तैयार किए गए निष्कर्षित बाल कूप बाहरी रूट म्यान सेल निलंबन (ईएसएफ ओआरएस सीएस) की विभिन्न सेल आबादी की प्रभावकारिता, व्यवहार्यता और संरचना का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
2. स्टीव जॉनसन सिंड्रोम का आणविक लक्षणवर्णन और इसके ओकुलर परिणाम
3. पूर्ण हृदय ब्लॉक में पेसिंग आवश्यकताओं को कम करने में स्टेम सेल थेरेपी की भूमिका
4. एप्लास्टिक एनीमिया में टी कोशिकाएं सबसेट और उनके प्रकार्य
5. कार्यात्मक कार्डियोमायोसाइट्स में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की विभेदन क्षमता का पता लगाना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कर्षित हेयर कूप की बाहरी रूट शीथ से कल्चर्ड मेलानोसाइट्स का प्रत्यारोपण बनाम एपिडर्मिस से कल्चर्ड मेलानोसाइट्स प्रत्यारोपण - डबल ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, त्वचाविज्ञान

2. एटाक्सिया तेलांगियाक्तासिया से पीड़ित मरीजों में न्यूरोलॉजिकल लक्षणों पर इंट्रा एरिथ्रोसाइट डेक्सामेथासोन सोडियम फॉस्फेट के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेन्द्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण ।

3. मानव पीरियडोंटल लिगामेंट स्टेम सेल (एचपीडीएलएससीएस) की व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और विभेदन क्षमता पर विभिन्न भंडारण माध्यमों के प्रभाव का आकलन: एक इन-विट्रो अध्ययन, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

4. द्विपक्षीय सिकाट्रीज़िंग ऑक्युलर सतह रोगों (यानी स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम और रासायनिक जलन) से पीड़ित रोगियों में संचित मौखिक श्लैष्मिक उपकला प्रत्यारोपण के साथ कंजंक्टिवल स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन, राजेन्द्र प्रसाद केंद्र।

5. परिधीय धमनी रोगों के कारण रीवैस्कुलरेबिल महत्वपूर्ण अंग इस्कीमिया में इंट्रामस्क्युलर ऑटोलॉगस प्लेटलेट रिच प्लाज्मा से प्रेरित चिकित्सीय एंजियोजेनेसिस की प्रभावकारिता का मूल्यांकन, हृद् विकिरण विज्ञान।

6. एक इनविट्रो ड्रग स्क्रीनिंग मॉडल के रूप में 3डी स्तन ट्यूमर की उत्पत्ति, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

7. कैंसर रोकथाम के माध्यम से आईयूएसएसटीएफ कैंसर की मृत्यु दर को कम करना, जठरांत्र रोग विज्ञान

8. होमिंग पेप्टाइड तथा प्लास्मोनिक फोटोथर्मल तकनीक का उपयोग करके ठोस ट्यूमर को लक्ष्य बनाना, शल्य चिकित्सा

9. द्विध्रुवीय मार्कर का उपयोग करके स्ट्रोक में ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण के पैराक्रिन तंत्र का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

10. समय से पहले डिम्बग्रंथि की उम्र बढ़ने में ऑटोलॉगस बीएमएससी की भूमिका का मूल्यांकन करना, स्त्री रोग विज्ञान

11. ट्रॉमा सर्जरी यूनिट में भर्ती होने के बाद आघात पश्चात रॉ एरिया वाले रोगियों में वैकल्पिक घाव ड्रेसिंग के रूप में एम्नियोटिक झिल्ली की प्रभावकारिता का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी, जेपीएनएटीसी

12. रीढ़ की हड्डी की चोट के इलाज के लिए ऑटोलॉगस बोन-मैरो व्युत्पन्न मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं के अंतरा धमनी इंजेक्शन का उपयोग, हृद् विकिरण विज्ञान

पूर्ण

1. ओकुलर बर्न की वजह से टोटल लिम्बल स्टेम सेल शिथिलता के प्रबंधन में एमनियोटिक मेम्ब्रेन ट्रांसप्लांट पर ऑटोलोगस कल्चर्ड लिम्बल स्टेम सेल बनाम लिम्बल लेंटीक्यूल प्रत्यारोपण मात्र की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, राजेन्द्र प्रसाद केंद्र

2. आयु संबंधित शुष्क मेकुलर डीजेनिरेशन में ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल का मूल्यांकन, राजेन्द्र प्रसाद केंद्र

रक्त आधान सेवाएँ

वित्तपोषित परियोजना

पूर्ण

1. मेनिन्जियोमा से पीड़ित रोगियों में ट्रांसफ़्यूज़न संबंधित इम्यूनो-मॉड्यूलेशन के मूल्यांकन के लिए एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गोपाल कुमार पाटीदार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2020, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एक तृतीयक स्तर के अस्पताल में जिलेन बैरे सिंड्रोम और माईस्थेनिया ग्रेविस रोगियों के उपचार में लागत विवरणात्मक अध्ययन
2. न्यूरोसर्जरी करा रहे रोगियों में ट्रांसफ्यूजन संबंधित इम्यूनो-मॉड्यूलेशन के मूल्यांकन के लिए एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. स्वस्थ रक्त दाताओं में एबीओ एंटीबॉडी टाइटर का विश्लेषण
4. ए और बी रक्त समूह दाता प्लाज्मा के साथ सामान्य सेलाइन के मिश्रण और तनुकरण के बाद एबीओ एंटीबॉडी टाइटर और कोएगुलेशन कारक स्तर का आकलन
5. भारत में किसी सुपर-स्पेशलिटी ब्लड सेंटर में रक्त इन्वेंटरी प्रबंधन का अनुकूलन- एक केस स्टडी
6. मेनिंजियोमा के रोगियों में ल्यूको-रिड्यूस्ड और नॉन-ल्यूको-रिड्यूस्ड रक्त अवयव आधान के परिणाम

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नॉरमेक्सिया और हाइपोक्सिया के तहत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और को-कल्चर सिस्टम में एमएससी और एमएपीसी की वैस्कुलाइजिंग क्षमता की तुलना करना, मूल कोशिका सुविधा
2. पूरक फेक्टर एच (सीएफएच) - संबंधित प्रोटीन 1 (सीएफएचआर1) और प्रतिरक्षात्मक सहिष्णुता के रखरखाव में इसकी भूमिका", रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद
3. सीआरआईएसपीआर- आधारित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके नैदानिक और प्रायोगिक चिकित्सा विज्ञान का विकास, जैव रसायन
4. पुल्मोनरी टीबी की पैथोफिज़ियोलॉजी में मैक्रोफेज फ़ंक्शन पर हाइपरग्लाइकेमिया का प्रभाव, जैव रसायन
5. यकृत और हृदय रोग के पशु मॉडलों में न्युट्रोफिल-प्रेरित ऊतक क्षति पर मेसेनकाइमल स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, मूल कोशिका सुविधा

6. कार्डियो-वैस्कुलर रोगों (सीवीडी) के लिए सेल-फ्री थेरेपी के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल्स (एमएससी) के साथ गठित एंडोथेलियल कॉलोनी निर्माता कोशिकाओं (ईसीएफसी) से व्युत्पन्न एक्सोसोम की क्षमता का पता लगाना, कार्डियक जैव रसायन, मूल कोशिका सुविधा
7. मलेरिया में होस्ट-पैरासाइट इंटरैक्शन, जैव रसायन
8. ऑटोफैगी के माध्यम से एचआईवी रिज़र्वायरों का विनियमन, जैव रसायन
9. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेंकाइमल स्टेम सेल द्वारा एचएलए-जी के मध्यस्थित प्रतिरक्षण की संभावित भूमिका का अध्ययन, मूल कोशिका सुविधा
10. कोरोनरी धमनी रोग से पीड़ित रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं को अनश्वर बनाने के लिए टेलोमेरेस रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित करना, मूल कोशिका सुविधा

प्रकाशन

<u>हृद् विज्ञान</u>

पत्रिकाएं: 58 **सार:** 3 **पुस्तकों में अध्याय:** 5

<u>हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा</u>

पत्रिकाएँ: 21 **पुस्तकों में अध्याय: 1**

<u>हृद् संवेदनाहरण विज्ञान</u>

पत्रिकाएँ: 39 **सार: 2** **पुस्तकों में अध्याय: 5**

<u>हृद् जैवरसायन</u>

पत्रिकाएं: 12

<u>हृद् नाभिकीय चिकित्सा</u>

पत्रिकाएँ: 3 **सार: 12**

हृद् विकृतिविज्ञान

पत्रिकाएं: 20

<u>हृद् वाहिका एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान</u>

पत्रिकाएँ: 30 **सार: 2** **पुस्तकों में अध्याय: 1**

<u>मूल कोशिका सुविधा</u>

पत्रिकाएं: 8 **पुस्तकों में अध्याय:** 3

<u>रक्त आधान सेवाएँ</u>

पत्रिकाएँ: 4

रोगी उपचार

<u>हृद् विज्ञान</u>

नए ओपीडी रोगी 37566 **पुराने रोगी** 114829

रोगी सेवाएं

• टीएमटी	2800
• होल्टर	3326
• इकोकार्डियोग्राफी	35,388
• ईसीजी	45,632
• एबीपी	88
• टीईई	70
• एचयूटीटी	220

कैथ लैब सेवाएं

• सीएआरटी	2009
• कैथ	800
• बलून डाइलेशन	113
• पीटीएमसी	212
• पीडीए	122
• एएसडी डिवाइस	74
• वीएसडी डिवाइस	5
• पीटीसीए	1106
• पेसमेकर	365
• आईसीडी	58
• सीआरटी	52
• आरएफए	112
• कार्टो	14
• डीएसए	264

- कॉइल इंबोलाइजेशन 91
- बीएएस 85
- ईएम बायोप्सी 40

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

कार्यभार

सीटीवीएस विभाग, देश भर में सर्वाधिक संख्या में जन्मजात हृदय दोष के लिए वयस्क, महाधमनी और बाल कार्डियक सर्जरी करने वाले केन्द्रों में शामिल है। **1** अप्रैल **2019** से **31** मार्च **2020** के बीच विभाग में सभी प्रकार की कुल **3625** सर्जरी की गईं। हृद् विज्ञान (**1,34,700**) और सीटीवीएस (**55,788**) को मिलाकर, ओपीडी में कुल **1,90,488** नए और फॉलो-अप मरीजों को देखा गया। इनडोर भरती की संख्या **10,939** (सीटीवीएस में **3064** और हृद् विज्ञान में **7875**) थी।

सुविधाएं और बुनियादी ढांचा

1. **ऑपरेटिंग रूम (ओआर**): सीटीवीएस विभाग में पूरी तरह क्रियाशील आठ ऑपरेशन कक्ष हैं। इनमें से प्रत्येक कक्ष में वयस्क, महाधमनी और बाल कार्डियक सर्जरी की पूरी श्रृंखला के लिए अपेक्षित सभी आवश्यक उपकरण हैं। इन उपकरणों एवं सुविधाओं में अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली और एनेस्थीसिया स्टेशन, एनआईआरएस, बीआईएस, ईईजी, **3**-डी इकोकार्डियोग्राफी, सेल सेवर, सीपीबी मशीन, वैक्यूम असिस्टेड वेनस ड्रेनेज, सेंट्रीफ्यूगल पंप, ब्रोन्कोस्कोप, और इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोमोनिटरिंग शामिल हैं।

2. **आईसीयू बेड:** विभाग में **4** आईसीयू (**54** बेड) पूरी तरह से पोस्टऑपरेटिव कार्डियोवस्कुलर सर्जिकल उपचार के लिए सभी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

- आईसीयू-ए: **16** बेड
- आईसीयू -बी: **18** बेड
- नवजात आईसीयू: **8** बेड
- सीटी - **5** आईसीयू: **12** बेड

3. **सामान्य बिस्तर:** वार्डों में बिस्तरों की संख्या इस प्रकार है:

- सीटी-**4** वार्ड: **42** बेड + **2** अलगाव बेड
- सीटी-**5** वार्ड: **24** बेड (इसके अलावा, ऊपर बताए गए अनुसार, सीटी **5** आईसीयू में **12** बेड) + **2** आइसोलेशन बेड
- सीटी-**6** वार्ड: **12** बेड

4. **सीएन टॉवर (प्राइवेट वार्ड):** निजी/ भुगतान वार्ड में बत्तीस (**32**) बेड, जो हृद् विज्ञान के साथ साझा किए गए जाते हैं

5. **होमोग्राफ़्ट वाल्व बैंक:** यह विभाग, देश का सबसे सफल वाल्व बैंक चलाता है। यह, जटिल बाल हृदय संबंधी सर्जिकल समस्याओं के उपचार के लिए होमोग्राफ़्ट की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

6. **सहायक सेवाएं:** पांच कार्डिएक कैथीटेराइजेशन लैब, जिनमें उन्नत सीटी स्कैन, एमआरआई, न्यूक्लियर मेडिसिन, अल्ट्रासाउंड, और इकोकार्डियोग्राफी लैब, अत्याधुनिक ब्लड बैंक और प्रयोगशाला सेवाएं शामिल हैं।

<u>हृद् संवेदनाहरण विज्ञान</u>

1. नैमिक, आपातकालीन और उच्च जोखिम वाले कार्डियक सर्जिकल रोगियों के उपचार के लिए सभी क्षेत्रों से संबंधित उन्नत निगरानी सुविधाएं (टीईई, टीटीई, एनआईआरएस, एनआईसीओ निगरानी)।
2. हृदयाघात, हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी रोगियों के लिए विशिष्ट संज्ञानात्मक पुनर्वास कार्यक्रम
3. ऑपरेशन पूर्व और ऑपरेशन पश्चात् रोगियों के लिए नियमित तनाव प्रबंधन कार्यक्रम
4. संकाय-सदस्यों द्वारा भिन्न-भिन्न सामुदायिक कार्यक्रम
5. जटिल जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा के लिए संवेदनाहरण विभाग के साथ विशेष भागीदारी
6. हार्ट ट्रांसप्लांट और एलवीएडी जैसे हृदयाघात उपचार की टीम सदस्य
7. ट्रांसइसोफैगियल इकोकार्डियोग्राफी
8. सामुदायिक सेवा- धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा
9. जटिल जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा और ओपीसीएबी के लिए संवेदनाहरण विभाग के साथ विशेष भागीदारी
10. हार्ट ट्रांसप्लांट और एलवीएडी जैसे हृदयाघात उपचार की टीम सदस्य
11. ट्रांसेसोफेगल इकोकार्डियोग्राफी
12. सामुदायिक सेवा- धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा

हृद् जैवरसायन

हृद् जैवरसायन प्रयोगशाला में रोगी उपचार सेवाओं से जुड़ी अत्याधुनिक नैदानिक परीक्षण सुविधाओं की पेशकश की जाती है और परीक्षण सुविधाएं, सीएन सेंटर के रोगियों के साथ-साथ संस्थान के अन्य विभागों को भी दी जाती हैं तथा बाहरी रोगियों के लिए रेफरल लैब के रूप में भी कार्य करती हैं। यह प्रयोगशाला, सीएन केंद्र के लिए संयुक्त केंद्रीकृत प्रयोगशाला के रूप में संचालित होती है और केंद्रीय प्रयोगशाला में रक्त जैव रसायन (रक्त शर्करा (फास्टिंग, पीपी, रैंडम), एलएफटी, केएफटी), हेमेटोलॉजी (हीमोग्राम, पीटी/आईएनआर, ईएसआर), लिपिड प्रोफाइल, हार्मोन (टी3, टी4 टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, एफएसएच, एलएच, प्रोलैक्टिन, रेनिन, एल्डोस्टेरोन) तथा विटामिन प्रोफाइल (विटामिन डी, बी12, फोलेट), औषधि परीक्षण (साइक्लोस्पोरिन, टैक्रोलिमस, मिरगी-रोधी दवा परीक्षण (वैल्प्रोइक एसिड, कार्बामाज़ेपिन, फ़िनाइटोइन, फेनोबार्बिटल, डाइज़ॉक्सिन)) के साथ-साथ विभिन्न अन्य विशिष्ट परीक्षण (आयरन प्रोफाइल, सीरम आयरन, यूआईबीसी, टीआईबीसी, फेरिटिन, कैटेकोलामाइन) आदि की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

केंद्रीयकृत लैब सीएनसी में किए गए परीक्षणों की अनुमानित संख्या का वार्षिक विवरण

क्रम संख्या	विवरण	परीक्षणों की संख्या (वार्ड)	परीक्षणों की संख्या (ओपीडी)
क्लीनिकल रसायन			
1	ग्लूकोज़	32400	45000
2	यूरिया	55000	45000
3	क्रेटिनिन	55000	46750
4	कैल्शियम	54000	44500
5	फॉसफोरस	54000	44000
6	यूरिक एसिड	56750	44420
7	सोडियम	56750	45650
8	पोटैशियम	65098	45400
9	बिलिरुबिन	54000	45450
10	डायरेक्ट बिलिरुबिन	54000	45340
11	टोटल प्रोटीन	56000	45110
12	एल्बुमिन	54897	45340
13	एएसटी	59010	45900
14	एएलटी	59010	45000
15	एएलपी	57,190	45000
16	कोलेस्टरोल	36,180	8000
17	अमिलेज	25,150	8900
18	साइक्लोस्पोरिन	200	उपलब्ध नहीं
19	टेक्रोलिमस	600	उपलब्ध नहीं
हेमेटोलॉजी एवं कोएगुलेशन			
1	एचबी, टीएलसी, डीएलसी, प्लेटलेट्स, ईएसआर	56780	39690
2	पीटी	14060	56500
3	एपीटीटी	1340	6700
हार्मोन			
1	टी3	13000	8500
2	टी4	13000	8500
3	टीएसएच	14350	10500

4	प्रोलैक्टिन	2920	1300
5	कॉर्टिसोल	2450	1950
6	विटामिन बी12	9700	3670
7	फोलेट	3000	2500
8	होमोसिस्टीन	2300	1500
9	फैरिटिन	2450	400
10	आयरन	2450	400
11	यूआईबीसी	2450	400
कैटेक्लोमाइन्स/वीएमए			
1	एड्रीनलिन/नोरेड्रीनलिन	450	135
2	वीएमए	490	135
पीटीएच/विटामिन डी			
1.	विटामिन डी	5640	1340
2	पीटीएच	45	0
लिपिड/कार्डिएक एंजाइम/एचबीए1सी			
1	लिपिड प्रोफाइल	55000	55000
2	सीके-एनएसी	15460	4090
3	सीके-एमबी	4000	3000
4	एलडीएच	12000	11000
5	एएसएलओ	1500	3900
6	सीआरपी	50500	28000
7	डाइजोक्सिन	500	500

<u>हृद् नाभिकीय चिकित्सा</u>

विभाग नियमित रूप से मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी इमेजिंग करता है जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और उपचार में एक अभिन्न जांच होती है। यह विभाग, मायोकार्डिअल वायबिलिटी के आकलन के लिए और कार्डिएक संक्रामी पैथोलॉजीस के लिए पीईटी ट्रेसर एफ-**18** एफडीजी के साथ कार्डियक पीईटी इमेजिंग भी करता। गैर-सीएडी संकेतों के लिए नई नैदानिक तकनीकें जैसे कार्डिएक सारकॉइडोसिस और इनफिल्ट्रेटिव/इनफ्लेमेटरी पैथोलॉजीस के लिए क्रमशः गैलियम-**68** डॉटनॉक और टीसी **99** एम पीवाईपी काम में लाई जाती हैं। हमने कार्डिएक सिंपेथेटिक इन्टरवेंशनों के मूल्यांकन के लिए एफ-**18** एफडीओपीए की व्यवहार्यता का मूल्यांकन किया है और हृदयाघात के रोगियों में इसकी भूमिका का आकलन करने के लिए एक अध्ययन अभी चल रहा है। यह विभाग, केंद्र और आईआरसीएच से संदर्भित

सीएडी रोगियों में कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में कार्डियक मूल्यांकन के लिए बाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन के आकलन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी भी करता है।

न्यूक्लियर हृद् विज्ञान में कुल मरीजों की संख्या, जिनकी जांच की गई

मायोकार्डिअल परफ्यूजन अध्ययन:	**1795**	आरएनवी अध्ययन:	**563**
कार्डिएक पीईटी:	**162**	विविध (वी/क्यू स्कैन, प्रथम पास):	**218**
किए गए कुल अध्ययन:	**2738**		

हृद् विकृतिविज्ञान

नमूने

रुटीन: **310** रोगी

अनुसंधान: **163** रोगी

अन्य कार्य

इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री:	**392** स्लाइड	एच एंड ई स्टेन:	**305** स्लाइड
विशेष स्टेन:	**102** स्लाइड्स	कटिंग ऑफ ब्लॉक्स(अनस्टेंड खंड):	**631** स्लाइड्स

पोस्ट-ट्रांसप्लांट बायोप्सी का तेजी से संसाधन: **29** रोगी

हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशंस

केन्द्र	प्रोसीज़र की संख्या	सुविधा	प्रोसीज़र की संख्या
एमआरआई	961	डीएसए/वीनोग्राम	675
सीटी	6080	डॉपलर एवं अल्ट्रासाउंड	8543

मूल कोशिका सुविधा

क्रम संख्या	प्रदत्त सेवाएं	संसाधित नमूनों की संख्या
1.	बोन मैरो से स्टेम सेल पृथक्करण	34
2.	वसा ऊतक से स्टेम सेल पृथक्करण	10
3.	वार्टन जैली से स्टेम सेल पृथक्करण	12
4.	डेंटल पल्प से स्टेम सेल पृथक्करण	2
5.	बोन मैरो से एमएनसी पृथक्करण	2
6.	अम्बिलिकल कॉर्ड रक्त से एमएनसी पृथक्करण और क्रायोप्रिजर्वेशन	4
7.	अफेरेसिस नमूने का क्रायोप्रेजर्वेशन	9

8.	कल्चर्ड ओरल म्यूकोसा एपिथेलियल प्रत्यारोपण	4
9.	कल्चरल लिंबल एपिथेलियल प्रत्यारोपण	3
10.	हेयर फॉलिकल से व्युत्पन्न स्टेम सेल	20
11.	स्किन एपिडर्मिस से व्युत्पन्न स्टेम सेल	20
12.	स्टेम सेल की जीवनक्षमता (प्रत्यारोपण/इनफ्यूजन से पहले और बाद में)	15
13.	ग्राफ्टिंग के लिए एमनियोटिक मेंब्रेन तैयारी	19 बैच (468 वायल)
14.	स्टेम सेल गणना (सीडी34+ गणना)	6

<u>रक्त आधान सेवाएं</u>

संग्रहीत रक्त यूनिट	**2019-20**
एवजी दाता	10438
विभाग में स्वैच्छिक दाता	347
रक्त बैंक मोबाइल के माध्यम से स्वैच्छिक	896
पारिवारिक स्वैच्छिक दाता	8273
आईआरसीएस से प्राप्त रक्त	9
अस्पताल रक्त बैंक, एम्स से प्राप्त रक्त	142
जेपीएनएटीसी, एम्स से प्राप्त रक्त	85
अन्य अस्पताल से प्राप्त रक्त	5
संग्रहीत कुल रक्त यूनिट संख्या	**20195**
जारी रक्त यूनिट की संख्या	
सीटीवीएस/एनएस को जारी रक्त यूनिट	24061
अस्पताल रक्त बैंक, एम्स को जारी रक्त	505
जेपीएनएटीसी को जारी रक्त	164
अन्य अस्पतालों को जारी रक्त	2284
एचआईवी/एचबीएसएजी/एचसीवी रिएक्टिव घोषित नष्ट की गई यूनिट	477
जारी रक्त यूनिट की कुल संख्या	**27041**
प्रयोगशाला प्रोसीज़र	
रक्त समूहन (एबीओ) की कुल संख्या	84112
रक्त समूहन (आरएच) की कुल संख्या	84112

की गई क्रॉस मैचिंग की कुल संख्या	128512
संक्रामक मार्कर	
एचआईवी परीक्षण	23688
एचबीवी परीक्षण	23688
एचसीवी परीक्षण	23712
वीडीआरएल परीक्षण	21944
एमपी परीक्षण	21944
कुल	**114976**
जारी रक्त अवयवों की संख्या	
फ्रैश फ्रोजन प्लाज्मा (एफएफपी)	20894
प्लेटलेट कंसंट्रेट	12770
क्रायोप्रेसिपिटेट	1517
पैक्ड रैड सैल्स	27014
सिंगल डोनर प्लेटलेटफिरेसिस	58
कुल	**62253**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

<u>हृद् विज्ञान</u>

प्रोफेसर वीके बहल, इंडिया लाइव के पाठ्यक्रम निदेशक हैं।

प्रोफेसर अनिता सक्सेना नेशनल रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम की अध्यक्ष हैं।

प्रोफेसर एसएस कोठारी मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) की एथिक्स सब-कमेटी - **2019-2020** में रहे हैं; सदस्य (विशेषज्ञ) - ड्रग कंट्रोलर, भारत सरकार (डीसीजीआई) **-2019-2020; 21** अक्टूबर **2019** को पुदुचेरी में नियमित संकाय पदों के चयन के लिए गठित स्थायी चयन समिति की बैठक के सदस्य रहे।

प्रोफेसर बलराम भार्गव महानिदेशक, आईसीएमआर; सचिव, डीएचआर।

प्रोफेसर केसी गोस्वामी, कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हैं।

प्रोफेसर एस सेठ जेपीसीएस के प्रधान संपादक हैं।

प्रोफेसर संदीप मिश्रा, आंतरिक मामलों की समिति, एससीएआई के सदस्य हैं; श्रीलंका जर्नल ऑफ़ हृद् विज्ञान; यूरोपीय मेडिकल जर्नल के संपादकीय बोर्ड के अंतर्राष्ट्रीय संपादक; एससीएआई **2019** वार्षिक सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के इंटरनेशनल एग्जामिनर हैं।

प्रोफेसर राकेश यादव कोषाध्यक्ष, सीएसआई दिल्ली शाखा; संपादक, इंडियन हार्ट जर्नल।

प्रोफेसर जी कार्तिकेयन *हार्ट एशिया* के प्रधान संपादक हैं, जो बीएमजे समूह द्वारा प्रकाशित तीन हार्ट पत्रिकाओं में से एक है।

प्रोफेसर अंबुज रॉय संस्थान निकाय, जेआईपीएमईआर, पुदुचेरी; संयोजक, हार्ट फेल्योर काउंसिल, कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (2018-2020) के सदस्य; कैंसर, मधुमेह, सीवीडी और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम की तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य; भारत में हृदय अनुसंधान के लिए आईसीएमआर की टास्क फोर्स समिति के सदस्य; आईसीएमआर, नई दिल्ली की परियोजना समीक्षा समिति (हृदय रोग) के अध्यक्ष; हरियाणा शासन सुधार प्राधिकरण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी कार्य समूह के सदस्य; सुविधा समन्वयक प्रभारी, स्किल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन (एसईटी) सुविधा, एम्स, नई दिल्ली; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सदस्य, संस्थान आचार समिति (पोस्ट ग्रेजुएट्स); एम्स संस्थान आचार समिति- नैदानिक परीक्षणों में गंभीर प्रतिकूल घटनाओं संबंधी उपसमिति के सदस्य; प्रबंध समिति, सीएमईटी, एम्स; इंडियन कॉलेज ऑफ हृद् विज्ञान में आचार्य जे पी दास ओरेशन-26वां वार्षिक सम्मेलन, 20 सितंबर 2019, कोच्चि-लूमिंग बर्डन ऑफ हार्ट फेल्योर इन इंडिया के सदस्य: कैन वी रिड्यूस इट? ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज के सहयोग; जीबीडी इंडिया कार्डियोवस्कुलर डिजीज एक्सपर्ट ग्रुप के सदस्य हैं।

प्रोफेसर एस. रामाकृष्णन एनल्स ऑफ पेडियाट्रिक हृद् विज्ञान के सहायक संपादक हैं; नेशनल रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम के कोषाध्यक्ष; जेपीसीएस के एसोसिएट एडिटर हैं।

डॉ. सौरभ के गुप्ता ने सावित्री श्रीवास्तव इमेजिंग अवार्ड पीसीएसआई 2019 जीता है; सीएसआई भारतीय नवाचार पुरस्कार 2019; आईजेएमआर नैदानिक इमेज प्रतियोगिता पुरस्कार 2019 भी जीता है।

<u>हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा</u>

प्रोफेसर एसके चौधरी को, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ थौरैसिक सर्जन्स के सदस्य के रूप में नामित किया गया; जेआरडी विश्वविद्यालय, चित्रकूट द्वारा मानद उपाधि (ओनरिस कॉसा) प्रदान की गई, दिसंबर 2019 में; भारत में तम्बाकू नियंत्रण अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए संबद्ध हेल्थ फाउंडेशन द्वारा "लीडरशिप अवार्ड (2019-20)" प्रदान किया गया। 22 अगस्त 2019 को हैदराबाद में "करेज इन कार्डियोवस्कुलर रिसर्च" विषय पर, डॉ. डेंटन ए कूले व्याख्यान (सज्जा हार्ट फाउंडेशन का वार्षिक व्याख्यान) दिया; देशबंधु कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), नई दिल्ली में 4 सितंबर, 2019 को "द किलर नंबर वन" शीर्षक से वार्षिक व्याख्यान दिया; सुपर स्पेशिलिटी, अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा निदेशालय, पंजाब सरकार में संकाय-सदस्यों के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित, 22 सितंबर 2019, चंडीगढ़; जनकपुरी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सोसाइटी (जेएसएसएच) जनकपुरी, नई दिल्ली की सुपर स्पेशियलिटी में, 4 मार्च 2020 को संकाय-सदस्यों के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किए गए; 16 मार्च 2020 को पंडित बी डी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक में एमसीएच (सीटीवीएस) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नामित; नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, 2019 की हृद् वक्ष सर्जरी विशेषज्ञता में विशेषज्ञ बोर्ड में नामित; इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम

(ईएनडीएस), जिसे इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट, ई-सिगरेट भी कहा जाता है, पर मसौदा श्वेत पत्र की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली, 26 दिसंबर, 2019 को नई दिल्ली में भारत सरकार के डीजीएचएस की "स्थायी तकनीकी समिति" के सदस्य के रूप में नामित; ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन ऑर्गन्स एक्ट, 1995 के अंतर्गत हृदय प्रत्यारोपण सुविधाओं के लिए एसएमएस अस्पताल, जयपुर में निरीक्षण करने के लिए विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष के रूप में नामित, नवंबर 2019; ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन ऑर्गन्स एक्ट, 1995 के अंतर्गत इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में फेफड़े के प्रत्यारोपण की सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए गठित विशेषज्ञ समूह में सदस्य के रूप में डीजीएचएस द्वारा नामित, दिसंबर 2019, नई दिल्ली; 12 फरवरी 2020 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ थोरेसिक एंड रेस्पिरेटरी डिजीज, महरौली, नई दिल्ली में रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम शुरू करने के लिए विशेषज्ञ समूह में एक सदस्य के रूप में नामित किए गए।

प्रोफेसर सचिन तलवार 4 साल के लिए डब्ल्यूएसपीसीएचएस की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य रहे; वे कंजेनिटल सेक्शन, एशियन कार्डियोवस्कुलर एनल्स थौरैसिक एनल्स के संपादक रहे; सिद्धांत प्रश्नपत्र परीक्षक, पीजीआई चंडीगढ़, 24-27 अप्रैल 2019; सिद्धांत प्रश्नपत्र परीक्षक, केजीएमसी लखनऊ, अप्रैल 2019; किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय में संकाय-सदस्यों के चयन/ पदोन्नति के लिए विशेषज्ञ: 30 जुलाई 2019; एससीटीआईएमएसटी त्रिवेंद्रम में संकाय-सदस्यों के चयन/ पदोन्नति के लिए विशेषज्ञ, 30 अगस्त 2019; पीजीआई चंडीगढ़ में संकाय-सदस्यों के चयन/ पदोन्नति के लिए विशेषज्ञ, 23 अगस्त, 2019; एससीटीआईएमएसटी त्रिवेंद्रम में एमसीएच परीक्षक, 7 दिसम्बर, 2019; पीएचडी (अभिकलनात्मक द्रव गतिकी) के लिए मौखिक परीक्षा हेतु बाहरी विशेषज्ञ चुने गए; आर्टिकल स्विच ऑपरेशन-ए टु जेड, 27-29 नवंबर 2020, बाली, इंडोनेशिया में आयोजित शिखर सम्मेलन में "आर्टिरियल स्विच ऑपरेशन: व्हाट कैन वी लर्न फ्रॉम दि इंडियन एक्सपीरियंस" विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

प्रोफेसर नीति मखीजा ने 14वीं वार्षिक पेरिऑपरेटिव एंड क्रिटिकल केयर ट्रांसएसोफैगल इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला में 6 से 8 मार्च 2020 तक पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में पेडिएट्रिक इमेजिंग पर एक सत्र की अध्यक्षता की, जिसमें निम्नलिखित विषय शामिल थीं: सीएचएस में पीएएच और इसके प्रभावों- नॉन-इनवेसिव, जटिल हृदय संबंधी विसंगतियों का आकलन करना- एकल बनाम डबल वेंट्रिकल मरम्मत, डी-टीजीए का प्री और पोस्ट ऑपरेशन इको आकलन करना, जन्मजात माइट्रल वाल्व असामान्यताएं-प्री और पोस्ट-ऑपरेशन इको मूल्यांकन किया; उन्होंने, नई दिल्ली में 22.02.2020 से 23.02.2020 तक, एयरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन की एयरवे कांग्रेस 'द एयरवे-2020' में फेफड़ा पृथक्करण तकनीकों पर कार्यशाला सत्र की अध्यक्षता की; गोवा में मुंबई शाखा द्वारा 7 फरवरी 2020 से 9 फरवरी 2020 तक "पीडिएट्रिक कार्डिएक इंटेंसिव केयर" पर आयोजित 23वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवस्कुलर एंड थोरैसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के सत्र की अध्यक्षता की, जिसमें निम्नलिखित विषय शामिल थे: 'इवाब्राडिन: न्यू किड ऑन द ब्लॉक इन कंजेनिटल हार्ट्स, हाउ टु प्लान पेरि-ऑपरेटिव

न्यूट्रीशन इन चिल्ड्रन?, नियर मिसिस इन पेडियाट्रिक कार्डियक एनेस्थेसिया/आईसीयू-मेरा अनुभव', अप्रोच टु पोस्ट-ऑप-फीवर-वेट ऑर एस्कलेट एंटीबायोटिक्स; मेदांता, द मेडिसिटी, गुड़गांव में 8वीं व्यापक पेरिऑपरेटिव इको वर्कशॉप में सत्र की अध्यक्षता की "डिसीजन मेकिंग इन वाल्व डिसीज-II" जिसमें निम्नलिखित व्याख्यान शामिल थे: शुड द ट्राइकसपिड बी रिपेयर्ड? ऑन व्हिच इको क्राइटेरिया शुड यू रिलाइ?, एओर्टिक रीगर्गिटेशन: पिटफॉल्स इन असेसमेंट, एओर्टिक स्टेनोसिस: ग्रैडिएट्स बनाम वॉल्व एरिया?, प्रोस्थेटिक वाल्व: टाइप एंड इको असेसमेंट ऑफ द न्यूली सीटिड वाल्व, असेसमेंट ऑफ द थोरैसिक एओर्टा का आकलन: टीईई और एपिआयोर्टिक व्यूज, टीएवीआर: इमेजिंग एंड बियोंड। इन व्याख्यानों के बाद पैनल चर्चा और दर्शकों के साथ बातचीत की गई। हैंड्स-ऑन सेशंस एंड वेट लैब: पोर्सिन हार्ट डिसेक्शन में भी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

प्रोफेसर पूनम मल्होत्रा कपूर ने आइएसीटीए की अध्यक्ष (गैर निर्वाचित) के रूप में अपना 1 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है। एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा की अध्यक्ष (गैर निर्वाचित) के रूप में दायित्व जारी रखा। "सिमुलेशन सोसायटी" की संस्थापक सचिव और एकेडमिक्स अध्यक्ष के रूप में कार्य जारी है। वह ईसीएमओ सोसाइटी ऑफ इंडिया के पिछली अध्यक्ष (गैर निर्वाचित) बन गई हैं। उन्हें, एएपीआई ग्लोबल रिससिटेशन एड हॉक कमेटी (2019-20) के वरिष्ठ सदस्य के रूप में नामित किया गया है। वे, जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर, जेसीसीसी 2019 के तीसरे और चौथे अंक की मुख्य संपादक हैं। जेपी पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित तथा डॉ एचके चोपड़ा द्वारा संपादित "हाइपरटेंशन: न्यू फ्रंटियर्स-टेक्स्टबुक ऑफ हृद् विज्ञान" नामक पुस्तक की प्रमुख संपादक हैं। 10 नवंबर 2019 को ईरोज होटल में आयोजित सीएसआई की बैठक में "ईसीएमओ और इकोकार्डियोग्राफी में योगदान के लिए सम्मान" प्राप्त किया। वह निम्नलिखित के लिए परीक्षक रहीं: डीएनबी कार्डिएक एनेस्थीसिया, कोलकाता; डीएनबी कार्डिएक एनेस्थेसिया, अहमदाबाद; डीएनबी कार्डिएक एनेस्थेसिया, एसजीआरएच, दिल्ली; बेंगलुरु में आईएसीटीए द्वारा आयोजित की जाने वाली एफटीईई परीक्षा। वह कार्डिक क्रिटिकल केयर (एफआईसीसीसी) में ऑनलाइन फैलोशिप, एडवांस्ड इकोकार्डियोग्राफी में फेलोशिप (एफआईएई) और बेसिक इकोकार्डियोग्राफी में फेलोशिप (एफआईबीई) की ऑनलाइन परीक्षा के लिए सामग्री-प्रदाता रहीं; इस परीक्षा का आयोजन, द सिमुलेशन सोसाइटी (टीएसएस) और जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) द्वारा किया गया। परीक्षाएं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई थीं। वे, सह-संपादक रहीं: आईएससीसीएम मैनुअल ऑफ आरआरटी और ईसीएमओ इन आईसीयू (प्रैक्टिसिंग इंटेंसिविस्ट्स के लिए एक संदर्भ पुस्तक) लेखक: संपादक: राजेश चंद्र मिश्रा, सह-संपादक: कंवलप्रीत सोढी, केसी प्रकाश, पूनम मल्होत्रा कपूर। कार्डियोवस्कुलर सर्जरी पर 22 मई 2019 को नई दिल्ली में आमंत्रित संकाय के रूप में, प्रथम साइटोसॉर्ब सलाहकार बोर्ड की बैठक में भाग लिया। एडिटर इन चीफ-जर्नल ऑफ़ कार्डियक क्रिटिकल केयर, नॉलेज शेयरिंग सेशन ऑन "अंडरस्टैंडिंग लाइफस्टाइल डिज़ीज़", 4 मई 2019, नई दिल्ली; उन्होंने, 29 जून 2019 को नई दिल्ली में ईसीएमओ कार्यशाला का आयोजन किया और टीएसएस-एपीवीआईसी वाहिका ईसीएमओ पाठ्यक्रम पर व्यावहारिक सत्र का संचालन किया। वैस्कुला ईसीएमओ कार्यशाला, 11वीं एशिया पैसिफिक वैस्कुलर इंटरवेंशन कोर्स, 28-30 जून 2019, नई दिल्ली का

संचालन करने के लिए पाठ्यक्रम निदेशक रहीं; **11** जुलाई **2019** को नई दिल्ली में बी.बी. दीक्षित लाइब्रेरी, एम्स और वोल्टर्स क्लूवर द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशन कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रोफेसर मिनाती चौधरी को उनके शोधपत्र "कोरिलेशन बिटवीन थोरैसिक फ्लूड कंटेंट (टीएफसी), टोटल ल्यूकोसाइट काउंट (टीएलसी) एंड सी-रिएक्टिव प्रोटीन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग पीडिएट्रिक कार्डियक सर्जरी" (सह अन्वेषक: एस. अग्रवाल, वी देवगुरु) के लिए वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ कार्डियोलॉजी, बार्सिलोना, स्पेन **23** और **24** सितंबर **2019** में सम्मानित किया गया।

देवश्री दास और मिनाती चौधरी को उनके शोधपत्र 'ए केस ऑफ हिंडिंगर सिंड्रोम सेकंडरी टु कार्सिनॉयड ट्यूमर ऑफ ओवेरी' के लिए **14**वीं पेरिऑपरेटिव एंड क्रिटिकल केयर वर्कशॉप, **6-8** मार्च **2019**, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सम्मानित किया गया।

डॉ. अरिंदम चौधरी को यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोथोरेसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा बेस्ट पेपर अवार्ड (प्रथम पुरस्कार) सितंबर, **2019** में बेल्जियम के घेंट में अपनी वार्षिक बैठक के दौरान उपर्युक्त शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए मिला। यह शोधपत्र, ईएसीटीएकॉन **2019** के दौरान प्रस्तुत किए गए सभी अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्रों में से सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति माना गया (सार और पुरस्कार प्रमाण पत्र संलग्न)। नवम्बर, **2019** में संकाय सम्मान समारोह के दौरान एम्स, नई दिल्ली के निदेशक द्वारा एसईटी सुविधा के कार्यक्रमों में शैक्षिक योगदान के लिए डॉ. चौधरी को प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

हृद् जैवरसायन

प्रोफेसर लक्ष्मी रामाकृष्णन ने इंडियन सोसायटी ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस अनुसंधान की दिल्ली शाखा के **5**वें वार्षिक सम्मेलन में "पैथोलॉजी एंड एपिडिमियोलॉजी ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस" विषय पर (आईएसएआर-डीसीकॉन-**2019**) एक सत्र की अध्यक्षता की, **3** अगस्त **2019**, नई दिल्ली; व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) के संचालन के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य रहीं; एंडोक्रिनोलॉजी के क्षेत्र में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य रहीं; इसके अलावा, गैर संचारी रोगों के क्षेत्र में आईसीएमआर के एक विशेषज्ञ सदस्य रहीं; भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों में डायबिटीज और प्री-डायबिटीज की व्यापकता का आकलन करने के लिए अध्ययन "आईसीएमआर-इंडिया डायबिटीज [आईएनडीआईएबी] पर टास्क फोर्स प्रोजेक्ट के लिए विशेषज्ञ सदस्य रहीं; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित सीकेडी परियोजना निगरानी तकनीकी सलाहकार समिति की सदस्य रहीं; एनसीडीआईआर, बेंगलुरु में मधुमेह पर अनुसंधान क्षेत्र पैनल की सदस्य; एनएचएसआरसी में लैब और ब्लड बैंक उपकरण खरीद के लिए विशेषज्ञ समिति की सदस्य; आईसीएमआर द्वारा संशोधित जीसीएलपी दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह की सदस्य बनाई गईं; उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से **2** पीएचडी थीसिस के लिए परीक्षक रहीं; एनएफएचएस **4** और **5** में डीबीएस अध्ययन के लिए अनुसंधान ग्रुप समिति की सदस्य; राष्ट्रीय संपादक, जर्नल ऑफ प्रेक्टिस ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसिज;

एंडोक्रिनोलॉजी और चयापचय में चिकित्सीय प्रगति संबंधी लेखों, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटीज इन डेवलपिंग कंट्रीज, आईजेएमआर, क्लिनिकल कैमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन, जर्नल ऑफ डायबिटीज रिसर्च के लिए लेखों की समीक्षा की।

<u>हृद् नाभिकीय चिकित्सा</u>

डॉ. चेतन पटेल न्यूक्लियर हृद् विज्ञान सेशन, पैनल डिस्कशन, सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन के 51वें वार्षिक सम्मेलन, 12-14 दिसंबर 2019, मुंबई के अध्यक्ष बनाए गए। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे। न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष; सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, भारत के कार्यकारी समिति सदस्य; एसोसिएशन ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन्स ऑफ इंडिया के कार्यकारी समिति सदस्य; एम्स, जोधपुर में 10 मई को संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ; एम्स, जोधपुर में 8 सितंबर को संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ; 1 मई 2019 को तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन के लिए बाहरी परीक्षक; एम्स, ऋषिकेश के एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन के विद्यार्थियों की थीसिस की समीक्षा की; टीएमएच, मुंबई के एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन विद्यार्थियों की थीसिस की समीक्षा की; दिसंबर 2019 में आयोजित एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन, एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी और डीएम न्यूक्लियर मेडिसिन थेरेपी प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए आंतरिक परीक्षक रहे; आईसीएमआर के एडहॉक एक्सट्रामुरल प्रस्ताव समीक्षक रहे; सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर) की स्टोर खरीद समिति के सदस्य; सीआईएमआर में अनुसंधान परियोजनाओं में भर्तियों के लिए अध्यक्ष, चयन समिति बनाए गए; सीओई योजना, आयुष के तहत कोर स्टाफ की भर्ती के लिए चयन समिति के अध्यक्ष बनाए गए; डीएम हृद् विज्ञान विद्यार्थी: डॉ. आशीष होता और डॉ. तेजवीर सिंह, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलॉन्ग- वन मन्थ एक्सपीरियंस इन न्यूक्लियर रेडियोलॉजी, एम्स; प्रशिक्षण: श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, तिरुपति से एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

<u>हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन्स</u>

प्रोफेसर संजीव शर्मा कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और हृद् विज्ञान पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे; सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी रेडियोलॉजी के अध्यक्ष रहे।

डॉ. प्रिया जागिया कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और हृद् विज्ञान पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहीं।

डॉ. संजीव कुमार कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और हृद् विज्ञान पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे; दिल्ली आईएसवीआईआर के सचिव के रूप में नामित किए गए; एपीसीआईओ युवा अन्वेषक छात्रवृत्ति; आईजेएमआर संगोष्ठी के अंतर्गत 'क्लिनिकल इमेजेस प्रतियोगिता 2019' के विजेता रहे।

रेजिडेंट्स

1. डॉ. विनीता ओझा: सीआईआरएसई **2019** के लिए सीआईआरएसई इंटरनेशनल यंग फेलो ट्रैवल अवार्ड से सम्मानित की गईं।
2. डॉ. रंगराजन राजगोपाल: सीआईआरएसई एनुअल कांग्रेस **2019** में रेजिडेंट फैलो क्विज में पहला स्थान प्राप्त किया।

<u>रक्त आधान सेवाएँ</u>

डॉ. अंजलि हजारिका ने एम्स, नई दिल्ली में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन पर सीएमई के दौरान एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की - **5** अप्रैल **2019** को; **14** जून **2019** को विश्व रक्त दाता दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान पर जागरूकता वॉक के साथ एक डोनर फ़ेलिसिटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया; एनएचएसआरसी, मुनिरका दिल्ली में - **"5** जुलाई **2019"** को **- "**लैब और ब्लड बैंकों में आवश्यक तकनीकी उपकरणों की तकनीकी विशिष्टताओं की समीक्षा" के दौरान तकनीकी विशेषज्ञ रहीं; थैलेसीमिया सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा थैलेसीमिया पर सीएमई के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की - **18** अगस्त **2019;** बीएएचएमसी, रोहिणी में सीएमई के दौरान **31** अगस्त **2019** को आयोजित "पेरिनेटल, नियोनेटल और पेडियाट्रिक ट्रांसफ़्यूज़न प्रैक्टिस पर एक अपडेट", वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; एनएबीएच मान्यता के लिए, **27** और **28** सितंबर **2019** को ब्लड बैंक के निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षक रहीं; **29** सितंबर **2019** को अग्नि सुरक्षा, बीबी सीएनसी के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित; राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर, स्वैच्छिक रक्तदान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सीएनसी में डीएसएसीएस के सहयोग से इनडोर और आउटडोर रक्तदान शिविर, कठपुतली शो और नुक्कड़ नाटक जैसी 3 अक्टूबर से 3 नवंबर **2019** के दौरान महीने भर तक चली गतिविधियों का आयोजन किया; आईआरसीएस में रक्तदाताओं के लिए गुड गवर्नेंस मोबाइल ऐप के बारे में तकनीकी विशेषज्ञ-बैठक और प्रदर्शन-9 जनवरी 2020; 20 फरवरी, 2020 को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, दिल्ली में "इम्यूनोहेमाटोलॉजी और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन में वर्तमान रुझान और चुनौतियों" विषय पर सीएमई के दौरान "इम्यूनोहैमैटोलॉजिकल केस प्रेजेंटेशन इन मल्टीपल ट्रांसफ्यूज़्ड प्वाइंट्स" पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 27 फरवरी 2020 को एम्स के 3 रक्त बैंकों द्वारा मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें एक दिन में रिकॉर्ड 3000 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान संग्रह हुआ।

अतिथि वैज्ञानिक

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

1. डॉ. कौशिक मंडल, हर्षे मेडिकल सेंटर, हर्षे, यूएसए
2. डॉ. रॉबर्टो बोर्तोलोमियो, बोलोग्ना विश्वविद्यालय, बोलोग्ना, इटली
3. डॉ शिवकुमार शिवलिंगम, नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट, कुआलालंपुर, मलेशिया
4. डॉ. कैथरीन सुदर्शन, पापावर्थ अस्पताल, कैम्ब्रिज, यूके

हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन्स

1. डॉ. चंसलसुरेन गलाबातर, द इंटरमेड हॉस्पिटल, उलानबतार, मंगोलिया
2. डॉ. खिशीगर्जल एरडीन, द इंटरमेड हॉस्पिटल, उलानबतार, मंगोलिया
3. डॉ. मोहम्मद अनवर हुसैन, रेडियोलॉजी और इमेजिंग विभाग, ढाका, बांग्लादेश
4. डॉ. वाहिदुज्जमां, राष्ट्रीय हृदय वाहिका रोग संस्थान, ढाका, बांग्लादेश
5. डॉ. शिखा सूद, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला, हिमाचल प्रदेश
6. डॉ. हर्षित, श्री चित्र तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम, केरल

मूल कोशिका सुविधा

1. डॉ. चंदन सेन, इंडियाना यूनिवर्सिटी, इंडियानापोलिस, यूएसए
2. कैटो टी लॉरेन्सिन, यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट, स्टॉर्ज़, यूएसए

10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

प्रमुख

ओ.पी. खरबंदा — रितु दुग्गल

(ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल विकृति)

(29 फरवरी 2020 तक) — (1 मार्च 2020 तक)

आचार्य

अजय रॉय चौधरी
(ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

वीना जैन
(प्रोस्थोडॉन्टिक्स)

ओंगकिला भूटिया
(ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

विजय प्रकाश माथुर
(बाल और निवारक दंत चिकित्सा)

अजय लोगानी
(कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स)

अपर आचार्य

दालिम कुमार बैद्य
(संवेदनाहरण)

देवलीना गोस्वामी
(संवेदनाहरण)

सह-आचार्य

अमृता चावला
(कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स)

विजय कुमार
(कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स)

राहुल यादव
(ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

विलास समृति
(ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल विकृति)

प्रभात कुमार चौधरी
(ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल विकृति)

कुणाल ढींगरा
(पीरियोडोंटिक्स)

कल्पना बंसल
(बाल और निवारक दंत चिकित्सा)

नितेश तिवारी
(बाल और निवारक दंत चिकित्सा)

धीरज कुमार कोली
(प्रोस्थोडॉन्टिक्स)

शालिनी गुप्ता
(ओरल मेडिसिन)

दीपिका मिश्रा (ओरल पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी)	हर्ष प्रिया (पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री)

सहायक आचार्य

कृष्ण भट्ट (ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)	अदिति नंदा (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
राहुल मोरंकर जी. (बाल और निवारक दंत चिकित्सा)	सिद्धार्थ शर्मा (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स)
विकेंदर सिंह (पेरियोडॉन्टिक्स)	अनिका देंग (पेरियोडॉन्टिक्स)

भारती एम पुरोहित
(पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री)

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

श्रीमती रेणु भारद्वाज

भंडार अधिकारी

भवानी सिंह

सहायक परिचर्या अधीक्षक

अलका जाधव नीलम सूद

विशिष्टताएं

सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च (सीडीईआर) ने वर्ष **2014** से विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी मुख स्वास्थ्य संवर्धन केन्द्र के क्षेत्र में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका और तकनीकी विशेषज्ञों के रूप में अपने कार्यों का निर्वहन तथा पड़ोसी देशों में क्षमता निर्माण का कार्य जारी रखा है। यह केन्द्र, राष्ट्रीय स्तर का अग्रणी केन्द्र है और भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य करता आ रहा है। यह केन्द्र, अपने संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता की सहायता से विभिन्न आयोजनों का संचालन करके सरकार और आईसीएमआर की सहायता विभिन्न नीतिगत मामलों, तकनीकी विशेषज्ञता, क्षमता निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण में करता है।

विभाग के संकाय सदस्यों ने देश के अन्य दंत चिकित्सा और चिकित्सा संस्थानों के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए 23 राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

केन्द्र के संकाय सदस्य प्रतिष्ठित पेशेवर संगठनों और पत्रिकाओं के पदाधिकारी और संपादक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं, और दुनिया भर में भाषण, मुख्य भाषण तथा अतिथि व्याख्यान देते आ रहे हैं। संकाय सदस्यों को इस वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दो पुरस्कार और फैलोशिप प्राप्त होने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर छह पुरस्कार और फैलोशिप भी प्राप्त हुई हैं। इस वर्ष के दौरान एक अत्याधुनिक क्लैफ्ट लिप एंड पैलेट क्लीनिक तथा हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया।

शिक्षा

सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च ऑर्थोडॉन्टिक्स, प्रोस्थोडॉन्टिक्स, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी और पीडियाट्रिक एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री में पोस्टग्रेजुएट कोर्स संचालित कर रहा है। इस वर्ष केंद्र में ऑर्थोडॉन्टिक्स, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी तथा पीडियाट्रिक और प्रीवेंटिव डेंटिस्ट्री में पीएचडी उम्मीदवारों को दाखिला दिया गया है। यह केंद्र संस्थान में अन्य विभागों के सहयोग से डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट (डीओआरए) और बीएससी डेंटल हाइजीन कोर्स के लिए शिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। केंद्र में स्नातक विद्यार्थियों (एमबीबीएस और बीएससी ऑनर्स नर्सिंग) के शिक्षण का कार्य जारी है। इसके अलावा, अल्पकालिक प्रशिक्षु और पर्यवेक्षक केंद्र का दौरा करते रहे हैं।

सीएमई / कार्यशालाएं/ संगोष्ठी/ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

केंद्र द्वारा आयोजित

1. हाउ टु मेक बैस्ट ऑफ दि पोस्ट ग्रेजुएट इअर्स, संगोष्ठी, 1-2 अप्रैल 2019, सीडीईआर एम्स, नई दिल्ली
2. ओरल कैंसर स्क्रीनिंग पर व्यावहारिक कार्यशाला, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, 10 अप्रैल 2019, नोएडा
3. भारत में राष्ट्रीय स्तर के मुख एवं दंत रोग प्रसार सर्वेक्षण पर कार्यशाला, 12 जुलाई 2019
4. लेजर-असिस्टेड टंग टाई मैनेजमेंट पर सीएमई, 16 जुलाई 2019, एम्स, नई दिल्ली
5. एओसीएमएफ संगोष्ठी-ऑर्थोगाथिक सर्जरी में हुई प्रगति, नई दिल्ली, भारत, 19 और 20 जुलाई 2019
6. एनटीपीसी कार्यक्रम, 19-21 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली
7. केवी स्कूल के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, 2 बैच, 26 अगस्त और 3 दिसंबर 2019, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली
8. ओरल हेल्थकेयर इनोवेशन कॉन्फ्रेंस 2019, 16 सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली
9. फैकल्टी इंटरनेशनल: एओसीएफएफ सेमिनार - एडवांसिज इन टेम्पोरोमैंडिबुलर ज्वाइंट रिकंस्ट्रक्शन, चांग्शा, चीन, 20 और 21 सितंबर 2019

10. एम्स पीरियडोंटल एवं पेरी-इम्प्लांट प्लास्टिक सर्जरी प्रथम संगोष्ठी, 2 और 3 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
11. कास्ट पार्शियल डेंचर : सम्मेलन पूर्व कार्यशाला - नैदानिक और प्रयोगशाला चरण, 47वां भारतीय प्रोस्थोडॉन्टिक्स सोसायटी सम्मेलन, 29 नवंबर 2019, रायपुर, भारत
12. बेस्ट फेशियल एस्थेटिक्स के लिए कुशल ऑर्थोडॉन्टिक तकनीक, 11 दिसंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली।
13. सीएमई, बाल दंत चिकित्सा में प्रगति, 24 दिसंबर 2019
14. भारत में डेंटल रिसर्च का संवर्धन: राष्ट्रीय विचार मंथन बैठक, 17 जनवरी 2020, नई दिल्ली
15. ओआरबीओ नर्सों के लिए ओरल हेल्थ प्रमोशन और ओरल कैंसर की रोकथाम, एम्स, नई दिल्ली, 20 जनवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली
16. फैकल्टी इंटरनेशनल: एओसीएमएफ लाइटहाउस कोर्स टीएमजे सर्जरी (मानव शारीरिक नमूनों पर), 26-28 जनवरी 2020, लीडेन, नीदरलैंड
17. द्वितीय टीएमजे रिप्लेसमेंट लाइव सर्जरी और कैडेवर कोर्स, 16-18 फरवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली
18. राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन पर नर्सिंग पेशेवरों का प्रशिक्षण, 18 फरवरी 2020, सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

ओपी खरबंदा: 9 **रितु दुग्गल: 3** **अजय रॉय चौधरी: 10**
वीना जैन: 2 **ओंगकिला भूटिया: 3** **अजय लोगानी: 13**
विजय प्रकाश माथुर: 13 **प्रभात कुमार चौधरी: 1** **विजय कुमार: 2**
अमृता चावला: 3 **सिद्धार्थ शर्मा: 1** **नितेश तिवारी: 12**
कल्पना बंसल: 2 **धीरज कुमार कोली: 3** **कुणाल ढींगरा: 2**
विकेंदर सिंह: 8 **शालिनी गुप्ता: 7**
देवलीना गोस्वामी *(कृपया 9.1 संवेदनाहरण विज्ञान देखें)*
दालिम कुमार बैद्य *(कृपया 9.1 संवेदनाहरण विज्ञान देखें)*
दीपिका मिश्रा: 6 **हर्ष प्रिया: 10** **कृष्णा वी भट्ट: 1**
अदिति नंदा: 1

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 81

1. द्वितीय श्रेणी पोस्टीरियर रेस्टोरेशन के लिए सिल्वर अमलगम के विकल्प के रूप में टूथ कलर्ड मेटल फ्री सेल्फ-क्योरिंग रेजिन-आधारित सामग्री की नैदानिक सफलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी प्रायोगिक अध्ययन, अमृता चावला, एम्स, 2 वर्ष, **2017-2019**, **3.71** लाख

2. प्लाक और मसूड़े की सूजन में हर्बल माउथवॉश की प्रभावकारिता को सत्यापित करने हेतु अध्ययन: इन विट्रो मूल्यांकन और एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, विकेंदर सिंह, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2019-2021, 30.47 लाख रुपए
3. दंत चिकित्सा अस्पताल में आने वाले व्यक्तियों के बीच तम्बाकू डेंटीफ्राइस के उपयोग से जुड़ी राय और मान्यताओं का विश्लेष, हर्ष प्रिया, स्व-वित्तपोषित, 1 वर्ष, 2020-2021, रुपए 0.05 लाख
4. कैंडिडा तथा एंटिफंगल थेरेपी के साथ प्रो-इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स ओरल ल्यूकोप्लाकिया का संबंध - एक प्रायोगिक अध्ययन, शालिनी गुप्ता, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 5 लाख रुपए
5. कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (एएनएन) का उपयोग करके ऑर्थोडॉन्टिक अदृश्य उपकरण मामलों के लिए स्वचालित निदान और निगरानी, ओपी खरबंदा/ प्रभात, भारत-ताइवान एस एंड टी कोऑपरेशन प्रोग्राम-ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी अलायंस (जीआईटीए), 2 साल 10 महीने, 2018-2021, रुपए 16.63 लाख (भारत); एनटी $ 600,000 (ताइवान)
6. भारतीय आबादी में रोगी-विशिष्ट एलोप्लास्टिक टेम्पोमैंडिबुलर जोड़ प्रतिस्थापन का जैव-रासायनिक मूल्यांकन-एकल केंद्र अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, अजॉय रॉयचौधरी, आईआईटी मुंबई, 2 वर्ष, 2019-20, रुपए 25 लाख
7. भारत में अनुसंधान क्षमता का निर्माण: मौखिक स्वास्थ्य अनुसंधान की बाधाओं और समर्थकों की पहचान, कुणाल ढींगरा, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर), संयुक्त राज्य अमेरिका, 3 साल, 2017-20, 26 लाख रुपये
8. भारत में क्लीफ्ट लिप और पैलेट विसंगति: नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारकों और उपचार की वर्तमान स्थिति: अस्पताल-आधारित अध्ययन-मुख्य चरण, ओपी खरबंदा/ विलास समरिथ, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, 316.69 लाख रुपये
9. क्लिनिकल, हिस्टोमोर्फोमेट्रिक और 3-डायमेंशनल कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफिक एनालिसिस - रिज संरक्षण के लिए इनजेक्टेबल प्लेटलेट रिच फाइब्रिन के साथ मिश्रित ऑटोजेनस टूथ बोन ग्राफ्ट, विकेंदर सिंह, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 8.89 लाख रुपए
10. क्लस्टरमैंडिबुलर एंकिलोसिस के प्रबंधन में कॉन्स्टोकॉन्ड्रल ग्राफ्ट बनाम गैप आर्थ्रोप्लास्टी के साथ अंतर्वेशन आर्थ्रोप्लास्टी के बाद वृद्धि परिणामों और जबड़े के कार्यों के मूल्यांकन के लिए क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित श्रेष्ठता परीक्षण, अजॉय रॉयचौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-21, 15.46 लाख रुपए
11. खेल के मौसम में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के 10-18 साल के कबड्डी खिलाड़ियों में दांतों की दर्दनाक चोटों की रोकथाम के लिए स्पोर्ट्स डेंटल इंजरी प्रिवेंशन (एमएसआईपी) मॉड्यूल और कस्टम-फैब्रिकेटेड माउथ-गार्ड के साथ एमएसआईपी संयोजन का तुलनात्मक मूल्यांकन, क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नितेश तिवारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 42 लाख रुपए
12. एंडोडॉन्टिक मूल के विशाल पेरिएपिकल घावों के गैर-सर्जिकल उपचार के लिए दो नवीन तकनीकों का कॉन बीम कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफिक मूल्यांकन - अग्रदर्शी डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण, अजय लोगानी, आईसीएमआर, 3 साल, 2016-20, 30 लाख रुपए

13. अपने आप चिपकने वाले स्टेनलेस-स्टील डेंटल स्प्लिन्ट प्रोटोटाइप का विकास और प्रयोगशाला परीक्षण, अजय लोगानी, एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोग निधि, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये
14. स्कूल शिक्षकों के लिए डेंटल ट्रॉमा जागरूकता उपकरण का विकास और सत्यापन, नितेश तिवारी, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, रुपए 15 लाख
15. ई-दंतसेवा, एक ओरल हेल्थ वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन का विकास, हर्ष प्रिया, ई हेल्थ डिवीजन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 1 वर्ष, 2018-2019, रुपए 35.5 लाख
16. दंत प्रत्यारोपण स्थापन के दौर से गुजरने वाले स्वस्थ, आंशिक रूप से दांत के रोग से पीडित रोगियों में नैदानिक और रोगी सूचित परिणामों पर व्यवस्थित और स्थानीय एंटीबायोटिक उपचारों का प्रभाव, - प्रारंभिक अध्ययन, वीणा जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 3.98 लाख रुपए
17. कैरीज एक्टिव बच्चों में माइक्रोबियल गणना पर क्रैनबेरी अर्क माउथ-रिंस बनाम सोडियम फ्लोराइड माउथ रिंस की प्रभावकारिता - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कल्पना बंसल, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, 27 लाख रुपये
18. 2 से 14 वर्ष के बाल कैंसर रोगियों के मुख स्वास्थ्य के सुधार में मानक देखभाल की तुलना में बाल कैंसर रोगियों में ओरल हेल्थ टूलकिट की प्रभावशीलता, हर्ष प्रिया, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 5 लाख रुपये।
19. तत्काल लगाए गए और देरी से लगाए गए दंत प्रत्यारोपणों में प्रदाहक मार्कर मेटालोप्रोटीनस-8 (एमएमपी-8) और कैथेप्सिन- के (सीटीएसके) स्तर का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और पायलट अध्ययन, धीरज कुमार कोली, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2020, 7.5 लाख रुपए
20. मुंह के कैंसर और डिस्प्लेसिया का पता लगाने के लिए फ्लोरेसेंस आधारित माइक्रोएन्डोस्कोपी और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के नवीन उपयोग का अन्वेषण करना, दीपिका मिश्रा, एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोग अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये।
21. पीरियडोंटाइटिस के उपचार के लिए पॉलीमर नैनोकंपोजिट पर आधारित नवीन स्थानीय औषधि डिलीवरी प्रणाली का निर्माण और इन-विवो (चूहा मॉडल) का मूल्यांकन, कुणाल ढींगरा, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 साल, 2019-22, 41 लाख रुपये
22. फ्लैट बोन पुनर्जनन के लिए कार्यात्मक कोलेजन नैनोपार्टिकल संसेचित सिल्क नैनो-सिरेमिक मिश्रित 3 डी मैट्रिसिस, ओपी खरबंदा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 9.86 लाख रुपये
23. ल्युजेशन डेंटल इंजरी के बाद पीरियडोंटल हीलिंग बढ़ाने के लिए चिकित्सीय सहायक के रूप में कम तीव्रता वाला स्पंदित अल्ट्रासाउंड (एलआईपीयूएस), विजय कुमार, एम्स, 3.86 लाख रुपए
24. मैक्सिलोफेशियल प्लानिंग एंड सिमुलेशन सिस्टम, अजॉय रॉयचौधरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 3 साल, 2016-19, 131.93 लाख रुपये
25. ओरल और मैक्सिलोफैशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले फाइब्रो-ऑस्सियस घावों का आणविक और प्रतिरक्षात्मक लक्षण वर्णन, दीपिका मिश्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, रुपए 5 लाख
26. मौखिक विकृति विज्ञान के नमूनों का पूर्वव्यापी अध्ययन: इनसीजनल बनाम एक्सीजनल नमूने और साइटोपैथोलॉजी बनाम हिस्टोपैथोलॉजी, दीपिका मिश्रा, स्व-वित्तपोषित, 1 वर्ष, 2019-2020

पूर्ण

1. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीईजीएफ ए और सी के सीरोलॉजिकल स्तरों और आनुवांशिक बहुरूपता के बीच संबंध - एक पायलट अध्ययन, शालिनी गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रुपए 9.99 लाख
2. सीरम, लार और मसूड़े की दरार वाले तरल पदार्थ में मेटलोथायोनिन उभार परा नॉनसर्जिकल पीरियोडॉन्टल थेरेपी का प्रभाव: एक इंटरवेंशनल स्टडी, विकेंदर सिंह, एम्स, 1.5 साल, 2017-2019, 4.59 लाख रुपये
3. मानव पीरियोडॉन्टल लिगामेंट स्टेम कोशिकाओं की व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और विभेदन पर विभिन्न टूथ स्टोरेज मीडिया का प्रभाव- इन-विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, नितेश तिवारी, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, 4 लाख रुपए
4. 30 वर्ष से कम आयु की भारतीय आबादी में मुंह के कैंसर का व्युत्पत्ति-विज्ञान, दीपिका मिश्रा, स्व-वित्तपोषित, 2 वर्ष, 2016-2018
5. संपूर्ण एक्सोम सीक्वेंसिंग और माइक्रोअरे द्वारा गैर-सिन्ड्रोमिक पियरे रॉबिन सीक्वेंस के रोगियों की जेनेटिक प्रोफाइलिंग, दीपिका मिश्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, 5 लाख रुपए
6. पीरियडोंटाइटिस के उपचार के लिए नवीन म्यूकोएडेसिव सिल्वर नैनोपार्टिकल आधारित स्थानीय औषधि डिलीवरी प्रणाली की इन-विट्रो प्रभावकारिता और सुरक्षा मूल्यांकन, कुणाल ढींगरा, एम्स, 1 वर्ष, 2016-175 लाख रुपए

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. स्ट्रोक तथा संज्ञानात्मक ह्रास के कारणों को उजागर करने के लिए एक जनसंख्या आधारित भावी सहसंयोजी अध्ययन: एक क्रॉस कल्चरल परिप्रेक्ष्य, न्यूरोलॉजी-क्लिनिकल महामारी विज्ञान
2. एक अग्रदर्शी, सक्रिय नियंत्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, मल्टीसेंटर, चरण III अध्ययन - पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में एनजाइन बायोसाइंसेज लिमिटेड के बायोसिमिलर डीनोसुमैब बनाम इनोवेटर डीनोसुमैब की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए, ऑर्थोपेडिक्स, एंडोक्रिनोलॉजी, रेडियोलॉजी
3. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में ऑफसेट एनाल्जेसिया का एक अध्ययन, फिजियोलॉजी
4. एचआईवी पॉजिटिव रोगियों में मुंह की स्वच्छता की स्थिति का आकलन: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
5. भारत में क्लीफ्ट लिप और पैलेट विसंगति: नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन, मुख्य चरण, आनुवंशिकी और सीएसआईआर-आईजीआईबी

6. रिज संरक्षण के लिए इंजेक्शन प्लेटलेट रिच फाइब्रिन के साथ मिश्रित ऑटोजेनस टूथ बोन ग्राफ्ट का नैदानिक, हिस्टोमोर्फोमेट्रिक और 3-डायमेंशनल कोन बीम टोमोग्राफिक विश्लेषण, पीरियोडोंटिक्स, ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी
7. सूजन का पता लगाने के लिए सेंसर के साथ एम्बेडेड ऑर्थोडोंटिक मिनी स्क्रू का डिजाइन और परीक्षण - चरण I, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
8. एसईएआरओ, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र में अन्य असंक्रामक रोगों के बीच मुख स्वास्थ्य पर फ्लिप चार्ट का विकास
9. ओरल हेल्थ और ओरल कैंसर पर एमओओसी का विकास, विश्व स्वास्थ्य संगठन
10. प्राथमिक मौखिक स्वास्थ्यचर्या के बारे में, एमपीडब्ल्यू, सीएचओ और 'आशाओं' के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, भारत सरकार
11. फ्लेट बोन पुनर्जनन के लिए कार्यात्मक कोलेजन नैनोकण संसेचित सिल्क नेनौसिरेमिक मिश्रित 3 डी मैट्रिसेज, आईआईटी, गुवाहाटी
12. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिम कारक: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन, स्त्री रोग और प्रसूति रोग विभाग
13. भारत में राष्ट्रीय स्तर पर ओरल और डेंटल डिजीज बर्डन सर्वेक्षण - अवधारणा और कार्यप्रणाली, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
14. मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के बाद संज्ञाहरण के उपरांत स्वास्थ्य सुधार की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानक उपचार के लिए अतिरिक्त पेरीऑपरेटिव म्यूजिक चिकित्सा: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, संवेदनाहरण।
15. मुंह के कैंसर में मानव विषम परमाणु राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका, जैव रसायन
16. ओरल डिसप्लेसिया के घातक बदलावों में ईजीएफआर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका, जैवरसायन
17. कैंसर के सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथीप्सिन एल और कैथेप्सीन बी की अग्रदर्शी क्षमता का आकलन करना, जैव रसायन

पूर्ण

1. एम्स की क्रिटिकल केयर इकाई में काम करने वाली नर्सों के ज्ञान और कौशल पर नियोजित सिमुलेशन शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज
2. निकोटीन मेटाबोलाइट अनुपात (एनएमआर) और धुआं रहित तम्बाकू उपयोग मापदंडों के बीच के संबंध का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, मनोचिकित्सा और एनडीडीटीसी
3. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिको-पाथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीईजीएफ ए और सी की आनुवांशिक बहुरूपताओं के बीच संबंध - एक पायलट अध्ययन, जैव रसायन

4. मायोफेशियल दर्द डिस्फंक्शन सिंड्रोम में दर्द की स्थिति, थर्मल संवेदनशीलता और संचलन गतिविधि पर बारंबार दी जाने वाली परा कपाल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोलॉजी
5. मानव पीरियडोंटल लिगामेंट स्टेम कोशिकाओं की व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और विभेदन पर विभिन्न टूथ स्टोरेज मीडिया का प्रभाव- इन-विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, स्टेम सेल केन्द्र
6. कैंसरपूर्व घावों - ल्यूकोप्लाकिया, सबम्यूकोस फाइब्रोसिस, लिचेन प्लेनस से पीड़ित रोगियों जिन्हें आईसीएमआर तंबाकू टास्क फोर्स प्रोजेक्ट में शामिल किया गया, के लंबे समय तक अनुवर्ती जांच के दौरान मुंह के कैंसर रूपांतरण जोखिम का अनुमान, जनरल सर्जरी, एनआईसीपीआर, नोएडा
7. मुंह के श्लैष्मिक घावों के स्पेक्ट्रम में अंतर्रोगीय रूपांतर, त्वचाविज्ञान
8. कैंसर के सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल और कैथेप्सीन बी की अग्रदर्शी क्षमता का आकलन करना, जैव रसायन

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जटिल क्राउन-रूट फ्रैक्चर वाले स्थायी मैक्सिलरी इनसाइजर दांत का अल्वोलर हड्डी की चौड़ाई और ऊंचाई पर बलात् प्रस्फुटित के दो तरीकों के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन
2. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस और पेरियापिकल रेयरफैक्शन वाले परिपक्व स्थायी दाढ़ दांत के उपचार के लिए गैर-सर्जिकल एंडोडोंटिक्स और वाइटल पल्प चिकित्सा के संयोजन के परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन
3. पोस्टीरियर वायुमार्ग की मात्रा में सुधार और एंकिलोसिस तथा मेंडिबुलर खिंचाव के सहवर्ती मोचन में मेंडिबल दीर्घीकरण का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन।
4. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत सुरक्षाकर्मियों में स्क्रीनिंग के माध्यम से मुंह के कैंसर के जोखिम कारकों और प्रसार की पहचान करने के लिए एक अध्ययन।
5. जनवरी **2014** से अप्रैल **2018** तक टीएमजे एंकिलोसिस रोगियों में कॉस्टोकोंड्रल ग्राफ्ट के भविष्य का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन
6. बचपन के कैंसर से काफी समय पहले बच निकलने वाले रोगियों में दांतों के विकास पर एंटी-कैंसर थेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकन परा-वर्गीय विश्लेषणात्मक अध्ययन
7. पोस्ट-स्पाइनल हाइपोटेंशन के पूर्वसूचक के रूप में इनफीरियर वेना कावा का पतनशीलता सूचकांक (आईवीसीसीआई) और मन्या धमनी शिखर वेग (सीएपीवी) की भिन्नता
8. आपातकालीन लैपरोटॉमी में पोस्टऑपरेटिव परिणामों के साथ इंट्राऑपरेटिव रक्त शर्करा की परिवर्तनशीलता का संबंध

9. कैलोरी, चीनी और वसा लेबल के साथ भोजन की खपत की पद्धति में बदलाव: एक व्यवस्थित समीक्षा
10. भारतीय बच्चों द्वारा लिए जाने वाले सामान्य खाद्य-पदार्थों के कारण पुनर्स्थापना सामग्री में रंग परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन
11. **60** मिनट से अधिक के अतिरिक्त शुष्क समय की स्थिति में दांतों में विभिन्न रूट सतह बायोमॉडिफिकेशन विधियों का तुलनात्मक मूल्यांकन
12. प्राथमिक दाढ़ों की पल्पोटॉमी में सिमवास्टेटिन जेल और डायोड लेजर का तुलनात्मक मूल्यांकन
13. अंश पुनर्संयोजन में दो पुनर्जलीकरण प्रोटोकॉल का तुलनात्मक मूल्यांकन
14. आर्थोप्लास्टी से गुजर रहे रोगियों में रुग्णता और मृत्यु दर का अनुमान लगाने के लिए **5** फैक्टर मॉडिफाइड फ्रैबिलिटी इंडेक्स और एएसए वर्गीकरण की तुलना - एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
15. वयस्क रोगियों में एआरक्यू और एलएमए ब्लॉकबस्टर के माध्यम से ब्लाइंड इंटुबैशन सफलता दरों की तुलना
16. सीज़ेरियन सेक्शन में सहायक के रूप में फैंटानिल के साथ इंट्राथेकल **0.75%** आइसोबेरिक रोपआइवाकेन बनाम क्लोनिडिन की नैदानिक प्रभावकारिता की तुलना**:** एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
17. विल्केस तृतीय श्रेणी के रोगियों में टीएमजे डिस्क प्लेसेशन प्रक्रिया के लिए पारंपरिक तकनीक के साथ माइटेक मिनी एंकर सीवन तकनीक की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
18. सेप्सिस के रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वसूचक के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात की तुलना
19. स्त्रीरोग संबंधी विकृति के लिए लैपरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में ओपिओइड आधारित संज्ञाहरण तकनीक और ओपिओइड मुक्त संज्ञाहरण तकनीक की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. एक ट्रेपोजॉइडल प्लेट बनाम दो गैर-समानांतर सीधे मिनीप्लेट का उपयोग करके साधे गए मैंडिबल के सबकोंडिलर फ्रैक्चर उपचार परिणामों की तुलना
21. दीर्घकालिक नियत उपकरण चिकित्सा में मूत्र और लार में धातु के स्तर की तुलना: एक अग्रदर्शी अध्ययन
22. डॉपलर व्युत्पन्न कैरोटीड संशोधित प्रवाह समय, दबाव ट्रांसड्यूसर व्युत्पन्न रेडियल धमनी प्रवाह समय और नाड़ी दबाव भिन्नता के बीच सहसंबंध: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
23. ट्रूमेटाइज़्ड एंटीरियर दांत के स्थिरीकरण के लिए लचीले प्री-लोडिड सेल्फ-अडेसिव स्टेनलेस-स्टील स्प्लिंट प्रोटोटाइप की डिजाइनिंग, विकास और इन-विट्रो/ इन-वीवो परीक्षण: एक पायलट इंटरवेंशनल अध्ययन
24. प्राथमिक दाढ़ों में फ़र्केशन क्षेत्र की पारगम्यता पर **940**एनएम डायोड लेजर विकिरण और डेंटिन बॉन्डिंग एजेंट का प्रभाव

25. सामान्य संज्ञाहरण के तहत मेंडिबुलर शल्य चिकित्सा से गुजर रहे रोगियों में अतिरिक्त मौखिक मेंडिबुलर नर्व ब्लॉक के लिए रोपआइवाकेन के साथ डेक्सामेथासोन दिए जाने का प्रभाव
26. पीरियडोंटल संरचनाओं पर ई-सिगरेट का प्रभाव - मेटा एनालिसिस
27. वैकल्पिक पेट की मुख्य सर्जरी वाले वयस्क रोगियों में ऑपरेशन पश्चात फेफड़ों के एटलेटिसिस पर वृद्धिशील पीईईपी के अनुमापन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
28. भारत में स्कूल शिक्षकों के बीच मुख स्वास्थ्य ज्ञान, दृष्टिकोण, प्रवृत्ति और कार्य परिवर्तन का आकलन करने में प्रशिक्षण पैकेज की प्रभावशीलता: एक हस्तक्षेपी अध्ययन
29. भारत में नर्सिंग पेशेवरों के लिए एक मुख स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता: एक हस्तक्षेपी अध्ययन
30. मुख स्वास्थ्य संवर्धक वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन का मूल्यांकन और विश्लेषण
31. भारतीय आबादी में टीएमजे एंकिलोसिस रोगियों में टीजेआर मानक स्टॉक प्रोस्थेसिस की फिट व्यवहार्यता का मूल्यांकन -उभयदर्शी अवलोकन अध्ययन अन्वेषक।
32. पोस्टीरियर क्रॉस-बाइट के लिए त्वरित मैक्सिलरी विस्तार का उपचार ले चुके चढ़ती उम्र वाले रोगियों में जबड़े की मांसपेशियों की इलेक्ट्रोमायोग्राफिक गतिविधि पर तात्कालिक स्केलिटल एवं ऑक्लूज़ल पैटर्न में बदलाव और उनके प्रभाव - एक अग्रदर्शी नैदानिक अध्ययन
33. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस वाले परिपक्व स्थायी दांतों में मिनरल ट्रायोक्साइड एग्रिगेट पल्पोटॉमी के परिणाम पर एक बनाम दो चरण तकनीक के प्रभाव का मूल्यांकन - एक अग्रदर्शी नैदानिक अध्ययन
34. एकल पीस येट्रियम-स्थिर जिरकोनिया रूट एनालॉग (आरएआई) डेंटल इम्प्लांट्स की सफलता दर का मूल्यांकन - एक पायलट अध्ययन
35. हाइराक्स उपकरण के साथ मध्य तालु सीवन खोलने का आकलन करने में अल्ट्रासोनोग्राफी के उपयोग का पता लगाना: एक पायलट अध्ययन
36. आईसीयू में मांसपेशी क्षय का आकलन करने के लिए एक विधि के रूप में एंटीरियर टेम्पोरेलिस मांसपेशी अल्ट्रासाउंड की व्यवहार्यता
37. अस्पताल-आधारित परिस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कैरीज़ वर्गीकरण और प्रबंधन प्रणाली (आईसीसीएमएस) प्रोटोकॉल की व्यवहार्यता
38. प्रत्यक्ष लोडिंग के दौरान ऑर्थोडोंटिक मिनी प्रत्यारोपण के आसपास इंटरल्यूकिन 1बी का स्तर
39. तृतीयक देखभाल केंद्र में दंत प्रदर्शनी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के मुख स्वास्थ्य की स्थिति।
40. ऑर्थोडोंटिक व्हाइट स्पॉट घाव सूचकांक: ऑर्थोडॉन्टिक रोगियों में प्रेरित सफेद स्पॉट घाव के मूल्यांकन के लिए एक नवीन साधन
41. यांत्रिक लुगदी प्रभावन वाले परिपक्व स्थायी दांतों में कैल्शियम सिलिकेट आधारित सीमेंट के साथ या बिना पूर्ण पल्पोटॉमी के परिणाम - एक विभाजित मुख अध्ययन
42. गंभीर फेब्राइल रुग्णता में गहन चिकित्सा इकाई भर्ती और मृत्यु दर का पूर्वानुमान: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन अध्ययन

43. परफोरेशन पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव ब्लड लैक्टेट और लैक्टेट क्लीयरेंस का गुणात्मक महत्व: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
44. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के कारण रेड ब्लड सेल ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर का रोगात्मक महत्व: अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
45. 3डी वायुमार्ग की मात्रा में परिवर्तन के मूल्यांकन के लिए और टीएमजे एंकलोसिस में रेट्रोगेनेथिया के बाद प्रतिरोधी नींद एपनिया (ओएसए) रोगियों में विकर्षण अस्थिजनन के बाद जीवन की गुणवत्ता में सुधार का अग्रदर्शी अध्ययन
46. ज़ायगोमैटिको मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स के बाद की दर्दनाक अवशिष्ट विकृति से पीड़ित रोगियों में ज़ाइगोमेटिक ओस्टियोटमी के बाद स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन
47. यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: ऑर्बिटल फ्लोर फ्रैक्चर के पुनर्निर्माण में पारंपरिक तकनीक बनाम 3डी मॉडल समर्थित जाली अनुकूलन में कक्षीय मात्रा का तुलनात्मक विश्लेषण
48. जबड़े के सबकोन्डाइलर फ्रैक्चर के इलाज के लिए ट्रांसपेरोटिड और ट्रांसमेसेटेरिक एंटीरियर पैरोटिड के उपचार पद्धति के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
49. किडनी की गंभीर चोट से पीड़ित एवं गंभीर रूप से बीमार वॉल्यूम ओवरलोडिड रोगियों में फुरोसेमाइड स्ट्रेस टेस्ट में स्पॉट मूत्र सोडियम की भूमिका - अग्रदर्शी अध्ययन
50. स्केलेटल क्लास II बढ़ते रोगियों में ट्विन ब्लॉक थेरेपी से पहले और बाद में स्टर्नोक्लीडोमैस्टॉइड और ट्रेपेज़ियस मांसपेशी गतिविधि
51. अविकसित स्थायी दांत की गतिशीलता पर तार-संयुक्त स्प्लिंट की असमान-ग्रीवा स्थिति का प्रभाव: एक कैडेवरिक मॉडल अध्ययन
52. प्रवाहकीय श्रवण हानि से ग्रसित क्लीफ्ट पैलेट वाले रोगियों की श्रवणशक्ति पर तीव्र मेक्सिलरी विस्तार का प्रभाव - एक पायलट अध्ययन।
53. मैक्सिलरी कैनाइन रिट्रेक्शन के दौरान दांतों के हिलने की दर पर अनुक्रमिक स्थानीय रूप से इंजेक्टिड प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का प्रभाव।
54. तीन अलग-अलग पीएच स्थितियों में ऑर्थोडोंटिक ब्रैकेट की मौलिक संरचना और सतह आकृति विज्ञान पर सोडियम फ्लोराइड कुल्ले का प्रभाव
55. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पिटिस की स्थिति में परिपक्व स्थायी दांतों में पल्पाटॉमी के परिणाम के लिए रोगसूचक बायोमार्कर के रूप में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस -9 (एमएमपी 9) का स्तर - एक नैदानिक अग्रदर्शी अध्ययन
56. एलोप्लास्टिक कुल जोड़ प्रतिस्थापन द्वारा उपचारित टीएमजे एमाइलोजिस के रोगियों में काटने की शक्ति और चबाने की दक्षता का मूल्यांकन और तुलना करना, सामान्य व्यक्तियों में गैप आर्थ्रोप्लास्टी।
57. बढ़ते ब्लॉक II में उच्च कोण के रोगियों में मेंडिबुलर पोस्चरल परिवर्तनों के बाद गर्दन की मांसपेशियों की गतिविधि का मूल्यांकन करने के लिए ट्विन ब्लॉक थेरेपी- एक ईएमजी परीक्षण

58. पेरीएपिकल एपिकल इंडेक्स (पीएआई) स्कोरिंग सिस्टम के आधार पर रेडियोग्राफिक पेरीऐपिकल घावों को श्रेणीबद्ध करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की प्रयोज्यता का मूल्यांकन करना- एक विधि तुलन अध्ययन
59. गहन समीपस्थ नाड़ी घाव में अप्रत्यक्ष पल्प थेरेपी या पूर्ण पल्पोटॉमी के साथ किए गए समग्र पुनर्स्थापना उपचार के परिणाम- एक नैदानिक अध्ययन
60. परफोरेशन पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणाम के पूर्वसूचक के रूप में ब्राचियल धमनी की प्रतिक्रिया का अल्ट्रासोनोग्राफी मूल्यांकन: अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन

पूर्ण

1. डिजिटल मॉडल का उपयोग करते हुए वृद्धिशील तृतीय श्रेणी रोगियों में मैक्सिलरी प्रोट्रैक्शन प्रोटोकॉल के बाद उपचार परिवर्तनों का एक 3डी अध्ययन
2. सॉकेट शील्ड तकनीक और पारंपरिक तकनीक का उपयोग करके तत्काल प्रत्यारोपण के आसपास के क्रेस्टल बोन स्तर का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन- एक पायलट अध्ययन
3. सॉकेट शील्ड तकनीक और पारंपरिक तकनीक का उपयोग करते हुए तत्काल प्रत्यारोपण के आसपास नरम ऊतक और वॉल्यूमेट्रिक परिवर्तनों का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक पायलट अध्ययन
4. पैरिएपिकल पैथोलॉजी वाले पोस्टीरियर दांतों पर गैर-सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी (एनएसईटी) के परिणाम पर तत्काल कार्यात्मक बनाम गैर-कार्यात्मक लोडिंग के प्रभाव का निरीक्षण करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन
5. जनवरी **2014** से अप्रैल **2018** तक टीएमजे एंकिलोसिस के रोगियों में कोस्टोकोंड्रल ग्राफ्ट के भविष्य का मूल्यांकन करने के लिए उभयदर्शी अध्ययन
6. ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट के दौरान आईएल **-1** बी स्तरों की एकल बनाम परवर्ती सूक्ष्म अस्थि-विकृति प्रेरित अभिव्यक्ति का आकलन - एक पायलट अध्ययन
7. वैकल्पिक सर्जरी करा रहे वयस्क रोगियों में सामान्य संज्ञाहरण शुरू होने के बाद उच्च रक्तचाप के पूर्वानुमान के लिए कैरोटिड धमनी संशोधित प्रवाह समय और शिखर रक्त प्रवाह वेग की श्वसन विविधताएं: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
8. ऑर्थोगाथिक सर्जरी करा रहे रोगियों में हाइपोटेंशिव एनेस्थेसिया संचार के लिए डेक्समेडेटोमिडाइन और क्लोनिडीन इन्फ्यूजन की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. विल्केस वर्ग **III** के रोगियों में टीएमजे डिस्क प्लेसेशन प्रक्रिया के लिए पारंपरिक तकनीक के साथ माइटेक मिनी एंकर सीवन तकनीक की प्रभावकारिता की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. संज्ञाहरित बच्चों में फेसमास्क बनाम लेरिंजल मास्क वायुमार्ग के साथ इंट्राओकुलर दबाव परिवर्तन की तुलना

11. एंटी कोएगुलेंट्स लेने वाले रोगियों में दंत निष्कर्षण पश्चात रक्तस्राव जटिलता की तुलना, ब्रिजिंग थेरेपी के साथ और उसके बिना: एक पायलट अध्ययन
12. सामान्य संज्ञाहरण के तहत मेंडिबुलर शल्य चिकित्सा करा रहे रोगियों में अतिरिक्त मेंडिबुलर तंत्रिका ब्लॉक के लिए रोपआइवाकेन के साथ डेक्सामेथासोन देने का प्रभाव
13. बच्चों में डेसफ्ल्यूरेन या सेवोफ्लुरेन एनेस्थेसिया के बाद उद्भव प्रलाप और रिकवरी मापदंडों पर डेक्समेडिटोमिडाइन का प्रभाव: एक अग्रदर्शी दोहरा यादृच्छिक अध्ययन
14. दंत प्रत्यारोपण प्लेसमेंट करा रहे स्वस्थ, आंशिक रूप से दांत रोग के रोगियों में नैदानिक एवं रोगी-सूचित परिणामों पर सिस्टेमेटिक और स्थानीय एंटीबायोटिक्स उपचारों का प्रभाव - एक प्रारंभिक अध्ययन
15. आपातकालीन लैप्रोटॉमी करा रहे वयस्क रोगियों में ऑपरेशन पश्चात ऑक्सीकरण स्थिति पर डिक्रीमेंटल पीईईपी परीक्षण की प्रभावकारिता: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
16. सेप्सिस और सेप्टिक सदमे से ग्रस्त रोगियों में निष्क्रिय पैर उत्थापन (पीएलआर) के प्रति मात्रात्मक प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के पूर्वसूचक के रूप में बाएं वेंट्रिकुलर बहिर्वाह पथ वेग समय अभिन्न (एलवीओटी वीटीआई) और मन्या धमनी वीटीआई की प्रभावकारिता - इकोकार्डियोग्राफी निर्देशित स्ट्रोक मात्रा परिवर्तन (डेल्टा एसवी%) के साथ पीएलआर का सहसंबंध
17. सेप्सिस में हेमेटोलॉजिकल सिस्टम के सेलुलर घटकों की महामारी वैज्ञानिक और रोगनिरोधी उपयोगिता
18. तीव्र श्वसन विफलता की स्थिति में दबाव रेगुलेटिड मात्रा नियंत्रित वेंटिलेशन और समन्वित आंतरायिक अनिवार्य वेंटिलेशन ले रहे रोगियों में डायाफ्रेग्मेटिक मांसपेशी द्रव्यमान का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
19. निम्न स्तर की लेजर थेरेपी की सहायता से कैनाइन रीट्रेक्शन के दौरान दांतों की गति और जीसीएफ में रैंक 1 का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
20. मैक्सिलेक्टोमी रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक संकट पर प्रोसथोडॉन्टिक पुनर्वास के प्रभाव का मूल्यांकन: एक प्रारंभिक अध्ययन
21. हेमोडायनामिक्स और संवेदनाहारी आवश्यकताओं की तुलना के लिए सिर और गर्दन फ्री फ्लैप सर्जरी में फेंटेनाइल बनाम डेक्सिमेडिटोमाइन आधान (इंफ्यूज़न)
22. वीनिंग सक्सेस और एक्स्टुबेशन फेल्योर के पूर्वानुमान में एकीकृत अल्ट्रासाउंड प्रोटोकॉल: एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
23. सहायक संरचनाओं पर दो अलग-अलग प्रकार के हटाने योग्य आंशिक डेन्चर में तनाव वितरण पैटर्न - एक 3डी परिमित तत्व विश्लेषण और एक नैदानिक अध्ययन
24. मेक्सिलरी कैनाइन प्रत्यावर्तन के दौरान दांतों के संचलन की दर पर स्थानीय रूप से इंजेक्ट किए गए प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का प्रभाव - एक पायलट अध्ययन
25. मेंडिबुलर एकल प्रत्यारोपण समर्थित ओवरडेंचर का अवशिष्ट रिज रिसोर्प्शन पर प्रभाव

26. हल्की संज्ञानात्मक हानि से ग्रसित पूर्णत: दंतहीन वृद्ध रोगियों के प्रोस्थोडोन्टिक पुनर्वास का उनकी स्मृति प्रक्रिया पर प्रभाव - एक कार्यात्मक एमआरआई आधारित पायलट अध्ययन
27. संचारहीन सहवर्ती एंडोडॉन्टिक पीरियोडॉन्टल घावों वाले दांतों में गैर-सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थैरेपी के बाद पेरिएपिकल हीलिंग पर पेरियोडोंटल बीमारी की गंभीरता का प्रभाव - एक अग्रदर्शी अध्ययन
28. पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द के नियंत्रण के लिए टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ एंकिलोसिस सर्जरी में स्थानीय संवेदनाहारी घाव की उपस्थिति की प्रभावकारिता का आकलन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
29. मैंडिबुलर मोलर क्षेत्र में स्थापित तत्काल इम्प्लांट के आसपास की हड्डी के स्तर पर एल-पीआरएफ या एलोप्लास्टिक ग्राफ्ट सामग्री के प्रभाव की तुलना करना
30. मैक्सिलेक्टोमी रोगियों में पारंपरिक और वैक्यूम निर्मित विधि का उपयोग करते हुए गढ़े गए विलंबित सर्जिकल ओब्ड्यूरेट के कामकाज की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
31. तात्कालिक और विलंबित भारित दंत प्रत्यारोपण में भिन्न-भिन्न समय अंतरालों में क्रेस्टल अस्थि हानि की स्थिति में पेरी-इम्प्लांट क्रेविकुलर तरल पदार्थ में ओस्टियोकेल्सिन के स्तर को सह-संबंधित करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन
32. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या एक नए आईसीयू प्रलाप रोकथाम बंडल के कार्यान्वयन से यांत्रिक रूप से वेंटिलेट किए गए रोगियों में देखभाल प्रोटोकॉल के मानक की तुलना में प्रलाप की घटना कम हो जाएगी
33. वयस्क वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक में रोपआइवाकेन के सहायक के रूप में क्लोनिडीन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 33	**सार: 5**	**पुस्तकों में अध्याय: 1**	**पुस्तकें: 1**

रोगी उपचार

ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल विकृति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हमने क्लीफ़्ट लिप और पैलेट वाले रोगियों के अंतर्विषयी उपचार पर और चेहरे की विकृति से पीड़ित संयुक्त ऑर्थोजेनेटिक सर्जरी के रोगियों पर अधिक जोर दिया है।

ओरल एवं मैक्सिलोफ़ेसियल सर्जरी

यह प्रभाग, टीएमजे रिप्लेसमेंट सर्जरी, टेम्परोमैंडिबुलर जॉइंट सर्जरी, क्रानियोफैसिअल ट्रॉमा और चेहरे की ऑर्थोगाथिक एवं एस्थेटिक सर्जरी में अग्रणी और नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है। यह डिवीजन, कुशलता से ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, सरल एवं जटिल एक्सोडॉन्टिया, ओरल और मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी के लिए ओपीडी तथा अंतरंग रोगी सेवाएं प्रदान करता आ रहा है, मैक्सिलोफेशियल संक्रमण का

प्रबंधन, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की सर्जरी, ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया क्लिनिक और ओस्टोडॉन्टोकारोप्लास्टी की सेवाएं भी यह डिवीजन देता रहा है।

प्रोस्थोडोन्टिक्स

हम पूर्ण और आंशिक रूप से दंतहीन रोगियों के दंत पुनर्वास के लिए आउट पेशेंट सेवाओं का प्रबंधन कर रहे हैं। हम ओरल और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थोडॉन्टिक्स, प्रत्यारोपण दंत चिकित्सा और टेंपोरोमैंडिबुलर विकारों पर विशेष क्लिनिक चला रहे हैं। विभिन्न प्रकार के प्रोस्थेसिस जो हम रोगियों के लिए तैयार कर रहे हैं, वे हैं - कम्फ़र्टेबल डेंटल, रिमूवेबल आंशिक डेंचर, क्राउन और ब्रिज वर्क, लैमिनेट्स, ऑकलूजल स्प्लिंट्स, इम्प्लांट सपोर्टेड प्रोस्थेसिस (रिमूवेबल तथा फिक्स्ड), और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेसिस (एक्स्ट्रा ओरल/ फेशियल और इंट्रा ओरल)। विभाग में, हम हटाने योग्य और फिक्स्ड प्रोस्थोडॉन्टिक उपकरणों को बनाने के लिए दो प्रयोगशालाएं चला रहे हैं।

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स का विशेष क्लिनिक सप्ताह में दो बार आयोजित किया जाता है। एक गैर-सर्जिकल और सर्जिकल एंडोडॉन्टिक रिट्रीटमेंट क्लिनिक शुरू किया गया है और सप्ताह में एक बार आयोजित किया जाता है।

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री डिवीजन, **14** वर्ष तक के बच्चों में और विशेष स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों में मौखिक और दंत रोगों के निदान और उपचार का काम देखता है। औसतन यह डिवीजन बच्चों के लगभग **20,000** प्रोसीजर संपन्न करता है। ये प्रोसीजर, सरल से लेकर उन्नत बाल दंत चिकित्सा तक के होते हैं। हम अन्य चिकित्सा और दंत विशेषज्ञताओं के साथ सहयोग करके अपने सभी रोगियों की समग्र और अंतर्विभागीय देखभाल पर जोर देते हैं। हम लगभग सभी रोगियों में निवारक प्रोटोकॉल का पालन करते हैं और दांतों की पुनर्संरचना, दांत निकालने से लेकर पर्णपाती और स्थायी एंडोडॉन्टिक उपचार के रूप में जटिल प्रोसीजर, स्टेनलेस स्टील क्राउन, अंतराल अनुरक्षक, आदत छोड़ने में सहायक उपकरण और मामूली सर्जरी तक के कार्य करते हैं। अस्थिक्षय बहुलता वाले अतिशय कटे-फटे दांतों वाले आरंभिक बाल्यावस्था दंतक्षय से पीड़ित बच्चों में पूर्ण मुख पुनर्वास का कार्य अक्सर किया जाता है। हमारा विभाग भारत में बाल दंत चिकित्सा में शल्य चिकित्सात्मक और बायोस्टिम्यूलेशन प्रक्रियाओं के लिए हल्के ऊतक लेजर का उपयोग शुरू करने वाले अग्रणी केन्द्रों में से एक है।

ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी

यह डिवीजन, हर हफ्ते मुंह के अल्सर के लिए नियमित ओपीडी और स्पेशियलिटी क्लीनिक चलाता आ रहा है। डिवीजन द्वारा, सीडीईआर के अन्य प्रभागों को रेडियोलॉजिकल सहायता और कोन-बीम कम्प्यूटेड टोमोग्राफी सुविधा भी प्रदान की जाती है।

पेरियोडॉन्टिक्स

प्रभाग में संपन्न की गई विभिन्न उपचार प्रक्रियाएं हैं- परंपरागत गैर-सर्जिकल और सर्जिकल पीरियोडॉन्टल थेरेपी, पीरियोडोंटल प्लास्टिक सर्जरी, सॉफ्ट और हार्ड टिशू रीजनरेटिव प्रक्रियाएं, डायोड लेजर-असिस्टेड सॉफ्ट टिशू एक्सिशन और संयोजी पॉकेट डीब्रिडमेंट प्रक्रियाएं।

जन-स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

यह प्रभाग, ओपीडी सेवाओं और सामुदायिक संचार-संपर्क में एम्स की सहायता करता रहा है, सीडीईआर में तम्बाकू-उपयोग बंद करने वाले क्लीनिक चला रहा है, सामुदायिक नेत्र रोग विभाग, आरपीसी, एम्स के साथ मिलकर ब्लाइंड स्कूल के बच्चों की ओरल हेल्थ स्क्रीनिंग और पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी प्रभाग, पेडियाट्रिक्स विभाग, एम्स के साथ मिलकर बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी रोगियों की ऑन्कोलॉजी जांच करता रहा है।

सामुदायिक गतिविधियां

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल-आधारित पिट और फिशर सीलेंट प्रोग्राम संचालित किया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. ओ.पी. खरबंदा ने भुवनेश्वर में 54वीं भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रतिष्ठित भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी व्याख्यान प्रदान किया। उन्हें कोच्चि में पियरे फ़ोचार्ड एकेडमी ओरेशन के लिए अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स और ऑस्ट्रेलियन ऑर्थोडॉन्टिक जर्नल के अंतरराष्ट्रीय संपादक बोर्ड में शामिल हैं। उन्होंने ओरल हेल्थ और पोस्ट ग्रेजुएट रिसर्च ग्रांट के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया है। खरबंदा ने मानव रचना डेंटल कॉलेज (एमआरडीसी) फरीदाबाद की एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया।

प्रो. रितु दुग्गल, एसजीटी विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडी की सदस्य और एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम की एथिक्स कमेटी की अध्यक्ष हैं। उन्होंने ओरल हेल्थ और स्नातकोत्तर अनुसंधान अनुदान के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया। वे इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स के संपादकीय बोर्ड में हैं। उन्हें आईटीएस डेंटल कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में दीक्षांत समारोह के अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में भी आमंत्रित किया गया था और एसजीटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम में पोस्टग्रेजुएट्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम में 'गेस्ट स्पीकर' के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. अजय रॉय चौधरी, भारत में स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने वाले विभिन्न दंत महाविद्यालयों में शिक्षण, बुनियादी ढांचे की सुविधा का सत्यापन करने वाले डेंटल काउंसिल इंस्पेक्टर रहे हैं। वह भारत के विभिन्न डेंटल कॉलेजों को मान्यता दिए जाने के संबंध में डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्णयों की

समीक्षा करने वाली स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति में भी रहे हैं। उन्होंने एसजीपीजीआई, लखनऊ में चयन समिति के एक विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया है। एसोसिएशन ऑफ ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के 5वें वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने ताजुद्दीन ओरेशन व्याख्यान दिया। वह ब्रिटिश जर्नल ऑफ़ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, नेशनल जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी जैसी सूचीबद्ध पत्रिकाओं के समीक्षक भी हैं।

प्रो. ओंगकिला भूटिया, एचआईसीसी (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) सीडीईआर की अध्यक्ष रही हैं। उन्हें कोविड 19 के संबंध में सीडीईआर, एम्स के लिए नोडल अधिकारी भी नामित किया गया था। वह स्नातक बालिका छात्रावास के संस्थागत एंटी-रैगिंग दस्ते की सदस्य भी हैं। वह द्वितीय एआईएमएस टोटल टीएमजे रिप्लेसमेंट लाइव सर्जिकल वर्कशॉप की साइंटिफिक चेयरपर्सन और कोर्स फैकल्टी भी रहीं और एम्स में विभिन्न फैकल्टी पदों के लिए सीडीईआर की मुख्य स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्य हैं।

प्रो. अजय लोगानी को इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रॉमेटोलॉजी (2017-2020) का अध्यक्ष चुना गया।

प्रो. विजय प्रकाश माथुर, नैदानिक अनुसंधान इकाई, अनुसंधान अनुभाग, एम्स के लिए संकाय समन्वयक और नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए संस्थान की एथिक्स उपसमिति के सदस्य के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। इस वर्ष उन्हें फिर से उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया- इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर- इंडिया डिविजन) (2019-2021) और इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल ट्रॉमैटोलॉजी। उन्हें इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री (2019-2021) के मानद कोषाध्यक्ष के रूप में भी नामित किया गया। इसके अलावा, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स (खंड VI) (2019-2021) के वैज्ञानिक संपादक भी नियुक्त किए गए। वह जर्नल ऑफ साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री (2018-2021) के मुख्य संपादक के रूप में काम कर रहे हैं।

डॉ. प्रभात कुमार चौधरी ने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ऑर्थोडॉन्टिस्ट्स की फेलो-सदस्यता प्राप्त की।

डॉ. नितेश तिवारी ने मैक्सिको के कैनकुन में आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री के 27वें सम्मेलन में डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए प्रतिष्ठित 'जो एंड्रियासिन अवार्ड' प्राप्त किया।

डॉ. कल्पना बंसल ने इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री से 'डिस्टिंग्विश्ड वूमन अवार्ड 2020' प्राप्त किया।

डॉ. शालिनी गुप्ता ने ओरल कैंसर स्क्रीनिंग राष्ट्रीय दिशानिर्देश, फ्रेमवर्क, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन ईसीएचओ कार्यक्रम के विकास के लिए सहयोगात्मक कार्य के लिए और चिकित्सा अधिकारियों एवं दंत चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने के लिए एनआईसीपीआर आईसीएमआर से प्रशंसा और

सम्मान पत्र प्राप्त किया। वह आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन की परियोजना परामर्शदात्री समिति (पीएसी) की सदस्य भी हैं, परियोजना का शीर्षक है - 'डिब्रूगढ़, असम में सर्वाइकल, ब्रेस्ट और ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग और शीघ्र संसूचन: आईसीएमआर द्वारा टाटा टी गार्डन में एक प्रदर्शन परियोजना'। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय) के 'ओरल कैंसर स्क्रीनिंग एप डेवलपमेंट' के लिए तकनीकी विशेषज्ञ और गैर-संचारी रोग ''तकनीकी सलाहकार समूह (एनसीडी टीएजी) की तकनीकी विशेषज्ञ हैं। वे, कैंसर स्क्रीनिंग सुदृढ़ीकरण परियोजना के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में ओरल कैंसर के लिए एक विशेषज्ञ हैं, इस परियोजना के अंतर्गत भारत के 6 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया। उन्हें डेंटिस्ट (एससी) और डेंटिस्ट (ओबीसी) के पदों के लिए गठित चयन समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। एनआईसीपीआर में स्मोकलेस टोबैको पर "डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी ग्लोबल नॉलेज हब" नामक परियोजना में भी वह शामिल हैं। वह जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरियोडॉन्टोलॉजी के लिए समीक्षक भी हैं।

डॉ. कुणाल ढींगरा को 2019 में रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एंड सर्जन्स ऑफ ग्लासगो, यूके के डेंटल सर्जरी संकाय की प्रतिष्ठित सदस्यता एमएफडीएस आरसीपीएस (ग्लासगो) से सम्मानित किया गया।

डॉ. विकेंदर सिंह को अप्रैल, 2019 में डेंटल सर्जन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गुरुग्राम ब्रांच के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया। वह जर्नल ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ पीरियोडॉन्टोलॉजी एंड फ्रंटियर्स इन डेंटिस्ट्री के लिए समीक्षक भी हैं।

डॉ. दीपिका मिश्रा को केरल में 2020 में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट्स के XXVIII सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया और दिल्ली में मार्च 2020 में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय ट्रिपल ओ संगोष्ठी एवं चौथी अंतर्राष्ट्रीय ओरल प्रीकैंसर और कैंसर कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का पुरस्कार दिया गया। उन्हें 18वीं राष्ट्रीय ट्रिपल ओ संगोष्ठी और चौथे अंतर्राष्ट्रीय ओरल प्रीकैन्सर और कैंसर कांग्रेस में दूसरा सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। डॉ. मिश्रा एम्स में अनुसंधान अनुभाग की ई-न्यूज़लेटर समिति की सदस्य भी हैं।

डॉ. हर्ष प्रिया ने भारत सरकार के नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर में प्राइमरी ओरल हेल्थ केयर पर एमपीडब्ल्यू, सीएचओ और 'आशाओं' के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल्स के विकास के लिए एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में काम किया है। उन्हें इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) द्वारा वर्ष 2020-2022 के लिए आईएडीआर ई-ओरल हेल्थ नेटवर्क समूह के लिए काउंसलर के रूप में भी चुना गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **डॉ. किशन गौबा**, अध्यक्ष, मौखिक स्वास्थ्य विज्ञान विभाग
2. **डॉ. राजीव अग्रवाल**, बाल रोग परामर्शदाता, एगेव बाल रोग, एरिजोना, यूएसए, जुलाई 2019
3. **डॉ. शुकन पारिख कानुगा**, एमएस, परामर्शदाता बाल दंतचिकित्सक, संयुक्त राज्य अमेरिका, दिसंबर 2019

10.3 डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

आचार्य एवं प्रमुख

जी.के. रथ

(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

आचार्य

सुभाष चंदर (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	ललित कुमार (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	सिद्धार्थ सतपति (अस्पताल प्रशासन)	एस.वी.एस. देव (शल्यक अर्बुदविज्ञान)
संजय थुलकर (रेडियोडायग्नोसिस)	सुषमा भटनागर (संवेदनाहरण विज्ञान)	अतुल शर्मा (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	समीर बख्शी (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
सीमा मिश्रा (संवेदनाहरण विज्ञान)	डी.एन. शर्मा (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	सुमन भास्कर (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	प्रतीक कुमार (चिकित्सा भौतिकी)
सुष्मिता पती (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	रितु गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)		

अपर आचार्य

हरेश के.पी. (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	सुभाष गुप्ता (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	संजीव कुमार गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)	अनीता चोपड़ा (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
प्रणय तंवर (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)	राकेश गर्ग (संवेदनाहरण विज्ञान)	निष्कर्ष गुप्ता (संवेदनाहरण विज्ञान)	विनोद कुमार (संवेदनाहरण विज्ञान)
सच्चिदानंद जी भारती (संवेदनाहरण विज्ञान)	चंद्रशेखर एस.एच. (विकिरण निदान)	सुनील कुमार (शल्यक अर्बुदविज्ञान)	मेजर एम.डी. रे (शल्यक अर्बुदविज्ञान)
अमर रंजन सिंह (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)			

सह-आचार्य

अजय कुमार गोगिया (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	रंजीत कुमार साहू (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	प्रभात सिंह मलिक (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	समीर रस्तोगी (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
रंभा पांडेय (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	अहिताग्नी बिस्वास (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	रितेश कुमार (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	मुकेश यादव (विकिरण निदान)

एकता धमीजा

(विकिरण निदान)

सहायक आचार्य

राजा प्रमाणिक (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	अतुल बतरा (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	सचिन खुराना (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	चंद्र प्रकाश प्रसाद (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
थौदाम देबराज सिंह (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	मयंक सिंह (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	सुरेंद्र कुमार सैनी (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	संदीप कुमार भोरीवाल (शल्यक अर्बुदविज्ञान)
आशुतोष मिश्रा (शल्यक अर्बुदविज्ञान)	चित्रेश कुमार (शल्यक अर्बुदविज्ञान)	ज्योति शर्मा (शल्यक अर्बुदविज्ञान)	ब्रजेश कुमार रात्रे (संवेदनाहरण विज्ञान)
कृतिका रंगराजन (विकिरण निदान)	जी स्मिता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)	पल्लवी शुक्ला (निवारक अर्बुदविज्ञान)	अमन शर्मा (विकिरण अर्बुदविज्ञान)
सुप्रिया मलिक (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	प्रीति चौधरी (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	अनुजा पंडित (संवेदनाहरण विज्ञान)	सौरभ विग (संवेदनाहरण विज्ञान)
श्वेता भोपाले (संवेदनाहरण विज्ञान)	बलबीर कुमार (संवेदनाहरण विज्ञान)		

प्रशासनिक अधिकारी

बी के सिंह

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

पदम सिंह

सहायक भंडार अधिकारी

हेमंत कुमार

संकाय और अधिकारियों की कुल संख्या

संकाय सदस्य	**56**
रेजीडेंट डॉक्टर	**103**
ग्रुप ‘ए’ अधिकारी	**33**
ग्रुप 'बी' अधिकारी	**408**
ग्रुप 'सी' अधिकारी	**123**
पार्ट टाइम सोशल गाइड	**6**
आउटसोर्स हाउस कीपिंग स्टाफ	**161**
आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी	**81**

आउटसोर्स डाटा एंट्री ऑपरेटर	36
आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारी	81
आउटसोर्स फायर कर्मचारी	3

विशिष्टताएं

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा विभाग में डॉ. बीआरएआईआरसीएच (डॉ. सुषमा भटनागर, डॉ. सीमा मिश्रा, डॉ. राकेश गर्ग, डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. सच्चिदानंद जी भारती, डॉ. बृजेश कुमार रात्रे) में सात अच्छी तरह से प्रशिक्षित संकाय सदस्य हैं तथा एनसीआई में चार संकाय-सदस्य (डॉ. अनुजा पंडित, डॉ. सौरभ विग, डॉ. बलबीर कुमार और डॉ. श्वेता भोपाले)। वे ऐनास्थेसियोलॉजी, गहन उपचार, दर्द और उपशामक चिकित्सा के लिए सेवाएं प्रदान करते हैं। ये सभी व्यावसायिक रूप से योग्य एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और गंभीर उपचार (क्रिटिकल केयर) चिकित्सक हैं और दर्द तथा अन्य लक्षण संबंधी उपचार के लिए संदर्भित उन्नत कैंसर रोगियों में उपशामक देखभाल कर्मियों के रूप में अनुभव प्राप्त किया है।

हमारे विभाग का लक्ष्य कैंसर रोगियों के लिए रोग निवारक (क्यूरेटिव) और रोग उपशामक (पैलीएटिव) दोनों तरह का अत्याधुनिक और व्यापक उपचार प्रदान करना है। इसमें विभिन्न नैदानिक हस्तक्षेप, शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं, दर्द और उपशामक प्रक्रियाओं के लिए सेवाएं शामिल हैं। विभाग तीव्र और जीर्ण दर्द उपचार के लिए चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है। विभाग में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए 6 बिस्तर वाली गंभीर उपचार इकाई है और साथ ही अर्बुदविज्ञान रोगियों की उपशामक देखभाल के लिए 6-बिस्तर का पैलीएटिव (उपशामक) देखभाल वार्ड भी है। विभाग में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ रोगी के प्रस्तावित लाभों के लिए कैंसर दर्द, उपशामक देखभाल और पेरीऑपरेटिव मेडिसिन के क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधान संबंधी गतिविधियों को भी संचालित किया गया है। विभाग ने प्रोटोकॉल विकसित किया है और बेहतर रोगी उपचार के लिए एस.ओ.पी. संरचित किया है। विभाग नियमित आधार पर सी.एम.ई., सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक आबादी आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो 172 से अधिक सरकारी या निजी अस्पतालों/केंद्रों और 250 नर्सिंग होम और एम.सी.डी. और एन.डी.एम.सी. के महत्वपूर्ण सांख्यिकी प्रभाग से दिल्ली शहर के निवासियों के बीच से कैंसर रोगी के आंकड़ों को एकत्र करती है और विभिन्न कैंसर की घटनाओं की रिपोर्ट करती है। जब 1988 में रजिस्ट्री की स्थापना हुई तो उसने 5854 नए कैंसर के मामलों का पंजीकरण किया था और पिछले कुछ वर्षों में कैंसर की नई घटनाएं बढ़ रही हैं और फलस्वरूप 2014 में पंजीकृत घटनाओं के 20,446 मामले दर्ज हुए। दिल्ली में पुरुषों के बीच कैंसर के आम अंग फेफड़े, मुंह, प्रोस्टेट, जीभ और लारनेक्स हैं और महिलाओं में कैंसर होने

के सामान्य अंग स्तन, गर्भाशय, अंडाशय, पित्त की थैली और गर्भाशयग्रीवा हैं। शोधकर्ताओं, सरकारी संगठन आदि द्वारा रजिस्ट्री द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान आणविक इकाई ने 1) विभिन्न प्रकार की आरंभिक सामग्रियों से स्वचालित न्यूक्लिक एसिड पृथक्करण और 2) ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर का सीधा व्यावहारिक एवं क्रियाशीन प्रदर्शन किया। विभाग के तकनीकी कर्मचारियों और वैज्ञानिकों के लिए रियल टाइम qPCR (नवंबर 2019) और सैंगर सीक्वेंसर (सितंबर, 2019) पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग अपने उच्च-स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम, व्यस्त नैदानिक सेवा (अंतः रोगियों और बाह्य रोगियों) और अनुसंधान गतिविधियों के लिए जाना जाता है। इसके शैक्षणिक कार्यक्रम पीएचडी, डीएम और बीएमटी फैलोशिप बहुत प्रतिस्पर्धात्मक और लोकप्रिय हैं। विभाग ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और अन्य राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी आकर्षित करता है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलनों में अकादमिक उपस्थिति के अलावा, विभाग के फैकल्टी सदस्यों को शोध प्रस्तावों एवं विचारों की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ सदस्य के रूप में सरकार द्वारा वित्तपोषित विभिन्न एजेंसियों में नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है। 'कैंसर जेनेटिक्स सर्विस' पिछले दो वर्षों में शुरू की गयी नई पहल है और यह अपनी उपस्थिति बना चुकी है। 'कैंसर जेनेटिक्स रजिस्ट्री' की स्थापना हेतु आईसीएमआर द्वारा एक बड़ा अनुदान दिया जाना इस की मान्यता के प्रति प्रमाण है। पिछले एक वर्ष में हासिल अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों में चिकित्सा अर्बुदविज्ञान लैब में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, प्रत्यक्ष रूप से रोगियों के उपचार से जुड़ी नयी लैब सेवाओं की स्थापना और शोध एवं राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों का आयोजन शामिल है। यहां संकाय सदस्य आईआरसीएच में भारी चिकित्सकीय बोझ को संभालने के अलावा, झज्जर में नवस्थापित नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट में अपनी सेवाएं व मेंटरशिप भी प्रदान कर रहे हैं। हाई इंपैक्ट जर्नल्स में प्रकाशन, विभिन्न एजेंसियों द्वारा हमारे वैज्ञानिकों एवं फैकल्टी सदस्यों को प्रदत्त शोध अनुदान एवं सम्मान उनके गुणवत्तापरक अवदान के साक्ष्य हैं। हमारे विभाग ने "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ट्रांसलेशनल अर्बुदविज्ञान" और "ऑन्को-इमर्जेंसी सबमिट 2019" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। यह सब विभाग के सभी सदस्यों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और निष्कपट प्रयासों से संभव हुआ। नैदानिक अनुसंधान कर्मचारियों और प्रयोगशाला के लिए स्थान की कमी लगातार बनी हुई है।

2019-2020 के दौरान हमारे विभाग में उपचारित रोगियों की संख्या:

1. आंतरिक रोगियों के रूप में उपचार किए गए रोगियों की संख्या: **11290**
2. दिवस उपचार (डे केयर) सुविधा में इलाज के मरीजों की संख्या: **34435**
3. चिकित्सा प्रक्रियाएं: **6267**
4. बाह्य रोगी कीमोथेरेपी: **14680**

5. बाह्य रोगी चतुर्थ एंटीबायोटिक्स:	**34190**
6. हेमटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण:	**125**

अफेरेसिस प्रयोगशाला (2019-2020)

1. पीबीएससी हार्वेस्ट:	**201**
2. एसडीपी अफेरेसिस:	**2818**
3. ग्रेनुलोसाइट अफेरेसिस:	**101**
4. हीमोग्राम:	**23868**

चिकित्सा भौतिकी विज्ञान

चिकित्सा भौतिकी विज्ञान इकाई, एम्स में प्रयोगशाला परीक्षण हेतु रेडियोएक्टिविटी का उपयोग करने वाले विभाग सहित यहां के लगभग 15 विभागों में विकिरण सुरक्षा, विकिरण शिक्षा एवं विकिरण अनुसंधान और विकिरण निकलने वाली इमेजिंग एवं चिकित्सा संबंधी उपकरण की गुणवत्ता सुनिश्चितता की देखभाल का काम करती है। यह परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से अनिवार्य लाइसेंस लेती है। हम रेडिएशन इंस्टॉलेशन एवं रेडियोएक्टिविटी लैब्स का विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण करने के अलावा रेडिएशन सेफ्टी गैजट्स जैसे कि लीड एप्रॉन, थायरॉयड कॉलर, लीड गॉगल्स, लीड व्यूइंग विंडोज आदि की समय-समय पर जांच करते हैं और रेडिएशन सुरक्षा से जुड़ा प्रशिक्षण देते हैं। हम एक्स-रे जांच के दौरान गर्भावस्था को हुए असावधानीवश खतरे की स्थिति में परामर्श देते हैं। वर्ष 2019-2020 के दौरान, हमने 4339 मेजरमेंट्स, जांच, प्रयोग और रक्ताधान (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) के लिए ब्लड बैग्स के रेडिएशन स्टर्लाइजेशन किये।

निवारक अर्बुदविज्ञान

डॉ. पल्लवी शुक्ला के सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद, निवारक अर्बुदविज्ञान इकाई ने डॉ. बीआरएआईआरसीएच में आने वाले रोगियों एवं परिचरों के लिए कैंसर जागरूकता कार्यक्रमों को शुरू किया। हमने स्वास्थ्य प्रोत्साहन अभियान के अंतर्गत कॉलेज के छात्रों के लिए भी कैंसर जागरूकता कार्यक्रमों को शुरू किया। अंतर-विभागीय एवं बहुकेंद्रिक सहयोगों के जरिए, गॉल ब्लाडर, सर्वाइकल, ब्रेस्ट, प्रोस्टेट एवं ओवेरियन जैसे कैंसर की एपिडिमियोलॉजी एवं आनुवांशिकी को समझने हेतु कई अनुसंधान संबंधी परियोजनएं भी शुरू की गई।

विकिरण निदान

एक नई संकाय सदस्य (डॉ. कृतिका रंगराजन), सहायक आचार्य के रूप में विभाग में शामिल हुईं। बीआरएआईआरसीएच में रोगियों के उपचार, शोध एवं अध्यापन कार्य के अलावा, हमारी फैकल्टी नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, झज्जर के रेडियोलॉजी विभाग के दैनिक कार्यों की देखभाल कर रही है। फैकल्टी सदस्य, रोटेशन आधार पर दैनिक रूप से एनसीआई झज्जर जाते हैं। वे एनसीआई, झज्जर में अल्ट्रासाउंडसोनोग्राफी, डीएसए, फ्लुअरोस्कोपी मशीनों और सीटी एवं एमआरआई मशीनों की खरीद, इंस्टॉलेशन एवं फंक्शनिंग में भी शामिल थे। विभाग ने बीआरएआईआरसीएच में क्रमश: शनिवार और

बुधवार (दोपहर-पूर्व और दोपहर-बाद) को विशेष रूप से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मैलिग्नेंसिज, लंग कैंसर एवं सारकोमा से जुड़ी मल्टीडिसिप्लिनरी चर्चाएं/ ट्यूमर बोर्ड्स और एनसीआई में दैनिक डीएमजी मीटिंग्स आयोजित की।

शल्यक अर्बुद विज्ञान

विभाग के लिए वर्ष 2019-2020 महत्वपूर्ण और उत्पादक शैक्षणिक वर्ष था, जिसमें अध्यापन, शोध और रोगियों की देखभाल के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुईं। विभाग ने एनसीआई झज्जर में चिकित्सीय सेवाओं का विस्तार किया है। इसने कई सहयोगपूर्ण रिसर्च प्रोजेकट्स शुरू किये और अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशालाएं आयोजित की। विभाग के सभी फैकल्टी सदस्यों ने स्नातक एवं परास्नातक अध्यापन और 16 एम.सीएच छात्र एवं 11 नॉन-एकेडमिक सीनियर रेजिडेंट सहित 27 सीनियर रेजिडेंट्स के संरचित प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। विभागीय फैकल्टी, एम.सीएच अध्यापन, प्रशिक्षण एवं उनके थेसिस वर्क हेतु उनका मार्गदर्शन करने में शामिल है। फैकल्टी, रेडिएशन, अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बायोकेमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, जीरियाट्रिक मेडिसिन आदि सहित विभिन्न विभागों के थिसिस कार्य में को-गाईड की भूमिका निभाते हैं। विभाग ने कई वैज्ञानिक सम्मेलन एवं कार्यशालाएं आयोजित की, जैसे कि एम्स-यूके कैडेवर कोर्स ऑन ब्रेस्ट ऑन्कोप्लास्टी एंड रिकंस्ट्रक्शन, एमआईएस इन कॅलरेक्टल कैंसर सर्जरी वीडियो वर्कशॉप और सोसाइटी ऑफ सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, यूएसए के साथ मिलकर सर्जिकल अर्बुदविज्ञान के पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण को मानक बनाने हेतु हाई लेवल मल्टी-इंस्टीट्यूशनल मीटिंग। फैकल्टी ने अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में हिस्सा लिया, व्याख्यान दिये, पैनल चर्चाओं में भाग लिया और शैक्षणिक वीडियोज प्रस्तुत किये। विभाग के फैकल्टी और रेजिडेंट्स, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 22 पेपर्स प्रस्तुत कर चुके हैं। यह विभाग, 9 वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं, 12 विभागीय परियोजनाओं और 10 सहयोगपूर्ण रिसर्च परियोजनाओं में शामिल है। फैकल्टी व इसके रेजिडेंट्स द्वारा कुल 30 मौलिक आलेख प्रकाशित किये गये। फैकल्टी और रेजिडेंट्स, ब्रेस्ट कैंसर, गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल कैंसर, हेड एवं नेक कैंसर, गायनेकोलॉजिकल कैंसर, बोन एवं सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर्स, थोरेसिक कैंसर, हेपेटोबिलियरी-पैनक्रियेटिक कैंसर और जेनिटूरिनरी कैंसर के लिए विशेष कैंसर क्लिनिक्स में भाग ले रहे हैं। विभाग द्वारा कैंसर के मरीजों को बड़े और छोटे ऑपरेशन की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। वर्ष के दौरान कुल 1374 कंप्लेक्स मेजर ऑपरेशंस और 10493 नैदानिक एवं चिकित्सा संबंधी इंडोस्कोपी प्रॉसिजर्स व माइनर कैंसर सर्जरीज की गयीं। फैकल्टी ने सामुदायिक सेवाओं में भाग लिया, ओस्टोमेट्स को परामर्श दिया, ऑल इंडिया रेडियो, टेलीविजन पर वार्ताएं प्रस्तुत की और एनजीओ द्वारा आयोजित कैंसर जागरूकता शिविरों में भाग लिया। फैकल्टी के सदस्य, संपादकीय बोर्ड्स के सदस्यों के रूप में शामिल रहे, रिसर्च पेपर्स के रिव्यू किये और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निकायों के सदस्यों के रूप में शामिल रहे। संकाय सदस्यों ने विभिन्न चिकित्सा कॉलेजों व संस्थानों के एम.सीएच सर्जिकल अर्बुदविज्ञान एवं एमएस सर्जरी परीक्षाओं के लिए परीक्षकों के रूप में कार्य किया।

शिक्षा

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

विभाग सफलतापूर्वक दो शैक्षणिक पाठ्यक्रम चला रहा है: डीएम और एमडी। पहला बैच को जनवरी 2016 में दाखिला दिया गया था। विभाग जून और नवंबर के महीने में सालाना दो बार पैलीएटिव देखभाल में सर्टिफिकेट कोर्स और मार्च माह में एक वर्ष में एक बार पैलीएटिव देखभाल पर फाउंडेशन कोर्स आयोजित करता है।

- विभागीय संगोष्ठी — प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को सुबह **8-9** बजे
- आईआरसीएच संगोष्ठी — प्रत्येक गुरुवार को सुबह 8.30-9.30 बजे
- ट्यूटोरियल — प्रत्येक मंगलवार को दोपहर 3-5 बजे
- रेडियो सम्मेलन — प्रत्येक शनिवार को सुबह 9-10 बजे
- जर्नल क्लब/ऑडिट/केस चर्चा — प्रत्येक शनिवार को दोपहर 10-12 बजे

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान, मॉर्फोलॉजी, फ्लो साइटोमेट्री (मिनिमल रेसिड्युअल स्टडीज सहित), मल्टीपल मायलोमा डायग्नॉस्टिक्स एवं एडवांस्ड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी टेस्टिंग एवं इंटरप्रिटेशंस आदि सहित हेमेटो-ऑन्कोपैथोलॉजी के प्रयोगशाला से जुड़े पहलुओं के बारे में विशेषीकृत प्रशिक्षण प्रदान करता है। डिपार्टमेंट्स ऑफ चिकित्सा ऑन्कोलोजी, पैथोलॉजी, हेमेटोलॉजी और लैबोरेटरी मेडिसिन के एमडी और डीएम रेजिडेंट डॉक्टर्स को प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग द्वारा पूरे भारत के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों की फैकल्टी, विद्यार्थियों एवं तकनीकी स्टाफ-सदस्यों तथा चिकित्सा व्यावसायिकों को अल्पकालिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग निम्नलिखित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चला रहा है

1. डीएम कार्यक्रम
2. चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में पीएचडी
3. बीएमटी फैलोशिप
4. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप / प्रशिक्षण

नियमित कक्षाएं और सेमिनार

- विभागीय संकाय संगोष्ठी — प्रत्येक सोमवार को सुबह 8.30 से 9.30 बजे
- जर्नल क्लब / केस चर्चा — प्रत्येक बुधवार को 8.30 से 9.30 बजे
- आईआरसीएच सेमिनार — प्रत्येक गुरुवार को सुबह 8.30 से 9.30 बजे
- आणविक अर्बुदविज्ञान कक्षा — प्रत्येक मंगलवार दोपहर 2.00 से 3.00 बजे

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सर्वाइकल कैंसर में सिस्प्लैटिन प्रतिरोध में पीएआरपी- **1 & β-** कैटेनिन की भूमिका
2. मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग
3. सीएमएल के रोगियों में स्टॉप इमैटिनिब अध्ययन
4. ओवेरियन कैंसर में सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता और डीएनए मिथाइलेशन पर पीएआरपी1 और γ-ग्लुटेमाइल सिस्टेइन सिंथेटेस (जीसीएस) इनहिबिटर्स की भूमिका
5. जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल एवं पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में मिटोकोंड्रियल एनर्जी मेटाबोलिज्म के साथ इसका संबंध
6. लक्षणयुक्त मल्टीपल मायलोमा की पहचान हुए नये रोगियों में एनआरडी बनाम यूपीडी ट्रांसडक्शन थेरेपीः एक फेज 3, नॉन-इनफेरियरिटी ट्रायल

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी इकाई ने रेडियोग्राफी और नर्सिंग में एमडी रेडियोलॉजी, एमडी रेडियोथेरेपी, एमबीबीएस और बीएससी (ऑनर्स) के छात्रों को चिकित्सा इमेजिंग की विकिरण भौतिकी, उनके ऑपरेशन के दौरान विकिरण सुरक्षा, विकिरण खुराक मात्रा मापन तथा मेडिकल इमेजिंग में गुणवत्ता आश्वासन से संबंधित शिक्षण कार्य करवायें। वर्तमान में, पीएचडी के 3 विद्यार्थी विभाग में अपना शोध कार्य पूरा कर रहे हैं।

निवारक अर्बुदविज्ञान

शिक्षण

1. अंतर-विभागीय सेमिनारः 12
2. आईआरसीएच के डीएम विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान: भारत में स्तन कैंसर की जांच
3. नर्सिंग लेक्चर: कैंसर का जल्द पता लगाना और उसकी जांच करना
4. साधारण कैंसर पर आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री का विकास
5. एसईटी सुविधा में स्नातक पूर्व शिक्षण के लिए चेस्ट एक्स-रे इंटरप्रीटेशन पर मॉड्यूल का विकास

आयोजित कार्यशाला / कार्यक्रम

1. अर्बुदविज्ञान में उनकी भूमिका पर नर्सों के लिए एक संवेदीकरण का आयोजन करके 4 फरवरी 2020 को "विश्व कैंसर दिवस" मनाया गया
2. 11 मार्च 2020 को अर्बुदविज्ञान की विशिष्टताओं में संकाय सदस्य और रेजिडेंटों के लिए "तंबाकू सेस्सेशन इंटरवेंशन इन अर्बुदविज्ञान प्रैक्टिस"

शल्यक अर्बुदविज्ञान

1. स्नातकपूर्व शिक्षणः संकाय-सदस्यों अर्बुदविज्ञान विषयों पर शैक्षिक व्याख्यान और संगोष्ठी में भाग लेकर/मॉडरेट करके स्नातकपूर्व शिक्षण में शामिल थे।
2. पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षणः संकाय-सदस्य आई.आर.सी.एच. के विशेष कैंसर क्लीनिकों में एवं वार्ड राउण्ड के दौरान शिक्षाप्रद व्याख्यानों, मॉडरेटिंग सेमिनारों, पत्रिका क्लबों इत्यादि एवं नैदानिक शिक्षण के माध्यम से सर्जिकल अर्बुदविज्ञान के 16 एम.सी.एच. विद्यार्थियों, 11 सर्जिकल अर्बुदविज्ञान के वरिष्ठ रेजीडेंटों, डी.एम. मेडिकल अर्बुदविज्ञान के रेजीडेंटों तथा एमडी रेडियोथेरेपी के कनिष्ठ रेजीडेंटों के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल थे। एम.सीएच सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, डीएम मेडिकल अर्बुदविज्ञान, एमडी रेडियो डायग्नोसिस, एमडी विकिरण अर्बुदविज्ञान थीसिस परियोजनाओं और बीआरए-आईआरएचसी और एम्स के विभिन्न विभागों से पीएचडी परियोजनाओं के लिए गाइड और सह-गाइड के रूप में काम किया। संकाय रोटेशन पर दंत शल्य चिकित्सा के रेजिडेंटों और एम.सीएच स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान प्रशिक्षुओं के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी शामिल था।
3. पैरा क्लिनिकल शिक्षण/प्रशिक्षण: संकाय एम.एससी. नर्सिंग अर्बुदविज्ञान के विद्यार्थियों के शिक्षण में शामिल था।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अर्बुद संवेदनाहरणऔर प्रशामक चिकित्सा

1. आईएपीसीओएन, 2020, 14-16 फरवरी 2020, गुवाहाटी, असम
2. भारत में कैंसर उपचार केंद्रों के लिए प्रशामक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम, 12-16 जनवरी 2019, 15-19 जनवरी 2020, दिल्ली
3. प्रशामक उपचार पर सत्रहवां फाउंडेशन कोर्स, मार्च और नवंबर, 2019, डॉ. भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली
4. प्रशामक उपचार में आईएपीसी सर्टिफिकेट कोर्स, जून और नवंबर 2019, डॉ. भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली
5. वर्ल्ड हास्पस डे, अक्टूबर 2019, डॉ. भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली
6. ईएलएनईसी नर्सिंग प्रोग्राम, जून 2019, डॉ. भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली
7. ईएलएनईसी नर्सिंग प्रोग्राम, फरवरी 2020, एनसीआई, एम्स, नई दिल्ली
8. विश्व कैंसर दिवस, फरवरी 2020, एनसीआई एम्स झज्जर
9. अर्बुदविज्ञान में तम्बाकू सेशेसन इंटरवेंशन, मार्च 2020, एनसीआई एम्स झज्जर

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

प्रोफेसर रितु गुप्ता ने दिनांक 8-11 अप्रैल 2019 तक वेनिस, इटली में आयोजित आईईईई इंटरनेशनल सिंपोसियम ऑन बायोमेडिकल इमेजिंग (आई.ई.ई.ई.-आई.एस.बी.आई., 2019) कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत आईआईआईटी-दिल्ली के साथ 'सी-एनएमसी चैलेंज: क्लासिफिकेशन ऑफ नॉर्मल वर्सेस मलाइनेंट सेल्स

इन बी-ऑल व्हाइट ब्लड कैंसर माइक्रोस्कोपिक इमेज" पर कैंसर इमेजिंग चैलेंज आयोजित किया। आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस चैलेंज का तकनीकी को-स्पॉन्सर था।

शल्यक अर्बुद विज्ञान

1. एनसीआर अर्बुदविज्ञान फोरम, नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 10 अप्रैल 2019 को कैंसर में अनुसंधान पद्धति पर सीएमई
2. 10 जुलाई 2019 को एम्स, नई दिल्ली में आईसीजी फ्लोरेसेंस गाइडेड सर्जरी पर सर्जिकल कार्यशाला
3. एम्स, नई दिल्ली में 28 और 29 अगस्त 2019 को स्तन ऑंकोप्लास्टी और पुनर्निर्माण पर दूसरा एम्स-यूके कैडेवर कोर्स
4. 23 नवंबर 2019 को एम्स, नई दिल्ली में कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एमआईएस पर सीएमई और वीडियो कार्यशाला
5. एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में 15 जनवरी को रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रदत्त व्याख्यान

ओन्को-ऐनस्थेसिया और प्रशामक चिकित्सा

सुषमा भटनागरः 26 **सीमा मिश्राः 13** **राकेश गर्ग: 5**
निष्कर्ष गुप्ताः 10 **विनोद कुमारः 8** **सच्चिदानंद जी भारतीः 5**
ब्रजेश कुमार रात्रेः 3 **अनुजा पंडितः 1** **श्वेता भोपाले: 1**
बलबीर कुमारः 2

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

रितु गुप्ता: 12 **संजीव कुमार गुप्ता: 6** **अनीता चोपड़ा: 3**
प्रणय तंवर: 6 **अमर रंजन: 1** **गुरविंदर कौर: 1**
दीपशी ठकराल: 2

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

ललित कुमार: 5 **अतुल शर्मा: 9** **समीर बख्शी: 29**
रंजीत कुमार साहू: 12 **समीर रस्तोगी: 3** **प्रभात सिंह मलिक: 4**
राजा प्रमाणिक: 13 **चंद्र प्रकाश प्रसाद: 5** **थौदाम देबराज सिंह: 4**
मयंक सिंह: 3

चिकित्सा भौतिकी

प्रतीक कुमार: 3

निवारक अर्बुदविज्ञान

पल्लवी शुक्लाः 3

विकिरण निदान

चंद्रशेखर एसएचः 6 **मुकेश कुमारः 4** **एकता धमीजाः 19**
कृतिका रंगराजनः 2

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जीके रथः 11 **सुभाष चंदरः 5** **डीएन शर्मा: 17**
सुमन भास्कर: 1 **सुभाष गुप्ताः 3** **हरेश के.पी.: 6**
रंभा पांडेय: 5 **अहिताग्नी बिस्वास: 5** **सुप्रिया मलिक: 1**
गोपीशंकर नटनासबपतिः 2

शल्यक अर्बुद विज्ञान

एसवीएस देव: 13 **सुनील कुमारः 2** **एमडी रायः 5**
संदीप कुमार भूरीवालः 4 **ज्योति शर्माः 4** **आशुतोष मिश्राः 1**
चित्रेश कुमारः 2

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा: 9 **दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री: 4**
प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान: 30 **चिकित्सा अर्बुद विज्ञान: 18**
चिकित्सा भौतिकी: 5 **विकिरण निदान: 7**
विकिरण अर्बुदविज्ञान: 18 **शल्यक अर्बुद विज्ञान: 22**

टीएमएच, मुंबई में 18-20 अप्रैल 2019 को आईएसपीएसएम-ईएसएसओ-एजीओआई में तीसरा पुरस्कार; इंदौर, भारत में नवंबर 2019 को आईएसओ-आईएसएमपीओ में तीसरा पुरस्कार; वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ़ सर्जरी, क्राको पोलैंड में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार; एबीएसआईसीओएन, जयपुर, भारत, 2019 में तीसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से ज्योतिष्मान सैकिया को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार; डॉ. रघुराम के. को तीसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति से सम्मानित किया; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा डॉ. रघुराम के. को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा डॉ. नवीन के. को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार; डॉ. नवीन कुमार को वार्षिक अर्बुदविज्ञान फोरम की बैठक, नई दिल्ली के दौरान सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अनुसंधान

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय पैलिएटिव उपचार रोगियों द्वारा सामना करने वाली आध्यात्मिक समस्याएं और चिंताएं। सुषमा भटनागर, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2019, 1.32 लाख रुपये।
2. कैंसर एवं क्षतिग्रस्त रोगियों के लिए दर्द मापन उपकरण के डिजाइन हेतु दर्द के लक्षणों का अध्ययन, सुषमा भटनागर, डी.आर.डी.ओ., 2 वर्ष, 10 माह, 2017-2020, 24.88 लाख रुपये
3. ईएमएलए क्रीम के विकल्प के रूप में लिडोकेन के आयनोफोथेटिक डिलीवरी का नैदानिक सत्यापन, सुषमा भटनागर, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रुपये
4. एम्स-आईआईटी प्रोजेक्ट हेतु स्वीकृत रिड्युस्ड माउथ ओपनिंग वाले रोगियों में एंडोट्रैचियल इनट्यूबेशन के लिए नोवल वीडियो लैरिंगोस्कोप, निष्कर्ष, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रुपए प्रति वर्ष
5. मेडिकल के विद्यार्थियों द्वारा मैनेक्विन में इनट्यूबेशन हेतु डाइरेक्ट लैरिंगोस्कोप के साथ किंग विजन वीडियो लैरिंगोस्कोप चैनल्ड एवं नॉन-चैनल्ड ब्लेड्स की तुलना: एक यादृच्छिक मैनेक्विन अध्ययन। निष्कर्ष, एम्स, 2019-2021, 2 लाख रुपये

पूर्ण

1. भारत में कैंसर से संबंधित न्यूरोपैथिक दर्द के कारक और इसकी व्यापकता: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 10 लाख रुपये, सुषमा भटनागर
2. न्यूरोपैथिक दर्द के रोगियों में गाबापेनटिन की तुलना में गाबा-एनटी (गाबापेनटिन और नॉर्ट्रिप्टाइलीन की निश्चित खुराक का संयोजन) की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल ब्लाइंड, डबल-डमी, यादृच्छिक, अग्रदर्शी, द्विबाहु, समानांतर, बहुकारक, चरण IV नैदानिक परीक्षण, 2 वर्ष, 3 लाख रुपये, सुषमा भटनागर
3. कैंसर रोगियों में ऑपिओइड के प्रति आणविक निर्धारण प्रतिक्रिया: भारतीय परिदृश्य, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 28 लाख रुपये, सुषमा भटनागर
4. पैलिएटिव कैंसर रोगी में इंट्रावेनस मॉर्फिन के साथ एनाल्जेसिक टाइट्रेशन की दो तकनीकों (बोलस मॉर्फिन बनाम इनफ्यूजन मॉर्फिन) की तुलना - एक प्रत्याशित यादृच्छिक अध्ययन, एम्स, 2 वर्ष, 3 लाख रुपये, विनोद कुमार

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ऑन्कोलॉजिकल शल्य-चिकित्साओं के बाद एक्यूट न्यूरोपैथिक पेन की व्यापकता एवं जोखिम कारक: तृतीयक कैंसर केन्द्र में अग्रदर्शी अध्ययन

2. भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में प्रशामक उपचार एकक में आए कैंसर रोगियों में इंसोमनिया की व्यापकता एवं पूर्व सूचक
3. तृतीयक उपचार केन्द्र के पैलिटिव केयर क्लिनिक में आने वाले एडवांस्ड कैंसर रोगियों के लिए सामाजिक सहायता, अवसाद एवं जीवन की गुणवत्ता का अग्रदर्शी मूल्यांकन
4. भारतीय कैंसर रोगियों में मॉर्फिन के उपयोग के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और धारणा
5. अंतःस्रावी अग्नाशय, गैस्ट्रिक और पित्ताशय के कैंसर में दर्द से राहत के लिए अंतःक्रियात्मक सीलिएक प्लेक्सस न्यूरोलिसिस
6. चिकित्सीय थोरैकोस्कोपी से गुजरने वाले रोगियों के लिए बेहोश करने की क्रिया में डेक्समेडिटोमिडीन बनाम मिडाज़ोलम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन
7. मोडीफाइड रेडिकल मास्टेक्टोमी के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडिड सेराटस एन्ट्रीरियर प्लेन ब्लॉक पर रोपीवेसायन से डेक्सामेथासोन को जोड़ने का प्रभावः एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन
8. सिर और गर्दन के कैंसर सर्जरी वाले रोगियों में डी ब्लेड यूजिंग कफ इनफ्लेशन तकनीक बनाम सी मैक वीडियो लारिन्गोस्कोप पारंपरिक ब्लेड के साथ नासोट्रेचील इंटूबेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
9. प्रशामक उपचार इकाई में भर्ती गंभीर कैंसर रोगियों में संज्ञानात्मक शिथिलता का प्रसार और जोखिम कारक
10. थोरेसिक सर्जरी के बाद चिरकारी दर्द के उपचार में इंटरकोस्टल रेडियो फ्रिक्वेंसी एब्लेशन की प्रभावकारिता

पूर्ण

1. कीमोथेरेपी प्रेरित दर्दनाक न्यूरोपैथी (सीआईपीएन) वाले रोगियों में गाबापेंटिन, डुलोक्सेटीन और प्रीगाबलिन की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट परीक्षण
2. एक प्रशामक उपचार सेटअप में कीमोथेरेपी प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी की व्यापकता और कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
3. आमाशयी कैंसर की शल्य चिकित्सा के दौर से गुजरने वाले रोगियों में सर्जरी के बाद उत्तेजक प्रतिक्रिया और कैंसर की पुनरावृत्ति पर एपिड्यूरल एनाल्जेसिया (पी.सी.ई.ए.) और अंतःशिरा रोगी नियंत्रित एनाल्जेसिया (आईवीपीसीए) का प्रभाव - एक यादृच्छिक अग्रदर्शी नियंत्रित परीक्षण।
4. पोषण संबंधी जोखिम वाले रोगियों में गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर सर्जरी के बाद रुग्णता के पूर्वानुमान के रूप में कार्डियोपल्मोनरी एक्सरसाइज परीक्षणः एक अग्रदर्शी अवलोकन संबंधी पायलट अध्ययन
5. कार्सिनोमा ग्रीवा वाले रोगियों में इंट्राकैविटरी रेडियोथेरेपी के लिए अंत:प्रावरकी ब्यूपीवैकिन की दो अलग-अलग खुराक की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
6. पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया और सिर तथा गर्दन के कैंसर की सर्जरी में बेहोश करने के लिए मॉर्फिन के साथ डेक्समेडेटोमाइडीन के इन्ट्रावीनस इनफ्यूजन की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन
7. कैंसर की महिला रोगियों में कैचेक्सिया का बढ़कर रिफ्रैक्टरी कैकेक्सिया होने में देर तक रोके रखने में न्यूट्रिशनल इंटरवेंशन के प्रभाव का अध्ययन: भारत पर आधारित अध्ययन

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर, सर्विक्स कैंसर तथा सिर और गर्दन के कैंसर पर अस्पताल आधारित कैंसर पंजीकरण और देखभाल का स्वरुप और उत्तरजीविता का अध्ययन, एस.वी.एस. देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु, 6 वर्ष, 2014-2020, 38 लाख रुपये प्रति वर्ष
2. बालपन में लिम्फोइड और हेमटोपोइएटिक विरूपताओं, अन्य स्त्रीरोग संबंधी विकृतियों के उपचार के तरीके और जीवन रक्षा अध्ययन, एस.वी.एस.देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु, 5 वर्ष, 2017-2020, 1 लाख रुपये प्रति वर्ष (लगभग)
3. स्तन कैंसर, सर्विक्स तथा सिर और गर्दन के कैंसर पर जनसंख्या आधारित जीवन रक्षा अध्ययन, एस.वी.एस. देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बेंगलुरु, 5 वर्ष, 2017-2021, 6.8 लाख रुपये प्रति वर्ष (लगभग)।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के पूर्वानुमान और उपचार के लिए ल्यूकेमिक स्टीम सेल (एसएससी) में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र (सीएआरई-एलएससीपीटी)। रितु गुप्ता, आई.सी.एम.आर., **5** वर्ष, **2019-2024, 490.82** लाख रुपये
2. मल्टीपल मायलोमा पर कैंसर अनुसंधान की उत्कृष्ट इकाई। रितु गुप्ता, डी.बी.टी., **5** वर्ष, **2016-2021, 314** लाख रुपये।
3. लिम्फोमा और ल्यूकेमिया निदान के लिए ड्राई मल्टी-कलर पैनल्स का मूल्यांकन और फ्लो साइटोमीटर पर निगरानी, रितु गुप्ता, बेकमैन कल्टर, 2 वर्ष, 2018-2020, 9.46 लाख रुपये
4. डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए एनजीएस डेटा से मल्टीपल मायलोमा में दवा डालने के लिए नेटवर्क मार्ग की पहचान। रितु गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 35 लाख रुपये
5. इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करके मल्टीपल मायलोमा में मिनिमल रेसिड्युअल रोग का अनुमानः मायलोमैमेजर का डिजाइन और विकास- एक स्वचालित कंप्यूटर असिस्टिड उपकरण। रितु गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 45 लाख रुपये

6. रोगजनन, रोग प्रगति में सर्कुलेटिंग सेल फ्री एमआईआरएनए की व्याख्या और एकीकृत जैव सूचना विज्ञान और प्रायोगिक पद्धति का उपयोग करते हुए बहु मायलोमा में परिणाम, रितु गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये
7. 3डी आकृति विज्ञान आधारित वर्गीकरण के लिए तीव्र ल्यूकेमिक सेल के डिजिटल होलोग्राफिक माइक्रोस्कोपी, रितु गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये
8. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ईटीएस से संबंधित जीन विलोपन की व्यापकता और महत्व, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
9. विस्तृत आनुवांशिक विश्लेषण हेतु चुनिंदा बीसीआर/एबीएल1 निगेटिव पीडियाट्रिक बी-ऑल रोगियों के लिए रिस्क-स्ट्रेटिफिकेशन एल्गोरिथ्म का विकास - आधुनिकतम सिक्वेंसिंग प्लेटफॉर्म के सर्वोत्तम उपयोग की दिशा में एक कदम, संजीव कुमार गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 49.50 लाख रुपये
10. प्रारंभिक अपरिपक्व टी-लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ऑल): प्रारंभिक थाइमिक अग्रदूत टी-ऑल इम्युनोफेनोटाइप का मूल्यांकन, टीसीआर γ कड़ियों (एबीडी) के बायालेलिक विलोपन की अनुपस्थिति और न्यूनतम अवशिष्ट रोग निर्धारण द्वारा मूल्यांकन के रूप में उपचार प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के रूप में एमईएफ2सी की अभिव्यक्ति, अनीता चोपड़ा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015-2019, 20.16 लाख रुपये।
11. टी-एएलएल में टीओएक्स की भूमिका की व्याख्या। अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 30 लाख रुपये
12. भारतीय पेडियाट्रिक पीएच-लाइक एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में टायरोसिन काइनेसिस की पहचान, अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 30 लाख रुपये
13. डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंटरमीडिएट कैरियर फेलोशिप। अनीता चोपड़ा, डीबीटी वेलकम इंडिया एलायंस, 5 वर्ष, 2018-2023, 386 लाख रुपये
14. भारतीय जनसंख्या में स्तन कैंसर के अनुवांशिक, नैदानिक और महामारी संबंधी कारकों का आई.सी.एम.आर. टास्क फोर्स तुलनात्मक अध्ययन, प्रणय तंवर, आई.सी.एम.आर., 5 वर्ष, 2017-2022, 122 लाख रुपये।
15. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया के डे नोवो मामलों में रोग की प्रगति के पूर्वानुमानशील आणविक मार्कर के रूप में डब्ल्यूटी1 जीन अभिव्यक्ति का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन, प्रणय तंवर। डी.एस.टी., 4 वर्ष, 2017-2021, 52 लाख रुपये
16. भारतीय मरीजों में आईसीएमआर टास्क फोर्स जीनोमिक्स ऑफ गौलब्लैडर कार्सिनोमा, प्रणय तंवर, आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2017-2022, 199 लाख रुपये
17. ह्यूमन पेपिल्लोमा वायरस (एचपीवी): भारतीय जनसंख्या में मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के एटियोलॉजी में प्रासंगिकता, प्रणय तंवर, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017-2021, 45 लाख रुपये
18. विट्रो ड्रग स्क्रीनिंग स्टडी मॉडल में 3डी ब्रेस्ट ट्यूमर ऑर्गेनॉइड्स का जेनरेशन, प्रणय तंवर, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-2022, 8.91 लाख रुपये
19. चिकित्सा के निदान और निगरानी के लिए उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में एच.ई.4 के स्तर का मूल्यांकन, अमर रंजन, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017-2020, 25 लाख रुपये

20. ओवेरियन कैंसर में बायोमार्कर की अभिव्यक्ति का विश्लेषण, अमर रंजन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
21. सीएमएल विस्फोटों में टीसीआर $\alpha\beta$ अनुक्रम प्रदर्शनों की सूची का प्रभाव, गुरविंदर कौर, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
22. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया की शुरुआती पुनरावृत्ति निगरानी में ल्यूकेमिया-विशिष्ट आनुवंशिक परिवर्तनों की पहचान के लिए परिसंचारी सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड की विशेषता, दीप्शी ठकराल, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा प्रखर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में प्रेडनिसोलोन संवेदनशीलता के आणविक निर्धारक, अनीता चोपड़ा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2019, 8 लाख रुपये
2. एक्यूट मायलॉयड ल्यूकीमिया के नये मामलों में विल्म्स ट्यूमर1 (डब्ल्यूटी1) म्यूटेशन के मूल्यांकन और उपचार प्रतिक्रिया के साथ उनके परिणाम के सह-संबंध का पता लगाने हेतु अग्रदर्शी अध्ययन, प्रणय तंवर, एम्स, 4 वर्ष, 2015-2019, 4 लाख रुपये
3. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के रोगियों में सर्जरी के बाद थ्रोम्बोपोइटिन का पूर्वानुमान मूल्यांकन, अमर रंजन, अर्बुदविज्ञान फोरम, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2019, 1.5 लाख रुपये

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

जारी

1. मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं में कैंसर का खतरा: आईसीएमआर टास्क फोर्स के अधीन एक अग्रदर्शी अध्ययन। मानव स्वास्थ्य पर नॉन-आयनाइजिंग विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, ललित कुमार, आईसीएमआर, 10 वर्ष, 2012-2022, 142.19 लाख रुपये।
2. प्लेटिनम रेजिस्टेंट, प्लेटिनम रिफ्रैक्टरी और एडवांस्ड एवं एडवांस्ड ओवेरियन कैंसर में पैजोपैनिब-आधारित कंबिनेशन ओरल मेट्रोनॉमिक थेरेपीः यादृच्छिक चरण II अध्ययन। ललित कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 49.51 लाख रुपये
3. ड्यूक सी और हाई रिस्क ड्यूक बी कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एस्पिरिन - एक अंतर्राष्ट्रीय, बहु-केंद्रीय, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित चरण III परीक्षण, अतुल शर्मा, सिंगापुर क्लीनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर, 10 वर्ष, 2013-2018, 500 अमेरिकन डॉलर प्रति मरीज
4. रियल-वर्ल्ड सेटिंग (एएनसीईआरएस-1) में कैनस्क्रिप्ट[टीएम] क्लिनिकल परिणाम: नियमित नैदानिक अभ्यास में केनस्क्रिप्ट टीएम की नैदानिक उपयोगिता की जांच के लिए एक अग्रदर्शी, बहुकेन्द्रीय, अवलोकन संबंधी अध्ययन, अतुल शर्मा, कैटलिस्ट (सीआरओ), 5 वर्ष, 2017-2020, 0.2 लाख रुपये
5. मेटास्टैटिक गैस्ट्रिक एडेनोकोसिनोमा रोगियों में डोसियाक्लिप (इंटेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, इंडिया के इंजेक्शन के लिए डॉकिटैक्सिल लिपिड सस्पेंशन) आधारित परहेज का एक एकल आर्म,

मल्टीसेन्ट्रिक, ओपन लेबल, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन। अतुल शर्मा, लैंबडा थैरेप्यूटिक्स रिसर्च लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018-2020 4.79 लाख रुपये + 1.72 लाख रुपये प्रति रोगी

6. वाइल्ड-टाइप आरएएस (केआरएएस एवं एनआरएएस), मेटास्टेटिक कॉलोरेक्टल कैंसर का पहले उपचार करा चुके भारतीय रोगियों में सुरक्षा, सहन क्षमता एवं क्रियाशीलता का लक्षण बताने वाले पैनीट्यूमुमैब का ओपन लेबल, मल्टीसेंटर, गैर-तुलनात्मक, चरण **IV** अध्ययन, अतुल शर्मा, डॉ. रेड्डी की प्रयोगशाला और पीपीडी, 2 वर्ष, 2019-2021, 4 लाख रुपये
7. बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में एक पोषण परामर्श कार्यक्रम स्थापित करना और एक पोषण डेटाबेस विकसित करना, समीर बख्शी, कडल फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2016-2019, 13.37 लाख रुपये
8. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया (ए.एम.एल.) की प्रगति और रोगनिरोध में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका, समीर बख्शी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017-2020, 50.7 लाख रुपये
9. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ऑल) नव निदान के लिए भारतीय बालपन सहयोगी ल्यूकेमिया समूह बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय मानक अध्ययन, समीर बख्शी, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड, 3 वर्ष, 2016-2019, 35 लाख रुपये
10. एसएडीएएल: अपक्षय/रिफ्रैक्टरी डिफ्यूज लार्ज बी-सेल लिम्फोमा (डीएलबीसीएल) वाले रोगियों में सेलिनेक्सर (केपीटी-330) का फेज **II**बी ओपन लेबल अध्ययन, समीर बख्शी, एक्सेल लाइफ साइंसेज, 5 वर्ष, 2018-2023, 11 लाख रुपये
11. चयनित रीलैप्सड एडवांस्ड ट्यूमर (एएसआईएडी) वाले मरीजों में वन्स डेली ओरल सीए-170 की दो खुराक का प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन, चरण **II**, ओपन-लेबल परीक्षण, समीर बख्शी, वीदा क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2018-2023, 3.8 लाख रुपये प्रति मरीज
12. हेटेरो के मार्केटेड फॉर्म्युलेशन की सुरक्षा, इम्युनोजेनिसिटी और प्रभावकारिता का मूल्यांकन का चरण **IV** बहुस्तरीय पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन - रिटुक्सिमेब, समीर बख्शी, हेट्रो फार्मा लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018-2020, 12 लाख रुपये
13. अत्यधिक-एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बाल रोगियों में सिंगल-डे इंट्रावीनस फॉसप्रेपिटेंट बनाम 3-दिवसीय ओरल एपरपिटेंट एंटी-इमेटिक रेजिमन: अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया यादृच्छिक, ओपन-लेबल, नॉन-इनफेरियरिटी ट्रायल, समीर बख्शी, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स, 3 वर्ष, 2020-2023, 5.52 लाख रुपये।
14. मायलोमा और लिम्फोमा में ऑटोलॉगस स्टीम सेल प्रत्यारोपण के बाद लिम्फोसाइट पुनर्निर्माण, रंजीत कुमार साहू, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-20, 39.08 लाख रुपये।
15. भारत में चयनित उन्नत विकृतियों के लिए निवोलुमोब का सुरक्षा अध्ययन, प्रभात सिंह मलिक, ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब, 2 वर्ष, 2018-2020, 39.72 लाख रुपये
16. भारतीय वयस्क रोगियों में टीएजीआरआईएसएसओ टीएम (ओसिमरटिनिब) की सुरक्षा का आकलन करने के लिए मेटास्टैटिक एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) टी790एम के साथ म्यूटेशन पॉजिटिव नॉन सेल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) पर एक अग्रदर्शी, बहुस्तरीय, चरण-**IV** नैदानिक

परीक्षण, प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राज़ेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 1 वर्ष, 2019-2020, 506 लाख रुपये

17. लिक्वड बायोप्सी पर एम्स-आईआईटी दिल्ली का सहयोगात्मक अनुसंधान प्रस्तावः फेफड़े के कैंसर के लिए एक्सोसोम आधारित निदान पर एक खोजपूर्ण अध्ययन, प्रभात सिंह मलिक, आईआईटी और एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2020, 10 लाख रुपये (आईआईटीडी के लिए), 10 लाख रुपये (एम्स)
18. एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एनओटीसीएच-1, 2, 3, एचईएस -1 और पी21 का एक्सप्रेशन, राजा प्रमाणिक, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, 5 लाख रुपये
19. यह पता लगाना कि ट्रिपल नकारात्मक स्तन कैंसर (टीएनबीसी) रोग के निदान और उपचार के लिए β-केटेनिन इंडयूस्ड मेटाबॉलिक परिवर्तनों को कैसे उपयोग किया जा सकता है, चंद्र प्रकाश प्रसाद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 21.65 लाख रुपये
20. यह पता लगाना कि ट्रिपल नकारात्मक स्तन कैंसर (टीएनबीसी) रोग के निदान और उपचार के लिए फॉस्फोफ्रक्टोकिनेज-1 (पीएफके-1) इंडयूस्ड मेटाबॉलिक परिवर्तनों को कैसे उपयोग किया जा सकता है, चंद्र प्रकाश प्रसाद, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 46.65 लाख रुपये
21. थायराइड कैंसर के लिए संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में एस्ट्रोजेन रिलेटेड रिसेप्टर गामा (ईआरआरγ) और थायराइड में आयोडिन हैंडलिंग जीन्स के साथ इसका सह-संबंध, थौदाम देबराज सिंह, डीएसटी-एसईआरबी कोर, 3 वर्ष, 2020-2023, 49 लाख रुपये
22. अंडाशय कैंसर चिकित्सा के लिए आईएल-4 रिसेप्टर टारगेटिंग पेप्टाइड (एपी1-ईएलपी) युक्त पॉलीपेप्टाइड की तरह इलास्टिन का उपयोग करके पैक्लीटैक्सेल की मल्टीवैलेंट टार्गेटिंग-आधारित डिलिवरी, थौदाम देबराज सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 36 लाख रुपये
23. कार्बन नैनोडॉट्स एंबेडेड 3डी सेल कल्चर प्लेटफॉर्म का उपयोग करके डिम्बग्रंथि के कैंसर के ऑन्कोजेनेसिस में यूएसपी37 की भूमिका का अध्ययन, मयंक सिंह, एम्स आईआईटीडी, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
24. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में परिवर्तित मैक्रोफेज प्लास्टिसिटी के साथ ल्यूकेमिक और एंजियोजेनेसिस क्षमता का उन्मूलन, संपा घोष, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
25. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में एंडोथेलियल कोशिकाओं और एंजियोजेनिक गुणों की चिकित्सीय क्षमता का अध्ययन, संपा घोष, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 30 लाख रुपये।

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा एएमएल में माइटोकॉन्ड्रियल कॉम्प्लेक्स एन्कोडिंग जीन की भूमिका, समीर बख्शी, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2019, 10 लाख रुपये
2. राष्ट्रीय बहुकेंद्र बाल रोग ल्यूकेमिया कार्यक्रम, समीर बख्शी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017-2019, 32 लाख रुपये

3. कैंसर से ग्रसित बच्चों व किशोरों में रिफ्यूजल, नॉन-कंप्लायंस, एबान्डमेंट एवं आउटपेशेंट संक्रमण उपचार में सुधार, समीर बख्शी, लेबरा फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2015-2020, 93.33 लाख रुपये
4. प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा में एमजीएमटी मिथाइलेशन, रंजीत कुमार साहू, एम्स, 3 वर्ष, 2015-2017, 3.15 लाख रुपये
5. इलाज किए गए पित्ताशय की उन्नत कार्सिनोमा में जेमिसिटेबाइन-प्लेटिनम डबल्ट के साथ आरआरएम1, आरआरएम2, एचईएनटी1 और ईआरसीसी1 की भूमिका की अभिव्यक्ति। रंजीत कुमार साहू, नाग फाउंडेशन, पुणे, 3 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपये
6. मेटास्टैटिक सीआरपीसी में एबीराटेरोन के फार्माकोकाइनेटिक्स पर भोजन का प्रभाव, डीएस आर्या, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2020, 10 लाख रुपये
7. थाइमिडिलेट सिंथेटेज और फोलेट रिसेप्टर अल्फा की उन्नत नॉन-स्क्वैमस एन.एस.सी.एल.सी. में पेमेट्रेक्स आधारित कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता के लिए भविष्य बताने वाले बायोमार्कर के रूप में अभिव्यक्ति की का वैधीकरण, प्रभात सिंह मलिक, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 9 लाख रुपये

चिकित्सा भौतिकी

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. मेडिकल रेडिएशन की कम और ज्यादा खुराक में रेडीएशन डॉसिमेट्रिक अनुप्रयोगों के लिए ऊतक समतुल्य ऑटिक्ली अभिप्रेरित ल्यूमिनसेंट सामग्री का विकास, प्रतीक कुमार, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 15.53 लाख रुपये
2. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डॉसिमिटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, प्रतीक कुमार, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2018-2021, 16.69 लाख रुपये
3. बेहतर डॉसिमेट्री के लिए आयन इंप्लांटेशन टेक्निक एवं रासायनिक विधियों द्वारा नए और नोवल विकिरण डोसिमेट्रिक ओएसएल पदार्थों का विकास, प्रतीक कुमार, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2019-2022, 23.65 लाख रुपये

निवारक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा कीमोरेडियोथेरेपी से पहले और बाद में सर्वाइकल कैंसर के रोगियों में एचपीवी परिसंचारी ट्यूमर डीएनए का पता लगाना, सुजाता पाठक, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 9.5 लाख रुपये
2. कैस्ट्रेशन रेजिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर का शीघ्र और विलंबित विकास और एंड्रोजन रिसेप्टर लिगैंड बाइंडिंग डोमेन म्यूटेशन के साथ इसका सहसंबंध, संदीप कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2020, 6.75 लाख रुपये

3. मल्टीड्रग-रेजिस्टेंट लघु कोशिका फेफड़े की कैंसर कोशिकाओं पर संवेदीकरण प्रभाव के लिए क्लोरोक्वीन और आर्टेमिसिनिन का इन विट्रो मूल्यांकन, असरार आलम, एम्स, 2 वर्ष, 2019-20, 10 लाख रुपये
4. एसएआरएस-सीओवी-2 स्पाइक प्रोटीन से इम्युनोजेनिक क्षेत्रों की पहचान जो मजबूत ह्युमरल प्रतिक्रिया को दिखाने में सक्षम हो, असरार आलम, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2020, 10 लाख रुपये
5. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रैनाइ के साथ ट्यूमर एंटीजन टीआरपी-2 को एकीकृत करके नोवल कैंसर इम्युनोथैरेप्यूटिक एजेंट का विकास और माउस मॉडल का उपयोग करके इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता और प्रतिरक्षा-तंत्र का विश्लेषण, पवन कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

विकिरण निदान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ब्रैस्ट कैंसर के रोगियों में नीयोएडजूवेन्ट कीमोथेरेपी की प्रारम्भिक प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए कन्ट्रास्ट परिष्कृत अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, एकता धमीजा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 8 लाख रुपये
2. मैमोग्राम पर स्तन कैंसर का पता लगाने और भारतीय आबादी में इसके उपयोग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, कृतिका रंगराजन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 85.19 लाख रुपये

पूर्ण

1. स्तन कैंसर के लिए धातु ट्यूमर मार्कर क्लिपः डिजाइन, विकास और नैदानिक प्रभाव, संजय थुलकर, एसईआरबी-डीएसटी, 5 वर्ष, 2014-2019, 23.27 लाख रुपये
2. ऑरोफरीनक्स या ऐसाफागस के नवोप्लाज्म के कारण मध्यम और गंभीर डिस्फेगिया के रोगियों में आंत्रिक समर्थन के लिए नासोइंटरिक फीडिंग और पर्क्यूटेनियस रेडियोलॉजिक गैस्ट्रोस्टोमी का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक पायलट याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मुकेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. भारतीय मरीजों में आसीएमआर टास्क फोर्स जीनोमिक्स ऑफ गौलब्लैडर कार्सिनोमा, जीके रथ, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, 199 लाख रुपये
2. भारतीय जनसंख्या में स्तन कैंसर के अनुवांशिक, नैदानिक और महामारी संबंधी कारकों का आईसीएमआर टास्क फोर्स तुलनात्मक अध्ययन, जीके रथ, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2017-2021, 122 लाख रुपये
3. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा में आनुवांशिकी, नैदानिक और आणविक कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन, जीके रथ, कैंसर फाउंडेशन, 4 वर्ष, 2017-2021, 40 लाख रुपये

4. भारत में एचपीवी संक्रमण और स्तन कैंसर के साथ इसके संबंध की भूमिका की जांच करने हेतु: एक रोगी-आधारित अन्वेषण अध्ययन, जीके रथ, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2021, 10 लाख रुपये
5. स्तन कैंसर से पीड़ित हेरेडिटरी ब्रेस्ट एवं ओवरियन कैंसर (एचबीओसी) सिंड्रोम की पहचान और एनईआर आबादी में उनकी बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन म्यूटेशन प्रोफाइलिंग, जीके रथ, एनसीडीआईआर-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 98 लाख रुपये
6. फेफड़े के कैंसर में माइसीडैक सी, सुभाष गुप्ता, कैडिला, 3 वर्ष, 2017-2019, नि:शुल्क दवाएं।
7. हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव के साथ पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं के उपचार के रूप में लेट्रोज़ोल और पल्बोसिक्लिब, एचईआर-2 दमन नकारात्मक उन्नत स्तन कैंसर, जिनके लिए लेट्रोज़ोल थेरेपी को उचित माना जाता है, का एक संयुक्त अध्ययन, हरेश केपी, पीफाइजर इंडिया, 3 वर्ष, 2017-2019, 10 लाख रुपये
8. एचईआर2-पॉजिटिव मेटास्टेटिक स्तन कैंसर (टीआरयूएमएबी अध्ययन) के रोगियों में मानक कीमोथिरेपी के कंबिनेशन में ट्रास्टुजुमैब (टेस्ट, हैटेरो) और रिफरेंस मेडिसिनल प्रोडक्ट (रेफरेंस, रॉस) के इंट्रावीनस इनफ्यूजन की प्रभावकारिता, सुरक्षा एवं फार्माकोकाइनेटिक विशेषताओं के मूल्यांकन हेतु याद्दच्छिक, मल्टी-डोज, मल्टीसेंटर, तुलनात्मक, समानांतर अध्ययन, हरेश केपी, हैटेरो फार्मा, 3 वर्ष, 2019-2021, 17 लाख रुपये
9. एडवांस्ड हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी) (डीएचआर ग्रांट) वाले रोगियों में पोर्टल वेन थ्रोम्बोसिस के लिए स्टरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) की प्रभावशीलता और विषाक्तता का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी पायलट अध्ययन, हरेश केपी, डीएचआर, 3 वर्ष, 2019-2021, 31 लाख रुपये
10. अवास्टीन पर आईएनटीपी24 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक याद्दच्छिक, डबल ब्लाइंड, बहुकेन्द्रीय, बहुराष्ट्रीय तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन, रंभा पांडे, 5.86 लाख रुपये
11. मलाइनेंट एयरवे बाधा के उपशमन के लिए एंडोब्रोनकियल ब्रैकीथेरेपी का अग्रदर्शी आरंभिक अध्ययन, रंभा पांडे, 10 लाख रुपये
12. सहायक पोस्ट-ऑपरेटिव थ्री डायमेंशनल कंफ़ॉर्मल रेडियोथेरेपी (3डीसीआरटी) वाले स्तन कैंसर के रोगियों में रेडिएशन इंड्यूस्ड लंग इंजरी (आरआईएलआई) का अग्रदर्शी आकलन, रितेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 4 लाख रुपये

शल्यक अर्बुद विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. स्तन, सिर और गर्दन तथा सर्वाइकल कैंसर में उपचार और सर्वाइकल अध्ययन का एचबीसीआर तथा पैटर्न, एसवीएस देव, आईसीएमआर, 6 वर्ष, 2014-2020, 35 लाख रुपये
2. बाल्यास्था में लिम्फोइड और हेमटोपोइएटिक विकृतियों वाले कैंसर के उपचार और सर्वाइवल अध्ययन का पैटर्न, एसवीएस देव, आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2017-2021, 5 लाख रुपये

3. संभावित मेटास्टैटिक बायोमार्कर की पहचान के लिए टिशू टाइप और स्तन कैंसर कोशिका की तुलनात्मक स्फिंगोलिपिड प्रोफाइलिंग, एसवीएस देव, डीएसटी, 4 वर्ष, 2016-2020, 47.15 लाख रुपये
4. आईसीएमआर- राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (एनसीआरपी) के तहत पित्ताशय कैंसर के उपचार और जीवन रक्षा अध्ययन के पैटर्न, सुनील कुमार, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2023, 13 लाख रुपये
5. पुल्मोनरी मेटास्टेक्टॉमी वाले रोगियों में इन्ट्रा ऑपरेटिव प्लेयूरल लेवेज फ्लूइड और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए का नैदानिक महत्वः एक पायलट अध्ययन, सुनील कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
6. भारत में पब्लिक सैट-अप के लिए पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेन्सी में हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) के स्टेंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स (एसओपी) का विकास, एमडी राय, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2019, 50 लाख रुपये
7. एपीथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी रेग्यूलेटरी सेल्स (एफओएक्सपी3) के निष्पीड़न के साथ एचआईपीईसी उपचार का संबंध और इसका नैदानिक महत्व, एमडी राय, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2019, 8 लाख रुपये

पूर्ण

1. भारत में डिम्बग्रंथि के कैंसर के वैकल्पिक उपचार के तरीकों का एक आर्थिक विश्लेषण, नीरजा भाटला। एमडी राय, बहु संस्थागत सहयोग, 3-5 वर्ष, 2018-2022
2. डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एच.ई.4) स्तर का मूल्यांकन, एमडी राय, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2018-2021, 30 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

जारी

1. ऑन्कोसर्जिकल रोगियों में थोरैकोटमियों के लिए एक फेफड़े के वेंटिलेशन के दौरान धमनियों के ऑक्सीकरण पर डेसफ्लुरेन बनाम सेवोफ्लुरेन के प्रभाव की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया की दो तकनीकों की तुलनाः लिग्नोकेन-फेंटेनल इंट्रावीनस इन्फ्यूजन और रोपिवैकेन-फेनटाइनल एपिड्यूरल इन्फ्यूजन उन रोगियों में जिनके पेट में कैंसर सर्जरी (साइटोरीडक्टिव सर्जरी (सीआरएस) और हाइपरथेराटिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) की जा रही है - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. भारत में चिकित्सीय व्यावसायिकों का क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण, ऑपिओयेड एनाल्जेसिक नुस्खे के लिए उनकी दवा लिखने की प्रैक्टिस, ज्ञान, दृष्टिकोण और बाधाओं का आकलन करना

4. भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में एडवांस्ड लंग कैंसर से पीड़ित रोगियों की प्रशामक उपचार आवश्यकताओं पर रोग के लक्षण कम करने वाले उपचार संबंधी परामर्श के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
5. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में गोल डाइरेक्टिड बनाम स्टैंडर्ड फ्लूअड थेरेपी का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
6. प्रशामक उपचार में जागरूकता, रुचि, प्रैक्टिस और ज्ञान का आकलन करने के लिए एक शीर्ष तृतीयक उपचार अस्पताल में चिकित्सीय व्यावसायिकों का एक सर्वेक्षणः एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
7. तृतीयक उपचार अस्पताल में स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा के लिए घरेलू उपचार का पालन न करने के कारणों को स्पष्ट करने के लिए पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
8. कैंसर विज्ञान जागरूकता, उपचार और स्वास्थ्य के बारे में एशियाई रोगी का दृष्टिकोण (ए.पी.पी.आर.ओ.सी.एच.)
9. एक तृतीयक उपचार केंद्र के प्रशामक उपचार केंद्र में इलाज लेने वाले आमाशयी विकृतियों के रोगियों में प्रशामक उपचार के परिणामों का आकलनः एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
10. हार्मोनल थेरेपी प्राप्त करने वाले स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन
11. भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में बोझ और जीवन की गुणवत्ता के लक्षण का मूल्यांकन: एक अग्रदर्शी अध्ययन
12. भारतीय आबादी में एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में बोझ और जीवन की गुणवत्ता के लक्षण का मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
13. तृतीयक उपचार केंद्र के पैलिएटिव केयर क्लिनिक में आये लंग कैंसर के मरीजों में सिम्प्टम बर्डन और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन: एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।
14. भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में मलाइनेंट बाउल ऑब्सट्रक्शन के रोगियों में सिम्प्टम बर्डन का मूल्यांकन
15. ओपियोड के सेवन के साथ विटामिन डी की कमी, जीवन की गुणवत्ता और मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में प्रोग्रेशन फ्री सर्वाइवल का संबंध : एक पर्यवेक्षणात्मक विवरणात्मक संभावित अध्ययन
16. नियोएडजूवेन्ट कीमोथेरेपी के बाद इसोफेगियल कैंसर सर्जरी वाले रोगियों में शल्यचिकित्सा के बाद के परिणामों के प्रिडिक्टर के रूप में कार्डियोपुल्मोनरी एक्सरसाइज टेस्टिंग - एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
17. दर्द से राहत और जीवन गुणवत्ता के मामले में ऊपरी पेट के कैंसर के रोगियों में सीलिएक पेलेक्सस न्यूरोलिसिस के लिए सी-आर्म फ़्लोरोस्कोपिक गाइडेड पोस्टीरियर बनाम परक्यूटिनस अल्ट्रासाउंड-गाइडेड एन्टीरियर अप्रोच के बीच तुलना-एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन

18. मोडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड पराकशेरूका-ब्लॉक बनाम इरेक्टर स्पिना प्लेन ब्लॉक का तुलनात्मक मूल्यांकन-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
19. पॉस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड पराकशेरूका ब्लॉक बनाम कंप्लीट एंटीथोरेसिक ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना
20. 3 महीनों के फॉलो-अप पर जीवन गुणवत्ता और दर्द से राहत पाने के मामले में ऊपरी पेट की खराबी वाले रोगियों में एनाल्जेसिक बनाम एनाल्जेसिक एलोन के साथ हस्तक्षेप की तुलना : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
21. इलेक्ट्रिकल इंपिडेंस टोमोग्राफी निर्देशित पीईईपी बनाम पारंपरिक पीईईपी से वेंटिलेशन के बाद ओपन एब्डोमिनल ऑन्कोलॉजिक सर्जरीज में लंग एयरेशन की तुलना - एक आरंभिक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
22. पेक्टोरलिस मेजर मायोक्यूटियस (पीएमएमसी) फ्लैप रिकंस्ट्रक्शन से ओरल कैंसर की सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव पल्मोनरी जटिलताओं के विकास के लिए कुल इंट्रावीनस एनेस्थेसिया और इनहेशनल एनेस्थेसिया की तुलना: एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
23. तीन सप्ताह के फॉलो-अप पर दर्द में राहत एवं जीवन की गुणवत्ता के संबंध में मध्यम से तीव्र दर्द से पीड़ित स्टेज 4 ओपियोड-नेवी फेफड़े के कैंसर के रोगियों के दर्द चिकित्सालय मं उपस्थित होने पर डब्ल्यू.एच.ओ. 2 एनाल्जेसिक दवा बनाम स्टेप 3 एनाल्जेसिक दवा की तुलना करना: एक यादृच्छिक अग्रदर्शी अध्ययन
24. कैंसर के दर्द वाले रोगियों में प्रारंभिक दर्द हस्तक्षेप द्वारा दर्द से राहत के स्तर में सुधार होता है, एनाल्जेसिक आवश्यकता घट जाती है और इस प्रकार जीवन स्तर में सुधार होता है
25. प्रतिभागियों के बीच उपशामक उपचार में ज्ञान पर प्रशामक उपचार कार्यक्रम की अनिवार्यता में सर्टिफिकेट कोर्स की प्रभावशीलताः एक क्रांस-सेक्शनल पारंपरिक अध्ययन
26. मौखिक कैंसर के रोगियों में सर्जरी के बाद फिजियोथेरेपी का गर्दन और कंधे की गतिविधियों और मुंह खोलने और उनके जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव। एक पायलट अध्ययन
27. भारत में एक तृतीयक कैंसर केंद्र में जीवन उपचार पद्धति का अंत: एक पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
28. कैंसर सर्जरी के बाद मतली या उल्टी की घटना और जोखिम कारकः एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
29. मॉडिफाइड रेडिकल मास्टेक्टॉमीः यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
30. सामान्य बेहोशी के तहत ऑरोफरीन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में नासोट्रेकीयल इंटूबेशनः फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कोप और सी-मैक डी ब्लेड वीडियो लैरींगोस्कोप के बीच एक तुलनात्मक मूल्यांकन
31. एडवान्सड क्रोनिक ऑबस्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) / इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी) से पीड़ित रोगियों में प्रशामक उपचार आवश्यकता संबंधी मूल्यांकन: एक अग्रदर्शी अध्ययन

32. प्रशामक उपचार: भारत कॉलेबरेटिव (पी.सी.-पी.ए.आई.सी.ई. भारत कॉलबरेटिव) में पहुँच और अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुभव को बढ़ावा देना।
33. भारत के एक तृतीयक उपचार केंद्र की प्रशामक उपचार इकाई में घातक स्पाइनल कॉर्ड कंप्रेशन प्रदर्शित करने वाले रोगियों का पैटर्न - एक पर्यवेक्षात्मक अध्ययन
34. स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा की प्रस्तुति का पैटर्न और दर्द एवं प्रशामक उपचार में आने वाले स्तन कैंसर के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।
35. भारत में कैंसर संबंधी न्यूरोपैथिक पीड़ा से संबंधित व्यापकता एवं कारकः एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
36. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान-नई दिल्ली में दाखिल मरीजों में दर्द की व्यापकता
37. हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण प्राप्त करने वाले हेमटोलॉजिकल विकृतियों वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और सिम्प्टम बर्डन - एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
38. भारत में एक कैंसर अस्पताल में लक्षण की शुरुआत से उपचार के आरंभ तक की कैंसर के रोगियों की यात्रा
39. कीमोथेरेपी-प्रेरित पैरीफेरल न्यूरोपैथी के रोगियों में न्यूरोपैथिक दर्द की तीव्रता पर डुलोक्सिटिन बनाम गैबापेंटिन की प्रभावशीलता की तुलना : डबल-ब्लाइन्ड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
40. स्तन कैंसर की सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव मॉर्फिन कंजप्शन पर ओपिओइड आधारित सामान्य एनेस्थेसिया के साथ ओपिओइड रहित सामान्य एनेस्थेसिया की प्रभावकारिता की तुलना करना: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
41. कीमोथेरेपी इंड्यूस्ड पैरीफेरल न्यूरोपैथी (सीआईपीएन) और विटामिन बी12, विटामिन डी3, कैल्शियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड के बीच नैदानिक सहसंबंध का अध्ययन करना
42. एक भारतीय प्रशामक उपचार में मानसिक तनाव के पैमाने का वैधीकरण

पूर्ण

1. तृतीयक उपचार केंद्र में पैलिएटिव केयर सेटअप में कैंसर रोगियों में चिंता और अवसाद को प्रभावित करने वाले कारक एवं व्यापकता ।
2. प्रशामक उपचार में देखभाल दाता बोझ का आकलन
3. तृतीयक उपचार केंद्र, भारत में दर्द निवारण हेतु ओपीओइड्स पर कैंसर रोगियों में पेशेंट एसेसमेंट ऑफ कॉन्स्टिपेशन क्वालिटी ऑफ लाइफ प्रश्नावली के हिंदी संस्करण की वैधता और विश्वसनीयता
4. तृतीयक उपचार केंद्र, भारत में एडवांस्ड कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता के मूल्यांकन हेतु ईओआरटीसी क्यूएलक्यू-सी15-पीएएल प्रश्नावली के हिंदी संस्करण का वैधीकरण
5. इलेक्टिव मेजर थोरेसो-एब्डोमिनल ऑन्कोसर्जरी कराने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव मॉर्बिडिटी की व्यापकता और एनेस्थेटिक तकनीक के साथ उनका सहसंबंध
6. कीमोथेरेपी इनड्यूस्ड ओरल म्यूकोसाइटिस में क्यूओएल पर मजबूत ओपिओइड और इसका प्रभाव: एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन

7. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर सर्जरीज के बाद रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव और पोस्टऑपरेटिव थकान की व्यापकता एवं पूर्वसूचकः अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
8. कमांडो सर्जरीज में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया और सिडेशन के लिए डेक्समेडेटोमाइडिन बनाम मॉर्फिन के इंट्रावेनस इनफ्यूजर का तुलनात्मक मूल्यांकन

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. प्लाज्मा सेल प्रोलिफेरेटिव डिसऑर्डर (पीसीपीडी) में प्लाज्मा सेल और बी-सेल कम्पार्टमेंट का अध्ययन
2. मिनिमल रेसिडुअल डिजीज (एमआरडी) की निगरानी के लिए मानक और अत्याधुनिक आणविक प्रक्रियाओं की स्थापना और क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) में एबीएल काइनेस डोमेन म्यूटेशन की पहचान
3. बहु मायलोमा में जीनोमिक ऐबरेशन का नॉन-इनवेसिव मूल्यांकन
4. तीव्र माइलोयॉड ल्यूकेमिया (ए.एम.एल.) वाले रोगी, जिनके पास सुमेलित सहोदर दानकर्ता नहीं हैं, में बीमारी के पुनरावर्तन एवं रिफ्रैक्टरी में हेपटोपोएटिक स्टेम सेल माइक्रो ट्रांसप्लांटेशन की सुरक्षा और व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना।
5. मल्टीपल मायलोमा के जैव रासायनिक रिलेप्स वाले रोगियों में उपचार बनाम पर्यवेक्षण, एक चरण III, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण ।
6. म्यूराइन में स्तन कैंसर के लिए प्रतिरक्षात्मक दृष्टिकोण पर जांच
7. अपरिपक्व टी-ऑल का आणविक जीव विज्ञान
8. बी-ऑल में टायरोसिन काइनेस घावों की पहचान

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

जारी

1. प्लैटिनम की विफलता के बाद अनरिसेक्टेबल या आवर्तक / मेटास्टैटिक हेड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक प्रभावशाली थेरेपी के रूप में"ईएमएफ (एर्लोटिनिब/मेथोट्रेक्सेट/5-एफयू) विधान: अन्वेषक ने शुरू किया,एकल बाहु, चरण *II* परीक्षण"
2. मेटास्टैटिक रिलैप्सड सिनोवियल सार्कोमा में जेमसिटैबाइन डोसटैक्सेल कॉम्बिनेशन की चरण *II* अध्ययन
3. गैर-स्क्वैमस गैर-स्मौल सेल फेफड़े के कैंसर के रोगियों में मेटफॉर्मिन प्लस पेमेट्रेक्सेड / कार्बोप्लाटिन का चरण *II* अध्ययन।
4. अंनरिसेक्टेबल पित्ताशय के कैंसर में संशोधित फोल्फिरिनॉक्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन

5. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में गोल डाइरेक्टिड बनाम स्टैंडर्ड फ्लूइड थेरेपी का अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
6. जॉनसन एवं जॉनसन द्वारा वित्तपोषित प्रोटेसोम इन्हिबिटर एवं इम्यूनोमॉड्यूलेटरी एजेंट सहित पूर्व चिकित्सा वाले रिलेप्सड एवं रिफ्रैक्टरी मल्टी मायलोमा से पीड़ित भारतीय रोगियों में डार्जेलेक्स (डारटुमुमेब) की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता की जांच करने का अग्रदर्शी , एकल-बाहु, बहुकेन्द्रीय, व्यवहारमूलक चरण-IV परीक्षण
7. प्रारंभिक चरण उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर का पूर्वव्यापी अध्ययन
8. प्लैटिनम दुर्दम्य आर/एम एचएनएससीसी में ईएमएफ (एर्लोटिनिब/एमटीएक्स/5-एफयू) का एकल-बाहु संभाव्यता चरण *II* अध्ययन
9. प्लैटिनम दुर्दम्य आवर्तक मेटास्टैटिक सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ईएमएफ विधान का एकल-बाहु संभव्यता चरण *II* अध्ययन
10. प्रथम लाइन कीमोथेरेपी ले रहे उन्नत अनरिसेक्टटेबल अथवा मेटास्टेटिक पित्ताशय के कैंसर में डबलेट सेकेण्ड लाइन कीमोथेरेपी बनाम मोनोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु द्वि-बाहु यादृच्छिक ओपन लेबल अग्रदर्शी समानांतर डिजाइन उत्कृष्टता चरण ।। बहुकेन्द्रीय नैदानिक परीक्षण
11. एडजुवेंट केमोविकिरण और कीमोथेरेपी में रिसेक्टेड गैस्ट्रिक कैंसर
12. पित्ताशय के कैंसर में कीमो-रेडीएशन या एडजुवेन्ट कीमोथेरेपी : एक तृतीय चरण का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (गतिशील परीक्षण)
13. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में क्लिनोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक महत्वाकांक्षी कोहोर्ट अध्ययन
14. तृतीयक कैंसर केंद्र में इलाज किए गए उच्च जोखिम वाले एंडोमेट्रियल कैंसर में क्लिनिक-पैथोलॉजिकल विशेषताओं और चिकित्सा के परिणाम का एक ऑडिट: पूर्वव्यापी विश्लेषण
15. 40 वर्ष से कम आयु वाले फेफड़ों के कैंसर के रोगियों की क्लिनिक पैथोलॉजिकल विशेषताएं, आणविक प्रोफाइल और सर्वाइवल परिणाम का विश्लेषण
16. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में ब्रेन मेटास्टेसिस (घटना, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल, आणविक सहसंबंध और परिणाम) का मूल्यांकन: एक एकल बाहु अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
17. स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोगियों के बारे में ज्ञान और दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना
18. कीमोथेरेपी से गुजर रहे कैंसर रोगियों में यौन स्वास्थ्य एवं यौन संबंध का मूल्यांकन
19. रिलेप्स्ड और/अथवा दुर्दम्य मल्टीपल मायलोमा में बेंडामुस्टाइन, पोमलिडोमाइड और डेक्सामेथासोन
20. ऑटोलॉगस के बाद बोर्टेजोमिब, लेनलीडोमाइड और डेक्सामेथासोन आधारित समेकन चिकित्सा
21. तृतीयक स्वास्थ्य सेटिंग में उपचारित डीएलबीसीएल रोगियों की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताएं और परिणाम
22. हॉडकिन्स के लिंफोमा के रोगियों की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताएं और परिणाम

23.जेनेटिक परीक्षण के लिए एनसीसीएन 2018 के मानदंड के प्रति योग्य और गैर-योग्य स्तन कैंसर के रोगियों में "मल्टीग्रेन हेरेडिटेरी पैनल टेस्टिंग" प्रोफाइल की तुलना : उत्तरी भारत की जनसंख्या में एक अग्रदर्शी अध्ययन

24.समवर्ती कीमोथेरेपी और बाहरी विकिरण चिकित्सा: स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में साप्ताहिक बनाम तीन साप्ताहिक सिस्प्लैटिन और रेडिकल रेडियोथेरेपी का एक ओपन लेबल गैर-हीनता चरण III यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

25.प्रारंभिक एंटीबायोटिक थेरेपी के विलंबित स्टापेज की तुलना में उच्च जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपेनिया वाले बाल कैंसर रोगियों की क्लिनिकल रिकवरी में प्रारंभिक एंटीबायोटिक थेरेपी के शुरुआती स्टापेज की लागत प्रभावशीलता।

26.ओवेरियन कैंसर में डीएनए मिथाइलेशन

27.भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में उन्नत वयस्क सार्कोमा रोगी के लिए प्रारंभिक एकीकृत प्रशामक उपचार बनाम नियमित ऑन्कोलॉजिकल उपचार: एक यादृच्छिक चरण II परीक्षण

28.उच्च जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपेनिया वाले बाल चिकित्सा कैंसर के रोगियों में नैदानिक सुधार पर प्रयोगाश्रित एंटीबायोटिक चिकित्सा का प्रारंभिक ठहराव। एक यादृच्छिक ओपन लेबल नैदानिक परीक्षण

29.आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनीकरण विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव

30.मार्किटिड फॉम्यूलेशन में कैंसर रोधी दवाओं की गुणवत्ता का अनुमान

31.पैडिएट्रिक एएलएम में माइटोकॉन्ड्रियल एनर्जी मेटाबोलिज्म के साथ जीन एक्प्रेशन प्रोफाइल और इसका सह-संबंध

32.बहु मायलोमा में हेमटोपोइएटिक स्टीम सेल प्रत्यारोपणः एकल बाहु अग्रदर्शी अध्ययन

33.तृतीयक उपचार संस्थान में वंशानुगत स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर सिंड्रोम (एचबीओसी)

34.एएमएल या ऑटोलॉगस एचएससीटी के लिए उच्च तीव्रता वाली कीमोथेरेपी ले रहे रोगियों में बहु-दवा प्रतिरोधी जीव द्वारा आंत के कोलोनाइजेशन की घटना और प्रभाव

35.मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग

36.ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के परिणाम का विश्लेषण

37.प्लेटिनम रेजिस्टेंस, प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी और एडवांस ओवेरियन कैंसर में पेजोपेनिब बेस्ड कॉम्बिनेशन ओरल मेट्रोनोमिक थैरेपीः यादृच्छिक चरण II का अध्ययन

38.प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी और रिलेप्सड ओवेरियन कैंसर में पेजोपेनिब बेस्ड ओरल मेट्रोनोमिक थैरेपीः यादृच्छिक चरण II का अध्ययन

39.मल्टीपल मायलोमा में प्राकृतिक किलर टी कोशिकाओं के प्री एवं पोस्ट ट्रांसप्लांट का मूल्यांकन

40.रिलेप्स्ड मल्टीपल मायलोमा में पैटर्न और परिणामों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

41.जेमसिटाबाइन और प्लैटिनम-आधारित कीमोथेरेपी के साथ इलाज करवा रहे उन्नत / आवर्तक सीएजीबी में उपचार के परिणामों के पूर्वानुमान में आरआरएमआई, आरआरएम2, ईआरसीजी1 और एचईएनटी1 अभिव्यक्ति का पूर्वव्यापी विश्लेषण।

42.कई मायलोमा में ऑटोलॉगस पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल मोबिलाइजेशन के लिए जोखिम-अनुकूल एल्गोरिथ्म के प्लेरिक्साफॉर उपयोग का लागत-प्रभाव विश्लेषण एवं इंग्राफ्टमेंट काइनेटिक्स का पूर्वव्यापी अध्ययन।

43.सिस्प्लैटिन पर पीएआरपी1 और γ-ग्लुटेमाइल सिस्टिन सिंथिटेज (जीसीएस) अवरोधकों की भूमिकाः ओवेरियन कैंसर में एम्स सेंसिटिविटी और डीएनए मिथाइलेशन

44.उच्च इमेटोजेनिक कीमोथेरेपी लेने वाले बाल रोगियों में एक दिवसीय अंतःशिरा फोसाप्रेपिटेंट बनाम तीन दिवसीय ऑरल एप्रेपिटेंट एंटी-इमेटिक विधान: अन्वेषणकर्ता द्वारा प्रारंभ, यादृच्छिक ओपन-लेबल,नॉन-इंफ्रिरोयॉरिटी परीक्षण।

45.बाल चिकित्सा उच्च जोखिम वाले फ़िब्राइल न्यूट्रोपेनिया में अनुभवजन्य एंटीबायोटिक चिकित्सा का स्टापेज (ठहराव): एक यादृच्छिक ओपन लेबल चरण III नैदानिक परीक्षण।

46.स्टेज II बी और III एनएससीएलसी के रोगियों में नियोएड्जुवेंट कीमोथेरेपी के प्रभाव और सुरक्षा का अध्ययन

47.क्रोनिक (पुरानी) मायलोयॉइड ल्यूकेमिया के रोगियों में खाद्य पदार्थों और उनके नैदानिक परिणामों के साथ नीलोटिनिब दवाओं के स्तर का अध्ययन

48.कमजोर प्रदर्शन की स्थिति वाले उन्नत एनएससीएलसी रोगियों के प्रदर्शन की स्थिति में सुधार करने में साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल की संभाव्यता: एक एकल आर्म फेज II परीक्षण

49.सीएमएल-सीपी के नव निदान रोगियों के रक्त में नीलोटिनिब दवा के स्तर पर वसायुक्त भोजन के प्रभाव का अध्ययन करना

पूर्ण

1. सर्विकल कैंसर में सिस्प्लैटिन प्रतिरोध में पी.ए.आर.पी.-1 और बी-कैटेनिन की भूमिका
2. प्लेटिनम रिलेप्सड, प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी और एडवांस ओवेरियन कैंसर में पेजोपेनिब बेस्ड ओरल मेट्रोनोमिक थैरेपीः यादृच्छिक चरण 2 अध्ययन
3. उच्च जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपिया में आक्रामक फंगल संक्रमण के परिणाम और रोगनिदान पर सीरम गैलेक्टोमेनन एस्से का प्रभाव
4. अनुपचारित बहु मायलोमा में इंडक्शन थेरेपी के रूप में बोर्टेजोमिब, लेनालिडोमाइड और डेक्सामेथासोन (वीआरडी) बनाम बोर्टेजोमिब, सिक्लोफॉस्फमाइड और डेक्सामेथासोन (वीसीडी): एक चरण III यादृच्छिक अध्ययन
5. पैडिएट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया के पहले विमोचन के लिए साइटाराबाइन, डानोरूबिसिन और ईटोपोसाइड (एडीई) की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन का एक अग्रदर्शी, इंटरवेशनल अध्ययन

6. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी (एचईसी) प्राप्त कर रहे बच्चों और किशोरों में उल्टी और उबकाई की रोकथाम के लिए ओलेंजापाइन : अन्वेषक द्वारा शुरू किया यादृच्छिक, ओपन-लेबल परीक्षण
7. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए विनियामक विधान में उत्परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व का अध्ययन करना
8. आईआरसीएच, एम्स में टेस्टिक्यूलर जर्म सेल ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण
9. जेमिसिटेबाइन-प्लेटिनम डबलेट के साथ इलाज किए गए पित्ताशय की उन्नत कार्सिनोमा में आरआरएम1, आरआरएम2, एचईएनटी1 और ईआरसीसी1 एक्सप्रेशन की भूमिका
10. उन्नत गैर-स्क्वैमस एनएससीएलसी के कैंसर में प्रेरण रेजिमेंट के रूप में पेमिट्रैक्सेड कार्बोप्लाटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल कार्बोप्लाटिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक चरण III ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
11. एनएससीएलसी रोगियों में ब्रेन मेटास्टेसिस की फ्रीक्वेंसी, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल, आणविक सहसंबंध और परिणाम का आकलन करना
12. हैवी मैटल के साथ फेफड़ों का कैंसर और ट्रेस एलीमेन्ट्स का संबंध तथा धूम्रपान के साथ उनके सहसंबंध को निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. डोसिमेट्री उद्देश्य के लिए नई संदीप्ति (ल्यूमिनेसेंस) सामग्री का विकास
2. कैलिब्रेशन और दृष्टिगत रूप से उत्तेजित ल्यूमिनेसेंस डोजीमीटर का उपयोग
3. लीड एप्रोन और थायरॉयड कॉलर की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास
4. रेडियोक्रोमिक फिल्म डोजीमीटर का विकास

विकिरण निदान

जारी

1. पित्ताशय के कैंसर के रोगियों में त्वचा-प्रवेशी ट्रांसहेपैटिक बिलियरी ड्रेनेज में दर्द से राहत के लिए ट्रांसवर्सिस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक की प्रभावशीलता का मूल्यांकन-एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. वयस्क पेरिफेरल सॉफ्ट टिशू सार्कोमा के ग्रेड की भविष्यवाणी में मल्टीपरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डॉसिमिटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन

2. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में मध्यम हाइपोफ्रेक्शनेटिड रेडियोथेरेपी बनाम स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) की तुलना के लिए पायलट अध्ययन, एक विषाक्तता और जीवन की गुणवत्ता की तुलना
3. पारंपरिक रेडियोथेरेपी की तुलना में स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी का उपयोग करते हुए एडजुवेंट कीमोरेडिएशन ले रहे नव निदान ग्लियोब्लास्टोमा वाले रोगियों में संभाव्यता, विषाक्तता प्रोफ़ाइल और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन।
4. सिर और गर्दन के कैंसर में ऐडेप्टिव रेडियोथेरेपी- एक अग्रदर्शी अध्ययन।

पूर्ण

1. स्टेज I-II नोडल डिफ्यूज लार्ज बी-सेल लिम्फोमा के शिकार नये रोगियों में कीमो-इम्यूनोथेरेपी के बाद कंसोलिडेशन के लिए सम्मिलित साइट रेडियोथेरेपी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए चरण II अध्ययन
2. आरंभिक स्तन कैंसर में एपीबीआई के लिए इंटरस्टीशियल मल्टीकैथिटर ब्रेकीथेरेपी बनाम वीएमएटी की तुलना करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन: अनुकूलन, विषाक्तता, और कॉस्मेसिस तुलना
3. स्तन कैंसर के रोगियों की ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी के बाद पूरे स्तन और रीजनल नोड्स पर हाइपोफ्रैक्शनेशन बनाम पुराने फ्रैक्शनेशन रेडियोथेरेपी में तीव्र विषाक्तता, कॉस्मेसिस और जीवन की गुणवत्ता का तुलनात्मक मूल्यांकन

शल्यक अर्बुद विज्ञान

जारी

1. कार्सिनोमा ब्रेस्ट के एग्जिलरी मैनेजमेंट को अनुकूलित करने में इंडोसायनिन ग्रीन डाई-आधारित नेविगेशन सर्जरी का मूल्यांकन।
2. बुनियादी लैब तकनीकें सीखना और कोलोरेक्टल कैंसर डेटा बेस का विश्लेषण
3. अपर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और फेफड़े की खराबी से पीड़ित और सर्जिकल रीसेक्शन कराने वाले रोगियों में सार्कोपेनिया का फैलना और ऑपरेशन के तुरंत बाद के परिणामों पर इसका प्रभाव: एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन
4. कार्सिनोमा ग्रासनली में नव-सहयोगी कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता - पैक्लर्टेक्सेल + कैबोप्लाटिन के साथ सिसप्लेटिन + 5-एफयू की तुलना हेतु एक पायलट अध्ययन
5. उच्च मात्रा तृतीयक उपचार केंद्र में प्रमुख ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी में पेरी-ऑपरेटिव परिणामों के गुणवत्ता संकेतकों का अग्रदर्शी मूल्यांकन
6. एचआईपीईसी और ईपीआईसी और एचआईपीईसी रोगियों के पूर्वव्यापी विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण के बीच एक अग्रदर्शी तुलनात्मक अध्ययन

7. कोलोरेक्टल कैंसर के मरीजों का एक अध्ययन - नैदानिक प्रोफ़ाइल, उपचार और रिलेसैप पैटर्न और कॉलन और रेक्टल कैंसर रोगियों में एमआईआरएनए निष्कर्षण के लिए आणविक जीवविज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीक सीखना
8. उच्च मात्रा तृतीयक उपचार केंद्र में प्रमुख ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी में पेरिऑपरेटिव परिणामों के गुणवत्ता संकेतकों का अग्रदर्शी मूल्यांकन
9. पित्ताशय के कैंसर रोगियों में पीईटी-सीटी और डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की भूमिका का सत्यापन - एक अग्रदर्शी अध्ययन
10. मौखिक कैविटी कैंसर में प्रहरी नोड का पता लगाने के लिए दोहरी तकनीक- नीली डाई और प्रतिदीप्ति इमेजिंग का संभाव्यता अध्ययन - एक अग्रदर्शी वैधीकरण अध्ययन।

पूर्ण

1. कार्सिनोमा ग्रासनली में नव-सहयोगी कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता - पैक्लर्टेक्सेल + कैबोप्लाटिन के साथ सिसप्लेटिन + 5-एफयू की तुलना हेतु एक पायलट अध्ययन
2. स्तन कैंसर के वंशानुगत पहलू से प्रभावित स्तन कैंसर के शिकार भारतीयों के लिए जागरूकता और जानकारी
3. रीसेक्टेबल प्राइमरी पुल्मोनरी मैलिग्नैंसीज वाले रोगियों के लिए इंट्राऑपरेटिव प्लूरल लैवेज फ्लुइड और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए की नैदानिक उपयोगिता - एक प्रायोगिक अध्ययन
4. भारतीय आबादी में प्राथमिक उन्नत डिम्बग्रंथि उपकला कार्सिनोमा में पेरिटोनियल कैंसर इंडेक्स (पीसीआई) का मूल्यांकन
5. पूर्व-ऑपरेटिव रोग के भार और प्रतिरोधकता का निर्धारण करने के लिए कार्सिनोमा अंडाशय में सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन की तुलना का एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक संबंधी अध्ययन
6. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर वाले रोगियों में इन्ट्रा ऑपरेटिव प्लूरल लेवेज फ्लूइड और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए का नैदानिक महत्वः एक पायलट अध्ययन
7. पित्ताशय कैंसर के रोगियों के स्टेजिंग का मूल्यांकन करने में पीईटी-सीटी और डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की भूमिका का सत्यापन: एक एकल बाहु अग्रदर्शी अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

जारी

1. ओपियोइड एनाल्जेसिक नुस्खे के लिए चिकित्सीय व्यावसायिको द्वारा दवा लिखने की प्रैक्टिस, ज्ञान, दृष्टिकोण और बाधाओं के मूल्यांकन हेतु भारत में चिकित्सीय व्यावसायिकों का कॉस -सेक्शनल सर्वेक्षण- राष्ट्रीय औषध निर्भरता केन्द्र

2. भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में एडवांस्ड लंग कैंसर से पीड़ित रोगियों की प्रशामक उपचार आवश्यकताओं पर प्रशामक उपचार परामर्श के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन, पुल्मोनरी चिकित्सा
3. पोस्ट थोरैकोटॉमी दर्द सिंड्रोम का मूल्यांकन करने के लिए पेरीकोस्टल थोरैकोटॉमी के साथ इंट्राकोस्टल की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण - शल्यक अर्बुदविज्ञान
4. प्रशामक उपचार में जागरूकता, रुचि, प्रैक्टिस और ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए एक शीर्ष तृतीयक उपचार अस्पताल में चिकित्सीय व्यावसायिकों पेशेवरों का एक सर्वेक्षणः एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। शल्यक अर्बुदविज्ञान
5. तृतीयक उपचार अस्पताल में स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा के लिए घरेलू उपचार का पालन न करने के कारणों को स्पष्ट करने के लिए एक पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन - भौतिक चिकित्सा
6. अर्बुद विज्ञान जागरूकता, उपचार और स्वास्थ्य के बारे में एशियाई रोगी का दृष्टिकोण (ए.पी.पी.आर.ओ.सी.एच.) - विकिरण अर्बुदविज्ञान, मनोचिकित्सा
7. हार्मोनल थेरेपी प्राप्त करने वाले स्तर कैंसर के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान
8. ओपियोड के सेवन के साथ विटामिन डी की कमी, जीवन की गुणवत्ता और मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में प्रोग्रेशन फ्री सर्वाइवल का संबंध : एक पर्यवेक्षणात्मक विवरणात्मक अग्रदर्शी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
9. दर्द से राहत और जीवन स्तर के मामले में ऊपरी पेट के कैंसर के रोगियों में सीलिएक पेलेक्सस न्यूरोलिसिस के लिए सी-आर्म फ्लोरोस्कोपिक गाइडेड पोस्टीरियर बनाम परक्यूटिनस अल्ट्रासाउंड-गाइडेड एन्टीरियर अप्रोच के बीच तुलना -एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, विकिरण निदान/आईआरसीएच एम्स
10. कैंसर के दर्द वाले रोगियों में प्रारंभिक दर्द हस्तक्षेप द्वारा दर्द से राहत के स्तर में सुधार होता है, एनाल्जेसिक आवश्यकता घट जाती है और इस प्रकार जीवन स्तर में सुधार होता है, विकिरण निदान आईआरसीएच
11. मुँह के कैंसर के रोगियों में सर्जरी के बाद फिजियोथेरेपी का गर्दन और कंधे की गतिविधियों और मुँह खोलने और उनके जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव। एक पायलट अध्ययन - शल्यक अर्बुदविज्ञान, भौतिक चिकित्सा, आईआरसीएच
12. उन्नत क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी रोग (सीओपीडी) / इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी) से पीड़ित रोगियों में प्रशामक उपचार आवश्यकता संबंधी मूल्यांकन: एक अग्रदर्शी अध्ययन
13. प्रशामक देखभालः भारत कॉलेबरेटिव (पी.सी.-पी.ए.आई.सी.ई. भारत कॉलेबरेटिव) में पहुँच तथा अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुभव को बढ़ावा देना -शल्यक अर्बुदविज्ञान

14. स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा की प्रस्तुति का पैटर्न और स्तन कैंसर के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव और प्रशामक उपचार क्लिनिक। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्य अर्बुदविज्ञान, भौतिक चिकित्सा, आईआरसीएच
15. थ्रोम्बोपोइटिन के विश्लेषण द्वारा गैस्ट्रोइन्टेस्टनल मैलिगनेन्सी के पोस्ट-ऑपरेटिव मामलों में संक्रमण की भविष्यवाणी-प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान
16. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान-नई दिल्ली में दाखिल मरीजों में दर्द की व्यापकता, पुल्मोनरी चिकित्सा
17. नॉन-स्मॉल-सेल लंग कार्सिनोमा (एनएससीएलसी) की द्वितीय-बी और तृतीय-ए स्थिति में नीयोएडजूवेन्ट कीमोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता : एकल बाहु चरण द्वितीय अध्ययन- चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
18. कीमोथेरेपी-प्रेरित पैरीफेरल न्यूरोपैथी के रोगियों में न्यूरोपैथिक पेन की तीव्रता पर डुलोक्सिटिन बनाम गैबापेंटिन की प्रभावशीलता की तुलना : डबल-ब्लाइन्ड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण- चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
19. भारतीय प्रशामक उपचार बुद्धि संबंधी डिस्ट्रेस स्केल का वैधीकरण ड्यूक्सने विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग-शल्यक अर्बुदविज्ञान, एम्स।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. रोगजनन, रोग प्रगति में सर्कुलेटिंग सेल फ्री एमआईआरएनए की व्याख्या और एकीकृत जैव सूचना विज्ञान और प्रायोगिक एप्रोच का उपयोग करते हुए बहु मायलोमा में परिणाम, जैव भौतिकी
2. डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए एनजीएस डेटा से मल्टीपल मायलोमा में दवा डालने के लिए नेटवर्क मार्ग की पहचान, आईआईटी, दिल्ली
3. 3डी आकृति विज्ञान आधारित वर्गीकरण के लिए तीव्र ल्यूकेमिक सेल के डिजिटल होलोग्राफिक माइक्रोस्कोपी, आईआईटी, दिल्ली
4. इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करके मल्टीपल मायलोमा में मिनिमल रेसिड्युअल डिजीज का अनुमानः मायलोमा इमेजर का डिजाइन और विकास- एक स्वचालित कंप्यूटर असिस्टेड उपकरण। आईआईटी, दिल्ली
5. आईसीएमआर टास्क फोर्स के रूप में भारतीयों में स्तन कैंसर के आनुवांशिक, नैदानिक और महामारी-विज्ञानी कारकों का तुलनात्मक अध्ययन, आईसीएमआर टास्क फोर्स, राष्ट्रीय पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली, रीजनल कैंसर सेंटर त्रिवेंद्रम, राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा
6. भारतीय रोगियों में पित्ताशय की थैली के कार्सिनोमा का आईसीएमआर टास्क फोर्स जीनोमिक्स, राष्ट्रीय पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली, एनआईसीपीआर, नोएडा, जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

जारी

1. टी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में टीओएक्स की भूमिका का निर्वहण। डीएचआर द्वारा वित्त पोषित 2019-2021 (30 लाख), प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान
2. भारतीय बी.सी.आर.-ए.बी.एल. जैसे ए.एल.एल. में नॉवल ड्राइविंग ट्रायोसिन काइनेस की पहचान एवं इन-विट्रो फंक्शनल जांच।
3. डॉ अनीता चोपड़ा के लिए डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट कैरियर फेलोशिप के लिए आंतरिक प्रायोजक
4. एएमएल में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान
5. मेटास्टेटिक सीआरपीसी में 225 एसी-डोटाटेट थेरेपी, नाभिकीय चिकित्सा
6. उन्नत थायरॉइड कैंसर में लेन्वैटिनिब, नाभिकीय चिकित्सा
7. मेटास्टैटिक सीआरपीसी, फार्माकोलॉजी में अबीरोटोन के फार्माकोकाइनेटिक्स पर भोजन का प्रभाव
8. जीईपी-एनईटी में 225 एसी-डोटाटेट (DOTATATE) चिकित्सा, नाभिकीय चिकित्सा
9. ग्रासनली के कैंसर में डीपीपी3 की सेलुलर और प्रतिरक्षात्मक भूमिका, जैव रसायन, विकृति विज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान
10. इसोफेगल स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी का मूल्यांकन: पैक्लिटैक्सेल और कार्बोप्लाटिन बनाम सिस्प्लैटिन और 5 फ्लोरोउरासिल की तुलना करने वाला आरसीटी, शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, नाभिकीय चिकित्सा विकिरण अर्बुदविज्ञान
11. स्तन कैंसर में एपिथेलियल-मेसेन्काइमल संक्रमण के नियमन में पी53: सूक्ष्म-आरएनए की भूमिका, आईआईटी दिल्ली, इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस
12. भारत में सर्वाधिक पाए जाने वाले अनुवांशिक एटैक्सियास में नैदानिक दृष्टिकोण के रूप में विनियामक क्षेत्र तथा विस्तारित त्रिक दोहराव का सीआरआईएसपीआर आधारित संपादन, तंत्रिका विज्ञान

पूर्ण

1. मेटास्टेटिक सीआरपीसी में एलयू177-पीएसएमए थेरेपी, नाभिकीय चिकित्सा
2. डेफिनिटिव कीमोरेडियोथेरेपी के प्राथमिक उपचार के बाद लोकली एडवांस्ड सिर और गर्दन के कैंसर में रेसिड्युअल बीमारी की पहचान करने में पीईटी-सीटी स्कैन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा, ईएनटी, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
3. नैदानिक रूप से संदिग्ध नासोफेरींजल कैंसर में ईबीवी डीएनए पीसीआर, माइक्रोबायोलॉजी, ईएनटी, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

4. इसोफेगल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में संकेतन-संबंधी प्रोटीन नोच 1, नोच 2, नोच 3, एचईएस1 और पी21 की अभिव्यक्ति और महत्व, का एक पूर्वव्यापी अध्ययनः चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, पैथोलॉजी, सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, विकिरण अर्बुदविज्ञान

निवारक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में आंत (मौखिक, मल और पित्त) माइक्रोबायोम का एक अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग, जठरांत्ररोग विज्ञान, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद
2. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास के लिए क्लिनिको-जेनेटिक प्रोग्नॉस्टिक सिग्नेचर, मूत्ररोग विज्ञान, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान
3. भारतीय रोगियों में गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा के जीनोमिक्स, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा, आईजीआईबी, नई दिल्ली
4. भारतीयों में स्तन कैंसर के आनुवांशिक, नैदानिक और महामारी-विज्ञानी कारकों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, राष्ट्रीय विकृति विज्ञान संस्थान, दिल्ली राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा
5. गर्भाशय के कैंसर, में वैश्विक डीएनए मेथिलिएशन के साथ कैंसर-टेस्टिस जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और नॉच सिग्नलिंग और इसके सहयोग के बीच इंटरप्ले का अध्ययन, जैव रसायन

विकिरण निदान

जारी

1. एक्सिलरी लिम्फ नोड नकारात्मक प्रारंभिक संचालक स्तन कैंसर के रोगियों में एक्सिला के उपचार के लिए एल्गोरिथ्म स्थापित करना, सर्जरी
2. भारत में कैंसर के रोगियों में कुल दर्द का मूल्यांकन करने के लिए एक उपकरण का विकास, ऑन्को-ऐनेस्थीसिया एवं उपशामक उपचार
3. कैंसर के रोगियों में दर्द के सामाजिक संदर्भ की पहचान करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, ऑन्को-ऐनेस्थीसिया एवं उपशामक चिकित्सा
4. प्लैटिनम रीफ्रैक्ट्री रिकरंट/ मेटास्टैटिक एचएनएससीसी में ईएमएफ (एर्लोटिनिब + मेथोट्रेक्सेट + 5-एफयू) का एक सिंगल आर्म व्यवहार्यता चरण ii अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान।
5. रोपिवसैने / डेक्सामेथासोन और 10% लिग्नोकैने इंजेक्शन के बीच भेद करने योग्य कैंसर के दर्द के लिए डिस्टल ग्लोसोफेरीन्जियल नर्व ब्लॉक में तुलना - एक यादृच्छिक परीक्षण, ऑन्को-ऐनेस्थीसिया और उपशामक चिकित्सा।
6. भारतीय तृतीयक उपचार केंद्र से उन्नत अनंतमूलक सिनोवियल कोशिका सार्कोमा का परिणाम: पूर्वव्यापी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

7. मेटास्टेटिक सिनोवियल सार्कोमा के मरीजों में जेमिसिटाबाइन / डोसेटेक्सेल का एक फेज II अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
8. ओस्टोजेनिक सर्कोमा में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट का मूल्यांकन, अस्थिरोग विज्ञान
9. स्तन रोगों के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सहसंबंध, विकिरण निदान
10. सीटी इमेज का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आई.आई.टी. रुड़की
11. कैंसर के दर्द से पीड़ित रोगियों में दर्द हेतु शुरुआती इंटरवेंशन से दर्द में राहत मिलती है, एनाल्जेसिक की ज़रूरत कम होती है और इस प्रकार जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है, अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा।
12. पुरःस्थ ग्रन्थि (प्रोस्टेट) कैंसर, का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
13. उन्नत एनएससीएलसी में मस्तिष्क मेटास्टेस का आकलन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
14. चिकित्सा विकिरण की कम खुराक की माप के लिए ऊतक के समान रूप से उत्तेजित ल्यूमिनेसेंट सामग्री का विकास, चिकित्सा भौतिकी एकक, और स्वास्थ्य भौतिकी विभाग अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, नई दिल्ली।

पूर्ण

1. स्टेज के निर्धारण, रोग की गंभीरता और रीसेक्टेबिलिटी के अनुमान और पीसीआई के निर्धारण की सटीकता के लिए सीए-ओवरी में सीटी बनाम पीईटी सीटी की तुलना, एक संभावित अध्ययन, शल्य अर्बुद विज्ञान
2. प्राथमिक कीमो-रेडिएशन थेरेपी द्वारा उपचारित लोकली एडवांस्ड सिर और ग्रीवा स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीईटी / सीटी) की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा
3. खराब परफॉर्मेंस स्टेटस (ईसीओजी पीएस-III) वाले अनरीसेक्टेबल/मेटास्टेटिक सीएजीबी रोगियों में एर्लोटिनिब व बेस्ट सपोर्टिव केयर (बीएससी), कैपिसिटेबिम प्लस बीएससी और केवल बीएससी की तुलना करने वाला थ्री आर्म फेज II/III आरसीटी, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
4. ग्रीवा के कैंसर में एमआरआई-सीटी आधारित इंट्राकैविटरी ब्रेकीथेरेपी के नैदानिक परिणाम- एक यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान
5. क्रॉनिक मास फोर्मिंग मास्टिटिस का मल्टीमॉडलिटी इमेजिंग मूल्यांकन तथा इसकी एटियोलॉजी निर्धारित करने में बायोप्सी आधारित अल्ट्रासाउंड निर्देशित वैक्यूम की भूमिका, विकिरण निदान
6. स्तन कैंसर की शुरुआती अवस्था में एपीबीआई के लिए वॉल्यूमेटिक मॉड्यूलेटेड एआरसी थेरेपी बनाम इंटरस्टीशियल मल्टीकैथेटर ब्रेशीथेरेपी (आईएमबी) की तुलना हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन: अनुकूलन, विषाक्तता और कॉस्मेसिस तुलना, विकिरण अर्बुदविज्ञान

7. 3डी कॉन्फॉर्मल रेडिएशन थेरेपी के साथ-साथ सिस्प्लेटिन और इमेज गाइडेड हाई डोज रेट ब्रेकीथेरेपी से उपचारित लोकली एडवांस्ड सर्वाइकल कैंसर में प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया का आकलन और डोसिमेट्रिक मूल्यांकन, विकिरण अर्बुद विज्ञान
8. ऑपरेशन किये जा सकने योग्य आरंभिक सर्वाइकल कैंसर में एमआरआई द्वारा निर्धारित बैरल इंडेक्स, लिम्फ मोड स्टेटस और रोग के लोकल एक्सटेंशन में सहसंबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
9. प्रारंभिक स्तन कैंसर रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड एफएनएसी का उपयोग करके एग्जिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन, शल्यक अर्बुद विज्ञान
10. भारतीयों में प्राइमरी एडवांस्ड ओवेरियन एपिथेलियल कार्सिनोमा में पेरिटोनियल कैंसर इंडेक्स (पीसीआई) का मूल्यांकन, शल्यक अर्बुद विज्ञान

विकिरण अर्बुदविज्ञान

1. अर्बुदविज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: कैंसर रोगियों, जैव रसायन के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बड़े आंकडों और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करना, जैवरसायन
2. पित्ताशय के कैंसर के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर नेटवर्क सिग्नलिंग की भूमिका, जैव रसायन
3. सिर और ग्रीवा के कैंसर रोगियों में पोस्ट विकिरण क्षय की रोकथाम में नवीन सेल्फ-असेम्बलिंग पेप्टाइड मैट्रिक्स (एसएपीएम) की भूमिका: यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडोंटिक्स, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सीडीईआर)
4. क्या प्रत्येक व्हार्टन वाहिनी में एन एसिटाइल-सिस्टीन के इंट्रा-डक्टल उपचार में एक्सरेस्टोमिया की कमी हो सकती है और रैडिकल एक्सटरनल बीम रेडियोथेरेपी उपचार के एकल वयस्कता वाले ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के वयस्क रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है? कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान, भेषजगुण विज्ञान।
5. दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना के बाद चुंबकीय क्षेत्रों के डॉसिमेट्री प्राप्त करने और स्थापित करने के लिए फैंटम मस्तिष्क का गठन, शरीर क्रिया विज्ञान।

पूर्ण

1. ओल्फक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा के रोगियों में ऑकल्ट लिम्फनोड मेटास्टेसिस की आवृति के मूल्यांकन हेतु संभावित प्रायोगिक अध्ययन, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान एवं सिर-ग्रीवा शल्य चिकित्सा विभाग, विकिरण अर्बुदविज्ञान, पैथोलॉजी, विकिरण विज्ञान और नाभिकीय चिकित्सा
2. प्राथमिक कीमो-रेडिएशन थेरेपी द्वारा उपचारित लोकली एडवांस्ड हेड और नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी (18एफ- एफडीजी पीईटी / सीटी) स्कैन की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन तथा सीईसीटी के साथ इसकी तुलना, नाभिकीय चिकित्सा, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान और सिर-ग्रीवा शल्यचिकित्सा, पैथोलॉजी और विकिरण विज्ञान

3. प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा में एमजीएमटी प्रमोटर मेथिलिकरण, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, पैथोलॉजी एवं विकिरण अर्बुदविज्ञान
4. क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताएं और बड़ी बी कोशिका लिंफोमा का परिणाम- एक महत्वाकांक्षी विश्लेषण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान और पैथोलॉजी।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. गैर-छोटी कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा, पैथोलॉजी में रापामाइसिन (एमटीओआर) और मिटोजन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) के स्तनधारी लक्ष्य के व्यापक विश्लेषण, पैथोलॉजी
2. फेफड़ों के कैंसर में 18-एफ.डी.जी.-पी.ई.टी./सी.टी. पर इंफ्लेमेटरी और मेटास्टैटिक मीडियास्टिनल लिम्फैडेनोपैथी का विभाजन करनाः स्टेरॉयड सप्रेशन की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा
3. कार्सिनोमा पित्त मूत्राशय के रोगजनन में न्यूक्लियर रिसेप्टर्स की भूमिका, जैव रसायन
4. भारतीय जनसंख्या में पित्ताशय के कार्सिनोमा के आणविक आनुवंशिक जोखिम कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक संभावित अध्ययन, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान
5. डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एच.ई.4) स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान
6. एचआईपीईसी और आईपी कीमोथेरेपी के बीच तुलना करते हुए एचआईपीईसी और प्रस्तावित फेज III आरसीटी का चरण II अध्ययन, टीएमसी, कोलकाता
7. होमोलोगस रीकंबिनेशन स्ट्रेटिफाइड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में हाइपरथर्मिया और इम्यून मॉड्युलेशन: लक्षित चिकित्सीय एप्रोच का विकास, टीएमसी, कोलकाता
8. भारत में गर्भाशय के कैंसर की वैकल्पिक उपचार विधियों का आर्थिक विश्लेषण: आर्थिक बोझ, जीवन की गुणवत्ता और मृत्यु-दर जोखिम का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
9. मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक इमेजिंग उपयोग करके रैपिड मॉलिक्युलर एसेसमेंट द्वारा कैंसर के सर्जिकल रिसेक्शन मार्जिन का निर्धारण, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर तिरुपति, आंध्र प्रदेश
10. गर्भाशय के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एचई4) स्तर का मूल्यांकन। प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान।

पूर्ण

1. फेफड़े की सर्जरी के लिए थोरैकोटॉमी कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद तेज दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित थोरैसिक पैरावर्टेब्रल ब्लॉक बनाम सर्जन निर्देशित सेराटस एंटेरियर प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, अर्बुद संवेदनाहरण
2. भारतीय तृतीयक चिकित्सा कैंसर केन्द्र में पंद्रह वर्ष से अधिक समय तक मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर के परिणाम: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 259 सारः 55 पुस्तकों में अध्यायः 42 पुस्तकें: 4

रोगी उपचार

1. <u>कुल बेड की संख्या</u> = 182

क. चिकित्सा अर्बुद विज्ञान = **78**		ग. शल्यक अर्बुद विज्ञान = **61**
ख. विकिरण अर्बुद विज्ञान = **37**		घ. प्रशामक चिकित्सा एकक = **06**

2 <u>कुल ओपीडी उपस्थिति - (2019-20) (कुल = 178700)</u>

क. पंजीकृत नए रोगी = **13008**

ख. पुराने रोगी = **165692**

2. <u>डॉ. बीआरएआईआरसीएच में विभिन्न ओपीडी / क्लिनिकों का विवरण (वर्ष 2019-2020)</u>

क्र. सं.	ओपीडी / क्लिनिक का नाम	नये रोगी			पुराने रोगी		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	वयस्क चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	1028	831	1859	16233	27462	43695
2.	वयस्क लिम्फोमा ल्यूकेमिया	-	-	-	-	-	-
3.	एएमएल/एचएल	127	70	197	3173	2217	5390
4.	एएलएल/सीएमएल	227	119	346	3260	2451	5711
5.	स्तन कैंसर	35	631	666	526	8527	9053
6.	अस्थि एवं सौम्य (ऊतक)	147	99	246	899	709	1608
7.	कैंसर की रोकथाम और स्क्रीनिंग	02	08	10	-	-	-
8.	पारिवारिक कैंसर	2	2	4	-	-	-
9.	जठरांत्रिक	408	294	702	1278	1021	2299
10.	स्त्रीरोग विज्ञान - 'ए'	-	125	125	-	855	855
11.	स्त्रीरोग विज्ञान - 'बी'	-	354	354	-	1849	1849
12.	स्त्रीरोग विज्ञान - 'सी'	-	258	258	-	1037	1037
13.	जेनिटोयुरनेरी और गाइनी	102	183	285	729	1949	2678
14.	सिर और ग्रीवा (सर्जरी) - ए	231	85	316	1409	549	1958
15.	सिर और ग्रीवा (ईएनटी) -बी	1038	170	1208	3486	1029	4515
16.	हेपेटोबिलरी और अग्नाशय संबंधी	146	110	256	874	640	1514

17.	फेफड़ों का कैंसर	532	196	728	4845	2816	7661
18.	एनएचएल/एमएम/सीएलएल	79	55	134	1851	1133	2984
19.	तंत्रिका अर्बुदविज्ञान	278	133	411	1699	837	2536
21.	आंखों का ट्यूमर	24	15	39	30	45	75
22.	बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	251	117	368	8351	5399	13750
23.	बाल चिकित्सा लिंफोमा ल्यूकेमिया	98	25	123	4978	2744	7722
24.	बाल चिकित्सा (सर्जरी)	67	49	116	1943	1697	3640
25.	पीड़ामुक्ति	689	431	1120	8389	8348	16737
26.	दर्द और प्रशामक चिकित्सा (आरटी-Ii)	-	-	-	-	-	-
27.	बाल चिकित्सा प्रशामक चिकित्सा	-	-	-	-	-	-
28.	विकिरण चिकित्सा	658	892	1550	6059	8123	14182
29.	शल्यक अर्बुद विज्ञान	360	340	700	1917	2328	4245
30.	वक्ष अर्बुदविज्ञान	198	166	364	1171	916	2087
31.	प्रत्यारोपण	13	11	24	904	582	1486
32.	यूरोलॉजी मैलिग्नेंसी	389	30	419	4266	1397	5663
33.	एंडो मैलिग्नेंसी	49	31	80	389	373	762
	कुल	7178	5830	13008	78659	87033	165692

कुल योग = 13008 + 165692 = 178700

भर्ती (2019-2020)	
नियमित भर्ती	11290
अल्पकालिक/डे केयर भर्ती	34435
कुल भर्ती	45725

छुट्टी (डिस्चार्ज) (2019-2020)	
नियमित छुट्टी	11072
अल्पकालिक/डे केयर छुट्टी	34130
कुल छुट्टी	45202
कुल मृत्यु - (2019-2020)	281

ऑपरेशन थिएटर सेवाएँ - (2019-2020)	
बड़े ऑपरेशन	1342

छोटे ऑपरेशन	10318
कुल ऑपरेशन	11660

इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राम (ईसीजी)	**4681**

ओपीडी प्रक्रियाएं (उपचार कक्ष सं. 15)	**6267**

ओपीडी कीमोथेरेपी सेवाएँ (उपचार कक्ष संख्या 15)	
पुरुष सीटी	4599
महिला सीटी	2436
बालक सीटी (बाल चिकित्सा)	5677
बालिकाएं सीटी (बाल चिकित्सा)	1968
कुल रोगी	14680

पंजीकृत नए रोगी की ओपीडी उपस्थिति (पुरुष और महिला) - (2019-2020)

पंजीकृत नए रोगी	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल-2019	640	520	1160
मई -2019	707	611	1318
जून-2019	630	432	1062
जुलाई-2019	753	596	1349
अगस्त-2019	602	512	1114
सितंबर-2019	594	486	1080
अक्टूबर-2019	546	479	1025
नवंबर-2019	615	443	1058
दिसंबर 2019	576	426	1002
जनवरी-2020	628	540	1168
फरवरी-2020	518	484	1002
मार्च-2020	369	301	670
कुल	7178	5830	13008

कुल (पुरुष और महिला) = 13008

पुराने रोगी की ओपीडी उपस्थिति (पुरुष और महिला) - (2019-2020)

पुराने रोगी	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल -2019	7014	8107	15121
मई -2019	7460	7840	15300
जून-2019	5749	6677	12426
जुलाई-2019	6930	8138	15068
अगस्त -2019	6627	7413	14040
सितंबर-2019	7205	7222	14427
अक्टूबर-2019	7041	6719	13760
नवंबर-2019	6739	7323	14062
दिसंबर 2019	6603	7194	13797
जनवरी-2020	6494	7542	14036
फरवरी-2020	5958	7232	13190
मार्च-2020	4839	5626	10465
कुल	78659	87033	165692

कुल (पुरुष और महिला) = 165692

रोगियों के निवास के अनुसार भौगोलिक वितरण = 13008

क्र.सं.	राज्य	कुल
1.	आंध्र प्रदेश	05
2.	अंडमान निकोबार	03
3.	असम	24
4.	अरुणाचल प्रदेश	04
5.	बिहार	1753
6.	चंडीगढ़	02
7.	छत्तीसगढ़	16
8	दादर एवं नगर हवेली	-
9.	दमन और दीव	-
10.	दिल्ली	3998
11.	गोवा	-
12.	गुजरात	08
13.	हरियाणा	1355
14.	हिमाचल प्रदेश	43

15.	जम्मू एवं कश्मीर	121
16.	झारखंड	160
17.	केरल	22
18.	कर्नाटक	08
19.	लद्दाख	11
20.	लक्षद्वीप	-
21.	मध्य प्रदेश	247
22.	महाराष्ट्र	24
23.	मेघालय	04
24.	मणिपुर	29
25.	मिजोरम	10
26.	नगालैंड	02
27.	ओडिशा	47
28.	पुद्दूचेरी	01
29.	पंजाब	73
30	राजस्थान	282
31.	सिक्किम	13
32.	तमिलनाडु	09
33.	तेलंगाना	03
34.	त्रिपुरा	09
35.	उत्तर प्रदेश	4165
36.	उत्तरांचल	395
37.	पश्चिम बंगाल	103
	कुल	12949

अन्य देश

1.	अफ़ग़ानिस्तान	04
2.	बांग्लादेश	07
3.	कैमरुन	01
4.	कांगो (डेमोक्रेटिक रिपब्लिक)	01
5.	नेपाल	45
6.	गणतंत्र आर्मेनिया	01
	कुल	59

कुल योग = 13008

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान सेवाएं - (2019-2020)

1.	हीमोग्राम (एचएमजी) - (हीमोग्लोबिन, कुल ल्यूकोसाइट गणना, प्लेटलेट्स)	52077
2.	परिधीय रक्त स्मीयर (पीबीएस)	6826
3.	अस्थि मज्जा एस्पिरेशन (बीएम)	4613
4.	साइटो-रसायन विज्ञान	1018
5.	सीरम प्रोटीन इलैक्ट्रोफोरेसिस (एसपीई)	5060
6.	इम्यूनोफिक्सेशन (आईएफएक्स)	3177
7.	मूत्र इलैक्ट्रोफोरेसिस (यूई)	1406
8.	ट्यूमर मार्कर	3431
9.	फ्लोसाइटॉमेट्री	40465
10.	सी.एस.एफ.	2133
11.	ईएसआर	329
12.	आणविक जीव विज्ञान	6707
13.	सीरम फ्रीलाइट चेन	96
14.	साइटोपैथोलॉजी	44
15.	बीटा 2 - माइक्रोग्लोबुलिन	597
16.	कोशिका विज्ञान	514
17.	एचपीबी डीएनए	1537
	कुल	130030

कुल योग = 130030

अफेरेसिस - (2019-2020)

1.	सिंगल डोनर प्लेटलेट्स (एसडीपी)	2818
2.	परिधीय रक्त स्टीम सेल-हार्वेस्ट (पीबीएससी)	201
3.	हीमोग्राम	23868
4.	प्लाज्मा	-
5.	ग्रैनुलोसाइट्स की संख्या	101
6.	प्लाज्मा एक्सचेंज	01
	कुल	26989

कुल योग = 26989

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान प्रयोगशाला सेवाएं - (2019-2020)

1.	फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	294
2.	किमेरिज्म हेतु साइटोजेनेटिक्स	01
3.	सीएमएल (गुणात्मक) में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर	532
4.	सीएमएल (गुणात्मक) में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरक्यू-पीसीआर	512
5.	प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा सीडी 34 गणना	319
6.	प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा सीडी 3 गणना	25
7.	ल्युकेमिया के लिए इम्युनो फेनोटाइपिंग	-
8.	एमएनसी गणना	189
9.	स्टेम कोशिकाओं -80 का क्रायोप्रीजर्वेशन	132
10.	4 पर स्टेम कोशिकाओं का भंडारण	68
11.	अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण	02
12.	मूल कोशिका का आसव	140
13.	मूल कोशिका की जीवन क्षमता	159
14.	एस्परगिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	2658
15.	एएमएल में एफएलटी-3 म्यूटेशन की स्क्रीनिंग	-
16.	एलडीएच	483
17.	मैगनीशियम	109
18.	एक्यूट ल्यूकीमिया साइटोजेनेटिक्स	05
	कुल	5628

कुल योग = 5628

चिकित्सा भौतिकी सेवाएँ (2019-2020)

1.	विकिरणित रक्त थैलियों की संख्या	1235
2.	एक्स-रे मशीनों पर किया गया गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	2561
3.	डॉ. बीआरएआईआरसीएच, एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर किया गया गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	-
4.	रेडियोलॉजी (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	-
5.	एक्स-रे एककों में विकिरण उत्पादन माप	416
6.	एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर किया गया गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	-

7.	विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	-
8.	गर्भावस्था में असंगत एक्सपोजर हेतु सलाह देना	09
9.	एम्स में की गई क्यू.सी. परीक्षण फ्लोरोस्कोपी	-
10.	लीड एप्रिन पर किया गया क्यूए परीक्षण	118
	कुल	4339

कुल योग = 4339

विकिरण चिकित्सा सेवाएं - (2019-2020)

1.	रेडियोथेरेपी वाले मामले	61937
2.	रेडियोथेरेपी वाला कुल क्षेत्र	-
3.	ब्रैकीथेरेपी वाले मामले	930
4.	उपचार योजना और सिमुलेशन	3782
5.	दो और तीन आयामी खुराक वितरण	727
6.	क्षतिपूरक	382
7.	परिरक्षण ब्लॉक स्थिरीकरण उपकरण और ओरिफिट	2099
8.	रेडिएशन रिव्यू क्लिनिक	3051
9.	प्लानिंग सी.टी.	1406
	कुल	74314

कुल योग = 74314

विकिरण निदान सेवाएं (2019-2020)

1.	सीटी स्कैन	7641
2.	अल्ट्रासाउंड	6710
3.	मैमोग्राफी	2302
4.	एक्स-रे (नियमित)	15370
5.	डॉपलर	329
6.	इंटरवेन्शन	1560
7.	विशेष जांच (बीए, I)	851
	कुल	34763

कुल योग = 34763

विकिरण संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

<u>विभाग में उपलब्ध सुविधाएं</u>

1. आईआरसीएच, एम्स में 'पेन-पॉलिसी'। इस पॉलिसी का उद्देश्य है; आईआरसीएच सभी पंजीकृत रोगियों के दर्द का उपचार करने के लिए प्रतिबद्ध है।
2. अर्बुद संवेदनाहरणऔर प्रशामक चिकित्सा विभाग में एम्स, एमडी, प्रशामक चिकित्सा और डीएम, अर्बुद संवेदनाहरणपर दो नए पाठ्यक्रम चलाना जारी रखा।
3. पूरे अस्पताल के लिए संरचित दर्द और उपशामक चिकित्सा कार्यक्रम
4. आईआरसीएच, एम्स में सप्ताह में सभी छह दिन दर्द और दर्द निवारक क्लीनिक चलाता है।
5. पीएनएफएस (पेरिफेरल नर्व फील्ड स्टिमुलेटर) और प्रोग्रामेबल इंट्राथेकल इंप्लांट जैसी उन्नत इंटरवेंशनल पीड़ा चिकित्सा तकनीक
6. जठरांत्र और स्त्रीरोग संबंधी विकृति के लिए सुपाइन स्थिति में यूएसजी निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक
7. अल्ट्रासाउंड निर्देशित लाइन के बीच शिरापरक लाइन प्लेसमेंट
8. कैंसर के दर्द वाले रोगियों के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन
9. कैंसर के मरीजों में स्क्रैम्बलर थेरेपी
10. पैलिएटिवकेयर यूनिट ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर का सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम, डॉ. बीआरएआईआरसीएच वर्ष में दो बार पैलिएटिव केयर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम को चलाने वाला एक प्रधान केन्द्र है।
11. कैंसर रोगियों में दर्द के मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक पहलू पर अनुसंधान, दर्द और उपशामक चिकित्सा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग अनुसंधान आरंभ किया गया है।

<u>प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान</u>

क्र.सं.	**जाँच**	**संख्या**
1.	हीमोग्राम	52077
2.	अस्थिमज्जा	4613
3.	पेरीफेरियल ब्लड स्मियर	6826
4.	सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफॉरेसिस	5060
5.	यूरिन इलेक्ट्रोफॉरेसिस	1406
6.	इम्यूनोफिक्सेशन	3177
7.	सीरम फ्री लाइट चेन	96
8.	ईएसआर	329
9.	साइटोकैमिस्ट्री	1018
10.	साइटोस्पिन	2133
11.	फ्लोसाइटॉमेट्री	40465
12.	आणविक अध्ययन	6707

13.	बीटा 2 माइक्रोग्लोबुलिन	597
14.	ट्यूमर मार्कर	3184
15.	एचपीवी डीएनए टेस्ट	1537
16.	गाइडेड साइटोपैथोलॉजी	514

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद

अप्रैल 2018 से विभाग में कैंसर रोगियों के लिए दो जैव रासायनिक जांचे शुरू की गई

1. सीरम एलडीएच जांच
2. सीरम एमजी2+ जांच

डॉ. मयंक सिंह

1. वर्ष 2019-2020 में (कुल रोगी संख्या = 956 वर्ष 2019-2021 हेतु) मात्रात्मक पीसीआर में 527 रोगियों तथा नेस्टिड पीसीआर के 427 रोगियों सहित पिछले एक वर्ष से सीएमएल रोगियों हेतु बीसीआरएबीएल प्रतिलेख के मात्रा निर्धारण के लिए कैंसर रोगियों हेतु पीसीआर आधारित सेवाएं (वास्तविक समय एवं नेस्टिट पीसीआर)।
2. रोगियों के लिए ईएलआईएसए आधारित वीईजीएफ आकलन सेवाएं शुरू की, जो आज हम एक नियमित रोगी सेवा के रूप में प्रदान कर रहे हैं (कोई शुल्क नहीं)।

चिकित्सा भौतिकी

1.	विकिरणित रक्त की थैलियों की संख्या	**1235**
2.	एक्स-रे मशीनों पर किया गया गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	**2561**
3.	एक्स-रे एककों में विकिरण उत्पादन माप	**416**
4.	*गर्भावस्था में अनजाने जोखिम पर सलाह*	***09***
5.	एम्स में लीड एप्रिन पर किया गया क्यूए परीक्षण	**118**
	कुल	**4339**

निवारक अर्बुदविज्ञान

सामुदायिक सेवाएं

एम्स के बाहर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

1. 21 जनवरी 2020 को नेहरू कॉलेज, फरीदाबाद में सरकारी कॉलेजों की लड़कियों के लिए महिला कैंसर जागरूकता कार्यक्रम
2. 27 फरवरी 2020 को करोड़ीमल कॉलेज में कैंसर रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम।

एम्स में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

1. फुप्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग और राष्ट्रीय औषध निर्भरता एवं उपचार केंद्र, गाजियाबाद के सहयोग से फेफड़े का कैंसर जागरूकता कार्यक्रम
2. प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के सहयोग से सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम।

विकिरण निदान

क्र.सं.	जाँच का नाम	संख्या
1.	एक्स-रे	15370
2.	अल्ट्रासाउंड	6710
3.	डॉपलर	329
4.	सीटी	7641
5.	मैमोग्राफी	2302
6.	विशेष जांच (फ्लोरोस्कोपी)	851
7.	इंटरवेन्शन	1560
	कुल योग	**34763**

विकिरण अर्बुदविज्ञान

क. **विभागीय आंकड़े (आईआरसीएच)**

1.	बाहरी बीम रेडियोथेरेपी के कुल मामले:	61937
2.	ब्रेकीथेरेपी के कुल मामले:	930
3.	उपचार योजना और सिमुलेशन:	3782
4.	2डी और 3डी वितरण:	727
5.	क्षतिपूरक:	382
6.	परिरक्षण ब्लॉक, स्थिरीकरण उपकरण, मोल्ड्स:	2099
7.	विकिरण रिव्यू क्लिनिक:	3051
8.	प्लानिंग सीटी:	1406

ख. **विभागीय आंकड़े (एनसीआई-एम्स, झज्जर)**

1.	बाहरी बीम रेडियोथेरेपी के कुल मामले:	6197
2.	ब्रेकीथेरेपी के कुल मामले:	453
3.	प्लानिंग सीटी:	463
4.	आरटी के साथ कुल पंजीकरण:	1534
5.	कुल किये गए ओटी:	299

शल्यक अर्बुदविज्ञान

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

1. **छोटे ऑपरेशन थियेटर:-** माइनर ओटी में लिम्फ नोड बायोप्सी, पंच / ट्रुकट बायोप्सी, त्वचा / ओरल ट्यूमर निकालना, सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर, जेजुनोस्टॉमी फीडिंग, कोलोस्टॉमी, दीर्घकालिक कीमोथेरपी हिक्मैंस कैथेटर/कीमो पोर्ट्स सहित कई चिकित्सीय और छोटी चिकित्सीय प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।
2. **एंडोस्कोपी सेवाएं (नैदानिक और चिकित्सीय):**
    - नैदानिक एंडोस्कोपी: वीडियो और फाइबर ऑप्टिक ऊपरी जीआई एंडोस्कोपी, साइड व्यूइंग डुओडोनोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, सिग्मोइडोस्कोपी, ब्रोन्कोस्कोपी, सिस्टोस्कोपी, नासोफैरिंजो लैरींगोस्कोपी और लेमरोस्कोपी
    - चिकित्सीय एंडोस्कोपी: स्ट्रिक्चर डिलाटेशन, अंतःस्रावी रेडियोथैरेपी, स्टेंटिंग और पर्क्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी
3. **बड़े ऑपरेशन थियेटर :** सिर एवं ग्रीवा, जठरांत्र, स्तन, हड्डी एवं कोमल ऊतक, स्त्रीरोग संबंधी दोष, हैप्टो-बिलिएरी-पैंक्रिएटिक दोष एवं वक्षिय ट्यूमर को हटाने तथा पुनर्निर्माण सहित कैंसर की सभी प्रमुख शल्य चिकित्साओं हेतु सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थिति-निर्धारण के बाद दोषों के पुनर्निर्माण के लिए उन्नत पुनर्संरचनात्मक शल्य प्रक्रियाएं की जाती हैं।

इसके अतिरिक्त अत्याधुनिक अर्बुदविज्ञान शल्य चिकित्सक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं जिसमें जीआई कैंसर के लिए न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी शामिल है। इनमें थोरैसिक कैंसर और गाइनी कैंसर, पेरिटोनियल सतह की खराबी के लिए एचआईपीईसी, सारकोमा के लिए जटिल लिंब बचाव प्रक्रिया और वंशानुगत कैंसर के लिए जोखिम कम करने वाली सर्जरी भी सम्मिलित हैं।

छोटे ऑपरेशन और एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं की कुल संख्याः 10,493

कैंसर के किए गए बड़े ऑपरेशन की कुल संख्याः 1374

शल्य चिकित्सा ऑडिट और गुणवत्ता मेट्रिक्स

- कुल बिस्तर अधिभोग - 100%
- ऑपरेटिव मृत्यु दर - 0.8%
- पेरी- ऑपरेटिव मृत्यु संख्या (सीडी ग्रेड III और IV - 7%)
- पुनः ऑपरेशन दर - 1.06%
- पुनः भर्ती दर - 0.5%

अन्य प्रमुख पहलः

एनसीआई –एम्स शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग ने एनसीआई झज्जर में शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान सेवाओं की योजना, उपचार और शुरूआत के लिए सक्रिय रूप से योगदान दिया है। अर्बुदविज्ञान ओपीडी सेवाएं फरवरी 2019 में शुरू हुईं और प्रमुख ओटी सेवाएं मई 2019 में शुरू हुईं।

सामुदायिक सेवा

1. डॉ. सुनील कुमार, एनजीओ, चंद्रकांति देवी कैंसर फाउंडेशन के माध्यम से बिहार और झारखंड में कैंसर के लिए मुफ्त कैंसर चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और छात्र जागरूकता फैला रहे हैं।
2. डॉ. सुनील कुमार, अशोक मिशन, सितंबर 2019 के माध्यम से लेह (लद्दाख) में व्यक्तिगत प्रशिक्षण और नैदानिक उपचार प्रदान करने वाली एम्स की टीम के एक हिस्से के रूप में बतौर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट सेवाएं प्रदान कीं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

वर्ष 2019 में एम्स, नई दिल्ली के दूसरे परिसर के रूप में 2019 में हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के उद्घाटन के साथ, मुख्य डॉ. बीआरएआईआरसीएच और विभागों / एककों के प्रमुखों को राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की मार्गदर्शक भूमिका और देख-रेख की जिम्मेदारी सौंपी गई ताकि निदेशक एम्स के समग्र मार्गदर्शन में एम्स और एनसीआई के उद्देश्यों में सामंजस्य स्थापित करके इसका उचित विकास किया जा सके।

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा

प्रोफेसर सुषमा भटनागर इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर, 2018 की अध्यक्ष थीं, सदस्य, अगस्त 2020 में एम्स्टर्डम में आयोजित होने वाली, विश्व स्वास्थ्य कांग्रेस की वैज्ञानिक समिति 12-16 सितंबर 2018 के दौरान बोस्टन में आयोजित होने वाली विश्व कांग्रेस की पेन पर वैज्ञानिक समिति; कार्यान्वयन समूह- लैंसेट कमीशन ग्लोबल एक्सेस टू पेन कंट्रोल एंड पैलिएटिव केयर, 2018। वह अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल अर्बुदविज्ञान द्वारा कॉनकर कैंसर फाउंडेशन से 2018 इंटरनेशनल इनोवेशन ग्रांट (प्रोजेक्ट आईडी 12554) की प्राप्तकर्ता थीं; 2023 तक 6 साल की अवधि के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी) की काउंसिल सदस्य; 2009 से इंडियन जर्नल ऑफ पैलिएटिव केयर की मुख्य संपादक; उन्हें 2014 में 3 साल के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ होस्पीस एंड पेलियेटिव केयर (आईएएचपीसी) के निदेशक मंडल के रूप में नियुक्त किया गया था; भारत में पेलियेटिव केयर कार्यक्रम की प्रधान सलाहकार। वह एशिया पैसिफिक होस्पीस एंड पेलियेटिव केयर नेटवर्क, 2012-2018 द्वारा पेलियेटिव केयर कार्यक्रम में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए उप-दल मार्गदर्शक थीं। वह लैंसेट अर्बुदविज्ञान और ब्रिटिश जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के लेखों की समीक्षक हैं।

डॉ. राकेश गर्ग को समाज में अमूल्य योगदान और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रवीणता पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया, आईएएससीओएन 2019 - 67वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसए, बैंगलोर में प्रशंसा अवार्ड सर्टिफिकेट दिया गया; नवंबर 2019। उन्हें एआईडीएए राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुति के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया था। पुनर्जीवन दिशानिर्देशों के विकास के लिए उन्हें आईएलसीओआर टास्क फोर्स की बैठक में एक पर्यवेक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। आईएलसीओआर में संसाधन बाधाओं के लिए सीआरपी दिशानिर्देशों के ढांचे में योगदान के लिए टास्क

फोर्स के सदस्य बने। उन्होंने जेएनएसीसी (जर्नल ऑफ़ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर) के संपादकीय बोर्ड से वर्ष 2019 के लिए समीक्षक के रूप में मान्यता का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। उन्हें सिंगापुर मेडिकल जर्नल समीक्षक मान्यता पुरस्कार 2019 के लिए चुना गया था। उन्हें प्रशंसा पत्र और वर्ष 2019-2020 में भारतीय जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के सह-संपादक के रूप में उत्कृष्ट कार्य के लिए योग्यता का प्रमाण पत्र मिला। वह इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के सह-संपादक हैं; जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी और बीएमसी इमरजेंसी मेडिसिन, पबमेड इंडेक्सेड जर्नल।

डॉ. निष्कर्ष गुप्ता आईजेए, बीएमजे ओपन, जेओएपीसी, ईरानी जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ़ कैंसर के समीक्षक हैं और डॉ डीवाई पाटिल विद्यापीठ के मेडिकल जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं।

डॉ. बलबीर कुमार को 11-14 नवंबर, 2019 को वेंकटेश्वर अस्पताल द्वारका नई दिल्ली में बीएलएस एंड एसीएलएस पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद बीएलएस एंड एसीएलएस प्रदाता एएचए सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

डीसीआर

डॉ. राजीव कुमार मल्होत्रा को 8 दिसंबर 2019 को नोएडा में 2011 में भारतीय बाल चिकित्सा पत्रिका में प्रकाशित हमारे शोधपत्र शीर्षक "रिसीवर ऑपरेटिंग कैरेक्टरिस्टिक (आरओसी) कर्व फॉर मेडिकल रिसर्च" को सर्वोच्च प्रशस्ति पत्र मिला।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर रितु गुप्ता को भारतीय माइलोमा शैक्षणिक समूह (11 और 12 मई 2019) के दूसरे वार्षिक सम्मेलन में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण आधारित डिजिटल एमएलपीए द्वारा "मल्टीपल मायलोमा में सीएनवीस के अनुमान" पर प्रस्तुति के लिए पुरस्कार मिला।

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारत सरकार द्वारा एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए (जून 2019- दिसंबर 2019) में जीनोमिक्स में 6 महीने की फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

डॉ. अनीता चोपड़ा ने जापानी सोसायटी ऑफ हेमटोलॉजी वार्षिक बैठक 2019 का यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. प्रणय तंवर ने एबीपीएमटी एंड आईसीबीएमटी-2019 से यात्रा अनुदान पुरस्कार प्राप्त किया और 61वीं वार्षिक बैठक 2020 कोरियाई समाजविज्ञान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. अमर रंजन को कोरियन सोसायटी ऑफ ब्लड एंड मैरो ट्रांसप्लांटेशन की 24वीं वार्षिक कांग्रेस में आमंत्रित किया गया था, 30 अगस्त-1 सितंबर 2019, बुसान, कोरिया; बंगाल सोसायटी ऑफ हेमटोलॉजी,

कोलकाता, बीईएसएचसीओएन 2020, 14-16 फरवरी, 2020 और कोलकाता में 23-25 अगस्त 2019 को एशिया में पास्ट ईएचए (एचओपीई) की मुख्य विशेषताओं का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. गुरविंदर कौर ने सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, यूएसए में 1-4 मार्च 2020 को बेसिक और क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी में एडवांस्ड कोर्स के लिए आईयूआईएस जीईसीडी-एफओसीआईएस ट्रैवल अवार्ड 2020 प्राप्त किया।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर ललित कुमार को अमेरिकन सोसायटी ऑफ हेमाटोलॉजी (एएसएच), वाशिंगटन द्वारा एशिया पैसिफिक (सीआरटीआई-एपीएसी) क्षेत्र में 2020 नैदानिक अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान के लिए संकाय-सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 12 अक्टूबर 2019 को जयपुर में प्रेसिजन अर्बुदविज्ञान और वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय स्तन कैंसर सम्मेलन 2019 के दौरान पद्मश्री श्री आडवाणी भाषण दिया। उन्होंने हेमटोलोजिक अर्बुदविज्ञान सोसायटी (एसओएचओ) की वार्षिक बैठक, ह्यूस्टन, यूएसए (2017-कॉनटेड) को राजदूत के रूप में सेवा दी। वे कैंसर (एल्सेवियर) में वर्तमान समस्याओं के लिए सह-संपादक (एशिया) हैं और संपादकीय बोर्ड 'अर्बुदविज्ञान (कार्गर), क्लिनिकल हेमाटोलॉजी इंटरनेशनल (अटलांटिस प्रेस) और इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) के सदस्य हैं। वह केमिकल बायोलॉजी एंड थैरेप्यूटिक्स (सीबीटी), बैंगलोर, (डीबीटी, भारत सरकार) दिनांक: 27 मार्च 2020 को विस्तार प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; डेटा सुरक्षा प्रबंधन बोर्ड एक चरण II / III, एसआईआईपीएलएस क्यूएचपीवी वैक्सीन की सुरक्षा और सुरक्षा का आकलन करने के लिए आंशिक रूप से डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, सक्रिय नियंत्रित, बहु केंद्रित अध्ययन; तृतीयक कैंसर चिकित्सा कार्यक्रम, डीजीएचएस, एनसीडी अनुभाग, भारत सरकार , नई दिल्ली की स्थायी समिति; आईजेएमआर के लिए विशेषज्ञ समिति, नैदानिक इमेज प्रतियोगिता (दिसंबर 2019); मेडिकल अर्बुदविज्ञान वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के लिए संकाय चयन बोर्ड - 110029 (31 जुलाई 2019) में शामिल हैं। वे मद्रास विश्वविद्यालय और जेएनसीएसआर (जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बैंगलोर) के लिए पीएचडी के लिए परीक्षक थे।

प्रोफेसर अतुल शर्मा को 1 नवंबर 2019 को इंदौर में द्विवार्षिक आईएसओ-आईएसएमपीओ की संयुक्त बैठक के दौरान आईएसएमपीओ ओरेशन से सम्मानित किया गया। उन्होंने अगस्त 2019 में भूटान और प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल, टोरंटो, कनाडा में बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन में अल्पकालिक प्रशिक्षण / ऑब्जर्वरशिप का लाभ उठाने के लिए (फॉर अनरिलेटेड एंड हेप्लोडेन्टिकल एलोजैनिटिक स्टेम सेल) एक कैंसर अस्पताल की स्थापना के लिए भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल के भाग के रूप में भूटान का दौरा किया, कनाडा, 2019।

प्रोफेसर समीर बख्शी को सेवेरॉन फाउंडेशन द्वारा पेशे के प्रति असाधारण सेवाओं और समर्पण के लिए भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में "अटल स्वास्थ्य भूषण सम्मान" से सम्मानित किया गया।

डॉ. रंजीत कुमार साहू ने 9 नवंबर 2019 को रामलिंगास्वामी सभागार, एम्स, नई दिल्ली में "ऑन्कोलॉजिकल इमर्जेंसीज़" का आयोजन किया। वह मई-अगस्त 2019 के बीच 3 महीने की अवधि के लिए पेकिंग यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ हेमटोलॉजी (पीयूआईएच) में विजिटिंग फेलो थे।

डॉ. राजा प्रमाणिक ने भारत में वंशानुगत स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर [एचबीओसी] के आनुवांशिक परीक्षण और उपचार के लिए आम सहमति विकसित करने के लिए विशेषज्ञों की बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; उन्होंने इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक अर्बुदविज्ञान; मुंबई, साकेत बार एसोसिएशन में विभिन्न सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम किये; एचबीओसी;ओएनएआई पर जन जागरूकता व्याख्यान; अर्बुदविज्ञान नर्सेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया; नई दिल्ली। उन्होंने एम्स और रोगी उपचार ट्रस्ट द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया; उन्होंने तिब्बती शरणार्थियों एम्स सामुदायिक सेवा और रोगी को अर्बुदविज्ञान सेवाएं प्रदान की; दलाई लामा; मंदिर, मैकलॉड गंज, भारत।

डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद को 'ट्रांसलेशनल अप्प्रोचेज इन क्लिनिकल, एनवायर्नमेंटल एंड बायोटेक्नोलॉजिकल रिसर्च' पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डॉ भगवती प्रसाद इनोवेटिव रिसर्च अवार्ड' से सम्मानित किया गया। 'जेनोप्रो-2019' 11-12 अक्टूबर, इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली; श्री उमर शेख पीएचडी छात्र को जेनोप्रो-2019'11-12 अक्टूबर, 2019 इन्वर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली में प्रथम पोस्टर पुरस्कार; श्री उमर शेख को II पोस्टर पुरस्कार, पीएचडी छात्र "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ट्रांसिलेशनल अर्बुदविज्ञान, 14-15 फरवरी, 2020 एम्स, नई दिल्ली और एनसीआई-एम्स झज्जर। वह वैज्ञानिक संगठनों के सदस्य हैं - अगस्त 2019 से अब तक ईयूआरएएक्सइएसएस की सदस्यता और आईएसीआर (इंडियन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रेस।): सितंबर 2019 से आजीवन सदस्यता मिली। वह 16-17 जनवरी 2020 को एनआईईपीए, नई दिल्ली में फ़ाइनलाईजेशन ऑफ़ टीचिंग लर्निंग रिसोर्सेज फॉर लाइफ-साइंस टीचर्स पर दो दिवसीय कार्यशाला को अंतिम रूप देने के लिए एनआईईपीए में समूह समिति के सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने 14-15 फरवरी, 2020 को एम्स, नई दिल्ली और एनसीआई-एम्स, झज्जर में मेडिकल अर्बुदविज्ञान, एम्स यानी "ट्रांसलेशन ऑन्शनल ट्रेंड्स इन ट्रांसलेशनल अर्बुदविज्ञान में पहला फाउंडेशन सम्मेलन आयोजित किया। वह 'जेनोप्रो-**2019**' 11-12 अक्टूबर 2019 इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली में बायोटेक्नोलॉजी सत्र के अध्यक्ष थे। वह 21 मई 2019 को इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली में एम.एससी माइक्रोबायोलॉजी के लिए व्यवहारिक परीक्षा / वाइवा के लिए अन्त: विशेषज्ञ थे। वह विभिन्न पीयर-समीक्षित पत्रिकाओं यानी फ्रंट, ओनकोल, जे ऑफ एक्स, क्लीन, कैन, रेस, लाइफ साइंस, सेल, फिजियो आदि के समीक्षक थे। उन्होंने डॉ बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में सितंबर 2019 में एम.एससी नर्सिंग के लिए 'कैंसर बायोलॉजी कोर्स ' की शुरुआत की।

डॉ. थौदाम देबराज सिंह "ट्रांसलेशनल अर्बुदविज्ञान में उभरते रुझान" पर पहले सम्मेलन के आयोजक सचिव थे: एम्स, नई दिल्ली और एनसीआई-एम्स, झज्जर; 14 और 15 फरवरी 2020; नई दिल्ली। वह विशेषज्ञ परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) थे; नैनो टेक्नोलॉजी / नैनोमेडिसिन (आईसीएमआर); 2019 के बाद; नई दिल्ली। उन्होंने डॉ पारिजात भटनागर, कार्यक्रम निदेशक (एएससीएल), कोशिका आधारित

चिकित्सा, कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया; आईआरसीएच एम्स, नई दिल्ली; 24 दिसंबर 2019; नई दिल्ली। उन्होंने एम.एससी नर्सिंग के लिए कैंसर बायोलॉजी पाठ्यक्रम को डिजाइन किया और पहल की ; आईआरसीएच एम्स, नई दिल्ली; सितंबर- नवंबर 2019; नई दिल्ली। वे आईएसएनएम (इंडियन सोसाइटी ऑफ नैनो मेडिसिन) और आईएसीआर (इंडियन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रेस।) के आजीवन सदस्य हैं।

डॉ. मयंक सिंह ने 14-15 फरवरी से एम्स नई दिल्ली और एनसीआई झज्जर में "ट्रांसलेशनल अर्बुदविज्ञान में उभरते रुझान" पर पहला सम्मेलन आयोजित किया। वह जयपुर के होटल मैरियट में 11 से 13 अक्टूबर तक "थर्ड एनुअल इंटरनेशनल प्रिसिशन ऑन्कोलॉजी एंड ब्रेस्ट कैंसर सम्मेलन" में पैनलिस्ट थे। उनके पीएचडी छात्र रवि चौहान ने एआईआईएम नई दिल्ली में "ट्रांसलेशन अर्बुदविज्ञान में उभरते रुझान" पर तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

डॉ. सचिन कुमार ने एनएएलसीसीओएन 2019 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए युवा अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त किया: 14 और 15 दिसंबर 2019 को केजीएमयू, लखनऊ में इंडियन सोसायटी फॉर स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएसएसएलसी) का 10 वां वार्षिक सम्मेलन। उन्होंने आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा "इवैल्यूएशन ऑफ़ रेगुलेशन ऑफ़ प्रोग्राम्ड डेथ-लिगंड1(पीडी-एल1) एक्सप्रेशन बी मिक्रोर्ण इन लंग कैंसर" के लिए अतिरिक्त अनुदान प्राप्त किया। अनुदान राशि: 47,64,984.00 रूपये, अवधि: 3 वर्ष (2019-2020) और भारतीय एनएससीएलसी रोगियों (ईपी1.03-20) में अंतरित माईक्रो आरएनएएस के नैदानिक और पूर्वानुमान संबंधी उपयोगिता पर पोस्टर प्रस्तुत किया। उन्होंने 7 से 10 सितंबर 2019 तक बार्सिलोना, स्पेन में फेफड़े के कैंसर पर आयोजित आईएएसएलसी 2019 विश्व सम्मेलन में ई-पोस्टर प्रस्तुत किया।

चिकित्सा भौतिकी

प्रोफेसर प्रतीक कुमार को शिक्षा और प्रशिक्षण समिति, चिकित्सा भौतिकी के अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईओएमपी) का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया था; तमिलनाडु के एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिशिस्ट ऑफ इंडिया (टीएन एंड पीएई-एएमपीआई) के तमिलनाडु और पुदुचेरी चैप्टर द्वारा डॉ सिरिल अल्बर्ट जयचंद्रन एंडॉवमेंट ऑर्डिनेशन को देने के लिए कन्याकुमारी में "प्रैक्टिकल एस्पेक्ट्स ऑफ़ क्वालिटी इन मेडिकल इमेजिंग: समरी ऑफ़ एक्सपीरियंस ऑफ़ 25 इयर्स" को 7 और 8 सितंबर, 2019 को टीएन एंड पीएई-एएमपीआई सम्मेलन के दौरान आमंत्रित किया गया था; परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं (एनएबीएल), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी एक्स-रे उपकरण के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था; केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), भारत सरकार द्वारा सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। आयन जनरेटर के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए तकनीकी समिति, आईआईटी दिल्ली और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्क, पुणे को दो परियोजनाओं के रूप में प्रदान की गई; सदस्य, परियोजना निगरानी समिति, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार; सदस्य,

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा गठित उपकरणों और निदान से संबंधित क्षेत्र के समीक्षा पैनल; दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्रौद्योगिकियों की व्यवहार्यता पर चर्चा करने के लिए 25 नवंबर, 2019 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स पर उद्योग नवाचार कार्यक्रम (आईआईपीएमई), बीआईआरएसी, डीबीटी एंड एमईआईटीवाई, भारत सरकार; सदस्य सचिव, विकिरण सुरक्षा समिति, एम्स; टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई शीर्षक "राष्ट्रीय विकिरण सुरक्षा कार्यक्रम स्थापित करने के लिए उच्च खुराक की अव्यवस्था इमेजिंग तौर तरीकों में डॉसिमेट्रिक और गुणवत्ता आश्वासन अध्ययन" से पीएचडी थीसिस के लिए परीक्षक और एक और पीएचडी थीसिस के लिए केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम द्वारा "स्तन कैंसर के प्रबंधन के लिए रेडियोथेरेपी उपचार योजना तकनीकों और विभिन्न खुराक गणना एल्गोरिदम का मूल्यांकन" शीर्षक वाली थीसिस के लिए परीक्षक; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में चिकित्सा भौतिकी संकाय, रेडियोथेरेपी विभाग और चिकित्सा भौतिक विज्ञानी, एलएचएमसी, दिल्ली के बाह्य विशेषज्ञ पद के लिए स्थायी चयन समिति; इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज (आईएनएमएएस), डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय द्वारा "रेडियोधर्मी जेल प्रणाली के साथ तीन आयामी विकिरण डॉसिमेट्री" नामक परियोजना की निगरानी के लिए, परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष बनने के लिए आमंत्रित किया गया था; चिकित्सा भौतिकी के जर्नल, ल्यूमिनेसेंस जर्नल (एल्सेवियर), इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजिकल इमेजिंग, रेडिएशन एंड एनवायर्नमेंटल बायोफिजिक्स (स्प्रिंगर), फिजिकल एंड इंजीनियरिंग साइंसेज इन मेडिसिन (स्प्रिंगर), यूरोपियन जे ऑफ मेडिकल फिजिक्स (एल्सेवियर), रेडिएशन फिजिक्स केमिस्ट्री (एल्सेवियर द नेदरलैंड) के लिए रेफरी; मेडिसिन (स्प्रिंगर), विकिरण और पर्यावरण बायोफिज़िक्स (स्प्रिंगर बर्लिन हीडलबर्ग) में ऑस्ट्रेलियाई भौतिक और इंजीनियरिंग विज्ञान; मेडिसिन (स्प्रिंगर), विकिरण और पर्यावरण बायोफिज़िक्स (स्प्रिंगर बर्लिन हीडलबर्ग) में ऑस्ट्रेलियाई भौतिक और इंजीनियरिंग विज्ञान;मेडिकल फिजिसिस्ट, एम्स, भुवनेश्वर और बीएससी रेडियोथेरेपी प्रौद्योगिकी, केजीएमयू के प्रश्नपत्र चयनकर्ता; परीक्षक, बीएससी और एमएससी मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी रेडियोडायग्नोसिस, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; आईएनएमएएस, डीआरडीओ द्वारा मोबाइल ऐप विकिरण प्रहरी का मूल्यांकन करने के लिए आमंत्रित किया गया; उत्तरी क्षेत्रीय नियामक केंद्र (एनआरआरसी), एईआरबी, नई दिल्ली में उत्तरी क्षेत्र (ईआईसी-एनआर) की विकिरण सुविधाओं के लिए एक्सपोजर जांच समिति की अध्यक्षता में बैठकें; संपादक, मेडिकल फिजिक्स गजट, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिक्स ऑफ इंडिया (एएमपीआई) के समाचार पत्र; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स; इलेक्ट्रो-मेडिकल उपकरण अनुभागीय समिति, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली के सदस्य रहे।

निवारक अर्बुदविज्ञान

डॉ. पल्लवी शुक्ला को 14 फरवरी, 2020 को गुरुग्राम, हरियाणा में अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसाइटी के 78वें वार्षिक सम्मेलन में "एआईओएस - सामुदायिक / सामाजिक नेत्र विज्ञान पुरस्कार" से सम्मानित किया गया और 14 मार्च 2020 को 53वें आरपीसी स्थापना दिवस पर सर्वश्रेष्ठ पीएचडी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विकिरण निदान

डॉ मुकेश कुमार को वर्ष 2020-2021 के लिए सोसायटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी इंडिया के कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. एकता धमीजा को 2 वर्ष (2019-2021) के कार्यकाल के लिए भारत के स्तन इमेजिंग सोसायटी का संचालन परिषद सदस्य नियुक्त किया गया था तथा एशिया पेसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर केयर के संपादकीय टीम की सदस्य रहीं।

डॉ कृतिका रंगराजन को इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन 2020 की डिजिटल समिति में नियुक्त किया गया और उन्होंने 2019-2020 के लिए यूरोपियन सोसाइटी ऑफ़ रेडियोलॉजी की अल्बर्ट एल बर्ट संपादकीय फैलोशिप प्राप्त की।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर जीके रथ ने एनसीडी स्क्रीनिंग कार्यक्रम का उद्घाटन किया और 30 जुलाई 2019 को बेंगलुरू में पोराकर्मिकास के लिए रोकथाम और कैंसर के शीघ्र निदान पर व्याख्यान दिया, 2 जुलाई 2019 को भोपाल में कैंसर कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि थे उन्होंने पहले टीसीजीए सम्मेलन पर प्लेनरी व्याख्यान दिया और 21 सितंबर 2019 को आईआईएसईआर, पुणे में 'मल्टी-ऑमिक्स स्टडीज इन कैंसर लर्निंग फॉर टीसीजीए ' पर भारत में कार्यशाला में सहयोग और 30 नवंबर 2019 को अहमदाबाद में एआरओआईसीओएन 2019 पर भाषण दिया। डॉ जीके रथ एनसीडीआईआर-आईसीएमआर, बेंगलुरु में कैंसर पर रिसर्च एरिया

पैनल (आरएपी) के अध्यक्ष हैं; 30 अप्रैल 2019 को परमाणु चिकित्सा विभाग के लिए शैक्षणिक योग्यता और शिक्षण अनुभव से संबंधित मुद्दों पर विचार करने के लिए विशेषज्ञों की एमसीआई समिति; द्वितीय कैम्पस, सीएनसीआई, कोलकाता के लिए उच्च शक्ति समिति; अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की पीआरएसजी एवं सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना "गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए कम लागत वाली स्वचालित स्क्रीनिंग प्रणाली का विकास (सर्वी एससीएएन-II)" सी-डैक, तिरुवनंतपुरम द्वारा कार्यान्वित किया गया; इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एसएएमईईआर, मुंबई द्वारा विकसित की जा रही दोहरी ऊर्जा चिकित्सा एलआईएनएसी की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रक्रिया की देखरेख करने वाली समिति के अध्यक्ष रहे। वह नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआईआर), इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, बैंगलोर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) है और एसएएमईईआर, मुंबई और आईएनएमएएस, डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे "मेडिकल और अन्य अनुप्रयोगों के लिए उच्च ऊर्जा इलेक्ट्रॉन रैखिक त्वरक प्रौद्योगिकी के अनुसंधान और विकास" नामक परियोजना के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति के अध्यक्ष हैं। डॉ जीके रथ इंडो यूएस एडवांस्ड रेडियोथेरेपी कंसोर्टियम (आईयूएस-एआरसी) वर्किंग ग्रुप की विशेषज्ञ समितियों / निकायों के सदस्य हैं; 3 जून 2019 को उत्तर-पूर्व क्षेत्र एनसीडीआईआर, बेंगलुरु में कैंसर पर विशेषज्ञ समूह की बैठक; 8 मई 2019 को आईसीएमआर-एनसीआरपी, बेंगलूरू के अंतर्गत एचबीसीआर में चिकित्सा के पैटर्न और पित्ताशय कैंसर अस्तित्व अध्ययन के लिए प्रोफार्मा को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समूह. उन्हें 6 मई 2019 को हरियाणा चंडीगढ़ के अम्बाला कैंट, टीसीसीसी की स्थापना के लिए बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। वह 17-19 दिसंबर 2019 को एम्स भोपाल में संकाय-सदस्यों की स्थायी चयन समिति के अध्यक्ष हैं, 19 नवंबर 2019 को आईजीआईएमएस, पटना में विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग में संकाय सदस्य की पदोन्नति के लिए 'व्यक्तिगत पदोन्नति मूल्यांकन बोर्ड' की बैठक में विशेषज्ञ; सदस्य, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एएफआरबी), भारत सरकार; मुंबई में 7 अक्टूबर 2019 को आइसोटोप उत्पादन के लिए रिएक्टर के विकास का मूल्यांकन करने के लिए बीएआरसी समिति। वह 20-21 जून, 2019 तक केजीएमयू और डॉ आरएमएलआईएमएस, केजीएमयू, लखनऊ में एमडी (आरटी) व्यावहारिक परीक्षा के लिए परीक्षक थे। वह एम्स भोपाल के संस्थान निकाय, एआईपीएच विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान और अस्पताल, लखनऊ के शासी निकाय के सदस्य हैं; 4 क्षेत्रीय कैंसर केंद्रों (आरसीसी) के शासी निकाय: आचार्य तुलसी आरसीसी, बीकानेर, आचार्य हरिहर आरसीसी, कटक और आरसीसी, अगरतला, और आरसीसी, इलाहाबाद; और सीएनसीआई, कोलकाता की स्थायी शैक्षणिक और अनुसंधान परिषद (एसएआरसी) रहे।

प्रोफेसर सुभाष गुप्ता आईसीपीओ, नोएडा की कैंसर स्क्रीनिंग गतिविधियों से जुड़े थे; अशोक मिशन द्वारा रोगी उपचार गतिविधियों के लिए सक्रिय समर्थन प्रदान किया, धर्मशाला में रोगी उपचार ट्रस्ट के सहयोगी हैं। वह 5 अप्रैल 2019 को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में थीसिस मूल्यांकन और 31 जनवरी 2020 को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक थे।

डॉ केपी हरेश आईसीपीओ, नोएडा की कैंसर स्क्रीनिंग गतिविधियों से जुड़े हैं; अशोक मिशन द्वारा रोगी उपचार गतिविधियों के लिए सक्रिय समर्थन प्रदान किया। वह 26 फरवरी 2020 को आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में थीसिस मूल्यांकन करने के लिए, 9 और 10 मई 2019 को कैंसर संस्थान, एडायार में रेडियोथेरेपी में डीएनबी अंतिम व्यवहारिक परीक्षा और वर्ष 2019 के लिए रेडियोथेरेपी में डीएनबी थीसिस का मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक थे। वह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली के अर्बुदविज्ञान में परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य थे; आईसीएमआर, नई दिल्ली में अनुसंधान पद्धति सेल की परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी); 13 जनवरी 2020 को विस्तृत प्रस्ताव चयन बैठक डीएचआर, नई दिल्ली के लिए प्रस्ताव 2019 के लिए इंडिया कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीएमआर- आईसीआरसी) के विषयगत समूह 'डायग्नोस्टिक्स' के सदस्य; 5 नवंबर 2019 को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) में आईसीएमआर- आईसीआरसी के तहत संकल्पना प्रस्ताव चयन बैठक के लिए इंडिया कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीएमआर- आईसीआरसी) के लिए विषयगत समूह डायग्नोस्टिक्स 'के सदस्य हैं। वह एनसीडी, आईसीएमआर हेडक्वार्टर, नई दिल्ली में 8 जुलाई 2019 को दिल्ली में डिवीजन के तहत इंडियन कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीआरसी) शीर्षक वाली परियोजना में वैज्ञानिक 'सी' (चिकित्सा) के एक पद को भरने के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए पैनल सदस्य थे; 31 अक्टूबर 2019 को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) नई दिल्ली में एनसीडी, आईसीएमआर हेडक्वार्टर, नई दिल्ली के डिवीजन के तहत डीएचआर में "इंडिया कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीआरसी)" नामक प्रोजेक्ट में अनुसंधान सहायक के एक पद को भरने के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए पैनल के सदस्य थे।

डॉ अहिताग्नि बिस्वास को 26 और 27 सितंबर 2019 को टाटा मेमोरियल सेंटर, परेल, मुंबई में पहली राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) अनुसंधान और दिशानिर्देश बैठक में बाल चिकित्सा दुर्भावनाओं में राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें 23-26 अक्टूबर 2019 को फ्रांस के ल्योन में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक अर्बुदविज्ञान (एसआईओपी) की 51वीं कांग्रेस में एक मौखिक सार प्रस्तुत करने के लिए आईसीएमआर यात्रा अनुदान दिया गया; 20-24 नवंबर 2019 को फीनिक्स, एरिजोना में एसएनओ 24 वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक और शिक्षा दिवस में भाग लेने के लिए सोसाइटी फॉर न्यूरो-अर्बुदविज्ञान (एसएनओ) से यात्रा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। वह मुंबई, भारत, सितंबर 2020 में 13 वें एसआईओपी एशिया सम्मेलन के लिए सार समीक्षा समिति के सदस्य हैं।

डॉ सुप्रिया मल्लिक को 28 नवंबर-1 दिसंबर 2019 तक अहमदाबाद में 35-40 वर्ष आयु वर्ग की एआरओआई फेलोशिप मिली।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर एसवीएस देव को स्तन शल्य चिकित्सा अंतर्राष्ट्रीय, स्विट्जरलैंड के कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया; अध्यक्ष इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिटोनियल सर्फेस मैलिग्नैन्सीज़; अध्यक्ष एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया; उपाध्यक्ष, एनसीआर अर्बुदविज्ञान फोरम; एम्स, ऋषिकेश के प्रोफेसर के रूप में

नामित किया गया। उन्हें राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड, टीएमएच द्वारा स्तन कैंसर के राष्ट्रीय दिशानिर्देश के विकास के विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था; एनईआईजीआरआईएमएस, एम्स ऋषिकेश और एम्स भुवनेश्वर द्वारा संकाय चयन के लिए विषय विशेषज्ञ रहे। उन्होंने सर्जिकल अर्बुदविज्ञान पाठ्यक्रम और भारत में मानकीकरण के लिए सोसाइटी ऑफ सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, यूएसए और एम्स - दिल्ली, ऋषिकेश, पटना और भुवनेश्वर के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की। उन्हें विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए- सुधाकर जी: दिल्ली अर्बुदविज्ञान फोरम एनुअल मीट, 2019 में क्विज़ में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित; ज्योतिषमान सैकिया: 11-15 अगस्त 2019 को वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ सर्जरी, क्राको पोलैंड क्विज प्रतियोगिता में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार; ज्योतिषमान सैकिया: 7 से 10 सितंबर 2019 तक फेफड़े के कैंसर पर विश्व सम्मेलन, आईएएसएलसी, बार्सिलोना, स्पेन में “ऑपरेटेड स्टेज्स I-IIIबी एनएससीएलसी अमंग यंग इंडियन कॉहर्ट्स-क्लिनिकल प्रोफाइल एंड आउटकम्स” पोस्टर को प्रस्तुत करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार और मनोज गौड़ा को बेस्ट थीसिस के लिए गीता मित्तल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी अध्यक्षता के तहत विभाग में पधारे अतिथि वैज्ञानिक: प्रो डेविड विंट्रीट, सर्जिकल अर्बुदविज्ञान के प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ एवलास्टोसिन, यूएसए; प्रोफेसर चंद्रकांत अरे, डिवीजन ऑफ सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, यूनिवर्सिटी ऑफ़ नेब्रास्का, ओमाहा, यूएसए; डॉ गीता शेट्टी, वरिष्ठ सलाहकार, स्तन सर्जरी, बर्मिंघम, यूके; प्रोफेसर जेम्स होवे, अध्यक्ष, सोसाइटी ऑफ सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, वाशिंगटन, यूएसए और डॉ वी गरिमेला, वरिष्ठ सलाहकार, कोलोरेक्टल सर्जरी, यूएचएनएम, स्टोक-ट्रेंट, यूके।

10.4 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द

प्रमुख

अतुल कुमार

आचार्य

प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा	गीता सतपती (नेत्र सूक्ष्म जीवविज्ञान)
जेएस तितियाल	राधिका टंडन	एस.के. खोखर
शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक)	महेश चंद्रा	दिलीप आर. शिंदे (नेत्र संवेदनाहरण)
मनदीप सिंह बजाज	राजपाल वोहरा	सीमा सेन (नेत्र विकृति विज्ञान)
संजय शर्मा (विकिरण निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृति विज्ञान)	नम्रता शर्मा
तनुज दादा	प्रदीप वेंकटेश	नीलम पुष्कर
टी वेलपंडियन (नेत्र औषध विज्ञान)	प्रवीन वशिष्ठ (नेत्र जैवरसायन)	जसबीरकौर (सामुदायिकनेत्रविज्ञान)
रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता (नेत्र संवेदनाहरण)	रेनु सिन्हा
तुषार अग्रवाल	एम. वनाथी	राजेश सिन्हा
भावना चावला (अवकाश पर)		पारिजात चंद्रा

अपर आचार्य

सूरज सिंह सेंजम (सामुदायिक नेत्रविज्ञान)	आलोक कुमार रवि (नेत्र जैवरसायन)	नबनिता हलदर (नेत्र औषध विज्ञान)

सह-आचार्य

नूपुर गुप्ता	रचना मील	विनोद कुमार
रोहन चावला	स्वाति फुलझले	विवेक गुप्ता (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)
	निशात हुसैन अहमद (नेत्र सूक्ष्म जैवविज्ञान)	

सहायक आचार्य

शिखा गुप्ता	नेवेते लोमी	देवांग अंगमो
प्रफुल्ल महाराणा	शौर्य वर्धन आजाद (नेत्र संवेदनाहरण)	कानिल रंजीत कुमार
अरशद अयूब	अमर पुजारी	रेबिका (नेत्र संवेदनाहरण)
	मनप्रीत कौर	

उपलब्धियां

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, जो देश में नेत्र उपचार के लिए शीर्ष केंद्र, अत्याधुनिक उपकरणों और रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ एक प्रमुख सुपर-स्पेशियलिटी संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। डॉ. रा.प्र. केंद्र की कुछ प्रमुख उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:

- अंधेपन की रोकथाम के लिए वि.स्वा.सं. सहयोग केंद्र।
- **100** से अधिक पीजी छात्रों और **50** से अधिक वरिष्ठ चिकित्सकों को किसी भी समय प्रशिक्षण प्रदान करने वाला दुनिया में सबसे बड़ा स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम।
- भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नेत्रहीनता और दृश्य हानि के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत नेत्र देखभाल गतिविधियों की योजना और नीति विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। राजेन्द्र प्रसाद केंद्र के प्रमुख, मंत्रालय के कार्यक्रम के लिए सलाहकार हैं।
- नेत्र विज्ञान की उप-विशिष्टताओं पर **26** वैज्ञानिक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें लाइव इंटरएक्टिव सर्जिकल सत्र और वेट लैक में प्रशिक्षण सत्रों को शामिल किया गया।
- **रेटिना और यूवीया सेवाएं:** एपेक्स रेफरल केंद्र विभिन्न दृष्टिगत खतरों के उपचार के लिए विटेरो-रेटिनल विकार।
- रा.प्र. केंद्र ने नेत्र रोगों के उपचार के लिए आरईआरसीएच के सहयोग से प्लेक ब्राचीथेरेपी की नई सुविधाएं शुरू की। सीबीएम क्रिस्टोफेल मिशन की सहायता से अतिरिक्त पुनर्वास सेवाओं के साथ न्यून दृष्टि सेवाओं का अद्यतन किया। भारत-अमेरिका सहयोग के लिए राष्ट्रपति ओबामा और पीएम मोदी विज़न को ध्यान में रखते हुए, आधिकारिक परिपत्र द्वारा निदेशक, एम्स द्वारा अनुरोध के अनुसार अनुसंधान के लिए नए सहयोग, सहयोगी लिंक उच्च शिक्षण और उत्कृष्टता के विभिन्न संस्थानों के साथ स्थापित किए गए हैं जिसमें जूल्स स्टीन इंस्टीट्यूट टफ्ट्स यूनिवर्सिटी, यूटी वेस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, मैसाचुसेट्स आई और इयर इन्फर्मरी, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, एनईआई, एनआईएच, बेथेस्डा, एमडी, यूएसए, साइटलाइफ, सिएटल, यूएसए, क्लीवलैंड क्लिनिक, यूएसए शामिल हैं। नेत्र विज्ञान में मानक उपचार वर्कफ़्लो की तैयारी में आईसीएमआर की सहायता की। नेत्र विज्ञान के लिए एबीपीएमजेएवाई पैकेज के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की सहायता की। ऊंचाई पर रहने वाली आबादी में नेत्र रोगों के लिए लेह, लद्दाख में सामुदायिक सर्वे. शहरी दृष्टिविहीनता और पर्यावरण पर मल्टी सेंटर कम्युनिटी सर्वे।
- **ग्लूकोमा सेवाएँ:** दृष्टिहीनता संबंधी नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के सहयोग से देश में ग्लूकोमा प्रशिक्षण के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।
- **कॉर्निया, मोतियाबिंद और अपवर्तक सेवाएं:** शुष्क नेत्र एएमडी वाले रोगियों के लिए बेहतर दृश्य परिणामों के लिए विशेष इंट्राओकुलर लेंस के आरोपण जैसी नवीन तकनीकें शुरू की गई हैं। कृत्रिम कॉर्निया अनुसंधान पर बायोइंजीनियरिंग चल रही है।
- **नेशनल आई बैंक (एनईबी):** शिक्षण, अनुसंधान और रोगी देखभाल में सक्रिय रूप से शामिल है। अब तक एनईबी ने **30,000** से अधिक कॉर्निया एकत्र किए हैं और **21,000** से अधिक कॉर्नियल प्रत्यारोपण किए हैं। कुछ मील के पत्थर जो एनईबी ने कॉर्नियल ब्लाइंडनेस को खत्म करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में काम करते

हुए हासिल किए हैं, उनमें उत्तर भारत में एक ही दिन में 10,500 शपथ, एक ही दिन में 22 कॉर्नियल प्रत्यारोपण और एक ही दिन में 21 आधुनिक कॉर्नियल सर्जरी (डीएसईके) शामिल हैं। एनईबी यूटिलाइजेशन दर पिछले 10 वर्षों में लगातार 70% से अधिक है। पिछले 4 वर्षों से सालाना 1000 से अधिक कॉर्नियल प्रत्यारोपण किए गए हैं। एनईबी गतिविधियों में ऊतक पुर्नप्राप्ति, सीरोलॉजिकल जांच (एचआईवी-1, एचआईवी-2, एचसीवी, एचबीवी और सिफलिस), ऊतक प्रसंस्करण, ऊतक भंडारण, ऊतक मूल्यांकन, स्पकुलर माइक्रोस्कोपी, स्लिट-लैंप माइक्रोस्कोपी, प्रशिक्षण और कार्यशाला, नेत्र दान संवर्धन, शिक्षण, अनुसंधान और शिक्षा शामिल हैं।

- **भेंगापन और बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान:** समर्पित स्ट्रैबिस्मस, बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान, न्यूरो नेत्र विज्ञान, ओकुलोप्लास्टी और ओकुलर ऑन्कोलॉजी सेवाएं, वर्ष 2019-20 के दौरान उपचार प्रदान करती रहीं। इसके अलावा, शैक्षणिक वर्ष के दौरान हमारी संकाय यूनिट ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में विभिन्न विषयों पर उल्लेखनीय विशेषज्ञ नैदानिक वार्ता प्रदान की। अकादमिक वर्ष के दौरान अच्छी गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक शोधपत्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित किए गए थे, जिनमें हमारी सभी उप-विशिष्टताओं से प्रमुख नैदानिक प्रासंगिकता को ध्यान में रखा गया। हमारी संकाय यूनिट अब विभिन्न वित्त पोषित, गैर-वित्त पोषित थीसिस परियोजनाओं के साथ-साथ अन्य नैदानिक अनुसंधान कार्य कर रही हैं। हमारे उच्च नैतिकता के अनुसार गुणवत्ता नैदानिक कार्य, अनुसंधान और रोगी देखभाल को ध्यान में रखते हुए, संकाय यूनिट भविष्य की बेहतर सेवा के लिए प्रयासरत है।
- **नेत्र विकृति विज्ञान:** यूवील मेलानोमा में एनएफपी-ओप्पा बी (एनएफ बी) की ट्यूमर माइक्रोएनेरेशन में पीडी -1 / पीडी-एल 1 पथ को लक्षित करना - नेत्र संबंधी विकृतियों के लिए नए इम्यूनोथेरेप्यूटिक प्रतिमान, ओकुलर मैलिग्नेंसीज, मोलेकुलर में लिपिड चयापचय का अध्ययन घातक लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर, ऑटोइम्यून रेटिनाइटिस में एंटीरेटिनल एंटीबॉडी की पहचान, ऑर्बिटल ट्यूमर में आणविक लक्ष्यों की पहचान और लक्षण वर्णन: अभिनव चिकित्सीय रणनीतियों का आधार, कोलेजन की परिवर्तनशील जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन और मायोपिया, रंजकता के साथ मानव विटरस में मौजूद अपमानजनक एंजाइमों का अध्ययन, यूवील मेलेनोमा में मार्कर, रेटिनोब्लास्टोमा में जलीय हास्य से ट्यूमर डीएनए नमूना में भूमिका पर अनुसंधान किया जा रहा है
- **नेत्र औषधिविज्ञान और औषध विभाग:** डॉ. आरपी सेंटर में फ्रंटलाइन कोरोना योद्धाओं की रक्षा के लिए डिस्पोजेबल फेस शील्ड (रोगाणुहीन व अरोगाणुहीन दोनों) प्रदान किए गए और हमारे संस्थान के अन्य केंद्रों / विभागों और दिल्ली पुलिस को कोविड-19 के विरूद्ध संघर्ष हेतु भी दान किए गए है। 2019 में निर्जीवाणु फार्मास्यूटिकल निर्माण हेतु ट्रांसरेकोन तकनीक का विकास और सत्यापन" नामक परियोजना के लिए प्राप्त बड़े अनुदान (बीआईआरएसी) प्रोजेक्ट के लिए ग्रैंड चैलेंज अवार्ड प्राप्त हुआ, जिसमें नाम इंट्राओकुलर के लिए पॉलीवलेंट बैक्टीरियोफेज और एंडोलिसिन थेरेपी का उपयोग करके पूर्व-नैदानिक सुरक्षा और प्रभावकारिता अध्ययन शामिल है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) और डीबीटी द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित 'एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध को संबोधित करने के लिए दृष्टिकोण के तहत' एएमआर के साथ संक्रमण। रा.प्र.कें. और संस्थान के विभिन्न अन्य विभागों के लिए इंजेक्शन / सामयिक दवा योगों के उच्च निर्जीवाणु वितरण का अभ्यास करना। आरपीसी और एम्स के लिए अनुसंधान और रोगी

देखभाल के लिए दवाओं का विश्लेषण। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सतह और भूजल में एंटीबायोटिक्स सहित जैव सक्रिय यौगिकों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है जो स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन की पहल का हिस्सा है। लैंडफिल में एक्सपायर्ड अपृथककृत दवाओं के निपटान के कारण पर्यावरण प्रदूषण फैलता है। मानकीकृत कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया (भारत सरकार के नेत्र रोग अस्पतालों के लिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट को सक्षम करने के लिए) और 2010 से अब तक भारत के 24 राज्यों (स्वा. एवं प.क.मं.-एम्स) में 79 नेत्र बैंकों को सेवा प्रदान करना (देश भर में 15,000 से अधिक नेत्रदान सक्षम)। हाल ही में भंडारण माध्यम प्रदान किया गया है जो एक सप्ताह के लिए दाता के कॉर्निया को संरक्षित कर सकता है।

- **नेत्ररोग सूक्ष्म जीवविज्ञानः** विभाग ने पिछले वर्ष के दौरान (अप्रैल 2019 से मार्च 2020) के दौरान विभिन्न परीक्षणों के लिए लगभग 26,000 नमूनों का प्रसंस्करण किया जैसे बैक्टीरिया संबंधी कल्चर और एंटीमायोक्रोबियल संवेदना जांच; कवक कल्चर; एकेंथेमिबा आंख और सीएनएस संक्रमणों के लिए कल्चर और पीसीआर; हर्प्स सिम्पलेक्स वायरस एंटीजेन का पता लगाना; डॉ. रा.प्र. नेत्रविज्ञान केंद्र के बाहय और आंतरिक रोगियों से बैक्टीरिया, कवक, वायरस, क्लामीडिया और एकेंथेमिबा आदि के लिए पीसीआर विश्लेषण। क्लामिडियल संक्रमणों, वायरल संक्रमणों और एकांथेमिबा संक्रमणों के लिए परीक्षण हेतु आग्रह करने पर एम्स के अन्य चिकित्सकीय विभागों में प्रदान किए गए थे।
- **नेत्ररोग जैवरसायन** निरंतर शिक्षण, अनुसंधान और रोगी देखभाल में सेवाएं प्रदान कर रहा है। चिकित्सकीय जैवरसायन विज्ञान प्रयोगशाला और अनुसंधान प्रयोगशाला सुविधा को आधुनिकतम उपकरणों के साथ अपग्रेड किया गया है। 20 से अधिक पैरामीटरों को जैवरसायन प्रयोगशाला में किया जा रहा है जिनमें लिपिड प्रोफाइल, एलएफटी, केएफटी और अन्य विशिष्ट जांच शामिल हैं जैसे हार्मोन और विटामिन बी12 आदि। प्रथम फोकस है आंखों की बीमारियों का प्रारंभिक निदान और लक्षण वर्णन। कुछ बायोमार्करों की पहचान की गई जिन्हें आंखों के फोड़ों का निदान/उपचार करने के लिए प्रयोग किया जा सकता था।
- **सामुदायिक नेत्र विज्ञान:** सामुदायिक नेत्र विज्ञान सामुदायिक जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा व्यापक प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं, समुदाय में आउटरीच नेत्र शिविरों के साथ-साथ नेत्रहीनों के लिए स्कूल, विजन स्क्रीनिंग, न्यून दृष्टि पुनर्वास, और महामारी विज्ञान अनुसंधान और सर्वेक्षण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण जैसी गतिविधियों में शामिल है। आउटरीच सेवाओं में अभावग्रस्त जनसंख्या में डायबिटिक रेटिनोपैथी की स्क्रीनिंग भी शामिल है। सामुदायिक नेत्र विज्ञान वर्तमान में एनपीसीबी और वीआई, डीएचआर, आईसीएमआर, डीएसटी जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों की साझेदारी में नेत्र देखभाल अनुसंधान और सेवाओं पर 20 परियोजनाएं चला रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, लंदन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन यूके, ओआरबीआईएस, साइटसेवर्स, विजनसप्रिंग, ऑपरेशन आईसाइट यूनिवर्सल, सीबीएम आदि सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ निकट सहयोग विकसित किया गया है। राष्ट्रीय अंधत्व और दृश्य हानि (एनबी एंड VI) सर्वेक्षण 2018 2018 में देश भर के 31 जिलों में कंट्रोल ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (NPCB & VI), भारत सरकार के राष्ट्रीय कार्यक्रम के समर्थन से पूरा हुआ। राष्ट्रीय अंधत्व और दृश्य हानि सर्वेक्षण रिपोर्ट के कार्यकारी सारांश को भारत के माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा 10 और 11 अक्टूबर 2019 को जारी किया गया था। सामुदायिक नेत्र रोग विभाग कृत्रिम बुद्धि के विकास के लिए चिकित्सा विभाग, आईआईटी का सहयोग कर

रहा है। प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवा प्राप्त करने वाले रोगियों में ग्लूकोमा और मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तंत्रिका नेटवर्क और दृष्टि कंप्यूटिंग आधारित उपकरण विकसित करना। शहरी गरीब आबादी के बीच प्राथमिक नेत्र देखभाल के वितरण में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) की भागीदारी पर एक परिचालन अनुसंधान का संचालन किया।

- **प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएँ:** नियमित आउटरीच नेत्र देखभाल सेवाओं के एक भाग के रूप में, यह दिल्ली सरकार और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से शहरी झुग्गियों और दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के वंचित समुदाय में 28 प्राथमिक नेत्र देखभाल क्लिनिक चलाती है। दिल्ली में चयनित स्थानों में गरीब और कमजोर समुदायों के लिए प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं। मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए आवश्यक मरीजों को रा.प्र. केंद्र पहुंचाया जाता है और उन्हें मुफ्त में भर्ती किया जाता है।
- **न्यून दृष्टि पुनर्वास सेवा:** इस पहल के तहत सामुदायिक नेत्र विज्ञान टीम के द्वारा दृष्टि बाधित लोगों को दृष्टि पुनर्वास सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सेवाओं के विभिन्न घटक हैं ओरिएंटेशन एंड मोबिलिटी, रीडिंग एंड रिहैबिलिटेशन सर्विसेज, लो विज़न मूल्यांकन, व्यावसायिक प्रशिक्षण पर परामर्श, दैनिक जीवन की गतिविधियाँ (एडीएल), इंस्ट्रूमेंटल एडीएल, विकलांगता प्रमाणपत्र जारी करना, पर्यावरण के लिए सलाह और लाइटिंग मॉडिफिकेशन। जरूरतमंद मरीजों और परिवार आदि को विभिन्न सरकारी योजना और लाभ उठाने के लिए सभी जानकारी भी प्रदान करते हैं। नेत्रहीनों के लिए स्कूलों में प्रवेश की आवश्यकता वाले युवा रोगियों की भी मदद की जाती है। विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ नेटवर्किंग प्रणाली के माध्यम से समुदाय आधारित पुनर्वास भी चलाया जाता है। मरीजों को वोकेशन ट्रेनिंग देने के लिए ऐसे एनजीओ के पास जाने की सलाह दी जा रही है।
- **स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियाँ:** सामुदायिक नेत्र विज्ञान संस्थान में आउट पेशेंट और रोगी सेवाओं का उपयोग करने वाले रोगियों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों का संचालन कर रहा है। यह प्राथमिक नेत्र देखभाल क्लीनिक में पहले से चल रही स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों के अतिरिक्त है। विषयों में सामान्य नेत्र देखभाल, चश्मे की देखभाल, अपवर्तक त्रुटि, मोतियाबिंद सर्जरी के बाद देखभाल, मोतियाबिंद, रेटिनोब्लास्टोमा, समयपूर्वता की रेटिनोपैथी आदि शामिल हैं।
- भारत में अल्ट्रा वायलेट रेडिएशन (UVR) और एरोसोल स्वास्थ्य पर एयरोसोल जोखिम के प्रभाव के मल्टी सेंट्रिक स्टडी नामक परियोजना के तहत लेह, लद्दाख में सर्वेक्षण किया गया

शिक्षा

केंद्र सक्रिय रूप से स्नातक एमबीबीएस, बीएससी (दृष्टिमिति) और नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल है.

रा.प्र. केंद्र में नेत्र विशेषज्ञ और प्रशिक्षु 2019-20	संख्या
वरिष्ठ रेजीडेंट डॉक्टर	**58**
नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्र	**112**
एमडी उत्तीर्ण की संख्या	**27**

बीएससी ऑप्टोमेट्रिस्ट छात्र- उत्तीर्ण	**15**
पीएचडी छात्रों की संख्या - उत्तीर्ण	**4**
रा.प्र. केंद्र में अल्पकालिक / दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं का विवरण	**9**

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. फैकोमल्सिफिकेशन और अपवर्तक सर्जरी अपडेट, जनवरी 2020। आर.पी. सेंटर फॉर ऑप्थैल्मिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली
2. कॉर्निया कार्यशाला। अक्टूबर 2019. आरपी सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली
3. इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केरेटोफ्रेक्टिव सर्जन (आईएसकेआरएस) चौथा वार्षिक सम्मेलन, अगस्त 2019, नई दिल्ली
4. स्ट्रैबिस्मस वर्कशॉप, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, 21 जुलाई 2019, नई दिल्ली
5. ग्लूकोमा वर्कशॉप, डॉ. आरपी सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, 18 अगस्त 2019, नई दिल्ली
6. दक्षिण पूर्व एशिया में 22 और 23 नवंबर 2019 को ग्लूकोमा संबंधी अंधापन को रोकने के उद्देश्य से डब्ल्युएचओ-एसईएआरओ मीट
7. भारतीय तंत्रिका-नेत्र विज्ञान सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, 30 नवंबर-1 दिसंबर 2019, नई दिल्ली।
8. ग्लूकोमा सप्ताह, 8-14 मार्च 2020
9. नवंबर 2019 में ओकुलोप्लास्टी कार्यशाला
10. 34वां नेत्रदान पखवाड़ा, राष्ट्रीय नेत्र बैंक, डॉ. रा.प्र. केंद्र फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, 3 सितंबर 2019
11. एक लो विजन मीटिंग, लो विजन सर्विस लैब, कमरा नंबर 133, डॉ. आरपी सेंटर, एम्स, 12 सितंबर 2019
12. कॉर्निया वर्कशॉप, लेक्चर थिएटर, 6ठी और 7वीं मंजिल, डॉ. रा.प्र. केंद्र फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, 20 जून 2019
13. फैकोमल्सिफिकेशन और रिफ्रैक्टिव सर्जरी अपडेट, लेक्चर थियेटर, 6ठी मंजिल, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स, 19 जनवरी 2020
14. "भारत में अल्ट्रा वॉयलेट रेडिएशन (यूवीआर) और एरोसोल स्वास्थ्य पर एयरोसोल्स के जोखिम के प्रभाव का मल्टी सेंट्रिक अध्ययन" नामक परियोजना के अंतर्गत सेमिनार रूम कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी, 7वीं मंजिल, डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स में 20 फरवरी 2020 को दूसरी इंवेस्टिगेटर मीटिंग।
15. डॉ. आरपी सेंटर के 53 वें वार्षिक दिवस पर नेत्र रोग विज्ञान कांग्रेस समारोह, जेएल सभागार, एम्स, 14 जून 2020
16. 22 अप्रैल 2019 और 4 मई 2019 को डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स में भारत में ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए सुरक्षित रणनीति कार्यान्वयन पर राज्य कार्यक्रम अधिकारियों के उन्मुखीकरण के लिए एनपीसीबी और VI राष्ट्रीय कार्यशालाएं (दो)।
17. गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब, उत्तरांचल, यूपी और हिमाचल प्रदेश में जिला नेत्रविज्ञानियों और

जिला कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए सुरक्षित रणनीतियों के कार्यान्वयन के लिए एनपीसीबी एंड VI के साथ साझेदारी में सात कार्यशालाएँ, (9-10 मई 2019)

18. 26 और 27 सितंबर 2019 को सामुदायिक नेत्र विज्ञान, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र रोग विज्ञान केंद्र में नेत्रहीनता और कम दृष्टि वाले लोगों के लिए एक "ओरिएंटेशन एवँ मोबिलिटी" प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
19. सामुदायिक नेत्र विज्ञान डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स में 6 मार्च 2020 को "स्पष्ट दृष्टि भारत को मजबूत करने के लिए अपवर्तक त्रुटि और प्रेसबायोपिया कार्यक्रम" पर सेमिनार कक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

अतुल कुमार: 20
गीता सत्पथी: 2
एस.के. खोखर: 26
राजपाल वोहरा: 3
सीमा कश्यप: 2
नीलम पुष्कर: 4
रोहित सक्सेना: 13
एम. वनाथी: 31
नबनिता हलदर: 2
विनोद कुमार: 10
विवेक गुप्ता: 12
नीवते लोमि: 3
शौर्य वर्धन आजाद: 4
रेबिका: 5
प्रदीप शर्मा: 58
जे.एस. तितियाल: 11
दिलीप आर शिंदे: 11
सीमा सेन: 1
नम्रता शर्मा: 37
टी. वेलपांडियन: 4
विनी गुप्ता: 6
पारिजात चंद्र: 13
नूपुर गुप्ता: 24
रोहन चावला: 12
निशात हुसैन अहमद: 1
देवांग अंगमो: 13
कनील रंजीत कुमार: 3
मनप्रीत कौर: 4
रमनजीत सिहोटा: 11
राधिका टंडन: 29
मनदीप सिंह बजाज: 4
संजय शर्मा: 1
तनुज दादा: 5
प्रवीण वशिष्ठ: 24
रेणु सिन्हा: 4
सेनजम सूरज सिंह: 12
रचन मील: 1
स्वाति फुलझले: 11
शिखा गुप्ता: 4
प्रफुल्ल महाराणा: 4
अमर पुजारी: 2

प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर/पोस्टर: 121 (सर्वश्रेष्ठ वीडियो प्रस्तुति का पुरस्कार; दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति; मेरिट अवार्ड; सर्वश्रेष्ठ पेपर: पोस्टर पोडियम प्रस्तुति; दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. लिम्बल स्टेम सेल की कमी वाले रोगियों में गॉब्लेट कोशिकाओं के विश्लेषण के लिए एक नए प्रतिमान फोल्डस्कोपी और पारंपरिक माइक्रोस्कोपी की प्रभावकारिता और स्वीकार्यता का तुलनात्मक अध्ययन, जेएस टिटियाल, डीबीटी, 2019-2022, 14 लाख रुपये
2. लेबर के वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी रोगियों में प्लेसबो की तुलना में इडेबोन की प्रभावकारिता का तुलनात्मक अध्ययन, एक पायलट अध्ययन, स्वाति फुलझले आलोक, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रु. 4.32 लाख प्रति वर्ष।

3. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा एमवाईएल-**1701P-3001**, राजपाल, माइलन इंक, सितंबर **2019** के साथ सबजेक्ट में एमवाईएल-**1701P** और **Eylea** की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुस्तरीय, यादृच्छिक, डबल मास्क्ड, सक्रिय-नियंत्रित, तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन।
4. एक चरण चतुर्थ नियंत्रित साइक्लोस्पोरिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए क्लिनिकल स्टडी **(0.05%)** ऑर्थथेल्मिक इमल्शन विथ रेस्टैसिस® इन सब्जेक्ट्स विद मॉडरेट विद सेवेरा केराटोकोनक्विटिवाइटिस सिस्का, नम्रता शर्मा, न्यू इंडिया बायोफार्मा, **1** वर्ष, **2019-2020, 4.83** लाख रु
5. एक निर्णायक चरण **II / III**-क्यूपीआई-**007** का रैंडमाइज्ड डबल मास्क शम नियंत्रित परीक्षण, रोहित सक्सेना, क्वार्क फर्मा, **2017-2019, 32** लाख रुपए
6. भारतीय जनसंख्या में एक अस्पताल में केराटोकोनस रोगियों के जनसांख्यिकीय, पारिवारिक, जैव रासायनिक और आनुवंशिक पैटर्न का एक अध्ययन। जेएस टिटियाल, सीएसआईआर, **2020-2022** रुपये **30** लाख
7. दिल्ली में झुग्गी बस्तियों और पुनर्वास कॉलोनियों में अयोग्य आबादी के लिए व्यापक आउटरीच आई केयर सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, **5** साल, **2018-2022, 125.1** लाख रुपये
8. एनसीआर में व्यापक आउटरीच आई केयर सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, **5** वर्ष, **2017-2022**, रु **77.12** लाख
9. एनसीआर में व्यापक आउटरीच आई केयर सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, हीरो मोटोकॉर्प, **5** साल, **2018-2021, 37.04** लाख रुपये
10. भारत में विकासशील समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम पर एक संक्रियात्मक अनुसंधान, राधिका टंडन, क्रिस्टोफिल ब्लाइंड मिशन **(CBM), 3** वर्ष, **2019-20**, रु **37.61** लाख
11. भारत में विकासशील समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम पर एक संक्रियात्मक अनुसंधान, सूरज सिंह सेनाम, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडन मिशन **(CBM), 3** वर्ष, **2015-2021, 22.54** लाख रु।
12. जुवेनाइल ओनसेट ओपन एंगल ग्लुकोमा के साथ नई आनुवंशिक विविधताओं का सम्बंध, विनी गुप्ता, आईसीएमआर **2018-2021**, रु **38** लाख
13. सीबीएम-आरपीसी विकलांगता नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम और एलवी और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत बनाना, रोहित सक्सेना, **CBM, 2015-2020**, रु. **12.42** लाख
14. तृतीयक केंद्र में पोलिपॉइडल कोरोइडल वास्कुलोपैथी (पीसीवी) के नैदानिक और महामारी विज्ञान प्रोफाइल, अतुल कुमार, एम्स-आईआईटी, **2** वर्ष, **2018-2020**
15. भारतीय जनसंख्या में मायोपिया के लिए अर्ली जेनरेशन गैस पारगम्य कॉर्नियल अपवर्तक चिकित्सा संपर्क लेंस के अध्ययन के लिए नैदानिक मूल्यांकन और प्रभावकारिता। जेएस टिटियाल, वीस्कवायर मेडी इंटरप्राइज, भारत, **2018-2021, 16** लाख रु
16. स्टीवेन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) ओकुलर सीकेले के मामलों में **0.1%** सोडियम हायल्यूरोनेट ड्रॉप्स बनाम **0.5%** कार्बोक्सी मिथाइल सेलुलोज (सीएमसी) का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन। नम्रता शर्मा, माइक्रोलैब्स, **1** साल **2019-2020**, रु. **2.67** लाख

17. शुष्क नेत्र रोग के मामलों में **0.1%** सोडियम हायल्यूरोनेट ड्रॉप्स बनाम **0.5%** कार्बोक्सी मिथाइल सेलुलोज (सीएमसी) का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन। नम्रता शर्मा, माइक्रोलैब्स, **1** वर्ष, **2019, 1.22** लाख रु
18. एलर्जिक केराटोकोनजिक्टिवाइटिस के मामलों में **0.1%** ऑलोपाटाइड की बूंदों के साथ संयुक्त **0.03%** क्लोरोक्वीन फॉस्फेट का तुलनात्मक मूल्यांकन नम्रता शर्मा, एफडीसी लिमिटेड, **1** वर्ष, **2018-2019,** रु. **10.50** लाख
19. द्विपक्षीय सिकाट्रीकिंग ऑक्यूलर सरफेस अर्थात स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम और रासायनिक जलन, रोगों वाले रोगियोँ में संचित मौखिक श्लैष्मिक एपिथेलियल प्रत्यारोपण के साथ कंजंक्टिवल स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन, राधिका टंडन, डीबीटी, **3** साल, **2017-2020,** रु **21.05** लाख।
20. दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं/डीजेजेएस, प्रवीण वशिष्ठ, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, **4** वर्ष, **2016-2020,** रु **34.74** लाख
21. नई दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में यूवी विकिरण के संपर्क और मायोपिक अपवर्तक त्रुटि के कारण बाहरी गतिविधि के बीच संबंध, रोहित सक्सेना, ओर्बिस, डेढ़ साल, **2019-2020, 10** लाख रुपये
22. नई दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में यूवी विकिरण के संपर्क और मायोपिक अपवर्तक त्रुटि के अनुसार बाहरी गतिविधि के बीच संबंध, नई दिल्ली, रोहित सक्सेना, ओर्बिस, **1** वर्ष, **2019-2020, 10** लाख रुपये
23. एक्सेंफिल्ड राइजर सिंड्रोम (एआरएस) के संबंध में प्राइमरी कंजेनिटल ग्लूकोमा (पीसीजी) के डेसिमेट की झिल्ली और ट्रैब्युलर जाल, शिखा गुप्ता, एम्स, **2** वर्ष, **201-20-2021, 10** लाख रुपये
24. स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत भारतीय नेत्र बैंकों के लिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट संरक्षण के लिए गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडों और वितरण एमके मीडिया का विकास, टी वेलपांडियन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, **11** वर्ष, **2009-2020, 129** लाख रुपये
25. रोगाणुरहित दवा तैयार करने के लिए ट्रांसरेकोन तकनीक का विकास और सत्यापन, टी वेलपांडियन, बीआईआरएसी (बिग ग्रांट), वेंचर सेंटर, **18** महीने, **2019-2021,** रु **28.3** लाख
26. एक सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त स्वास्थ्य साक्षरता उपकरण का विकास और नई दिल्ली में सामान्य और प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाएं प्राप्त करने वाले हिंदी बोलने वाले रोगियों में इसकी वैधता का आकलन, विवेक गुप्ता, एम्स, **4** साल, **2016-2020, 9.96** लाख रुपये
27. ट्यूमर के साथ पिग्मेंटेशन मार्करों की भिन्न भूमिका-एसोसिएटेड मैक्रोफेज यूवील मेलानोमा, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, **3** साल, **2019-2022, 35** लाख में
28. न्यून दृष्टि और पुनर्वास सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम, राधिका टंडन, क्रिस्टोफेल ब्लाइंड मिशन (सीबीएम), **5** वर्ष, **2019-20, 10** लाख रु।
29. प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी में प्रारंभिक मैक्यूलर पुनर्निर्माण, **2** साल, **2018-2020**
30. उत्तर भारत में पोस्ट-मोतियाबिंद सर्जरी एंडोफ्थालमिटिस की रोकथाम में इंट्राकैमेरल मोक्सीफ्लोक्सासिन के रोगनिरोधी उपयोग की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। नम्रता शर्मा, सिप्ला लिमिटेड, **1** साल **2** माह, **2018-2020, 24.5** लाख रु

31. भारत में परिहार अंधत्व का महामारी विज्ञान अध्ययन, प्रवीण वशिष्ठ, स्वा. एवं परि.क.मं., 5 वर्ष, 2015-2020, रु 528 लाख
32. सीएचईडी रोगियों में होमोजीजस और यौगिक विषमयुगीन एसएलसी 4 ए 11 म्यूटेशन के प्रभाव के लक्षण वर्णन और उत्परिवर्तन सकारात्मक और नकारात्मक मामलों की नैदानिक फेनोटाइपिंग द्वारा जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रोफी (सीएचईडी) के आनुवंशिक आधार का मूल्यांकन, राधिका टंडन, एम्स, 2-208 2018, 5 लाख रु
33. एक्सक्लूसिव सिक्वेंसिंग आधारित नॉवल एंड एसेबल म्यूटेशन (एस) जो किशोर ऑनसेट ओपन एंगल ग्लूकोमा (जोएजी) से संबंधित है, विनी गुप्ता, डीआरडीओ, 3 साल, 2017-2020, 68 लाख रुपए।
34. प्राथमिक वयस्क ग्लूकोमा में एंडोकेनाबिनोइड्स की भूमिका की व्याख्या, देवांग अंग्मो, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 9 लाख रु।
35. ऑर्बिटल ट्यूमर में आणविक लक्ष्य की पहचान और विशेषता: नवीन चिकित्सीय रणनीतियों की सीमा, सीमा सेन, यूजीसी, 5 वर्ष, 2017-2022, 33 लाख रुपये
36. फुकस एंडोथेलियम कॉर्नियल डिस्ट्रॉफी (एफईसीडी) में नए टेप और गैर-कोडिंग आरएनए की पहचान। जेएस टिटियाल, एसईआरबी-डीएसटी, 2017-2020 रु. 72,00,000/-
37. भारत में बाल चिकित्सा नेत्र देखभाल सेवाओं के लिए मानव संसाधन और आधारभूत संरचना का मानचित्रण, प्रवीण वशिष्ठ, ऑर्बिस, 9 महीने, 2020, रु 25 लाख
38. किशोरों में ऑनसेट प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा में माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम वेरिएंट्स एवँ मैटरनल इनहेरिटेंस-, जसबीर कौर, एसईआरबी, डीएसटी, 3 साल
39. अल्ट्रा वायलेट रेडिएशन (यूवीआर) और एयरोसोल के एक्सपोजर का भारत में द्वितीय चरण में प्रभाव का मल्टी सेंट्रिक अध्ययन, राधिका टंडन, ICMR, 5 वर्ष, 2018-2023, 90 लाख रुपये
40. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर अल्ट्रा वायलेट रेडिएशन (यूवीआर) और एरोसोल जोखिम के प्रभाव का मल्टी सेंट्रिक अध्ययन, राधिका टंडन, आईसीएमआर, 5 साल, 2018-2022, 428.42 लाख रु।
41. नोवल केमपॉर्ट के लिए ओकुलर ड्रग डिलीवरी, रोहन चावला, एम्स-आईआईटी, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपए
42. पश्चिमी दिल्ली की शहरी कमजोर जनसंख्या के बीच मोतियाबिंद और सामान्य ऑक्युलर रुग्णता और स्थानीय स्वयंसेवकों की देखभाल के लिए पैटर्न और तरीके, विवेक गुप्ता, स्वामी शिवानंद मेमोरियल, 2 साल, 2017-2020, 20-20 लाख रु।
43. ट्रिचियासिस के फेनोटाइप, कारण और सहसंबंध का संभावित ऑडिट: एक डब्ल्यूएचओ ट्रैकोमा सहयोगी अध्ययन, नूपुर गुप्ता, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2019-2020, रु 5.92 लाख
44. फेनोटाइप्स के संभावित ऑडिट, कारण, ट्रिकैसिसिस-डब्ल्यूएचओ ट्रैकोमा कोऑपरेटिव स्टडी, नूपुर गुप्ता, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2019-2020, 5.2 लाख रुपये
45. आईओएल विविनेक्स आइटर एक्सवाई 1 के साथ पोस्टीरियर कैप्सूल और इंट्राओकुलर लेंस डायनामिक्स के संभावित दीर्घकालिक मूल्यांकन, होया सर्जिकल लिमिटेड, 3 साल, 2018-2021, रु. 17.10 लाख

46. मधुमेह के नव संवहनी स्थितियों के लिए नए इंट्राविट्रियल एजेंटों / योगों के विकास को युक्तिसंगत बनाना, टी वेलपांडियन, सक्सिन लाइफसाइंसेस, 1 वर्ष, 2018-2019, 18 लाख रुपये
47. ओक्यूलर कैनेटीक्स के आधार पर पिपेरसिलिन और टाज़ोबैक्टम संयोजन के एक्सटम्परेरी तैयार किए गए सामयिक समाधान के उपयोग को युक्तिसंगत बनाना, नबनिता हलदर, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 4.5 लाख रुपये
48. प्रोलिफ़ेरेटिव विटेरियोरेटिनोपैथी के साथ प्राथमिक और आवर्तक रिग्मेटोजेनस रेटिनल डिटैचमेंट में 3 डी हेड्स-अप डिजिटली असिस्टेड विटेरेटेरिनल सर्जरी (डीएवीएस) की भूमिका-एक सम्भावित यादृच्छिक परिक्षण। अतुल कुमार, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2018-2020
49. मानव रेटिनोब्लास्टोमा की एंडोथेलियल पूर्वज कोशिका मार्करों को प्रसारित करने में भूमिका, जसबीर कौर, एम्स, 2 साल
50. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) के कम खुराक वाले हेपरिन आई ड्रापिन क्रोनिक ऑकुलर मामलों की भूमिका और प्रतिरक्षा मार्ग की जीन अभिव्यक्ति के साथ इसका संबंध: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नम्रता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 47 लाख रुपये
51. कॉर्नेल ग्राफ्ट अस्वीकृति में **miRNA** की भूमिका, नम्रता शर्मा, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2019-2020, रु 25 लाख
52. मॉडरेट मायोपिया और हाइपरोपिया के साथ प्रेसबायोपिया के सुधार के लिए प्रेसबायोपिक आईपीसीएल की सुरक्षा और प्रभावकारिता, जेएस टिटियाल, केयर ग्रुप, 2018-2021, 41.95 लाख रुपये
53. नेत्र संक्रमण संबंधी प्रजाति की पहचान, एंटिफंगल संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल और नेत्र संबंधी संक्रमण से रोबोटोरुला स्पीसीज आईसोलेट्स की जैव फिल्म का निर्माण, निशात हुसैन अहमद, एम्स, 1 वर्ष, 2019-20, 5 लाख रुपये
54. लो विजन और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करना, सूरज सिंह सेन्जम/प्रवीण वशिष्ठ, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडेनमिशन (सीबीएम), 1 वर्ष, 2018-2021, 15.45 लाख रु।
55. प्रकल्पित ऑक्यूलर ट्यूबरकुलोसिस, रोहन चावला, एम्स में टीबी डीएनए आरएनए, 2 वर्ष, 2018-2020, रु 9 लाख
56. स्कूली बच्चों में मायोपिया की घटनाओं और वृद्धि पर बाहरी गतिविधि के प्रभाव का मूल्यांकन रोहित सक्सेना, डीएसटी, 4 साल, 2016-2020, 31.10 लाख रु।
57. स्कूली बच्चों में मायोपिया की घटनाओं और प्रगति पर बाहरी गतिविधि के प्रभाव का मूल्यांकन, प्रवीण वशिष्ठ, डीएसटी, 4 साल, 2016-2020, 48.63 लाख रु।
58. बचपन में होने वाले मायोपिया के लिए कम खुराक वाली एट्रोपिन आई ड्रॉप के प्रभाव का मूल्यांकन, रोहित सक्सेना, एंटोड फार्मा 3 साल, 2019-2022, रु 16 लाख
59. बायो इंजीनियर्ड कॉर्निया का फिजिबिलिटी डेटा (मानव नैदानिक परीक्षण के लिए) उत्पन्न करना (केराटाइटिस के रोगियों में संभावित क्लिनिकल एप्लीकेशन-एन-इन-विट्रो स्टडी), राधिका टंडन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-20, 5 लाख रु

60. भारतीय रोगियों में केराटोकोनस के आणविक तंत्र की जांच करना। प्रो. जे.एस. तितियाल, आईसीएमआर, **2018-2021, 70** लाख रु

61. आरएनए सीक्वेंसिंग द्वारा जुवेनाइल ऑनसेट ओपन एंगल ग्लूकोमा के रोगियों के ट्रैब्युलर जाल में ट्रांसक्रिप्शनल प्रोफाइलिंग, विनी गुप्ता, आईसीएमआर, **3** वर्ष, **2019-2022, 111** लाख रु

62. रेटिनोब्लास्टोमा में एक्विस ह्युमर से ट्यूमर डीएनए की सेम्पलिंग, **1** वर्ष, **2019-2020,** रु **5** लाख

63. दिल्ली के स्कूलों में छात्रों के लिए विजन स्क्रीनिंग और चश्मा वितरण कार्यक्रम, प्रवीण वशिष्ठ, विजन स्प्रिंग, **1** वर्ष, **2017-2019, 6.4** लाख रुपये

पूर्ण

1. कोरियोडल नव-संवहनी माध्यमिक के कारण दृश्य हानि के साथ रोगियों में **0.5** मिलीग्राम रेनिबिज़ुमाब बनाम वर्टेफोरिन पीडीटीजी के दो व्यक्तिगत प्रशासन की सुरक्षा की तुलना और मूल्यांकन करने के लिए एक **12** महीने का, चरण **III,** यादृच्छिक, डबल-मास्क्ड, बहु-केंद्र सक्रिय-नियंत्रित अध्ययन, राजपाल, नोवार्टिस हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, **2** साल, **2015-2017**

2. अशिक्षित आबादी के लिए व्यापक आउटरीच आई केयर सेवा के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, **3** वर्ष, **2018-2020,** रु **39.42** लाख

3. सहायक प्रौद्योगिकी अध्ययन, सेनजम सूरज सिंह, राष्ट्रमंडल नेत्र स्वास्थ्य संघ यूके, **1** वर्ष, **2017-2018, 2** लाख रुपये

4. जीओएजी के मरीजों के परिवार के सदस्यों की कैस्केड स्क्रीनिंग, विनी गुप्ता, आईसीएमआर, **3** साल **2015-2018, 45** लाख रुपये

5. डायबिटिक रेटिनोपैथी: दिल्ली में इसके जोखिम कारकों और जैविक मार्करों का एक महामारी विज्ञान अध्ययन, अतुल कुमार / प्रवीण वशिष्ठ, एमओएचएफड्बल्यु, **2** वर्ष, **2017-2020, 109.25** लाख रु।

6. नेत्र संबंधी संक्रमणों में हर्प्स सिंप्लेक्स वायरस टाइप **1** और टाइप **2,** साइटोमेगालोवायरस, वैरिकाला-जोस्टर वायरस और एडेनोवायरस का पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना, निशात हुसैन अहमद, एम्स, **2016-2018, 7.7** लाख रुपये

7. सेंट्रल सीरियस कोरियोरिटिनोपैथी में फोटोडायनामिक थेरेपी के सहायक के रूप में एप्लेरोन की भूमिका का मूल्यांकन: एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अतुल कुमार, एम्स, **2** साल, **2017-2019**

8. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट की भूमिका की व्याख्या, रचना मील, एम्स, **1** वर्ष, **2018-2019 5** लाख रु।

9. डायबिटिक रेटिनोपैथी के प्रारंभिक चरणों में एडेप्टिव ऑप्टिक्स फंडस कैमरा और ओसीटी-एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए उच्च-रिज़ॉल्यूशन के फोटोरिसेप्टर और माइक्रोवास्कुलर इमेजिंग, अतुल कुमार, एम्स, **2** साल, **2017-2019**

10. हाई-थ्रूपुट नेत्र औषधि के विकास के लिए रक्त रेटिनल बैरियर के माध्यम से औषधि संचरण द्वारा इन विवो आधारित क्यूएसपीआर मॉडल, टी वेलपांडियन, डीबीटी, **3** साल, **2015-2019, 51** लाख रुपये

11. यूवेलियल मेलेनोमा में आणविक और उत्परिवर्ती अध्ययन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ उनका सहसंबंध, नीलम पुष्कर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2020, रु 30 लाख
12. दिल्ली की शहरी कमजोर आबादी में एकीकृत प्राथमिक नेत्र देखभाल को मजबूत करने पर परिचालन अनुसंधान परियोजना, प्रवीण वशिष्ठ, 3 साल, 2016-2019, 163.74 लाख रुपये
13. रेनबो अध्ययन: रेटिनोपैथी के साथ समय से पहले पैदा हुए शिशुओं के उपचार के लिए लेजर थेरेपी की तुलना में राइनाबिजम्ब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक, नियंत्रित अध्ययन। राजपाल, नोवार्टिस प्राइवेट लिमिटेड, 2016-2018
14. टीबी डीएनए आरएनए प्रकल्पित ऑक्यूलर ट्यूबरकुलोसिस, रोहन चावला, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रु 9 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली की शहरी कमजोर आबादी के लिए प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं को मजबूत करने में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (अशा) की भागीदारी पर समुदाय आधारित परिचालन अनुसंधान अध्ययन
2. दिल्ली में बचपन में दृष्टि क्षति पर महामारी विज्ञान अध्ययन
3. मिमोबियन ग्रंथि शिथिलता वाले मामलों में इवोल्व टीएम शुद्ध आईलिड वाइप्स के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक डबल-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
4. डायबिटिक मैक्युलर एडेमा के साथ एमवाईएल-1701पी और ईलिया की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुस्तरीय, यादृच्छिक, डबल मास्क्ड, सक्रिय-नियंत्रित, तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन।
5. दिल्ली में ग्लूकोमा की व्यापकता का आकलन करने के लिए जनसंख्या आधारित अध्ययन
6. समयपूर्वता के चरण 5 रेटिनोपैथी में देखभाल, परिणामों में प्रोफ़ाइल, अंतराल का एक अनिवार्य अध्ययन
7. चरण 5 आरओपी में प्रोफ़ाइल, देखभाल और परिणामों में अंतराल का एक एम्बिस्पेक्टिव अध्ययन।
8. आरगैमाटोजेनस रेटिना डिटैचमेंट के लिए विट्रोक्टोमी में पहले से मौजूद ब्रेक के माध्यम से पीएफसीएल समर्थित ड्रेनेज बनाम पोस्टेरियर रेटिनोटोमी के माध्यम से ड्रेनेज के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम
9. रिमेटोजेनस रेटिना डिटैचमेंट के लिए विट्रोक्टोमी में पहले से मौजूद ब्रेक के माध्यम से पीएफसीएल समर्थित ड्रेनेज बनाम पोस्टेरियर रेटिनोटोमी के माध्यम से ड्रेनेज के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम
10. कवक केराटाइटिस में कवक विरोधी संवेदनशीलता परीक्षण
11. पोस्ट लेसिक रोगियों में आईओपी माप के लिए विभिन्न टोनोमीटर का आकलन
12. यंग मायोपस में बाहरी पराबैंगनी प्रकाश एक्सपोजर और सीरम मेलाटोनिन के स्तर का आकलन
13. दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के जल में संभावित अंतःस्रावी विघटनकर्ता (बिस्फेनॉल) के पर्यावरणीय जोखिम की मात्रा का आकलन
14. यूवील मेलेनोमा के ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट और इसकी नैदानिक प्रासंगिकता में रंजकता के साथ हिप्पो मार्ग का सम्बंध

15. आरओपी की स्वचालित पहचान और प्लस रोग की मात्रा की पहचान
16. बायोफिल्म निर्माण और प्रतिरोध पैटर्न के विशिष्ट संदर्भ और प्रतिक्रिया और परिणाम के साथ उनके सहसंबंध के साथ, सेंट्रल लाइन के बैक्टेरियोलॉजिकल प्रोफाइल सम्बंधित रक्त संक्रमण।
17. एक्सट्रोक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक तंत्रिका के बेसलाइन और पोस्ट नियोडज्वेंट कीमोथेरेपी इमेजिंग। क्या एमआरआई से पूर्वानुमान लगाया जा सकता?
18. दोहरी ऊर्जा संगणित टोमोग्राफी और मल्टीस्टैमेट्रिक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की विशेषता और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ वृक्क कोशिका कार्सिनोमा का सहसंबंध।
19. तृतीयक केंद्र में पीसीवी की नैदानिक और महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल।
20. बाल चिकित्सा आयु वर्ग में रेट्रोपुपिलरी आइरिस क्ला आईओएल निर्धारण के नैदानिक परिणाम।
21. ऑक्यूलर सरफेस डिजीज के लिए गैस पारगम्य स्केरल कॉन्टैक्ट लेंस के साथ चिकित्सकीय प्रदर्शन और ऑक्यूलर सरफेस होमियोस्टेसिस अध्ययन।
22. डब्ल्यूएचओ-आईसीएफ का उपयोग करके दिल्ली की वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन
23. केराटोकोनस के रोगियों में कॉर्निया के बीच पतले कॉर्निया बनाम > 400 माइक्रोन की मोटाई के बीच कॉर्नियल क्रॉस लिंकिंग की अनुपालना करते हुए कॉर्नियल बायोमेकेनिकल एबोरेशन्स का तुलनात्मक मुल्यांकन
24. प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा और एक्सनफील्ड-राइजर सिंड्रोम के आंखों में कॉर्निया की विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन।
25. फफूंद केराटाइटिस के उपचार के लिए लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन बी के विभिन्न योगों का तुलनात्मक मूल्यांकन
26. प्रारंभिक बनाम देर से शुरुआत प्राथमिक कोण बंद मोतियाबिंद की तुलनात्मक प्रोफ़ाइल
27. ओपोइड्स के उपयोग के बिना बेरिएट्रिक सर्जरी में केटामाइन और डेक्समेडोमिडीन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना; एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
28. बाल चिकित्सा मोतियाबिंद में आईकेयर आईसी 200 और पर्किन टोनोमेट्री की तुलना
29. पूर्व परिपक्वता सर्जरी में रेटिनोपैथी के दौर से गुजर रहे प्रीटरम और एक्स-प्रीटरम शिशुओं में डेसफ्लुरेन और सेवोफ्लुरेन के साथ रिकवरी विशेषताओं की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
30. डायबिटिक रेटिनोपैथी के साथ टाइप -1 और टाइप -2 डायबिटीज मेलेटस के रोगियों में सीरम और विटेरस बायोमार्कर की तुलना।
31. जेओएजी के बीच एसएलटी परिणामों के साथ ट्रिब्युलर मेशवर्क में एएस ओसीटी के परिवर्तन
32. बेसलाइन आईओपी के साथ अलग-अलग मोतियाबिंद में ट्रैबिकुलर मेशवर्क की हल्की सूक्ष्म विशेषताओं का सहसंबंध
33. जेओएजी रोगियों के बीच ऑप्टिक डिस्क मॉर्फोमेट्री के निर्धारक
34. पुरानी अग्नाशयशोथ के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा गणना टोमोग्राफी और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग।
35. लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में परिऑपरेटिव एनाल्जेसिया और सूजन के मार्कर पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन

36. दुर्दम्य ग्लूकोमा में एंडोसायक्लोफ़ोटकोग्यूलेशन
37. बाल चिकित्सा अंधता का महामारी विज्ञान
38. जेओएजी रोगियों के बीच दृष्टिविहीनता का अनुमानित जीवन जोखिम और प्रगति की दर का अनुमान
39. जन्मजात नासोलैक्रिमल वाहिनी में अनिसोमेट्रोपिया और एम्बीओलोपिया जोखिम कारक का मूल्यांकन
40. दूरी की असमानता वाले रोगी में एक ही मांसपेशियों के संयुक्त रिसेक्श्न और रिसेशन का मूल्यांकन।
41. केराटोकोनस में इंट्रास्ट्रोमल लैमेलर केराटोप्लास्टी के बाद कॉर्नियल टोमोग्राफी और बायोमैकेनिक्स का मूल्यांकन
42. डोनर विशेषताओं का मूल्यांकन और अस्पताल के कॉर्निया पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के तहत बहु अंग दाताओं और कैडेवरिक दाताओं से कॉर्निया प्रत्यारोपण के परिणाम
43. स्कूल जाने वाले बच्चों में जीवन की गुणवत्ता पर अपवर्तक त्रुटि सुधार के प्रभाव का मूल्यांकन
44. जन्मजात पीटी दर के सुधार के लिए एकल त्रिभुज बनाम पंचभुजीय विन्यास में सिलिकॉन रॉड का उपयोग करके फ्रंटालिस स्लिंग सर्जरी का मूल्यांकन
45. गंभीर जन्मजात पीटोसिस में फ्रन्टालिस स्लिंग सर्जरी की तुलना में लेवेटर प्लिकेशन का मूल्यांकन
46. एक्वीस ह्यूमर और विटरस ह्यूमर में सामयिक एट्रोपीन के स्तर का मूल्यांकन- एक पायलट अध्ययन
47. प्राथमिक वयस्क मोतियाबिंद में चिकित्सा बनाम सर्जिकल थेरेपी का मूल्यांकन
48. टोमोग्राफी-एंजियोग्राफी (ओसीटी-ए) गैर-धमनी पूर्वकाल इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एनएआईओएन) परिवर्तन में ऑप्टिकल सुसंगतता का मूल्यांकन
49. विभिन्न प्रकार के ऑप्टिक न्यूरोपैथी में पीपीएमबी का मूल्यांकन
50. कॉर्नियल रेफ्रेक्टिव सर्जरी में अवशिष्ट रिफ्रैक्टिव त्रुटि के जोखिम कारकों का मूल्यांकन।
51. कॉर्नियल स्थलाकृति, एब्रोमेट्री, बायोमैकेनिक्स और ओकुलर सरफेस पर ट्रैबेकुलेटोमी के प्रभावों का मूल्यांकन
52. सेल कल्चर प्रयोगों का उपयोग कर इंसुलिन प्रतिरोध के विकास में फिटालेट्स की भागीदारी का मूल्यांकन
53. पेरीओकुलर और एडनेक्सल संवहनी घावों में इंट्रालेशनल ब्लेमाइसिन की भूमिका का मूल्यांकन।
54. वर्णक्रमीय डोमेन ओसीटी का उपयोग करके सही पेपिल्डेमा के एक निश्चित मार्कर के रूप में आरपेअई/बीएम कोण की भूमिका का मूल्यांकन
55. शिशु कॉर्नियाल ओपेसिटीज के साथ पूर्वकाल सेगमेंट डिसिजनेसिस के विकासात्मक विकास वेरिएंट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग की खोज
56. समयपूर्वता के रेटिनोपैथी में जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा
57. जेओएजी रोगियों के बीच जीनोमिक परिवर्तन
58. किशोर ओपन एंगल मोतियाबिंद में जीनोमिक परिवर्तन
59. विटेक्टोमी के बाद विभेदक वायु संचार दबाव इमेजिंग और कार्यात्मक परिणाम
60. निकटवर्ती इंफ्रा-रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति की इंट्रा-ऑपरेटिव निगरानी और विटेरो रेटिनल सर्जरी के दौरान पूर्वकाल रेटिनोपेथी में समय से बहुत ही प्रारंभिक शिशुओं एवं समयपूर्व शिशुओं में प्री सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति के लिए जोखिम कारकों का आकलन और एक अवलोकन संबंधी संभावित अध्ययन।

61. इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (NIRS) के पास सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति की अंतःक्रियात्मक निगरानी और पूर्व अवधि में कम सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति के लिए जोखिम कारकों का आकलन और विटेरेटिनल सर्जरी के दौरान समयपूर्वता के रेटिनोपैथी के साथ समय से बहुत पूर्व शिशुओं में एक अवलोकन संबंधी भावी अध्ययन।
62. इन-सिलिको ड्रग्स के लिए उच्च-थ्रूपुट नेत्र औषधि विकास के लिए रक्त रेटिनल बाधाओं के माध्यम से पेनेट्रेट करने की भविष्यवाणी का इनविवो आधारित क्यूएसपीआर मॉडल ।
63. स्टैटिन के उपयोग के साथ लेंटिक्युलर परिवर्तन- एक अस्पताल आधारित भावी कोहोर्ट अध्ययन
64. ओपन ग्लोब इंजरी के कारण बाल चिकित्सा दर्दनाक मोतियाबिंद में ऑप्टिक कैप्चर के दीर्घकालिक परिणाम।
65. बालरोग मोतियाबिंद के बीच हम्फ्री एनालाइजर के साथ टैबलेट आधारित पेरीमेट्री की अनुदैर्ध्य तुलना
66. ग्लूकोमा संदिग्धों और प्रारंभिक ग्लूकोमा में मैक्यूलर इमेजिंग
67. ग्लूकोमा थेरेपी के मेटाबोलिक और फार्माकोजेनिक मूल्यांकन
68. ग्लूकोमा में आणविक परिवर्तन
69. घातक लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर का आणविक लक्षण
70. यूवील मेलानोमा में एनएफ पाथ बी मार्ग की आणविक विशेषता।
71. इडियोपैथिक हाइपोपैरैथीमिज़्म के संबंध में बेसल गैंग्लिया कैल्सीफिकेशन की जटिलताओं में आणविक अंतर्दृष्टि, 2. यूवियल मेलेनोमा में मेलेनोजेनेसिस मार्ग के आणविक तंत्र
72. यूवियल मेलानोमा में मेलानोजेनेसिस मार्ग का मॉलीक्यूलर मैकेनिज़्म
73. लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर में नॉट सिगनलिंग डेरेग्यूलेशन।
74. पीओएजी और पीएसीजी में ओसीटी एंजियोग्राफी
75. वर्नल केराटोकोनजैक्टिवाइटिस में नेत्र सतह का मूल्यांकन
76. बीआरवीओ के साथ आंखों के बीच ऑप्टिक डिस्क मॉर्फोमेट्री
77. प्राथमिक ओपन एंगल मोतियाबिंद और प्राथमिक क्लोजर एंगल मोतियाबिंद में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी
78. ट्रेकोमैटस केराटोपोपैथी में केराटोप्लास्टी के परिणाम
79. जोन 2 टाइप 1 आरओपी के उपचार के लिए प्राथमिक रनिजिबुम्ब बनाम लेजर के परिणाम
80. केंद्रीय सीरस कोरियोरेटिनोपैथी के मामलों में सबथ्रेशोल्ड माइक्रोप्रोसेज़ लेजर (577एनएम) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन।
81. डीएमई के नोन-रिजोल्विंग सेंट्र के मामलों में सबथ्रेशोल्ड माइक्रोप्रोसेज़ लेजर (577एनएम) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन
82. विट्रियोमैकुलर कर्षण सिंड्रोम में वायवीय विट्रियोलिसिस बनाम पार्स प्लना विक्ट्रेक्टोमी ।
83. प्रगति विश्लेषण के आधार पर दृश्य क्षेत्र बिगड़ने की भविष्यवाणी करना
84. मधुमेह के रेटिनोपैथी वाले रोगियों में ग्लूकोमा की व्यापकता
85. शुरुआती ओपन एंगल मोतियाबिंद के किशोर रोगियों के बीच दृश्य विकलांगता की व्यापकता
86. यूवाइटिस में सबटेनन ट्रायमिसिनोलोन और इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट की तुलना का संभावित पायलट अध्ययन

87. देखभाल करने वालों पर बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस का मनोवैज्ञानिक प्रभाव और स्ट्रैबिस्मस का प्रभाव

88. फुफ्फुसीय धमनी वेग समय सँयोजन और तीव्र श्वसन विफलता में द्रव अनुक्रिया के पूर्वानुमान भविष्यवाणी में सांस का प्रभाव

89. डिजिटली असिस्टेड विटेरेटेरिनल सर्जरी प्रोलिफेरेटिव विटेरेटिनोपेथी के साथ प्राथमिक और आवर्तक रेग्माटोजीनस रेटिना डिटैचमेंट में 3 डी हैड की भूमिका - एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण

90. स्टेज 4 आरओपी में पोस्ट विटरेक्टॉमी के बाद एंटी-वीईजीएफ की भूमिका

91. क्रॉनिक वीकेसी में टैक्रोलिमस आई मरहम की भूमिका

92. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में अल्ट्रासाउंड और उन्नत एमआरआई की भूमिका

93. समरक्त जन्म के बीच जन्मजात ग्लूकोमा की गंभीरता

94. निरंतर डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा में स्टेरॉयड

95. सीएसआर के लिए एसटीएल

96. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा के लिए एसटीएल

97. एसएलसी 4 ए 11 जीन उत्परिवर्तन के साथ और उसके बिना जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रोफी रोगियों का अध्ययन

98. केराटोकोनस के रोगियों में रोज़ के लेंस के लंबे समय तक उपयोग के बाद आंसू फिल्म और नेत्र सतह परिवर्तन का अध्ययन

99. जन्मजात रंग दृष्टि की कमी में रंग विभेदीकरण पर लाल रंग के फिल्टर के प्रभाव का अध्ययन

100. चरण 4 आरओपी में विट्रोक्टोमी के साथ एंटी-वीईजीएफ के सर्जिकल परिणाम

101. प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा और एक्सनफील्ड-राइजर सिंड्रोम से पीड़त आँखों में कॉर्निया की विशेषताओं का तुलनात्मक रूप से मूल्यांकन

102. सिलिकॉन इम्प्लांटस पीएमएमए (मुले) इंप्लांट की एक्सट्रूज़न दर की तुलना करने के लिए इयूक्लियोनियन की माइकोनजंक्वलिवल तकनीक - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

103. आक्रामक पश्चवर्ती रेटिनोपैथी में 0.1मिग्रा बनाम 0.25 मिग्रा इंट्राविट्रल रेनिबिजुमैब के परिणामों की तुलना।

104. थ्रेसहोल्ड रेटिनोपैथी में समय से पहले लेजर और कंबाइंड लेजर के परिणामों की तुलना करना

105. सेवोफ्लुरेन संज्ञाहरण के दौरान ललाट प्रांतस्था में परिवर्तित मस्तिष्क रक्त प्रवाह के बीच सहयोग और बच्चों में ऑपरेशन के बाद घटना का निर्धारण: एक एफएनआईआरएस आधारित अवलोकन अध्ययन।

106. उन्नत आरओपी में तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय इन विट्रो रेटिना सर्जरी के परिणामों का अध्ययन

107. मायोपिया के रोगी में मानव विट्रियस में मौजूद कोलेजन और संबंधित अपमानजनक एंजाइमों की परिवर्तनीय जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन

108. क्रोनिक ओकुलर ग्राफ्ट बनाम होस्ट डिजीज (जीवीएचडी) में गंभीर शुष्क नेत्र रोग के लिए सामयिक ऑटोलॉगस प्लेटलेट लिसेट्स की बूंदें

109. केराटोप्लास्टी एस्टिगमैटिज्म के बाद दृष्टिवैषम्य के प्रबंधन में टोपो निर्देशित कस्टम एब्लेशन उपचार

110. बच्चों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लेविक्युलर ब्लॉक: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

111. केंद्रीय सीरियस कोरियोरिटिनोपैथी में अल्ट्रा-वाइड फील्ड इंडोसायनिन ग्रीन एंजियोग्राफी

112. यूवेइटिस के प्रायोगिक मॉडल में ऑक्यूलर सूजन के दौरान नेत्र रक्त बाधाओं में ड्रग ट्रांसपोर्टर के कार्यों को समझना।

पूर्ण

1. पास्कल और पारंपरिक लेजर का उपयोग करते हुए पैनेरेटिनल फोटोकैग्यूलेशन का एक तुलनात्मक अध्ययन
2. जेओएजी रोगियों के बीच ब्लेब आकृति विज्ञान
3. द्वितीयक/अज्ञातहेतुक कोरोइडल नव संवहनी झिल्लियों की विशेषता और ऑप्टिकल कोऑपरेशन टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का उपयोग करते हुए एंटी-वीईजीएफ थेरेपी के प्रति उनकी प्रतिक्रिया।
4. सामान्य दबाव किशोर मोतियाबिंद कि चिकित्सकीय प्रोफाइल
5. संयुक्त तंत्र मोतियाबिंद: पीओएजी और पीएसीजी के साथ तुलनात्मक मूल्यांकन
6. वास्तविक विचलन अतिरिक्त संवेदी एक्सोट्रोपिया में संयुक्त विभाजन-वापसी।
7. मायोपिक रेटिनल डिटैचमेंट और नॉन मायोपिक रेटिनल डिटैचमेंट के मामलों में विट्रस और टीयर्स में डोपामाइन के स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन
8. एपिरेटिनल झिल्ली सर्जरी के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणामों पर एसएफ6 बनाम आंशिक हवा टैम्पोनड का तुलनात्मक मूल्यांकन।
9. एंडोफ्थेलमिटिस के लिए 3 इंट्रावेट्रियल दवाओं की तुलना
10. मधुमेह रेटिनोपैथी के रोगी में ओक्टा और फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की तुलना
11. बाल रोगियों में सीएमएसी मिलर ब्लेड साइज 1 और सीएमएसी मैकिंटोस ब्लेड आकार 2 के साथ इंटुबैटेशन और इंटुबेशन स्थितियों की तुलना-एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
12. घुटने के ट्यूमर के निकालने के बाद ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड फीमरो-कटिस्नायुशूल तंत्रिका ब्लॉक बनाम एपिड्यूरल एनाल्जेसिया की तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
13. मधुमेह में कॉर्नियल परिवर्तन
14. पीएसी और पीएसीजी में नैदानिक मापदंडों के साथ 360 डिग्री कैसिया एएसओसीटी मापदंडों का सहसंबंध
15. अस्पताल में भर्ती मरीजों में नेत्र संबंधी बैक्टीरियल आइसोलेट्स और एंटीबायोटिक के प्रतिरोध पैटर्न का सहसंबंध-एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप की ओर एक कदम
16. अंत चरण मोतियाबिंद में वालपोरिक एसिड का प्रभाव
17. एम्बियोपिया के उपचार में सहायक चिकित्सा के रूप में सिटीकोलिन की प्रभावशीलता
18. पॉलीपॉइडल कोरॉइडल वास्कुलोपैथी में एप्लेरोन की प्रभावकारिता।
19. समूह सी और डी रेटिनोब्लास्टोमा में निरंतर/ आंशिक रूप से विट्रोसस बीज के लिए मानक अंतःशिरा कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में इंट्राविट्रियल मेलेफेलन का उपयोग करते हुए विट्रीस सीड रिग्रेशन का मूल्यांकन।
20. प्राथमिक अधिग्रहित नासोलैक्रिमल वाहिनी रुकावट के साथ वयस्कों में सहायक माइटोमाइसिन-सी की जांच के बाद सिलिकॉन इंटुबेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन

21. पुरानी प्राथमिक वयस्क मोतियाबिंद में चिकित्सा बनाम सर्जिकल थेरेपी का मूल्यांकन
22. श्लेष्मा झिल्ली ग्राफ्टिंग के साथ एनोफ्थेल्मिक अनुबंधित सॉकेट पुनर्निर्माण में मिटोमाइसिन-सी का मूल्यांकन
23. ऑर्बिटल लिम्फैन्जियोमा में इंट्रालेशनल ब्लेमाइसिन की भूमिका का मूल्यांकन
24. पीडियाट्रिक बड चियारी सिंड्रोम में इमेजिंग और हस्तक्षेप
25. जन्मजात मोतियाबिंद, किशोर और वयस्क में विवो ट्रेबिक्युलर मेशवर्क आकृति विज्ञान में खुले कोण का मोतियाबिंद
26. रेटिना डिटैचमेंट सर्जरी के बाद मेटामोर्फोप्सिया के साथ आंखों की मल्टीमॉडल रेटिनल इमेजिंग।
27. किशोर बच्चों में ओपन एंगल मोतियाबिंद में चयनात्मक लेजर ट्रैब्युलोप्लास्टी के परिणाम
28. प्रगति विश्लेषण के आधार पर दृश्य क्षेत्र की विकृति का पूर्वानुमान
29. पीडियाट्रिक यूवेइटिस में मोतियाबिंद सर्जरी के प्रोग्नॉस्टिक प्रेडिक्टर और सर्जिकल परिणाम
30. एग्रेसिव पोस्टीरियर रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी (एपीआरओपी) और ज़ोन 1 रेटिनोपैथी ऑफ़ प्रीमैच्योरिटी के मामलों के संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
31. एपीआरओपी और ज़ोन 1 आरओपी के मामलों का संभावित अवलोकन अध्ययन।
32. ओप्टेटिव अपवर्तक विश्लेषण (ओआरए) प्रणाली का उपयोग करके आईओएल शक्ति को मान्य करने के लिए संभावित अवलोकन अध्ययन और पारंपरिक आईओएल शक्ति गणना विधियों के साथ इसकी तुलना करें
33. गहन देखभाल इकाई में सेप्सिस में डायग्नोस्टिक और रोगनिरोधी मार्कर के रूप में सीरम प्रोलिसिटोनिन, इंटरल्यूकिन-6 और एसटीआरईएम-1
34. नेत्र संबंधी संक्रमणों में कोगुलेज़ नेगेटिव स्टैफिलोकोसी के विषाणु कारकों की पहचान और निर्धारण
35. सामान्य और अपवर्तक बाद सर्जरी कॉर्निया में पोस्टीरियर कॉर्नियल एस्टिगमैटिज्म का अध्ययन
36. अंतिम चरण 5 आरओपी में सिवनी रहित स्पष्ट कॉर्नियल माइक्रिनिटिस विट्रोक्टोमी सर्जरी के परिणाम
37. उपचार नाइव कोरॉइडल नव संवहनी झिल्ली को चिह्नित करने के लिए ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी–एंजियोग्राफी का लक्षण वर्णन
38. तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय आरओपी सर्जरी के परिणामों का अध्ययन
39. समयपूर्वता के चरण 4 ए रेटिनोपैथी में सर्जिकल परिणामों के लिए अनुमान निर्धारकों का अध्ययन
40. कल्चर नेगेटिव संक्रमण के माइक्रोबायोलॉजी में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. लेबर्स के वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी के रोगियों में प्लेसबो के साथ तुलना में इडेबिनोन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन-एक पायलट अध्ययन, नेत्र विज्ञान
2. बाल मायोपिया के लिए कम खुराक एट्रोपिन आई ड्रॉप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नेत्र विज्ञान

3. केराटोकोनस रोगी समुदाय में आँसूओं में साइटोकिन्स के स्तर का विश्लेषण, नेत्र विज्ञान
4. कवक केराटाइटिस में एंटिफंगल संवेदनशीलता की जांच, नेत्र रोग विज्ञान
5. साइकोट्रिकियल एक्ट्रोपियन के सुधार के लिए ऑटोलॉगस वसा ग्राफ्टिंग, डर्मेटोलॉजी
6. एक्स्टोक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक तंत्रिका के बेसलाइन और पोस्ट नियोडज्वेंट कीमोथेरेपी इमेजिंग। क्या एमआरआई पूर्वानुमानित साबित हो सकती है? सं.रो.कैं.अ.
7. मल्टिपल मायलोमा के साथ प्लाज़्मा में बोर्टेज़ोमिब, फार्माकोलॉजी
8. एस्ट्रोसाइटोमा के विभिन्न ग्रेड में नैदानिक महत्व कैंसर स्टेम सेल मार्कर और इसके प्रोटीन, नेत्र विज्ञान
9. यूवेल मेलानोमा में मेलोपोजेनेसिस का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल महत्व, नेत्र रोग विज्ञान
10. डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण का उपयोग करके दिल्ली की वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, भौतिक चिकित्सा, ईएनटी
11. 0.1% सोडियम हयालूरोनेट ड्रॉप्स बनाम एसआरएस के क्रोनिक ओकुलर सीकेले में 0.5% कार्बोक्सी मिथाइल सेलुलोज (सीएमसी) का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, नेत्र विज्ञान
12. संक्रामक केराटाइटिस में कॉर्निया स्क्रैपिंग के लिए 26 गेज सुई बनाम किमुरा स्पैटुला का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नेत्र विज्ञान
13. फंगल केराटाइटिस के उपचार के लिए अलग-अलग योगों के तुलनात्मक मूल्यांकन जैसे कि सॉनेटेड जेल फॉर्म, अनसोनेटेड ड्रॉप और लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन बी की सॉनेटेड ड्रॉप, नेत्र विज्ञान
14. मायोपिक रेटिना डिटैचमेंट और गैर-मायोपिक रेटिनल डिटैचमेंट के मामलों के बीच इन विट्रस ह्युमर और आँसू में डोपामाइन के स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन-एक पायलट अध्ययन (डॉ. रोहित सक्सेना), नेत्र विज्ञान (एम्स)
15. गंभीर रूप से बीमार वयस्क रोगियों में सेप्सिस की गंभीरता और मृत्यु दर का अनुमान लगाने में मेटालोप्रोटीनसे 1 के न्यूक्लियोसोम और ऊतक अवरोधक की तुलना: एक पायलट अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी
16. थायराइड एंडोक्रिनोलॉजी के कारण गंभीर पलक के रोगियों में बोटुलिनम विष इंजेक्शन की अनुक्रिया के साथ यूबीएम पर लेवेटर स्नायु की मोटाई का सहसंबंध, नेत्र रोग
17. एलसी-एमएस / एमएस का उपयोग करके स्पिरुलिना से सी-फाइकोसैमिन, डीआरडीओ
18. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस डीएनए और आरएनए विटेरेस/एक्वीस और निश्चित संधिवात क्षय रोग के मामलों का पता लगाना, नेत्र विज्ञान
19. नॉरपेनेफ्रिन के प्लाज्मा स्तरों पर एसीई अवरोधक का प्रभाव, फिजियोलॉजी
20. गंभीर अग्नाशयशोथ से पीडित चूहों के मॉडल में लहसुन के अर्क का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान
21. तेजी से प्रगतिशील विटिलिगो में मौखिक बिटामिथासोन पल्स थेरेपी के मानक खुराक बनाम कम खुराक की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचा विज्ञान
22. पल्स डेक्सामेथासोन की प्रभावकारिता, जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस वाले बच्चों में एकल मानक चिकित्सा: एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, बाल रोग

23. एनआईसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं में तीन अलग-अलग एंटीसेप्टिक समाधानों की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण, बाल रोग
24. नवजात शिशुओं में त्वचा एंटीसेप्सिस के लिए दो अलग-अलग क्लोरहेक्सिडाइन ग्लूकोनेट तैयारी की प्रभावकारिता, बाल रोग
25. सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम में मौत की वजह के लिए वर्बल ऑटोप्सी आधारित तकनीकी सहायता इकाई (TSU) स्थापित करना, भारत के रजिस्ट्रार जनरल
26. ऑटोसोमल रिसेसिव जन्मजात इचथ्योसिस में सेरामाइड्स का अनुमान, त्वचा विज्ञान
27. विपणन औषधियों में एंटीकैंसर दवाओं/एंटीबायोटिक दवाओं की मात्रा का अनुमान, सं.रो.कैं.अ.
28. मिरगी मस्तिष्क ऊतकों में न्यूरोट्रांसमीटर और मेटाबोलाइट्स का अनुमान, न्यूरोसर्जरी
29. मिरगी मस्तिष्क ऊतकों से न्यूरोट्रांसमीटर, मेटाबोलाइट्स और फास्फोलिपिड्स का अनुमान, न्यूरोसर्जरी
30. दृश्य क्षेत्र दोष को चिह्नित करने के लिए एक उपकरण के रूप में ओकुलर गति का मूल्यांकन, आईआईटी दिल्ली
31. चिकित्सीय पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी से गुजरने वाले मामलों में एंटीफंगल दवाओं की कॉर्नियल एकाग्रता का मूल्यांकन और इसके अवरोधन न्यूनतम इनहिबिटरी एकाग्रता (एमआईसी), नेत्र विज्ञान
32. ल्यूकोसाइट सिस्टीन का आकलन करके सिस्टिनोसिस का मूल्यांकन, बाल रोग
33. एचसीआरपी के तहत बहु-अंग दाताओं और कैडेवरिक दाताओं से कॉर्निया प्रत्यारोपण के दाता विशेषताओं और ग्राफ्ट परिणामों का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान
34. इडियोपैथिक इन्ट्राक्रेनियल उच्च रक्तचाप (IIH) के मरीजों में ऑप्टिक तंत्रिका शीथ मेनेस्ट्रेशन सर्जरी (ONSF) के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन, न्यूरोलॉजी
35. सीएचईडी के रोगियों में समरूप और मिश्रित विषमयुग्मजी एसएलसीए11 म्यूटेशन के प्रभाव के लक्षण वर्णन और जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रोफी (CHED) के आनुवंशिक आधार का मूल्यांकन उत्परिवर्तन सकारात्मक और नकारात्मक मामलों का नैदानिक फेनोटाइपिंग।
36. कक्षीय लिम्फैन्जियोमा में इंट्रालेशनल ब्लेमाइसिन के परिणाम का मूल्यांकन, नेत्र रोग विज्ञान
37. प्राथमिक ग्लूकोमा में एंडोकेनाबिनोइड की भूमिका की खोज, नेत्र विज्ञान
38. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट की भूमिका की खोज, नेत्र रोग विज्ञान
39. काइरोपेनिन मार्ग के माध्यम से ट्रिप्टोफैन चयापचय की खोज करना और कॉर्निया प्रत्यारोपण नेत्र रोग से ग्रसित केराटोकोनस और कॉर्नियल डिस्ट्रोफी रोगियों में नैदानिक परिणाम के साथ सहसंबंध, नेत्र रोग विज्ञान
40. उतार-चढाव वाले नकारात्मक शरीर दबाव के दौरान हार्मोनल प्रतिक्रिया, फिजियोलॉजी
41. आरबी में एंडोथेलियल पूर्वज कोशिका मार्करों की पहचान, ओकुलर बायोकेमिस्ट्री
42. आरबी में एंडोथेलियल पूर्वज कोशिका मार्करों की पहचान, नेत्र विज्ञान
43. कॉर्नियल ग्राफ्ट अस्वीकृति की भविष्यवाणी के लिए नोवेल बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए, नेत्र विज्ञान

44. गर्भाशय के मेलेनोमा में आणविक और पारस्परिक अध्ययन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल पैरामीटर के साथ संबंध, नेत्र रोग विज्ञान
45. भोजन के साथ एबिराटेरोन के फार्माकोकाइनेटिक्स, औषधि विज्ञान
46. बच्चों में द्वितीय स्तर के एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स, बाल रोग
47. फॉस्फोलिपिड्स अनुमान मस्तिष्क के ऊतक के नमूने, बायोफिज़िक्स
48. आइसोनियाज़िड, एथमबुटोल, रिफैम्पिसिन और पाइरीज़िनामाइड के प्लाज्मा दवा स्तर, माइक्रोबायोलॉजी
49. कक्षीय परीक्षा और दंत चिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों के बीच मनोदैहिक कारक, मनोविज्ञान
50. मानव गर्भनाल नसों में स्फिंगोलिपिड्स की मात्रा, जैव रसायन विज्ञान
51. भारतीय किशोर बच्चों में सीरम बेंज़ैथिन पेनिसिलिन जी का स्तर और रूमेटिक हृदय रोग, बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी
52. स्नोमेड-सीटी: एनआरसीईएस-राष्ट्रीय ड्रग रिपोजिटरी डेटाबेस का विकास, एमएचओएफडबल्यु और सी-डैक पुणे
53. एंडोथेलियल पूर्वज कोशिका (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर का अध्ययन और ईपीसी नंबर और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) रोगियों में कार्य के साथ इसका सम्बंध, कार्डिएक बायोकैमिस्ट्री
54. जामिया मिलिया में लिपिड मेटाबॉलिज्म का अध्ययन, नेत्र रोग
55. मेगेनोमिक्स का उपयोग करके संपर्क लेंस पहनने वालों में ओकुलर माइक्रोबियल वनस्पति का अध्ययन, नेत्र रोग विज्ञान
56. भारत में आयु-संबंधी मोतियाबिंद के उपचार के लिए मोतियाबिंद सर्जरी के स्वास्थ्य-संबंधित गुणवत्ता और जीवन की लागत पर अध्ययन, डीएचआर, आईसीएमआर
57. दृष्टि बाधित स्कूलों छात्रों के बीच अभिविन्यास और गतिशीलता के लिए स्थायी मॉडल, पीएमआर
58. नेत्र-विकृति में इम्यूनोथेरेपी के लिए एक नए प्रतिमान के रूप में पीडी-1/पीडी-एल1 मार्ग को लक्षित करना, जामिया मिलिया
59. हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी के स्पेक्ट्रम में नेत्र दृष्टि हानि का पैटर्न, नेत्र विज्ञान
60. प्लाज्मा में 8-ऑक्सो-डीजी और 8-ऑक्सो-गुओ का अनुमान, पल्मोनरी मेडिसिन
61. ऑटिस्टिक बच्चों में एन-कार्बोक्सिमिथाइल लाइसिन, आर्जिनिन और डि-टायरोसिन के स्तर का अनुमान, बाल चिकित्सा
62. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव उल्टी पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभावों का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक नेत्रहीन परीक्षण, संज्ञाहरण विज्ञान
63. बायो इंजीनियर्ड कॉर्निया (संभावित केराटाइटिस रोगियों में संभावित नैदानिक अनुप्रयोग के लिए) का व्यवहार्यता डेटा (मानव नैदानिक परीक्षण के लिए) उत्पन्न करने के लिए - एक इन-विट्रो अध्ययन, आईआईटी दिल्ली
64. फैटी एसिड भोजन के साथ निलोटिनिब दवा की अंत:क्रिया का अध्ययन, आईआरसीएच
65. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में ईपीसी की कार्यात्मक गतिविधि के साथ एंडोथेलियल पूर्वजन्म सेल (ईपीसी) में टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर का अध्ययन, कार्डिक बायोकैमिस्ट्री

66. भारतीय लोगों में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन, मेडिसिन

67. मायोपिया के रोगियों और सामान्य लोगों में मानव विटेरेस में मौजूद कोलेजन और संबंधित अपक्षयी एंजाइमों की परिवर्तनशील जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन, नेत्र विज्ञान

68. रेटिना की बीमारी की पहचान के लिए डायग्नोसिस-आई-डेवलपमेंट और इमेज एनालिसिस टूल्स का आकलन- डायबिटिक रेटिनोपैथी, आईआईटी दिल्ली

69. ग्लूकोमा की पहचान के लिए डायग्नोसिस-आई-डेवलपमेंट और इमेज एनालिसिस टूल्स का आकलन- डायबिटिक रेटिनोपैथी, आईआईटी दिल्ली

70. भारत और दक्षिण अफ्रीका में पारंपरिक चिकित्सा: एक तुलनात्मक अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय

71. बच्चों में विभिन्न ऊर्जा सामग्री के साथ स्पष्ट तरल पदार्थ को पेट से खाली करने का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन: एक क्रॉसओवर पायलट अध्ययन, संज्ञाहरण विज्ञान

पूर्ण

1. लघु दृष्टि बाधित आंख की सॉकेट में कक्षीय वृद्धि के लिए ऑटोलॉगस वसा हस्तांतरण, त्वचाविज्ञान
2. मायोपिया वाले युवाओं में बाहरी पराबैंगनी प्रकाश जोखिम और सीरम मेलाटोनिन के स्तर का आकलन, नेत्र विज्ञान
3. तीन एंटीबायोटिक औषधियों की तुलना, नेत्र रोग / एम्स
4. मोतियाबिंद सर्जरी के रोगियों में सामयिक ब्रोमोफेनाक 0.09% के औषधीय फार्माकोकाइनेटिक्स, नेत्र रोग विज्ञान
5. चयनित आयुर्वेदिक सूत्रीकरण का औषधीय मूल्यांकन, एनएमाआर
6. विभिन्न जैविक नमूनों में एल्कोहोल और विभिन्न दवाओं के विषैले विश्लेषण और वितरण पैटर्न और आत्महत्या वाली मौतों में उनके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव, फोरेंसिक दवा और प्रौद्योगिकी
7. पेट के तपेदिक में चिकित्सीय प्रतिक्रिया संबंधी उपचारित दवा की निगरानी और मूल्यांकन, माइक्रोबायोलॉजी
8. सीरम और बाल कॉलिस्टिन स्तर, चिकित्सा विज्ञान
9. इस्केमिक स्ट्रोक रोगियों के प्लाज्मा में एस्पिरिन और सैलिसिलिक एसिड का अनुमान, न्यूरोलॉजी
10. सेल बैक्टीरिया लिपिड मिश्रण 1 और 2 का विश्लेषण, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग / आईआईटी दिल्ली
11. जीडीएस-390 एस के माइक्रोसोमल स्थिरता का अध्ययन, रसायन विज्ञान / दिल्ली विश्वविद्यालय
12. इडियोपैथिक इंट्राक्रैनील उच्च रक्तचाप के तीव्र मामलों में ऑप्टिक तंत्रिका के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तनों का एक अस्थायी मूल्यांकन और उस पर वजन में कमी का प्रभाव, न्यूरोलॉजी
13. हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी में नेत्र दृष्टि हानि का स्पेक्ट्रम और नैदानिक वर्गीकरण के साथ उनका संबंध, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी
14. समूह सी और डी रेटिनोब्लास्टोमा में लगातार/आंशिक रूप से पुन: प्राप्त विट्रो सीरस के लिए मानक अंतःशिरा कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में इंट्राविट्रियल मेलफेलान का उपयोग करते हुए विट्रीस सीड रिग्रेशन का मूल्यांकन, आईआरसीएच

15. केराटोकोनस के रोगियों में रोज के लेंस के दीर्घकालिक उपयोग के बाद टीयर फिल्म और नेत्र सतह परिवर्तन का अध्ययन
16. एक्स्टोक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक नर्व की बेसलाइन और पोस्ट नियोडजुवेंट कीमोथेरेपी। क्या एमआरआई पूर्वानुमानित साबित हो सकती है? नेत्र विज्ञान
17. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
18. पूर्वव्यापी एमआरआई आधारित एक्सट्रोक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में क्लिनिकल आउटकम और प्रोस्पेक्टिव इवैल्यूएशन ऑफ ऑप्टिक नर्व एन्हांसमेंट विदाउट नैचुरल नर्व थिकनेस, ओफ्थैल्मोलॉजी के बीच प्रस्तावित एमआरआई आधारित ऑप्टिक नर्व स्टेजिंग के बीच रेट्रोस्पैक्टिव अध्ययन मूल्यांकन, नेत्ररोग वि□ज्ञान
19. प्रोन परकुटेनियस नेफ्रोलिथोटामी के संदर्भ में किडनी की स्थिति पर बेलस्टर के प्रयोग का प्रभाव एवं उसका उन्मुखीकरण मूत्ररोग वि□ज्ञान के बीच सहसंबंध का मूल्यांकन करने वाला पूर्वव्यापी अध्ययन

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 390 **सार:** 3 **पुस्तकों में अध्याय:** 15 **पुस्तकें:** 4

रोगी उपचार

		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
1.	सामान्य ओपीडी	159709	172803	332512
2.	आपातकाल	11697	47701	59398
3	विशेष क्लिनिक	40428	138832	179260
	कुल	211834	359336	571170
विशेष क्लिनिक का विवरण				
1.	कोर्निया क्लिनिक	6560	12126	18686
2.	लेंस क्लिनिक	1076	2947	4023
3.	युविया क्लिनिक	1133	5134	6267
4.	कॉन्टैक्ट लेंस क्लिनिक	792	1870	2662
5.	ग्लुकोमा क्लिनिक	3711	9280	12991
6.	ऑक्युलोप्लास्टी क्लिनिक	4796	3924	8720
7.	बाल नेत्र विज्ञान क्लिनिक	11	4	15
8.	रेटिना क्लिनिक	4166	6350	10516
9.	तंत्रिका नेत्र विज्ञान	3156	3422	6578
10.	क्लिनिक	3949	5171	9120
11.	विट्रियो रेटिनल क्लिनिक	1225	4040	5265
12.	आरओपी	250	633	883
13.	नेत्र कर्करोग क्लिनिक	3500	1715	5215

14.	न्यून दृष्टि सहायक	505	21920	22425
	क) ऑर्थोप्टिक क्लिनिक	5598	20396	25994
15.	ख) स्क्विंट क्लिनिक	0	39900	39900
	कुल रोगी	40428	138832	179260

भर्ती		
1.	सामान्य प्रवेश	16896
2.	आपातकालीन प्रवेश	3504
3.	निजी प्रवेश	1278
4.	लघु प्रवेश	15541
5.	डे केयर प्रवेश	11064
	कुल	48283
ऑपरेशन		
1.	प्रमुख	20004
2.	डे केयर	10029
	कुल	30033
3.	छोटे	20477
	सकल योग	50510
	मृत्यु	01
अन्य आंकड़े		
1.	औसत बिस्तर अधिभोग दर	82%
2.	ठरहने की औसत अवधि	04 days
3.	प्रतिदिन ओपीडी उपस्थिति औसत	1904
4.	प्रतिदिन इंडोर भर्ती की औसत संख्या	132 प्रतिदिन
5.	प्रतिदिन सर्जरी की औसत संख्या	138 प्रतिदिन

आपातकालीन सेवाएँ

आपातकालीन के नए मामलों की कुल संख्या	7494
आपातकालीन वार्ड में भर्ती मरीजों की संख्या	3321
कैजुअल्टी ऑपरेटिंग रूम में की गई लघु शल्यक्रियाएं	434
इंट्राविट्रियल इंजेक्शन	7906
संज्ञाहरण के तहत परीक्षा	2513

जांच प्रयोगशालाएँ:

जांच	**कुल संख्या**
प्लमोनरी + एमआरआई + ऑन क्लिनिक	1405
शिमर + बीयूटी+फ्लेयरमैक्टर	2080
कांटेक्ट लेंस	2752
आरओपी क्लिनिक	4469
पूर्वकाल खंड फोटोग्राफी	4701
विपरीत संवेदनशीलता	4980
रंग दृष्टि	4989
ईसीजी	5562
एचआरटी 3 + जीडीएक्स ईसीसी	6126
कॉर्नियल स्थलाकृति	7126
इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी	8654
लेजर प्रक्रिया	8705
ओसीटी एंजियोग्राफी	9990
लेजर इंटरफक्रोमेट्री	10105
एफएफए + आईसीजी + एफएएफ	10251
लो विजन एड सर्विसेज	10565
फंडुस फोटो+एएफ़+एडेप्टिव ऑप्टिक्स	10605
स्पेक्युलर माइक्रोस्कोपी	11568
पेंटाक्म + कोरविस	17465
पेरीमेट्री (एचवीएफ + जीवीएफ + माइक्रो)	18565
पेकिमेट्री	24256
एक्शियल लम्बाई	26056
यूबीएम+यूएसजी बी स्कैन	28708
क्रैटोमेट्री	30869
ऑटोलेंसोमेट्री	33769
101. मास्टर + लेंस स्टार	38261
ओसीटी (एएस+पीएस)	77925
अपवर्तन	106985
ऑटो अपवर्तन	123982
टोनोमेट्री	157963
कुल योग	809437

सामुदायिक नेत्र विज्ञान:

दृष्टि केंद्रों के माध्यम से प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएँ	
दृष्टि केंद्रों की संख्या	**28**
दृष्टि केंद्रों पर उपस्थित लोग	**82166**
आयोजित अपवर्तन	
चश्मा निर्धारित	**33497**
आरपी सेंटर हेतु निर्दिष्ट रोगी	**9816**
प्राथमिक नेत्र उपचार स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम	
स्वयंसेवकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	**42**
प्रशिक्षित स्वयंसेवी	**414**
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	
केंद्रों में आयोजित नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	**1106**
आरपीसी में आयोजित नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	**184**
ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रीच-इन कार्यक्रम	
मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन	शून्य
लोगों की जांच की	शून्य
अपवर्तन	शून्य
आरपी सेंटर रेफर किया में निर्दिष्ट रोगी	शून्य
स्कूल आई स्क्रीनिंग (एसईएस) कार्यक्रम	
एसईएस कार्यक्रम के तहत शामिल स्कूल	**67**
जांच किए गए बच्चों की संख्या	**58110**
आयोजित अपवर्तन	**5838**
चश्मे दिए गए	**5142**
चश्मा बुक किया	**5142**
डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग कैंप	
डीआर स्क्रीनिंग शिविरों की कुल संख्या	**257**
शिविरों में मधुमेह रोगियों की जांच की गई	**3405**
कुल डीआर मरीजों की पहचान	**409**
कुल डीआर मरीजों को आरपी केंद्र में भेजा गया	**405**
सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान के तहत डॉ. आरपी सेंटर में इलाज के लिए आए रोगी	
समुदाय नेत्र विज्ञान के तहत रिपोर्ट किए गए कुल रोगी:	**5251**
समुदाय नेत्र विज्ञान के तहत मोतियाबिंद सर्जरी के लिए कुल रोगी	**2156**

फॉलोअप कैंप का आयोजन किया	48
फॉलोअप कैंप में मरीजों की जांच की गई	1437
समुदाय नेत्र विज्ञान के तहत रिपोर्ट किए गए कुल रोगी:	5251
अल्प दृष्टि पुनर्वास	
कुल पंजीकृत	1207
गतिशीलता प्रशिक्षण	581
एडीएल परामर्श	1085
दृश्य विकलांगता प्रमाणन	388
व्यावसायिक प्रशिक्षण	45
विशेष विद्यालय प्रवेश	49

नेत्र जैवरसायन:

क्रम संख्या	जांच का नाम	आईपीडी	ओपीडी	कुल
1.	शर्करा (R,F,PP, GTT)	7105	6196	13301
2.	एचबीए1सी	1424	1970	3394
3.	टीबीआईएल	8428	4570	12998
4.	डीबीआईएल	8427	4570	12997
5.	एएलटी या एसजीबीटी	8427	4570	12997
6.	एएसटी या एसजीओटी	8427	4570	12997
7.	एएलपी	8427	4570	12997
8.	टीपी	3265	4380	7645
9.	एएलबी	3265	4380	7645
10.	क्रिएटाइन (सीआरई)	8566	4836	13402
11.	युरिया	8566	4836	13402
12.	यूरिक एसिड (यूए)	8565	4836	13401
13.	सोडियम	8566	4836	13402
14.	पोटाशियम	8567	4836	13403
15.	क्लोराइड	8565	4836	13401
16.	टीसीएचओएल	956	1607	2563
17.	एलडीएल-सी	956	1607	2563
18.	एचडीएल-सी	956	1607	2563
19.	ट्राइग्लाइसराइड	956	1607	2563
20.	फ्री टी 3	379	732	1111

21.	फ्री टी 4	380	738	1118
22.	टीएसएच	390	798	1188
23.	विटामिन बी 12	71	379	450
	कुल	113634	77867	191501

नेत्र सूक्ष्म जीवविज्ञान

क्रम संख्या	**1.4.2018 से 31.03.2019 तक संसाधित नमूने**	
1.	जीवाणु कल्चर और संवेदनशीलता	18131
2.	फंगल कल्चर	4892
3.	कोशिका विज्ञान के लिए संसाधित नमूने	2570
4.	डीएफए का उपयोग करके क्लैमाइडिया एजी का पता लगाने के लिए निर्दिष्ट नमूने	28
5.	डीएफए का उपयोग करके एचएसवी एजी डिटेक्शन के लिए नमूने संसाधित किए गए	2
6.	दाद सिंप्लेक्स वायरस, एडेनो और कॉक्ससेकी वायरस (नेत्रश्लेष्मलाशोथ / कॉर्नियल अल्सर) के लिए वायरल पीसीआर	132
7.	माइक्रोस्पोरिडिया के लिए संसाधित नमूने	17
8.	मायकोबैक्टीरिया के लिए संसाधित नमूने	22
9.	एसेंथोमोइबा के लिए	26
10.	एंडोफथालमिटिस (BACTEC) के लिए स्वचालित कल्चर	14
11.	एंडोफथालमिटिस के लिए ब्रॉड रेंज पीसीआर	13
	कुल	25,877

नेत्र विकृति विज्ञान

रक्त	1,16,870
मूत्र	4,787
सिस्टो+सिस्टो अनुसन्धान	2,114
हिस्टो+हिस्टो अनुसन्धान	26,714
जांच की कुल संख्या	1,50,505

नेत्र भेषजगुण विज्ञान:

वर्ष के दौरान नेत्र फार्मेसी के माध्यम से प्रदान/आपूर्ति की गई औषधि

प्रदान की गई दवा	**कुल शीशियाँ (5 मिली)**
1. रोगी द्वारा खरीदी गई दवाएँ और फार्मेसी में पुष्टिकरण	
कैप्सोफुन्गिन एसीटेट 0.5%	41 शीशियाँ
कोलिस्टिमिथेट	01 शीशी

एसिटाइल सिस्टीन (10, 20%, 2.5%, 5%)	252 शीशियाँ
एमिकासिन (1.3%, 2.5%,1%,5%)	22 शीशियाँ
एम्फोटेरिसिन बी (0.25, 0.15%)	57 शीशियाँ
बीटाक्सोलोल (0.25%)	365 शीशियाँ
सेफाजोलिन (5%)	3027 शीशियाँ
टोब्रामायसीन (1.3%)	6183 शीशियाँ
माइटोमायसिन (0.02%, 0.04%)	120 शीशियाँ
पिलोकार्पाइन (.125%, 0.5%, 0.25%, 1%)	89 शीशियाँ
पोलिमिक्सिन बी (20,000μ-30,000μ/ml, 50,000μ/ml) 174 शीशियाँ	174 शीशियाँ
क्लोरेक्सिडाइन	10 शीशियाँ
ग्लिसरिन 10%	01 शीशी
सेफुरोक्सिम 5%	04 शीशियाँ
पोविडोन आयोडीन 5%	01 शीशी
वेंकोमायसिन (5%)	3653 शीशियाँ
टिमोलोल 0.25	14 शीशियाँ
सेफ्टाजाइडिन	48 शीशियाँ
बेवासिज़ुमैब/एवास्टिन	5928 शीशियाँ
इंटरफेरोन	239 शीशियाँ
वोरिकोनाज़ोल (1%)	1102 शीशियाँ
जेंटामायसीन 1.3%	01 शीशी
सेफपोडोक्साइम 100मिग्रा/किग्रा/प्रतिदिन थैली	14 शीशियाँ
सेफुरोक्साइम 5%-	04 शीशियाँ
प्रोपेराकेन (0.5%, संरक्षक रहित)	03 शीशियाँ
हेपारिन (1300 आईयू/मिली)	03 शीशियाँ
2. फार्मेसी से नि:शुल्क वितरित	
ऑटोलोगस सिरम	92 शीशियाँ
आर्टिफिसियल टियर्स	47977 शीशियाँ
सिप्रोफ्लोक्सासीन (0.3%)	10460 शीशियाँ
कोर्नियल स्टोरेज मीडिया (एमके मीडिया)	4222 शीशियाँ
साइक्लोस्पोरिन 2%, 1%	106 शीशियाँ
ईडीटीए (1.1%)	73 शीशियाँ
होमाट्रोपाइन (2%)	12726 शीशियाँ
हाइपरटोनिक सलाइन (5%)	5531 शीशियाँ

मिथाइल सेलुलोज (2%)	**72 एल (for manf. AT + सिप्रो + मिथाइलसेल्युलोज)**
मिथाइल सेलुलोज (2%)	**595 शीशियाँ**
पिलोकार्पाइन (2%)	**141 शीशियाँ**
एसिटाजोलामाइड 30 मिग्रा, 10, 25, 40, 50, 60, 80मिग्रा	**1055 पैकेट**
सोडियम एस्कोर्बेट (10%)	**316 शीशियाँ**
सोडियम साइट्रेट (10%)	**354 शीशियाँ**
थिमेरोसल सॉल्यूशन (0.005%)	**74 लीटर**
ट्रोपिकमाइड (1%)	**29269 शीशियाँ**
पाइपेरासिलिन	**73 शीशियाँ**
ट्रोपैक+फिनाइलफ्राइन (0.5%+2.5% (आरओपी)	**8095 शीशियाँ**
गैंसिक्लोविर शीशियाँ 100 मिग्रा	**48 शीशियाँ**
गैंसीक्लोविएर शीशियाँ 20 मिग्रा /मिली-	
पीएचएमबी	**116 शीशियाँ**
मेरोपेनाम 5 मिग्रा /मिली-	**58 शीशियाँ**
पिलोक्लोनिडाइन	**198 शीशियाँ**
एट्रोपाइन 1%	**-**
एट्रोपाइन 2%	**-**
एट्रोपाइन 0.01%	**-**
मायकोफेनोलेटिमोफ्टिल	
सोडियम बेंजोट	**28**
प्रोपनालोल (सिपलर) 4 मिग्रा -	
पायरोक्सिमेट -	
आइसोनियजिस -	
एथमबुटोल -	
आइसोमैक -	
डियाजोक्साइड 10 मिग्रा, 12.5 मिग्रा	**69**
एम्लोडिपाइन	**-**
हिसोन	**-**
एल्बुमिन	**-**
ग्लीसरिन 20%	**1**
ओलोपेटाडीन	**8117**
आरपीसी सीएमसी	**10**

आरपीसी प्रेड	10
सोडियम हाइपोक्लोराइट (1:10)	500 मिली
ग्लीसरिन 50%	2 शीशियाँ
3. किट आइटम वितरित	
बोटॉक्स	332 शीशियाँ
इथाइल एल्कोहल 20%	462 x 5 मिली
गोल्ड क्लोराइड	91
हाइड्रेंजाइन हाइड्रेट	91
सोडियम क्लोराइड 20% घोल	25 मिली X 2 शीशियाँ
इंट्रोक्युलर इंजेक्शन (बफी कोट)	6 शीशियाँ
पीआरपी (ऑटोलॉगस सीरम आई ड्रॉप)	450 शीशियाँ
टैब. सिट्रिजेन 2.5 मिलीग्राम	4 थेलियाँ
टैब. एसाइक्लोविर 1/8	16 थेलियाँ
लिपोसोमल एम्फ़ोटेरिसिन बी (0.15%)	03 शीशियाँ
लाइनज़ोलिड 2%	2
एजाथियाप्टाइन	-
डोनालक	-
2% सोडियम ऑफोसाइड	-
वेरिकोनाजोल 25मिग्रा	63 थेलियाँ
बाइंड पावर 1 ग्राम	-
टीपीए (इंजेक्शन, 1मिग्रा / मिली)	28 शीशियाँ
ऊतक प्लाज्मिनोजन सक्रियक	
इन्फ्लिक्सिमाब इंजे 10 मिग्रा	-
नेजल वॉश (सोड. क्लोराइड 4 मिग्रा)	-
के-बाइंड पाउडर (1 पैकेट)	-
लाइमज़ोलिन 5%	02 शीशियाँ
फोलिक एसिड 0.5%	04 शीशियाँ
सिलास्टिन 5%	-
एथिल अल्कोहल 100%	5 मिली x 3 शीशियाँ
ज़ाइलिस्टिन 0.15%	01 शीशी
फॉर्मेलिन 10%	3 लिटर
इमपेरम 5%	05 शीशियाँ
टिमोलोल मैलेटे प्वाइंट 0.5%	66 तेल

ऑगमेंटिन टैब. भागों में	8 थैलियाँ
कैप इडिबेनॉन	180
एसाइक्लोविर 120 मिग्रा	12 थैलियाँ
वल्गानिक्लोविर टैबलेट	85 थैलियाँ
सिरोलिमस पाउडर	28 थैलियाँ
ग्लिबेनक्लेमाइड	-
इंडोमेथेसिन टैब	-
नीटीसिनोन कैप्सूल	-
लैंजोपेराजोल टैबलेट	-
स्पिरानोलैक्टोन टैबलेट	-
एल आर्गिनाइन	38 थैलियाँ
सोडियम बेंजोएट्स	30 थैलियाँ
लैनोलिडोमाइड पाउडर	20 थैलियाँ
सिंडामायसिन 40 मिग्रा	28 थैलियाँ
वेरिकोनाजोल भागों में	13 पैकेट
प्रोपेनोलॉल भागों में	28 पैकेट
वेलगनसाइक्लोविर	39 थैलियाँ

नेत्र विकिरण विज्ञान:

एक्स रे के लिए रोगियों की कुल संख्या:	8695
सीटी के लिए रोगियों की कुल संख्या:	1472

नेत्र संवेदनाहरण:

क्रम संख्या	जीए मामले	संख्या
1.	रूटीन + ईयुए	5720
2.	आपातकालीन	1667
3.	मॉनिटर किया गया एनेस्थीसिया केयर	485
4.	डीआर आरपीसी कैजुअल्टी-ओ.टी.	3137
	कुल	11009

राष्ट्रीय नेत्र कोष:

राष्ट्रीय नेत्र कोष (एनईबी):	
कॉर्निया का कुल संग्रह	2138

कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए कॉर्निया का कुल उपयोग	**1530**
अन्य नेत्र बैंक (ओईबी):	
कॉर्निया का कुल संग्रह	**329**
कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए कुल उपयोग	**312**
नेब में नेत्रदान के लिए संकल्पित कुल लोगों की संख्या:	
नेत्रदान के लिए कुल लोगों की संख्या	**137**

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट घटनाएँ

प्रोफेसर राजपाल वोहरा, पीएचएफआई के सहयोग से राष्ट्रीय समयपूर्व रेटिनोपैथी के विशेषज्ञ कार्य बल पैनल के सदस्य थे; नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के तहत देश में रेटिना रोगों के शीघ्र निदान और शीघ्र उपचार के लिए एक ठोस कार्य योजना का सुझाव देने के लिए टास्क फोर्स के सदस्य; विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में संकाय के रूप में आमंत्रित। संपादकीय बोर्ड के सदस्य। डॉस और डीजेओ; दिल्ली विश्वविद्यालय और डीएनबी के लिए एमबीबीएस और एमएस के लिए परीक्षक, विट्रीओ-रेटिना फैलोशिप के परीक्षक। एनबीओ द्वारा अस्पताल की मान्यता के लिए नियुक्त मूल्यांकनकर्ता; ईएसआईसी अस्पताल के चयन बोर्ड के सदस्य; बाल चिकित्सा उच्च निर्भरता इकाई (आईवीए वार्ड) के अध्यक्ष; प्रशासनिक गतिविधियाँ-: चयन समिति के सदस्य और निदेशक, एम्स, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा नियुक्त डीपीसी। एम्स में लाइजन ऑफिसर एससी और एसटी सेल; सतर्कता और जांच समिति के सदस्य, स्टोर खरीद समिति, उप-तकनीकी समिति। मेडिकल बोर्ड, मुख्य तकनीकी मूल्यांकन समिति; वार्षिक रिपोर्ट समिति, बजट और लेखा के सह-अध्यक्ष; अध्यक्ष-मुक्त पेपर रेटिना सत्र 70वां वार्षिक डॉस सम्मेलन 13 से 14 अप्रैल 2019 नई दिल्ली; अध्यक्ष-रेटिना सत्र डॉस शीतकालीन सम्मेलन 2018 2 और 3 नवंबर 2019 नई दिल्ली; रेटिना-1 सत्र में सह अध्यक्ष 1. स्वतन्त्र पत्र-मधुमेह रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना-I 2. स्वतन्त्र पत्र-विटेरियो रेटिनल रोग-I 78वाँ एआईओएस सम्मेलन 13 और 16 फरवरी 2020 गुरुग्राम; अध्यक्ष, आईआरोपी 2019 21 और 22 जून 2019 चंडीगढ़ सत्र.

डॉ. विनोद कुमार को दिल्ली जर्नल ऑफ आफ्थेलमोलॉजी के संपादक के रूप में चुना गया; नेत्र रोग विज्ञान के सहायक संपादक इंडियन जर्नल; AIOC 2020 गुरुग्राम में IJO सम्मान पुरस्कार; ओपीएल में भाग लिया और 12-14 अप्रैल 2019, नई दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक वीडियो पुरस्कार वार्षिक सम्मेलन जीता; इंट्रोक्युलर पुटी मोतियों के मामले के सह-लेखक, जिसे वर्ष रेटिना कार्यशाला 5-8 दिसंबर, वीआरएसआई, लखनऊ, यूपी के मामले से सम्मानित किया गया था।

डॉ. शौर्य वर्धन आजाद को अंतर्राष्ट्रीय एपीएओ फैलोशिप से सम्मानित किया गया-नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, सिंगापुर

यूनिट-II

प्रोफेसर अतुल कुमार पीओएस वार्षिक बैठक में अतिथि संकाय थे, "डॉ. राजन आखुरी व्याख्यान, पटना, अप्रैल 2019; डीएमई में एंटी-वीईजीएफ, नेत्र रोग एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा डॉ. नरेंद्र स्वरूप ओरेशन, 21 फरवरी 2019

प्रोफेसर पारिजात चंद्रा संयोजक थे, आईसी रेटिना ग्रैंड राउंड्स, दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी, दिल्ली का 70वां वार्षिक सम्मेलन [13 और 14 अप्रैल 2019]; चेयर। सत्र: आरओपी मूल बातें प्रारंभिक प्रशिक्षार्थियों के लिए, 4वीं वार्षिक iROP मीटिंग, चंडीगढ़, [21-23 जून 2019]; चेयर। सत्र: आरओपी का उपचार-मैं इसे कैसे करूं, 4वीं वार्षिक आईआरओपी बैठक। चंडीगढ़, [21-23 जून 2019]; जज-पोस्टर सेशन-पीडियाट्रिक रेटिना समिट, चेन्नई, [12-13 जुलाई 2019]; जज-फ्री पेपर्स (विविध); दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी का शीतकालीन सम्मेलन, [2 और 3 नवंबर 2019]; पैनल के सदस्य के। प्रस्तुतियाँ। iROP मीटिंग, लखनऊ, [5 दिसंबर 2019]; संयोजक, नि: शुल्क कागज-विटेरियो रेटिनल रोग-III, एआईओसी 2020 गुरुग्राम, [13-16 फरवरी 2020]; सदस्य-नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देशों के विकास के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समूह, राष्ट्रीय नियोनटोलॉजी फोरम, (जुलाई 2019); परीक्षक FAICO (रेटिना), (2 जनवरी 2020), एम्स, नई दिल्ली

डॉ. रोहण चावला ने गुड़गांव में आयोजित एआईओएस, फरवरी 2020 में उन्नत रेटिना इमेजिंग इंस्ट्रक्शन कोर्स की अध्यक्षता की।

यूनिट-III

प्रोफेसर जे.एस. तितियाल ने इंट्रा ओकुलर इम्प्लांट और भारत के अपवर्तक सर्जरी सोसायटी द्वारा टी अग्रवाल गोल्ड मेडल प्राप्त किया, (आईआईआरएसआई) बैठक, सितंबर 2019, दिल्ली; डॉ एमएम जोशी ओरेशन, बेलगावी, कर्नाटक। कोस्कॉन की वार्षिक बैठक, 8 नवंबर 2019; बेस्ट पेपर / पोस्टर / वीडियो अवार्ड: टिटियाल जेएस, कौर एम. इंट्राऑपरेटिव ओसीटी-गाइडेड मैनेजमेंट ऑफ इन्टसेंटस सफेद मोतियाबिंद। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी वार्षिक बैठक, सैन फ्रांसिस्को (यूएसए), अक्टूबर 2019; सामुदायिक कार्य और सम्मान: "आरोग्य भारत" होली के रंग और आंखों पर इसका प्रभाव, मार्च 2020, राष्ट्रीय दूरदर्शन, मंडी हाउस, नई दिल्ली; आईबीच फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित अतिथि, अगस्त 2019, गोवा

प्रोफेसर नम्रता शर्मा को अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी में योगदान के लिए "IIRSI गोल्ड मेडल" से सम्मानित किया गया; एएओ 2019 में न्यायाधीशों द्वारा "सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक वीडियो"; एएओ 2019 में दर्शकों द्वारा "सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक वीडियो"; गुवाहाटी में असम की नेत्र विज्ञान सोसायटी द्वारा “3 जी ओएसए ओरेशन" से सम्मानित; 29 सितंबर, 2019 को गुजरात के महसाना में आयोजित वार्षिक गुजरात राज्य सम्मेलन में “क्योर साइट लेजर सेंटर ओरेशन” से सम्मानित; ओपीएल में "बेस्ट साइंटिफिक वीडियो" जिसका शीर्षक है, "ए हैट इज ए आई", एसएलईटी का चित्रण: सरल लिम्फ एपिथेलियल ट्रांसप्लांटेशन- आईआईआरएसआई 2019 पुलमैन, एयरोसिटी; गोवा में आईबीच नेत्र फिल्म फेस्टिवल में "एआईओएस हीरो अवार्ड"; बीओए फोकस में ओपीएल में "वैज्ञानिक सामग्री के लिए सर्वश्रेष्ठ वीडियो पुरस्कार"; ओपीएल में "सर्वश्रेष्ठ सर्जिकल वीडियो पदक" से सम्मानित किया गया-आईआईआरएसआई चेन्नई 2019 में दर्शकों की पसंद; स्टेम सेल ट्रांसलेशनल मेडिसिन 2019 में 3 पांडुलिपियों की समीक्षा के लिए "समीक्षक प्रमाणपत्र" से सम्मानित; 21 अप्रैल 2019 को पुणे में आयोजित नियो पुणे आईकोन 2019 में "डॉ. एएम गोखले ओरेशन अवार्ड: फेनकोल्सीफिकेशन इन कॉर्नियोज़ हेज"

डॉ. मनप्रीत कौर ने अचीवमेंट अवार्ड- अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी 2019; इंटरनेशनल हीरोज अवार्ड 2019- अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी वार्षिक बैठक 2019, गुड़गांव, भारत, प्राप्त किया

यूनिट-IV

प्रोफेसर तनुज दादा व्याख्यान - विदर्भ ओफ्थैल्मिक सोसाइटी: लुकिंग बिओन्ड आईओपी, अक्टूबर 2019

प्रोफेसर रोहित सक्सेना, अमेरिकन एकेडमी ऑफ़ ऑप्थल्मोलॉजी 11-14 नवंबर 2019 में बेस्ट ऑफ शो वीडियो थे; सर्वश्रेष्ठ वीडियो प्रस्तुति पुरस्कार एसपीओएसआई वार्षिक सम्मेलन 7 और 8 दिसंबर 2019

डॉ. शिखा गुप्ता ने एआईओएस 2020 में "इनसिजनल गोनोटॉमी की प्रभावकारिता और सुरक्षा की दृष्टि से वयस्क एंगल क्लोजर ग्लूकोमा" के लिए पेपर सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

डॉ. देवांग एंगमो ने ग्लूकोमा में एआईओएस 2020 लेजर्स में सफल इंस्ट्रक्शन कोर्स की अध्यक्षता और वितरण किया; डॉस में सबसे कम उम्र के कार्यकारी सदस्य के रूप में निर्वाचित; डबल्युएचओ सीएरो मीट 2019 में सक्रिय रूप से भाग लिया; आईजेओ के लिए ग्लूकोमा अनुभाग संपादक; आरपीसी न्यूज़लैटर के लिए ग्लूकोमा अनुभाग संपादक; डॉस टाइम्स में सहायक संपादक; आईएनओएस न्यूज़लेटर के लिए संपादक

यूनिट-V

प्रोफ़ेसर प्रदीप शर्मा को 22 सितम्बर 2019 को हरियाणा नेत्र रोग सोसाइटी द्वारा प्रो एस के लाल अलंकरण गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया; 28 सितंबर 2019 को प्रतिष्ठित प्रो. सिवा रेड्डी ओरेशन गोल्ड मेडल से सम्मानित; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा 15-17 नवंबर 2019 तक विजिटिंग प्रोफेसर और स्पीकर; बांग्लादेश सोसाइटी ऑफ़ पेडऑफ्थेलमोलॉजी एंड स्ट्रैबिस्मस, ढाका, बांग्लादेश द्वारा उद्घाटन भाषण के लिए आमंत्रित अध्यक्ष 28- और 29 फरवरी 2020; एसपीओएसआई दिसंबर 2018-दिसंबर 2019 में स्ट्रैबिस्मस और बाल रोग नेत्र विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त।

प्रोफेसर नीलम पुष्कर 21-22 सितम्बर 2019 को सिरसा, हरियाणा में आयोजित 15वें वार्षिक सम्मेलन में 'ओकुलोप्लास्टी'-एडनेक्सल समस्या टिप्स से निपटना' पर एक सत्र में सह-अध्यक्ष थी; 78वें एआईओएस वार्षिक सम्मेलन, फरवरी 2020, गुरुग्राम में।2 इंस्ट्रक्शन कोर्सेस में सह-प्रशिक्षक, 'कॉमन ऑप्थेलमिक ट्यूमर के लिए हाल के रुझानों का त्वरित मूल्यांकन' और ऑक्यूलोप्लास्टी ट्यूटोरियल - स्टेप बाय स्टेप एप्रोच'

डॉ. स्वाति फुलझेले भारतीय न्यूरो-नेत्र विज्ञान सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन के लिए संयुक्त आयोजन सचिव थीं; बेस्ट पेपर: पोस्टर पोडियम प्रेजेंटेशन, शीर्षक "विभिन्न सर्जिकल प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता मोनोकुलर एलीवेशन डेफिसिट के सुधार के लिए [Fp108]" 14.02.2020 को स्क्विंट सत्र में, अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसाइटी 13-16 फरवरी 2020, गुड़गांव का वार्षिक सम्मेलन

डॉ. रचना मील ने 2 और 3 नवंबर 2019 को आयोजित डीओएस के शीतकालीन सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ वीडियो प्रस्तुति दी; इंस्ट्रक्शन कोर्स के मुख्य प्रशिक्षक: कॉमन ऑप्थैलमिक ट्यूमर के लिए हाल के रुझानों का त्वरित मूल्यांकन; एआईओसी 2020, 14 फरवरी 2020, गुरुग्राम में आयोजित; इंस्ट्रक्शन कोर्स के सह प्रशिक्षक: ऑकुलोप्लास्टी ट्यूटोरियल-स्टेप बाय स्टेप एप्रोच; एआईओसी 2020, 14 फरवरी 2020, गुरुग्राम में आयोजित किया गया

डॉ. अमर पुजारी ने सर्वश्रेष्ठ दिल्ली राज्य पेपर के लिए एसी अग्रवाल ट्रॉफी पुरस्कार प्राप्त किया, डॉसकोन 2019, दिल्ली; एसपीओएसआई वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई 2019 में प्रोफेसर प्रदीप शर्मा अंतर्राष्ट्रीय हीरो अवार्ड; एआईओएस- एआईओसी 2020 में विजन-संटे अवार्ड, मोतियाबिंद सेक्शन में सर्वश्रेष्ठ पेपर

यूनिट-VI

प्रोफेसर राधिका टंडन आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया की तत्काल अध्यक्ष थीं; तत्काल उपाध्यक्ष - एशिया के नेत्र बैंक संघ; राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन, भारत सरकार की एपेक्स तकनीकी सदस्य; नेत्र बैंक संघ के ग्लोबल एलायंस के लिए सलाहकार सदस्य; आईसीएमआर द्वारा सम्मानित मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (एसटीडब्ल्यू) समिति की अध्यक्ष के रूप में नियुक्त; ग्लोबल बैंक ऑफ आई बैंक एसोसिएशंस और डब्लूएचओ के सहयोग से दान ऊतक के उपयोग में एथिकल प्रैक्टिस के लिए बार्सिलोना सिद्धांतों के फ्रेमिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; ब्लाइंडनेस एंड विज़ुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबी एंड VI) के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए सलाहकार समिति की सदस्य के रूप में नियुक्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; दिल्ली अंग प्रत्यारोपण सेल के निरीक्षण दल की अध्यक्ष के रूप में नियुक्त; आईसीएमआर द्वारा परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; डीबीटी बायोइंजीनियरिंग टास्क फोर्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सरकार के लिए सदस्य के रूप में नामांकित। डीन की अनुसंधान समिति के पुनर्गठन के लिए सदस्य के रूप में नियुक्त; जुलाई 2018 से इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (IJMR) के संपादकीय बोर्ड की सदस्य के रूप में मनोनित; एम्स, नई दिल्ली में महिला सुरक्षा और लिंग संवेदीकरण के लिए एक टास्क फोर्स की सदस्य के रूप में मनोनित; एम्स कैंपस (एशियाड गांव) में स्वच्छता और सफाई की निगरानी के लिए समिति की संकाय सदस्य के रूप में नामित; एम्स बंदोबस्ती निधि वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य के रूप में मनोनित; राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग / पुरस्कार / सम्मान आदि के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ सूचना और समन्वय के संकलन के लिए समिति की अध्यक्ष के रूप में मनोनीत; 10 मई 2019 को एम्स जोधपुर, की स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों / डिस्पोजेबल्स और हाइजीन और अन्य स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों पर उप-समिति के विषय विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत। चिकित्सा हेतु स्थायी राष्ट्रीय समिति (एसएनसीएम)-उप-समिति-6 अगस्त 2019 को समिति कक्ष, द्वितीय तल, डीएचआर, रेड क्रॉस बिल्डिंग, नई दिल्ली में चिकित्सा उपकरण बैठक; एम्स जोधपुर की स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; दिल्ली विश्वविद्यालय के एमएस-नेत्र विज्ञान की डिग्री की थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्त; एम्स, नई दिल्ली में पीडबल्यूबीडी श्रेणी के

अंतर्गत नर्सिंग अधिकारी के पद के लिए योग्य पीडबल्यूबीडी उम्मीदवारों की उपयुक्तता का पता लगाने के लिए विशेष चिकित्सा बोर्ड की समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत; एम्स पटना की स्थायी चयन समिति की बैठक में विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त, पटना में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (ILBS) में एम्स पटना का आयोजन किया गया; विकलांगों की दैनिक देखभाल के लिए और 'विकलांग अधिकार समूह एवं अन्य बनाम भारत सरकार एवं अन्य' याचिका (सी) संख्या 292/06, के मामले में पारित योजना के कार्यान्वयन के लिए आंतरिक समीति की सदस्य मनोनित की गई। डॉ. रा.प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में नेत्र ब्रेचीथेरेपी समिति की सह-अध्यक्ष मनोनित की गई।

प्रोफेसर एम. वनाथी एमडी-नेत्र विज्ञान परीक्षा मई 2019 के लिए आंतरिक परीक्षक थी; तकनीकी विशिष्टताओं पर विशेषज्ञ समिति-नेत्र विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर 2020; एआईओएस 2019-20 के लिए डोस प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित; एआईओएस जेटी कोषाध्यक्ष और वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में 3 साल का कार्यकाल पूरा हुआ, 2017-2020

डॉ. नूपुर गुप्ता को डबल्युएचओ एसईएआरओ द्वारा डबल्यूएचओ रीजनल आई एक्सपर्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था ताकि आँखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और दृष्टिहीनता और दृश्य हानि को समाप्त करने के लिए सिफारिशें विकसित की जा सकें; आईसीएमआर मुख्यालय में बाह्य परियोजनाओं की समीक्षा के लिए नेत्र विज्ञान के क्षेत्र के लिए परियोजना समीक्षा समिति की बैठक के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में नामित; आयुष्मान भारत योजना के तहत नेत्र विज्ञान के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लो के विकास के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; देश में मोतियाबिंद प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश विकसित करने के लिए विज़न 2020-राइट टू साइट-इंडिया द्वारा नामित; एआईओएसी 2020 में मोतियाबिंद मुक्त पत्रों के लिए मूल्यांकनकर्ता के रूप में आमंत्रित; एआईओसी 2020 में दूसरे सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए एआईओएस एआरसी यंग शोधकर्ता पुरस्कार विजेता (मुख्य मार्गदर्शक: नूपुर गुप्ता); एआईओएसी 2020, गुरुग्राम में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पोडियम प्रस्तुति; एआईओएसी 2020 में व्यापक नेत्र विज्ञान सत्र में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पोडियम प्रस्तुति से सम्मानित; एसईएआरओ के लिए सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य जर्नल के लिए परामर्श संपादक के रूप में आमंत्रित; दक्षिण एशिया सलाहकार समिति के बोर्ड सदस्य के रूप में एसईएआरओ क्षेत्र के लिए सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य जर्नल के परामर्श सलाहकार के रूप में आमंत्रित; डबल्युएचओ एसईएआरओ में लीड कॉर्निया विशेषज्ञ, आईएपीबी- नेपाल में यूनिवर्सल आई हेल्थ के साथ नेत्र देखभाल पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह की बैठक; ट्रेकोमा उन्मूलन पर कार्यशाला में रिसोर्स फैकल्टी के रूप में आमंत्रित-डबल्यूएचओ, जिनेवा से अंतर्राष्ट्रीय ट्रैकोमा एक्सपर्ट, डॉ. सोलोमन; उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के लिए निगरानी, मूल्यांकन और अनुसंधान (डब्ल्यूजी-एमईआर) पर डबल्यूएचओ के कार्यकारी समूह के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; जागरूकता और स्क्रीनिंग के लिए आउटरीच मॉडल पर Vn2020 साइट लाइफ पैनल के लिए कॉर्निया विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. नेवेते लॉमी को डोस शीतकालीन सम्मेलन 2019, नई दिल्ली में "दिलचस्प मामले" शीर्षक पर सर्वश्रेष्ठ मुफ्त पत्र प्रस्तुति से सम्मानित किया गया। वाटिका जैन (प्रस्तुति लेखक), नीवेटे लॉमी (सह-लेखक)

डॉ. निशात हुसैन अहमद को नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान में नैदानिक सेवाओं के लिए आईएसओ 15189: 2012 के अनुसार एनएबीएल (नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज) द्वारा मान्यता प्राप्त; प्रमाणपत्र संख्या। एमसी-3267

प्रोफेसर सीमा सेन और **प्रोफेसर सीमा कश्यप, मिथलेश सिंह और नीलम पुष्कर** ने "बीएपी-1 प्रोटीन को यूवल मेलानोमा में मेटास्टेसिस के एक संकेतक के रूप में" गुरुग्राम में एआईओसी 2020 फरवरी में पीपीपी प्रस्तुत किया। पोस्टर पोडियम प्रस्तुति सत्र में इसे सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार दिया गया; मिथलेश कुमार सिंह, सीमा कश्यप, नीलम पुष्कर, सीमा सेन, कुंजमो चोसडोल ने ईएसएमओ इम्युनो-ऑंकोलॉजी 2019, जेनेवा, स्विटज़रलैंड में पोस्टर प्रस्तुति दी, 11-14 दिसंबर 2019; "बीएपी-1 की हानि यूवील मेलानोमा में p52 और RelB प्रोटिन की सक्रियता को प्रभावित करता है" नामक सारांश को मेरिट अवार्ड; झा जयंती, पुष्कर नीलम, सिंह कुमार मिथलेश, सिंह लता, सेन सीमा; एटीआर प्रोटीन के साथ बीएपी1 का सम्बंध और युविल मेलेनोमा में रोगी के परिणाम के साथ उनके नैदानिक महत्व। ईएसएमओ एशिया 2019 22-24 नवंबर 2019सिंगापुर। (मेरिट अवार्ड); कक्षीय राब्डोमायोसारकोमा में रिसेप्टर टायरोसाइन काइनेसिज की अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग। आणविक रोग विज्ञान एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 8वां वार्षिक सम्मेलन। 10-12 जनवरी 2020 जनवरी जयपुर (दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार)

प्रोफेसर जसबीर कौर पीएचडी: यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास और शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस) की परीक्षक थीं; संपादकीय बोर्ड की सदस्य: नेत्र विज्ञान पत्रिका: ओपन एक्सेस; नेत्र विज्ञान और दृष्टि पत्रिका; क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी का इतिहास; नेत्र रोग और चिकित्सा विज्ञान पत्रिका; हेमाटोलॉजी और रक्त अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका; स्टेम सेल रिसर्च का इतिहास; समीक्षक: डीएनए और सेल बायोलॉजी; जीनोमिक्स; जैव प्रौद्योगिकी सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी परिषद की सदस्य; संस्थागत नैतिक समिति, सीएआराईसीडी (सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार), नई दिल्ली की सदस्य।

प्रोफेसर संजय शर्मा को इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी के लिए वर्ष 2019 का 'सर्वश्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार' मिला। 24 जनवरी 2020 को कोच्चि में यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (USICON 2020); संपादकीय बोर्ड के सदस्य इंड जे रेडिओल इमेजिंग: यूरो-रेडियोलॉजी सेक्शन; परामर्श संपादक (रेडियोलॉजी), इंड जे यूरोलॉजी; एम्स पटना और भोपाल 2019 में संकाय चयन के लिए विषय विशेषज्ञ (रेडियोडायग्नोसिस); सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड हॉस्पिटल, लखनऊ में बाहरी विशेषज्ञ (रेडियोडायग्नोसिस) संकाय चयन (नवंबर 2019, फरवरी 2020)

प्रोफेसर टी. वेलपांडियन ने चेन्नई में आईईआरजी एआरवीओ इंडिया चैप्टर की 26वीं वार्षिक बैठक, 28 जुलाई 2019, में प्रो. वीएन रेड्डी ओरेशन पुरस्कार प्राप्त किया; एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई) की 65वीं वार्षिक बैठक में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया, गुवाहाटी, असम, 2019; बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और डीबीटी द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के लिए कॉल के तहत एएमआरआर के साथ पॉलीवलेंट बैक्टीरियोफेज और एंडोलिसिन थेरेपी का उपयोग करने के लिए प्री-क्लिनिकल सुरक्षा और प्रभावकारिता अध्ययन के लिए परियोजना के लिए ग्रैंड चैलेंज अवार्ड प्राप्त किया। आईपीआर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग के सदस्य सचिव; सदस्य सचिव, एम्स इनोवेशन फैसिलिटेशन डिवीजन, नई

दिल्ली; सदस्य, डीन अनुसंधान समिति, एम्स, नई दिल्ली; सीसीआरएफ बायोएनालिटिकल उपसमिति के अध्यक्ष और सीसीआरएफ समिति, एम्स, नई दिल्ली के सदस्य; आईसीएमआर, भारत सरकार की नवाचार समिति के सदस्य; एफएसएसआई के बायोहाजार्ड पैनल के सदस्य, भारत सरकार; सदस्य मानव आचार बोर्ड, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य, ग्रैंड चैलेंज, बीआईआरएसी, भारत सरकार; आईएनएमएएस, डीआरडीओ, भारत सरकार में मानव आचार समिति के सदस्य

डॉ. नबनीता सीसीआरएफ बायोएनालिटिकल उपसमिति की सदस्य थी

प्रोफेसर प्रवीण वशिष्ठ को वर्ष 2019-2021 के लिए भारत में एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी नेत्र रोग विशेषज्ञ अनुसंधान और अकादमिक समिति के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था; डबल्युएचओ एसईएआरओ दक्षिण एशिया नेत्र स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा एक तकनीकी विशेषज्ञ और नेपाल के काठमांडू में डॉ. आरपी सेंटर, एम्स के प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित; सीबीएम, एक अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ द्वारा, विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य पर परियोजना के तहत उपलब्धियों के लिए प्रतिष्ठित; प्रो विनीता–प्रो. गिरिजा एंडोमेंट एसीओआईएन यूपी राज्य चैप्टर ओरेशन 2019 वाराणसी उत्तर प्रदेश में दिया; एमओएचएफडब्ल्यू के लिए आंखों की देखभाल के लिए पहल करने के लिए सम्मानित, निर्माण भवन; गुड़गांव में मंथन आई हेल्थकेयर फाउंडेशन द्वारा "नेत्र रोग पुरस्कार" प्राप्त किया; नैदानिक अनुसंधान में संकाय सदस्यों के लिए एम्स इंट्रामुराल परियोजना की समीक्षा समितियों के सदस्य। एम्स अनुसंधान अनुभाग चयन समिति के सदस्य; आर पी सेंटर और ब्लाइंड प्रिवेंशन सेंटर फॉर ब्लाइंडनेस के लिए वार्षिक रिपोर्ट समिति के नोडल अधिकारी। संस्थान हिंदी राजभाषा समिति के लिए आर पी सेंटर के लिए नोडल अधिकारी; वर्ष 2020-2023 के लिए आर पी सेंटर, एम्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए विज़न 2020-राइट टू साइट इंडिया के सदस्य निकाय के रूप में नियुक्त; अध्यक्ष, विजन 2020 द्वारा आयोजित 15वें वार्षिक सम्मेलन में वैज्ञानिक समिति- अरविंद आई हॉस्पिटल चेन्नई में 7-9 जून 2019 को राइट टू साइट इंडिया। साथ ही सामुदायिक आउटरीच के लिए मॉडल पर तीन सत्रों की अध्यक्षता, आंखों की देखभाल में सार्वजनिक निजी भागीदारी और सीबीएम-आरपीसी समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत न्यून दृष्टि पुनर्वास के लिए पहल; डब्ल्यूएचओ के वैश्विक उन्मूलन के लिए संघ 2020 (जीईटी 2020) की दूसरी बैठक में आमंत्रित 23-29 जून 2019 तक; 24 जून को होटल रेडिसन, मापुटो में ट्रेकोमा वैज्ञानिक कार्यशाला में भाग लिया, डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल ट्रेकोमा उन्मूलन बैठक में भाग लिया, 26-28 जून 2019। इसमें लगभग 50 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया था, और देश के प्रतिनिधियों की कार्यशाला में भाग लिया जिसमें ट्रैकोमा के उन्मूलन के लिए रणनीतियों पर चर्चा की गई; सदस्य, एनसीबीसी एंड VI, समिति राज्यों / संघ राज्य क्षेत्र वार मोतियाबिंद के लिए मानदंड विकसित करने में तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए और पुरस्कार और प्रोत्साहन के लिए राज्यों / जिलों के सत्यापन मोतियाबिंद बैकलॉग मुक्त दावों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए प्रोटोकॉल डिजाइन; 22-23 नवंबर, 2019 को सामुदायिक नेत्र रोग, आर पी सेंटर, एम्स में दक्षिण पूर्व एशिया में मोतियाबिंद की रोकथाम पर डब्ल्यूएचओ एसईआरओ सर्वसम्मति बैठक में शामिल; डॉ. आर.पी. सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए आयोजित "पीसीबी एंड VI-नेशनल ब्लाइंडनेस सर्वे (2015-18)" के लिए अंतिम रिपोर्ट भारत के स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री हर्षवर्धन जी द्वारा 10 अक्टूबर, 2019 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद

के 13वें सम्मेलन में जारी की गई; अरुणोदय चैरिटेबल ट्रस्ट, गुड़गांव द्वारा 10 अक्टूबर 2019 को विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर द्वारा सम्मानित; 28 फरवरी-2 मार्च 2020 से एम्स में आयोजित आईपीएचए राष्ट्रीय सम्मेलन (आईपीएचएसीओएन 2020) के लिए स्थल समिति के अध्यक्ष। 2 दिसंबर 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड न्यूरो ऑप्थेल्मोलॉजी कॉन्फ्रेंस में न्यूरो ऑप्टोमेट्री सत्र की अध्यक्षता; डब्ल्यूएचओ आईएपीबी विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया। इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी में 9-12 दिसंबर 2019 तक, तिल्थांगा काठमांडू, नेपाल में "यूनिवर्सल आई हैल्थ के साथ आई केयर" पर डब्ल्युएचो आईएपीबी विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया

डॉ. सूरज सिंह सेंजम डब्ल्युएचओ, जेनेवा, पुनर्वास 2030: एक्शन प्लान 2019 के लिए तकनीकी कार्य समूह के सदस्य थे; मार्च 2019 में लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन ट्रॉपिकल मेडिसिन में आई केयर फॉर पब्लिक हेल्थ में एमएससी; डबल्युएचओ एसईएआरओ और आईसीएच, एलएसएचटीएम लंदन की ओर से एसईएआरओ का उपयोग करने के लिए दृश्य विकलांगता वाले लोगों के लिए सहायक तकनीक पर प्रकाशित पुस्तक पर एक सिफारिश प्राप्त की; पुस्तक एन इंट्रोडक्शन टू असिस्टिव टेक्नोलॉजी 2019 के लिए नोवा साइंस प्रकाशक यूएसए द्वारा एकमात्र संपादक के रूप में चुना गया; एम्स भोपाल और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) में भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक दिशानिर्देश उप-समिति की बैठक के संशोधन में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित; डॉ. संजय कुमार ओरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी ऑफ इंडिया, तेलंगाना राज्य अध्याय 2019; 16-17 मई 2019 को सीतापुर नेत्र चिकित्सालय उत्तर प्रदेश और शिमला में 23 मई 2019 को एचपी एंड एफडब्ल्यू के राज्य संस्थान में जिला नेत्र रोग विशेषज्ञ डीपीएम के लिए ट्रेकोमा उन्मूलन गतिविधियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया; 26 और 27 सितंबर 2019 को सामुदायिक नेत्र रोग विभाग, डॉ. आर.पी. सेंटर, एम्स में लो विजन एंड रिहेबिलिटेशन (एलवीआर) सेवा पर एक ओरिएंटेशन और मोबिलिटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया; 26 सितंबर 2019 को मुख्य बोर्ड कक्ष में दृष्टि विकलांगता वाले लोगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी की एक पुस्तिका जारी करने के लिए एक समारोह का आयोजन किया; 31 अक्टूबर 2019 को अहमदाबाद में लो विज़न रिहैबिलिटेशन सर्विसेज की स्थापना पर चर्चा करने के लिए डायरेक्टर रीओ के साथ पीजी छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र के बाद आरआईओ अहमदाबाद का दौरा किया; 15 और 16 नवंबर 2019 को बेंगलुरु में सीबीएम के निमंत्रण पर आई केयर पार्टनर्स ने "सतत नेत्र स्वास्थ्य के लिए स्थिरता रणनीतियों और प्रथाओं" को पूरा किया; 22-23 नवंबर, 2019 को सामुदायिक नेत्र रोग, आर पी सेंटर, एम्स में दक्षिण पूर्व एशिया में मोतियाबिंद की रोकथाम पर डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ की सर्वसम्मति बैठक में शामिल; 11 फरवरी 2020 को सामुदायिक नेत्र विज्ञान, 7वीं मंजिल, डॉ. आर. पी. सेंटर, एम्स में आयोजित होने वाले दृष्टि पुनर्वास प्रशिक्षण के लिए सीबीएम से आरपीसी को स्मार्टफ़ोन और टैबलेट देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. विवेक गुप्ता ने 13 मई 2019 को एचपी एंड एफडब्ल्यू के राज्य संस्थान शिमला, हिमाचल प्रदेश में, 14 मई 2019 को पंचकूला, हरियाणा में, 15-17 मई 2019 एम्स जोधपुर और एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर, राजस्थान में जिला नेत्र रोग विशेषज्ञ डीपीएम के लिए ट्रेकोमा उन्मूलन गतिविधियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. सविता डावर, डीडीजी, एनआईसी की अध्यक्षता में सार्वजनिक स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचों पर उप-समिति के सदस्य के रूप में नामित। इस समिति की भूमिका कानूनी और

नीतिगत ढांचे में वैश्विक मिसाल का आकलन करने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए एआई में अनुसंधान और उत्पाद विकास के लिए डेटा प्रबंधन (गोपनीयता, साझाकरण) के अनुबंधों की है।

आचार्य एस.के. खोखर "रेफ्रेक्टिव: ट्रिक्स सीखना" विषय पर आयोजित सत्र के चेयरपर्सन थे, कॉर्निया एंड केरेटो-रिफ्रैक्टिव सर्जन (आईएससीआरआरएस मीट 2019) की 3 और 4 अगस्त 2019 को मेरिडियन, नई दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन; "ओरेशन्स" सत्र के अध्यक्ष के रूप में, 70वाँ वार्षिक डॉस सम्मेलन, 12-14 अप्रैल 2019, अशोक होटल चाणक्यपुरी, नई दिल्ली; अध्यक्ष के रूप में, "फेको सर्जरी की जटिलताओं का प्रबंधन", अशोक होटल चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में 70वें वार्षिक डॉस सम्मेलन में, 12-14 अप्रैल 2019; "मास्टर कक्षा" सत्र के अध्यक्ष के रूप में, 70वाँ वार्षिक डॉस सम्मेलन, 12-14 अप्रैल 2019, अशोक होटल चाणक्यपुरी, नई दिल्ली; चेयरपर्सन के रूप में, स्ट्रैबिस्मस एंड पीडियाट्रिक ऑप्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 1 और 2 जून 2019, हुबली, कर्नाटक; "मोतियाबिंद और आईओएलएस-1" सत्र के अध्यक्ष, डॉस (दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी) शीतकालीन सम्मेलन 2019, 2 और 3 नवंबर 2019, अशोक होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली। पीसीसीसी के साथ बाल मोतियाबिंद सर्जरी और पूर्वकाल विक्टेक्टॉमी फेकैमूल्सीफिकेशन और अपवर्तक सर्जरी अपडेट 19 जनवरी 2020, एम्स, नई दिल्ली (अध्यक्ष के रूप में); छोटी पुतली और फ्लॉपी परितारिका (चेयरपर्सन के रूप में) फेकोस्मुलाइज़ेशन और अपवर्तक सर्जरी अपडेट 19 जनवरी 2020 एम्स, नई दिल्ली; पोस्ट आरके मोतियाबिंद (चेयरपर्सन के रूप में) फेकमूलेशन और अपवर्तक सर्जरी अपडेट 19 जनवरी 2020 एम्स, नई दिल्ली

आमंत्रित वैज्ञानिक

1. 22 फरवरी 2020 को जापान के डॉ. शिगेरो किनोशिता द्वारा अतिथि व्याख्यान
2. 10 फरवरी 2020 को डॉ. अरुण डी सिंह, कोल आई इंस्टीट्यूट, क्लीवलैंड क्लिनिक, क्लीवलैंड, ओहियो, यूएसए द्वारा अतिथि व्याख्यान
3. 30 दिसंबर 2019 को डॉ. वी.के. राजू, वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा अतिथि व्याख्यान
4. 07 जनवरी 2020 को डॉ. श्री कुरुप, विश्वविद्यालय अस्पताल क्लीवलैंड मेडिकल सेंटर द्वारा अतिथि व्याख्यान
5. 3 दिसंबर 2019 को यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न के प्रोफेसर एल्गीस विन्ग्रिस द्वारा अतिथि व्याख्यान

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

प्रमुख

राजेश मल्होत्रा

अपर चिकित्सा अधीक्षक

अमित लठवाल

आचार्य

संवेदनाहरण विज्ञान

बबीता गुप्ता

छवि साहनी

आपात चिकित्सा

संजीव के भोई

न्याय चिकित्सा

संजीव लालवानी

आदर्श कुमार

प्रयोगशाला चिकित्सा

अरुलसेलवी एस

पूर्वा माथुर

तंत्रिका शल्यचिकित्सा

दीपक अग्रवाल

दीपक कुमार गुप्ता

अस्थिरोग

कामरान फारूक

विजय शर्मा

बुद्धदेव चौधरी

विवेक त्रिखा

विकिरण निदान

शिवानंद जी.

अतीन कुमार

ट्रामा सर्जरी

सुषमा सागर

सुबोध कुमार

अमित गुप्ता

बिप्लब मिश्रा

दग्ध एवं प्लास्टिक

मनीष सिंघल

सह-आचार्य

प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

गरिमा कच्छावा

हृद् विज्ञान

नीरज पारेख

गहन उपचार

कपिल देव सोनी

ऋचा अग्रवाल

वृक्क विज्ञान

सौमिता बागची

तंत्रिका संवेदनाहरण

केशव गोयल

नवदीप सोखल

आशीष बिंद्रा

ज्ञानेंद्र पाल सिंह

नीरज कुमार

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

जीडी सत्यार्थी

पंकज के सिंह

बाल शल्यचिकित्सा

शिल्पा शर्मा

सहायक आचार्य

ट्रामा सर्जरी

प्रत्युषा प्रियदर्शिनी

अभिनव कुमार

नरेंद्र चौधरी

दिनेश कुमार बगारिया

आधान चिकित्सा

राहुल चौरसिया

आपातकालीन चिकित्सा

तेज प्रकाश सिन्हा

जुनैद आलम

अस्थि रोग

समर्थ मित्तल

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

कोक्कुला प्रणीत

संवेदनाहरण

युद्धवीर सिंह

विशिष्टताएँ

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, ट्रॉमा पीड़ितों का समग्र उपचार लगातार करता रहा है। यह रोगियों के बेहतरीन उपचार से जुड़ी सेवाओं, शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण का ध्वजवाहक बना हुआ है। ट्रॉमा केंद्र में डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और अन्य सहायक कर्मचारियों की समर्पित टीम कार्यरत है, जिनका मुख्य उद्देश्य ट्रॉमा मैनेजमेंट में उत्कृष्टता हासिल करना और नये आइडियाज व तकनीकों का विकास करना है।

वर्ष 2019-20 में कुल 71476 रोगी आपात विभाग (कैजुअल्टी) में आये। इनमें से, 7532 रोगियों को भर्ती किया गया, जो कि पिछले वर्ष भर्ती रोगियों की तुलना में 452 अधिक रहे। कुल 7458 सर्जिकल ऑपरेशन हुए। फॉलो-अप क्लिनिक/ओपीडी में 47310 ट्रॉमा रोगी आये।

नए आपातकालीन विभाग (ईडी) का उद्घाटन किया गया, जिसमें ट्रॉमा इमरजेंसी के और अधिक रोगियों के उपचार का प्रबंध है। इस नए ईडी में ऑपरेशन थियेटर और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सेमिनार हॉल का भी प्रबंध है।

फैकल्टी मेंबर्स और रेजिडेंट्स विभिन्न शोध परियोजनाओं में शामिल हैं। 33 शोध परियोजनाएं चल रही हैं। 300 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

इस वर्ष "ह्युमैन रिसोर्सेज एक्सचेंज प्रोजेक्ट इन ट्रॉमा एंड एक्यूट मेडिसिन" के अंतर्गत जापान के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य हमारे ट्रॉमा सिस्टम्स को बेहतर बनाना था। इस साल जापान के छह ट्रॉमा सर्जन हमारे केंद्र का दौरा कर चुके हैं और हमारे संस्थान के चार सर्जन जापान के विभिन्न ट्रॉमा अस्पतालों का दौरा कर चुके हैं।

मार्च के अंत तक, ट्रॉमा केंद्र, डेडिकेटिड कोविड उपचार केंद्र बनने के लिए तैयार हो चुका था। ग्राउंड फ्लोर के नये ईडी को डेडिकेटिड कोविड उपचार केंद्र में परिवर्तित किया गया, जिसमें वेंटिलेशन और डायलिसिस की सुविधा है।

इस वर्ष एक डेडिकेटिड सेंट्रल ट्रॉमा रिसर्च फैसिलिटी भी चालू की गई। इससे अत्याधुनिक एकीकृत और ट्रांसलेशनल ट्रॉमा रिसर्च में मदद मिलेगी।

जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र में नए ईडी का उद्घाटन

सेंट्रल ट्रामा रिसर्च फैसिलिटी का उद्घाटन

सेंट्रल ट्रामा रिसर्च फैसिलिटी

शिक्षा

केंद्र द्वारा आयोजित सीएमई/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. दिनांक 12-15 सितंबर 2019 को नेपाल के काठमांडू में नेपाल मेडिकोलीगल सोसायटी के सहयोग से 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "MeLeCoN-2019" आयोजित किया गया और सम्मेलन के दौरान "मेडिकल नेग्लिजेंस" पर सीएमई का भी आयोजन हुआ।
2. आपात चिकित्सा के लिए 5वां विश्व शिक्षाविद कांग्रेस, 20-24 अक्टूबर 2019, दुबई, यूएई
3. एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स, 30-31 अक्टूबर 2019
4. एडवांस्ड पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड कोर्स, टेक्सास, अमेरिका, 5-6 दिसंबर 2019
5. एम्स मूलभूत आपातकालीन चिकित्सा पाठ्यक्रम (एम्स-बीईसीसी)
6. शल्य चिकित्सकों के लिए एम्स बेसिक अल्ट्रासाउंड
7. डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए एम्स डिजास्टर अल्ट्रासाउंड कोर्स
8. इमरजेंसी एंड प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासोनोग्राफी पर एम्स ईएम-सोनो वर्कशॉप, 14-15 सितंबर 2019, एलएचएमसी, नई दिल्ली
9. पैरामेडिक्स और आम व्यक्तियों के लिए एम्स का पहला रिस्पोंडर कोर्स
10. बाल रोग विशेषज्ञ और आपातकालीन चिकित्सकों के लिए एम्स बाल चिकित्सा अल्ट्रासाउंड पाठ्यक्रम
11. एम्स ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट विद पॉवर ऑफ अल्ट्रासाउंड फॉर डॉक्टर्स
12. चिकित्सकों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए एम्स ट्राइएज प्रोटोकॉल वर्कशॉप
13. एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एयूटीएलएस)
14. नर्सों के लिए एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स (एयूटीएलएसएन)
15. एयूटीएलएस (उन्नत अल्ट्रासाउंड और ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट) कार्यशाला, 6-7 सितंबर 2019, पुणे
16. नर्सों के लिए बेसिक ईसीजी वर्कशॉप
17. कैडवेरिक एयरवे प्रबंधन कार्यशाला, 18 अक्टूबर 2019

18. कैडवेरिक कार्यशाला, सर्जिकल विषयों में रेजिडेंटों के लिए उन्नत सर्जिकल कौशल मॉड्यूल, 10 अगस्त 2019 को, सेट सुविधा एम्स, नई दिल्ली
19. कैडवेरिक कार्यशाला, सर्जिकल विषयों में रेजिडेंटों के लिए उन्नत सर्जिकल कौशल मॉड्यूल, 21 दिसंबर 2019, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
20. अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स - इंडिया चैप्टर (एसीएससीओएन 2020) के राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में कैडवेरिक कार्यशाला, नई दिल्ली, 1 जनवरी 2020
21. डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार सेटिंग में आपातकालीन उपचार को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण
22. सीबीआईः महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराध की जांच 11-15 फरवरी 2020, ओल्सोलन
23. सीडीटीआईः प्रभावी रूप से पोस्ट ब्लास्ट इन्वेस्टिगेशन, 13-17 जनवरी 2020
24. इमेजिंग टेक्नोलॉजी में उन्नति पर सीएमई, चौथे एम्स एमएएमसी पीजीआई इमेजिंग कोर्स सीरीज़, 5-6 अप्रैल 2019, एम्स, नई दिल्ली
25. ब्लड सेफ्टी एंड क्वालिटी: संक्रामक रोगों पर सीएमई, 5 अप्रैल 2019, नई दिल्ली
26. ट्रामा अपडेट और एयूटीएलएस कार्यशाला पर सीएमई, 9-10 अप्रैल 2019, एम्स, जोधपुर
27. (सीआरपीएफ) के लिए कंप्रेसिव लाइफ सपोर्ट कोर्स, 26-27 नवंबर 2019, एम्स
28. (सीआरपीएफ) के लिए कंप्रेसिव लाइफ सपोर्ट कोर्स, 20-21 नवंबर 2019, एम्स
29. दिल्ली विश्वविद्यालयः 4 सितंबर 2019, एड ऑन कोर्स : मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी, 2019-2010, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय
30. आपदा अल्ट्रासाउंड, तैयारियों पर 6ठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आपातकालीन और आपदा पर प्रतिक्रिया, 12-15 जनवरी 2020, तेल अवीव, इजरायल
31. डीओए बेसिक स्पाइन कैडेवरिक वर्कशॉप, 12 अप्रैल 2019, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
32. डीओए हैंड्स ऑन माइक्रोस्कोपी स्पाइन कैडेवेरिक वर्कशॉप, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली, 14 सितंबर 2019
33. आपातकालीन सोनोग्राफी कार्यशाला, 12 से 13 अप्रैल 2019, एम्स, ऋषिकेश
34. आपातकालीन सोनोग्राफी कार्यशाला, 6 से 7 मई 2019, एम्स, ऋषिकेश
35. पहला एम्प्टी पीयर मेंटर प्रोग्राम, 20 मई 2019, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
36. 11 से 13 मई 2019 तक एन आर्बर, मिशिगन यूएसए में आयोजित ग्लोबल एक्सपर्ट्स इमरजेंसी नेटवर्क कॉन्फ्रेंस की गई
37. हरियाणा लोक प्रशासन संस्थानः 19 से 30 अगस्त 2019 तक हरियाणा के सरकारी अभियोजकों के लिए: डीएनए टेक्नोलॉजी एंड एविडेन्टियरी वैल्यू ऑफ डीएनए रिपोर्ट्स
38. मास कैजुअल्टी इंसिडेंट्स के अस्पताल प्रबंधन में (सीडीसी अटलांटा के सहयोग से हमारे द्वारा तैयार आपदा दायित्व और शमन का एक मॉड्यूल)
39. खोन केन, थाईलैंड में 25 से 29 नवंबर, 2019 तक आयोजित स्ट्रेंग्थेनिंग ट्रामा एंड इमरजेंसी इन साउथईस्ट एशियन रीजन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

40.19 जनवरी 2020 को नई दिल्ली में सॉलिड ऑर्गन इंजरीज़ के लिए प्रबंधन दिशानिर्देश तैयार करने के लिए आईएसटीएसी सर्वसम्मति बैठक
41.एलएनजेएन-एनआईसीएफएसः एडवांसिंग जस्टिस थ्रो डीएनए टेक्नोलॉजी, 16-19 दिसंबर 2019
42.एमएएसएचएवी की बैठक, 21 जून 2019, जेपीएनएटीसी, एम्स
43.एमआईएलएपी (मल्टी इंस्टीट्यूशनल लर्निंग एंड प्रैक्टिस), 5 सितंबर 2019, नई दिल्ली
44.राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन, 31 जुलाई से 4 अगस्त 2019, एम्स, नई दिल्ली
45.प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप, ट्रॉमा मास्टर क्लास: गुत्सी डिसिजन मेकिंग अंडर प्रेशर, टेन्थ एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन इमरजेंसी मेडिसिन (एसीईएम 2019), 5-6 नवंबर 2019, नई दिल्ली
46.स्पाइन इंटरवेंशन एंड पैन मैनेजमेंट इंटरनेशनल कांफ्रेंस एंड वर्कशॉप, 20-22 दिसंबर 2019
47.सीआरपीएफ के लिए टेक्टिकल कॉम्बैट कोर्स, 5 अप्रैल 2019, जेपीएनएटीसी, एम्स
48.ट्राइएज वर्कशॉप, 2 अगस्त 2019, जेपीएनएटीसी, एम्स
49.डॉक्टरों के लिए इमरजेंसी में अल्ट्रासाउंड गाइडिड नर्व ब्लॉक
50.डॉक्टरों के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडिड वैस्कुलर एक्सेस
51.प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सकों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार में अल्ट्रासाउंड
52.जेपीएनएटीसी, एम्स में नए सेमिनार कक्ष पहली मंजिल पर 2 अगस्त 2019 को बेसिक ईसीजी पर कार्यशाला
53.21 जून 2019 को विश्व योग दिवस के अवसर पर एम्प्यूटिज़ के लिए योग पर कार्यशाला, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली

एम्स कैडवेरिक सर्जिकल कौशल प्रशिक्षण

अध्यक्षताः राजेश मल्होत्रा   प्रभारी आचार्यः संजीव लालवानी

सदस्यः बबीता गुप्ता, दीपक गुप्ता, विजय शर्मा   समन्वयक: नसीम मंसूरी

कुल प्रतिभागीः 706   संचालित पाठ्यक्रमः 37

प्रदत्त व्याख्यान

राजेश मल्होत्रा: 40	**नरेंद्र चौधरी: 06**	**अभिनव कुमार: 07**	**नवदीप सोखल: 08**
आदर्श कुमार: 11	**नीरज कुमारः 11**	**अमित गुप्ता: 30**	**पंकज सिंह: 02**
आशीष बिंद्रा: 08	**पूर्वा माथुर: 13**	**बबीता गुप्ता: 02**	**ऋचा अग्रवालः 14**
बिप्लब मिश्रा: 11	**राहुल चौरसियाः 01**	**छवी साहनीः 05**	**एस अरुलसेलवी : 04**
दीपक गुप्ता: 03	**समर्थ मित्तल: 16**	**दिनेश के बगारिया: 10**	**सौमिता बागची: 04**
ज्ञानेंद्र पी सिंह: 09	**सुबोध कुमार: 16**	**जुनैद आलम: 02**	**सुषमा सागर: 12**
कामरान फारूक: 09	**विजय शर्मा: 14**	**कपिल देव सोनी: 12**	**विवेक त्रिखा: 54**
केशव गोयल: 13	**युद्धवीर सिंह: 02**		

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः 87

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोटिक और समान उम्र की स्वस्थ महिलाओं की आनुवांशिक एवं जैव-रासायनिक प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 139.03 लाख रुपये
2. कम्प्यूटर के सहयोग से बनाम परंपरागत सर्जिकल तकनीक में प्रणालीगत घुटना प्रतिस्थापन अम्बॉली की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2019-2022, 50 लाख रुपये
3. सम्पूर्ण घुटना आर्थ्रोप्लास्टी में पर्सोना घुटना प्रणाली का भावी, बहु-केन्द्रित परिणामों का अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, जिम्मेर, 7 वर्ष, 2015-2022, 24 लाख रुपये
4. ट्रॉमा सर्जरी यूनिट में भर्ती पोस्ट ट्रॉमेटिक रॉ एरिया वाले रोगियों में घाव की ड्रेसिंग करने के लिए वैकल्पिक तरीके के रूप में एम्नियोटिक मेम्ब्रेन के प्रभाव का अध्ययन, अभिनव कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 5 लाख रुपये
5. आइसोलेटेड ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा वाले रोगियों में मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग एवं क्रमिक परिवर्तन - एक प्रत्याशित, कोहॉर्ट, व्यवहार्य एवं अन्वेषी अध्ययन, अभिनव कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रुपये
6. भारत में सड़क दुर्घटना की चोटों के लिए व्यापक आपातकालीन उपचार और ट्रॉमा रजिस्ट्री पर एक उपचारात्मक अध्ययन। आईसीएमआर-नेशनल टास्क फोर्स प्रोजेक्ट, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 2½ वर्ष, 2017-2019, 75 लाख रुपये
7. भारत में मजबूत आघात उपचार प्रणाली विकसित करने का एक उपचारात्मक अध्ययन, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 53 लाख रुपये
8. एक अभिनव इंटुबैशन प्रणाली के विकास द्वारा एंडोट्रैकियल इंटुबैशन की सफलता और सुरक्षा को बढ़ाना: एक पायलट प्रोजेक्ट, बबीता गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, 55 लाख रुपये
9. एडीएपीटी, दीपक गुप्ता, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, 5 वर्ष, 2015-2022, 105.49 लाख रुपये
10. सेंटर-टीबीआई, दीपक गुप्ता, यूनिवर्सिटेयर जाइकेनहुई एंटवेर्पन (यूजेडए), बेल्जियम, 2 वर्ष, 2016-2020, 3.75 लाख रुपये
11. रेस्क्यू एएसडीएच, दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 9.52 लाख रुपये
12. ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमैन के बाद सॉलिड ऑर्गन इंजुरी वाले मरीजों में नॉन-ऑपरेटिव मैनेजमेंट प्रोटोकॉल पर इंट्रा एब्डोमिनल हाइपरटेंशन होने का अनुमान, दिनेश बगारिया, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 4.8 लाख रुपये
13. पोस्ट-ट्रौमिक सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में प्रो-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-इन्फ्लेमेटरी साइटोकाइन जीन का एपिजेनेटिक विनियमन, जो सेप्सिस-3 वर्गीकरण द्वारा परिभाषित किया जाता है। प्रमुख आघात के रोगियों में एक अन्वेषण अध्ययन, कपिल देव सोनी, एम्स, 1 वर्ष, 2019, 5 लाख रुपये

14.ट्रॉमा रोगियों में लोंग टर्म एसिस्टेड एंट्रल फीड के लिए लैप्रोस्कोपिक फीडिंग गैस्ट्रोस्टोमी बनाम पर्क्यूटेनियस इंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी की तुलना - एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन, नरेंद्र चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 4.75 लाख रुपये

15.मस्तिष्क में गंभीर रूप से तीव्र चोट वाले रोगियों में ज्युगुलर वीनस ऑक्सिमेट्री पर डीकम्प्रेसिव क्रैनिएक्टोमी का प्रभाव, नवदीप सोखल, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2020, 2.5 लाख रुपये

16.अल्ट्रासाउंड परीक्षण के दौरान आंतरिक ग्रीवा शिरा के निपातन दाब को मापने हेतु नोवल दबाव मापी उपकरण का विकास और सत्यापन, नीरज कुमार, एम्स + आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2020, 20 लाख रुपये

17.भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और संक्रमण रोकने के लिए अस्पताल के संक्रमण नियंत्रण का क्षमता निर्माण और मजबूती, पूर्वा माथुर, सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन, 5 वर्ष, 2015-2020, 882.59 लाख रुपये

18.अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान और छुट्टी के बाद विकसित होने वाले सर्जिकल साइट संक्रमणों के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास और अधिप्रमाणन, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 131.58 लाख रुपये

19.ट्रॉमा मरीजों के प्रारंभिक निदान में पोस्ट-ट्रॉमा लिम्फोसाइट - मोनोसाइट रिस्पॉन्स और प्रोग्राम्ड डेथ-1 लेवल की भूमिका, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 45.10 लाख रुपये

20.गंभीर रूप से घायल रोगियों में संक्रमण जोखिम पर ल्यूकोरेटेड ब्लड ट्रांसफ्यूजन के प्रभावों के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण**,** राहुल चौरसिया, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2020, 10 लाख रुपये

21.ट्रॉमा आईसीयू में भर्ती वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया से पीड़ित पॉलीट्रॉमा रोगियों में साइटोकिन्स आईएल17 और आईएल22 का मूल्यांकन, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 9.0 लाख रुपये

22.हल्के और मध्यम गहरे मस्तिष्क चोट (टीबीआई) से उत्पन्न तंत्रिका मनोवैज्ञानिक रोगों की उन्नत पहचान के लिए नव नैदानिक सुलभ जीववैज्ञानिक अनुमानों का ट्रांसलेशनल अनुप्रयोग, एस अरुलसेलवी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-21, 42.23 लाख रुपये

23.आइसोलेटिड ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी के रोगियों में परिफेरल ब्लड में कैथेप्सिन बी का मूल्यांकन और इससे सह-संबंध, एस अरुलसेलवी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 50.64 लाख रुपये

24.जेरिएट्रिक हिप फ्रैक्चर-इंट्रा-म्यूरल फंडिंग में प्रीऑपरेटिव सीएसएफ मेलाटोनिन स्तर और पोस्ट-ऑपरेटिव प्रलाप के बीच सहसंबंध, समर्थ मित्तल, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये

25.पेल्वी-एसिटाबुलर फ्रैक्चर में हेटेरोट्रोपिक ओसीफिकेशन की घटना - क्या इसका पूर्वानुमान लगाया जा सकता है और इसे रोका जा सकता है**?** समर्थ मित्तल, एओ ट्रॉमा, 2 वर्ष, 2018-2020, स्विस फ्रांस 8000

26.द एसोसिएशन ऑफ एचएलए एंटीजंस विद प्राइमरी आईजीए नेफ्रोपैथी इन इंडियन पेशेंट्स, सौमिता बागची, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020**,** 5 लाख रु.

27. प्राथमिक IgA नेफ्रोपैथी रोगियों में LNP023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच के लिए एक अनुकूलक निर्बाध यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, डोज रैंजिंग अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019-2021, प्रति रोगी 1.98 लाख रुपये
28. इडियोपैथिक मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी वाले सब्जेक्ट्स के उपचार में रिटुक्सीमैब की तुलना में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए यादृच्छिक, ट्रीटमेंट ओपन-लेबल, डोज-ब्लाइंडेड पैरालेल ग्रुप, थ्री आर्म, प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट क्लिनिकल ट्रायल, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 3 वर्ष, 2019-2022, प्रति रोगी 2 लाख रुपये
29. लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र में चेस्ट ट्रॉमा के रोगियों में फुप्फुसीय क्रियाओं, प्रतिरोधी प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन, सुबोध कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016-19, 40 लाख रुपये
30. चेस्ट ट्रॉमा रोगियों के परिणाम में न्यूट्रोफिल और नई प्रतिरक्षा कोशिकाओं की भूमिका, सुबोध कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 36 लाख रुपये
31. लेवल I ट्रॉमा केंद्र में प्रसवोत्तर परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में आघात के बाद निचले पैर के एम्प्यूटीज में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक रेंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, सुषमा सागर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 54 लाख रुपये

पूर्ण

1. सीवी 185-158: फेज IV, वैकल्पिक संपूर्ण घुटना प्रत्यारोपण या संपूर्ण नितम्ब प्रतिस्थापन सर्जरी कराने वाले भारतीय रोगियों में एपिक्साबैन की सुरक्षा के आकलन हेतु ओपन-लेबल, बहु-कैंद्रीय अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, पीपीडी, 4 वर्ष, 2015-2019, 33 लाख रुपये
2. भारतीय पोस्टमेनुपोसल ओस्टियोपोरोटिक महिलाओं में प्राथमिकता, सुविधा, अनुपालन, स्थायित्व तथा अस्थि टर्न-ओवर मार्कर्स में वार्षिक जोलेन्ड्रोनिक एसिड बनाम साप्ताहिक एलेन्डोनेट की तुलना, राजेश मल्होत्रा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2016-2019, 39 लाख रुपये
3. संभावित बायोमार्कर्स की पहचान के लिए मुंह के कैंसर रोगियों की लार के प्रोटियोमिक, मेटाबोलोमिक्स और मेटागेनामिक्स के उपयोग का सिस्टम बायोलॉजी एप्रोच, अभिनव कुमार, आईसीजीईबी कोर फंड, 3 वर्ष, 2015-2018, 25 लाख रुपये
4. सेरेब्रल माइक्रोडायलिसिस से क्षेत्रीय ऊर्जा चयापचय की निगरानी के द्वारा गंभीर सिर की चोटों में सेरेब्रल छिड़काव दबाव वृद्धि के प्रभाव का आकलन, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4.95 लाख रुपये
5. मिर्गी सर्जरी में डेक्समेडेटोमिडाइन की सेरेब्रोप्रोटेक्टिव भूमिका, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2012-2014, 2.62 लाख रुपये
6. रीढ़ की सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव मॉर्फिन सेवन पर सिंगल डोज प्रीऑपरेटिव विटामिन सी बनाम प्लेसीबो के प्रभावों का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, नीरज कुमार, एम्स, 3 वर्ष, 2014-2017, 2.8 लाख रुपये

7. अल्ट्रासाउंड गाइडिड वैस्क्यूलर एक्सेस के दौरान पोस्टेरियर वेसल वॉल पंक्चर्स की घटना: शॉर्ट एक्सिस बनाम लॉन्ग एक्सिस एप्रोच, नीरज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2015-2017, 3.7 लाख रुपये
8. ट्रॉमेटिक क्रश इंजुरी के बाद गुर्दे में लगी तेज चोट की शीघ्र पहचान के लिए यूरिनरी बायोमार्कर्स टीआईएमपी-2 और आईजीएफबीपी7 का मूल्यांकन, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 3.5 लाख रुपये
9. दर्दनाक चोट के बाद न्यूरो-संज्ञानात्मक हानि के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए एक मार्कर के रूप में नवीन प्लेटलेट्स पर उपयोगिता, एस अरुलसेलवी, डीएसटी-सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2016-19, 37.11 लाख रुपये
10. भारतीय रोगियों में वृक्क प्रत्यारोपण के बाद प्रथम वर्ष में बीके वायरस प्रतिकृति की संभावित निगरानी, सौमिता बागची, एम्स, 2 वर्ष, 2014-2016, 6.2 लाख रुपये
11. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी से पीड़ित भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज ट्रास की स्थिति एवं महत्वः एक केस नियंत्रण अध्ययन, सौमिता बागची, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, 5 लाख रुपये
12. पोस्ट ट्रॉमैटिक फेशियल डिसफिगरेशन के साथ रोगियों में संरचनात्मक वसा ग्राफ्टिंग के साथ नरम ऊतक पुनर्निर्माण और वृद्धि के परिणामों का मूल्यांकन करना, डीएसटी (महिला वैज्ञानिक), 3 वर्ष, 2015-2018, 30 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. प्रायोगिक मध्यम आकार के परिधीय धमनी की मरम्मत के साथ रोगी में पोस्ट ऑपरेटिव प्रणालीगत एंटीकोगुलेशन की आवश्यकता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. सर्वाइकल स्पाइन इंजुरी (सी1-सी5) वाले रोगियों को वेंटिलेटर से हटाते समय दो अलग-अलग टाइडल वॉल्युम्स (6-8 मिलीलीटर/किग्रा बनाम 12-15 मिलीलीटर/किग्रा) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. क्लिनिकल प्रयोगशाला में रक्त संग्रह ट्यूबों में फाइब्रिन क्लॉट फॉर्मेशन को कम करने के लिए एक गुणवत्ता में सुधार की पहल
4. गंभीर रिब फ्रैक्चर्स वाले और यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर पर पड़े रोगियों में मानक नॉन-ऑपरेटिव मैनेजमेंट के साथ रिब फ्रैक्चर्स के सर्जिकल स्टेबिलाइजेशन का यादृच्छिक अग्रदर्शी अध्ययन
5. गंभीर रूप से घायल आघात के रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरिड्यूस्ड रक्त आधान के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. इंटरट्रोचैंटेरिक फीमर फ्रैक्चर्स के उपचार में सिंगल लैग स्क्रू बनाम हेलिकल ब्लेड सिफेलोमेडुलरी नेलिंग के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणामों का अध्ययन करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जनवरी 2019 में प्रारंभ)

7. गंभीर रिब फ्रैक्चर्स वाले और यांत्रिक रूप से वेंटिलेटर पर पड़े रोगियों में मानक नॉन-ऑपरेटिव मैनेजमेंट के साथ रिब फ्रैक्चर्स के सर्जिकल स्टेबिलाइजेशन की तुलना हेतु यादृच्छिक अग्रदर्शी अध्ययन
8. पेनेट्रेटिंग एब्डोमिनल ट्रॉमा वाले मरीजों में कंट्रास्ट एन्हैंस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी एब्डोमेन बनाम डायग्नॉस्टिक लैप्रोस्कॉपिक का तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. कुंद यकृत आघात के रोगियों के भावी परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन
10. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में खतरनाक ढंग की चोट वाले मरीजों में कंट्रास्ट एन्हेंस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन टोर्सो के नियमित उपयोग की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
11. अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लेविक्युलर ब्लॉक के लिए 0.5**%** रोपिवेकेन की न्यूनतम प्रभावी मात्रा की खोज के लिए अध्ययन
12. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में गंभीर रूप से घायल रोगियों और उनके परिणामों के साथ सहसंबंध से ग्रेड प्रबंधन संबंधी जटिलताओं का अध्ययन
13. कुंद जिगर और प्लीहा की चोट के साथ रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉलः एक पायलट अध्ययन
14. अल्टेरेड माइक्रोआरएनए एक्सप्रेशन इन पेरीफेरल ब्लड एंड ब्रेन फोलोविंग सीवियर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी
15. लेवल I ट्रॉमा केंद्र में दर्दनाक अग्नाशय की चोटों के प्रबंधन के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक अनिवार्य अवलोकन अध्ययन
16. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में फेशियल फ्रैक्चर्स के लिए परंपरागत सर्जरी बनाम 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी असिस्टेड सर्जरी से उपचार किये गये मरीजों के सर्जिकल परिणाम एवं आर्थिक बोझ का आकलन करने हेतु एक खोजपूर्ण अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली
17. जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में प्रयोगशाला सेवाओं के लिए चिकित्सक की संतुष्टि का आकलन
18. अंग की शिथिलता और सेप्सिस के प्रारंभिक निदान के लिए मोनोसाइट्स के उत्पादन के बाद के आघात साइटोकाइन का आकलन
19. कुंद स्प्लेनिक चोट में स्प्लेनिक फंक्शन का आकलन: भावी अवलोकन अध्ययन
20. कुंद प्लीहा की चोट के रोगियों में प्लीहा प्रतिरक्षा क्रिया का आकलन
21. प्रीऑपरेटिव उच्च रक्तचाप, अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि और प्रीऑपरेटिव कार्डियोवैस्क्यूलर जटिलताओं के बीच संबंध: टर्शरी केयर सेंटर का संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
22. दर्दनाक स्पाइन (मेरुदंड) सर्जरी में ऑपरेशन के बाद दर्द से आराम के लिए बाइलेटरल अल्ट्रासाउंड गाइडिड इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉकः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
23. दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद हृदय की जटिलताएँ
24. ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी के संभावित जैव-संकेतक के रूप में सेल्युलर प्रियोन प्रोटीन और ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी की गंभीरता के साथ इसका सह संबंध

25. सम्पूर्ण नितम्ब प्रतिस्थापन का कम्प्यूटर सहायता प्राप्त संचालन बनाम फ्री हैंड सर्जिकल तकनीक की तुलना करने हेतु एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
26. हिप फ्रैक्चर के बाद सर्जरी में देरी: परिणामों पर कारण और प्रभाव
27. डॉर्सल रिस्ट गैंग्लियन के ओपन बनाम अर्थ्रोस्कोपिक एक्सीजन के परिणाम के आकलन हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
28. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र के आपातकालीन विभाग में भर्ती गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में ट्रांसफ्यूजन पद्धतियों का संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
29. सर्वाइकल रीढ़ स्थिरीकरण के साथ इंटुबैशन के लिए डी-ब्लेड की सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप से मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप, और मैकिंटोश लैरिंजोस्कोप से तुलनाः एक यादृच्छिक अध्ययन
30. मैकेनिकल वेंटिलेशन पर पड़े न्यूरो-इंटेंसिव केयर वाले रोगियों में सब सबक्लेवियन वेन (सुप्राक्लेवीक्यूलर एप्रोच) बनाम इंटर्नल ज्युगुलर वेन के अल्ट्रासाउंड गाइडिड केन्युलेशन की तुलना। एक यादृच्छिक अध्ययन
31. पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर उच्छेदन के लिए तैनात बाल चिकित्सा रोगियों में अंतःक्रियात्मक आधान ट्रिगर के साथ एनआईआरएस का सहसंबंध
32. आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी के रोगियों में सीरम इम्यूनोग्लोबुलिन ए/पूरण कारक 3 (आईजीए/सी3) का क्लीनिकल तथा हिस्टोलॉजिक कठोरता के साथ सह-संबंध
33. मस्तिष्क में गंभीर रूप से दर्दनाक चोट (टीबीआई) वाले रोगियों में ज्युगुलर वीनस ऑक्सिमेट्री ($SJVO_2$) पर डिकम्प्रेसिव क्रैनिएक्टोमी का प्रभाव - एम्स द्वारा वित्तपोषित, 5 लाख रुपये
34. पेल्विकैटेबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में रक्त की हानि पर ट्रानेक्सैमिक एसिड के विभिन्न खुराक के प्रभाव: एक यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण
35. पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार वाले रोगियों में क्षेत्रीय सेरेब्रल ऑक्सीकरण पर न्यूरोरेडियोलोजिक हस्तक्षेप का प्रभावः एक अवलोकनात्मक अध्ययन
36. मैकेनिकली वेंटीलेटेड रोगियों में डायाफ्रेग्मेटिक स्ट्रेंग्थ और मोटाई पर फ्रेनिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव
37. लोवर लिंब एम्प्यूटी के बीच संतुलन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए आभासी वास्तविकता थेरेपी (वीआरटी) का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
38. पेरीऑपरेटिव इन्फ्लेमेटरी साइटोकाइन्स अल्टरेशन्स एवं नैदानिक जटिलताओं पर रीजनल एनेस्थिसिया का प्रभाव
39. इम्यून इंफेक्टर सेल्स (टीएच1, टीएच2, टीएच9, टीएच7, टीएच22) की गतिशीलता पर चोट की गंभीरता और न्यूट्रोफिल और ब्लंट थोरैसिक ट्रॉमा के रोगियों में परिणाम के साथ उनके सहसंबंध पर प्रभाव
40. वृक्क प्रतिरोपण-पश्चात रोगियों में इलेक्टोलाइट तथा अम्ल आधारित समस्याएँ: एक अग्रदर्शी अध्ययन

41. पोस्ट-ट्रौमिक सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में प्रो-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-इन्फ्लेमेटरी साइटोकाइन जीन का एपिजेनेटिक विनियमन, जो सेप्सिस-3 वर्गीकरण द्वारा परिभाषित किया जाता हैः प्रमुख आघात के रोगियों में एक अन्वेषण अध्ययन
42. सीटी स्कैन के मुकाबले मैक्सिलोफ्रैक्चर की पहचान हेतु प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड की नैदानिक विशेषताओं का मूल्यांकन
43. गंभीर रक्तस्राव वाले आघात के रोगियों में रक्त के घटकों के उपयोग पर क्रायोप्रिसिपेट के प्रारंभिक उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
44. हेमोरेजिक शॉक के साथ आघात के रोगियों में रक्त के घटकों के उपयोग पर क्रायोप्रेसिपिटेट के प्रारंभिक उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
45. डॉक्टरों और नर्सों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में आपातकालीन विभाग में आघात के रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की भूमिका का मूल्यांकन
46. अलग-अलग स्तर के स्वास्थ्य सेवा परिवेशों में सड़क यातायात में घायलों के लिए अस्पताल-आधारित रजिस्ट्री की व्यवहार्यता एवं क्रियान्वयन और उपचार की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
47. लेरिंगल मास्क एयरवे प्लेसमेंट के मूल्यांकन के लिए केंद्रित वायुमार्ग सोनोग्राफी: एक अवलोकन अध्ययन
48. सर्जरी कराने वाले जिरियाट्रिक ट्रॉमा के रोगियों में प्रतिकूल डिस्चार्ज परिणामों के पूर्वानुमान के रूप में फ्रेल्टी: संभावित केस कंट्रोल अध्ययन
49. आपातकालीन सर्जरी के बाद उन्नत रिकवरी का प्रभाव - ट्रॉमा के बाद लैप्रोटॉमी कराने वाले मरीजों की मानक उपचार बनाम एन्हैंस्ड रिकवरी प्रोटोकॉल्स का तुलनात्मक अध्ययन
50. इंट्राक्रैनीयल ट्यूमर सर्जरी वाले रोगियों में गहरी शिरा घनास्त्रता की घटना और जोखिम कारक - एक अग्रदर्शी अध्ययन
51. इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी के पास इंट्राऑपरेटिव सोमेटिक साइट सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी में परिवर्तन: एक अग्रदर्शी अध्ययन
52. सेरोपोजिटिव बकरी से लीशमैनिया या लीशमैनिया जैसे परजीवी के लक्षण का अलगाव (मुद्रित लेकिन जमा नहीं / वाइवा कॉन्ड.)
53. आघात के रोगियों में सेप्सिस और सेप्टिक सदमे के भावी सूचकबायो मार्कर की पहचान करने के लिए मल्टीपैरा मीट्रिक दृष्टिकोण
54. पृथक थोरैसिक चोट में प्रारंभिक धमनी रक्त गैस विश्लेषण के परिणाम का सहसंबंध
55. बड चियारी सिंड्रोम में ट्रांसजगलर इंट्राहेपेटिक पोर्टोसिस्टेमिक शंट का परिणाम: एक एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन
56. गर्भावस्था में गैस्ट्रिक अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन पर पोस्ट्यूरल प्रभाव: एक अवलोकनात्मक अध्ययन
57. सर्जरी के लिए आने वाले भारतीय जेरिएट्रिक रोगियों में रहने के समय और प्रतिकूल परिणाम का अनुमान: एक संभावित मामले पर नियंत्रित अध्ययन

58. मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के बीजिंग और गैर-बीजिंग जीनोटाइप्स की उपस्थिति को विभिन्न मानव शरीरों से अलग कर प्रस्तुत किया गया, पर उनकी प्रतिरक्षा लंबित है
59. आघात के बाद निचले अंग विच्छेदन के दौर से गुजरने वाले रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राथमिक समापनः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
60. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के नए एंटीजेन के विरुद्ध मोनो और पॉलीक्लोनल एंटीबॉडी जुटाना और चिकित्सीय नमूनों में उनका नैदानिक मूल्यः पहला ड्राफ़्ट प्रस्तुत किया गया
61. भारतीय जनसंख्या में टिबियल प्लेटू फ्रैक्चर प्रबंधन में यूनिएक्सियल बनाम पॉलीएक्सियल प्लेटिंग और समीपस्थ टिबिअल फ्रैक्चर के सीटी निर्देशित मैपिंग के बाद रेडियोलॉजिकल, चिकित्सीय और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करते हुए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
62. यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणः ऑर्बिटल फ्लोर फ्रैक्चर के पुनर्निर्माण में पारंपरिक तकनीक बनाम 3डी-मॉडल एसिस्टेड मेश एडाप्टेशन में ऑर्बिटल वॉल्यूम का तुलनात्मक विश्लेषण
63. रक्तस्रावी शॉक के साथ आघात रोगियों में बड़े पैमाने पर आधान की धारणा का पुनर्मूल्यांकन
64. प्रसूति संबंधी रक्तस्राव में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की भूमिका
65. श्रोणि-विभंग रोगियों में नैदानिक परिणाम मूल्यांकन हेतु जाँच की भूमिका
66. न्यूरोट्रॉमा के रोगियों में सेप्सिस के प्रारंभिक पूर्वानुमानक के रूप में एक्स्ट्रावस्कुलर फेफड़े के पानी का आकलन करने में फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड की भूमिका - एक अवलोकनात्मक अध्ययन
67. एक छेड़छाड़ मुक्त फ्लैप की सटीक और प्रारंभिक पहचान में माइक्रोडायलिसिस की भूमिका
68. छाती आघात के रोगियों के परिणाम में टी-हेल्पर सेल्स एवं न्यूट्रोफिलिस की भूमिका
69. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगसूचक मार्कर के रूप में सीरम लेक्टेट, बेस डेफिशिएट और ग्लूकोज का स्तर
70. उत्तर भारतीय आघात रोगियों में गंभीर थ्रोम्बोसाइटोसिस का महत्व
71. सिर की चोट के मामलों में मस्तिष्क के ऊतकों में ओलिगोडेंड्रोग्लिअल लिनेज, माइलिनेशन और रीमाइलिनेश का अध्ययन
72. बुजुर्ग हिप फ्रैक्चर के रोगियों में परिणाम निर्धारित करने के लिए जैव रासायनिक मापदंडों की भूमिका का अध्ययन
73. स्तर 1 आघात केंद्र में जीनिटो यूरिनरी चोटों के मामलों में मापदंडों, हस्तक्षेप और परिणाम का अध्ययन
74. आईजीए नेफ्रोपैथी का सहायक प्रबंधन- एक अग्रदर्शी अध्ययन
75. वयस्क रोगियों में दाहिनी ब्रेकियोसेफ़ेलिक नस के अल्ट्रासाउंड निर्देशित कैथेटेराइज़ेशन की व्यवहार्यता का अध्ययन
76. वैकल्पिक नेत्र संबंधी प्रक्रियाओं से गुजरने वाले बच्चों (1-18 वर्ष) में एयर-क्यू बनाम प्रोसील की प्रभावशीलता की तुलना करना - एक यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण
77. मानवविज्ञानी और रेडियोलॉजिकल तकनीकों का उपयोग करके हायोड हड्डी से यौन द्विरूपता स्थापित करना और उम्र का अनुमान लगाना

78. सामान्य संज्ञाहरण के तहत ऑप्टिक तंत्रिका आच्छद कोशिका व्यास पर अंत ज्वारीय कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करना
79. सामान्य और क्षेत्रीय संज्ञाहरण के तहत सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में 30 दिनों के पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों की भविष्यवाणी करने में समायोजित चार्लसन कोमर्बिडिटी इंडेक्स की उम्र की भूमिका का मूल्यांकन करना
80. एचआईवी सेरो निगेटिव वयस्कों के मल के नमूनों में माइक्रोस्पोरिडिया की व्यापकता को देखने के लिए, डायरिया से पीड़ित बाल रोगी, मई 2018 को प्रस्तुत किया गया
81. स्तर 1 ट्रॉमा में कुंद प्लीहा की चोट वाले रोगियों में स्प्लेनिक कार्यो और जटिलताओं का अध्ययन
82. स्तर I के आघात केंद्र में क्लिनिकल मापदंडों और अंतर-पेट के दबाव के बीच सहसंबंध का अध्ययन और रुक्ष उदरीय आघात के रोगियों के गैर-ऑपरेटिव प्रबंधन पर उनका प्रभाव
83. ब्लंट ट्रामा चेस्ट के रोगियों में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड की नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन
84. क्षति नियंत्रण सर्जरी से गुजरने वाले श्रोणि फ्रैक्चर के रोगियों के परिणाम पर बाहरी श्रोणि स्थिरीकरण के प्रभाव का अध्ययन
85. पुल्मोनरी फंक्शंस पर योग के प्रभाव, श्वसन की मांसपेशियों की शक्ति और सहनशीलता, छाती की दीवार की गतिशीलता, सूजन के लक्षण और कुंद छाती के आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और लेवल-I ट्रामा केंद्र स्तर पर थोरेसिक ट्रॉमा सेवरिटी स्कोर के साथ सहसंबंध
86. एक लेवल 1 ट्रामा केंद्र में श्रोणि आघात के रोगियों का उपचार, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन
87. सिर की चोट के रोगियों में जोखिम कारकों और नलिका-निष्कासन की विफलता के कारणों का अध्ययन
88. स्तर I के आघात केंद्र में छाती आघात के रोगियों में रोगनिरोधी एंटीबायोटिक दवाओं की भूमिका का अध्ययन : एक प्रारंभिक यादृच्छिक परीक्षण
89. टी हेल्पर-9, टी हेल्पर-17, टी हेल्पर-22, पोस्ट ट्रॉमा इम्यूनोपैथोजेनेसिस में टी-रेगुलेटरी लिम्फोसाइट्स की भूमिका का अध्ययन
90. एम्स का प्राथमिक IgA नेफ्रोपैथी (IgA) समूह द्वारा प्राथमिक IgA नेफ्रोपैथी के भारतीय रोगियों में रोग की गंभीरता और परिणाम पर विटामिन डी के स्तर की भूमिका का अध्ययन

पूर्ण

1. घुटने की कुल आर्थोप्लास्टी में काइनेमैटिक और मैकेनिकल अलाइनमेंट का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
2. ट्रॉमा के बाद लैप्रोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में मानक रिकवरी प्रोटोकॉल बनाम मानक उपचार का तुलनात्मक अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. सक्रिय और अव्यक्त तपेदिक में अंतर करने के लिए T कोशिकाओं पर सीडी 27 अभिव्यक्ति का विश्लेषण करने के लिए एक अध्ययन

4. एम्स, नई दिल्ली के जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र की गहन चिकित्सा इकाई में सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इन्फेक्शन (CLABSI) की घटनाओं पर शैक्षिक हस्तक्षेपों के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
5. स्तर I के आघात केंद्र में तीव्र रूप से घायल रोगियों में ग्रेड उपचार से संबंधित जटिलताओं और परिणामों के साथ उनके संबंध के लिए एक अध्ययन
6. कुंद यकृत और प्लीहा की चोट के साथ रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉलः एक पायलट अध्ययन
7. कोहनी और कलाई के जोड़ों के आसपास एपिफिशियल यूनियन के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा उम्र 1-18 वर्ष के बीच आयु का अनुमान
8. गुणवत्ता सुधार के लिए एक चिकित्सीय प्रयोगशाला में महत्वपूर्ण मूल्य अधिसूचना प्रक्रिया का आकलन
9. गुणवत्ता सुधार के लिए एक चिकित्सीय प्रयोगशाला में हैंडओवर प्रोसेस का आकलन
10. क्लासिकल थ्रोम्बोइलास्टोग्राफ़ी (टीईजी) व्याख्या में विश्लेषणात्मक त्रुटियों का लक्षण वर्णन
11. मध्यीय धुरी और पार्श्व धुरी घुटने के बीच चिकित्सीय, फ्लोरोस्कोपिक और रेडियोलॉजिकल परिणामों की तुलना करने के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण में मुख्य मार्गदर्शक
12. लेवल 1 एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में फैट एम्बोलिज्म सिंड्रोम वाले रोगियों के लक्षण और परिणाम-एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
13. अग्र कंधे की आवर्ती अस्थिरता के लिए आर्थ्रोस्कोपिक मरम्मत का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल आकलन - एक पायलट अध्ययन
14. कोराकुलम्बर स्पाइन सर्जरी कराने वाले रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मोटर से उत्पन्न क्षमता पर प्रोपोफॉल और केटोफॉल की तुलना
15. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में इंट्राकेनियल दबाव माप की आक्रामक और गैर-आक्रामक तकनीक के बीच सहसंबंधः एक अवलोकनात्मक अध्ययन
16. भारत के लिए विशिष्ट पूर्व-एक्सडीआर/ एक्सडीआर-टीबी के तेजी से निदान के लिए नए आणविक परीक्षण का विकास
17. तीव्र सर्वाइकल कॉर्ड आघात में एमआरआई की नैदानिक और रोगसूचक भूमिका
18. डॉक्टरों और नर्सों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में आपातकालीन विभाग में आघात के रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की भूमिका का मूल्यांकन
19. पेटेला के विस्थापित विभंग हेतु प्लेटिंग के उपरांत कार्यकारी एवं विकिरण नैदानिक परिणाम
20. डिस्क डिजेनरेटिव रोग में लम्बर अंतरावर्टीव्रल डिस्क का उत्तकविज्ञान तथा नैदानिक एवं विकिरण निदान खोजों के साथ इसका संबंध
21. पृथक थोरैसिक चोट में प्रारंभिक धमनी रक्त गैस विश्लेषण के परिणाम का सहसंबंध

22. सर्जिकल आईसीयू में गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी में घातक गुर्दे की चोट के साथ आघात वाले रोगियों का परिणामः हमारा अनुभव
23. आघात के बाद निचले अंग विच्छेदन के दौर से गुजरने वाले रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राथमिक समापनः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
24. स्तर I के ट्रॉमा केंद्र में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रामा रोगियों में आधान व्यवहार के संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
25. क्यूआई परियोजना - आईसीयू में सीएलएबीएसआई दर में सुधार करने हेतु
26. छाती आघात के रोगियों के परिणाम में टी-हेल्पर सेल्स एवं न्यूट्रोफिलिस की भूमिका
27. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सेप्सिस में डायग्नोस्टिक और रोगनिरोधी मार्कर के रूप में सीरम प्रोकैल्सिटोनिन, इंटरल्यूकिन-6 और एसटीआरईएम-1
28. स्पाइन सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में कफ रिसाव मात्रा पर मानक तरल पदार्थ रेगिमेन बनाम लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा के प्रभाव की तुलना
29. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में श्रेणी के फ्रैक्चर वाले रोगियों के उपचार, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन
30. एक्यूट परिधीय तंत्रिका घाव की मरम्मत में प्लेटलेट युक्त प्लाज्मा के उपयोग के बाद नैदानिक तथा तंत्रिका-शरीर क्रिया विज्ञानी परिणामों के अध्ययन संबंधी, प्लास्टिक सर्जरी, जेपीएनएटीसी, एम्स
31. लेवल 1 ट्रामा केन्द्र में नैदानिक मापदंड एवं अन्तःउदर दबाव के बीच सह-संबंध और कुछ ट्रॉमा उदर के रोगियों के अपरिचालित प्रबंधन पर उनका प्रभाव
32. ट्रंक आधारित फ्लैप सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में सेराटस पूर्वकाल प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता का अध्ययन - एक प्रायोगिक अध्ययन
33. एक लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में श्रोणि आघात के रोगियों के उपचार, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन
34. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में उभरती प्रतिक्रिया को कम करने के लिए इंट्राट्रैकीयल लिग्नोकेन का उपयोगः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ऐस टैबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में अल्ट्रसाउंड निर्देशित सुपरेंगीनल फेशिया इलियाका ब्लॉक- यादृच्छिक नियंत्रित प्राथमिक अध्ययन
2. भारतीय और पश्चिमी आबादी में पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में अंतर को समझनाः लक्षण, उपचार के विकल्प और उनके परिणाम, यूकेआईईआरआई-डीएसटी

3. हिमाचल प्रदेश के मंडी के ब्राह्मण और राजपूत आबादी में कान और नाक का मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन - एक फोरेंसिक मानव विज्ञान जांच, मानवविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
4. रिज केरेक्टोरिस्टिक्स में वेरिएशन की सीमा का अध्ययन और जुड़वा बच्चों में उनकी उंगलियों के निशानों की विशेषता का प्रयोग करके उनकी लिंग संबंधी जानकारी का पता लगाना, न्याय चिकित्सा एवं विषविज्ञान विभाग, केएमसी, मणिपाल
5. दिल्ली में ट्रामा केयर सुविधा, परिवहन अनुसंधान और चोट निवारण कार्यक्रम (टीआरआईपीपी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में अनुमानित पोस्ट- क्रैश एक्सेसिबिलिटी का आकलन
6. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होनाः एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, वाइनीपेग, कनाडा
7. पित्ताशय की दीवार की मोटाई या पित्ताशय की पथरी रोग से संबद्ध पॉलीप के रोगियों में रेडिकल सर्जरी से बचने में पूर्व ऑपरेटिव यूएसजी निर्देशित एफएनएसी की उपयोगिता का अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
8. ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमन के बाद बाल चिकित्सा ठोस अंग क्षति का निर्धारण करने में आघात के लिए सोनोग्राफ़ी केंद्रित मूल्यांकन (एफएएसटी) की संवेदनशीलता एवं विशिष्टता, बाल शल्य चिकित्सा
9. ब्लंट लिवर आघात के रोगियों में परिणाम के पूर्व सूचकों का मूल्यांकन करने हेतु एक अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी
10. युवा रोगियों में माइक्रोसेफ़ली का एटियोलॉजिकल मूल्यांकन, बाल चिकित्सा
11. पोस्ट क्रैनिक्टोमी रोगी में चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण स्थिति का पता लगाने में ट्रांसक्रैनियल अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, आपातकाल चिकित्सा
12. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआई) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इम्प्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच^{R}) की प्रभावशीलता पर अग्रदर्शी अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र, एम्स
13. एक रेफरल इंडियन अस्पताल में ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शंस (बीएसआई) की निगरानी, सूक्ष्म जैव विज्ञान, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र, एम्स
14. अल्ट्रासाउंड परीक्षण के दौरान गले की आंतरिक वाहिका के गिरते हुए दबाव को मापने के लिए दबाव मापने वाले नए उपकरण का विकास और सत्यापन, एम्स + आईआईटी दिल्ली
15. गंभीर रूप से घायल आघात के रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेडियूस्ड रक्त आधान के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गंभीर एवं सघन चिकित्सा, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा एवं सघन चिकित्सा, प्रयोगशाला चिकित्सा, आपात चिकित्सा, सर्जरी, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र
16. गंभीर रूप से रक्तस्राव वाले आघात के रोगियों में रक्त घटकों के उपयोग पर क्रायोप्रिसिपिटेट के प्रारंभिक उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा, आपात चिकित्सा, सर्जरी ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र

17.सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंट्यूबेशन के लिए मानक ब्लेड और मैकिनतोश लेरिंजियोस्कोप के साथ डी-ब्लेड, सी-मैक वीडियो- लेरिंजियोस्कोप सहित सी-मैक वीडियो-लेरिंजियोस्कोप की तुलनाः एक यादृच्छिक अध्ययन, तंत्रिकासंवेदनाहरण विज्ञान एवं सघन चिकित्सा

18.ट्रॉमा आईसीयू, एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर में वेंटिलेटर से जुड़ी घटनाओं और जटिलताओं वाले रोगियों के जोखिम कारक और परिणाम, संवेदनाहरण एवं सघन चिकित्सा

19.वृक्क एवं/या कुंद आघात प्लीहा-संबंधी उदर के बाद वृक्क एवं/या प्लीहा की चोट के रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉल, ट्रॉमा सर्जरी एवं सघन चिकित्सा

20.अल्ट्रासाउंड द्वारा निर्धारित गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा और चिकित्सा/सर्जिकल आईसीयू में आंत्र नली फीड की स्वीकृति का सहसंबंध -एक अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण एवं सघन चिकित्सा

21.पृथक थोरैसिक चोट में प्रारंभिक धमनी रक्त गैस विश्लेषण के परिणाम का सहसंबंध, ट्रॉमा सर्जरी एवं सघन चिकित्सा

22.गंभीर रूप से बीमार रोगियों में पारंपरिक एक्सट्यूबेशन के साथ सकारात्मक दबाव एक्सट्यूबेशन की तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, संवेदनाहरण एवं सघन चिकित्सा

23.वक्ष आघात के रोगियों के परिणाम में टी-हेल्पर सेल्स एवं न्यूट्रोफिलिस की भूमिका, ट्रॉमा सर्जरी

24.पुल्मोनरी फंक्शंस, रेस्पिरेटरी मसल स्ट्रेंथ एंड एंड्युरेंस, चेस्ट वॉल मोबिलिटी, इंफ्लेमेटरी मार्करों और ब्लंट वक्ष आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर में वक्षीय आघात गंभीरता स्कोर के साथ उनके सहसंबंध पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी

25.ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रोमा के रोगियों में अल्पकालिक परिणामों के अनुमान में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी

26.स्तर-1 ट्रॉमा केंद्र में कुंद स्प्लेनिक ट्रॉमा के उपरांत स्प्लेनिक क्रियाओं और जटिलताओं का अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी

27.स्तर-1 ट्रॉमा केंद्र में वक्षीय आघात रोगियों में पुल्मोनरी फंक्शंस,प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया एवं जीवन गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी

28.जनन संबंधी रोग में लंबर इंटर वेर्टेब्रल डिस्क का ऊतक विज्ञान तथा नैदानिक एवं रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ इसका सहसंबंध, अस्थिरोग

29.वृक्क प्रतिरोपण आदाताओं में बीके पोलियोमावायरस की पहचान एवं जिनोटाइप वितरण, सूक्ष्म जीवविज्ञान

30.न्यूरोसर्जरी में पेशी एंजाइम की मात्रा बढ़ना तथा ऑपरेशन पश्चात् एक्यूट किडनी क्षति में इसकी प्रासंगिकता का अध्ययन, न्यूरोएनिस्थिसिया

31.सेलुलर रिजेक्शन में ग्लोमेर्युलर कोशिका एंडोथेरियल चोट की एक इम्यूनोहिस्टोकैमिकल और अल्ट्रा स्ट्रक्चरल अध्ययन, पैथोलॉजी

32.स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में आधान व्यवहार के संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा

पूर्ण

1. जनन संबंधी रोग में लंबर इंटर वेर्टेब्रल डिस्क का ऊतक विज्ञान तथा नैदानिक एवं रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ इसका सहसंबंध, अस्थिरोग
2. कोहनी एवं कलाई के जोड़ो के आसपास एपिफिशियल यूनियन के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा 1-18 वर्ष आयु वर्ग के बीच आयु अनुमान, न्याय चिकित्सा
3. आघातीय क्षति के बाद न्यूरो-संज्ञानात्मक हानि के प्रारंभिक पूर्वानुमान हेतु एक मार्कर के रूप में नवीन प्लेटलेट्स पर उपयोगिता, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, तंत्रिका मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा
4. साइटोकिन्स के प्रोग्नोस्टिक महत्व और ट्रॉमेटिक लंग इंजीरीस वाले मरीजों में बायोमार्कर, प्रयोगशाला चिकित्सा
5. आघात के बाद पैर का विच्छेदन करा रहे रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राथमिक समापनः एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी एवं सघन चिकित्सा
6. मेम्ब्रोनस नेफ्रोपैथीः नैदानिक सहसंबंध सहित इम्यूनोफेलोरोसेंस, इलैक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी तथा पीएलए2आर प्रोफाइल का एक अध्ययन, पैथोलॉजी

रोगी उपचार

I.

सुविधा की कुल बिस्तर संख्या:	278	कुल भर्ती बिस्तर:	248
वार्ड बिस्तरः	194	आईसीयू बिस्तर तृतीय तल:	20
आईसीयू बिस्तर द्वितीय तल:	12	आपातकाल (ट्राइएज):	30
निजी वार्डः	22		

II आँकड़े - एक नजर में

कुल ईडी उपस्थिति:	71476	प्रति दिन औसत रोगीः	195
कुल भर्ती:	7532	औसत भर्ती प्रति दिनः:	21
भर्ती रहने की औसत अवधि:	10 दिन	कुल फॉलोअप ओपीडी मामले:	47310
औसत फॉलो-अप ओपीडी मामले/दिन:	159		

कुल पंजीकृत मृत्युः	868	मृत लाए गए:	324
कुल मृत्यु (पंजीकृत- मृत लाए गए):	544 (868-324)		
48 घंटे के अंदर मृत्युः	196	48 घंटे के बाद मृत्युः	348
सकल मृत्यु दरः	12%	शुद्ध मृत्यु दरः	5%
भरे हुए बिस्तरों की दरः	84%	बेड टर्नओवर दर:	29 रोगी/बिस्तर

III	**ईडी में कुल मामलेः**	**71476**		
	पुरूषः	46287	महिलाएँ:	17381
	बच्चे:	5075	बच्चियाँ:	2697
	एमएलसीः	39768	गैर-एमएलसीः	31708
	अन्यः	36		
	ट्राइएज श्रेणी			
	हराः	38630	पीलाः	23544
	लालः	5506	कालाः	73
	ओपीडीः	3684	रेडियोलॉजीः	39
IV	**फॉलो-अप ओपीडी मामलों की कुल सं.: 47310**			
	नएः	18482	पुराने (री-विजिट):	28828
	पुरुषः	31662	महिलाः	10273
	बच्चेः	3625	बच्चियाँ:	1750
	सुविधावार ब्यौरा			
	अस्थिरोग:	27400	सर्जरीः	4844
	न्यूरोसर्जरीः	6829	पीआरएसः	8141
	बीपीआईः	96		
V	**कुल भर्तीः**	**7532**		
	नियमितः	7407	लघु अवधि भर्ती:	125
	एमएलसीः	5367		53
	गैर-एमएलसीः	2040		72
	पुरूषः	5406		84
	महिलाः	1246		28
	बच्चेः	461		7
	बच्चियाँ:	292		6
	अन्यः	2		
	सुविधावार ब्यौरा			
	अस्थिरोग:	2620		7
	सर्जरीः	1860		38

	न्यूरोसर्जरीः	2049		2
	पीआरएसः	746		77
	बालचिकित्साः	132		1
VI	**किए गए कुल ऑपरेशनः**	**7458**		
	बड़े:	7297	छोटे:	161
	पुरूषः	5678	महिलाः	1149
	बच्चे:	421	बच्चियाँ:	210
	सुविधावार ब्यौरा			
	अस्थिरोग:	3236	सर्जरीः	1825
	न्यूरोसर्जरीः	1294	पीआरएसः	1103
VII	**कुल डिस्चार्जः**	**7323**		
	एमएलसीः	4970	गैर-एमएलसीः	2353
	पुरूषः	5115	महिलाः	1169
	बच्चे:	703	बच्चियाँ:	335
	अन्यः	1		
	विभागवार वितरण			
	अस्थिरोग:	2602	सर्जरीः	1840
	न्यूरोसर्जरीः	1943	पीआरएसः	806
	बालचिकित्साः	132		
VIII	**उपचार के दिनः**	**76685**		
	अस्थिरोग:	22116	सर्जरीः	20440
	न्यूरोसर्जरीः	26618	पीआरएसः	6241
	बालचिकित्साः	1270		

मुख्य चिकित्सा अभिलेख अनुभाग

उपर्युक्त के अलावा, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र का चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (एमआरएस) सफलतापूर्वक चल रहा है, जो वर्ष 2008 से एनडीएमसी में मृत्यु का ऑनलाइन पंजीकरण करने वाला पहला सरकारी अस्पताल है और साथ ही विधिसम्मत प्रक्रिया (नाम सुधार - 664) के बाद मृतक / छुट्टी और भर्ती रोगी से संबंधित संशोधनों का समन्वय कर रहा है। ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र में होने वाली सभी मौतों की आईसीडी-10 कोडिंग

जिनकी शुरुआत पहले की गई थी उन्हें ऑनलाइन कर दिया गया था। एमआरएस नियमित रूप से दिल्ली और अन्य पड़ोसी राज्यों के विभिन्न माननीय न्यायालयों से समन का निपटान कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल 1769 (दिल्ली के भीतर - 1519 और दिल्ली के बाहर-250, चिकित्सकों एवं रिकॉर्ड क्लर्क के लिए-1467, केवल रिकॉर्ड क्लर्क के लिए-302) समन का निपटारा किया गया। एमआरएस, ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र में भर्ती हुए रोगियों- जीवित अथवा मृत दोनों - के विभिन्न बीमा पॉलिसी मामलों का प्रबंधन भी कर रहा है। इस अवधि के दौरान ऐसे कुल 53 मामले निपटाए गए। पिछले वर्ष के दौरान एमआरएस ने डिस्चार्ज रिकॉर्ड/बेड हेड टिकट के लिए 836 पुलिस अनुरोधों पर विचार किया है और एक्स-रे भी जारी किए हैं; रेडियो-निदान इकाई से एक्स-रे के संग्रह के लिए समन्वय किया और पुलिस को सौंपा। इस दौरान ऐसे कुल 978 मामलों का निपटारा किया गया। इसके अलावा एमआरएस दिल्ली राज्य/केंद्र सरकार को वर्ष के दौरान ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र में आने वाले रोगियों/ पीड़ितों से संबंधित सूचना (सहायता/मुआवजा आदि हेतु) जारी करने के कार्यों का निपटान किया है। 48 मामलों में विभिन्न आवेदकों द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत उठाए गए सवालों के जवाब भी एमआरएस द्वारा प्रदान किए गए। एमआरएस ने बुनियादी ढांचे के साथ-साथ कंप्यूटर सुविधा के लिए निरंतर इनपुट प्रदान किया है; ताकि चरणबद्ध तरीके से पूरी पंजीकरण प्रक्रिया को कंप्यूटरीकृत किया जा सके। अनुरोध करने पर संकायों/ रेज़िडेंटों/ नर्सिंग स्टाफ़/ प्रयोगशाला स्टाफ़ / कंप्यूटर सुविधाओं को अनुसंधान उद्देश्य के लिए केस फ़ाइलों को ढूंढ कर उपलब्ध कराया गया। कुल 1167 मामलों का निपटारा किया गया।

गंभीर एवं सघन चिकित्सा

लगभग 700 रोगियों को (पुनः भर्ती सहित) ट्रॉमा 2 आईसीयू में भर्ती किया गया था और 104 हेमोडायलिसिस सत्र किए गए थे। 6-बिस्तरों वाला उच्च निर्भरता एकक भी चलाया जाता है, जो आपदा और जन दुर्घटना के समय अतिरिक्त वेंटिलेशन बेड प्रदान करता है।

फोरेंसिक पैथोलॉजी एवं आणविक डीएनए प्रयोगशाला

क. आपातकालीन सेवाएँ:

ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र का फोरेंसिक पैथोलॉजी एवं आणविक डीएनए प्रयोगशाला प्रभाग ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र की आपातकालीन सेवा में रिपोर्ट की गई चोट, यौन अपराध आदि मामलों में चौबीसों घंटे मेडिको-लीगल सेवाएं प्रदान कर रहा है।

ख. शव परीक्षण सेवाएँ

ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र के शव गृह में कुल **818** मेडिको-लीगल शव परीक्षण किए गए।

ग. नैदानिक न्याय चिकित्सा

ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र में आपातकाल से निर्दिष्ट सहित जटिल मामलों में अनुवर्ती सलाह के **335** मामले थे।

घ. सम्मन

प्रभाग के चिकित्सकों ने दिल्ली और अन्य राज्यों के मामलों में न्यायालय में उपस्थिति दर्ज की।

ङ. चिकित्सा विष विज्ञान

अकादमिक/अनुसंधान मामलों में आपातकालीन विभाग से संदर्भित रक्त अल्कोहल के लिए लगभग **67 नमूना** परीक्षण किए गए थे।

च. प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के सहयोग से फोरेंसिक पैथोलॉजी

इस अवधि के दौरान कुल **75** मामलों के नमूने संसाधित और रिपोर्ट किए गए।

छ. सामुदायिक सेवाएं

यह प्रभाग पूरे देश के सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और सरकारी वकीलों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेता रहता है।

ज. चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनर्प्राप्ति

ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र के प्रभाग ने प्रत्यारोपण के लिए नेशनल आई बैंक और ओआरबीओ को ब्रेन डेड ट्रॉमा रोगियों के नेत्र दान, हृदय वाल्व दान और अंग पुनर्प्राप्ति की सुविधा प्रदान की।

झ. डीएनए प्रयोगशाला

यह प्रभाग आपदा पीड़ित की पहचान के एक भाग के रूप में ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र में आणविक डीएनए प्रयोगशाला की स्थापना की प्रक्रिया में है।

प्रयोगशाला चिकित्सा

किए गए कुल परीक्षणः **13,06,229**

1. **रुधिरविज्ञान**

हिमोग्लोबिन, टीएलसी, विभेदक काउंट, एचसीटी,
आरबीसी, एमसीएच, एमसीएचसी, एमसीवी, आरडीडब्ल्यू, प्लेटलेट काउंटः 51924 प्रति

रेटिकुलोसाइट काउंटः	32	ईएसआरः	4727
पेरीफेरल स्मीयर एंड एमपीः	3811		
कुलः	**5,27,806**		

कोएगुलेशन

पीटी और एपीटीटीः	29532 प्रति	टीटीः	10
फाइब्रीनोजेनः	20	डी-डाइमरः	45
थ्रोम्बोलेस्टोग्राफी (टीईजी):	597		
कुलः	**59,736**		

क्लीनिकल पैथोलॉजी

यूरिन रूटीन एवं माइक्रोस्कॉपीः	3460	यूरिन मायग्लोबिनः	927
सीएसएफ माइक्रोस्कॉपीः	938	फैट ग्लोब्यूल्स:	20
कुलः	**5345**		

रुधिरविज्ञान अनुभाग में किए गए कुल परीक्षणः 5,92,887

2. जैव रसायन

मधुमेह:	16006	यूरियाः	53253
क्रिएटिनिनः	53540	कैल्शियमः	52251
फॉस्फोरसः	51732	यूरिक एसिडः	48841

कुल और प्रत्यक्ष बिलीरुबिनः 44261 प्रति सोडियम और पोटेशियमः 53511 प्रति

कुल प्रोटीन, एल्बुमिन, एसजीओटी, एसजीपीटी, और एएलपीः 43586 प्रति

कोलेस्ट्रोलः	6904	एमीलेसः	5825
एचडीएलडीः	641	एलडीएलडीः	543
टीजीः	1049	वीएलडीएलः	1049
सीकेः	30	सीआरपीः	3666
एमजीः	3586	लिपेसः	50
सीके-एमबीः	10	सीएसएफ मधुमेह और प्रोटीन: 644 प्रति	
पेरिटोनियल फ्लूइड शुगरः	8	पेरिटोनियल फ्लूइड प्रोटीनः	3
एसिटीक फ्लूइड प्रोटीनः	6	प्लूरल फ्लूइड शुगरः	1
प्लूरल फ्लूइड एमीलेसः	2	प्लूरल फ्लूइड प्रोटीनः	2
यूरीनरी स्पॉट सोडियमः	292	यूरीया कैल्शियमः	3
यूरीनरी क्रिएटिनिनः	70	पेरीटोनियल फ्लूइड एमाइलेजः	11
24 घंटे यूरीन प्रोटीनः	14	24 घंटे यूरीन शुगरः	14
यूरीन ओस्मोलेलिटीः	162	सीरम ओस्मोलेलिटीः	68
ड्रेन फ्लूइड एमाइलेसः	45	लैक्टेटः	14
फिनाइटोइनः	5		

एबीजी

पीओ2, पीसीओ2, पीएच, एच+, पोटेशियम (के), सोडियम (एनए), कैल्शियम (सीए) , सीएलः 5500 प्रति

जैव रसायन अनुभाग में किए गए कुल परीक्षणः 7,13,405

3. हिस्टोपैथोलॉजी

संशोधित नमूनेः	837	ब्लॉकों की सं.:	1772
हिस्टोपैथोलॉजी स्लाइडों की सं.:	1817	इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री स्लाइडः	711
साइटोलॉजी स्लाइडः	155		

4. **सूक्ष्म जैव विज्ञान**

पूर्ण कल्चर	19,984	एचआईवी (स्पॉट+विडा)	4,341
पॉजिटिव	5,842	एचबीएसएजी (स्पॉट+विडा)	4,345
सेंसिटिविटी	5,842	एचसीवी	2,178
प्रोकेल्सीटोनिन	2,206	अस्पताल संक्रमण नियंत्रण	5,739

ब्लड बैंक

माह	जाँचे गए दाता	दाता ब्लीड	प्रतिस्थापक दाता			स्वैच्छिक दाता			आन्तरिक स्वैच्छिक दाता	बाह्य स्वैच्छिक दाता
			पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल		
अप्रैल 19	882	675	574	4	578	93	4	97	97	शून्य
मई 19	1063	836	731	8	739	90	7	97	97	शून्य
जून 19	998	794	672	2	674	112	8	120	120	शून्य
जुलाई 19	1405	1147	857	20	877	245	24	269	123	146
अगस्त 19	1054	856	635	9	644	207	5	212	111	101
सितंबर 19	953	723	644	3	647	81	35	116	77	39
अक्टूबर 19	1128	891	767	9	778	103	3	106	106	शून्य
नवंबर 19	1032	855	693	8	701	145	9	154	119	35
दिसंबर 19	1018	843	730	12	742	96	5	101	101	शून्य
जनवरी 20	1060	886	740	7	747	134	5	139	96	43
फरवरी 20	1067	853	737	8	745	104	4	108	108	शून्य
मार्च 20	748	578	503	5	508	65	5	70	70	शून्य
कुल	**12408**	**9937**	**8283**	**95**	**8380**	**1475**	**114**	**1589**	**1225**	**364**

स्वैच्छिक रक्त दान शिविरों की संख्याः 5

ऊतक पृथक्करण प्रयोगशाला

तैयार आइटम	**इकाई**
कुल तैयार पैक आरबीसी	9937
बिलकुल ताजा तैयार फ्रोज़न प्लाज़्मा	9659
कुल तैयार प्लेटलेट्स	8746
कुल तैयार क्रायोप्रिसीपिटेट	662

संक्रामक मार्कर प्रयोगशाला और दाता परामर्श

माह	एचआईवी		एचबीएसएजी		एचसीवी		वीडीआरएल		एमपी	
	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया
अप्रैल 19	637	0	642	13	641	4	636	0	636	0
मई 19	872	0	878	12	878	4	870	3	870	1
जून 19	775	3	780	9	780	7	776	3	773	0
जुलाई 19	1164	1	1176	10	1172	9	1162	1	1160	1
अगस्त 19	869	1	875	8	875	6	863	4	863	0
सितंबर 19	767	2	767	9	771	2	762	2	759	0
अक्टूबर 19	898	1	902	12	903	8	893	2	893	0
नवंबर 19	874	1	880	12	879	7	874	4	870	0
दिसंबर 19	832	1	838	22	842	10	832	0	831	0
जनवरी 20	990	1	941	17	947	4	910	2	858	0
फरवरी 20	1202	0	1156	9	1166	9	1075	3	976	1
मार्च 20	669	1	629	7	634	4	607	4	562	0
कुल	**10549**	**12**	**10464**	**140**	**10488**	**74**	**10260**	**28**	**10051**	**3**

आपातकालीन निर्गम काउंटर

माह	जारी की गई पीआरबीसी की सं.	जारी किए गए एफएफपी	जारी किए गए पीआरसी	जारी किए गए क्रायो
अप्रैल 19	890	632	585	59
मई 19	792	517	598	43
जून 19	938	739	683	82
जुलाई 19	1012	614	841	73
अगस्त 19	910	515	711	42
सितंबर 19	812	389	560	42
अक्टूबर 19	925	551	651	42
नवंबर 19	853	1221	701	28
दिसंबर 19	857	779	713	17

जनवरी 2020	898	650	603	22
फरवरी 2020	954	574	774	81
मार्च 2020	1161	1132	578	16
कुल	**11002**	**8313**	**7998**	**547**

अन्य अस्पताल के ब्लड बैंक (मुख्य एम्स, सीएनसी, जीबी पंत, एलएनजेपी अस्पताल, ईएसआई अस्पताल, डॉ. हेडगेवार) को जारी किए गए रक्त और अवयव

माह	**रक्त**		**एफएफपी**		**पीआरसी**		**क्रायोप्रिसीपिटेट**	
	जारी	**प्राप्त**	**जारी**	**प्राप्त**	**जारी**	**प्राप्त**	**जारी**	**प्राप्त**
अप्रैल 19	127	35	170	0	0	49	0	0
मई 19	15	11	60	0	0	0	0	0
जून 19	15	11	230	0	0	32	0	0
जुलाई 19	38	0	60	0	0	0	0	0
अगस्त 19	0	45	0	0	0	56	0	0
सितंबर 19	77	0	0	0	0	20	0	0
अक्टूबर 19	0	33	40	0	15	0	3	0
नवंबर 19	19	19	764	0	34	79	0	0
दिसंबर 19	20	28	75	0	40	10	0	0
जनवरी 20	30	38	190	0	50	0	0	0
फरवरी 20	78	496	50	0	108	172	0	0
मार्च 20	495	3	865	0	260	0	0	0
कुल	**1589**	**719**	**2504**	**0**	**507**	**418**	**3**	**0**

रेडियोलॉजी में की गई जांचें

माह	**सीटी स्कैन**	**यूएसजी**	**एमआरआई**	**आपात एक्स-रे (एनएमएलसी)**	**आपात एक्स-रे (एमएलसी)**	**ओपीडी एक्स-रे**	**वार्ड एक्स-रे**	**पोर्टेबल एक्स-रे**	**फ्लोरो**	**डीएसए**
अप्रैल 19	1939	2229	89	3121	2157	1409	143	1342	25	6
मई 19	2421	2738	97	3415	2717	1332	195	1682	22	20
जून 19	2136	2445	83	3415	2582	1170	179	1540	11	9
जुलाई 19	2107	2362	99	3785	2473	1271	284	1578	21	10
अगस्त 19	2018	2717	98	3777	2772	1020	215	1576	32	14

सितंबर 19	2212	3056	111	4349	2753	1245	189	1488	10	5
अक्टूबर 19	2551	3272	122	4242	2997	1337	209	1686	15	15
नवंबर 19	2247	3081	123	3661	2670	1266	232	1667	32	17
दिसंबर 19	2192	2751	92	3477	2305	1345	246	1751	21	7
जनवरी 20	2475	2920	111	3786	2282	1405	246	1684	19	12
फरवरी 20	2406	2944	94	3829	2520	1234	241	1777	21	7
मार्च 20	1741	2210	80	3550	2500	841	132	1521	12	5
कुल	**26445**	**32725**	**1199**	**44407**	**30728**	**14875**	**2511**	**19292**	**241**	**127**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा ने 26-28 अप्रैल 2019 को नई दिल्ली में रीढ़ और हड्डी रोग बायोमैकेनिक्स पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार प्राप्त किया। उनके शोधपत्र का शीर्षक थाः "जटिल रीढ़ की हड्डी विकृति के रोगियों के 3डी चाल पैटर्न पर एटियोलॉजी और विकृति की शुरुआत का प्रभाव"; उन्हें आईएमए, नई दिल्ली में 1 जुलाई 2019 को डॉक्टर्स दिवस समारोह के दौरान अधिकांश विशिष्ट सेवाओं के लिए आईएमए डॉक्टर दिवस पुरस्कार 2019 से सम्मानित; 7 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में मीडिया पार्टनर सीएनएन न्यूज 18 के साथ सीएमई एक्सीलेंस समिट और अवार्ड्स के दौरान सीएमई एजुकेटर पुरस्कार (व्यक्तिगत) से सम्मानित; 25 सितंबर, 2019 को एम्स, नई दिल्ली में 64वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान प्रदर्शनी श्रेणि - यूनिवर्सल हेल्थकेयर में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित; 2 सितंबर से 14 सितंबर 2019 तक एम्स, नई दिल्ली में हिंदी सप्ताह समारोह के दौरान हिंदी डिक्टेशन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. अभिनव कुमार ने ट्रॉमा सर्जरी विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ (29-30 अगस्त 2019) द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर के 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन "ट्रॉमा 2019" में सत्र की अध्यक्षता की; ट्रॉमा सर्जरी विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित "इसेंशियल सर्जिकल स्किल्स टू मैनेज एक्यूटली इन्जर्ड पेशेंट" पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला में संकाय-सदस्य के रूप में भाग लिया (30 अगस्त 2019); 18 अक्टूबर 2019 को एएसआई - राजस्थान चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन के दौरान "बेसिक स्किल्स इन अल्ट्रासाउंड फॉर सर्जन्स" पर संकाय-सदस्य के रूप में कार्यशाला का आयोजन किया; 18 अक्टूबर 2019 को एएसआई - राजस्थान चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन के दौरान "वीएटीएस फॉर जनरल सर्जन्स" पर संकाय-सदस्य के रूप में कार्यशाला आयोजित की;

3-4 नवंबर, 2019 को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन का एटीएलएस प्रशिक्षक पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया; 5-6 नवंबर, 2019 को 10वें एशियन कांफ्रेंस ऑन इमरजेंसी मेडिसिन (एसीईएम 2019) के लिए "ट्रॉमा मैटर क्लास: गस्टी डिसीजन मेकिंग अंडर प्रैशर" पूर्व-सम्मेलन का आयोजन; 1 जनवरी 2020 को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स - इंडिया चैप्टर (एसीएससीओएन 2020) के राष्ट्रीय सम्मेलन के एक भाग के रूप में कैडवेरिक कार्यशाला का आयोजन किया; 2019 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स (एफएसीएस) के फैलो के रूप में सम्मानित; ईयूएसआईएम के प्रशिक्षक संकाय-सदस्य। एसएएफईआर नीदरलैंड; सर्जिकल विषयों के रेजीडेंटों के लिए "उन्नत सर्जिकल कौशल मॉड्यूल" नाम से एक प्रशिक्षण कौशल मॉड्यूल विकसित किया और एसईटी सुविधा एम्स, नई दिल्ली में मॉड्यूल के दो चक्र सफलतापूर्वक आयोजित किए; मल्टी इंस्टीट्यूशनल लर्निंग एंड प्रैक्टिस (एमआईएलएपी) अकादमिक सत्र के राष्ट्रीय समन्वयक; इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायो टैक्नोलॉजी (आईसीजीबीई) की नैतिक समिति के सदस्य रहे।

प्रोफेसर अमित गुप्ता को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ट्रॉमा सर्जरी एंड इंटेंसिव केयर (आईएटीएसआईसी) के डोनाल्ड डी ट्रंकी ओरेशन से सम्मानित किया गया: 14 अगस्त 2019 को क्राको, पोलैंड में 48वें विश्व सर्जरी कांग्रेस सम्मेलन में व्याख्यान दिया; उन्हें जेएएसटी 2019 अंतर्राष्ट्रीय आमंत्रित व्याख्यान से सम्मानित किया गया: औमोरी, जापान में उन्होनें 6 जून 2019 को जेपनीस एसोसिएशन फॉर द सर्जरी ऑफ ट्रॉमा की 33वीं वार्षिक बैठक में व्याख्यान दिया; वे पुनः निर्वाचित मानद सचिव: इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर - आईएसटीएसी®। अगस्त 2019 - 2021; अतिथि आचार्य: ट्रॉमा सर्जरी एवं सघन चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश। जुलाई 2019 - आज तक; विशेषज्ञ: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में भविष्य का आघात शिक्षा कार्यक्रम विकसित करना। मार्च 2020 - आज तक; सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति: अमेरिकन एसोसिएशन फॉर सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी), अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन - ट्रॉमा पर समिति, अमेरिका 2018 - आज तक; सदस्य: राष्ट्रीय आघात प्रणाली योजना के लिए तकनीकी उप-समिति, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय मंत्रालय, भारत सरकार। 2014 - आज तक; नियमित सदस्य: एच-1 समिति: परिवहन योजना, ट्रैफिक इंजीनियरिंग ऑफ द इंडियन रोड्स कांग्रेस 2015-अब तक; सदस्य तकनीकी संसाधन समूह: भारत में ट्रॉमा चिकित्सा सुविधाओं के लिए न्यूनतम मानकों को अंतिम रूप देने के लिए। ट्रॉमा एंड बर्न्स केयर डिवीजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। 2018 - आज तक; सदस्य विशेषज्ञ समूह: ट्रॉमा चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की आईईसी गतिविधियों के तहत सामग्री के विकास के लिए। 2018 - आज तक; सदस्य: एसजीपीजीआई लखनऊ में ट्रॉमा सेंटर के संचालन के लिए संचालन समिति। 2018 से - आज तक; सदस्य: वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए अस्पताल की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम हेतु विशेषज्ञ समूह एनआईएचएफडब्ल्यू। 2018 - आज तक; सदस्य: जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए अस्पताल की तैयारियों पर प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञ समूह एनआईएचएफडब्ल्यू। 2018 - आज तक; सदस्य, अंटार्कटिक एक्सपेडिशन टीम के लिए

एम्स में मेडिकल / मनोवैज्ञानिक परीक्षा हेतु मेडिकल बोर्ड। 2016 - आज तक; जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में हिंदी राजभाषा समिति हेतु सदस्य हैं।

डॉ. आशीष बिंद्रा 18 से 20 अक्टूबर, 2019 तक जेएल ऑडिटोरियम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट के लिए आयोजन सचिव रहे हैं; उन्होनें 22 अक्टूबर 2019 को कैडेवरिक ट्रेनिंग एंड रिसर्च सुविधा, जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र, नई दिल्ली में एम्स, एआईएम पी, कैडेवरिक इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रोफेसर अतिन कुमार इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली राज्य चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में चुने गए थे; वे इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग के शासी निकाय सदस्य के रूप में निर्वाचित; इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के दिल्ली राज्य चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व पुरस्कार; 5 से 6 अप्रैल 2019 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग कोर्स ऑन एडवांसेज के आयोजन सचिव रहे।

प्रोफेसर बिप्लब मिश्रा एम्स, ऋषिकेश में जनरल थोरैसिक सर्जरी के लिए क्षमता निर्माण सहयोगी कार्यक्रम में बाह्य विशेषज्ञ तथा अतिथि आचार्य हैं; एम्स, नई दिल्ली में ट्रॉमा सर्जरी एवं सघन चिकित्सा की एमसीएच परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक; एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस परीक्षा (प्री-प्रोफेशनल और फाइनल) के लिए आंतरिक परीक्षक; बीएमसी-आपातकालीन चिकित्सा पत्रिका के लिए लेखों के समीक्षक; रेडियोलॉजी में केस रिपोर्ट के लिए लेखों के समीक्षक हैं।

प्रोफेसर दीपक गुप्ता ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की: क्रैनियोवर्टेब्रल जंक्शन के परिमित तत्व विश्लेषण मॉडल (एफईएम) का विकास एवं सत्यापन: प्रायोगिक बायोमैकेनिकल कैडेवरिक स्टडी (एम्स-आईआईटी संयुक्त अध्ययन): न्यूरोसर्जरी विभाग में (सेवारत) न्यूरोसर्जरी में पीएचडी प्राप्त करने वाले पहले संकाय सदस्य हैं; सितंबर 2019 में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के सदस्य के रूप में निर्वाचित; जागा-बलिया क्रैनिओपेगस जुड़वाँ बच्चों को एम्स में 2 साल रखने बाद सफलतापूर्वक छुट्टी दे दी गई और 6 सितंबर 2019 को ओडिशा में उनके गृह राज्य में वापस भेज दिया गया: भारत में क्रैनिओपेगस जुड़वाँ बच्चों की यह पहली ऐसी सर्जरी थी, जिसमें दोनों बच्चे बच गए। अलगाव सर्जरी के लिए 125 सदस्यों की सर्जिकल टीम का नेतृत्व डॉ. दीपक गुप्ता और डॉ. ए के महापात्रा ने संयुक्त रूप से किया; लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के 2020 संस्करण में विशेष रुप से प्रदर्शित। पहली क्रैनिओपेगस सर्जरी: नई दिल्ली के एम्स में न्यूरोसर्जरी विभाग से डॉ. दीपक कुमार गुप्ता और डॉ अशोक कुमार महापात्रा के नेतृत्व में 125 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम ने 28 महीने के जुड़वां बच्चों जागा-बलिया को सफलतापूर्वक अलग कर दिया, जो कपाल में एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। [हैकेट बुक पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, lbr.entries@hachetteindia.com]; माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा के शपथ ग्रहण समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित और 29.05.2019 को प्रातः 10.30 बजे आईडीसीओ

प्रदर्शनी ग्राउंड, यूनिट-3, भुवनेश्वर, ओडिशा में मंत्रिपरिषद के सदस्य; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली) के लिए एडजंक्ट प्रोफेसर के रूप में चयनित 2020-2022 किए गए।

डॉ. दिनेश कुमार बगारिया अंतर्राष्ट्रीय सदस्य हैं: ईस्टर्न एसोसिएशन फॉर द सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (ईएएसटी); सदस्य: डिवीजन ऑफ ट्रॉमा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर में पीएच.डी. थीसिस के लिए डॉक्टरल समिति; चिकित्सा विशेषज्ञ: एनडीएमए द्वारा हवाई अड्डों और बंदरगाहों के लिए सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन (ईएम) पर बुनियादी प्रशिक्षण पर संकाय बैठक; चिकित्सा विशेषज्ञ: सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) और भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान, सोल्व द्वारा 31वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का पेपर प्रस्तुति; संकायः सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह में ट्रॉमा फर्स्ट रिस्पोंडर प्रशिक्षण; चिकित्सा विशेषज्ञ: विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा पर पेपर प्रस्तुति; संकाय: आपातकालीन चिकित्सा के 10वें एशियाई सम्मेलन में ट्रॉमा मास्टर क्लास; संकायः एम्स, जोधपुर में भारत - राजस्थान अध्याय के एसोसिएशन ऑफ सर्जन के वार्षिक सम्मेलन; चिकित्सा विशेषज्ञ: एनडीआरएफ द्वारा सभी एससीओ सदस्य देशों के लिए शहरी भूकंप खोज और बचाव पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) संयुक्त अभ्यास; आईएएसजीसीओएन 2019 में एंडोस्कोपी कार्यशाला में भाग लिया; डॉ. आरएमएल अस्पताल और एबीवीआईएमएस, नई दिल्ली में एटीएलएस प्रशिक्षक पाठ्यक्रम में भाग लिया; संकायः सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा स्थापित "पर्यटन पर्व" में सड़क सुरक्षा स्टॉलों पर ट्रॉमा फर्स्ट रिस्पोंडर प्रशिक्षण; राष्ट्रीय संयोजक: मल्टी इंस्टीट्यूशनल लर्निंग एंड प्रैक्टिस (एमआईएलएपी) शैक्षणिक सत्र; पूर्ण बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम; सदस्यः एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया; सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य पेशे की शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. ज्ञानेंदर पी सिंह को 3 अगस्त 2019 को चेन्नई में वीनस इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड (वीआईआरए-2019) द्वारा " आउटस्टैंडिंग साइंटिस्ट अवार्ड इन अनेस्थेसियोलोजी" से सम्मानित किया गया; एसईटी सुविधा, एम्स में ई-कौशल मॉड्यूल विकास में योगदान के लिए सराहनीय प्रमाण पत्र से सम्मानित; न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर जर्नल के लिए सहायक संपादक नियुक्त किया गया।

डॉ. केशव गोयल को एमडी एनेस्थिसियोलॉजी के लिए मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, जबलपुर (एमपी) के बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था; एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस) इंस्ट्रक्टर रीसर्टिफिकेशन, अप्रैल 2019; आपातकालीन न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (ईएनएलएस) इंस्ट्रक्टर रिसर्टिफिकेशन; पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ और यशोदा अस्पताल, हैदराबाद में नेशनल सोसाइटी (आईएसएनएसीसी) 2019 द्वारा संबद्ध पहले एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी) के पाठ्यक्रम निदेशक सह राष्ट्रीय समन्वयक; एसएनएसी, यूएसए की ट्रेनी इंगेजमेंट कमिटी के सदस्य; श्वसन और पल्मोनरी मेडिसिन के इंटरनेशनल जर्नल के समीक्षक हैं।

डॉ. नरेंद्र चौधरी ने ट्रॉमा सर्जरी विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर के 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन "ट्रॉमा 2019" में सत्र की अध्यक्षता की। (29-30 अगस्त 2019); ट्रॉमा सर्जरी विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित "इसेंशियल सर्जिकल स्किल्स टू मैनेज एक्यूटली इन्जर्ड पेशेंट" पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला में संकाय के रूप में भाग लिया। (30 अगस्त 2019); 24 से 27 सितंबर 2019 तक राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के तहत शहरी अनुसंधान और बचाव (यूएसएआर) इंडिया टीम क्षमता मूल्यांकन मिशन के सदस्य के रूप में भाग लिया; 18 अक्टूबर 2019 को एएसआई - राजस्थान अध्याय के वार्षिक सम्मेलन के दौरान "बेसिक स्किल्स इन अल्ट्रासाउंड फॉर सर्जन्स" पर संकाय के रूप में कार्यशाला का आयोजन किया; 3-4 नवंबर, 2019 को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन का सफलतापूर्वक पूर्ण एटीएलएस प्रशिक्षक कोर्स; 5-6 नवंबर 2019 को 10थ एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन इमरजेंसी मेडिसिन (एसीईएम 2019) के लिए "ट्रॉमा मैटर क्लास: गस्टी डिसिजन मेकिंग अंडर प्रेशर" का पूर्व-सम्मेलन आयोजन; 1 जनवरी 2020 को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स - इंडिया चैप्टर (एसीएससीओएन 2020) के राष्ट्रीय सम्मेलन के एक भाग के रूप में कैडवेरीक कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. नवदीप सोखल को आईएसएनएसीसी, 2020 चेन्नई में किसी छात्र द्वारा प्रस्तुत पोस्टर "थोरैकोलम्बर सर्जरी करा रहे मरीजों में ट्रांसक्रेनियल मोटर से निकाली गई क्षमता (टी सीएमईपीएस) पर प्रोपोफ़ोल और केटोफ़ोल की तुलना" के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार दिया गया; पाठ्यक्रम निदेशक-8-9 दिसंबर 2018 को पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में "एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर इंटर्न्स" का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में इंटर्न और रेज़िडेंटों को विभिन्न जीवन कौशलों, जैसे कि मैनीकिन पर बुनियादी और उन्नत कार्डियक लाइफ़ सपोर्ट, एयरवे मैनेजमेंट, वैस्क्युलर एक्सेस और क्रिकोथायरोटॉमी के लिए प्रशिक्षित किया गया और महत्वपूर्ण उपचार प्रबंधन की बुनियादी अवधारणा सिखाई गई।

डॉ. नीरज कुमार, एम्स, नई दिल्ली में जनवरी 2019 के सत्र के लिए फ़ेलोशिप कार्यक्रम कर रहे हैं: (सीएमईटीआई - पार्ट टाइम क्लिनिकल रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन); प्रशिक्षक (संकाय) -एटीएलएस, एएनसी, एसीसीसी, एम्स - ईएम-सोनो, ऑटो, एम्स कैडवर एयरवे; ओआरबीओ के एक संकाय-सदस्य के रूप में टीम अस्पताल के कर्मचारियों के बीच ज्ञान और जागरूकता बढ़ाते हैं और अंग प्राप्ति से संबंधित प्रक्रियाओं में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं।

प्रोफेसर पूर्वा माथुर ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के सर्वश्रेष्ठ स्वतंत्र पोस्टर पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार जीता: "भारत में लेवल-1 आघात में सघन चिकित्सा इकाई के रोगियों में एंटीमाइक्रोबियल खपत". सिंह पी, कात्याल एस, पांडे एस, ध्यानी एन, खत्री एस, वालिया के, *माथुर पी,* 20 जुलाई 2019 को आईएएमएम 2019 की द्वितीय अध्याय की बैठक, दिल्ली चैप्टर, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली; एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परीक्षण में उत्कृष्ट वैज्ञानिक कार्य के लिए मौखिक और

पोस्टर प्रस्तुतियों में डॉ. श्रीनिवास पुरस्कार जीता: "एपेक्स ट्रॉमा रोगियों में कोलिस्टिन प्रतिरोधी क्लेबसिएला निमोनिया का आणविक और नैदानिक महामारी विज्ञान". 20 जुलाई 2019 को दिल्ली चैप्टर, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आईएएमएम 2019 की द्वितीय अध्याय की बैठक में खुराना एस, *माथुर पी,* वीराराघवन बी, कुमार एस, सागर एस, अग्रवाल आर, सोनी के डी, मल्होत्रा आर; अब्स्ट्रैक्ट प्रेजेंटेशन में दूसरा पुरस्कार जीता: "5 साल की अवधि में न्यूरो-ट्रॉमा आईसीयू में वेंटिलेटर एसोसिएटेड निमोनिया की घटनाओं पर संक्रमण नियंत्रण के उपाय और उनके प्रभाव के रुझान"। 19 अक्टूबर 2019 को एम्स न्यूरोएनेस्थिसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2019 में ढकाल आर, विक्टर डी, गुंजियाल जे, सिंह पी, बाजपेयी पी, लाथवाल ए, *माथुर पी,* मल्होत्रा आर।

डॉ. प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी ट्रॉमा सर्जरी एवं सघन चिकित्सा प्रभाग में रेजिडेंटों के अकादमिक रोस्टर की संकाय प्रभारी हैं; साथ ही डिविजन ऑफ ट्रॉमा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर में रेजिडेंटों के आंतरिक मूल्यांकन की संकाय प्रभारी हैं; सर्जिकल विषयों के रेजीडेंट्स के लिए "उन्नत सर्जिकल कौशल मॉड्यूल" नाम से एक प्रशिक्षण कौशल मॉड्यूल विकसित किया और एसईटी सुविधा एम्स, नई दिल्ली में मॉड्यूल के दो सफलतापूर्वक चक्र आयोजित किए; मल्टी इंस्टीट्यूशनल लर्निंग एंड प्रैक्टिस (एमआईएलएपी) शैक्षणिक सत्र की राष्ट्रीय समन्वयक; नई दिल्ली में सॉलिड ऑर्गन इंजरी मैनेजमेंट के लिए आईएसटीएसी दिशानिर्देश तैयार करने के लिए आम सहमति बैठक में संकाय-सदस्य के रूप में भाग लिया।

प्रोफेसर एस अरुलसेलवी को कार्यों में रोगी सुरक्षा संस्कृति का प्रदर्शन करने के लिए 17 सितंबर 2019 को गुणवत्ता और प्रत्यायन संस्थान समारोहः "प्रथम विश्व रोगी सुरक्षा दिवस: रोगी सुरक्षा के लिए आवाज़ उठाएँ!" के अवसर पर, *"रोगी की देखभाल में सुधार के लिए प्रयोगशाला हैंडओवर प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार"* के लिए रोगी सुरक्षा चैंपियन पुरस्कार मिला। (प्रमाण पत्र संख्याः क्यूएआई-डब्ल्यूपीएसडी-017); इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ थ्रोम्बोसिस और हेमोस्टैसिस और हेमाटोलॉजी विभाग द्वारा 2 और 3 मार्च 2019 को लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सभागार, आईएलबीएस, नई दिल्ली में आयोजित, जिगर की बीमारी में कॉग्यूलोपैथी पर आईएसटीएच-आईएलबीएस संगोष्ठी, 2019 में सह लेखन कर एक पेपर प्रस्तुति की और अपने अध्ययन "लिवर ट्रॉमा में टीईजी बनाम पारंपरिक जमाव परीक्षण: मामलों में टीईजी की तुलना" के लिए पहला पेपर पुरस्कार जीता; 15 सितंबर 2019 को 30 वें वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमाटोलॉजी (डीएसएच), होटल हॉलिडे इन, नई दिल्ली - 110037, भारत में सह-लेखन पेपर प्रस्तुति में अपने अध्ययन, "प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन के बाद थ्रोम्बोसाइटोपेनिक आघात के रोगियों में प्लेटलेट फंक्शन में सुधार के लिए पारंपरिक जमावट मापदंडों, थ्रोम्बोलेस्टोग्राफी और फ्लो साइटोमेट्री विधियों की तुलना" के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता।

डॉ. समर्थ मित्तल को भारतीय आर्थोपेडिक एसोसिएशन के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया, जो भारत की राष्ट्रीय आर्थोपेडिक एसोसिएशन है; दक्षिण दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने के लिए

दिल्ली आर्थोपेडिक एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य के रूप में चुने गए; एपीओए (एशिया पैसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन) वाईएसएफ इंडिया चैप्टर के कोषाध्यक्ष के रूप में चुने गए; जापान में ट्रॉमा सिस्टम का अध्ययन करने के लिए एम्स से प्रतिनिधिमंडल के एक भाग के रूप में चुने गए; जेसीओटी (जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा) के सह-संपादक के रूप में काम करते रहे, जो दिल्ली ऑर्थोपेडिक सोसायटी की आधिकारिक पत्रिका और पब-मेड इंडेक्सेड जर्नल है; 28-29 जून 2020 को लीसेस्टर, यूके में आयोजित बीआईओएस (ब्रिटिश इंडियन ऑर्थोपेडिक सोसाइटी) सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोडियम प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित; लंदन, यूके में जून 2019 को प्रतिष्ठित आईओए-बीआईओएस - यूके जूनियर फेलोशिप में पूर्ण की; ट्रॉमा केयर के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए नामांकित; बैंकॉक, थाईलैंड में एशिया पैसिफिक ट्रॉमा सोसाइटी की 7वीं कांग्रेस और एपीओए फुट एंड एंकल की पहली वैज्ञानिक बैठक में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए प्रतिष्ठित डॉ रॉबर्ट बॉज ट्रॉमा गोल्ड मेडल का दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया; 19 जनवरी 2020 को वाराणसी, यूपी, भारत में एपीओए यंग सर्जन के फोरम 2020 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार जीता।

प्रोफेसर सुबोध कुमार को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी), यूएसए 2019 के लिए अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मानित किया गया; लखनऊ में ट्रॉमा 2019 के दौरान इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी) 2019 के लिए के उपाध्यक्ष के रूप में नामांकित; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश 2019 में ट्रॉमा सर्जरी विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नामित; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा एबी पीएम-जय योजना के निर्बाध कार्यान्वयन के लिए ट्रॉमा/आईसीयू विशेषता समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में नामित; संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एसजीपीजीआईएमएस) लखनऊ द्वारा 31 जुलाई 2019 को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एसजीपीजीआई की पहली वर्षगांठ के अवसर पर व्याख्यान देने के लिए संकाय विजिटिंग के रूप में आमंत्रित; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 2019 के संस्थान आचार समिति के सदस्य के रूप में नामित; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन (एनबीएम) के वैज्ञानिक सलाहकार समूह (एसएजी) के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया;
एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया की सर्जरी के इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी ऑफिशियल जर्नल के प्रबंध संपादक के रूप में नियुक्त किया गया; पब्लिशर स्प्रिंगर।

प्रोफेसर सुषमा सागर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एक डब्ल्यूएचओ परियोजना, "डेवलपमेंट ऑफ फर्स्ट एड फॉर द कम्युनिटी" विशेषज्ञ समूह की सदस्य थीं; आईआईटी, नई दिल्ली में 27 दिसंबर 2019 को सड़क सुरक्षा पर पेपर प्रस्तुति के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित; एम्स, ऋषिकेश, 2019 में ट्रॉमा सर्जरी विभाग में अतिथि आचार्य के रूप में नियुक्त; अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण के लिए अस्पताल आधारित प्राधिकरण समिति, एनसीटी, दिल्ली सरकार, 2019-2020 के प्रधान सचिव के नामिति के रूप में नियुक्ति हुई।

प्रोफेसर विवेक त्रिखा को कोलकाता में आईओएसीओएन 2019 नवंबर में बेसिक साइंस और ऑर्थोपेडिक्स रिसर्च के लिए प्रतिष्ठित डॉ. बालू शंकरन व्याख्यान से सम्मानित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के भारतीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा के सह-संपादक हैं।

10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

आचार्य और प्रमुख

राकेश के चड्ढा

आचार्य

राका जैन
राकेश लाल
अंजू धवन
सोनाली झांजी
अतुल अम्बेकर

अपर आचार्य

यतनपाल सिंह
बलहारा रविंद्र राव
अश्वनी के मिश्रा
रचना भार्गव
गौरी शंकर कलोइया
प्रभु दयाल

सह-आचार्य

विश्वदीप चटर्जी
आलोक अग्रवाल
रिजवाना कुरैशी
सिद्धार्थ सरकार
पियाली मंडल

सहायक आचार्य

रोशन भाद
शालिनी सिंह

वैज्ञानिक

मोनिका मौंगिया

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

ब्रह्म प्रकाश
दीपक यादव
रत्नेश कुमार
दिनेश कुमार

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

रेणु भारद्वाज

लेखा अधिकारी

मीनाक्षी डबराल (जून 2019 तक)
प्रेम पाल (जून 2019 से)

चिकित्सा अभिलेख अधिकारी

हरीश चंदर

सहायक परिचर्या अधीक्षक

बीना रावत

सहायक भंडार अधिकारी

यतेंद्र कुमार मीणा

विशिष्टताएं

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र वर्ष 2012 से मादक द्रव्यों के सेवन पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का सहयोगी केंद्र रहा है। रोगी उपचार के अलावा, केंद्र ने मादक पदार्थ के उपयोग के विकार के क्षेत्र में उपचार, प्रशिक्षण और अनुसंधान के संबंध में प्रगति की है। केंद्र में कुल 3,02,416 रोगियों को देखा गया: 13,413 नए रोगी और 2,89,003 पुराने रोगी जिसमें नियमित ओपीडी, 3 सामुदायिक क्लीनिक, मोबाइल मेथाडोन क्लिनिक और 5 विशेष क्लीनिक शामिल हैं। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र प्रयोगशाला ने अपने विष विज्ञान, हेमटोलॉजी, जैव रसायन और एचआईवी स्क्रीनिंग प्रयोगशालाओं में वर्ष के दौरान 150,000 से अधिक परीक्षण किये। प्रयोगशाला में वर्तमान में 14 प्रकार के नशीले पदार्थों का पता लगाने की सुविधा है।

25 नवंबर 2019 से राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने चिकित्सकीय रूप से बीमार रोगियों में नशे की लत संबंधी उपचार सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 'कंसल्टेशन लाइजन एडिक्शन साइकियाट्री' सेवाओं की शुरुआत की है। सीएल एडिक्शन साइकियाट्री सेवाओं ने प्रात: में हर दिन मनोचिकित्सा ओपीडी में एक विशेष बाह्य रोगी सेवा शुरू की है, जहां अन्य विभागों से रेफर किये गए नशे के विकारों के सभी रोगियों को देखा जाएगा। इसी तरह, एम्स के अन्य विभागों में भर्ती मरीजों में नशे की लत के विकारों के उपचार के माध्यम से इन-पेशेंट सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र की कुछ प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं: भारत में मादक द्रव्यों के सेवन के उपचार में नए साइकोएक्टिव पदार्थों का पता लगाना, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, दिल्ली और भारत के अन्य क्षेत्रों में नर्सिंग कर्मियों के लिए "प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण "कार्यशालाओं का आयोजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ़ इंडिया के लिए दवा की प्रतिकूल प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र के रूप में कार्य जारी रखा।

संकाय के कई सदस्य तकनीकी विशेषज्ञ हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर निकायों और प्रतिष्ठित विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा की गई पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में भी महत्वपूर्ण पदों पर हैं। संकाय के कई सदस्यों ने पेशेवर सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किये हैं।

केंद्र के संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में शामिल हैं। वर्तमान में, कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां केंद्र में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही हैं। इस अवधि के दौरान 69 से अधिक शोध लेख और 8 सार की समीक्षा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और विभिन्न पुस्तकों/रिपोर्टों में प्रकाशित हुई है।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र व्यसन मनोचिकित्सा में पीएचडी भी कराता है। अप्रैल 2019 में एक छात्र को एडिक्शन साइकियाट्री में पीएचडी से सम्मानित किया गया था। केंद्र व्यसन मनोचिकित्सा में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) पाठ्यक्रम भी चला रहा है। वर्तमान में, 6 पीएचडी छात्र और 13 डीएम छात्र डिग्री के लिए नामांकित हैं।

16 अप्रैल 2019 को राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, गाजियाबाद में केंद्र का 16वां वार्षिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हाल ही में आयोजित किए गए "भारत का दूसरा राष्ट्रीय ड्रग उपयोग सर्वेक्षण" के निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए और "बेसिक्स ऑफ एडिक्शन साइकोलॉजी" नामक एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया था।

उत्तर प्रदेश के आबकारी और शराब निषेध मंत्री, श्री जय प्रताप सिंह ने 26 जून 2019 को **नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस** पर केंद्र का दौरा किया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर 26 जून 2019 को "नशे की लत से निपटना" विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया था।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र दिवस उपचार प्रदर्शनी को 64वें संस्थान दिवस प्रदर्शनी और पुरस्कार समारोह 2019 के अवसर पर तीसरा पुरस्कार मिला।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) और मनोचिकित्सा विभाग ने इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम 2019), नई दिल्ली (13-16 नवंबर 2019) का 21वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का विषय "तेजी से बदलती दुनिया में नशा" था। सम्मेलन में 37 देशों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शिक्षा

स्नातक

एमबीबीएस के छात्रों को अपनी मनोचिकित्सा तैनाती के दौरान केंद्र में एक दिन के लिए तैनात किया जाता है।

परास्नातक

एमडी (मनोचिकित्सा) कर रहे रेजिडेंटों को 6 महीने के लिए केंद्र में तैनात किया जाता है। ग्यारह अभ्यर्थी व्यसन मनोचिकित्सा में डीएम कर रहे हैं।

पीएचडी और स्नातकोत्तर शिक्षण

- *जर्नल क्लब-मनोचिकित्सा के साथ संयुक्त रूप से गतिविधि
- *एम्स में हर सेमेस्टर में दो सीसीआर और सीजीआर
- समारोह-साप्ताहिक
- विषय सम्मेलन-साप्ताहिक
- समारोह/ज़र्नल क्लब

*मनोचिकित्सा विभाग और केंद्र की संयुक्त गतिविधियाँ

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र और मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 13-16 नवंबर 2019 को "इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम 2019), नई दिल्ली का 21वां वार्षिक सम्मेलन" आयोजित किया गया।
2. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने दिल्ली और भारत के अन्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित नर्सिंग कर्मियों के लिए तीन कार्यशाला "प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" आयोजित किया (28 सितंबर-5 अक्टूबर 2019 और 28 नवंबर-5 दिसंबर 2019 को एम्स, नई दिल्ली और 20-27 जनवरी 2020 को एलएचएमसी और कलावती अस्पताल, नई दिल्ली में)।
3. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने दो एक दिवसीय कार्यशालाएं भी आयोजित की, पहली 17 फरवरी 2020 को होली फैमिली हॉस्पिटल, रक्षा मंत्रालय और आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रतिनिधियों के लिए, और दूसरी 9 मार्च 2020 को एनडीडीटीसी गाजियाबाद में एम्स के पीजी नर्सिंग छात्रों के लिए आयोजित की।

SURUCHI PANT
ASHOK VISHANDASS
RAKESH ASTHANA
JAGJIT PAVADIA

Addiction Medicine
heme: "Addiction in a Rapidly Changing World"
13-16 November 2019 | Pullman Aerocity, New Delhi
ALEX BALDACCHINO
D. K. SHARMA
R. K. CHADDA
ANJU DHAWAN

e: "Addiction in a Rapidly Changing World"
16 November 2019 | Pullman Aerocity, New Delhi
Supported By
Ministry of Health & Family Welfare
Ministry of Social Justice ad Empowerment
Department of Revenue
KATHLEEN BRADY
RANDEEP GULERIA
ALEX BALDACCHINO

16th ANNUAL DAY
National Drug Dependence Treatment Centre
All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

प्रदत्त व्याख्यान

आर. के. चड्ढा *(कृपया अध्याय 9.34 देखें)*

राका जैन: 11
राकेश लाल: 9
अंजू धवन: 4
सोनाली झांजी: 5
अतुल अम्बेकर: 32
वाईपीएस बलहारा: 27
गौरी शंकर कलोइया: 10
रविंद्र वी राव: 5
अश्वनी कुमार मिश्र: 8
रचना भार्गव: 9
प्रभु दयाल: 3
बिश्वदीप चटर्जी: 1
आलोक अग्रवाल: 8
रिजवाना कुरैशी: 3
सिद्धार्थ सरकार: 2
पियाली मंडल: 5
रोशन भाद: 6
शालिनी सिंह: 6

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर: 26

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मनोचिकित्सा परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप: द वारविक - इंडिया - कनाडा (विक) नेटवर्क, आरके चड्ढा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 3 साल, 2017-2020, 252 लाख रूपये
2. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन का उपचार कराने वालों में मादक पदार्थों की पहचान बहु-केंद्रीय अध्ययन, आरके चड्ढा, राजस्व विभाग, भारत सरकार, 4.5 वर्ष, 2017-2022, 651 लाख रूपये
3. निकोटीन निर्भरता के एक रैट मॉडल में डेल्फीनियम डेनुडेटम (जादवार) की भूमिका, राका जैन, आयुष, 3 वर्ष, 2017-2020, 29.16 लाख रुपये
4. नलट्रेक्सोन प्रतिरोपण, राकेश लाल, रुसन फार्मा, 5 साल, 2017-2022, 38.84 लाख रुपये
5. दिल्ली में किशोरों के अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिकों में उपचार कराने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य

संबंधी समस्याओं का प्रभाव और नशा सबंधी व्यवहार, अंजू धवन, किशोर स्वास्थ्य प्रभाग, परिवार कल्याण निदेशालय, दिल्ली सरकार की एनसीटी, 1 वर्ष, 2019-2020, 18.85 लाख रूपये

6. स्कूल और कॉलेज के छात्रों में नशीले पदार्थ के सेवन पर सर्वेक्षण, अंजु धवन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 6 महीने, 2019-20, 14.85 लाख रूपये
7. माध्यमिक विद्यालय जाने वाले बच्चों में मादक पदार्थों/ पदार्थों के उपयोग के लिए स्क्रीनिंग और इंटरवेशन, अंजू धवन, यूईई मिशन, शिक्षा विभाग दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-21, 40 लाख रुपये
8. भारत में नशीले पदार्थों के उपयोग की व्यापकता और पैटर्न पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण, अतुल अम्बेकर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2016-2020, 2241 लाख रूपये
9. मादक द्रव्यों के सेवन और संबंधित व्यवहार से जुड़े विकार के लिए आईसीडी-11 वर्गीकरण का क्षेत्र परीक्षण, अतुल अंबेकर, डब्ल्यूएचओ, 3 साल, 2017-2020, 3.25 लाख रुपये
10. ओपियोड निर्भरता के उपचार हेतु आवश्यक नारकोटिक ड्रग्स (मेथाडोन) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण तंत्र विकसित करना, अतुल अम्बेकर, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017-2020, 76.21 लाख रूपये
11. बोन मिनेरल डेंसिटी और क्रोनिक अल्कोहिज़्म और डिसुलफिरम डिएडिक्शन थेरेपी के बाद परिवर्तन, यतन पाल सिंह बलहारा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2019, 83 लाख
12. ओडिशा राज्य में नशे के विकार संबंधी उपचार सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में ऑनलाइन वेब-आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग, यतन पाल सिंह बलहारा, स्वास्थ्य विभाग, ओडिशा सरकार, 1 वर्ष, 2019-2020, 12 लाख रुपये
13. भारत में कैदियों में मादक पदार्थ के उपयोग की दरें और पैटर्न, रवींद्र राव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 6 महीने, 2019, 30 लाख रूपये
14. मादक द्रव्यों के सेवन के विकारों के उपचार पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास और परीक्षण, रवींद्र राव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 14 महीने, जनवरी 2019-मार्च 2020, 14,000 लाख रूपये
15. दिल्ली में नशीले पदार्थ के उपयोग के लिए प्राथमिक कक्षाओं के स्कूली छात्रों की स्क्रीनिंग और इंटरवेंशन, रचना भार्गव, समग्र शिक्षा, डीओई, 2019-2020, 40 लाख रूपये
16. उत्तरी भारत के एक तृतीयक उपचार नशा मुक्ति केंद्र में अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम, कैनबिस डिपेंडेंस सिंड्रोम और ओपियोड डिपेंडेंस सिंड्रोम के साथ संयोजक मरीजों के संज्ञानात्मक दोष में सुधार के लिए संज्ञानात्मक प्रत्यावर्तन मॉड्यूल का विकास, गौरी शंकर कलोइया, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 20.45 लाख रूपये
17. अल्कोहल और ओपियोड डिपेंडेंस सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्तियों के बीच लत की गंभीरता सूचकांक-लाइट के हिंदी संस्करण की आंतरिक संगति और विचलन, अश्वनी कुमार मिश्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 3.25 लाख रुपये

18.भारतीय चिंता और उन्माद प्रश्नावली का विकास, अश्वनी कुमार मिश्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 62.29 लाख रुपये

19.अल्कोहल डिपेंडेंस वाले रोगियों में उपचार के परिणाम को बेहतर बनाने के लिए संज्ञानात्मक रोग और नशे की उपचार के लिए नवीन तकनीक के रूप में मस्तिष्क उत्तेजना: एक संभावना, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रभु दयाल, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 25.80 लाख रुपये

20.ओपियोड निर्भरता के जोखिम और गंभीरता को निर्धारित करने में आनुवंशिक बहुरूपता की भूमिका: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, बिश्वदीप चटर्जी, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये

21.भारत में बेघर लोगों में नशीले पदार्थ के उपयोग पर अध्ययन, आलोक अग्रवाल, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2018-2020, 52 लाख रुपये

22.भारत में ओपियोड का उपयोग करने वाली बढ़ती आबादी का अध्ययन, आलोक अग्रवाल, द कोलंबो प्लान, 5 साल, 2018-2023, 350 लाख रूपये

23.अल्कोहल निर्भरता वाले रोगियों में डोपामाइन बीटा-हाइड्रॉक्सिलेज़ जीन और डिसुल्फिरम उपचार प्रतिक्रिया का एक कार्यात्मक बहुरूपता: एक पायलट खोजपूर्ण अध्ययन, रिज़वाना कुरैशी, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 4.5 लाख रुपये

24.उत्तर भारतीय अल्कोहल निर्भर रोगियों में म्यू-ओपियोड रिसेप्टर जीन पॉलीमॉर्फिज्म (ए118जी) और दीर्घकालिक नाल्ट्रेक्सोन उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन, रिजवाना कुरैशी, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 26 लाख रुपये

25.नशीले पदार्थ संबंधी समस्याओं का आकलन करने के लिए एक भारतीय पैमाने का विकास, सिद्धार्थ सरकार, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 42 लाख रूपये

26.नशा उपचार की बाधाएं और सरलताएं: एक गुणवत्तापूर्ण अध्ययन, सिद्धार्थ सरकार, आईसीएसएसआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 4 लाख रूपये

27.भारत में युवाओं के बीच मनोरंजक कैनेबिस के उपयोग के बारे में विभिन्न हितधारकों के बीच ज्ञान, कथित दृष्टिकोण और नशे की लत के जोखिम का एक खोजपूर्ण अध्ययन, रोशन भाद, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 8 लाख रुपये

पूर्ण

1. बॉलीवुड फिल्मों में नशीले पदार्थ के उपयोग का प्रदर्शन: एक मिश्रित पद्धति का अध्ययन, रवींद्र राव, एम्स, 1.5 साल, 2016-2019, 1.44 लाख रुपये
2. गुजरात में जेल के कैदियों के बीच एचआईवी, अन्य रक्त जनित वायरस, टीबी और जोखिम व्यवहार का आकलन, रविंद्र राव, यूएनओडीसी, दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यालय, 7 महीने, 2018-2019, 21 लाख रुपये

3. स्वस्थ नियंत्रणों के साथ डिटॉक्सिफाइड ओपियोड पर निर्भर रोगियों में सीरम कॉर्टिकोट्रोफिन रिलीजिंग फैक्टर (सीआरएफ) स्तर की तुलना, बिश्वदीप चटर्जी, एम्स, 2 साल, 2017-2020, 2 लाख रुपये
4. मालदीव के लिए राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति का विकास, यतन पाल सिंह बलहारा, डब्लूएचओ एसईएआरओ, 4 महीने, 2019, 4 लाख रुपये
5. श्रीलंका में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, यतन पाल सिंह बलहारा, डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ, 3 महीने, 2019, 4 लाख रुपये
6. ओपियोड पर निर्भरता वाले रोगियों में खुद को नुकसान पहुंचाने के व्यवहार के साथ सेरोटोनिन मार्ग बहुरूपता का संबंध, सिद्धार्थ सरकार, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017-2019, 20.68 लाख रूपये
7. अल्कोहल निर्भरता में न्यूरोइन्फ्लेम्शन के परिधीय रक्त सूजन संबंधी साइटोकिन्स और मार्कर्स और व्यवहारिक मार्करों और अल्कोहल पर निर्भर उपचार के परिणाम के साथ उनके जुड़ाव, प्रभू दयाल, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2019, 4.63 लाख रूपये
8. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र के महिला क्लिनिक के सहभागियों के बीच नशीली दवाओं के उपयोग के मनो-सामाजिक सहसंबंध, पियाली मंडल, एम्स, 3 वर्ष, 2017-2020, 0.5 लाख रूपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बुप्रेनॉर्फिन पर पोषित ओपियड निर्भर धूम्रपान करने वालों में तंबाकू धूम्रपान की लत पर ट्रांसक्रेनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के प्रभाव को खोजने के लिए एक नैदानिक परीक्षण
2. अल्कोहल निर्भरता में अल्कोहल बायोमार्कर और उनके नैदानिक प्रयोज्यता का तुलनात्मक अध्ययन
3. निर्भर रोगियों में अन्य पारंपरिक बायोमार्कर के साथ एथिल ग्लुकोरोनाइड (ईटीजी) और फैटी एसिड एथिल एस्टर (एफएईई) का तुलनात्मक अध्ययन।
4. अल्कोहल निर्भरता, अवसाद और सह-रुग्ण अल्कोहल निर्भरता और अवसाद वाले रोगियों में सीरम मस्तिष्क से उत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारकों के स्तर का एक तुलनात्मक अध्ययन।
5. कॉलेज के छात्रों में गेमिंग विकार के मनो-सामाजिक सहसंबंधों का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
6. उपचार केंद्र से छुट्टी मिलने के बाद ओपियोड निर्भरता वाले मरीजों के प्रतिधारण और परिणामों पर एक अग्रदर्शी फॉलो-अप अध्ययन
7. मौखिक नलट्रेक्सोन पर ओपियोड निर्भर सिंड्रोम के अल्पावधि के प्रतिधारण से जुड़े कारकों का आकलन करने के लिए एक संभावित अध्ययन
8. दिल्ली के चुने गए स्कूलों में किशोरों के बीच तम्बाकू के उपयोग पर रोकथाम की वकालत करने वाले कौशल निर्माण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
9. ओपियोड निर्भर युवाओं में तनाव बायोमार्कर के मूल्यांकन तनाव एवं मुकाबला करने के साथ इसके

संबंध: एक खोजपूर्ण अध्ययन।

10. इंजेक्ट करने वाली दवा के उपयोगकर्ता के बीच ओपियोड प्रतिस्थापन की शुरूआत को प्रभावित करने वाले क्लाइंट से संबंधित कारकों का आकलन:एक समुदाय आधारित, क्रॉस सेक्शनल, तुलनात्मक अध्ययन
11. डिटॉक्सीफाइड ओपियोड पर निर्भर रोगियों में प्रेरित तनाव के लिए नैदानिक और न्यूरोएंडोक्राइन प्रतिक्रिया का आकलन।
12. एनडीडीटीसी में ओपियोड निर्भरता के लिए उपचार कराने वाले रोगियों में यौन व्यवहार का आकलन।
13. पारिवारिक द्विध्रुवी विकार में उपचार प्रतिक्रिया, उत्तेजक साइटोकिन (टीएनएफ-अल्फा) और एमटीडीएनए 10398ए/जी बहुरूपता का आकलन।
14. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज के मरीजों के बीच मनोरोग सह-रुग्णता के साथ तम्बाकू धूम्रपान का जुड़ाव
15. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार से पीड़ित रोगियों में परिधीय बीडीएनएफ के स्तर और नैदानिक वस्तुओं के साथ मस्तिष्क से उत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर जीन पॉलीमॉर्फिज्म (वैल66मेट) का सहसंबंध
16. अल्कोहल के लिए डिसुलफिरम और परहेज के अनुपालन का नैदानिक और जैव रासायनिक आकलन: अल्कोहल पर निर्भर रोगियों में एक अनुदैर्ध्य अध्ययन
17. ओपियोड निर्भर रोगियों की नैदानिक प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल: एक पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा अध्ययन।
18. ब्यूप्रेनोर्फिन के उच्चतम और निम्नतम स्तर पर बुप्रेनॉर्फिन मेन्टेन्ड ओपियोड निर्भर रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली: एक प्रायोगिक अध्ययन
19. अल्कोहल और ओपियोड उपयोग संबंधी विकार के लिए आईसीडी 11, आईसीडी 10 और डीएसएम 5 नैदानिक दिशानिर्देशों की सुसंगतता
20. मादक पदार्थ उपयोगकर्ता किशोरों में परिवार की कार्यप्रणाली का सहसंबंध
21. दोहरे निदान वाले रोगियों में रिकवरी कैपिटल का सहसंबंध - एक खोजपूर्ण अध्ययन
22. दवाओं के विषहरण से गुजर रहे अल्कोहल निर्भरता वाले रोगियों में अवसादग्रस्तता लक्षणों का अध्ययन
23. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित मनोवैज्ञानिक इंटरवेंशन मॉड्यूल का विकास
24. विघटनशील विकार से पीड़ित किशोरों में मनोवैज्ञानिक इंटरवेंशन मॉड्यूल का विकास
25. सीरम ब्रेन से उत्पन्न न्यूरोट्रोफिक कारक स्तर पर कैनबिस का प्रभाव और मनोविकृति के साथ इसका संबंध - एक क्रॉस-सेक्शनल खोजपूर्ण अध्ययन।
26. नशीले पदार्थ के उपयोग के विकार से पीड़ित रोगियों में उपचार की अवधारणा पर फोन कॉल बनाम लघु संदेश सेवा का उपयोग करने वाले अनुस्मारक की प्रभावशीलता: एक ओपेन लेबल यादृच्छिक परीक्षण

27. अल्कोहल और ओपियोड उपयोग के विकारों के लिए आईसीडी 11, आईसीडी 10 और डीएसएम 5 नैदानिक दिशानिर्देशों का प्रोत्साहन और समन्वय।
28. नशीले पदार्थों के उपयोग के विकारों से पीड़ित रोगियों के उपचार संबंधी अनुभव
29. अल्कोहल पर निर्भर रोगियों में उपचार के प्रतिधारण से जुड़े कारक
30. ओपियोड निर्भरता के साथ उपचार कराने वाले पुरूषों में व्यक्त भावनाओं को समझने के लिए पारिवारिक इंटरवेंशन
31. भारत में स्वदेशी निर्मित मादक पदार्थ: उपयोग के पैटर्न और उपयोगकर्ताओं की प्रोफाइल
32. इंजेक्ट की जाने वाली दवाओं के उपयोगकर्ताओं के बीच गैर-घातक ओवरडोज का ज्ञान, जोखिम के कारक और अनुभव: एक समुदाय-आधारित, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
33. 12 सप्ताह से अधिक ओपियोड उपयोग विकार के लिए ट्रामाडोल से उपचार का परिणाम: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
34. भारत में जेल के कैदियों में मादक पदार्थ की दरें और पैटर्न
35. दिल्ली में शेल्टर होम से सेवा प्राप्त करने वाले बेघर पुरुषों में नशीले पदार्थ का उपयोग
36. स्कूल और कॉलेज के छात्रों द्वारा नशीले पदार्थ का उपयोग
37. परिवहन कर्मचारियों द्वारा नशीले पदार्थ का उपयोग
38. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर के साथ बच्चों और किशोरों में नशीले पदार्थ का उपयोग: एक खोजपूर्ण अध्ययन
39. अल्कोहल विड्रॉल सिंड्रोम के नैदानिक और प्रयोगशाला पूर्वसूचक
40. अल्कोहल पर निर्भर रोगियों द्वारा तम्बाकू का उपयोग

पूर्ण

1. कॉलेज के छात्रों में गेमिंग विकार के मनो-सामाजिक सहसंबंधों का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
2. ओपियोड उपयोग के विकारों से पीड़ित रोगियों के बीच उपचार प्रतिधारण की दर और उपचार प्रतिधारण का मूल्यांकन करने के लिए अनुदैर्ध्य निरीक्षण अध्ययन
3. ओपियोड निर्भरता वाले रोगियों के प्रतिधारण और परिणाम पर एक पायलट फॉलो-अप अध्ययन
4. ओपियोड निर्भरता वाले रोगियों में वयस्क एडीएचडी: एक खोजपूर्ण अध्ययन
5. इंजेक्ट करने वाली दवाओं के उपयोगकर्ताओं के बीच ओपियोड प्रतिस्थापन थैरेपी शुरू करने के लिए क्लाइंट के द्वारा मानी गई बाधाओं का आकलन-एक क्रॉस-सेक्शनल, तुलनात्मक, समुदाय-आधारित अध्ययन
6. किशोर इनहेलेंट उपयोगकर्ताओं में जैव रासायनिक उपायों का आकलन।
7. मूत्र-विश्लेषण पर आधारित अल्कोहल और ओपियोड निर्भर रोगियों के बीच कैनाबिस के उपयोग का

आकलन-एक पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा

8. अल्कोहल के उपयोग के विकार से पीड़ित रोगियों में सीरम सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन स्तर और अल्कोहल के उपयोग के बीच संबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल, खोजपूर्ण अध्ययन
9. गुजरात जेल के कैदियों में एचआईवी, रक्त में उत्पन्न होने वाले वायरस और क्षय रोग के होने के लिए व्यवहार और जैविक मूल्यांकन
10. ब्यूप्रेनोर्फिन के उच्चतम और निम्नतम स्तर पर बुप्रेनॉर्फिन मेन्टेन्ड ओपियोड निर्भर रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली: एक प्रायोगिक अध्ययन
11. अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक उपचार और संज्ञानात्मक थेरेपी की व्यवहार्यता
12. अल्कोहल और ओपियोड निर्भरता वाले मरीजों में डिले डिस्काउंटिंग रेट: एक क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
13. अंतःशिरा बुप्रेनॉर्फिन के प्रभाव को कम करने में अंतःशिरा नालोक्सोन की प्रभावशीलता: एक डबल ब्लाइंड, विषय अंतर्गत, याद्दच्छिक, ओपियोड डिपेंडेंट रोगियों में क्रॉस-ओवर अध्ययन
14. जुए का विकार और अल्कोहल के उपयोग के विकार के साथ उपचार कराने वाले मरीजों के बीच इसके सामाजिक-जनसांख्यिकीय संबंध
15. मनोविकार के साथ और उसके बिना कैनबिस उपयोग के विकार के रोगियों के बीच तंत्रिका संबंधी हल्के संकेत और उनके सहसंबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
16. समुदाय-आधारित सेटिंग में बुप्रेनॉर्फिन के साथ एक्यूट ओपियोड विड्रॉल का बाह्य रोग प्रबंधन: एक पूर्वव्यापी चार्ट की समीक्षा
17. तृतीयक देखभाल अस्पताल में नशीले पदार्थ का उपयोग करने वाले रोगियों में खुद को नुकसान पहुंचाने और आत्महत्या के प्रयासों की व्यापकता और विशेषताएं
18. स्कीज़ोफ्रेनिया वाले रोगियों के देखभालकर्ताओं में देखभाल के मनोवैज्ञानिक सहसंबंध
19. मेडिकल और इंजीनियरिंग स्नातक छात्रों के बीच इंटरनेट के उपयोग के व्यवहार के साथ जुड़े मनोसामाजिक कारक: एक तुलनात्मक अध्ययन
20. मादक पदार्थों का उपयोग के विकार के लिए उपचार कराने वाले पुरुषों और महिलाओं और उनके परिवार के सदस्यों के बीच सामाजिक तनाव: एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
21. ब्यूप्रेनोर्फिन पर मेन्टेन किये गए ऑपियोड निर्भर रोगियों में निद्रा की समस्या के लिए ट्रेज़ोडोन: एक डबल-ब्लाइंड प्लेसेबो कंट्रोल ट्रायल

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एम्स नई दिल्ली में किडनी प्रत्यारोपण के बाद जीवित दाताओं के अनुभव पर एक व्याख्यात्मक

घटना-क्रिया का अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग

2. सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों की देखभाल करने वालों और एम्स, नई दिल्ली, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बाल चिकित्सा न्यूरो ओपीडी में आम तौर पर बच्चों के साथ आने वाले लोगों में बढ़ रही चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) की तुलना करने के लिए एक अध्ययन।
3. स्थिर इस्केमिक हृदय रोग के रोगियों में प्लेटलेट्स एग्रीगेशन और यूरीनरी 11-डिहाइड्रोथ्रॉमबॉक्सान B2 स्तरों पर एंटी-प्लेटलेट ड्रग व्यवस्था की तुलना, कार्डियोलॉजी
4. डबल "जे" और अस्पताल में रहने के संदर्भ में ओपेन कोहेन के यूरिटेरिक रिइम्प्लान्टेशन में स्टेंट के रूप में शिशु आहार ट्यूब-एक यादृच्छिक अध्ययन, बाल चिकित्सा सर्जरी
5. ओपीयोड विड्रॉल के अतिरिक्त नैदानिक मूल्यांकन के लिए एचआरवी और ऑटोमालिक पैरामीटर, शरीर क्रिया विज्ञान
6. अल्कोहल निर्भरता में पालीमॉरफिज्म, मिथाइलेशन और मोनोएमाइन पाथवे की अभिव्यक्ति की स्थिति के जुड़ाव पर अध्ययन, एनाटॉमी

पूर्ण

1. विभिन्न नैतिक दुविधा जैसी नैदानिक स्थिति पर स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के परिप्रेक्ष्य का आकलन करने के लिए एक विघटन आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
2. नशे की लत के विकारों का डिफ़ॉल्ट मोड नेटवर्क: एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
3. क्रियाशील स्मृति प्रक्रिया पर पूरी तरह से एडेंटुलस गेरिएट्रिक मरीजों के प्रोस्थोडॉन्टिक पुनर्वास का प्रभाव - एक कार्यात्मक एमआरआई आधारित पायलट अध्ययन, सीडीईआर
4. भोजन के विकार और डायबिटीज मेलिटस टाइप 2 वाले वयस्क रोगियों में चयापचय मानकों और ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ उनके जुड़ाव का मूल्यांकन, अंतःस्त्राविकी, विज्ञान

प्रकाशन

जर्नल: 55 **सार: 8** **किताबों में पाठ: 3** **किताबें: 1**

रोगी उपचार

जैवरसायन प्रयोगशाला

कुल जैवरसायन परीक्षण: 81269

कुल सीरम इलेक्ट्रोलाइट्स परीक्षण: 5135

कुल हेमटोलॉजी परीक्षण: 48995

एचआईवी की कुल जांच: 735

औषध स्क्रीन प्रयोगशाला

मूत्र में जांचे गए औषध के दुरुपयोग की कुल संख्या = 29606

क्रम संख्या	**दवा**	**संख्या**
1.	मॉर्फीन	3626
2.	कोडीन	2606
3.	बुप्रेनॉर्फिन	3106
4.	फेनीरामाइन	2964
5.	ट्रामाडोल	3294
6.	पेंटाज़ोसीन	2964
7.	बेंजोडाइजेपाइन्स	5992
8.	कैनाबिस	1020
9.	कोटिनाइन	358
10.	बार्बिट्यूरेट	340
11.	एम्फ़ैटेमिन	340
12.	कोकीन	380
13.	नलट्रेक्सॉन	2606
14.	इन्हेलेन्ट्स	10
	मूत्र में परीक्षण किए गए औषधों की कुल संख्या	**29606**

बाह्य-रोगी सेवाएं

सामान्य ओपीडी	नये रोगी	पुराने रोगी	योग
एनडीडीटीसी	11874	76187	88061
त्रिलोक पुरी (सामुदायिक क्लिनिक)	263	33904	34167
सुंदर नगरी (सामुदायिक क्लिनिक)	846	153907	154753
कोटला मुबारकपुर (सामुदायिक क्लिनिक)	136	22236	22372
कुल रोगी	**13119**	**286234**	**299353**

विशिष्टता क्लिनिक			
किशोर	90	558	648
दोहरा निदान	110	1202	1312
तम्बाकू सेवन	61	674	735

महिला	19	291	310
पारिवारिक सशक्तिकरण	14	44	58
कुल रोगी	**294**	**2769**	**3063**
रोगियों का कुल योग	**13413**	**289003**	**302416**

अन्य रोगी उपचार सांख्यिकी

भर्तियों की कुल संख्या	1224
ऑपरेशन थियेटर/ ऑपरेशन के मामलों की कुल संख्या	शून्य
डे केयर वार्ड में आने वाले कुल रोगी	2132
मृत्यु की कुल संख्या	शून्य
प्रति कार्य दिवस में भर्तियों की औसत संख्या	04
एनडीडीटीसी में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	41
एनडीडीटीसी में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	255
त्रिलोक पुरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	1
त्रिलोक पुरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	113
सुंदर नगरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	3
सुंदर नगरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	515
कोटला मुबारकपुर सामुदायिक क्लिनिक में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	0.46
कोटला मुबारकपुर सामुदायिक क्लिनिक में प्रति दिन ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	74
एक साल में भरे बेड	87%
रुकने का औसत समय	14 दिन

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राकेश चड्ढा *(कृपया अध्याय 9.34 देखें)*

प्रोफेसर राका जैन को गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली सरकार की संचालन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया (जुलाई, 2019-2021); केंद्र अनुसंधान और परामर्श (सीआरसी)

समिति की बैठक के लिए विशेष आमंत्रित, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली सरकार (जुलाई 2019); इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन के 21वें वार्षिक सम्मेलन के आयोजन में सह-अध्यक्ष, 13-16 नवंबर 2019, होटल पुलमैन, नई दिल्ली। 21वें अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन नई दिल्ली, भारत में एक सत्र की अध्यक्षता (13-16 नवंबर 2019); आईएनपीएएलएमएस कांग्रेस 2019 ढाका, बांग्लादेश में एक सत्र की अध्यक्षता (9-13 दिसंबर 2019); औषध निर्भरता पर डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के सदस्य के रूप में फिर से नियुक्त (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन): विश्व स्वास्थ्य संगठन, जेनेवा, नवंबर 2019-2023, औषध निर्भरता (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) पर डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, औषध निर्भरता (ईसीडीडी) डब्ल्यूएचओ हेडक्वार्टर जेनेवा, स्विट्जरलैंड में विशेषज्ञ समिति के 6वें कार्य समूह में गए और भाग लिया; 5-7 जून 2019, औषध निर्भरता (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) पर डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, औषध निर्भरता पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 42वीं विशेषज्ञ समिति की बैठक में गई और भाग लिया (42वें एमसीडीसी, 21-25 अक्टूबर 2019, डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जेनेवा, स्विट्जरलैंड। औषध निर्भरता (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) पर डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, औषध निर्भरता (ईसीडीडी) डब्ल्यूएचओ हेडक्वार्टर जेनेवा, स्विट्जरलैंड में 10-21 फरवरी 2020 को 7 विशेषज्ञ समूह के कार्य समूह में भाग लिया।

प्रोफेसर अंजू धवन इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन के 21वें वार्षिक सम्मेलन के लिए 13-16 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली के होटल पुलमैन में आयोजन सचिव थीं; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम) ट्रेनिंग और एजुकेशन कमेटी की सदस्यता; 21 नवंबर 2019 को एनआईएमएचएएनएस में डीएम एडिक्शन साइकाइट्री परीक्षा आयोजित।

प्रोफेसर सोनाली झांझी को पेपर प्रस्तुतिकरण के लिए ल्यूक क्लैक पुरस्कार मिला, जिसका शीर्षक था: बच्चों में तंबाकू का उपयोग और ध्यान में कमी का कारण हाइपरएक्टिव विकार: इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ (आईएसीएएम) के 15वें द्विवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक खोजपूर्ण अध्ययन जिसमें सह-लेखक थीं। आईसीएमआर-आईसीआर इंडिया कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीएमआर-आईसीआरसी) रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली के तहत अल्कोहल और कैंसर पर श्वेत पत्र तैयार करने के लिए एक बैठक समूह का हिस्सा; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम (एंड्स) पर स्वास्थ्य प्रभाव के लिए एक उप समूह का हिस्सा; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित तंबाकू निषेध और दवा आधारित उपचार पर नर्सों के लिए "तंबाकू के सिशेजन और दवा आधारित उपचार पर नर्सो के लिए गाइडबुक' के प्रारूप को अंतिम रूप देने के लिए समिति का हिस्सा।

प्रोफेसर अतुल अम्बेकर ने नारकोटिक ड्रग्स (सीएनडी), वियना में कमीशन के 63वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के एक भाग के रूप में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का

प्रतिनिधित्व किया, 2-6 मार्च 2020; मनोचिकित्सा में उत्कृष्टता के लिए "वीनस इंटरनेशनल मेडिकल अवार्ड 2019 (वीआईएमए 2019)" से सम्मानित किया गया, अप्रैल 2019; सदस्य वैज्ञानिक समिति के रूप में नामित - आईएनईबीआरआईए (अल्कोहल और अन्य दवाओं के लिए संक्षिप्त हस्तक्षेप पर अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सितंबर 2020 (गोवा); 'बुप्रेनॉर्फिन के साथ ओपियोड प्रतिस्थापन उपचार' पर डिमॉन्स्ट्रेशन प्रोजेक्ट के लिए सामुदायिक साथी इंटरनेशनल और यूएनएआईडीएस के साथ सहयोग में स्वास्थ्य मंत्रालय म्यांमार को तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में जुड़े (दिसम्बर 2019 - जारी)

डॉ. यतन पाल सिंह बलहारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित मादक द्रव्यों के सेवन के विकार और व्यवहार संबंधी लतों के प्रबंधन के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश, 2020 के तकनीकी समीक्षक हैं। सदस्य, कोलंबो प्लान ड्रग एडवाइजरी प्रोग्राम (सीपीडीएपवी) के लिए मादक पदार्थ उपयोग विकार के लिए उन्नत स्तर के सार्वभौमिक उपचार पाठ्यक्रम (यूटीसी) को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ कार्य समूह के सदस्य; मेडिकल छात्रों के लिए मनोरोग शिक्षा पर डब्ल्यूपीए समिति के सदस्य; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डुअल डिसऑर्डर (डब्ल्यूएडीडी) के क्षेत्रीय प्रतिनिधि के रूप में नामित। निर्वाचित सदस्य, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डुअल डिसऑर्डर (डब्ल्यूएडीडी) की सलाहकार समिति, 2018-2021

डॉ. अश्वनी के मिश्रा क्लिनिकल साइकोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसेज (आईएचपीएएस) में एम.फिल. कोर्स की परीक्षा के लिए रिसर्च मैथडोलॉजी के बाहरी परीक्षक हैं; अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के निर्वाचित सदस्य हैं; सांख्यिकीय शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन के निर्वाचित सदस्य हैं; नैदानिक जैवसांख्यिकीय के लिए इंटरनेशनल सोसायटी के सदस्य हैं; वैज्ञानिक समीक्षक - इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया, हेल्थ, द अमेरिकन जर्नल ऑफ़ अल्कोहल एंड ड्रग एब्यूज़।

डॉ. रचना भार्गव इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री के जर्नल में एसोसिएट-कम-स्पेशलिटी एडिटर थीं; 23-27 सितंबर 2019 के बीच मालदीव में यूएनओडीसी द्वारा आयोजित यूएनएफटी पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया; ई-रक्षा प्रतियोगिता की जूरी सदस्य, 6 सितंबर 2019।

डॉ. प्रभु दयाल को विशेषज्ञ सदस्य, विशिष्ट उप-समूह टीबी-तंबाकू और मादक द्रव्यों के सेवन, भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए प्रबंधन और क्षमता निर्माण सामग्री पर फ्रेमवर्क, दिशा-निर्देश बनाने के लिए टीबी-सह-रुग्णता पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह के लिए नामित किया गया था; डब्ल्यूएचओ के श्रीलंका के कार्यालय के सहयोग से श्रीलंका में स्वास्थ्य, पोषण और स्वदेशी चिकित्सा मंत्रालय, श्रीलंका में नशे की लत के विकारों के प्रबंधन पर सेवाओं को मजबूत करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने और ऑन-साइट पर प्रशिक्षण देने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ; अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन 2019 आईपीएस द्वारा संचालित: न्यूयॉर्क संयुक्त राज्य अमेरिका में

3-6 अक्टूबर 2019 से मानसिक स्वास्थ्य सेवा सम्मेलन पर आयोजित किये गए ब्यूप्रेनॉर्फिन और ओपियोड उपयोग विकार के कार्यालय-आधारित उपचार पर पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। सदस्य - उप-समिति का आयोजन: 13-16 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली, भारत के होटल पुल्मान में आयोजित "एक तेजी से बदलती दुनिया में लत" पर "इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ एडिक्शन मेडिसिन - आईएसएएम 2019" की 21वीं वार्षिक बैठक 28 नवंबर से 5 दिसंबर 2019 तक "सब्स्टीट्यूशन यूज डिसऑर्डर नर्सिंग" पर वरिष्ठ नर्सों और नर्सिंग शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में शामिल: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित; 14 दिसंबर 2019 को वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में प्रायोजित: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तंबाकू सेवन और मादक पदार्थ के उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. आलोक अग्रवाल को इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी द्वारा तिलक वेंकोबा राव ओरेशन पुरस्कार मिला; देश में ओपियोड निर्भरता के प्रबंधन के लिए बुप्रेनॉर्फिन मेन्टेंड उपचार के कार्यान्वयन के लिए म्यांमार सरकार के स्वास्थ्य और खेल मंत्रालय को विशेषज्ञ सलाह प्रदान की; हिमाचल प्रदेश सरकार के निमंत्रण पर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में काम कर रहे डॉक्टरों और नर्सों के लिए मादक पदार्थों के उपयोग के विकारों के प्रबंधन पर दो प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया; अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (एनएबीएच) के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के माध्यम से नशा करने वालों के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्रों की मान्यता के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार को विशेषज्ञ सलाह प्रदान की। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की राज्य एड्स नियंत्रण समितियों को विशेषज्ञ सलाह प्रदान की ताकि इंजेक्शन लेने वाले ड्रग उपयोगकर्ताओं के लिए नुकसान कम करने की सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, नेशनल जर्नल ऑफ सोशल डिफेंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

10.7 तंत्रिका विज्ञान केन्द्र

प्रमुख

एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव

तंत्रिका विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव

आचार्य

कामेश्वर प्रसाद मंजरी त्रिपाठी विनय गोयल (जनवरी 2020 तक)
अचल कुमार श्रीवास्तव गरिमा शुक्ला (छुट्टी पर) रोहित भाटिया
ममता भूषण सिंह

अपर आचार्य

दीप्ति विभा

सहायक आचार्य

विष्णु वी.वाई. रूपा राजन दीपा दाश (जुलाई 2019 तक)
अवध किशोर पंडित राजेश कुमार सिंह अनु गुप्ता
इलावरसी अनिमेष दास दिव्य एम.आर.
भार्गवी रामानुजम

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

शाशांक शरद काले

प्रतिष्ठित आचार्य

प्रकाश नारायण टंडन अजीत के. बैनर्जी

आचार्य

पी. शरत चंद्रा आशीष सूरी राजेंद्र कुमार
मनमोहन सिंह दीपक अग्रवाल (जेपीएनएटीसी) दीपक गुप्ता (जेपीएनएटीसी)
गुरुदत्त सत्यार्थी (जेपीएनएटीसी)

अपर आचार्य

पंकज कुमार सिंह (जेपीएनएटीसी) विवेक टंडन सचिन बोरकर

सह-आचार्य

हितेश गुर्जर अमनदीप कुमार शाशवत मिश्रा
राजीव शर्मा श्वेता केडिया रमेश डोड्डामणि
दत्ताराज सावरकर कंवलजीत गर्ग मनोज फलक

सहायक आचार्य

अमोल रहेजा सतीश वर्मा राजेश मीणा
सांतनु कुमार बोरा कोलुल्ला प्रणीत

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. बी. गायकवाड़

आचार्य

अजय गर्ग

अपर आचार्य

एस. लेव जोसेफ देवराजन

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरविंद चतुर्वेदी

आचार्य

मिहिर प्रकाश पंडिया राजेंद्र सिंह चौहान
गिरिजा प्रसाद रथ हिमांशु प्रभाकर

अपर आचार्य

ज्ञानेंद्र पाल सिंह (जेपीएनएटीसी) आशीष बिंद्रा (जेपीएनएटीसी) नीरज कुमार (जेपीएनएटीसी)
केशव गोयल (जेपीएनएटीसी) नवदीप सोखल (जेपीएनएटीसी)

सह-आचार्य

चारु महाजन इंदु कपूर सूर्या कुमार दुबे

सहायक आचार्य

वनिता राजगोपालन सुमन सोखल

<u>नैदानिक तंत्रिका-मनोचिकित्सा</u>

अपर आचार्य

आशिमा नेहरा

<u>तंत्रिका जैव रसायन</u>

सह-आचार्य

अशोक शर्मा

<u>तंत्रिका विकृति विज्ञान</u>

चित्रा सरकार | मिहिर चंद शर्मा | वैशाली सूरी

अस्पताल प्रशासन

आई.बी. सिंह

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजली हजारिका

विशिष्टताएँ

वर्ष 2019-20 में, तंत्रिका विज्ञान केंद्र ने रोगी देखभाल, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है। मार्च 2020 में कोविड-19 संकट के बीच फॉलो-अप रोगियों के लिए टेली ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की गई ताकि रोगियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। तंत्रिका विज्ञान विभाग एम्स का पहला विभाग है जिसने टेली ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। मल्टीपल स्केलेरोसिस के प्रबंधन और अन्य प्राथमिक डिमाइलेटिंग विकार व स्ट्रोक पर तंत्रिका विज्ञान विभाग द्वारा कंसेन्सस स्टेटमेंट्स पर दो प्रमुख प्रकाशन किये गये।

न्यूरो-एंडोस्कोपिक प्रॉसिजर्स के विशेषज्ञ, प्रोफेसर फ्रेड गैंटिली (कनाडा) और स्कल बेस एवं माइक्रोन्यूरोसर्जरी के विशेषज्ञ, एली रिष्ट (अमेरिका) जैसे दिग्गजों ने 22 वें एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला के दौरान सर्जरी के लिए आए। स्पाइन सर्जरी के विशेषज्ञ प्रोफेसर एलेक्सी पेलेगैन्चुक और प्रोफेसर एलेक्जेंडर क्रुटको (रूस) ने एम्स की 9 वीं जटिल स्पाइन सर्जरी कार्यशाला में अपने शल्य कौशल का प्रदर्शन किया। न्यूरोसर्जरी विभाग ने पहली क्रैनियोपैगस सर्जरी करके ***लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स*** के 2020 संस्करण में अपना नाम दर्ज कराया, जिसमें प्रोफेसर के. महापात्रा (पूर्व विभागाध्यक्ष) की देखरेख में 125 डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों की टीम ने यह सर्जरी की।

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग में एक अत्याधुनिक 128 स्लाइस ड्युअल एनर्जी सीटी स्कैनर लगाया गया। मौजूदा 1.5टी एमआर को 'साइलेंट एमआर' सिस्टम में अपग्रेड किया गया।

तंत्रिका संवेदना हरण विज्ञान विभाग ने रिकॉर्ड 4063 न्यूरोसर्जिकल प्रॉसिजर्स (न्यूरोसाइंसेस सेंटर में 2760 और जेपीएनएटीसी में 1303) और 662 न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रॉसिजर्स (एंजियोग्राफी लैब में 378 और एमआरआई सूट में 284) किये।

तंत्रिका विकृति विज्ञान विभाग ने न्यूरो-ऑन्कोलॉजी में रूटीन वर्क-अप में मॉलिक्यूलर डायग्नॉसिस एवं साइटोजेनेटिक वर्क-अप के लिए नई सुविधाएं शामिल की है।

तंत्रिका-विज्ञान

विशिष्टताएँ

वर्ष 2019-20 में, तंत्रिका विज्ञान विभाग ने रोगी देखभाल, अनुसंधान और प्रशिक्षण में नई ऊंचाइयों को स्पर्श किया है। मार्च 2020 में कोविड-19 संकट के दौरान फॉलो-अप रोगियों के लिए टेली ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की, जिसके चलते यह वर्ष उल्लेखनीय रहा। **न्यूरोलॉजी विभाग ऐसा करने वाला एम्स का पहला विभाग था। टेलीन्यूरोलॉजी ओपीडी सेवाओं के मॉड्यूल का उपयोग करते हुए, न्यूरोलॉजी के टेलीओपीडी के नये पहलू पर उपयोगकर्ताओं के अनुभव, उपयोगिता एवं संतुष्टि सूचकांक पर प्रकाशन भेजे गये। कोविड महामारी के चलते लॉकडाउन की अवधि में,** शैक्षणिक उद्देश्य हेतु राष्ट्रीय स्तर पर कई वेबिनार आयोजित किये गये। इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी और इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन के तत्वावधान में विभाग की ओर से हाल ही में मल्टीपल स्क्लेरोसिस और अन्य प्राथमिक डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर के प्रबंधन और स्ट्रोक पर कंसेन्सस स्टेटमेंट्स पर दो प्रमुख प्रकाशन किए गए थे। अनुसंधान क्षेत्र में, हाई इंपैक्ट फैक्टर जर्नल्स में कई अन्य प्रकाशनों के साथ, विभाग शानदार कार्य करता रहा।

शिक्षा

शैक्षणिक गतिविधियों में हुआ बदलाव

1. स्ट्रोक में फैलोशिप: सफलतापूर्वक चल रहा है। हम अब तक स्ट्रोक में 4 फेलो को प्रशिक्षित कर चुके हैं और अंतिम स्ट्रोक फैलो को अप्रैल 2020 में विभाग में कंट्रैक्ट फैकल्टी में शामिल किया गया है।

2. एमएससी नर्सिंग के साथ अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक डिसर्टेशन प्रोग्राम के तहत, केएपी अध्ययन एवं जागरूकता एवं शैक्षणिक प्रोटोकॉल्स बनाये गये हैं और उन्हें ईआर कर्मियों, स्ट्रोक रोगियों की देखभाल करने वालों और स्ट्रोक के रोगियों के बीच सफलतापूर्वक चलाया गया है।

3. स्ट्रोक ट्राइएज के लिए **डीएम शोध प्रबंध, जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत,** ईआर कर्मियों और स्ट्रोक नर्सिंग स्टाफ के साथ एक्यूट मैनेजमेंट सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है।

अभिनव शैक्षणिक गतिविधियां

1. कोविड महामारी के कारण लॉकडाउन के दौरान निम्नलिखित विषयों में शैक्षिक उद्देश्यपूर्ण कार्य-व्यवहार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कई वेबिनार आयोजित किए गए हैं:

क) टेली न्यूरोलॉजी

ख) स्ट्रोक और इसके प्रबंधन के मुद्दों के विभिन्न पहलू।

ग) मिर्गी (एपिलेप्सी) के विभिन्न पहलू

घ) ईईजी और अन्य इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मॉनिटरिंग के विभिन्न पहलू।

ङ) कोविड और न्यूरोलॉजी

च) कोविड और स्ट्रोक

2. इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी और इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन के तत्वावधान में विभाग की ओर से हाल ही में मल्टीपल स्क्लेरोसिस और अन्य प्राथमिक डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर के प्रबंधन और स्ट्रोक पर कंसेन्सस स्टेटमेंट्स पर दो प्रमुख प्रकाशन किए गए थे।

3. टेलीन्यूरोलॉजी ओपीडी सेवाओं के मॉड्यूल का उपयोग करते हुए, न्यूरोलॉजी के टेलीओपीडी के नये पहलू पर उपयोगकर्ताओं के अनुभव, उपयोगिता एवं संतुष्टि सूचकांक पर प्रकाशन भेजे गये।

4. न्यूरोलॉजी विभाग एम्स में पहला विभाग है जिसने टेली ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की।

5. एक सीनियर रेजिडेंट ने एक्यूट आइसेमिक स्ट्रोक में टेनेक्टेप्लेज़ के प्रभावों पर व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस प्रकाशित किया, जिसने 'अप टू डेट' और 'डायनेम्ड' को प्रकाशन के संदर्भ के साथ अपनी सिफारिश परिवर्तित करने हेतु प्रेरित हुए।

6. 27 अगस्त, 2019 पर सीएमईटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए स्नातकों व परास्नातकों के लिए 'डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ एपिलेप्सी' पर आधे दिन की कार्यशालाएं आयोजित की।

प्रदत्त व्याख्यान

एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव: 15 **कामेश्वर प्रसादः 21** **मंजरी त्रिपाठीः 1**

अचल कुमार श्रीवास्तवः 10 **रोहित भाटियाः 16** **ममता भूषण सिंहः 4**

दीप्ति विभाः 10 **विष्णु वीवाईः 1** **रूपा राजनः 6**

अवध किशोर पंडितः 3 **राजेश कुमार सिंहः 2** **अनु गुप्ताः 1**

अनिमेष दासः 1 **भार्गवीः 2**

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 37 (आईएएनसीओएन 2019 में मूवमेंट डिसऑर्डर केटेगरी में बेस्ट पेपर अवार्ड; आईएएनसीओएन 2019 में मूवमेंट डिसऑर्डर केटेगरी में बेस्ट पेपर अवार्ड; पीएचडी छात्र के लिए यात्रा फैलोशिप पुरस्कार)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एचपी में स्ट्रोक के संबंध में स्वास्थ्य अभ्यास की मैपिंग, शोध और वैज्ञानिक जागरूकता में अंतर पता लगाना; नए, इंटरएक्टिव / प्रदर्शनकारी विज्ञान संचार अपनाना, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, तीन वर्ष, 2016-2019, 40.45 लाख रुपए
2. स्ट्रोक के रोगियों में पोस्चरल स्थिरता और गति पर फ्लूक्साइटीन और ट्रान्सक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ संयोजन में दोहरा-कार्य अभ्यास का प्रभाव, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 50.60 लाख रुपये
3. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक जैव मार्कर्स आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में क्लासिकल आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथो बायोलॉजी का वर्णन करना, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 31.33 लाख रुपए
4. स्ट्रक्चर्ड सेमी-इंटरएक्टिव स्ट्रोक प्रीवेंशन पैकेज इन इंडिया (स्प्रिंट इंडिया) द्वारा सेकेंडरी प्रीवेंशन के अध्ययन और इंडियन स्ट्रोक क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क (इंस्ट्रक्ट) की स्थापना, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 15.4 लाख रुपये
5. हाइपोक्सिक आइस्केमिक मस्तिष्क की चोट में नोर्मोबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी, फ्लूक्साइटिन और ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन (आरटीसीडीएस) की भूमिका-एचआईबीआई पहल, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 106 लाख रुपये
6. टाइकाग्रेलर और एएसए की क्षमता और संरक्षा के अन्वेषण के लिए रैंडोमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-कंट्रोल्ड, इंटरनेशनल, मल्टीसेंटर, फेज-III अध्ययन के लिए मरीजों में दिल के दौरे और तीव्र दर्द के कारण होने वाली मृत्यु अथवा ट्रांजिएंट इचेमिक अटैक को रोकना (टीएचएएलईएस- दिल के दौरे और मृत्यु को रोकने के लिए टाइकाग्रेलर तथा एएसए के साथ तीव्र दर्द के कारण होने वाली मृत्यु अथवा ट्रांजिएंट इचेमिक अटैक), एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, एस्ट्रा-जेनाका, 1 वर्ष, 2018-2019, 3.92 लाख रुपये
7. क्या वायु प्रदूषण और मौसमी बदलाव दिल के दौरे के जोखिम के कारण हैं? युवा भारतीयों में दिल के दौरे के विशेष संदर्भ में और तीखे दर्द के साथ दिल के दौरे के प्रकार : एक मल्टी-सेंटर स्टडी, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 59.11 लाख रुपये
8. एडल्ट एपिसॉडिक माइग्रेशन पेशेंट (EMPOWER) में प्लेसीबो की माह में एक बार सबक्युटेनियस एएमजी 334 की तुलना में एक 12 सप्ताह की डबल ब्लाइंड, रैंडोमाइज्ड मल्टी-सेंट्रिक स्टडी, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, नोवार्टिस, 1 वर्ष, 2018-2019, 0.9 लाख रुपये
9. भारत में दिल के दौरे संबंधी देखभाल के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च का ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप, यूनिवर्सिटी ऑफ लंकाशायर, भारत में दिल के दौरे की देखभाल में सुधार (IMPROVISE) का कार्य कर रही है, एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव, एनआईएचआर-यूसीएलएएन-यूके, 2 वर्ष, 2018-2020, 42 लाख रुपये

10.कम लागत की गैर-इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजना तकनीकों का उपयोग करके पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी को बढ़ाने के लिए तंत्रिका प्लास्टिसिटी की समझ और सुविधा, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 48 लाख रुपये

11.आघात एवं संज्ञानात्मक पतन के कारणों को उद्‌घाटित करने के लिए एक जनसंख्या आधारित पूर्वानुमानिक कोहार्ट अध्ययनः एक क्रॉस-कल्चरल परिदृश्य। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 8 वर्ष, 2014-2022, 3200 लाख रुपये

12.जीनोमिक एसोसिएशन अध्ययन का उपयोग करते हुए एम्स के सहकर्मियों प्रतिभागियों में मस्तिष्क छोटे पोत रोग के लिए मस्तिष्क इमेजिंग मात्रात्मक लक्षण लोकी की पहचान, कामेश्वर प्रसाद, डीएचआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 280 लाख रुपये

13.अगली पीढ़ी जीन अनुक्रमण कुछ कार्यात्मक विदेशी भिन्नताओं और युवा में शुरुआती इस्केमिक स्ट्रोक के बीच सहयोग निर्धारित करें। कामेश्वर प्रसाद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 53 लाख रुपये

14.भारतीय आबादी में स्ट्रोक के आनुवंशिक जोखिम कारकों की पहचान। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013-2019, 64 लाख रुपये

15.सहज इंट्रासेरेब्रल रक्तस्राव के बाद अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम के लिए भविष्यसूचक शक्ति बढ़ाने के लिए बायोमार्कर। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 6 वर्ष, 2013-2019, 119 लाख रुपये

16.सूजन से जुड़े जीन के एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता की जांच द्वारा इस्केमिक स्ट्रोक के लिए आनुवंशिक योगदान की पहचान: केस-कंट्रोल स्टडी। कामेश्वर प्रसाद, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017-2019, 17 लाख रुपये

17.बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और तीव्र स्ट्रोक में उच्च रक्तचाप प्रबंधन: "भारत स्ट्रोक रिसर्च नेटवर्क" के तहत एक क्लस्टर रेंडमाइज्ड ट्रायल (स्ट्रोक केयर स्टडी में भारतीय गुणवत्ता सुधार)। कामेश्वर प्रसाद, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, 78 लाख रुपये

18. इस्केमिक स्ट्रोक के साथ भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के नैदानिक और आनुवंशिक कारक, रोहित भाटिया, डीबीटी, 3 साल, 2017-2020, 85 लाख रुपये

19.मल्टीपल स्केलेरोसिस की पैथोलॉजी: फेनोटाइपिक, बायोमार्कर और जेनेटिक हस्ताक्षर, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 120 लाख रुपये

20.टीबी मेनिनजाइटिस के रोगियों में एस्पिरिन या क्लोपिडोग्रेल, रोहित भाटिया, ICMR, 3 साल, 2019-2022, 75 लाख रुपये

21. इंडियन एम्योट्रॉफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (भारतीय एमियोट्रोफिक पार्श्व स्केलेरोसिस) की जीनोमिक और प्रोटॉमिक विशेषता, रोहित भाटिया, एम्स, आईआईटी, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

22.सीआरआईएसपीआर-बेस्ड एडिटिंग ऑफ रेगुलेटरी रीजन और एक्सपेंडेड ट्रिपलेट को भारत के सर्वाधिक कॉमन हेरेडिटरी एटॉक्सियस में थेरेपेटिक दृष्टिकोण को दोहराता है, अचल के. श्रीवास्तव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 125.35 लाख रुपये

23. एफएक्सएन जीन और एसोसिएटिड ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स में रिप्रेसर साइटों को फ्रेडरिच एटेक्सिया में पोटेंशियल थेरेपेटिक एप्रोच के रूप में टारगेट करना, अचल के श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 62.27 लाख रुपये
24. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में मानक उपचार के साथ-साथ पीएमजेड-1620 की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित, बहुसांस्कृतिक, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, पैरेलल, चरण III नैदानिक अध्ययन। दीप्ति विभा, फरमैज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2019-2020, 7.48 लाख रुपये
25. ट्यूबरकुलोसिस मिनिंगिटिस (टीबीएम) के लिए एंटी ट्यूबरकुलर ट्रीटमेंट (एटीटी) की 9 महीने, 12 महीने तथा 18 महीने की प्रभावोत्पादकता का निर्धारणः एक यादृच्छिक नियंत्रण, गैर-हीनता परीक्षण, दीप्ति विभाग, डीएचआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 40.52 लाख रुपये
26. आउटपुट प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च उपयोग करके स्ट्रोक आउटकम की भविष्यवाणी के लिए रक्त आधारित प्रोटीन बायोमार्कर। दीप्ति विभा, एम्स, 3 साल, 2019-2022, 10 लाख रुपये
27. डीप टार्गेटेड सिक्वेंसिंग का उपयोग करते हुए डायस्टोनिया के नैदानिक और आनुवांशिकी लक्षण, अचल के श्रीवास्तव, आईसीएमआर , 3 साल, 2019-2022, 6 लाख रुपये
28. पोस्ट स्ट्रोक सीज़र्स (प्रोलेविस) की रोकथाम के लिए रोगनिरोधी लेवेतिरसेटम का एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन, विष्णु वीवाई, डीएसटी- एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2020, 29 लाख रुपये
29. संसाधन सीमित सेटिंग्स में स्ट्रोक के शुरुआती निदान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल: पायलट अध्ययन: आईआईटी दिल्ली के साथ एक सहयोगी परियोजना, विष्णु वीवाई, डीबीटी, 2 साल, 2020-2022, 70 लाख रुपये के साथ एक सहयोगी परियोजना
30. रिवास्कुलराइजेशन थेरेपी के दौरान सिटिकोलिन में एक्यूट इस्कीमिक स्ट्रोक - अन्वेषक ने अकादमिक परीक्षण शुरू किया, विष्णु वीवाई, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 5 लाख रुपये
31. अल्जाइमर रोग के कारण मनोभ्रंश के लिए ब्राहमी (बकोपा मोननेरी)- सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा-एनालिसिस, विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2020, 10 लाख रुपये
32. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान, विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2022, 50 लाख रुपये
33. भारत में पार्किंसंस रोग की आनुवंशिक संरचना (GAP-India), रूपा राजन, माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन, 3 साल, 2019-202, 36.93 लाख रुपये
34. इंडियन मूवमेंट डिसऑर्डर रजिस्ट्री एवं बायोबैंक : भारतीय रोगियों में मूवमेंट डिसऑर्डर के साथ क्लिनिकल और जेनेटिक इवैल्यूएशन, रूपा राजन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2021, 287,72 लाख रुपये
35. ऑटोमेटेड हैंड-ड्रॉन स्पाइरल एनालाइजिस प्लेटफॉर्म एज ए टूल टू डिफरेंशिएट ट्रेमर सिंड्रोम, रूपा राजन, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017-2020, 42 लाख रुपए
36. डिस्टोनिक हाथ की कंपकंपी के इलाज के लिए बोटुलिनम विषाक्त इंजेक्शनः एक यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित, समांतर समूह परीक्षण, रूपा राजन, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 4.82 लाख रुपए

37.मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी (एमटीएलई) के रोगियों में एटीएफ3 और टीजीएफ β के संकेत की भूमिका का निर्णय लेना, राजेश कुमार सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 9.44 लाख रुपये

38.ग्लाइसेमिक नियंत्रण और अन्य चयापचय जोखिम कारकों के संबंध में, टाइप 2 मधुमेह मेलेटस वाले बुजुर्ग रोगियों में, जो उम्र और लिंग की तुलना में मनोभ्रंश के उच्च जोखिम में हैं, संज्ञानात्मक घाटे की व्यापकता और घटना का मूल्यांकन करने के लिए, मानदंड संबंधी विषय: भावी पर्यवेक्षणीय बहुस्तरीय अध्ययन, अनु गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 46 लाख रुपये

39.मिर्गी (पीडब्ल्यूई) के रोगियों में ड्राइविंग करते समय सिर पर चोट लगने की जागरूकता: एक निवारक और सार्वजनिक शैक्षिक अध्ययन, दिव्य एम आर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 26.14 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. तीव्र स्ट्रोक वाले रोगियों में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जिसमें प्रभावकारिता और बेसल बोलस इंसुलिन रेजिमेंट सह स्लाइडिंग स्केल इंसुलिन रेजिमेन शामिल हैं।
2. मल्टीपल स्केलेरोसिस में संज्ञानात्मक हानि के लिए रिवास्टिग्माइन: ब्लाइंड एंड पॉइंट मूल्यांकन के साथ एक पैरेलल ग्रुप रैंडमाइज्ड ओपन लेबल स्टडी
3. उत्तर भारत में जनसंख्या आधारित कोहार्ट अध्ययन के लिए अंग्रेजी एवं हिंदी में साक्ष्य आधारित प्रश्नावली की डिजाइनिंग एवं वैधीकरण
4. 50 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के बीच सेरिब्रल माइक्रो ब्लीड्स की व्यापकता और निर्धारक: एक जनसंख्या आधारित पारम्परिक अध्ययन
5. 50 वर्ष एवं अधिक आयु के वयस्कों के जनसमुदाय में वाहिका जोखिम कारक, मस्तिष्क एम.आर.आई. उपाय, संज्ञान एवं गति का संबंधः जनसंख्या आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
6. पूरे एक्सोम सिक्वेंसिंग द्वारा स्ट्रोक में दुर्लभ आनुवंशिक संस्करण की पहचान करना
7. दिल के दौरे के अस्पताल में दाखिल रोगियों के परिणामों में सुधार और जटिलताओं में कमी लाने वाले देखभाल करने वालों की शिक्षण संबंधी भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक क्लिनिकल ट्रायल।
8. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के साथ रोगी में एन-एसिटाइल सिस्टीन। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
9. टीबीएम के गहन चरण में चिकित्सा पर एक ऐड के रूप में लाइनज़ोलिड। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. इस्केमिक स्ट्रोक के साथ भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के लिए नैदानिक और आनुवंशिक कारक
11. मल्टीपल स्केलेरोसिस की पैथोलॉजी: बायोमार्कर और आनुवंशिक हस्ताक्षर
12. जनरलाइज्ड एपिलेप्सी में इंट्रिक्टल जेनरेलाइज्ड स्पाइक और वेव डिस्चार्जिज में 8-चैनल ईईजी की उपयोगिता - एक डायग्नोस्टिक स्टडी

13.मिर्गी प्राथमिक देखभाल प्रदान करने में प्रशिक्षु डॉक्टरों की क्षमता का आकलन करने के लिए एक उपकरण का विकास और उपयोग

14.न्यूरोडीजनरेटिव डिसऑर्डर की पैथोफिजियोलॉजी में माइक्रो आरएनए की भूमिका : स्पीनोकेयरबैलर एटाक्सिया टाइप 2 (एससीए2)

15.स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12 में कंपन और चाल की विशेषता

16.माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और ट्रांसक्रिप्टोमी विश्लेषण के माध्यम से फ्रेडरिच एटाक्सिया (एफआरडीए) फीनोटाइप के आण्विक सह-संबंध का अध्ययन करना

17.स्पिनोकेयरबैलर एटाक्सियास में ट्रिपलेट रिपीट्स फ्लेंक्ड हेप्लोटाइप रीजन और माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम में फंक्शनल जेनेटिक एलिमेंट्स की पहचान करना

18.जीनॉम वाइड स्क्रीनिंग द्वारा नॉवेल अनस्टेबल टेंडम न्यूक्लियोटाइड रिपीट लॉकी की पहचान और पैथोजेनेसिस की जेनेटीकली अनकेरेक्टेराइज़्ड प्रोग्रेसिव सेरेबैलर एटासिएक्स में उनका क्रियान्वयन

19.स्पष्ट रूप से इडियोपैथिक स्पोरेडिक प्रोग्रेसिव केयरबैलर एटेक्सिया में ऑटोमैनिक फंक्शन टेस्ट और बीमारी की गंभीरता के साथ स्लीप डिसफंक्शन और इसके पारस्परिक संबंध का आकलन

20.स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग की गैर-गतिहीन अभिव्यक्तियाँ

21.एससीए 12 रोगियों में एफएक्सटीएएस रेटिंग पैमाने की मान्यता

22.नैदानिक प्रोफ़ाइल और प्रबंधन में लौकिक रुझानों को समझने के लिए आडीओपथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथिस की अम्बिसपेक्टीवे कोहोर्ट स्टडी

23. क्रोनिक इंफ्लेमेटरी डेमूलेटिंग न्यूरोपैथी का एक कोहोर्ट सहसंयोजक अध्ययन और इसके प्रकार

24.टास्क स्पेसिफिक फोकल हैंड डायस्टोनिया में अवर पारिजात कोर्टेक्स के लिए दोहरी ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना: क्रॉस ओवर, शाम-नियंत्रण, ब्लाइंड आउटकम असेसमेंट स्टडी

25.पार्किंसंस रोग में सामाजिक अनुभूति

26.हाइपरट्रॉफिक पेचीमेनिनगिटिस के रोगियों की संस्थागत रजिस्ट्री

27.तीव्र मायलिटिस वाले रोगी का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम - एक संभावित अध्ययन

28.एंटी मायेलिन ऑलिगोडेंड्रोसीटी ग्लाइकोप्रोटीन (एमओजी) एंटीबॉडी के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम संबंधित न्यूरोलॉजिकल विकार - एक अस्पष्ट अवलोकन संबंधी अध्ययन.

29.प्री सर्जिकल एपिलेप्सी के दौरान सीजर्स के टर्मुनेशन में इन्ट्रानेसल बनाम इन्ट्रामस्क्यूलर मिडजोलाम की क्षमता की तुलना में रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल - वीईईजी मॉनिटरिंग

30.मिरगी के रोगियों में कोंप्लीमेंट्री मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी को रूप में फिजीकल एक्सरसाइज के प्रभाव का आकलन

31.मिर्गी के रोगियों में हल्के और मध्यम अवसाद पर एंटीडिप्रेसेंट थेरेपी के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

32.स्ट्रोक के बाद की घबराहट में फ्लुओक्सेटीन की प्रभावकारिता का अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

33. हाई-थ्रुपूट प्रोटियोमिक्स एप्रोच के इस्तेमाल से स्ट्रोक की भिन्नता के लिए ब्लड-बेस्ड प्रोटीन बायोमार्कर्स की डायग्नोस्टिक परफोर्मेंस की विशेषताओं का निर्धारण करना
34. ट्रान्सक्रानिअल डोपलर (टीसीडी) का उपयोग करते हुए एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक (एआईएस) के रोगियों में रक्तस्रावी परिवर्तन होना - एक संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन

पूर्ण

1. माइग्रेन की चिकित्सा में थैरिपी के रूप में योग। (जिसमें होते हैं)। एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
2. एपिलेप्सी मॉनिटरिंग यूनिट (मिर्गी निगरानी इकाई) (ईएमयू) में दौरे को स्थानीयकृत करने में आईसीटीएएल (ictal) चरण के दौरान नियमित व अनुकूलित बैटरी परीक्षण
3. ट्यूबरक्युलर मेनिंजाइटिस में डेक्सैमेथेसोन के नियमों की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. आघात एवं संज्ञानात्मक पतन के कारणों को उद्घाटित करने के लिए एक जनसंख्या आधारित पूर्वानुमानिक कोहार्ट अध्ययनः एक क्रॉस-कल्चरल परिदृश्य, इरास्मस मेडिकल सेंटर, नीदरलैंड
2. थाइमेक्टोमी, सर्जरी के बाद मायस्थेनिया ग्रेविस रोगियों का परिणाम
3. इंट्राक्रैनील एथेरोस्क्लोरोटिक रोग इमेजिंग और आउटकम, न्यूरोराडोलॉजी
4. एफएक्सएन जीन और एसोसिएटिड ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स में रिप्रेसर साइटों को फ्रेडरिच एटेक्सिया में पोटोंशियल थेरेपेटिक एप्रोच के रूप में टारगेट करना, सीएसआईआर-आईजीआईबी
5. सीआरआईएसपीआर-बेस्ड एडिटिंग ऑफ रेगुलेटरी रीजन और एक्सपेंडेड ट्रिपलेट को भारत के सर्वाधिक कॉमन हेरेडिटरी एटॉक्सियस में थेरेपेटिक दृष्टिकोण को दोहराता है, सीएसआईआर-आईजीआईबी
6. रिसोर्स लिमिटेड सेटिंग्स में स्ट्रोक के शुरुआती निदान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल: पायलट अध्ययन, आईआईटी दिल्ल
7. कोक्रेन की समीक्षा: मानव इम्यूनोडिफ़िशिएंसी वायरस से संबंधित डिस्टल सिमिट्रिकल पोलीन्यूरोपैथी के लिए रोग-संशोधित चिकित्सा, नेशनल हॉस्पिटल फॉर न्यूरोलॉजी एंड न्यूरोसर्जरी, यूके सिंग हीलह ड्यूक एनयूएस, अकादमिक मेडिकल सेंटर, सिंगापुर कोच्रन साउथ एशिया, सीएमसी वेल्लोर, तमिलनाडु पीआईएमएस, पुदुचेरी, भारत।
8. कोक्रेन की समीक्षा: मानव इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस से संबंधित डिस्टल सिमिट्रिकल पोलिन्यूरोपैथी में दर्द का उपचार, नेशनल हॉस्पिटल फॉर न्यूरोलॉजी एंड न्यूरोसर्जरी, यूके सिंग हेल्थ ड्यूक एनयूएस, अकादमिक मेडिकल सेंटर, सिंगापुर कोच्रेन साउथ एशिया, सीएमसी वेल्लोर, तमिलनाडु पीआईएमएस, पुदुचेरी, भारत
9. चिकित्सीय प्लाज्मा विनिमय की तुलना में एक लागत लाभ विश्लेषण तथा एक तृतीयक स्तर के अस्पताल में ट्रांसिल्यूजन मेडिसिन में गिलीन-बैर सिंड्रोम और मायस्थेनिया ग्रेविस रोगियों के उपचार में अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन

10. प्रारंभिक पार्किंसंस रोग, बायोफिजिक्स के लिए एक्सोसोम आधारित गैर-इनवेसिव (लार और मूत्र) का पता लगाने की तकनीक का विकास
11. टीआईडी एंडोक्रिनोलोजी के वयस्कों में संज्ञानात्मक, तंत्रिका विज्ञान और तंत्रिका संबंधी असामान्यताओं का आकलन
12. टी2डी और अवसाद वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभावः द्विबाहु समानंतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एंडोक्रिनोलॉजी
13. एक मल्टीसेंटर ओपन लेबल पैरेलल आर्म आरसीटी मूल्यांकन कर रहा है कि क्या योग मौखिक दवाओं एंडोक्राइनोलॉजी, एमडीआरएफ, चेन्नई पर टी 2 डी के साथ ग्लाइसेमिक कंट्रोलिन रोगियों की विकृति को रोक सकता है या नहीं

पूर्ण

1. स्ट्रोक रोगियों में मोटर इमेजरी आधारित पुनर्वास को बढ़ाने के लिए एनआईआरएस का उपयोग करके न्यूरो - फीडबैक की प्रभावशीलता - एक पायलट अध्ययन, फिजियोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 105 सारः 32 पुस्तकों में अध्याय: 4 पुस्तकें: 2

रोगी उपचार

विशेष क्लीनिक

1. स्ट्रोक क्लिनिक
2. एमएस, डेमीलीनेटिंग विकार और न्यूरोइम्यूनोलॉजी क्लिनिक
3. हेडेक क्लीनिक
4. न्यूरोमस्कुलर क्लिनिक
5. अटैक्सिया क्लिनिक
6. मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक
7. बोटुलिनम टॉक्सिन क्लिनिक
8. इंट्राक्टेबल एपिलेप्सी क्लिनिक

विशेष प्रयोगशाला सुविधा

न्यूरोसोनोलॉजी सुविधा

मूवमेंट डिसऑर्डर इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी

सामुदायिक सेवाएं / शिविर

1. एम्स, दिल्ली में अक्टूबर 2019 को विश्व स्ट्रोक दिवस का आयोजन किया गया

2. एम्स, दिल्ली में मई 2019 को विश्व एमएस दिवस का आयोजन किया गया

3. लाइफलाइन एक्सप्रेस में मिर्गी क्लीनिक आयोजित:

साहिबगंज झारखंड 14 और 15 सितंबर 2019

कोरबा, छत्तीसगढ़ 26 और 27 अक्टूबर 2019

फोर्ब्सगंज, बिहार 30 नवंबर और 1 दिसंबर 2019

सूबेदारगंज, प्रयागराज (उ.प्र.) 28 और 29 दिसंबर 2019

धुबरी, असम 1 फरवरी 2020

नाहरलागुन, अगरतला**,** 29 फरवरी और 1 मार्च 2020

4. नौदरा, प्रतापगढ़ उ.प्र. में स्वास्थ्य शिविर 7-9 दिसंबर 2019

5. इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर, नई दिल्ली में पीडी दिवस पर 'पब्लिक अवेयरनेस ऑफ पार्किंसन डिजीज एंड सोशल डाइमेंशन' पर व्याख्यान

6. एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली एनसीआर, सोनीपत अक्टूबर 2019 में 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' में मनाया जाता है।

7. एम्स सुपरस्पेशलिटी मेडिकल कैम्प, लद्दाख

न्यूरोलॉजी ओपीडी

नए मामले					**पुराने मामले**					**कुल योग**	**कुल कार्य दिवस**	**दैनिक औसत**
पुरूष	**महिला**	**बच्चे**	**बच्चियाँ**	**कुल**	**पुरूष**	**महिला**	**बच्चे**	**बच्चियाँ**	**कुल**			
17494	12169	440	244	30347	38199	25653	1375	633	65860	96207	301	320

क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी लैब

लैब प्रक्रियाएँ	**संख्या**
ईईजी	3575
ईसीजी	1570
एलटीवीईईजी	315
एसटीवीईईजी	117
ईपी	552
ईपीएस	5431
स्लीप	174

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के संस्थान निकाय की सदस्य हैं: जनवरी 2020 के बाद से; एम्स के संस्थान निकाय की सदस्य, रायबरेलीः जनवरी 2020 से; एम्स, रायबरेली की गवर्निंग बॉडी की सदस्य: जनवरी 2020 से; जनवरी 2020 से पंजाब सरकार के तहत अम्बेडकर आयुर्विज्ञान संस्थान, शासी निकाय की सदस्य; सदस्य एसईसी, डीजीएचएस, भारत सरकार; डीएचआर, भारत सरकार के लिए बाहरी विशेषज्ञ; सदस्य, कार्य बल, सत्यम (SATYAM), डीएसटी, भारत सरकार; एनएससीआरटी के लिए सदस्य कार्य बल, डीएसटी, भारत सरकार, 2018; आईसीएमआर के तहत पूर्वोत्तर के लिए एमएसयू के लिए सदस्य कार्य बल; नवंबर 2020 में आयोजित की जाने वाली ईएसओ-डब्ल्यूएसओ के लिए सदस्य, वैज्ञानिक समिति; मई 2019 में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित डीएम न्यूरोलॉजी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; मई 2019 में एम्स, जोधपुर के लिए संकाय के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; जुलाई 2019 में टांडा, हिमाचल प्रदेश में डीएनबी न्यूरोलॉजी के आकलन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; जुलाई 2019 में एम्स, ऋषिकेश के लिए संकाय के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; जुलाई 2019 में एमएएचई में डीएम निकास परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; अगस्त 2019 में पुणे में डीएसटी-एफआईएसटी के लिए बोर्ड सदस्य बैठक; अगस्त 2019 में त्रिवेंद्रम में एससीटीआईएमएस में वरिष्ठ कर्मचारी चयन समिति की बैठक के लिए बाहरी विशेषज्ञ; अगस्त 2019 में निमहंस, बेंगलुरु में चयन समिति की बैठक में संकाय के लिए बाहरी विशेषज्ञ; सितंबर 2019 में बीएचयू, वाराणसी में चयन समिति की बैठक में संकाय चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; सितंबर 2019 में तमिलनाडु में चेट्टिनैंड विश्वविद्यालय में डीएम एग्जिट परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; नवंबर 2019 में आईयूएसएसटीएफ की बैठक के भाग के रूप में अमेरिका के सिनसिनाटी विश्वविद्यालय के लिए अतिथि प्रोफेसर; नवंबर 2019 में लुगानो, स्विट्जरलैंड में आयोजित आरआरएमएस में अलेमुत्ज़ुमाब के उपयोग पर बैठक के लिए अतिथि संकाय; दिसंबर 2019 में बेंगलुरु में आईसीएमआर की बैठक के तहत पीबीएसआर की निगरानी के लिए विशेषज्ञ; जनवरी 2020 में बीएचयू में आयोजित आईसीएमआर के तत्वावधान में वाराणसी और यूपी में पीबीएसआर निगरानी के लिए विशेषज्ञ; 20 से 27 जनवरी 2019 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के आयोवा विश्वविद्यालय में आयोजित स्ट्रोक के लिए होमोसिस्टीन लोवरिंग ट्रायल पर आईयूयूएसटीएफ परियोजना के लिए आमंत्रित संकाय और सह पीआई; जून 2019 में दुबई में आयोजित यूसीएलएएन, यूके, एनआईएचआर-जीएचआरए के साथ भारत में स्ट्रोक की देखभाल में सुधार के लिए बहुकेंद्रिक, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए आमंत्रित संकाय और सह-पीआई; सितंबर 2019 में मुंबई में डीएसटी-पीएसी बैठक के लिए आमंत्रित संकाय और बोर्ड सदस्य; आमंत्रित संकाय एवं अक्टूबर 2019 में एम्स, भोपाल में आयोजित एनएएमएससीओएन में बलदेव सिंह ने व्याख्यान दिया; एफआरसीपी (एडिन)।

प्रोफेसर कामेश्वर प्रसाद रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस**,** एडिनबर्ग में फेलो के रूप में कार्यरत हैं**;** विश्व स्ट्रोक संगठन के सदस्य; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजी के सदस्य; संक्रामक रोगों के सदस्य और अंतर्राष्ट्रीय कोकरेन सहयोग के एआरआई समीक्षा समूह; अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक महामारी विज्ञान नेटवर्क के सदस्य; न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ साइंसेज के सदस्य; अमेरिकन अकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के सदस्य; सदस्य,

कोक्रेन एपिलेप्सी समीक्षा समूह; सदस्य, कोक्रेन न्यूरोलॉजिकल नेटवर्क; संपादक, एडिनबर्ग-आधारित कोक्रेन स्ट्रोक ग्रुप और एम्स्टर्डम-बेस्ड कोक्रेन एआर; ग्रुप एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य - *ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, प्रैक्टिकल न्यूरोलॉजी, कोक्रेन एआरआई रिव्यू ग्रुप, ऑस्ट्रेलिया;* मेडिकल जर्नल के लिए समीक्षक - *ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, स्ट्रोक, कैनाडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल, जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ, जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबायल्स एंड कीमोथेरेपी, सीएनएस ड्रग्स, कोक्रेन स्ट्रोक, न्यूरोलॉजी इंडिया, एनरल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया, नेशनल मेडिकल जर्नल जर्नल ऑफ इंडिया, सर्कुलेशन (यूएसए), न्यूरोलॉजिकल रिसर्च, न्यूरोलॉजिकल साइंसेज, ब्रेन एंड बिहेवियर, लैंसेट, बीएमजे;* मई 2017-मई 2019 तक महामारी विज्ञान विभाग, इरास्मस एमसी, नीदरलैंड्स के साथ अतिथि संकाय (एडजक्ट एफिलिएशन)।

प्रोफेसर मंजरी त्रिपाठी ने जनवरी अहमदाबाद में वार्षिक इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी की बैठक में व्याख्यान दिया - एपिलेप्सी में 360 डिग्री देखभाल।

प्रोफेसर अचल श्रीवास्तव इंडियन ऑफ न्यूरोलॉजी के एसोसिएट एडिटर हैं; मूवमेंट डिसऑर्डर के एनल्स के सह संपादक; न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी समिति के सदस्य; दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य; नर्व मसल सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य।

प्रोफेसर रोहित भाटिया को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल स्ट्रोक कॉन्फ्रेंस, अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की फरवरी 2020 की बैठक में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया; इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में चुने गए। मार्च 2020; इंडियन अकेडमी न्यूरोलॉजी के ऑटोइम्यून सब्सक्रिप्शन के अध्यक्ष के रूप में चुने गए। मार्च 2020.

प्रोफेसर ममता भूषण सिंह को अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय उपसमिति के सदस्य के रुप में नियुक्त किया गया।

डॉ. दीप्ति विभा मई 2019 में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में योंग लू लिन स्कूल ऑफ़ मेडिसिन में न्यूरोसोनोलॉजी में ट्रेनीशिप में थीं; इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी-एसोसिएशन ऑफ इंडियन न्यूरोलॉजिस्ट इन अमेरिका (आईएएन-एआईएनए) पर्यवेक्षक फेलोशिप स्ट्रोक फॉर स्ट्रोक सर्विसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग मेडिकल सेंटर (यूपीएमसी) सितंबर 2019 में; संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य; इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेज, नई दिल्ली में तकनीकी समिति के सदस्य।

डॉ. विष्णु वी.वाई. को स्प्लिट-साइट फेलोशिप प्रोग्राम के लिए चुना गया: इंटरनेशनल फेलो इन न्यूरोमस्कुलर जीनोमिक मेडिसिन; इंटरनेशनल सेंटर फॉर जीनोमिक मेडिसिन इन न्यूरोमस्कुलर डिजीजस (आईसीजीएनएमडी); चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यूके द्वारा वित्त पोषित।

डॉ. रूपा राजन को 5 एओपीएमसी प्रश्नोत्तरी, हांग्जो, चीन में 2019 स्वर्ण पदक के एमडीएस-एलएएपी (लीडरशिप प्रोग्राम) वर्ग के लिए चुना गया था; संचालन समिति के सदस्य, इंटरनेशनल पार्किंसंस एंड

मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी (एमडीएस) युवा सदस्य समूह; सदस्य, एमडीएस ट्रेमर स्टडी ग्रुप; सदस्य, पीडी के प्रबंधन पर एमडीएस टास्क फोर्स: एकीकृत और अंतःविषय देखभाल।

डॉ. अवध किशोर पंडित को न्यूरोलॉजिकल विकारों के लिए न्यूरोएंडोवैस्कुलर थेरेपी में फेलोशिप से सम्मानित किया गया विशेष रूप से छह महीने के लिए आइची मेडिकल विश्वविद्यालय, आइची, जापान में स्ट्रोक प्रबंधन (15 जनवरी 2020 से 30 जून 2020)।

डॉ. एलावरसी सहायक संपादक, एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी हैं।

डॉ. भार्गवी रामानुजम पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में सहायक संपादक हैं - न्यूरोलॉजी इंडिया।

छात्रों/प्रशिक्षुओं द्वारा जीते गए पुरस्कार

1. आईएएनसीओएन 2019 में मूवमेंट डिसऑर्डर केटेगरी में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (डीएम छात्र)
2. डीएनएसीओएन 2020 में पूर्व श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (पूर्व डीएम छात्र)
3. अंतर्राष्ट्रीय पार्किंसंस रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी (पीएचडी छात्रों) में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान
4. इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पार्किन्सनिज्म और संबंधित विकार (पीएचडी छात्र) में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान
5. अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति पुरस्कार। अमेरिकन एकेडमी न्यूरोलॉजी, 2020 (डीएम छात्र)
6. अंतर्राष्ट्रीय यात्रा छात्रवृत्ति पुरस्कार: विश्व स्ट्रोक संगठन की बैठक 2019 (पीएचडी छात्र)
7. अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल बर्सेरी: वर्ल्ड कांग्रेस न्यूरोलॉजी, 2019, पीएचडी छात्र।
8. पीएचडी छात्रा सुश्री ज्योति शर्मा ने आईसीएमआर फेलोशिप प्राप्त की

अतिथि वैज्ञानिक

वैज्ञानिकों की एक टीम ने अक्टूबर 2019 में तंत्रिका विज्ञान विभाग का दौरा किया, जो 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर जीनोमिक मेडिसिन इन न्यूरोमस्कुलर डिजीज़' परियोजना के भाग के रूप में सहयोगी अकादमिक शोध पर चर्चा करने के लिए आई थी।

डॉ. रॉबर्ट डेविड स्टुअर्ट पिटकेथली, एमआरसी चिकित्सक वैज्ञानिक और मानद सलाहकार, यूसीएल।

प्रोफेसर माइकल गेर्गिस हैना, यूसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी के निदेशक और न्यूरोमस्कुलर डिजीज के लिए एमआरसी केंद्र के निदेशक, यूसीएल

यूसीएल में न्यूरोमैस्कुलर रोगों में इंटरनेशनल सेंटर फॉर जीनोमिक मेडिसिन के लिए डॉ. लिंडसे ऐनी विल्सन, केंद्र अनुसंधान प्रबंधक

डॉ. जाना वंद्रोवकोवा, वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी, यूसीएल

<u>तंत्रिका शल्यचिकित्सा</u>

विशिष्टताएँ

वर्ष 2019-20 में, तत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने तंत्रिका शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में नई प्रगतियों को सीखने के लिए कई कार्यशालाएं और सीएमई आयोजित किये। न्यूरो-एंडोस्कोपिक प्रॉसिजर्स के विशेषज्ञ, प्रोफेसर फ्रेंड जेंटिल (कनाडा) और स्कल बेस एवं माइक्रोन्यूरोसर्जरी के विशेषज्ञ, अली कृष्ट (अमेरिका) जैसे दिग्गजों ने 22वें एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला के दौरान हमारे साथ मिलकर सर्जरी की। इस वर्ष की माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला काफी सफल रही, काफी अच्छी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे, और इसकी वैज्ञानिक विषय-वस्तु को बेहद सराहा गया।

प्रोफेसर एलेक्सी पेलेगैन्चुक और प्रोफेसर एलेक्जेंडर क्रुटको (रूस) - दोनों ही स्पाइन सर्जरी के विशेषज्ञ हैं - ने एम्स की 9वीं जटिल स्पाइन सर्जरी कार्यशाला में अपने शल्य कौशल दिखलाये। इसमें भी भाग लेने वालों की संख्या अच्छी रही और इसकी भी काफी प्रशंसा की गयी।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने पहली क्रैनियोपैगस सर्जरी करके ***लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स*** के 2020 संस्करण में अपना नाम दर्ज कराया, जिसमें प्रोफेसर के. महापात्रा (पूर्व हेड ऑफ डिपार्टमेंट) की देखरेख में 125 डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों की टीम ने यह सर्जरी की और प्रोफेसर दीपक गुप्ता ने क्रेनियम पर जुड़े जुड़वा बच्चों को अलग किया।

प्रोफेसर आशीष सूरी और प्रोफेसर दीपक गुप्ता दोनों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), नई दिल्ली के लिए सहायक प्रोफेसर के रूप में चुना गया।

शिक्षा

एमसीएच रेजिडेंटों के लिए सेमिनार / जर्नल क्लब / केस प्रेजेंटेशन / मॉर्टेलिटी प्रेजेंटेशन का आयोजन साप्ताहिक आधार पर किया गया।

1. *<u>न्यूरोसर्जरी सिमुलेशन-आधारित लघु अवधि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम:</u>* न्यूरोसर्जरी स्किल्स ट्रेनिंग फैसिलिटी (एनएसटीएफ) और न्यूरोसर्जरी एजुकेशन एंड ट्रेनिंग स्कूल (एनईटीएस)

सिमुलेशन-आधारित न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सत्रः 1248

कैडेवर-आधारित स्कल बेस डिससेक्शन: 11 सत्र और 158 प्रतिभागी

सिमुलेशन-आधारित अल्पावधि न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण = 39

4 सप्ताह का अल्पकालिक प्रशिक्षण = 21

2 सप्ताह का अल्पकालिक प्रशिक्षण = 19

न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण में ई-लर्निंग

सर्जिकल वीडियो = 1,11,118 बार देखा गया (945 सब्सक्राइबर्स)

वेबसाइट व्यूज = 11,899 व्यूज   चर्चा मंच = 8,677 लाइक

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित किए गए सम्मेलन

1. मार्च 2019 में गोवा में आयोजित ई-स्वास्थ्य देखभाल में लागत के प्रभावी उपयोग पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सीएमई और कार्यशाला
2. क्रेनियल एंडोस्कोपी कैडवर कार्यशाला (6-7 अप्रैल 2019), एम्स कैडेवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग सुविधा (एसीएसएसटी)
3. ओपन स्कल बेस कैडवर वर्कशॉप (20-21 अप्रैल), एम्स कैडेवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग सुविधा (एसीएसएसटी)
4. एमआईएस स्पाइन कैडवर कार्यशाला (4-5 मई 2019), एम्स कैडवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग सुविधा (एसीएसएसटी)
5. स्पाइन प्री-कॉन्फ्रेंस कैडवर वर्कशॉप (19-23 अक्टूबर 2019), एम्स कैडवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग फैसिलिटी (एसीएसएसटी)
6. एंडोस्कोपिक एंडोनासल स्कल बेस वर्कशॉप (22-23 नवंबर 2019), एम्स कैडवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग सुविधा (एसीएसएसटी)
7. ओपन स्कल बेस कैडेवर वर्कशॉप (30 नवंबर - 1 दिसंबर 2019), एम्स कैडेवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग फैसिलिटी (एसीएसएसटी)
8. एमआईएस स्पाइन कैडेवर कार्यशाला (16-17 जनवरी 2020), एम्स कैडेवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग सुविधा (एसीएसएसटी)
9. ओपन स्पाइन कैडेवर वर्कशॉप (24-25 जनवरी 2020), एम्स कैडेवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग सुविधा (एसीएसएसटी)
10. छठा एएनटीसी 2020 (एम्स न्यूरोट्रॉमा कॉन्फ्रेंस) 20-22 मार्च 2020: कोविड महामारी के मद्देनजर स्थगित
11. आयोजन समिति के सदस्य के रूप में एम्स की वार्षिक स्पाइनल सर्जरी वर्कशॉप
12. आयोजन सचिव के रूप में एम्स वार्षिक माइक्रोन्यूओसर्जरी वर्कशॉप
13. प्री-कॉन्फ्रेंस स्पाइन वर्कशॉप, एनटीएसआई 2019
14. स्टीरियो इलेक्ट्रो एनसेफालोग्राफी पर वार्षिक एम्स सीओई एपिलेप्सी वर्कशॉपः 12-13 नवंबर 2019

प्रदत्त व्याख्यान

एसएस काले: 11	**आशीष सूरी: 10**	**राजेंद्र कुमार: 3**
मनमोहन सिंह: 13	**दीपक गुप्ता: 3**	**पंकज कुमार सिंह: 2**
विवेक टंडन: 10	**सचिन बोरकर: 12**	**हितेश कुमार गुर्जर: 1**
शाशवत मिश्रा: 3	**श्वेता केडिया: 9**	**दत्ताराज सावरकर: 2**
मनोज फलक: 5	**रमेश डोड्डामणि: 2**	**अमोल रहेजाः 2**
राजेश कुमार मीणा: 1	**शांतनु कुमार बोरा: 1**	

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 48

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एपिलेप्सी-फेस **II.** पी शरतचंद्र, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 4500 लाख रुपये
2. मेसियल टेम्पोरल लोब ऐपिलेप्सी से जुड़े काइन्न्यूरेनिक एसिड, हाइप्रेक्साइटेबिलिटी में एक ग्लूटामेट रिसेप्टर अवरोधक की भूमिका, पी सरत चंद्र, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 53.75 लाख रुपये
3. इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च में उत्कृष्टता के लिए कोलेबोरेटिव न्यूरो-इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म, आशीष सूरी, डीबीटी, एम्स+आईआईटी-दिल्ली, 3 वर्ष, 2018-2021, 657 लाख रुपये
4. ऑपरेशनल रिसर्च न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय संस्थानों को समर्थन, आशीष सूरी, डीएचआर, आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, एम्स + आईआईटी-दिल्ली, 5 वर्ष, 2016-2020, 99 लाख रुपए
5. टाटा नवाचार अध्येतावृत्ति पुरस्कार 2015, आशीष सूरी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2020, 45 लाख रुपए
6. मल्टीपल डिग्री ऑफ फ्रीडम रोबोटिक मैनिपुलेटर फॉर मिनिमली इनवेसिव न्यूरोसर्जरी, आशीष सूरी, एम्स + आईआईटी-दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये
7. कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग ऑफ सेरेब्रल ब्लड फ्लो इन मोया मोया डिजीज, आशीष सूरी, एम्स + यूसीएल-लंदन, 1 वर्ष, 2020-2021, 5 लाख रुपये
8. एडीएपीटी, दीपक गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 5 वर्ष, 2015-2022, 105.49 लाख रुपये
9. सेंटर-टीबीआई, दीपक गुप्ता, यूनिवर्सिटेयर जाइकेनहुई एंटवर्पेन (यूजेडए), बेल्जियम, 2 वर्ष, 2016-2020, 3.75 लाख रुपये
10. बचाव एएसडीएच, दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, 3 वर्ष, 2017-2020, उपभोग्य: यादृच्छिक रोगी के लिए 144 पाउंड प्रति सीआरएफ पूरा होने की लागत: 213 पाउंड प्रति यादृच्छिक रोगी, 9.52 लाख रुपये
11. पेरोक्सिसमल सिम्पेथेटिक एक्टिविटी और गंभीर टीबीआई में इसकी भूमिका, दीपक अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2018-20, 10 लाख रुपये
12. लम्बर स्पाइन के लिए पार्श्व दृष्टिकोण: भारतीय आबादी में कैडवेरिक व्यवहार्यता अध्ययन, सचिन बोरकर, एम्स, 1 वर्ष, 2018-20, 5 लाख रुपए
13. जीएबीए की भूमिका की जांच: फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में एक रिसेप्टर सब्यूनिट्स परिवर्तन, हितेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपए

14. एक्सट्रा-एक्शियल ब्रेन ट्यूमर में प्री-ऑपरेटिव एमआरआई इमेजिंग सुविधाओं के आधार पर इंट्राऑपरेटिव ट्यूमर विशेषताओं की भविष्यवाणी, शाशवत मिश्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 1.4 लाख रुपये
15. केडेवर्स में एंडोस्कोपिक न्यूनतम इनवेसिव ओडोंटोइड स्क्रू फिक्सेशन की व्यवहार्यता अध्ययन, श्वेता केडिया, एओ स्पाइन, 2 वर्ष, 2018-2020, 6 लाख रुपये
16. मिडिल फोसा और रेट्रोसिग्मॉइड सुनवाई संरक्षण स्कल आधार दृष्टिकोण के माध्यम से आंतरिक इंटर्नल एकॉस्टिक के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोसर्जिकल तुलना - एक प्रयोगशाला जांच, अमोल रहेजा, एम्स, 1 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये
17. सुदूर पार्श्व वाहकनलिका दृष्टिकोण के रूपों का मात्रात्मक विश्लेषण, राजेश कुमार मीना, एम्स, 3 वर्ष, 2017-2020, 4.75 लाख रुपए

पूर्ण

1. एंडोस्कोपिक एंटीरियर ओडोन्टिड स्क्रू फिक्सेशन की व्यवहार्यता - ए कैडवेरिक प्रायोगिक अध्ययन, श्वेता केडिया, एओ स्पाइन एशिया पेसिफिक, 1 वर्ष, 2019-2020, 6000 सीएचएफ

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. सर्वाइकल स्पोंडिलाइटिस माइलोपैथी में परिणाम के अनुमान में एमआरआई की भूमिका
2. बोनी सीवीजे एनामोलिज के सर्जिकल परिणाम
3. कोर्टिकल डिसप्लेसिया में जीएबीएए रिसेप्टर सबयूनिट्स अल्टेरेशन की भूमिका की जांच करना।
4. सबकोर्टिकल लेशंस के साथ रोगियों के नैदानिक परिणाम में सर्जिकल तकनीक की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में गामा नाइफ रेडियोसर्जरी की भूमिका
6. ट्रामा रोगियों में निर्धारण के बाद स्पाइनल संरेखण
7. जियांट पिट्यूटरी ट्यूमर के प्रबंधन में स्कल बेस एंडोस्कोपी की भूमिका
8. डीएसए/एमआरआई बनाम अकेले एमआरआई से ब्रेन एवीएम की प्लानिंग के परिणाम एवं जटिलताएं
9. स्टीरियोटैक्टिक कार्यात्मक न्यूरोसर्जरी में विभिन्न इमेजिंग तकनीकों का सटीक लक्ष्य
10. जिआंट इंट्राक्रेनियल (>20 सीसी) घावों के लिए गामा-नाइफ
11. क्रानियोफेरींजिओमास में गामा नाइफ की भूमिका
12. चीयारी मैलफॉर्मेशन के साथ सीवीजे विसंगतियाँ
13. क्लिनोइडल मेनिंगिओमास के माइक्रोसर्जिकल एक्सिस के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणाम
14. पेरिमीटर, डायामीटर और सी1 लेवल पर वॉल्यूम तथा अटलेंटो-एक्सियल डिस्लोकेशन पर विशेष ध्यान के साथ चियारी-I मेलफॉर्मेशन में रेडिग्राफिक फीचर्स का प्रीऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव मूल्यांकन

15. क्रेनियो-वर्टिब्रल जंक्शन एनोमेली वाले मरीजों में सेकंडरी स्पाइनल कर्वेचर्स का आकलन और सिंगल स्टेज करेक्टिंग सर्जरी (डीसीईआर) के बाद उनमें परिवर्तन
16. अच्छे ग्रेड के एसएएच के साथ सर्जिकली क्लिप्ड एंटीरियर सर्कुलेशन एनिरीसम्स के परिणाम
17. डीएसए एवं एमआरआई बनाम अकेले एमआरआई पर प्लान किये गये एवीएम का रेडियोसर्जिकल परिणाम
18. ग्लियोमा सर्जरी में रिसेक्शन की सीमा जानने के लिए इंट्राऑपरेटिव एमआरआई और इंट्राऑपरेटिव यूएसजी की उपयोगिता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण
19. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया के रोगी वाले ऊतक का आणविक विश्लेषण
20. जुवेनाइल नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा की सर्जरी में संयुक्त दृष्टिकोण और डॉटानोक स्कैन की भूमिका
21. कम्प्रैसिव वैस्कुलर न्यूरोपैथीस में माइक्रोवैस्कुलर डिकम्प्रैशन का परिणाम।
22. जीएबीए के प्रभाव पर एक अध्ययन: कॉर्टिकल डिसप्लेसियास में एक रिसेप्टर परिवर्तन।
23. न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 2 के रोगियों में वेस्टिबुलर स्कवानोमा के उपचार में बेवाकिज़ुमैब की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन
24. सर्वाइकल स्पोंडिलोटिक मायलोपैथी के विशिष्ट और विशिष्ट लक्षणों पर सर्वाइकल डिकम्प्रैशन का प्रभाव
25. पार्श्व और तीसरा वेंट्रिकल ट्यूमर: घटना, नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन- एक एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन
26. सी1-सी2 ट्रांसआर्टिकुलर स्क्रूज के साथ एटलांटोएक्सियल फ्यूजन का पूर्वव्यापी विश्लेषण
27. चियरी मेलफार्मेशन के लिए ड्यूरोप्लास्टी बनाम पोस्टेरियर इंस्ट्रूमेंटिड फिक्सेशन के साथ फोरामेन मैग्नम डीकंप्रेशन की क्षमता की तुलना में प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड ट्रायल
28. ट्रॉमेटिक इंजरी टू सीवीजे एंड पोस्टीरियर फोस्सा: ए सिंगल-इंस्टीट्यूशन स्टडी ऑफ द डेमोग्राफिक प्रोफाइल, मैकेनिज्म ऑफ इंजरी एंड आउटकम
29. कुशिंग रोग में नैदानिक व्यवहार की भविष्यवाणी करने में ग्रेनुलेशन पैटर्न और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री मार्करों का महत्व

पूर्ण

1. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी के रोगियों में सिनैप्टिक ट्रांसमिशन के मॉडुलेशन पर किन्यूरेनिक एसिड का प्रभाव

2. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में एपिलेप्टोजेनेसिस में ट्रांसफॉर्मिंग ग्रोथ फैक्टर बीटा सिग्नलिंग और मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेस-9 की भूमिका का निर्णय लेना
3. ग्लोमस जुगुलर ट्यूमर में गामा नाइफ की भूमिका का पूर्वव्यापी विश्लेषण
4. पूर्ण स्पाइनल कॉर्ड की चोट में अस्थिमज्जा व्युत्पन्न स्टीम कोशिका का उपचारात्मक अनुप्रयोग
5. माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तन प्रेरित दर्दनाक मस्तिष्क की चोट का अध्ययन
6. स्रावी पिट्यूटरी एडेनोमास के लिए स्टीरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी डिसफंक्शन
7. जीबीएम के लिए समवर्ती टेमोजोलोमाइड के साथ प्राइमरी गामा-नाइफ
8. सर्वाइकल एलाइनमेंट के बाद सर्वाइकल लेमिनोप्लास्टी
9. लैमिनोप्लास्टी के बाद सर्वाइकल लॉर्डोसिस के नुकसान की भविष्यवाणी करने वाले कारक
10. पिट्यूटरी एडेनोमा और इसके परिणामों के लिए एंडोस्कोपिक यूनी-नॉस्ट्रिल ट्रांससेप्टल सर्जरी का मूल्यांकन
11. एनएफ2 में वेस्टिबुलर स्कवान्नोमा के लिए गामा नाइफ रेडियो सर्जरी के बाद ट्यूमर नियंत्रण और श्रवण संरक्षण
12. कीहोल सुप्राऑर्बिटल दृष्टिकोण के माध्यम से एन्यूरिज्म क्लिपिंग का सर्जिकल परिणाम
13. वैकल्पिक पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव सीटी स्कैन की उपयोगिता
14. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में अपर्याप्त मानक एमआरआई इमेजिंग है: पूर्वदर्शी विश्लेषण
15. आवर्तक और अवशिष्ट पिट्यूटरी एडेनोमा में सर्जिकल परिणामों का पूर्वव्यापी विश्लेषण
16. मिडलाइन ग्लियोमास एंड क्लिनिकल आउटकम के विभिन्न मॉलेक्यूलर सबग्रुपों में पीडीएल-1 एक्सप्रेशन और टी-सेल इनफिल्ट्रेशन का विश्लेषण
17. मिडलाइन ग्लिओमास : क्लिनिकल आउटकम और संबद्ध मॉलेक्यूलर आल्टरेशंस का एक अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. ट्यूमर से जुड़े ड्रग रेजिस्टेंस एपिलेप्सी (डीआरई) विकृति विज्ञान वाले रोगियों से ट्यूमर के ऊतकों के साथ प्लाज्मा वार्ता के अध्ययन के लिए माइक्रो प्लाज्मा जेट का विकास, बायोफिजिक्स
2. इनोवेशन और ट्रांसलेशनल रिसर्च, एनाटोमी, फारेंसिक मेडिसिन, न्यूरोरेडियोलॉजी, न्यूरोपैथोलॉजी और आईआईटी-दिल्ली में उत्कृष्टता के लिए कॉलाबोरेटिव न्यूरो-इंजीनियरिंग प्लेटफार्म : सीएसई
3. इंट्राम्यूरल मल्टी-इंस्टीट्यूशनल ग्रांट मल्टीपल डिग्रीज ऑफ फ्रीडम रोबोटिक मैनिपुलेटर फॉर मिनिमली इनवेसिव न्यूरोसर्जरी, आईआईटी-दिल्लीः मैकेनिकल इंजीनियरिंग
4. मोया मोया रोग में सेरेब्रल रक्त प्रवाह के सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, न्यूरोरेडियोलॉजी यूसीएलः गणित, हेल्थकेयर इंजीनियरिंग

5. सर्वाइकल ओस्सीफाइड पोस्टीरियर लोंगिट्युडिनल लिगमेंट के रोगियों में ऊतकों और शरीर के तरल पदार्थों में फ्लोराइड का स्तर, एनाटोमी
6. आरईएलए फ्यूज़न इन सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमास, न्यूरोपैथोलॉजी

पूर्ण

1. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (एमटीएलई) रोगियों, न्यूरोलॉजी में एटीएफ3 और टीएफजी बीटा सिग्नलिंग की भूमिका का निर्णय लेना
2. फोकल कोर्टिकल डाइसप्लेसिया सहित बाल और व्यस्क रोगियों में जीएबीएए रिसेप्टर परिवर्तन की भूमिका को समझाना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा
3. हिपोकैम्पल स्लेरोसिस, बायोफिजिक्स से संबद्ध एब्नॉर्मल साइनेप्टिक ट्रांसमिशन में नाइकोटिनिक रिसेप्टर्स की अल्फा7 और अल्फा4-बीटा2 की भूमिका
4. बीआईआरएसी बिग प्रोजेक्ट 2018-2020; सर्जिकल माइक्रोस्कोप के तहत की गई सर्जरी में उपयोग होने वाले सर्जन द्वारा नियंत्रित टच एक्टिवेटिड इरिगेशन सिस्टम के साथ एक सर्जिकल सक्शन केन्यूला का विकास, आईआईटी दिल्ली, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 121 पुस्तकों में अध्यायः 11 पुस्तकें: 1

रोगी उपचार

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग में जनरल न्यूरोसर्जिकल वार्ड जिनमें प्रत्येक यूनिट (35X2 विस्तार) के साथ दो यूनिटें हैं 23 बिस्तरों वाले दो आईसीयू हैं। ट्रामा सेंटर में अब 7 इलेक्टिव ऑपरेशन थिएटर और दो एक्सक्लूसिव ऑपरेशन थिएटर है। हम सभी न्यूरोसर्जिकल सब-स्पेशलिटीज; वैस्कुलर सर्जरी, एपिलेप्सी सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव क्रैनियल एंड स्पाइनल न्यूरोसर्जरी, पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी, फंक्शनल न्यूरोसर्जरी, न्यूरो-ऑन्कोसर्जरी, स्कल बेस और कॉम्प्लेक्स स्पाइनल सर्जरीज के लिए विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सुविधाएं प्रदान करते हैं। हमारे पास उन्नत इमेजिंग मोडालिटीज (इंट्राऑपरेटिव एमआरआई एवं ओ-आर्म) और नेविगेशनल डिवाइसेज (जैसे स्टील्थ स्टेशन एवं आरओएसए) मौजूद हैं। तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने आउटपेशेंट स्पाइन क्लिनिक भी शुरू किया है, जहां स्पाइन से जुड़ी सभी बीमारियों जैसे डिजेनरेटिव, डिफॉर्मिटी (विकृति), ट्यूमर्स आदि का उपचार होता है। यह क्लिनिक शनिवार के दिन, सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक खुला रहता है। प्रोफेसर दीपक अग्रवाल ने जय प्रकाश एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत में 100 वर्गफीट जगह में स्टेम सेल ट्रांसलेशनल एंड न्यूरोसाइंसेज लैबोरेटरी (एसटीएन लैब) स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसमें न्यूरोट्रॉमा ट्रांसलेशनल लैब, मॉलिक्यूलर लैब, स्टेम सेल प्रोसेसिंग लैब एवं इम्यूनोलॉजी लैब शामिल हैं। प्रयोगशाला के मुख्य क्षेत्र में पीएचडी स्कॉलर्स, ग्रेजुएट स्टुडेंट्स एवं रिसर्च एसोसिएट्स व नर्सेज के लिए अलग डेस्क्स हैं।

2019-2020 के दौरान उपचार किए गए रोगियों की संख्या

क्र.सं.	उपचार की सुविधा	संख्या
1.	बाह्य रोगी विभाग	
	क) कुल नए मामले	16575
	ख) कुल पुराने मामले	35784
	ग) बाल चिकित्सा नए मामले	2000
	घ) बाल चिकित्सा पुराने मामले	4499
	ङ) कुल मामले	52359
2.	निष्पादित गामा नाइफ	669
3.	शल्य चिकित्सा सीएनसी की कुल संख्या	3135
4.	ब्रेन स्यूट में मामलों की कुल संख्या	300
5.	वैकल्पिक शल्य चिकित्सा की संख्या (जेपीएनएटीसी)	1303
6.	शल्य चिकित्सा की कुल संख्या	4438

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर आशीष सूरी सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान- दिल्ली में सहायक प्रोफेसर है; कार्यकारी सदस्य; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोसर्जिकल सोसाइटीज; स्कल बेस कमेटी; महासचिव : स्कल बेस सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया।

प्रोफेसर राजिंदर कुमार 13-15 फरवरी 2020 को आयोजित 22वें एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी 'लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप' की आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य हैं; एम्स क्रेनियल एंडोस्कोपी कार्यशाला, 22-23 नवंबर 2019; कैडेवरिक स्पाइन सर्जरी कार्यशाला, अक्टूबर, 2019, एम्स, नई दिल्ली।

प्रोफेसर दीपक अग्रवाल पेरिफेरल नर्व सर्जरी (जेपीएनएस) के जर्नल के प्रधान संपादक हैं; **इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा** (आईजेएनटी) के मुख्य संपादक बने।

प्रोफेसर दीपक गुप्ता ने निम्न हेतु पीएचडी डिग्री प्राप्त की: डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन ऑफ फाइनाइट एलिमेंट एनालाइजिस मॉडल (एफईएम) ऑफ क्रानिओवर्टिब्रल जंक्शन: एक्सपेरिमेंटल बायोमैकेनिकल

कैडवरिक स्टडी (एम्स-आईआईटी संयुक्त अध्ययन); न्यूरोसर्जरी में पीएचडी प्राप्त करने के लिए पहले संकाय सदस्य (सेवा में); सितंबर 2019 को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के सदस्य के रूप में निर्वाचित; एम्स में 2 वर्षों तक रखने के बाद जगा बलिया क्रेनियोपैगस ट्विन्स को सफलतापूर्वक डिस्चार्ज कर दिया गया और उन्हें 6 सितंबर, 2019 को वापस उनके गृह-राज्य ओडिशा भेज दिया गया: यह भारत में क्रेनियोपैगस ट्विन्स की पहली सफल सर्जरी थी, जिसमें दोनों बच्चों की जान बचा ली गयी। सेपरेशन सर्जरी के लिए 125 सदस्यों की सर्जिकल टीम का नेतृत्व डॉ. दीपक गुप्ता और डॉ. एके महापात्रा ने संयुक्त रूप से किया; 2020 में विशेष रुप से प्रदर्शित, *लिम्का बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स* का संस्करण। पहली क्रानियोपैगस सर्जरी: एम्स, नई दिल्ली में न्यूरोसर्जरी विभाग से डॉ. दीपक कुमार गुप्ता और डॉ. अशोक कुमार महापात्रा के नेतृत्व में 125 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम ने 28 महीने के जुड़वां बच्चों जग्गा और कालिया को सफलतापूर्वक अलग कर दिया, जो खोपड़ी (क्रैनियम) में एक दूसरे से जुड़े हुए थे।। 28 अगस्त 2017 और 25 अक्टूबर 2017 को दो चरणों में कॉम्पलेक्स सर्जरी आयोजित की गई थी। [हैकेट बुक पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, lbr.entries@hachetteindia.com]; 29 मई 2019 को सुबह 10.30 बजे आईडीसीओ प्रदर्शनी मैदान, यूनिट-3, भुवनेश्वर, ओडिशा में माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा और मंत्रिपरिषद के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली) के लिए एडजंक्ट प्रोफेसर के रूप में चयनित 2020-2022।

डॉ पंकज कुमार सिंह 21 और 22 अक्टूबर 2019 में 9वें एम्स कॉम्पलेक्स स्पाइन लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला में थे।

डॉ. विवेक टंडन ने एम्स में वार्षिक माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला आयोजित की, जिसमें प्रतिभागियों की अच्छी भागीदारी रही और वैज्ञानिक विषय-वस्तु के लिए इसकी काफी प्रशंसा की गयी।

डॉ राजीव शर्मा मई 2019 में एम्स एमबीबीएस ऑनलाइन सीबीटी प्रवेश परीक्षा के लिए संकाय हैं; विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में सक्रिय रुचि ली; एएनटीसी 2018 के दौरान एम्स, नई दिल्ली में 13-15 फरवरी 2020 को आयोजित "माइक्रोन्यूरोसर्जरी वर्कशॉप" के लिए को-ऑर्डिनेटर की जिम्मेदारियों को देखा।

डॉ. श्वेता केडिया 14-15 मार्च 2020 को एम्स, नई दिल्ली में पहले एम्स संकाय विकास कार्यक्रम में थीं; एम्स, नई दिल्ली में 17 फरवरी 2020 को आदरणीय संकाय प्रो अर्जुन सहगल "रेडियोसर्जरी इन ब्रेन मेटास्टेसिस एंड एडवांसेज विद गामा नाइफ आईसीओएन" द्वारा गमा नाइफ में समन्वित वार्ता; एसईईजी पर वार्षिक एम्स सीओई एपिलेप्सी कार्यशाला, 12-13 नवंबर 2019; 4 अक्टूबर 2019 को न्यूरोसर्जरी, एलएचएमसी और संबंधित अस्पतालों के विभाग में संविदात्मक संकाय की चयन समिति के सदस्य; एनएसआई पाठ्यक्रम के सदस्य, 17वें इंस्ट्रक्शनल और 11वें फाउंडेशन, 28-29 सितंबर 2019, जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली; 13-15 फरवरी 2020 को 22वीं एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी 'लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप' की आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य; एम्स क्रेनियल एंडोस्कोपी कार्यशाला, 22-23 नवंबर 2019; कैडेवरिक स्पाइन सर्जरी कार्यशाला, अक्टूबर, 2019, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. दत्ताराज सावरकर ने 2019 में एमआईएस स्पाइन प्रशिक्षण के लिए यूएसए के एएएसएएन सोसाइटी से 'एएएसएएन एंबेसडरशिप अवार्ड' प्राप्त किया; डॉ. लॉरेंस लेनके (1 जून- 15 जून 2019) के न्यूयॉर्क में स्कोलियोसिस स्पाइन फेलोशिप एवं डॉ. मुनीश गुप्ता (15 मई -30 मई 2019) के तहत वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, सेंट लुइस में पूर्ण स्कोलियोसिस कॉम्प्लेक्स स्पाइन फ़ेलोशिप; पाठ्यक्रम समन्वयक और पाठ्यक्रम संकाय के रूप में, एम्स कैडेवर सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग सुविधा (एसीएसएसटी) में न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा आयोजित एम्स में क्रैनियल एंडोस्कोपी कैडेवर वर्कशॉप (6-7 अप्रैल 2019), ओपन स्कल बेस कैडेवर वर्कशॉप (20-21 अप्रैल), एंडोस्कोपिक एंडोनसल स्कल बेस वर्कशॉप (22-23 नवंबर 2019), ओपन स्कल बेस कैडेवर वर्कशॉप (30 नवंबर- 1 दिसंबर 2017), एमआईएस स्पाइन कैडेवर वर्कशॉप (16-17 जनवरी 2020), ओपन स्पाइन कैडवर वर्कशॉप (24-25 जनवरी 2020) का सफलतापूर्वक समन्वित; एंडोस्कोपिक स्कल बेस पर 12 फरवरी 2020 को प्री-एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी कैडेवर कार्यशाला को समन्वित किया गया**;** पैकेज स्टोर समिति के एक सदस्य के रूप में पैकेज की जिम्मेदारियों को प्रबंधित करना।

डॉ. मनोज फलक ने एओस्पाइन एशिया पेसिफिक सेंटर में - गंगा अस्पताल, कोयंबटूर, भारत में एओस्पाइन एशिया पेसिफिक सेंटर में 1 महीने के प्रशिक्षण (जनवरी 2020) के लिए एओस्पाइन एशिया पेसिफिक फेलोशिप 2019-2020 अर्जित किया; विशेषज्ञ समूह की बैठक- ईपीटीबी के लिए सदस्य/विशेषज्ञ (अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक) प्रशिक्षण मॉड्यूल अक्टूबर 2019 स्पाइन डिफॉर्मिटीज, मस्तिष्क और रीढ़ 2019, पुरुष, मालदीव पर अध्यक्षता सत्र।

डॉ. रमेश डोडमनी को एएएसपीएन-2019 में भाग लेने के लिए एएएसपीएन ट्रेवल फैलोशिप से सम्मानित किया गया, इनचियन, दक्षिण कोरिया में हुई बैठक; सीटीआरएफ प्रयोगशाला में आयोजित हैंड्स-ऑन कैडवेरिक स्कल बेस वर्कशॉप में संकाय प्रभारी के रूप में भाग लिया।

डॉ. सतीश वर्मा ने 26/8/2019-6/9/2019 तक प्रोफेसर सतोषी कुरोदा के तहत टॉयमा हेल्थ यूनिवर्सिटी, टॉयमा, जापान में जापान माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस ट्रेनिंग कोर्स (जे-एमओवीए) पर शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया।

डॉ. अमोल रहेजा को स्कल बेस सर्जरी के क्षेत्र में "लॉन्ग-टर्म सर्जिकल आउटकम फॉर पेट्रोक्लाइवल मेनिंजियोमास यूजिंग मोडिफाइड डॉलनेक-कवासे एप्रोच" शीर्षक से ओरिजनल वर्क प्रस्तुत करने पर बेस्ट प्लेटफॉर्म प्रजेंटेशन के लिए स्कलबेसेकॉन 2019, कोयम्बतूर, तमिलनाडु में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया; ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजुरी के क्षेत्र में "सीरम बायोमेकर्स ऐज प्रेडिक्टर्स ऑफ सेवेरिटी ऑफ इंजुरी एंड फंक्शनल आउटकम आफ्टर एक्यूट ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजुरी" शीर्षक से ओरिजनल वर्क

प्रस्तुत करने हेतु डब्ल्यूएफएनएस 2019, स्पेशल वर्ल्ड कांग्रेस, बीजिंग, चीन में *एनएसआई इंटरनेशनल ट्रैवलिंग फेलोशिप* से सम्मानित किया गया।

डॉ. राजेश मीणा ने सीटीआरएफ, प्रयोगशाला में आयोजित हैंड्स-ऑन कैडवरिक स्कल आधार कार्यशाला में संकाय प्रभारी के रूप में भाग लिया।

डॉ. शाशवत मिश्रा मायो क्लिनिक एनुअल बायपास कोर्स, 7-9 नवंबर 2019, रोचेस्टर, मिनेसोटा, यूएसए में सम्मानित अतिथि थे।

न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग

विशिष्टताएँ

1. 10 वर्ष पुराने 6 स्लाइस सी.टी. स्कैनर की जगह नवीनतम 128 स्लाइस ड्यूल ऊर्जा सी.टी. स्कैनर लगाए गए।
2. परस्पर पुनः निर्माण मॉडलिंग के साथ नवीन सीटी लो-डोज सीटी प्रोटोकोल्स की सहायता से अब डोज में 60 प्रतिशत तक की कमी और चिकित्सीय कार्यकलापों में तीव्र प्रगति संभव हो गई है और उत्कृष्ट इमेज गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। इससे विशेष रूप से बच्चों और जहां पर सांस चालू रखने के लिए इसे प्राप्त करने की आवश्यकता हो, रोगियों की अनुमति में वृद्धि हुई है।
3. नए सीटी स्कैनर की स्थापना से गाइडेड बायोप्सीज में सहायता हेतु सीटी फ्लोरोस्कोपी और विशेष रूप से एक्यूट स्ट्रोक में प्रमस्तिष्कीय परफ्यूजन आकलन हेतु सीटी परफ्यूजन आरंभ कर दिया गया है।
4. मौजूदा 1.5टी एमआर को 'साइलेंट एमआर' प्रणाली से उन्नत कर दिया है, जो साइलेंट रिस्कैन में सहायक है जिसमें रोगी लंबी अवधि तक परीक्षणों के दौरान शांत रहते हैं और सहयोग करते हैं। पहले की प्रणाली के उच्च प्रवणता वाले क्वालिंग स्विचिंग का शोर बहुत से रोगियों को विशेष रूप से हाइ-एंड अधिग्रहण तकनीक के दौरान परेशानी होती थी। इसमें सुधार के साथ इस प्रकार की परेशानी को बड़े पैमाने पर दूर कर दिया गया है और वाइड बोर मैग्नेट से विशेष रूप से रोगियों में क्लस्ट्रोफोबिया को कम किया गया है।
5. वाई - फाई सुविधा के साथ वार्डों, आईसीयू और ओपीडी कक्ष में थिन क्लाइंट्स में पीएसीएस सर्वर के उन्नयन और जांच केंद्रों की स्थापना के साथ पीएसीएस नेटवर्क एनएससी के वार्डों तथा ओपीडी कक्षों में संचालित है। रिपोर्ट, सम्पादन, साइन आउट और सभी प्रकार के अध्ययन के लिए ऑन लाइन नेटवर्क को सुगम बनाने के लिए रिपोर्टिंग कक्ष की व्यवस्था में सुधार के साथ सभी न्यूरो इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग को ऑन लाइन कर दिया गया है। सीटी, एमआरआई, यूएस एण्ड डीएसए

इत्यादि हेतु एनएससी वार्डों के ऑन लाइन से स्वतः मांग सक्रिय कर दी गई है। न्यूरोडियोलॉजी संपर्कों के लिए पीएसीएस से केस अभिलेखों की ऑटोफेचिंग सक्रिय कर दी गई है। प्राइवेट इमेजिंग फिल्मों को अब डिजिटाइज्ड कर दिया गया है और रोगी के यूएचआईडी पंजीकरण पर पीएसीएस से एकीकृत किया गया है।

शिक्षा

स्नातक-पूर्व: न्यूरोलॉजी तकनीकों का परिचय, ब्रेन ट्यूमर इमेजिंग के मूल तत्व, स्ट्रोक इमेजिंग और सीएनएस की अनुकूल विसंगतियां विषयों पर 6वें सत्र के एमबीबीएस छात्रों के लिए यूजी व्याख्यानों और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। न्यूरोलॉजी में उनकी वैकल्पिक तैनाती के दौरान न्यूरो इमेजिंग व्याख्या के मूल्य तत्वों के बारे में पढ़ाया गया।

स्नातकोत्तरः न्यूरोलॉजी विभाग में क्रमिक आधार पर तैनात एमडी रेडियोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों की रिपोर्टिंग न्यूरोइमेजिंग (सीटी और एमआरआई) और सभी न्यूरोइमेजिंग प्रोटोकॉल्स में प्रशिक्षित किया जाता है और संकाय की देख रेख में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है। डीएम (न्यूरोरेडियोलॉजी) छात्रों को सभी न्यूरोइमेजिंग प्रक्रियाओं के निष्पादन का प्रशिक्षण दिया जाता है और इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी प्रक्रियाओं में सहायता की जाती है, जिनके बारे में बाद में उनसे नियमित आधार पर चर्चा की जाती है। आईसीयू में न्यूरो-इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक प्रक्रियाओं वाले रोगियों की प्रक्रिया उपरांत देख रेख और प्रबंधन के बारे में भी उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और उनके संवादात्मक कौशलों में सुधार और संवादात्मक विकास हेतु उनके उन्मुखीकरण के लिए वार्डों, संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों तथा केस परिचर्चा का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। सीनियर रेजीडेंट्स न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले अंतः विभागीय सम्मेलनों में नियमित रूप से न्यूरोरेडियोलॉजिकल परिणाम प्रस्तुत करते हैं जिससे उन्हें क्लिनिकल न्यूरोइमेजिंग व्याख्या कौशल और प्रस्तुतीकरण की कला को सीखने में मदद मिलती है। उन्हें क्रमिक आधार पर कम से कम एक वर्ष के लिए बायप्लेन न्यूरो-इंटरवेंशनल अध्ययन हेतु भेजा जाता है और न्यूरो-एंजियोग्राफिक और न्यूरो-इंटरवेंशनल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

एसबी गायकवाड़: 16 अजय गर्ग: 13 लेवे जोसेफ देवराजन: 2

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 4

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म, अजय गर्ग, डीजीएल में क्षेत्र-विशिष्ट जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल के साथ इमेजिंग लक्षणों का सहसंबंध, 3 वर्ष, 2018-21
2. कंप्यूटर एडेड डायग्नोस्टिक सिस्टम फॉर द डिटेक्शन एंड इवैल्यूएशन ऑफ इंट्राक्रेनियल अथेरोस्क्लेरोटिक डिजीज यूजिंग कंप्यूटेड टोमोग्राफी एंजियोग्राफी, एस. लेवे जोसेफ, डीबीटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 26.08 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफिक एंजियोग्राफी और इसके नैदानिक-इमेजिंग सहसंबंधों का उपयोग करके इंट्राकैनल एथेरोस्क्लोरोटिक घावों की भूमिति की विशेषता
2. अंतःस्रावी मीलिनोन की कार्यक्षमता बनाम अंतरा-धमनी निमोडिपिन के प्रबंधन में नैदानिक वासोस्पाम सेकेंडरी को एन्यूरिस्मल उप-अरोनिओइड रक्तस्राव

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी अध्ययन में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को समझनाः चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का प्रयोग करते हुए मस्तिष्क का अध्ययन, न्यूरोलॉजी, एनएमआर

रोगी उपचार

विभाग सप्ताह के सातों दिन 365 दिनों रोगी की देखभाल करता है और सबआर्कनॉइड हैमरेज, स्ट्रोक, एक्यूट इनसेफेलोपैथीज, माइलोपैथीज, ट्रॉमेटिक अथवा इआट्रोजेनिक सेरेब्रो वेस्कुलर इंजरी आदि जैसे आपातकालीन स्थितियों में नियमित रूप से सेवाएं देता है। बाह्य रोगियों और अंतः रोगियों से प्राप्त सभी सीटी स्कैन अनुरोधों को उसी दिन किया जाता है और प्रायः तत्काल किया जाता है, ताकि रोगी के उपचार हेतु तुरंत निर्णय लिए जा सके। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है। न्यूरोसाइंसेज केंद्र में आने वाले रोगियों के प्रमस्तिष्कीय एवं वेस्कुलर अध्ययन हेतु ईएनटी और ओफ्थेल्मोलॉजी जैसे अन्य अनेक विभागों में भी नियमित रूप से डीएसए किए जाते हैं इस प्रकार से न्यूरो साइंसेज के रोगियों के साथ साथ ईएनटी, ऑफ्थैल्मोलॉजी पीडियाट्रिक्स, कार्डियोलॉजी, अन्य के साथ साथ ऑर्थोपीडिक्स का भी नियमित आधार पर न्यूरोइंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक संचालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल सीटी स्कैनर की उपयोग कर आईसीयू अथवा वैंटिलेटर वाले रोगियों का सीटी स्कैन किया जाता है। डिजिटल एक्स-रे यूनिट अथवा सीआर यूनिट का उपयोग कर नियमित आधार पर एक्स-रे किए जाते हैं और इमेज पीएसीएस नेटवर्क पर अपलोड की जाती हैं। जब भी आवश्यक होता है

न्यूरोसाइंसेज सेंटर के अस्वस्थ और चलने फिरने में असमर्थ रोगियों का वार्डों और आईसीयू में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड किया जाता है। सभी परामर्शदाता और रेजीडेंट्स आईपी आधारित प्रोटोकोल के माध्यम से पीएसीएस इमेजों को प्राप्त करते हैं और इस प्रकार से इंटरनेट अथवा अपना स्मार्ट फोन उपयोग कर कहीं से भी इमेजों को देखा जा सकता है। उच्च रिजोल्यूशन डिकॉम कम्पैटिबल प्रोजेक्शन प्रणाली का उपयोग कर बहु विधीय इमेज अवलोकन हेतु विभागीय सम्मेलन कक्षों में सुधार किया गया है, ताकि चिकित्सीय परामर्शदाता और रेजीडेंट्स बड़ी प्रोजेक्शन स्क्रीन पर अपने रोगियों की इमेजों को काल क्रमानुसार और तुलनात्मक रूप में आसानी से देख सकें। यहां तक कि पुरानी और स्कैन की गई इमेजों को प्रभावी रूप से तत्काल देखा जा सकता है जो शीघ्र निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होती हैं।

वर्ष 2019-20 के दौरान न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं का निष्पादन

सीटी स्कैन		21929
डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी	थेराप्यूटिक न्यूरो - इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं: (सेरेब्रा एरिन्यूज्म, सेरेब्रल एंड स्पाइनल एवीएम एम्बोलाइजेशन, कैराटाइड रेवेस्कुलराइजेशन आदि)	370
	डायग्नोस्टिक डीएसए	945
	कुल	**1315**
अल्ट्रासाउंड जांच / डोपलर अध्ययन		**2899**
एमआरआई		6121
एक्स-रे		**8017**
पोर्टेबल एक्स-रे		**6857**
विडर		**18502**
डेटा माइग्रेशन		**4060**

वर्ष के लिए योग = 69700

रोगी देखभाल निर्णय लेने के लिए न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलनों के मामलों पर चर्चा की और समीक्षा की

	मामलों की सं.	**साप्ताहिक आवृत्ति**	**कुल**
एपिलेप्सी मामले सम्मेलन	10@	2	20/सप्ताह
न्यूरोसर्जरी सम्मेलन	40@	4	160/ सप्ताह
न्यूरोलॉजी सम्मेलन	25@	6	150/ सप्ताह
न्यूरोपैथोलॉजी सम्मेलन	4@	सप्ताह में दो बार	8/ सप्ताह
		Total	338/ सप्ताह

कुल = 17,576 प्रति वर्ष मामले

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर शैलेश बी गायकवाड़ को हाल ही में 21-24 अक्टूबर, 2019 को नेपल्स, इटली में संपन्न वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ थिरेप्यूटिक एंड इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी (डब्ल्यूएफआईटीएन) के 15वें सम्मेलन; विभाग द्वारा 31 अक्टूबर-3 नवंबर, 2019 को हॉलिडे इन, एयरोसिटी, न्यू दिल्ली में विभाग द्वारा पुन: आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के 21वें वार्षिक सम्मेलन के दो सत्रों का सभापतित्व करने हेतु आमंत्रित किया गया। 20 अंतर्राष्ट्रीय (14 देशों के) और 68 राष्ट्रीय फैकल्टी सदस्यों सहित 305 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. हर्षवर्द्धन जी, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी व पृथ्वी विज्ञान मंत्री की गरिमामय उपस्थिति रही; शिक्षाप्रद व्याख्यानों के अलावा, प्रतिभागियों को न्यूरोइमेजिंग एवं न्यूरोइंटरवेंशन तकनीकें सीखाने के लिए प्रायोगिक कार्यशालाएं आयोजित की गयीं: सत्र 9 के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग पर विशेष ध्यान दिया गया, प्रख्यात वक्ताओं के 6 व्याख्यान हुए, 2-1/2 घंटे की अवधि के, अमेरिका के प्रोफेसर अदनान सिद्दिकी और यूरोप के डॉ. आइरिस ग्रुनवाल्ड एवं डॉ. ग्युला गाल। दिल्ली मेडिकल काउंसिल ने इस बैठक को 27 सीएमई क्रेडिट पॉइंट्स दिये; डॉ. शैलेष गायकवाड़ ने आईएसएनआर के सामान्य निकाय द्वारा दिये गये शासनादेश के अनुसार लगातार तीसरे वर्ष आईएसएनआर के ये प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन आयोजित किये, जो लगातार तीन सम्मेलनों के आयोजन के प्रति सोसाइटी के संस्थापक सदस्यों की आस्था व विश्वास को दर्शाता है, जो कि आईएसएनआर के इतिहास में अभूतपूर्व है; "दूसरी अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशाला" के मुख्य समन्वयक, 18-20 मई 2019, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज एंड हॉस्पिटल, ढाका, बांग्लादेश; तीसरी अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशाला के मुख्य समन्वयक, 24-25 फरवरी, 2020, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज एंड हॉस्पिटल, ढाका, बांग्लादेश: उन्हें बांग्लादेश के प्रतिष्ठित संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज एंड हॉस्पिटल, ढाका में "अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशालाएं" आयोजित करने हेतु आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने कार्यशाला के प्रमुख समन्वयक की भूमिका निभायी। भारत-अमेरिका के कुल चार संकाय इस मीटिंग में शामिल हुए और उनमें से प्रत्येक फैकल्टी ने 4 व्याख्यान दिये; इस प्रकार, कार्यशाला के दौरान कुल 16 व्याख्यान दिये गये, 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। संस्थान के निदेशक ने वक्ताओं को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इस बैठक को हमारी अपेक्षाओं से बढ़कर फीडबैक मिला। 100 बेड की एक डेडिकेटेड स्ट्रोक यूनिट, अस्पताल में सफलतापूर्वक चल रही है; दुनिया के उभरते देशों के लिए कौशल विकास पहल। क्लिनिकल मेडिसिन में इमेज गाइडेड थेरेपीज पर सीएमई, मालदीव गणराज्य: 20-21 जनवरी, 2020.

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

विशिष्टताएं

4063 न्यूरो सर्जिकल प्रक्रियाओं (2760 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 1303 जेपीएनएटीसी पर) के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। 662 न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं (एंजियोग्राफी लैब में 378 और एमआरआई सूट में 284) के लिए भी एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। गामा नाइफ थेरेपी प्राप्त करने वाले 1 रोगियों के लिए एनेस्थेटिक मैनेजमेंट किया गया। 5711 आईसीयू रोगियों (4393-एनएससी; 1318-टीसी3 आईसीयू, जेपीएनएटीसी) के गहन देखभाल प्रबंधन का निष्पादन किया गया था। कुल 5683 रोगियों को एनएससी में पूर्व संवेदनाहरण चेक-अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में देखा गया था। दर्द क्लीनिक ओपीडी, एनएससी में कुल 737 रोगियों (153 नए और 584 पुराने) को देखा गया था और उनमें से 372 का उपचार तंत्रिका ब्लॉक प्रक्रियाओं में किया गया था।

पाँच प्रत्याशियों को डीएम (न्यूरो एनेस्थियोलॉजी) डिग्री प्रदान की गई थी और एक प्रत्याशी को न्यूरोक्रिटिकल देखभाल में अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था। सात नए प्रत्याशियों ने डीएम पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था और एक प्रत्याशी न्यूरोक्रिटिकल देखभाल अध्येतावृत्ति मामलों में शामिल हो गए। छत्तीस वरिष्ठ रेजीडेंटों (अकादमिक और गैर-अकादमिक दोनों) को विभाग में प्रशिक्षण मिला। अन्य तंत्रिका संवेदनाहरण विभागों के 24 स्नातकोत्तर छात्रों (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से 10 सहित) तथा 24 वरिष्ठ रेजीडेंट्स ने न्यूरो-एनेस्थीसिया प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिक्षा

हमारे पास नियमित कक्षाएं (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस प्रस्तुति) सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 8 से 9 बजे के बीच होती हैं।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

एम्स, नई दिल्ली में 18 अक्टूबर 2019-20 अक्टूबर 2019 के दौरान एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट-2019

एम्स, नई दिल्ली में 22 अक्टूबर 2019 को एम्स केडेवरिक एयरवे

1. परक्युटेनियस ट्रेकियोस्टोमी एयरवे मैनेजमेंट वर्कशॉप 18 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
2. वैस्कुलर एक्सेस एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स 30 अक्टूबर 2019, नई दिल्ली
3. बेसिक एंड एडवांस एयरवे मैनेजमेंट एटीएलएस 2019, 19 दिसंबर 2019, ऋषिकेश
4. द्वितीय सर्वेक्षण एटीएलएस 2019, 20 दिसंबर 2019, ऋषिकेश

प्रदत्त व्याख्यान

अरविंद चतुर्वेदी: 1 **एमपी पांडिया: 1** **गिरिजा प्रसाद रथ: 8**

हिमांशु प्रभाकर: 2 **ज्ञानेंद्र पाल सिंह: 9** **आशीष बिंद्रा: 7**

नीरज कुमार: 11 **केशव गोयल: 9** **नवदीप सोखल: 6**
चारु महाजन: 2 **इंदु कपूर: 7** **सूर्या कुमार दुबे: 5**
वनिता राजगोपालन: 2

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 26

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अल्ट्रासाउंड परीक्षा के दौरान आंतरिक जुगुलर नस के दबाव को मापने के लिए नोवल दबाव मापने वाले उपकरण का विकास और सत्यापन, नीरज कुमार, एम्स + आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2019, 20 लाख रुपये
2. गंभीर मानसिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में जुगुलर वीनस ऑक्सीमेट्री पर डिकम्प्रेसिव क्रानियोक्टोमी का प्रभाव, नवदीप सोखल, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2020, 2.5 लाख रुपये
3. इंट्राक्रेनियल मेनिंजियोमास का एक्सीजन कराये रोगियों से जुड़े परिणाम पर इंट्रा-ऑपरेटिव ज्युगुलर वेनस ऑक्सिमेट्री-आधारित प्रबंधन का प्रभाव: एक प्रारंभिक अध्ययन, चारु महाजन, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 4.15 लाख रुपये
4. न्यूरोसर्जरी में मांसपेशी के एन्जाइम में बढ़ाव का अध्ययन एवं पोस्टऑपरेटिव तीव्र वृक्क चोट में उसकी प्रासंगिकताः एक प्रायोगिक अध्ययन, सूर्य कुमार दुबे, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 3 लाख रुपये
5. ग्रीवा रीढ़ की चोट के रोगियों में एक नाली के रूप में एयर-क्यू के उपयोग के बिना और बिना फाइब्रोप्टिक एंडोट्रैचियल इंटुबैशन की तुलनाः एक प्रायोगिक अध्ययन, ज्ञानेंद्र पाल सिंह, एम्स, 4 वर्ष, 2016-2020, 2.16 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पोस्टेरियर फोसा ट्यूमर एक्सिजन के लिए लाए गये बाल रोगियों में इंट्राऑपरेटिव ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर का एनआईआरएस से सहसंबंध
2. एनीयुरीस्मल एसएएच रोगियों में गोल-निर्देशित इंट्रा-ऑपरेटिव फ्लूइड थेरेपी: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
3. पोस्टीरियर फोसा सर्जरी के बाद देर से एक्स्ट्युबेशन की घटना और जोखिम कारक - एक संभावित अध्ययन
4. क्रैनियोटॉमी और ट्यूमरएक्सिजन के साथ प्रमुख रक्तस्राव के दौरान दैहिक एनआईआरएस कैक्युइस में परिवर्तन: एक अवलोकन अध्ययन

5. सुप्राटेंटोरियल एक्यूट आइसेमिक इनफार्क्ट के लिए डिकंप्रेसिव क्रेनिएक्टॉमी कराने वाले वयस्क रोगियों में प्रॉपोफॉल टोटल इंट्रावेनस एनेस्थेसिया या सेवोफ्लुरेन बैलेंस्ड एनेस्थेससिया के फंक्शनल न्यूरोलॉजिकल परिणाम की तुलना: एक यादृच्छिक, नियंत्रित पायलट अध्ययन।
6. पोस्टीरियर फोसा सर्जरी के बाद देर से एक्स्ट्युबेशन की घटना और जोखिम कारक - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
7. मोयामोया बीमारी वाले रोगियों में रिजनल सेरेब्रल ऑक्सीजेनेशन पर सर्जिकल रीवैस्क्युलराइजेशन का प्रभाव
8. गंभीर ब्रेन हेमरेज के बाद ब्रेन डेथ के मूल्यांकन के पूर्व-सूचक के रूप में नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी
9. मेटाबोलिक मानकों की दृष्टि से 0.9% नॉर्मल सेलाइन, स्टेरियोफंडिन, एवं प्लाज्मालाइट की तुलना और सुप्राटेंटोरियल क्रेनियोटॉमी कराने वाले रोगियों में ब्रेन रिलैक्सेशन
10. सामान्य एनेस्थेसिया में ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर पर एंड टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का आकलन
11. सुप्राटेंटोरियलक्रानियोटमी में इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी के पास इंट्राऑपरेटिव सोमेटिक साइट में परिवर्तन: एक संभावित अध्ययन
12. सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंट्यूबेशन के लिए मानक ब्लेड और मैकिनतोश लेरिंजियोस्कोप के साथ डी-ब्लेड, सी-मैक वीडियो- लेरिंजियोस्कोप सहित सी-मैक वीडियो-लेरिंजियोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक अध्ययन।
13. मैकेनिकल वेंटिलेशन पर न्यूरो-गहन देखभाल के रोगियों में आंतरिक जुगल वीन बनाम सबक्लेवियन वीन (सुप्राक्लेविकुलर दृष्टिकोण) के अल्ट्रासाउंड निर्देशित कैनुलेशन की तुलना। एक यादृच्छिक अध्ययन।
14. सामान्य संज्ञाहरण के तहत ऑप्टिक तंत्रिका आच्छद कोशिका व्यास पर अंत ज्वारीय कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करना (गाइड)
15. मस्तिष्क में गंभीर दर्दनाक चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन इंफ्युजन का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित प्रायोगिक अध्ययन (सह-गाइड)
16. पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार के साथ रोगियों में क्षेत्रीय सेरेब्रल ऑक्सीकरण पर न्यूरोरेडियोलॉजिक हस्तक्षेप का प्रभावः एक अवलोकनात्मक अध्ययन
17. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के पूर्वानुमानक मार्कर के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस घाटे और ग्लूकोज के स्तर
18. कॉरेलेशन ऑफ एनआईआरएस विद इंट्राऑपरेटिव ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स पोस्टेड फॉर पोस्टीरियर फोस्सा ट्यूमर एक्सिजन
19. ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बाद की कार्डियोवेस्कुलर जटिलताएं।
20. सिर की चोट वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन विफल रहने के जोखिम कारकों और कारणों का अध्ययन करना

21. मस्तिष्क में गंभीर रूप से दर्दनाक चोट (टीबीआई) वाले रोगियों में ज्युगुलर वीनस ऑक्सिमेट्री (एसजेवीओ2) पर डिकम्प्रेसिव क्रैनिएक्टोमी का प्रभाव - एम्स द्वारा वित्तपोषित, 5 लाख रुपये
22. इंट्राक्रेनियल ट्यूमर सर्जरी कराने वाले रोगियों में डीप वेन थ्रोम्बोसिस की घटना और जोखिम कारक - एक संभावित अध्ययन
23. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी में प्रोग्नोसिस के लिए जीसीएस-पुपिल्स स्कोर का आकलन - सीओएमए अध्ययन
24. स्पाइनल इंस्ट्रूमेंटेशन सर्जरी के रोगियों में नैदानिक परिणाम पर इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल मॉनिटरिंग का प्रभाव - एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
25. सर्वाइकल स्पाइन इंजुरी (सी1-सी5) वाले रोगियों को वेंटिलेटर से हटाते समय द अलग-अलग टाइडल वॉल्युम्स (6-8 मिलीलीटर/किग्रा बनाम 12-15 मिलीलीटर/किग्रा) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
26. पेडियाट्रिकन्यूरोइंटेंसिव केयर रोगियों में रोगाणुरोधी दवाओं के लिए मल्टीड्रग प्रतिरोध की दर
27. बचपन की मोयामोया बीमारी में प्रमस्तिष्क ऑक्सिजिनेशन पर प्रोपोफोल बनाम सेवोफ्लुरेन का प्रभाव - नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी [एनआईआरएस] अध्ययन
28. स्पाइन सर्जरी में ब्लड ट्रांसफ्यूज़न के लिए नॉन-इनवेसिव हीमोग्लोबिन आकलन का उपयोग; पारंपरिक हीमोग्लोबिन आकलन विधि के साथ तुलना-एक प्रायोगिक अध्ययन
29. मस्तिष्क में लगी दर्दनाक चोट वाले रोगियों में मिडलाइन शिफ्ट [एमएलएस] का आकलन करने के लिए ट्रांसक्रेनियल सोनोग्राफी [टीसीएस] और कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी [सीटी] स्कैन के बीच तुलना
30. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी में प्रोग्नोसिस के लिए जीसीएस-पुपिल्स स्कोर का आकलन - सीओएमए अध्ययन
31. डिसफ्लुरेन एनेस्थीसिया के तहत एपिलेप्सी सर्जरी वाले रोगियों में ईसीओजी पर डेक्समेडेटोमाइडिन पर प्रभाव। (सह-गाइड)। पूर्ण
32. एनीयूरीस्मल एसएएच रोगियों में गोल निर्देशित इंट्राऑपरेटिव फ्लूइड थैरेपी: एक भावी यादृच्छिक अध्ययन (सह-गाइड)। जारी
33. अवेक क्रैनियोटॉमी के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडेटोमाइडीन बनाम प्रोपोफॉल इन्फ्यूज़न की प्रभावशीलता की तुलना
34. शल्य चिकित्सा प्रबंधन के दौर से गुजरने वाले जिआंट इंट्राक्रैनियल एन्यूरिज्म के आउटकम भविष्यवाणियां: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
35. सामान्य एनेस्थेसिया के जरिए स्पाइन सर्जरीज कराये बुजुर्ग रोगियों में 3 वेंट्रिकल विड्थ प्रेडिक्ट पोस्ट-ऑपरेटिव काग्निटिव डिसफंक्शन में परिवर्तन संभव: एक प्रत्याशित अवलोकनात्मक आरंभिक (पायलट) अध्ययन
36. एन्यूरिज्मल सबआर्कनॉइड हेमोरेज में रोगनिरोधी मार्कर के रूप में लाल रक्त कोशिका वितरण विस्तार
37. एक्यूट ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी में रोगसूचक मार्कर के रूप में लाल कोशिका वितरण विस्तार

पूर्ण

1. थोरेकोलंबर स्पाइन सर्जरी कराये रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मोटर इवोक्ड पोटेंशियल पर प्रॉपोफॉल और केटोफोल की तुलना
2. इंडोस्कोपी ट्रांसफेनॉयडल पिट्युटरी सर्जरी कराने वाले मरीजों में रिएक्शंस की संभावना को कम करने हेतु नॉर्मल सेलाइन की तुलना में इंट्राट्रेचियल लिग्नोकैन का मूल्यांकन
3. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में इंट्राक्रैनियल प्रैशर माप की इनवेसिव और नॉन- इनवेसिव तकनीक के बीच सहसंबंधः एक अवलोकनात्मक अध्ययन
4. स्पाइन सर्जरी वाले रोगियों में कफ रिसाव मात्रा पर मानक तरल पदार्थ रेजिमेन बनाम लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा के प्रभाव की तुलना
5. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में उभरती प्रतिक्रिया को कम करने के लिए इंट्राट्रैकीयल लिग्नोकेन का उपयोगः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (सह-गाइड)
6. कोराकुलम्बर स्पाइन सर्जरी कराने वाले रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मोटर से उत्पन्न क्षमता पर प्रोपोफॉल और केटोफॉल की तुलना
7. पेरक्युटेनियस ट्रैचियोस्टोमी ऑन ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर [टीओएनएस ट्रायल] का प्रभाव
8. पेरिऑपरेटिव एनेस्थेटिक मैनेजमेंट और रोबोटिक स्टीरियोटैक्टिक असिस्टेड (आरओएसए) इंट्राक्रेनियल प्रविधियों में परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक: पूर्वव्यापी विश्लेषण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कार्डियक रिद्म पर एन्यूरिज्मल सुबैरैक्नॉयड हेमरेज के बाद सेरिब्रल वैसोस्पैज्म के लिए स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक का प्रभाव, एक होल्टर-आधारित अध्ययन, कार्डियोलॉजी
2. अल्ट्रासाउंड परीक्षा एम्स+ आईआईटी दिल्ली के दौरान आंतरिक जुगुलर नस के दबाव को मापने के लिए नोवल दबाव मापने वाले उपकरण का विकास और सत्यापन
3. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होना: एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, वाइनीपेग, कनाडा
4. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआई) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इम्प्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच आर) की प्रभावशीलता पर भावी अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान, जेपीएनएटीसी, एम्स
5. रेफरल इंडियन अस्पताल में ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शंस (बीएसआई) की निगरानी, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, जेपीएनटीसी, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 55 सारः 12 पुस्तकों में अध्यायः 19 पुस्तकेः 8

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर अरविंद चतुर्वेदी, एनुअल न्यूरोएनेस्थैसिया एंड न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट **2019** और एडवांस्ड इंटरवेंशनल मैनेजमेंट ऑफ पेन कॉन्फ्रेंस **2019** की यूएसजी एवं कैडेवेरिक पेन वर्कशॉप के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन (आयोजन अध्यक्ष) थे**;** भारत में डीएम न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी पाठ्यक्रम के निरीक्षण और प्रत्यायन के लिए एमसीआई निरीक्षक के रूप में चयनित; सुल्तान कुआबूस विश्वविद्यालय मेडिकल जर्नल एसक्यूयूएमजे, ओमान, जेओएसीपी, जेएनएसए के समीक्षक।

प्रोफेसर मिहिर प्रकाश पांडिया आईएसएनएसीसी (इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर) की अनुसंधान समिति के अध्यक्ष के रूप में बने हुए हैं; 19 दिसंबर, 2019 को एसआरएमसी, पोरुर, चेन्नई में न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी में आईएसएनएसीसी पीडीएफ पाठ्यक्रम की मान्यता के निरीक्षण के लिए एक समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर आर.एस. चौहान ने 18-20 अक्टूबर 2019 तक नई दिल्ली, भारत में आयोजित एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 31 जनवरी 2020 से 2 फरवरी 2020 तक तमिलनाडु के महाबलीपुरम में आईएसएनएसीसी 2020 में प्रतिष्ठित जीआर गोड ओरेशन की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर जी.पी. रथ को सोसाइटी फॉर न्यूरोसाइंस इन एनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (एसएनएसीसी**,** यूएसए) बार्ड ऑफ डाइरेक्टर्स में निदेशक के रूप में चुना गया**;** साइंटिफिक एंड कम्यूनिकेशन कमिटीज ऑफ द एसएनएसीसी के सदस्य और एसएनएसीसी न्यूजलेटर्स के सहायक संपादक के रूप में अपना योगदान देते रहे। फोनिक्स**,** यूएसए में एसएनएसीसी एनुअल मीटिंग 2019 में ट्रांसक्रेनियल डॉप्लर (टीसीडी) कार्यशाला आयोजित की। एशियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसीसी) के ईएक्ससीओ सदस्य (भारत) और इसके वेब एडिटर के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। "न्यूरोएनेस्थेसिया एंड न्यूरोक्रिटिकल केयर (एनएएनसी) रिफ्रेशर कोर्स" का आयोजन किया**,** और आयोजन (वैज्ञानिक) समिति के सदस्य के रूप में **"**एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया न्यूरोक्रेक्टिव केयर अपडेट 2019**"** के लिए सक्रिय रूप से योगदान दिया। जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएसीसी)**,** इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए**)** के संपादकीय बोर्ड के सदस्य**,** न्यूरोलॉजी इंडिया**,** द इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम**,** इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया (आईजेसीए**)** के एसोसिएट एडिटर**,** और वेब एडिटर**,** इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्टियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के कार्यकारी संपादक के पद जारी रखें। मिनेर्वा एनेस्टेसियोलॉजिका, जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थिसियोलॉजी**,** न्यूरोक्रिटिकल केयर**,** बीएमसी एनेस्थिसियोलॉजी और जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया के रूप में जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के सहकर्मी-समीक्षक, एनेस्थीसिया एस्सेस और रिसर्चर्स (एईआर) और एनेस्थिसियोलॉजी और दर्द चिकित्सा (एएपीएम) के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवा करना जारी रखें। मृत अंग और उत्तक दान हेतु

नर्सेज एवं रेजिडेंट डॉक्टर्स के इन-सर्विस प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओआरबीओ, एम्स द्वारा आयोजित) में लगातार शामिल रहे (कोर फैकल्टी के रूप में)।

डॉ. जी.पी. सिंह को 3 अगस्त 2019 को चेन्नई में वीनस इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड (वीआईआरए-2019) द्वारा **"एनेस्थिसियोलॉजी में उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार"** से सम्मानित किया गया; जर्नल ऑफ़ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर के **एसोसिएट एडिटर**।

डॉ. आशीष बिंद्रा जवाहर लाल सभागार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान, नई दिल्ली में 18 से 20 अक्टूबर 2019 तक एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट के लिए आयोजन सचिव थे; 22 अक्टूबर 2019 को कैडवरिक ट्रेनिंग एंड रिसर्च फैसिलिटी, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, नई दिल्ली में एम्स-एआईएम पी, कैडवेरीक इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. नीरज कुमार अध्येतावृत्ति कार्यक्रम कर रहे हैं: (सीएमईटीआई - पार्ट टाइम क्लिनिकल रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन) एम्स, नई दिल्ली में सत्र के लिए, जनवरी 2019. आधारित चिकित्सा; प्रशिक्षक (संकाय) - एटीएलएस, एएनसी, एसीसीसी, एम्स - ईएम-सोनो, ऑटो, एम्स कैडवर वायुमार्ग; ऑर्बो टीम के एक संकाय के रूप में अस्पताल कर्मचारियों के बीच ज्ञान वृद्धि एवं जागरूकता फैलाने में तथा सक्रिय रूप से अंग प्राप्त करने से संबंधित प्रक्रियाओं में भी शामिल हैं; जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में कैडवेरिक एयरवे मैनेजमेंट कोर्स का **पाठ्यक्रम निदेशक** - (18 अक्टूबर 2019); **आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य** एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट 2019.

डॉ. केशव गोयल को एमडी संवेदनाहरण विज्ञान के लिए मध्य प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (एमपी) के बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था; एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस) इंस्ट्रक्टर रीसर्टिफिकेशन, अप्रैल 2019; इमरजेंसी न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (ईएनएलएस) इंस्ट्रक्टर रिसर्टिफिकेशन; पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ और यशोदा अस्पताल, हैदराबाद में राष्ट्रीय समाज (आईएसएनएसीसी) 2019 द्वारा संबद्ध पहले एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी) के पाठ्यक्रम निदेशक सह राष्ट्रीय समन्वयक; एसएनएसीसी, यूएसए की ट्रेनी इंगेजमेंट कमिटी के सदस्य; श्वसन और पल्मोनरी मेडिसिन के इंटरनेशनल जर्नल के समीक्षक; आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य: एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया और तंत्रिका संबंधी देखभाल अद्यतन 2019, दूसरी एवं तीसरी एक्यूट न्यूरो देखभाल (एएनसी); पाठ्यक्रम निदेशक और कोऑर्डिनेटर, कैडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल अपडेट 2019 में क्विज मास्टर।

डॉ. नवदीप सोखल को बेस्ट पेपर अवार्ड मिला - हमारे छात्रों द्वारा मेरे एक पेपर "थोरैकोलम्बर सर्जरी कराने वाले रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मोटर इवोक्ड पोटेंशियल्सर (TcMEPs) पर प्रॉपोफॉल एवं कीटोफॉल की तुलना" की प्रस्तुति पर चेन्नई में आईएसएनएसीसी 2020 में बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त हुआ है; पाठ्यक्रम निदेशक - 8-9 दिसंबर 2018 को पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में असफल "एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स फॉर इंटर्न्स" का आयोजन किया गया। इस कोर्स में, इंटर्न्स और रेजिडेंट्स को विभिन्न जीवनरक्षक कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया, जैसे कि बेसिक एवं एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट, एयरवे मैनेजमेंट,

वैस्क्युलर एक्सेस एवं मैनेक्विन्स पर क्राइकोथाइरोटॉमी और उन्हें क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट के बेसिक कंसेप्ट का प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ. वनिता राजगोपालन ने एम्स, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जाने वाली प्वाइंट ऑफ केयर क्वालिटी इंप्रूवमेंट ऑनलाइन कोर्स पूरा किया; मेडिसिन और कानून के लिए मेडिसिन और लॉ में सर्टिफिकेट कोर्स पूरा किया; इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन द्वारा प्रस्तावित व्यापक क्रिटिकल केयर ई-कोर्स (4 सी) पूरा किया; समीक्षा के लिए लेख: जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, न्यूरोलॉजी इंडिया।

नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान

विशिष्टताएँ

तंत्रिका मनोचिकित्सा विभाग, तंत्रिका विज्ञान केन्द्र को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली। छात्रों के उत्साह और तत्परता ने 'देखभाल के मानक' को पूरा करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। उनकी टीमों के साथ देने से इस तरह की सेवा के परिणामों को यह मान्यता पाने में मदद मिली। तंत्रिका मनोचिकित्सा संकाय को ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी के लिए डेवलपमेंट ग्रुप (नॉन-फ़ार्माकोलॉजी सेक्शन) का सदस्य बनने के लिए नामांकित किया गया और सदस्य बनाया गया। यह नामांकन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के टीबीआई पुनर्वास कार्य समूह के सदस्यों के लिए है: 'पुनर्वास 2030- कार्रवाई का आह्वान' के तत्वावधान में। नामांकन भारतीय फ़ेडरेशन ऑफ़ न्यूरोरीहेबिलिटेशन (आईएफएनआर) द्वारा किया गया और वर्ल्ड फ़ेडरेशन ऑफ़ न्यूरोरीहेबिलिटेशन (डब्ल्यूएफएनआर) ने इसका समर्थन किया। संकाय ने संस्थान की आचार समिति, इंस्टीट्यूट ऑफ़ होम इकोनॉमिक्स, (दिल्ली विश्वविद्यालय), 2017-2019 के सदस्य के रूप में भी काम किया।

- तंत्रिका मनोचिकित्सा ने सम्मानित अंतःविषय टीम के एक भाग के रूप में सक्रिय रूप से अनुसंधान में भाग लिया है। ये छात्रों को चिकित्सीय मनोविज्ञान पढ़ाने में शामिल रहे हैं (स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी)।

शिक्षा

- अंडरग्रेजुएट टीचिंग / बीएससी
  - बीएससी (ऑनर्स / पोस्ट सर्टिफिकेट) नर्सिंग
  - पोस्ट सर्टिफिकेट प्रथम वर्ष
- पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग
  - क्लीनिकल टीचिंग / ट्यूटोरियल (लगभग 12-16 घंटे / सप्ताह)
  - लघु अवधि प्रशिक्षण (नैदानिक न्यूरो मनोविज्ञान): एम्सः 2

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आशिमा नेहराः 5

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 2

1. शर्मा पी, नेहरा ए, श्रीवास्तव एके, गोयल वी, दास डी, राजन आर, एट अल। पार्किन्सन्स डिजीज के रोगी के लाइफ एवं मोटर सिंप्टॉम्स की गुणवत्ता में सुधार हेतु सर्वश्रेष्ठ आरटीएमएस (rTMS) प्रोटोकॉल क्या हो सकता है? 45वें नेशनल एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट्स की व्यवस्थित समीक्षा, 25-27 मई 2019, देहरादून।
2. नारायण ए, नेहरा ए, श्रीवास्तव एके, गोयल वी, दास डी, राजन आर, एट अल। क्या पार्किंसन्स डिजीज के रोगियों के मूड एवं कॉग्निशन में आरटीएमएस (rTMS) से सुधार आ सकता है? 45वें नेशनल एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट्स की व्यवस्थित समीक्षा, 25-27 मई 2019, देहरादून।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पार्किन्संस रोग के रोगियों की दैनिक जीवनचर्या, व्यवहारिक एवं बोधात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियां पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना, आशिमा नेहरा, डीएसटी, 2021,

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पार्किन्संस रोग के रोगियों की दैनिक जीवनचर्या, व्यवहारिक एवं बोधात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियों पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना
2. ड्रग रिफ्रेक्टरी मिर्गी वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक तंत्रिका शरीर क्रियात्मक पुनर्वास का विकास और दक्षता: एक यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण

पूर्ण

1. सीज़ोफ्रेनिया के मरीजों में संज्ञानात्मक कार्य में प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक कम्प्यूटरीकृत न्यूरोकॉग्निटिव रीमेडिएशन पैकेज और चरण II परीक्षण का विकास

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. आघात एवं संज्ञानात्मक पतन के कारणों को उद्घाटित करने के लिए एक जनसंख्या आधारित पूर्वानुमानिक कोहार्ट अध्ययनः एक क्रॉस-कल्चरल परिदृश्य एम्स-ईआरएएसएमयूएस कोहोर्ट स्टडी। (अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक परियोजना) न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, कम्युनिटी मेडिसिन, न्यूरोरेडियोलॉजी, ओरल हेल्थ साइंसेज, न्यूरोसाइकोलॉजी, बायो-स्टैटिस्टिक्स आदि।
2. पार्किन्संस रोग के रोगियों की दैनिक जीवनचर्या, व्यवहारिक एवं बोधात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियों पर रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना, न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, बायो-स्टैटिस्टिक्स
3. ड्रग रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक तंत्रिका तांत्रिय क्रियात्मक पुनर्वास का विकास और दक्षताः एक यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण, न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, न्यूरोरेडियोलॉजी, बायो-स्टेटिस्टिक्स

पूर्ण

1. स्किज़ोफ्रेनिया के मरीजों में संज्ञानात्मक कार्य में प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक कम्प्यूटरीकृत न्यूरोकॉग्निटिव रीमेडिएशन पैकेज और चरण II परीक्षण का विकास, तंत्रिका मनोचिकित्सा, तंत्रिका विज्ञान, मनोचिकित्सा, जैव-सांख्यिकी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 7

रोगी उपचार

नैदानिक तंत्रिका मनोचिकित्सा एक विशेष रेफ़रल सेवा है, जो नैदानिक उपयोग पर केंद्रित है, जिसमें ब्रेन अटैक/इंसल्ट/इंजरी के बाद मस्तिष्क के कामकाज में नैदानिक संकेतन, आकलन और संज्ञानात्मक पुनर्प्राप्ति शामिल है। मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन में नैदानिक निदान/मूल्याकंन शामिल है जिसमें नैदानिक निदान (स्वर्ण मानकों के अनुसार), व्यापक साक्षात्कार शामिल है; व्यवहारिक अवलोकन, न्यूरोसाइकोलोजिकल परीक्षणों की श्रृंखला, व्याख्या, रिपोर्ट न्यूरोसाइइकोलोजिकल फॉर्मूलेशन की रिपोर्ट जिसमें सामान्य बौद्धिकता (गोलार्द्ध मूल्यांकन), संज्ञान, उच्च स्तरीय कार्यकारी कौशल (जैसे समस्या निवारण, तर्क), ध्यान और एकाग्रता, स्मृति और सीखना, मोटर और संवेदी कौशल, पेरसेप्टू-मोटर कार्यकरण/विजुओ-स्थानिक कौशल, मनोदशा और व्यक्तित्व (ऑर्बिटो फ्रंटल कार्य), भाषा/ अफेसिया आकलन शामिल हैं। व्यक्तियों के दैनिक जीवन के मूलभूत पूर्व प्री मॉर्बिड कार्यों में सुधार करने के लिए कार्यात्मक कौशल में सुधार के लिए बुनियादी कार्य दृष्टिकोण सहित न्यूरोफिजियालॉजिकल पुन: परीक्षण;

घाटे के लिए मुआवजे सहित न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्गठन, जब कमी की कमी को न तो पुनर्गठित किया जा सकता है और न ही पुनर्स्थापित किया जा सकता है, क्लिनिक आधारित थैरेपी; घर आधारित थैरेपी। व्यक्तियों के दैनिक जीवन के मूलभूत पूर्व प्री-मॉर्बिड कार्यों में सुधार करने के लिए कार्यात्मक कौशल में सुधार के लिए बुनियादी कार्य दृष्टिकोण सहित न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनः परीक्षण; घाटे के लिए मुआवजे सहित न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्गठन, जब कमी की कमी को न तो पुनर्गठित किया जा सकता है और न ही पुनर्स्थापित किया जा सकता है, क्लिनिक आधारित थैरेपी; घर पर आधारित थैरेपी।

न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्वास, व्यावसायिक मार्गदर्शन, सहायक मनोचिकित्सा, रोगियों और परिवार के सदस्यों को निर्देशक परामर्श जो किसी भी तंत्रिका संबंधी स्थिति के प्रबंधन के मामले में रोगी देखभाल का एक महत्वपूर्ण पहलू है। ये सभी सेवाएं न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्वास (एनआर) और संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी क्लिनिक (सीडी और एमएम) के विशेष क्लिनिक के तहत आती हैं।

बाह्य रोगी सेवा (ओपीडी): *3 रजिस्ट्रियों के साथ 4 नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी ओपीडी/सप्ताह हैः*

विशेष क्लीनिक

*न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास (**एनआर**) क्लिनिक*

संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण / पुनर्गठन
मूल-भूत कौशल प्रशिक्षण
कार्यात्मक पुन: प्रशिक्षण
भाषण और भाषा पुनर्वास
मनोसामाजिक थैरेपी
मार्गदर्शन और परामर्श
व्यक्तिगत चिकित्सा
परिवार थैरेपी
व्यावसायिक मार्गदर्शन
समग्र / पारिस्थितिक दृष्टिकोण थैरेपी (रोगी की जरूरतों के आधार पर)

*संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी (**सीडीएम**) क्लिनिक*

मेमोरी आकलन
संज्ञानात्मक कमी के लिए स्क्रीनिंग
डिमेंशिया / अल्जाइमर डिमेंशिया के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास
स्मृति में गिरावट के लिए संज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण / कार्यकारी कार्यकरण
संज्ञानात्मक / स्मृति विकार के प्रबंधन
छद्म-डिमेंशिया की पहचान और उपचार
शिक्षा: रोगियों, देखभाल करने वालों, प्रशिक्षुओं, सहयोगियों, और आम जनता।

पारिवारिक मार्गदर्शन
प्रगति की निगरानी और चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया

रैफरल

रोगियों को न्यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, साइकियाट्री, जेपीएन ट्रामा सेंटर, न्यूरोअनेस्थेसिया, भौतिक पुनर्वास और औषध (पीएमआर), ईएनटी, एंडोक्राइनोलॉजी, नाभिकीय औषधि, चिकित्साधिकारी कार्यालय (चिकित्सा-विधिक प्रकरणों के लिए) आदि से रोगियों को आगे भेजा जाता है।

रोगों के बीच में अंतर करने हेतु, विशिष्ट क्षेत्रों की शक्तियों और कमियों को पहचानने के लिए भविष्य में परिवर्तन का आकलन करने के लिए क्षमताओं/दुर्बलताओं की आधाररेखा को स्थापित करने हेतु परामर्श दिए जाते हैं जो तब दुर्बलताओं की क्षतिपूर्ति के लिए शक्तियों के उपयोग हेतु, उपचार की योजना बनाने, सहायता या उपचार के लिए योजना बनाने हेतु प्रतिदिन क्रियात्मक क्षमताओं का आकलन करने के लिए उपयुक्त उपचार का निर्देश दे सकते हैं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. आशिमा नेहरा को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के डब्ल्यूएचओ-टीबीआई रिहैबिलिटेशन वर्किंग ग्रुप मेंबर (नॉन-फार्माकोलॉजिकल इंटरवेंशन के लिए) के लिए नामांकित किया गया: 'पुनर्वास 2030-कार्रवाई का आह्वान' के तत्वावधान में (भारतीय फ़ेडरेशन ऑफ़ न्यूरो-रीहेबिलिटेशन (आईएफएनआर) द्वारा नामांकित और वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरो-रीहेबिलिटेशन द्वारा समर्थित)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के डब्ल्यूएचओ-टीबीआई रिहैबिलिटेशन वर्किंग ग्रुप मेंबर (नॉन-फार्माकोलॉजिकल इंटरवेंशन के लिए) के लिए नामांकित।

कौर एच. (पूर्व छात्र), वर्तमान में टीआईएसएस, मुंबई में सहायक प्रोफेसर: इंटरनेशनल न्यूरोसाइकोलॉजिकल सोसाइटी: ट्रैवल बर्सरी अवार्ड $1500: डेनवर, यूएसए। फरवरी 2020 (उनके पीएचडी के लिए किये गये शोध कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

तंत्रिका जैवरसायन

विशिष्टताएँ

नए एमएलपीए पर आधारित आनुवांशिक नैदानिक परीक्षण शुरू किया गया: डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफ़ी-1 (डीएमडी-1), डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी-2 (डीएमडी-2), स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफ़ी (एसएमए), विल्सन परीक्षण, बीआरसीए1, बीआरसीए2/चेक2 स्क्रीनिंग, विल्सन, ईजीएफआर, और बॉयोकेमेस्ट्री, एनएससी में टीपी53।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

अशोक शर्माः 5

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टरः 2

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अर्बुदविज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग, अशोक शर्मा, एमईआईटीवाई, 2 वर्ष, 2020-2022, 292 लाख रुपये।
2. कैंसर टेस्टिस / जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और एनओटीसीएच सिग्नलिंग और ओवेरियन कैंसर में ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसका संबंध, अशोक शर्मा, आईसीएमआर-एमओएचएफडब्ल्यू, 3 वर्ष, 2019-2020, 42.5 लाख रुपये।
3. ओवेरियन कैंसर के लिए बायोमार्कर और इम्यूनोथेरैप्यूटिक लक्ष्य के रूप में जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन और जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिंग और इसकी संभावित मूल्यांकन, डीबीटी-रामालिंगास्वामी परियोजना, 5 वर्ष, 2015-2020, 32.5 लाख रुपए
4. ओवेरियन कैंसर में पेरिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-टेस्टिस / जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई अभिव्यक्ति में एक एपिजेनेटिक नियामक के रूप में परमाणु वास्तुकला, अशोक शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 55 लाख रुपए
5. ओवेरियन कैंसर में नए बायोमार्कर के रूप में कैंसर-टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई के सीरम स्तर और इंट्रा ट्यूमर अभिव्यक्ति का विश्लेषण करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन, अशोक शर्मा, डीएचआर-आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2018-2020, 25 लाख रुपये
6. एंडोमेट्रियल कैंसर के आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका संबंध, अशोक शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
7. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कैंसर-टेस्टिस एंटीजन पीओटीई के सीरम स्तर का अनुमान लगाना, अशोक शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 10 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाए

जारी

1. ओवेरियन कैंसर में कैंसर-टेस्टिस / जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी का कार्यात्मक विशेषता, अभिव्यक्ति, और नैदानिक महत्व
2. पेरिकोनोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर के एपिजेनेटिक नियामक के रूप में 3डी जीनोम आर्किटेक्चर की भूमिका - कैंसर में टेस्टीस/रोगाणु प्रतिजन पीओटीई

पूर्ण

1. एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई की क्लोनिंग और कार्यात्मक विश्लेषण
2. ओवेरियन कैंसर में कैंसर-टेस्टिस / जर्मलाइन जीन पीओटीईई के अभिव्यक्ति में डीएनए मिथाइलेशन का प्रभाव
3. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में पीओटीईबी अभिव्यक्ति पर डीएनए मिथाइलेशन प्रभाव

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ओवेरियन कैंसर में डीएनए मिथाइलेशन के साथ सिप्लेटिन संवेदनशीलता और सहसंबंध में पीएआरपी1 और गामा-ग्लूटेमाइलेस्टाइन सिंथेटिस की भूमिका, आईआरसीएच, एम्स
2. रिह्यूमेटिड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव। शरीर रचना विज्ञान
3. कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स में ट्यूबरक्यूलर मेनिनजाइटिस रोगियों के उपचार में ल्यूकोट्रियन ए4 हाइड्रोलेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म और नैदानिक परिणाम सहसंबंध की भूमिका, तंत्रिका विज्ञान
4. वृद्ध भारतीयों में एक कार्बन चयापचय और संज्ञानात्मक हानि, जराचिकित्सा
5. संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर के रूप में पुराने रोगियों के बीच नोवल प्रोटीन का अनुमान, जराचिकित्सा
6. दो या दो से अधिक असफल आईवीएफ/आईसीएसआई वाली महिलाओं में जो उन्नत नेचुरल किलर सेल स्तर के साथ हैं आरोपण दर पर इंट्रा-लिपिड पूरकता के प्रभाव का मूल्यांकन करना - एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग
7. डिम्बग्रंथि ट्यूमर और इसके नैदानिक महत्व में कैंसर में टेस्टीस/रोगाणु प्रतिजन पीओटीई की अभिव्यक्ति: एक प्रायोगिक अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग
8. एंडोमेट्रियल कैंसर के आणविक लक्षण वर्णन और इसके नैदानिक लक्षण, पैथोलॉजी के साथ सहसंबंध, पैथोलॉजी

पूर्ण

1. ट्रोफोब्लास्ट इनवेशन में पेरियोक्सीसोम प्रोलिफेरेटर सक्रिय रिसेप्टर अल्फा (पीपीएआर-अल्फा) की भूमिका, जैव रसायन

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 3

रोगी देखभाल

रूधिर विज्ञान प्रयोगशाला

क्र.सं.	विवरण	परीक्षणों की सं.
1	वार्ड हेमेटोलॉजी	64997
2	ओपीडी हेमेटोलॉजी	38687
3	पीटी	72712
4	एपीपीटी	8165

वार्ड/ओपीडी रसायन विज्ञान परीक्षण

क्र.सं.	विवरण	परीक्षण वार्ड की सं.	परीक्षण ओपीडी की सं.
1	ग्लूकोज	35,205	51,534
2	यूरिया	63,892	50,656
3	क्रिएटिनिन	64,320	51,340
4	कैल्शियम	63,777	50,278
5	फास्फ़रोस	61,343	49,267
6	यूरिक अम्ल	64,243	50,767
7	सोडियम	62,765	51,678
8	पोटैशियम	65,118	52569
9	बिलीरुबिन	62,178	50,112
10	प्रत्यक्ष बिलीरुबिन	63,321	52,432
11	टोटल प्रोटीन	61,989	51,999
12	एल्बुमिन	63221	51264
13	एएसटी	66795	50,989
14	एएलटी	66752	51,098
15	एएलपी	64281	50,108
16	कोलेस्ट्रॉल	40522	8139
17	एमाइलेस	29323	8408
18	साइक्लोस्पोरिन	247	-
19	टेक्रोलिमस	543	-

हार्मोन परीक्षण

क्र.सं.	विवरण	परीक्षणों की सं.

1	टी3	14,959
2	टी4	15,665
3	टीएसएच	16,532
4	प्रोलेक्टिन	1881
5	कोर्टिसोल	1972
6	एलएच	2098
7	एफएसएच	1930

लिपिड और एंजाइम

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षणों की सं.**
1	लिपिड प्रोफाइल	111979
2	सीके-एनएसी	19631
3	सीके-एमबी	6097
4	एलडीएच	23377
5	एएसएलओ	5781
6	डायजोक्सिन	978

ड्रग्स परीक्षण

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षणों की सं.**
1	फेनीटोइन	1628
2	वाल्पोरेट	1543
3	फेनोबार्बिटोन	244
4	कार्बामाजेपाइन	926

विशेष परीक्षण

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षणों की सं.**
1	विट बी12	5912
2	फोलेट	3572
3	होमोसिस्टीन	1823
4	फेरीटीन	1534
5	सेरुलोप्लाज्मीन	308
6	सीरम कॉपर	217
7	यूरिन कॉपर	250
8.	एसीएचआर	59
9	न्यूरोनल ए.जी.	51

10	गैंग्लीयोसाइड	16

अन्य

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षणों की सं.**
1	कैटेकोलामाइंस	519
2	वीएमए	585
3	विटामिन डी	4563
4	पीटीएच	150
5	एचबीए1सी (HbA1c)	8260
6	एनएमओ	661

सेंगर-अनुक्रमण आधारित आनुवंशिक परीक्षण:

क्र.सं.	**विवरण**	**परीक्षणों की सं.**
1.	टीपीएमटी एस्से	112
2.	बीआरसीए (एमएलपीए) + (3 संस्थापक उत्परिवर्तन अनुक्रमण)	10 +9
3.	डीएमडी (एमएलपीए)	01
4.	विल्सन (एमएलपीए)	01

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ अशोक शर्मा को नोबेल पुरस्कार शृंखला 2019 के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आमंत्रित किया गया; बिस्व बंगला कन्वेंशन सेंटर (बीबीसीसी), कोलकाता में आयोजित यंग अचीवर्स, यंग साइंटिस्ट्स कॉन्फ्रेंस (वाईएससी), 5वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ 2019) में कलोक्विअल के व्याख्यान के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और डीबीटी इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आमंत्रित; समिति के सदस्य के रूप में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-इंडियन कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीएमआर-आईसीआरसी), नई दिल्ली को स्थापित करने में भूमिका; 4 सितंबर 2019 को श्री अरबिंदो कॉलेज के विज्ञान फ़ेस्ट में 'एपिजेनेटिक्स एंड ह्यूमन डिजीज 'पर अतिथि वक्ता के रूप में भाषण; 29-30 नवंबर 2019 के दौरान ओडिशा के भुवनेश्वर, इंस्टीट्यूट ऑफ़ लाइफ़ साइंसेज में आयोजित कैंसर जीव विज्ञान और चिकित्सा शास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन में विशिष्ट वक्ता; संपादकीय और समीक्षा कार्य: कैंसर विज्ञान और कोशिका जीव विज्ञान के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, एकीकृत विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी (आईजेआईआईटी) के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; समीक्षक: आणविक रिपोर्ट, पीएलओएस वन, पीएलओएस जेनेटिक्स, पीएलओएस बायोलॉजी, बीएमसी कैंसर, कार्सिनोजेनेसिस- ऑक्सफ़ोर्ड जर्नल्स, प्रयोगशाला जांच- प्रकृति, आणविक जैव प्रणाली- आरएससी प्रकाशन, आणविक जैव प्रौद्योगिकी, आणविक और सेलुलर जैव रसायन- स्प्रिंगर।

तंत्रिकाविकृति विज्ञान

विशिष्टताएँ

वर्ष 2019-2020 में, तंत्रिका विकृति विज्ञान की इकाई उच्च स्तरीय शिक्षा और अत्याधुनिक रूप से विकसित नैदानिक सेवाओं की स्थिति को बनाए रखने में सक्षम रही है। यूनिट नियमित नैदानिक सेवाओं (कुल 2106 मामले), स्नातक, स्नातकोत्तर, डीएम और एमसीएच छात्रों के शिक्षण में संलग्न है; साथ ही तंत्रिका विकृति विज्ञान की विभिन्न उप-विशिष्टताओं में उच्च गुणवत्ता वाले शोध भी कर रही है। इस वर्ष जयपुर से मांसपेशी विकृति विज्ञान में एक संकाय और जयपुर और डीएमसी लुधियाना से दो तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया गया।

तंत्रिका अर्बुदविज्ञान में नियमित वर्क-अप में आणविक निदान और साइटोजेनेटिक वर्क-अप के लिए नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जिसमें *यथावत* संकरण, केशिका वैद्युतकणसंचलन, वास्तविक समय पीसीआर आदि शामिल हैं। डायग्नोस्टिक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल का विस्तार किया गया है और इस अवधि के दौरान कुल 8375 स्लाइड्स को चिह्नित और उनका अध्ययन किया गया है। यूनिट नियमित रूप से न्यूरोऑन्कोलॉजी और मायोपैथोलॉजी की हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट में नैदानिक महत्व के आणविक मार्करों को एकीकृत कर रही है।

तंत्रिका विकृति विज्ञान संकाय ने 3 बाह्य परियोजनाओं के लिए फ़ंड प्राप्त किया। सहकर्मी समीक्षा की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल 40 पेपर प्रकाशित किए गए।विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर शोध कार्य प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर चित्रा सरकार को तंत्रिका विकृति विज्ञान में उनके योगदान के लिए दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन से लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला।
प्रोफ़ेसर चित्रा सरकार को डब्ल्यूएचओ के तत्वावधान में CIMPACT-NOW (कंसोर्टियम टू इनफ़ॉर्म मॉलिक्यूलर एंड प्रैक्टिकल अप्रोचिस टू सीएनएस ट्यूमर टैक्सोनॉमी) की कार्यसमिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। प्रोफ़ेसर चित्रा सरकार को डब्ल्यूएचओ के सीएनएस ट्यूमर के वर्गीकरण और CIMPACT-NOW के अपडेट, 2020 में सह-लेखक के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रोफ़ेसर एम सी शर्मा और डॉ. कवनीत कौर को भी डब्ल्यूएचओ के सीएनएस ट्यूमर के वर्गीकरण, 2020 में सह-लेखक के रूप में अध्याय लिखने के लिए आमंत्रित किया गया।

शिक्षा

स्नातक पूर्व व्याख्यान और सेमिनार	प्रति वर्ष 9
अवर स्नातक पूर्व प्रायोगिक कक्षाएँ	प्रति वर्ष 3
रिपोर्टिंग सत्रों के दौरान स्नातकोत्तर (एमडी पैथोलॉजी) शिक्षण	प्रति सप्ताह 10 घंटे
शुक्रवार के सम्मेलनों में स्नातकोत्तर शिक्षण	प्रति सप्ताह 2 घंटे
न्यूरोपैथोलॉजी / न्यूरोलॉजी / न्यूरोसर्जरी सम्मेलन	प्रत्येक शुक्रवार 1.5 घंटे

एफआईएसएच प्लेटफॉर्म पर स्नातकोत्तर स्नातक (एमडी पैथोलॉजी) के छात्रों का प्रशिक्षण	वर्ष में दो बार
डीएम न्यूरोलॉजी उम्मीदवारों का 15 दिवसीय शिक्षण और प्रशिक्षण	रोटेशन के आधार पर

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- **आयोजित सम्मेलन**

  6-8 अप्रैल 2018 से एम्स, नई दिल्ली में इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (आईएसएनओसीओएन 2018) का 10वां वार्षिक सम्मेलन।

  आणविक न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला भी आयोजित की।

प्रदत्त व्याख्यान

चित्रा सरकारः 5 मेहर सी शर्माः 10 वैशाली सूरीः 3

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टरः 5

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पायलट अनुसंधान परियोजना में एचटीए के तहत डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस मेडिकल ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज (डायमंड्स), चित्रा सरकार, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 170 लाख रुपये
2. ग्लाइयोब्लास्टोमा पर्सनलाइज्ड थेरेपी के लिए व्यापक आणविक जेनेटिक पैनलों को विकसित करने के लिए एक बहु-केन्द्रीय अध्ययन। चित्रा सरकार, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2021, 50 लाख रुपये
3. जे.सी. बोस रिसर्च फेलोशिप, चित्रा सरकार, डीएसटी, 5 वर्ष, 2016-2020, प्रति वर्ष 15 लाख रुपये
4. ओलिगोडेन्ड्रोग्लिओमास में एमआईआरएनए क्लस्टर्स (सी14एमसी और सी19एमसी) की भूमिका का प्रकटीकरणः क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंधों के साथ आनुवंशिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए अध्ययन, चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 10 लाख रुपये प्रति वर्ष
5. बाल चिकित्सा एपिन्डियमोमास के रोगजनन में घोंघा पैरालोगस की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, एम.सी. शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2020, 45 लाख रुपये
6. सिक्वेंसिंग टारगेट जीन्स एम्ड एट न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर्स इन इंडिया (स्टैंड-इंडिया), एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 50 लाख रुपये

7. ट्यूमर इम्यून स्थिति: पीडीएल1 एक्सप्रेशन और सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमा में इम्यून सेल इनफिल्ट्रेशन की जांच द्वारा ट्यूमर इम्यून इंटरप्ले का मूल्यांकन और सरवाइवल परिणामों से इसका सह-संबंध, एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 35 लाख रुपये
8. स्पोरैडिक इनक्लूज बॉडी मायोसाइटिस के इम्प्रूव्ड कैरेक्टराइजेशन पर लक्षित एडल्ट-ऑनसेट आइडियोपैथिक इनफ्लेमेटरी मायोपैथिज (आईआईएम) का क्लिनकोपैथोलॉजिकल एवं सेरोलॉजिकल मूल्यांकन, एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 50 लाख रुपये
9. रूटीन मोलेक्युलर उपसमूह के लिए एक नवीन दृष्टिकोण विकसित करने हेतु जीनोमिक-एपिजेनोमिक विश्लेषण को लक्षित करना और मेनिंगियोमा में क्रियात्मक लक्ष्यों की पहचान करना, वैशाली सूरी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 42 लाख रुपये
10. मेनिंगियोमा के स्तरीकरण के लिए नए बायोमार्कर के रूप में नॉन-कोडिंग आरएनए पैनल की पहचान और इसके रोग संबंधी चिकित्सीय महत्ता का मूल्यांकन, वैशाली सूरी, 10 लाख रुपये
11. डब्ल्यूएचओ 2016 ग्लियोमा के वर्गीकरण के परिप्रेक्ष्य में प्रोटमोरीजेनिक सूजन का मोलेक्युलर प्रतिरूप, वैशाली सूरी, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये
12. रोगनिरोधी संकेतों और चिकित्सीय विज्ञान की पहचान करने के लिए मेनिंगिओमा के विभिन्न हिस्टोलॉजिकल और आणविक उपसमूहों का एकीकृत प्रतिलेखात्मक विश्लेषण, वी. सूरी, आईसीएमआर, 2019-2022, 62 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कॉर्टिकोट्रॉफ़ पिट्यूटरी एडेनोमास में ईजीएफआर-एमएपीके, एनएफकेबी और एसएचएच पाथवे एक्टिवेशन का अध्ययन
2. एपेथेलिओइड जीबीएम और पीएक्सए की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफाइल की तुलना
3. ग्लिओमास में प्रतिरक्षा जांच बिंदु मार्करों का विश्लेषण
4. मेनिंगियोमा में ईएमटी पाथवे
5. एपिथेलिओइड ग्लियोब्लास्टोमा की मोलेक्युलर प्रोफाइलिंग

पूर्ण

1. मेडुलोब्लास्टोमा के आणविक उपसमूह हेतु डीएनए मेथिलिएशन
2. आईडीएच नकारात्मक ग्लियोमा की लक्षित अनुक्रमण
3. शिशु ग्लियोमास का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन
4. ईजेडएच2-डब्ल्यूएनटी अभिव्यक्ति और ट्यूमर इनवेसिव, स्टीम सेल फेनोटाइप और पिट्यूटरी एडेनोमास की प्रगति के साथ सहसंबंध

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ग्लिओमास में फैट जीन, जैव रसायन
2. मिडलाइन ग्लियोमास की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफाइल, न्यूरोसर्जरी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 34

रोगी देखभाल

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल नमूने	2106	फ्रोजन सेक्शन	359
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन			
नियमित आईएचसी	8375	अनुसंधान आईएचसी	523
मांसपेशी आईएचसी	1699	प्राप्त कुल मांसपेशी	291
मांसपेशी एंजाइम-ऊतक रसायन	658		
स्वस्थानी संकरण में प्रतिदीप्ति			
नैदानिक	349	अनुसंधान	2722
ईएम सुविधा			
कुल मसल नमूने	288	कुल नर्व नमूने	37
इम्यूनोब्लॉट नमूने	55		

पुरस्कार, **सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं**

प्रोफेसर चित्रा सरकार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अध्यक्ष, एम्स, कल्याणी नियुक्त किया गया था; वे भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के बारे में सिफारिशें देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति की अध्यक्ष थीं; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के शासी निकाय के सदस्य; टीएचएसटीआई सोसायटी समिति के सदस्य; डीएसटी-इंस्पायर फैलोशिप स्थायी समिति के मनोनीत सदस्य; उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में 6 से 8 अप्रैल 2018 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (इसनोकोन 2018) के 10वें वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता की; उन्होंने मोलेक्युलर न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला भी आयोजित की; वे महिला शिकायत प्रकोष्ठ, एम्स की अध्यक्ष थीं; वह एम्स में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी समिति की अध्यक्ष थीं; सहयोगी अनुसंधान के लिए एम्स और अन्य संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन के समन्वयक रहीं; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत

सरकार के नैनो मिशन काउंसिल (एनएमसी) की सदस्य; सदस्य, उत्तर पूर्वी क्षेत्र जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए सर्वोच्च समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; न्यूरोपैथोलॉजी के इंटरनेशनल सोसायटी की उपाध्यक्ष; सचिव, न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया; रैनबैक्सी पुरस्कारों के लिए चयन समिति की सदस्य; आईएनएसए की सेकशनल समिति (स्वास्थ्य विज्ञान) की सदस्य; सदस्य, जर्नल न्यूरोपैथोलॉजी के संपादकीय बोर्ड (जापान से प्रकाशित); सदस्य, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों की पदोन्नति हेतु मूल्यांकन समिति; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर की शासी निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य; पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली की मानव नैतिकता समिति की सह-अध्यक्ष; तथा सदस्य, एनसीडी-III की ऑन्कोलॉजी उप-समिति, आईसीएमआर।

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय

अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति

एस राजेश्वरी

प्रभारी आचार्य, पुस्तकालय

एस एस चौहान

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष

एस शिवा चिदंबरम (26.12.2019 तक)

विशेषताएं

केंद्रीय पुस्तकालय सभी शिक्षण विभागों और केंद्रों को सूचना सेवा प्रदान करता है। पुस्तकालय 24x7 (356 दिन) खुलता है और इसमें 1,50,257 से अधिक पुस्तकें और अन्य दस्तावेज जैसे बद्ध (बाउंड) पत्रिकाएँ, पुस्तिकाएँ इत्यादि उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में पाठकों और कर्मचारियों के लिए तकनीकी और गैर-तकनीकी 2,298 हिंदी पुस्तकों का संग्रह भी है। पुस्तकालय में प्रतिदिन औसतन 320 पाठक आते हैं। पुस्तकालय जैव चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। पुस्तकालय में मुख्य रूप से ई-संसाधन (80%) उपलब्ध हैं जो किसी भी समय कहीं भी डॉक्टरों और संकाय सदस्यों के लिए उनकी विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं। लाइब्रेरी के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न ई-रिसोर्स एक्सेस और सर्विस क्रेडेंशियल का संग्रह नीचे दिया गया है:

ई-संसाधन के प्रकार	विवरण
ई-प्रकाशन	1493 विद्वतापूर्ण प्रकाशन,दंत चिकित्सा एवं मुख विज्ञान साधन (डॉस एग्रीगेटर), एनईजेएम जर्नल वॉच
ई-पुस्तकें	एक्सेस मेडिसिन, ऑक्सफोर्ड मेडिसिन ऑनलाइन (53 पाठ्यपुस्तकें), ओवीआईडी
प्वाइंट ऑफ केयर डेटाबेस	अद्यतन (कभी भी,कहीं भी), बीएमजे बेस्ट प्रैक्टिस, बीएमजे केस रिपोर्ट, एक्लैंड एनाटॉमी, मेडवन सर्जरी
ई-लर्निंग पैकेज	जैमा एविडेंस, बीएमजे रिसर्च टू पब्लिकेशंस, एचएस टॉक लेक्चर सीरीज
एब्स्ट्रैक्टिंग और इंडेक्सिंग डेटाबेस	ईएमबीएएसई, वेब ऑफ साइंस (उद्धरण विश्लेषण डेटाबेस), जरनल साइटेशन रिपोर्ट
सेवाओं संबंधी एक्सेस फेसिलिटी सॉफ्टवेयर	लिबसिस प्रेमिया (वर्जन 10) लाइब्रेरी ऑटोमेशन ईबीएससीओ डिस्कवरी सेवा (सभी सब्सक्राइब्ड ई-रिसोर्सेज के लिए सिंगल पॉइंट

	सर्च)। सभी ई-संसाधन कैम्पस रिमोटएक्स में आईपी इनेबल के माध्यम से एक्सेस किए जाते हैं, आउट-ऑफ-कैम्पस के लिए ओपनएथेंस सुविधा उपलब्ध है।
साहित्यिक चोरी सत्यापन सेवा	प्राधिकृत वेब सक्षमता

इन ऑनलाइन डेटाबेस, ई-जर्नल्स और ई-लर्निंग पैकेज को वेब-स्केल डिस्कवरी सर्विस (सिंगल पॉइंट सर्च), आईपी सक्षम एक्सेस और रिमोटएक्स सुविधा द्वारा लाइब्रेरी के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। वर्ष के दौरान, रिमोट एक्सेस सुविधा के लिए 272 नए रिमोटएक्स खाते बनाए गए। कुछ समाज-आधारित पत्रिकाओं को उपयोगकर्ता के नाम और पासवर्ड के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। आवश्यक जानकारी पुस्तकालय के वेबपेज http://www.aiims.edu/en/library.html के माध्यम से प्रसारित की जाती है: http://elibraryaiimsdelhi.remotexs.in के द्वारा संकाय सदस्यों और विद्यार्थी रेजीडेंट डॉक्टरों को ई-संसाधनों का उपयोग करने के लिए संस्थान परिसर और देश के बाहर रिमोटएक्स सुविधा प्रदान की जाती है। पुस्तकालय में अपने पाठकों के लिए साहित्यिक सत्यापन की सुविधा है और कुल प्रस्तुतियाँ 1992 (दस्तावेज 2084) हैं। पुस्तकालय का अपना एक खोज यंत्र है, जिसकी 'सिंगल पॉइंट सर्च' नाम की वेब-स्केल डिस्कवरी सेवा है, जिससे पुस्तकालय के इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के साथ-साथ पुस्तकालय होल्डिंग्स को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सके। यह डॉक्टरों के लिए एक ग्रंथ सूची प्रबंधन प्रणाली के लिए एक उपकरण के रूप में भी कार्य करता है। पुस्तकालय प्रबंधन के लिए पुस्तकालय समिति एक सलाहकार निकाय के तौर पर कार्यरत है। यह समय-समय पर डेटाबेस और पुस्तकों की खरीद के बारे में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष को सलाह देती है। वर्तमान में समिति में अध्यक्ष के रूप में प्रभारी आचार्य सहित विभिन्न विभागों के 7 आचार्य, 2 सह-आचार्य और 1 सहायक आचार्य, सदस्य और समन्वयक के रूप में प्रमुख पुस्तकालयाध्यक्ष शामिल हैं। समिति नियमित रूप से बैठक करती है।

पुस्तकालय में एक इन-हाउस सूचना संचार और प्रबंधन प्रणाली है जिसमें 3 सर्वर और 49 कंप्यूटर शामिल हैं। पुस्तकालय की अपनी वाई-फाई सेवा है, और वर्ष के दौरान लगभग 1,000 उपयोगकर्ता लाभान्वित होते हैं। पुस्तकालय लिबसिस प्रीमिया स्वचालन सॉफ्टवेयर प्रणाली का उपयोग करता है जो पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों के डेटा प्रविष्टि और पुनर्प्राप्ति का समर्थन करता है। एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सभी प्रलेखन / ग्रंथ सूची सेवाएं, साथ ही कुछ पुस्तकालय संचालन को कम्प्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय के संचालन अनुभाग द्वारा आरएफआईडी स्मार्ट कार्ड प्रणाली के माध्यम से ई-मेल के द्वारा स्वचालित रिमाइंडर सिस्टम के साथ पुस्तकों की ऑनलाइन वापसी प्रणाली को कंप्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय के पाठकों को कुल 608 आरएफआईडी स्मार्ट कार्ड जारी किए गए हैं। पुस्तकालय वर्तमान जागरूकता सेवा और संदर्भ सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय ई-संसाधन बुलेटिन, एम्स इंस्टीट्यूशनल रिपॉजिटरी बुलेटिन और न्यू बुक्स बुलेटिन आदि प्रकाशित करता है। यह वेब आधारित ओपन एक्सेस पब्लिक कैटलॉग (वेब ओपीएसी), रिप्रोग्राफी और अकादमिक साहित्य के प्रिंटआउट

जैसी सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रूप से छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और डॉक्टरों को उन्मुखीकरण और सूचना साक्षरता कार्यक्रम प्रदान करता है।

इस वर्ष पुस्तकालय ने ई-जर्नल्स, डेटाबेस, पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों, आईटी उपकरणों और सेवाओं, आदि की खरीद के लिए लगभग 1,850 लाख रुपये खर्च किए। इसमें 257 नई पुस्तकें, 1493 ई-पत्रिकाएँ, 13 डेटाबेस और 4 सुसाध्य सुविधा सेवाएँ, इत्यादि शामिल हैं। इस वर्ष, पुस्तकालय ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से अपनी ईटीडी (इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध) सुविधा शुरू की है। अब, लाइब्रेरी के पाठकों के लिए मुद्रित और सीडी प्रारूप / ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर शोध और शोध प्रबंध सुविधा उपलब्ध हैं।

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन

1. संस्थान के रेजिडेंट चिकित्सकों द्वारा अभिमुखीकरण कार्यक्रम, 9 अप्रैल 2019।
2. स्कॉलरली कम्युनिकेशन, ओवीआईडी डे वर्कशॉप, 11 जुलाई 2019।
3. विद्वानों के संचार में ई-संसाधनों का उपयोग, लाइब्रेरियन दिवस संगोष्ठी, 9 अगस्त 2019।
4. इलेक्ट्रॉनिक वातावरण में चिकित्सा साहित्य की पहुंच और उपलब्धता (एएमएलईई-2019), राष्ट्रीय सम्मेलन, 2-3 सितंबर 2019, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. एस शिवा चिदंबरम

1. "साहित्यिक चोरी और उसका सत्यापन, 'नैतिक अनुसंधान और प्रभावी रिपोर्ट लेखन पर राष्ट्रीय सम्मेलन', आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुर और राजस्थान मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन, आईआईएचएम विश्वविद्यालय, जयपुर, 20-21 अप्रैल 2019।
2. डिजिटल परिवर्तन युग में भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को जानने के लिए भारतीय स्वास्थ्य सांख्यिकी में सुधार, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में पुस्तकालयों की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, एक उभरता परिप्रेक्ष्य: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली एंड एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित, नई दिल्ली, 12 अप्रैल 2019
3. मुख्य पता: सर्चिंग स्किल इज आर्ट ऑफ लाइब्रेरियन :- डिजिटल युग में समस्या और संभावनाएं, समकालीन पुस्तकालयों में प्रौद्योगिकी और नवाचारों के संवर्धन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईटीआईसीएल-2019), अलागप्पा विश्वविद्यालय, 24-25 अप्रैल 2019।
4. डिजिटल पर्यावरण में पुस्तकालयों का निजीकरण, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर पुनश्चर्या पाठयक्रम : डिजिटल युग में विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों / पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए सतत विकास के लिए क्षमता निर्माण संवर्धन, सीपीडीएचई (यूजीसी-एचआरडीसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, 14 जून 2019।

5. डिजिटल युग में बायोमेडिकल लाइब्रेरियनशिप के लिए विद्वत्तापूर्ण योग्यता पर भूमिका और चुनौतियां, शिक्षण और शिक्षा के लिए नए उपकरणों के साथ पुस्तकालय की भूमिका बढ़ाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2 अगस्त 2019, एनबीआरसी , मानेसर।
6. रैंकिंग चिकित्सा संस्थानों में पुस्तकालयाध्यक्ष की भूमिका, संस्थानों की रैंकिंग में पुस्तकालयों की भूमिका पर लिब क्वेस्ट 2019 सेमिनार, बेनेट यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, यूपी, 23 सितंबर 2019।
7. स्वास्थ्य पुस्तकालयों में आधुनिक सूचना सेवा, स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में सूचना प्रबंधन के लिए आईटी अनुप्रयोग पर 16 वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली, 16 अक्टूबर 2019।

कार्यशाला / सम्मेलन / सेमिनार में उपस्थिति

डॉ. एस शिवा चिदंबरम

1. आर प्रोग्रामिंग के उपयोग द्वारा अनुसंधान डेटा और सांख्यिकीय विश्लेषण, राष्ट्रीय कार्यशाला, यूजीसी इनफ्लिबनेट केंद्र, 6-11 मई 2019, गांधीनगर।
2. डिजिटल लाइब्रेरी डिज़ाइन (केईडीएल 2019) के लिए इंजीनियरिंग संबंधी जानकारी, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, आईआईटी दिल्ली का आयोजन नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया (एनडीएलआई), 9-11 दिसंबर 2019, आईआईटी खड़गपुर द्वारा युनेस्को के सहयोग से किया गया।

जहाँगीर खान

1. मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, 2-4 मार्च 2020, फरीदाबाद में मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा मेडिकल सूचना और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रशांत श्रीवास्तव

1. वसूली और सामान्य वित्त नियमों पर आधारित कार्यशाला का आयोजन, केएल विग चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी और नवाचार (सीमेट) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली 25-26 जुलाई 2019।
2. डिजिटल लैंडस्केप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीएल 2019), भारतीय पर्यावास केंद्र, टीईआरआई, 6-8 नवंबर 2019, नई दिल्ली।
3. मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज में मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा एमएलएआई-19, मेडिकल इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी में इमर्जिंग ट्रेंड्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन, , 2-4 मार्च 2020, फरीदाबाद।

उमेश कुमार

1. खरीद और सामान्य वित्त नियमों पर कार्यशाला, के॰एल॰विग चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र(सीमेट), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 25-26 जुलाई 2019।
2 ओसीएलसी और एजुटेक के सहयोग से दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा आयोजित ओसीएलसी के साथ जुड़कर कैसे भारतीय पुस्तकालयों को कार्यशाला का लाभ मिल सकता है विषय पर 24 अक्टूबर 2019 को कार्यशाला।
3. डिजिटल लैंडस्केप पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: एक सक्रिय पर्यावरण हेतु डिजिटल परिवर्तन (आईसीडीएल-2019), 6-8 नवंबर 2019, नई दिल्ली।

नीतू प्रिया

1. आर प्रोग्रामिंग के उपयोग द्वारा अनुसंधान डेटा और सांख्यिकीय विश्लेषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला इनफ्लिबनेट सेंटर, 6-11 मई 2019, गांधीनगर।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 1 **पुस्तकों में अध्याय: 5** **पुस्तकें: 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. एस शिवा चिदंबरम को टीईआरआई, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 6-8 नवंबर, 2019 को एक सक्रिय पर्यावरण (आईसीडीएल 2019) के लिए डिजिटल परिवर्तन पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अतिथि अध्यक्ष और समिति के सदस्य के रूप में सम्मानित किया गया; 24-25 अक्टूबर 2019 को जियो इंस्टीट्यूट अहमदाबाद में आयोजित डिजिटल लाइब्रेरी वर्कशॉप के दौरान डॉ. माइकल केलर (वाइस प्रोवोस्ट एंड यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी) के साथ डिजिटल पुस्तकालय संबंधी अनुभव साझा किए।

एम.के. विश्वकर्मा संस्थागत वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स नई दिल्ली के सदस्य थे।
जहांगीर खान मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद द्वारा 3 मार्च 2020 को मेडिकल इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजीज कंडक्ट इन इमर्जिंग ट्रेंड्स पर आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र के अध्यक्ष थे।

प्रशांत श्रीवास्तव ने मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद में 2-4 मार्च, 2020 में मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित एमएलएआई-19, नेशनल कंवेंशन ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स इन मेडिकल इंफॉमेशन एंड टेक्नोलॉजीस में प्रतिवेदक के रूप में कार्य किया।

नीतू प्रिया, संस्थान वार्षिक रिपोर्ट समिति, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली की सदस्य थीं एवं उन्होंने चिकित्सा पुस्तकालयों (एएमएलईई-2-3 सितम्बर, 2019) में इलैक्ट्रॉनिक परिवेश-डिजीटल रूपांतरण में चिकित्सा साहित्य की पहुंच एवं उपलब्धता पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिवेदक के रूप में कार्य किया।

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष

शुभाशीष पांडा

उप-निदेशक (प्रशासन)

सदस्य-सचिव

राकेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ भंडार अधिकारी

लेखा अधिकारी

मीनाक्षी डबराल

महा प्रबंधक

एस.के. कौशिक (31 जुलाई, 2019 तक) के.के. शर्मा (31 अगस्त, 2019 से)

अ.भा.आ.सं. कैफेटेरिया की स्थापना विभागीय कैंटीन के रूप में इस संस्थान के कर्मचारियों को उचित दरों में स्वास्थ्यकर वातावरण के अंतर्गत तैयार किया हुआ पौष्टिक भोजन प्रदान करने के उद्देश से की गई। यह कैफेटेरिया संकाय सदस्यों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, छात्रों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों सहित 14,000 से अधिक कर्मचारियों के खान-पान की आवश्यकताओं का प्रबंध करता है। कैफेटेरिया प्रबंधन समिति के पर्यवेक्षण के तहत विभिन्न स्थानों/केंद्रों में चौबीस घंटे कैफेटेरिया सेवा प्रदान की जा रही है। यह कैफेटेरिया महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों कार्यशालाओं, संगोष्ठी आदि के दौरान अ.भा.आ.सं. के सभी उच्च कार्यालयों के आतिथ्य सेवाओं की आवश्यकता की पूर्ति भी करता हैं।

अ.भा.आ.सं. परिसर में नए ब्लॉकों में अतिरिक्त अ.भा.आ.सं. स्टाफ क्षमता, रोगियों एवं उनके संबंधियों के आगमन के परिणामस्वरूप संस्थान में खान-पान की आवश्यकता में अत्यधिक विस्तार को ध्यान में रखते हुए इसमें उच्च कुशल व्यावसायिक सेवाओं की आवश्यकता को अनुभव किया गया है। कैफेटेरिया सेवाओं के क्षेत्र को दो भागों में निर्धारित किया गया है एवं इस सेवा को एक क्यूसीबीएस निविदा प्रक्रिया के द्वारा बाह्स्रोत व्यावसायिक एजेंसी के तहत आउटसोर्स किया गया। वर्तमान में मुख्य कैफेटेरिया का संचालन अ.भा.आ.सं. के आंतरिक स्टाफ के द्वारा किया जा रहा है। मैसर्स जेएस हॉस्पीटेलिटी सर्विस प्रा. लिमि. को अ.भा.आ.सं. की अन्य सुविधाओं में किचन एवं कैफेटेरिया सेवाएं प्रदान करने की संविदा प्रदान की गई है। वर्तमान में परिसर के विभिन्न भागों में 11 आउटलेट्स पर कैफेटेरिया/किचन सेवा प्रदान की जा रही है।

11.3 केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी आचार्य

एस. के. मौलिक

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी

पी. के. यादव

वर्ष 2019-20 के दौरान हमारे केंद्रीय पशु सुविधा (सी.ए.एफ.) में केवल चूहों, मादा चूहों, खरगोश, गिनी पिग और हेमस्टर्स का रख-रखाव किया गया था।

छोटे पशु (रोडेन्टस):

वर्ष के दौरान अनुरक्षित किए गए विभिन्न प्रयोगशाला पशुओं की औसत संख्या:

1.	चूहे (विस्टर):	1454
2.	चूहे (स्प्रेग डॉले):	499
3.	मादा चूहे (स्विस):	644
4.	मादा चूहे बाल्ब/सी:	638
5.	मादा चूहे सी57 बीएल/6:	315
6.	खरगोश (न्यूज़ीलैंड):	81
7.	गिनी पिग (डंकिन हार्टली):	42

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 3732 छोटे पशु (चूहे 2710, मादा चूहे (स्विस) 727, मादा चूहे बाल्ब/सी 118, मादा चूहे सी 57 बी एल/6-126, खरगोश 42 और गिनी पिग 9) उपलब्ध कराए गए। दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर के अन्य शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों को भी कुछ पशु (1921) बेचे गये (चूहे 1328, मादा चूहे 500, खरगोश 85 और गिनी पिग 8)।

प्रायोगिक शल्य चिकित्सा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के केंद्रीय पशु सुविधा में विभिन्न विभागों के संकाय, अन्वेषकों और छात्रों द्वारा चौवन शल्य प्रक्रियाएं निष्पादित की गई। इसमें शरीर रचना विज्ञान, जैव रसायन, आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से जैवचिकित्सा इंजीनियरी, जैवभौतिकी, जैवप्रौद्योगिकी, जठरांत्ररोगविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, तांत्रिकाशल्य चिकित्सा, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, बाल शल्य चिकित्सा, भेषजगुण विज्ञान, मनोविकार चिकित्सा, प्रजनन-जीवविज्ञान और स्टेम सेल सुविधा विभाग शामिल है।

संस्थागत पशु नीति विषयक समिति

संस्थागत पशु नीति विषयक समिति (आई.ए.ई.सी.) को मत्स्य मंत्रालय, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार के तहत कमेटी फॉर दि पर्पज ऑफ कंट्रोल एंड सुपरविज़न ऑफ एक्सपेरीमेंटस ऑन एनिमल्स (सी.पी.सी.एस.ई.ए.) द्वारा अनुमोदन प्राप्त है। एम्स की सी.पी.सी.एस.ई.ए. पंजीकरण संख्या 10/जी ओ/आर.ई.बी.आई.बी.टी./एस./99/ सी.पी.सी.एस.ई.ए. "शैक्षिक प्रयोजन हेतु अनुसंधान, आन्तरिक उपयोग हेतु जनन और छोटे पशुओं के व्यापार कार्य हेतु जनन (चूहा, मादा चूहा, खरगोश, गिनी पिग और हेमेस्टर)" है। आई.ए.ई.सी. ने विभिन्न अन्वेषकों की 70 नई परियोजनाओं को पास किया एवं 8 परियोजनाओं को छोटे पशुओं (रोडेन्टस) पर अध्ययन करने के लिए विस्तार प्रदान किया गया।

प्रदत्त सेवाएं

केंद्रीय पशु सुविधा जैव रचना विज्ञान, जैव रसायन, आई.आई.टी. नई दिल्ली के सहयोग से जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग, जैव भौतिकी, जैवप्रौद्योगिकी, जठरांत्ररोगविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, तांत्रिकाशल्यचिकित्सा, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, (एन.एम. आर.), बाल शल्य चिकित्सा, भेषजगुण विज्ञान, मनोविकार चिकित्सा, प्रजनन-जीवविज्ञान एवं स्टेम सेल सुविधा से संबंधित पशुओं का रख-रखाव कर रहा है। इस विभाग में संबंधित प्रायोगात्मक प्रयोगशाला पशुओं (चूहे 100, मादा चूहे 164, खरगोश 1 एवं गिनी पिग 2) का पूरे वर्ष रख-रखाव किया गया।

प्रतिरक्षा की कमी वाले पशुओं (न्यूड और एस.सी.आई.डी. मादा चूहे) के साथ अनुसंधान हेतु सुविधाओं पर कार्य हो रहा है और यह शीघ्र ही क्रियाशील होगी।

आई.ए.ई.सी. ने शरीरक्रियाविज्ञान एवं भेषजगुणविज्ञान विभाग तथा रा.प्र. नेत्रविज्ञान केंद्र में नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी को इस विभाग में प्रयोगशाला जानवरों को रखने की अनुमति प्रदान की है। उपरोक्त विभाग केंद्रीय पशु सुविधा के पर्यवेक्षण के तहत विभाग में प्रयोगशाला जानवरों का रख-रखाव करते हैं।

शैक्षिक कार्यक्रम

1. डॉ. पी.के. यादव वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, केंद्रीय पशु सुविधा, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, को मत्स्य मंत्रालय, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार के तहत तीन वर्षों के लिए कमेटी फॉर दि पर्पज ऑफ कंट्रोल एंड सुपरविजन ऑफ एक्सपेरीमेंट्स ऑन एनीमल्स (सी.पी.सी.एस.ई.ए.) के राष्ट्रीय समिति सदस्य के रूप में नामित किया गया।
2. डॉ. पी.के. यादव एल.ए.एस.ए. ने भारत के 9वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 'जैव चिकित्सा अनुसंधान में प्रयोगशाला पशु-आगे की राह', 21-23 नवम्बर, 2019, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आई.आई.एस.ई.आर.), पुणे नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस (एन.सी.सी.एस.) पुणे, भारत।

11.4 केंद्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयक

डॉ. गंगा प्रसाद

(आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार विभाग)

मुख्य तकनीकी अधिकारी

कालू राम

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

हरिंदर पाल	नितिन श्रीवास्तव
(यांत्रिक अनुभाग)	(इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स)

उद्देश्य

अस्पताल में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से प्रदान करने हेतु कुशलतापूर्वक कार्य करने वाले यंत्र का होना आवश्यक है। हालाँकि, कई रोगी उपचार केंद्र महंगे एवं उत्कृष्ट उपकरण को खरीद (अथवा दान के रूप में प्राप्त) लेते हैं, जो ख़राब रखरखाव के कारण टूट जाते हैं। यदि टूटे हुए उपकरणों की रिपोर्ट करने तथा योजना बनाने अथवा उन्हें मरम्मत पर ले जाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है तो उपकरण लम्बे समय तक प्रयोग लायक नहीं रह सकते हैं। कई बार, यह उपकरण निराकृत किए जाते हैं। एक प्रभावशाली रखरखाव पद्धति अनुपयोगी उपकरण की समय अवधि को कम करेगी तथा वित्तीय दबाव को भी कम करती है।

केन्द्रीय कार्यशाला की स्थापना सन् 1964 को शल्य उपकरणों एवं नैदानिक यंत्रों सहित चिकित्सीय उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव हेतु की गई थी। कार्यशाला केवल विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव ही नहीं करती है अपितु शैक्षिक एवं वैज्ञानिक अनुंसधान के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्रियों का निर्माण भी करती है। इस प्रकार, यह एम्स में सुचारू एवं पूर्ण रोगी उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एकल तकनीकी विभाग होने के नाते यह एम्स की विभिन्न प्रापण समितियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करती है।

कर्मचारियों की संख्या

उपर्युक्त कार्यों के निष्पादन हेतु तकनीशियनों एवं अधिकारीगणों की एक कुशल टीम मौजूद है। यह टीम अस्पताल में विभिन्न उपकरणों को सुचारू रूप से कार्य करने के लिए कौशलात्मक सहयोग प्रदान करती है। केन्द्रीय कार्यशाला में विभिन्न अनुभाग हैं जिनका संचालन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/तकनीकी अधिकारी की अध्यक्षता में स्टाफ-सदस्यों द्वारा किया जाता हैं। केन्द्रीय कार्यशाला में समूह ‘ख’ एवं ‘ग’ के स्टाफ-सदस्यों की संख्या निम्नानुसार है:

- तकनीकी अधिकारी: 3
- तकनीशियन (ग्रेड I): 5
- तकनीशियन (ग्रेड II): 8
- कार्यशाला सहायक: 3
- सहायक प्रशासनिक अधिकारी: 1
- भंडार लिपिक (जेएए): 1
- प्रचालक (ई तथा एम): 4
- खलासी: 1

उपलब्ध सेवाएँ

यह कार्यशाला निम्नलिखित सेवाओं को प्रदान करती हैं:

1. मरम्मत एवं रखरखाव

केन्द्रीय कार्यशाला में विविध उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए विभिन्न अनुभाग हैं। वर्ष 2019-20 के दौरान कुल **7087 (केवल सात हज़ार सत्तासी)** काम/कार्य प्राप्त एवं पूर्ण किए गए। मरम्मत किए गए उपकरणों के कुछ अनुभाग-वार उदाहरण निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	अनुभाग	कार्यों की संख्या	उपकरण का विवरण
1	इलेक्ट्रॉनिक्स	467	पेशेंट मॉनीटर्स, इन्फ्यूजन पम्प, विनियमित पॉवर सप्लाईज, इलेक्ट्रॉनिक तराजू मशीन, लाइट सोर्सेज, ईईजी मशीन, सीलिंग मशीन, अल्ट्रासोनिक नेबूलाईज़र, डीवीटी पम्पस, सीवीटी/ स्टैबलाईज़र, इंडक्शन हॉट प्लेट, नेबूलाईज़र, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, ऑपरेशन टेबल (रिमोट कंट्रोल्ड), माइक्रोस्कोप, माइक्रोवेव ओवन,कलर टेलीविज़न, स्टूडियो लाइट, पेशेंट वार्मर, एलईडी व्यू बॉक्स, एलिसा वॉशर और रीडर, रिएक्शन टाइमर, एयर मैट्रेस पंप आदि।
2	इलेक्ट्रिकल	880	आटोक्लेव मशीन, गाइनी परीक्षण/ गूज नैक/ बुल आई लैंप, बॉईलर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, सक्शन मशीन, फ्लाई कीलर मशीन, फ्यूमीगेटर, गॉज/प्लास्टर कटर्स, ग्राइंडर, हॉट केस, हॉट एयर ओवेन्स, हॉट डिसप्ले काउंटर, हॉट प्लेट्स, इनक्यूबेटर, लैमिनार फ्लो, मायो स्टैंड, मिक्सर ग्राइंडर, मैग्नेटिक स्टिरर, नीडल डिस्ट्रॉयर्स, ओटी लाइट्स, स्पॉट लाइट, स्टीम बाथ, स्टेरीलाईज़र्स, यूवी लाइट्स, वैक्यूम क्लीनर्स, एक्स-रे व्यू बॉक्स, वोर्टेक्स शेकर, वाटर बाथ, वैक्स बाथ, इलेक्ट्रिक केतली आदि।
3	मैकेनिकल	2742	सर्जिकल उपकरण,ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब, स्प्रे पम्प, वेपोर जेट क्लीनिंग मशीन, कैंची (पट्टी काटने वाली) बेडसाइड लॉकर्स, इंट्रावेनस स्टैंड्स, पेशेंट

			ट्रॉली, पेशेंट बेड, व्हील चेयर्स, लोडिंग ट्रॉली, फ़ूड ट्रॉली, साइड स्क्रीन, इंस्ट्रूमेंट ट्रॉली, बेसिन स्टैंड, फ़ूडस्टेप, सर्जिकल ड्रम, पुश कार्ट, पेशेंट एग्जामिनेशन टेबल, हाइड्रोलिक ट्रॉली, टेस्ट ट्यूब स्टैंड्स, रिवोल्विंग स्टूल आदि।
4	फाइन इंस्ट्रूमेंट	2322	डिजिटल बी.पी. उपकरण, माइक्रो बैलेंसिज, डायल बी.पी. उपकरण, स्टेथोस्कोप, तौल मशीन, कंप्रेसर, फ्लोमीटर्स, ऑक्सीजन रेगुलेटर्स, हाइड्रोलिक टेबल्स, लैरिंगोस्कोप्स आदि।
5	रेफ्रीजेरेशन	259	वीसी कूलर्स, डीप फ्रीज़र्स, चिल्लिंग यूनिट, आईसक्रीम कैबिनेट, रेफ्रिजरेटर्स, कोल्ड डिसप्ले काउंटर्स, मिनिकोल्ड, रेफ्रीजरेटिड बीओडी इनक्यूबेटर आदि।
6	पेंटिंग	417	कार्यालय एवं अस्पताल की सभी फर्नीचर सामग्री जैसे बेड, इंट्रावीनस स्टैंड्स, सभी प्रकार की ट्रॉली, व्हील चेयर्स, बेंचिस, फुटस्टेप्स, पेशेंट साइड लॉकर्स, पिजन लॉकर्स, पेशेंट एग्जामिनेशन टेबल्स, पुश कार्ट्स, अलमारियां, रैक आदि।
	कुल	**7087**	

2. निर्माण एवं मार्गदर्शन

मरम्मत एवं रखरखाव की गतिविधियों के धीरे-धीरे बढ़ते हुए भार के बावजूद भी केन्द्रीय कार्यशाला विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए विशेष विवरण के अनुसार रोगी उपचार अथवा वैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोगी उपकरणों के डिजाइन एवं निर्माण द्वारा संस्थान की मदद करने में सक्षम है।

वर्ष 2019-20 के दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्वारा कुल **584 (पांच सौ चौरासी)** उपकरणों का निर्माण किया गया था। जिनका विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	**उपकरण का विवरण**	**मात्रा**	**विभाग**
1	सर्जिकल उपकरण के लिए हैंडल	40	अस्थिरोग विज्ञान ओ.टी., जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा सेंटर ओ.टी.
2	टेम्प चार्ट होल्डर	80	मुख्य अस्पताल
3	रोस्टर चार्ट होल्डर	2	मुख्य अस्पताल
4	एमएस बॉक्स	1	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
5	वुडेन स्प्लिन्ट	314	जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा सेंटर, आपात
6	एल्यूमीनियम प्लेट	1	सी.टी.वी.एस. ओ.टी.
7	रैट केज	1	शरीर क्रिया विज्ञान
8	प्रोब	10	सर्जरी ओटी
9	प्रोब होल्डर	1	शरीर क्रिया विज्ञान

10	सैंपल ट्रे	2	नया प्राइवेट वार्ड
11	फिंगर स्टेबलाइज़ेशन प्लेट्स	2	शरीर क्रिया विज्ञान
12	फोरआर्म ब्रैसिज़	2	शरीर क्रिया विज्ञान
13	ओटी टेबल मैट्रेस	5	मुख्य ओटी
14	पसीना जाँच उपकरण	5	बाल चिकित्सा
15	एयर सैम्पलर	1	शरीर रचना
16	डोनेशन टैग	100	शरीर रचना
17	एल्यूमीनियम ट्यूब एल पीस	5	मुख्य ओटी
18	मेश स्टैंड	1	शरीर रचना
19	रैट मोबाइल	1	शरीर क्रिया विज्ञान
20	लैपरोस्कोपिक प्रिसिशन ट्रेनिंग मोड्यूल	10	सर्जरी
	कुल	**584**	

3. अल्पकालीन प्रशिक्षण

केंद्रीय कार्यशाला विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के डिप्लोमा/स्नातकपूर्व के छात्रों को अल्पकालीन प्रशिक्षण (4-6 सप्ताह) प्रदान करने में सक्रिय रूप से संलग्न है।

4. प्रशिक्षण गतिविधि

कार्यशाला बी.एस.सी. ओ.टी. टेक्नोलॉजी के छात्रों की शैक्षिक गतिविधियों से जुड़ी रही है। इसके द्वारा छात्रों के पाठ्यक्रम के अनुसार विभिन्न इलेक्ट्रिक एवं मैकेनिकल विषयों पर कक्षाएं एवं प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं।

उपलब्धियां

1. केन्द्रीय कार्यशाला को क्रमश: **फिंगर स्टेबलाइज़ेशन प्लेट एवं लैपरोस्कोपिक प्रिसिशन ट्रेनिंग मोड्यूल** के डिजाइन एवं निर्माण में तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए एम्स, नई दिल्ली के शरीर क्रिया विज्ञान एवं शल्य चिकित्सा विभाग से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए हैं।

2. केन्द्रीय कार्यशाला एम्स के संस्थान दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाली वार्षिक प्रदर्शनी में भी भाग लेती है। कार्यशाला द्वारा निर्मित कुछ उपकरणों को इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया था, जिनकी अधिकांश अतिथियों द्वारा सराहना भी की गई थी।

11.5 कम्प्यूटर सुविधा

प्रभारी आचार्य

ए. शरीफ

उप निदेशक (कंप्यूटर सुविधा)

एस.एन. रघु कुमार

सिस्टम विश्लेषक

सतीश प्रसाद सुशील कुमार मेहर संजय गुप्ता

वरिष्ठ प्रोग्रामर

विनय पांडे हरि शंकर श्यामल बरुआ

पवन शर्मा तृप्ता शर्मा

प्रोग्रामर

संजीव कुमार अमित भाटी अंकिता सैनी गीतिका गुप्ता

हरीश सैनी प्रियंका सिंह सुषमा शर्मा

नर्सिंग सूचना-विज्ञान विशेषज्ञ

प्रीति एस. एवं टीम

शिक्षा

स्नातकोत्तर

सिद्धांत और व्यावहारिक - दोनों पहलुओं को कवर करने वाली कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कक्षाएं, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और कॉलेज ऑफ नर्सिंग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गईं।

स्नातक पूर्व

बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग और बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-सर्टिफिकेट), बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट पाठ्यक्रम, बीएससी डेंटल हाइजीन कोर्स, बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर, इंटरनेट, विंडोज़ एप्लिकेशन, कंप्यूटर एडेड लर्निंग, डेटाबेस आदि की तीन महीने की अवधि का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए एक कंप्यूटर ओरिएंटेशन प्रोग्राम भी आयोजित किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

केन्द्र के अधिकारियों ने क्रमिक आयुर्विज्ञान संबंधी शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और उनमें व्याख्यान दिए।

सेवाएं

स्नोमेड सीटी: 62,728 स्नोमेड सीटी शिकायत प्रविष्टियां अप्रैल 2019 से मार्च 2020 के दौरान एचआईएस (ई हॉस्पिटल) में दर्ज की गई हैं।

अस्पताल का कम्प्यूटरीकरण

अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) को अपॉइंटमेंट लेने-देने और ओपीडी पंजीकरण, भरती, कार्यमुक्ति और स्थानान्तरण, एमआरडी, रोगी बिलिंग, स्टोर, प्रयोगशाला सूचना प्रणाली, आहार और रक्त बैंक के प्रबंधन के लिए eHopsital@nic सॉफ्टवेयर का उपयोग करके लागू किया गया है। 2019-20 के लिए विवरण नीचे दिया जा रहा है:

एलआईएस कार्यान्वयन

प्रयोगशाला उपकरणों और ई-हॉस्पिटल का एकीकरण एचएल 7 मानक के माध्यम से किया जाता है। विश्लेषक, टेस्ट ट्यूब पर चिपकाए गए बारकोड से नमूना पहचान संख्या (एसआईडी नंबर) पढ़ता है। फिर यह उन परीक्षणों के लिए एलआईएस का अनुरोध करता है जिन्हें संपन्न किया जाना है। प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (एलआईएस) विश्लेषक के लिए विशिष्ट एसआईडी नंबर के संबंध में किए जाने वाले परीक्षण के संबंध में जवाब देता है। विश्लेषक निर्दिष्ट परीक्षण संचालित करता है, जब परीक्षण पूरा हो जाता है, तब केवल प्रासंगिक और आवश्यक परिणाम मान एलआईएस में स्थानांतरित हो जाते हैं। एलआईएस में स्थानांतरित किए जाने वाले डेटा का चयन बाई-डायरेक्शनल/यूनिडायरेक्शनल एनालाइज़र के अनुरूप ही होगा। इस प्रणाली से जो प्रयोगशाला उपकरण जुड़े हुए हैं, वे हैं:

क्रमांक	प्रयोगशाला	उपकरण	संख्या	मशीन का प्रकार
1	हृ.तं.कें.	बैकमेन 5 प्लॉट सैल	1	यूनि-डाइरेक्शनल
2	हृ.तं.कें.	आईआरआईएस आईकाउंट3	1	यूनि-डाइरेक्शनल
3	हृ.तं.कें.	इम्यूलाइट1000	1	यूनि-डाइरेक्शनल
4	हृ.तं.कें.	बायो-रैड10	1	यूनि-डाइरेक्शनल
5	हृ.तं.कें.	एलीफैक्स आर20 ईएसआर	1	यूनि-डाइरेक्शनल
6	हृ.तं.कें.	बैकमेन 3 प्लॉट सैल	1	यूनि-डाइरेक्शनल
7	आरपीसी रूधिरविज्ञान (7वां तल)	बैकमेन काउल्टर 5 प्लॉट एक्ट डिफ सैल काउंटर	1	यूनि-डाइरेक्शनल
8	आरपीसी रूधिरविज्ञान (7वां	सिसमेक्स केएक्स21	1	यूनि-डाइरेक्शनल
9	आरपीसी रूधिरविज्ञान (छठा	बैकमेन एयू680	1	बाइ-डाइरेक्शनल
10	अंत:स्राविकी-1	बायो-रेड डी10	1	यूनि-डाइरेक्शनल
11	सीसीएफ भू-तल	कोबास 6000	1	बाइ-डाइरेक्शनल
12	सीसीएफ भू-तल	यूरिन एनालाइजर	1	यूनि-डाइरेक्शनल
13	रीनल	कोबास सी3 11	1	बाइ-डाइरेक्शनल

14	रीनल	ऐबट आर्किटेक्ट1000	1	बाइ-डाइरेक्शनल
15	रीनल	आईओएनएस	2	यूनि-डाइरेक्शनल
16	आपातकालीन विभाग	एक्यूटी 90	1	यूनि-डाइरेक्शनल
17	आपातकालीन विभाग	एबीएल 800	1	यूनि-डाइरेक्शनल
18	आपातकालीन विभाग	पेंट्रा एक्सएल	1	यूनि-डाइरेक्शनल
19	नया प्राइवेट वार्ड दूसरा तल	मिनी कैप	1	यूनि-डाइरेक्शनल
20	बाल चिकित्सा अंत:स्राविकी	कोबास ई411	1	बाइ-डाइरेक्शनल
21	हृ.तं.कें.	बैकमेन काउल्टर एयू680	1	बाइ-डाइरेक्शनल
22	हृ.तं.कें.	बैकमेन काउल्टर 480	1	बाइ-डाइरेक्शनल
23	प्रजनन बायोलॉजी	ऐब्ट आर्किटेक्ट1000	1	बाइ-डाइरेक्शनल
24	आईआरसीएच प्रथम तल	एमएस4 सैल काउंटर	1	यूनि-डाइरेक्शनल
25	आईआरसीएच प्रथम तल	एमएस9 सैल काउंटर	1	यूनि-डाइरेक्शनल
26	आईआरसीएच दूसरा तल	एमएस4 सैल काउंटर	2	यूनि-डाइरेक्शनल
27	आईआरसीएच दूसरा तल	एमएस9 सैल काउंटर	2	यूनि-डाइरेक्शनल
28	लैब मेडिसिन कमरा संख्या-2	कॉम्बिलाइन	2	यूनि-डाइरेक्शनल
29	लैब मेडिसिन कमरा संख्या-2	कैरेटियम	2	यूनि-डाइरेक्शनल
30	हृ.तं.कें. कमरा संख्या-53 भू-	हिताची मॉड्यूलर	1	बाइ-डाइरेक्शनल
31	सीसीएफ भू-तल	बैकमेन काउल्टर एक्सेस 2	1	बाइ-डाइरेक्शनल
32	लैब मेडिसिन कमरा संख्या-20	हिताची मॉड्यूलर	2	बाइ-डाइरेक्शनल
33	अंत:स्राविकी-01	कोबास इंटेग्रा	1	बाइ-डाइरेक्शनल
34	हृ.तं.कें.	एसटीए कॉम्पेक्ट	2	बाइ-डाइरेक्शनल
35	आरपीसी छठा तल	बैकमेन काउल्टर एयू680	1	बाइ-डाइरेक्शनल
36	आरपीसी छठा तल	एक्सेस 2	1	बाइ-डाइरेक्शनल
37	नया प्राइवेट वार्ड दूसरा तल	एसटीए कॉम्पेक्ट	1	बाइ-डाइरेक्शनल
38	प्रजनन बायोलॉजी	आर्किटेक्ट 1000	1	बाइ-डाइरेक्शनल
39	प्रजनन बायोलॉजी	आर्किटेक्ट 4000	1	बाइ-डाइरेक्शनल
40	प्रजनन बायोलॉजी	आर्किटेक्ट 2000	1	बाइ-डाइरेक्शनल (आईओटी आधारित इंटरफेसिंग)
41	एंडो-02	कोबास ई411	4	बाइ-डाइरेक्शनल
42	एंडो-02	लिएजों	2	बाइ-डाइरेक्शनल
43	एंडो-02	कोबास ई411	1	बाइ-डाइरेक्शनल (आईओटी आधारित इंटरफेसिंग)
44	एंडो-02	लिएसों एक्सएल	1	बाइ-डाइरेक्शनल
45	हृ.तं.कें.	एडविया	1	बाइ-डाइरेक्शनल
46	हृ.तं.कें.	एडविया सेंट्यूरा एक्सपी	1	बाइ-डाइरेक्शनल
47	हृ.तं.कें.	बैकमेन काउल्टर एक्ट5	1	बाइ-डाइरेक्शनल
48	बायोकैमिस्ट्री	विट्रोस एनालाइजर	1	बाइ-डाइरेक्शनल
49	एंडो-01	थोस जी8	1	यूनि-डाइरेक्शनल

50	लैब मेडिसिन कमरा संख्या-2	एलीट एसीएल	1	बाइ-डाइरेक्शनल (आईओटी आधारित इंटरफेसिंग)
		यूनि-डाइरेक्शनल	**27**	
		बाइ-डाइरेक्शनल	**33**	
		कुल	**60**	

प्रयोगशाला	**सूचित सैंपल**
द्रव कैमिस्ट्री सीएनसी	349
बैक्टीरियोलॉजी सीएसएफ पीसीआर, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	1,401
रूधिर विज्ञान पीटी (ओपीडी), प्रयोगशाला मेडिसिन	24,306
क्लीनिकल माइक्रोबायलॉजी(मल), प्रयोगशाला चिकित्सा	15,197
केन्द्रीय पेड्रियाटिक्स तीसरा तल, बाल-चिकित्सा	1,112
आरपीसी ऑक्यूलर	3,220
आरपीसी पैथोलॉजी (मूत्र/मल)	1,675
हारमोन, हृ.तं.कें.	34,054
टीबी लैब, सूक्ष्म जीव विज्ञान	15,224
ड्रग्स परीक्षण, हृ.तं.कें.	1,884
प्रजनन बायोलॉजी	2,33,069
क्लीनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान (मूत्र एएफबी), प्रयोगशाला चिकित्सा	621
एनारोबिक लैब, सूक्ष्म जीव विज्ञान	2,381
स्प्यूटम कल्चर, सूक्ष्म जीव विज्ञान	40,678
माइकोलॉजी लैब, सूक्ष्म जीव विज्ञान	35,650
क्लीनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान (एचआईवी तथा वायरल मार्कर), प्रयोगशाला	1,07,930
एसआरबी,लैब	29,737
ब्लड बैंक	3,928
पैरासाइटोलॉजिकल, सूक्ष्म जीव विज्ञान	22,756
ट्यूमर मार्कर, लैब ऑंकोलॉजी, आईआरसीएच	244
हीमोग्राम, लैब ऑंकोलॉजी, आईआरसीएच	1,77,429
एसटीडी लैब, सूक्ष्म जीव विज्ञान	1,856
फ्लो साइटोमेट्री, सूक्ष्म जीव विज्ञान	13
रूधिर विज्ञान/कोएगुलेशन/हीमोलिटिक एनीमिया, सूक्ष्म जीव विज्ञान	43
क्लीनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान (सीमन), प्रयोगशाला मेडिसिन	3,466
पैथोलॉजी/ रूधिर विज्ञान, आरपीसी	90,406
क्लीनिकल पैथोलॉजी और मॉलीक्यूलर इम्यूनोलॉजी, लैब मेडिसिन	305
बायोकैमिस्ट्री, एनडीडीटीसी, गाजियाबाद	16,461
क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री, बायोकैमिस्ट्री	2,711
रूधिर विज्ञान (अफेरिसिस), आईआरसीएच	58,851
क्लीनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान (पीसीआर), प्रयोगशाला चिकित्सा	3,068

एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबोलिजम	51859
द्रव कैमिस्ट्री, प्रयोगशाला चिकित्सा	10,929
क्लीनिकल माइक्रोबायलॉजी(मूत्र रुटीन ओपीडी), प्रयोगशाला चिकित्सा	25,159
द्रव कैमिस्ट्री(मूत्र 24 घंटे/स्पॉट), प्रयोगशाला चिकित्सा	32,847
मूत्र कल्चर (माइक्रोबायलॉजी कमरा संख्या 2071), प्रयोगशाला चिकित्सा	58,417
क्लीनिकल कैमिस्ट्री, हृ.तं.कें.	7,12,909
क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी, रूधिर विज्ञान	34,203
रूधिर विज्ञान, हृ.तं.कें.	4,58,101
क्लीनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	2,064
इमर्जेंसी बायोकैमिस्ट्री, प्रयोगशाला चिकित्सा	10,34,863
रूधिर विज्ञान (ओपीडी), प्रयोगशाला चिकित्सा	25,66,507
क्लीनिकल कैमिस्ट्री, प्रयोगशाला चिकित्सा	37,46,792
क्लीनिकल माइक्रोबायलॉजी(मूत्र सी/एस), प्रयोगशाला चिकित्सा	16,699
एलर्जी परीक्षण प्रयोगशाला	5,012
रूधिर विज्ञान (वार्ड), प्रयोगशाला चिकित्सा	15,56,734
मल कल्चर, सूक्ष्म जीव विज्ञान	3,223
इमर्जेंसी रूधिर विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	4,28,912
क्लीनिकल माइक्रोबायलॉजी(स्प्यूटम एएफबी और कल्चर), लैब मेडिसिन	1,768
रूधिर विज्ञान भूतल कमरा संख्या 11, प्रयोगशाला चिकित्सा	103
विशेष परीक्षण, हृ.तं.कें.	10,386
सीएसएफ कल्चर, सूक्ष्म जीव विज्ञान	20,454
लिपिड और एन्जाइम, हृ.तं.कें.	2,08,952
मेडिकल ऑंकोलॉजी, आईआरसीएच	4,812
हेमेटोलॉजी पीटी, हृ.तं.कें.	1,01,152
बाइल लैब	843
विशेष जांच, प्रयोगशाला चिकित्सा	36
ऑक्यूलर बायोकैमिस्ट्री, आरपीसी	1,77,664
लैब ऑंकोलॉजी, आईआरसीएच	25,702
पीटी (सीसीएफ 27), प्रयोगशाला चिकित्सा	29,275
रूधिर विज्ञान, एनडीडीटीसी, गाजियाबाद	13,936
क्लीनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान, टीओआरसीएच प्रोफाइल, प्रयोगशाला चिकित्सा	6,279
लैब मेडिसिन पीएसवाई, प्रयोगशाला चिकित्सा	19
ऑक्यूलर माइक्रोबायलॉजी, आरपीसी	11,027
मूत्र क्लीनिकल कैमिस्ट्री, हृ.तं.कें.	1,568
मूत्र रुटीन, प्रयोगशाला चिकित्सा	25,200
ब्लड कल्चर सूक्ष्म जीव विज्ञान	47,402
एसआरबी, लैब चिकित्सा	433
हेमेटोलॉजी (द्रव परीक्षण), प्रयोगशाला चिकित्सा	32,340
पस कल्चर, सूक्ष्म जीव विज्ञान	39,311
एंडो संग्रह, अंत:स्राविकी विज्ञान	57,446

इमर्जेंसी रूधिर विज्ञान पीटी, प्रयोगशाला चिकित्सा	2,44,826
क्लीनिकल सूक्ष्म जीव विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा	2,064
एचएनयू	275
सीरोलॉजी लैब, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	11,126
रूधिर विज्ञान मॉलाक्यूलर, रूधिर विज्ञान विभाग	22

ईएचएस (कर्मचारी स्वास्थ्य योजना) फार्मेसी सॉफ्टवेयर: इस सॉफ्टवेयर का उपयोग कर्मचारी स्वास्थ्य नुस्खों और पुराने रिकॉर्ड को संरक्षित करने के लिए किया जाता है। यह सॉफ्टवेयर, विक्रेता से खरीदी गई दवाओं की स्थानीय खरीद और कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को जारी की गई दवाओं का रिकॉर्ड भी रखता है।

1. ईएचएस फार्मेसी कुल पंजीकरण: **2,33,897**
2. ईएचएस फार्मेसी कुल ऑनलाइन नुस्खे: **2,01,665**

मौजूदा इन-हाउस मॉड्यूलों का प्रबंधन

1. **पीडीएस:** आपातकालीन, नए आपातकालीन और बाल चिकित्सा आपातकालीन विभागों में कुल 92,804 पंजीकृत मामलों का सारांश।
2. **स्नोमेड सीटी का उपयोग:** निदान, लक्षण और सिस्टम आदि जैसे क्षेत्रों में इस मॉड्यूल का स्नोमेड सीटी के साथ एकीकरण। कुल दर्ज लेनदेन की संख्या 55,336 है।
3. **गुणवत्ता आश्वासन मॉड्यूल (क्यूएएम):** सम्मेलनों, व्याख्यानों, संकाय बैठकों की समय-सारणी बनाने और डॉक्टरों के ग्रेडिंग उद्देश्य के लिए 1051 प्रविष्टियों को दर्ज किया गया है।
4. **क्यूएएफ/एचए:** एचए द्वारा ग्रेडिंग उद्देश्य के लिए 3 प्रविष्टियां की गई हैं।
5. **आरपीसी पीडीएस:** 7,905 मरीजों का विवरण आरपीसी के लिए पंजीकृत।
6. **ओटी शेड्यूलिंग:** विभिन्न विभागों के लिए 70,050 ओटी निर्धारित।
7. **उपकरण चेकलिस्ट आरपीसी:** आरपीसी के उपकरणों के लिए 2,269 चेकलिस्ट बनाई गईं।
8. **ई जन्म प्रमाण-पत्र:** इस मॉड्यूल के माध्यम से 2,483 जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए।
9. **ई रक्त अनुरोध:** रोगियों के लिए रक्त की व्यवस्था के लिए 98,549 रक्त अनुरोध किए गए।
10. **ई कैथ सूची:** कैथ प्रयोगशाला के लिए 4,578 मामलों को सारणीबद्ध किया गया।
11. **ई एमएलसी:** 13,194 मेडिकल रिकॉर्ड एमएलसी मामलों के लिए अनुरक्षित किए गए। यह डॉक्टरों के लिए ई-एमएलसी तैयार करने के लिए एक ऑनलाइन मॉड्यूल है। आरोपित एच/ओ, डायग्नोसिस जैसे क्षेत्रों में इस मॉड्यूल में स्नोमेड सीटी को एकीकृत किया गया। दर्ज किए गए लेनदेन की कुल संख्या 11,405 थी।
12. **ई एमएलसी आरपीसी:** आरपीसी में एमएलसी मामलों के लिए 98 मेडिकल रिकॉर्ड अनुरक्षित किए गए।
13. **पेनिसिलिन रजिस्टर:** पेनिसिलिन इंटेक के संबंध में शेड्यूलिंग और अलर्ट के लिए 2,258 पंजीकरण किए गए।

14. **गामा नाइफ रजिस्टर:** गामा नाइफ प्रक्रिया के लिए 105 पंजीकरण किए गए।

15. **ऑनलाइन प्रवेश पर्ची:** अलग-अलग विभाग प्रमुखों के तहत बेड की उपलब्धता के आधार पर ओपीडी और इमरजेंसी दोनों के लिए कुल 21,955 प्रवेश स्लिप प्रदान की गईं। स्नोमेड सीटी का एकीकरण, इस मॉड्यूल में निदान आदि जैसे क्षेत्रों में किया गया और दर्ज किए गए लेनदेन की कुल संख्या 3,052 है।

16. **चिकित्सा और फिटनेस प्रमाणपत्र में क्यूआर कोड:** एम्स और अन्य केंद्र के कर्मचारियों के लिए 10,822 प्रमाण पत्र तैयार किए गए।

17. **ई-शिकायत मॉड्यूल:** इसके माध्यम से 41 शिकायतें दर्ज की गई हैं।

18. **ई-डेथ नोट:** इस एप्लिकेशन के माध्यम से 5,937 मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार किए गए हैं। स्नोमेड सीटी का एकीकरण, इस मॉड्यूल में तत्काल कारण, पूर्व कारण, निदान आदि जैसे क्षेत्रों में किया गया है। दर्ज की गई स्नोमेड सीटी लेनदेन की कुल संख्या 2,891 थी।

19. **ईसीजी लैब:** ईसीजी लैब की गणना की गई और 4,863 प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं।

20. **स्नोमेड सीटी का एकीकरण ई-हॉस्पिटल (एनआईसी) के साथ:** स्नोमेड सीटी को ई-हॉस्पिटल के वेब एपीआई के माध्यम से एकीकृत किया गया था। इसका एकीकरण दो मॉड्यूल्स यानी एडमिशन और डिस्चार्ज के साथ किया गया। ई-हॉस्पिटल में दर्ज किए जाते समय कुल लेन-देन की संख्या 1,909 है और ई-हॉस्पिटल में डिस्चार्ज की संख्या 34,203 है।

संस्थान स्तर पर अनुरक्षित मॉड्यूल्स की सूची और विकसित ऐप्लीकेशन

1. **एंटीकोएगुलेंट रजिस्टर:** टेली-परामर्श के उपयोग के लिए पीटी/आईएनआर जैसे रोगियों के प्रयोगशाला मान को दर्ज करने के लिए यह एक ऑनलाइन रजिस्टर है। अनुप्रमाणित रोगी, ओटीपी प्रमाणीकरण द्वारा इस आवेदन में स्वयं अपने लैब मान दर्ज कर सकते हैं और नए पर्चे डॉक्टरों द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।

2. **बोन बैंक:** यह मरीजों के अस्थि विवरण जिन्हें बाद में उपयोग के लिए संरक्षित किया जाना है, दर्ज करने के लिए एक एप्लीकेशन है। इसे न्यूरो और ऑर्थो विभागों के लिए विकसित किया गया है।

3. **स्त्री रोग ई एमएलसी:** इसका उपयोग महिला एमएलसी मामलों को पंजीकृत करने के लिए किया जाता है। इस मॉड्यूल में सभी फॉर्मों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से मुद्रित किया जाता है।

4. **हृदय प्रत्यारोपण:** इसका उपयोग प्रत्यारोपण के प्रयोजन से हृदय के मिलान के लिए हृदय प्रत्यारोपण हेतु रोगी के विवरण को पंजीकृत करने के लिए किया जाता है।

5. **स्तन कैंसर:** इसका उपयोग स्तन कैंसर के विवरण को दर्ज करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग सर्जरी विभाग में किया जाता है।

6. **दवा मॉड्यूल:** दवा मॉड्यूल का उपयोग रोगी के भरती नोट, परामर्श नोट, प्रगति नोट, डिस्चार्ज सारांश को कैप्चर करने के लिए किया जाता है। हमने इस मॉड्यूल में निदान, जांच, वाइटल्स, ऑपरेटिव नोट्स आदि जैसे क्षेत्रों में स्नोमेड सीटी को एकीकृत किया है।

7. **विद्यार्थी कल्याण:** इसका उपयोग विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य विवरण को कैप्चर करने के लिए किया जाता है।

एम्स में आरआईएस, पी.ए.सी.एस. और एचआईएस

एम्स वर्तमान में ई हॉस्पिटल एचआईएस का संचालन कर रहा है जिसमें मरीजों को विभिन्न रेडियोलॉजिकल जांच के लिए एपॉइंटमेंट प्रदान किए जाते हैं। उपलब्ध रेडियोलॉजिकल जांचों में शामिल हैं:

प्लेन एक्स-रे	पीईटी स्कैन	डेंटल एक्स-रे
सीटी स्कैन	एंजियोग्राफी	गैर-डाइकॉम छवियां (पीडीएफ, जेपीजी जेपीईजी)
एमआरआई स्कैन	मैमोग्राफी	
अल्ट्रासोनोग्राफी	नेत्र संबंधी रेडियोलॉजी	

अन्य इमेजिंग तौर-तरीके भी उपलब्ध हैं। ये जांच एम्स के सभी परिसरों में कई स्थानों पर की जाती है। अलग-अलग विभाग, जो इन सेवाओं की पेशकश करते हैं, की अपनी स्वयं-पूर्ण पैक्स और आरआईएस प्रणालियां भी हैं। कुछ विभागों के पास कोई पैक्स नहीं है। इसके अलावा, एम्स ने वेब-आधारित विज़ुअलाइज़र - ओवियम के साथ एक सामान्य केंद्रीकृत पैक्स सर्वर भी चालू किया है। यह प्रणाली स्वयं-पूर्ण विभागीय पैक्स (सीमेंस/जीई/सेंट्रीसिटी/फिलिप्स/सोनोसाइट) और तौर-तरीकों के साथ एकीकृत है। वर्तमान में कुछ प्रणालियां एकीकृत नहीं हैं।

वर्तमान ओपन पी.ए.सी.एस. कार्यान्वयन

- **डीसीएम4सीएचईई2.18.1:** डीसीएम4सीएचईई पी.ए.सी.एस. (ओपन पी.ए.सी.एस.) संस्करण को कुछ बग फिक्स करने और प्रदर्शन सुधार के लिए संस्करण 2.17.2 से 2.18.1 में अपग्रेड किया गया है।
- **एचएल7 एडीटी मॉड्यूल** को ई-अस्पताल से रोगी जनसांख्यिकी प्राप्त करने के लिए कॉन्फ़िगर किया गया है।
- **ओवीयम व्यूअर:** यह मॉड्यूल, जीई-पीएसीएस से सीधे डीआईकॉम सी-गेट/सी-मूव का उपयोग करके अध्ययन प्राप्त करने के लिए जोड़ा गया।
- **एचएल7 एडीटी ए40** मॉड्यूल को विस्टा/ ई-अस्पताल से यूएचआईडी प्राप्त करने और इसे मौजूदा टीसी नंबर से बदल देने के लिए कॉन्फ़िगर किया गया है।
- जेपीएनएटीसी पैक्स से एम्स पैक्स तक **अध्ययनों को ऑटो कॉन्फ़िगर** किया गया। इसके लिए, एक अतिरिक्त एई टाइटल दिसंबर 2017 - आईओवीयम2- मोबाइल व्यूअर-सॉफ्टवेयर अपडेट किया गया।
- क्रोम अपडेट 70 के कारण ओवीयम (व्यूअर) सॉफ्टवेयर अपडेट (अपडेट 70 में कुछ ब्राउजर

फीचर्स हटा दिए गए हैं और वैकल्पिक समाधान उपलब्ध कराया गया है)।

- **पीडीएफ2डाइकॉम एप्लिकेशन** स्पाइरोमीटरी रिपोर्ट अपलोड करने के लिए यह एप स्थापित किया गया है जो पीडीएफ, जेपीजी, जेपीईजी इमेज को डाइकॉम इमेज में रूपांतरित करता है और पैक्स सर्वर में डाल देता है।

एचआईएस ई-हॉस्पिटल के साथ पी.ए.सी.एस. का एकीकरण: यह एप्लीकेशन रेडियोलॉजिकल जांचों जैसे एक्स-रे, सीटी, एमआरआई इत्यादि की मांग को आरआईएस सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन भेजने में मदद करता है। भिन्न-भिन्न तौर-तरीकों के साथ पी.ए.सी.एस. का एकीकरण अप्रैल 2019-मार्च 2020 के दौरान किया गया।

2019-2020 के दौरान ओपन पैक्स में विभिन्न अध्ययन संग्रहीत किए गए/सहेजे गए हैं:

मोडेलिटी	**छवियों की**	**मोडेलिटी का स्थान**
सीआर	58,193	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
सीआर	61,182	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
सीटी	14,180	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
सीटी	12,761	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
डीजी	1	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
डीएक्स	42,510	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
केओ/एमआर	5	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
एमजी	1,749	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
एमआर	5,392	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
एमआर	875	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
ओटी	8,905	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
पीआर	7	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
पीआर/एमआर	45	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
पीएक्स	28	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
पीएक्स	2	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
आरईजी/सीआर	3	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
आरईजी/सीआर	3,788	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
आरएफ	29	आई., जेपीएनएटीसी
आरएफ	73	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
पीटी/आरडब्ल्यूवी/सीटी	29	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.

एससी	4,829	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
एसईजी/सीटी/पीआर/डीओसी/	38	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
एसईजी/सीटी/एसआर	1	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
यूएस	14,286	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
यूएस/पीआर	35	एम्स मुख्य भवन
एक्सए	6	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
एक्सए	138	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
एसआर	22	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
एसआर	3	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
सीआर/एसआर	2	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
सीआर/एसआर	4379	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी
सीटी/एसआर	7182	एम्स मुख्य भवन और सं.रो.कैं.अ.
सीटी/एसआर	8399	आई.पी.ए.सी.एस., जेपीएनएटीसी

ओपेन पी.ए.सी.एस. में प्राप्त कुल अध्ययन 2,49,077

औसत पी.ए.सी.एस. एक्सेस समय

लैन कनेक्शन और वाई-फाई के माध्यम से, 12 महीने (अप्रैल 2019 से मार्च 2020) में ओपेन पी.ए.सी.एस. का कुल उपयोग समय 3,48,193.25 मिनट (5803 घंटे) है।

औसतन 1 महीने का पी.ए.सी.एस. डेटा उपयोग प्रति माह 5,803/12 = 520 घंटे तक है।

प्रत्येक दिन का औसत 22 घंटे है।

ओपन सोर्स पी.ए.सी.एस. से जुड़ी मोडेलिटी

कॉन्फ़िगर की गई एईटी (एप्लिकेशन एंटिटी टाइटल) की कुल संख्या 82 है। इन्हें 2014 के बाद से पीएसीएस सर्वर में अध्ययनों को संग्रहीत करने के लिए विभिन्न विभागों और मुख्य एम्स, जेपीएनएटीसी, एनसीआई झज्जर जैसे अवस्थानों से कॉन्फ़िगर किया गया है।

प्रशासन

- प्रशासन, वित्त, इंजीनियरिंग, स्टोर, विभागों और केंद्रों के सभी अनुभागों में ईऑफिस के अनुरक्षण और उपयोग जिम्मेदारी।
- पे-रोल सिस्टम, जीपीएफ सिस्टम, टैक्स मॉड्यूल, पेंशन प्रणाली आदि और हॉस्टल आबंटन एवं पंजीकरण प्रणाली, संकाय सदस्यों के लिए मकानों के आबंटन, कंप्यूटर सुविधा प्रपत्र, ऑनलाइन पे स्लिप, ऑनलाइन जीपीएफ स्टेटमेंट, ऑनलाइन फॉर्म 16, सतर्कता प्रणाली, ईएसडी के लिए

आशय-पत्र (एलओआई) और अवार्ड प्रणाली, अकादमिक शिक्षण समय-सारणी और मेल, कर्मचारी डेटा प्रदर्शन, ऑनलाइन विष सूचना; ऑनलाइन अंग दान प्रपत्र; ऑनलाइन परिवहन प्रणाली, आदिजैसे वेब-आधारित प्रशासनिक अनुप्रयोगों जैसे वित्तीय अनुप्रयोगों के लिए वित्त सर्वर (नोवेल)/प्रशासनिक सर्वर (विंडोज) का अनुरक्षण किया।

- एम्स के कर्मचारियों (लगभग 5000) के 64 पदनामों, विशेष रूप से नर्सिंग कैडर, वैज्ञानिक कैडर, तकनीकी कैडर, कंप्यूटर कैडर आदि के संबंध में ई-एपीएआर (वार्षिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट) को सफलतापूर्वक लागू किया गया।

आईटी अवसंरचना और नेटवर्किंग, इंटरनेट और इंट्रानेट प्रबंधन गतिविधियाँ

कंप्यूटर केन्द्र द्वारा एनआईसी से एनकेएन कनेक्टिविटी के माध्यम से एम्स के विभिन्न उपयोगकर्ताओं को उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित नेटवर्क प्रबंधन सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। एम्स की वेबसाइट aiims.edu और aiims.ac.in तथा एम्स के विभिन्न अन्य सर्वरों का अनुरक्षण भी किया जाता है।

1. एम्स के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को लगभग 368 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
2. विभिन्न संगोष्ठियों, सम्मेलनों, वीडियो सम्मेलनों के लिए उच्च गति एनकेएन इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की:

   क. कम संसाधनों की उपलब्धता की स्थिति में गंभीर मानसिक विकारों के लिए घर आधारित देखभाल को मजबूत करने पर राष्ट्रीय सीएमई के लिए वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई, 27 अप्रैल 2019, कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्स

   ख. एम्स ऑर्थोडॉन्टिक संगोष्ठी, 1-2 अप्रैल 2019, सीडीईआर बोर्ड रूम के लिए वाई-फाई की सुविधा।

   ग. 5वीं मंजिल के ऑपरेशन थिएटर से एलटी वीआई, छठी मंजिल, आरपीसी तक लाइव सर्जरी ट्रांसमिशन के लिए दो एनकेएन हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई, 4-5 अप्रैल 2019

   घ. मिशन दिल्ली प्रोजेक्ट (दिल्ली इमरजेंसी लाइफ हार्ट अटैक मिशन) उद्घाटन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की गई, कार्डियोलॉजी विभाग, रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, 25 अप्रैल 2019

   ङ. दिनांक 23-24 अप्रैल 2019 को "फ्लोजा सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए मल्टीकलर फ्लो साइटोमेट्री से डेटा का विश्लेषण" विषय पर 2-दिवसीय कार्यशाला के लिए वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई, बायोकेमिस्ट्री विभाग

   च. "उच्च पैरामीटर कोशिका विश्लेषण और उच्च आयामी डेटा विश्लेषण की कार्यविधियां" विषय पर कार्यशाला के लिए वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई, दिनांक 23-24 अप्रैल 2019, जैव रसायन विभाग

छ. दिनांक 3 अगस्त 2019 को आईएससीकेआरएस के वार्षिक सम्मेलन "ओटी आरपीसी में लाइव सर्जरी ट्रांसमिशन" के लिए उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई।

ज. दिनांक 26 अगस्त 2019 को एनओएचपी, सीडीईआर, एम्स के तहत ओरल हेल्थ प्रमोशन पर टीचर्स ट्रेनिंग के लिए वाई-फाई की सुविधा।

झ. लाइव वेबिनार, दिनांक 31 अगस्त 2019, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, सेमिनार कक्ष के लिए हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन।

ञ. मेनोपॉज़ हार्मोनल थेरेपी (एमएचटी), प्रसूति विभाग और स्त्री रोग सेमिनार कक्ष, 17 अगस्त 2019 को लाइव वेबिनार के लिए हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन।

ट. ओआरबीओ, 64वां संस्थान दिवस, दिनांक 24-27 सितंबर 2019 के लिए दो टैबलेट के लिए वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई।

ठ. दिनांक 9-13 अक्टूबर 2019 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के राष्ट्रीय सम्मेलन, जीआई सर्जरी विभाग, ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस हॉल और बोर्ड रूम के लिए वाई-फाई की सुविधा।

ड. "इतालवी सिंट्रोट्रॉन स्रोत से लाइव डेटा संग्रह" कार्यशाला के लिए हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन, दिनांक 11-12 नवंबर 2019, रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम और एसईटी सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक।

ढ. "भारत में वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों पर अनुसंधान संवर्धन के लिए प्राथमिकताएं", विषय पर कार्यशाला के लिए उच्च गति इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किया गया, रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एसईटी केन्द्र स्टूडियो 1 और 3 तथा नर्सिंग एलटी, ओल्ड ओटी ब्लॉक, दिनांक 2-4 दिसम्बर 2019 को।

ण. “एम्स रूमा समिट” सम्मेलन, दिनांक 21-22 मार्च 2020, जवाहरलाल ऑडिटोरियम, एम्स के लिए वाई-फाई की सुविधा।

त. एपीएआर और पे-रोल सर्वर तक एसएसएच पहुंच के लिए फ़ायरवॉल नियम तैयार किए गए।

3. aiims.edu वेबसाइट का निरंतर रखरखाव।

4. एम्स वेबसाइट पर अद्यतन किए गए, निर्मित किए गए और अपलोड किए गए पृष्ठों की कुल संख्या लगभग 6500 रही।

5. एम्स वेबसाइट पर आगंतुकों की कुल संख्या लगभग 75 लाख रही।

6. गेटवे लेवल एंटी-वायरस, एंटी-स्पैम, आईपीएस/आईडीएस, लोड बैलेंसिंग और कंटेंट फ़िल्टरिंग के प्रबंधन के लिए कंप्यूटर नेटवर्क एंव ऐप्लिकेशन की सुरक्षा हेतु एकीकृत जोखिम प्रबंधन (यूटीएम) फ़ायरवॉल का निरंतर प्रबंधन किया गया।

7. लगभग 18 छात्रावास अवस्थानों पर वायरलेस नेटवर्किंग ज़ोन का निरंतर प्रबंधन, इंटरनेट, सूचना और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक विद्यार्थियों और रेजिडेंट डॉक्टरों की पहुंच बनाने के लिए वाई-फाई जोन बनाए गए। अब तक, लगभग 9000 विद्यार्थियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। वर्तमान में इस सुविधा के लिए 1300 उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं।

8. निरंतर बीबीडीएल ओपीएसी सेवाएँ और पुस्तकालय ऑनलाइन संसाधनों की वृद्धि को बीबी दीक्षित

पुस्तकालय एम्स वेबसाइट के माध्यम से सब्सक्राइब किया गया है।

9. विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट और ऑनलाइन जर्नल एक्सेस के लिए बी.बी. दीक्षित लाइब्रेरी में वाई-फाई ज़ोन का निरंतर प्रबंधन।
10. संकाय और विद्यार्थियों के लिए एनकेएन लीज लाइन के माध्यम से लगभग 8500 नोड्स पर हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा, एम्स नेटवर्क पर 24/7 आधार पर बनाए रखी जा रही है।
11. वेब सर्वर, प्रॉक्सी सर्वर और मेल सर्वर का 24x7x365 दिनों तक अनुरक्षण।
12. कंप्यूटर सुविधा के सहायता डेस्क के माध्यम से 24x7x365 दिन इंटरनेट और नेटवर्क उपयोगकर्ता की शिकायतों का समाधान और सुविधा प्रबंधन एवं कॉल रखरखाव।
13. ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल के लिए वीपीएन आधारित पहुंच तंत्र, बल्लभगढ़, एम्स केंद्रों के संबंध में एम्स के बाहर से सीपीआरएस एक्सेस प्रबंधन जारी रखा गया।
14. एनडीडीटीसी, जेपीएनएटीसी, और सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन एपिलेप्सी तथा ब्रेन रिसर्च सेंटर, गुड़गांव को जोड़ने के लिए आईपीएससी सुरंग का निरंतर प्रबंधन।
15. वाई-फाई आधारित ई-हास्पिटल सॉफ्टवेयरों के लिए और वार्ड, ओपीडी, आईसीयू और ओटी आदि में एम्स संकाय, वैज्ञानिकों, सहायक और उप-नर्सिंग अधीक्षकों को इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए मैक आईडी आधारित प्रमाणीकरण प्रदान किया गया।
16. वीपीएन एक्सेस के लिए लगभग 120 आईडी बनाई गई।
17. संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और एम्स के अधिकारियों के लिए aiims.edu और aiims.ac.in डोमेन पर लगभग 290 नई ईमेल आईडी बनाई गई।
18. विभिन्न सम्मेलनों, सेमिनारों आदि के बारे में सभी संकायों को नियमित ई-मेल भेजे गए।
19. नेटवर्किंग, पीसी, संबंधित उपभोज्य सामग्री के सीएएमसी के लिए और पुर्जों के रेट कॉन्ट्रेक्ट के लिए निविदा विनिर्देश तैयार किए गए और निविदा जारी करने के लिए इनका पुनरीक्षण तकनीकी विनिर्देश समिति द्वारा किया गया।
20. मस्जिद मोठ और एनसीआई, झज्जर में नए बन रहे ब्लॉकों के लिए तकनीकी कार्यनीति के बारे में बैठक आयोजित की गई।
21. इंटरनेट कनेक्शन के लिए आईपी को सक्रिय और कॉन्फ़िगर किया गया।
22. न्यूरोसाइंसेस सेंटर के लिए जीई सेंट्रीसिटी आरआईएस-पैक्स के लिए बाहरी आईपी पते का प्रावधान किया गया।
23. लैन और वाई-फाई उपयोगकर्ताओं के लिए यू-ट्यूब और फेसबुक की सुगम पहुंच देने के लिए फ़ायरवॉल नियम बनाए गए।
24. एलएएन से और डब्ल्यूएएन से एलएन के लिए फ़ायरवॉल नियम बनाए गए।
25. साइबरोम लाइसेंस का नवीनीकरण दो साल के लिए किया गया।
26. एम्स में कोविड 19 राष्ट्रीय परामर्श केंद्र (कॉनटेक) की स्थापना की गई।
27. न्यू ओपीडी ब्लॉक, एनसीआई झज्जर, न्यू बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक में अत्याधुनिक 3 टीयर नेटवर्किंग आर्किटेक्चर (कोर स्विच टू कोर स्विच - 100 जी, कोर टू डिस्ट्रीब्यूशन - 40 जी और

डिस्ट्रीब्यूशन टू एक्सेस स्विच - 10 जी) तैनात किया गया। एम्स में एमसीएच, न्यू सर्जिकल ब्लॉक और वीवीआईपी ब्लॉक के लिए इस उपलब्ध कराया जा रहा है।

28. एनएसी, एनएमएस, डब्ल्यूएलएएन नियंत्रक को लागू करने, वायरलेस उपकरणों, स्विचों और पैकेट फ़िल्टरिंग के प्रबंधन के लिए फ़ायरवॉल तैयार करने पर काम चल रहा है।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 2

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

एसएन रघु कुमार, एम्स और उसके सभी केंद्रों और आगामी केंद्रों के लिए आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास से संबंधित विभिन्न तकनीकी विशिष्टता समितियों के सदस्य रहे; वे, एम्स में आईटी कार्यान्वयन से संबंधित सेवाओं और सभी सेवा प्रदाताओं/विक्रेताओं; कंप्यूटर केन्द्र के प्रबंधन/प्रशासन, कंप्यूटर केन्द्र में काम कर रहे एनआईसी कर्मचारियों और कंप्यूटर केन्द्र में संविदा पर तैनात कर्मचारियों की निगरानी से भी जुड़े रहे; उन्होंने नव चयनित एमबीबीएस विद्यार्थियों, एम्स, नई दिल्ली के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया; 31 जुलाई 2019 को इलास्टिक सर्च सेक्यूरिटी कार्यशाला, जेडब्ल्यू मैरियट होटल, एयरोसिटी, नई दिल्ली में भाग लिया; बीबी दीक्षित पुस्तकालय, एम्स में 9 अगस्त 2019 को शोधपरक संचार में ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया; 27 अगस्त 2019 को होटल ताज प्लेस, नई दिल्ली में डिजिटल गवर्नेंस समिट में भाग लिया; 28 अगस्त 2019 को 12वें भारत सुरक्षा शिखर सम्मेलन एसोचैम कॉर्पोरेट कार्यालय, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भाग लिया; 2 से 3 सितंबर 2019 तक इलेक्ट्रॉनिक एनवायरनमेंट में चिकित्सा साहित्य की पहुंच और उपलब्धता पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली में भाग लिया।

सतीश प्रसाद ई-ऑफिस परियोजना (एनआईसी) के नोडल अधिकारी रहे और ई-ऑफिस के उपयोग में कार्मिकों का प्रशिक्षण एवं समन्वय किया; वे कॉलेज ऑफ नर्सिंग में एमएससी, बीएससी और पोस्ट सर्टिफिकेट विद्यार्थियों, बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट कोर्स, बीएससी डेंटल हाइजीन कोर्स, बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी के लिए आईटी की कक्षाओं हेतु कोर्स समन्वयक और उन्होंने कक्षाएं भी लीं; उन्हें कंप्यूटर केन्द्र के लिए केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में नामित किया गया; वे संस्थान में विकसित वित्तीय अनुप्रयोगों के लिए वित्त सर्वर (नोवेल) की निगरानी और रखरखाव के कार्य से जुड़े रहे; ईएपीएआर मॉड्यूल के विकास के लिए और ओपन सोर्स आधारित पेरोल मॉड्यूल के लिए टीम लीडर रहे।

सुशील कुमार मेहर ने एनसीआई, झज्जर के नव स्थापित केंद्र में एचआईएस (ई-हॉस्पिटल) और ओपीडी क्लिनिकल स्क्रीनिंग और अन्य विशेषता मॉड्यूल को लागू करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है; उन्होंने संस्थान में विकसित कोर मॉड्यल, एलआईएस मॉड्यूल, ब्लड बैंक, आरआईएस, पी.ए.सी.एस. और अलग-

अलग क्लिनिकल मॉड्यूल और ई-हॉस्पिटल की निगरानी में भी प्रमुख भूमिका निभाई; एनसीआई, झज्जर के रोबोट लैब और ओपन पी.ए.सी.एस. के एकीकरण में प्रमुख भूमिका निभाई। एनसीआई, झज्जर (हरियाणा) के लिए डाटा सेंटर की स्थापना और कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं वाई-फाई की डिज़ाइन, तैनाती और कार्यान्वयन के साथ-साथ एनसीआई, झज्जर से एम्स, नई दिल्ली तक कनेक्टिविटी स्थापित की; स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की शिक्षण गतिविधियों में शामिल रहे; सीएनसी निराकरण समिति के सदस्य रहे; कंप्यूटर से संबंधित वस्तुओं की खरीद के लिए तकनीकी समिति के सदस्य रहे; आईसीएमआर, नई दिल्ली में आईटी उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी समिति के सदस्य रहे; कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया, जिसका विषय था: डिजिटल डेमोक्रेसी - आईटी फॉर चेंज, भुवनेश्वर, उड़ीसा, 16-18 जनवरी 2020; वे, "ट्रांसफ़ॉर्मिंग हेल्थकेयर थ्रू एआई और रोबोटिक: नाउ नो लोंगर ए साई-फाई" विषय पर मुख्य वक्ता रहे; हैल्थ रिकॉर्ड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचईआरएआई), कोच्चि, केरल द्वारा आयोजित 20वें वार्षिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन सम्मेलन 'मेडरिकॉन 2020' में भाग लिया; मुख्य वक्ता रहे -"ए प्रेग्मेटिक एप्रोच फॉर प्रेपिंग हेल्थकेयर सिस्टम्स टुवर्ड्स ई-हैल्थ/ईएमआर - इंडियन सीनेरियो" में; उन्होंने हेल्थकेयर डेटा स्टेंडर्ड्स पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की; "भारत में स्नोमेड-सीटी के कार्यान्वयन में नर्सिंग सूचना विज्ञान की भूमिका" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया; और 'मेड-इनफो 2019 (17वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स), लियोन, फ्रांस में 25-30 अगस्त को सत्र टी2-11 (टेलीहैल्थ 2) की अध्यक्षता की; भारत मोबाइल कांग्रेस, दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा 14-16 अक्टूबर 2019 तक, एयरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित गोलमेज चर्चा "एंटी-कोअगुलेशन एप्लिकेशन का विकास और एम्स, नई दिल्ली, भारत में इसका कार्यान्वयन" में भाग लिया; बीएमजे हेल्थ एंड केयर इंफॉर्मेटिक्स के संपादकीय बोर्ड 2020-2023 में प्रतिनिधित्व किया, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर गेरोनटेक्नोलॉजी 2019-2020 के बोर्ड सदस्य रहे; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, एम्स में स्नोमेड सीटी परियोजना के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करते रहे; विभिन्न नैदानिक विभागों के चिकित्सकों के लिए स्नोमेड सीटी परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया; केंद्रीय सरकार के अस्पतालों को आपातकालीन मामलों के लिए एम्स के वेंटीलेटर और आईसीयू बेड उपलब्ध कराने के लिए नोडल अधिकारी रहे; सभी केंद्रों और मुख्य अस्पताल के नैदानिक विभागों के वार्डों/प्रयोगशालाओं में मरीजों की देखभाल सेवाओं के तौर-तरीकों का निरीक्षण करने के लिए, अंतरंग रोगी विभाग में अध्ययन/सर्वेक्षण किया; हिताची द्वारा मुख्य सर्वर रूम में नए आईटी बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन के बाद ओपन पी.ए.सी.एस. प्रक्रिया का अध्ययन किया।

संजय गुप्ता ने एम्स में कोविड 19 नेशनल टेली कंसल्टेंसी सेंटर (कॉनटेक) की स्थापना की है; ओपीडी शुरू करने के लिए न्यू ओपीडी ब्लॉक में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया; एनसीआई, झज्जर, न्यू ओपीडी और न्यू बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक में अत्याधुनिक नेटवर्किंग शुरू की और इसे एम्स में एमसीएच, न्यू सर्जिकल, एनएसी और वीवीआईपी ब्लॉक्स के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है; एम्स में कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन शिकायत पोर्टल चालू किया गया; एसवाईएस, ऑफिसर्स एसोसिएशन,

एफएआईएमएस और आरडीए के ऑनलाइन चुनावों के लिए एम्स में सूचना कियोस्क का उपयोग किया गया; फ्रांस के ल्योन में 25-30 अगस्त 2019 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मेड-इनफ़ो-2019: 17वीं विश्व चिकित्सा और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान कांग्रेस" में भाग लिया।

विनय पांडे एम्स में डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए नोडल अधिकारी हैं; वे ई-हॉस्पिटल सॉफ्टवेयर के बिलिंग मॉड्यूल की देखभाल करते हैं; एपीएआर मॉड्यूल, पे-रोल मॉड्यूल और सॉफ्टवेयर विकास/कार्यान्वयन के विकास से जुड़ी टीम के सदस्य हैं; एम्स के एमएससी (नर्सिंग), बीएससी (नर्सिंग) विद्यार्थियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, एचआईएस, नर्सिंग और मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स, जैव-चिकित्सा सूचना पुनर्प्राप्ति कक्षाएं भी उन्होंने ली हैं।

हरि शंकर ने एम्स के एमबीबीएस के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम संचालित किया; एमएससी और बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं लीं; 20-22 नवंबर 2019 को हेमिल्टन, न्यूजीलैंड में आयोजित हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स न्यूजीलैंड (एचआईएनजेड) सम्मेलन 2019 में "एंटी-कोएगुलेशन एप्लिकेशन का विकास और एम्स, नई दिल्ली, भारत में इसका कार्यान्वयन" नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

श्यामल बरुआ ने ई-हॉस्पिटल परियोजना की एपॉइंटमेंट प्रणाली, ओपीडी मॉड्यूल, आपातकालीन पंजीकरण मॉड्यूल, रेडियोलॉजी सूचना प्रणाली शेड्यूलिंग मॉड्यूल आदि के कार्यान्वयन का समन्वय किया; रेडियोथेरेपी अपॉइंटमेंट मॉड्यूल, आईआरसीएच डे केयर, आरपीसी हिस्टोपैथोलॉजी इंडेक्सिंग मॉड्यूल, एनसीआई झज्जर के लिए रोगी निदान मॉड्यूल आदि के लिए संस्थान में विकसित सॉफ्टवेयर का कार्यान्वयन किया; नई आरएके ओपीडी में ओपीडी मॉड्यूल का विन्यास और कार्यान्वयन किया। जैम पोर्टल और ई-प्रोक्योरमेंट के कार्यान्वयन के लिए नोडल अधिकारी के रूप में समन्वय कार्य किया। वे सीसीटीवी खरीद और निगरानी प्रणाली के लिए तकनीकी मार्गदर्शन में शामिल रहे।

तृप्ता शर्मा, एम्स और विभिन्न केंद्रों में ई-हॉस्पिटल एप्लिकेशन मॉड्यूल जैसे कि अपॉइंटमेंट मॉड्यूल, एडमिशन डिस्चार्ज और ट्रांसफर मॉड्यूल, इन्वेंटरी मॉड्यूल, ईएचएस (कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा) मॉड्यूल के अनुरक्षण और विन्यास का कार्य कर रही हैं; वे स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की शिक्षण गतिविधियों में शामिल रहीं।

11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा

आचार्य

टी.सी. नाग

सह-आचार्य

सुभाष सी. यादव (1 सितम्बर, 2019 से 28 फरवरी, 2020 तक अवकाश पर)

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

संदीप आर्य

तकनीकी अधिकारी

चंदा पंवार

शिक्षा

1. एम्स के जैवप्रौद्योगिकी विभाग के 13 एम बायोटेक विद्यार्थियों ने 13 अगस्त 2019 से 27 अगस्त 2019 तक (उनके प्रथम सेमेस्टर कोशिका जैव विज्ञान प्रैक्टिकल्स के भाग के रूप में) दो सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. शरीर रचना स्नातकोत्तर हेतु इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी कक्षाओं (सिद्धांत के साथ-साथ प्रेक्टिकल, केवल शुक्रवार) का आयोजन 3 जनवरी 2020 से 13 मार्च 2020 तक किया गया।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. तकनीकी कर्मचारियों हेतु इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 15 मई 2019 से 14 जून 2019 तक आयोजित किया गया। तेरह अभ्यर्थियों को सैम्पल प्रोसेसिंग, अल्ट्रामाइक्रोटॉमी, सी.पी.डी., स्पटर कोटिंग, टीईएम तथा एस.ई.एम. जांच एवं सूक्ष्मदर्शी के दैनिक रखरखाव में प्रशिक्षित किया गया।
2. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी फॉर साइंटिफिक इंवेस्टीगेटर्स में 35वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 26 नवम्बर, 2019 से 7 दिसम्बर 2019 तक किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से बीस अभ्यर्थियों ने भाग लिया।
3. संस्कृति स्कूल नई दिल्ली से छः शिक्षकों (डॉ. मोहिनी सेवल, डॉ. कविता वर्मा, रश्मि सिंह, गीतिका तनेजा एवं तृप्ति मेहता) ने दिनांक 4 मई 2019 को ईएम सुविधा में संभावित भावी अनुसंधान योजना हेतु एसएआईएफ, ईएम सुविधा, एम्स में उपलब्ध सुविधाओं को जानने हेतु ईएम सुविधा दौरा किया।

4. इंडियन स्कूल, नई दिल्ली के 106 विद्यार्थियों ने 6 शिक्षकों के साथ 17 एवं 20 मई, 2019 को ईएम सुविधा का दौरा किया तथा ईएम अवलोकन हेतु जैविक नमूने के प्रसंस्करण तथा ईएम के सिद्धांतों पर निर्देश प्राप्त किए।
5. दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर के पुरम, नई दिल्ली से 125 विद्यार्थियों ने चार शिक्षकों के साथ 18 अक्टूबर, 2019 को ईएम सुविधा का दौरा किया एवं ईएम के सिद्धांतों एवं ईएम अवलोकन हेतु जैविक नमूनों के प्रसंस्करण संबंधी निर्देश प्राप्त किए।

प्रदत्त व्याख्यान

टी.सी. नाग

1. रेटिना डिजनरेशन की क्रियाविधि को समझने हेतु एक पशु मॉडल पर इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी एवं संबंधित विश्लेषणात्मक तकनीकों (ईएमएएटी) पर अन्तरर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 7 जून, 2019 एचपीयू, शिमला।
2. आयुवृद्धि मानव कोरियोकेपीलारीस में पेरिसाईट जीवनक्षमता: बाहरी बलों की भूमिका पर एसोसिएशन ऑफ जिरोन्टोलॉजी की 19वीं द्विवार्षिक बैठक, 17 अगस्त, 2019 एम्स, नई दिल्ली।
3. आयु संबंधी मैक्यूलर डिजनरेशन के चूहे रेटिना मिमिक के पैथोलोजिकल लक्षणों में लौह प्रेरित परिवर्तन, XXXVII इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसिज की वार्षिक बैठक, 19 नवम्बर, 2019, एम्स, नई दिल्ली।

सुभाष चन्द्र यादव

1. नेनोटेक्नोलॉजी अंत:क्षेप माध्यम से प्लांट बायोमोलेक्यूल्स का चिकित्सीय संभावित सुधार, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी तथा संबंद्धित विश्लेषणात्मक तकनीकों पर अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईएमएएटी 2019), 9 जून 2019, एचपीयू, शिमला।
2. मंदक, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी तथा संबंद्धित विश्लेषणात्मक तकनीकों पर अन्तरर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ईएमएएटी 2019), 8 जून 2019, एचपीयू, शिमला।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. चूहों में प्रयोगात्मक लौह की अधिक मात्रा के बाद माइटोकोन्ड्रियल सक्रिय एवं रेटिना फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में ऑटोफैगी की स्थिति, टी.सी. नाग, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-22, 30 लाख रूपए।
2. गुर्दा प्रत्यारोपण रोगियों के सीरम से बी के विषाणु की त्वरित तथा लागत प्रभावी नेनो-लैम्प आधारित पहचान को डिजाइन करना। सुभाष चन्द्र यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 35.84 लाख रूपए।

3. कोशिका विज्ञान नमूने से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं का चुम्बकीय नेनोकणों एवं क्वांटम डॉट्स युग्मक दृश्य पुष्टिकरण: ग्रामीण भारतीय व्यवस्था हेतु एक लागत प्रभावी, शीघ्र तथा अनुकूल जांच, सुभाष चंद्र यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-21, 38.68 लाख रूपए।
4. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के उपचार हेतु मानव पेपिलोमा विषाणु (एचपीवी 16) आधारित नेनोकेरियर्स का प्रयोग करते हुए सिस्प्लेटिन की बाह्य आपूर्ति, सुभाष चन्द्र यादव, एम्स आईआईटीडी, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रूपए।
5. ईडब्ल्यूएस - एफ.एल.आई.-1, फ्यूजन प्रोटीन का शीघ्र तथा विशिष्ट पहचान पद्धति का विकास, सुभाष चन्द्र यादव, डी.बी.टी., 3 वर्ष 2019-22, 80 लाख रूपए।

पूर्ण

1. अलक्षणी अवस्था में रोगजन पहचान हेतु सरल, शीघ्र तथा आनसाइट त्वरित नैदानिक किट, सुभाष चन्द्र यादव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 50.21 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चयनात्मक मुलर कोशिका क्षति के बाद चूहें के रेटिना पर तेज़ प्रकाश से पड़ने वाले प्रभाव में सूक्ष्मतंत्रिकाबंध का अध्ययन।
2. पोस्ट - हेच चूजें के रेटिना में प्रकाश प्रेरित ऑक्सीकर तनाव एवं इंडोजेनियस न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र।
3. चूहों में प्रकाश-प्रेरित रेटिना क्षति के पश्चात समांतर कोशिकाओं में रीमॉडलिंग।
4. प्रोटीन बायोमार्कर्स पी.एस.ए. एवं एम.एस.एम.बी. आधारित मूत्र के प्रयोग वाले प्रोस्टेट कैंसर की गैर आक्रामक पहचान हेतु एक नवीन इम्यूनों नेनो फ्लूरोसेन्स एस्से (आई.एन.एफ.ए.) प्रणाली।
5. लूप मध्यस्थ समतापी विस्तारण (नेनो-एलएएमपी) यूग्मित नेनोकणों का प्रयोग कर गुर्दा प्रतिरोपित रोगियों हेतु दृश्य, शीघ्र, गैर-आक्रामक तथा लागत प्रभावी बी के वायरस की खोज प्रणाली।

पूर्ण

1. प्रसवपूर्ण ध्वनि उद्दीपन से जन्मजात चिक अभिदर्शिता से केन्द्रीय ओडिटोरी मार्ग तथा हिपोकैम्पस में मस्तिष्क व्युत्पन्न तंत्रिकावृद्धि कारक का एपीजेनीटिक विनियम।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सुपर रेजूल्यूशन माइक्रोस्कॉपी का प्रयोग करते हुए दृष्टिगत रूप से सक्रिय सूक्ष्मकणों का इंटरासेलुलर ट्रैफिकिंग के यांत्रिकी आधार की व्याख्या करना, जैवप्रौद्योगिकी वि*द्यालय, जे.एन.यू., नई दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 11 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

वि*शेष प्रयोगशाला सुवि*धाएं

क्र.सं.	सुविधा	प्रयोक्ता सं.		विश्लेषित नमूने	
		आंतरिक	बाहरी	आंतरिक	बाहरी
1.	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	331	419	1415	2342
2.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	94	150	427	467

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टी.सी. नाग को इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसायटी ऑफ इंडियन की अध्येतावृत्ति प्रदत्त की गयी, पेलिनेटरी व्याख्याता नामित (चिकित्सा विज्ञान के अन्तर्गत) एवं हैदराबाद (फरवरी, 2020) में आयोजित 12वें एशिया-पेसिफिक माइक्रोस्कोपी सम्मेलन में राष्ट्रीय सलाहकार समिति सदस्य के रूप में कार्य किया। कार्यपालक समिति सदस्य, इंडियन अकादमी ऑफ न्यूरोसाइंसिस (आईएएन) एवं विचार करना एम्स, नई दिल्ली 37वीं वार्षिक बैठक (नवम्बर 2019) तथा विशिष्ट संगोष्ठी (न्यूरोनल सर्किट विकसित करने में प्लास्टिसिटी) पर संकल्पना, सेशन की आयोजन तथा अध्यक्षता, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी तथा संबंद्धित विश्लेषणात्मक तकनीक (ईएमएएटी) पर अन्तरर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दो सत्रों की अध्यक्षता, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में 7 से 9 जून, 2019 तक की। आयुवृद्धि तथा रोग (1), एनाटोमिकल रिकॉर्ड (1), शरीर-क्रिया-विज्ञान एवं जैवरसायन हेतु लेखागार (1), बायोफेक्टर (1), प्रयोगात्मक नेत्र अनुसंधान (1), जर्नल ऑफ माइक्रोस्कोपी एवं अल्ट्रास्ट्रक्चर (2), जैव औषधि एवं भेषज-चिकित्सा विज्ञान (3), जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस रिसर्च (1), सूक्ष्मदर्शी अनुसंधान एवं तकनीक (1), भैषजिक जीवविज्ञान (1), एवं रेडोक्स जीवविज्ञान (1), हेतु पांडुलिपियों की समीक्षा की। इस अविध के दौरान उन्होंने दो पी.एच.डी. शोध-प्रबंधों का भी परीक्षण किया।

सुभाष चन्द्र यादव को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार से 6 माह हेतु (1 सितम्बर, 2019 से 28 फरवरी 2020) क्रायो - इलेक्ट्रॉन टोमोग्रॉफी पर स्टेनफोर्ट यूनिवर्सिटी कैलिफोर्निया, यू.एस.ए. में दीर्घ अवधि अन्तरर्राष्ट्रीय अनुसंधान अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

11.7 छात्रावास अनुभाग

छात्रावास अधीक्षक

डॉ. संदीप अग्रवाल

छात्रावास उप-अधीक्षक

डॉ. एस. दत्ता गुप्ता	डॉ. एस.के. मौलिक	डॉ. नीरजा भाटला
डॉ. राज कुमार यादव	डॉ. राकेश कुमार	डॉ. के.एच. रीता
डॉ. विजय कुमार	डॉ. तनुज दादा	डॉ. पार्थ हल्दर
डॉ. कपिल यादव	डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा	श्रीमती भूपिंदर कौर

वरिष्ठ भंडार अधिकारी (छात्रावास)

श्री राकेश कुमार शर्मा

प्रशासनिक अधिकारी (छात्रावास)

श्री बी.के. सिंह

लेखा अधिकारी (छात्रावास)

श्रीमती राकेश कुमारी शर्मा

वरिष्ठ वार्डन

श्री शशि प्रकाश पाण्डेय

वार्डन

श्री मोहन शर्मा
श्रीमती सीमा परूथी

उप-वार्डन

श्री सतप्रकाश कालिया
श्रीमती सुचिता कुमारी
श्री सुखपाल मलिक

सहायक वार्डन

श्रीमती तृप्ता शर्मा
सुश्री रानी वर्गीस

कनिष्ठ वार्डन

श्री बाबू लाल मीणा	श्री दिनेश देसाई	श्रीमती निर्मला
श्री राजेश रावत		श्रीमती सुनील देवी

अनुसचिवीय और संविदा स्टाफ

छात्रावास अनुभाग में पांच अनुसचिवीय और ग्यारह संविदा कर्मचारी हैं।

अधीनस्थ स्टाफ

12 पुरुष और 26 महिला कार्यालय परिचर विभिन्न छात्रावासों में तैनात हैं। एम्स में 1990 (अनुमानित) सिंगल/ डबल रूम, विवाहितों के लिए 287 आवास, नर्सिंग विद्यार्थियों/स्टाफ नर्सों के लिए 418 आवास और 24 गेस्ट रूम सहित अनेक छात्रावास हैं। ये आवास, एम्स मुख्य परिसर, मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर, ज.प्र.ना.ए. ट्रॉमा केंद्र छात्रावास (राज नगर) के भिन्न-भिन्न छात्रावासों और आवासों में स्थित हैं।

छात्रावासों का विस्तृत विवरण

क्रमांक	**छात्रावास का नाम**	**एकल कक्ष**	**दो से आठ सीट वाले**	**कुल संख्या**
पुरुष छात्रावास				
1	नम्बर 1 (चरक)	62	2x3=6 (बीएससी)	68
2	नम्बर 2 (जीवक)	55	2x2=4 (बीएससी)	59
3	नम्बर 3 (सुश्रुत)	70	2x6=12 (बीएससी)	82
4	नम्बर 4 (माधव)	53	2x7 = 14 (बीएससी)	67
5	नम्बर 5 (नागार्जुन)	53	2x5 = 10 (बीएससी)	63
6	नम्बर 6 (वागभट्ट)	69	2x6 = 12 (एमबीबीएस)	81
7	नम्बर 7 (अश्विनी)	24पी.जी.	83X2 = 166 (एमबीबीएस)	190
8	नम्बर 8 (भारद्वाज)	108	0	108
9	नम्बर 12 (धनवंतरी)	72	0	72
10	नम्बर 14 (अत्रेय)	144	0	144
11	नम्बर 16 (अग्निवेश)	10	0	10
11	नम्बर 18 (कश्यप)	283	2x10 = 20; 3x14 = 42	345
10	ज.प्र.ना. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	58	0	58
11				
	कुल	**1061**	**286**	**1347**
महिला छात्रावास				
12	नम्बर 9 (पार्वती)	65	13x2 = 26	91
13	नम्बर 10 (सरस्वती)	106	0	106
14	नम्बर 11 (अक्षरा)	0	2x26=52; 3x4=12	64
15	नम्बर 13 (लक्ष्मी)	0	2x33=66; 4x1 = 4; 6x1= 6	76
16	नम्बर 19 (पतंजलि)	306	0	306
	कुल	**477**	**166**	**643**

नर्सिंग विद्यार्थी/स्टाफ नर्स छात्रावास					
17	नम्बर 15 (मेधा) विद्यार्थी	160	90+14+4+0+0 (180+42+16)		398
18	नम्बर 15 (मेधा) स्टाफ नर्स	20	0		20
	कुल	**180**	**238**		**418**
विवाहितों के छात्रावास					
21	नम्बर 14 (अत्रेय)	42			42
23	नम्बर 16 (अग्निवेश)	142	0		142
24	पीएचडी के लिए एफ-टाइप	18	0		18
25	नम्बर 17 (अंबुजा)	54	0		54
	आयुर्विज्ञान नगर टाइप III	25	0		25
25	ज.प्र.ना. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	6	0		6
	कुल	**287**			**287**
	कुल जोड़	**1,347 (पुरुष) 643 (महिला) 418 (नर्सिंग विद्यार्थी और स्टाफ) 287 (विवाहित)**		**24**	**2,695**

सुविधाएं

पुरुष अतिथि कक्ष

क्रमांक	**स्थान (छात्रावास)**	**शौचालय**	**एयर कंडीशनर**
1.	छात्रावास नम्बर 2 (जीवक)	कॉमन	पहले ही लगा है
2.	छात्रावास नम्बर 3 (सुश्रुत)	कॉमन	पहले ही लगा है
3.	छात्रावास नम्बर 7 (अश्विनी)	कॉमन	पहले ही लगा है
4.	छात्रावास नम्बर 8 (भारद्वाज)	कॉमन	पहले ही लगा है
5.	छात्रावास नम्बर 12 (धनवंतरी)	कॉमन	पहले ही लगा है
6.	छात्रावास नम्बर 301/ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.	संलग्न	पहले ही लगा है
7.	कमरा नम्बर 315/ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.	संलग्न	पहले ही लगा है
8.	कमरा नम्बर 203 छात्रावास नम्बर 17 (अंबुजा)	संलग्न	पहले ही लगा है
9.	कमरा नम्बर 303 छात्रावास नम्बर 17 (अंबुजा)	संलग्न	पहले ही लगा है
10.	कमरा नम्बर 403 छात्रावास नम्बर 17 (अंबुजा)	संलग्न	पहले ही लगा है
11.	कमरा नम्बर 503 छात्रावास नम्बर 17 (अंबुजा)	संलग्न	पहले ही लगा है
12.	कमरा नम्बर 603 छात्रावास नम्बर 17 (अंबुजा)	संलग्न	पहले ही लगा है

महिला अतिथि कक्ष

क्रमांक	स्थान (छात्रावास)	शौचालय	एयर कंडीशनर
1.	छात्रावास नम्बर 9 (पार्वती)	कॉमन	पहले ही लगा है
2.	छात्रावास नम्बर 10 (सरस्वती)	कॉमन	पहले ही लगा है
3.	छात्रावास नम्बर 13 (लक्ष्मी)	कॉमन	पहले ही लगा है
4.	अतिथि कक्ष नम्बर III, छात्रावास नम्बर 15 (मेधा)	संलग्न	पहले ही लगा है

अतिथि पर्यवेक्षकों/अदला-बदली करने वाले विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक अनुभाग हेतु आरक्षित अतिथि कक्ष

क्रमांक	स्थान (छात्रावास)	शौचालय	एयर कंडीशनर
1.	15-ए छात्रावास नम्बर 14 (अत्रेय)	संलग्न	पहले ही लगा है
2.	15-बी/ छात्रावास नम्बर 14 (अत्रेय)	संलग्न	पहले ही लगा है
3.	16-ए/ छात्रावास नम्बर 14 (अत्रेय)	संलग्न	पहले ही लगा है
4.	16-बी/छात्रावास नम्बर 14 (अत्रेय)	संलग्न	पहले ही लगा है
5.	17-ए/ छात्रावास नम्बर 14 (अत्रेय)	संलग्न	पहले ही लगा है
6.	17-बी/ छात्रावास नम्बर 14 (अत्रेय)	संलग्न	पहले हि लगा है
7.	अतिथि कक्ष नम्बर I, छात्रावास नम्बर 15 (मेधा)	संलग्न	पहले ही लगा है
8.	अतिथि कक्ष नम्बर II, छात्रावास नम्बर 15 (मेधा)	संलग्न	पहले ही लगा है

दुकानें और संस्थान

विभिन्न मेस/कैफे और दुकानें जैसे - जूस की दुकान, नाई की दुकान, जनरल स्टोर, टेलर की दुकान, धोबी की दुकान, कंप्यूटर टाइपिंग की दुकान, बुक/स्टेशनरी की दुकान, फोटोस्टेट की दुकान, एसटीडी/आईएसडी/पीसीओ बूथ, कॉफी की दुकान, अंसारी नगर, ट्रॉमा सेंटर और मस्जिद मोठ कैम्पस में बने छात्रावासों में स्थित हैं।

विद्यार्थियों का स्वास्थ्य केंद्र

(i) मुख्य परिसर

क. विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य केंद्र सेवाएँ कमरा संख्या 11 (छात्रावास संख्या 7 / अश्विनी छात्रावास के सामने), पुरुष छात्रावास, एम्स में उपलब्ध हैं।

ख. छात्रावास नम्बर 10, सरस्वती छात्रावास।

(ii) मस्जिद मोठ परिसर

कॉमन रूम (2 / II), द्वितीय तल, छात्रावास संख्या 19 (पतंजलि छात्रावास), मस्जिद मोठ।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. सिविल निर्माण-कार्य

नवीकरण

1. छात्रावास संख्या 8 प्रथम तल, साउथ इंडियन मेस को मॉडुलर रसाई-घर के साथ नवीकृत करके नए डाइनिंग टेबल और कुर्सियों के साथ सुसज्जित किया गया है।
2. छात्रावास संख्या 9 (पार्वती छात्रावास) में 17 कमरों की खिड़कियां बदली गई हैं और मुख्य द्वार की दीवार का नवीनीकरण कार्य किया गया है।
3. छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास) में 5 कॉमन लैवेटॉरी संख्या 2, 4, 6, 13 और 14 का नवीनीकरण किया गया है।
4. छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास) के 2 कमरे और छात्रावास संख्या 9 के (पार्वती छात्रावास) कोने के 3 कमरों का नवीनीकरण किया गया।
5. छात्रावास संख्या.14 (अत्रेय छात्रावास) में पहली मंजिल से 7वीं मंजिल तक 144 एकल कक्ष और 11 कॉमन शौचालयों का नवीनीकरण किया गया। भूतल से छठी मंजिल (ऑफिस की तरफ) और दूसरी तरफ चौथी मंजिल से 7वीं मंजिल तक वाटर कूलर प्लेटफॉर्म और सिंक बनाए गए हैं। सभी सिंगल रूम, कॉरिडोर लाइट और कॉमन शौचालयों में 25 गीज़र बदले गए हैं।
6. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास) के वार्डन ऑफिस का नवीनीकरण किया गया। छात्रावास कार्यालय के सामने भूतल से सातवीं मंजिल तक पक्षीय केंद्रीयकृत तंत्र प्रणाली में परिवर्तित कर दिया गया है।
7. छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास) - कमरा संख्या एन-307 को नवीकृत किया गया। पूरे शाफ्ट का फ़्लोरिंग कार्य किया गया है और सभी स्विच, रूम के दरवाजों को बदल दिया गया है तथा दक्षिण की ओर के गलियारों की लाइटों को बदल दिया गया है। मुख्य द्वार को भी बदल दिया गया।
8. छात्रावास संख्या 19 में कड़ी ताला लगा दिया गया है।
9. छात्रावास संख्या 7 में पुराने छात्रावास ऑफिस को छात्रावास भंडार में बदल दिया गया और उसका नवीनीकरण किया गया।
10. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. छात्रावास - कॉरिडोर और कमरे की खिड़कियां और बालकनी के दरवाजों की मरम्मत की गई है।

जारी नवीकरण कार्य

1. छात्रावास संख्या 3 (सुश्रुत छात्रावास) शौचालय संख्या 7, 8 और 9, छात्रावास संख्या V (नागार्जुन छात्रावास) शौचालय संख्या 1, 3 और 5 और छात्रावास संख्या 7 (अश्विनी छात्रावास) शौचालय संख्या 4, 8 12 का नवीकरण जारी है।

2. विद्‌युत संबंधी कार्य

1. छात्रावास संख्या I, II, III, IV, V और VI में इलेक्ट्रिकल पैनल को बदल दिया गया है।

2. छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास) के 5 कमरों और छात्रावास संख्या 13 (लक्ष्मी) छात्रावास) के 5 कमरों का विद्युत कार्य किया गया है। छात्रावास संख्या 10 में इलेक्ट्रिकल पैनल बदल दिया गया है।
3. छात्रावास संख्या 9, 10 और 13 में लगभग 97 पंखों को बदल दिया गया है।
4. छात्रावास संख्या 14 और 15 में समस्त सोलर गीज़र को हटा दिया गया है।
5. छात्रावास संख्या 17 की बाहरी सीढ़ियों में ग्रिल लगा दी गई है, सभी कमरों में एलईडी लाइट लगा दी गई हैं।
6. छात्रावास संख्या 19 में कॉलिंग बैल से जुड़ा काम कर दिया गया है।
7. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. छात्रावास - एलईडी लाइट्स को बदल दिया गया है।

3. एयर कंडीशन संबंधी कार्य

1. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास), छात्रावास संख्या -18 (कश्यप छात्रावास) औरछात्रावास संख्या 19 (पतंजलि छात्रावास) के वार्डन कार्यालय में एयर कंडीशनर लगा दिया गया है।
2. छात्रावास संख्या 17 के अतिथि कक्षों में तीन एयर कंडीशनर लगाए गए।

4. सीसीटीवी कैमरे

1. छात्रावास संख्या 16 (अग्निवेश छात्रावास) और छात्रावास संख्या -17 (अंबुजा छात्रावास) के सामने सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

5. विविध

1. छात्रावास संख्या 7 (अश्विनी छात्रावास) के 19 कमरों को डबल सीटर में बदल दिया गया है और एमबीबीएस विद्यार्थियों को आवंटित किया गया है। वर्तमान में 55 कमरों में नवीकरण का काम जारी है और इन्हें डबल सीटर में परिवर्तित किया जाना है।
2. छात्रावास संख्या 11 (अक्षरा छात्रावास) को डबल सीटर के साथ यूजी छात्रावास में बदल दिया गया है।
3. छात्रावास संख्या 13 (लक्ष्मी छात्रावास) के 20 सिंगल कमरों को डबल सीटर में बदल दिया गया है और बीएससी पैरामेडिकल विद्यार्थियों को आवंटित किया गया है।
4. छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास): उत्तरी ओर के 14 एकल कक्षों को डबल सीटर रूम में परिवर्तित कर दिया गया है और एमएससी नर्सिंग और बीएससी (पीबी) नर्सिंग विद्यार्थियों को आवंटित कर दिया गया है।
5. छात्रावास नं.19
   - I. 2 / I कॉमन रूम को रीडिंग रूम में परिवर्तित किया गया।
   - II. 2 / II कॉमन रूम को विद्यार्थियों के स्वास्थ्य केंद्र में परिवर्तित किया गया।
   - III. कमरा संख्या 6 को विजिटर्स रूम में बदल दिया गया।
6. छात्रावास संख्या 7 के कमरा नम्बर 32 को छात्रावास सेक्शन रिसेप्शन, कैशियर रूम और गेस्ट रूम बुकिंग काउंटर के विस्तार के रूप में जोड़ा गया है।
7. छात्रावास संख्या 19 में मेहमानों को जाने की अनुमति दे दी गई है।
8. छात्रावास 15 के रीडिंग रूम 1, 2, 3, 6 और 7 अच्छी तरह से सुसज्जित कर दिए गए हैं।

9. संशोधित छात्रावास आवास नियम लागू कर दिए गए हैं।
10. छात्रावास में सभी मेस/कैफे के लिए नए सिरे से निविदाएं सौंपे जाने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है।

भविष्य की योजनाएं

1. विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था करना।
2. छात्रावास संख्या 2 के स्टोर का नवीनीकरण किया जाना है।
3. छात्रावास संख्या 1 की शौचालय संख्या 7 और 9, छात्रावास संख्या 7 की शौचालय संख्या 14, 16 और 18 तथा छात्रावास संख्या 8 की शौचालय संख्या 3, 5, 7, 14, 15, 16, 17 और 18 का नवीनीकरण किया जाना है।
4. छात्रावास संख्या 12 (धनवंतरी छात्रावास) के 15 कॉमन शौचालयों का नवीनीकरण किया जाना आवश्यक है। सभी कमरों में इलेक्ट्रिकल रिवाइरिंग की आवश्यकता है।
5. छात्रावास संख्या 14 - विवाहितों के 38 कमरों, 6 अतिथि कक्षों, भूतल मनोरंजन कक्ष, सामान्य शौचालय और सभी शाफ्ट का नवीनीकरण किया जाना है। गलियारे की खिड़कियां और बालकनी के दरवाजे बदले जाने हैं। वाटर रूफिंग का काम भी किया जाना है।
6. छात्रावास संख्या - 14 और छात्रावास संख्या 15 - मेस किचन में चिमनी लगाई जानी है, मेस डेजर्ट कूलर को बदला जाना है, मेस रिवाइरिंग कार्य किया जाना है और इमरजेंसी में इस्तेमाल होने वाली सीढियों की मरम्मत की जानी है।
7. छात्रावास संख्या 15 - दोनों रोगी कक्षों और तीनों अतिथि कक्षों का नवीनीकरण किया जाना है।
8. छात्रावास संख्या 17 - रसोई-घर में एग्ज़ॉस्ट फैन और अलमारी लगाई जानी है तथा अतिथि कक्षों में गीज़र लगाए जाने हैं। भूमिगत पार्किंग में पानी के ठहरने की समस्या हेतु मरम्मत का काम किया जाना है।
9. छात्रावास संख्या 19 - भूतल से दसवीं मंजिल की सीढ़ी में ग्रिल लगाई जानी है। 2/I रीडिंग रूम और 2/II विद्यार्थियों के स्वास्थ्य केन्द्र में एयर कंडीशनर लगाया जाना है। सभी कमरों में इमरजेंसी लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं।
10. छात्रावास संख्या 7 और 8 में वाईफाई की व्यवस्था की जानी है।
11. वैलनेस क्लीनिक की सहायता से सांस्कृतिक गतिविधि समूहों का गठन किया जाना है और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
12. छात्रावास संख्या 1-6 (यूजी) के फर्नीचर को बदला जाना है।
13. कैफे 5 और छात्रावास संख्या 9 के मेस का नवीनीकरण कार्य किया जाना है।

11.8 नीति विषयक समिति

नीति विषयक समिति में उपर्युक्त वर्णित शैक्षिक वर्ष हेतु प्रस्तुत एवं चर्चा किए गए परियोजना प्रस्तावों एवं थीसिस प्रोटोकॉल की कुल संख्या का वर्णन निम्नानुसार है :

बैठकें

समिति की बैठकों की संख्या इस प्रकार थी :

- संस्थान नीति विषयक समिति : 11
- मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति : 11

समीक्षित परियोजनाओं की संख्या इस प्रकार थी :

- नए परियोजना प्रस्ताव : 975
- समीक्षा परियोजनाएं : 600
- पुरानी परियोजनाएं : 275

मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षित परियोजनाओं की संख्या इस प्रकार थी :

- नई थीसिसः 684
- समीक्षा थीसिसः 300
- पुरानी थीसिसः 150

इसके अतिरिक्त, संस्थान नीति विषयक समिति को गंभीर दुष्प्रभावों, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट और समापन रिपोर्ट आदि की सूचनाएं प्राप्त होती रहीं।
संस्थान नीति विषयक समिति की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एस.ओ.पी.) को संशोधित किया गया और ये एम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

महत्वपूर्ण घटनाएं

संस्थान नीति विषयक समिति और मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति, भारत के महा औषधि नियंत्रक, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और यू.एस.ए. के फैडरल वाइड एस्योरेंस के साथ पंजीकृत हैं।

11.9 चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार के.एल. विग सेंटर (सीएमईटी–आई)

प्रमुख

प्रो. ओ.पी. खरबंदा (फरवरी 2020 तक)

प्रभारी आचार्यगण

आधारभूत विज्ञान के संकाय विकास हेतु

प्रो. के.के. दीपक

चिकित्सा और संबद्ध विषयों के नैदानिक संकाय के संकाय विकास हेतु

प्रो. रीता सूद

शल्य-चिकित्सा विषयों के संकाय विकास हेतु

प्रो. अनुराग श्रीवास्तव

नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा में फैलोशिप के लिए संकाय-सदस्यगण

1. डॉ. कामेश्वर प्रसाद (मुख्य समन्वयक)
2. डॉ. अनुराग श्रीवास्तव
3. डॉ. एस.एन. द्विवेदी
4. डॉ. शशि कांत
5. डॉ. गोविंद मखारिया
6. डॉ. वी श्रीनिवास
7. डॉ. दीप्ति विभा
8. डॉ. नलिन मेहता
9. डॉ. तुलिका सेठ
10. डॉ. राजीव कुमार
11. डॉ. राकेश लोढ़ा
12. डॉ. नीरजा भाटला
13. डॉ. नवनीत विग
14. डॉ. मंजू वत्स
15. डॉ. पीयूष साहनी

एजुकेशन मीडिया जनरलिस्ट

श्री योगेश कुमार

प्रशासनिक अधिकारी

श्री पल्लव कुमार चित्तेज (दिसंबर, 2019 तक)

श्री कुशाल कुमार (फरवरी 2020 से)

विशिष्टताएं

सीएमईटी की पूरी क्षमता का उपयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम और मीडिया सहायता प्रदान करके एम्स संकाय, रेजिडेंट्स, रिसर्च स्कॉलर्स, नर्सों और सभी श्रेणियों के स्टाफ सदस्यगण को लाभांवित करने के लिए किया गया है। छमाही सीएमईटी प्रशिक्षण कैलेंडर: (i) जून से दिसंबर 2019 और (ii) जनवरी से जून 2020 तक

का वितरण, एम्स के संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स और स्टाफ-सदस्यगण के लिए काफी पहले ही कर दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिभागियों ने पहले से अधिक संख्या में भागीदारी की।

1. इस वित्तीय वर्ष के दौरान **कुल 53 इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम** संचालित किए गए थे, जिनमें शामिल हैं:
   - 1.1 नर्सिंग (4) और प्रशासनिक स्टाफ-सदस्यों (1) के लिए तीन आधे-आधे दिनों के पांच कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
   - 1.2 फैकल्टी, रेजिडेंट्स और एमएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों के लिए नौ कार्यशालाएं भिन्न-भिन्न विषयों पर आयोजित की गईं, जिसमें सूचना पुनर्प्राप्ति, ग्रंथ सूची प्रबंधन, एमएस वर्ड में साइंटिफिक राइटिंग के लिए उपकरण, प्रभावी प्रेजेंटेशन डिजाइनिंग, पॉवरपॉइंट, एक्सेल और क्रिएटिविटी में एनिमेशन जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया।
   - 1.3 एनएमजेआई के सहयोग से एक शोध पत्र लिखने के बारे में एक कार्यशाला आयोजित की गई।
   - 1.4 ऑर्बो के सहयोग से चौदह प्रशिक्षण कार्यक्रम
   - 1.5 नॉन मेडिको स्टाफ के लिए "इमरजेंसी केयर में प्राथमिक चिकित्सा" (एफ.ए.सी.ई.) विषय पर आठ कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
   - 1.6 प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक और वित्तीय विषयों पर छह कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
2. **64वीं संस्थान दिवस प्रदर्शनी:** सीएमईटी ने दिनांक 24 से 27 सितंबर, 2019 तक संस्थान प्रदर्शनी के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदर्शनी का मूल विषय **"यूनिवर्सल हेल्थकेयर"** था।
   - प्रदर्शनी के लिए अभिनव और पुन: प्रयोज्य तथा पोर्टेबल पैनल संस्थान में ही डिज़ाइन किए गए।
   - 36x56 इंच के कुल 104 पोस्टर तैयार किए गए थे और प्रदर्शन के लिए छह वीडियो स्टेशन स्थापित किए गए।
3. **लघु स्वास्थ्य प्रदर्शनी**
   1. **ऑटिज्म जागरूकता:** 'टुगेदर वी कैन', 11 अप्रैल 2019, में सीएमईटीआई ने 40 पोस्टरों को डिजाइन और मुद्रित किया।
   2. **एम्स जराचिकित्सा कार्यक्रम:** 3 दिसंबर 2019, स्वीडन की महामहिम रानी सिल्विया के भ्रमण हेतु।
   3. **बाल्यावस्था कैंसर प्रदर्शनी:** 27 फरवरी 2020, सीएमईटीआई ने 16 पोस्टरों को डिजाइन और मुद्रित किया।
   4. **आरपीसी दिवस प्रदर्शनी**, 10 मार्च 2020, सीएमईटीआई ने 40 पोस्टरों को डिजाइन और मुद्रित किया।
4. **सर्जरी और मनोचिकित्सा विभाग को लॉजिस्टिक सहायता:** अगस्त 2019 में एम्स टीचिंग ब्लॉक में आग की घटना के बाद, सर्जरी और मनोचिकित्सा विभाग के कर्मचारियों को विभाग अध्यक्ष और

स्टोर कार्यालय के साथ सीएमईटीआई में स्थानांतरित कर दिया गया था। विभाग को सुचारु रूप से चलाने के लिए सभी लॉजिस्टिक सहायता जैसे स्थान, फर्नीचर, कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा आदि को दोनों विभागों के लिए बढ़ा दिया गया।

5. **सीएमईटीई कक्ष उपयोग:** सीएमईटीआई ने एम्स के विभिन्न विभागों को अपने स्वयं के कार्यक्रमों (184 दिनों) के अलावा कार्यशालाओं/सीएमई का आयोजन करने के लिए ऑडियो-विज़ुअल के साथ लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई। वर्ष के दौरान, सीएमईटी के तीन हॉल - टेक्नोलाजी हॉल, एजुकेशन हॉल और इनोवेशन हॉल का उपयोग क्रमशः 177, 57 और 58 दिनों के लिए किया गया।

- **मीडिया संबंधी गतिविधियां**

विवरण	कुल
बड़े प्रारूप वाले शैक्षणिक पोस्टरों की डिजाइनिंग/मुद्रण (80 ई-पोस्टरों सहित)	1471
वीडियो रिकॉर्डिंग एवं संपादन, मांगों की संख्या	437
क्लीनिकल/इवेंट फोटोग्राफी एवं स्केन, एक्स-रे/सीटी/एमआरआई/ स्लाइड, मांगों की संख्या	393
ऑन-स्क्रीन प्रस्तुतियों की संख्या	66
रंगीन मुद्रण (ए3 साइज)	1446
रंगीन मुद्रण (ए4 साइज)	1206
ए4 साइज प्रमाणपत्र मुद्रण (सीएमईटी कार्यशालाएं +अन्य विभाग)	539

शिक्षा

53 कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	शीर्षक	लक्ष्य समूह	तारीख
1-4	प्रवेशकालीन कार्यक्रम-2019, बैच 12 से 15	नर्सिंग अधिकारी	1-13 अप्रैल 2019
5-6	अंग रिट्रीवल परिचय	सीनियर रेजिडेंट्स और नर्सिंग अधिकारी	12 और 15 अप्रैल 2019
7	टिप्पणी और मसौदा लेखन	प्रशासनिक स्टाफ सदस्य	16 अप्रैल 2019
8	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	एम्स के समस्त स्टाफ-सदस्यगण	23 अप्रैल 2019
9	शोधपत्र लेखन (एनएमजेआई के सहयोग से)	रेजिडेंट्स	25-26 अप्रैल 2019
10	सुरक्षित रक्त-आधान प्रैक्टिस	नर्सिंग अधिकारी	26 अप्रैल 2019

11-12	अंग रिट्रीवल परिचय	सीनियर रेजिडेंट्स और नर्सिंग अधिकारी	3 और 10 मई 2019
13	सुरक्षित रक्त-आधान प्रैक्टिस	रेजिडेंट्स	3 मई 2019
14	सूचना का अधिकार (आरटीआई)	प्रशासनिक स्टाफ-सदस्य	16 मई 2019
15	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	एम्स के समस्त स्टाफ-सदस्यगण	20 मई 2019
16	अंग रिट्रीवल परिचय	नर्सिंग अधिकारी	21 मई 2019
17	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	एम्स के समस्त स्टाफ-सदस्यगण	14 जून 2019
18	अदालती मामलों से कैसे निपटें	प्रशासनिक स्टाफ-सदस्यगण	20 जून 2019
19	प्रापण और सामान्य नियम	प्रशासनिक स्टाफ-सदस्यगण	25-26 जुलाई 2019
20	प्रवेशकालीन कार्यक्रम	प्रशासनिक स्टाफ-सदस्यगण	5-7 अगस्त 2019
21	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के साधन	एमएससी नर्सिंग विद्यार्थी	8 अगस्त 2019
22	अंग रिट्रीवल परिचय	सीनियर रेजिडेंट्स	8 अगस्त 2019
23	सूचना पुनर्प्राप्ति और ग्रंथ सूची का प्रबंधन	एमएससी नर्सिंग विद्यार्थी	10 अगस्त 2019
24	शिक्षा में मीडिया	एमएससी नर्सिंग विद्यार्थी	17 अगस्त 2019
25	अभिविन्यास कार्यक्रम	सेवानिवृत्त स्टाफ-सदस्य	19-20 अगस्त 2019
26	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	प्रशासनिक स्टाफ-सदस्य	21 अगस्त 2019
27	पोस्टर और पैम्फलेट डिजाइन करना	एमएससी नर्सिंग विद्यार्थी	22 अगस्त 2019
28	मिरगी: प्राथमिक उपचार	रेजिडेंट्स और नर्सिंग अधिकारी	27 अगस्त 2019
29	पावर प्वाइंट में एनीमेशन	एमएससी नर्सिंग विद्यार्थी	29 अगस्त 2019
30	सृजनात्मकता	एमएससी नर्सिंग विद्यार्थी	31 अगस्त 2019

31-32	अंग रिट्रीवल परिचय	वरिष्ठ रेजिडेंट्स और नर्सिंग अधिकारी	12 और 17 सितंबर 2019
33	प्रापण और सामान्य नियम	प्रशासनिक स्टाफ-सदस्य	18-सितंबर-19
34-35	अंग रिट्रीवल परिचय	वरिष्ठ रेजिडेंट्स और नर्सिंग अधिकारी	4 और 14 अक्टूबर 2019
36	सुरक्षित रक्त आधान	नर्सिंग अधिकारी	16 अक्टूबर 2019
37-38	सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला	संकाय सदस्य	18 और 23 अक्टूबर 2019
39	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	सुरक्षा गार्ड	24 अक्टूबर 2019
40	ग्रांट राइटिंग वर्कशॉप	संकाय सदस्य और रेजिडेंट्स	25 अक्टूबर 2019
41	रूमेटिक रोग में प्रतिरक्षात्मक जांच	रेजिडेंट्स और विद्यार्थी	22 नवंबर 2019
42	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	सुरक्षा गार्ड	4 दिसंबर 2019
43	सूचना पुनर्प्राप्ति और ग्रंथ सूची प्रबंधन	रेजिडेंट्स और विद्यार्थी	14 जनवरी 2020
44	अंग रिट्रीवल परिचय	नर्सिंग अधिकारी	20 जनवरी 2020
45	घाव संबंधित उपचार	नर्सिंग अधिकारी	21 जनवरी 2020
46	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	एम्स के समस्त स्टाफ-सदस्यगण	22 जनवरी 2020
47	अंग रिट्रीवल परिचय	वरिष्ठ रेजिडेंट्स	24 जनवरी 2020
48	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के साधन	रेजिडेंट्स और विद्यार्थी	28 जनवरी 2020
49-50	अंग रिट्रीवल परिचय	वरिष्ठ रेजिडेंट्स	14 और 24 फरवरी 2020
51	प्रभावशाली प्रस्तुति डिजाइन करना	रेजिडेंट्स और विद्यार्थी	18 फरवरी 2020
52	घाव संबंधित उपचार	नर्सिंग अधिकारीगण	3 मार्च 2020
53	सामान्य आपातकाल में प्राथमिक उपचार	प्रशासनिक स्टाफ-सदस्य	4 मार्च 2020

नैदानिक शोध कार्यप्रणाली और साक्ष्य आधारित चिकित्सा में फैलोशिप के तहत व्याख्यानमाला (इस वर्ष 90+ मिनटों के 13 सत्र आयोजित किए गए)

क्रमांक	तारीख	विषय	संकाय सदस्य का नाम
1	4 अप्रैल 2019	क्लीनिकल पर्सपेक्टिव ऑन कॉक्स प्रपोर्शनल हैजार्ड्स रिग्रेशन	डॉ. कामेश्वर प्रसाद
2	12 अप्रैल 2019	केस कंट्रोल स्टडी सेशन- 1	डॉ. पार्थ हलदर
3	26 अप्रैल 2019	केस कंट्रोल स्टडी सेशन- 2	डॉ. पार्थ हलदर
4	3 मई 2019	केस कंट्रोल स्टडी सेशन- 3	डॉ. पार्थ हलदर
5	4 दिसंबर 2019	यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण	डॉ. तुलिका सेठ
6	11 दिसंबर 2019	यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण	डॉ. तुलिका सेठ
7	1 जनवरी 2020	यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण	डॉ. एस.एन. द्विवेदी
8	8 जनवरी 2020	आरसीटी में भिन्न-भिन्न डिजाइन	डॉ. एस.एन. द्विवेदी
9	22 जनवरी 2020	यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण	डॉ. एस.एन. द्विवेदी
10	29 जनवरी 2020	आरसीटी में रेंडमाइजेशन, रेंडम परम्यूटिड ब्लॉक डिजाइन	डॉ. एस.एन. द्विवेदी
11	5 फरवरी 2020	सेंपल साइज गणना	डॉ. एस.एन. द्विवेदी
12	26 फरवरी 2020	नमूना चयन कार्यप्रणाली	डॉ. एस.एन. द्विवेदी
13	4 मार्च 2020	डेटा सैफ्टी मॉनीटरिंग बोर्ड	डॉ. एस.एन. द्विवेदी

प्रदत्त व्याख्यान

योगेश कुमार

क्रमांक	**विषय**	**तारीख**
1-4	2019-20 में आयोजित चार प्रवेशकालीन कार्यक्रमों के दौरान टीम बिल्डिंग एंड कॉन्फिलक्ट पर सत्र संचालित किए गए	1-13 अप्रैल 2019
5-7	प्रशासनिक स्टाफ के लिए प्रवेशकालीन कार्यक्रम के दौरान प्राइड ऑफ एम्स, संचार कौशल एवं टीम बिल्डिंग पर तीन सत्र संचालित किए गए	5-7 अगस्त 2019
8	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के साधन (एमएससी नर्सिंग)	8 अगस्त 2019
9	सूचना पुनर्प्राप्ति और ग्रंथसूची प्रबंधन(एमएससी नर्सिंग)	10 अगस्त 2019
10	शिक्षा में मीडिया(एमएससी नर्सिंग)	17 अगस्त 2019
11	एम्स के सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान 'सेवानिवृत्ति की तैयारी' विषय पर सत्र का संचालन किया गया	19 और 20 अगस्त 2019
12	पोस्टरों और पैम्फलेट की डिजाइनिंग (एमएससी नर्सिंग)	22 अगस्त 2019

13	पावर प्वाइंट में एनीमेशन (एमएससी नर्सिंग)	29 अगस्त 2019
14	सृजनात्मकता (एमएससी नर्सिंग)	31 अगस्त 2019
15	नर्सों के लिए टीओटी कार्यशाला: मादक पदार्थ के सेवन संबंधी विकार का उपचार, मीडिया का उपयोग	5 अक्टूबर 2019
16	संकाय सदस्यों के लिए सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला	18 अक्टूबर 19
17	संकाय सदस्यों के लिए सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला	23 अक्टूबर 19
18	नर्सों के लिए टीओटी कार्यशाला: मादक पदार्थ के सेवन संबंधी विकार का उपचार, मीडिया का उपयोग	5 दिसंबर 2019
19	सूचना पुनर्प्राप्ति और ग्रंथसूची प्रबंधन (संकाय सदस्य/रेजिडेंट्स)	14 जनवरी 2020
20	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के साधन (संकाय सदस्य/रेजिडेंट्स)	28 जनवरी 2020
21	आपातकालीन चिकित्सा विभाग के संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स के लिए मेडिकल फोटोग्राफी	29 जनवरी 2020
22	प्रभावी प्रस्तुति की डिजाइनिंग (संकाय सदस्य/रेजिडेंट्स)	18 फरवरी 2020

11.10 मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग

अध्यक्ष

डॉ. आरती विज

अपर-प्रवक्ता

डॉ. करन मदान

स्टाफ सदस्य

बिश्वनाथ आचार्य संदीप सक्सेना एन.पी.सिंह

खबरों में एम्स : प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
1.	1 अप्रैल 2019	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के साथ साझीदारी में इज़राइल का नेत्र अनुसंधान	यूरेकअलर्ट
2.	1 अप्रैल 2019	आयुष्मान भारत से मुफ्त में हुई हृदय की सर्जरी	दैनिक जागरण
3.	2 अप्रैल 2019	समय रहते निदान : एम्स डॉक्टरों ने ऑटिज्म का समय पर निदान में मदद करने के लिए ऐप बनाया	द टाइम्स ऑफ इंडिया
4.	2 अप्रैल 2019	एम्स में मरीज़ व तीमारदार को सस्ती दर पर मिलेगा भोजन	दैनिक जागरण
5.	2 अप्रैल 2019	एम्स में किफायती दाम पर भोजन मिलेगा	हिंदुस्तान
6.	2 अप्रैल 2019	एम्स का ऍप डॉक्टरों को न्यूरो विकारों का निदान करने में मदद करेगा	हिंदुस्तान टाइम्स
7.	3 अप्रैल 2019	37 सवालों से बच्चों के मनोरोगी होने का पता लगा सकेंगे डॉक्टर	अमर उजाला
8.	3 अप्रैल 2019	3000 बेड, 6000 नर्स और 600 फैकल्टी से बदलेगा एम्स	नवभारत टाइम्स
9.	3 अप्रैल 2019	बच्चों की बीमारी का ऍप से पता चलेगा	हिंदुस्तान
10.	9 अप्रैल 2019	मेडिकल में एम्स, कॉलेज में मिरांडा तो फार्मेसी में जामिया हमदर्द टॉप	दैनिक भास्कर
11.	9 अप्रैल 2019	एम्स है देश का सबसे अच्छा मेडिकल कॉलेज	दैनिक जागरण
12.	10 अप्रैल 2019	बरियाट्रिक सर्जरी करा चुके मरीज़ो के लिए हुआ सेमिनार	दैनिक जागरण
13.	10 अप्रैल 2019	एम्स ने बैरिएट्रिक ऑपरेशन की जागरूकता फैलाई	द पायनियर
14.	11 अप्रैल 2019	एम्स में अस्थि प्रतिरोपण सर्जरी की रजिस्ट्री शुरू होगी	हिंदुस्तान टाइम्स

15.	13 अप्रैल 2019	दिल्ली जेल प्रशासन ने एनजीओ मेंटल हेल्थ फाउंडेशन के सहयोग से पिछले साल 16 अप्रैल को गहन परामर्श सेवा शुरू की और इसमें एम्स द्वारा परामर्श दिया गया	द इंडियन एक्सप्रेस
16.	14 अप्रैल 2019	दिल्ली में हर महीने 6 करोड़ रुपये की पांच लाख लीटर शराब की खपत : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) के सहयोग से किया गया नया सर्वेक्षण	इंडिया टुडे
17.	14 अप्रैल 2019	एम्स घुटने के प्रत्यारोपण के लिए पंजीकरण करेगा	हिंदुस्तान
18.	15 अप्रैल 2019	एम्स राष्ट्रीय नीति के लिए मुख स्वास्थ्य सर्वेक्षण करेगा	हिंदुस्तान टाइम्स
19.	16 अप्रैल 2019	कैदियों का मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए नए दिशानिर्देश	इंडिया टुडे
20.	19 अप्रैल 2019	हाइपरटेंशन की पुष्टि को तीन बार जांच जरुरी	दैनिक जागरण
21.	21 अप्रैल 2019	स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करने के लिए नया पाठ्यक्रम	द टाइम्स ऑफ इंडिया
22.	24 अप्रैल 2019	बुजुर्गो को संतुलन बनाकर चलने का तरीका सिखाएगा एम्स	हिंदुस्तान
23.	26 अप्रैल 2019	आपातकालीन चिकित्सा के लिए नई बाइक सेवा	द टाइम्स ऑफ इंडिया
24.	26 अप्रैल 2019	एम्स के आस-पास 'हृदय रोगियों' को बचाने में मदद करने के लिए आईसीएमआर की परियोजना	द हिंदू
25.	26 अप्रैल 2019	हृदय रोगियों की मदद के लिए बाइक से चलने वाले पैरामेडिकल स्टाफ	द एशियन एज
26.	26 अप्रैल 2019	मरीजों को 'दिल' देने के लिए बाइकर दस्ते	द पायनियर
27.	26 अप्रैल 2019	दिल के मरीज़ो के लिए बाइक एम्बुलेंस	हिंदुस्तान
28.	26 अप्रैल 2019	आई सी एम आर ने शुरु की दिल के दौरे के मरीज़ो को मदद पहुंचने की योजना	जनसत्ता
29.	26 अप्रैल 2019	हार्ट अटैक आने पर एक फ़ोन में घर पहुंचेगा एम्स कर्मी	दैनिक जागरण
30.	26 अप्रैल 2019	छाती में दर्द की सूचना पर तुरंत पहुंचेगी बाइक एम्बुलेंस	अमर उजाला
31.	26 अप्रैल 2019	हार्ट के मरीज़ो की जिंदगी बचाने के लिए आई बाइक एम्बुलेंस	नवभारत टाइम्स

32.	26 अप्रैल 2019	हार्ट अटैक से होने वाली मौतों को कम करने के लिए चलती है बाइक एम्बुलेंस	हिंदुस्तान टाइम्स
33.	26 अप्रैल 2019	मिशन दिल्ली- दिल के मरीजों के लिए पायलट प्रोजेक्ट लॉन्च	द स्टेट्समैन
34.	27 अप्रैल 2019	डॉक्टरों ने खोजे गर्भ में आंखों की देखभाल के उपाय	द टाइम्स ऑफ इंडिया
35.	28 अप्रैल 2019	एम्स में 658 की सर्जरी हुई	हिंदुस्तान
36.	28 अप्रैल 2019	गैर-पीएम-जय राज्यों में मोदीकेयर देगा एम्स	द पायनियर
37.	5 मई 2019	1200 का एम्स, आरएमएल में इलाज; नेत्र विज्ञान और हृद् विज्ञान की सबसे ज्यादा मांग	द इंडियन एक्सप्रेस
38.	7 मई 2019	सफलता : बिना सर्जरी अस्थमा के मरीज़ को ठीक किया	हिंदुस्तान
39.	12 मई 2019	एम्स में दांतों की दवा कम दामों पर मिलेगी	हिंदुस्तान
40.	14 मई 2019	अब एम्स अस्पताल जारी कर सकेगा विकलांगता प्रमाण पत्र	हिंदुस्तान टाइम्स
41.	16 मई 2019	एम्स में 500 ने किया रक्तदान	हिंदुस्तान
42.	16 मई 2019	सुविधा: एम्स में मरीज़ो के लिए डेंगू कार्नर शुरू	हिंदुस्तान
43.	17 मई 2019	देश भर में डेंगू हॉटस्पॉट की पहचान करने के लिए अध्ययन	द इंडियन एक्सप्रेस
44.	17 मई 2019	अस्पतालों में शुरु होगा डेंगू कॉर्नर	दैनिक जागरण
45.	17 मई 2019	डेंगू समर्पित कॉर्नर स्थापित करें : मंत्रालय से अस्पताल	द पायनियर
46.	18 मई 2019	ऊंचा लक्ष्य : छात्रों के संपर्क में आने वाले सर्वाधिक रोगियों एवं नवोन्मेषों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण एम्स 23 साल से अव्वल है।	इंडिया टुडे पत्रिका
47.	19 मई 2019	ड्रग्स के खिलाफ, एम्स के पहियों में गति	द इंडियन एक्सप्रेस
48.	23 मई 2019	शीर्ष विदेशी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ नए एम्स का टाई-अप	द इंडियन एक्सप्रेस
49.	23 मई 2019	एम्स ने बनाया 'आईएमडब्लू टूलकिट' ऍप , मरीज़ की जानकारिया फीड करने पर पता चल सकेगा ऑपरेशन के लिए फिट है या नहीं	दैनिक भास्कर
50.	23 मई 2019	सर्जरी के लिए मरीज़ फिट या नहीं ऍप बताएगा	हिंदुस्तान
51.	23 मई 2019	अब एम्स के डॉक्टर पहले एप से करेंगे जांच, पिछले	अमर उजाला

		वर्ष 1.94 लाख ऑपरेशन कर दुनिया में रचा था इतिहास	
52.	27 मई 2019	बुजुर्ग रोगियों में गिरने का जोखिम कम करने के लिए एम्स सुविधा	हिंदुस्तान टाइम्स
53.	30 मई 2019	एमएस मरीज़ो के लिए एम्स में विशेष क्लिनिक होगा शुरु	अमर उजाला
54.	30 मई 2019	एम्स में स्क्लेरोसिस के लिए क्लिनिक	हिंदुस्तान
55.	31 मई 2019	अगले महीने से एम्स में मल्टीपल स्केलेरोसिस क्लिनिक	द इंडियन एक्सप्रेस
56.	31 मई 2019	ई-सिगरेट सुरक्षित विकल्प नहीं है	द इंडियन एक्सप्रेस
57.	31 मई 2019	ईसिगरेट पर प्रतिबंध लगना ही जनता के हित में : एम्स	अमर उजाला
58.	2 जून 2019	एम्स में दूर होगी डॉक्टरों की कमी	दैनिक जागरण
59.	4 जून 2019	स्तन कैंसर चिकित्सा में एम्स की लंबी छलांग	द इंडियन एक्सप्रेस
60.	6 जून 2019	नीट टॉपर्स की पहली पसंद एम्स	नवभारत टाइम्स
61.	6 जून 2019	एम्स के डॉक्टरों ने की यमुना की सफाई	नवभारत टाइम्स
62.	14 जून 2019	रक्तदान कर मरीज़ो को देते है जीवनदान एम्स के डॉक्टर	दैनिक जागरण
63.	14 जून 2019	भारतीय स्वास्थ्य सेवा में सुधार	द टाइम्स ऑफ इंडिया
64.	17 जून 2019	एम्स में योग पर कार्यशाला	दैनिक जागरण
65.	20 जून 2019	एम्स ने 12 सप्ताह तक 160 मरीज़ो पर किया रिसर्च, दवाखाने के साथ योग करने से भी जेनेटिक कारणों से हुए डिप्रेशन में मरीज़ का होता है लाभ	दैनिक भास्कर
66.	20 जून 2019	मृत्यु दर बढ़ने पर एइएस के कारणों पर अध्ययन शुरू करेगा एम्स	हिंदुस्तान टाइम्स
67.	21 जून 2019	शोध : योग से दोबारा दिल के दौरे का खतरा आधा	हिंदुस्तान
68.	21 जून 2019	गर्भपात- काला मोतिया से बचाता है योग	हिंदुस्तान
69.	21 जून 2019	बाँझपन के खिलाफ हथियार बना योग, पुरुषों की क्षमता बढी और महिलाओं मे गर्भपात रूका	दैनिक भास्कर
70.	22 जून 2019	योग'आसनों' पर दिशानिर्देश लेकर आएगा एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
71.	23 जून 2019	एम्स में जल्द शुरू होगा सर्जिकल ब्लॉक	दैनिक जागरण
72.	23 जून 2019	एम्स के डॉक्टर ने पेश की इन्सानियत की मिसाल	अमर उजाला

73.	23 जून 2019	डॉक्टर ने खून देकर जान बचाई	हिंदुस्तान
74.	23 जून 2019	'एम्स ट्रॉमा सेंटर की प्रक्रियाएं इजरायल के समान हैं।'	हिंदुस्तान टाइम्स
75.	23 जून 2019	वर्तमान में अज्ञात श्रेणी के तहत सूचीबद्ध एन्सेफलाइटिस का कारण पता लगाएगा एम्स।	एएनआई
76.	25 जून 2019	दुर्लभ रक्त समूहों के रक्तदान में एम्स के रेजीडेंट डॉक्टर शामिल	द टाइम्स ऑफ इंडिया
77.	25 जून 2019	'नशा रोग का इलाज' पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	दैनिक जागरण
78.	25 जून 2019	नशे की लत से निपटने पर लोक व्याख्यान और पैनल चर्चा	द टाइम्स ऑफ इंडिया
79.	25 जून 2019	'नशा रोग का इलाज' पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	पंजाब केसरी
80.	25 जून 2019	नशे की लत से निपटने पर लोक व्याख्यान और पैनल चर्चा	हिंदुस्तान टाइम्स
81.	25 जून 2019	डॉक्टर ने ब्लड देकर बचाई बच्ची की जान	नवभारत टाइम्स
82.	26 जून 2019	समय पर इलाज हो तो छूट सकता है नशा	हिन्दुस्तान
83.	27 जून 2019	शीर्ष भारतीय अस्पतालों में स्टाफ कम, काम अधिक	हिंदुस्तान टाइम्स
84.	30 जून 2019	एम्स के ट्रामा सेन्टर मे शुरु हुए ऑपरेशन थियेटर	अमर उजाला
85.	1 जुलाई 2019	50 कोलोनियों में घर बैठे मिलेगी कैंसर की जांच	अमर उजाला
86.	1 जुलाई 2019	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान देश में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के लिए बेंचमार्क बना हुआ है	इंडिया टुडे पत्रिका
87.	1 जुलाई 2019	ड्रग्स लेने वालों को रोगी समझें, अपराधी नहीं: एम्स के विशेषज्ञ	द स्टेट्समैन
88.	1 जुलाई 2019	सुविधा : एम्स में स्टेम सेल रजिस्ट्री बनेगी	हिंदुस्तान
89.	6 जुलाई 2019	एम्स के बजट मे 600 करोड का इजाफा	अमर उजाला
90.	7 जुलाई 2019	एम्स में अगस्त तक हो सकता है पहले फेफड़े का प्रतिरोपण	द टाइम्स ऑफ इंडिया
91.	7 जुलाई 2019	लाइसेंस जारी, फेफड़े के प्रतिरोपण के लिए तैयार है एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
92.	7 जुलाई 2019	एम्स के डॉक्टर की पहल पर देश भर में बनेगा दो भाषाओ में बी पी एल कार्ड	दैनिक जागरण
93.	7 जुलाई 2019	एम्स मे फेफड़ों का प्रत्यारोपण भी होगा	हिंदुस्तान
94.	7 जुलाई 2019	बेटे का अंगदान कर चार को बचाया	हिंदुस्तान

95.	8 जुलाई 2019	एम्स ने मनाई मानव अंग प्रतिरोपण अधिनियम की रजत जयंती	द पायनियर
96.	8 जुलाई 2019	सबसे बड़ा मुख स्वास्थ्य सर्वेक्षण करेगा एम्स	द एशियन एज
97.	8 जुलाई 2019	अंग दान को प्रोत्साहन	मिलेनियम पोस्ट
98.	8 जुलाई 2019	फेफड़ों का प्रतिरोपण और त्वचा बैंक शुरू करेगा दिल्ली एम्स	लोकमत टाइम्स
99.	8 जुलाई 2019	एम्स दिल्ली में जल्द शुरू होगा प्रतिरोपण	ड्रग टुडे
100.	8 जुलाई 2019	परिवार को अंगदान के लिए राजी करना आसान काम नही: प्रो गुलेरिया	नवोदय टाइम्स
101.	10 जुलाई 2019	एम्स में बदलेगा स्वरूप बनेगा मास्ट प्लान	दैनिक जागरण
102.	12 जुलाई 2019	ब्लड स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री को एम्स आरडीए ने शुरु की मुहीम	दैनिक जागरण
103.	13 जुलाई 2019	सबसे बड़ा मुख स्वास्थ्य सर्वेक्षण करेगा एम्स	द एशियन एज
104.	14 जुलाई 2019	एम्स के सहयोग से आयुर्वेद पर शोध	नवभारत टाइम्स
105.	15 जुलाई 2019	दांत के रोगों से लड़ने के लिए देशव्यापी सर्वेक्षण करेगा एम्स	हिंदुस्तान
106.	15 जुलाई 2019	एम्स करेगा दांतों का नेशनल सर्वे	नवभारत टाइम्स
107.	15 जुलाई 2019	सर्वे से पता चलेंगी दाँत की बीमरियाँ	दैनिक जागरण
108.	16 जुलाई 2019	एम्स में बनेगा त्वचा बैंक	अमर उजाला
109.	16 जुलाई 2019	एम्स में साल के अंत तक शुरू होगी जले मरीजों के इलाज की सुविधा	द टाइम्स ऑफ इंडिया
110.	16 जुलाई 2019	एम्स में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर में होगा हाथ का प्रत्यारोपण	दैनिक जागरण
111.	16 जुलाई 2019	एम्स में जल्द ही शुरू होगा बर्न यूनिट	द इंडियन एक्सप्रेस
112.	16 जुलाई 2019	आदिवासियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हर्बल दवा हल्के घावों के उपचार में प्रभावी है : एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
113.	16 जुलाई 2019	इस वर्ष सितम्बर तक सभी राज्यों में रोटावायरस टीकाकरण अभियान शुरू करेगा केन्द्र	द इंडियन एक्सप्रेस
114.	16 जुलाई 2019	एम्स में बन रहा है एशिया का सबसे बड़ा बर्न सेंटर	नवभारत टाइम्स
115.	16 जुलाई 2019	हर्बल दवाई भी कारगर: एम्स	हिंदुस्तान
116.	16 जुलाई 2019	एम्स में अब साधारण प्लास्टिक सर्जरी ही नहीं चेहरा और हाथ भी बदले जा सकेंगे तैयार हो रही अर्टिफिकल स्किन	दैनिक भास्कर

117.	16 जुलाई 2019	एम्स - आई आई टी मिलकर बना रहे कृत्रिम त्वचा	हिंदुस्तान
118.	17 जुलाई 2019	कोई साइड-इफेक्ट नहीं, आदिवासियों द्वारा सतही घावों के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली हर्बल दवा ने पास किया एम्स दिल्ली का ट्रायल	स्वराज्य
119.	17 जुलाई 2019	देश के सभी अस्पतालों में अब एक जैसी होगी कटे होंठ का इलाज	दैनिक जागरण
120.	17 जुलाई 2019	कटे होंठ के इलाज के लिए बनेगी गाइडलाइंस	नवभारत टाइम्स
121.	18 जुलाई 2019	फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा एकल यौन उत्पीड़न परीक्षण केंद्रों की मांग	द पायनियर
122.	18 जुलाई 2019	डीएनए सुविधा सहित एकल यौन उत्पीड़न परीक्षण केंद्रों की मांग	द टाइम्स ऑफ इंडिया
123.	18 जुलाई 2019	रेप पीड़िता को एक ही छत्त के नीचे पूरी मदद	हिंदुस्तान
124.	19 जुलाई 2020	मिशन दिल्ली : स्टेमी हार्ट अटैक के मरीजों के उपचार के लिए आईसीएमआर-एम्स की प्रायोगिक पहल	मेडिकल डायलॉग्स
125.	19 जुलाई 2019	हृदयाघात होने पर 10 मिनट में घर पहुंच बचा रहे जान	दैनिक जागरण
126.	20 जुलाई 2019	एम्स ट्रामा सेंटर में शुरू हुए दो ओ टी मरीज़ो को राहत	दैनिक जागरण
127.	22 जुलाई 2019	एडवांस स्टेज के प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में हो रहा न्यूक्लियर मेडिसिन का प्रयोग	दैनिक जागरण
128.	22 जुलाई 2019	एम्स में मनाया ओ टी टेक्निशन डे	नवभारत टाइम्स
129.	24 जुलाई 2019	ट्रेनों में अब दवा और ऑक्सीजन सिलेंडर भी मिलेगा	अमर उजाला
130.	26 जुलाई 2019	आयुष्मान भारत से एम्स में अब तक 1578 मरीज़ों की फ्री सर्जरी	नवभारत टाइम्स
131.	28 जुलाई 2019	खुद फैसले ले सकेंगे देशभर के एम्स के अध्यक्ष	अमर उजाला
132.	29 जुलाई 2019	एम्स में कैंसर-प्रभावित स्तन ऊतकों की पहचान के लिए प्रतिदीप्ति इमेजिंग की शुरूआत	द पायनियर
133.	29 जुलाई 2019	रविवारीय ओपीडी बुज़ुर्गों के लिए वरदान	द टाइम्स ऑफ इंडिया
134.	29 जुलाई 2019	एम्स ने शामिल की स्तन कैंसर की सर्जरी में गेम-चेंजर तकनीक	द एशियन एज
135.	29 जुलाई 2019	कैंसर प्रभावी ऊतकों की पहचान आसान	अमर उजाला
136.	29 जुलाई 2019	स्तन कैंसर ऊतकों की पहचान के लिए एम्स ने शुरू की नई तकनीक	जनसत्ता

137.	29 जुलाई 2019	स्तन कैंसर के ऊतकों की पहचान करने के लिए एम्स में नई इमेजिंग तकनीक	द स्टेट्समैन
138.	29 जुलाई 2019	सारकोमा से पीड़ित 70 फीसदी मरीज़ इलाज के बाद हो जाते है स्वस्थ	दैनिक जागरण
139.	29 जुलाई 2019	भारत में हेपेटाइटिस पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा	हिंदुस्तान टाइम्स
140.	29 जुलाई 2019	भारत में हेपेटाइटिस पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा	द इंडियन एक्सप्रेस
141.	29 जुलाई 2019	भारत में हेपेटाइटिस पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	पंजाब केसरी
142.	29 जुलाई 2019	भारत में हेपेटाइटिस पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	दैनिक जागरण
143.	29 जुलाई 2019	नई तकनीक से एम्स में जांच	हिंदुस्तान
144.	30 जुलाई 2019	वैज्ञानिकों को शामिल करने के लिए एम्स काम कर रहा है : निदेशक	द पायनियर
145.	30 जुलाई 2019	आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस से इलाज की नई तकनीक विकसित हो सकती है	दैनिक जागरण
146.	30 जुलाई 2019	गरीबों के लिए सस्ती चिकित्सा का विकल्प खोजने के लिए राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एम्स ने सहयोग स्थापित किया।	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
147.	30 जुलाई 2019	एम्स में दिल व फेफड़ों के एक साथ प्रत्यारोपण की तैयारी	दैनिक जागरण
148.	30 जुलाई 2019	आयुष्मान भारत के तहत एम्स में 1,578 लोगों ने इलाज कराया	द पायनियर
149.	31 जुलाई 2019	3-वर्षीय ने दान की अस्थि मज्जा, बहन की जान बचाई	द एशियन एज
150.	5 अगस्त 2019	अगले महीने एम्स ओपीडी मस्जिद मोठ में स्थानांतरित होगी	द इंडियन एक्सप्रेस
151.	4 अगस्त 2019	एम्स मे दिल व फेफड़ों के एक साथ प्रत्यारोपण की तैयारी	दैनिक जागरण
152.	6 अगस्त 2019	शुरुआत में फेफड़ों का प्रत्यारोपण मुफ्त करेगा एम्स	अमर उजाला
153.	6 अगस्त 2019	मधुमेह और ब्लड प्रेशर का इलाज करेगा सॉफ्टवेयर	हिंदुस्तान
154.	9 अगस्त 2019	एम्स में सिर्फ 37% रोगी महिलाएं हैं	द टाइम्स ऑफ इंडिया

155.	9 अगस्त 2019	अब डॉक्टर बनना होगा सस्ता दाखिला में भी होगी आसनी	अमर उजाला
156.	10 अगस्त 2019	पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के अध्ययन के लिए एम्स में केंद्र	द इंडियन एक्सप्रेस
157.	10 अगस्त 2019	एम्स में पहला इकोटॉक्सिकोलॉजी डायग्नोस्टिक सेंटर	द हिंदू
158.	10 अगस्त 2019	पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के अध्ययन के लिए एम्स में केंद्र	द इंडियन एक्सप्रेस
159.	10 अगस्त 2019	एम्स में शरीर में प्रदूषण की जांच करने वाली लेब खुली, 40 मरीज़ों के सेम्पल की जांच	दैनिक भास्कर
160.	10 अगस्त 2019	मरीज के शरीर में प्रदूषण के दुष्प्रभाव की जांच करेगा एम्स	अमर उजाला
161.	10 अगस्त 2019	प्रदूषण से पीड़ितों के लिए एम्स में विशेष क्लिनिक	हिंदुस्तान
162.	12 अगस्त 2019	एम्स में अब इम्यूनोथेरपी से भी हो रहा कैंसर का इलाज	दैनिक जागरण
163.	12 अगस्त 2019	इराक की दो बच्चियों को ईदी मे मिला नया जीवन	नवभारत टाइम्स
164.	13 अगस्त 2019	17 साल के लड़के के दिल ने बचाई एक शख्स की जान	नवभारत टाइम्स
165.	13 अगस्त 2019	एम्स में इमरजेंसी का होगा विस्तार, दोगुने होंगे बिस्तर, मरीजों को मिलेगी राहत	अमर उजाला
166.	22 अगस्त 2019	वीडियो कॉल से मरीज़ देख रहे डॉक्टर	अमर उजाला
167.	22 अगस्त 2019	शुरूआत से अब तक लाभार्थियों के लिए एबी-पीएम-जय ने 12,000 करोड़ रु. बचाए: स्वास्थ्य मंत्री	द इंडियन एक्सप्रेस
168.	22 अगस्त 2019	डॉक्टर वीडियो कॉल से कर रहे इलाज	हिंदुस्तान
169.	24 अगस्त 2019	एम्स : लेज़र से दूर होगा बुज़ुर्गो की न्यूरोपैथी का दर्द	नवभारत टाइम्स
170.	24 अगस्त 2019	मधुमेह पीडितों को लेजर तकनीक से अधिक लाभ	नवभारत टाइम्स
171.	24 अगस्त 2019	मधुमेह ग्रस्त बुजुर्गो की पीडा लेजर से दूर करेंगा एम्स	अमर उजाला
172.	24 अगस्त 2019	मधुमेह तंत्रिका के लिए लेजर थेरेपी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
173.	25 अगस्त 2019	एम्स और आईआईटी-दिल्ली की टीम ने बनाया छात्रों और शिक्षकों की मदद के लिए विशेष स्टेथोस्कोप	द इंडियन एक्सप्रेस
174.	25 अगस्त 2019	कुछ स्वच्छता उत्पाद स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त में उपलब्ध होंगे	द टाइम्स ऑफ इंडिया

175.	25 अगस्त 2019	एम्स के अटेंडेंट ने बहादुरी दिखा बदमाशों को दबोचा	दैनिक जागरण
176.	26 अगस्त 2019	एम्स की कार्यशाला में 100 से अधिक दंत अस्थि चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया गया	द पायनियर
177.	26 अगस्त 2019	बाल चेहरों की विकृति दूर करने में जुटे डॉक्टर	अमर उजाला
178.	27 अगस्त 2019	एम्स के कैंसर सर्जन बिहार के गांव में लगाते है फ्री मेडिकल कैंप	नवभारत टाइम्स
179.	27 अगस्त 2019	15 डॉक्टर एक साथ सुन सकेंगे दिल की धड़कन	हिंदुस्तान
180.	30 अगस्त 2019	शारीरिक गतिविधि करके रोगों का बोझ 45% कम किया जा सकता है : हर्षवर्धन	हिंदुस्तान टाइम्स
181.	1 सितम्बर 2019	पुनर्निर्मित दवाओं का क्लिनिकल परीक्षण कर रहा है एम्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
182.	1 सितम्बर 2019	एम्स के अनुसार इंटरनेशनल स्टडी में खुलासा, सेफ नहीं कोई भी हेयर कलर या मेहँदी	नवभारत टाइम्स
183.	1 सितम्बर 2019	एम्स ने 21 डेली केयर प्रोडक्ट्स को लेकर किया सर्वे, हेयर डाई, मेहँदी, शैम्पू से हो रही है त्वचा की समस्याएं	दैनिक भास्कर
184.	1 सितम्बर 2019	कुष्ठ की दवा से कैंसर का इलाज? डॉक्टरों ने जुकाम की दवाओं के अन्य लाभों पर शोध शुरू किया	द टाइम्स ऑफ इंडिया
185.	1 सितम्बर 2019	एम्स में 16 घंटे की सर्जरी में अलग हुए जुड़वां बच्चे। ओडिशा लौटने के लिए तैयार	हिंदुस्तान टाइम्स
186.	1 सितम्बर 2019	एम्स में अंगदान पर कार्यशाला	हिंदुस्तान
187.	1 सितम्बर 2019	2 साल बाद जग्गा ओर बलिया को एम्स से मिलेगी छुट्टी	नवभारत टाइम्स
188.	4 सितम्बर 2019	विचाराधीन : नेत्र बैंकों को ड्रोन से कॉर्निया पहुंचाना	द इंडियन एक्सप्रेस
189.	4 सितम्बर 2019	चिंताजनक : 760 ऑय बैंक में से सिर्फ दो फीसदी ही सक्रिय	हिंदुस्तान
190.	4 सितम्बर 2019	जब ड्रोन से पहुंचेगा कॉर्निया, मैनपावर ओर खर्च होगा कम	नवभारत टाइम्स
191.	4 सितम्बर 2019	कॉर्निया ऊतक ले जाने के लिए ड्रोन के उपयोग पर विचार कर रहा है एम्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
192.	4 सितम्बर 2019	एम्स नेत्र बैंक में दानदाता कॉर्निया का संग्रह 2,234 पर। बनाया उच्च रिकॉर्ड	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
193.	4 सितम्बर 2019	एम्स में एक साल में 1426 नेत्र प्रत्यारोपण	दैनिक जागरण

194.	4 सितम्बर 2019	दिल्ली - एन सी आर के सरकारी अस्पतालों से जुड़ेगा एम्स	अमर उजाला
195.	5 सितम्बर 2019	नेत्र प्रत्यारोपण के लिए ड्रोन के उपयोग पर विचार कर रहा है एम्स	हिंदुस्तान टाइम्स
196.	6 सितम्बर 2019	2 साल बाद आज घर लौटे परस्पर जुड़े हुए जुड़वाँ बच्चे	हिंदुस्तान टाइम्स
197.	6 सितम्बर 2019	एम्स में भर्ती जग्गा - बलिया की आज होगी छुट्टी	दैनिक जागरण
198.	7 सितम्बर 2019	जुड़वा बच्चों के सिर अलग करने में सफल रहा एम्स	जनसत्ता
199.	7 सितम्बर 2019	जग्गा - बलिया की पहचान एम्स में होगी : हर्षवर्धन	हिंदुस्तान
200.	7 सितम्बर 2019	जुड़े हुए जुड़वां बच्चों को एम्स से 2 साल बाद दुर्लभ सर्जरी के बाद छुट्टी दे दी गई	द स्टेट्समैन
201.	7 सितम्बर 2019	जुड़वाँ बच्चे अलग हुए, 2 साल बाद अपने घर ओडिशा जा रहे हैं।	द इंडियन एक्सप्रेस
202.	7 सितम्बर 2019	क्रानियोपैगस जुड़वाँ चले घर की ओर	द हिंदू
203.	7 सितम्बर 2019	एम्स में सर्जरी के बाद जुड़े हुए जुड़वां बच्चों को मिला अलग-अलग शरीर	द पायनियर
204.	7 सितम्बर 2019	दो साल बाद, संयुक्त जुड़वाँ बच्चे ओडिशा के लिए रवाना	द टाइम्स ऑफ इंडिया
205.	7 सितम्बर 2019	जग्गा - बलिया : आधा - अधूरा कपाल 5 साल बाद होगा पूरा	अमर उजाला
206.	10 सितम्बर 2019	76.3% परिवार पर्याप्त आयोडीन युक्त नमक का सेवन करते हैं: सर्वेक्षण	द एशियन एज
207.	11 सितम्बर 2019	डॉक्टरों ने बच्ची की पीठ से 2 इंच की सुई निकाली	द एशियन एज
208.	11 सितम्बर 2019	एम्स में बच्ची की पीठ से दो इंच लंबी सुई निकाली	हिंदुस्तान
209.	11 सितम्बर 2019	बच्ची की पीठ में घुसी २ इंच लम्भी सुई, एम्स ने निकाली	अमर उजाला
210.	11 सितम्बर 2019	एम्स के डॉक्टरों ने बच्ची की पीठ से सिलाई करने की सूई निकाली	द स्टेट्समैन
211.	13 सितम्बर 2019	एम्स ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बेंचमार्क स्थापित किया है	द आउटलुक

212.	15 सितम्बर 2019	शाह ने एम्स में "सेवा सप्ताह" की शुरुआत की	द टाइम्स ऑफ इंडिया
213.	15 सितम्बर 2019	पीएम के जन्मदिन पर 'सेवा सप्ताह'	द इंडियन एक्सप्रेस
214.	15 सितम्बर 2019	शाह ने श्रमदान कर सेवा सप्ताह की शुरुआत की	दैनिक जागरण
215.	15 सितम्बर 2019	भाजपा ने की 'सेवा सप्ताह' की शुरुआत , शाह व नड्डा ने एम्स में बच्चो को बांटे फल, सफाई भी की	दैनिक भास्कर
216.	15 सितम्बर 2019	शाह व नड्डा ने किया एम्स से 'सेवा सप्ताह' का सुभारम्भ	जनसत्ता
217.	15 सितम्बर 2019	शाह, नड्डा ने एम्स में पोंछा लगाया	द हिंदू
218.	15 सितम्बर 2019	शाह ने एम्स में सफाई की, मरीजों को फल बांटे	हिंदुस्तान
219.	15 सितम्बर 2019	अमित शाह ने एम्स से किया सेवा सप्ताह का शुभारंभ	अमर उजाला
220.	16 सितम्बर 2019	एम्स के प्रोफेसर ने आंध्र प्रदेश के अस्पताल का पुनरूद्धार किया	द एशियन एज
221.	17 सितम्बर 2019	एम्स में ३२ मरीजों के शरीर में खतरनाक रसायन	अमर उजाला
222.	18 सितम्बर 2019	एम्स - दिल्ली ने ओडिशा को 93.89 लाख का दान दिया	द आउटलुक
223.	18 सितम्बर 2019	एम्स में 16% रोगियों में उच्च विषाक्तता स्तर पाया गया	द टाइम्स ऑफ इंडिया
224.	18 सितम्बर 2019	रेफरल मरीजों के शरीर में टोक्सिन का पता लगाएगा एम्स	अमर उजाला
225.	19 सितम्बर 2019	फणि पीड़ितों के लिए एम्स ने दिए 94 लाख	दैनिक जागरण
226.	20 सितम्बर 2019	एम्स में कैंसर की स्क्रीनिंग करेगी आँखों की डॉक्टर	दैनिक जागरण
227.	21 सितम्बर 2019	एम्स : पहली बार हुई रोबोट से रीढ़ की सर्जरी	दैनिक जागरण
228.	21 सितम्बर 2019	360 डिग्री पर फोटो लेकर रोबोट से की गयी एम्स में पहली बार रीढ़ की हड्डी की सर्जरी	नवभारत टाइम्स

229.	21 सितम्बर 2019	रोबोट से एम्स ने पहली बार किया स्पाइन का ऑपरेशन	अमर उजाला
230.	21 सितम्बर 2019	एम्स में पहली बार रोबोट से रीढ़ की सर्जरी	हिंदुस्तान
231.	22 सितम्बर 2019	पश्चिम बंगाल की 45 साल की महिला एम्स में लाभान्वित होने वाली पहली मरीज	द टाइम्स ऑफ इंडिया
232.	22 सितम्बर 2019	दो योजनाओं के बीच के अंतर के कारण गंभीर बीमारियों वाले रोगियों का नहीं हो पा रहा इलाज : एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
233.	25 सितम्बर 2019	गैर-कैंसर रोगी के लिए भी सम्मानजनक इच्छा मृत्यु सुनिश्चित करेगा एम्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
234.	25 सितम्बर 2019	एम्स का 64वां स्थापना दिवस	नवभारत टाइम्स
235.	25 सितम्बर 2019	ल्यूपस पर एम्स समेत देश के 9 संस्थानों में अनुसंधान शुरू	अमर उजाला
236.	26 सितम्बर 2019	मुख स्वास्थ्य के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए केवी शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा एम्स	पीटीआई
237.	26 सितम्बर 2019	एमबीबीएस के विद्यार्थियों के लिए इ - लर्निंग ऍप लांच	अमर उजाला
238.	26 सितम्बर 2019	एम्स का डायरेक्टरी ऍप लांच	नवभारत टाइम्स
239.	26 सितम्बर 2019	एम्स के पांच हज़ार कर्मी ऍप से जुड़ेंगे	हिंदुस्तान
240.	26 सितम्बर 2019	एम्स ने शुरू किया टेलीफोन डायरेक्टरी एप एव एडवांस रिसोर्स लर्निंग प्लेटफार्म	दैनिक जागरण
241.	26 सितम्बर 2019	ऑपरेशन से पहले डॉक्टरों की प्रैक्टिस के लिए एम्स ने बनाई मशीन	अमर उजाला
242.	26 सितम्बर 2019	मौखिक स्वास्थ्य पर छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए केवी शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा एम्स	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
243.	27 सितम्बर 2019	एम्स, सफदरजंग में सुविधाओं का आकलन करने के लिए पैनल	द इंडियन एक्सप्रेस
244.	27 सितम्बर 2019	सिर्फ 20 रुपए में अनुवांशिक बीमारी का पता लगा लेता है एम्स	अमर उजाला

245.	28 सितम्बर 2019	डॉक्टरों ने निकाली जलवायु न्याय यात्रा	अमर उजाला
246.	28 सितम्बर 2019	बेरियाट्रिक सर्जरी की बारीकियां जानने के लिए देशभर के सर्जन एम्स में जुटे	दैनिक भास्कर
247.	29 सितम्बर 2019	सारकोमा रोगियों के लिए 24X7 हेल्पलाइन	द पायनियर
248.	30 सितम्बर 2019	एक दिन में 100 से ज्यादा पड़ते थे दौरे एम्स ने दी संजीवनी	अमर उजाला
249.	1 अक्तूबर 2019	10 सेकंड में जोड़ो के दर्द का पता लगाएगा डॉक्टर : एम्स	अमर उजाला
250.	2 अक्तूबर 2019	एम्स में डॉ हर्षवर्धन ने किया रक्तदान	दैनिक जागरण
251.	3 अक्तूबर 2019	प्लास्टिक कचरे का पुन: उपयोग करेगा एम्स; जामिया हुआ प्लास्टिक मुक्त	द एशियन एज
252.	4 अक्तूबर 2019	ल्यूपस रोग पर शोध कर रहा एम्स	हिंदुस्तान
253.	4 अक्तूबर 2019	गंभीर बीमारी पर एम्स करेगा स्टडी	नवभारत टाइम्स
254.	7 अक्तूबर 2019	एम्स, स्वास्थ्य मंत्रालय ने लॉन्च किया 'ई-दंतसेवा'	हिंदुस्तान टाइम्स
255.	8 अक्तूबर 2019	दांत की बीमारी में एप से परामर्श	हिंदुस्तान
256.	9 अक्तूबर 2019	एम्स में दिसंबर में शुरू होगा बर्न सेंटर	दैनिक जागरण
257.	11 अक्तूबर 2019	एम्स दिल्ली ने जीता टॉप स्वच्छता अवार्ड, 3 करोड़ रुपये	द आउटलुक
258.	11 अक्तूबर 2019	भारत में अंधापन 47% तक कम हुआ : रिपोर्ट	द पायनियर
259.	12 अक्तूबर 2019	एम्स दिल्ली ने जीता टॉप स्वच्छता अवार्ड, 3 करोड़ रुपये	मिलेनियम पोस्ट
260.	12 अक्तूबर 2019	एम्स को तीसरे वर्ष कायाकल्प अवार्ड	हिंदुस्तान
261.	12 अक्तूबर 2019	एम्स की हैट्रिक, लगातार तीसरी बार जीता कायाकल्प अवार्ड	अमर उजाला
262.	12 अक्तूबर 2019	एम्स ट्रॉमा सेंटर में, एक 3 वर्षीय बच्चे ने जगाई आशा की किरण	द हिंदू
263.	12 अक्तूबर 2019	स्वच्छता के मामले में दिल्ली का एम्स अव्वल	दैनिक जागरण
264.	13 अक्तूबर 2019	एम्स मोबाइल वैन नशा पीड़ितों तक पहुंचेगी	हिंदुस्तान

265.	13 अक्तूबर 2019	मोबाइल वेन सेवा का विस्तार कर नशे की लत छुड़ाएगा एम्स	दैनिक जागरण
266.	13 अक्तूबर 2019	नशा पीड़ितों के लिए एम्स ने गोकलपुरी में लगाई मोबाइल वेन	अमर उजाला
267.	13 अक्तूबर 2019	स्ट्रोक पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा	द इंडियन एक्सप्रेस
268.	13 अक्तूबर 2019	स्ट्रोक पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा	हिंदुस्तान टाइम्स
269.	13 अक्तूबर 2019	पक्षाघात पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	पंजाब केसरी
270.	13 अक्तूबर 2019	पक्षाघात पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	दैनिक जागरण
271.	14 अक्तूबर 2019	नेत्र अंधता रोगों की रोकथाम और उपचार	हिंदुस्तान टाइम्स
272.	14 अक्तूबर 2019	नेत्र अंधता रोगों की रोकथाम एवं उपचार पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	पंजाब केसरी
273.	14 अक्तूबर 2019	नेत्र अंधता रोगों की रोकथाम एवं उपचार पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	दैनिक जागरण
274.	15 अक्तूबर 2019	एम्स, आईआईटी दिल्ली ने लकवाग्रस्त लोगों के लिए सस्ती तकनीक विकसित की	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
275.	15 अक्तूबर 2019	जिम में संभलकर करें व्यायाम, लापरवाही से हो सकता है लकवा	दैनिक जागरण
276.	15 अक्तूबर 2019	तकनीक से लकवा पीड़ितों को मिलेगा आराम	दैनिक जागरण
277.	15 अक्तूबर 2019	मोटापे पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	दैनिक जागरण
278.	15 अक्तूबर 2019	मोटापे पर लोक व्याख्यान एवं पैनल वार्ता	पंजाब केसरी
279.	15 अक्तूबर 2019	मोटापे पर सार्वजनिक व्याख्यान	द इंडियन एक्सप्रेस
280.	15 अक्तूबर 2019	मोटापे पर सार्वजनिक व्याख्यान	हिंदुस्तान टाइम्स

281.	15 अक्तूबर 2019	लकवाग्रस्त मरीजों के लिए एम्स और आईआईटी ने बनाई डीवाईस, ख़तम हो जाएगी फैजियोथेरेपिस्ट की जरुरत	दैनिक जागरण
282.	16 अक्तूबर 2019	बुलंदशहर की बच्ची को एम्स ट्रामा सेंटर ने दी नयी जिंदगी	दैनिक जागरण
283.	16 अक्तूबर 2019	देश भर में तैयार होगा स्ट्रोक मैप, तुरंत मिलेगा उपचार	अमर उजाला
284.	16 अक्तूबर 2019	बुलंदशहर की बच्ची को एम्स ट्रामा सेंटर ने दी नई जिंदगी	दैनिक जागरण
285.	16 अक्तूबर 2019	एम्स में तीन साल के मासूम को बचाया गया, छुट्टी दी गई	द हिंदू
286.	17 अक्तूबर 2019	टेबलेट और इंजेक्शन से 10 kg तक वजन हो सकता है कम: एम्स	नवभारत टाइम्स
287.	17 अक्तूबर 2019	चमत्कार : गड्ढे में गिरी बच्ची को मिला नया जीवन	द टाइम्स ऑफ इंडिया
288.	17 अक्तूबर 2019	अब दवाइयों से भी हो रहा मोटापे का इलाज़	दैनिक जागरण
289.	17 अक्तूबर 2019	एम्स में मोटापे की सर्जरी का आंकड़ा हजार के पार	अमर उजाला
290.	17 अक्तूबर 2019	आईआईटी के पूर्व छात्रों ने बनाया वाहनों से निकलने वाले प्रदूषकों को रोकने का उपकरण	द पायनियर
291.	17 अक्तूबर 2019	सरकारी स्कूलों के बच्चे प्राइवेट स्कूलों के बच्चों से ज्यादा फिट वजह: फ़ास्ट फ़ूड, इससे 46 प्रतिशत में डायबिटीज का खतरा	दैनिक भास्कर
292.	19 अक्तूबर 2019	मानसिक स्वास्थ्य के प्रति करेंगे जागरूक	दैनिक जागरण
293.	19 अक्तूबर 2019`	एम्स के डॉक्टर ने महिला के पेट से 18 किलो का ट्यूमर निकाला	द इंडियन एक्सप्रेस
294.	19 अक्तूबर 2019`	जग्गा और बलिया को अलग किया गया	द हिंदू
295.	19 अक्तूबर 2019	बच्चो को तनाव से उबरने में मदद करेगा एम्स	अमर उजाला
296.	20 अक्तूबर 2019	45 के बाद हडियों की जांच कराये महिलाएं	दैनिक जागरण

297.	21 अक्तूबर 2019	बुखार, सर्दी के लिए आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक: एम्स का अनुसंधान	द एशियन एज
298.	21 अक्तूबर 2019	एम्स छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम करेगा	हिंदुस्तान
299.	21 अक्तूबर 2019	बैक्टीरिया से निपटने में आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक कारगर	दैनिक जागरण
300.	21 अक्तूबर 2019	एम्स ने खोजी आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक 'मृत्युंजय'	अमर उजाला
301.	24 अक्तूबर 2019	पीएमएनडीपी के तहत पेरिटोनियल डायलिसिस सेवाओं को स्थापित करेगा केंद्र	द हिंदू
302.	29 अक्तूबर 2019	मेडिकल विश्विद्यालय बनेगा दिल्ली एम्स, तैयारियां शुरू	अमर उजाला
303.	28 अक्तूबर 2019	दिवाली: अस्पताल अलर्ट, सीनियर डॉक्टर भी मुस्तैद	नवभारत टाइम्स
304.	30 अक्तूबर 2019	एम्स ने विश्व स्तरीय आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय बनने के लिए बुनियादी सुविधाओं का सर्वेक्षण शुरू किया	द स्टेट्समैन
305.	31 अक्तूबर 2019	'मास्क, एयर प्यूरीफायर वायु प्रदूषण से वास्तविक सुरक्षा से अधिक आश्वासन देते हैं, वास्तविक समाधान नहीं': डॉ. रणदीप गुलेरिया	हिंदुस्तान टाइम्स
306.	2 नवम्बर 2019	वायु प्रदूषण : डॉक्टरों ने लोगों को सावधानी बरतने के लिए कहा	द स्टेट्समैन
307.	4 नवम्बर 2019	दिल्ली प्रदूषण का स्थायी समाधान खोजें: एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
308.	7 नवम्बर 2019	आई आई टी के साथ मिलकर एम्स ने बनाए विशेष जूते और छड़ी	अमर उजाला
309.	7 नवम्बर 2019	अमेरिकी यूनिवर्सिटी जेनेटिक्स के क्षेत्र में एम्स, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज के साथ करेगी काम	एनडीटीवी इंडिया
310.	8 नवम्बर 2019	जेनेटिक्स पर परीक्षण करेगा एम्स, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज	अमर उजाला
311.	11 नवम्बर 2019	बड़े परिसर में शिफ्ट होगी एम्स ओपीडी	हिंदुस्तान टाइम्स
312.	11 नवम्बर 2019	भाषा के अवरोध को दूर करने में गरीब छात्रों की करेगा एम्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया

313.	11 नवम्बर 2019	प्रदूषण में कमी के साथ ही मरीज की संख्या घटी	अमर उजाला
314.	11 नवम्बर 2019	साल के अंत तक, एम्स में ओपीडी के लिए नई सुविधाएं	द इंडियन एक्सप्रेस
315.	13 नवम्बर 2019	एम्स में मादक पदार्थों के बढ़ते इस्तेमाल पर शोध	दैनिक जागरण
316.	13 नवम्बर 2019	पहनने योग्य किडनी से डायलिसिस होगी आसान	दैनिक जागरण
317.	13 नवम्बर 2019	अब एम्स में एक ही छत्त के नीचे इलाज़ और जांच	अमर उजाला
318.	13 नवम्बर 2019	एम्स में इलाज और जांच की सुविधा जल्द	हिंदुस्तान
319.	13 नवम्बर 2019	नशे के आदी लोगों पर एम्स कर रहा अध्ययन	हिंदुस्तान
320.	13 नवम्बर 2019	2.5 करोड़ की किट से एम्स कर रहा ड्रग की पहचान	नवभारत टाइम्स
321.	14 नवम्बर 2019	मृत, लेकिन अभी भी अंगदान के माध्यम से 'जीवित'	द टाइम्स ऑफ इंडिया
322.	14 नवम्बर 2019	एम्स ने अंग दाताओं, उनके परिवारों को सम्मानित किया	ड्रग टुडे
323.	14 नवम्बर 2019	मानव अंगों की मांग और उपलब्धता के बीच बड़ा अंतर: एम्स	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
324.	14 नवम्बर 2019	एम्स में बहादुर लोगों के लिए	द इंडियन एक्सप्रेस
325.	14 नवम्बर 2019	स्वास्थ्य मंत्री ने अंगदाता के परिवार वालों को सम्मानित किया	द हिंदू
326.	14 नवम्बर 2019	जाते- जाते आठ लोगों को जिंदगी दे गई सुरभि	अमर उजाला
327.	14 नवम्बर 2019	अंगदान मुहीम को बड़े स्तर पर शुरू करने की जरुरत: रिजिजू	नवोदय टाइम्स
328.	14 नवम्बर 2019	अंगदान कर जिंदगी देने वालों को याद कर भर आईं आंखें	दैनिक भास्कर
329.	14 नवम्बर 2019	अंगदान करना एक कठिन लेकिन साहसपूर्ण निर्णय	जनसत्ता

330.	14 नवम्बर 2019	दोबारा जिंदगी मिलने पर किसी ने दिल तो किसी ने किडनी के लिए जताया आभार	लोकमत समाचार
331.	14 नवम्बर 2019	मधुमेह पीड़ितों की जिंदगी आसान बनने में जुटा एम्स	हिंदुस्तान
332.	14 नवम्बर 2019	ऑर्बो ने 38 बहु अंगदाताओं के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया	हिंदुस्तान टाइम्स
333.	14 नवम्बर 2019	किसी और का दिल मुझमे धड़क रहा हैं इसलिए जिन्दा हूँ	नवभारत टाइम्स
334.	14 नवम्बर 2019	आठ लोगों को जिंदगी दे गई सुरभि	हिंदुस्तान
335.	14 नवम्बर 2019	केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने लोगों से अंग दान करने का आग्रह किया	द स्टेट्समैन
336.	14 नवम्बर 2019	अंगदान के लिए आंदोलन खड़ा करने की जरूरत: डॉ हर्षवर्धन	आउटलुक
337.	14 नवम्बर 2019	एम्स ने अंगदाताओं को किया सम्मानित	पंजाब केसरी
338.	14 नवम्बर 2019	अंगदान भगवान का काम करने जैसा: हर्षवर्धन	दैनिक जागरण
339.	14 नवम्बर 2019	अंगदान करना ईश्वरीय है	यूएनआई
340.	14 नवम्बर 2019	एम्स में बनेगा ट्रांसप्लांट सेंटर	डीडी न्यूज
341.	15 नवम्बर 2019	ह्रदय रोगियों के लिए प्रदूषण एक अतिरिक्त समस्या है	हिंदुस्तान टाइम्स
342.	15 नवम्बर 2019	एम्स में मिलेगी दांतों की सस्ती दवा एवं इम्प्लांट	दैनिक जागरण
343.	15 नवम्बर 2019	एम्स के डेंटल स्टोर पर ६०% तक सस्ती दवाएं	नवभारत टाइम्स
344.	15 नवम्बर 2019	एम्स में दंत प्रत्यारोपण और दवाएं सस्ती दरों पर	हिंदुस्तान
345.	15 नवम्बर 2019	एम्स में दन्त रोगियों के लिए अलग से शुरू हुई फार्मेसी	अमर उजाला
346.	16 नवम्बर 2019	अंगदान की शपथ लेने के लिए एम्स में क्यूआर कोड स्कैन करें	द इंडियन एक्सप्रेस

347.	16 नवम्बर 2019	कैंसर संस्थान में 800 बेड की धर्मशाला	हिंदुस्तान
348.	20 नवम्बर 2019	दशक भर के इंतजार के बाद छत पर हेलीपैड पाने के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर	हिंदुस्तान टाइम्स
349.	20 नवम्बर 2019	बच्चों को विज्ञान की ओर ले जा रहा दिल्ली एम्स	अमर उजाला
350.	21 नवम्बर 2019	एम्स हेलीपैड वाला पहला सरकारी हॉस्पिटल होगा	हिंदुस्तान
351.	21 नवम्बर 2019	एम्स ट्रामा सेंटर की छत्त पर उतरेंगे हेलीकॉप्टर	नवभारत टाइम्स
352.	21 नवम्बर 2019	कहें नमस्ते, तभी इलाज होंगे सस्ते	नवभारत टाइम्स
353.	23 नवम्बर 2019	एम्स में मेडिकल शिक्षा व इलाज की शुल्क की हो रही समीक्षा	दैनिक जागरण
354.	26 नवम्बर 2019	'#डीएनए फाइट रेप' अपराध रोकेगा एम्स और पुलिस का कैंपेन	नवभारत टाइम्स
355.	25 नवम्बर 2019	हृदय रोग से निपटने के लिए के लिए व्यायाम करें: अध्ययन	हिंदुस्तान टाइम्स
356.	27 नवम्बर 2019	एम्स के डॉक्टरों ने हेलिकॉप्टर आपात स्थिति को संभालने के लिए प्रशिक्षण दिया	हिंदुस्तान टाइम्स
357.	27 नवम्बर 2019	यूसीएल और एम्स ने नैदानिक और स्वास्थ्य सेवा इंजीनियरिंग लिंक मजबूत किया	यूसीएल ग्लोबल
358.	28 नवम्बर 2019	सभी केंद्र सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बेड की उपलब्धता का पता लगाने के लिए नियंत्रण कक्ष।	द टाइम्स ऑफ इंडिया
359.	29 नवम्बर 2019	जिन स्थानों पर एम्बुलेंस नहीं जा सकती, वहां बाइक पर मदद	द टाइम्स ऑफ इंडिया
360.	30 नवम्बर 2019	क्लेरिनेट एनालिटिक्स ने की एम्स-नई दिल्ली, आईआईएससी बैंगलोर और अन्य के लिए इंडिया रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड्स की घोषणा	इंडियन वेब2
361.	30 नवम्बर 2019	देश में डॉक्टरों की कमी नहीं: हर्षवर्धन	दैनिक जागरण
362.	4 दिसम्बर 2019	स्वीडन की रानी एम्स के डिमेंशिया सेंटर में आई	द टाइम्स ऑफ इंडिया

363.	4 दिसम्बर 2019	स्वीडन की रानी ने एम्स में डिमेंशिया के मरीजों के साथ बातचीत की	द स्टेट्समैन
364.	4 दिसम्बर 2019	स्वीडन की रानी एम्स में डिमेंशिया से मिली	हिंदुस्तान
365.	4 दिसम्बर 2019	एम्स ने स्वीडन से किया करार	अमर उजाला
366.	4 दिसम्बर 2019	स्वीडन के साथ मिलकर सस्ते उपकरण तैयार करेगा एम्स	दैनिक जागरण
367.	4 दिसम्बर 2019	एम्स, आईसीएमआर वर्चुअल शव परीक्षण तकनीक पर काम कर रहा है: राज्य सभा में सरकार	द इंडियन एक्सप्रेस
368.	5 दिसम्बर 2019	एम्स में महिलाओं में बढ़ रही ह्रदय की बीमारी पर होगी चर्चा	दैनिक जागरण
369.	5 दिसम्बर 2019	ह्रदयरोगों पर सम्मेलन आज एम्स में	हिंदुस्तान
370.	5 दिसम्बर 2019	ह्रदयरोगों की नई तकनीक सिखने को जुटेंगे डॉक्टर	दैनिक भास्कर
371.	5 दिसम्बर 2019	एम्स में बांटी ट्राइसाइकिल	नवभारत टाइम्स
372.	6 दिसम्बर 2019	शरीर के कई अंगो को खराब कर सकती है कबूतर की बीट	अमर उजाला
373.	6 दिसम्बर 2019	बच्ची की मौत, पिता ने की बेटी की आँखों दान	जनसत्ता
374.	8 दिसम्बर 2019	बच्चों को मच्छर प्रतिकर्षकों से दूर रखें	द टाइम्स ऑफ इंडिया
375.	11 दिसम्बर 2019	कहानी अंगदान से नई जिंदगी पाने वालो की	जनसत्ता
376.	12 दिसम्बर 2019	एम्स और राष्ट्रीय चेंग कुंग विश्वविद्यालय (ताइवान) के बीच समझौता ज्ञापन समारोह	ताइवान रिपब्लिक ऑफ इंडिया
377.	13 दिसम्बर 2019	बायोप्सी में लगने वाला वक्त ओर दर्द दोनों की होगी छुट्टी, ब्लड टेस्ट से हो जाएगी जाँच	नवभारत टाइम्स
378.	15 दिसम्बर 2019	रक्त परीक्षण बायोप्सी से मुक्ति दिलाएगा : एम्स	हिंदुस्तान
379.	22 दिसम्बर 2019	सेवा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है चिकित्सा: ओम बिरला	दैनिक जागरण
380.	23 दिसम्बर 2019	एम्स में राष्ट्रीय स्तर का आधुनिक वन स्टाप सेंटर बनेगा	हिंदुस्तान
381.	26 दिसम्बर 2019	एम्स में 570 कमरों वाला नया ओपीडी ब्लॉक अगले महीने से, बढ़ेंगे 725 बेड	नवभारत टाइम्स
382.	24 दिसम्बर 2019	हर सात में से एक व्यक्ति मानसिक विकार से पीड़ित है: अध्ययन	द टाइम्स ऑफ इंडिया

383.	27 दिसम्बर 2019	कैंसर पीड़िता का इलाज करे एम्स	हिंदुस्तान
384.	27 दिसम्बर 2019	एम्स में अगले माह तैयार हो जायेगा सर्जिकल ब्लॉक	दैनिक जागरण
385.	27 दिसम्बर 2019	सीलियक रोगों पर एम्स के डॉक्टरों की खोज	द इंडियन एक्सप्रेस
386.	31 दिसम्बर 2019	5 किमी के भीतर रहने वालों के लिए एम्स मोबाइल सेवा	द इंडियन एक्सप्रेस
387.	31 दिसम्बर 2019	फेफड़े, दिल की बीमारियों में बढ़ोतरी : डॉक्टरों की रिपोर्ट	हिंदुस्तान टाइम्स
388.	31 दिसम्बर 2019	अब पांच किमी के दायरे में मिलेगी मोबाइल इमरजेंसी केयर की सुविधा	दैनिक जागरण
389.	31 दिसम्बर 2019	मरीज़ों के लिए अब 2 किमी ज्यादा दौड़ेगी बाइक एम्बुलेंस, ओर 25 लाख लाख लोगो को मिलेगा फायदा	नवभारत टाइम्स
390.	31 दिसम्बर 2019	हार्ट अटैक से बचाने के लिए बाइक एम्बुलेंस का बड़ा दायरा	अमर उजाला
391.	1 जनवरी 2020	एम्स के नाम दर्ज़ होगा सिर से जुड़े बच्चों को अलग करने का रिकॉर्ड	दैनिक जागरण
392.	1 जनवरी 2020	गोइंग सेपरेट वेज, हैपिली	द टाइम्स ऑफ इंडिया
393.	1 जनवरी 2020	एम्स के सर्जन को डी-लिट की उपाधि	नवभारत टाइम्स
394.	3 जनवरी 2020	सरकार ने एम्स के प्रोफेसर सुरेश चंद्रा को एनएमसी प्रमुख नियुक्त किया	द हिंदू
395.	3 जनवरी 2020	सरकार ने एम्स के प्रोफेसर सुरेश चंद्रा को एनएमसी प्रमुख नियुक्त किया	द पायनियर
396.	3 जनवरी 2020	एम्स के प्रोफेसर एनएमसी प्रमुख नियुक्त	इंडियन एक्सप्रेस
397.	3 जनवरी 2020	डॉ शर्मा ने एम्स में कई सुविधाएं शुरु करने में अहम भूमिका निभाई	दैनिक जागरण
398.	3 जनवरी 2020	प्रो सुरेश चंद्र शर्मा राष्ट्रीय चिकत्सा आयोग के पहले अध्यक्ष नियुक्त	हिंदुस्तान
399.	3 जनवरी 2020	एम्स के सुरेश चंद्र शर्मा एनएमसी के पहले अध्यक्ष बने	जनसत्ता

400.	5 जनवरी 2020	एम्स में ओपीडी के लिए कतार में नहीं लगाना पड़ेगा	हिंदुस्तान
401.	5 जनवरी 2020	एम्स लाइब्रेरी बनेगी दिव्यांग अनुकूल	दैनिक जागरण
402.	11 जनवरी 2020	3 डी तकनीक से प्रैक्टिस के बाद निकला तीर	अमर उजाला
403.	17 जनवरी 2020	मुँह की सफाई में लापरवाही बन सकती है दिल की बीमारी का कारण	हिंदुस्तान
404.	18 जनवरी 2020	इलाज के लिए आयुर्वेद का सहारा लेगा एम्स, कचनार का शरीर पर असर जानने को हो रही है स्टडी, असर दिखा तो होगा इलाज	दैनिक भास्कर
405.	24 जनवरी 2020	चीनी वायरस से निपटने के लिए तैयार: अस्पताल	द टाइम्स ऑफ इंडिया
406.	24 जनवरी 2020	एम्स ने पंजाब में 'आई-ट्रेक' लॉन्च किया	द एशियन एज
407.	25 जनवरी 2020	कोरोना वायरस: आइसोलेशन वार्ड	द टाइम्स ऑफ इंडिया
408.	25 जनवरी 2020	कोरोना वायरस के लिए आवश्यक होने पर आइसोलेशन वार्ड की क्षमता बढ़ाएगा एम्स: निदेशक	एएनआई
409.	25 जनवरी 2020	एम्स ने कोरोनावायरस मामलों के उपचार के लिए आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए	द स्टेट्समैन
410.	25 जनवरी 2020	एम्स के अधिकारी कोरोनो वायरस के संदिग्ध मामलों के लिए आइसोलेशन वार्ड का उपयोग करने के लिए तैयार	एचटी
411.	26 जनवरी 2020	कोरोना वायरस को लेकर एम्स ने कसी कमर	जनसत्ता
412.	26 जनवरी 2020	तीन दशकों के बाद विकलांग छात्रों के लिए एम्स पुस्तकालय में लिफ्ट	द टाइम्स ऑफ इंडिया
413.	27 जनवरी 2020	एम्स ने शहर का पहला फेफड़ा प्रतिरोपण किया	द टाइम्स ऑफ इंडिया
414.	27 जनवरी 2020	झारखंड में जनजातीय स्वास्थ्य पर जैव ईंधन के दुष्प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन शुरू करेगा एम्स	द पायनियर
415.	31 जनवरी 2020	अर्थराइटीस के खिलाफ जागरूकता के लिए एम्स की डॉ. उमा कुमार को राष्ट्रीय सम्मान	दैनिक भास्कर
416.	2 फरवरी 2020	कोरोना वायरस की रोकथाम: डॉ. रणदीप गुलेरिया	डीडी न्यूज
417.	3 फरवरी 2020	कोरोनो वायरस हल्की बीमारी : एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया	एनडीटीवी

418.	4 फरवरी 2020	कैंसर से निबटने में सक्षम बन रहा, 'आयुष्मान' भारत	दैनिक जागरण
419.	4 फरवरी 2020	आंध्र प्रदेश में छह नशामुक्ति केंद्र स्थापित करने की एम्स की योजना	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
420.	8 फरवरी 2020	कोरोना वायरस की जांच एम्स और एनसीडीसी में भी	नवभारत टाइम्स
421.	10 फरवरी 2020	नए एम्स ओपीडी ब्लॉक पर कम प्रतीक्षा, अधिक सुविधाएं	द टाइम्स ऑफ इंडिया
422.	10 फरवरी 2020	छह विभागों के लिए एम्स में आठ-मंजिली ओपीडी ब्लॉक, और भी विभाग जल्द ही जाएंगे वहां	द इंडियन एक्सप्रेस
423.	10 फरवरी 2020	महिला के गर्भाशय से 17.9 किलो का ट्यूमर निकाला गया	हिंदुस्तान टाइम्स
424.	10 फरवरी 2020	मरीज़ो को राहत : एम्स की नया ओ पी डी ब्लॉक आज से शुरु	हिंदुस्तान
425.	10 फरवरी 2020	एम्स में आज शुरु होगा नया ओ पी डी ब्लॉक	दैनिक जागरण
426.	11 फरवरी 2020	एम्स की नई ओपीडी में मिलेगा सुविधाजनक इलाज	दैनिक जागरण
427.	11 फरवरी 2020	एम्स में शुरू हुई 6 विभागों की नई ओपीडी, 8 मंज़िल बिल्डिंग में 570 कमरे हैं, हर मंज़िल पर 500 लोगों के बैठने की व्यवस्था	दैनिक भास्कर
428.	11 फरवरी 2020	महिलाओं और दिव्यांगों के लिए अलग काउंटर	नवभारत टाइम्स
429.	11 फरवरी 2020	एम्स में भीड़ कम करने के लिए 6 विभाग नए ओपीडी ब्लॉक में स्थानांतरित	हिंदुस्तान टाइम्स
430.	11 फरवरी 2020	एम्स में नई ओपीडी की स्थापना	द इंडियन एक्सप्रेस
431.	11 फरवरी 2020	एम्स ट्रामा सेंटर में बढ़ी सुविधाएं	दैनिक जागरण
432.	13 फरवरी 2020	घर पर एम्स की मदद से दिल का दौरा पड़ने पर रोगी के जीवन की रक्षा	द टाइम्स ऑफ इंडिया
433.	13 फरवरी 2020	देश में पहली बार मरीज़ को घर पर मिली क्लॉट बस्टर दवा	दैनिक जागरण
434.	13 फरवरी 2020	हार्ट अटैक के मरीज को घर पर मिलती है मदद, एम्स की बाइक एंबुलेंस को धन्यवाद	हिंदुस्तान टाइम्स
435.	16 फरवरी 2020	एम्स ने किया शोध : सीलिएक से पीड़ित महिलाओं को बांझ बना रहा ग्लूटेन युक्त आटा, तलाक की भी नौबत	दैनिक भास्कर
436.	16 फरवरी 2020	उत्तर भारत में सीलिएक रोग अधिक पाये जाते हैं	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस

437.	16 फरवरी 2020	एम्स में घटेगी सर्जरी की वेटिंग, मई में शुरू किया जायेगा सर्जिकल ब्लॉक	दैनिक जागरण
438.	16 फरवरी 2020	सीलिएक रोग के लिए व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है: एम्स	मिलेनियम पोस्ट
439.	16 फरवरी 2020	असामान्य था, अब सामान्य हो चला है सीलियक	नवोदय टाइम्स
440.	16 फरवरी 2020	सीलियक बीमारी को छिपाना महिलाओं को पड़ रहा भारी	दैनिक जागरण
441.	16 फरवरी 2020	सीलियक: पेट की बीमारी से परेशान देश में 80 लाख लोग	पंजाब केसरी
442.	16 फरवरी 2020	लाइलाज सीलिएक पर लोगों को जागरूक करेगा एम्स	टीएसजी संडे गार्जियन लाइव
443.	18 फरवरी 2020	एम्स ने जबड़े के संयुक्त प्रतिस्थापन के लिए 3डी प्रिंटिंग तकनीक की शुरुआत की	द स्टेट्समैन
444.	18 फरवरी 2020	एम्स में 60 मरीज़ो को लगाया आर्टिफीसियल जबड़ा	नवोदय टाइम्स
445.	18 फरवरी 2020	कैंसर से लड़ने वाले बच्चों ने रंगारंग प्रोग्राम से मन मोहा	हिंदुस्तान
446.	19 फरवरी 2020	एम्स में दो ब्रेन डेड लोगों के अंगों ने 48 घंटों में बचाई 7 लोगों की जान	हिंदुस्तान टाइम्स
447.	19 फरवरी 2020	पहले, एम्स लघु कैंसर का उपचार करता है	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
448.	19 फरवरी 2020	दो परिवारों की दयालुता से बचे 7 जीवन	द टाइम्स ऑफ इंडिया
449.	19 फरवरी 2020	अंग दान के बाद 7 लोगों को एम्स में मिला दूसरा जन्म	द इंडियन एक्सप्रेस
450.	19 फरवरी 2020	दो लोगों के अंगदान से साथ लोगों को मिला नया जीवन	दैनिक जागरण
451.	19 फरवरी 2020	48 घंटो में साथ लोगों को मिला नया जीवन	अमर उजाला
452.	19 फरवरी 2020	परिवारों ने 2 मस्तिष्क मृत रोगियों के अंगों का दान किया	द एशियन एज
453.	20 फरवरी 2020	एम्स: नई ओपीडी से राहत, वेटिंग 20 % कम	अमर उजाला
454.	20 फरवरी 2020	... इधर, नई ओ पी डी से प्रतीक्षा समय कम हुआ	हिंदुस्तान
455.	21 फरवरी 2020	एम्स दुर्लभ बीमारी गोचर से पीड़ित आरज़ू का इलाज करेगा	हिंदुस्तान

456.	21 फरवरी 2020	रक्तदान के लिए अभियान चलाया	हिंदुस्तान
457.	21 फरवरी 2020	एम्स की मुख्य ओपीडी में कम हुए मरीज़	दैनिक जागरण
458.	21 फरवरी 2020	रक्त के लिए डॉक्टर हुए एक जुट, सोशल मीडिया पर अपील	अमर उजाला
459.	22 फरवरी 2020	एम्स के डॉक्टरों ने गर्भाशय निकालने की आसान विधि विकसित की	हिंदुस्तान टाइम्स
460.	22 फरवरी 2020	एम्स में इमरजेंसी सुविधाओं का किया जायेगा विस्तार	दैनिक जागरण
461.	22 फरवरी 2020	एम्स के पुराने ओपीडी ब्लॉक में भी होगी इमरजेंसी सेवाएं	नवभारत टाइम्स
462.	22 फरवरी 2020	एम्स: ओपीडी में घट गए 5 लाख मरीज़, पहली बार 2 लाख सर्जरी	नवभारत टाइम्स
463.	22 फरवरी 2020	एम्स में चार साल में होंगे पांच हज़ार बेड	दैनिक जागरण
464.	23 फरवरी 2020	एम्स में बिस्तरों की संख्या दो गुनी होगी	हिंदुस्तान
465.	24 फरवरी 2020	एम्स में 27 को रक्तदान शिविर, लोगो से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील	दैनिक भास्कर
466.	26 फरवरी 2020	एम्स में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर जुलाई से शुरू	दैनिक जागरण
467.	27 फरवरी 2020	एम्स का डॉक्टर सीख रहा प्राकृतिक चिकित्सा	हिंदुस्तान
468.	28 फरवरी 2020	एम्स ने जुटाया तीन हज़ार यूनिट रक्त	दैनिक जागरण
469.	28 फरवरी 2020	सीएपीएफ के जवानों ने एम्स कैंप, जीटीबी अस्पताल में किया रक्तदान	द स्टेट्समैन
470.	28 फरवरी 2020	एम्स ने एक दिन में एकत्रित किया 3000 यूनिट रक्त	अमर उजाला
471.	29 फरवरी 2020	एम्स में ग्रीन पब्लिक स्वास्थ्य सम्मेलन आज से	दैनिक जागरण
472.	29 फरवरी 2020	दक्षिणी दिल्ली में हरियाली बढ़ाने के लिए 25000 पौधे लगाए गए	द टाइम्स ऑफ इंडिया
473.	29 फरवरी 2020	आम आदमी की सेहत के लिए पहला 'ग्रीन पब्लिक हेल्थ कांफ्रेंस'	यूएनआई
474.	29 फरवरी 2020	एम्स की खोज: गर्भवती महिलाएं होंगी एनीमिया मुक्त	लोकमत टाइम्स
475.	29 फरवरी 2020	कोरोना वायरस के संदिग्धों को लोगों के संपर्क में न आने की सलाह: एम्स	यूएनआई
476.	29 फरवरी 2020	एम्स में शुरू हुई इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन की 64 वीं वार्षिक कांफ्रेंस	जी न्यूज
477.	29 फरवरी 2020	एम्स के डॉक्टरों ने महिलाओं को हीमोग्लोबिन को बढ़ाने के लिए दी एफसीएम लेने की सलाह	ड्रग टुडे

478.	29 फरवरी 2020	पब्लिक हेल्थ को मज़बूत करने के लिए एम्स में जुटेंगे 1500 विशेषज्ञ	पंजाब केसरी
479.	1 मार्च 2020	दान में मिले दिल से एम्स ने अब तक 1,000 मरीजों को दी नई जिंदगी	एनडीटीवी इंडिया
480.	1 मार्च 2020	डॉक्टरो के सम्मेलन में पर्यावरण सुधर की पहल	जनसत्ता
481.	2 मार्च 2020	डॉ उमा कुमार को राष्ट्रीय विज्ञान संचार पुरस्कार	हिंदुस्तान
482.	4 मार्च 2020	सीआरपीएफ के जवानों ने एम्स, नई दिल्ली में किया रक्तदान	हिंदुस्तान टाइम्स
483.	4 मार्च 2020	एम्स निदेशक से जानिए कोरोना वायरस की एबीसीडी	सीएनबीसी आवाज
484.	4 मार्च 2020	“घबराएं नहीं, पर सतर्क रहें” : डॉ. रणदीप गुलेरिया	मेल टुडे
485.	4 मार्च 2020	एम्स में बढ़ रहा है बहरापन, 40 फीसद बुज़ुर्ग पीड़ित	दैनिक जागरण
486.	4 मार्च 2020	कोरोना वायरस कितना है खतरनाक जानिए डॉ. रणदीप गुलेरिया से	न्यूज़ स्टेशन
487.	4 मार्च 2020	कोरोना पर एम्स डायरेक्टर के सुझाव	टीवी9 भारतवर्ष
488.	4 मार्च 2020	कोरोना वायरस पर बोले एम्स के डायरेक्टर- डरने की जरूरत नहीं, 97% लोग ठीक हो जाते हैं	क्विंट हिन्दी
489.	4 मार्च 2020	एम्स के डायरेक्टर से जानिए कोरोना वायरस से कैसे बचें?	न्यूज़ 24
490.	5 मार्च 2020	सच्चाई : 10 % संक्रमित ही होते है गंभीर बीमार: डॉ. करन मदान	हिंदुस्तान
491.	5 मार्च 2020	स्मार्टफोन बढ़ा सकते हैं आपका सिरदर्द : एम्स	द आउटलुक
492.	5 मार्च 2020	कोरोना वायरस पर एम्स के डायरेक्टर की कुछ टिप्स	जी न्यूज़
493.	5 मार्च 2020	घातक कोरोना वायरस पर एम्स के निदेशक के साथ विशेष बातचीत	वनइंडिया न्यूज़
494.	5 मार्च 2020	भारत कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने में सक्षम: एम्स निदेशक	एनडीटीवी इंडिया
495.	5 मार्च 2020	घातक कोरोना वायरस पर एम्स के निदेशक के साथ विशेष बातचीत	बोल्ड स्काई
496.	6 मार्च 2020	एम्स दिल्ली आईपीएचएसीओएन 2020 में आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय	करियर 360
497.	6 मार्च 2020	कोरोना से जंग को एम्स भी हुआ तैयार	दैनिक जागरण

498.	6 मार्च 2020	कोरोना वायरस क्या है और कैसे इससे बचें, जानिए एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया के साथ	हिंदुस्तान न्यूज डेली
499.	6 मार्च 2020	देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में युवा ड्रग्स को कहेंगे बाय	दैनिक जागरण
500.	7 मार्च 2020	एम्स के निदेशक डॉ. हरणदीप गुलेरिया ने दिया कोरोना वायरस से जुड़े हर सवाल का जवाब	एबीपी न्यूज़
501.	7 मार्च 2020	कोरोना वायरस - डॉ. रणदीप गुलेरिया (निदेशक, एम्स, दिल्ली) द्वारा कोविड -19 II मिथक और तथ्य	कैवा प्रॉडक्शन
502.	7 मार्च 2020	कोरोना के 83 % मरीज़ो में होता है खासी - बुखार: एम्स	नवभारत टाइम्स
503.	7 मार्च 2020	कोरोना वायरस से जुड़े सवालों के जवाब	इंडिया टुडे सोशल
504.	7 मार्च 2020	2 मीटर से ज्यादा दूर नहीं जाता कोरोना वायरस: डॉ. गुलेरिया	अमर उजाला
505.	7 मार्च 2020	एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ... कोरोना वायरस	टीवी10 इंडिया
506.	8 मार्च 2020	संदिग्ध मामलों के परीक्षण के लिए 52 प्रयोगशालाएं चालू की गईं	हिंदुस्तान टाइम्स
507.	9 मार्च 2020	भारत में कोविड-19 उपचार के लिए नोडल केंद्र एम्स होना चाहिए	द टाइम्स ऑफ इंडिया
508.	9 मार्च 2020	प्रतिरोधक क्षमता से ख़तम होता है कोरोना : डॉ. रणदीप गुलेरिया	हिंदुस्तान
509.	9 मार्च 2020	नई इमरजेंसी में बनेगा आइसोलेशन वार्ड	नवभारत टाइम्स
510.	9 मार्च 2020	सरकार ने एम्स को और अधिक आइसोलेसन बेड बनाने के लिए कहा	मेल टुडे
511.	9 मार्च 2020	एम्स को भी आइसोलेशन वार्ड शुरु करने का निर्देश	दैनिक जागरण
512.	9 मार्च 2020	एम्स निदेशक डॉ गुलेरिया ने कहा, रोग प्रतिरोधक क्षमता ही विषाणु को खत्म कर देती है	जनसत्ता
513.	9 मार्च 2020	घबराएं नहीं , कोरोना वायरस के 80 फीसद मरीज़ नहीं होते गंभीर	दैनिक जागरण
514.	10 मार्च 2020	एम्स प्रमुख ने कहा कि हवा में नमी आम तौर पर वायरस को बढ़ने में मदद करती है	द एशियन एज
515.	10 मार्च 2020	कोरोना की दवाओं और वैक्सीन पर शोध करेगा एम्स के डॉक्टर	अमर उजाला
516.	10 मार्च 2020	हुड़दंग में घायलों के इलाज के लिए एम्स ट्रामा सेंटर तैयार	नवभारत टाइम्स

517.	12 मार्च 2020	निदेशक, एम्स डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कुछ कोरोना वायरस से संबंधित मिथक तोड़े	स्लीप फॉर ऑल
518.	13 मार्च 2020	सुविधा: एम्स में ही हो जाएगी कोरोना की पुष्टि	हिंदुस्तान
519.	13 मार्च 2020	डॉ. रणदीप गुलेरिया (एम्स) ने बताया कि कोरोना वायरस से बचने के लिए हमें हाथ कैसे धोना चाहिए	डीडी न्यूज
520.	14 मार्च 2020	एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने की रिपब्लिक टीवी से बातचीत, कोरोना वायरस से संबंधित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर दिए	रिपब्लिक टीवी
521.	14 मार्च 2020	कोरोना के संक्रमण के खतरे और बचाव पर एम्स के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया का 'मंत्र'	रिपब्लिक भारत
522.	14 मार्च 2020	कोरोना वायरस एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने कहा - बदलते मौसम में सर्दी, जुकाम आम बात । COVID 19	दैनिक जागरण
523.	14 मार्च 2020	कोरोना वायरस से बचने के लिए एम्स के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया की हिन्दी में सलाह	लोकमत न्यूज
524.	14 मार्च 2020	कोरोना वायरस शव से नहीं फैलता : एम्स निदेशक रणदीप गुलेरिया	इन खबर
525.	14 मार्च 2020	एम्स के निदेशक ने कहा कि किसी भी कोविड -19 की रोकथाम का कोई सबूत नहीं है	गो न्यूज इंडिया
526.	14 मार्च 2020	एम्स की ओर से एन सी आई में 100 बेड का आइसोलेशन वार्ड ओर 25 बेड का आई सी यू किया गया तैयार	दैनिक जागरण
527.	15 मार्च 2020	कोरोना वायरस की कोई दवा नहीं है : एम्स दिल्ली के निदेशक रणदीप गुलेरिया	ईटीवी (आंध्र प्रदेश)
528.	15 मार्च 2020	सेल्फ आइसोलेशन का ध्यान रखें, भीड़ भरे स्थानों से बचें: एम्स चीफ	द इंडियन एक्सप्रेस
529.	15 मार्च 2020	कोरोना वायरस के प्रकोप पर एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने बताया	कनक न्यूज डिजिटल
530.	15 मार्च 2020	डेड बॉडी से नहीं फैलता है कोरोना वायरस: एम्स	नवभारत टाइम्स
531.	15 मार्च 2020	कोरोना वायरस रोगियों के लिए एम्स में 120-150 बेड हैं: निदेशक	हिंदुस्तान टाइम्स
532.	15 मार्च 2020	कोविड-19 से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग सबसे अच्छा तरीका है	द स्टेट्समैन

533.	16 मार्च 2020	एम्स में नए ओपीडी ब्लॉक में स्थानांतरित होंगे 7 विभाग	द इंडियन एक्सप्रेस
534.	16 मार्च 2020	एम्स के नए ओ पी डी में होगी अत्याधुनिक लैब	दैनिक जागरण
535.	16 मार्च 2020	कोरोना के लिए एम्स ने जारी की 24 घंटे चलने वाली हेल्पलाइन	जनसत्ता
536.	16 मार्च 2020	नए ब्लॉक में आठ ओर विभागों की ओपीडी शुरु	हिंदुस्तान
537.	16 मार्च 2020	एम्स में रोजाना होगी 2 लाख सैंपल की जांच	अमर उजाला
538.	16 मार्च 2020	कोरोना वायरस: एम्स के डॉक्टरों की नई मुहिम, वृद्धाश्रम में बुर्जुगों को दे रहें कोरोना की जानकारी	टीवी9 भारतवर्ष
539.	17 मार्च 2020	क्या है कोरोना वायरस की स्टेज-3? एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया से जानें रोकथाम के उपाय	आजतक एचडी
540.	17 मार्च 2020	एम्स के निदेशक ने नॉन-वेज फूड, गर्म मौसम के बारे में कोरोना वायरस के सबसे बड़े मिथकों को तोड़ा	सीवीआर न्यूज तेलुगू
541.	17 मार्च 2020	एम्स के डॉयरेक्टर बोले- खतरनाक स्टेज में न पहुंचे कोरोना, इसलिए वर्चुअल लॉकडॉउन की जरूरत	ऑफबीट
542.	17 मार्च 2020	एम्स के निदेशक नॉन-वेज फूड, गर्म मौसम के बारे में कोरोना वायरस के सबसे बड़े मिथकों को तोड़ा	द इकोनॉमिक टाइम्स
543.	18 मार्च 2020	सेटिंग द स्टेज फॉर पैनिक	मेल टुडे
544.	19 मार्च 2020	एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया से जानिए क्या है #कोविड 19	पीआईबी इंडिया
545.	19 मार्च 2020	मोदी ने की एम्स के डॉक्टर की प्रशंसा	हिंदुस्तान
546.	19 मार्च 2020	पीएम ने रीट्वीट की एम्स के डॉक्टर की फोटो	दैनिक जागरण
547.	20 मार्च 2020	कोविड 19 की चिंता? एम्स निदेशक ने दिए शीर्ष 10 सवालों के जवाब	हिंदुस्तान टाइम्स
548.	20 मार्च 2020	डॉ. रणदीप गुलेरिया निदेशक एम्स नई दिल्ली का कोविड -19 कोरोना पर भाषण	स्टूडेंट्स एम्स न्यू दिल्ली
549.	20 मार्च 2020	कोविड-19 पर पार्टनर्स ब्रीफिंग- डबल्यू एच ओ एससीएआरओ	डबल्यू एच ओ
550.	20 मार्च 2020	एम्स प्रमुख ने कोरोना के नौ मिथकों को तोड़ा	मेल टुडे
551.	20 मार्च 2020	कमी को पूरा करने के लिए एम्स के डॉक्टरों ने बनाया सैनिटाइज़र	द टाइम्स ऑफ इंडिया
552.	20 मार्च 2020	एम्स में बनाया सैनिटाइज़र और फेसिअल शील्ड	नवभारत टाइम्स
553.	20 मार्च 2020	अस्पताल आईसीयू की जरूरतों के लिए संसाधन बढ़ाएं	द टाइम्स ऑफ इंडिया

554.	20 मार्च 2020	एम्स की अपील, रोज़ ओपीडी में न आए लोग	जनसत्ता
555.	21 मार्च 2020	దేశంలో కరోనా వ్యాప్తి రెండో దశలోనే ఉంది- एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया फेस टू फेस	एनटीवी तेलुगु
556.	21 मार्च 2020	कोरोना वायरस परीक्षण प्रोटोकॉल हमारी स्वास्थ्य क्षमता के साथ साथ चलने के लिए: एम्स गुलेरिया	द इकोनॉमिक टाइम्स
557.	21 मार्च 2020	स्थिति सुधरने तक गैर जरूरी यात्रा से बचें: कोरोना वायरस पर एम्स निदेशक	एनडीटीवी
558.	21 मार्च 2020	कोविड-19 के प्रकोप को रोकने के लिए भारत को लॉकडाउन मोड में जाने की आवश्यकता पर एम्स के निदेशक	सीएनएन-न्यूज़ 18
559.	21 मार्च 2020	कोविड-19 के लिए एम्स में कॉल सेंटर	द हिंदू
560.	21 मार्च 2020	कोरोना केस: एम्स ने विस्तृत बुकलेट लॉन्च की	भास्कर लाइव
561.	21 मार्च 2020	आईआईटी, एम्स ने कोरोना वायरस प्रकोप से बचने के लिए कीटाणुशोधन उपकरण का आविष्कार किया	आईएएनएस
562.	21 मार्च 2020	वायरस से निपटने के लिए कन्टेनमेन्ट की प्राथमिकता	द स्टेट्समैन
563.	22 मार्च 2020	रणदीप गुलेरिया ने अर्नब गोस्वामी से बात करते हुए कहा- 'बड़े प्रकोप के लिए हम खुद को तैयार करें'	रिपब्लिक वर्ल्ड
564.	23 मार्च 2020	झज्जर में एम्स द्वारा संचालित अस्पताल में कोविड सुविधा	द टाइम्स ऑफ इंडिया
565.	23 मार्च 2020	आइसीएमआर ने 800 बेड वाले एम्स झज्जर को विशेष रूप से कोविड -19 मरीजों के लिए आवंटित किया	मेडिकल डायलॉग्स
566.	24 मार्च 2020	एम्स ने की भारत के लोगों से घर पर रहने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील	द इकोनॉमिक टाइम्स
567.	25 मार्च 2020	विशेष: एम्स निदेशक रणदीप गुलेरिया ने कोरोना से बचने के उपाय बताए	न्यूज नेशन
568.	26 मार्च 2020	वेंटिलेटर की कमी के कारण कोविड-19 रोगियों के लिए प्रोटोटाइप का उपयोग करने की एम्स की योजना	द प्रिंट
569.	26 मार्च 2020	कोरोना वायरस: कोविड-19 के लिए प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए एम्स में टास्क फोर्स गठित	एनडीटीवी
570.	27 मार्च 2020	कोरोना वायरस: एम्स के साथ साझेदार आईआईटी-दिल्ली ने संक्रमण-रोधी कपड़े बनाएं	एनडीटीवी

571.	28 मार्च 2020	अप्रैल से पंजीकृत रोगियों को टेली-कंसल्टेंसी प्रदान करेगा एम्स दिल्ली	द इकोनॉमिक टाइम्स
572.	28 मार्च 2020	एम्स ने संपर्क जोखिम में कटौती के लिए रोबोट और टेलीमेडिसिन की व्यवस्था की	द इकोनॉमिक टाइम्स
573.	30 मार्च 2020	ट्रॉमा सेंटर को कोविड-19 अस्पताल में परिवर्तित करेगा एम्स	द इकोनॉमिक टाइम्स
574.	30 मार्च 2020	कोरोना वायरस प्रकोप: एम्स के डॉ प्रसून चटर्जी के बुजर्ग देखभाल, सर्वोत्तम स्वच्छता नियमों और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने पर विचार	फर्स्ट पोस्ट
575.	30 मार्च 2020	डॉ. हर्षवर्धन ने एम्स में राष्ट्रीय दूर संचार केंद्र (कॉन्टेक) लॉन्च किया	मेडिकल डायलॉग्स
576.	30 मार्च 2020	कोरोना वायरस की आशंका से घरों से निकाले जा रहे भारतीय डॉक्टर	द गार्जियन
577.	31 मार्च 2020	एम्स झज्जर कोविड-19 अस्पताल के रूप में कार्य करेगा	द आउटलुक

प्रेस विज्ञप्ति

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
1.	8 अप्रैल 2019	मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत एनआईआरएफ, भारत सरकार ने भारतीय रैंकिंग 2019 के सर्वेक्षण में एम्स, नई दिल्ली को नंबर-1 स्थान दिया है।	स्वास्थ्य बुलेटिन
2.	9 अप्रैल 2019	बेरिएट्रिक सर्जरी रोगी सहायता समूह पर मीडिया कवरेज	शल्य चिकित्सा विभाग
3.	16 मई 2019	डेंगू	कायचिकित्सा
4.	22 मई 2019	सर्जिकल पोषण अपडेट - आईएपीईएन संगोष्ठी श्रृंखला	शरीर क्रिया विज्ञान
5.	30 मई 2019	विश्व एमएस-दिवस	तंत्रिका-विज्ञान
6.	12 जून 2019	एम्स-एमबीबीएस -2019 प्रवेश परीक्षा का परिणाम	स्वास्थ्य बुलेटिन
7.	12 जुलाई 2019	राष्ट्रीय प्लास्टिक सर्जरी दिवस	प्लास्टिक सर्जरी
8.	29 जुलाई 2019	डीबीटी- एम्स लीडरशिप डायलॉग	स्वास्थ्य बुलेटिन
9.	29 जुलाई 2019	विश्व हेपेटाइटिस दिवस	जठरान्त्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण

10.	6 अगस्त 2019	उन्नाव को केजीएमसी से एम्स ट्रॉमा सेंटर में स्थानांतरित किया गया था	स्वास्थ्य बुलेटिन
11.	6 अगस्त 2019	श्री महेंद्र सिंह को केजीएमसी से एम्स ट्रॉमा सेंटर में स्थानांतरित किया गया था	स्वास्थ्य बुलेटिन
12.	7 अगस्त 2019	उन्नाव उन्नत लाइफ सपोर्ट पर, गंभीर स्थिति बनी हुई	स्वास्थ्य बुलेटिन
13.	9 अगस्त 2019	क्लिनिकल इकोटॉक्सिकोलॉजी सुविधाएं एम्स, नई दिल्ली में शुरू	शरीर-रचना-विज्ञान
14.	14 अगस्त 2019	क्लोज़ डोर ओपन विंडोज का निर्माण	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
15.	30 अगस्त 2019	कैडवेरीक मल्टीऑर्गन और ऊतक पुनर्प्राप्ति पर पहली एम्स कार्यशाला	ऑर्बो
16.	31 अगस्त 2019	सीओडीएफआईसीओएन-2019	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
17.	4 सितम्बर 2019	राष्ट्रीय नेत्र बैंक द्वारा 34 वां नेत्रदान पखवाड़ा समारोह	डॉ. आर.पी. केंद्र
18.	6 सितम्बर 2019	एम्स में क्रैनियोपैगस जुड़वाँ बच्चों का सफल पृथक्करण	स्वास्थ्य बुलेटिन
19.	6 सितम्बर 2019	मजबूत हड्डियाँ - स्वस्थ और सुरक्षित बुढ़ापा	अस्थिरोग विज्ञान
20.	18 सितम्बर 2019	मुख्यमंत्री राहत कोष में स्वैच्छिक योगदान	स्वास्थ्य बुलेटिन
21.	1 अक्तूबर 2019	राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	स्वास्थ्य बुलेटिन
22.	11 अक्तूबर 2019	विश्व गठिया दिवस	रूमेटोलॉजी
23.	19 अक्तूबर 2019	7 वाँ वार्षिक न्यूरोएनेस्थेसिया	तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन चिकित्सा
24.	13 नवम्बर 2019	अंगदाता सम्मान समारोह	ऑर्बो
25.	14 नवम्बर 2019	एम्स, नई दिल्ली के झज्जर कैंपस में माननीय एचएफडब्ल्यू की यात्रा के बारे में संक्षिप्त जानकारी	स्वास्थ्य बुलेटिन
26.	30 नवम्बर 2019	रूमेटाइड गठिया	प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी
27.	3 दिसम्बर 2019	स्वीडन की महारानी सिल्विया का आगमन	स्वास्थ्य बुलेटिन
28.	22 जनवरी 2020	एम्स नई दिल्ली ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग पंजाब के साथ गुणवत्ता सुधार परियोजना शुरू की	स्वास्थ्य बुलेटिन

29.	1 फरवरी 2020	हृद् तंत्रिका केंद्र, एम्स के ग्राउंड फ्लोर पर लैब में लगी आग।	स्वास्थ्य बुलेटिन
30.	15 फरवरी 2020	सीलियक रोग	गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और मानव पोषण
31.	17 फरवरी 2020	3डी टेक्नोलॉजी ने रोगी को विशिष्ट जॉ-ज्वाइंट रिप्लेसमेंट में सक्षम किया	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
32.	21 फरवरी 2020	एम्स, नई दिल्ली में सुरक्षित और स्थायी अस्पताल 'एसएएसएच 2020' का राष्ट्रीय सम्मेलन	स्वास्थ्य बुलेटिन
33.	28 फरवरी 2020	आईपीएचएसीओएन-2020, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
34.	3 मार्च 2020	जीवन की श्रवण शक्ति	नाक, कान और गला रोग
35.	15 मार्च 2020	नई ओपीडी ब्लॉक का दूसरा चरण	स्वास्थ्य बुलेटिन
36.	28 मार्च 2020	कोविड-19 राष्ट्रीय फोनपरामर्श केंद्र (कॉनटेक)	स्वास्थ्य बुलेटिन

संवाददाता सम्मेलन :

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
1.	9 अप्रैल 2019	बेरिएट्रिक सर्जरी के बाद शारीरिक गतिविधि का महत्व	शल्य चिकित्सा
2.	25 अप्रैल 2019	मिशन दिल्ली (दिल्ली इमरजेंसी लाइफ हार्ट-अटैक पहल)	आईसीएमआर
3.	16 मई 2019	डेंगू	कायचिकित्सा
4.	16 मई 2019	नैदानिक पोषण अद्यतन श्रृंखला: सर्जिकल पोषण	शरीर क्रिया विज्ञान
5.	31 मई 2019	तम्बाकू	स्वास्थ्य बुलेटिन
6.	31 मई 2019	मल्टीपल स्केलेरोसिस: अदृश्य एमएस (उपेक्षित लक्षण)	तंत्रिका-विज्ञान
7.	19 जून 2019	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	स्वास्थ्य बुलेटिन
8.	21 जून 2019	5वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	स्वास्थ्य बुलेटिन
9.	15 जुलाई 2019	राष्ट्रीय प्लास्टिक सर्जरी	प्लास्टिक सर्जरी
10.	29 जुलाई 2019	डीबीटी- एम्स लीडरशिप डायलॉग	स्वास्थ्य बुलेटिन
11.	30 जुलाई 2019	भारत में हेपेटाइटिस	जठरान्त्र रोग विज्ञान और मानव पोषण
12.	14 अगस्त 2019	माननीय डॉ. हर्षवर्धन (स्वास्थ्य एवं	तंत्रिका शल्य

		परिवार कल्याण मंत्री) द्वारा पुस्तक विमोचन- मेकिंग आफ क्लोज्ड डोर्स ओपन विंडोज	चिकित्सा
13.	17 अगस्त 2019	दिल्ली फायर सर्विसेज और एम्स फायर डिवीजन, टीचिंग ब्लॉक में लगी आग, कोई जनहानि या क्षति नहीं।	स्वास्थ्य बुलेटिन
14.	30 अगस्त 2019	पहली एम्स कैडवेरीक बहु अंग और ऊतक पुनर्प्राप्ति कार्यशाला	ऑर्बो
15.	31 अगस्त 2019	सीओडीएफआईसीओएन-2019	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
16.	4 सितम्बर 2019	34 वां नेत्रदान पखवाड़ा	डॉ. आर.पी. केंद्र
17.	6 सितम्बर 2019	ओडिशा के क्रेनियोपैगस जुड़वाँ बच्चे	स्वास्थ्य बुलेटिन
18.	6 सितम्बर 2019	मजबूत हड्डियाँ - स्वस्थ और सुरक्षित बुढ़ापा	अस्थिरोग विज्ञान
19.	16 सितम्बर 2019	इकोटॉक्सिकोलॉजी लैब	शरीर रचना-विज्ञान
20.	18 सितम्बर 2019	मुख्यमंत्री राहत कोष में स्वैच्छिक योगदान	स्वास्थ्य बुलेटिन
21.	25 सितम्बर 2019	संस्थान दिवस समारोह	स्वास्थ्य बुलेटिन
22.	12 अक्तूबर 2019	राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	स्वास्थ्य बुलेटिन
23.	11 अक्तूबर 2019	गठिया	रूमेटोलॉजी
24.	14 अक्तूबर 2019	आघात	तंत्रिका-विज्ञान
25.	15 अक्तूबर 2019	नेत्र रोगों की अंधता की रोकथाम और उपचार	डॉ. आर.पी. केंद्र
26.	16 अक्तूबर 2019	मोटापा: कारण, निवारण और उपचार	कायचिकित्सा
27.	19 अक्तूबर 2019	एम्स न्यूरो-एनेस्थीसिया अपडेट	तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान
28.	1 नवम्बर 2019	वायु प्रदूषण	स्वास्थ्य बुलेटिन

29.	2 नवम्बर 2019	वायु प्रदूषण	स्वास्थ्य बुलेटिन
30.	11 नवम्बर 2019	अंतर्राष्ट्रीय नशा चिकित्सा संघ (आईएसएएम-2019)	मनोचिकित्सा एवं एनडीडीटीसी
31.	13 नवम्बर 2019	अंगदाता सम्मान समारोह	ऑर्बो
32.	14 नवम्बर 2019	एनसीआई झज्जर	स्वास्थ्य बुलेटिन
33.	15 फरवरी 2020	सीलियक रोग	जठरान्त्ररोग विज्ञान और मानव पोषण
34.	17 फरवरी 2020	कैडेवर कोर्स	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
35.	28 फरवरी 2020	आईपीएचएसीओएन -2020	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
36.	2 मार्च 2020	सुरक्षित और स्थायी अस्पताल (एसएएसएच) 2020	अस्पताल प्रशासन
37.	3 मार्च 2020	जीवन हेतु श्रवण शक्ति	नाक, कान एवं गला रोग
38.	7 मार्च 2020	कोरोना वायरस	फुफ्फुस कायचिकित्सा
39.	12 मार्च 2020	कोरोना वायरस	फुफ्फुस कायचिकित्सा

मीडिया से बातचीत :

क्र.सं.	**दिनांक**	**विषय/खबर**	**प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया**
1.	25 अप्रैल 2019	इंडिया टुडे बेस्ट कॉलेज ईश्यू - एम्स	इंडिया टुडे पत्रिका
2.	29 अप्रैल 2019	स्तन कैंसर पर नया शोध	आउटलुक हिंदी
3.	30 अप्रैल 2019	बेस्ट कॉलेज	इंडिया टुडे पत्रिका
4.	3 मई 2019	मिशन दिल्ली	आउटलुक
5.	13 मई 2019	देश में सर्वश्रेष्ठ कॉलेज	इंडिया टुडे
6.	21 मई 2019	आपकी जीवन शैली और गुर्दे की बीमारियाँ	न्यूज एक्स
7.	13 जून 2019	वेक्टर जनित रोग	ऑल इंडिया रेडियो
8.	13 जून 2019	साइंस मॉनिटर / विज्ञान इस सप्ताह	आरएसटीवी / डीडी साइंस

9.	20 जून 2019	राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस	रोजगार समाचार
10.	13 जुलाई 2019	उन्नत ऑपरेशन के साथ-साथ रोबोटिक सर्जरी के लिए नवीनतम उपकरणों का उपयोग	एएनआई
11.	13 अगस्त 2019	आईआईटी और टीआईएसएस के सहयोग से एम्स के एमबीबीएस छात्रों ने एक दिलचस्प प्रसारण स्टेथोस्कोप विकसित किया है	द इंडियन एक्सप्रेस
12.	27 अगस्त 2019	रोगी नमूनों पर टॉक्सिकोलॉजी विभाग के काम के प्रारंभिक निष्कर्ष	जी न्यूज
13.	29 अगस्त 2019	मानसिक स्वास्थ्य और फिटनेस	ऑल इंडिया रेडियो
14.	11 सितम्बर 2019	इकोटॉक्सिकोलॉजी की लैब	एनडीटीवी इंडिया
15.	17 सितम्बर 2019	मानसिक स्वास्थ्य श्रृंखला पर रिपोर्ट	बीबीसी हिंदी
16.	25 सितम्बर 2019	स्क्रब टाइफस संक्रमण	हिंदुस्तान टाइम्स
17.	26 सितम्बर 2019	खाद्‍य एलर्जी और वर्तमान परिदृश्य में विभिन्न खाद्‍य एलर्जी वाले लोगों की चुनौतियों पर दृष्टिकोण	फाइनेंशियल एक्सप्रेस
18.	27 सितम्बर 2019	लुपस पर एम्स का अनुसंधान	ईटीवी भारत
19.	27 सितम्बर 2019	जबड़ा पुनर्निर्माण और प्रत्यारोपण	ईटीवी भारत
20.	07 अक्तूबर 2019	विषविज्ञान	जी न्यूज
21.	27 नवम्बर 2019	गर्भनिरोधक गोली	बीबीसी
22.	9 दिसम्बर 2019	टीबी	द प्रिंट
23.	17 जनवरी 2020	प्रोस्टेट कैंसर	डीडी न्यूज
24.	18 जनवरी 2020	अवसाद और मधुमेह के इलाज में कचनार पौधे का उपयोग	आरएसटीवी
25.	21 जनवरी 2020	कैंसर दिवस	बीबीसी
26.	3 फरवरी 2020	कोरोना वायरस	आरएसटीवी / डीडी नेशनल

27.	3 फरवरी 2020	एम्स द्वारा किए गए विभिन्न अभिनव उपाय और आगामी वर्ष के लिए रोड मैप	द इकोनॉमिक टाइम्स
28.	5 फरवरी 2020	कोरोना वायरस कोविड-19	आरएसटीवी/ डीडी नेशनल
29.	6 फरवरी 2020	नोवल कोरोना वायरस	एनडीटीवी
30.	30 मार्च 2020	एम्स कोरोना वायरस स्क्रीनिंग बिंदु	फ्रैंच टीवी
31.	31 मार्च 2020	कोरोना वायरस प्रकोप	द आसाम ट्रिब्यून
32.	31 मार्च 2020	कोविड-19	द इंडियन एक्सप्रेस

सार्वजनिक व्याख्यान :

क्र.सं.	**विषय**	**दिनांक**	**विभाग**
1.	डेंगू बुखार	16 मई 2019	कायचिकित्सा
2.	मल्टीपल स्केलेरोसिस: अदृश्य एमएस (उपेक्षित लक्षण)	30 मई 2019	तंत्रिका-विज्ञान
3.	नशे की लत से निपटना	26 जून 2019	मनोचिकित्सा
4.	भारत में हेपेटाइटिस	30 जुलाई 2019	जठरान्त्ररोग विज्ञान और मानव पोषण
5.	आघात	14 अक्तूबर 2019	तंत्रिका-विज्ञान
6.	नेत्र अंधता रोगों की रोकथाम और उपचार	15 अक्तूबर 2019	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्र
7.	मोटापा: कारण, निवारण और उपचार	16 अक्तूबर 2019	कायचिकित्सा
8.	सीलियक रोग	15 फरवरी 2020	जठरान्त्ररोग विज्ञान और मानव पोषण
9.	जीवन हेतु श्रवण शक्ति	3 मार्च 2020	नाक, कान एवं गला रोग

12. प्रकाशन

पत्रिकाओं में लेख: 2271 **सार: 494** **पुस्तकों में अध्याय: 300** **पुस्तकें: 40**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31-03-2020 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि-रु.)

संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2019-20	2018-19
संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	1	49,606,208,218.20	45,237,582,250.00
रिजर्व और अधिशेष	2	4,038,407,425.00	3,613,521,480.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	130,153,968.00	98,996,372.00
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	3,366,900,000.00	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	4,820,925,595.85	2,534,013,546.00
कुल		**61,962,595,207.05**	**51,484,113,648.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	38,603,767,032.20	34,969,632,885.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9	72,061,069.00	160,510,000.00
निवेश - अन्य	10	156,253,424.00	253,253,424.00
चालू परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	23,130,513,681.85	16,100,717,339.00
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**61,962,595,207.05**	**51,484,113,648.00**
लेखांकन नीतियों एवं खातों का हिस्सा बनने वाले नोट्स	24		

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31.03.2020 के समाप्ति वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

(राशि-रु.)

आय	अनुसूची	2019-20	2018-19
विक्रय / सेवाओं से आय	12	317,790,240.00	307,541,206.00
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	16,212,233,281.00	14,733,402,569.00
शुल्क / चन्दा	14	228,411,730.00	212,516,061.00
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / स्थायी निधि में निवेश से आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	323,657,672.00	212,591,830.00
अर्जित ब्याज	17	189,064,452.00	244,602,000.00
अन्य आय	18	466,078,550.00	941,858,558.00
तैयार वस्तुओं के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) एवं जारी कार्य	19	-	-
कुल (क)		**17,737,235,925.00**	**16,652,512,224.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	10,669,451,016.00	10,445,535,358.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	3,047,677,403.00	2,741,700,557.00
सामग्री एवं आपूर्ति	21B	3,589,892,835.00	3,068,411,374.00
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	6,000,000.00	-
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष - अनुसूची 8 हेतु तदनुरूप कुल योग)			
कुल (ख)		**17,313,021,254.00**	**16,255,647,289.00**
व्यय पर आय की अधिकता (क-ख) में होने वाला शेष		**424,214,671.00**	**396,864,935.00**
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व हेतु / से अंतरण			
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (कमी) एवं शेष		**424,214,671.00**	**396,864,935.00**
कुल		**17,737,235,925.00**	**16,652,512,224.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 1 - संग्रह / पूंजी निधि:	2019-20		2018-19	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	45,237,582,250.00		37,181,444,955.00	
जमा: संग्रह / पूंजी निधि के लिए अंशदान	4,508,741,964.00		8,131,708,953.00	
वर्ष के दौरान अनुपयोगी न्यून	140,115,995.80	49,606,208,218.20	75,571,658.00	45,237,582,250.00
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**49,606,208,218.20**		**45,237,582,250.00**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	2019-20		2018-19	
1. पूंजी रिजर्व:				
गत लेखा के अनुसार	2,926,811.00		2,914,919.00	
समीक्ष्य वर्ष में जमा	671,274.00	3,598,085.00	11,892.00	2,926,811.00
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार	3,610,594,669.00		3,213,729,734.00	
समीक्ष्य वर्ष में जमा	424,214,671.00		396,864,935.00	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	4,034,809,340.00	-	3,610,594,669.00
कुल		**4,038,407,425.00**		**3,613,521,480.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**2019-20**	**2018-19**
क) निधियों का अथशेष	98,996,372.00	
ख) निधियों में जमा:		
i. दान / अनुदान	4,753,820.00	87,153,435.00
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	732,947.00	9,139,788.00
iii. सीएसआर अस्पताल बिलिंग एम्स	22,967,680.00	
iv. अन्य जमा (विशेष प्रकार) सीएसआर	2,703,149.00	2,703,149.00
कुल (क+ख)	**130,153,968.00**	**98,996,372.00**
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग / व्यय	-	-
i. पूंजी व्यय		
- स्थायी परिसंपत्ति		
- अन्य		
ii. राजस्व व्यय		
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि		
- किराया		
- अन्य प्रशासनिक व्यय		
कुल	-	-
वर्ष समाप्ति के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख+ग)	**130,153,968.00**	**98,996,372.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	2019-20		2018-19	
1. केन्द्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) मियादी ऋण				
ख) अर्जित ब्याज एवं देय				
4. बैंक:				
क) मियादी ऋण				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां #	4,153,400,000.00			
न्यून- ऋण का पुनः भुगतान (262500000*2)	525,000,000.00			
न्यून- ऋण का पुनः भुगतान (261500000*1)	261,500,000.00	3,366,900,000.00		
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित)				
कुल		**3,366,900,000.00**	0	0

इस राशि में एचईएफए से पिछले वर्ष प्राप्त रु. 282 करोड़ शामिल हैं, जिसे पिछले वर्ष के खातों में शामिल नहीं किया गया था परंतु अब इसे इस वर्ष के खातों में शामिल कर लिया गया है।

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	2019-20	2018-19
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
4. बैंक:		
क) मियादी ऋण		
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**0**	**0**

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	2019-20	2018-19
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखने से प्राप्त स्वीकृतियां ख) अन्य		
कुल	**0**	**0**

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2019-20		2018-19	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
i) वस्तुओं हेतु (सीमा शुल्क का भुगतान किए जाने हेतु)		24,645,418.00		34,220,408.00
ii) अन्य (एचईएफए ऋण के लिए अनुदान)				
3. प्राप्त अग्रिम				
4. अर्जित ब्याज परंतु निम्न पर देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
5. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
6. अन्य वर्तमान देयताएं		4,796,280,177.85		2,499,793,138.00
कुल (क)		**4,820,925,595.85**		**2,534,013,546.00**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदीकरण				
5. व्यवसाय वारंटी / दावा				
6. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**4,820,925,595.85**		**2,534,013,546.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)

दिनांक **31.03.2020** के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 8 (स्थायी परिसंपत्ति)	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
स्थायी परिसंपत्ति विवरण	वर्ष के प्रारंभ में लागत / मूल्यांकन	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि	समीक्ष्य वर्ष में कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि पर	समीक्ष्यवर्ष में कटौती पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल योग	2019-20	2018-19
क. **स्थायी परिसंपत्ति:**										
1 **भूमि:**										
क) पूर्ण स्वामित्व/पट्टे पर	841,194,087.00		-	841,194,087.00	0	0	0	0	841,194,087.00	841,194,087.00
2 **भवन:**	-			-					-	-
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	19,314,080,178.00	2,160,715,530.00	-	21,474,795,708.00	0	0	0	0	21,474,795,708.00	19,314,080,178.00
ख) पट्टे पर भूमि	-			-					-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	-			-					-	-
	-			-					-	-
3 मशीनरी संयंत्र एवं उपकरण	13,407,747,932.00	1,530,099,468.00	140,115,995.80	14,797,731,404.20				0	14,797,731,404.20	13,407,747,932.00
4 वाहन	50,456,960.00	6,867,032.00		57,323,992.00				0	57,323,992.00	50,456,960.00
5 फर्नीचर और उपस्कर	-			-					-	-
6 कार्यालय उपकरण	-			-					-	-
7 कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	224,336,516.00	14,765,495.00	-	239,102,011.00	0	0	0	0	239,102,011.00	224,336,516.00
8 पुस्तकालय की पुस्तकें	1,131,817,212.00	61,802,618.00	-	1,193,619,830.00				0	1,193,619,830.00	1,131,817,212.00
वर्तमान वर्ष का योग	**34,969,632,885.00**	**3,774,250,143.00**	**140,115,995.80**	**38,603,767,032.20**	**0**	**0**	**0**	**0**	**38,603,767,032.20**	**34,969,632,885.00**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2019-20	2018-19
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य सावधि जमा (विन्यास निधि)	72,061,069.00	160,500,000.00
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक धन (दान)	-	10,000.00
कुल	**72,061,069.00**	**160,510,000.00**

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	2019-20	2018-19
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (एन.पी.एस. सावधि जमा)	140,000,000.00	240,000,000.00
7. दान का निवेश	16,253,424.00	13,253,424.00
कुल	**156,253,424.00**	**253,253,424.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

	अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2019-20	2018-19
क	**वर्तमान परिसंपत्ति:**		
	1. वस्तुसूचियां:		
	क) भण्डार एवं स्पेयर्स		
	ख) खुले औजार		
	ग) व्यापार में स्टॉक		
	तैयार माल		
	चालू कार्य		
	कच्चा माल		
	2. विविध देनदार:		
	क) बकाया उधार	109,488,452.00	56,242,163.00
	ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)	-	-
	ग) केंद्र से प्राप्य विविध वसूलियां		
	3. नकद रोकड़ शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सम्मिलित हैं)	1,003,650.00	918,650.00
	4. बैंक शेष:		
	क) अनुसूचित बैंकों के पास:		
	चालू खाते में	1,501,657,295.85	2,024,883,864.00
	जमा खाते में (मार्जिन राशि सम्मिलित है)	13,784,126.00	18,489,924.00
	बचत खाते में		2,000,000,000.00
	ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:		
	एफडीआर में	4,500,000,000.00	
	एफडीआर पर अनुसंधान अनुभाग	207,301,827.00	
	बचत खाते में		
	5. डाकघर - बचत खाता		
	कुल (क)	**6,333,235,350.85**	**4,100,534,601.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी)	2019-20	2018-19
ख ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋणः		
क) कर्मचारीगण	5,050,502.00	3,990,673.00
ख) अन्य इकाइयां जो इकाई के लिए समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न हैं।		
ग) अन्य (लोहे एवं स्टील की खरीद हेतु अग्रिम)	2,340,588.00	2,340,588.00
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा प्राप्त की जाने वाली राशि हेतु प्रकार:		
क) मूलधन खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अन्य (अग्रिम भुगतान)	16,789,887,241.00	11,993,851,477.00
3. अर्जित आय:		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश पर - अन्य		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(आय देय अवास्तविक - रु. .... शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे:		
कुल (ख)	**16,797,278,331.00**	**12,000,182,738.00**
कुल (क+ख)	**23,130,513,681.85**	**16,100,717,339.00**

-

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 12 - विक्रय / सेवाओं से आय	**2019-20**	**2018-19**
1) विक्रय से आय		
1. परिष्कृत सामग्री का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	317,790,240.00	307,541,206.00
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं आढ़त		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य अस्पताल प्राप्तियां (उल्लिखित करें)		
कुल	317,790,240.00	307,541,206.00

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**2019-20**	**2018-19**
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार	16,132,233,281.00	14,733,402,569.00
2. राज्य सरकार/सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थान / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (उल्लिखित करें) अस्पताल से पीएमजेएवाई हस्तांतरण	80,000,000.00	
कुल	**16,212,233,281.00**	**14,733,402,569.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 14 - शुल्क / चंदा	2019-20	2018-19
1. ट्यूशन शुल्क	94,495,413.00	69,283,146.00
2. लाइसेंस शुल्क	39,474,476.00	49,832,288.00
3. सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क	-	-
4. परीक्षा रसीद	-	-
5. अन्य (उल्लिखित करें) ई.एच.एस.	94,441,841.00	93,400,627.00
कुल	**228,411,730.00**	**212,516,061.00**

अनुसूची 15 - निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश में आय)	2019-20	2018-19	2019-20	2018-19
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र				
2. लाभांश:				
क) शेयरों पर				
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल	0	0	-	-
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

लेखा अधिकारी　　　　　　　　　　वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2019-20	2018-19
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (उल्लिखित करें) एनपीएस	323,657,672.00	212,591,830.00
कुल	**323,657,672.00**	**212,591,830.00**

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	2019-20	2018-19
1. अवधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	189,064,452.00	243,180,431.00
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		1,421,569.00
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**189,064,452.00**	**244,602,000.00**

लेखा अधिकारी

वित्तीय सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 18 - अन्य आय	2019-20	2018-19
1. विविध प्राप्ति	30,571,312.00	15,031,001.00
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)	42,610,150.00	60,199,321.00
3. परीक्षा अनुभाग रसीद	292,897,088.00	866,628,236.00
4. सामान्य दान	-	-
5. अनुसंधान अन्य आय	100,000,000.00	
कुल	**466,078,550.00**	**941,858,558.00**

अनुसूची 19 - तैयार सामग्री एवं जारी कार्य के भंडार में वृद्धि / (कमी)	2019-20	2018-19
क) समापन स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- जारी कार्य		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- जारी कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]		-

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	2019-20	2018-19
वेतन एवं मजदूरी	8,547,491,230.00	8,195,420,979.00
यात्रा भत्ता	42,608,365.00	39,120,542.00
भविष्य निधि में अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)	-	17,351,441.00
कर्मचारी कल्याण व्यय (डीएलआईएस)	-	120,000.00
कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"	1,785,435,582.00	1,992,389,599.00
अन्य (एनपीएस)	289,992,743.00	197,709,959.00
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	3,923,096.00	3,422,838.00
कुल	**10,669,451,016.00**	**10,445,535,358.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2019-20	2018-19
क) अस्पताल भंडार की खरीद		
ख) श्रम एवं प्रसंस्करण व्यय		
ग) वार्डों में गाड़ी - भाड़ा एवं ढुलाई		
घ) विद्युत एवं बिजली	713,227,340.00	685,677,911.00
ङ) जल प्रभार	47,815,600.00	50,139,349.00
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी / सीएएमसी)	-	-
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	752,766,276.00	733,955,308.00
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	86,386,825.00	73,843,579.00
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अंशदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यावसायिक शुल्क		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय शेष राशि		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) छात्रावास		
भ) बैंक प्रभार	351,519.00	360,891.00
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लिखित करें) (आकस्मिक प्रभार)	1,447,129,843.00	1,197,723,519.00
कुल	**3,047,677,403.00**	**2,741,700,557.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	2019-20	2018-19
अस्पताल स्टोर	3,589,892,835.00	3,068,411,374.00
कुल	**3,589,892,835.00**	**3,068,411,374.00**

-

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि-रु.)

अनुसूची 22 - अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2019-20	2018-19
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान	6,000,000.00	
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	**6,000,000.00**	**0**
नोट - अनुदानों / आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों, उनकी गतिविधियों के नाम को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 - ब्याज	2019-20	2018-19
क) स्थायी ऋणों पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार शामिल है)		
ग) अनुसंधान अनुभाग के लिए अंतरित अक्षयनिधि ब्याज अन्य (उल्लिखित करें)	-	0
कुल	-	0

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	**19-20**	**18-19**	**भुगतान**	**19-20**	**18-19**
अथशेष	179370129.13	198612428.75	सा.भ.नि. निकासी	958656539.00	1180062261.81
समयबद्ध चेक खाते में	0.00	0.00	वर्ष के दौरान निवेश	3143471139.88	2615650390.60
अंशदान / प्राप्तियां	1173264338.00	1268799781.00	बैंक प्रभार	4071.00	4425.00
ब्याज	496836551.40	244739500.00	अंतशेष	117139268.65	179370129.13
निवेश परिपक्वता	2369800000.00	2262935496.79			
कुल	**4219271018.53**	**3975087206.54**	**कुल**	**4219271018.53**	**3975087206.54**

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए सामान्य भविष्य निधि की आय एवं व्यय का विवरण

व्यय	**19-20**	**18-19**	**आय**	**19-20**	**18-19**
अंशदान पर प्रदत्त ब्याज	524195837.00	466488427.00	प्राप्त किए गए ब्याज	496836551.40	244739500.00
बैंक प्रभार	4071.00	4425.00	आय से अधिक व्यय	27363356.60	221753352.00
कुल	**524199908.00**	**466492852.00**	**कुल**	**524199908.00**	**466492852.00**

लेखा अधिकारी सा.भ.नि.

वित्त एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

दिनांक 31 मार्च, 2019 के अनुसार अ. भा. आ. सं. के सामान्य भविष्य निधि का तुलन-पत्र

देयताएं	**19-20**	**18-19**	**परिसंपत्तियां**	**19-20**	**18-19**
अथशेष (सा.भ.नि.)	6316554609.00	5761328663.00	निवेश अथशेष	5793226006.81	5440511113.00
वर्ष के दौरान प्राप्त सा.भ.नि. अंशदान	1173264338.00	1268799780.83	जोड़ः किए गए निवेश	3143471139.88	2615650390.60
जोड़: सा.भ.नि. खाते में जमा ब्याज	524195837.00	466488427.00	न्यून: निवेश परिपक्वता	2369800000.00	2262935496.79
न्यून: निकासी / भुगतान	958656539.00	1180062261.81			
			कुल	**6566897146.69**	**5793226006.81**
			नकद बही अंतशेष	117139268.65	179370129.13
			जोड़: वर्ष के दौरान आय से अधिक व्यय	27363356.60	221753352.00
			आय पर व्यय की अधिकता	343958473.06	**122205121.00**
कुल	**7055358245.00**	**6316554609.00**	**कुल**	**7055358245.00**	**6316554609.00**

लेखा अधिकारी सा.भ.नि. **वित्त एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

वर्ष 2019-2020 हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि-रूपये में)

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
अथशेष			**व्यय**		
क) नकद राशि	918,650.00	931,150.00	i) स्थापना व्यय (अनुसूची 20क)	10,669,451,016.00	10,428,183,917.00
ख) बैंक शेष			ii) अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	3,027,266,449.00	2,708,584,370.00
i) चालू खाते में	2,024,883,864.00	3,754,443,504.00	iii) अस्पताल भंडार की खरीद	3,589,892,835.00	3,061,814,008.00
ii) एफडीआर में	2,000,000,000.00		iv) एसएपी (व्यय)	28,819,480.00	42,572,573.00
iii) जमा खाते में	18,489,924.00	15,315,377.00	**पूंजीगत/जारी कार्य पर व्यय**	-	
भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			i) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	1,237,018,536.00	2,566,067,642.00
i) राजस्व	25,809,000,000.00	23,295,000,000.00	ii) जारी पूंजीगत कार्य पर अग्रिम	3,291,961,101.00	5,549,604,515.00
ii) पूंजी	7,171,900,000.00	8,730,000,000.00	**एचईएफए**		
iii) एचईएफए	971,000,000.00	260,000,000.00	i) सहायता अनुदान सामान्य (एचईएफए का पुन: भुगतान)	525,000,000.00	261,500,000.00
iv) एचईएफए ऋण (जारी)	4,153,400,000.00		ii) एचईएफए (ब्याज)	209,042,599.00	
एनडीडीटीसी			iii) एचईएफए (एचएससीसी/एचआईटीईएस को भुगतान)	4,153,400,000.00	
i) राजस्व	276,224,956.00	205,000,000.00	**केंद्रों को अंतरित सरकारी अनुदान**		
ii) पूंजी	-	117,500,000.00	**डॉ. रा. प्र. केंद्र**		400,000,000.00
विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान			i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	230,000,000.00	930,000,000.00
i) स्कीम सेल (कैशियर)	40,599,573.00	779,518,927.00	ii) सहायता अनुदान वेतन	982,462,900.00	400,000,000.00
ii) रोगी उपचार खाते में प्राप्त अनुदान	103,619,959.00	139,410,415.00	iii) सहायता अनुदान सामान्य	397,075,500.00	
iii) स्वच्छता कार्य योजना	-	5,000,000.00	**सी.एन. केंद्र**		318,885,000.00
v) एम्स (मुख्य) में रोगी का उपचार	241,715,024.00	269,092,883.00	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	250,461,204.00	2,728,000,000.00
vi) अनुदान रसीद (जरा चिकित्सा)	-	547,500,000.00	ii) सहायता अनुदान वेतन	3,086,200,000.00	764,000,000.00
विन्यास / दान			iii) सहायता अनुदान सामान्य	760,000,000.00	
i) निर्धन रोगी खाता	5,770,210.00	5,368,230.00	जेएसएसके योजना	4,000,000.00	
निवेश पर आय			**डॉ. बी. आर. अ. सं. रो. कैं. अ.**		266,680,553.00
i) एनपीएस (ब्याज)	12,279,702.00	17,401,106.00	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	80,000,000.00	911,296,695.00
प्राप्त ब्याज			ii) सहायता अनुदान वेतन	969,005,496.00	660,000,000.00
i) बैंक जमा पर	189,064,452.00	255,682,500.00	iii) सहायता अनुदान सामान्य	540,000,000.00	-
ii) ऋण, अग्रिम आदि	-	1,421,569.00	**जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र**		138,646,715.00
प्राप्तियां			i)पूंजीगत परिसंपत्तियां	134,100,000.00	840,000,000.00
i) सामान्य भविष्य निधि	701,494,643.00	651,512,119.00	ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	840,000,000.00	1,085,166,374.00
ii) बाह्य वसूलियां	1,509,583,346.00	1,318,110,934.00	iii) सहायता अनुदान (वेतन)	1,161,700,000.00	
iii) वसीयत संपदा प्राप्ति तारीख (एन.पी.एस.)	56,266,012.00	42,302,779.00	**दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र**		
iv) एफडी परिपक्वता खाता (एन.पी.एस.)	290,000,000.00	20,000,000.00	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	20,353,849.00	20,088,421.00
v) एफडी परिपक्वता (निर्धन रोगी खाता)	794,202.00	2,874,547.00	ii) सहायता अनुदान सामान्य	117,001,513.00	127,500,000.00
अन्य आय			iii) सहायता अनुदान वेतन	263,700,000.00	64,935,117.00
i) विविध प्राप्तियां	30,571,312.00	15,031,001.00	**सी. आई. एम. आर.**		
ii) परीक्षा रसीद	292,897,088.00	850,003,808.00	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	865,989.00	1,490,358.00
iii) अस्पताल प्राप्तियां	317,790,240.00	301,062,438.00	ii) सहायता अनुदान सामान्य	1,499,164.00	699,245.00
iv) ट्युशन शुल्क	94,495,413.00	69,283,146.00	**एन.सी.आई. झज्जर**		
v) लाइसेंस शुल्क	39,474,476.00	49,832,288.00	i) पूंजीगत परिसंपत्तियां	7,976,994.00	
vi) कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ई.एच.एस.)	94,441,841.00	93,400,627.00	ii) सहायता अनुदान सामान्य	390,000,000.00	
vii) खाता सं. 10874585570 बंद (परीक्षा)	-	16,624,428.00	iii) सहायता अनुदान वेतन	164,122,146.00	
IX. अन्य प्राप्तियां			आंतरिक अनुदान	-	50,000,000.00

वर्ष 2019-2020 हेतु प्राप्ति एवं भुगतान					
i) विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त निधि (प्रत्यक्ष प्राप्त)	759,002,192.00	611,717,494.00	यू. एन. डी. सी. पी.	874,628.00	-
स्कीम सेल में प्राप्त अनुदान	1,027,877,426.00		रा. औ. नि. उप. केंद्र		
ii) कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	22,521,903.00	27,949,839.00	i)रा. औ. नि. उप. केंद्र के लिए अंतरित अनुदान	276,224,956.00	252,500,000.00
iii) अन्य	72,061,545.00	73,218,636.00	ii)रा. औ. नि. उप. केंद्र के लिए ऋण	22,500,000.00	15,000,000.00
iv) एम्स दान खाता क्रेडिट बी / ए	882,571.00	836,297.00	अन्य भुगतान		
v) दान (अनुसंधान अनुभाग)	-	11,331,438.00	i) विशिष्ट अनुदान से भुगतान (स्कीम सेल)	1,596,729,482.00	1,197,292,174.00
vi) एन.पी.एस. (क्रेडिट बैंक सलाह)	**25,035,334.00**	162,220,892.00	ii) रोगी उपचार खाते हेतु भुगतान	325,793,442.00	116,265,430.00
vii) एन.पी.एस. सी.एन.सी.	-	50,370,938.00	iii) निर्धन रोगी खाता	2,635,317.00	4,340,102.00
viii) दान की राशि (कैशियर)	3,881,249.00	1,800,000.00	iv) सामान्य भविष्य निधि	699,778,911.00	651,197,057.00
नकद अनुभाग द्वारा दान की रसीदें	3,000,000.00		v) बाह्य वसूलियां	1,482,982,725.00	1,301,236,866.00
ix) सीएसआर (अस्पताल बिलिंग)	22,967,680.00	25,500,000.00	vii) जेरियाट्रिक ब्लॉक (एचएससीसी)/जेरियाट्रिक	-	409,000,000.00
x) पीडी खाता	5,500,000.00	-	viii) एम्स (मुख्य) में रोगी उपचार खाता	285,154,115.00	268,367,056.00
xi) परिक्रामी (रिवालविंग) निधि	108,041,000.00	114,519,000.00	ix) अन्य विविध भुगतान	151,290,173.00	122,413,960.00
xii) एम्स पीएमओ रोगी खाता	48,474,905.00	38,649,929.00	x) कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	27,582,187.00	27,479,364.00
xiii) सीएसआरआरआईसी खाता (अस्पताल बिलिंग)	66,786,805.00	107,738,295.00	xi) सीएसआर (अस्पताल बिलिंग)	4,025,670.00	5,519,129.00
xiv) पीएमजेएवाई (प्र.मं.ज.आ.यो.) (अस्पताल बिलिंग)	179,602,225.00		xii) पी. डी. खाता	1,175,880.00	2,986,026.00
(i) प्राप्त निधि	80,000,000.00	20,000,000.00	xiii) परिक्रामी (रिवॉलविंग) निधि	110,459,623.00	110,385,000.00
(ii) दावे के समक्ष प्राप्त वापसी	20,000,000.00	7,649,882.00	xv) एम्स पीएमओ रोगी खाता	14,747,423.00	26,920,922.00
xv) सीएसआर	-	5,000,000.00	xvi) सीएसआरआरआईसी (अस्पताल बिलिंग)	7,888,074.00	79,512,301.00
सीमा शुल्क खाता	264,000,000.00	311,407,003.00	xvii) कायाकल्प	1,930,634.00	440,146.00
रैन रिवॉल्विंग अम्ब्रेला स्कीम	72,530,426.00	-	xviii) पीएमजेएवाई (प्र.मं.ज.आ.यो.) (अस्पताल बिलिंग)	171,685,872.00	5,811,885.00
रैन रेयर डिजीज खाता	10,000,000.00		xiv) सी.एस.आर.	–	2,296,851.00
एफडी (मुख्य)	-	30,250,000,000.00	xx) सीमा शुल्क खाता	264,722,153.00	259,348,451.00
एफडी परिपक्वता (विन्यास निधि)	62,061,069.00	49,500,000.00	xxi) एफडी (विन्यास निधि)	62,061,069.00	50,000,000.00
पूंजी कोष हेतु - मीरा सेठ	10,000,000.00	-	xxii) एफडी (अनुसंधान दान खाता)	-	10,000,000.00
जेरियाट्रिक ब्लॉक	362,954,298.00		xxiii) एफडी-मीरा सेठ (विन्यास)	10,000,000.00	-
आईआरसीएच (एनएसडीएल) पेंशन पुरानी योजना (कैशियर)	8,622,338.00	-	xxiv) एफडी (मुख्य)	-	30,250,000,000.00
एम्स ऑनलाइन दान खाता	8,007,397.35		xxv) एफडी अनुसंधान अनुभाग	-	100,000,000.00
एम्स भीम खाता 38031002738	1,908,682.00		रैन रिवॉल्विंग अम्ब्रेला	68,917,502.00	
अनुसंधान खाता (क्रेडिट बी.ए.)	12,500.00		रैन रेयर डिजीज खाता	110,926.00	
एफडी परिपक्वता (अनुसंधान)	100,000,000.00		नकद अनुभाग द्वारा निवेश	3,000,000.00	
एनआरआरआईडीएस परियोजना प्राप्तियां	97,265,731.50		एनआरआरआईडीएस परियोजना व्यय	3,766,978.00	
			ओरेशन (ए.एल)	10,000.00	
			जेरियाट्रिक ब्लॉक	295,611,654.00	
			जीपीएफ (आरबीआर)	10,477,270.00	
			एनसीए (परिपक्वन)	267,500,000.00	
			जराचिकित्सा		
			i) अनुदान की वापसी	6,000,000.00	
			ii) ब्याज की वापसी	8,739,124.00	
			एनपीएस खाता		
			i) वसीयत डेटा का भुगतान	209,172,441.00	59,712,634.00
			ii) बैंक प्रभार	265.00	124.00
			किए गए निवेश	140,000,000.00	-

वर्ष 2019-2020 हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

			अंतशेष		
			i) नकद राशि	1,003,650.00	918,650.00
			ii) बैंक शेष		
			क) चालू खाते में	1,501,657,295.85	2,024,883,864.00
			ख) एफडीआर में	4,707,301,827.00	2,000,000,000.00
			ग) जमा खाते में	13,784,126.00	18,489,924.00
कुल	**49,889,672,163.85**	**73,698,033,419.00**	**कुल**	**49,889,672,163.85**	**73,698,033,419.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

स्थापना व्यय

				(राशि रुपयों में)
अनुसूची 20 क			2019-20	2018-19
क)	वेतन एवं मजदूरी		8547491230	8195420979
ख)	यात्रा भत्ता (टी. ए.)		42608365	39120542
ग)	अवकाश वेतन पेंशन अंशदान			
	भुगतान	3923096		3422838
	न्यून प्राप्तियां	0	3923096	0
घ)	कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		1785435582	1992389599
ङ)	डिपोजिट लिंक्ड इंश्योरेंश स्कीम			120000
च)	अन्य			
छ)	नई पेंशन योजना			
	राष्ट्रीय प्रतिभूति डिपॉजिटरी लि. में जमा	514826716.00		
	एन. पी. एस. खाते में जमा			
	कर्मचारीगण से न्यून: प्राप्तियां (एन.पी.एस.)	224833973.00	289992743.00	197709959
	कुल		**10669451016**	**10428183917**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग
अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21क	2019-20	2018-19
क) मरम्मत एवं अनुरक्षण	752750442.00	733720168
ख) यात्रा एवं वाहन व्यय	86386825.00	73843579
ग) आकस्मिकता कार्यालय	1426718889.00	1164840879
घ) विद्युत एवं बिजली	713227340.00	685677911
ङ) जल प्रभार	47815600.00	50139349
च) अन्य (बैंक प्रभार)	367353.00	362484
कुल	**3027266449.00**	**2708584370**

लेखा अधिकारी　　　　　　　　वित्त सलाहकार

अनुसूची 24

मुद्रण नीतियाँ और लेखा की टिप्पणी तैयार करने वाला भाग

1. संस्थान की गतिविधियों को मुख्य रूप से भारत सरकार के अनुदानों से धन प्रदान किया जाता है और संस्थान का लेखा-जोखा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप तैयार किया जाता है।
2. लेखा नकद आधार पर अर्थात् वास्तविक प्राप्ति और भुगतान के आधार पर तैयार किए गए हैं।
3. लेखा-जोखा में परिसंपत्तियों, अर्थात मशीनरी एवं उपकरण, वाहन, भवन आदि पर कोई अवमूल्यन प्रदान नहीं किया गया है और परिसंपत्तियों का निष्पादन ऐतिहासिक दर पर किया जाता है। उपयोगिता की समाप्ति पर निराकरण के समय परिसंपत्तियों को परिसंपत्तियों और पूंजी कोष से हटाया जाता है।
4. लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि की देनदारी के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार से अनुदान वास्तविक व्यय के लिए प्राप्त किया जाता है। लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि के भुगतान की गणना केवल वास्तविक भुगतानों के समय पर लेखा में किया जाता है।
5. लेखांकन अवधि के अंत में भंडार और आपूर्ति का कोई अंतिम स्टॉक लेखा में समाविष्ट नहीं किया जाता है क्योंकि भण्डारों और आपूर्तियों पर किये गए सभी खर्चों को लेखा में भुगतान के समय पर अंतिम व्यय के रूप में स्वीकार किया जाता है।
6. संस्थान की आय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अंतर्गत आयकर से मुक्त है।
7. अनुसंधान परियोजनाओं हेतु अनुदान द्वारा वित्तपोषित सभी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) का उपयोग अनुसंधान परियोजनाओं की गतिविधियों के लिए किया जाता है और इन्हें संस्थान के परिसंपत्तियों में सम्मिलित नहीं किया जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) को या तो धनराशि प्रदान करने वाले अभिकरणों को लौटाया जाता है अथवा इनका उपयोग धनराशि प्रदान करने वाले अभिकरणों की स्वीकृति के अनुसार, परियोजनाओं की समाप्ति के पश्चात ही विभागों में किया जाता है।
8. वर्ष 2019-20 के दौरान, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विभिन्न परियोजना जाँचकर्ताओं द्वारा किये गए व्यय को तथा दिनांक 31-03-2020 के अनुसार, संस्थान का पास उपलब्ध शेष राशि को दर्शाता हुआ एक विवरण लेखा के साथ संलग्न कर दिया गया है।
9. चूँकि, केंद्र का प्रबंध पृथक रूप से किया जाता है, इसलिए उनके अंतिम लेखा का रखरखाव भी पृथक रूप से होता है। अत: उनके केन्द्रों को अवमुक्त की गयी राशि एम्स मुख्य के अंतिम लेखा में प्रदर्शित होती है। दिनांक 31.03.2020 के अनुसार, संस्थान के विभिन्न केन्द्रों का लेखा एम्स मुख्य के लेखा के साथ संलग्न है।
10. पैकेजों के अंतर्गत, उन उपचारों के मद में राजस्व एवं व्यय के रूप में खर्च किये गए उपचार की अग्रिम राशियों को व्यय में दर्शाया गया था। चालू वर्ष के दौरान, उपचार के लिए उपलब्ध पैकेजों के मद में प्राप्त अग्रिम राशियों को आवर्ती निधि और आवर्ती निधि पर किये गए व्यय के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया है। आवर्ती निधि में शेष राशि को देनदारी के रूप में प्रदर्शित किया गया है। लेखांकन नीति के इन परिवर्तनों का प्रभाव आकलन योग्य और महत्त्वपूर्ण नहीं होता।
11. दिनांक 31.03.2020 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा को नए प्रारूप, समूहीकरण, पुन: समूहीकरण और वर्गीकरण में तैयार किया गया है, जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, इसे बेहतर प्रस्तुति के लिए परिवर्तित/अंगीकृत किया गया है।
12. प्रत्येक विभाग/केंद्र में संस्थान की परिसंपत्तियों का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में अभी तक किसी गंभीर/बड़ी गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
13. प्रत्येक विभाग/केंद्र में संस्थान की स्टोर तथा आपूर्ति का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में अभी तक किसी गंभीर/बड़ी गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

14. संस्थान रोगियों की देखभाल के लिए आवश्यक जाँचों/प्रक्रियाओं के लिए विभिन्न आवर्ती निधियों का रखरखाव कर रहा है और उसे संस्थान के सम्बंधित लेखा में सम्मिलित किया गया है।
15. बिना किसी संलग्न शर्तों के विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दानराशियों/प्राप्तियों को सम्बंधित केंद्र या संस्थान के आय के रूप में स्वीकार किया जाता है जैसे भी प्रकरण हो।
16. उपर्युक्त सूचीबद्ध सभी लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियाँ तैयार करने वाले भाग का उपयोग केन्द्रों के लेखा को तैयार करने में भी किया जाता है।

लेखा अधिकारी | वित्तीय सलाहकार | वरिज़्ठ वित्तीय सलाहकार

बिलिंग अनुभाग (एम्स)
प्राप्तियां एवं भुगतान का लेखा विवरण
नेशनल इलनेस असिस्टेंस फंड (एनआईएएफ) : 2019-20

	प्राप्तियां	रु.		भुगतान	रु.
1.	दिनांक 1.4.2019 के अनुसार अथशेष	**89472793.53**		वर्ष 2019-20 के दौरान किया गया भुगतान	**110744521.00**
2	वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त अनुदान	**192314906.00**		वर्ष के दौरान बैंक द्वारा बैंक निकासी शुल्क को नामे डाला गया	**शून्य**
3.	(वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक से प्राप्त ब्याज)	**4751988.00**		एम्स मुख्य लेखा को हस्तांतरित अर्जित ब्याज	**6754938.00**
4.	**एफ डी ब्याज**	**19457284.00**		दिनांक 31.03.2020 के अनुसार अंतशेष (रोकड़ बही) 1. बैंक में नकद रु. 189074841.88 2. एफडीआर रु. 250000000 3. एफडीआर रु. 50000000	**188497512.53**
	कुल	**305996971.53**		**कुल**	**305996971.53**

लेखा अधिकारी
अस्पताल बिलिंग अनुभाग

अस्पताल बिलिंग अनुभाग (एम्स)
प्राप्तियां एवं भुगतान विवरण
लेखा सं. - 33477690609
एम्स दिल्ली आरोग्य कोषः 2019-20

	प्राप्तियाँ	राशि (रु.)	भुगतान	राशि (रु.)
1.	दिनांक 1.4.2019 के अनुसार अथशेष	18247833	वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	20008647
2	वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त अनुदान	6495604	बैंक प्रभार	1003
3.	बैंक से प्राप्त ब्याज		दिनांक 31.03.2020 के अनुसार अंतशेष	4733787
	कुल	**24743437**		**24743437**

संबंधित सहायक

कनिष्ठ लेखा अधिकारी

लेखा अधिकारी (एचबीएस)

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (समेकित)

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन - पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
समग्र / पूंजीगत निधि	1	6,971,653,221	6,721,192,017
रिजर्व और अधिशेष	2	164,567,873	68,515,493
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	31,561,675	99,050,549
आवर्ती निधि	4	915,888,213	778,954,058
सुरक्षित ऋण एवं उधार	5		-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	6		-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	7	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	8	64,093,439	61,674,526
कुल		**8,147,764,421**	**7,729,386,643**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	9	6,508,383,303	6,230,814,067
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	10	-	-
निवेश - अन्य	11	571,600,000	551,600,000
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	12	1,067,781,118	946,972,576
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
आय पर व्यय की अधिकता का शेष			
कुल		**8,147,764,421**	**7,729,386,643**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियाँ	26		

लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

प्रमुख, हृ. व. केंद्र **प्रमुख, तं. वि. केंद्र**

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	13	62,582,703	70,885,415
अनुदान / आर्थिक सहायता	14	3,850,200,000	3,492,000,000
फीस / अभिदान	15	-	-
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	16	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	-	-
अर्जित ब्याज	18	52,413,943	57,151,499
अन्य आय	19	3,263,892	1,993,616
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति की वृद्धि / (कमी)	20	-	-
कुल (क)		**3,968,460,538**	**3,622,030,530**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	3,090,454,286	2,726,562,030
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	22	358,675,893	368,053,449
अग्रिम का समायोजन	22 (A)	-	2,998,292
सामग्री एवं आपूर्ति	23	423,254,862	462,847,016
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	24	-	-
ब्याज एवं वित्त व्यय	25	23,117	14,903
अवमूल्यन (अनुसूची 11 में वर्ष समाप्ति तदनानुसार पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**3,872,408,158**	**3,560,475,691**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क-ख)		96,052,380	61,554,839
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से अंतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**96,052,380**	**61,554,839**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	26		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	27		

लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

प्रमुख, हृ. व. केंद्र **प्रमुख, तं. वि. केंद्र**

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि			**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष (हृ. तं. कें. मुख्य)			6,669,800,314	-
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान (एम्स मुख्य के माध्यम से)		265000000	250,461,204	6,669,800,314
न्यून: एम्स मुख्य में वापसी	14538796			
जमा: दान खाता में सृजित समग्र / पूंजी			51,391,703	51,391,703
जमा / कटौती: आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष			-	-
वर्ष समाप्ति पर शेष			**6,971,653,221**	**6,721,192,017**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 (क) - रिजर्व एवं अधिशेष	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. पूंजीगत रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	68,515,493	68,515,493
जमा: वर्ष के दौरान जमा	96,052,380	
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3. विशेष रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
4. सामान्य रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
5. व्यय पर आय की अधिकता	-	
कुल	**164,567,873**	**68,515,493**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	हृद् विज्ञान	सी.टी.वी.एस	तंत्रिका विज्ञान	तंत्रिका सर्जरी	अन्य	स्वच्छता कार्य योजना (एस.ए.पी.)		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
						सी.टी.सी.	एन.एस.सी.	कुल	कुल
क) निधियों का अथशेष	64,306	188,750	834,508	2,116,505	18,531	47,923,423	47,904,526	99,050,549	102,338,619
ख) निधियों में जमा:	-							-	-
i. दान / अनुदान		-		560,000	19,316			579,316	325,000
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	-							-	-
iii. रोगियों से प्राप्त	-							-	-
iv. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)	-							-	-
कुल (क+ख)	**64,306**	**188,750**	**834,508**	**2,676,505**	**37,847**	**47,923,423**	**47,904,526**	**99,629,865**	**102,663,619**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय									
i. पूंजीगत व्यय									
स्थायी परिसंपत्तियां						34,029,637	34,038,553	68,068,190	3,363,251
अन्य	-							-	-
कुल (ग.i)	**-**					**34,029,637**	**34,038,553**	**68,068,190**	**3,363,251**
ii. राजस्व व्यय								-	-
वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बैंक प्रभार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय									249,819
कुल ग (ii)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**249,819**
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**34,029,637**	**34,038,553**	**68,068,190**	**249,819**
घ) रोगियों को वापसी	-							-	**-**
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग-घ)	**64,306**	**188,750**	**834,508**	**2,676,505**	**37,847**	**13,893,786**	**13,865,973**	**31,561,675**	**99,050,549**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - परिक्रामी निधि	वर्तमान वर्ष												पिछले वर्ष
	प्रयोगशाला जांच	हृद् जांच	स्ट्रेस थैलियम	एम.आर.आई	स्टेम सेल	तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	सी. टी. रोगी खाता	गामा नाइफ खाता	एंजियो रोगी खाता	एनएस रोगी खाता	आरएएन	कुल	कुल
क) निधियों का अथशेष	40,757,500	28,495,270	198,670	14,712,380	816,000	32,551,207	123,448,267	361,665,831	85,961,794	90,347,139		778,954,058	798,407,127
ख) निधियों में जोड़												-	
i. रोगियों से प्राप्ति	11,758,840	5,100,660	2,132,750	3,319,100	812,000	15,108,253	267,360,019	43,139,138	199,009,439	146,544,388		694,284,587	753,368,985
ii. छूट/बीपीएल रोगियों हेतु एम्स सीएनसी (एंजियो रोगी खाता) से प्राप्त अनुदान							617,361		36,124,727	-		36,742,088	-
iii. (जीआईए - सामान्य) से अनुदान स्थानांतरण - सीएनसी												-	
iv. प्राप्त अनुदान (अन्य)											9,135,000	9,135,000	
पीएम जेएवाई योजना							24,280,811	5,400,000	4,858,018	8,463,054		43,001,883	
												-	
कुल (क+ख)	**52,516,340**	**33,595,930**	**2,331,420**	**18,031,480**	**1,628,000**	**47,659,460**	**415,706,458**	**410,204,969**	**325,953,978**	**245,354,581**	**9,135,000**	**1,552,982,616**	**1,551,776,112**
ग) निधियों का लक्ष्यों हेतु उपयोग/व्यय													
i. पूंजी व्यय													
स्थायी परिसंपत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
कुल (ग.i)	-	-	-	-	-	-						-	-
ii राजस्व व्यय													
सामग्री एवं आपूर्ति	-	513,129	2,086,150	-	-	6,337,865	195,431,615	321,683	151,706,600	101,571,656	2,421,372	460,390,070	596,301,218
रोगियों को वापसी							60,140,061	1,351,000	26,472,658	31,207,958		119,171,677	175,180,996
निर्धन/बीपीएल रोगियों का उपचार व्यय							554,731			1,673,570		2,228,301	-
निःशुल्क प्रक्रिया									26,094,278			26,094,278	-
पीएम जेएवाई योजना							24,280,811		4,858,018	8,463,054		37,601,883	-
विभिन्न रोगी खातों में अंतरित						743,194							
अन्य (निर्दिष्ट करें)												-	1,339,840
कुल ग (ii)	-	**513,129**	**2,086,150**	-	-	**7,081,059**	**280,407,218**	**1,672,683**	**209,131,554**	**142,916,238**	**2,421,372**	**646,229,403**	**772,822,054**
कुल (ग)	-	**513,129**	**2,086,150**	-	-	**7,081,059**	**280,407,218**	**1,672,683**	**209,131,554**	**142,916,238**	**2,421,372**	**646,229,403**	**772,822,054**
वर्ष के अंत में बकाया राशि (क+ख-ग)	**52,516,340**	**33,082,801**	**245,270**	**18,031,480**	**1,628,000**	**40,578,401**	**135,299,240**	**408,532,286**	**116,822,424**	**102,438,343**	**6,713,628**	**915,888,213**	**778,954,058**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - सुरक्षित ऋण एवं उधार	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 6 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लिखित करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (उल्लिखित करें)	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - आस्थगित जमा देयताएं	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्राप्त स्वीकृति	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - वर्तमान देयताएं		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान देयताएं			
1. स्वीकृतियां		-	-
2. विविध ऋणदाता			
क) वस्तुओं हेतु		-	-
ख) अन्य			
3. अग्रिम प्राप्त		-	-
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु देय पर नहीं			
क) सुरक्षित ऋण / उधार		-	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार		-	-
5. सांविधिक देयताएं			
क) अतिदेय		-	-
ख) अन्य		-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं		572,233	1,252,320
वर्ष के दौरान जमा	824,345,051		
वर्ष के दौरान कटौती	825,025,138		
7. धरोहर राशि जमा		63,191,789	60,092,789
वर्ष के दौरान जमा	5,545,000		
वर्ष के दौरान कटौती	2,446,000		
8. अग्रदाय		20,000	20,000
9. एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता		309,417	309,417
कुल (क)		**64,093,439**	**61,674,526**
ख. प्रावधान			
1. कराधान हेतु		-	-
2. उपदान		-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन		-	-
4. संचित अवकाश नकदी		-	-
5. ट्रेड वारंटी / दावे		-	-
6. संचित अवमूल्यन			
7. अन्य		-	-
कुल (ख)		**-**	**-**
कुल (क)+(ख)		**64,093,439**	**61,674,526**

अनुसूची 9 - स्थायी परिसंपत्तियाँ

(राशि रुपयों में)

विवरण	सकल ब्लॉक							अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के दौरान जमा (साख -पत्र)	वर्ष के दौरान जमा (पी.डी.ए.)	वर्ष के दौरान जमा (सीमा शुल्क)	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष के समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
स्थायी परिसंपत्ति												वर्तमान वर्ष की समाप्ति के अनुसार	
भूमि													
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
भवन													
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबद्ध नहीं													
अमूर्त स्थायी परिसंपत्ति													
क) सॉफ्टवेयर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण*	5,582,818,097	125,346,477		119,956,779	210,875	27,889,354	5,856,221,582	-	-	-	-	5,856,221,582	5,582,818,097
स्पेयर एवं सहयंत्र (हृ. व. केन्द्र)	65,573,564						65,573,564					65,573,564	65,573,564
स्पेयर एवं सहयंत्र (तं. वि. कें.)	86,631,063						86,631,063					86,631,063	86,631,063
साख पत्र स्पेयर एवं सहयंत्र (तं. वि. कें.)	11,918,584						11,918,584					11,918,584	11,918,584
साख पत्र स्पेयर एवं सहयंत्र (हृ. व. केन्द्र)	556,416						556,416					556,416	556,416
वाहन	4,381,989						4,381,989	-	-	-	-	4,381,989	4,381,989
फर्नीचर, उपस्कर	8,490,172	1,425,179					9,915,351	-	-	-	-	9,915,351	8,490,172
कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	10,140,482	2,740,572					12,881,054	-	-	-	-	12,881,054	10,140,482
विद्युत संस्थापन	-						-	-	-	-	-	-	-
पुस्तकालय पुस्तकें	-						-	-	-	-	-	-	-
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-						-	-	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	-						-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल योग	**5,770,510,367**	**129,512,228**	-				**6,048,079,603**	**-**	**-**	**-**	**-**	**6,048,079,603**	**5,770,510,367**
पिछले वर्ष	-	-	-				**-**	-	-	-	**-**	-	-
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	460,303,700	-	-				460,303,700	-	-	-	-	460,303,700	460,303,700
कुल	**6,230,814,067**	**129,512,228**	**-**	**119,956,779**	**210,875**	**27,889,354**	**6,508,383,303**	**-**	**-**	**-**	**-**	**6,508,383,303**	**6,230,814,067**

(उपर्युक्त में सम्मिलित किराये पर खरीद आधार पर परिसंपत्ति की लागत में तारीख दिये जाने हेतु)

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 10 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - निवेश अन्य	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
i. सावधि जमा (गामा नाइफ)	360,000,000	360,000,000
ii. सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	79,800,000	79,800,000
iii. सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	51,800,000	31,800,000
iv. सावधि जमा (सी टी रोगी खाता)	80,000,000	80,000,000
कुल	**571,600,000**	**551,600,000**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्ति		
1. इनवेंटरीज		
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-	-
ख) खुले औजार	-	-
ग) ट्रेड में भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य-प्रगति पर	-	-
कच्चा माल	-	-
2. विविध देनदार		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) रोगी उपचार (सीजीएचएस)	5,786,970	5,786,970
ग) अन्य	3,245,441	3,245,441
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
क) अग्रदाय	76,000	66,000
4. बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	358,416,461	338,844,328
गामा नाइफ	99,818,732	28,062,452
एंजियो रोगी खाता	51,679,718	15,338,949
सी. टी. रोगी खाता	63,448,187	46,015,445
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	57,120,999	61,842,809
ह. तं. कें. आरएएन खाता	6,713,451	-
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	305,953	306,602
- जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-
- बचत खाते में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	-	-
- जमा खाते में	-	-
- बचत खाते में	-	-
5. डाक घर - बचत खाते	-	-
कुल (क)	**646,611,911**	**499,508,997**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति			
1. ऋण			
क) स्टाफ		7,054,220	6,240,560
ख) इकाई के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न अन्य इकाइयां			
ग) अन्य (रोगी उपचार - सी.जी.एच.एस.)			
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु			
क) पूंजीगत खाते में			
ख) पूर्व भुगतान			
ग) अस्थायी आकस्मिक अग्रिम			
घ) अन्य			
3. अर्जित आय:			
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर			
ख) निवेश - अन्य पर			
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर			
घ) अन्य			
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)			
4. वसूलनीय दावे			
5. साख-पत्र		102,199,369	121,207,172
वर्ष के दौरान जमा	100,948,976		
वर्ष के दौरान कटौती	119,956,779		
6. सीमा शुल्क		85,494,139	93,383,493
वर्ष के दौरान जमा	20,000,000		
वर्ष के दौरान कटौती	27,889,354		
7. जमा पूर्व अग्रिम		89,973	300,848
वर्ष के दौरान जमा	-		
वर्ष के दौरान कटौती	210,875		
8. टी.डी.आर.			-
9. कार्य के लिए अग्रिम		174,596,762	174,596,762
10. अग्रिम भुगतान डीएवीपी		2,709,744	2,709,744
11. सी. टी. रोगी खाते से अंतरण मशीनरी एवं उपकरण		49,025,000	49,025,000
कुल (ख)		**421,169,207**	**447,463,579**
कुल (क)+(ख)		**1,067,781,118**	**946,972,576**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 13 - विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय	-	-
ख) कच्चे माल का विक्रय	-	-
ग) रद्दी का विक्रय	-	-
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवा	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं आढ़त	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अस्पताल प्राप्तियां (सी.एन.सी. मुख्य)	62,582,703	69,123,455
ञ) रोगी उपचार सी. जी. एच. एस.	-	1,761,960
ट) अन्य (उल्लिखित) संदिग्ध प्राप्ति	-	-
कुल	**62,582,703**	**70,885,415**

अनुसूची 14 - अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त) - एम्स मुख्य के माध्यम से		
1) केन्द्र सरकार	-	-
राजस्व सामान्य (योजना)		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	-
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	-	-
गैर - योजना		
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	764,000,000	764,000,000
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	3,086,200,000	2,728,000,000
सहायता अनुदान (एसएपी) - हृ. व. केन्द्र	-	-
सहायता अनुदान (एसएपी) - एनएससी	-	-
2) राज्य सरकारें		-
3) सरकारी एजेंसियां	-	-
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय	-	-
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (उल्लिखित करें)	-	-
कुल	**3,850,200,000**	**3,492,000,000**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 15 - फीस / अभिदान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) प्रवेष शुल्क	-	-
2) वार्षिक फीस / अभिदान	-	-
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	-	-
4) परामर्ष फीस	-	-
5) टेंडर फीस	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी- प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1) ब्याज				
क) सरकारी जमानतों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	-	-	-	-
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड जमानतों पर	-	-	-	-
3) किराया	-	-	-	-
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
टिप्पणी- उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 17 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) रॉयल्टी से आय	-	-
2) प्रकाशन से आय	-	-
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) अवधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास (हृ. तं. केंद्र मुख्य)	12,014,238	29,093,970
अनुसूचित बैंकों के पास (गामा नाइफ)	24,890,651	16,746,881
अनुसूचित बैंकों के पास (एंजियो रोगी खाता)	5,482,440	5,538,841
अनुसूचित बैंकों के पास (सी. टी. रोगी खाता)	5,590,884	2,677,133
अनुसूचित बैंकों के पास (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	3,192,973	1,113,232
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		-
ग) संस्थानों के पास		-
घ) अन्य		-
2) बचत खाते पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		-
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		-
ग) संस्थानों के पास		-
घ) अन्य		-
3) ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	1,242,757	1,981,442
ख) अन्य		-
4) देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज	-	-
कुल	**52,413,943**	**57,151,499**

टिप्पणी: दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती की गई

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 19 - अन्य आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय / परिसंपत्ति निपटाने पर लाभ		
क) निजी परिसंपत्ति	-	-
ख) अनुदान अथवा निशुल्क प्राप्त में से अर्जित परिसंपत्ति	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
क) परिसमापन क्षति	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए फीस	-	-
4) विविध प्राप्ति	3,263,892	1,993,616
5) लाइसेंस फीस वसूली		-
कुल	**3,263,892**	**1,993,616**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 - तैयार वस्तुओं एवं कार्य - प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) समापन भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य - प्रगति पर	-	-
ख) न्यून: अथ भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य - प्रगति पर	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क-ख]	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) वेतन एवं मजदूरी	2,939,032,735	2,631,606,750
ख) भविष्य निधि के लिए अंशदान		-
ग) अन्य निधि के लिए अंशदान - (एन.पी.एस.)	142,414,553	87,133,450
घ) स्टाफ कल्याण व्यय		-
ङ) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय		-
च) यात्रा एवं वाहन व्यय	9,006,998	7,821,830
छ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**3,090,454,286**	**2,726,562,030**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
श्रम एवं संसाधन व्यय	-	-
गाड़ी भाड़ा एवं आवक वाहन	-	-
कार्यालय अनुरक्षण व्यय	3,561,798	5,734,144
प्रतिनिधिमंडल शुल्क		-
गैस प्रभार	156,982	226,090
चालू वाहन एवं अनुरक्षण	876,387	731,450
डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	50,305	45,324
विज्ञापन		-
भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	60,096,928	42,954,315
मशीनरी की मरम्मत एवं अनुरक्षण	5,907,194	17,107,937
चालू वाहन एवं अनुरक्षण		-
लघु कार्यों का अनुरक्षण	17,575,700	26,576,143
मुद्रण एवं लेखन सामग्री		-
स्पेयर एवं सहयंत्र (हृ. व. केन्द्र)	38,291,785	32,798,832
स्पेयर एवं सहयंत्र (तं. वि. केन्द्र)	45,528,768	60,148,578
रोगी खाते को हस्तांतरण	36,742,088	-
एन.एस.सी. निर्धन रोगी निधि	694,106	-
प्रतिभूति सेवाएं	59,932,849	55,481,496
कर्मचारी आउटसोर्सिंग प्रभार (बीईसीआईएल/सुलभ/एमआरटी आदि)	89,261,003	74,984,746
स्वच्छता सेवा (बी.वी.जी.)	-	51,264,394
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**358,675,893**	**368,053,449**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 (क) अग्रिमों का समायोजन	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
डीएवीपी का अग्रिम भुगतान	-	2,998,292
अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**2,998,292**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 - सामग्री एवं आपूर्ति	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
सामग्री एवं आपूर्ति	384,439,207	400,215,957
जेएसएसके	6,014,681	1,993,270
अभिकर्मकों का व्यय	24,721,801	60,637,789
न्यूरोलॉजी आपातकालीन निधि	8,079,173	-
कुल	**423,254,862**	**462,847,016**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 24 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी: अनुदान / आर्थिक सहायता राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियां प्रकट की जाती हैं।		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 25 - ब्याज एवं वित्तीय व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
स्थायी ऋणों पर	-	-
अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	4,060	1,537
बैंक प्रभार (गामा नाईफ)	826	1,357
बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	2,301	3,540
बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	9,115	4,543
बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी खाता)	5,989	3,277
बैंक प्रभार (निर्धन रोगी खाता)	649	649
बैंक प्रभार (आरएएन)	177	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**23,117**	**14,903**

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (समेकित)

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
I. अथशेष			**I. व्यय**		
क) नकद राशि	66,000	66,000	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	3,090,454,286	2,726,562,030
			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 में संगत)	358,675,893	368,053,449
ख) सावधि जमा			ग) सामग्री एवं आपूर्ति (अनुसूची 23 में संगत)	423,254,862	462,847,016
सावधि जमा (गामा नाइफ)	360,000,000	240,000,000			
सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	79,800,000	109,800,000			
सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31,800,000	31,800,000			
सावधि जमा (सी. टी. रोगी खाता)	80,000,000	50,000,000			
ग) बैंक शेष					
(i) चालू खाते में					
हृ. तं. के. मुख्य	338,844,328	245,439,239			
गामा नाइफ	28,062,452	89,945,198			
एंजियो रोगी खाता	15,338,949	38,587,244			
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	61,842,809	52,893,371			
सी. टी. रोगी खाता	46,015,445	91,101,096			
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	306,602	257,251			
(ii) जमा खाते में	-	-			
(iii) बचत खाते में	-	-			
II. अनुदान प्राप्त			**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
क) भारत सरकार से - एम्स मुख्य के माध्यम से					
पूंजी (परिसंपत्तियां नई)					
(i) सहायता अनुदान (योजना) - एम एंड ई	265,000,000	338,885,000	एम्स मुख्य को अनुदान की वापसी - (एम एंड ई)	14,538,796	20,000,000
राजस्व सामान्य			**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	3,086,200,000	2,728,000,000			
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	764,000,000	764,000,000			
(iv) सहायता अनुदान (एसएपी) - हृ. व. केन्द्र	-	-	(iv) सहायता अनुदान (एसएपी) - हृ. व. केन्द्र	34,029,637	1,672,177
(v) सहायता अनुदान (एसएपी) - तं. वि. केन्द्र	-	-	(v) सहायता अनुदान (एसएपी) - तं. वि. केन्द्र	34,038,553	1,691,074

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
ख) राज्य सरकार से					
ग) अन्य स्रोतों से (आरएएन)	9,135,000				
(अलग से दर्शाने के लिए पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान)					
III. निवेश पर आय से			**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि	-	-	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से	-	-
ख) आवर्ती निधि			**ख) आवर्ती निधि**		
i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	11,758,840	11,863,700	i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	-	428,475
ii) हृद् जांच	5,100,660	5,105,750	ii) हृद् जांच	513,129	855,205
iii) स्ट्रेस थैलियम	2,132,750	2,488,000	iii) स्ट्रेस थैलियम	2,086,150	5,931,121
IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	15,108,253	10,384,063	IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	6,337,865	17,631,067
			तंत्रिका विज्ञान रोगी खाते से विभिन्न रोगी खाते के लिए अंतरण	743,194	1,339,840
V) एम.आर.आई. प्रभार	3,319,100	3,479,750			
vi) स्टेम सेल	812,000	742,000			
रोगी प्राप्तियाँ					
गामा नाइफ खाता	41,788,138	44,001,710	गामा नाइफ खाता	321,683	2,629,980
एंजियो रोगी खाता	172,536,781	186,714,129	एंजियो रोगी खाता	151,706,600	245,497,725
सी. टी. रोगी खाता	207,219,958	336,404,457	सी. टी. रोगी खाता	195,431,615	354,162,698
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	115,336,430	152,185,426	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	101,571,656	144,345,943
हृ.तं.कें. आरएएन खाता			सीएनसी आरएएन खाता	2,421,372	
ग) स्वयं की निधियां (अन्य निवेश)	-	-			
पीएम जेएवाई (योजना)			**पीएम जेएवाई (योजना)**		
गामा नाइफ खाता	5,400,000		गामा नाइफ खाता		
एंजियो रोगी खाता	4,858,018		एंजियो रोगी खाता	4,858,018	
सी. टी. रोगी खाता	24,280,811		सी. टी. रोगी खाता	24,280,811	
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	8,463,054		तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	8,463,054	
IV. ब्याज प्राप्त			**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी पर व्यय**		
क) बैंक जमा पर (हृ. तं. कें. मुख्य)	12,014,238	29,093,970	कार्य प्रगति पर		
बैंक जमा पर (गामा नाइफ)	24,890,651	16,746,881	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	129,512,228	88,820,261
बैंक जमा पर (एंजियो रोगी खाता)	5,482,440	5,538,841	ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	-	-
बैंक जमा पर (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	3,192,973	1,113,232	ग) साख पत्र (मशीनरी एवं उपकरण)	100,948,976	151,064,739
बैंक जमा पर (सी. टी. रोगी खाता)	5,590,884	2,677,133	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
			क) भारत सरकार को	-	-
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि	1,242,757	1,981,442	ख) राज्य सरकार को	-	-
V. अन्य आय			ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को	-	-
विविध प्राप्ति	3,263,892	1,993,616	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
अस्पताल प्राप्ति (हृ. तं. कें. मुख्य)	62,582,703	69,123,455	बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	4,060	1,537
			बैंक प्रभार (गामा नाइफ)	826	1,357
VI. उधार ली गई राशि			बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	2,301	3,540
			बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	5,989	3,277
			बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	9,115	4,543

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
			बैंक प्रभार (हृ.तं.कें. आरएएन रोगी खाता)	177	
			बैंक प्रभार (एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता)	649	649
VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			**VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)**		
क) दान	579,316	325,000	दान/अनुदान		249,819
ख) धरोहर राशि जमा	5,545,000	7,115,000	धरोहर राशि जमा	2,446,000	2,878,995
छूट / बीपीएल रोगियों के लिए एम्स हृ.तं.कें. (सीटी रोगी खाता) से प्राप्त अनुदान			**निर्धन बीपीएल रोगी उपचार / नि: शुल्क प्रक्रिया**		
गामा नाइफ खाता			गामा नाइफ खाता		
एंजियो रोगी खाता	36,124,727		एंजियो रोगी खाता	26,094,278	
सी. टी. रोगी खाता	617,361		सी. टी. रोगी खाता	554,731	
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता			तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	1,673,570	
कर्मचारी से वसूली			**कर्मचारी से वसूली**		
1. एम्स वसूलियां	19,562,414	18,667,362	1. एम्स वसूलियां	19,543,574	18,650,280
2. बाह्य वसूलियां	476,252,186	422,344,020	2. बाह्य वसूलियां	476,245,291	422,344,020
3 जी.पी.एफ. (अंशदान और अग्रिम)	216,228,535	285,389,498	3 जी.पी.एफ. (अंशदान और अग्रिम)	216,228,535	285,389,498
4. एन.पी.एस. वसूली	107,861,395	91,176,281	4. एन.पी.एस. वसूली	108,003,292	91,198,015
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली			**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली**		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	458,500	505,700	कंप्यूटर अग्रिम	300,000	1,050,000
कार / स्कूटर अग्रिम वसूली	32,300	279,600	कार / स्कूटर अग्रिम वसूली	-	-
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	395,540	525,350	भवन निर्माण अग्रिम	1,400,000	3,564,600
त्यौहार अग्रिम वसूली	-	2,925	त्यौहार अग्रिम	-	-
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	4,440,521	2,981,932	वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	5,004,446	2,074,481
			रिटर्न आर.टी.जी.एस.	-	-
रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)		249,375			
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता		50,000	डी.ए.वी.पी. के लिए अग्रिम भुगतान	-	-
			सीमा शुल्क	20,000,000	79,000,000
			पीडीए	-	-
टीडीआर		50,000,000	टीडीआर (सीएनसी मुख्य खाता)		
			VIII. अंतशेष		
			क) नकद राशि	76,000	66,000
			ख) सावधि जमा		
			सावधि जमा (गामा नाइफ)	360,000,000	360,000,000
			सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	79,800,000	79,800,000
			सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	51,800,000	31,800,000
			सावधि जमा (सीटी रोगी खाता)	80,000,000	80,000,000

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
			ग) बैंक शेष		
			(i) चालू खाते में (सी. एन. सी. मुख्य)		
			सी. एन. सी. मुख्य	358,416,461	338,844,328
			गामा नाइफ	99,818,732	28,062,452
			एंजियो रोगी खाता	51,679,718	15,338,949
			तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	57,120,999	61,842,809
			सी. टी. रोगी खाता	63,448,187	46,015,445
			हृ.तं.कें. आरएएन खाता	6,713,451	
			एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	305,953	306,602
			ii) जमा खाते में		-
			iii) बचत खाते में	-	-
कुल	**6,770,884,712**	**6,542,023,997**	**कुल**	**6,770,884,712**	**6,542,023,997**

लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

प्रमुख, हृ. व. केंद्र

प्रमुख, तं. वि. केंद्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31-03-2020 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2019-20**	**2018-19**
समग्र / पूंजीगत निधि	1	3836471076	3606471076
रिजर्व और अधिशेष	2	166562337	72101573
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	90696632	77148456
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4		
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5		
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6		
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	28536843	29163997
कुल		**4122266888**	**3784885102**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	3523325628	3293547341
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9		
निवेश - अन्य	10		
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	598941260	491337761
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**4122266888**	**3784885102**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा.प्र.कें.**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	**अनुसूची**	**2019-20**	**2018-19**
विक्रय / सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियाँ)	**12**	35179071	36551342
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	1379538400	1330000000
शुल्क/ अभिदान	**14**		
निवेश से आय (निवेश में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**		
अर्जित ब्याज	**17**	8608456	8269995
अन्य आय	**18**	292733	492743
तैयार वस्तुओं एवं कार्य - प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**		
कुल (क)		**1423618660**	**1375314080**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	981291416	939015472
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	347866480	427437756
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	0	77055214
ब्याज	**23**		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत - समाप्त वर्ष पर शुद्ध राशि)			
कुल (ख)		**1329157896**	**1443508442**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		94460764	-68194362
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक को उल्लिखित करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
अधिशेष / (कमी) होने वाले शेष को समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया		**1423618660**	**1375314080**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा.प्र.कें.**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में) (राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
1. अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि	32500	26500	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	981291416	939015472
जमाः ऑडिट अवलोकन (ऑडिट मेमो सं. 13/2) के अनुपालन में		3500	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क में संगत)	346816777	424575638
		30000			
			2. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान		
(ख) बैंक शेष			(क) गैर - रा. प्र. कें. स्कीम	21814888	20969581
(i) चालू खाते में	201260596	283651688	(ख) एस.ए.पी.	0	49004198
न्यूनः ऑडिट अवलोकन (ऑडिट मेमो सं. 13/2) के अनुपालन में		3500	(ग) रोगी उपचार खाते से व्यय		
		283648188	i) वीआर किट (बैंक हस्तांतरण शुल्क सहित)	102324190	81859679
(ii)रोगी उपचार खाता	30578209		ii) आईओएल किट	125780224	174127696
(iii)रा.प्र.कें. अनुसंधान खाता	25686792		**3. निवेश एवं जमा किया गया**		
2.प्राप्त अनुदान			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
(क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से			**4. मुख्य सा.भ.नि. अनुभाग को भुगतान**	0	14208334
(i) सहायता अनुदान (योजना) (पूंजी परिसंपत्ति)	230000000	400000000	**5. रा. प्र. कें. अनुसंधान खातों में स्थानांतरण**	0	27055214
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	397075500	400000000	**6. रा. प्र. कें. रोगी उपचार खातों में स्थानांतरण**	0	50000000
(iii) सहायता अनुदान (वेतन)	982462900	930000000	**7. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी कार्य प्रगति पर व्यय**		
(iv) स्वच्छता कार्य योजना			(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	80558777	183471508
(v) सहायता अनुदान (सामान्य) (गैर-योजना)		0	(ख) सीमा शुल्क	30000000	30000000
(ख) राज्य सरकार से			(ग) साख पत्र	119423111	169150628
			(घ) वाहन खरीद	0	1306694
(ग) एनएसडीएल से प्राप्त एनपीएस राशि		33282385	(ङ) फर्नीचर एवं फिक्स्चर	18112	20430
(घ) अन्य स्रोतों (रा. प्र. कें. अनुसंधान परियोजना) से	16714004	18535561	**8. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
रा. प्र. कें. रोगी उपचार खाते हेतु मुख्य रा. प्र. कें. से स्थानांतरण राशि		50000000	(क) भारत सरकार को		
रा. प्र. कें. अनुसंधान खाते हेतु मुख्य रा. प्र. कें. से स्थानांतरण राशि		27055214			
3.निवेश पर आय द्वारा			(ख) राज्य सरकार को		
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			(ग) निधि की व्यवस्था अन्य को		
(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)					
टीएफआर			**9.वित्त प्रभार (ब्याज)**	0	0
एफडी			**एन.ई.एफ.टी. प्रभार**	435787	7061
4. प्राप्त ब्याज			बैंक प्रभार (रा. प्र. कें. रोगी उपचार खाता)	57695	18959
(क) बैंक जमा पर	8386321	7915922	बैंक प्रभार (रा. प्र. कें. अनुसंधान परियोजना खाता)	10608	1097
(ख) रोगी उपचार खाते पर अर्जित ब्याज	880943	1392310			
(ग) अनुसंधान परियोजना पर अर्जित ब्याज	583095	1066695	**10.अन्य भुगतान**		
(घ) ऋण, अग्रिम आदि			एन.आई.ए.एफ.	538305	148213
कार		40000	बयाना राशि जमा की वापसी	2083000	5384176
एचबीए	202900	308117	**कर्मचारी वसूली भुगतान**		
कंप्यूटर	19235	5956	एम्स (मुख्य) के लिए कर्मचारी प्रेषित से वसूलियां	5867947	5971254
त्यौहार			बाह्य वसूलियां	162643359	154425093
			iii) सा.भ.नि. (सदस्यता और अग्रिम)	95324330	83378947

5. अन्य आय			iv) एन.पी.एस. से वसूली	17747155	17692641
(i) अस्पताल प्राप्तियां	33636878	35608158	v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)	908542	290471
(ii) रोगी उपचार खाता प्राप्तियां	266586376	235192233			
(iii) विविध प्राप्तियां	292733	492743			
6. उधार ली गई राशि			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
			सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु भुगतान अग्रिम	0	0
7. कोई अन्य प्राप्ति			कंप्यूटर अग्रिम		
(क) एन.आई.ए.एफ.	1373164	248705	त्यौहार अग्रिम	0	0
(ख) बयाना राशि जमा	2042000	2932938	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)	3086731	5872542
(ग) कर्मचारी वसूली			वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	15275412	1812004
i) कर्मचारियों से वसूलियां	5867947	5971254			
ii) बाहय वसूलियां	162643359	154425093			
iii) जी.पी.एफ. (अंशदान और अग्रिम)	95324330	83378947			
iv) एन.पी.एस. से वसूली	17747155	17692641	**11.अंतशेष**		
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)	908542	290471	(क) नकद राशि	30500	32500
ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां / वसूली			(i) चालू खाते में	295667442	201260596
कार अग्रिम वसूली			(ii) जमा खाते में		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	78500	123500	(iii) रोगी उपचार खाता	69883419	30578209
भवन निर्माण अग्रिम वसूली			(iv) रा. प्र. कें. अनुसंधान खाता	21158395	25686792
त्यौहार अग्रिम वसूली		4050			
वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)	3086731	5872542			
वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	15275412	1812004			
कुल	**2498746122**	**2697325627**	**कुल**	**2498746122**	**2697325627**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा.प्र.कें.**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2019-20**		**2018-19**	
वर्ष के प्रारंभानुसार शेष	3606471076		3206471076	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	230000000		400000000	
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	0	3836471076	0	3606471076
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**3836471076**		**3606471076**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	**वर्तमान वर्ष**		**पिछले वर्ष**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार	72101573		140295935	
वर्ष के दौरान जमा	94460764	166562337	-68194362	72101573
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल	0	**166562337**	**0**	**72101573**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	रोगी उपचार खाता	स्कीम गैर-रा. प्र. केंद्र		कुल	
		स्कीम गैर-रा. प्र. केंद्र	एसएपी*	2019-20	2018-19
क) निधियों का अथशेष	30578209	25686792	0	0	402571885
ख) निधियों में जमा:	266586376	0			
i. दान / अनुदान		15754906		0	0
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	880943	583095			
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)					0
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय					
कुल (क+ख)	**298045528**	**42024793**	**0**	**340070321**	**402571885**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय					
i. पूंजीगत व्यय					
- स्थायी परिसंपत्ति					
- अन्य					
ii. राजस्व व्यय					
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि					
- किराया					
- अन्य प्रशासनिक व्यय		21269275	0		
- रोगियों हेतु किट पर व्यय	228104414				
कुल	**228104414**	**21269275**	**0**	**249373689**	**325423429**
कुल (ग)	**228104414**	**21269275**	**0**	**249373689**	**325423429**
वर्ष समाप्ति (क+ख-ग) के अनुसार शुद्ध शेष	69941114	20755518	0	**90696632**	**77148456**

* स्वच्छता कार्य योजना

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2019-20**		**2018-19**	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) अर्जित ब्याज एवं देय				
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल	0	0	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2019-20**	**2018-19**
1. केंद्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**2019-20**		**2018-19**	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य (इंजी. बकाया)	1421013			1421013
ग) इंजी. बकाया भुगतान -2019-20)	1421013	0		
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ				
अथशेष	1655532		1555040	
वर्ष के दौरान प्राप्त	1373164		248705	
वर्ष के दौरान व्यय	538305	2490391	148213	1655532
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.		827		827
5. अर्जित ब्याज परन्तु निम्न पर देय नहीं				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. प्रतिभूति जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	6785496		9236734	
वर्ष के दौरान प्राप्त	2042000		2932938	
वर्ष के दौरान वापस	2083000	6744496	5384176	6785496
6. अन्य वर्तमान देयताएं		227078		227078
9. एम्स (मुख्य) को छूट दी जाने वाली एनपीएस के लिए राशि		0		0
अथशेष	19074051		33282385	
न्यून: एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	0	19074051	14208334	19074051
10. सीमा शुल्क का भुगतान भंडार (नि.का.) के लिए किया जाएगा	0	0		
अथशेष	0			
न्यून: अनुसंधान एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	0	0		0
कुल (क)		**28536843**		**29163997**

ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटी / दावा				
6. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**28536843**		**29163997**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क.	**स्थायी परिसंपत्ति:**										
1	भूमि:										
	क) पूर्ण स्वामित्व										
	ख) पट्टे पर										
2	भवन:										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	233443859	0	0	233443859	0	0	0	0	233443859	233443859
	ख) पट्टे की भूमि पर										
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
	घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबंधित नहीं										
3	संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	3032902692	229760175	0	3262662867	0	0	0	0	3262662867	3032902692
4	वाहन	8996266	0	0	8996266	0	0	0	0	8996266	8996266
5	फर्नीचर, उपस्कर	18204524	18112	0	18222636	0	0	0	0	18222636	18204524
6	कार्यालय उपकरण										
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स										
8	विद्युत संस्थापन										
9	पुस्तकालय पुस्तकें										
10	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11	अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
	वर्तमान वर्ष का कुल	3293547341	229778287	0	3523325628	0	0	0	0	**3523325628**	**3293547341**
	पिछले वर्ष										
B.	**पूंजीगत कार्य प्रगति पर**										
	कुल										

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2019-20**	**2018-19**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश-अन्य	**2019-20**	**2018-19**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

			(राशि रुपयों में)			
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि			**2019-20**		**2018-19**	
क.	**वर्तमान परिसंपत्ति:**					
	1. खरीद हेतु अग्रिम					
	क) मशीनरी एवं उपकरण विदेशी खरीद	अथशेष	192270582		109002733	
		वर्ष के दौरान जमा	119423111		169150628	
		वर्ष के दौरान समायोजित	169150628	142543065	85882779	192270582
	ख) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	9782099		10658362	
		वर्ष के दौरान जमा	0		0	
		वर्ष के दौरान समायोजित	0	9782099	876263	9782099
	ग) स्टॉक-इन-ट्रेड					
	तैयार वस्तुएं					
	कार्य-प्रगति					
	कच्चा माल					
	2. विविध देनदार:					
	क) छः माह से अधिक अवधि हेतु बकाया ऋण			76253		76253
	ख) अन्य					
	3. नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)			30500		32500
	4. बैंक शेष:					
	क) अनुसूचित बैंकों के पास:					
	चालू खाते में			295667442		201260596
	रोगी उपचार खाता			69883419		30578209
	आरपीसी अनुसंधान खाता			21158395		25686792
	जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)					
	बचत खाते में					
	ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:					
	चालू खाते में					
	जमा खाते में					
	बचत खाते में					
	5. पी.डी.ए. अग्रिम	अथशेष	341250		350055	
		वर्ष के दौरान समायोजित	63495	277755	8805	341250
	6. सीमा शुल्क अग्रिम	अथशेष	31121127		30781224	
		वर्ष के दौरान जमा	30000000		30000000	
		वर्ष के दौरान समायोजित	1708648	59412479	29660097	31121127
				0		
	कुल (क)			**598831407**		**491149408**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2019-20		2018-19	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण:				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
अथशेष	0			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	0	0		0
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
अथशेष	0			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	0	0		0
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
अथशेष	166500			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	78500			
जमा: वर्ष के दौरान जमा	0	88000		166500
iv) त्यौहार अग्रिम				
अथशेष	21853			
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली	0			
जमा: वर्ष के दौरान जमा	0	21853		21853
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने के लिए मूल्य हेतु:				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य				
3. अर्जित आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश - अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे:				
कुल (ख)		**109853**		**188353**
कुल (क+ख)		**598941260**		**491337761**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2019-20	2018-19
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	33636878	35608158
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	1542193	943184
3. रद्दी माल का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं आढ़त		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (उल्लिखित करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**35179071**	**36551342**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	2019-20	2018-19
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1379538400	1330000000
2. राज्य सरकार(सरकारें)		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थान / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल	**1379538400**	**1330000000**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - शुल्क / अभिदान	**2019-20**	**2018-19**
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (उल्लिखित करें) ई.एच.एस.		
कुल	**0**	**0**

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	**2019-20**	**2018-19**	**2019-20**	**2018-19**
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
ख) म्युचुअल फंड प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित	**0**	**0**	**0**	**0**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2019-20**	**2018-19**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2019-20**	**2018-19**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	8386321	7915922
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	222135	354073
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**8608456**	**8269995**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	**2019-20**	**2018-19**
1. विविध प्राप्ति	292733	492743
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल	**292733**	**492743**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार एवं कार्य - प्रगति में वृद्धि / (कमी)	**2019-20**	**2018-19**
क) समापन भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य प्रगति		
ख) न्यून: अथ भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]	0	0

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
वेतन एवं मजदूरी	946577538	910451812
भत्ते एवं बोनस		
यात्रा भत्ते	11535938	10871019
एन. पी. एस. के लिए अंशदान	23177940	17692641
अन्य निधि के लिए अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		
अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**981291416**	**939015472**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2019-20**	**2018-19**
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	167683035	239132104
ख) गत वर्ष के दौरान भुगतान किए गए अग्रिम के बदले प्राप्त सामग्री	0	876263
ग) कार्यालय व्यय	24772323	7313374
घ) प्रतिभूतियां	41127611	35526612
ङ) अन्य बाह्य एजेंसी	4007908	14735314
च) प्रशासनिक प्रभार (अनुसंधान परियोजना)	545613	537725
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (मशीनरी एवं उपकरण)	19924099	16781216
ज) बैंक प्रभार आरपीसी, रोगी उपचार खाता और अनुसंधान परियोजना	504090	27117
झ) एम्स आरपीसी रोगी उपचार खाते के लिए भुगतान		0
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	55100296	49770997
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	8207583	30974166
द) इंजी. को भुगतान	1421013	
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	24572909	31762868
न) अप्राप्य एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)	0	0
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) बीमा		
य) विज्ञापन और प्रचार		
र) अन्य (उल्लिखित करें) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	**347866480**	**427437756**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2019-20**	**2018-19**
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	167683035	239132104
ख) कार्यालय व्यय	24772323	7313374
ग) प्रतिभूतियां	41127611	35526612
घ) अन्य बाह्य एजेंसी	4007908	14735314
ङ) एसएपी भुगतान	0	0
च) एम्स आरपीसी रोगी उपचार खाते के लिए भुगतान	0	0
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (मशीनरी एवं उपकरण)	19924099	16781216
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	55100296	49770997
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	8207583	30974166
द) इंजी. को भुगतान	0	0
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	25993922	30341855
न) अप्राप्य एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार / बैंक प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)	0	0
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लिखित करें) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	**346816777**	**424575638**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**2019-20**	**2018-19**
क) आरपीसी अनुसंधान खाते को दिया गया अनुदान	0	27055214
ख) आरपीसी रोगी उपचार खाते को दिया गया अनुदान	0	50000000
ग) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	**0**	77055214

अनुसूची 23 - ब्याज	**2019-20**	**2018-19**
क) स्थायी ऋणों पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
समग्र / पूंजी निधि	1	2,804,054,126	2,761,091,131
रिजर्व और अधिशेष	2	85,943,750	56,284,082
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	214,337,816	157,228,257
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	…..	……
चालू देयताएं एवं प्रावधान	7	2,193,820	9,796,232
कुल		3,106,529,512	2,984,399,702
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	2,431,383,334	2,380,561,426
निवेश - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	675,146,178	603,838,276
विविध व्यय (आय पर व्यय की अधिकता का शेष) (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		3,106,529,512	2,984,399,702
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	25		

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

प्रमुख (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
			-
विक्रय / सेवाओं से आय	**12**	27,067,493	25,275,987
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	1,509,005,496	1,571,296,695
शुल्क/ अभिदान	**14**		-
निवेश से आय (निधियों के लिए अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**		
अर्जित ब्याज	**17**	4,325,062	6,696,406
अन्य आय	**18**	-	-
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**	-	-
कुल (क)		1,540,398,051	1,603,269,088
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	968,554,264	905,629,239
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	542,145,059	674,972,163
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	-	-
ब्याज	**23**		-
अवमूल्यन (वर्ष समाप्ति पर शुद्ध योग - अनुसूची 8 के संगत)			-
कुल (ख)		1,510,699,323	1,580,601,402
व्यय पर आय की अधिकता के कारण होने वाला शेष (क-ख)		29,698,728	22,667,686
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			-
अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष (आय एवं व्यय में समायोजित)		29,698,728	22,667,686
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	**25**		

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

प्रमुख (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
I. अथशेष			**I. व्यय**		
(क) नकद राशि	-		क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	968,554,264	905,629,239
(ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	542,145,059	674,972,163
(i) चालू खाते में	205,945,979	208,495,385	ग) जीएफएफ में एनपीएस राशि हस्तांतरित	1,657,293	5,476,603
(ii) जमा खाते में	30,000,000	30,000,000	**निदेशक, एम्स खाते में एनएसडीएल (एनपीएस) हस्तांतरण।**	8,622,338	
			क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
(क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			ख) आवर्ती निधियां		
(i) सहायता अनुदान (पूंजी परिसंपत्ति)	80,000,000	266,680,553	(i) आर. टी. आवर्ती निधि	-	-
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	969,005,496	911,296,695	(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	-	-
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	540,000,000	660,000,000	(iii) निर्धन रोगी खाता	932,765	107,355
(iv) स्वच्छता कार्य योजना	-	-	(iv) रोगी उपचार खाता	106,888,016	123,312,506
(ग) अन्य स्रोतों से रद्दी माल की बिक्री	330,600	217,120	(v) एचएमसीपीएफ खाता	13,566,536	1,568,212
			(vii) स्वच्छता कार्य योजना	4,163,988	35,910,080
II. निवेश पर आय से				-	-
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			**III. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी कार्य प्रगति पर व्यय**		
(ख) आवर्ती निधियां			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	38,646,039	163,646,279
(i) आर टी आवर्ती निधि	2,915,925	2,955,000	ख) मशीनरी एवं उपकरण हेतु अग्रिम	42,754,872	84,365,482
(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	801,400	471,100	ग) सीमा शुल्क अग्रिम	-	20,000,000
(iii) निर्धन रोगी खाता	601,000	1,000,384			
(iv) रोगी उपचार खाता	154,089,109	125,710,793	**IV. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
(v) एचएमसीपीएफ खाता	22,000,000	-	क) भारत सरकार को		
एनएसडीएल से प्राप्त एनपीएस निधियां	2,886,219	12,870,015	ख) राज्य सरकार को		
			ग) निधि के अन्य प्रदाताओं के लिए		

III. ब्याज प्राप्त किया					
(क) बैंक जमा पर			**V. अन्य भुगतान (उल्लिखित करें)**		
टी.डी.आर. पर ब्याज	4,325,062	6,696,406	(क) दान / अनुदान		
निर्धन रोगी खाते पर ब्याज	2,253,430	1,496,488	(ख) ईएमडी	471,000	1,875,000
रोगी उपचार खाते पर ब्याज			(ग) ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां		
(ख) ऋण एवं अग्रिम आदि			(i) वाहन अग्रिम	-	-
			(ii) कंप्यूटर अग्रिम	-	580,000
IV. अन्य आय (उल्लिखित)			(घ) जारी टीडीआर	-	-
(क) दान / अनुदान			(ङ) कर्मचारी से वसूली		
(ख) अस्पताल प्राप्तियां	26,736,893	25,058,867	i) कर्मचारियों से वसूलियां		
(ग) टी.डी.आर. जारी किया	-	-	ii) बाह्य वसूलियां		
V. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां					
(i) वाहन अग्रिम	18,300	28,800	**VI. अंतशेष**		
(ii) कंप्यूटर अग्रिम	126,488	80,852	क) नकद राशि		7,590
(iii) त्यौहार अग्रिम वसूली	-	4,500	ख) बैंक शेष		
VI. अन्य प्राप्तियां			i) चालू खाते में	283,895,731	205,977,449
(क) धरोहर राशि जमा	262,000	365,000	ii) जमा खाते में	30,000,000	30,000,000
(ख) कर्मचारी से वसूली					
	-	-			
कुल	**2,042,297,901**	**2,253,427,958**	**कुल**	**2,042,297,901**	**2,253,427,958**

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

प्रमुख (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछले वर्ष 2018-19	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		2,761,091,131		2,494,410,578
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	80,000,000		266,680,553	
न्यून: मशीनरी एवं उपकरण निराकृत	37,037,005		-	
न्यून: पूंजी में परिणत अतिरिक्त	-			
जमा / (कटौती): शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-		-	
आय एवं व्यय लेखा से अंतरित		42,962,995	-	266,680,553
वर्ष के अंत तक के अनुसार शेष		2,804,054,126		2,761,091,131

	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछले वर्ष 2018-19	
अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:				
1. पूंजीगत रिजर्व:	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		…….		……
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व:	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		……		……
3. विशेष रिजर्व:	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	…..		…..	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		…..		…..
4. सामान्य रिजर्व:	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	-		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	-		(….)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		……..		……..
5. व्यय पर आय की अधिकता				
अंतिम लेखा के अनुसार	56,284,082		33,616,396	
न्यूनः एनसीआई खाते में हस्तांतरण	39,060			
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	29,698,728		22,667,686	
		85,943,750		56,284,082
		-		……
कुल		85,943,750		56,284,082

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछले वर्ष 2018-19	
			…..	
1. केंद्र सरकार			……	
2. राज्य सरकार (उल्लिखित करें)				
3. वित्तीय संस्थान		…..		
क) सावधि ऋण		…..		
ख) अर्जित ब्याज एवं देय		________	……	
		……		
4. बैंक:		…….		
क) सावधि ऋण		……	……	
- अर्जित ब्याज एवं देय		…….	……	
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)		________	……	
- अर्जित ब्याज एवं देय			…….	
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां			……	
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल				
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि				

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार:	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
	….	…..
1. केंद्र सरकार	….	…..
2. राज्य सरकार (उल्लिखित करें)	….	…..
3. वित्तीय संस्थान	…..	
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण	…..	….
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)	…	….
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	……	….
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	……	…..
7. सावधि जमा	…..	…..
8. अन्य (उल्लिखित करें)	…..	……
कुल		
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछले वर्ष 2018-19**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां ख) अन्य	…..	…..
कुल	…..	……
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान		वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछले वर्ष 2018-19	
क. वर्तमान देयताएं					
1. स्वीकृति					
2. विविध ऋणदाता:					
क) वस्तुओं के लिए			……		……
ख) अन्य		…..		…..	
3. प्राप्त किए गए अग्रिम		…..	…..	…..	…..
4. अर्जित ब्याज परन्तु इन पर देय नहीं			…..		…..
क) सुरक्षित ऋण / उधार					
ख) असुरक्षित ऋण / उधार		…..		…..	
		….		….	
5. सांविधिक देयताएं:					
क) अतिदेय					…..
एनपीएस (पीआरएएन) अथशेष	73,93,412				
जमा : 2019-20 के दौरान एनपीएस	2886219			12,870,015	
न्यून जीपीएफ 2019-20 में एनपीएस राशि हस्तांतरण	1657293	-		5,476,603	7,393,412
न्यून: वर्ष के दौरान भुगतानित रिफंड (निदेशक, एम्स)	8622338	शून्य		-	7,393,412
6. अन्य वर्तमान देयताएं					
क) बैंक ओवर ड्राफ्ट (नकद बही के अनुसार)		-		-	
ख) ईएमडी / प्रतिभूति जमा				-	
अथशेष	2402820			3,912,820	
2019-20 के दौरान जमा	262000			365,000	
न्यूनः 2019-20 के दौरान भुगतान	471000	2,193,820		1,875,000	
ग) एफडीआर जारी			2,193,820	-	2,402,820
कुल (क)			**2,193,820**		**9,796,232**
क. प्रावधान			…..		-
1. कराधान हेतु					
2. उपदान			……		
3. अधिवर्षिता / पेंशन					
4. संचित अवकाश नकदी					
5. ट्रेड वारंटी / दावा					
अन्य (उल्लिखित करें)			….		-
कुल (ख)			…..		-
कुल (क+ख)			**2,193,820**		**9,796,232**

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	....	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	....	
3. शेयर	....	
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	.....	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	....	
6. अन्य (उल्लेख करें)	.....	
कुल	.....	

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
	....	
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	....	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	....	
3. शेयर	.....	
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	....	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	....	
6. अन्य (उल्लेख करें)	....	
कुल	.....	

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछले वर्ष 2018-19	
क. वर्तमान परिसंपत्ति:				
1. इन्वेंटर:				
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-		-	
ख) खुले औजार	-		-	
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड				
तैयार वस्तुएं	-		-	
कार्य-प्रगति	-		-	
कच्चा माल	-	-	-	-
2. विविध देनदार:				
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-		-	
ख) अन्य		-	-	-
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)	-		7,590	
4. बैंक शेषः				
क) अनुसूचित बैंकों के पास:				
- चालू खाते में (आई.आर.सी.एच.)	118,844,876		98,451,346	
चालू खाते में (एन.सी.आई.)	-		31,470	
- चालू खाते में (रोगी उपचार खाता)	147,326,936		100,125,843	
- चालू खाते में (निर्धन रोगी खाता)	9,012,603		7,090,938	
- चालू खाते में (एच.एम.सी.पी.एफ.)	8,711,316		277,852	
- जमा खाते में (रोगी उपचार खाता) (एफडीआर)	30,000,000		30,000,000	
- जमा खाते में (आईआरसीएच) (एफडीआर)		-	-	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:				
- चालू खाते में	-		-	
- जमा खाते में	-		-	
- बचत खाते में	-		-	
	-	313,895,731	-	235,985,039
5. डाक घर बचत खाता				
कुल (क)		313,895,731		235,985,039

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछले वर्ष 2018-19	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋणः				
क) स्टाफ - अथशेष	643,848		178,000	
वर्ष के दौरान जमा	-		580,000	
2019-20 के दौरान कम वसूली	144,788	499,060	114,152	643,848
ख) इकाई के उस सदृश गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य इकाईयां				
ग) अन्य (उल्लिखित करें)				
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु:				
क) पूंजीगत खाते में				
मशीनरी और उपकरण				
अथशेष	314,181,664		283,489,616	
जमा: वर्ष के दौरान जमा	42,754,872		84,365,482	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित	43,626,441	313,310,095	53,673,434	314,181,664
सीमा शुल्क / पीडीए अग्रिम				
अथशेष	50,401,725		54,503,411	
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-		20,000,000	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित	5,586,433		24,101,686	
न्यून: पिछले वर्ष समायोजित	-	44,815,292	-	50,401,725
ख) एन.डी.एम.सी. (सुरक्षा जमा)		2,626,000		2,626,000
ग) अन्य	-	-	-	
3. अर्जित आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर	-		-	
ख) निवेश - अन्य पर	-		-	
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-		-	
घ) अन्य	-		-	
(अप्राप्य देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. वसूलनीय दावे	-	-	-	-
कुल (ख)		361,250,447		367,853,237
कुल (क+ख)		675,146,178		603,838,276

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय		
ख) कच्चे माल का विक्रय		
ग) रद्दी की बिक्री	330,600	217,120
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	26,736,893	25,058,867
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं आढ़त		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल	27,067,493	25,275,987

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
(प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1) केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1,509,005,496	1,571,296,695
2) राज्य सरकार		
3) सरकारी एजेंसियां		
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन		
कुल	1,509,005,496	**1,571,296,695**

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - शुल्क / अभिदान	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1) प्रवेश शुल्क		
2) वार्षिक शुल्क / सदस्यता		
3) सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4) परामर्श शुल्क		
5) अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल		
टिप्पणी - प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जानी हैं।		

अनुसूची 15 - निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	….	…..	…..	….
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र	…..	…..	…..	…..
2) लाभांश:				
क) शेयरों पर	…..	…..	…..	…..
ख) म्यूचुअल निधि प्रतिभूतियाँ	…..	…..	…..	…..
3) किराया	…..	…..	….	…..
4) अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1) रॉयल्टी से आय		
2) प्रकाशन से आय		
3) अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल		

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1) सावधि जमा पर:	4,325,062	6,696,406
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य		
2) बचत खाते में:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3) ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4) देनदारों और अन्य वसूलनीय पर ब्याज		
कुल	4,325,062	6,696,406
टिप्पणी – दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती की		

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
1) परिसंपत्ति के विक्रय / निपटाने पर लाभ:		
क) निजी परिसंपत्ति		
ख) अनुदानों से अर्जित परिसंपत्ति अथवा निःशुल्क प्राप्त		
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
3) विविध सेवाओं हेतु शुल्क		
4) विविध - त्यौहार और कंप्यूटर अग्रिम के कारण समायोजन	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 19 - तैयार वस्तु एवं कार्य - प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) समापन स्टॉक		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य-प्रगति		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
- तैयार वस्तुएं		
- कार्य-प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) वेतन एवं मजदूरी	958,772,845	890,450,458
ख) यात्रा भत्ता	9,781,419	15,178,781
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		…..
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान (उल्लिखित)	….	…..
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	….	…..
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय	…	…..
छ) अन्य: वेतन और मजूदरी के लिए समायोजित अतिरिक्त त्यौहार अग्रिम		…..
कुल	968,554,264	905,629,239

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान ख) संस्थानों / संगठनों की दी गई आर्थिक सहायता		
कुल		

टिप्पणी – अनुदानों / आर्थिक सहायताओं की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाता है।

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 – ब्याज	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) स्थायी ऋण पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल		

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) खरीद (सामग्री और आपूर्ति)	305,436,301	420,321,204
ख) अभिकर्मक	48,323,293	79,038,583
ग) जनशक्ति की भर्ती	83,134,196	72,771,772
घ) लघु कार्य (इंजीनियरिंग)	5,396,209	12,006,115
ङ) स्वच्छता व्यय	19,803,608	6,328,894
च) भवन का अनुरक्षण	26,333,491	22,682,249
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (मशीनरी एवं उपकरण)	10,021,720	17,128,957
ज) सीएएमसी	42,101,408	36,975,261
झ) अन्य (उल्लिखित) आकस्मिकता बिल	1,594,833	7,719,128
कुल	**542,145,059**	**674,972,163**

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 उद्दिष्ट / विन्यास निधि	निधि वार विवरण						कुल	
	आर. टी. आवर्ती निधि	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान आवर्ती निधि	निर्धन रोगी खाता निधि	रोगी उपचार खाता निधि	एच.एम.सी. पी.एफ.	स्वच्छता कार्य योजना	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछले वर्ष 2018-19
क) निधि का अथशेष	11,820,723	3,235,219	7,090,938	130,125,843	277,852	4,677,682	157,228,257	186,492,645
ख) निधि में जमा:								
i दान / अनुदान	2,915,925	801,400	601,000	154,089,109	22,000,000		180,407,434	130,137,277
ii निधि के कारण किए गए निवेश से आय	-	-					-	
iii अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)			2,253,430		-		2,253,430	1,496,488
कुल (क+ख)	**14,736,648**	**4,036,619**	**9,945,368**	**284,214,952**	**22,277,852**	**4,677,682**	339,889,121	**318,126,410**
क) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय								
i पूंजीगत व्यय	-	-				-		
- स्थायी परिसंपत्ति	-	-				-		
- अन्य	-	-	932,765	106,888,016	13,566,536	4,163,988	125,551,305	160,898,153
कुल	-	-	**932,765**	**106,888,016**	**13,566,536**	**4,163,988**	**125,551,305**	**160,898,153**
ii राजस्व व्यय	-	-					-	-
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-					-	
- अन्य प्रशासनिक व्यय			-		-			
कुल	-	-	-					-
कुल (ग)	-	-	**932,765**	**106,888,016**	**13,566,536**	**4,163,988**	125,551,305	**160,898,153**
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख-ग) शुद्ध शेष	**14,736,648**	**4,036,619**	**9,012,603**	**177,326,936**	**8,711,316**	**513,694**	**214,337,816**	**157,228,257**

टिप्पणी
1. अनुदानों के साथ संलग्न शर्तों पर आधारित संगत शीर्ष के तहत प्रकटीकरण किया जाएगा।
2. केंद्रीय / राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग अलग निधियों के रूप में दर्शाया जाना है और किसी भी निधियों के साथ मिश्रित नहीं करना है।

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्तिः										
1. भूमिः										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवनः										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	339,060,768			339,060,768				-	339,060,768	339,060,768
ख) पट्टे वाली भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना										
इकाई से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	2,025,921,010	87,500,539	37,037,005	2,076,384,544				-	2,076,384,544	2,025,921,010
4. वाहन	3,563,988	-		3,563,988				-	3,563,988	3,563,988
5. फर्नीचर, उपस्कर	12,015,660	358,374		12,374,034				-	12,374,034	12,015,660
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें										
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
वर्तमान वर्ष का कुल	**2,380,561,426**	**87,858,913**	-	**2,431,383,334**	-	-	-	-	**2,431,383,334**	**2,380,561,426**
पिछले वर्ष	2,139,140,027	241,421,399	-	2,380,561,426					2,380,561,426	2,139,140,027

(वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी)

(उपर्युक्त सहित किराया खरीद आधार पर परिसंपत्तियों की लागत के अनुसार दी गई टिप्पणी)

All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

Jai Prakash Narayan Apex Trauma Centre

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर

BALANCE SHEET AS AT 31-03-2020

तुलन पत्र 31 मार्च, 2020 तक

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	**2019-20**	**2018-19**
समग्र / पूंजीगत निधि	1	3,183,920,671.00	3,080,668,244.00
रिजर्व एवं अधिशेष	2	118,975,614.47	162,126,645.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	25,801,285.00	26,958,208.00
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4		
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5		
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6		
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	46,678,036.00	46,214,776.00
कुल		**3,375,375,606.47**	**3,315,967,873.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	3,058,103,381.00	2989866526.00
निवेश - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	9		
निवेश - अन्य	10		
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	317,272,227.29	326,101,347.82
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**3,375,375,608.29**	**3,315,967,873.82**

लेखा अधिकारी

प्रमुख, जेपीएनएटीसी

All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

Jai Prakash Narayan Apex Trauma Centre

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2019

आय और व्यय का खाता

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	2019-20	2018-19
बिक्री / सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियां)	12	30,625,746.77	32,445,169.00
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	2,001,700,000.00	1,925,166,374.00
फीस / अभिदान	14		-
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	15		
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16		
ब्याज अर्जित	17	7,951,442.00	13,752,061.00
अन्य आय	18		
तैयार वस्तुओं एवं चालू कार्य के भंडार में वृद्धि / (कमी)	19		
कुल (क)		**2,040,277,188.77**	**1,971,363,604.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	1,218,707,909.00	1,085,166,374.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	864,720,309.30	878,010,667.00
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22		
ब्याज	23		
अवमूल्यन (वर्ष समाप्ति पर शुद्ध योग - अनुसूची 8 के संगत)			
कुल (ख)		**2,083,428,218.30**	**1,963,177,041.00**
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाला शेष (ख-क)		(-43151030.53)	8,186,563.00
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष/(कमी)		**(-43151030.53)**	**8,186,563.00**

लेखा अधिकारी

प्रमुख, जेपीएनएटीसी

All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

Jai Prakash Narayan Apex Trauma Centre

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर

RECEIPT AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED 31-03-2019

आय और व्यय का खाता

(राशि रुपयों में)				(राशि रुपयों में)	
प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
1.अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि		4.00	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	1,218,707,909.00	1,085,166,374.00
(ख) बैंक शेष	204,653,632.82	206,493,093.00	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क में संगत)	867,786,256.00	881,083,728.00
(i) चालू खाते में			आरटीजीएस शुल्क और अन्य बैंक शुल्क	8,909.30	4,956.00
(ii) जमा खाते में			**2. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
			(क) गैर - रा. प्र. कें. योजना		
(iii) बचत खाते में			(ख) एस.ए.पी.	1,156,923.00	19,101,847.00
			3. निवेश एवं जमा किए गए		
2. प्राप्त अनुदान			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
(क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से			(ख) निजी निधि में से (निवेश - अन्य)		
(i) सहायता अनुदान (योजना) (वेतन)	1,161,700,000.00	1,085,166,374.00			
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	840,000,000.00	840,000,000.00			
(iii) सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्तियां)	134,100,000.00	138,646,715.00	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय**		
(iv) स्वच्छता कार्य योजना		-	(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	97,520,744.00	120,575,138.00
(v) आयुष मंत्रालय से अनुदान		330,000.00	(ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय		
(ख) राज्य सरकार से			(ग) सीमा शुल्क	30,000,000.00	5,000,000.00
			(घ) साख पत्र	6,579,256.00	13,071,577.00
ग) अन्य स्रोतों से (स्कीम)			**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
			(क) भारत सरकार को		-
3. निवेश पर आय द्वारा			(ख) राज्य सरकार को		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			(ग) अन्य निधि दाताओं को		
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)					
			6. वित्त शुल्क (ब्याज)		
			एन.ई.एफ.टी. शुल्क		
4. प्राप्त ब्याज					
(क) बैंक जमा पर	7,951,442.00	13,752,061.00	**7. अन्य भुगतान**		
(ख) ऋण, अग्रिम आदि			एन.आई.ए.एफ.		
एलसी मार्जिन	3,074,856.00				
कार			बयाना राशि जमा की वापसी	2,179,000.00	4,590,000.00
भवन निर्माण अग्रिम			**कर्मचारी वसूली भुगतान**		
कंप्यूटर			कर्मचारियों से वसूली राशि एम्स (मुख्य) को प्रेषित		
स्कूटर			बाह्य वसूलियां		

			iii) जी.पी.एफ. (अभिदान और अग्रिम)		
5. अन्य आय			iv) एन.पी.एस. से वसूली		
(i) अस्पताल प्राप्तियां	30,625,746.77	32,416,584.00	v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)		
ii) शुल्क		28,585.00			
iii) जमा सूचना					
6. उधार ली गई राशि			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
			सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान		
7. कोई अन्य प्राप्तियां			कंप्यूटर अग्रिम		
(क) एन.आई.ए.एफ			त्यौहार अग्रिम		
(ख) धरोहर राशि जमा	2,674,000.00	3,838,000.00	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)		
(ग) कर्मचारियों से वसूली			वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)		
i) कर्मचारियों से वसूली (त्यौहार)					
ii) बाह्य वसूलियां			सी.टी.आर.एफ.		
iii) जी.पी.एफ. (अभिदान और अग्रिम)			ए.आई.टी.एस.सी.		
iv) एन.पी.एस. वसूली			परियोजना		
v) एनएसडीएल से प्राप्त एनपीएस निधि		4,550,190.00	रोगी व्यय	2,155,949.00	2,062,320.00
			ए.टी.एल.एस.		
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली					
कार अग्रिम वसूली			**8. अंतशेष**		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली			(क) नकद राशि		-
भवन निर्माण अग्रिम वसूली			(ख) बैंक शेष		-
त्यौहार अग्रिम वसूली		-	(i) चालू खाते में	160,808,940.29	204,653,632.82
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)			(ii) जमा खाते में		
वसूली / कटौती (इंजी. कार्यों के अलावा)			(iii) बचत खाते में		
ए.आई.टी.एस.सी.		-			
सी.टी.आर.एफ.		-			
रोगी प्राप्तियां / अनुदान	2,046,537.00	4,714,260.00			
ए.टी.एल.एस.		-			
आर.आई.ए. लैब		-			
परियोजना		-			
रद्द चैक	77,672.00	5,373,706.00			
एम एंड ई देयताएं					
इंजी. देयताएं					
कुल	**2,386,903,886.59**	**2,335,309,572.00**	**कुल**	**2,386,903,886.59**	**2,335,309,572.82**

लेखा अधिकारी (टीसी)

प्रमुख, जेपीएनएटीसी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2019-20**		**2018-19**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	3,080,668,244.00		2,982,352,665.00	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि में अंशदान	134,100,000.00		138,646,715.00	
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	30,847,573.00	3,183,920,671.00	40,331,136.00	3,080,668,244.00
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**3,183,920,671.00**		**3,080,668,244.00**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेषः	**वर्तमान वर्ष**		पिछले वर्ष	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार	162,126,645.00		153,940,082.00	
वर्ष के दौरान जमा	**(-43151030.53)**		8,186,563.00	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल		**118,975,614.47**		**162,126,645.00**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

दिनांक **31.03.2020** के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	गैर ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र स्कीम			गैर ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र स्कीम			**गैर ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केंद्र स्कीम**			कुल	
	आर.आई.ए. लैब	एस.ए.पी.	आयुष	आर.आई.ए. लैब	एस.ए.पी.	आयुष	आर.आई.ए. लैब	एस.ए.पी.	2019-20	2018-19	2017-18
क) निधियों का अथशेष	41650.00	26586558.00	330000.00	41650.00	45688405.00		41650.00	0.00	26958208.00	45730055.00	41650.00
ख) निधियों में जमा:											
i. आयुष से दान / अनुदान				0.00	0.00	330000.00	0.00	50000000.00			50000000.00
ii. निधि खाते में किए गए निवेशों से आय							0.00				
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)											
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय											
कुल (क+ख)	**41650.00**	**26586558.00**	**330000.00**	**41650.00**	**45688405.00**	**330000.00**	**41650.00**	**50000000.00**	**26958208.00**	**45730055.00**	**50041650.00**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय											
i. पूंजीगत व्यय											
- स्थायी परिसंपत्ति		1156923.00			19101847.00			4311595.00			4311595.00
- अन्य											
ii. राजस्व व्यय											
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि											
- किराया											
- अन्य प्रशासनिक व्यय							0.00	0.00			0.00
कुल					19101847.00		**0.00**	**4311595.00**	**1156923.00**	**1910847.00**	**4311595.00**
कुल (ग)		**1156923.00**			**19101847.00**		**0.00**	**4311595.00**	**1156923.00**	**1910847.00**	**4311595.00**
वर्ष समाप्ति (क+ख-ग) के अनुसार नेट शेष	**41650.00**	**25429635.00**	**330000.00**	**41650.00**	**26586558.00**	**330000.00**			**25801285.00**	**26958208.00**	**45730055.00**

* स्वच्छता कार्य योजना

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2019-20**		**2018-19**		**2017-18**	
1. केंद्र सरकार						
2. राज्य सरकार						
3. वित्तीय संस्थान						
क) सावधि ऋण						
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय						
4. बैंक:						
क) सावधि ऋण						
- ब्याज प्रोद्भूत एवं देय						
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)						
- ब्याज प्रोद्भूत एवं देय						
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां						
6. डिबेंचर और बॉन्ड्स						
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)						
कुल	**0**	**0**	0	0	0	0

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2019-20**	**2018-19**	**2017-18**
1. केन्द्र सरकार			
2. राज्य सरकार			
3. वित्तीय संस्थान			
4. बैंक:			
क) सावधि ऋण			
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)			
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां			
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स			
7. मियादी जमा			
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)			
कुल	**0**	0	0

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखने के द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां			
ख) अन्य			
कुल	0	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**2019-20**		**2018-19**	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य				
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ				
अथशेष				
वर्ष के दौरान प्राप्त				
वर्ष के दौरान व्यय				
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.				
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. जमानत जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	9,061,968.00		9,813,968.00	
वर्ष के दौरान प्राप्त	2,674,000.00		3,838,000.00	
वर्ष के दौरान धन वापसी	2,179,000.00	9,556,968.00	4,590,000.00	9,061,968.00
8. अन्य वर्तमान देयताएं		37,121,068.00		37,152,808.00
9. एम्स (मुख्य) को दी जाने वाली वसूलियों के लिए राशि				
अथशेष			3,078,017.00	
जमा: वर्ष के दौरान सृजित			-	
न्यून: एम्स (मुख्य) को प्रेषित			3,078,017.00	-
10. भंडार (डी.ओ.) को भुगतान किया जाने वाला सीमा शुल्क				
अथशेष				
न्यून: एम्स (मुख्य) को प्रेषित				
कुल (क)		**46,678,036.00**		**46,214,776.00**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
6. संचित अवकाश नकदी				
6. ट्रेड वारंटी / दावा				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**46,678,036.00**		**46,214,776.00**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	सकल ब्लॉक				सकल ब्लॉक					शुद्ध ब्लॉक	
विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत /मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत /मूल्यांकन	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति:											
1 भूमि:											
क) पूर्ण स्वामित्व	54,310,794.00			54,310,794.00	54,310,794.00			54,310,794.00	54,310,794.00	54,310,794.00	54,310,794.00
ख) पट्टे पर											
2 भवन:											
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	689,076,549.00			689,076,549.00	689,076,549.00	-	-	689,076,549.00	689,076,549.00	689,076,549.00	689,076,549.00
ख) पट्टे की भूमि पर											
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर											
घ) भूमि पर अधिरचना जो केन्द्र से संबंधित नहीं											
3 संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	2,219,455,359.00	97,493,549.00	30,847,573.00	2,286,101,335.00	2,114,916,592.00	144,869,903.00	40,331,136.00	2,219,455,359.00	2,289,176,191.00	2,219,455,359.00	2,114,916,592.00
4 वाहन	8,395,972.00			8,395,972.00	8,395,972.00	-	-	8,395,972.00	8,395,972.00	8,395,972.00	8,395,972.00
5 फर्नीचर, फिक्सचर	18,627,852.00	1,590,879.00		20,218,731.00	15,294,125.00	3,333,727.00	-	18,627,852.00	20,218,731.00	18,627,852.00	15,294,125.00
6 कार्यालय उपकरण											
7											
8 विद्युत संस्थापन											
9 पुस्तकालय की पुस्तकें											
10 ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति											
11 अन्य स्थायी परिसंपत्ति											
वर्तमान वर्ष का कुल	**2,989,866,526.00**	**99,084,428.00**	**30,847,573.00**	**3,058,103,381.00**	**2,881,994,032.00**	**148,203,630.00**	**40,331,136.00**	**2,989,866,526.00**	**3,061,178,237.00**	**2,989,866,526.00**	**2,881,994,032.00**
ख. पूंजीगत चालू कार्य											
कुल											

AO

वर्ष के दौरान संपत्ति (एम एंड ई) की खरीद	*राशि 2019-20*	**2018-19**
प्राप्तियों और भुगतान खाते के अनुसार वर्ष के दौरान संपत्ति	134,100,000.00	138,646,715.00
न्यून- वर्ष के दौरान खरीदे गए फर्नीचर	1,590,879.00	3,333,727.00
न्यून- वर्ष के दौरान एल.सी. मार्जिन (अनुसूची 11 में पृथक रूप से दिखाया गया है)	6,579,256.00	13,071,577.00
न्यून- वर्ष के दौरान मशीनरी एवं उपकरण देय को स्पष्ट रूप से		-
न्यून-वर्ष के दौरान सीमा शुल्क निगमन	30,000,000.00	5,000,000.00
	95,929,865.00	117,241,411.00
जमा- वर्ष के दौरान समायोजित सीमा शुल्क निगमन	1,560,934.00	27,386,132.00
जमा- वर्ष के दौरान समायोजित पीडीए निगमन	2,750.00	242,360.00
वर्ष के दौरान खरीदी गई शुद्ध संपत्ति (एम एंड ई)	**97,493,549.00**	**144,869,903.00**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2019-20**	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में			
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ			
3. शेयर			
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स			
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम			
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)			0
कुल	**0**	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	**2019-20**	**2018-19**	**2017-18**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में			
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ			
3. शेयर			
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स			
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम			
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)			
कुल	**0**	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

				(राशि रुपयों में)		
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि			2019-20		2018-19	
क.	वर्तमान परिसंपत्ति:					
	1. खरीद हेतु अग्रिम					
	क) मशीनरी एवं उपकरण विदेशी खरीद	अथशेष	89,078,600.00		76,007,023.00	
		वर्ष के दौरान जमा	6,579,256.00		13,071,577.00	
		वर्ष के दौरान जमा	-			
		वर्ष के दौरान समायोजित		95,657,856.00		89,078,600.00
	ख) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष				
		वर्ष के दौरान जमा				
		वर्ष के दौरान समायोजित				
	ग) स्टॉक-इन-ट्रेड					
	तैयार वस्तुएं					
	चालू कार्य					
	कच्चा माल					
	2. विविध देनदार:					
	क) छः माह से अधिक अवधि हेतु बकाया ऋण					
	ख) अन्य					
	3. हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)					
	4. बैंक शेष:					
	क) अनुसूचित बैंकों में:					
	चालू खाते में			160,808,940.29		204,653,632.82
	जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)					
	बचत खाते में					
	ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:					
	चालू खाते में					
	जमा खाते में					
	बचत खाते में					
	5. पी.डी.ए. अग्रिम	अथशेष	7,709,265.00		7,951,625.00	
		वर्ष के दौरान समायोजित	2,750.00	7,706,515.00	242,360.00	7,709,265.00
	6. सीमा शुल्क अग्रिम	अथशेष	9,676,170.00		32,062,302.00	
		वर्ष के दौरान जमा	30,000,000.00		5,000,000.00	
		वर्ष के दौरान समायोजित	1,560,934.00	38,115,236.00	27,386,132.00	9,676,170.00
	8. अन्य					
	क. एच.एस.सी.सी.			6,500,000.00		6,500,000.00
	ख. एन.डी.एम.सी.			5,979,000.00		5,979,000.00
	ग. आई.जी.एल.			1,334,680.00		1,334,680.00
	घ. टी.आर.आई.जी.ई.एन.			1,170,000.00		1,170,000.00
	कुल (क)			**317,272,227.29**		**326,101,347.82**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2019-20		2018-19	
ख ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण:				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
अथशेष				
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली				
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
अथशेष				
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली				
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
अथशेष				
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली				
जमा: वर्ष के दौरान जमा				
iv) त्यौहार अग्रिम				
अथशेष				
न्यून: वर्ष के दौरान वसूली				
जमा: वर्ष के दौरान जमा				
2. अग्रिम एवं नकद में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने वाले मूल्य के रूप में अन्य वसूली-योग्य राशि:				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश - अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे:				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)				

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2019-20	2018-19
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	30,625,746.77	32,445,169.00
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)		-
3. एनएसडीएल कर्मचारी का शेयर		-
4. एनएसडीएल नियोक्ता का शेयर		-
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं प्रक्रिया शुल्क		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें) शुल्क		-
कुल	**30,625,746.77**	**32,445,169.00**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता		2018-19
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	2,001,700,000.00	1,925,166,374.00
2. राज्य सरकार (रों)		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थानों / कल्याण निकायों		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठनों		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें) आयुष मंत्रालय से अनुदान		-
कुल	**2,001,700,000.00**	**1,925,166,374.00**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

दिनांक 31-03-2020 को समाप्ति वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - शुल्क / चंदा	**2019-20**	**2018-19**
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. समारोह / कार्यक्रम शुल्क		28,585.00
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई. एच. एस		
कुल	**0**	

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**	
(निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश से आय)	**2019-20**	**2018-19**
1. ब्याज		
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर		
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र		
2. लाभांश:		
क) शेयरों पर		
ख) म्यूचुअल निधि प्रतिभूतियाँ		
3. किराया		
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित	**0**	**-**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2019-20**	**2018-19**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		
अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2019-20**	**2018-19**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में	7,951,442.00	13,752,061.00
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों में		
ग) संस्थानों में		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों में		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**7,951,442.00**	**13,752,061.00**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 18 - अन्य आय	2019-20	2018-19
1. विविध प्राप्ति		
2.स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		
अनुसूची 19 - तैयार सामग्री के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**2019-20**	**2018-19**
क) समापन स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- चालू कार्य		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- चालू कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]		
अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
वेतन एवं मजदूरी	□ 1,218,707,909.00	□ 1,081,937,255.00
भत्ते एवं बोनस		
यात्रा भत्ते		□ 3,229,119.00
एनपीएस में अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)		
कर्मचारी कल्याण व्यय		
कर्मचारियों के "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ" पर व्यय		
अन्य (एन.पी.एस. एवं एलएसपीसी)		
कुल	**□ 1,218,707,909.00**	**□ 1,085,166,374.00**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2019-20	2018-19
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	475,193,231.00	489,153,948.00
ख) पिछले वर्षों के दौरान भुगतान किए गए अग्रिम से प्राप्त सामग्री		
ग) कार्यालय व्यय		
घ) प्रतिभूतियां	81,512,110.00	68,571,200.00
ङ) अन्य बाह्य एजेंसी	112,614,169.00	100,782,470.00
च) प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)		
छ) इंजीनियरिंग अनुरक्षण	176,400,925.00	191,553,312.00
ज) बैंक प्रभार	8,909.30	4,956.00
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय		
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		3,144,063.00
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी./ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) बीमा		
य) विज्ञापन एवं प्रचार		
र) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	18,990,965.00	24,800,718.00
कुल	**864,720,309.30**	**878,010,667.00**

लेखा अधिकारी

अन्य वर्तमान देयताएं

	2019-20		2018-19	
i) एटीएलएस				
प्रारंभिक	629739.00		629,739.00	
जमा - वर्ष के दौरान प्राप्त				
न्यून- वर्ष के दौरान व्यय				
समापन तिथि पर एटीएलएस		629739.00		629,739.00
ii) एआईटीएससी				
प्रारंभिक	8998.00		8,998.00	
जमा - वर्ष के दौरान प्राप्त				
न्यून- वर्ष के दौरान व्यय				
न्यून वर्ष के दौरान समायोजित				
समापन तिथि पर एआईटीएससी		8998.00		8,998.00
iii) रोगियों के लिए अनुदान / प्राप्ति				
अथशेष	15450239.00		12,798,299.00	
जमा - वर्ष के दौरान प्राप्त	2046537.00		4,714,260.00	
जमा - वर्ष के दौरान समायोजित	2,155,949.00		2,062,320.00	
कटौती - वर्ष के दौरान व्यय			-	
समापन तिथि पर परियोजना		15340827.00		15,450,239.00
v) वर्ष के दौरान असमायोजित रद्द चेक				
	6461055.00		1,087,349.00	
जमा - वर्ष के दौरान रद्द चेक	77,672.00		5,373,706.00	
न्यून- वर्ष के दौरान चेक क्लीयर			-	
अंतिम तिथि पर चेक रद्द		6538727.00		6,461,055.00
vi) प्रदर्शन बैंक गारंटी	131000.00	131000.00		131,000.00
vii) मुख्य एम्स से त्यौहार अग्रिम		7350.00		7,350.00
viii) सीटीआरएफ				
प्रारंभिक	84000.00		84,000.00	
जमा - वर्ष के दौरान प्राप्त				
न्यून- वर्ष के दौरान व्यय				
समापन तिथि पर सीटीआरएफ		84000.00		84,000.00
ix) एनएसडीएल नियोक्ता का हिस्सा		4,550,190.00		4,550,190.00
x) अन्य देयताएं				-
xi) मशीनरी एवं उपकरण देय				
प्रारंभिक	9,830,237.00		9,830,237.00	
जमा - वर्ष के दौरान प्राप्त			-	
न्यून- वर्ष के दौरान व्यय			-	
समापन तिथि पर एम एंड ई देय		9830237.00		9,830,237.00
		37121068.00		**37,152,808.00**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21क - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2019-20**	**2018-19**
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)(478268087.00-3074856)	475,193,231.00	489,153,948.00
ख) गत वर्ष के दौरान भुगतान किए गए अग्रिम के बदले प्राप्त सामग्री		
ग) कार्यालय व्यय		
घ) प्रतिभूतियां	81,512,110.00	68,571,200.00
ङ) अन्य बाह्य एजेंसी	112,614,169.00	100,782,470.00
च) प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)		
छ) इंजी. रखरखाव	176,400,925.00	191,553,312.00
ज) बैंक प्रभार	8,909.30	4,956.00
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) समारोह / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय		
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		3,144,063.00
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राषि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) बीमा		
य) विज्ञापन और प्रचार		
र) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	18,990,965.00	24,800,718.00
कुल	**864,720,309.30**	**878,010,667.00**

लेखा अधिकारी

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2019 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु प्राप्तियां एवं भुगतान

प्राप्तियां		2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
1. **अथशेष**				**I. व्यय**		
(क) नकद राशि		5,000.00	5,000.00	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	270,905,625.60	64,935,117.00
(ख) बैंक शेष				ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 क)	116,997,730.00	126,630,245.00
i) चालू खाते में						
सीडीईआर-10874584984		88,354,704.00	87,038,803.00			
ii) जमा खाते में			-			
iii) बचत खाते में			-			
II. प्राप्त अनुदान				**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
क) भारत सरकार से (एम्स मुख्य के माध्यम से)				भारतीय दंत परिषद		21,000.00
पूंजीगत (परिसंपत्तियां नई)				रोगी उपचार निधि	972,818.00	1,475,478.00
सहायता अनुदान (योजना)	30000000			आयुष बैठक		
(एम्स मुख्य को वापस)	9646151	20,353,849.00	20,088,421.00	परियोजना एन.ओ.एच.पी.	4,583,758.00	3,876,581.00
राजस्व सामान्य				परियोजना पी.आइ.टी. और एफ.आई.एस.एस.यू.आर.ई		330,950.00
क) सहायता अनुदान (वेतन)	263700000			परियोजना एस.यू.जी.ए.आर.		3,000.00
(एम्स मुख्य को वापस)	0	263,700,000.00	64,935,117.00	परियोजना वेब और मोबाइल ऐप		
				कार्यशाला मसौदा नीति	281,360.00	18,177.00
ख) सहायता अनुदान (सामान्य)	117500000		127,500,000.00	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	12,526,649.00	2,709,125.00
(एम्स मुख्य को वापस)	498487	117,001,513.00		डब्ल्यू.एच.ओ.		9,435.00
ग) राज्य सरकार से				डब्ल्यू.एच.ओ. (एम.ओ.ओ.सी.)	1,556,360.00	-
घ) अन्य स्रोतों से			-			
ङ) विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान			-	**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
विभिन्न परियोजनाओं हेतु प्राप्त निधि				क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
भारतीय दंत परिषद		-	21,000.00	ख) निजी निधि में से (निवेश - अन्य)	40,000,000.00	-
रोगी उपचार निधि		1,174,818.00	1,509,200.00			
परियोजना एम.ओ.एच.डब्ल्यू.एफ.			-	**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी चालू कार्य पर व्यय**		
परियोजना एन.ओ.एच.पी.			4,337,440.00	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	13,174,250.00	14,282,562.00
परियोजना पी.आइ.टी. और एफ.आई.एस.एस.यू.आर.ई			236,914.00	ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय		-
परियोजना एस.यू.जी.ए.आर.			-	ग) साख पत्र	5,728,631.00	5,805,859.00

परियोजना वेब और मोबाइल ऐप	90,435.00	-	d) सीमा शुल्क	5,000,000.00	
कार्यशाला मसौदा नीति		300,000.00	e) पीडीए	500,000.00	
स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)		-	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
डब्ल्यू.एच.ओ.		96,225.00	क) भारत सरकार को		
डब्ल्यू.एच.ओ. (एम.ओ.ओ.सी.)	1,200,000.00	400,000.00	ख) राज्य सरकार को		
III. निवेश पर आय, द्वारा			ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि		-			
ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)		-	**VI. वित्त शुल्क (ब्याज)**	6,153.00	2,415.00
IV.प्राप्त ब्याज			**VII. अन्य भुगतान**		
क) बैंक जमा पर	-	3,837,361.00			
ख) ऋण, अग्रिम आदि			क) कर्मचारी वसूली		20,687,167.00
			ख) बाह्य वसूली		1,538,030.00
V. अन्य आय			ग) इंजी. वसूली		3,347,544.00
अस्पताल प्राप्ति	1,957,065.00	2,183,330.00	घ) आकस्मिक अग्रिम		
विविध प्राप्ति	337,956.00	219,801.00	ङ) ई.एम.डी.	42,000.00	1,181,000.00
VI. उधार ली गई राशि					
			VIII. अंतशेष		
VII. अन्य कोई प्राप्तियां			(क) नकद राशि	5,000.00	5,000.00
कर्मचारी वसूली		20,687,167.00	(ख) बैंक शेष		
बाह्य वसूली		1,538,030.00	i) चालू खाते में		
			सीडीईआर-10874584984	22,063,005.40	88,354,704.02
इंजी. वसूली		-	ii) जमा खाते में		
आकस्मिक अग्रिम		1,580.00	iii) बचत खाता		
ई.एम.डी.	168,000.00	278,000.00			
कुल	**494,343,340.00**	**335,213,389.00**	**कुल**	**494,343,340.00**	**335,213,389.02**

प्रमुख, सीडीईआर

लेखा अधिकारी (सीडीईआर)

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
समग्र / पूंजीगत निधि	1	650,505,049.00	630,151,200.00
रिजर्व और अधिशेष	2	25,594,507.40	30,507,482.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	34,869,667.00	52,325,359.00
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	7,899,112.00	7,773,112.00
कुल		**718,868,335.40**	**720,757,153.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	637,063,995.00	623,297,295.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	81,804,340.40	97,459,858.00
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**718,868,335.40**	**720,757,153.00**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		-
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	25		

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

प्रमुख, सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
अस्पताल प्राप्तियां	**12**	1,957,065.00	2,183,330.00
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	380,701,513.00	192,435,117.00
शुल्क / अभिदान	**14**	-	-
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**	-	-
अर्जित ब्याज	**17**	-	3,837,361.00
अन्य आय	**18**	337,956.00	219,801.00
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**19**	-	-
कुल (क)		**382,996,534.00**	**198,675,609.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	270,905,625.60	64,935,117.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	116,997,730.00	126,630,245.00
अग्रिम का समायोजन	**21 (A)**	-	23,420.00
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	-	-
ब्याज	**23**	6,153.00	2,415.00
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत वर्ष समाप्ति पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**387,909,508.60**	**191,591,197.00**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		-4,912,974.60	7,084,412.00
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष / (कमी)			

प्रमुख, सीडीईआर

(लेखा अधिकारी) **सीडीईआर**

वित्तीय विवरण (गैर-लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	630,151,200.00	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि में अंशदान	20,353,849.00	630,151,200.00
न्यून: वर्ष के दौरान हटा दी गई अचल परिसंपत्ति		
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष	**650,505,049.00**	**630,151,200.00**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:		
1. पूंजीगत रिजर्व:		
पिछले खाते के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व		
पिछले खाते के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
3. विशेष रिजर्व		
पिछले खाते के अनुसार		
वर्ष के दौरान जमा		
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
4. सामान्य रिजर्व		
पिछले खाते के अनुसार	30,507,482.00	30,507,482.00
वर्ष के दौरान जमा	-4,912,974.60	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		
कुल	**25,594,507.40**	**30,507,482.00**

(लेखा अधिकारी) **सीडीईआर**

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	निधि वार विवरण										कुल	
	एन.ओ.एच.पी.	एस.ए.पी. निधि	एनआरआरआईडीएस	एस.यू.जी.ए.आर. निधि	पिट एंड फिशर	वेब और मोबाइल ऐप परियोजना	रोगी उपचार	डब्ल्यूएचओ	डब्ल्यूएचओ (एमओओसी)	कार्यशाला मसौदा नीति	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) निधि का अथशेष	5,023,419.00	45,237,848.00	-	33,924.00	6,861.00	841,972.00	412,722.00	86,790.00	400,000.00	281,823.00	52,325,359.00	53,868,326.00
ख) निधि में जमा:											-	
i. दान / अनुदान	-	-	-	-	-	90,435.00	1,174,818.00	-	1,200,000.00	-	2,465,253.00	6,900,779.00
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय											-	
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)											-	
कुल (क+ख)	**5,023,419.00**	**45,237,848.00**	**-**	**33,924.00**	**6,861.00**	**932,407.00**	**1,587,540.00**	**86,790.00**	**1,600,000.00**	**281,823.00**	**54,790,612.00**	**60,769,105.00**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय												
i. पूंजीगत व्यय												
-स्थायी परिसंपत्ति											-	
-अन्य	-										-	
ii. राजस्व व्यय												
-वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि											-	
-किराया											-	
-अन्य प्रशासनिक व्यय	4,583,758.00	12,526,649.00	-	-	-	-	972,818.00	-	1,556,360.00	281,360.00	19,920,945.00	8,443,746.00
कुल												
कुल (ग)	**4,583,758.00**	**12,526,649.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**972,818.00**	**-**	**1,556,360.00**	**281,360.00**	**19,920,945.00**	**8,443,746.00**
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख-ग) शुद्ध शेष	**439,661.00**	**32,711,199.00**	**-**	**33,924.00**	**6,861.00**	**932,407.00**	**614,722.00**	**86,790.00**	**43,640.00**	**463.00**	**34,869,667.00**	**52,325,359.00**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नामः दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:		
1. केंद्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण		
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय		
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण		
- ब्याज प्रोद्भूत एवं देय		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
- ब्याज प्रोद्भूत एवं देय		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर राशि देय		

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. केन्द्र सरकार 2. राज्य सरकार 3. वित्तीय संस्थान 4. बैंक: क) सावधि ऋण ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें) 5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां 6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स 7. सावधि जमा 8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर राशि देय		

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्रतिभूति स्वीकृतियां ख) अन्य		
कुल	0	0
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर राशि देय		

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान		
1. स्वीकृतियां		
2. विविध ऋणदाता:		
क) वस्तुओं हेतु		
ख) अन्य		
3. प्राप्त अग्रिम		
4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन निम्न पर देय नहीं:		
क) सुरक्षित ऋण / उधार		
ख) असुरक्षित ऋण / उधार		
5. सांविधिक देयताएं:		
क) अतिदेय		
ख) अन्य		
6. अन्य वर्तमान देयताएं		
न्यून: वर्ष के दौरान किया गया भुगतान		
जमा: वर्ष के दौरान सृजित		
7. प्रतिभूति जमा (अथशेष)		
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्ति		
न्यून: वर्ष के दौरान वापसी	7,899,112.00	7,773,112.00
कुल (क)	**7,899,112.00**	**7,773,112.00**
ख. प्रावधान		
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-
4. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-
5. व्यवसाय वारंटी / दावा	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल (ख)	-	-
कुल (क+ख)	**7,899,112.00**	**7,773,112.00**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	सकल ब्लॉक					अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान जमा (एल.सी.)	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क. **स्थायी परिसंपत्ति:**											
1.00 भूमि:											
क) पूर्ण स्वामित्व											
ख) पट्टे पर											
2.00 भवन:											
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	308,762,005.00	-			308,762,005.00					308,762,005.00	308,762,005.00
ख) पट्टे की भूमि पर											
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर											
घ) इकाई से असंबंधित भूमि पर अधिरचना											
3.00 संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	314,535,290.00	13,766,700.00			328,301,990.00					328,301,990.00	314,535,290.00
4.00 वाहन											
5.00 फर्नीचर, फिक्सचर											
6.00 कार्यालय उपकरण											
7.00 कंप्यूटर / पेरीफेरल्स											
8.00 विद्युत संस्थापन	-				-					-	
9.00 पुस्तकालय पुस्तकें											
#### ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति											
#### अन्य स्थायी परिसंपत्ति											
वर्तमान वर्ष का कुल	**623,297,295.00**	**13,766,700.00**			**637,063,995.00**					**637,063,995.00**	**623,297,295.00**
पिछला वर्ष											
ख. **पूंजीगत चालू कार्य**		-			-					-	
कुल	623,297,295.00	13,766,700.00			637,063,995.00					637,063,995.00	623,297,295.00

संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण

वर्ष के दौरान एम एंड ई खरीद	13,174,250.00
वर्ष के दौरान समायोजित सीमा शुल्क	576,205.00
वर्ष के दौरान समायोजित पीडीए	16,245.00
कुल परिसंपत्तियाँ	**13,766,700.00**

(लेखा अधिकारी)

सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
	1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
	2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों		
	3. शेयर		
	4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
	5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
	6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)	0	0
	कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
	1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
	2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों		
	3. शेयर		
	4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
	5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
	6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		
	कुल	0	0

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क **वर्तमान परिसंपत्तिः**		
1. इनवेंटरीजः		
क) भंडार एवं स्पेयर्स		
ख) खुले औजार		
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड		
तैयार वस्तुएं		
चालू कार्य		
कच्चा माल		
2. विविध ऋणदाताः		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) अन्य		
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)	5,000.00	5,000.00
4. बैंक शेषः		
क) अनुसूचित बैंकों में:		
चालू खाते में		
सीडीईआर- 10874584984	22,063,005.40	88,354,704.00
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		
बचत खाते में		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:		
चालू खाते में		
जमा खाते में		
बचत खाते में		
5. डाक घर - बचत खाता		
6. निवेश - (टीडीआर)	40,000,000.00	
कुल (क)	**62,068,005.40**	**88,359,704.00**

(लेखा अधिकारी) **सीडीईआर**

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक **31.03.2020** के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 11 (II) - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)				वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
B	**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**				
	1. ऋण:				
	क) स्टाफ				
	ख) केन्द्र के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य इकाइयां				
	ग) अन्य (उल्लिखित) आयरन एवं स्टील और हिंदुस्तान स्टील को अग्रिम				
	2. अग्रिम एवं नकदी में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के रूप में अन्य वसूली योग्य राशि				
	क) पूंजीगत खाते में				
	ख) पूर्व भुगतान				
	ग) अन्य				
	3. प्रोद्भूत आय:				
	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
	ख) निवेश पर - अन्य				
	ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
	घ) अन्य				
	(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
	4. वसूली योग्य दावे:				
	5. अन्य अग्रिम				
	i. एन.डी.एम.सी. को भुगतान किया गया अग्रिम			2,364,500.00	2,364,500.00
	ii. एन.डी.एम.सी. को प्रतिभूति जमा			3,000,000.00	3,000,000.00
	iii. डी.जी.एस. एंड डी. को भुगतान किया गया अग्रिम			469,471.00	469,471.00
	iv. साख पत्र	अथशेष	3,266,183.00	8,994,814.00	3,266,183.00
		एलसी जारी किया	5,728,631.00		
		मशीनरी प्राप्त			
		अंत शेष	**8,994,814.00**		
	v. सीमा शुल्क	अथशेष		-	
		सीमा शुल्क का भुगतान किया	5,000,000.00		
		समायोजित सीमा शुल्क	576,205.00	4,423,795.00	
	vi. पीडीए				
		अथशेष			
		भुगतान पीडीए	500,000.00		
		समायोजित पीडीए	16,245.00		
				483,755.00	
	कुल (ख)			**19,736,335.00**	**9,100,154.00**
	कुल (क + ख)			**81,804,340.40**	**97,459,858.00**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1) विक्रय से आय		
1. तैयार वस्तुओं का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें) अस्पताल प्राप्ति	1,957,065.00	2,183,330.00
कुल	**1,957,065.00**	**2,183,330.00**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त)		
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार (सरकारें)		
3. सरकारी एजेंसियां		
सहायता अनुदान (वेतन)	263,700,000.00	64,935,117.00
सहायता अनुदान (सामान्य)	117,001,513.00	127,500,000.00
4. संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**380,701,513.00**	**192,435,117.00**

(लेखा अधिकारी)

सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - फीस / अभिदान	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. समारोह / कार्यक्रम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई. एच. एस		
कुल	**0**	**0**
टिप्पणी- प्रत्येक मद हेतु लेखांकन नीति प्रकट किए जाएं।		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश में आय)	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांशः				
क) शेयरों पर				
ख) म्यूचुअल निधि प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में	0	3837361
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों में		
ग) संस्थानों में		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों में		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**0**	**3837361**
टिप्पणी: स्रोतों पर की गई कर कटौती को दर्शाएं		

(लेखा अधिकारी)

सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
1. विविध प्राप्ति	337,956.00	219,801.00
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**337,956.00**	**219,801.00**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क) समापन भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- चालू कार्य		
ख) न्यून: अथ भंडार		
- तैयार वस्तुएं		
- चालू कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]		

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
वेतन एवं मजदूरी	270,905,625.60	64,935,117.00
भत्ता एवं बोनस		
भविष्य निधि हेतु अंशदान		
अन्य निधि हेतु अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारी ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ'' पर व्यय		
अन्य (एन.पी.एस. एवं एल.एस.पी.सी.)		
कुल	**270,905,625.60**	**64,935,117.00**

(लेखा अधिकारी) सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) सामग्री एवं आपूर्ति की खरीद	38,531,174.00	38,686,005.00
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) आवक भार एवं वाहन		
घ) विद्युत एवं ऊर्जा		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) आउटसोर्स कर्मचारी सेवाएं		
i) सुरक्षा सेवाएं	44,890,969.00	16,651,709.00
ii) स्वच्छता सेवाएं		13,521,880.00
iii) मानव बल		17,221,096.00
ज) मरम्मत एवं अनुरक्षण	33,170,493.00	39,633,996.00
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चलाना एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सम्मेलनों / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) आतिथ्य व्यय		
द) व्यवसायिक प्रभार		
ध) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिम हेतु प्रावधान		
न) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
प) पैकिंग प्रभार		
फ) माल एवं अग्रेषण व्यय		
ब) वितरण व्यय		
भ) विज्ञापन एवं प्रचार		
म) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	405,094.00	915,559.00
कुल	**116,997,730.00**	**126,630,245.00**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 (क) अग्रिमों का समायोजन	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. आकस्मिक अग्रिम		23420
2. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**0**	**23,420.00**

(लेखा अधिकारी)
सीडीईआर

वित्तीय विवरण (गैर - लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क) संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी: अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाए।		

अनुसूची 23 - ब्याज	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क) सावधि ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	6153	2415
कुल	**6153**	**2415**

(लेखा अधिकारी)

सीडीईआर

एनसीआई झज्जर, एम्स
वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
समग्र / पूंजीगत निधि	1	7,976,994	-
रिजर्व और अधिशेष	2	2,188,705	-
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	7	-	-
कुल		10,165,699	-
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	7,976,994	-
निवेश - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	2,188,705	-
विविध व्यय (आय पर व्यय की अधिकता का शेष)		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		10,165,699	-
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	25		

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

प्रमुख (एनसीआई झज्जर)

एनसीआई झज्जर, एम्स
वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
			-
विक्रय / सेवाओं से आय	**12**	3,384,763	39,060
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	554,122,146	-
फीस / सदस्यता	**14**		-
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**		
अर्जित ब्याज	**17**	1,472,326	-
अन्य आय	**18**	-	-
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**19**	-	-
कुल (क)		558,979,235	39,060
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	165,688,176	-
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	391,141,414	-
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	-	-
ब्याज	**23**		-
अवमूल्यन (वर्ष समाप्ति पर शुद्ध योग - अनुसूची 8 के संगत)			-
कुल (ख)		556,829,590	-
व्यय पर आय की अधिकता के कारण होने वाला शेष (क-ख)		2,149,645	39,060
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			-
अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष (आय एवं व्यय में समायोजित)		2,149,645	39,060
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	**25**		

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स
वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
I. अथशेष			**I. व्यय**		
(क) नकद राशि	7,590		क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	165,688,176	
(ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	391,141,414	
(i) चालू खाता	31,470				
			II. स्थायी परिसंपत्तियों एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय		
(क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			क) अचल परिसंपत्ति की खरीद	7,976,994	
(i) सहायता अनुदान (पूंजी परिसंपत्ति)	7,976,994		ख) एम एंड ई के लिए अग्रिम		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	164,122,146		ग) सीमा शुल्क अग्रिम	-	
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	390,000,000				
	-		**III. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
II. ब्याज प्राप्त किया			(क) दान / अनुदान		

(क) बैंक जमा पर			(ख) ईएमडी		
टी.डी.आर. पर ब्याज	1,472,326				
				-	
III. अन्य आय (उल्लिखित)			**IV. अंतशेष**		
(क) दान / अनुदान			क) नकद राशि		7,590
(ख) अस्पताल प्राप्तियां	3,384,763		ख) बैंक में नकदी	2,188,705	
(ग) टी.डी.आर. जारी किया	-		i) चालू खाते में		31,470
IV. कर्मचारी वसूली (अग्रिम)					
(i) वाहन अग्रिम					
(ii) कंप्यूटर अग्रिम					
कुल	**566,995,289**		**कुल**	**566,995,289**	**39,060**

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

प्रमुख (एनसीआई झज्जर)

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछला वर्ष 2018-19	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		-		
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि में अंशदान	7,976,994			
न्यून: मशीनरी एवं उपकरण निराकृत				
न्यून: पूंजी में परिणत अतिरिक्त	-			
जमा / (कटौती): शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-			
आय एवं व्यय लेखा से अंतरित		7,976,994		
वर्ष के अंत तक के अनुसार शेष		7,976,994		

	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछला वर्ष 2018-19	
अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:				
1. पूंजीगत रिजर्व:	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		…….		……
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व:	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		……		……
3. विशेष रिजर्व:	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	…..		…..	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		…..		…..
4. सामान्य रिजर्व:	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	-		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	-		(….)	
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		……..		……..
5. व्यय पर आय की अधिकता				
अंतिम लेखा के अनुसार	39,060			
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	2,149,645			
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां		2,188,705	39,060	39,060
		-		
कुल		2,188,705		

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछला वर्ष 2018-19	
			…..	
1. केंद्र सरकार			……	
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थान		…..		
क) सावधि ऋण		…..		
ख) अर्जित ब्याज एवं देय		________	……	
		……		
4. बैंक:		…….		
क) सावधि ऋण		……	……	
- अर्जित ब्याज एवं देय		…….	……	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		________	……	
- अर्जित ब्याज एवं देय			…….	
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां			……	
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि				

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार:	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
	….	…..
1. केंद्र सरकार	….	…..
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	….	…..
3. वित्तीय संस्थान	…..	
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण	…..	….
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	…	….
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	……	….
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	……	…..
7. सावधि जमा	…..	…..
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	…..	……
कुल		
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्रतिभूति स्वीकृतियां	…..	…..
ख) अन्य		
कुल	…..	……
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछला वर्ष 2018-19	
क. वर्तमान देयताएं				
1. स्वीकृति				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओं के लिए		……		……
ख) अन्य	…..		…..	
3. प्राप्त किए गए अग्रिम	…..	…..	…..	…..
4. अर्जित ब्याज परन्तु देय नहीं		…..		…..
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	…..		…..	
	….		….	
5. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय				…..
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) बैंक ओवर ड्राफ्ट (नकद बही के अनुसार)	-			
ख) ईएमडी / प्रतिभूति जमा				
अथशेष				
2019-20 के दौरान जमा				
न्यून: 2019-20 के दौरान भुगतान				
ग) जारी एफडीआर		-	-	
कुल (क)		-		
क. प्रावधान		…..		-
1. कराधान हेतु				
2. उपदान		……		
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटी / दावा				
अन्य (निर्दिष्ट करें)		….		-
कुल (ख)		…..		-
कुल (क+ख)		-		-

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	….	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	….	
3. शेयर	….	
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	…..	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	….	
6. अन्य (उल्लेख करें)	…..	
कुल	…..	

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
	….	
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	….	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	….	
3. शेयर	…..	
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	….	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	….	
6. अन्य (उल्लेख करें)	….	
कुल	…..	

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछला वर्ष 2018-19	
क. वर्तमान परिसंपत्ति:				
1. इन्वेंटर:				
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-		-	
ख) खुले औजार	-		-	
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड				
तैयार वस्तुएं	-		-	
चालू कार्य	-		-	
कच्चा माल	-	-	-	-
2. विविध ऋणदाता:				
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-		-	
ख) अन्य		-	-	-
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)	-		7,590	
4. बैंक शेषः				
क) अनुसूचित बैंकों में:				
चालू खाते में (एन.सी.आई.)	2,188,705		31,470	
-जमा खाते में (आईआरसीएच) (एफडीआर)		-	-	
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:				
-चालू खाते में	-		-	
-जमा खाते में	-		-	
-बचत खाते में	-		-	
	-	2,188,705	-	39,060
पिछले वर्ष एनसीआई खाते में अंतशेष हस्तांतरण		-		
5. डाक घर बचत खाता				
<u>कुल (क)</u>		2,188,705		39,060

(एफ एंड सीएओ) (लेखा अधिकारी)

एनसीआई झज्जर, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष 2019-20		पिछला वर्ष 2018-19	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋणः				
क) स्टाफ - अथशेष	-			
जमा: वर्ष के दौरान				
न्यून: 2019-20 के दौरान वसूली				
ख) इकाई के उस सदृश गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य इकाईयां				
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)				
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि में अथवा माल अथवा प्राप्त होने वाले मूल्य के रूप में:				
क) पूंजीगत खाते में				
मशीनरी और उपकरण				
अथशेष	-		-	
जमा: वर्ष के दौरान जमा			-	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित		-	-	
			-	
सीमा शुल्क / पीडीए अग्रिम			-	
अथशेष	-		-	
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-		-	
न्यून: वर्ष के दौरान समायोजित			-	
न्यून: पिछले वर्ष समायोजित	-	-	-	
ख) एन.डी.एम.सी.				
ग) अन्य				
	-	-	-	
3. अर्जित आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर	-		-	
ख) निवेश - अन्य पर	-		-	
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-		-	
घ) अन्य	-		-	
(अप्राप्य देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. वसूलनीय दावा	-	-	-	-
कुल (ख)		-		
कुल (क+ख)		2,188,705		

(एफ एंड सीएओ)

(लेखा अधिकारी)

एनसीआई झज्जर, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय		
ख) कच्चे माल का विक्रय		
ग) रद्दी की बिक्री		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	3,384,763	39,060
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	3,384,763	39,060

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
(प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता)		
1) केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	554,122,146	
2) राज्य सरकार		
3) सरकारी एजेंसियां		
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन		
कुल	554,122,146	-

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - शुल्क/ सदस्यता	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछला वर्ष 2018-19**
1) प्रवेश शुल्क		
2) वार्षिक फीस / सदस्यता		
3) समारोह / कार्यक्रम शुल्क		
4) परामर्श शुल्क		
5) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		
टिप्पणी - प्रत्येक मद के लिए लेखा नीति प्रकट किए जाएं।		

अनुसूची 15 - निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश - अन्य**	
	वर्तमान वर्ष 2019-20	**पिछला वर्ष 2018-19**	**वर्तमान वर्ष 2019-20**	**पिछला वर्ष 2018-19**
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	….	…..	…..	….
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र	…..	…..	…..	…..
2) लाभांश:				
क) शेयरों पर	…..	…..	…..	…..
ख) म्यूचुअल निधि प्रतिभूतियाँ	…..	…..	…..	…..
3) किराया	…..	…..	….	…..
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

(एफ एंड सीएओ)

(लेखा अधिकारी)

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
1) रॉयल्टी से आय		
2) प्रकाशन से आय		
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 17 - ब्याज अर्जित	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
1) सावधि जमा पर:	1,472,326	
क) अनुसूचित बैंकों में		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में		
ग) संस्थानों में		
घ) अन्य		
2) बचत खाते में:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3) ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4) देनदारों और अन्य वसूलनीय पर ब्याज		
कुल	1,472,326	-
टिप्पणी – स्रोतों पर किए गए कर कटौती दर्शाए जाएं।		

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
1) परिसंपत्ति के विक्रय / निपटान पर लाभ:		
क) निजी परिसंपत्ति		
ख) अनुदानों से अर्जित अथवा निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्ति		
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
3) विविध सेवाओं हेतु शुल्क		
4) विविध - त्यौहार और कंप्यूटर अग्रिम के कारण समायोजन	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 19 - तैयार वस्तु एवं चालू कार्य के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
क) समापन स्टॉक		
- तैयार वस्तुएं		
- चालू कार्य		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
- तैयार वस्तुएं		
- चालू कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
क) वेतन एवं मजदूरी	162,935,133	
ख) यात्रा भत्ता	2,753,043	
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		…..
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान (उल्लिखित)	….	…..
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	….	…..
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय	…	…..
छ) अन्य: वेतन और मजूदरी में समायोजित अतिरिक्त कंप्यूटर अग्रिम		…..
कुल	165,688,176	-

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान		
ख) संस्थानों / संगठनों की दी गई आर्थिक सहायता		
कुल		

टिप्पणी – अनुदानों / आर्थिक सहायताओं की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाए।

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 – ब्याज	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
क) स्थायी ऋण पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष 2019-20	पिछला वर्ष 2018-19
क) खरीद (सामग्री और आपूर्ति)	133,066,836	
ख) भवन का अनुरक्षण	7,635,345	
ग) मानवबल की भर्ती	125,785,932	
घ) बिजली बिल	118,951,300	
ङ) टेलीफोन बिल / इंटरनेट शुल्क	5,702,001	
च) सीएएमसी		
ज) अन्य (बताएं) आकस्मिकता बिल		
कुल	**391,141,414**	-

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

एनसीआई झज्जर, एम्स
वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन - पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 उद्दिष्ट / विन्यास निधि	निधि वार विवरण						कुल	
क) निधि का अथशेष ख) निधि में जमा: i दान / अनुदान ii निधि के कारण किए गए निवेश से आय iii अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)								
कुल (क+ख)								
क) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय i पूंजीगत व्यय - स्थायी परिसंपत्ति - अन्य कुल **ii राजस्व व्यय** - वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि - अन्य प्रशासनिक व्यय कुल								
कुल (ग)								
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख-ग) शुद्ध शेष								

टिप्पणी

1. अनुदानों के साथ संलग्न शर्तों पर आधारित संगत शीर्ष के तहत प्रकटीकरण किया जाएगा।

2. केंद्रीय / राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग-अलग निधियों के रूप में दर्शाया जाए और यह अन्य निधियों के साथ मिश्रित नहीं होना चाहिए।

(एफ एंड सीएओ) **(लेखा अधिकारी)**

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स

वित्तीय वर्ष - 2019-20 के लिए तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति:										
1. भूमि:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन:										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	-			-				-	-	-
ख) पट्टे वाली भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना										
इकाई से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	-	7,976,994	-	7,976,994				-	7,976,994	-
4. वाहन	-	-		-				-	-	-
5. फर्नीचर, उपस्कर	-	-		-				-	-	-
6. कार्यालय उपकरण										-
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें										
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
वर्तमान वर्ष का कुल	**-**	**7,976,994**	**-**	**7,976,994**	**-**	**-**	**-**	**-**	**7,976,994**	**-**
पिछला वर्ष	-	-	-	-					-	-

(एफ एंड सीएओ) लेखा अधिकारी

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
1.अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि			(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	154,572,718.00	138,631,377.00
(ख) बैंक शेष			(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	148,322,009.00	107,351,051.00
(i) चालू खाते में	36,293,687.00	60,305,453.00			
(ii) जमा खाते में			**2. अग्रिम भुगतान**		
(iii) बचत खाते में			i) सामग्री एवं आपूर्ति	120,000.00	132,635.00
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अस्थायी अग्रिम (डीटीसी योजना)	20,000.00	27,901,917.00
			iii) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए	240,000.00	
2.प्राप्त अनुदान			**3. निवेश एवं जमा किया गया**		
(क) भारत सरकार से (स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय)			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्ति)	10,474,468.00	15,000,000.00	(ख) निजी निधि में से (निवेश - अन्य)		
सहायता अनुदान (सामान्य)	104,429,940.00	117,500,000.00			
सहायता अनुदान (वेतन)	124,882,683.00	145,000,000.00	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय**		
सहायता अनुदान (सामान्य)/डीटीसी योजना	36,437,865.00	45,000,000.00	(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद (अनुसूची सं. 8)	20,941,032.00	18,391,691.00
सहायता अनुदान (नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम)	330,600.00		(ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
3.निवेश पर आय, द्वारा			**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि		-	(क) भारत सरकार को		
(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)		-	(ख) राज्य सरकार को		
			(ग) एम्स को ऋण की वापसी (अनुसूची 7)	15,000,000.00	85,000,000.00
4.प्राप्त ब्याज			(घ) यूएनडीसीपी खाता को वापसी		11,221.00
(क) बैंक जमा पर		-	**6.वित्त शुल्क (ब्याज)**		
(ख) ऋण, अग्रिम आदि		-			
			7.अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)		
5. अस्पताल सेवाओं से आय			बाह्य वसूलिया (जीपीएफ, एनपीएस, एचबीए, आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)		
अस्पताल प्राप्तियां	675,275.00	689,040.00	(क) परियोजनाएं	-	-
6.अन्य आय			(ख) धरोहर राशि जमा की वापसी		50,000.00
विविध प्राप्तियां	358,743.00	31,679.00	(ग) कर्मचारियों से वसूली भुगतान		
यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्ति	3,231,270.00		i) कर्मचारियों से प्राप्त वसूलियां एम्स (मुख्य) को प्रेषित	918,962.00	915,054.00
गलत प्राप्ति प्रपत्र यूएनडीसीपी लेखा		11,221.00			
7.उधार ली गई राशि			ii) बाह्य वसूलियां	25,386,021.00	21,671,504.00
एम्स (मुख्य) से ऋण	37,500,000.00	30,000,000.00	iii) जीपीएफ (सदस्यता और अग्रिम)	12,613,758.00	13,477,375.00
यूएनडीसीपी खाते से ऋण	5,000,000.00	-	iv) एनपीएस से वसूली	5,152,376.00	4,187,563.00
7.कोई अन्य प्राप्तियां			v) एनपीएस से वसूली (पीआरएएन के बिना)	277,798.00	280,370.00

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
(क) परियोजनाएं			पिछले वर्ष की वसूली		
(ख) धरोहर राशि जमा	75,000.00		**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
(ग) कर्मचारी से वसूली (आय कर)		213,031.00	सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान		
i) कर्मचारियों से वसूलियां	918,962.00	920,209.00	कंप्यूटर अग्रिम		
ii) बाह्य वसूलियां	25,386,021.00	21,679,504.00	त्यौहार अग्रिम		
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	12,613,758.00	13,477,375.00	वसूली / कटौतियां (इंजी. कार्य)		
iv) एन.पी.एस. से वसूली	5,152,376.00	4,187,563.00	वसूली / कटौतिया (इजी. कार्य के अलावा)	3,082,277.00	1,737,119.00
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन. के बिना)	277,798.00	280,370.00	ऋण का पुनः भुगतान (यू.एन.डी.सी.पी.)	-	-
			8.अंतशेष		
9.ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली			(क) नकद राशि		
कार अग्रिम वसूली		-	(ख) बैंक शेष		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली		-	(i) चालू खाते में	20,473,772.00	36,293,687.00
भवन निर्माण अग्रिम वसूली		-	(ii) जमा खाते में		
त्यौहार अग्रिम वसूली		-	(iii)बचत खाते में		
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)		-			
वसूली / कटौतियां (इंजी. कार्य के अलावा)	3,082,277.00	1,737,119.00			
कुल	**407,120,723.00**	**456,032,564.00**	**कुल**	**407,120,723.00**	**456,032,564.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	**अनुसूची**	**2019-20**	**2018-19**
विक्रय / सेवाओं (अस्पताल प्राप्तियों) से आय	12	675,275.00	689,040.00
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	266,081,088.00	307,500,000.00
फीस / अभिदान	14		
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	16		
अर्जित ब्याज	17	-	-
अन्य आय	18	3,590,013.00	31,679.00
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	19		
कुल (क)		**270,346,376.00**	**308,220,719.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	154,572,718.00	138,631,377.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	161,262,903.00	142,980,098.00
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22		
ब्याज	23		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत - समाप्त वर्ष पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**315,835,621.00**	**281,611,475.00**
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाला शेष (ख-क)		(45,489,245.00)	26,609,244.00
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक को उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष / (कमी)		**270,346,376.00**	**308,220,719.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स **प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2019-20**	**2018-19**
समग्र / पूंजीगत निधि	1	275,463,393.00	266,672,470.00
रिजर्व और अधिशेष	2	1,000,518.00	46,489,763.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	7	42,986,370.00	15,411,370.00
कुल		**319,450,281.00**	**328,573,603.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	295,017,813.00	275,760,326.00
निवेश - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	24,432,468.00	52,813,277.00
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**319,450,281.00**	**328,573,603.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2019-20**		**2018-19**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	266,672,470.00		251,672,470.00	
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	10,474,468.00		15,000,000.00	
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	1,683,545.00	275,463,393.00		266,672,470.00
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**275,463,393.00**		**266,672,470.00**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	**2019-20**		**2018-19**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां (एम्स ऋण रिवर्स)				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	46,489,763.00			
वर्ष के दौरान समायोजित	(45,489,245.00)	1,000,518.00		46,489,763.00
कुल	-	**1,000,518.00**	-	**46,489,763.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	योजना गैर		कुल	
	योजना		2019-20	2018-19
क) निधि का अथशेष				
ख) निधि में जमा				
i. दान / अनुदान				
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	0			
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)				
iv वर्ष के दौरान कम व्यय			0	
कुल (क+ख)			**0**	**0**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय				
i. पूंजीगत व्यय				
-स्थायी परिसंपत्तियां				
-अन्य				
ii. राजस्व व्यय				
-वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि				
-किराया				
-अन्य प्रशासनिक व्यय				
कुल				
कुल (ग)			0	0
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग)				**0**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधारः	**2019-20**		**2018-19**	
1. केन्द्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) अर्जित ब्याज एवं देय				
4. बैंक				
क) सावधि ऋण				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
- अर्जित ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2019-20**	**2018-19**
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक:		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**2019-20**	**2018-19**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्राप्त स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2019-20		2018-19	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता:				
क) वस्तुओ हेतु				
ख) अन्य (एम्स को भुगतान की जाने वाली बाह्य वसूलियां)	13,155.00	13,155.00		13,155.00
i) एम्स कर्मचारी (ओबी)				
ii) बाह्य वसूलियां (ओबी)				
अथशेष				
वर्ष के दौरान कम समयोजन				
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एनआईएएफ				
4. परियोजना अनुदान				
ii) एनपीसीबी				
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं:				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) सुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. प्रतिभूति जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	285,000.00			285,000.00
वर्ष के दौरान प्राप्त	75,000.00			
वर्ष के दौरान वापसी		360,000.00		
6. अन्य वर्तमान देयताएं	113,215.00	113,215.00		113,215.00
यू.एन.डी.सी.पी. खाते में वापसी				
9. यूएनडीसीपी खाते से ऋण	5,000,000.00			
न्यून : यूएनडीसीपी खाते से ऋण वापसी	-	5,000,000.00		-
10. एम्स (मुख्य) से ऋण (ओबी)	15,000,000.00			-
एम्स (मुख्य) से ऋण	37,500,000.00			15,000,000.00
एम्स (मुख्य) को ऋण वापसी	15,000,000.00	37,500,000.00		
कुल (क)		**42,986,370.00**		**15,411,370.00**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटीज / दावे				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**42,986,370.00**		**15,411,370.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 19-20 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 18-19 के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति:										
1. भूमि:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन:										
क) इंजीनियरिंग से संबंधित पूंजीगत कार्य	121,273,254.00	3,799,575.00		125,072,829.00		-	-	-	125,072,829.00	121,273,254.00
ख) पट्टे की भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना										
इकाई से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	78,810,211.00	4,217,837.00	1,030,472.00	81,997,576.00					81,997,576.00	78,810,211.00
4. वाहन	13,331,349.00			13,331,349.00					13,331,349.00	13,331,349.00
5. फर्नीचर, फिक्सचर	13,740,723.00	2,317,064.00	653,073.00	15,404,714.00					15,404,714.00	13,740,723.00
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें	46,471,229.00	10,606,556.00		57,077,785.00					57,077,785.00	46,471,229.00
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति (एस.ए.पी.)	2,133,560.00			2,133,560.00					2,133,560.00	2,133,560.00
वर्तमान वर्ष का कुल	**275,760,326.00**	**20,941,032.00**	**1,683,545.00**	**295,017,813.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**295,017,813.00**	**275,760,326.00**
गत वर्ष										
ख. पूंजीगत चालू कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**275,760,326.00**	**20,941,032.00**	**1,683,545.00**	**295,017,813.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**295,017,813.00**	**275,760,326.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2019-20**	**2018-19**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश-अन्य	**2019-20**	**2018-19**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (उल्लेख किया जाए)		
कुल	0	0

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

						(राशि रुपयों में)
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि			2019-20		2018-19	
क वर्तमान परिसंपत्ति:						
1. खरीद हेतु अग्रिम						
	क) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	255,000.00		255,000.00	
		वर्ष के दौरान जमा	120,000.00		132,635.00	
		वर्ष के दौरान समायोजित	120,000.00	255,000.00	132,635.00	255,000.00
	ख) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम:	अथशेष	-			
		वर्ष के दौरान जमा	240,000.00			
		वर्ष के दौरान समायोजित	115,000.00	125,000.00		
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अग्रिम		अथशेष	15,823,882.00		23,418,377.00	
		वर्ष के दौरान जमा	20,000.00		27,901,917.00	
		वर्ष के दौरान समायोजित	12,705,894.00	3,137,988.00	35,496,412.00	15,823,882.00
3. विविध देनदार:				.		
	क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण					
	ख) वेतन शीर्ष के तहत अन्य अति भुगतान (आयकर)					
	अग्रदाय	अथशेष				
		वर्ष के दौरान समायोजित				-
4. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				-		-
5. बैंक शेष:						
	क) अनुसूचित बैंकों में:					
	चालू खाते में			20,473,772.00		36,293,687.00
	जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)					
	बचत खाते में					
	ख) गैर-अनुसूचित बैंक में:					
	चालू खाते में					
	जमा खाते में					
	बचत खाते में					
6. सीमा शुल्क अग्रिम				400,000.00		400,000.00
7. बाहय वसूली				40,708.00		40,708.00
कुल (क)				**24,432,468.00**		**52,813,277.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11ख - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2019-20		2018-19	
ख **ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**				
1. ऋण:				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
iv) त्यौहार अग्रिम				
2. अग्रिम एवं नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किए जाने वाले अन्य वसूलनीय राशि:				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आय:				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश पर अन्य				
ग) ऋण एवं अग्रिम पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. ....की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे:				
कुल (ख)		0		0
कुल (क+ख)		24,432,468.00		52,813,277.00

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2019-20**	**2018-19**
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	675,275.00	689,040.00
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजनाएं)		
3. रद्दी की बिक्री		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (उल्लेख करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**675,275.00**	**689,040.00**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**2019-20**	**2018-19**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार	266,081,088.00	307,500,000.00
2. राज्य सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थाएं / कल्याण निकायें (एस.ए.पी.)		
5.अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. एम्स से अन्य (उल्लेख करें) ऋण		
कुल	**266,081,088.00**	**307,500,000.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 के अनुसार आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - फीस / अभिदान	**2019-20**	**2018-19**
1. ट्यूशन और परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श फीस		
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ईएचएस		
कुल	0	0
नोट- प्रत्येक मद के लिए लेखा नीति प्रकट किए जाएं		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	**2019-20**	**2018-19**	**2019-20**	**2018-19**
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र				
2. लाभांशः				
क) शेयरों पर				
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2019-20**	**2018-19**
1. रॉयल्टी से आय 2. प्रकाशन से आय 3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 अर्जित ब्याज	**2019-20**	**2018-19**
1. सावधि जमा पर क) अनुसूचित बैंकों में ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में ग) संस्थानों में घ) अन्य 2. बचत खाते पर क) अनुसूचित बैंकों में ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में ग) डाकघर बचत खाते घ) अन्य 3. ऋणों पर क) कर्मचारीगण / स्टाफ ख) अन्य 4. देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य राशि पर ब्याज		
कुल	**0**	**0**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	**2019-20**	**2018-19**
1. विविध प्राप्ति	358,743.00	31,679.00
2. यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्तियाँ	3,231,270.00	
3. अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	**3,590,013.00**	**31,679.00**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**2019-20**	**2018-19**
क) समापन भंडार		
-तैयार वस्तुएं		
-चालू कार्य		
ख) न्यून: अथ भंडार		
-तैयार वस्तुएं		
-चालू कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]	-	-

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**2019-20**	**2018-19**
वेतन	144,572,490.00	134,025,070.00
वेतनः यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत के तहत व्यय	2,072,718.00	
एन.पी.एस. के लिए अंशदान	7,927,510.00	4,606,307.00
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण के "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ" पर व्यय		
अन्य (एनपीएस एवं एलएसपीसी)		
कुल	**154,572,718.00**	**138,631,377.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2019-20	2018-19
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	56,257,449.00	53,073,788.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं	21,452,084.00	18,204,715.00
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	120,000.00	132,635.00
घ) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए मजदूरी	32,913,376.00	21,353,767.00
ङ) अग्रदाय से विविध व्यय	95,751.00	99,586.00
च) अग्रदाय समायोजित (19-20) विविध व्यय		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)		
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम (अग्रिम का समायोजन)	115,000.00	
ढ) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत व्यय	46,314.00	
ण) डीटीसी योजना के तहत व्यय	37,476,165.00	11,035,948.00
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	80,870.00	3,583,247.00
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		
द) मशीनरी एवं उपकरण अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) स्वैप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लेख करें) प्रशिक्षण कार्यक्रम	12,705,894.00	35,496,412.00
कुल	**161,262,903.00**	**142,980,098.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2019-20	2018-19
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	56,257,449.00	53,073,788.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	21,452,084.00	18,204,715.00
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)		
घ) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए मजदूरी	32,913,376.00	21,353,767.00
ङ) जल प्रभार		
च) अग्रदाय समायोजित (18-19)	95,751.00	99,586.00
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)		
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत व्यय	46,314.00	
ण) डीटीसी योजना के तहत व्यय	37,476,165.00	11,035,948.00
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	80,870.00	3,583,247.00
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		
द) मशीनरी एवं उपकरण अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) स्वैप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लेख करें) (आकस्मिक शुल्क) (अग्रिमों का समायोजन)		
कुल	**148,322,009.00**	**107,351,051.00**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**2019-20**	**2018-19**
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
नोट - अनुदानो / आथिक सहायता की राशि के साथ इकाइयो के नाम, उनकी गतिविधियो को प्रकट किया जाएं।		

अनुसूची 23 - ब्याज	**2019-20**	**2018-19**
क) मियादी ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	0	0

यूएनडीसीपी खाता

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

प्राप्तियां और भुगतान लेखा

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष हेतु

प्राप्तियां	2019-20	2018-19	भुगतान	2019-20	2018-19
I. अथशेष			**I. व्यय**		
क) नकद राशि			क) स्थापना व्यय (अनुसूची सं. 5)	2,364,869	1,924,206
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची सं. 6)	8,158,170	4,390,985
(i) चालू खाते में	60,122,247	73,732,674	ग) बैंक प्रभार (अनुसूची सं. 7)	649	649
(ii) जमा खाते में			**V. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**	5,000,000	
(iii) बचत खाते में			क) भारत सरकार को		
			ख) डब्ल्यूएचओ को अनुदान की वापसी		
II. प्राप्त अनुदान			ग) निधियों के अन्य प्रदाताओं को		
18-11-20	257,550	85,850			
ख) वित्त मंत्रालय से	874,628		**VI. अचल संपत्तियों पर व्यय (अनुसूची सं. 2)**	28,947,635	7,499,950
ग) एमओएसजेई से	192,725,400	119,513			
			VII. अन्य भुगतान		
V. अन्य आय			क) इंजी. अनुरक्षण		
क) अस्पताल प्राप्तियां			ख) लघु कार्य		
ख) विविध प्राप्तियां			ग) विविध व्यय		
			घ) त्यौहार अग्रिम भुगतान		
VII. अन्य कोई प्राप्तियां			ज) रोगी उपचार		
क) अग्रदाय			झ) सीमा शुल्क के रूप में भुगतान की गई अग्रिम		
ख) एआईटीएससी					
ग) आईएनसीपीटी			**VIII. अंतशेष**		
घ) अन्य विविध			क) नकद राशि		
			ख) बैंक शेष		
			i) चालू खाते में	209,508,502	60,122,247
			ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाते		
	253,979,825	73,938,037		253,979,825	73,938,037

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स **प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

आय एवं व्यय लेखा

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	2019-20	2018-19
सेवाओं से आय			
अनुदान / आर्थिक सहायता	4	193,857,578.00	**205,363**
फीस / अभिदान			
निवेश से आय (उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)			
रॉयल्टी, प्रकाशन से आय			
अर्जित ब्याज			
अन्य आय			
कुल (क)		193,857,578.00	**205,363**
व्यय			
स्थापना व्यय	5	2,364,869.00	1,924,206
अन्य प्रशासनिक व्यय	6	8,158,170.00	4,390,985
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय			
बैंक प्रभार	7	649.00	649
अवमूल्यन			
अन्य			0
कुल (ख)		10,523,688	6,315,840
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाली शेष (क-ख)		183,333,890	-6,110,477
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक को उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में अंतरित			
सामान्य रिजर्व में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		183,333,890	-6,110,477
		193,857,578	205,363

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

31 मार्च, 2020 के अनुसार तुलन पत्र

समग्र / पूंजी निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2019-20	2018-19
कोष / पूंजी निधि			
रिजर्व और अधिशेष	1	251,001,087.00	67,667,197.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि			
सुरक्षित ऋण एवं उधार			
असुरक्षित ऋण एवं उधार			
आस्थगित क्रेडिट देयताएं			
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान			
कुल पूंजी निधि एवं देयताएं		251,001,087.00	67,667,197.00
परिसंपत्ति			
स्थायी संपत्ति	2	36,447,585.00	7,499,950.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश			
निवेश - अन्य			
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	3	214,553,502.00	60,167,247.00
विविध व्यय			
(बट्टा खाता अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल परिसंपत्तियां		251,001,087.00	67,667,197.00

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 1 - रिजर्व एवं अधिशेष		**2019-20**		**2018-19**
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
कमी: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
कमी: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
कमी: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व:				
पिछले लेखा के अनुसार	67,667,197.00			
कमी: आय पर व्यय की अधिकता			73,777,674.00	
जमा: व्यय पर आय की अधिकता	183,333,890.00		(6,110,477.00)	67,667,197.00
कमी: मंत्रालय को वापस अनुदान		251,001,087.00		
अंतशेष		**251,001,087.00**		**67,667,197.00**

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 2 - स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	**वर्ष के दौरान जमा**	**वर्ष के दौरान कटौतियां**	**वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य**	**वर्ष के प्रारंभ के अनुसार**	**वर्ष के दौरान जमा पर**	**वर्ष के दौरान कटौतियों पर**	**वर्ष समाप्ति तक कुल**	**वर्तमान समाप्त वर्ष 19-20 के अनुसार**	**गत समाप्त वर्ष 18-19 के अनुसार**
क. स्थायी संपत्ति:										
1. भूमि:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन:										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (निर्माण)										
ख) पट्टे की भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना										
संस्थान से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	7,499,950.00	28,947,635.00		36,447,585.00					36,447,585.00	7,499,950.00
4. वाहन										
5. फर्नीचर, फिक्सचर										
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें										
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्तियां (एसएपी)										
वर्तमान वर्ष का कुल	**7,499,950.00**	**28,947,635.00**	**-**	**36,447,585.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**36,447,585.00**	**7,499,950.00**
गत वर्ष										
ख. पूंजीगत चालू कार्य										
कुल	**7,499,950.00**	**28,947,635.00**	**-**	**36,447,585.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**36,447,585.00**	**7,499,950.00**

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 3 - चल संपत्ति, ऋण, अग्रिम		2019-20		2018-19
1. नकद राशि (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				
2. बैंक शेष:				
क) चालू खाता		209,508,502.00		60,122,247.00
ख) जमा खाता (मियादी जमा)				
3. ऋण:				
क) संस्थान के कर्मचारियों को				
5. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि:				
क) केन्द्र के कर्मचारियों से				
ख) एनडीडीटीसी के लिए अन्य (एनडीडीटीसी) ऋण से		5,000,000.00		
कमी:- वर्ष के दौरान समायोजन				-
6. अन्य				
अग्रिम	45,000.00	45,000.00		45,000.00
कमी: वर्ष के दौरान समायोजित अग्रिम				
समाप्त वर्ष के अनुसार शेष		**214,553,502.00**		**60,167,247.00**

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 4 - अनुदान एवं आर्थिक सहायता		**2019-20**		**2018-19**
क) डब्ल्यूएचओ से	257,550.00			85,850.00
ख) वित्त मंत्रालय से	874,628.00			
ग) एमओएसजेई से	192,725,400.00			119,513.00
कुल	**193,857,578.00**	**193,857,578.00**		**205,363.00**

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 5 - स्थापना व्यय	**2019-20**	**2018-19**
स्थापना प्रभार (वेतन)	2,364,869.00	1,924,206.00
कुल	**2,364,869.00**	**1,924,206.00**

अनुसूची 6 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2019-20**	**2018-19**
खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	3,961,901.00	4,182,693.00
विभिन्न केंद्रों को धन का हस्तांतरण	752,000.00	
यात्रा व्यय	207,999.00	119,513.00
एनडीडीटीसी को 5% अनुदान हस्तांतरित	3,231,270.00	
विविध व्यय	5,000.00	88,779.00
कुल	**8,158,170.00**	**4,390,985.00**

एओ, एनडीडीटीसी, एम्स   प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 7 - बैंक प्रभार	**2019-20**	**2018-19**
बैंक प्रभार	649	649
कुल	**649**	**649**

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि रुपयों में)

कोष / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
कोष / पूंजीगत निधि	1	17,040,904	16,174,915
रिजर्व और अधिशेष	2	12,276	6,671
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	-	-
परिक्रामी निधि	4	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	6	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	7	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	8	95,000	95,000
कुल		**17,148,181**	**16,276,586**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	9	17,033,853	16,167,864
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	10	-	-
निवेश - अन्य	11	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	12	114,328	108,722
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
आय पर व्यय की अधिकता का शेष			
कुल		**17,148,181**	**16,276,586**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणी	26		

लेखा अधिकारी,
सी.एन.सी.

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)
दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	13	5,605	3,698
अनुदान / आर्थिक सहायता	14	1,499,163	699,245
फीस / अभिदान	15	-	
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	16	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	-	-
अर्जित ब्याज	18	-	-
अन्य आय	19	-	-
तैयार वस्तुओं की वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	20	-	-
कुल (क)		**1,504,768**	**702,943**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	22	300,566	293,861
विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि का किया गया भुगतान	22 (A)	-	-
सामग्री एवं आपूर्ति	23	1,198,597	405,359
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	24	-	-
ब्याज एवं वित्त व्यय	25	-	-
अवमूल्यन (अनुसूची 11 में वर्ष समाप्ति तदनानुसार पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**1,499,163**	**699,220**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		5,605	3,723
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से अंतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**5,605**	**3,723**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	26		

लेखा अधिकारी

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)

दिनांक 31.03.2020 के अनुसार तुलन-पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - 1 - समग्र / पूंजीगत निधि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	16,174,915	16,174,915
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि में अंशदान (एम्स मुख्य के माध्यम से)	865,989	
जमा: दान खाता से सृजित समग्र / पूंजी		
जमा / कटौती: आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-	-
अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष	**17,040,904**	**16,174,915**

(Amount Rs.)

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. पूंजीगत रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	6,671	
सी.आई.एम.आर. खाता	5,605	6,671
जमा: वर्ष के दौरान जमा		-
सी.आई.एम.आर. खाता		
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
खर्च: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3. विशेष रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
खर्च: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
4. सामान्य रिजर्व		
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा: वर्ष के दौरान जमा	-	-
खर्च: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
5. व्यय पर आय की अधिकता	-	
कुल	**12,276**	**6,671**

(राशि-रु.)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि	XXX	YYY	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
			कुल	कुल
क) निधियों का अथशेष	-	-	-	-
ख) निधियों में जमा:	-		-	-
i. दान / अनुदान	-	-	-	-
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	-		-	-
iii. रोगियों से प्राप्त	-		-	-
iv. अन्य जमा (प्रकार दर्शाएं)	-		-	-
कुल (क+ख)	-	-	-	-
ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय				
i. पूंजी व्यय				
स्थायी परिसंपत्ति	-		-	-
अन्य	-		-	-
कुल (ग.i)	-		-	-
ii. राजस्व व्यय			-	-
वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-	-	-
किराया	-	-	-	-
बैंक प्रभार	-	-	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-
कुल ग (ii)	-	-	-	-
कुल (ग)	-	-	-	-
घ) रोगियों को वापसी	-		-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग-घ)	-	-	-	-

(राशि-रु.)

अनुसूची 4 परिक्रामी निधि	वर्तमान वर्ष			पिछले वर्ष
	XX	YY	कुल	कुल
क) निधियों का अथशेष	-	-	-	-
ख) निधियों में बढ़ोतरी				
i. रोगियों से प्राप्ति	-	-	-	
ii. प्राप्त अनुदान (17-18)	-	-	-	-
कुल (क+ख)	-	-	-	-
ग) निधियों का लक्ष्यों हेतु उपयोग/व्यय				
i. पूंजी व्यय				
स्थायी परिसंपत्तियां	-	-	-	-
अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-
कुल (ग.i)	-	-	-	-
ii राजस्व व्यय				
सामग्री एवं आपूर्ति	-	-	-	-
अन्य (उल्लेख करें)	-	-		
विभिन्न रोगी खातों में अंतरित		-	-	
कुल (ग.ii)	-	-	-	-
कुल (ग)	-	-	-	-
वर्ष के अंत में बकायाराशि (क+ख-ग)	-	-		-

(राशि रु. में)

अनुसूची 5 - सुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
***1.* केन्द्र सरकार**	-	-
***2.* राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)**	-	-
***3.* वित्तीय संस्थान**		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
***4.* बैंक**		
क) सावधि ऋण		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
***5.* अन्य संस्थान एवं एजेंसियां**	-	-
***6.* डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स**	-	-
***7.* अन्य (निर्दिष्ट करें)**	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रु. में)

<u>अनुसूची 6 - असुरक्षित ऋण एवं उधार</u>	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
- ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रु. में)

अनुसूची 7 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के गिरवी रखने से प्राप्त आय	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - वर्तमान देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान देयताएं		
1. स्वीकृतियां	-	-
2. विविध लेनदार		
क) वस्तुओं हेतु	-	-
ख) अन्य		
3. अग्रिम प्राप्त	-	-
4. अर्जित ब्याज परन्तु निम्न पर देय नहीं		
क) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं		
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	-	-
7. प्रतिभूति जमा	95,000	95,000
8. अग्रदाय	-	-
9. एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	-	-
कुल (क)	**95,000**	**95,000**
ख. प्रावधान		
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-
4. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-
5. ट्रेड वारंटीज / दावे	-	-
6. संचित अवमूल्यन		
7. अन्य	-	-
कुल (ख)	**-**	**-**
कुल (क)+(ख)	**95,000**	**95,000**

<u>अनुसूची 9 - स्थायी संपत्ति</u>

(राशि रुपयों में)

विवरण	सकल ब्लॉक							अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के दौरान जमा (साख पत्र)	वर्ष के दौरान जमा (पी.डी.ए.)	वर्ष के दौरान जमा (सीमा शुल्क)	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान वर्ष की समाप्ति के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
स्थायी संपत्ति													
भूमि													
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
भवन													
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
घ) केन्द्र से असंबंधित भूमि पर अधिरचना													
अमूर्त स्थायी परिसंपत्ति													
क) सॉफ्टवेयर			-				-	-	-	-	-	-	-
संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण*	14,675,269	865,989								-	-	15,541,258	14,675,269
वाहन	-									-	-	-	-
फर्नीचर, फिक्सचर	906,555									-	-	906,555	906,555
कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	586,040									-	-	586,040	586,040
विद्युत संस्थापन	-									-	-	-	-
पुस्तकालय पुस्तकें	-									-	-	-	-
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	**16,167,864**	**865,989**	-				-	-	-	-	-	**17,033,853**	**16,167,864**
पिछले वर्ष	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
पूंजीगत चालू कार्य	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
कुल	**16,167,864**	**865,989**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**17,033,853**	**16,167,864**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 10 - उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 - निवेश अन्य	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (अलग-अलग उल्लेख करें)	-	-
i. सावधि जमा (गामा नाइफ)		
ii. सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)		
iii. सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)		
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - चल संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. चल संपत्ति		
1. वस्तुएं		
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-	-
ख) खुले औजार	-	-
ग) ट्रेड में भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
चालू कार्य	-	-
कच्चा माल	-	-
2. विविध देनदार		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) अन्य		
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
क) अग्रदाय		
4. बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	114,328	108,722
- जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-
- बचत खाते में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास:		
- चालू खाते में	-	-
- जमा खाते में	-	-
- बचत खाते में	-	-
5. डाक घर - बचत खाते	-	-
कुल (क)	**114,328**	**108,722**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - चल संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋण		
क) स्टाफ		
ख) इस संस्थान के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न अन्य केंद्र		
ग) अन्य (रोगी उपचार - सीजीएचएस)		
2. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने वाले मूल्य हेतु		
क) पूंजीगत खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अस्थायी आकस्मिक अग्रिम		
घ) अन्य		
3. प्रोद्भूत आय		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश - अन्य पर		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे		
5. साख-पत्र	-	
6. सीमा शुल्क		
7. जमा पूर्व अग्रिम		
कुल (ख)	-	-
कुल (क)+(ख)	**114,328**	**108,722**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 13 - विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय	-	-
ख) कच्चे माल का विक्रय	-	-
ग) रद्दी का विक्रय	-	-
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवा	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अस्पताल प्राप्तियां		
च) अन्य (निर्दिष्ट करें) संदिग्ध प्राप्ति	5,605	3,698
कुल	**5,605**	**3,698**

अनुसूची 14 - अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता) - एम्स मुख्य के माध्यम से		
1) केन्द्र सरकार	-	-
राजस्व सामान्य (योजना)		
(i) सहायता अनुदान - (वेतन)	-	
(ii) सहायता अनुदान - (सामान्य)	-	
गैर - योजना		
(i) सहायता अनुदान (सामान्य)	1,499,163	699,245
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	
2) राज्य सरकारें		-
3) सरकारी एजेंसियां	-	-
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय	-	-
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**1,499,163**	**699,245**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 15 - फीस / अभिदान	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक फीस / अभिदान	-	-
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	-	-
4) परामर्श फीस	-	-
5) टेंडर फीस	-	
6) अन्य आय	-	
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी- प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट करें		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	-	-	-	-
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3) किराया	-	-	-	-
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
टिप्पणी- उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 17 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) रॉयल्टी से आय	-	-
2) प्रकाशन से आय	-	-
3) अन्य (विशेष)	-	-
कुल	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) अवधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंक के पास (ह. तं. केंद्र मुख्य)		
अनुसूचित बैंक के पास (गामा नाइफ)		
अनुसूचित बैंक के पास (एंजियो रोगी खाता)		
अनुसूचित बैंक के पास (सी. टी. रोगी खाता)		
अनुसूचित बैंक के पास (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	-	
ख) गैर - अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ग) संस्थानों के पास	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत खाते पर		
क) अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ख) गैर - अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ग) संस्थान के पास	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य	-	-
4) देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य राशि पर ब्याज	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी: स्रोतों पर की गई कर कटौती दर्शाएं।		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 19 - अन्य आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय / परिसंपत्ति निपटान पर लाभ		
क) निजी परिसंपत्ति	-	-
ख) अनुदान में अथवा निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्ति	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
क) परिसमापन क्षति	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए फीस	-	-
4) विविध प्राप्ति		
5) लाइसेंस फीस वसूली		-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) समापन भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
चालू कार्य	-	-
ख) न्यून: अथ भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
चालू कार्य	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क-ख]	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) वेतन एवं मजदूरी (योजना)		
ख) वेतन एवं मजदूरी (गैर - योजना)		
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान - (एनपीएस)		
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय		
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय		
छ) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	
ज) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
अग्रदाय	-	
कर्मचारी (आउटसोर्स)	300,566	293,861
अल्पाहार	-	
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**300,566**	**293,861**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 (क) विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधियों हेतु किए गए भुगतान	**वर्तमान वर्ष**	**पिछले वर्ष**
एन.एस.सी. निर्धन रोगी	-	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 - सामग्री एवं आपूर्ति	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
सामग्री एवं आपूर्ति	1,198,597	405,359
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**1,198,597**	**405,359**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 24 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी- अनुदान / आर्थिक सहायता राशि के साथ केन्द्रों के नाम, उनकी गतिविधियां निर्दिष्ट करें।		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 25 - ब्याज एवं वित्तीय व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) मियादी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) बैंक प्रभार	-	
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)

दिनांक 31.03.2020 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां		2019-2020	2018-19	भुगतान	2019-2020	2018-19
					-	-
I. अथशेष				**I. व्यय**		
क) नकद राशि			-	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 21 के अनुसार)	-	-
ख) बैंक शेष				ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 के अनुसार)	300,566	293,861
(i) चालू खाते में		108,722	110,953	ग) सामग्री एवं आपूर्ति	1,198,597	405,359
(ii) जमा खाते में			-			
(iii) बचत खाते में			-	**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
ग) मियादी जमा						
II. प्राप्त अनुदान				**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से				क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से	-	-
पूंजीगत (परिसंपत्तियां नई)				ख) परिक्रामी निधि	-	-
(i) सहायता अनुदान (एम एंड ई)	1,000,000		1,490,358			
अ.भा.आ.सं. मुख्य के लिए वापसी	134,011	865,989		**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी पर व्यय**		
राजस्व सामान्य				चालू कार्य	-	-
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	1,600,000	1,499,164	699,245	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	865,989	1,483,312
अ.भा.आ.सं. मुख्य को वापसी	100,836			ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
				ग) साख पत्र (मशीनरी एवं उपकरण)	-	-
ख) राज्य सरकार से			-	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)			-	क) भारत सरकार को	-	-
(दर्शाने के लिए पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान)				ख) राज्य सरकार को	-	-
III. निवेश पर आय से				ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को	-	-
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			-	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
ख) परिक्रामी निधि				बैंक प्रभार	-	-
IV. प्राप्त ब्याज				**VII. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
क) बैंक जमा पर				दान/अनुदान	-	-
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि				धरोहर राशि जमा		13,000
V. अन्य आय				**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली**		
निविदा शुल्क			-	कर्मचारी को अग्रिम	-	-
VI. उधार ली गई राशि				**VIII. अंतशेष**		
				क) नकद राशि	-	-
				ख) बैंक शेष		
VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)				(i) चालू खाते में	114,328	108,722
क) दान			-	ii) जमा खाते में	-	-
ख) धरोहर राशि जमा			-	iii) बचत खाते	-	-
ख) विविध प्राप्ति		5,605	3,698			
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली						
कर्मचारी के लिए अग्रिम				**ग) मियादी जमा**	-	-
कुल		**2,479,480**	**2,304,254**	कुल	**2,479,480**	**2,304,254**

लेखा अधिकारी

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
RESEARCH SECTION
STATEMENT SHOWING THE EXPENDITURE OF THE GRANT RECEIVED FOR THE VARIOUS RESEARCH PROJECTS FOR THE YEAR 2019-20

PARTICULARS	RECEIPT	AMOUNT (In Rs.) AMOUNT	PARTICULARS	PAYMENTS OTHER PAYMENTS	ESTB. PAYMENTS	UNDISBURSED PAYMENTS	AMOUNT (In Rs.) TOTAL PAYMENTS
To Opening Balance:			By Payments Made during the Year:				
			DRDO	8,510,319.00	-	-	8,510,319.00
DRDO	13,702,498.60		AYUSH	15,063,116.50	-	-	15,063,116.50
AYUSH	23,456,414.00		DBT	293,848,984.00	-	-	293,848,984.00
DBT	281,073,286.27		DIETY	2,934.50	-	-	2,934.50
DIETY	46,169.00		AIFD001 (BIRAC-BIG GRANT)	-	-	-	-
AIFD001 (BIRAC-BIG GRANT)	-		DST	171,100,457.04	-	-	171,100,457.04
DST	115,339,416.00		ICMR	471,703,126.32	-	-	471,703,126.32
ICMR	297,410,916.00		SCHEME CELL:				
SCHEME CELL:	-		Abbot Laboratories GmbH	124,714.00	-	-	124,714.00
Balance as per Cash Book	333,233,976.18		AIIMS- IIT DELHI Collaborative Project	6,285,947.00	-	-	6,285,947.00
Balance in Fixed Deposit	100,000,000.00	1,164,262,676.05	Aimil Pharmaceutical India Ltd.	338,860.00	76,000.00	-	414,860.00
			ALKEM Labortories Ltd	459,007.00	67,278.00	-	526,285.00
To Receipts during the Year:			AnaZeal Analyticals & Research Pvt. Ltd.	80,989.00	21,700.00	-	102,689.00
DRDO	3,752,503.00		AO Spine Asia	6,720.00	19,023.00	-	25,743.00
AYUSH	3,287,733.00		AOTRAUMA ASIA PACIFIC RESEARCH GRANT	52,745.00	-	-	52,745.00
DBT	180,204,774.00		Bharat Serum & Vaccine Ltd.	967,665.00	5,922.00	-	973,587.00
DIETY	1,581.00		Bigtec Private Limited	291,188.00	33,000.00	-	324,188.00
AIFD001 (BIRAC-BIG GRANT)	1,026,712.00		Bill & Melinda Gates Foundation, USA	34,801,769.00	703,219.00	-	35,504,988.00
DST	155,286,632.00		Boehringer Ingelheim India Private Ltd	827,229.00	34,058.00	-	861,287.00
ICMR	628,276,947.00		BRISTOL MYER SQUIBB(BMS), USA	1,282,607.00	92,381.00	-	1,374,988.00
SCHEME CELL:			Bristol Myer Squibb India Private Ltd.	1,241,748.00	53,706.00	-	1,295,454.00
Aimil Pharmaceutical India Ltd.	1,260,000.00		British Heart Foundaion, UK	1,049,244.00	-	-	1,049,244.00
Airport Authority of India (AAI)	1,460,000.00		BRNS Mumbai	1,543,479.00	99,712.00	-	1,643,191.00
ALKEM Labortories Ltd	672,769.41		Cadila Health Care Ltd.	701,190.00	13,500.00	-	714,690.00
Ambrosia Life Sciences Pvt. Ltd.	324,000.00		Cadila Pharmaceutical Ltd.	678,063.00	94,397.00	-	772,460.00
AnaZeal Analyticals & Research Pvt. Ltd.	217,000.00		Cambridge University	20,000.00	48,559.00	-	68,559.00
AO Spine Asia	190,227.00		CCDC	519,702.00	108,592.00	-	628,294.00
APLAR	873,744.00		Centers for Disease Control and Prevention (CDC), USA	119,850,575.00	7,518,718.00	-	127,369,293.00
Astra Seneca Singapore Pvt Ltd. Singapore	421,459.20		Central Council for Research in Ayurveda & Sidha	965,986.00	-	-	965,986.00
Bharat Serum & Vaccine Ltd.	266,463.00		Central Council for Research in Ayurvedic Science	2,010,273.00	262,360.00	-	2,272,633.00
Bigtec Private Limited	330,000.00		Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH)	1,353,897.00	201,680.00	-	1,555,577.00
Bill & Melinda Gates Foundation, USA	41,030,195.00		Central Council for Research in Unani Medicine	2,576,719.00	299,769.00	-	2,876,488.00
Boehringer Ingelheim India Private Ltd	341,112.00		Centre for Health Research and Innovation (CHRI)	894,939.00	117,703.00	-	1,012,642.00
BRISTOL MYER SQUIBB(BMS), USA	923,811.00		CEO,Azure Software Pvt Ltd.	288,899.00	40,000.00	-	328,899.00
Bristol Myer Squibb India Private Ltd.	537,056.00		Christian Medical College,Vellore	1,690,217.00	135,722.00	-	1,825,939.00
BRNS Mumbai	997,120.00		Christoffel Blindenmission(CBM) India	3,786,951.00	403,292.00	-	4,190,243.00
Cadila Health Care Ltd.	158,615.00		CLINIRx Tangent RESEARCH PVT. LTD. GURGAON	847,199.00	119,754.00	-	966,953.00
Cadila Pharmaceutical Ltd.	495,000.00		Cochlear implant group of india	85,067.00	10,000.00	-	95,067.00
Cambridge University	485,583.00		Cognitive Health Rahabilitation Systems LLP	345,213.00	30,000.00	-	375,213.00
CCDC	1,101,149.00		CONQUER CANCER FOUNDATION	65,135.00	-	-	65,135.00
Centers for Disease Control and Prevention (CDC), USA	161,955,114.00		CSIR	3,667,299.00	33,917.00	-	3,701,216.00
Central Council for Research in Ayurvedic Science(CCRAS)	2,623,600.00		Cuddles Foundation	712,957.00	79,982.00	-	792,939.00
Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH)	2,016,798.00		Dabur India Ltd	481,600.00	43,680.00	-	525,280.00
Central Council for Research in Unani Medicine	3,097,686.00		DEFENSE INSTIT. OF PHY.& ALLIED SCIENCES (DIPAS)	528,726.00	-	-	528,726.00
Centre for Health Research and Innovation (CHRI)	1,247,196.00		Delhi Rheumatology Association	97,038.00	-	-	97,038.00
CEO,Azure Software Pvt Ltd.	200,000.00		Delhi State Control Society/AIIDS	626,043.00	-	-	626,043.00
Christian Medical College,Vellore	1,399,115.00		Department of Health Research	682,332.00	-	-	682,332.00
Christoffel Blindenmission(CBM) India	6,717,530.76		Diagno Searchlifesciences Pvt Ltd.	902,627.00	189,669.00	-	1,092,296.00
CLINIRx Tangent RESEARCH PVT. LTD. GURGAON, HARYANA	1,197,540.00		DNDi Switzerland	5,581,776.00	753,209.00	-	6,334,985.00
Cochlear implant group of india	100,000.00		Donations/Grants	4,412.00	-	-	4,412.00
Cognitive Health Rahabilitation Systems LLP	350,000.00		Dr. Reddys Lab. . Ltd.	497,201.00	-	-	497,201.00
CSIR	4,983,675.00		Duke University Usa	487,537.00	-	-	487,537.00
Cuddles Foundation	799,816.00		Eli Lilly and Company Pvt. Ltd	560,850.00	64,502.00	-	625,352.00
Dabur India Ltd	565,396.00		Excel Life Sciences Pvt Ltd.	189,600.00	-	-	189,600.00
Delhi Rheumatology Association	25,000.00		Earnest Money Deposit	1,716,745.00	-	-	1,716,745.00
Delhi State Control Society/AIIDS	385,125.00		FDC Limited	586,409.00	-	-	586,409.00
Diagno Searchlifesciences Pvt Ltd.	1,888,680.00		Find India	659,450.00	-	-	659,450.00
Directorate of Education (NSS)	213,750.00		GILEAD Sciences, Inc., California	589,857.00	68,524.00	-	658,381.00
DNDi Switzerland	9,012,787.00		Glaxo Smith Kline	213,767.00	-	-	213,767.00

Donations/Grants	4,412.00		Hamilton Health Sciences Corporation, Canada	237,280.00	24,091.00	-	261,371.00
Dr. Reddys Lab. . Ltd.	17,520.00		Hetero Biopharma Limited	611,129.00	145,753.00	-	756,882.00
ECHO, INDIA	870,121.00		Hindustan Latex Ltd.	387,500.00	8,000.00	-	395,500.00
Earnest Money Deposit	2,138,928.00		IADR,U.S.A.	1,114,800.00	-	-	1,114,800.00
Entod Pharmaceuticals Ltd. (India)	506,000.00		IADVL	201,849.00	-	-	201,849.00
Eli Lilly and Company Pvt. Ltd	396,090.00		ICON Clinical Reserach India Pvt. Ltd.	1,757,130.00	143,744.00	-	1,900,874.00
Excel Life Sciences Pvt Ltd.	6,730.00		ICSSR	392,412.00	16,000.00	-	408,412.00
GILEAD Sciences, Inc., California	685,244.00		IIFCL	9,130,027.00	-	-	9,130,027.00
Glenmark Pharmaceuticals Ltd.	135,000.00		INCLEN	82,976.00	8,298.00	-	91,274.00
Hamilton Health Sciences Corporation, Canada	240,907.00		India Medtronic Pvt. Ltd	630,194.00	-	-	630,194.00
Hetero Biopharma Limited	1,369,100.00		Indian Council of Agriculture Research	592,714.00	-	-	592,714.00
Hindustan Latex Ltd.	814,500.00		Indian Institute of Public Health Hyderabad	28,829.00	-	-	28,829.00
ICON Clinical Reserach India Pvt. Ltd.	2,189,775.60		Indo German Science and Technology Centre, Govt of India	102,241.00	224,633.00	-	326,874.00
ICSSR	476,270.00		Indo US Sciences & Technology Forum	379,313.00	500.00	-	379,813.00
INCLEN	82,976.00		Indo-US Science & Technology Forum	154,238.00	104,725.00	-	258,963.00
India Medtronic Pvt. Ltd	161,100.00		Innaccel Tech Pvt Ltd.	18,608.00	-	-	18,608.00
Indo-US Science & Technology Forum	1,048,500.00		INSA	241,970.00	-	-	241,970.00
Indian Association of Dermatology & Venereology Grant	364,875.00		INTAS Pharmaceticals Ltd.	377,532.00	16,574.00	-	394,106.00
INSA	230,000.00		International Atomic Energy Agency	1,347,055.00	195,284.00	-	1,542,339.00
INTAS Pharmaceticals Ltd.	165,735.00		Intramural Research	68,414,594.00	-	-	68,414,594.00
International Atomic Energy Agency	1,953,324.00		Ipca Labortoris	198,361.00	6,160.00	-	204,521.00
I.S.H.T.M.	5,337,470.00		I.S.H.T.M.	4,192,334.00	533,690.00	-	4,726,024.00
Janssen	200,000.00		Janssen	347,742.00	20,000.00	-	367,742.00
JIV Daya Foundation	2,269,031.00		JIV Daya Foundation	2,246,858.00	185,083.00	-	2,431,941.00
KlinEra	903,233.00		Kempegowda Institute of Medical Sciences	131,193.00	-	-	131,193.00
Lady Tata Memorial Trust	900,000.00		KlinEra	2,497,705.00	107,560.00	-	2,605,265.00
Lambda Therapeutic Research Ltd.	351,783.00		Lady Tata Memorial Trust	663,758.00	90,000.00	-	753,758.00
Lebara Foundation	916,667.00		Lambda Therapeutic Research Ltd.	248,443.00	35,180.00	-	283,623.00
LUPIN LIMITED	1,152,800.00		Lebara Foundation	838,991.00	91,666.00	-	930,657.00
Maharishi Ayurveda Products Pvt. Ltd.	684,922.00		Mc Master University Canada	3,495,753.00	397,656.00	-	3,893,409.00
Max Neeman International	65,699.00		Meril Life Sciences Pvt Ltd.	100,000.00	-	-	100,000.00
Mc Master University Canada	3,976,562.65		Micro Labs Limited	488,131.00	23,879.00	-	512,010.00
Meril Life Sciences Pvt Ltd.	118,800.00		Ministry of Comu. and Infor. & Tech.	880,162.00	151,000.00	-	1,031,162.00
Micro Labs Limited	1,268,774.00		Ministry of Environment, Forest & Climate Change	1,616,241.00	269,900.00	-	1,886,141.00
Ministry of Comu. and Infor. & Tech.	1,510,000.00		Ministry of Health And Family Walfare(N.A.C.O)	15,208,142.00	-	-	15,208,142.00
Ministry of Environment, Forest & Climate Change	2,699,000.00		Ministry of Health & Family Welfare	16,253,297.00	513,280.00	-	16,766,577.00
Ministry of Health And Family Walfare(N.A.C.O)	20,880,106.00		Ministry of Health & Family Welfare (Ayush)	159,699.00	-	-	159,699.00
Ministry of Health & Family Welfare	10,901,488.00		Ministry of Health & Family Welfare-DHR	285,509.00	-	-	285,509.00
Ministry of Home Affair	36,843,018.00		Ministry of Home Affair	34,269,546.00	1,842,151.00	-	36,111,697.00
Ministry of Social Justice and Empowerment	39,743,429.00		Ministry of Social Justice and Empowerment	12,229,393.00	3,969,960.00	-	16,199,353.00
Ministry of Health, Govt of Odisha	1,200,000.00		M/S Beckman Coulter Pvt. Ltd.	465,427.00	-	-	465,427.00
Michael J Fox Foundation	3,693,400.00		M/s Gilead Sciences Inc. USA	3,067,399.00	887,927.00	-	3,955,326.00
M/s Gilead Sciences Inc. USA	7,445,861.00		NIE (N-000)	41,340,403.62	-	-	41,340,403.62
MSD ,Pharmaceuticals Pvt. Ltd.	298,383.57		National Cancer Grid Reserch	1,707,560.00	169,964.00	-	1,877,524.00
N-000	122,446,081.62		National Innovation Foundation	875,864.00	-	-	875,864.00
NACO	2,600,183.00		National Institute for Health Research	4,954,058.94	-	-	4,954,058.94
National Cancer Grid Reserch	1,875,279.00		National Institute of Health, USA	49,236,114.94	5,499,272.00	-	54,735,386.94
National Institute for Health Research	1,048,859.00		National Institute of Mental Health, NH USA	633,044.00	11,737.00	-	644,781.00
National Institute of Health, USA	54,360,721.00		National Institute of Social Defence	354,000.00	72,975.00	-	426,975.00
National Institute of Mental Health, NH USA	235,685.00		National Perinatal Epidemioology Unit, University O	68,327.00	-	-	68,327.00
National Institute of Social Defence	729,750.00		NCDC	20,000.00	971,575.00	-	991,575.00
NCDC	42,016.00		Newron Pharmaceuticals S.P.A.	1,065,421.00	122,895.00	-	1,188,316.00
NCDC, MOH&FW	9,675,000.00		Next Gen Pharma India Private Limited	42,000.00	-	-	42,000.00
Newron Pharmaceuticals S.P.A.	1,228,950.00		NIPER,NEW Delhi-110001.	590,225.00	-	-	590,225.00
New India Biopharma Pvt. Ltd.	134,541.00		Niti Aayog	2,337,559.00	259,323.00	-	2,596,882.00
Niti Aayog	2,593,224.00		Nova Nordisk India Pvt. Ltd.	2,534,837.00	473,296.00	-	3,008,133.00
Nova Nordisk India Pvt. Ltd.	2,484,044.00		NOVARTIS	1,513,493.00	196,496.00	-	1,709,989.00
NOVARTIS	2,658,053.43		Novartis Healthcare Pvt Ltd.	945,233.00	26,330.00	-	971,563.00
Novartis India Ltd.	17,040.00		Novartis India Ltd.	45,152.00	-	-	45,152.00
Novartis Pharmaceuticals	194,000.40		Novartis Pharmaceuticals	556,868.00	135,800.00	-	692,668.00
NSRC, Ministry of Health & Family Welfare	2,047,578.00		NSRC, Ministry of Health & Family Welfare	1,963,834.00	47,777.00	-	2,011,611.00
Office of the Principal Scientific Adviser, GOI	1,885,000.00		Office of Science and Technology, Officer of Naval Research Global, US	148,517.00	-	-	148,517.00
Orbis	1,743,549.00		Office of the Principal Scientific Adviser, GOI	15,167,670.00	-	-	15,167,670.00
PAREXEL INTERNATIONAL Clinical Research Pvt Ltd	916,343.35		Oncology Forum	142,322.00	-	-	142,322.00
Parexel International Ltd. (U.K.)	238,025.42		Others	-	-	-	-
Pharmazz india Pvt. Ltd.	48,886.00		PAREXEL INTERNATIONAL Clinical Research Pvt Ltd	716,395.00	82,518.00	-	798,913.00
Phoenix Cardiac	144,650.00		Parexel International Ltd. (U.K.)	634,684.00	23,803.00	-	658,487.00

PHRI, ONTARIO CANADA	2,272,068.35		Pfizer Ltd.	102,606.00	-	-	102,606.00
Physicians Research Foundation Research Grant	281,000.00		Pharmazz india Pvt. Ltd.	315,094.00	29,189.00	-	344,283.00
PPD Pharmaceutical Development India Pvt. Ltd.	196,306.00		PHFI	2,267,758.00	-	-	2,267,758.00
PTC Therapeutics Inc. USA	1,314,636.00		PHRI, ONTARIO CANADA	2,173,624.00	227,206.00	-	2,400,830.00
Raj Gardhiya Liver Unit	74,786.00		Physicians Research Foundation Research Grant	205,027.00	6,500.00	-	211,527.00
REC Power Distribution Company Ltd.	650,000.00		PPD Pharmaceutical Development India Pvt. Ltd.	31,000.00	19,631.00	-	50,631.00
Saksin Lifesciences Pvt. Ltd.	812,057.00		PTC Therapeutics Inc. USA	327,984.00	131,464.00	-	459,448.00
Sanofi-Aventis Recherche & Development, France	450,000.00		Quintile Spectral India	130,319.00	-	-	130,319.00
Sanofi Synthelabo (India) Private Limited	29,552.24		Ranbaxy/Elililly & Company Pvt. Ltd.	16,456.00	-	-	16,456.00
Sanofi	124,200.00		Raptim Research Ltd	334,851.00	-	-	334,851.00
Sciformix Technologies private limited	297,888.00		REC Power Distribution Company Ltd.	1,287,259.00	65,000.00	-	1,352,259.00
SeqIndia Labs Pvt. Ltd.	607,200.00		Sanofi	25,400.00	-	-	25,400.00
Sight Savers	838,695.00		Saksin Lifesciences Pvt. Ltd.	646,453.00	81,206.00	-	727,659.00
Singapore Clinical Research Institute. Singapore	118,009.00		Sanofi Synthelabo (India) Private Limited	482,281.00	221,468.00	-	703,749.00
SIRO CLIN PHARMA PVT. LTD	383,968.00		Sciformix Technologies private limited	180,833.00	29,789.00	-	210,622.00
SPARC	1,299,970.00		SeqIndia Labs Pvt. Ltd.	457,419.00	60,720.00	-	518,139.00
State Health Society, Delhi Govt.	1,602,000.00		Sight Savers	2,232,133.00	141,131.00	-	2,373,264.00
Stempeutics Research Pvt Ltd	49,612.00		Singapore Clinical Research Institute. Singapore	1,085.00	11,692.00	-	12,777.00
Swami Sivananda Memorial Institute	1,000,187.00		Sinopharm India Pvt Ltd	14,326.00	-	-	14,326.00
SWAYAM (Ministry of HRD)	3,564,529.00		State Health Society, Delhi Govt.	1,060,739.00	80,100.00	-	1,140,839.00
Synapsica Technologies Private Limited	685,000.00		Stempeutics Reseach Pvt Ltd	15,000.00	4,962.00	-	19,962.00
Tech Observer India Pvt. Ltd	59,400.00		Swami Sivananda Memorial Institute	1,288,445.00	100,000.00	-	1,388,445.00
The Cancer Foundation	1,000,000.00		SWAYAM (Ministry of HRD)	3,762,080.00	350,000.00	-	4,112,080.00
The Medical Research Council, United Kingdom	1,098,941.00		Tech Observer India Pvt. Ltd	51,217.00	5,940.00	-	57,157.00
THSTI	1,510,977.00		The Cancer Foundation	213,824.00	-	-	213,824.00
Torrent Pharmaceutical Ltd.	1,699,680.00		The Medical Research Council, United Kingdom	890,133.00	-	-	890,133.00
UCLAN, UK	2,064,213.00		THSTI	1,685,167.00	-	-	1,685,167.00
UNICEF	18,666,894.00		Torrent Pharmaceutical Ltd.	1,322,660.00	214,224.00	-	1,536,884.00
Unique Biotech Ltd	300,000.00		UCLAN, UK	1,622,612.00	202,714.00	-	1,825,326.00
Universal Elementary Education Mission, Deptt. of Education	2,880,000.00		U.G.C.	1,197,302.00	-	-	1,197,302.00
Universitair Ziekenhuis Antwerpen (UZA), Belgium	870,623.00		UNICEF	16,541,854.00	279,142.00	-	16,820,996.00
University of Pittsburgh	5,249,048.00		Unique Biotech Ltd	1,217,463.00	30,000.00	-	1,247,463.00
Unnique Biotech Ltd.	1,500,000.00		University of Pittsburgh	2,041,516.00	524,905.00	-	2,566,421.00
USV Private Limited	801,850.00		Unnique Biotech Ltd.	1,026,828.00	150,000.00	-	1,176,828.00
Veeda Clinical Research Pvt Ltd	906,898.00		USV Private Limited	721,394.00	80,185.00	-	801,579.00
Warwick University, UK	2,848,284.00		Veeda Clinical Research Pvt Ltd	283,707.00	87,398.00	-	371,105.00
WHO	13,376,148.22		Venus Remedies Ltd	11,371.00	-	-	11,371.00
National Health System Resource Centre	1,063,125.00	1,661,813,733.22	Walter Bushnell	267,851.00	-	-	267,851.00
			Warwick University, UK	3,175,025.00	282,382.00	-	3,457,407.00
To Recovery of Charges			Wellcome Trust, London, U.K.	331,814.00	-	-	331,814.00
TDS - Contractor	189,060.00		WHO	14,276,336.00	30,973.00	-	14,307,309.00
TDS - Professional	115,873.00		Airport Authority of India (AAI)	25,000.00	73,000.00	-	98,000.00
RTGS Charges	5,360.00	310,293.00	Ambrosia Life Sciences Pvt. Ltd.	59,214.00	32,400.00	-	91,614.00
			APLAR	427,851.00	87,374.00	-	515,225.00
To Interest earned by bank on FDR	7,301,827.00	7,301,827.00	Biogenomics Limited	-	2,700.00	-	2,700.00
			Biotechnology Industry Research Assistance Council	858,661.00	485,040.00	-	1,343,701.00
			Cancer Foundation	-	100,000.00	-	100,000.00
			Covance india pharmaceutical services Pvt. Ltd.	-	28,697.00	-	28,697.00
			Directorate of Education (NSS)	-	21,375.00	-	21,375.00
			Directorate of Family Welfare	-	188,500.00	-	188,500.00
			ECHO, INDIA	116,311.00	87,012.00	-	203,323.00
			Endocrine Sciety of India	-	500.00	-	500.00
			Entod Pharmaceuticals Ltd. (India)	117,000.00	50,600.00	-	167,600.00
			Glenmark Pharmaceuticals Ltd.	-	52,639.00	-	52,639.00
			Health Effects Institute	-	200,234.00	-	200,234.00
			Indian Association of Dermatology and Venereology Researh Grant, 2019	71,037.00	36,488.00	-	107,525.00
			lupin limited	-	115,280.00	-	115,280.00
			Maharishi Ayurveda Products Pvt. Ltd.	284,607.00	68,492.00	-	353,099.00
			Max Neeman International	-	6,570.00	-	6,570.00
			Medical Research Council, United Kingdom	-	109,894.00	-	109,894.00
			Michael J Fox Foundation	355,612.00	369,340.00	-	724,952.00
			Ministry of Health, Govt of Odisha	538,266.00	120,000.00	-	658,266.00
			MSD ,Pharmaceuticals Pvt. Ltd.	201,161.00	29,838.00	-	230,999.00
			NACO	57,620.00	260,018.00	-	317,638.00
			National Health System Resource Centre	865,220.00	172,723.00	-	1,037,943.00
			New India Biopharma Pvt. Ltd.	110,500.00	26,908.00	-	137,408.00
			Nurithm Private Labs	70,000.00	10,000.00	-	80,000.00
			orbis	264,014.00	171,967.00	-	435,981.00

			Phoenix Cardiac	-	14,465.00	-	14,465.00
			Rahe Life Science	-	2,388.00	-	2,388.00
			SIRO CLIN PHARMA PVT. LTD	820,434.00	92,025.00	-	912,459.00
			SPARC	277,692.00	129,997.00	-	407,689.00
			Synapsica Technologies Private Limited	33,627.00	68,500.00	-	102,127.00
			Universal Elementary Education Mission, Deptt. of Education	50,000.00	144,000.00	-	194,000.00
			Universitair Ziekenhuis Antwerpen (UZA), Belgium	-	87,062.00	-	87,062.00
			Vsqare Medi Enterprises	-	6,500.00	-	6,500.00
			Zimmer India Pvt Ltd	-	40,076.00	-	40,076.00
			By Advance payment for custom duty	10,000,000.00	-	-	10,000,000.00
			By Payment for Fixed Deposit	-	-	-	-
			By Payment of Statutory Charges				
			Employees Recoveries	475,275.00	-	-	
			TDS - GST	749,371.00	-	-	
			TDS - Rent	45,100.00	-	-	1,269,746.00
			By Closing Balances				
			DRDO	8,944,682.60	-	-	
			AYUSH	11,681,030.50	-	-	
			DBT	167,429,076.27	-	-	
			DIETY	44,815.50	-	-	
			AIFD001 (BIRAC-BIG GRANT)	1,026,712.00			
			DST	99,525,590.96	-	-	
			ICMR	453,984,736.68	-	-	
			SCHEME CELL:				
			Balance as per Cash Book	287,020,575.90	-	-	
			Balance in Fixed Deposit	207,301,827.00	-	-	1,236,959,047.41
TOTAL		2,833,688,529.27	TOTAL				2,833,688,529.27

Jr. Accounts Officer
Research Section

Accounts Officer
Research Section

Dean (Research)

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

RESEARCH SECTION

STATEMENT SHOWING THE EXPENDITURE OF THE GRANT RECEIVED FOR THE VARIOUS RESEARCH PROJECTS FOR THE YEAR 2019-20

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
A	Defence Research and Development Organization (DRDO)	13,434,235.60	-	3,752,503.00	8,111,374.00	398,945.00	8,676,419.60	-
B	Department of Science and Technology (DST)	82,411,429.00	-	155,286,632.00	152,740,767.04	18,359,690.00	66,597,603.96	-
C	Indian Council of Medical Research (ICMR)	305,158,689.18	-	628,276,947.00	431,449,428.32	40,253,698.00	461,732,509.86	-
D	Department of Biotechnology (DBT)	314,025,292.14	-	180,204,774.00	269,400,924.00	24,448,060.00	200,381,082.14	-
E	Department of Information Technology	3,230,523.00	-	1,581.00	2,934.50	-	3,229,169.50	-
F	Ministry of Ayush	22,867,782.72	-	3,287,733.00	14,586,261.50	476,855.00	11,092,399.22	-
G	AIFD001 (BIRAC Big Grant)	-	-	1,026,712.00	-	-	1,026,712.00	-
H	Others:							
1	Abbot health care pvt Ltd	664,416.00	-	-	-	-	664,416.00	-
2	Abbot Laboratories GmbH	-	(406,716.00)	-	124,714.00	-	-	(531,430.00)
3	Abbot vascular USA	482,902.00	-	-	-	-	482,902.00	-
4	Ace Pharmaceuticals BV NETHERLAND	6,439.00	-	-	-	-	6,439.00	-
5	AIIMS- IIT DELHI Collaborative Project	-	-	-	6,285,947.00	-	-	(6,285,947.00)
6	Aimil Pharmaceutical India Ltd	-	(500,000.00)	1,260,000.00	338,860.00	76,000.00	345,140.00	-
7	Airport Authority of India	-	-	1,460,000.00	25,000.00	73,000.00	1,362,000.00	-
8	Ajinomoto Co JAPAN	67,328.00	-	-	-	-	67,328.00	-
9	Alkem Laboratories Ltd.	-	(174,611.00)	672,769.41	459,007.00	67,278.00	-	(28,126.59)
10	Ambrosia Life Sciences Pvt. Ltd.	-	-	324,000.00	59,214.00	32,400.00	232,386.00	-
11	American Academy of Paediatrics	519,226.00	-	-	-	-	519,226.00	-
12	Amgen Technolgoy Private Limited	1,427,224.00	-	-	-	-	1,427,224.00	-
13	AnaZeal Analyticals & Research Pvt. Ltd.	3,000.00	-	217,000.00	80,989.00	21,700.00	117,311.00	-
14	AO spine india	30,614.00	-	190,227.00	6,720.00	19,023.00	195,098.00	-
15	AO spine international, hongkong	116.00	-	-	-	-	116.00	-
16	AO Trauma Asia Pacific	539,817.00	-	-	52,745.00	-	487,072.00	-
17	APLAR	-	-	873,744.00	427,851.00	87,374.00	358,519.00	-
18	Appasamy Associates, Chennai	21,434.00	-	-	-	-	21,434.00	-
19	Astra Seneca Singapore Pvt Ltd. Singapore	100,002.00	-	421,459.20	-	-	521,461.20	-
20	Atomic Energy Regulatory Board	335,185.00	-	-	-	-	335,185.00	-
21	Auxilium Technical & Management Services Pvt Ltd	400.00	-	-	-	-	400.00	-
22	Avents Pharmaceuticals, USA	14,135.00	-	-	-	-	14,135.00	-
23	AYUSH (Payments made from Scheme Cell)	-	-	-	159,699.00	-	-	(159,699.00)
24	Beijing Toshibi Pharmaceuticals Co Ltd	180,235.00	-	-	-	-	180,235.00	-
25	Bharat Biotech International Ltd	12,241.00	-	-	-	-	12,241.00	-
26	Bharat Serum & Vanccines Ltd.	987,155.00	-	266,463.00	967,665.00	5,922.00	280,031.00	-
27	Bigtec private limited	157,583.00	-	330,000.00	291,188.00	33,000.00	163,395.00	-
28	Bill & Melinda Gates Foundation, USA	12,643.00	-	-	-	-	12,643.00	-
29	Bill & Melinda Gates Foundation, USA	1,293,805.00	-	41,030,195.00	34,801,769.00	703,219.00	6,819,012.00	-
30	Biogen Idec Limited, UK	167,198.00	-	-	-	-	167,198.00	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
31	Biogenomics Limited	-	-	-	-	2,700.00	-	(2,700.00)
32	Biomerieux India (P)Ltd	12,011.00	-	-	-	-	12,011.00	-
33	Biotechnology Industry Research Assistance Council (BIRAC)	-	-	-	858,661.00	485,040.00	-	(1,343,701.00)
34	Boehringer ingelhein India Pvt Ltd	679,163.00	-	341,112.00	827,229.00	34,058.00	158,988.00	-
35	BONE & JOINT DECADE INDIA	130.00	-	-	-	-	130.00	-
36	Brains Gate Ltd ISRAEL	132.00	-	-	-	-	132.00	-
37	Bristol Meyer Squibb India Pvt Ltd	186,996.60	-	537,056.00	1,241,748.00	53,706.00	-	(571,401.40)
38	Bristol Myer Squibb (BMS), USA	1,160,767.00	-	923,811.00	1,282,607.00	92,381.00	709,590.00	-
39	BRITISH COUNCIL, UK	3,277.00	-	-	-	-	3,277.00	-
40	British Heart Foundation, UK	252,175.00	-	-	1,049,244.00	-	-	(797,069.00)
41	BRNS,Mumbai	34,851,907.00	-	997,120.00	1,543,479.00	99,712.00	34,205,836.00	-
42	Cadila Health care ltd	27,062.00	-	158,615.00	701,190.00	13,500.00	-	(529,013.00)
43	Cadila Pharmaceutical Ltd	69,556.00	-	495,000.00	678,063.00	94,397.00	-	(207,904.00)
44	Cambridge University	-	-	485,583.00	20,000.00	48,559.00	417,024.00	-
45	CANNeCTIN, Canada	64,436.00	-	-	-	-	64,436.00	-
46	CCDC	4,511,387.00	-	1,101,149.00	519,702.00	108,592.00	4,984,242.00	-
47	CD Pharma India Pvt Ltd	1,433,515.00	-	-	-	-	1,433,515.00	-
48	Cefipra, French	1,114,046.00	-	-	-	-	1,114,046.00	-
49	Centers for Disease Control and Prevention (CDC), USA	7,381,349.00	-	161,955,114.00	119,850,575.00	7,518,718.00	41,967,170.00	-
50	Centocor Research & Development, USA	4,797.00	-	-	-	-	4,797.00	-
51	Central Council for Research in Ayurveda & Sidha	776,710.00	-	-	965,986.00	-	-	(189,276.00)
52	Central Council for Research in Ayurvedic Science(CCRAS)	2,327,588.00	-	2,623,600.00	2,010,273.00	262,360.00	2,678,555.00	-
53	Central Council for Research in Homoeopathy (CCRH), New Delhi	496,778.00	-	2,016,798.00	1,353,897.00	201,680.00	957,999.00	-
54	Central Council for Research in Unani Medicine	675,802.00	-	3,097,686.00	2,576,719.00	299,769.00	897,000.00	-
55	Central Council for Research in Yoga And Naturopathy	17,652.00	-	-	-	-	17,652.00	-
56	Central Scientific Instruments Organisation	135,557.00	-	-	-	-	135,557.00	-
57	Centre For Chronic Disease Control New Delhi	1,466,054.00	-	-	-	-	1,466,054.00	-
58	Centre For Disease Control, New Delhi	4,003,373.00	-	-	-	-	4,003,373.00	-
59	Centre for Health Research and Innovation (CHRI)	48,957.00	-	1,247,196.00	894,939.00	117,703.00	283,511.00	-
60	Centre Franco-Indien Pour La Preomotion De La Recherche Advance (CEFIPRA), France	82,886.00	-	-	-	-	82,886.00	-
61	CEO,Azure Software Pvt Ltd.	7,749.00	-	200,000.00	288,899.00	40,000.00	-	(121,150.00)
62	Charak Pharma (P)Ltd	1,144.00	-	-	-	-	1,144.00	-
63	Christian Medical collage vellore	875,566.00	-	1,399,115.00	1,690,217.00	135,722.00	448,742.00	-
64	Christoftel Bindenmission (CBM) India	918,704.00	-	6,717,530.76	3,786,951.00	403,292.00	3,445,991.76	-
65	CLINCYTE, USA	665.00	-	-	-	-	665.00	-
66	Clinical Marketing Pvt Ltd	8,372.00	-	-	-	-	8,372.00	-
67	CLINIRx RESEARCH PVT LTD GURGAON, HARYANA	71,079.00	-	1,197,540.00	847,199.00	119,754.00	301,666.00	-
68	Cochlear implant group of india	-	-	100,000.00	85,067.00	10,000.00	4,933.00	-
69	CODMAN & SHURTLEFF, INC, USA	42,138.00	-	-	-	-	42,138.00	-
70	Cognitive Health Rahabilitation Systems LLP	43,978.00	-	350,000.00	345,213.00	30,000.00	18,765.00	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
71	CONARD, USA	591.00	-	-	-	-	591.00	-
72	CONQUER CANCER FOUNDATION	65,127.00	-	-	65,135.00	-	-	(8.00)
73	Convatee Sayibb	2,328.00	-	-	-	-	2,328.00	-
74	CORVENTIS, USA	4,454.00	-	-	-	-	4,454.00	-
75	Covance India Pharma Pvt Ltd.	395,522.00	-	-	-	28,697.00	366,825.00	-
76	CPWW Jersulam	6,534.00	-	-	-	-	6,534.00	-
77	Criterium	16,211.00	-	-	-	-	16,211.00	-
78	CSIR	3,424,434.00	-	4,983,675.00	3,667,299.00	33,917.00	4,706,893.00	-
79	CTC/ICDS	237,738.00	-	-	-	-	237,738.00	-
80	Cuddles Foundation	133,233.00	-	799,816.00	712,957.00	79,982.00	140,110.00	-
81	Curehealth Diagnostic Pvt Ltd	1,731.00	-	-	-	-	1,731.00	-
82	Cystic Fibrosis/World Wide, USA	14,605.00	-	-	-	-	14,605.00	-
83	Dabur India Ltd	-	-	565,396.00	481,600.00	43,680.00	40,116.00	-
84	Dabur Research & devlopment Centre	8,913.00	-	-	-	-	8,913.00	-
85	Dabur Research Foundation	1,095,999.00	-	-	-	-	1,095,999.00	-
86	DANIDA RESEARCH COUNCIL	19.00	-	-	-	-	19.00	-
87	DEFENSE INSTIT. OF PHY.& ALLIED SCIENCES (DIPAS)	332,457.00	-	-	528,726.00	-	-	(196,269.00)
88	Delhi Rheumatology Association	67,500.00	-	25,000.00	97,038.00	-	-	(4,538.00)
89	Delhi State Control Society/AIDS	17,963.00	-	385,125.00	626,043.00	-	-	(222,955.00)
90	DELHI TAPEDIK UNMULAN SAMITI	10,824.00	-	-	-	-	10,824.00	-
91	Department of Health and Human Services Centers for disease control, USA	4,036,384.51	-	-	-	-	4,036,384.51	-
92	Department of Health Research	3,925,672.00	-	-	682,332.00	-	3,243,340.00	-
93	Department of Information & Technology Upto 31st Dec	-	(3,222,572.00)	-	-	-	-	(3,222,572.00)
94	DEPTT OF ELECTRONICS	171.00	-	-	-	-	171.00	-
95	Deptt of Pharmaceuticals	27,904.00	-	-	-	-	27,904.00	-
96	Deptt Of woman & child Development	148,354.00	-	-	-	-	148,354.00	-
97	Diagno Searchlifesciences Pvt Ltd.	663,042.00	-	1,888,680.00	902,627.00	189,669.00	1,459,426.00	-
98	DIGENE CORPORATION, USA	42,184.00	-	-	-	-	42,184.00	-
99	Directorate General of Health Services	-	(57,267.00)	-	-	-	-	(57,267.00)
100	Directorate of Education (NSS)	-	(10,378.00)	213,750.00	-	21,375.00	181,997.00	-
101	DNDi Switzerland	1,516,870.00	-	9,012,787.00	5,581,776.00	753,209.00	4,194,672.00	-
102	Donations/Grants	-	-	4,412.00	4,412.00	-	-	-
103	Dr Reddys Lab Pvt Ltd	313,705.90	-	17,520.00	497,201.00	-	-	(165,975.10)
104	DRDE(Gwallior)	362,354.00	-	-	-	-	362,354.00	-
105	Duke University Usa	641,748.00	-	-	487,537.00	-	154,211.00	-
106	Earnest Money Deposit	1,528,769.90	-	2,138,928.00	1,716,745.00	-	1,950,952.90	-
107	ECHO, INDIA	-	-	870,121.00	116,311.00	87,012.00	666,798.00	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
108	Eli Lilly	-	(87,027.00)	396,090.00	560,850.00	64,502.00	-	(316,289.00)
109	Emcure Pharmacetical Ltd	-	(6,380.00)	-	-	-	-	(6,380.00)
110	EMMES Corporation, Maryland, USA	3,297.00	-	-	-	-	3,297.00	-
111	Endronic Society of India	-	(22,435.00)	-	-	500.00	-	(22,935.00)
112	Entod Pharmaceuticals Ltd. (India)	-	-	506,000.00	117,000.00	50,600.00	338,400.00	-
113	European Commission	1,292,302.00	-	-	-	-	1,292,302.00	-
114	Excel Life Sciences Pvt Ltd.	752,926.00	-	6,730.00	189,600.00	-	570,056.00	-
115	FDC Limited	600,514.00	-	-	586,409.00	-	14,105.00	-
116	Fermish Clinical Technologist Pvt Ltd	263,226.00	-	-	-	-	263,226.00	-
117	Find India	3,853,956.00	-	-	659,450.00	-	3,194,506.00	-
118	Flamentera AG, Switzerland	48,193.00	-	-	-	-	48,193.00	-
119	Fogarty International Centre,NIH, USA	5,807.00	-	-	-	-	5,807.00	-
120	Fondazione Angelo Bianchi Bonomi, Milan- Italy	106,888.00	-	-	-	-	106,888.00	-
121	FREEDOM TRIAL	86,353.00	-	-	-	-	86,353.00	-
122	Fulford India Ltd	96,246.00	-	-	-	-	96,246.00	-
123	Genelife Clinical Research Pvt Ltd.	-	(37,180.00)	-	-	-	-	(37,180.00)
124	GILEAD Sciences, Inc., California	1,610,063.00	-	685,244.00	589,857.00	68,524.00	1,636,926.00	-
125	Glaxo Smith Kline	350,533.00	-	-	213,767.00	-	136,766.00	-
126	GlaxoSmith Kline Asia Private Ltd	3,642.00	-	-	-	-	3,642.00	-
127	Glenmark Pharmaceuticals Ltd.	-	-	135,000.00	-	52,639.00	82,361.00	-
128	Global Cancer Concern India	3,647.00	-	-	-	-	3,647.00	-
129	GW Pharma Ltd UK	9,381.00	-	-	-	-	9,381.00	-
130	Hamilton Health Sciences & MCMaster University, Canada	5,155.00	-	-	237,280.00	24,091.00	-	(256,216.00)
131	Hamilton Health Sciences Corporation, Canada	33,642.00	-	240,907.00	-	-	274,549.00	-
132	Health Effects Institute	-	-	-	-	200,234.00	-	(200,234.00)
133	Hetero Biopharma Limited	413,784.00	-	1,369,100.00	611,129.00	145,753.00	1,026,002.00	-
134	Hindustan Latex Family Planning Promotion	-	(138,013.00)	-	-	-	-	(138,013.00)
135	Hindustan Latex Limited	2,121,884.00	-	814,500.00	387,500.00	8,000.00	2,540,884.00	-
136	Horiba India Pvt Ltd	-	(151,949.00)	-	-	-	-	(151,949.00)
137	IADR,U.S.A.	1,394,877.00	-	-	1,114,800.00	-	280,077.00	-
138	IADVL	305,437.00	-	-	201,849.00	-	103,588.00	-
139	ICCSR	-	(74,861.00)	-	-	-	-	(74,861.00)
140	ICGE&B	12,032.00	-	-	-	-	12,032.00	-
141	ICON Clinical Reserach India Pvt. Ltd.	471,700.00	-	2,189,775.60	1,757,130.00	143,744.00	760,601.60	-
142	ICSSR	-	(79,411.00)	476,270.00	392,412.00	16,000.00	-	(11,553.00)
143	IIFCL	14,822,555.00	-	-	9,130,027.00	-	5,692,528.00	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
144	Imperial Life Sciences(P) Ltd	16,350.00	-	-	-	-	16,350.00	-
145	INCLEN	-	(497,349.00)	82,976.00	82,976.00	8,298.00	-	(505,647.00)
146	INCLEN & USAID	24.00	-	-	-	-	24.00	-
147	India Medtronic Pvt Ltd	1,426,696.00	-	161,100.00	630,194.00	-	957,602.00	-
148	Indian Association of Dermatology & Venereology Grant	-	-	364,875.00	71,037.00	36,488.00	257,350.00	-
149	Indian Council of Agriculture Research	1,290,681.00	-	-	592,714.00	-	697,967.00	-
150	Indian council of Philosophical Research	-	(176,320.00)	-	-	-	-	(176,320.00)
151	Indian Heart Rhythm Society	2,560.00	-	-	-	-	2,560.00	-
152	Indian Institute of public health, Hydrabad	28,876.00	-	-	28,829.00	-	47.00	-
153	Indian Institute of Technology	-	(257,018.00)	-	-	-	-	(257,018.00)
154	Indian Society for bone & Mineral Research	-	(60,000.00)	-	-	-	-	(60,000.00)
155	Indo German Science & Technology centre	103,407.00	-	-	102,241.00	224,633.00	-	(223,467.00)
156	Indo--French Centre for the Promotion of Advanced Research	2,663,583.00	-	-	-	-	2,663,583.00	-
157	Indo-US Science & Technology Forum	295,155.22	-	1,048,500.00	533,551.00	104,725.00	705,379.22	-
158	INMAS (DRDO)	-	(870,046.00)	-	-	-	-	(870,046.00)
159	Innaccel Tech Pvt Ltd.	135,000.00	-	-	18,608.00	-	116,392.00	-
160	INSA	35,304.00	-	230,000.00	241,970.00	-	23,334.00	-
161	INSA	230,000.00	-	-	-	-	230,000.00	-
162	Institute of Genomics & Integrative Biology	766,226.00	-	-	-	-	766,226.00	-
163	Institute Research Grant (IRG)	41,993,488.00	-	-	68,414,594.00	500.00	-	(26,421,606.00)
164	Intas Biopharmaceuticals Ltd.	-	(50,063.00)	-	-	-	-	(50,063.00)
165	Intas pharmaceuticals Ltd.	95,871.00	-	165,735.00	377,532.00	16,574.00	-	(132,500.00)
166	International Union Against Tuberculosis and Lung Diseases	17,975.00	-	-	-	-	17,975.00	-
167	International Atomic Energy Agency	-	(861,128.00)	1,953,324.00	1,347,055.00	195,284.00	-	(450,143.00)
168	International Paedtrics Nephrology Association	43,061.00	-	-	-	-	43,061.00	-
169	International Union Against Cancer (UICC)	95,273.00	-	-	-	-	95,273.00	-
170	International Union Against Tuberculosos and Lung Disease	-	(16.00)	-	-	-	-	(16.00)
171	Invictus Oncology	-	(710,716.00)	-	-	-	-	(710,716.00)
172	Ipca labortoris	-	(751,341.00)	-	198,361.00	6,160.00	-	(955,862.00)
173	ISHTM	401,854.00	-	5,337,470.00	4,192,334.00	533,690.00	1,013,300.00	-
174	Janssen	71,608.00	-	200,000.00	347,742.00	20,000.00	-	(96,134.00)
175	JIV DAYA FOUNDATION	-	(366,435.50)	2,269,031.00	2,246,858.00	185,083.00	-	(529,345.50)
176	JOHN HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL OF PUBLIC HEALTH (JHBSPH)	260,845.00	-	-	-	-	260,845.00	-
177	Johnson & Johnson	-	(81,671.00)	-	-	-	-	(81,671.00)
178	JSS Medical Research India Pvt Ltd.	-	-	-	-	-	-	-
179	Kempegowda Institute of Medical Sciences	131,220.00	-	-	131,193.00	-	27.00	-
180	KHANDELWAL LABORATORIES LTD	55,608.00	-	-	-	-	55,608.00	-
181	KlinEra	1,803,870.00	-	903,233.00	2,497,705.00	107,560.00	101,838.00	-
182	KLPF,USA	-	-	-	-	-	-	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
183	KOBE, JAPAN	10,221.00	-	-	-	-	10,221.00	-
184	Lab India Healthcare	145,054.00	-	-	-	-	145,054.00	-
185	Lady Tata Memorial Trust	632,256.00	-	900,000.00	663,758.00	90,000.00	778,498.00	-
186	Lajolla Pharmaceutical Company, California	487.00	-	-	-	-	487.00	-
187	Lambda Therapeutic Research Ltd	508,120.00	-	351,783.00	248,443.00	35,180.00	576,280.00	-
188	Lebara Foundation	138,210.00	-	916,667.00	838,991.00	91,666.00	124,220.00	-
189	LG Chemicals India Pvt Ltd	-	-	-	-	-	-	-
190	LG Life Sciences India Pvt Ltd	75,186.00	-	-	-	-	75,186.00	-
191	Liver Foundation	155,987.00	-	-	-	-	155,987.00	-
192	London School of Hygiene & Tropical Medicine, UK	146,225.00	-	-	-	-	146,225.00	-
193	Lupin Limited	129,798.00	-	1,152,800.00	-	115,280.00	1,167,318.00	-
194	M/s ARCHIMEDES DEVELOPMENT LTD, UK	47,204.00	-	-	-	-	47,204.00	-
195	M/S ASPREVA PHARMACEUTICAL CORPORATION, CANADA	-	(41,266.00)	-	-	-	-	(41,266.00)
196	M/S Beckman Coulter Pvt. Ltd.	549,372.00	-	-	465,427.00	-	83,945.00	-
197	M/s Gilead Sciences Inc USA	12,109,563.00	-	7,445,861.00	3,067,399.00	887,927.00	15,600,098.00	-
198	M/s janacare solution pvt Ltd	-	(558,290.00)	-	-	-	-	(558,290.00)
199	M/S Markansas Research Division	-	-	-	-	-	-	-
200	M/s Merck Sharp & Dohme Corp, USA	56,728.00	-	-	-	-	56,728.00	-
201	M/s Merck Sharp & Dohme Corporation USA	-	(161,155.00)	-	-	-	-	(161,155.00)
202	Macleods Pharmaceutical Ltd	18.00	-	-	-	-	18.00	-
203	Maharishi Ayurveda Product Pvt Ltd.	-	(6,352.00)	684,922.00	284,607.00	68,492.00	325,471.00	-
204	Max Neeman International	-	-	65,699.00	-	6,570.00	59,129.00	-
205	MBI Kits	8,867.00	-	-	-	-	8,867.00	-
206	McMaster University, Canada	2,317,140.00	-	3,976,562.65	3,495,753.00	397,656.00	2,400,293.65	-
207	Media Lab Asia	-	-	-	-	-	-	-
208	Medpace	-	-	-	-	-	-	-
209	Medtronic India Pvt Ltd	122,167.00	-	-	-	-	122,167.00	-
210	Merck Pharmaceuticals Ltd	-	-	-	-	-	-	-
211	MERCK SERONO INTERNATIONAL SA, SWITZERLAND	217,685.00	-	-	-	-	217,685.00	-
212	Meril life Sciences Pvt Ltd	171,722.00	-	118,800.00	100,000.00	-	190,522.00	-
213	MERK & CO, INC USA	729,223.80	-	-	-	-	729,223.80	-
214	MERK & CO, INC USA	-	(67,291.00)	-	-	-	-	(67,291.00)
215	Metrohm India Ltd	28,657.00	-	-	-	-	28,657.00	-
216	Michael J Fox Foundation	-	-	3,693,400.00	355,612.00	369,340.00	2,968,448.00	-
217	Micro Labs Limited	-	-	1,268,774.00	488,131.00	23,879.00	756,764.00	-
218	Ministry of Chemical and Petrochemicals	-	(14,820.00)	-	-	-	-	(14,820.00)
219	Ministry of Communication and Information & Technology	2,776,381.00	-	1,510,000.00	880,162.00	151,000.00	3,255,219.00	-
220	Ministry of Defence (DRDO)	65,850.00	-	-	-	-	65,850.00	-
221	Ministry of Earth Science	184,977.00	-	-	-	-	184,977.00	-
222	Ministry of Environment, Forest & Climate Change	-	(42,383.00)	2,699,000.00	1,616,241.00	269,900.00	770,476.00	-
223	Ministry of Health And Family Walfare(NACO)	6,292,777.00	-	23,480,289.00	15,265,762.00	-	14,507,304.00	-
224	Ministry of Health and Family Welfare	3,475,966.03	-	10,901,488.00	16,253,297.00	513,280.00	-	(2,389,122.97)

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
225	Ministry of Health, Govt of Odisha	-	-	1,200,000.00	538,266.00	120,000.00	541,734.00	-
226	Ministry Of Home Affair	3,002,028.00	-	36,843,018.00	34,269,546.00	1,842,151.00	3,733,349.00	-
227	Ministry of Health and Family (AYUSH) DHR	-	-	-	285,509.00	-	-	(285,509.00)
228	Ministry of Social Justice and Empowerment	7,944,573.00	-	39,743,429.00	12,229,393.00	3,969,960.00	31,488,649.00	-
229	Ministry of welfare	2,100.00	-	-	-	-	2,100.00	-
230	Morphotek Inc USA	98,823.58	-	-	-	-	98,823.58	-
231	MSD (India) Pvt Ltd	236,463.00	-	298,383.57	201,161.00	29,838.00	303,847.57	-
232	Nag foundation, pune	342,138.00	-	-	-	-	342,138.00	-
233	NAIP	-	(59,810.00)	-	-	-	-	(59,810.00)
234	NAMS	-	(231,005.00)	-	-	-	-	(231,005.00)
235	NATCO Pharma India	110,079.00	-	-	-	-	110,079.00	-
236	National AIDS Control Organisation	-	(317,579.00)	-	-	260,018.00	-	(577,597.00)
237	National Cancer Grid Research	2,465.00	-	1,875,279.00	1,707,560.00	169,964.00	220.00	-
238	National Commission for Protection of Child Rights	889,923.00	-	-	-	-	889,923.00	-
239	National Commission for protection of child Rights	-	(614,244.00)	-	-	-	-	(614,244.00)
240	National disaster management authority	4,020,350.00	-	-	-	-	4,020,350.00	-
241	National Health and Medical Research Council , Australia	532,000.00	-	-	-	-	532,000.00	-
242	National Health System Resource Centre	-	-	1,063,125.00	865,220.00	172,723.00	25,182.00	-
243	National Information Centre	47,745.00	-	-	-	-	47,745.00	-
244	National Innovation Foundation	2,103,396.00	-	-	875,864.00	-	1,227,532.00	-
245	National Institute for Health Research	4,209,092.00	-	1,048,859.00	4,954,058.94	-	303,892.06	-
246	NATIONAL INSTITUTE OF HEALTH, USA	26,180,456.18	-	54,360,721.00	49,236,114.94	5,499,272.00	25,805,790.24	-
247	NATIONAL INSTITUTE OF Mental HEALTH, NIH USA	308,588.00	-	235,685.00	633,044.00	11,737.00	-	(100,508.00)
248	National Institute of Nutrition (NIN) Hyderabad	109.00	-	-	-	-	109.00	-
249	National Institute of pharmaceutical Education & Research	12,439.00	-	-	-	-	12,439.00	-
250	National Institute of Social Defence	-	-	729,750.00	354,000.00	72,975.00	302,775.00	-
251	National Knowledge Commission	331,672.00	-	-	-	-	331,672.00	-
252	National Perinatal Epidemiology Unit, University of Oxford, UK	444,629.55	-	-	68,327.00	-	376,302.55	-
253	NCBIR	79,837.00	-	-	-	-	79,837.00	-
254	NCDC	-	-	42,016.00	20,000.00	4,075.00	17,941.00	-
255	NCDC, MOH&FW	-	-	9,675,000.00	-	967,500.00	8,707,500.00	-
256	NCPvt Ltd	37,117.00	-	-	-	-	37,117.00	-
257	NCT	33,584.00	-	-	-	-	33,584.00	-
258	Neeman Medical International Asia Ltd	237,385.00	-	-	-	-	237,385.00	-
259	New India Biopharma Pvt. Ltd.	-	-	134,541.00	110,500.00	26,908.00	-	(2,867.00)
260	Newcastle University, UK	-	-	-	-	-	-	-
261	Newron Pharmaceuticals S.P.A.	61,441.00	-	1,228,950.00	1,065,421.00	122,895.00	102,075.00	-
262	Next Gen Invitro Diagnostics Pvt Ltd.	19,589.00	-	-	-	-	19,589.00	-
263	Next Gen Pharma India Pvt. Ltd	295,489.00	-	-	42,000.00	-	253,489.00	-
264	NIE (Others)	248,079,024.09	-	130,058,201.71	42,610,149.62	-	335,527,076.18	-
265	NIE (Advance Payment for Custom Duty)	-	-	-	10,000,000.00	-	-	(10,000,000.00)

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
266	NIPER, New Delhi 110001	5,993,650.00	-	-	590,225.00	-	5,403,425.00	-
267	Niti Aayog	-	-	2,593,224.00	2,337,559.00	259,323.00	-	(3,658.00)
268	Nova Nordisk India Pvt Ltd	3,650,560.00	-	2,484,044.00	2,534,837.00	473,296.00	3,126,471.00	-
269	NovaBay Pharmceuticals	54,353.69	-	194,000.40	-	-	248,354.09	-
270	Novartis	488,416.25	-	2,658,053.34	1,513,493.00	196,496.00	1,436,480.59	-
271	Novartis Healt Care Pvt Ltd	953,595.25	-	-	945,233.00	26,330.00	-	(17,967.75)
272	Novartis India Ltd	40,841.22	-	17,040.00	45,152.00	-	12,729.22	-
273	Novartis Pharmaceuticals	-	-	-	556,868.00	135,800.00	-	(692,668.00)
274	NRDC	29,510.00	-	-	-	-	29,510.00	-
275	NSD (Security Deposit)	2,973,194.00	-	-	-	-	2,973,194.00	-
276	NSRC, Ministry of Health & Family Welfare	955,345.00	-	2,047,578.00	1,963,834.00	47,777.00	991,312.00	-
277	Nurithm Private Labs	-	-	-	70,000.00	10,000.00	-	(80,000.00)
278	Office of Science & Technology officer of naval research golbal, USA	200,398.00	-	-	148,517.00	-	51,881.00	-
279	Office of the Principal Scientific Adviser, GOI	20,219,607.00	-	1,885,000.00	15,167,670.00	188,500.00	6,748,437.00	-
280	Oncology Forum	135,000.00	-	-	142,322.00	-	-	(7,322.00)
281	Outside Recovery	-	(706,346.00)	-	-	-	-	(706,346.00)
282	Orbis	-	-	1,743,549.00	264,014.00	171,967.00	1,307,568.00	-
283	Ovation Pharmaceuticals, USA	37,222.00	-	-	-	-	37,222.00	-
284	Ovrseas associates	190.00	-	-	-	-	190.00	-
285	Oxford University, UK	-	(121,244.75)	-	-	-	-	(121,244.75)
286	Others	-	-	(0.00)	-		-	(0.00)
287	OXiGENE, USA	215,126.84	-	-	-		215,126.84	-
288	Ozone pharmaceuticals ltd	239.00	-	-	-	-	239.00	-
289	Panacea biotech Ltd	8,084.00	-	-	-	-	8,084.00	-
290	Parexcel International Clinical Research Pvt. Ltd	1,553,703.00	-	916,343.35	716,395.00	82,518.00	1,671,133.35	-
291	PAREXEL INTERNATIONAL LTD, UK	2,222,704.27	-	238,025.42	634,684.00	23,803.00	1,802,242.69	-
292	Path/One world Health	-	(130,278.00)	-	-	-	-	(130,278.00)
293	Peregrine Pharmaceuticals, USA	-	(26,577.00)	-	-	-	-	(26,577.00)
294	Pfizer Ltd	52,020.00	-	-	102,606.00	-	-	(50,586.00)
295	Pharmacia India Pvt Ltd	-	-	-	-	-	-	-
296	Pharmacosmos A/S, Denmark	-	-	-	-	-	-	-
297	Pharmazz india Pvt. Ltd.	322,261.00	-	48,886.00	315,094.00	29,189.00	26,864.00	-
298	PHARM-OLAM INTERNATIONAL, LTD	16,923.00	-	-	-	-	16,923.00	-
299	PHFI	2,762,050.00	-	-	2,267,758.00	-	494,292.00	-
300	Phonenix Cardic	7,761.00	-	144,650.00	-	14,465.00	137,946.00	-
301	PHRI, ONTARIO CANADA	4,118,644.00	-	2,272,068.35	2,173,624.00	227,206.00	3,989,882.35	-
302	Physicians Research Foundation Research Grant	-	-	281,000.00	205,027.00	6,500.00	69,473.00	-
303	Piramal Healthcare Ltd	210,987.00	-	-	-	-	210,987.00	-
304	Piramal Life Sciences	36,211.00	-	-	-	-	36,211.00	-
305	PPD Pharmaceutical Development India Pvt Ltd	-	(167,881.72)	196,306.00	31,000.00	19,631.00	-	(22,206.72)
306	PTC Therapeutics Inc. USA	-	-	1,314,636.00	327,984.00	131,464.00	855,188.00	-
307	QED PHARMACEUTICAL SERVICES PVT LTD	577,043.00	-	-	-	-	577,043.00	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
308	Qiagen IncIndia	3,709.00	-	-	-	-	3,709.00	-
309	Quintiles Spectral India	3,046,971.56	-	-	130,319.00	-	2,916,652.56	-
310	Rahe Life Science	-	-	-	-	2,388.00	-	(2,388.00)
311	Raj Gardhiya Liver Unit	-	(66,157.00)	74,786.00	-	-	8,629.00	-
312	Rajiv Gandhi Cancer Institute and Research Centre	54.00	-	-	-	-	54.00	-
313	Ranbaxy /Elililly & company pvt Ltd	1,816,383.00	-	-	16,456.00	-	1,799,927.00	-
314	Raptim Research Ltd	142,784.00	-	-	334,851.00	-	-	(192,067.00)
315	REC Power distribution company Ltd.	1,646,973.00	-	650,000.00	1,287,259.00	65,000.00	944,714.00	-
316	Reliance Clinical Research Services (P) Ltd	-	-	-	-	-	-	-
317	Reliance Clinical Research Services (P) Ltd	566,593.50	-	-	-	-	566,593.50	-
318	Relisys Medical Devices Ltd	-	(3,433.00)	-	-	-	-	(3,433.00)
319	Revolving Funds for Drugs / SNMC	195,710.00	-	-	-	-	195,710.00	-
320	ROCHE Products(India) Pvt Ltd	168,443.00	-	-	-	-	168,443.00	-
321	Russan Pharma Ltd Mumbai	433,750.00	-	-	-	-	433,750.00	-
322	Saksin Lifesciences Pvt. Ltd.	-	(80,464.00)	812,057.00	646,453.00	81,206.00	3,934.00	-
323	Sanat Product Ltd	-	(77,996.00)	-	-	-	-	(77,996.00)
324	SANOFI	35,743.00	-	124,200.00	25,400.00	-	134,543.00	-
325	Sanofi Pasteur India Pvt Ltd	123,346.00	-	-	-	-	123,346.00	-
326	Sanofi Synthelabo (India) Private Limited	100,778.00	-	479,552.24	482,281.00	221,468.00	-	(123,418.76)
327	Sarabhai Chemicals	-	(4,868.00)	-	-	-	-	(4,868.00)
328	Saveer Biotech Limited	223,123.00	-	-	-	-	223,123.00	-
329	SAVING NEWBORN LIVES, USA	-	(10,898.00)	-	-	-	-	(10,898.00)
330	SCA Global hygien products india pvt Ltd	59,214.00	-	-	-	-	59,214.00	-
331	Sciformix Technologies private limited	-	-	297,888.00	180,833.00	29,789.00	87,266.00	-
332	SeqIndia Labs Pvt. Ltd.	284,049.00	-	607,200.00	457,419.00	60,720.00	373,110.00	-
333	SERICARE	-	(182,191.00)	-	-	-	-	(182,191.00)
334	Shanta Biotechics Pvt Ltd	89,952.00	-	-	-	-	89,952.00	-
335	Shire Human Genetic Therapies, Inc, USA	1,114,905.40	-	-	-	-	1,114,905.40	-
336	Siemens Ltd	208,797.00	-	-	-	-	208,797.00	-
337	Sight savers	-	(127,782.00)	838,695.00	2,232,133.00	141,131.00	-	(1,662,351.00)
338	Singapore Clinical Research Institute, Singapore	-	(81,335.00)	118,009.00	1,085.00	11,692.00	23,897.00	-
339	Sinopharm India Pvt Ltd	-	(17,964.00)	-	14,326.00	-	-	(32,290.00)
340	SIRO CLIN PHARMA PVT LTD	-	(35,171.00)	383,968.00	820,434.00	92,025.00	-	(563,662.00)
341	SMB Corporation of India	-	(166,623.00)	-	-	-	-	(166,623.00)
342	Smith & Nephew Health care pvt lt	5,443.00	-	-	-	-	5,443.00	-
343	Society of American Gastrointestinal and Endoscopic Surgeons	7,001.00	-	-	-	-	7,001.00	-
344	Solumiks Herbaceuticals Limited	13.00	-	-	-	-	13.00	-
345	Solvey Pharma Ltd	13,465.00	-	-	-	-	13,465.00	-
346	SPARC	-	-	1,299,970.00	277,692.00	129,997.00	892,281.00	-
347	St Jude Medical Hong Kong	-	(5,014.00)	-	-	-	-	(5,014.00)
348	ST Jude Medical India Pvt Ltd	-	(44,021.00)	-	-	-	-	(44,021.00)
349	State Health Society, Delhi Govt.	-	-	1,602,000.00	1,060,739.00	80,100.00	461,161.00	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
350	Stempeutics Reseach Pvt Ltd	96,334.00	-	49,612.00	15,000.00	4,962.00	125,984.00	-
351	Sterling Synergy System (P) Ltd	58,580.00	-	-	-	-	58,580.00	-
352	Stryker Global Technology Center Pvt Ltd.	-	(6,816.00)	-	-	-	-	(6,816.00)
353	Sun Pharmaceuticals	3,384.00	-	-	-	-	3,384.00	-
354	Swami Sivananda Memoral Institute	552,398.00	-	1,000,187.00	1,288,445.00	100,000.00	164,140.00	-
355	SWAYAM (Ministry of HRD)	590,509.00	-	3,564,529.00	3,762,080.00	350,000.00	42,958.00	-
356	Syenergy Environics Ltd.	-	(118,329.00)	-	-	-	-	(118,329.00)
357	Synapsica Technologies Private Limited	-	-	685,000.00	33,627.00	68,500.00	582,873.00	-
358	Synergy Network India Pvt Ltd,	-	(27,061.00)	-	-	-	-	(27,061.00)
359	Tech Observer India Pvt. Ltd	1,498.00	-	59,400.00	51,217.00	5,940.00	3,741.00	-
360	Texas A&M Research Foundation (TAMRF) USA	16,237.00	-	-	-	-	16,237.00	-
361	The Cancer Foundation	294,113.00	-	1,000,000.00	213,824.00	100,000.00	980,289.00	-
362	The Energey and Resources Institute	7,775.00	-	-	-	-	7,775.00	-
363	The George Institute for International Health, Australia	228,458.32	-	-	-	-	228,458.32	-
364	The Indian Ashthma Care Society	90,845.00	-	-	-	-	90,845.00	-
365	The International Society for Paediatric Neurosurgery (ISPNE)	408.00	-	-	-	-	408.00	-
366	The Media Lab Asia	77,500.00	-	-	-	-	77,500.00	-
367	The Medical Research Council, UK	725,090.00	-	1,098,941.00	890,133.00	109,894.00	824,004.00	-
368	THE MICRONUTRIENT INITIATIVE, ASIA	-	-	-	-	-	-	-
369	The Service de Dermatologie, France	-	(8,445.00)	-	-	-	-	(8,445.00)
370	The University of Albama, USA	5,163.00	-	-	-	-	5,163.00	-
371	The University of Edingburgh and NHS Lothian	-	(71,269.00)	-	-	-	-	(71,269.00)
372	THRESHOLD PHARMACEUTICALS, USA	-	-	-	-	-	-	-
373	THSTI	-	(115,130.00)	1,510,977.00	1,685,167.00	-	-	(289,320.00)
374	Torrent Pharmaceutical Ltd	1,060,807.00	-	1,699,680.00	1,322,660.00	214,224.00	1,223,603.00	-
375	Troikaa Pharmaceutical Ltd	108,951.00	-	-	-	-	108,951.00	-
376	UCLAN, UK	1,380,280.00	-	2,064,213.00	1,622,612.00	202,714.00	1,619,167.00	-
377	UGC	-	(1,875,215.00)	-	1,197,302.00	-	-	(3,072,517.00)
378	UN International Drug and crime Control Programme	53,106.00	-	-	-	-	53,106.00	-
379	UNICEF	1,624,225.00	-	18,666,894.00	16,541,854.00	279,142.00	3,470,123.00	-
380	Unique Biotech Ltd	485,388.00	-	300,000.00	1,217,463.00	30,000.00	-	(462,075.00)
381	Universal Elementary Education Mission, Deptt. of Education	-	-	2,880,000.00	50,000.00	144,000.00	2,686,000.00	-
382	Universitair Ziekenhuis Antwerpen (UZA), Belgium	137,577.00	-	870,623.00	-	87,062.00	921,138.00	-
383	University of Bergan, Norway	369,583.00	-	-	-	-	369,583.00	-
384	UNIVERSITY OF CALGARY, CANADA	57,187.00	-	-	-	-	57,187.00	-
385	University of Maryland	90,282.00	-	-	-	-	90,282.00	-
386	University of Nottingham, UK	1,974.00	-	-	-	-	1,974.00	-
387	University of Pittsburgh	14,283,068.00	-	5,249,048.00	2,041,516.00	524,905.00	16,965,695.00	-
388	University of Warwick UK	275,673.00	-	2,848,284.00	3,175,025.00	282,382.00	-	(333,450.00)
389	UNM HSC	4,687.00	-	-	-	-	4,687.00	-
390	Unnique Biotech Ltd.	1,025,705.00	-	1,500,000.00	1,026,828.00	150,000.00	1,348,877.00	-

S.No.	Funding Agency	Opening Balance		Reciept	Payments		Closing Balance	
		Credit	Debit		Other Expenses	Estb. Expenses	Credit	Debit
391	US Science & Technology Forum, USA	399,323.00	-	-	-	-	399,323.00	-
392	USV Private Limited	-	-	801,850.00	721,394.00	80,185.00	271.00	-
393	Veeda Clinical Research Pvt Ltd	600,641.00	-	906,898.00	283,707.00	87,398.00	1,136,434.00	-
394	Veloce Biopharma LLC	143,028.00	-	-	-	-	143,028.00	-
395	Venus Remdies Ltd	14,330.00	-	-	11,371.00	-	2,959.00	-
396	Vsqare Medi Enterprises	-	-	-	-	6,500.00	-	(6,500.00)
397	Vulimini Ramalingaswami Foundation	162,000.00	-	-	-	-	162,000.00	-
398	Vyome Bioscience pvt Ltd	10,548.00	-	-	-	-	10,548.00	-
399	Walter Bushnell	845,286.00	-	-	267,851.00	-	577,435.00	-
400	Welcome Trust London, UK	145,869.25	-	-	331,814.00	-	-	(185,944.75)
401	WFPICCS	18,049.33	-	-	-	-	18,049.33	-
402	WHO	19,982,345.12	-	13,376,148.22	14,276,336.00	30,973.00	19,051,184.34	-
403	Wockhardt, Mumbai	1,176,899.00	-	-	-	-	1,176,899.00	-
404	Wyeth Pharmaceuticals Inc	225,950.00	-	-	-	-	225,950.00	-
405	Zenotech	32,037.00	-	-	-	-	32,037.00	-
406	Zimmer India Pvt Ltd	81,593.00	-	-	-	40,076.00	41,517.00	-
407	Zuventus	146,250.00	-	-	-	-	146,250.00	-
408	Credit In Scheme Fund Account instead of AYUSH Account	2,518,897.00	-	-	-	-	2,518,897.00	-
409	Ministry of Health And Family Walfare(N.A.C.O)	15,078.00	-	-	-	-	15,078.00	-
410	NOVARTIS	160,290.65	-	-	-	-	160,290.65	-
411	Veeda Clinical reserach Pvt. Ltd.	201,947.00	-	-	-	-	201,947.00	-
412	Micro Labs Limited	350,982.00	-	-	-	-	350,982.00	-
413	India Medtronic Pvt. Ltd	161,000.00	-	-	-	-	161,000.00	-
414	Meril Life Sciences Pvt Ltd.	118,800.00	-	-	-	-	118,800.00	-
	TOTAL	1,351,679,571.65	(16,043,607.97)	1,669,425,853.22	1,475,901,727.86	120,827,754.00	1,480,320,787.33	(71,988,452.29)

Jr. Accounts Officer
Research Section

Accounts Officer
Research Section

Dean
Research Section

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा-परीक्षा रिपोर्ट।

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2), के साथ पठित अ.भा.आ.सं. अधिनियम, 1956 की धारा 18 (2) के तहत 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.), नई दिल्ली** के संलग्न तुलन पत्र तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति और भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स प्रबंधन का उत्तरदायित्व हैं। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपना मत प्रकट करना है। हालांकि, हम निम्नलिखित को विचार में रखते हुए, **31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर अपना मत बनाने में सक्षम नहीं हैं:**

1. आई.सी.ए.आई. के ए.एस-6 के तहत आवश्यक रु.5461.68 करोड़ की स्थिर परिसंपत्तियों अर्थात् मशीनरी एवं उपकरण, वाहनों, भवनों, कंप्यूटरों / सहायक उपकरणों एवं पुस्तकालय की पुस्तकों आदि पर एम्स द्वारा कोई मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया गया है। इसके अभाव में लेखा परीक्षा स्थिर परिसंपत्तियों के वास्तविक मूल्य एवं लेखों पर इसके प्रभाव को प्रमाणित करने में असमर्थ है। यह मामला वर्ष 2015-16 से हमारी टिप्पणियों में दर्शाया गया है, तथापि, एम्स द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है और अभी तक स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया गया है। स्थिर परिसम्पत्तियों के वास्तविक मूल्य के अभाव में हम स्थिर परिसंपत्तियों की सटीकता पर अपना विचार बनाने में असमर्थ हैं।
2. एम्स (मुख्य) सहित कुल ग्यारह केंद्र हैं जो पृथक लेखों का अनुरक्षण कर रहे हैं। तथापि, एम्स द्वारा सभी केंद्रों के लेखों को इकट्ठा करके समेकित लेखों को तैयार नहीं किया गया है। इस मामले पर वर्ष 2016-17 से टिप्पणी की जा रही है, तथापि, एम्स द्वारा कोई सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए, लेखों की एक पूर्ण संरचना नहीं बनाई जा सकती है।
3. "एम्स दिल्ली आरोग्य कोष" के लेखों को एम्स (मुख्य) के वार्षिक लेखों में समेकित नहीं किया गया है। इसकी बजाए, इस लेखा के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को तुलन-पत्र में आंकड़ों को सम्मिलित किए बगैर संलग्न किया गया है। इस प्रकार, इस लेखा को सम्मिलित न करने के परिणामस्वरूप देयताओं के साथ-साथ वर्तमान परिसंपत्तियों में 0.47 करोड़ तक की कमी हुई है।
4. "राष्ट्रीय रोग सहायता निधि (एन.आई.ए.एफ.)" के लेखों को एम्स मुख्य के वार्षिक लेखों में समेकित नहीं किया गया है। इसकी बजाए इस लेखा के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को तुलन पत्र में आंकड़ों को सम्मिलित किए बगैर संलग्न कर दिया गया है। इस प्रकार इस लेखा को सम्मिलित नहीं करने के परिणामस्वरूप देयताओं में रु.46.43 करोड़ तक की, आय में रु.2.42 करोड़ एवं वर्तमान परिसंपत्तियों में रु.48.85 करोड़ तक की कमी हुई है। ऐसे ही निर्धन रोगी निधि, ट्रामा

केंद्र के लेखा को एम्स जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा केंद्र के वार्षिक लेखों में सम्मिलिति नहीं किया गया है।

5. रु.14.00 करोड़ की राशि को एन.पी.एस. सावधि जमा के रूप में दर्शाया गया है, परंतु भौतिक सत्यापन के दौरान यह सत्यापित हुआ कि केवल रु.7.00 करोड़ की सावधि जमा ही विद्यमान थी। इस अंतर के कारणों की जांच करके इसमें सुधार किया जाए।
6. अनुसूची 8- एम्स (मुख्य) एवं एम्स के अन्य केंद्रों के वार्षिक लेखों की 'नियत परिसंपत्तियों' का मूल्य 31 मार्च 2020 तक 5461.68 करोड़ रुपए दर्शाया गया है। हालांकि, सामान्य वित्तीय नियमावली 2017 के तहत फार्म जी.एफ.आर.-22 में रखने के लिए अपेक्षित परिसंपत्ति रजिस्टर एम्स द्वारा अनुरक्षित नहीं किया गया।
7. नई पेंशन योजना (एन.पी.एस.) के लेखा में रु. 27.83 करोड़ की राशि को देयता के रूप में दर्शाया गया है। हालांकि रु.14 करोड़ की एक गलत प्रविष्टि भी इसमें जोड़ी गयी है जिसके परिणामस्वरूप देयताओं में रु.14 करोड़ की अधिकता दर्शित हुई। इसके अतिरिक्त, पिछले वर्ष के एस.ए.आर. में दर्शायी गई रु.2 करोड़ की अधिकता को भी सही नहीं किया गया। इसलिए एन.पी.एस. के लेखा में देयताओं की अधिकता रु.16 करोड़ तक दर्शित है।
8. रु.32.37 करोड़ की राशि को अनुसूची-16 (रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय) में अन्य (निर्दिष्ट करें) एन.पी.एस. के रूप में दर्शाया गया है। इसमें 29.00 करोड़ रु. की राशि सम्मिलित है जो एन.पी.एस. से संबंधित एफ.डी.आर. की परिपक्वता के कारण प्राप्त हुई थी। चूंकि एफ.डी.आर. से परिपक्व हुई राशि आय नहीं है तो इस राशि को आय के रूप में मानने से आय की अधिकता एवं देयताओं की अधिकता रु.29.00 करोड़ तक हो गई।
9. मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान को एम्स द्वारा ब्याज अर्जित करने के लिए अल्पावधि एफ.डी.आर. के रूप में निवेश किया जा रहा है। वर्ष 2019-20 के दौरान, एम्स द्वारा एफ.डी.आर. में निवेश करने के कारण रु.10.90 करोड़, ब्याज के रूप में प्राप्त किए गए। तथापि, इस राशि को मंत्रालय को वापसी के रूप में नहीं दर्शाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप उक्त राशि की आय में अधिकता एवं देयताओं में कमी हो गई।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, के लिए एवं उनकी ओर से

प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा
(स्वास्थ्य कल्याण एवं ग्रामीण विकास)
नई दिल्ली

दिनांक : 04.12.2020

अखिल-भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

ALL-INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्